

بموخوق محق الشرمحفوظ مين

| - معادة دارين | نام كتاب |
|---|--------------------------|
| - علامريوسعن بن اساعيل بهاني رحمة الترطير | مصنّف |
| - علام مفتى محترعبدالقيوم خان مساحب | مترجم |
| - محدانوارالات لم رضوى | نظرتانی - |
| _ مخيشكر پرنظرند لابور | مطبع |
| - 1994 - INK | سيطبا |
| ساراقل | اثباعت |
| _ ایک بزار | تعــلد |
| روپے | تيمت |
| 24444 | فون نمبر كمتنه جامدىيه ج |

فهرست

| صفحتمبر | تام معناين |
|---------|---|
| 44 | تريين وال درود شركيت |
| YA | چون داک در و مشرکیف |
| 49 | بهجیدن دان در ودشرایت |
| 44 | مجينيات وال در ور مشرليف |
| 41 | ستاوان وال درودشرلف اسيدى محمد بن عراق قدس سروكا) |
| 4. | المفاون وال در وشرايف |
| " | انسطير دان در ووشركيت |
| 41 | ساعفوان وال ورود شرلف وخيرالدين بن ظبيريك |
| 44 | السخهوال ورود تربيف دسيدى ابوالحسن البكرىكا) |
| 44 | باستمعوال ورُووشرلفي ديهم انهى كاستمعوال ورُووشرلفي ديهم انهى كاستع |
| 40 | تركيستعوال درود شريف (الصلاة الوسطى يختخ اكبرمحى الدين ابن العربي) |
| 9. | چونسٹھوال در ورشریف ڈانتیر (بریمی انہی کا ہے) |
| 91 | بينسمعوال ومود شرلي (ملؤة السر) برعى انبى كاسب |
| 94 | چھیاسٹھوال درُود شرلیت دیمی آنی کا ہے ، |
| 90 | مسطوستهموال وتدود ورني (دردد ومسل) |
| 90 | الاسطيحوال وتعوشريف |
| 91 | مسيداحدالرفاعى قدس يرسرة كوبيدارى بس ديدار مصطفط |
| | |

| 40 | - | | مضام المماد |
|--------|-------------------|-----------------------|---|
| 99 | | 1 1 | وينطح احمد فن سلمان اورديدار مصفق |
| J•• | 180 | غدبن الوالحن البكري | سشخ احمد بن سلمان اور دیدار مصطفه انهتروال درود شرلیف (سیندی مح انهتروال درود شرلیف (سیندی مح |
| 1.4 | | 4 | ستروال در ووشرلیف |
| 116 | بک | حدالصياغ الاسكند | اكبتروال درود شركيف استندى |
| 111 | بكرى كا) | رين العابدين بن محداً | بهتروال درود فنرليف استيدى محمد |
| 114 | | " | تهتروال درود شركيف |
| 119 | (8 | لمی بن احمد انصاری | جومة وال درود خرافي اسيدى |
| ITT | | سلمخلوتي كاى | بجية وال درود مشركف اسبيدى الو |
| 144 -4 | ونام سيهجا نےجاتے | ذكاب جج غوث التذر | جهم تنروال در ود شركف استيدى مح |
| 149 | (865 | اس احدین مُوسیٰ المس | سنتروال درود شرليب دسيتدالوالع |
| INL | | " | المحمة وال وروشرليف |
| ויקו | | " | اً ناسی وال درُود شرلین |
| 100 | | | أستى وال در و وشرليب |
| 101 | | | اكياسى وال دركة وتشريف |
| 14- | | | بياسى وال درود شرلي |
| 141 | 4 | | تزاسى وال درُود شرلین |
| " | | | چوراسی وال درود شرلیف |
| 147 | | | بيجياسى وال درُود شرلفِ |
| 144 | | | جيمياسي وال وكدو فشرليف |
| 140 | | | ستاسى وال در ووشرليف. |
| " | | | الفاس وال درود شرلین |
| | | 3. | |
| | | | |

| | i · |
|-----|---|
| 140 | نواسی وال در و وشرلیف |
| 144 | فتے واں در ودشرلیف اابن ابی محلیکا ، پیطاعون سے بیجنے کے بیے مفید |
| INA | ليانوال دمود شرلف دسيدى سفيخ خالدلقت بندى رضى التدعنه كا |
| 149 | إنوال درُود شركيف |
| " | زانوال در ووشرلیت |
| 14. | ورانوال در ودشرلیت |
| 141 | بحا توال درُو وشرليف |
| 140 | بعيانوال وتعوشرنيف (سيدى زين الدين عمر بن بيسرس الخالدى) |
| INT | ستانوال درود شرلف د الى الموابه بالشاذلي كاب |
| MAY | كفانوال درود شرليف وسفيخ مدرالدين القونوى كا) |
| 144 | تنانوال در ورشرلیف |
| 191 | سووال درُود شربب |
| 190 | درود شرلف تميرا يكسوا بلداستيدى النيخ يجى الرملى القا درى كا) |
| 714 | ایک سود و سرا در ورشریست (حاجست برآدری اورغم دورکرنے سے لیے) |
| 414 | ايك سوتمسرا درُود شريف |
| YIA | اید. بوج مقادر ووراد کھ در دورارے کے بے |
| " | أبكس سوبالبجوال دركود شرليف (سيستح محمد بن را فعي كا) |
| 419 | ايك موجهط ادروو شركف استيدى متصطفظ البكريكا |
| YTT | ا يك سوساتوان در ودخرليف |
| 274 | ايلب مواً مخوال ورويشرلف اينهاب احدين مصطفى الاسكندري كا |
| | اند سونووان درورشه وسترز مصطفین به بری |

| 444 | ايك الودموال درودشرليف رتقى الدين عنبلى كا |
|-------|--|
| " | ايك السوكيار موان ورود شركف الم |
| 444 | ایک موبار بروال درود شرلف اسبدی الوالعباس نجانی کا) |
| 240 | ا كيب سوننر بهوال در و در شركيف |
| " | ا يك سوچود مروال ورود شركف |
| 444 | ايكسوبندد وال درود شركين |
| 449 | ا يكسهوسولهوال درودنشرليث (سيتدى محمدعثمان مبرغنی کا) |
| 444 | ا بكس سوستر بوال درُود شرلف باتوننيه (ستيرى سينيخ محمدالفاسى شاذلى كا) |
| ror | ايكسهوا كمضاربهوال وتودشرليب دستبدى عبدالتذبن عمريا علوى كا) |
| YON | ابكسسوا ببسوال ورودشرليف استيدى يضخصن الجعلاده الغزنى كا) |
| 400 | ا نیسب و جیبوال در و در شرلین |
| 404 | ا بكسه مواكبسوال وتقود شرليت |
| 404 | ابكسسوبا بيسوال ورُودشرلين |
| Y4- | ايك موتينسوال درُودشرلين. |
| Y41 (| ابك وحج ببيوال وروو فراليف اسبدى يضح عبدالطبف بن موسى بن عجيل مين |
| TAP | ا بكسه ويجيبيوال ورّد و شرليت (سننخ محدعقيله) |
| 4.4 | الكريد سوتيجبيسوال ورُود شريف دمحدبن على مخلى شامدح قفيده نامير للسبكي كا) |
| 4.6 | كالماء وسناتيسوال وروو ترليف رالوالمعمرك وظالف سع |
| 4.4 | سوال ورود شرلف |
| Y-A | الك سواننيسوال وترود شركف المؤلف كا؛ |
| TIL | الكيد مؤليسوال درود شريف. |
| | |

| T19 | تنبیها <u>ت</u> |
|--------------|---|
| " | يهلئ تبنييه |
| MYA | حاصل كلام |
| 271 | دونون نظرون مي تطبيق |
| TTT | اسلان استصد |
| " | دوسری تبیبه |
| 779 | جن كلمات سے درود شراف بڑھاجائے باعدے اجرمے۔ |
| " | بعض علما كااعتراص |
| 46. | اس كاجواب |
| المالم | مقرض سے گزارش |
| 1 | غیرماتوده کلمات سے ورود شرلعب بڑھنے کے نوائد |
| rrr | تيسري نبيب |
| Tro | اشكال . |
| 444 | |
| | صیحے احاد بہت میں جرود شرایف کیلئے استعال بوے سے عالم ک مرح میں |
| -6 | يبلى بحث نفظ اَلْتُهُمَّ كَمُ مَعْبُوم كے بيان س |
| | دوسرى بحن صلوة كالمعنى |
| 4-24 | |
| * 4 1 | ا زاله شبسه |
| 1.195 | تتبسمار كبوشنى باك محاسم محدثن مدعلية سركامين و سندو |
| r 4 - | رتزولس المريا مغبوم |

| 246 | امام حسين رصى الندعن كا فرمان |
|-------------|--|
| 1777 | امام حسن بعرى رجمة النزعليه كافرمان |
| F44 | تاصى عياص كافرمان |
| 44. | اسم مخترک خصوصیاست |
| 741 | حصرت عبدالمطلب كاخواب |
| 740 | المم كرام محترملي صورى ومادى اشاداست |
| 7-64 | يستخ عبدالرحن بسطامى كافرمان |
| 424 | مترجم كى طرف سے وصناحت |
| YLA | ايك علمى تطبيف |
| 449 | الم اقدى كے امراد |
| TAD | جن لوگول کانام محمّد یا احمد سیدان کی فضیلست میں مروی آثار |
| 449 | چوکفی بحث نبی کے معنے میں |
| r9- | بنى كالصطلاحي معني المستان الم |
| 791 | بالنيوس سحن أمل مصمفهوم كي شحقيق من |
| r9r . | مجعنى بحدث آل كا معنظين |
| 444 | خطیب بغدادی کی حکایت از |
| 290 | لیکن حصنورعلیهالسلام کی اولاد بیاک ری به سر رسام کی اولاد بیاک |
| " | سیکن آپ کی از واج مشطبرات ا |
| 444 | ساتویں بحث لفظ ابراہیم کے بارے میں |
| 494 | الرابرايم |
| 4-7 | ا مام شعرانی کا ارشاد |
| | |

| 4.1 | ايك المم واقعداز الدسشيد |
|-------|---|
| 1.4 | امام شعرانی کی ایک اور حکایت |
| 4-0 | تقى الدين مسبكي كارشاد |
| 4.4 | أتموي بحدث لفظ بركست مين |
| 4.4 | نویں بحدث عالمین کے بار سے میں |
| ۲.۸ | و مویں بحدث تمید مجد کے بارے یں |
| 414 | نواں باب۔ نی عدیالسلام کا جاگئے اورسوتے بی ویرارحانس مونا |
| سوام. | زيادت رسول كاطريقة |
| MIN | أكيزم مسقول دوسين |
| ٣٠. | عقل نادسا |
| ٣٢١ | وفات کے بعد بریداری میں زیادست رسول صلی التدعیر وسنم |
| ,, | منكركاحكم |
| MAL | مخالفين منست كا وعوى ديدار |
| | كرامست كاظهور |
| LLL | نظرنطريس نرق |
| 444 | علام ذركشى كاايمان ا فروزوافعہ |
| 44. | على مدر عن المروروالعد |
| " | علوا ورحاقت |
| | تحسن محبوب كى عبلوه بزيال |
| AV1 | علامرابن حجرعسقلانى كااشكال |
| 4 | |
| rra | مقرمين مبنگائی الدمزارار اميم عليدانسدم غنو شده علی در در اراب م |
| | عنوسثِ اعظم اورزيارت مصبطف |
| | |

| 566 | معيارصحيت |
|------------------|---|
| " | این العربی کی حکامیت |
| Lifet | سقوط بغداد كانواب |
| 565 | وحيراشت أ |
| (TA | ارواح سے الماقات کے تین مراتب |
| ~~9 | بنيخ اكبرستيدى محتى الدين ابن العدلي كالرشاد |
| 40. | ستيدى عبد دالكريم الجبلى كالرشاد |
| 107 | السية تناسخ مذسمجه لينا |
| 107 | علام سيوطى كاارشاد |
| רסץ | محقل أبياء |
| 404 | حفيقت موت |
| r4- | ، كيداعة اص اوراس كاجواب |
| 641 | حاصل مبحث |
| 4 | ا ما مرقسطلاتی کاارشاد |
| 44 | فیفن ما سل کرنے کی صورت |
| 140 | فرمان حضرت مبيح عليدالسلام |
| ~44 | منكريسےوال |
| را ب کی معذرت ،، | مادمسيوني سے بادشاه سے سفارش کرنے کی ورخواسد او |
| 741 | مكرو مدبنه كااوب واحنزام |
| باد با | مختلف اشخاص كوآن واحدمي مختلف مقامات برشرف د |
| ** | جماعيت كاآن واحدميل ويلارسيم شرف بونا |
| | |

| 1 - 1 - 14 (1 12 1/2 17) | |
|------------------------------------|----------|
| نتا وی خلیلی کی مثا ندارعبارت | 544 |
| محفل تزاع | grea. |
| اكابرضُوفيه | // |
| سيدى عبدالعترميز الدباغ كافرمان | r49 |
| سامخت قرأنتي | " |
| بجيب وغربيب سوال وحواب | 64- |
| شما کل نبوی | MAM |
| نگاییت | PA4 |
| مام ابن المبيارك كا ارشاد | 44. |
| وگول کی دوتسمیں | M91 |
| عرفت خدا ومعرفت مصطفامين فرق | 544 |
| تعلق صودی کی ایکسدا ورکیفیبت | b |
| محبست يسول صلى اسدعليه وآله وسلم | 0.1 |
| رند ، نبی | 0.0 |
| تضييب البال كاقفته | 5.4 |
| بن عدا الدركندرى كاحاجي مريد | ,, |
| الرستة أسنا م ياخود سركار؟ | 01- |
| فبرانور سے یاس فرست ترکبوں مقررے ؟ | " |
| ما نسل سبحسن | DIF |
| علام علی عبدارزاق کا سوال | 014 |
| يشخ ابراميم الرسنبيرًا جو سر. | * |
| | |

| 014 | , 44. | ب علبهالسلام کی زیادت سے بیان | فصل خوار بلر رند |
|----------|------------------------|---------------------------------------|--------------------|
| | 0,0 | و مبيد معلم م ريادت هے بيار | الله الله |
| 11 | | ره عبا دات کے علادہ | |
| 040 | | م زكريا كا ارفتاد | حضرت فيضخ الأسلا |
| " | | كاارشاد | الوسعيدنيشالإرى |
| 044 | | | روحنه زشول كامهما |
| AYA | | • | عزيبول كى مددكرو |
| 044 | | راوراس كاانجام | ابهوز كاكت اخ امي |
| " | | ابن سيرين كى خدمىت بي | أبب برلبثان حالر |
| 04. | بشرات. | فآ الدين ابن العربي رحمداللذ كارسالهً | فصل: سُتيدي مُحَ |
| 071 | | | خواب کی قسیس ۔ |
| arr | | اب | حسن وقبح کے اب |
| بين -٢٢٥ | يرا بونے كى ترغيب ديتى | بنة. دمشوں صلی النڈعلبہ و ملم برعل ہے | مبشرات اجوحد |
| 010 | | | علم حديث كى فقتيا |
| 044 | | ست کی بینارست | مسجدحرام كى معرف |
| 4 | • | بشارسند | ینی کا حکمرنے کی |
| DYL | | سييغ والاخواب | ایمان کی ترغیب. د |
| " | * | بسب والاخواب. | حفظ فترآن كى تزغيه |
| 44.4 | | . کاخوا ب. | تيام ليل كى ترغيب |
| 084 | | ادعائي ماسل ريه كارتب | |
| * | | ن خوا سه | تسنوان كيمتعلو |
| ort | | | بشارب موان |
| | | | |

| 0.44 | ففل میندمثا بارت نبویه افتحواب جومولف کتاب کوحاصل بوئے ۔ |
|------|--|
| " | ميهلامشا بده |
| مهره | دوسراخواب |
| 004 | تيسرامشابره |
| 094 | حجو مضابره |
| DEN | الرين و د د د د د د د د د د د د د د د د د د |
| 000 | حيطامشابده وادبب فندى ابن محدالحفاشا ممقيم بروستكا |
| " | سأتوال متنامره رواؤراً فندى الوغزاله نابلسي كا |
| 00. | 10. 11. 11. 11. |
| , | نوال مشابره |
| 001 | |
| oor | ان مشاملات کے بیان کرنے غرض |
| 200 | تعمد ان فوائد کے بیان میں جن سے خواب میں دیدارِ مصطفے صلی التُرعلیةِ م |
| " | ماصل ہوتا ہے۔ |
| ,, | يبلا فائده |
| 001 | تد انال وروان |
| 000 | 2000 00 126 |
| 04 | per te pruste |
| 04 | |
| 041 | so as t |
| 041 | |
| | |

| ولبوال فائده - سنز بوال فائده | 244 |
|---|------|
| مطار روا ل فائده | 440 |
| انبيوال فائره ـ بيسوال فائده . | 044 |
| كيسوال فائكره - بانتيسوال فائكره | 044 |
| يتيسوال فائده يجوبيبوال فائده | 044 |
| يجيسوال فائكره | 049 |
| يصبيوال فائده | 64. |
| ستا بكيسوال قائده | 041 |
| المقائيسوال فائده _انتيسوال فائده | 044 |
| تيسوال فائده -اكتبسوال فائده | DLT |
| بنيسوال فائده يتنتيسوال فائده يونيسوال فائده | 64 P |
| بنتيسوال فائده - | 040 |
| چهتیسوال فائده -سینتیسوال فائده داریسوال فائده | 545 |
| انتالبيسوال فانكره | 544 |
| جاليسوال فائده | 044 |
| تنبيهم - | 049 |
| مستثلد | " |
| فوائد | " |
| خاتمه | 21 |
| دسوال باب منی فراند الم بردرود وسلام کے فوائد و شرات سے بال نام | ٥٨٣ |
| قرأت كي بعددتا | DM |
| | |

| قامی کاارشاد | 410 |
|--|------|
| افظ سخادی کا ارمثاد | 4-1 |
| ان عطاً كاكلام | 1.4 |
| راست درود ومسلام | " |
| امنیوں اور ولیوں کو حصنورہی سے مددملتی ہے۔ | 4-17 |
| يب لطبيف بمنة | 4.4 |
| ريب تزدا سنته | 411 |
| ارف شعرانی کا ارشاد | 414 |
| بيستمرو | Hrr |
| سلاة كامعتبوم | 417 |
| ام ابن بهشام کی حکامیت | 470 |
| ار مساخوشبو | 444 |
| مل روہ احادیث وا تارچودرود شرلف اور مخفوص دُعادُس کے بیان میں | 444 |
| اور تعنائے ماجات کے بیے تمفید میں۔ | " |
| يخطيم فائده ب | " |
| المامر توسف نبباني كامشامده وتجربه | 474 |
| امام غزالی کا ارشاد حمد منت بین بر - | * |
| حضرت عثمان عنی کی توجیہ میں میں نہ سے ا | 424 |
| بیٹیا پریدا ہونے کے لیے عل ریب میں مال میں اور ان ان میں اور | 46. |
| مستندی عبدالعزیز الترباغ کا ارشاد عام : محینه مربی | 401 |
| علآمه زمح شرى كافرمان | 400 |

| 414 | | مقبول بالحفوظ ؟ |
|-------------|----------------------------------|------------------------------|
| 40. | | امام قرطبي كاارشاد |
| 401 | | امام جعفرصا دق اورمنصور |
| 404 | | علامرابن الحاج كاارشاد |
| و كذريع ١٥٤ | ات طلب كرنے كے لئے در ووعي | قصل ۔ دین وا خرست کی حاجا |
| " | مفرياد كرنااور مدوما فكنا | تبي صلى الترعليه وسلم |
| YON | | وسببدكى وضاحبت |
| " | | علامه ابن حجربيتمي كاارشاد |
| 44- | A.c. | توستل کی دلیل |
| 449 | اعجيب استغاثة | ستسيخ مصطفي البابي الحلبي كا |
| 444 | بقرطايا | مضح عروى مغربي رحمة التنسف |
| بان س | را ذکارنیتوب وغیرہ کی خصوصیات کے | |
| PAP | | ان اسمائے گرای کے معانی وا |
| " | | اللثر |
| " | | اس مستعلق بهونا |
| 444 | | خصوصیات |
| | | الرخسان - الرجيم |
| MAA | | فانكره |
| " | شخلق مولے كامطلب | اس کے ساتھ متصف اور |
| " | | خصاتص |
| 4.49 | | المتياث |
| | | |

| 49. | أَلْقَدُوسُ |
|------|---------------------------------------|
| 491 | أيسَّلاً مُ |
| 494 | المؤمن |
| " | المنيمن |
| 494 | تعززو |
| 491 | المِينَ الْمُ |
| " | المشكيره |
| 440 | نْخَالِقُ - الْبَارِئُ - الْمُصَوِّرُ |
| 494 | أنبارى |
| 44 ^ | المفتور |
| " | النعقالة |
| 499 | أنقتبار |
| 4 | انو بأب |
| 4.1 | של לנו ל |
| 4.4 | الفتاح |
| 4.4 | أنعليم. |
| 4.5 | اَلْقَالِمِنْ ءَانبارِ مَظَ |
| " | الْحَانِفِي ، الرَّافِعُ |
| 4.0 | أنمع أنميزل |
| 4.4 | أنشمنع |
| 4-4 | ألبقير |
| | |

Marfat.com

| 274 | | | | الْبَاعِيث |
|------|-----|----|-----|------------------------------|
| " | | | | أنمشير |
| 244 | | 40 | | أنحق |
| LYA | | | | أفيكن |
| " | | | | الْقُوِى . الْمُتَكِنُ |
| 449 | | | | ألولي |
| 44. | | | | الخينية |
| 441 | | | | المخضى ، |
| " | | | | المبتدئ ، المبعدية |
| 224 | | | | ألمخيي . المين |
| 444 | | | | الختي |
| " | | | | أنقيوم |
| 40 | | | | الواجد |
| " | | | - 5 | أثماجة |
| 244 | | | | الواعد |
| LYK | | | | العثمنية |
| LYA | - | | | ٠ ألقادر أنعتدر رجيد رسه |
| 479 | | | | المقديم - التوجره |
| er- | 126 | | | الأول - الأخو |
| " | | | | اَنظَا بِرُ - اَلْبًا لِمِنْ |
| 4 th | | | | انوان |
| | | | | |

| 404 | الله ك الم اعظم ركفتكو |
|-------------|---|
| 44. | قصل: التُدك الم اعظم كے بيان ميں |
| 441 | يشخ الوالقاسم كاتول |
| 444 | مطيخ الويكرفبرى كاتول |
| 221 | ا مام الوحتيف كا فرمان |
| 444 | ايك ايمان افروز واقعه |
| 41 | شنعرانی کاارشاد |
| 4 19 | التركدا المرامي الكيليف سي تتعلقه فوائد |
| 44. | خصوصتیت |
| 491 | محضرت السس بن مالك من حجاج كرسامين |
| 491 | المام غزالي حكايت |
| 490 | امام البيافعى كى حكاميت |
| " | طريقيعل |
| 494 | امام تبهیلی کا فرمان |
| 499 | وعاست خضرعليدالت لام |
| , | خليفه الوجعفر منقمور |
| Ass | حياة الحيوان وحلية الادلياء كحواله سيرمانب كاوا قتد |
| AT | الدميري كالبيب اورنسخه |
| \$10 | قعناستُ حاجبت كي آبيت |
| " | قید سے دیاتی کی آیت |
| " | ظالموں کی نگاموں سے بچرشیدہ رہنے کی آمیست |
| | |

| AIP | قرأنى أيات اوراة كارتبق يريخواتص وقوائدنا فعد |
|------------|---|
| A19 | حاصیل کلام |
| AY. | قرآنى مورتوں اور آيتوں كے فوائد |
| AYA | بمادليل مص شفار اورتكاليت محفاتمه مصمتعلق فوائد |
| ATT | ايك اورقول |
| AFT | وردكاعلاج جمالا مجونك سے |
| " | مجود سے بازخم کادم |
| ATE | خوف وممصيبت كاعلاج |
| 179 | نماذ کے ابراد |
| * | بچے کی پیدائش میں تکلیف دور کرنے سے لئے۔ |
| A/*- | وم عيينے عليدالسلام |
| " | اس مقصد کے لیے ایک اور تحریے |
| Art | تكسيرك يدابن تيميكانسخه |
| " | سرکی سکری اور مخبن کے لیے تعوید |
| " | یاری کے بخار کے لیے |
| المراج الم | عرق البنساء كريد الكفتم كادر دجودان سے محصف يا ياق تك |
| APT | جمم میں دروسویا آنکھ میٹرے |
| " | داڑھ میں دروہے۔ |
| AFT | میموردا تیسی کے لیے |
| " | بیجی پیداکش میں اسانی کے بیے |
| YAL. | امام سيولى كافرمان رجها ومجونك |
| | |

| 444 | زخیقی |
|-----|--|
| AM4 | جب جانور قالوندا کے۔ |
| 10- | آسانی موت کے بے |
| " | ول کی سختی دورکرنے کے لیے |
| 101 | زچگی کی تکلیف رفع کرتے کے لیے |
| " | ول کاو کور دورکرنے کے لیے |
| 11 | . كيتوك ذي كادُم أنحعنور نے خود فرمايا |
| AOT | درداور کھوڑے مجینی کے بیے معزن سفیان کادم |
| " | جهم من دَرو كى فتكايت برأنحصنورصلى النه عليدوسلم كادم كرنا |
| 104 | بى كريم على التدعليه وسلم كا بين ابل خان كوجها لا يحيونك كرنا |
| " | نظر بدسے سے اوک کے لیے سائے قرآنی آیس |
| " | كوئى اچى چيز ديكھے توماشاً الله كيے۔ |
| 400 | بخارد وركرن كادم أنحفنور كاحصرت عاكشة كوسكعانا |
| " | مانپاں بی کے مرزے مفوظ رہنے کے لیے |
| 400 | تيندلا نے كاوم نى كريم مىلى الله عليدوسلم كى زباتى |
| 404 | نواب مين بركرم ملى الله عليد مسلم كا قرأنى أيان شفاً كى بشارت دينا |
| A44 | بخارسے محست بالی کے بیستیدی الجفخدالمرجانی او |
| " | طالست خواب عمل نبى كريم ملى العرعليد وسلم كاعطا كروه نسخه |
| 14. | ما دُو، غم اور بما ريوں سے شفا کے بيے بہترين نسخه |
| 444 | الدميرى كاتول سرورد ك ليه أزمايا موانسخه |
| 744 | طاعون ووباكودوركرنے كے قوائد |
| | |

| 444 | طاعون کے یے |
|--------|---|
| A41 | دفع وبأ کے بیلے فائدہ |
| A44 | طاعون ادرديگرامراض سع حقاظت كسيدي وكا |
| | فوائدً ماكموں كے ہاں قبوليت الدظالموں ، وشمنوں كے شرسے بيھتے كيدے |
| 744 | فوائدالشرجی |
| ALG | |
| AAI | علامه صیکی کا فرمان |
| " | امام شافعی اود باردن الرسشبیر |
| AAY | خصرعليدالسلام كاقفته |
| AAH | ظالم حكمان كى معزولى كے يے |
| *** | ازالارنج والماود قعنائے حاجات کے فوائد |
| 19A-13 | ونيا وانوست كى تكابيف جنول اودانسانول كے شراوداً فات سے حفاظت سے تعلق |
| | حا فظ سيوطى عليه الرحمه كى حكايت |
| 4 | حافظ الوزى عدرازى كاببيان حافظ الوزى عدرازى كاببيان |
| 4-4 | |
| 9-9 | سانب اور بحیو کے شرسے بھنے کے بیالدمیری کا قول |
| 911 | قفتائے حاجات کے بیے فوائد |
| 911 | قصنائے حاجات کے بیے فوائڈ |
| " | ففتائة طاجدت كريد بيرافائكره |
| 910 | مُشده چيزيانے كوائد (دراكع) |
| " | ا مام نووی کی حکاییت |
| 910 | موتی دریائے دجلہ میں گرگیا |
| 914 | فوالد خصول رزق ميس أساني وتوسط اورادائ قرمن كمتعلق |
| | |

| 914 | میلی فصل داذ کارو دعاؤں سے بیان میں |
|------|--|
| 914 | غربت اوروحت ترسے امان کے لیے |
| " | فقرداحتياج كےخالمہ كے ليے |
| " | عمادر براشانی کے ازالہ کے لیے |
| 944 | ووسری فصل: احصے اعمال سے بارے میں روایا ست |
| 941 | سيتداحد دخلال كأفرمان |
| 922 | متغرق فوائد |
| " | امام جبعفر صادق كانعتب |
| 944 | السنوى كادشاد |
| 949 | بیا پیاہونے کے لیے عل |
| 900 | سيدى عبدالعزيز الدتباغ كاارشاد |
| 9 ~1 | فتطب كبيرستينا الوالحن شاؤلى رصنى التدعنة كى وصيبتين |
| 966 | تمام مقامد ك حصول اوائة قرص اورازال عم كے بيے |
| 900 | ديدار مصطف صلى الندعليدوستم كي |
| 954 | نصائح وبطاتف |
| 300 | كسى قوم كے شرستے ہات کے لیے دُعا |
| 919 | حکمران کے ڈرسے نجات سے یے |
| " | خطرناک حکمان کی دست درازی سے بیاؤ کے بیے |
| 90. | طاكم كے پاس مائے وقت كى دعا |
| 901 | عرض مترجم - اظهارتشكر |
| 904 | 60, |
| | |

| 904 | نومف |
|-----|--|
| 900 | عقيده ابل مُنتجى وغيره في منطبقات مين تعرلف كى . |
| 900 | تنبيه غبرا |
| " | سنبيه نمسر۲ |

مريدين وال درو وتنزلوب

یہ بھی انہی کا ہے

الله من المنظمة من التنظيمة على سيديا ومولان المحتدد مسلاة المعلقة المنظمة من المعتدد المعتد المعتدد المعتدد

ید در و شربین فین دیرنی نے اپنے تجربات کے تیر ہویں باب میں ذکر کیا ہے۔

فراتے ہیں جان لے ،اللہ مجے اور بچے توفیق و سے کرجس کی اللہ تعالیٰ سے کوئی خات

ہویا رکے والم اور بحیعت کا شکا رہو ، و ہ آ و حی رات آ ہمے و منوکر کے و و نفل اور مبنا

اسانی سے ہو سکے اس میں قرآن پڑھے ،سلام بچیر کر قبلہ رُ و ہو کرنی صلے اللہ علیہ و لم

پران الناظ سے ایک ہزار بار دروو شرایف بھیے ، آنٹھ تھ صلی قسیلی قسینیا

یران الناظ سے ایک ہزار بار دروو شرایف بھیے ، آنٹھ تھ صلی قسیلی قسینیا

مخت تقید سے ایک مزار بالا دروو شرایف تا خریک جوم محسیب پڑی سے اللہ اللہ دورو در شرایف تا خریک جوم محسیب پڑی سے اللہ اللہ دورو در شرایف تا خریک جوم محسیب پڑی سے اللہ اللہ دورو در شرایف تا ہوگی کے دیں بات السنوی مور نورا ہے گا ۔ اس ذخیر کوم خبوطی سے بچو سے کرم بست محقید ہے ۔ یہ بات السنوی سے لیے بی بات السنوی اللہ ہے تا بات السنوی سے لیے بی بات السنوی اللہ ہے تا بات میں فرمائی ہے ۔

يبولن وال درود تزليب

اَللَّهُمَّ صَلَّ وَسَلِّمْ وَمَا رِكْ عَلَىٰ سَسَيِّدُ مَا مُحْسَبِّدٍ وَعَلَى ٱلِهِ وَصَحْبِهُ عَدَدَ آمُوَاجِ الْبَحْسِرِ الدَّفِيثي -ومتسلّ وسَيِّمْ وَبَادِكْ عَلَى سَسِيِّدِنَا مُحَسَّتَهُ دِوَعَلَى اَلِهِ وَصَحَبِهِ عَدَ دَ الرَّمُ لِ الدَّفِيْقِ - وَصَالِ وَسَايِّمُ وْبَارِكْ عَلَى سَسَيِّدِنَا مُحَسِّتَةٍ وَعَلَى ٱلِهِ وَصَحَيْهِ عَلَدُهُ حَسَنَاتِ سَدِيّا آيِئ مَكُثِرِ العَيْسِيّةِ ثِي وَصَلِيّ وستسيتم وبارك على سيديا مختست وعلى آله و صخيب عدد حسنات سيدناعمرين اكمنقآب سَبِيِّدِ آهُلِ الْتَنُوفِيْقِ - وَصَلِيٌّ وَسَسَمٌ وَيَارِكُ عَلَى سَسِيِّدِنَا مُحَسِّنَدٍ وَعَلَى آلِهِ وَصَحَيْبِهِ عَدَدَ يَحْسَنَاتِ سَيِدِنَاعَثُمَانَ بُن ِعَفَّانَ سَسِيدٍ أَهُلِ الْتَحْقِيثِينِ -وصَلِ وَسَيْمٌ وَبَايِ لُ عَلَى سَسَيْدِنَا مُحَسَبَدِ وَعَلَى آله وصَحْبِهِ عَدَدَ حَسَنَاتِ سَيْدِ نَا عَلِيَّ بُن اَبِي طَالِبِ ستد آهُل الشَّدُ قِيئِق - وَمَسَلِ وَسَيْمَ وَبَارِكُ عَلَى سَيْدِنَا مُحسَسَّة وَعَلَى آلِهِ وَصَحْبِهِ عَدَ دَحَسَسَنَاتِ آلِ ٱلْبَيْتِ وَعَدَدَ حَسَنَاتِ مِعَيَّةِ الْطَحَابَةِ ٱلجُمَعِينَ وَتَابِعِيْهِمُ وتَابِعِي تَابِعِينُهِ مِ الْحُسَانِ إِلَى آقُوا مِ طَيَرِيْقِ - وَصَلَّ وستيم وتارك على سيدنا محسته وعلى آيه وصحية ميل التَمَوّاتِ السَّبْعِ وَالْوَرْضِينَ السَّبْعِ وَمَا بَيْنَهُمَا حَتَى تَفِيثُقَ -

ترجرور ليصامترا درودوسلام وبركت نازل فرما ، عارسة قامحترير، ادر سب كال واصحاب بر، موجزن سمندركي موج ل كے برابر اور درو سلام وبركت نازل فرما بهارسي آقامحترير، اوراب كي ال واصحاب سيدنا الا كرصديق كي نيكول كے برابر اور درو و وسلام وبركت نازل فرما، بهارسياً قامحديد، اورآب كي آل و اصحاب ير، سيدناع بن الخطاب ميترابل توفيق كي نيجول كيرابر اور ورو وصلام وبركت نازل فرا بهارسة قامحترا ورآسكي آل وامحاب پرستيدنا عمَّان عني، مسيدامل محين كي سييول كرابر- اور در و دوسوم وبركت ازل فرا بهار سے آقام محدّا ور آب کی آل واصحاب پر ،سیڈعلی بن ابی طاب سيدامل تدفيق كي نيكيول كي برابر - اور درود وسلام وبركت نازل فرما، ہمارسے قامحگراور آب کی آل واصحاب پر- اہل بیت کی نیکیوں کے برابرا وربقا يامحابركرام اورتمام تابعين اورتبع تابعين كى تعددك برابراجنول فيسيد مصراسة يرجين يبيول كى فرمانبردارى كى أيكى مح سأتم اوردرُو دوسلام وبركت نازل فرما بهارسي مَا تُحدّ براور آسيكال والسحاب براساتول أسمانول اورساتول زمينول سكرابراور جوکچھان میں ہے۔ اس کے مِرابر ، یہاں تک کہ یہ تمام وسعت ٹنگ ہوجاً '' یہ درُو د ٹٹرییٹ شیخ احمد دیر بی نے اپنے تجرزت میں درکر کیا اور اس کی تعربیت ۔ یہ درُو د ٹٹرییٹ شیخ احمد دیر بی نے اپنے تجرزت میں دکر کیا اور اس کی تعربیت ۔

بيجيرة الناور ورشرليب

بشلطيح التخبئن التحيينير آلعتشدك تلوتب العاكمين

حَــمُدَ ايْوَا فِي نِعْمَهِ وَيُكَا فِي مَسْزِيْدَ ﴾ سُبُحَانَك لا الخصيي تَنَاءَ عَكِيْكَ آثَتَ كَمَّا ٱثَنَّيْتُ عَلَى نَفْسِكَ فَلَكَ الحسّندُ حَتَّ تَوْمَنّى رِوَمَنْ يُطِعِ اللّهُ وَالتَّسُولَ فَالْيَكَ مَعَ الَّذِيْنَ ٱنْعَتَمَ اللَّهُ مَكَلِيكِيمُ مِنَ النَّبِسِيِّينَ وَالعِسْدِيْعِينَ وَالشُّهَدَاءِ وَالعَسَّالِحِينَ وَحَسَّنَ أُوْلِيكَ رَفِيْعًا ذَيِكَ الْعَصْلُ مِنَ اللهِ وَكُنَّى بِاللَّهِ عَلِيمًا -) وَلَلْهُمَّ مَسَلَّ وَسَيِّمُ ٱفْضَلَ وَآجَلُ وَآكُمُ لَ وَآنُكُ وَآظُهُ وَوَآزُهُ وَمَنْكَ آيُكُ وَ آوُ فَى سَلَامِكَ مَسَلَا لَا تَكُنْ تَنْسَدُ وَتَذِيدُ بِوَا بِلِسَعَاسُ. مَوَاهِبِ جُوْدِحَوْمِكَ - وَتَنْهُوْ وَتَوْحَوُ بِمَعَالِسَ بَلْعِنْ تطَايُهنِ جُوْدِمُنِكَ دَايُمَةٌ بِدَ وَامِكَ بَاقِيسَةٌ بِبَعَايُكَ لَا مُنتَهى لَهَا دُوْنَ عِلْمِكَ وَلَامُشْتَهَى يَعِلْمِكَ آمْ لِيتَ * بِالْإِلْيَانِكَ لَا تَذُولُ- آبَدِيَّة بِابَدِيِّتِكَ لَوَتَحُولُ- عَلَى عَبْدُ وَنَبِيتِ فَ وَرَسُوُهِ فَ سَيِّدِنَا مُحَسَمَّدٍ إِمَامٍ حَصْرَيْكَ -وَلِسَانِ حُجَّيِكَ - وَعَوُوسٍ مَيْحِيْكَ - الْعِزْ الشَّاسِعِ-وَالتُّوُدِ السَّاطِعِ وَالْهُرُهَانِ الْعَاطِعِ - وَالرَّحْدَةِ الْوَاسِعَةِ -وَالْحَمَنُونَ الْجَامِعَةِ نُورِ الْاَثْمَارِ - وَمَعْسِدِنِ الْاَسْرَاَّ -وَطِرَا نِحُلَّةِ الْفَخَارِ - دُرَّةِ صَلَى كَةِ الْوَجُرُدِ - وَذَخِيرَةِ اللك الودُود كمنبَع الفضائِل والجُود - تَلِيمُمُلِلَةِ المَّنْكِينِ - الرَّوُّ فَو بِالْمُوْمِنِينَ - وَيَعْسَدُ اللهِ عَلَى ٱلْمُلَيْنِ ٱجْمَعِينَ . مَسَاوَمَكَ ٱلَّتِي عَلَيْهِ بِمِنَا ٱنْعَنْتَ - وَيَغَضَا يُلِعَالَهُ وَ الزئت وعلى آلِهِ وَمَعْبِهِ خَنَايُو مِلْبِهِ وَجُحُمْ عِدَ ابْتِهِ

صتلاةً تُرْفِينُكَ وَتُرْفِينُهِ وَتَرْضَى بِمَا عَثَا يَارَبُ الْعَالِمِيْنَ صَلَاَةً يَحْيِسُ بِمَا آخُلَاقَنَا- وَتُوسِعُ بِمَا ٱرْزَقَنَا . وَتُوَيِّعُ بِمَا ٱرْزَقَنَا . وَتُوَيِّع يهتا آغكالنَا- وَتَغَيْرُيهَا ذُنُوْبَنَا- وَتَشْرَحُهِمَاصَدُوْنَا وَتُطَهِرْبِهَا قُلُوبَنَا. وَتُرَوَّحِ بِهَا ٱلْوَاحَنَا وَتُعَكِّرُسُ بِهَا آسْدَادَ نَا- دَثُنَزِهُ بِهَا ٱفْكَارَنَا - وَتَصُفِيَّى بِيسَا سَرَايُوبًا ـ وَشُوِّدُ بِهَا بَعَنَائِرَنَا - بِنُوْرِ الْعَثْيِجِ الْمُبْسِيْنِ - يَاكْرُمَ الدَحْكَرِمِينَ - يَا آمُ حَمَ الرَّاجِينِيَ - صَلاَةُ تَنْجِينًا يمامِنْ هَوْلِ يَوْمَ الْقِيَامَةِ وَنَعْسِهِ - وَوَلاَ زِلِهِ وَتَعَيِّهِ -يَاجَوَاذُ يَاحِثَيرُيْهُ - وَتَهُدِيْنَا بِهَا العِتْمَاطَ الْمُسُتَقِيمَ -وَيُحِينُونَا بِمَا مِنْ عَذَابِ الْجَعِيْمِ . وَمُنْعَينَا بِمَا بِالنَّعِيمُ -النينيم - يَارَبْ يَادَلُهُ كَانَحْنُ كَارَحِنُ كَارَحِيثُمُ - ثَسُسَالُكَ حَيْقَةُ الدشيقامة يخت خظاير فُدُسك - ومَقَاصِبُ رِ السيك - عَلَى آرَ أَمْلِ مُشَاهَدَ آيِك - وَتَجَيِّيًا تِ مُنَا زَلَيْك -كَ إِلْهِ بُنَ بِسَلِّعَاتِ سُبُحَاتِ ٱلْوَامِ ذَا يَكَ . كُخُلَقِينَ بِاخْسلاَ ق حَقّادُي سَقَايُن مِسَالِكَ عِنْ مَعْعَد يَعِينِيكَ وَخَيِيْلِكَ وَصَيِبِكَ الْجَمَالِ الزَّاجِيرِ وَالْجَلَوَ لِ الْعَاجِيرِ والكيكال الغاجسيد واسطة عفد النبوي وكلجتة نظار أنكترم والفتوكو سيدكا وتبيتنا وتجيئي مُعَتَبَدِ سَيَدِ الْمُرُسَيلِينَ-أَلْسَنْزِلِ عَلَيْدُ فِي الدِّكْرِ الميسيني - وَمَا آرْسَكُنُكَ لِلاَرْحَدَةُ يِلْعَالَمِينَ - سُبُعَانَ مَيْنِكُنُولُعِيدِزُ وَعَمَّا يَعِيغُونَ وَسَسَلَوْمٌ عَلَى الْمُوسَيلِينَ كالمحتشد للوت بوالعاكيين-

ترجر: د التدك نام سے متروع جرجم كرنے والامہرا بن جے - سب تعربیت اللہ تعالیٰ کے یدے ، جرسب جمانوں کو بالنے والا ہے۔ الیی تعربیت جوالس ک نعتوں کے برابرہو۔ تو پاک ہے ، میں تیری الیبی تعربیت نہیں كرسكتا ، جيسى توكنے خود اپنى كى ہے يسوتيرے يالے تيرى رضا مندى يك تعربين مو، وجوان داور مول كى اطاعت كرس توايس لوك ان كے ساتھ ہوں سے جن پرانٹدنے انعام فرایا ، یعی نبی ، صدیق ، شہید اورنیکوکاراوریب ترین سائمی ہیں) دیدانتدکی طرف سے ففل ہے اور الله كا في علم والاسي-) اللي ؛ ورُو و وسسلام يمين فاصل تر، بزرك تر كامل تر، بابركت تر، ظا هرتراه رمُنوّر تراینا در د د ا در كامل ترسلام-اميها درُود جوتيرسے جُود وعطاكى تيز بارشول سے برُحد كر ہو-اورتيري سفاوت کے شرائف ولطالف مع میشد برها الهدے جرتیرے دوام کے ساته دائمی اورتیری بقا کے ساتھ باتی ہو۔ تیرے علم بیں جن کی اتھا و حدنه جو تيرى ازلتيت كيساتهداز لي جو بمجمى ختم نه جو ، تيرى ابرت كيساته ابدى، بد مد- ليف بندب، ليف نبى اور ليف رسول سيرا محدیر، جرتیری بارگا ہے کے امام : تیری مجتت کی زبان اور تیری مملکت سے دولها بیں وسیع غلیہ والے اور چک توربیں معطعی ولیل وروسیع رحمت ہیں. جامع ذات اور نوروں کے نور ہیں سرازول کی کان اور جُبَہ نی کی زیبائش ۔ وج د کی سپی کا موتی ،اورممبت کرنے والے بادشا كا ذخير بين ، فضائل وسخا وت كالمبع عزت كى باوشابت كا ماج -، بل ایمان پرمبر ن جمام مخلوق پرافتدکی نعمت بین ، تیراده وروجس سے ذریعے و کے ان پرانعام فرمایا اور وہ ففنائل جن سے تو نے

انهير مُنترف فرمايا ، اورآب كي آل واصحاب برجراً يح علم مح خرا ادر کی ہدایت کے متارے ہیں ایسا ور و جو تھے بھی رامنی کوے۔ اوران كومجى واورص كے ذريعے توہم سے راحنی ہو، لسے برور دكار كائنات، ايسا درودجس سعيمارس افلاق أيقے بول ، بھارسے رزق وسیع ہوں ، ہمارے عمل شخرے ہوں ، ہمارے گنا ومعاف ہوں ۔ ہارے پینے کھکیں اور ول صافت ہوں بہاری روحیں ٹیرسکون ہو ہمارے یا طن شخصرے بہول ، بھا رہے افکا رصافت بھوں ، اور بھارے راز پاک ہول ، ہماری آنھیں روسٹن فتےمبین کے نور سے ۔ لےسب سے بڑھ كرعزت والے! اسسب سے بڑھ كررهم فرمانے والے! ايسا درُود جس کے ذریعے توہمیں قیامت کی دہشت ومشقت سے اور اس کی مرزمش و نغرمش سے بچائے۔ لیے بڑے بی اے مریم اجب کے ذریعے تو ہمیں سیدھی راہ چلائے جہتم کے عذاب سے محفوظ فرمائے ا در وائمی نعمتوں سے سرفراز ذیائے۔ اے بروردگار! لے الدالے یمن الے جیم جیری بارگاہ اقد سس میں اور تیری محبت کے محلات حقیقی استقامت کاسوال ہے تیرےمشا ہدات سے بیوں میٹھنا نصیسب ہو. تیری بارگاہ کی تجتیات کاسوال ہے، تیرے انوار کی پاکیزہ بھوار کا سوال ہے تیری صفات کے حقائق رفیقہ کا سول ہے۔ تيرك مبيب وخليل مسفى كے جيكة جمال كاسوال سے -زبر وست جلا كاسوال ہے قابل فخر كال كاسول ہے۔ برّت كى كرياں ملانے والله كرم وشجاعت كے جوش مارنے والے مندر، بمارے آفا ، بمارے نبی بہار سے مبیسی تحمد صلے اللہ علیہ ولم کا واسط ۔ جور سولول کے

سروار جن کے متعلق قرآن کریم میں نازل ہوا قصّا آ رُستُلنگ اِلاً رَحْتَةٌ یَنْعَالَی یُن یَمها رارت ، عِزَت والا رب باک ہے ، اس خرابی سے جولوگ بیان کرنے ہیں ہسسلام ہوتمام رسولوں پر ، اویسب تعربین انڈر ، بروردگا رعالمیان سے بلے کا

بهراه و رنترلیت به ای کار در در المیت به ای کار در در المیت به ای کار در در المیت به می ایمی به می در المیت به می ایمی به می در المیت به می ایمی به می در المیت به در المیت

لَقَدُ مَ ضِي اللهُ عَنِ ٱلْمُؤْمِنِينَ إِذْ يُبَابَعُونَكَ تَحْتَ ٱلتَّجَرَةِ فَعَلِمَ مَا فِي قُلُوبِهِمْ فَآثُولَ السَّكِينَةَ عَكَيْهِمْ وَ آثًا بَهُمُ مُنْحًا قَدِيبًا وَ مَغَانِمَ كَنِينُوءً تَأْخُدُ وَضَاوَكَانَ اللهُ عَنِيْزًا حَكِيمًا وَعَدَكُمُ اللَّهُ مَغَانِعَ كَتُهُوا تَأْخُدُ وَنَهَا فَعَجَّلَ لَكُ حُرُ هُذِهِ وَكَعَثَ آيُدِي النَّسَاسِ عَنْحُهُ وَكَتِكُونَ آبَتَهُ يَهُوُمِنِينَ وَ يَهُدِيكُمُ مِسِرًا طاً مُسْتَقِيمًا ؛ اَللَّهُمَّ مَسَلِّ وَسَلِّمَ وَبَارِكُ وَكُرِّمُ وَشَرِّفُ وَعَظِمُ عَلَى مَوْلَةُ نَاوَسَيْدُنَا مُحَتَدِ النَّبِيِّ ٱلكَرِيْمِ الرَّسُولِ الْعَظِيمُ ، الْعَلِيثِم ٱلْعَيلِيمِ، ٱلدَّوُنِ الدَّحِيثِمِ، ٱلْعَسنِيدِ ٱلْمُسكِيمِ، آنعُسُروَة اَلُوْتُنَىٰ، وَالعِسْدَاطِ الْمُسْتَقِيبُمَ، اَلْعَنُو الْغَفُوْرِ ، اكتَّكُورِ الصَّبَوْرِ ، الْوُدُوْدِ الْمَجَدِدِ ، اَ لَوَ لِيَّ الْمُحْيِثِ فِي النُّوسِ الْمُيْسِينِ ، حَبُلِ اللُّدِ الْمُتَيْنِ ، وَحِسدُن وَ الْاَحِينِ الْمُنتَا كَادَمُ بَيْنَ الْسَار

وَ الطِّينِ، صَـلَ آنلُهُمَّ عَلَيْتُ شَرَا يُفَ صَلُوا يَكَ وتوامِيْ بَرَكَا يِكَ وَمَ أَنَهُ تَحَنَّيْكَ وَنَصَائِلَ الْأَلِكَ وَآذُ كُىٰ تَعِيَّاتِكَ وَآوُ فَىٰ سَسَلاَ مِكَ حَسُبَ قَدُرِكَ وسُسرَادِقَ حَيُبَدِكَ وَعَظِيمُ شَانِكَ يَحْسُنُ وَيَلِيْقُ بذرة وَلا شَرُفِهِ وَعُلُو مَنْعَبِ حَسْبَ قَدْمِ لا وَجَاهِهِ وَعَيْلِهُمْ شَايَهُ وَعَلَىٰ آلِهِ الْاَقْطَابِ ٱلْاَفْرَادِ الْاَنْجَابِ، السَّايِعِينَ إِلَى بَحُيُوحَتِهِ ذيكَ أَلْجَنَا بِ، وَآصْحَابِهِ هُدَآةِ التخيين آيمت العشدق وَالتَّصُدِيْن الرَّاسَي بَنَ إلىٰ مسَدُّتَ جَةِ سَبِيئِ لِ التَّوْفِيْقِ ، مسَلاَ تَلْتُ الْسَرُنُوْبَةَ بِعِنَا يَبْلِكَ فِي ضِمْن يَعْبَنْكَ فَكُسُلَ الْعَبُلِ حِينُ الاَثْبَالَ ٱلْمُعَنُوْفَ لَهُ بِكُرَامِيْكَ فِي سِنْرِسَعَا دَيْكَ بَعُدُ ٱلْبَعْدِ حِيْنَ لَا بَعُدُ ، كَمَا لَهَا آخُبَيْتَ وَٱفْضَلُتَ. وَالِيُهَا حَدَيْتَ وَآرُشَدَتَ ، وَبِعَا آعُطَيْتُ وَآجُزُكَ وَعَلَيْهَا ٱ وُجَيْتَ وَعَوَّلْتَ، كَلَكَ ٱلْحَسَدُ سِمَّا ٱنْعَنْت، لَايْحُصِيُ ثَنَاءً عَلَيْكَ آنُتَ كَمَّا آثُنيَّتَ عَلَىٰ نَعْسِلِكَ صَدَّةٌ تَحُدُلُ بِهَا ٱلعُقَدَ وَتُعَزِّجُ بِهَا ٱلكُرَبِ، وَيُزِيُلُ بِهَا ٱلهُدُومَ وَيُبَيِّعُ بِهَا ٱلعَبُدَ مَا طَلَبَ، صَلَا لَا تُكُفِئ عَنَّا بِهَا وَهَجَ حَرِّ الْفَطِيْعَةِ سِكُرُد يَعِينَ وَصَالِكَ ، وَتُبُسُنَا بِمَا ٱلْوَارَغُورِ تَبَلَج مَ وُنَيْ مَعِبُ لِ جَمَالِ كَمَالِكَ ، فِي الْعَصَدَرَاتِ الْعِنُدِيَّةِ وَٱلْسَنَا جِدِ الْعَنْدُسِيتَةِ ، مُنْخَلِعِينَ عَنْ ذَوَاتِ

الْبَشَرِيَّةِ ، بِلَطَالُعِنِ الْعُلُومِ : لَلْهُ نِبْطَةٍ ، وَسَوَايُدِ اُلاَسُسَوَابِ الرَّبَّانِيَّةِ وَجَوَاجِدِالْحِيكِمِ الْعَدُدَانِيَّةِ ﴾ وَحَقَائِقَ الصِّفَاتِ الْوِلِي يَتَةِ وَمَكَابِمِ الْآخُلَاقِ الْمُحَيِّدَيَّةِ يَا اللهُ يَا سَمِينُعُ يَا قَرِيْكِ يَا نَجِيْبُ) كَا فَتَا حُمَا وَقَابُ يَاكَرِيمُ ، يَاسَعِيمُ وَآنُ تُلْحِقُنَا بِالسَّابِقِينَ فِيْ حَلْسَتَهِ التَّوْفِيسُقِ، ٱلْعَايُزِيْنَ بِالْاكْتِلِيَّةِ فِي كُلِّ خُلُقِ آنِيسُِق، ٱلْمُنْعَكِيدُنَ فِي الرَّيْضِ ٱلْاَعْسُلُىٰ، مَعَ الَّذِيْنَ ٱنْعَسُتَ عَكَيْهِ مُ بِمَوَاهِبِ ٱنْوَابِ بَهَا يُكَ ٱلْاَجُلَىٰ عَلَى بِسَاطِ صيدر والتحتبية مع الدكيتية محتبيد صلى الله عَلَيْهِ هُ وَسَسَلَّمَ وَمِسْوَبِهِ بَعُرِانُوَ امِنْ وَمَعُدِنِ آسُوَابِ كَ يَبِيّ مُحْمَيْكَ وَبُوُّ بُوسُ عَسُينِ مَسُلُكَيْبِكَ، السَّسَابِقِ لِلْعَكُقِ نُوْمُ لَاء وَالرَّحْدَةُ لِلْعُسَاكِيسِيْنَ ظَهُوْرُهُ ﴾ مُرُوحِ الْحَقِّ وَمِنَّةُ اللَّهِ عَلَى الْخَسَلْقِ تَاجِ الْعِسَدِّ وَالْكِرَامَةِ ، شَغِينُعِ الْاُكِم يَوْمَ الْقِسَامَةِ قكب العشران وتخليشيل التزخلي ويحبيب المثير المكيك الدَّيَّانِ ، ٱلْمَبَعُونَ بِالدَّلِيلِ وَالْبُرُهَانِ وَٱلْمُنْعُونِ فِي التَّوْرَا لَا وَالْدِنْجِيْلِ وَالزَّبُوْرِ وَالْعَبْرُقَانِ، بِيمَيْهِ وَالعِينَا يَعُدُوا وَتَوْقِيلُوا رَيَّا النَّبِينَ إِنَّا النَّبِينُ إِنَّا آئىسكنك شَاهِدُ الْكُمُبَشِّ لَا وَكُنْ تَسَلَنْكَ شَاهِدًا وَمُبَشِّ لِيَّا وَدَاعِيًّا إِلَى اللَّهِ بِإِذْ نِهِ وَسِسَرًاجًا مَيْنِينًا وَكِيسِوالُوُمِنِينَ بانَ كَهُمْ مِنَ اللهِ فَعَسُلةً كَبِيرًا، ٱلْمُنَوَّ وِيذِكُوه

نى التَّمَٰوٰتِ وَالْاَرُ ضِ إِجُلَالَا لِحَيْثَةِ وَ نَعُظِيْمًا وَ اللَّهُ وَمَلَا يُكِتَّهُ وُ نَعُظِيْمًا وَ اللَّهُ وَمَلَا يُكتَهُ يُصَلَّوُنَ اللَّهُ وَمَلَا يُكتَهُ يُصَلَّوُنَ مَسَلِيفًا لَا اللَّهِ عَلَى النَّا اللَّهُ عَلَى النَّهُ اللَّهُ عَلَى النَّهُ اللَّهُ عَلَى النَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللْلَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللللْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللللْمُ الللللْمُ الللللْمُ اللللْمُ الللْمُ اللَّهُ الللْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللْمُ الللْمُ اللَّهُ اللللْمُ اللَّهُ ا

و جر بر بقیناً انشرراصی ہو چکا ایمان والوں سے بہب وہ درخت کے بیجے تمہاری بعیث کررہے شمعے ، بیس انٹرنے ان کے دلی خلوص کوسب پر واضح فرما ديا بميران پرشكون آبارا ا وران كوقريي فتح عطا فرما كی اور بهُت سی علیمتین جنین تم لو کے اوراللہ غالب حکمت وال ہے۔سو الس نے پہنتے ، توتم کو فوری دے دی اور مخالفین کے ہتھوں سے تم کو دور رکھا ، ناکہ یہ سب پھسلمانوں کے کیے نشانی رہے اور " اكد الذَّتم كومسيدهي راه جلائے-الني! در و و وسلام ا وربركت ا وركرم نشرف وعظمت نا زل فرما بها رسيم آقامولا متحمد نير، جونبي كريم ادر عظیم رسول میں جوعلم علم شفقت ورحمت والے ہیں -جوعزّت و حكمت والے بیں ۔جومضبوط بیث نته اورسیدھی را ہ ہیں. جومٹت معاف فرانے والے، بخشنے والے، شکرگذار، صابر، مُجَسّت قرآ والے، بررگ مرتبہ ہیں۔ جو قریب ، لائق تعربین ، واضح کرنے والا نؤرا ورانتر كامضبوط رستي اور الس كے امانت دارمحا فظ ہیں جن كو اس وقت بى بنا ياكيا بجب أدم عدادسلام بنوز آب وكل مين تص -الني أن برا يض بزرگ برين درو ديميج إا دراين بر صف والى بركتيا و تطعث وكرم ان ميزنازل فرما اورايني افضل ترين نعمتين ا ورياكيزه ترين تتحانف اوممكمل ترين سلام ايلسے مازل فرما جوتيرى ثنايا ن شان اور

تبرے سرامر دہ ہمیست اور عظیمتان سے مطابق ہو، جیسے ان کی تا و عظرت اورسركار كم منصب عالى كے لائق بو، ان كے جاہ ومترب ا ورعظمت شنان محمناسب تربو- ا وران کی آل برجی ، جوفظب (محد،) بين ا فراد د بيمثل ، ين - شريف الاصل مين - اس باركاه ذبوی) کے درمیان سب سے پہلے مینجے والے ہیں -اورحنور کے صحابه كرام برجو محقیق كے راہنا ، صدق وتصدیق كے امام اور را ہ توقیق کے درجے کی ماہنمائی فرانے وا سے بن تیرااسیا درود جوتیری عنایت سے تیری مخبت کے صنمن میں سب سے پہلے ، بہلے سے بھی پہلے ،کہ اس سے پہلے کوئی نہ ہوہرورش یا نے والا ہو ، تیری بُزرگی سے تیری سعادت کے برد ہ میں لیٹا ہو، بعد کے بعدجیں کے بعد کوئی بعد نہ ہو، وسے تواس کے یلے چاہے ، اور فضل فرما سے اور جس کی تو اینمائی فرمائ اورجس كصبب توجوه وعطا فرمائ اورجس يرتود اجرعليم واجب فرمائ بين تيريدانعام واكرام فران برتيرات كريه ہم تیری اس طرح حمد و تنامبحالانے سے قاصریں ، جیسے تو سنے خو داینی حمد و تنا فرمائی ہے اویسا درو دجس سے گربیں کھل جائیں۔ مسكليفين وووبول، رسيج وغم كالالهو، اورجس سے توبندے كواس كے مطلوب تك مہنچائے - ایسا درودجس كے ذریعے تو ہما ري آلنش جرائى كوابين يقين وصال كى تحندك سينجها دسه اورجس كي ذليم توجم كوايني باركا ه اور قدسى مبلوه كا دسي ، ابنے رونتی افروز، خولجسور كمال كي جيكي ويحق روشني معيمنور فرائد السومال مين كريم أيري لطبعث علُوم لُونيهُ، إمسرار ربّانيه اورمُنفرد ديجتا حكت اورصفات.

فدادندي كح حمائق اوراخلاق فمحدى كي عظمتون سے فيضياب ہوكر نغولس بشريد سے فارع ہوجائيں اسے الله ، اسے بهت سننے والے اسے مب کے قریب ، اے قبول فرط نے والے ! اسے بند کھولنے والے اسے بہت بختنے والے ۔ اسے کرم ورح فرانے والے! (یہ بھی دُعا ہے) کہ جولوگ توقیق کی دوڑ میں آ کے تطلفے وا سے ہیں ، ہم کو أن سے ملا و سے ۔ وُه جو ہرا جھی محدہ عا دت میں مقام محمیل برفائز ہی رُفیق اعلی محضمام برجن برانعام داکرام کی بایش بورسی ہے اُن مح بمراه جن يرتوك انعام فرايا اپني نوراني جيك كے انوارعطافرا . كر، وُه جونباط صدق ومُحبّت برا بنے دوستوں كے بمراه تشاهيت فرما بین تعیم محمد صلی الندعلیه و لم اور حصنور کی اُمتت، جو تیرے انوار کاسمندر، تیرسے رازوں کی کان اور تیرسے نبئی رحمت ہیں تیری سلطنت كى انكف كى تىلى بىل جن كا نۇرسارى مخلوق سے اقراب، اورجن کاظهورتمام جمانوں کے لیے رحمت ہے جوحی کی و ح اور مخلوق برالله كا اخسان ميں عربت وعظمت سے تاج ،اوربرور ميا تمام اُمّتوں کے شفاعت فرمانے دالے ہیں۔ قرآن کا مل، جمن کے خلیل، اورا للرتعالى كے جزربردست بدلہ لينے والا با دفتاء ہے ، كے بيب جن كو روستن عقلى وتقلى ولائل دسي كرجيجا كيا ب، تورات ، زبور. المجیل اور قرآن میں جن کی تعربین کی گئی ہے جس میں اتھا کی تعظیم و توقیر کے ساتھ ان کی علامات و کوانف بیان ہوئے میں راسے عیالی . . خبری دینے والے بی بختک ہم نے تم کوحاض، ناظر، بشارت دینے والا اورخطرناک انسجام سے اگا ہ کرنے والا بناکر بھیجا ہے اور

یہ دونولدر و دستری کتاب مسالک انحفا "یں ذکر کرنے کے بعد مؤلف نے فرایا ، یہ دونول در و دستری تا بوالعبانس احمد بن موسی مسرعی قا دری کے بہیں اللہ ان کی برکت سے ہم کو نفع مند قرما ئے ۔ عَلاَم قسطلانی شئے بہلے دُرُو مشریعت کے متعلق فرما یا ،انس سے مُبارک کیفیت بیدا ہوتی ہے یہ کانی جامع ، بندگا بخشین والا اور نفع مند ہے اس کا نام بُغنیة المقاصد الی جیسے القاصد فی العسک لا تو علی ما سُول الله عسلی الله عکر نے وسیح مسابح الله عکر الله علی ما سُول الله عسلی الله عکر نے وسیح مسابح بیا الله عکر الله علی ما سول الله علی ما الل

مناون وال درودرمر ستدی محربی عب راق ترس می کا سیدی محربی عب راق ترس می کا

ٱللَّهُمَّ صَلَّ عَلَىٰ لَوْحِ مَصْحَمَانِيَّتِكَ الَّذِي كُنَبْتَ نِيْدِبِعَهُ رَحِيمُ يَسْكِ وَمِهِ كَادِ مَهُ دَرَ مُحْمُونِ يَسْتِكُ وَمَاكَانَ اللَّهُ ربيُعَ ذَيْبَهُمُ وَٱنْتَ فِيهِمْ) ٱللَّهُمَّ صَلَّ عَلَىٰ عَسُرُشِ إِسُتِوْآهِ وَحُدُدُ الْمُتَلِكُ مِنْ حَيْثُ إِحَاطَةِ آحَدَيَّتُ أَكُوهِمَّتِكَ يُحْمَيْكَ الشَّامِلَةِ وَبَسَرَكَيْكَ الْكَامِلَةِ مِنْ حَيْثُ إِحَاطَةٍ غَوْيِكَ دِوَمَا اَرُسَلُنُكُ إِلاَّ مَرْحَةً يُتَّعَالَيِنَ) بَلُ صَلَ يَارَبُ الْعَالِينَ، عَنى مَحْمَةٍ يَنْعَالِينَ، أَنْدَهُمَّ صَلَّ عَلَى أَسْسَانِ عَبْنِ أَنكُمَالِ فِيُ حَضْرَةٍ وَحُدَ انِيَّتِكَ وَجُمْعِ جَمْعِ أَحَدِيْتِكَ مِنْ حَيْثُ أَحَاطُهِ قُولِكَ رِمَّا آتُهِكَ النَّيُّ إِنَّا ٱرُسَلُنكَ شَاهِدًا وَّمُسَنِّرًا وَمُسَرًّا وَسَدَّا تَرَدَّاعِيًّا إِلَى اللَّهِ مِاذُ بِنِهِ وَسِيرَاجًّا مَّنِيبُرًّا وَكَبْشِر أُلْوُمِنِينَ بِأَنَّ لَهُمْ مِنَ اللهِ فَفُسُلُوكَ بِينًا فَكَ مَنَ اللهِ فَفُسُلُوكَ بِيرًا فَكَانَ ٱلمُبَكِيِّسِرُعَيْنَ ٱلْكِتْشُويَةِ فَآنِلْنَامِنُ بَرَكَانِهِ ، وَٱنْتَع آللهُمَّ أَفْعَالَ قُلُونِنَا بِمَفَايِحِ حُبِّهِ وَٱكْعَلْ آبُعِكَ آ بَعَنَائِونَا بِأَثْبِ ذِنُوبِ وَطَهِرْ أَشْرَا رَسَرَّا رَسَرَّا ثِرْنَا بمُشَاهَدَيْهِ وَتُسُوبِهِ ، حَتَى لَانَى فِي الْوَجُؤُدِ [لاَ أَنْتُ بِ وَمِنْ نَوْمٍ عَفَلِتَ انْنُتَ بِهُ ، أَنْهُمُ صَلَ عَلَى

كآب كِفَا يَنْكُ وَهَاءِ هِدَايَتِكَ وَبَاءِ يُمْنِكَ وَعَيْنِ عِمْمَتِكَ وَصَادِ صِسَرَاطِكَ د صِرَا طَرَالَدِيْنَ ٱنْعَهُتَ عَلَيْهِهِمُ غَبُرِا لُعَفُنُ وَبِ عَلَيْهِمُ وَلَا الضَّالِّينَ مِسِرَة طِالله الَّذِي لَهُ مَا فِي التَّمُوْتِ وَمَا فِي الْدُرُ مِن الدِّ إِلَى اللَّهِ تَعِيدِيْنُ الدُّمُورُ) اللهُ مَ صَلِ عَلَى نُوسِ كَ الدَّسْلَى ٱلْمُتَشَقِعِ بِالدُّسْمَا فِي حَفْقَةِ الدُّسْمَا، فَكَانَ عَنِينَ مَظَاهِ رِهَا الْوَجُودِيَّةِ، مِنْ حَيْثُ إِ حَاطَةِ عِلْمِكَ وَعَيْنَ آسُسَرَارِ هَا أَجُوُدِيَّةِ ، مِنْ حَيْثُ إِحَاطَةِ كَرَمِكَ ، وَعَيْنَ انْحَدِيرًا عَاتِهَا ٱلكُلِيَّةِ الْسَعُونِيَّةِ ، مِنْ حَيْثُ إِحَاطَةِ إِمَ دَيْكَ وَعَسَيْنَ مَعْدُ وُدَاتِهَا الْحِسِبُرُوسَيَّةِ، مِنْ حَيْثُ آحَاطَةِ تُدُرَيْكَ وَقَهُ رِكَ ، وَعَسِيْنَ إِنْشَأَ آتِهَا ٱلْوِحْسَانِيَّةِ مِنْ حَبُثُ إِحَاطَة سِعَة وَرَحُمَتِكَ ، أَللَّهُمَّ صَلَّ عَلَى حِبْيم مُلْكِكَ وَحَآءِ حِكْمَتِكَ وَحِبْم مَلَكُوْتِكَ وَدَالِ دَيْهُوْمِيتِكَ صَــكَةَ اللَّهُ مَنْ تَغُرِقُ الْعَدَّ وَتَجَيْطُ بِا كُمْسَدِّ ، أَنْكُهُمَّ صَسَلَ عَلَى الْوَرْحِيدِ الثَّافِي الْمُعْفُومِين بالسَّبعِ المُثَانِيُ ، أكسِّ رِّالسَّ رِثَى فِيْ مَنَا ذِلِ الْاُفُفِي الرَّحْانِيُ ٱلْعَكَيمِ الْجَارِيُ بِمَسَدَ احِ السَّرَيَّانِيُّ، عَلَى مَسْطُوْدِ الْعَقُلِ الْاِنسَانِيُ صَلَاةً تَجَدُّدُ يَجَدُدُ يَجَدُدُ وَتُحْتَيكَ عَكَيْده ، وَٱنْتِهَاءِ نُوْرِكَ وَسِيرِكَ إِلَيْد ، يَارَبَ أَلْعَالَيْنَ، أَنَّلُهُمُّ صَلِي عَلَى أَلِفِ آخِدِ تَيْنِكَ وَحَاءِ وَحُدَيْتَيْكَ وَحِدْثِيمِ مُلْكِكِ وَدَالِ دِيْنِكَ دَالاَكِهُ

البذين النخاليمن فعَدُ آخُلَصْتَ الْخَالِصَ فَأَضَفْتَ ا إِلَيْكَ ، فَعَسَلِ مَ تِعَلَىٰ مَنْ فَامَ إِلَيْكَ بِمَا أَضَفُتَ عَلَىٰ النَّحْقِيْنَ، أَقَامَ دِيُنَكَ وَبَلُّغَ مِ سَالَتَكَ وَأَوْضَحَ سَيِيْلَكَ وَآدَى آمَانَتَكُ ، وَآقَامَ ٱلْسُبُرُهَانَ عَسِنَى وَحْدَدَ انِيَّتِكَ وَآشُبَتَ فِي ٱلْقُلُوْبِ آحَدِيَّتِكَ فَهُوَ سِسرُّكَ ٱلْمَصُونُ بِعَيْبَتِكَ وَجَسَلَاكَيْكَ ، ٱلْتُوَجُهِوْدِ آسْدَا يرك وَجَمَالِك، بَلْ صَوْرَت بِي عَلَيْهِ عَلَىٰ تَكُدُي مَعًا مِهِ أَلْعَظِينِي كَدَيْكَ، وَعَالَىٰ قَدْرِعِتَهِ عَكَيْكَ أَنْدُهُمَّ صَلِيَّ عَلَى مَوْضِعِ نَظْرِكَ وَمَظْهَرِ خسنزائن حقدمك وتجلى عسزتك ومفتساج تُدُدَّدَيْكَ، وَمَعَلِ رَحْمَيْكَ وَمَجْدِ عَظْمَيْلِ فَ خُلاصَتِكَ مِنْ كُنْ حَوْنِكَ وَصَفُوتِكَ مِنْ مُنْ مُنْ وَصَفْوتِكَ مِنْ مُنْ خَصَّصْتَهُ مِا مُسطِفًّا مُلكَ. آلنِّي آلُائِي ، آلرَّسُوْلِ الْعَرَبِي الدَّبُطَحِي الْفُسُرَيْتِي آخَكْرِ الْتَحَامِدِينَ فِي سُسرَ وَقَاتِ حَسَلَائِكَ، وَمُعَسَمُّوا لَمُحْسَمُوُدِيْنَ فِي بِسَاطِحَ بِلْثَ أشهتم صسرت على ألغي إشداعك وتباء بدات إخْسيرًا عِكَ، وَوَا وِ وُدِّكَ فِي اِنْشَااتِكَ وَالْعِنْ لِ إِبْرَاءِ لِكَ لِمَخْلُوْ قَاتِلْفَ وَكَامِ لُطُفِيْكَ فِي تَذُبِيْرًا يَكَ، وَقَافِ إِخَاطَةِ قُدْرَتِكَ عَلَىٰ خَلْقِ ٱرْصِلكَ وَسَهُوٰتِكِ، وَسِينِ سِيرِكَ بَيْنَ جَينِعِ اَفْرَادِ مُشِدَعَايَكَ وَحِيْم مَمْلُكَتِكَ ٱلْمِعِيْطَة بِمَعْلُوْمَا يَلِكَ

اللهُمَّ صَلِ عَلَى سِيرٌ وَجُودِكَ وَمَظْهَرِجُودِكَ وَجَالَاتَهِ مَوْجُودِكَ ، أَللَّهُمَّ مَسَلَّ عَلَىٰ إِمَامِ حَفْسَرَةٍ جَبَرُونِكَ ٱلْهُمَلِيُّ فِي مُحْرَابِ قَابَ قَوْسَبِينِ آوُ آدُنَىٰ لِوَحَدِيَّةِ جَمْعِهِ فَانْجِمَعَ بِكَ فِي صَلاَتِكَ فَجَمْعَتَ لُهُ عَلَيكَ وَ خَصَّفْتَ أَ بِالنَّظْرِ الدُّكِ وَأَخْلَفْتَ أَ بِالنَّجُودِ بَيْنَ بَدَيْكَ وَصَعَلْتَ ثُوَّةً عَنْهِ فِي المَسْلَوَةِ الْعَالِمَتِ لَوَ كَذَيْكَ فَهُوَ ٱلْمُتَّحَمَّنُ بِأَبْكَارِمَتَ احِدِكَ ٱلْمُقْتَنِعِنُ يِلاَمِعَاتِ لَهُ حَاتِ نَفْحَاتِ مُشَاهَدَيكَ ، أَلَّهُمُّ صَلِّ عَلَىٰ كَلِمَتِكَ أَنعُلْبَا مِنْ حَيْثُ الْإِنْسِيرَاعِ وَالانبتِدَاعِ وَعُسِرُ وَيْكَ ٱلُوُثَّى مِنْ حَيْثُ ثَتَا بُعِ ٱلْإِثَّبَاع ، وَحَبْلِكَ الْمُعْتَصَمِ عِنْ دَالضَّيْنِ وَالاتِّسَاعِ، وَمِسْراطِكَ المُسْتَقِيم يلُهِ دَايَة وَالْإِثْبَاع ، السمسمَ أَ دُ مَّ ح فَى طَلْسِم، ومَحَسَتَدُنْتَ سُولُ اللهِ وَالسَّذِيْنَ مَعَهُ آشِدَّ آءُ عَلَى الكُفَّابِ سُحَمَّاءُ بَيْنَهُمْ تَرَاهُمُ مُرُكِّعًا سُعِبَّدًا يَبْتَغُونَ فَضَدَّةَ مِنَ اللهِ وَسِ صُوَاتًا سِيمًا نِي وُجُوْهِ هِمْ مِينَ آخَرَالتُجُوْدِ ، ذيكَ مَثَلَهُمْ فِي التَّوْلَامُ وَمَثَلُهُ مُ فِي آلُهُ يَجِيلِ كَذَرْعِ آخِدَجَ شَطًّا هُ فَآذَدَ ا فَاسْتَغْلَظُ فَاسْنَوَى عَلَى سُوْقِ إِيعُجِبُ السُّوَيَاعَ لِيَغِيظَ بِهِمْ الْكُفَّاتَ ، وَعَدَ اللَّهُ الَّذِيْنَ آ مَنُوْا وَعَكُوا الصَّالِعَاتِ مِنْهُمُ مَغْفِ رَبَّ قَ آجُ رًا عَظِيمًا) آحَنُ وَدُوْدُ طَهُ الْمُسْسَى كَن وَالْقَلَمُ وَمَا يَسْطُرُوْنَ)

آتلهم مسرعلى المتخيتي بصفايك المشتغرق في مُشَاهَدُ ذَا مِنْ أَلْحَقِ آلُمُتَعَلِّقِ حَقِيْقَةَ ٱلْحَقِ، آحَقُّ هُوَ قُلُ إِنْ وَسَ إِنَّ لَا نَسَا لَا خُتُ وَإِنَّ اللَّهَ وَمَسَلَدً كُمِصَتَهُ يُمَسَلُّونَ عَـلَى النَّبِيِّ يَااتِكُا الَّذِينَ احْمَنُوا صَـلَوُ ا عَلَيْهِ وَسَيْمُوا تَسْلِيمًا) أَنْلَهُمَّ إِنَّا فَدُعَجَ ثِنَا مِنْ حَيْثُ إحاطك عقوليتا وغايته آفها حتا ومنتهي لآدينا وَسَوَايِنَ حَمِينًا آنُ نَمُسَيِّى عَلَيْ رِمِينَ حَيْثُ هُوَ وَحَيْفَ نَعْدُدُ عَلَىٰ ذَيكَ وَقَدْ خَعَلْتَ كَادَمِكَ خُلُقَهُ وَأَسْمَاءً كَ مَظْهَرَةً ، وَمَنْشَأَ حَوْيِكَ مِنْهُ وَ آنْتَ مَلْجَوُهُ وَرُحْفُنُهُ ، وَمَلَوُكُ إِلاَ عُلَى عِصَابَتُ فَ وَنُمُسُونُهُ ، أَلَّهُمَّ صَلَّ عَلَيْ رِمِنْ حَيْثُ تُعَلَّقِ تُدُرِّت مِن مِن الْمُ عَامِلِكَ وَتَحَقِّقُ أَيْمَا يُلِكَ بِإِمَا دَيْلِكَ مِنْهُ إِبْتَدَأُت الْمُعَلُوْمَا تِ وَإِلَيْدِ جَعَلْتَ غَاسِتَةً الغَايَاتِ وَبِهِ وَقَرْتُ الْعُجَجَ عَلَى الْمَخْدُوقَا سِت فَهُوَ آمِينُنُكُ، خَازِنُ عِلْمِكَ حَامِلُ لِوَاءِ حَمُدُ لِكَ، مَعْدِ سَيِرِكَ مَنْفَهَرِعِيزِكَ نُقُطَةُ دُآئِدَةِ مُتُكِلِكِ ، وَمُحِينُظُهُ وَمُسَرَحَتَهُ لا بَسِيطُهُ اللهُ مَا للهُ مَ صَلَى عَلَى الننغسود بالتشهد الآعلى والمؤردالة خلى والظؤب الْآحْسِلَى وَالنَّوْسِ الْآسْسَى الْلغتَصِ فِي حَصْسَرَةِ الْائْمَادِ ياكْقام اكْوَسْمَى وَالنُّوسِ الْاَبْعَى وَالسِّسرِّ الْاَحْمِي، اللهنة مسل على الشاع العيبية واللهم مسل على

التَّجُرَةِ الْعَلَوِيَّةِ التَّابِينَ اَصُلُهَا فِي مَعَسَارِنِ هَيْبَكِ. اَسْتَامِيُ فَـ رُعُهَا فِيُ سُرَاءِ قَاتِ عَظْمَتِكَ ، اَللَّهُمَّ صَلَّ عَلَى الْسُرَّمِيلِ الْسُدَّيْرِ الْمُسُذِرِ الْمُبَيِّدِ الْسُكِيرِ الْطَهِدِ ٱلْعَطْوُفِ ٱلْحِلِيْمِ رِلَعَنْ تُحَاءَكُمُ مَدُولٌ مِنْ ؟ نَفْسِكُمُ عَذِيرٌ عَكَيْهِ مَا عَنِينَ حَرِيْصٌ عَلَيْكُمُ بِالْمُومِنِينَ رَوُفُ الرَّحِيمُ فَإِنْ تُولُونُ فَتُلُ حَسِبِي اللهُ لاَ إِلهُ هُوكَالَيْبِ تَوَكَلْتُ وَهُوَرَبُ إِلْعَرْشِ الْعَظِيمِ. آللهُ نُورُ السَّمُواتِ وَالْارْضِ مِشْدُ أُنُورِه كَيَشُكَاةٍ فِيْهَا مِصْبَاحُ ٱلمِصْبَاحُ ٱلمِصْبَاحُ فى نَاجَاجَةِ الرَّجَاجَةُ كَانَّهَ كَوْكَبُ دُرِي يُوْتَ لُهُ مِنْ شَجَدَة مُّبَارَكَة رُيْنُونَة لِأَشْرُونَة وَلَا عَرُبَيِّة يُكَادُزَيْتُهَا يُفِيدَى وَكُولَتْ مَنْسَسُهُ نَاكُ، ثُورٌ عَلَى ثُوسٍ، يَهُدِي اللَّهُ لِنُوْسِ ٥ مَنْ يَشَاءُ ١ أَلَّهُمُ صَلَ عَسَلَ مِشْكَا وَجُسُمِهِ وَمِمْسَاحِ قَلْبِ وَزُجَاجَةِ عَقْلِهِ وَكُوْتَ بِسِيرٌ الْمُؤْفَ لِ مِنْ شَجَرَة لَوْسِ ال النهفا ضي عَلَيْد ، مِنْ تُؤْمِر رَبِّهِ فُوسٌ عَلَى نُوسِ مَلْ صَلَّ عَلَى الفَّمِهِ يُوالِّبَ إِزِ أَلْمَسْتُوْسِ فِي النُّورِ الثَّا فِي الْآدِجِدِ الْمَصْرُوبِ بِهِ أَلاَمْتُ الْ فِي عَالَمِ الْمِتَالِ ، اللهُ مَ صَـل عَلَى مَنْ نُوتِ تَ بِنُورِهِ مَلَحُوث مَا مَلُوث لِكَ وَآدُ ضِكَ مَثَلُ نُوْرِهِ كَيشُكَآةِ حَوْيِكَ فِيهَا مِصْبَاحُ مِّنْ نُوْسِهِ ٱلْمِصْبَاحُ فِي زُجَاجِةِ آجْسَامِ آنبِسَيَا يُكَ وَمَلاَثِكَيْكَ وَرُسُلِكَ أَلنَّ حَاجَةً كَالْجَاكَ وَرُسُلِكَ أَلنَّاكَ وَكُلْبُ

دُيِّ يَ تُوْتَدُ مِنْ شَجَرَةٍ اصْلُهُ النُّوْرِ الَّذِي هُوَالُفَاضُ عَلَيْهِ مِنْ قَيْضِ آسُمَّا يُكَ نُوسٌ عَلَى نُوسٍ يَهْدِى اللَّهُ لِنُوْسِ ﴾ مُحَستَدٍ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ مَنْ يَسْسَاءُ مِنْ خَلْقِهِ وَيَعِنْ رِبُ اللَّهُ الْاَمْتَ اللَّهُ الْاَمْتَ اللَّهُ الدَّاكُ لِلنَّاسِ وَاللَّهُ بِكُلِّ شَنْى عَلِيمٌ ، أَنَّهُ مَ وَنَّكَ عَلِيمٌ بِعَلْدَ النُّورِ ، أَنَّادِدِ الْمَسْتُوْسِ، ٱلْبَاحِدِ الْمَشْهُودِ، الَّذِي بَعَدُت مِيه كُلِيَّتَةَ الْحَوْنَيْنِ وَطَرَّزْتَ بِ الْقَلَيْنِ وَزَيَّلْتَ بِهِ أَرُكَانَ عَرُشِيكَ وَمَلَّا يُكَنَّةَ فَسُدُسِكَ وَآدُنَيْسَةُ مِنْ حَفْرَةٌ جَبِبُرُوْتِكَ وَجَعَلْتَ لَهُ ٱلْكُتَشَفِعَ إِلَاكَ فِيُ مَلاَّ يُكَتِكَ وَٱنْبِيَائِكَ وَرُسُلِكَ فَهُوَيَابُ الرِّمِنَا وَالرَّسُولُ الْمُرْتَمَنَى ، حَقِيْقَةُ حَقِيكَ ، وَصَفَّوَ تُك مِنْ خَلْقِكَ، بِنُوبِ وِحَمَلْتَ حَمْلَةَ عَرْشِكَ وَبِيبِيهِ رَفَعْت سَمَوٰتِكَ وَمُسَبُطَتَ ٱرْصِنَكَ فَهُوَسَمَاءُ سَمَايُكَ وَغِيَاتِهُ غَيْرُبِ إِحْسَائِكَ، وَمَظْهَرُ عِسِزَكَ وَسُلْطَانِكَ فَأَنْتَ الْعَيلِيمُ بِهِ مِنْ حَيْثُ الْحَقِي وَالْحَقِيمَةِ فعسل زبت عكيث ومين حيث حقيق في عليك بذيك وَتَعَقَّيْهِ بِمَا هُنَالِكَ، أَللْهُ مُ صَلَّ عَلَى سِرَاجِ دِيْنِكَ وَكُوْكُتْ يَقِينِكَ وَقَمَ رِتَوْجِينِ دِكَ وَشَمْسِ مُشَاهَدُ الْحُسَّانِكَ فِي الْمُجَادِ الْسُسَانِكَ، صَـِ بِلَ رَبِّ عَلَيْهِ مسكرة تَصْعَدُيكَ مِنْكَ الدِّكَ الدُّكَ وَتُعُسِرَنُ نى السكود الدعلى آنتها خايصة كدين صدة

مَبُلَغُهَا الْعِلْمُ الْمُحِيْطُ بِالْكُلِّ حَفِيْقَةُ الْكُلِّ تَتَجَدُّ دُبِكُيّتِ ةِ ذيكَ الْكُلِّ وَسَسَلَمُ اللَّهُ تَرْعَلَيْثِ مِنَ الْمَعَامِ الْمُغْتَمِ بِهِ تَسُلِمًا مَبْلَغُ ولِكَ كَذَلِكَ ، وَٱلْحَدُدِينَ عَلَىٰ ذيكَ، ثُمَّ الْحَدُدُ لِلَّهِ عَلَىٰ مَا مَنْحَ مِنَ ٱلْفَتْحِ ٱلَّذِي به آبُعت ارُ بَعت ائرِنَا قَ دُنْتِحَتْ بِالعَسَ لَا يَعَلَىٰ اَسْرَفِ مَوْجُوْدٍ وَسَيْدِكُلِّ مَسُودٍ الَّذِي حَهْلَ به الرُجُودُ وَ بِاللَّهِ سُبْحَانَهُ التَّوْفِيْقُ وَبِهِ يُطْلَب كَمَالُ زِكْمَالِنَا عَلَى التَّحْقِيْقِ، آللْهُمَّ يَجَاءِ صَاحِبِهِ العيدة ثين وَبِالْغَارُوقِ الْمُونِيِّ السَّفْدِينِ وَسِنْدِي النورش وبغات جراثغ كدفته إبن عقيه عكى التَّحْقِيْقِ، آللهُ تَدَ اجمَعْنَا بِكَ عَلَيْكَ الدِّكَ وَآنشِيدُ إلَيْتِ فِي حَمْثُ رَوْجَمْعِ ٱلْجَهْعِ، حَيْثُ لَا فَكُرْقَ لَهُ وَلاَ مَنْعَ ، إِنَّكَ آنُتَ الْمَانِحُ ٱلْفَاتِحُ ، ثَمْنَحُ مَاشِكْتَ مِنْ مَوْاهِب رَبّانِيتِكَ ، لِنْ شِنْتَ مِمَّنْ حَصَّصْتَ هُ رَهُبَانِيَّتِكَ ، اَللَّهُ مَ إِنَّا نَصُالكَ آنُ تَحْشُرَنَا فِي زُمُرَيِّهِ وَإِنْ تَجِعُلَنَا مِنْ آهُلِ سُنَّتِهِ وَلَوْتُخَالِفٌ بِنَايًا مَوْكَانًا عَنْ مِلْتِهِ وَلَا عَنْ طَرِيْقَتِهِ إِنَّكَ سَمِيْعُ السَّدُعَاءِ مُجِيْثُ لِمَنْ دَعَا ، آوُالْقَى النَّمْعَ وَهُوَ شَهِيْدٌ ، اَللَّهُ حَكَمَا مَنَنْتَ عَلَيْنَا بِالصَّدَةِ عَلَيْدٍ فَامْنُنُ عَلَيْنًا بِغَهْمِ أُنكِتَابِ اللَّذِي أُنْزِلَ إِلَيْسِي ، لِانَّهُ شِفًّا عُلِمُ فَعِينَا وَرَحْمَةُ لِلْعَالَسِيْنَ "

اللی دو دبیج اابنی رحانیت کی استختی پرجس میں تونے اپنی مرجمہ بر رحمیت سے قلم سے لکھاا درا پنی عظیمانشان مدد کی سیاہی بر دا ورانتد کی بیشان نهیس که تم اسے مجبوب ان میں موجو د ہوا وروُه ان كو عذاب د سے) اللي إاپني وحدانيت كے تخت اقتدارير وہاں تک درُو دہیج اجهاں تک تیری کیٹا خدائی کی وسعت بیمیلی ہو کی ہے۔ اپنی رحمت شاملدا وربرکت کاملہ رصلی الله علیہ وسلم) پرجهان تکت تیرسے فرمان دا وراسے محبوب ہم سنے ہیں بس جہانوں کے بیلے رحمت بنا کر بھیجا ہے۔) کا ا حاطہ ہے بلکہ اسے رہاں العالمين إرجمة للعالمين ير ورُود جميع إ، الني ان بر ورُود بمعيج جوتيري بارگا و واحدانيت كي چيم كمال كي تي مي اورتيري وعدت مے كمالات كے جامع ہيں جہاں كمة برايد فرمان شامل ہے دلسے غیب کی خبریں تا نے والے دنبی) ہم نے تم كوحاضروناظرا ورد ما شنے والوں كے بيلے ، ختنخبرى سنا شنے والا، اور دمنکرین کوبرسے اسجام سے آگاہ کرنے والا ، اور سحکم الہی التدكى طرفت ُبلا سنے والا ،ا ور روشن كرنے والاجراغ بنا كرجيجا اورا بل ایمان کواس بات کی خوشخبری منا دو اکدان سے بیلے النرکی طرون سے بڑا فضل تیار ہے ہیں بشارت سُنا نے واسلے، بذات بنو دبشارت ہیں، پس ہم کوان کی برکتیں نصیب قرط اورالنی ! ہمارے دلوں کے افعال کوان کی مُحبّت کی جاتی سے کھول و سے واورہار سے دل کی انکھوں میں ان کے نور كائرمدك وسع اوربهار ساندروني رازول كوان كيمشابرو

ترب سے پاک فرما دے۔ بہال مک کم ہم عالم وجود میں ان کے واسطہ سے تیرے بغیر کسی کونہ دیجیس اور ہم خوابِ غفلت سے بیدار ہوں النی اپنی کفایت سے کاف ، اپنی مرایت کی ما اپنی آبن د برکت، کی یا اپنی عصمت د خاظت، کے عین اپنے صراط دراسته) كي صا ودعيسرًا طَ اتَّ ذِينَ ٱنْعَتْتَ عَكَيْهِ حَد غَيْرِ الْمَغُمَنُوبِ عَلَيْهِمْ وَلَوْ الفَتَّ الِّيْنَ، مِسرَطِ اللهِ الندى كه مَا فِي التَّمُوْتِ وَمَا فِي الْوَرْضِ الْآلِوَلِي اللهِ تَعِيدِ يُوالْا مُوْثُ) يردرود بيع إالني إليت اعلى ترين تورير درُو ديميج إجن كي شفاعن بارگا و الني ميرم تنول ہے۔ جوتيرك علم محيط محمطابق تيرى صفات وجوديه كے ظامور كا منبع ہیں، اور تیری صفاتِ وجو دیہ کے بعیدوں کا تیرے کرم محیط سے سرحتیم میں اور تیرے ارادے کے مطابق تیری نیت ننی اختراعات ومصنوعات والیصفات کوبهته کا مرکزبی، اور تیری قدرت و قهربے یا یاں کے مطابق مقدورات جبروتیہ کا عین ہیں اور تیری وسیع رحمت کی بنا پرینت نئے احسانات کی عين رُوح ميں واللي لينے ملك كيميم اپني حكمت كي حاً اور لينے ملكوت كاميم اور اسف دوام كاميم براليا درود بيج جوسلسلة اعداد وشمار كوختم كر دسے اور صدو دو تفور كو محيط ہو، الني ان بر ورود بمعيج وووسر سنمبر يريحتابين يجن كوسبع مثالي كيساته خاص کیا گیا ہے۔ جوا فق رصت کی تمام منازل کی رُوحِ رواں جومد دربانی کی روشنائی سے لکھنے والا قلم ہیں ایسا درُودج

تير ي مبيب صلے الله عليه كوسلم يرتيرى دم بدم رحمت كينزول کے ساتھ اور ان کی طرف تیر کے نور اور تیرے ماز پہنینے کے ساتحدساتهدم آن جاری وساری رسے۔اے ربّ العالمسین! اللي إيني احدثيت كالف اورايني واحدانيت كي ما اين ملك كيميم اور اينے دين كى دال داكد كذك الذين الفاكي برورو بيج، يقينًا توكف ان كوم رغيرس مثاكر صرف اپني طرف نسوب فرمایا- توکسے پرور دگار! درود بھیج اُن پرچ تیری منسوب کردہ م نوُبی و کمال کے ساتھ قائم قائم ہُوئے تیرے دین کو صنونے قائم فرمايا ، تيرا پيغام مينجايا ، اور نيراراستنه دا ضح فرما يا اورتيري ا ما نت ا دا فرما کی ، ا ورئیری توحیب ریر دلیل قائم فرما کی . اور دلوں میں تیری ا حدثیت کو تبت فرمایا ،پس وُه تیراایسا را زہیں ہوتیری ہیبت وجلال کی وجہ سے مفوظ ہیں جن کے سئریر، تیرے تورراز وجال كاماج بعد بلكدالني ان يرابيها ذرود جمعيج اجوتيري بارگا و میں ان کے مقام برتسر کے لائق ہو۔ اور ان کی اس عزت سکے شایا ن ہو،جوان کو تیرسے ہاں حاصل ہے۔الہی اُک پردرود بھیج ،جن پر میشہ تیری نظرمہتی ہے۔اوران پرج تیرے کرم کے خزانول محضظهرا ورتيري عزت كي تحلي كاه مين ا ورتيري قدر کی چایی اورتیری رهمت کاعل اورتیری عظمت کی بزرگی ،اورتیری حَيِقتِ وجُوديه كاخلاصه بين اورجن كوتو نے اپنے أتخاب مخصوص فرما يا- ان مين منتخب بين جونبي أمنى رسول عربي ، البطي،

(مامشيداعےمنی پرملاحظه ہو)

قرشی ہیں جو تیرے جلال سے پر دوں میں سب سے بڑھ کر تیری تعرف كرنے واسلے ہيں اورج تيري بساط جمال ميں سب سے بڑھ كر تعربیت سکتے سکتے ہیں۔الہیان پر درُود بھیج اِج تیرسے ابراع د نوبیداکرنا) کا العن اورتیری مخلوق کی ابت را د بدایتر) کی جام ا درتیرے ارا دوں میں تیری وُدّ دمجیت) کی وا وُ اور مخلوق میں تیرے ابراز دظائور) کے الفت، اورتیری تدبیرو لع لِطف کے لام اور تیری زمینی و آسمانی مخلوق برتیری قدرت کے احاطہ کے قاف رقدرت ہیں۔ اورتمام مخلوق میں تیرسے بیتر دران كيسين بين ورتيرى السوملكت كيميم بين جنيري معلومات كے احاطر ميں ہے - اللي اپنے وجود كے رازا ورايني سخاوت كمضطهرا وركين موجُ وات كے خزانه پر ورُود بھيج اللي اپني باركاه باجبروت كحامام يردرو ديميج اجومحاب قاب قوسين أَذُاذُ فَيْ مِينِ مَمَاز بِرِ صف والعلمين يميى وه انفراديت بحص میں وُہ نما زمیں تیرے ساتھ جمع ہو گئے، تو تو سنے ان کو اپنے

ان دوجود نبایس اکرکسی خلوق سے بکے نہ پر اسے اور کی نہیں ہیں اوقات
یہ نفظ اُن پڑھ کے مفوق سے بکے نہ پر اسے کا نہیں کیے ایسا وقات
یہ نفظ اُن پڑھ کے مفوم کے لیے بولا جا اسے گرنبی کریم علیالسلام کیلئے
جب بولیں کے قرمطلب ہوگا وُہ جو کسی خلوق کے شاگر دنہ ہوں ، بلکہ بردرا ا
یا بالواسطہ اللہ تعالیٰ سے علم ماصل کریں اس صورت میں یہ نفظ مکر رہے
کمالِ علم کی سب سے بڑی دلیل قراریا ہے گا۔
کمالِ علم کی سب سے بڑی دلیل قراریا ہے گا۔
(۱) یہ نفظ اُم انقرای یعنی کو کو مراس کی طرف فیسوب ہوا اور کی کا ہم مطلب ہے جائے میسے
بہ بابی سندھی وی برہ اس صورت میں بھی لاعلی سے اس کا کوئی تعلق نہ ہوا مرتج جائے میں بہ بیابی سندھی وی برہ اس صورت میں بھی لاعلی سے اس کا کوئی تعلق نہ ہوا مرتج جائے ہوئے۔

م كيضوصي سجده ريزي مع مُشترف فرما يا اور توني ابني بارگاه كي خصوصی نماز کوامید کی انکھوں کی مختدک بنایا۔ بیس تیری دات کے نوبه نومشا مدے سے بلے صور ہی خصوص میں جو نیر سے شا مدے کی نورانی گھردیوں کو حاصل کرنے والے ہیں والنی ان پر درود بھیج جونحليق وأفرمنيش سے لحاظ سے تيرا لبند مرتبت كلم يبل و يجسلسل اتباع كے لحاظ سے تيري مضبوط رسى ہیں، اور جوننگی اور فراخی میں تیری سہارا بننے والی رسی ہیں، اور ماہنمائی وبیروی کے بیلے تيري سيدعي داه بيس. اكسم ، حتم- آدم حتى ظسم و مُحتَمَّدُ رَسُوْلُ اللَّهِ وَالَّذِينَ مَعَهُ أَشِيدٌ آءُ عَلَى أَلْكُفَّارِ رُحَمَاءُ بَيْنَهُمْ ، وَتَرَا لِكُمْ رُكُّعًا سُجَّدًا الثَّيْبَغُونَ فَصَلْ الْمُثْنَ اللَّهِ وَرِضْوَاتًا، سِيْمَاهُمْ فِيْ وَجُوْجِهِمْ مِنْ آتَوِالسَّجُودِ، ذَلِكَ مَثَلُهُمْ فِي التَّوْمَ آوَ، وَمَثَلُهُمْ فِي الْدِنْجِيْلِ كَزَرْعِ آخَرَ شَكُاكُ فَانْدَتَ لَا قَاسْتَغَلَظَ فَاسْتَوْى عَلَى سُوْتِ إِيعْجِبُ الزَّرَّاعَ ، لِيَغِينُظُ بِعِمُ الْكُفَّالُ، وَعَدَ اللَّهُ الَّذِينَ أَمَنُوا محدّانشر کے رسُول ہیں مسلی انشرعلیہ کوسم - اور اُن کے سے انتہ واسے کا فروں پرمہت سخت، اور آیس میں بہت نرم ہیں -تم ان کورکوع کرتے ، سجدہ کرتے دیجیں گے ، انٹر کافضل ور رضاجوئی کرتے ہوئے ان سے چروں میں سجدوں کے نشان میں ان کی بینشال توتورات میں مذکور سے -اور انجیل میں ان كى مثال كميتى كى سى سے جس نے يو داپيداكيا بھراس كويروان

چڑھایا، بیمروُه موٹا آزه ہوگیااور بیمراینے شنے پرسیدھا کھڑا ہو كيا- زميندار كوخوش كرتا سب تاكرات رتعالى ان توكول كي ذريع کا فروں کے دل جلائے ان میں سے جوایمان لائے اور جنول نے ایکے کام کئے اُن سے اللہ کا وعدہ ہے کہ ان كى منفرت ہوگى - اور ان كوعظیم انشان اجر ملے گا) مہت مُحبّت كرتے والے، بہت صاف سُتُحرے رطب كا ياستن. قَ ، نَ وَالْقَلَمِ وَمَاكِينُظُونُ وَ وَتَعَم سِينَا لَكُم ورج يكه تكفته بين اللي درو دبيج جوتيري صفات كالمظهروتيري ذات كيمشا مدسي بمستغرق بين جوالياحق بين جوحقيقة حق كے كرداكر د ملقه بكونش ميں - آخت حوقل إى وَدَ إِي إِنَّهُ لَيَعَقُّ - كيا وه حق سهے جتم قرما وُ ماں إمير سے رت كى تسم، بيشك وه حق سے - إِنَّ اللَّهُ وَمَكْرُعِكَمَّةُ يُعَلَّوْنَ عَـلَى النَّبِي تَيَا أَيُّهَا الَّذِينَ أَمَنُوْ احْسَلُوْ اعَلَيْدِ وَ ستسيمُوْ استشيامًا -) اللي بم اس بات سے عاجز بي كايني محردٌ دعقلول، أنتها في دانا يُول، أنتها في ارا دول اورايني بتقت كرتے والى بمتول سے ، سركارى ذات اقدىس پران كى شايان شان درود بي سكم اور بم اسكام سع عده برا بوجي سكة ہیں،جب کہ تو نے اپنے کلام کوسر کار کا خکن ،اور اپنے اسمار تُكسيّه كوحضور كامظهرا ورايني مخلوق كييداكرن كاأب كو سبب بنایا ،اور توسی ای کالمحکانه اور قوت سے اور تیرا جهان بالاحنور كا وحرااورنصرت سے - اللي حنورعليكسلام بر

اس قدر در و دبیج مبناتیری قدرت کوتیری مصنوعات سے تعلق ہے ، اور حبنا تیر سے اسا کے صنی کا تیرے ارا دے سفہوت ہے بعضورہی سے تیری معلومات کی ابتدا ہوئی اورانہی پرتمام غایتوں کی انتها سے، اور انهی سے تو نے اپنی تمام مخلوق براتما جمت فرما ئی ہے ہیں و ہ تیرے این ، تیرے علم کے خزایجی اور تیرے لوالحد کواشا نے والے ہیں تیرے رازوں کی کان، تیری عزت كالمظهراتيرى حكومت كے دائرہ كے نقطه اس كے محيط اس كے مركب اوراس كے ببيط ميں اللي ان ير درُود بھيج بوبلندمرتبست مشامده اشيري كهاث امنورطورا ورعظيمالشان نور كيساته مختص بين جوبار كا دِ اسماً مين مقام بلند . تور درختان ا در را زمحفوظ کے ساتھ مُنفر دہیں۔ اللی اِمحبُوب ترین اٹھان پر ہے اللی بلند درخت پر درو دیھیج بیس کی جرمتیری بلند مرتب ببیت کی کان مین تابت ہے اورجس کی شاخیں ، تیری عظمت كرس الرودول مين موجو د بين الني ان بر درُ و د بهي إجر كمبل ييش (المزمل) چا در پوسش (المدشر) منكرين كواسجام بدست اگاه فران دالمندر، ما نف والول كومبترانجام كى خوشخرى سنان واليد دالمبشر، تیری بڑائی بیان فرا نے والے دالمکتر، سب کویاک فرط نے والے دالمطهر شغیق وہر دیار دالمعطوف الحلیم، میں۔ ركتة دُجّاءً كُمْ رَسُولٌ مِنْ أَنْفُسِكُمْ عَزِيْزُ عَلَيْنَى تهارسے پاس بمہیں میں سے ایک ایسے عظیم انتان رسول آئے میں جن پرتمعاری تعین ناگوار ہے تمہاری مجلائی سے براسے

تربی ، اہل ایمان برشفیق وہر بان ، بیم بھی اگرید لوگ رُوگردانی
کریں ، تو فرما دو کہ مجھے انٹد کافی ہے ، میرااسی پر بھروسہ ہے اور
وہ بڑے عرش کا مالک ہے ۔ انٹد تعالیٰ نور ہے اسمان ورمین
کا، اس کے نور کی مثال ایک طاق کی سی ہے ، جس میں چراغ
ہو، چراغ شینے میں ہوا ورشیشہ ایسا ہو جیسے موتی کی طرح پیٹا
ستارہ ، ایسا چراغ جس کور کوش کیا جائے۔ تربیوں کے بابرکت
درخت رسل ، سے ، جوشرتی ہونہ مغربی جرکاتیل روشنی و سے ،
خواہ اس کو آگ نہ لگے ، روشنی پر روشنی ، الشرتعالی ہے چا ہے
لینے نور کی را ہخائی فرمائے ۔ اللی درُ و د بھیج ، صنور کے طاق
جم ، اور چراغ قلب اور آئیہ عقل اور ستنارہ رُوح پرجس کوروشن
کیا گیا ہے جن کو ان کے شیخر نور سے دوشن کیا گیا ہے ، جس بھائی

بیسے ؛ جو ضمیر بارز اور تو رائی میں بیر شیدہ ہیں جن کی عالم مثال میں مثالیں بیان کی جائی ہیں، النی اُن پر در و دبھیے ؛ جن کے تورسے تو سے اپنی آسمانوں اور زمین کی غیرالشان سلطنت کو متور قرما یا۔ اُن کے نورک کے نورک این آسمانوں اور زمین کی غیرالشان سلطنت کو متور قرمایا۔ اُن کے نورکی مثال تیری کا منات کے طاق کی سی ہے ، جس میں اس کے تورک جو اع ہو، وہ چواغ تیرسے انبیا کو ام تیرسے فرشتوں اور تیرسے رسولوں کے اجمام میں ہے۔ طاق ایسا، جسے جبی اسل وہ فورہ ہے۔ جس کو روشن کی جاتا ہے۔ یہ جو این ایسا، جسے جبی امسل وہ فورہ ہے۔ جس کو روشن کی جاتا ہے۔ یہ ہے قرر پر جس پر تیرسے اسمائے قدر سیک کا فیضان ہوتا ہے۔ یہ ہے قرر پر بر تورہ النا ایسانے قدر محمد میں اسل معرفت کی ہوایت

انی مخلوق میں سے چا ہے عطافرا سے اورانند لوگوں سے لیے مثالين بيان فرماً المهداوراللهسب كحرجانا ميداللي إتو اس نور کومیح طور مرحانے والا ہے، جوظا ہم بھی ہے اور کھیا ہوائی جی جی اور مشور تھی ہجس سے تو سنے سب جمانوں کو روشن کیا اورسجایا ہے ، اورجس سے تو نے اپنے عرمش کے پایوں ا دراینی بارگا ہ سکے فرشتوں کومنرین فرما یا اورجن کو تو نے اپنی بارگا و جلال کا قرسب عطافرما یا ۔ اورجن کو تو نے اپنے فتتول لينے نبيوں اور رسُولوں ميں، اپنے حضوم قبول شفاعت شفیع بنایا۔ بیں وہی باب رضاا وربیندیدہ رسُول ہیں جوبڑے حق کی حقیقت اور تیری مخلوق میں سے برگزیدہ ہیں ۔ انہی سے نور سے تو نے عرض اٹھانے والے فرشتوں کو بیا عزاز بختا، اور انهی کے طفیل تو نے اپنے اسانوں کوبلند فرمایا اور زمین کو سچایا. بیں وہ تیرے اسمان کی بلند تر، اور تیرے پوشیدہ احسانات کی گهرائی اورتیرے غلبہ و محومت کامظهریں بیں حقیقتہ تو ہی ان کو جانتا ہے۔ بیں اللی ان برالیا درود مجھیے جیساتیرے علم میں ان كامتام بها ورجم مقام بروه في الواقع فائز بين- اللي ورود مميج اپنے دين محيراع ، اپنے بين سے ارسے ، اپنی توجيد چاند، اور افرنیش انسانی سے اصان سے شاہرہ سے سورج پر ليندانسان كي أبيجا دمي السيرور دكار! ان برايسا وروميج بودقبوليت كي مانب بجمعًا ما ئے تيرى مدد سے تيرى طرف سے ،تیری ہی طرف اورا بیا درو دجرکا تعارف بزم بالا دمانکہ

میں اس طرح ہوکہ پر در و دشریعت تیرے حضور خالص ہے، ایسا درو ج کا ماصل البیاعلم ہوجوسک ا ماط کرساہے ، جو ہر شے کی خبیت ہو اں کل کے کل ہونے کے ساتھ ساتھ نٹی زندگی ماصل کرتا رہے۔ ا درالنی ان پرایساسلام بھی جوان کے متعام خاص سے ہو،جس کا ان کے حضور بھی پُوٹہی خاص، ہو، اور اس پیرا دیٹر بقالیٰ کا تشکر ہے۔ بهرانتدتعالیٰ کامفی رہے، اس کشائش پر جس سے ہارے ول کی انتھیں کھیں کہ ہم درود وسلام بھیجیں ان بر، جوم موجود سے برگ اوز مرسردار کے سروار میں جن سے وجود کی عمیل ہوتی ۔ بیس الشد سُمانه کی ہی توفیق، اور حقیقتہ ہارے کمال کی تکمیل اسی سے طلب كى جاسكتى ہے- الني صدقه ان كے يارصديق اور فاروق كاجوتصد ست وفاكرسن واسلے شعص اورسدقد ذوالنورين كا اورسدقدان كيجازا دبهائي أأخرى فليغهرات محضرت على رضي التدعنم كا؛ الني بم كوجمع فرما د سے اپنی مسربانی سے ، اپنی ذات پر، ایلے راستے کی طرف اور قبیامت سے علیمان ان دربار میں ہماری آبنائی صنور کی طرف فرمانا، جہاں نہ جدائی ہوگی زکوئی رکا وسٹ بیشک تو ہی عطا فرما نے والا ہمشکلات آسان فرما نے والاسے۔ تو اینی فدائی کی جونعمتیں جے چا ہے عطافر ما سے ان توگوں میں سے جن كوتو سف ايني لولكائي اللي بهاراً محمد سع يدسوال سع كدسم كو سركار كے گروہ میں اُٹھانا اور ہم كوحنور كی شنت كاپيروكارنگے ركفنا اوراللي سم كوآسيك يتت اورراً ستة كامخالف ندنبا نا ، اللي تو بی د عائیس سنتا اور مانتی والول یا ان کی چوصنور قلب سے کا ن

دھری کی دعا قبول فرما ہے۔ اللی جیسے تو نے مجدیر یہ احسان فرایا کر میں سکار بر درود وسلام عرض کروں ، اسی طرح مجدیر یہ احسان مجی فرم وں ، اسی طرح مجدیر یہ احسان مجی فرم و دیجئے کہ میں آپ کی لائی ہوئی کتاب کو سجو سکوں کروہی اہلِ ایمان کے یہے شغا اور تمام جانوں کے یہے رحمت ہے ، اور اہلِ ایمان کی آخری و عامیری ہوگی ، کرسب تعربیت استدرت العالمین اہلِ ایمان کی آخری و عامیری ہوگی ، کرسب تعربیت استدرت العالمین کے لیے ہے۔

اس در و دنتریین کوکتا میکنندالاسراز میں ذکر کرنے سے بعداس کی نفیدت سے بیان میمصنف نے فرمایا یہ درُود ٹٹرییٹ مُحب، قطب کامل عارون بالتدرسُول التُدصلي التُرعليه وسلم كا دني خا وم سيدي مُحَدِّين عراق كا بسے-الله تعالی بم كوان كے وجود سے نفع مند فرما شے-آمين -اس ميں وُه مجوبيت كمياجس مستعقلين دنكب ره جائين اوراس مسطعلوم ہواكہ وہ اكارمرن میدان میں سے ہیں اس درو و شریب کی طویل تعربیت و توصیف کے بعد معنف فرمات میں میں نے اس در و فتریف کے ایک نسخد پر لکھا دیکھا ہے. محشيخ، ولي بسيدى عبدلعزيز المهدى رضى الشرعةُ الكل ور د فرما ياكرت سيم. اوريدان كے وظائف واورا دميں سيے تھا۔ كهاكر بيفتك يہ شيخ بعني ايجاج مشهور صنوفیاً اورجیدعلماً میں سے ایک میں فرمایا کراس کے بعدمُنتف نے ان حروف کی تشریع و توضیح کی جو قرآن کریم کی صور توں سے شروع میں آ ہے بي ديين حرو من مقطعات عيم مُصنّف يحق بين كرعارف بالتُدسيدي احدزرو رمنى المتّرعنُ نے اپنى كمّا ب دا لعوا دش والب دع ميں فرما ياكرسيّرى العلوى ابوالعبائس احمرالبدوى كايه قول رآخة ي آد مم يستم ، ياس طرح سے دیگرا توال ایسے حروف ہیں جن سے مقصود کھ اتا اے ہوتے ہیں۔

جن کو صرف و ہی لوگ بھے سیکتے ہیں جواس سکے اہل ہیں بکسی و وسرسے کوان سسے کوئی ضرر و نقصان نہیں مینچا -

المحاول وال درود منزلفي

ٱللهُمَّ صَلِ عَلَ سَيِدِنَا مُحَسَدُ وَعَلَىٰ آلِهِ وَصَعْیهِ وَسَیْمَ وَ عَلَیٰ آلِهِ وَصَعْیهِ وَسَیْمَ وَ عَدَدَی بِهِ عَلَمُكَ وَجَدی بِهِ عَلَمُكَ وَجَدی بِهِ عَلَمُكَ وَ وَخَدِدی بِهِ عَلَمُكَ وَ وَخَدَدی بِهِ عَلَمُكَ وَ وَخَدَدی بِهِ عَلَمُكَ فَی اُمُورِنَا وَنَعَدَیهِ حُکُمُكُ فَی اُمُورِنَا وَنَعَدَیهِ حُکُمُكُ فَی اُمُورِنَا وَاکْهُدُدِینَا وَاکْهُدُدِهُ وَ اَجْدِد لُلَفَكَ فِی اُمُورِنَا وَ اَکْهُدُدُهُ وَ اَجْدِد لُلَفَكَ فِی اُمُورِنَا وَ اَکْهُدُدُ وَ اَجْدَدُ وَ اَجْدَدُهُ وَ اَجْدَدُهُ وَ اَحْدَدُهُ وَ اَحْدَدُهُ وَ اَحْدُدُ وَ اَحْدُدُ وَ اَحْدُدُ وَ اَحْدُدُ وَ اَحْدُدُونَا وَ اَحْدَدُهُ وَ اَحْدُدُ وَ الْمُسْلِحُونَا وَ الْعُمُدُ وَ الْمُسْلِمُ وَالْمُ اللّٰ اللّ

اللی درُود وسلام بیج ؛ ہار سے اقامحمدا وران سے ال واضحا پران چیزوں کی تعدا د سے برابرجن کوتیراعلم محیط ہے ،اوجن پر تیراقلم میلا ہے۔ اور تیری جس مخلوق برتیرا محم میلتا ہے اور اللی! تاریب اور تمام اہل اسلام سے امور میں اپنا نگلف جاری فرماد۔

أنسطوال درود منولي

اللهم مسلة على سيدنا محسمة وعلى الدوسية مسلة على الدوسية المسلة على المسلة المستنب المسلة على المسلة المستنب ال

پرایبا در و دبیج اجرمراس در دود سے بندم تربہ ہو، جیسے ابتدائے افرنیش سے لے کرائخریک در ود بھیجنے دالوں نے آب پربھیجا ہو، ایسا در و دبھیے اتلی در ودوں پرائی فضیلت حاصل ہوجیسی اللہ تعالیٰ کوابنی مخلوق پر حاصل ہے اور جومیزان مجرا درعلم کی انتہار کے برابر ہو ''

یہ دونوں در ودشر بعث کتاب مسالک الحنفا میں مذکور ہیں اور ان سے
مسلے مسنی سنے در ودشر بعث کے یہ الفاظ می ذکر فرمائے ہیں۔ اَللّٰهُ مُنّا وَ مَسَلِ عَلَی سَیْدِی اَلْمُعُسَمّی وَ اَلْمَا مَا اَلْمُحْسَمَّی وَ اَلْمُعُسَمّی وَ اَلْمُعُسَمّی وَ اَلْمَا مَا الْمُحْسَمُ وَ اَلْمَا مَا الْمُحْسَمُ وَ اَلْمَا مَا الْمُحْسَمُ وَ اَلْمَا مَا الْمَا اللّٰهِ اللّٰهِ مِن مُربِي مذكور ہے بیں نے اے
مالک جومیری کتاب افضل الصلوت میں اکیسوین نمبر بیر مذکور ہے بیں نے اے
مفال کیا ہے جو چا ہے وہاں دیجہ لے مسالک الحنفا میں علام قسطلانی فرائے
مقل کیا ہے جو چا ہے وہاں دیجہ الے مسالک الحنفا میں علام قسطلانی فرائے
مقل میں نے ان دوصیعوں کے ساتھ یہ در ودشر بھت رئیس، مام را بھانہ رونگاط
قاضل علیم ابوعی دائند مُحمّد بن مُحمّد القوصنی رحمۃ اللّٰہ علیہ سے شنا ہے۔

ساطهوال دودنزلفي

خيرلدين بن ظبيريكا

ٱللّٰهُمُّ صَلّ عَلَى سَيْدُنَا مُحَسَمَّهِ خَايِّمِ الْاَئْبِيَاءِ وَالْمُسُلِيْنَ وَحَبِيْبِ رَبِّ الْعَالَمِسِيْنَ وَكَايُوالْعُسِوْلَ مُحَيِّلِيْنَ وَشَغِيْعُ الْمُسُدُّنِيْبِيْنَ ، صَاحِبِ الْمَقَامِ الْتَحْمُوُ وِالَّذِي ثَمَيَزَبِهِ الْمُسُدُّنِيْبِيْنَ ، صَاحِبِ الْمَقَامِ الْتَحْمُوُ وِالَّذِي ثَمَيَزَبِهِ

عَنْ جَينِعِ أَلْاَكِيْنَ وَالْآخِسِينَ، صَاحِبِ الْمُحْرِضِ ٱلْكُوْثَرِ الُّذِي يَرُدِي مِنْ أُلُوَا مِدِينَ ﴾ أَلُوَا مِدِينَ ﴾ أَخْسَمَدَ إَلِى الْعُسَاسِيم أَكْرَيْنِ السُدَيْرِ طَهُ بِسَى ٱنْسَانِ عَيْنِ الْعَاكِمُ صَائِعَ خَاتَ مِ ٱلْوُجُوْدِ، رَضِيعِ ثَدْى ٱلدَّحِي، كَا فِيظِ سيستر الدُن لِ كَاشِعتِ كُرُب الْكُرُوبِينَ ، تَرْجُهَا نِ يستان أنقِديم، حامِل يِوَآءِ الْعِيزِمَالِكِ انْعَةِ الْهَجْدِ آلدَّ وُنِ الرَّحِينِيمِ بِالْمُؤْمِنِينَ، وَاسِطَةِ عَقْدِ النَّالْوَا فَي كُرَّةِ تَاجِ السِّرِسَالَةِ قَائِدِ رَصِّبِ الْوِكَانَةِ ، إِمَامِ أَلْحَفْرَةِ مُعَدِدًم عَسْحَرِالسَّادَةِ الْسُرْسِينِينَ مَنْ آمَّا كُالرُّحُ الْاَحِيثُنُ ، حِنْ عِشْدِرَتِ الْعَالِمِينَ ، فَأَرْكَبَ ٱلْهُرَاقَ وخسرى به الشَّيْعَ اَلطِّبَاقَ ، لِمُبَاشَرَةٍ جَمَالِ العِسَدَة لِ الْذَنَ لِينَ، وَمُعَاصَدَة حَمَال الْعِسنَة الدّب دِي، وَزُفّت عكيد مُعَدّد المُعَدّاتُ أَنْبًاء الكُونين وَإِسْرَا وَالْمُلْكَيْنِ، وَأَمُوْرُالدَّارَيْنِ، وَعُسَادُمُ التَّعْكَيْنِ فِي مَجُلِيسِ لَعَدْرَأَ في مِنْ آيَاتِ رَبِهِ الْحُعْرِينِ) وَ انْتُهُ زُوُسَنَاءُ الرُّسُلِ عَلَيْهِمُ السَّنَاءُ مُ مُسَلِّمَةُ عَلَيْهِ وَهُوَ بِالْاُفْقِ الْاَحْسِلَىٰ وَآفَتِكَتْ مُلُوْكَ الْاَمْسُلَاكَ عَلَيْهِمُ السَّسَدَهُ مُ تَسْعَىٰ بَيْنَ يَدَيْهِ ، وَحُصِشَتْ لِجَمَالِهِ ٱنْعَارُ سُكَّانِ الصَّغِيثِجِ الْدَسَمَٰى ، وَخَشَعَتْ مِهَيْبَتِهِ آعْسَاقُ أَكُلِ السرادي الآشنلي وخقعت ليستزيد مرأس آصُعَابٍ صَوَامِعِ النُّوْسِ وَشَخَعَتْ لِكَمَّالِ مَجْدُدِمْ

ٱغينُ الْكُرُوبِيِّنَ وَالسَرُّوْحَانِيْنَ ، وَوَقَعْتِ الْمَلَاَيْكَ مُصُفُونًا عِنَ ٱلْعَرَّبِينَ وَابْتَجَعَتُ حَضَاعُوالْعَدُسِ بِزَجَلِ الْسَيْحِينَ وَآهُ تَزَّالْعَهُ رُشُ وَالْحَوْسِي طَرَبًا بِرُوبَتِهِ وَرَبَثَ الجنَّانُ وَالْحُوْرُ الْحِسَانُ فَسَرْحًا بِمَقْدَمِهِ وَافْتَخَسَرَ الْعُسَلَى عَلَى السَّرَى بِمَارَائِ وَأَنْكَشَّفَتْ لِعَيْنِ الْمُغْتَابِ الْاَسْرَا وَدُفِعَتْ لِمَناجِبِ أَلاَ نُوارِ الاسْتَارُ وَتَعَدَّمَ بِهِ الرُّوحُ الْآمِينُ إِلَىٰ وَاشِرَةِ وَمَا مِنَّا إِلَّا لَهُ مَعَامُ مَعْدُمُ وَقَالَ لَهُ آيُّهَا الْجَذِبُ الْعَدَدَ بُ تَعَيَّا لِتَكَفِّى اللهِ تَعَالَىٰ وَحُدَ نَ خَالِيًّا وَ زَجَّهُ فِيُ النُّوْسِ وَعِسْدِ النَّنَاجِيُ يَقُصُرُ ٱلْمَنُطَا وِلُ خَانْتَهَى مَثْرَا إلى مُسْتَوَى يُسْمَعُ فِينِ عَسرِيْفِ الْآفَدُمُ بِمَا يُوحَى عَلَىٰ صَغَاً اللَّهِ الْوَعْظِيمِ وَسَمَا رَعَلَىٰ رَفْسِرَفِ النَّوْرِ إِلَى إِ الُهُ فَيِ الْدَعْسِ فَي وَطَا رَبِجِنَاحِ الْدَشُوَاقِ إِلَى مَقَامِ دَنَافَتَدُ كَانْزُلَهُ فِي مَنِيتُفِ الْكُرَمِ فِي رَوُضَتَهِ قَابَ تَوْسَنُينٍ، وَبَسَطَ لَهُ فَرَاشُ الدُّنُونِ شِرَاشَ آوْاَدُنَى سَمِسِعَ مِنْ جِنَابِ السَّرِفِيْعِ أَلَا عَسْلَى، السَّلامِ عَلَيْكَ أَيْعَا النَّيِّ مِن جِنَابِ السَّرِفِيْعِ أَلَا عَسْلَى، السَّلامِ عَلَيْكَ أَيْعَا النَّيِّ وَمَنْ عَنْ اللهِ عَلَيْلُ وَمَنْ عَنْ اللهِ عَلَيْلُ وَحَدَرًامٍ، وَذَذَ وَالْحَلِيْلُ وَمَنْ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ اللهِ عَنْ اللهُ اللهِ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ ال بِالسَّلَامِ، وَبِسَطَ مُنْقَبِضَ رَوْعَيْهِ وَأَنْسَ سُرَعِجَ وحسيبه، نؤعى بِهُ خَاطَبًاتٍ فَأَوْسِى إِلَى عَبْدِهِ مَا آذِى كُوْشِفَ بِعِيبَ إِنْ وَلَعَتَ دُرَاهُ نَوْلَةً أَخُــرَى الْهُمَّ آنَ يَعِيبُ مُسَبَقَهُ الْعَسَدَرُنَفَتَعَ فَهَ نُقَطَرَتُ فِينِهِ قَطَرَهُ مِنْ بخسوانعيلم الازلي، نعلم بعاعلم الاقراني والآخوين

تُهُمَّ عَادَ إِلَىٰ معالِيهِ وَأَهُلِ عَوَالِيهِ وَبَيْنَ يَدَّيْهِ ، صَلَّى اللهُ وَسُلَّمَ وَبَارَكَ عَلَيْهِ، شَادِيْنُ هُ ذَاعَطَّا وُنَاكِتُونَمُ بأناشيد عبدانعتناعك تأمج شروبه كمحكادتيكول الله، طِدائرُ حُلَّتِهِ مَازَاعَ ٱلْبَعَتُ رُوَمَا طَعَيْ نَادلى مُنَادِيُ سُلُطَانِ عِنْدِهِ فِي طَبُقَاتِ الْأَكُوَانِ وَصَفَحَاتِ ٱلوُجُودِ بِلِسَانِ ٱلْاَمْسِ بِالنَّشْرِيْفِ تَعْظِيمًا لَهُ وَتُكُرِيْتًا، إِنَّ اللَّهُ وَمَـٰ لَوَيُكِنَّهُ يُصَـٰ لَوُنَ عَلَى النَّبِي كَا أَيُّهَا الَّذِينَ أَمَنُوْ اصَانُو عَلَيْهِ وَسَالِمُو السَّلِمُ اللهُ مَا اللهُ مَ اللهُ مَ اللهُ مَ اللهُ مَ اللهُ مَ الله الطَّاحِدَةَ مِنَّا آفْضَلَ العَسْلَةَ وَالسَّلَامِ آجُر عَنَّا وَفَصْلَ وَأَكُمَلَ مَا جَزَيْتَ نَبِيًّا عَنْ أُمَّتِهِ اللَّهُ يَارَتَ الْحَيْنِ الْمُحَدَّمَةِ وَصَلِ وَسَدَّةً عَلَى الْحَيْنِ مُحَدَّدٍ كما تحت الحيث محتدة ا ستديا محتد وتاخش وكايات تنافئ شمسرة ستيدنا مُعَدَّدَ وَآجِدُومَا يَارَيُّنَا مِنْ عَذَابِ آلْفَتُبُرِوَا هُوَا لِي يؤم القيت المة يبتركات ستيدنا لمحتمد وأذخيلت أو واليدنينا الجنتة بشناعة ستيدنا محتمد قراززنت التنظر إلى وجُعِكَ الكريْم بِجَاءِ سَسِيِّد مَا مُحَسَّمَهِ اللَّهُمَّ صَلِ وَسَدِيمُ عَلَيْدِ وَعَلَىٰ آلِهِ وَآصَعَابِهِ وَآذُواجِهِ وَٱنْصَارِهِ وَاسْيَاعِهِ وَعَكَيْنَامَعَهُمْ كَارَبُ الْعَالِينَ " الني درُو دبيج بارسيا قامحترير ، جنبيول اور رسولول كاسلسله مرجمه بمنخ كرنے والے برور دكارعالم كے مجوب، وبروز قیامت

بصلتے ہاتھ یاؤں، اور نورانی میتانی والوں کے قائد اور گنگاروں كى شفاعت فرمانے واسلے ہیں اس مقام محرد پر فائز ہو نے والے میں ،جس سے وُہ پہلے تھیاں سب سے منازنظر آیں گے ، جو اس وحل كوثر كے مالك ميں جس يرا في واست يراب بول كے-ج كانام كرامي احد الوالله م إنسك من منبروسم ، سب بوالمؤمّل المستد شر؛ طه اور بسيات من ويتم مام كيتي اوراً منترى وجود کے نظینہ میں جوسینہ وتی سے دود عینے والے میں راز ازل کے این اور کسیبت زووں کے ڈکھ درد دُور فرماتے والمصين جوزبان قدم كے ترجمان ، عزّت وعظمت كي ممبرر، بزرگی کی باک و در کے مالک، اورابل ایمان شنقت ورحمت فرما ن وا سے ہیں ،جوسلسلہ نبوت کا واسطہ ، تا ج رسالہ کاموتی ، اور قافلہ ولایت سے راہنا ہیں۔ جرمقربین بارگاہ فکرا وندی کے امام ،حفزات انبيائے كرام كے شكر كے بيشواً ميں و وجن كى فدمرت مين . رب العالمين كي طرف سيدرُ وح الامين عاضرُ التي بھران کو براق برسوار کیا ،اورساتوں اسمان عبور کروائے ۔ ناکہ ود بدال ان سي على السيمكال سيمكار بول، اوراعزاز ابدى كے كمال ميں حاضر بوں ، اور دوجهان كے بیجے غيوب ورموزكوان پرسے نقامب کیا جائے ، اور جبوّ انسانوں کے عکوم اُن ہو لَقَتْ دْرَائِي مِنْ آيَاتِ رَبِّهِ الْحَصْبِرِي " كَيْ مِلْسُ مَرْكُمُ مَنْ الْمُعْتَمَةُ

الدينينا صنورن ليف رب كى برى برى نشانيا ديمي ورواد

كئة جائين اورجب حنوراً فق اعلى بريمنيح توا ولوالعزم رسول على الشرعليهم وسلم أن كى خدمت ميں سلام كرتے بوكے ما فرہو كے۔ اوربڑ کے بڑاسے شمنشا دان کے سامنے ا دب واخرام سے دور تے اسے وہ جن محصر جال سے بنداسان سے بسنے والے ورطائر حیرت میں ڈوب گئے جن کی ہمیت کے آگے نورانی پردول کے بیچے رہنے والوں (فرنتوں) کی گردنیں جگ كئيں بن كى عرّت كے آتے كو و توركى بندو بالا جو تيوں برفائز جلیل افقدرستیوں کے سرتھک سکتے جن کی کامل بزرگی سے ا کے فرشتوں اور رُوعانیوں کی انتھیں بھی کھی کھی رہ گئیں۔ اورمقرّب فرشتے جن کے حضورصنت بستہ کھڑ ہے ہیں اور بیلے كرنے والوں سے نغموں سے جنت كى رونق دوبالا ہوگئى جن کی ثنا دی دیدارسے عرض وکرسی مجوم مجوم سکئے۔ اورجن کی تشیر سوری کی خوشی میں جنت اور خوب صورت محوروں کوسجایا گیا۔اور ساوری کی خوشی میں جنت اور خوب صورت محوروں کوسجایا گیا۔اور جن كو دىچە كرمبندى ئىلىتى برفخركيا بىن كى برگزيد ، انكھ براسار ديۇ کل گئے۔ ٹوروالوں کے بیلے پرد سے اٹھا دیئے سکھےجن کو ك كررُ و حالامين ومَامِناً إلاَ لَهُ مَعَامٌ مَعَدُومٌ " ك والرح يمين سي كف اوران سے عرض كيا اسے مبيب مقرب است الگ تعلک، تن تنها الله تعالی کی ملاقات کے یا تیار موجائے اورسر كاركوعالم نؤرمين مختصرة قت مين بجرايا اورمنزل بيبينح كوممافر

ك بم ميں سے برايك كا ايك متعين مقام ہے۔

محرتابي سبع بيس ان كي سيرجي ايك مقام بمواريرختم بو في جهاب و ج برقلم قدرت کے چلنے کی اواز آرہی تھی اور آپ نوری وفر يرسوار بوكرافق اعلى دكائنات كي تحري كارسي كى طرت روامز ہو سے اور شوق و ذوق کے بال ویرالگا کرمقام دنی تُندُلی كى جانب محوير واز بركوست، اورالتُدتعالى منعصنو كوقابَ تُوسين. کے باغ میں ، عزّت وغلمت کے مهان خانے میں محمل یا ، اور الدّنْوْ وقرب كافرشن مجاسته واسلے سنے اُن سكے بيلے اُوْاَدُنی كافرش كيايا بيم مكارست باركا ولبندوبالاست سُنا السَّدَيمُ عَلَبْكَ أَيُّهَا النَّبِيِّ وَمَنْحَدُ اللَّهِ " ان سے دوست نے باعزت طور پرملاقات فرمانی ا ورخدا ئے بُزرگ و برتسر سنے ان پرساد م بھیجا ا و ر ان کے ول و دماغ سے پریشانیاں دُور فرمائیں اور ان کی تنائیوں كى بى قراريوں كوسكون وقرار سخشا ،جن سے خَاوحَى إِلَى عَبْدِه ما آدمی کے سریلے خطابات سے نوازاگیا جن کی انکھوں کے ساحتے دَلَعَدُ دَاً ایُنزلستَہ اُنحسرٰی کے جوے ہے نقاب سكئے شکئے، آیپ نے جواب دیسنے کا ارا دہ فرمایالیکن تقديرسف أكر بره كران كامنه كعولا ا درائس ميل علم از لي كيمند كالكت قطره لميكايا ،جس سيسة ب سن يبيول بجيلول سيح جا ن ليا بيم حضورا بين أما ورامل دنيا كي طرف اس حال من تشريب لا شے كم التحفرت صلى الترعليه وسم كے سامنے هذا عَطَّا وُ يہ بمارى عطا سے) القرآن) اور عَبْ دُ أَنْعَمْنَا عَلَيْدِ رَجَارادو بنده جربرہم نے انعام فرا با ، کے نعے زبان مُبارک پرتھے جن

كآتاج ترف محدرُ ول الله سعجن كے عُلّے كى ذينت بختسستى و سَنوُلُ الله يهد وي الكه تجيئ، نه برصى اطبقات عالم اوم سفات وجو دسیرجن کی حکومت قامرد کے منادی نے ،عظمت وکڑمت ك الورير بآواز بلندكيارا -إنَّ الله وَمسَدَه يُكُتَ يُصَدَّدُ تَكُتُ يُصَدَّدُ تَكُنَّ الله النَّبِيُّ يَا يَهَا الَّذِينَ أَمَنُوا صَلَوْا عَلَيْهِ وَسَيْرُو السَّلِمُا اللَّهُ السَّلِمُ الْ د بے تنک اللہ تعالیٰ اور اس کے تمام فرشتے اس غیب کی خبریں د سنے والے ہی پر در و بھیجے بیل اسے ایمان والوتم میں ان ير درُّو دا ورخُوب خُوب سلام مجيجُ ؛ اللي بارى طرفت سے اُن کی رُوح پاک برافضل نزین درود وسلام بھیجیو! اور توسنے کسی عبی نبی کواس کی اُمتست کی طرفت سے جوجزاً دی ہے اس سلفنل اور کامل ترجزاً باری طرف سے سرکا ریحدصلی الله علیہ ولم سے مُحبّت فرماً مُحَمّر كے رہے، جبيب مُحمّر يرابيا درودوسلام بيج بيس تومبيب محمر سلى الله عليه وسلم سي محبت فرماً ما سياك التداسم بربهار سيرا قامحة سلى التدعليه وسلم كافيضان كردس ا ورا سے ہمارسے برور د گار ہم کو ہمارے آفامخترصی الندعلی م کے گروہ میں مٹھائیو! اور لیے برور دگار! سیدنا محمد صبی الشدعلیہ وسلم كى بركتول كيصدق عذاب قبرا ورروز قيامت كى سولناكيول مسطيحائيو إاورجارك وأفالمحمد صلى الشدعليه وسلم كي شفاعت كے حوض مم كوا ور ہمارے والدين كوجنت ميں واخل فرمائيو إاورسيدنا مخترصلي لندعديه وسلم كيء بت وعظمت صد تے ہم کواپنی ذات یاک کا دیدارنصیب فرمانیو! اے اللہ

صفوریرا ورصفور کے آل واصحاب پر ۱۰ ورآب کی از وا رخ مطهرات
پر ایس کے مدو گاروں اور بیرو کا روں پر اور ان کے بمرو ہم بر
درو دوسلام بھیج ، اسے رب العالمین ؟
اس درو د شریف کوا مام قسطلانی نے کتاب مسالک الحنفائیں ذکر کیا
سے ان کا کہنا ہے کہ میں نے یہ درُو د شریف شیخ خیرالدین این ابی السعو دین
ظیر اکملی رحمہ الشرکے خط سے نقل کیا ہے۔
ظیر اکملی رحمہ الشرکے خط سے نقل کیا ہے۔

المسطوال درود تنریف متدی ابوالحسان بری کا

آشاً لُكُ آللُهُم آن تُصَيِّى عَلَى مَلِكِ آلكَما لَاَ وَ فَفْسِ الْسِدَ ايَاتِ وَاليَّها يَاتِ، وَسَسِيدِ آهُلِ الْاَسْ ضِ وَالشَّمُوتِ آلِينِ الْإِمَامَةِ وَبَاءِ الْبَرَكَةِ ، وَمَّاءِ الْمَثَنِ وَخَاءِ الْعُلُودِ فَصُرَةِ الْعِنْ وَخَالِ الدَّيْمُ مَنْ الْهَ عَمَالِ وَحَاءِ الْعَقِ وَخَاءِ الْعُلُودِ الدَّ الشِّم وَذَالِ الدَّيْمُ مَنْ اللَّهُ عَلَى الْعَلَيْ وَوَذَا لَ فَمِ الْوَعْيَارِ الشَّيْعِ الْمَنْ وَمَالَ الدَّيْمُ مَنْ اللَّهُ وَلَى الْعَلَيْ فَ وَذَا كُلُ النَّيْتَةِ الشَّيْرُةِ اللَّهِ مِنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ وَمَنَ آءِ السِينِ اللَّهُ وَالْمَا يَعْلَى اللَّهُ وَمَنْ اللَّهُ وَاللَّهُ وَمَنَا اللَّهُ وَاللَّهُ وَمَنَا اللَّهُ وَمَنَا اللَّهُ وَمَنَا اللَّهُ وَمَنَا اللَّهُ وَمَنَا اللَّهُ وَاللَّهُ وَمَنَا اللَّهُ وَمَنَا اللَّهُ وَعَلَيْ اللَّهُ وَمَنَا اللَّهُ وَمَنَا اللَّهُ وَمَنَا اللَّهُ وَمَنَا اللَّهُ وَاللَّهُ وَمَنَا اللَّهُ وَمَنَا اللَّهُ وَمَنْ الْعَلَيْدِ وَمَنْ الْعَلَى عَلَى الْمُنْ وَالْمَالُولُولُ الْمُنْ الْمُنْ وَالْمَالُولُ الْمُنْسِينَ الْمُلْولُ وَالْمَنْ الْمُنْ وَالْمَالُولُ الْمَالُولُ وَالْمَالُولُ الْمَنْ الْمَالُولُ وَالْمَالُولُ الْمُؤْمِ اللَّهُ وَالْمَالُولُ الْمَالُولُ الْمَالُولُ الْمَالُولُ الْمَالُولُ الْمَالُولُ الْمُنْ الْمَالُولُ الْمَالُولُ الْمُنْ الْمَالُولُ الْمَالُولُ الْمَالُولُ الْمَالُولُ الْمَالُولُ الْمُنْ الْمَالُولُ الْمَالُولُ اللَّهُ الْمُنْ الْمَالُولُ الْمَالُولُ الْمَالُولُ الْمَالُولُ الْمَالُولُ الْمَالُولُ الْمَالُولُ الْمُنْ الْمَالُولُ الْمَالُولُ الْمَالُولُ الْمَالُولُ الْمَالُولُ الْمَالُولُ الْمُنْ الْمَالُولُ اللَّهُ الْمُنْ الْمَالُولُ الْمَالُولُ الْمَالُولُ الْمَالُولُ الْمَالُولُ الْمُنْ الْمَالُولُ الْمَالُولُ الْمَالُولُ الْمَالُولُ الْمَالُولُولُ الْمُلْمِي الْمُنْ الْ

الوَارِ وِ مِنْ فَضَلِكَ وَدُسَّبِ كَمَا لِكَ وَفَاءِ وَقَافِ قَفْرِ الْمُعَالِنِ بِالْخَطِيْتَةِ ٱلْقَوِيَةِ وَكَا نِ حَمَا لِكَ الْعَالِيُ وَلَامِ بِعَالِكَ الْغَالَىٰ، وَمِدِيْمِ مَبْدَ إُلْاَشْيَاءِ ظَاحِسً وَبَا ظِنَّا وَ نُوُنِ بِعَا يَاتِمَا سِيرًا وَعَلَنًا وَهَاءِ الْهُوتِيةِ الْعُظْمِي، وَوَادِ وُرُ وُدِ الْمُشْرَبِ ٱلْوَسْنَىٰ ، مَنْ لَاَنْظِيْرَكَهُ فِي الْوَسْنَىٰ ، مَنْ لَاَنْظِيْرَكَهُ فِي خَلْقِكَ وَلَامُسَادِى لَهُ فِيْحَضْرَةِ عِسْزِكَ وَيَاءِيُسِر الني كُرِبِبَرَكَتِكَ ثُرَّ جَبَرَكَةِ عَيْنِ آفُ لَمَا لِيَ الْعِسَدِّ وَسُلُطَان سُرَادِقَاتِ ٱلْحِفْظِ وَسَيُسِهُ الْحِنَانِ كَالسَّنَا مِنَ النِّيْرَانِ، الْفَاتِحِ الْخَاتِ عِدَ الْاَقَالِ الْدُخِيرَ الْفَاحِدِ، اَلباطِن، الْحَبّارِ، السّرَوُفِ السّرِحِدِيمِ، اَلْهُعَيّمَنِ، سَبِيدِ ؟ وْلِيَامِكُ الْعَامِ فِيْنَ، وَمَلَدُ مُكْتِكَ الْعَرَبِيْنَ وَٱلدَّنْبِكِيَّاءِ وَالْمُنْ سَيِلِيْنَ ، مِنْ لَاحِجَالُهُ فِي الْعِدْمِ وَآشْسَرَقَ نُونُهُ ﴾ [لى الُوجُو بِلاَ عَدَيْمٍ ، سَيِدِ الْاسْلِي ٱللَّكُوْتِ ، وَإِلْعَالِيمِ بِنِعَايَةِ السَرَّعُبُوْتِ وَالْجَسِّنُوُتِ، مَنْ آقًامَ الْحَقَّ وَآذَلَّ الطَّاعُونِ ، نُولِيكَ الْوَتَ حَمِ، وَنَصَيْكَ الْوَعَسِيِّرِ، تُفْدِ أَلَا قُطَّابٍ ، وَمَلَا ذِ ٱلْوَحْبَابِ ، آلسَّدَ اخِلِ عَلَيْكَ مِنْ أَلبَاب، بَابِ أَلْحَدُيْرَاتِ، وَمِنْتَاحِ البَرَكاتِ ، شَمْي الْمَعَانِي السِرَحِ حَدَة ، وَسَيْدِ الدِّنِيَ وَالْهُ خِسْرَةً مِنْ تَسْعُرَيَغِيثِ عَنْ حَشْرَيْكَ طُرُفَتْ ا عَيْنِ، وَلَدْ يَعُدِدُ غَيْرَكَ مِنَ الزَّمَّانِ وَٱلْوَيْنِ، سَتَدِالدُّالِيْنَ عَكَيْكَ، ٱلْوُمِسْلِيْنَ إِلَيْكَ، ثُورَيْجَةِ

الْاَسْتِرَادِ، ٱلْعَالِيمِ بِكَشِّفِ الْاَسْتَادِ، ٱلسَّايِرِمِن وَمُعِكَ الْغَنْوُسِ السَّسَّاسِ، مَنْفُهِ رِكَ التَّايِم، وَعَيْنِ جُوْدِكَ الْعَالِمِ، سَسَيِّدِنَا الْاَكْمَلِ، وَنُوْسِنَا الْآفُضُ لِ، خَسْيُرِمَنْ سَبَقَ وَكِينَ دَآسُمِ النُّورِ، وَآخِيمِ الظُّهُوْرِ، ٱلْحُجْتَةِ الْعَاطِعَةِ، ذِى الْسَبَرَاهِيْنِ السَّاطِعَةِ ، ثَمْسِ العُلُومِ ، وَقَمَسِ جِلْدَءِ الْعُمُومِ، سَيدِ الْدَطْفَالِ وَأَنكُهُول ، وَتُطْب دَوْآشِرِالْعِسِيِّدَالْمَعَبُولِ، مَنْ خَضَعَتْ لَهُ السِيْرِقَابُ، وَذَلَّتُ لَهُ الْاَقْطَابُ، وَدُرَّجَ السُّرسُلُ تَحْتَ لِوَاسُهِ. وَثَالُوْ آشَدِهِ أَنْ كَالِهِ وَإِنْ آبُ ، نَدُو الْوَسَادِ، وَتُطُبِ ٱلْاَتْكَابِ وَوَسَّدِ الْاَدْمَادِ ، آنعُسنُ وَءَ الْوَثْقَى ، خَسْيْرِمَنِ اتَّنَعَى ، مَنْ تُسْتِرِبَ قَابَ تَوْسَسْيِن آوْآدُنْ . وَلاَحَ مِنْ مَنْطَهَرَ النَّوْرِ أَلَاسُنَى، إِمَامِ حَضَرَاتِ أَلْكَامِلَةٍ وَسَسَيِّدِ آهُلِ الرُّيِّ الْغَا ضِلَةِ ، سِرَاجِ الْمِلَّةِ ، وَكُنْزِ الْكُرُّ أَلِكَا شِيفٍ يَكُلِّ عِلَّةٍ ، نِعَابَةِ آعُمَالِ أَلْوَا صِيلِيْنَ، وَعَابَةِ مَ ثَعْبَةِ الرَّغِبِينَ ، مَنْ سَكَّلَفَ بِهِ آدَمُ فَنَجًا ، وَكُلُّ مُسُلِكَ إِلَيْهِ مَسَدُ أَنتَجَاء ٱلْحَبْلِ ٱلْمُنتَةِ بَيْنَكَ وَبَيْنَ خَلْقِكَ، سَعِيْدِ السُّعَكَ اءِ سَيِّدِ السَّادَ ابَ، فَرْدِ الدِحاطَا وَالكَمَالَةِ مِنْ وَالنَّهَا يَاتِ، مَوْضِ الْعِلْمِ الْخَطِيْبِ، وَمَظْهَرِسِدِّ الْعَوْلِ الْمُصِيْبِ، مَنْ لاَحَ نِبْ وَعَلَيْل وَكُومِكَ الْعَديْمُ وَظَهَرَ فِيهِ نُوْرُ سِرِكَ الْعَظِيمِ، مَنْ فَضَلْتَ ثُرَبَتِهِ عَلَى ٱلْعَسْرِشِ، وَتُسَرِّبُ مِنْ عِزِّكَ وَتُسَرِّبُ وَصُوَّ اللَّهِ عَلَى الْعَسْرِشِ، وَتُسَرِّبُ مُ مِنْ عِزَّكَ وَتُسَدِّسِكَ وَهُوَ

نُورُكَ الْاَعْظَمُ، وَجَمَا لُكَ الْاكْسُرَمُ ، وَكَمَا لُكَ الْاَقْدَمُ ، وَكُمَا لُكَ الْاَقْدَمُ ، وَعِزا كُنُ الْدَقُومُ مَنْ أَفْتَمْتَ بِهِ لِعَظْمَتِهِ، وَشَرَّفْنَهُ فِي ذَٰلِكَ لِيبَادِيِّهِ، مَنْ أَفْرَدَتُهُ فَأَنْفَرَدَ ، وَوَحَدْتُهُ بِكَ فَتَوَحَدَ ، تَعَيْرِالاَوْآ ثُلِ وَأَلاَ وَاخِدِرِ مُشَرِي ٱلْبَوَاطِنِ وَالظَّوَاحِدِ إَلْمَغِيضِ عَلَى أَلْوَاسِ وِيْنَ إِلَيْكَ ، ٱلْهُو يِلْوَاصِيلِيْنَ [لَى حَضْرَتِكَ ، مَنْ مَسَلَةً نُوْرُهُ ﴾ التَّمُوتِ وَأَلْدَرُضَ وَمَا بَيْنَهُمَا وَاَحَاظَ بِعِيلُجِ ٱلاَقْ لِينَ وَالاَحِرِينَ ، وَتَعَقَّقَ بِحَقَّائِقِ الْعِدُفَانِ وَالْيَقِيْنِ ، وَيُهَ كَبُلُ مَظَاهِ رِانتَكُونُنِ، وَكَتَبُتُ اسْمَهُ عَلَى عَرْشِكَ تَبْلَ ظُهُوبِ أَلَا وَلِيْنَ وَأُلَاخِدِينَ يَعَايَةِ الْاَمْدَادِ وَالْاَمْدَا وَكِفَايَةِ الْاِسْعَادِ مَنِ إِهْتَدَتْ بِهِ السَّايُرُونِ ، وَاسْتَرْ شدت ببواكشترشدون من تعشب بالعالم يستبه، وَآعْلَيْتَ الصِّدِّيقِينَ بِهِ الشَّهُوْدِ شَرِيْعِنِ دُسِّيهِ مَنْ حَيَّ الْحَقُّ وَٱبْطُلَ الْبَاطِلَ، وَشَقَقْتَ لَهُ مِنْ إِسْمِلْتَ لِيَفْدَدَعَن الْوَوَاخِدِوَالْوَوَآئِلِ، ٱلْحَدِهِ ذَاتَعَسَالِهُمَ اُنكَبِبْ رِوَالصَّغِبْ بُرِ، وَاَشُرَفِهِ وَآجَيلَهِ فِي سَّاسُدِ التَّقَادِيْرِ، سَستيدِنَا مُحَسّتَدِ وَعَلَىٰ ٱلِمُعَسّتَدِ سَسَيْدِ كُلِّ مَحْسُهُ وُدِمِينَ خَلْقِكَ وَحَامِدٍ ، وَآجَلَ مَنْ حَسِيدَ وخسندة وَجَمَعَ ٱلْعَامِدَكَمَاصَلَيْتَ عَلَىٰ إِبْرَاهِيْمَ وَعَلَىٰ آلِ إِبْرَاهِ ثِيمَ اِتَكَ حَدِيثُ لُا تَجِيدٌ مَا وَامَ ذِكُوكَ وَمَا آشُدَ قَى عِزُكَ وَمَا حَدَفَكَ عَارِثُ ، وَمَا وَقَتَ بِتَابِكَ وَاقِعَنُ ، مَا نَطَقَ فَمْ ، وَحَطَّ قَلَمْ ، اللَّهُمَّ تُغَبِّلُ *

مِنَّ وَاعُعَنُ عَنَا، وَاشَحِبْ لَنَ ، اَللَّهُمَّ اغْفِرُلَا وَلِوَالِيوَ الْوَالُولِ وَلَا اللَّهُ عَلَيْ وَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ مِنْ اَجُلِكَ وَلِلْمَدَّ وَمُعَلَّمُ مَهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ مَا وَاللَّهُ عَلَيْهُ مَا وَاللَّهُ عَلَيْهُ مَا وَاللَّهُ عَلَيْهُ مَا وَاللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْهُ مَا وَاللَّهُ عَلَى اللَّهُ وَالْعُلْمُ وَالْعُلْمُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ وَالْعُلْمُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ وَالْعُلْمُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الللْهُ عَلَى اللَّهُ عَا اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الللْهُ عَلَى اللَّهُ

مرجم بر اللی ا میں بھر سے سوال کرتا ہوں کہ کمالات کے بادشا دیر مرحم میں درو دیمجھے ا جوابتلاؤں ا درا نتہاؤں کے مدار بیل بازیم اورا نتہاؤں کے احت مدار بیل بازیم مرحم میں اورا بل آسان کے مدار بیل بوالامت کے العت برکت کی بار آما میں دکھال کی تار آمر فوعزت کی استجال کی جیم ، جی کی ، صود ، دولم ، کی خا ، اور دوام کی دال بیں ، بوشیطانی اغیار کی ندات کی ذال ، رفعت فطبیہ کی را ر ، اور زینت جمال کی زاء ، بند تر بن معرفتوں کے آسان دسمان دسمان کی منا و ، عزت و معرفت کے شور کی صاد ، جمی کی دوسول کی خا ہو ، عزت و معرفت کے سؤرج کے دوسول کی طابور کی طابور کی طابور کی منا و ، عزت و معرفت کے سؤرج کے طابور کی طابور کی طابور کی طابور کی خا ہیں ، و دجوا زلی ، ابدی طابور کی طابور کی طابور کی طابور کی خا ہیں ، و دجوا زلی ، ابدی طابور کی طابور کی طابور کی طابور کی خا ہو ۔ کی اور تا ہو کی دوسول کر مورات کی فا اور قا در بیل جو دالی منظرت کی غین ہیں ، اوراس قدم خالف کی فا اور قا در بیل جو دالی منظرت کی غین ہیں ، اوراس قدم خالف کی فا اور قا در بیل جو دالی منظرت کی غین ہیں ، اوراس قدم خالف کی فا اور قا در بیل جو دالی منظرت کی غین ہیں ، اوراس قدم خالف کی فا اور قا در بیل جو دالی منظرت کی غین ہیں ، اوراس قدم خالف کی فا اور قا در بیل جو دالی منظرت کی غین ہیں ، اوراس قدم خالفت کی فا اور قا در بیل جو

شدی ترین خطاؤ ک برنازل ہوتا ہے یج تیر سے بلند ترین کمال کے کا دند ، اور تیری دشوار تر ملاقات دلقاً ، کے لام ہیں جواست یا کی ظاہری وباطنی ابتداء دمبداً) کمیم اور ان کی ظاہری وباطنی ابتداء دمبداً) کمیم اور ان کی ظاہری وباطنی انتہا کہ دنہا یہ کا نون ہیں .

بقول علامه أقبال مرحوم -

برنگاهِ عشق ومسنی میں وہی اوّل وہی آخر و بن فرآن وہی فرقان وہی بین وہی طلا ا در بُوتیت عَظیٰ دختیقت کُبری ذات باری تعالیٰ کی ما میں جوملبند ترین ندسب ومشرب کے وار دہو نے کی واؤ ہیں جن کی مثال تیری مخلوق میں کہیں مہیں اورجن سے برابر تیری بار گا وعزت میں كسى كى رسائى نبيس جوتيرى بركت سے يُسْدِ ذِكْ ويا واللي كى اسانی کی پاہیں بیمواسمان عزوافتخار کی برکت، اورحفظ وامان كصضبوط صحاب اور ركبين حبتت بهون اوراتش دوزخ سع بتجا والصصاحب تتفاعت مبن جوباب وجودكو كهوسكنے واليے بھی ہیں اور بند کرنے والے بھی، جواق ل میں، آخر ہیں، ظاہر ہیں باطن ہیں جو گرفت فرمانے والے ، شنفتت فرمانے والے ، رحم فرطنے واسك ا وزيرًا في فرمان واسك مين ج تيرس ا ولياست عارفين ، تيرك ملا يحدمقربين اورانبياء ومرسلين كيرروارمي صلى التدعليه وعلیم وسلم و و جن کا جمال ظهور کا ثنات سے پیلے جیکا ہے کا افات سے پیلے جیکا ہے کا کا تات سے وجود کی طروز کا تنات سے کا عدم نہیں۔ راز ہائے کا کنات کے کاروز اسٹ کی وجائے کا کا تات کے دیرا اسٹر تات کو جائے کا میں انہا کہ رہت العزیت کو جائے

وا مے جنوں نے حق کو قائم فرمایا اور شطینت کو دبایا ، وہ جوتبرے توركامل ، اورفضل عام بين ، وه جومراكز دين كے مركز مبي - دوستوں كى يناه كاه جوتيرى باركا ديس دروازے سے ہوكراندرا نے والسليمين ، جوتمام مجلائيول كا درواز د ، اور بركتوں كى جاني مين. يفخة معانی كے سورج ،اور دنیا و آخرت كے برار میں ، وُ وجو تیری بارگاہ سے بل تجرفبرا نہ ہو سئے اور زمان ومکال میں کہیں بمحتمجي نيرست غيركونه جانا تيري ذات بررسفاني كرنے والوں اورتیری بارگاہ تک منیخے والوں کی رہنائی کرنے والوں کے آفا، وه جوحقائق سے بر د سے المحانا جا نتے ہیں ۔ جوتیری سفات مغفرت ویرده داری کے مظہر بخشنے والے اورعیب پوسٹس ہیں۔ جوتیر سے مظہر کامل ، اور تیری عام جو د وعطا کا منبع میں۔ ہارے كامل ترين آقا ، اور سمارست افضل تربن نور مبس. و ه جو سيلي تيلول سسب میں مبتر میں وائمی تورمیں جن کاظہور واصنح اور دلیل قطعی بیئے۔ ي كلية ولأل والي مناوم كي سورج ، غمول كي اندهيرول كوروك بخضنے والے چاند بیخول اور بڑوں کے آقاءعزت مقبول کے وافرول کے مرکز، جن سے اسے گرونین تم ہوئیں، جن سے آگے اقطاب وبدع بجن كے جند السے تلے تمام بنیوں كواكھاكيا كيا اور انهوں نے آیپ کے شروب کمال وینا دکوحاصل کیا بھا وُں میں يخا قطبول مر تك باقا دول كے وقد مضبوط سلسله ربط سب سے بہتر تقی جن کومتھام کا بات توسین کا قرمب عطا ہوا۔ وه جو نوراعلى كي مظهرت فروزال بوني بارگاد كالله كيانيا

بلندوبالاشان والول كحاقا مِلت كحيراغ، ذخيروثنده خزانه، مربیاری کو دور فرمانے والے، واصلین کے اعمال کی انتہا، اور ابل ترغیب کی آخری رغبت ، وهجن کا واسطه دے کما وم عالیسلی نے تھے سے دُعاکی اور نجات یائی اورجن کی آرزو تیر سے تمام رسولوں نے کیں۔ و دجوتیرے اورتیری مخلوق سے درمیان درازرسی ہیں بیک بختوں کے بیک بخت ۔ آقاؤں کے آقااحاطہ كرنے میں اكمالات ونهايات ميں كيّا يوعلم كاسربزياغ اور صحيح سجی بات مے مظہر میں وہ جن سے باطن میں ملی ا ورظا ہر رہی تیرا کلام قدیم حمیکا۔ اورجن کے و بُود اقد سس نیرے ڈاتے عظیم تصفا كانور ظا مربوا بين كاربت انوركونو في عاش من فنسيلت بخشي اور جن کو تو نے اپنی عات وقد بہت کے قریب کیا وہی تیرے برست نورا ورمعز زجال وركمال قديم ادررا وستقيم من يجن كاعمت كَيْ بَنَا بِيرَتُو سُنِهِ أَن كَي صَمْ كَعَالَى (وَلَعَنْدُكُ) اوراس للسلامين في برُّرِ کی سے بیش نظراُن کوئٹر من عطافرایا جن کوٹو نے بختابنا الیر و: بُیّا ہو گئے ، اور تو نے اُن کوا یک کیا تو وہ ایک ہو گئے بیلے بہ چھنوں سب سے بہتر، ظاہروباطن کوچیکا دینے والے ،تیری طرت آ نے والوں کوفیضیاب فرمانے وا لیے. پہنچنے کی ترکیب رکھنے والول کوتیری بارگاہ مکسینے کولا نے والے جن کو توریے زمین اسمان اوراک کے درمیان مرجد کو بھردیا، اور اولین و آخرين كي علم كا احاطه كرابيا ، اورحقائق عرفان ويقين سيضصف بؤن - اورمظامر كائنات سے يہديميل كے مراحل مے كئے۔

ا وربن كا نام اقدى توكف ا ولين وآخرين كفطهورس يبيلے البينے عرش يرىكا - روشنانيون اورمدتول كى أتها ،جوسعا دست مندى كے ياہے كانى ہیں جن كے ذريعه بطلح ہوؤں في را ديائى اور راسمائى عاصل تر نے والوں نے راہنمائی حاصل کی جن سے بہت ہے تو سے كائنات بررتمت فرمائى، اورجن كے صدیقے تو نے بچول كی تبان بند فرمانی ، ان کے مرتبہ بلند کے موجود ہونے کی وجہ سے ، وجہنول تے حق کوحق اورباطل کو باطل کر دکھایا ، اورجن کانام نامی تونے البيضاسم كرامي سيمشتق فرمايا بماكه وه يسلي تجييسب مير تحقيارمين اس بڑی اور چونی کائنات میں سب سے بڑھ کرالٹر کی تمدونیا كرنے والے ، اور مرحتیت سے ، مرایک سے بڑھ كر بزگ وہر ہارے آ قامخدا درمختر کی آل ہیں جو تیری مخلوق میں سرقابل تعربین و توصیف منتی کے سردارہیں اور مرتعربین و توصیف کرنے والے سكے بھی جو تعربیت كرنے والے بيں اورجن كى تعربیت كى جاتى ہے. اور جنبول نے تمام خوبیال سمیٹ لی ہیں، جیسے تو نے رحمت بهجي جصنرت ابرابيم براورال ابراسم بر، بيتنك توسي ستوده سفات بزرگ ہے جب تک تیرا ذکر رہے اور تیری عزت يككي، اورجب كك كوفي سيح فن والاستحقيميا في اوجب كوفى كفرا بون والاتيرب دروازب يركفوارب جبتاك منه بوسلے اور فلم سکھے۔ النی ہماری طرف سے قبول فربا ، اور ہم كومعاف فرما اور بارى ش كے والى جارى اور بارست والدين كى مغفرت فرما اورجس نے تيرى رضا كے يلے ہم سے مخبن ك

اورجس سے ہم نے تیری رضاکی فاطر مجبت کی اور محمصلی افتہ علیہ وقم کے امری اللی ان کو بخش دے اور ان بچرم فرما اور ان کا بھالا اور تمام مسلما نوں کا ہوجا - اللی ہمارے آقام خمر پر درو د بھیج اوران کی تمام ال اور ان کے تمام صحابہ کوام پر تمہارا رب العزت تمام فامیوں سے پاک ہے جو وہ منکرین بیان کر رہے ہیں جمام رسولا کے بیالہ برسلام ہوا ورسب تعرفیں افتہ تعالیٰ پرور دکارعالمیاں کے بیالہ سویا کی ہے اس کو جس کے ہاتھ میں ہرچیز کی حکومت ہے اور اس کی طرف تم کو لوٹ کر جانا ہے جنتیوں کی پکار جنت ہیں ہیہ کی کہ اللی ایجھ بالی اور ان کا ہدیہ و تحفہ و ماں ایک و و مسر سے کی کہ اللی ایجھ بالی اور ان کا ہدیہ و تحفہ و ماں ایک و و مسر سے کو سلام کرنا ہوگا۔ اور ان کا ہدیہ و تحفہ و ماں ایک و و مسر سے کو سلام کرنا ہوگا۔ اور ان کا ہدیہ و تحفہ و ماں ایک و و مسر سے المندر ب العالمین کے بیا ہے ہے۔

باستهوال رودنزلف

یر بھی انہی کا ہے

اَللَّهُمَّ صَلَّ عَلَى الذَّاتِ الْعُظَّىٰ، مُكَمِّلَةِ اَهُلِ النَّوْيِ الْاَسْنَ عَطُّبِ دَايِرَةَ الْعَالَى بَنَ ، وَاسِطَةِ عِقْدِ الْاَنْبِيَّاءِ وَالْمُرْسَلِيْنَ صَغُوةً الدَّهُ أَلَا خَسْرَةً وَالدَّيْنِ، بُرُهَا يَكَ الْعَالِمُ الْعَالِمُ الْعَلَى اللَّهُ الْعَلَى اللَّهُ اللَّهُ الْعَلَى اللَّهُ الْعَلَى اللَّهُ اللَّهُ الْعَلَى اللَّهُ الْعَلَى اللَّهُ اللْمُلْكُولُولُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللَّلْمُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللَّلَّ الْمُلْمُ اللَّالِمُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللْمُلْمُ

المَوْسُ وْدِ، وَالْكُوْتُوالْجَادِي، وَالنُّورِ السَّارِي، مَلِكِ الْكَالَاتِ وسُنطَانِ الْبِدَ آبَاتِ وَالنِّهَ آبَاتِ النَّهَ آبَاتِ الْحُسمَدِ كُلِّ عَالَمِ وَمُعَدَّدِ كُلِّ مَعًا مِ مِنْ خَلْقِ آدَمَ ، جَامِع ٱلقُرُانِ ٱلمُتَّصِفِ بِصِفَاتِ الْكَالِ فِي كُلِّ آنِ وَ أَوَانِ الْسَبِرِ الرَّحِيمِ ، أَنْهَيْمِنِ ، أَلْجَبَّادِ الْمُعَالِدِ الْمُعَالِدِ ٱلْعَدِيْنِ الْوَكُونِ السَّيِّدِ ٱلْبَدْدِ ، مَنْ آفَكُمْتَ بِحَيَّاتِهِ الدَّايُمَةِ ، وَعِذَّتِهِ أَلقّا يُمِّةِ ، أَلْفَا يِحِ ، أَلْخَاتِمِ ، ٱلثَّافِعِ ، ٱلْاَمِيْنِ عَلَىٰ ٱسْرَابِ كَ الْجَوَامِعِ ، ٱلْحَاشِرِ لِاَهْالِ الخَسْيُرِيلُجِنَانِ ، وَلِاَهُلِ السَّيِّرِيلِنَّيَرَانِ ، آلَذِي تُسَبَّ قِيْدِ مَعْلَهَ رُكَ بِكُلِّ زِمَانٍ . وَالْعَّايَسِ مَقَامٍ بِكُمَالِ الْيُمْيِنَا -اَلْخَاتِيمِ يرُسُلِكَ الْحِدَامِ الْمُحِينِظِ بَوَادَ الْوِلْعَسَامِ الْمُحْيَظِ بَوَادَ الْوِلْعَسَامِ ا آلترسُوْلِ ينظَّوَا جِيرِ بِالْجِمَّالِ الْبَشْرِيِّ وَالْإِشْدِانِي الظُّهُوُدِيّ وَيُلْبَوَ اطِن بِالنُّوْرِالسِّنِيّ وَأَيْعُشِ ٱلْهَذِيّ ٱلشَّاحِدِ عَلَى كُلِّ رَسُولِ وَٱلمُبَلِّغِ لِنَعَايِسَةِ السُّوَالِ، ٱلَّذِ شيعذك يعتين وأسبه ويحقضته بذايك تهيئز تَهُ فِيْ حَضْرَةٍ قُدُ سِبِ الطَّحُوْكَ لِلُطْفِ وَمَظْهِدِ إِمْتِنَانِهِ ، آنُعَالِيْ بِإِشْرَاقِ ثُوُرِكَ عَلَى صَفْحَارِي وجهه وتتاياه وليتانيه انعاقب يدرس الكسرام في الصُّورِ، ٱكْتُقَدِم عَكْبُهِمْ بِأَنتَاتَ وَالسَّانِ وَالْمُنْصَلِ وَفُوا يَحِ وَخُوا تِيسِمِ السُّورِ اكْفَا يَحِ لِلْمُقَفَّلاَتِ ، اَلْقَائِسِم بِعَسِلَ ٱلْمُعْفَسِلَاتِ ، ٱلْقَتَّالِ مِكُلِّ غَوِي وَالسُوشِلِ يِكُلِّ مَنِيْ الْعَيِيْمَ آلَتُ فِي مَنَةً بِهِ كُلُّ ظُهُوْرِ وَجَسَعَ

كُلَّ نُوْرٍ، ٱلْمَارِى يَظَلَامِ السِّيرُكِ وَالشُّكُولِكِ وَٱلْاَوْهَا مِ ٱنْوُصِيلِ يدَابِ السَّدَةِ مِ الْمُصْطَّعَى عَلَى كُلِّ الْوَنَامِ ٱلْمُثِيِّدِ بلِقَّادِ ٱلْكَكِ العَسَلَّةُ مِ وَفَوَاتِحِ الْاِنْعَامِ وَجَوَاتِرِمِ الْدِسْسَدَهِم مِنَ السَّسَلَةِم سِدَا دِالسَّسَلَةِمِ ٱلْتُوكِلِ بِعَالِهِ ، ٱلْمُنْقَهِرِلِذَالِكَ فِي مَقَالِهِ لِعَلَّذَيَالَعَ الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى سِوَاكَ ، فَلاَ يَلْتَغِتُونَ آلاً إلَيْكَ ، وَلاَ يَعْتَمِدُونَ إلاَّ عَلَيْكَ وَلَايُوَمِّدُونَ إِلَّا إِيَّاكَ ٱلْمُعَنَّعِ بِقِنَاعِ بَعَاءِ ثُولِكُ فِيْ مَعَالِيْ مَعَالِم ظُهُوْرِكَ النَّبِيِّ آلَّذِي آنُبَاتُهُ يِكَ فَآنُمَا غَنُكَ وَآلَتَ ذِيْرِلِهِنْ عَصَاكَ يَجَوْيُفِهِ بِكَ مِثْكَ نَبِي التَّوْبَةِ الَّتِي تَبِلُتَهَا مِنْ أُمَّتِ بِلاَ تَسُلِ ظَاهِدٍ يِلتَفُوْسِ، مِنْ عَكْيرِمَشَقَةٍ قَالَ بُوسٍ، ثَبِيّ السَّرَحُمَّةِ الَّذِي آتُ سَنْتَ لِمُ سَنْتَ لَمَ مَعَةً يَلْعَا لَيِينَ وَايْعَا ذِهِ لُعَالِكِيْنَ نَبِيِّ الْمَسَلَاحِيمِ الْعُظَلَى وَمَوَاقِعِ الْعَسْيِوالْ وَهَيْ الَّسِيدِ الْعَسْيِوالْ وَهَيْ السَّدِي هَدَيْتَ بِهِ مَنْ كَانَ عَنْ أَعَى وَفَتَحْتَ بِهِ أَذَانًا مُتَّادَّآعُيُنَّا عُمُنَّا وَ قُلُونًا غُلُفًا، سَسَدْنَا مُحَسَّبَدِ صَلَى اللهُ عَلَيْ وَسَلَمَ ، ٱللَّهُمَّ مَسَلَّ عَنى مُحَسَمَّدٍ وَعَسَى آل مُحَدِّتَه دِكما صَلَيْتَ عَلَى إِنْهِ ثِيمَ وَعَلَى آلِ إِيمَاهِمَ وتبارك عنى مُحستدة عنى آل مُحسته دِكما باسكت عَلَى إِبْرَاهِيم وَعَنَ آلِ إِبْرَ هِيمُ رَنَّكَ جَيْدُ خَيْدُ سُبُحَانَ رَبِّكَ رَبِّ الْعِسِزَةِ عَمَّا يَعِيغُونَ وَسَسِلَةُمْ عَلَى السُرْسَيلِينَ وَالْحَسِمُدُ يِلْهِ مَ بِهِ الْعَالِمِينَ :

سُبْحَانَكَ ٱللَّهُمَّ وَبِحَنْدِكَ ، لاَ إِلاَ آنَتَ ، آسُتَغْفِرُكَ وَالْوَالْدُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّا اللَّهُ اللَّا اللَّهُ اللَّلْمُ اللَّهُ اللَّا اللَّهُ اللَّا اللَّهُ اللّه إِلَيْكَ ، دَعُواهُمُ فِيهَا سُبُحَانَكَ آللُهُم وَيَجَيَّتُهُمْ فِيهَاسَلَهُمْ وَّآخِدُ دَعُوَاهُمُ مُ آنِ الْحَسَمُ دُيِثُ وَتِي الْعَالَبِينَ " اللی اس ذات بزرگ پر در د جمیح ، جوبرتنر نور والول کومکمل کرنے والى سے وائرہ عالمين كى قطب، اورسلسلاً أنبياً ورسل كى رسى كاوا ہے۔ دنیا، آخرت اور دین کی برگزیدہ ترین ستی جوتیری طعی دلیل در روش ترین تورسے بوخلافت کبری کے دارت اور دنیاد آخرت كے امام میں جولوا مے حد كے حامل اور الس راز كے محم بیں ،جس كا مشامده كياجائك كالجومقام محمود برفائزا ورسيدهي راه درازا وراس وص کے رہر میں جس بریا سے بنی سے بر جو بہنے والے کوٹراور كائنات كے ذریعے ذریعے ملے دمیجے دمیجے نور والے ہیں جو كمالا كي بادشاه اورا تبدأ و انتهاكة شنيناه بي تمام جهانوں سے بڑھ كر المندتعالیٰ کی حمد و شاکر نے والے اور خلیق آدم سے ، سرجگرجن کی تعربین کی جاتی ہے۔ قرآن کو جمع کرنے والے، ہرگھڑی اور ہروت صفات کمال سے موصوف ، بہت نیک ، بڑے مہربان اُلمت کے بنگہاں،سب پرقابویانے والے،غالب،شفقت ورحمت فرلنے واليه، جرمروار روشن ميري جن كي دائمي زندگي اور قائم عزت كي تونے تھے کھائی، جرباب نبوت کے کھولنے والے مجی ہیں اورسلسلہ نبوت كوظم فرما في والديمي شفاعت فرما في اورتيرس تمام رازوں کے امین ہیں وہ جنگوکاروں کوجنت کے یا اورترز كوجتم كے ياہے جمع فرمانے والے بيں و دجن كى ذات ميں ہرونت

تیری ذات کامل کے انوارظام رہوتے ہیں اور وہ جنوں نے مرمقام يركمال احسان فرماياج تيرسي معتزر سولول كاسلساختم فرمان وال ا درتمام نعمتوں کوا صاطر کرنے والے ہیں جوظا ہرے یہے انسانی حسُ وجمال اورخلام ری جیک دمک والے رسول ہیں اور باطن کے بيا على ترين تورا ورعالى مرببت زندگى كانموندېي جومېررسول بر گواه اور مرسوال كامسكت جواب دين وا كيس وه جنول ت اینی سرکی انتھوں سے تیرامشاہرہ کیااورجن کو توسقے اپنی بارگاہ میں ابسى خصوصيات كے ساتھ نواز ا بجرب تعالیٰ كے نظف واحسان كامظهر مبرجن كيجيرة انورير دانتول اورزبان يرتبير سانوار وقص كرنے ہیں جوصورت كے لحاظ سے تمام انبیائے كرام سے آخومیں اور مرتبه ومقام کے لحاظ سے سب سے اقل ہیں ،جوسور تو سے مفقىل تروف أبندائيه، كلماتِ اختى امير بندشول كو كمولن واك مشكلات كومل كرسنے والے ، ہريمكڻ سے بہت لرشنے والے ا وربر کمین کومٹا نے والے ج تقسیم فرما نے والے ہیں جی سے ہر كمال كاظهورتام بمواجنهول في مرزور كوجمع فرمايا. وه جو تنرك وسكوو ا و بام كومنا في واليا ور دارالسلام دسلامتي مح كفر بجنت ، كم بنیا نے وا لے برج تمام انسانوں میں برگزیدہ ہے۔ بہت علم واسلے باوشاہ کی ملاقات ابتدائی انعام واکرام اوراسلام سے آخری جامع نظام كى سلامتى كے ساتھ بحول جنت كى بشارت وينے واسلے ہیں وہ جواپنے سرصال میں توکل کرنے واسلے اور اپنی گفتگو میں اس حقیقت کو برملا ظا ہر فرمانے والے ہیں بناکہ مخلوق مجھے جوڑ

کرکسی سے رشتهٔ الفت استوار نه کرے بیں اب وہ دسلمان مسر تیری طرف توج کرتے ہیں۔ اور تیرے سواکسی بر بھروس نہیں کرتے ہیں اوران کی انس تیرے سواا در کچنہیں . وہ جو تیرے نور کا جیک كانقاب اورسص بوئے ہيں تيرے ظهور كے ليند ترين مقام ير، وُه جو تیرے بتانے سے غیب کی خبری دینے والے ہیں، سوانھول نے دنیا والوں کو تیری ذات وصفات کی خبریں دیں وہ جو تیرے نافرمانول كوتيرانام كم كرمرس أنجام سيخبرداركر في وال ہیں جو تور بے بی بیں وہ جن کی اُمنٹ کی توبہ تو نے جانوں کے قل کے بغیر قبول فرمانی ۔ بلامشقت و تکلیف ، جورحمت کے نبی ہیں ،جن کوآیب نے تمام جانوں کے لیے رحمت اور ملاکھنے والول کے سیلے ذریعنسجات بناکر بھیجا۔ بڑی بڑی محرکہ آرائیوں اور غظیم علائیول والے نبی، وہ جن کے سبب تونے اندصوں کوراستہ وكهاليا ،بهرون كوقوت سماعت عطا فرماني ، اندهون كوبيناني اور دلول كوبعبيرت عطا فرما في- بها رسيه آقامُحدّ صلى الله عليه ولم ، اللي مخترا در آل محتربر داد دمیمی، جیسے تو سنے ابراہیم اور آلِ ابراہیم بردرو محترا در آل محتربر اسی طرح برکت نازل فرما، جیسے تو سنے ابراہیم بمیجا ، اور محترد آلِ محتربر اسی طرح برکت نازل فرما، جیسے تو سنے ابراہیم كل ابرايم بربركت نازل فرمائي بيضك تؤستوده صفات بُزرگ ہے تمہارارب عِرت والارب اس سے پاک سے جو کھے بربان كرستيمين اورتمام رسولول برسلام ، اورسب تعريفين التديروردكار جمال کے لیے اللی توباک سے اور تیری ہی تعربیف سے تیرے سواكو في معبو ونهيل مين مجد سي مُعا في كاخواسته كار بُول ، اورتيري طرف

متوجر ہونا ہوں ان کی دعاجنت میں میر ہوگی کرالٹی تو یاک ہے اور مديدان كاجنت ميرسلام بوكا اوران كي آخرى دُعايري بوكي كرسب تعریس الله برورد گارجان سے یا بین -يه دونول در و د نتر لعيف عار وت بالأسيدي الوالحن البحري صديقي مفر من الد عنهٔ سے بیں۔ پہلے پرانہوں اپنی مبت بڑی کما سے حقائق انکمالات ہم ختم کیا ہے۔ یر کتاب اولیاً الله کے وظا نفت میں سب سے بزرگ اسب سے بڑی نفع بخش ا ورروش ترب تقريبًا جالس وراق يرشنل سه عجيب وغربيب اذكار سي تروع کی گئی ہے۔ سات مرتبر بسمانٹر ذکر کی گئی ہے۔ اس سے بعد فاتھ ہے۔ اس کی ہرایت کو دوسری آیت سے مسی مناسب ترا ورملنع دُعا ذکر کر کے جُدا

كياكيا من والله بعد الله تعالى كے اسمائے منباركه ميں بيال مك كراخرى سِي بِيُ كِما: لَوَ إِلنَّهَ إِلَّاللَّهُ لَوَسَحْنَ إِلَّاللَّهُ-لَاتَ حِيْمَ إِلَّاللَّهُ-اسى ترتیب سے آخریک اور مراسم ممبارک کے بعد ایک الیی جامع وعاسے جو حقائق ومعارف برشتل سے فصلح الفاظ اوربلیغ معانی کےساتھ، جتعلیمسے ماصل نهیں ہوسکتے بلحہ خدُائے بزرگ وبرتسری جانب سے فیضان ہے اور مردُعاكا فأتمم مُصنف نه الالفاظ بركيا سهد يكاهله كالتخلق كالتحييم يهال كك كدير عظيم الشان جزعجيب وغربيب نتان كيرساته ظام م وأجوميرك

علمیں کسی دور راے میں نہیں، دور رہے در و دنتر بین کومؤلفت نے حزب الانوار برحم کمیا ہے، جوحائق الکمالات سے جو کی ایک تمانی کے برابر ہے۔ برحم کمیا ہے، جوحائق الکمالات سے جو کی ایک تمانی کے برابر ہے۔

مرسيهول درود تنربي

الصلاة الوسطى بين اكبر محق التين بالعربي كا

بِسْمِ اللهِ التَّرْحُلُنِ الرَّحِيْمِ ، لاَ حَوْلَ وَلاَ قُوَّةً إِلاَّ بِاللهِ الْعَلِيِّ العَظِيْمِ، لَوَالِدَ إِلَّا اللَّهُ الْكِكُ الْحَقُّ الْمِينِينُ، مُحَسَمَّدُ رَّسُولُ الله صادق الوعد الآمين ، سَبَّنَا آمَنَّا يَمَا آشُرَلْتَ وَأَنَّبَعُنَا التَّرِسُوُلَ قَاكُتُبُنَامَعَ الشَّاحِدِيْنَ ، آتُلُهُمَّ صَلِّ وَسَلَّمَ وَآبِرَوْ آكُومُ وَٱنْعِيهُ عَلَىٰ ٱلْعِيدِيْ النَّسَامِعِ ، وَٱلْعَبْدُ البَادِخِ وَالنُّورِ الطَّامِحِ وَالْحَقِّ ٱلوَاضِحِ ، حِيْمِ الْمَثْلُكَةِ وتتأء الترجمة وميم العيلم ودال الدّلاكة والعن الذات وتتعاء الترشعنوت وميثم المتكؤت ودال البعد ايتوديني الجبروت ولام الدنطاب التغيية وماء الرافة المعيت وَنُؤُنِ الْمِسنَى وَعَسَيْنِ ٱلعِنَاسِةِ وَكَامِثِ ٱلكِفَاسِةِ وَيَاءٍ السِّستيادَةِ وَسِينِ السَّعَادِيَ مَقافِ ٱلْعُسُرْبَةِ وَطَاءِ الشَّلْطَنْتَ وَهَاءَ ٱلْعُسُرُوَّةِ وَوَا دِالُوثَقِي وَصَادِ العضمة دَحَلَى البِجَوَاحِدِعِلْمِهِ الْعَسنِيْرِيَوَامُعُا مَنْ آصْبَتَع بِعِيمُ الدِّينُ فِي حِسنُ زِحَسدِيْنٍ صَلَاتَكَ الْهِيمَنَةَ بِعَظْمَةَ جَسَلَالِكَ، ٱلْسُشَرَّفَةَ بِعَلَالِجَالِكَ، ٱلْسَحْدَةُ بِعَظِيْمٍ نَوَالِكَ دَّائِمَةً بِهِ وَامِ مُلْكِلْكَ لَا الْسَيْقَاءَ لَهَا، سَامِيتَ بِسُمُورِ فَعَسَكَ لَا الْقِضَاءَ لَهَا، صَلَاةً

تَغُونُ وَتَغَمُّ لُ وَتَلِيْنُ بِمَجْدِ وَكَرَمِكَ وَعَظِهُم فَضَلِكَ ٱنْتَ لَهَا آهُلُ لَا يُبَلِّغُ كُنْهُ هَا وَلَا يُعَتِّدُ كُنَّهُ هَا كَمَا يَنْبَغِيْ لِشَرُفِ بُبُوَّتِهِ وَعَظِيْمٍ قَدْرِمٍ وَكَمَا هُوَلَهَا أَهُلُ صَدَةَ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مَنَّا بِهَا هُهُوْمَ حَوّا دِنْ اللَّهُ عَيَّادٍ قَ تمنح فيهقاعتا ذنوب ومجؤدنا بمتاء تتماء الفسربة يحيث لاحيث وَلاَجَيْنَ وَلَاآيُنَ وَلَاكِئِتَ وَلَاكِئِتَ وَلَاجِعَةَ وَلَا حَجَنَةً وَلَا تَسَرَامَ وَيُغَيِّنَا بِهَا فِيْ غَيَاهِبِ غُيُوْبِ آنُوَاسِ آخَدِيَّتِكَ فَ لَوَ نَشْعُبُ تبتعاقب الكثيل والتهار وتمنخ لنابها سماح رياح فتوح حَقَّا يُوْ سَدِيْعِ جَمَالِ نَبِيتِكَ مُحَدِّمَةً الْمُغْتَارِ وَيُتَعِفْنَا بِهَا استسراب آنواب زينؤنيتيك في مشكاة الزُّحَاجَة المُعَتَّدُّ فتضاعف آنوارُنَا بَلا آمْتِ رَاءٍ قَلَاحَةٍ وَلَهُ حَدِيٍّ وَلَا الْمُعِصَادِ يَارَبِ يَااللَّهُ يَاحَيُّ يَا قَيْوُمُ يَا ذَا الْجِلَولِ قَالِوكُ مَا عَمْ يَا آرُحَمَ الرَّاجِينَ نَسْأَلُكَ بِدَقَّا يَقِ مَعَانِي ٱلْعُسْرُانِ العَظِيْمُ الْمُسَدَّدُ طِمْدَةِ آمُوَاجُعَا فِي بَحْسُدِبَا طِنِ خَزَّايُنِ عِنْدِكَ ٱلْحَنْزُوْنِ بِآيَاتِهِ البَيْنَاتِ الزَّاجِرَاتِ الْبَاجِدَاتِ عَلَى مَنْلَهَ رِهَ شَسَانِ عَيْنِ سِيرِكَ الْمَصُونِ اَنْ تُذُهِبَ عَنَا ظَلَةُ مِ الْغَقِّدِ بِنُوْرِ ٱلْمِ ٱلْمَعِدِ وَ آنُ تَكُنُّوْنَا مِنْ حُسلَلِ صِفَاتِ كَمَالِ سَسَيِّدِ نَامُحُسَمَّدٍ صَسِلَىّ اللهُ عَلَيْدِ وَسَسَمَّمَ ثؤته الجركة ترة وآن تشفيسنا مِنْ كَوْتُومَعُسُوفَتِهِ سَعِيقً تَسْيِلُهُ تَسْيِبُمُ شَرَابِ الرِّسَالَةِ ٱللَّهُمَّ صَلَّعَلَى ٱلْجُوْدِ أَلَاكُ رَمِ وَالنَّوْسِ أَلَا فَخَسِ وَالْعِسِ زَّ أَلَّا عُنظِيمِ اَلْمَبْعُوْتِ بِأَلْقِيلِ

الدَّقُوم دَمِنَة الله عَلَى كُلِّ فَعِيْعٍ وَّ اَعُجَمَ اسَيْدَا وَ يَبِينِا مُحَسَمَة اللهُ عَلَيْ وَسَنَمَ فَطُبِ رَحَى النَّبِينِينَ وَنَعْظَة وَ أُرسَرَةِ الْسُوسِينَ النُّخَاطَبِ وَحَى النَّبِينِينَ وَنَعْظَة وَ أُرسَرَةِ الْسُوسِينَ النُّخَاطَبِ يَعْ النَّبِينِينَ النُّخَاطَبِ فِي النِكَ يَبِ الْمَلْوُنُ وَيَعَلَى مَا أَنْتَ بِنِعْمَة وَرَبِيكَ مِن النَّكَ يَعْمَدُ وَيَالَّ النَّهُ وَالنَّهُ وَالْمُ وَالنَّهُ وَالْمُ وَالنَّهُ وَالنَّهُ وَالنَّهُ وَالنَّهُ وَالنَّهُ وَالْمُوالِقُ وَالنَّهُ وَالنَّهُ وَالنَّهُ وَالنَّهُ وَالْمُوالِمُ وَالنَّهُ وَالنَّهُ وَالنَّهُ وَالنَّهُ وَالنَّهُ وَالنَّهُ وَالْمُوالِقُولُ وَالنَّالِمُ وَالنَّالِمُ وَالْمُوالِمُ وَالْمُوالِمُ وَالْمُعُلِيْ وَالْمُوالِمُ وَالْمُوالِمُ وَالْمُوالِمُ وَالْمُوالِم

شروع الله کے نام سے جرح فرمانے والا بہت مہربان ہے برائی سے بینے اور نیکی کرنے کی طاقت فکرا سے بزرگ و برتسر سے ہی والس سحتی ہے اور نیکی کرنے کی طاقت فکرا سے بزرگ و برتسر سے ہی والس سحتی ہے اور امانتدار سیحا با دشتا ہ ہے بی خرالند کے در مول ، وعد سے کے بیسے اور امانتدار بیل بالدی ہم برائیان لا نے جو تو نے نازل فرمایا، اور ہم نے اس در مول کی بیروی کی سوم کوگوا ہوں کے ہمراہ لکھ لے اللی در وو مسلام بیلیجا و زیکی و عِزت عطا فرما ورانعام فرما مبند ترعِزت ، برتسر عظمت اور عظیم تر نور برجو واضح حق بیں جومملکت کی میم ، جمت مناسب کی ما ، علم کی میم ، دلالت کی دال ، ذات باری تعالیٰ کا العن بہت کی ما ، علم کی میم ، دلالت کی دال ، ذات باری تعالیٰ کا العن بہت رحمتوں ، کی ما ، مبہت بڑے ملک رملکوت) کی میم ، مرایت کی دال ، جروت ، تو ابویانا) کی جیم ، الطا و نے خیر دیوشیدہ مرایت کی دال ، جروت ، تو ابویانا) کی جیم ، الطا و نے خیر دیوشیدہ مرایت کی دال ، جروت ، تو ابویانا) کی جیم ، الطا و نے خیر دیوشیدہ مرایت کی دال ، جروت ، تو ابویانا) کی جیم ، الطا و نے خیر دیوشیدہ مرایت کی دال ، جروت ، تو ابویانا) کی جیم ، الطا و نے خیر دیوشیدہ مرایت کی دال ، جروت ، تو ابویانا) کی جیم ، الطا و نے خیر دیوشیدہ مرایت کی دال ، جروت ، تو ابویانا) کی جیم ، الطا و نے خیر دیوشیدہ مرایت کی دال ، جروت ، تو ابویانا) کی جیم ، الطا و نے خیر دیوشیدہ میں برایت کی دال ، جروت ، تو ابویانا) کی جیم ، الطا و نے خیر دیوشیدہ میں برایت کی دال ، جروت ، تو ابویانا) کی جیم ، الطا و نے خیر دیوشیدہ کو ساتھ کی دال ، جروت ، تو ابویانا) کی جیم ، الطا و نے خیر کی دال ، جروت ، تو ابویانا کی جیم ، الطا و نے خیر کی دال ، جروت دی تو ابویانا کی جیم ، الطا و نے خیر کی دال ، جروت دی تو بویانا کی جیم ، الطا و نے خیر کی دال ، جروت دی تو بویانا کی جیم ، الطا و نے خیر کی دال ، جروت کی دال ، جروت دی تو برت کی دال ، جروت دی تو برت کی دال ، خوات کی دال ، جروت دی تو برت کی دال ، خوات کی دال

مهرانیوں) کالام ، ختیتی رافت دمین) کی را ، منن داصانات) کامیم عنايت كاعين ، كفأيت كاكاف ، سيادت كى يار، سعادت كي سين ا تربت كى قاف ،سلطنت كى طائه عروه كى بار، وتفيى كى واؤ دعروه م وتقي مضبوط سهارا ،)عصمت كي صادبين اوران كي آل يرجو سكار کے قابل صد تکریم علم کے موتی ہیں اور آب سے صحاب کوام برجن کی وجه سه، دين مضبوط خفاظت مين أكيا. وه درو دجوتيري علمت جلال سي بابركت بهو، جوتيري جلالتِ جال سيمشرف بنو جوتيري عظيم عطا سے قابل تحریم ہو، جوتیری دائمی محومت سے دائمی ہو،ج كى كوئى انتائن مو، جۇتىرى برتىرى كىصدقد، ايسابلىد مرتبت بود جوكبمی ختم نهره ایسا در و دجومبندتر ، فاصل ترا ورتیری مُزرگی ا ورفعنیدات عظلى كي نترون برّت ا ورعلوم رتبت كيمناسب بواور بيس حنوراس کے متحق ہیں،ابیا درُودجس سے وادت اختیار کے ریج وغم جاتے رہیں، اورجی کے ذریعے توہارے وجود کے كنابول كواسمان قرسب كے پانی سے دحود الله الله بهال منجاب نه درمیان ہے نرکهاں ہے نہ یکسے، زجست نرخمراؤ، اورجی توہم کو اپنے افوارِ توجید سے کہرسے انوار میں جیا ہے، یس ہم کو گروش شب وروز کی کوئی خبرندر سے اورص کے ذریعے توہم کولینے بي عقار محمد صلى المنه عليه وم سك بدين ال جال كي حقيق كوملنقاب د یجنے کی توت ارزائی فرائے۔اورجس کےصدیتے توہم کوان زيتونى انوار كے رازوں كالمحقر مطافر مائے، جو أند يحقريد كے ملاق میں منوظ میں اجس سے ہارے انوار ، بغیرتم ہوسے بے مدھاب

ير صفي يطيعائين-اسيرورد كار إلى الند،اس سلازنده رسن والے! اے قائم رہنے والے ! اسے پیبت وبزرگی کے مالک اسے مب سے بڑھ کر رحم فرانے والے اہم مجھ سے قرآن عظیم كى ان معنول باريكيول كاسوال كرستے ہيں ،جن كى موجيس تيرسے محفوظ خزانهٔ علم میم وجزن میں ان کی واضح نشانیوں کے ساتھ ، جوجیک رى من اروشن مين اس ذات پاك برج تيرك محفوظ راز كي أنهه كي یتلی کی مظهر ہے کرہم سے الفت عظمت کے نور کے صد قد ممتند کی كے اندھيروں كو دور فرما و سے اور ہم كوسيدنا مُحدّ صلى الله عليم كى صفات كمال كي جوروں سے تؤر جلالت كالبائس مينا د سے اورہم کوان سکے تورمعرفت سے ننرخ رنگ کی تسلیم رسالت کی تنربت بلاد سساللى ان بردرُود بيمج جوسرا يا بخشن وسخاوت بيرعليم الشان نور اوربهت بری علمت میں جن کوصا ف سیدھی بات دے كمبوث فرما يأكميا ورجو برزبان دان اوركو بط كے بيلے الله كا اصان میں بہارے آقا، ہارے نبی ا درہارے محتر معلی انتدعلیہ وسلم جونبیوں کی بچی کی مرکزی کیل اور دائرہ رسُولوں کے ب نقطر میں بی کولور محفوظ میں تھی گئی گناسب دقرآن کریم) میں ان الفاظ میں مخاطب بنایا گیا ہے۔ مثا آئٹ بنیعتید سے بلکے بعدیہ الفاظ میں مخاطب بنایا گیا ہے۔ مثا آئٹ بنیعتید سے بلکے بعدیہ رائے میروب مما بنے رب کے نفل وکرم سے مجنون نہیں ؟ [ن کا کھٹے کہ اسے میرون نہیں ؟ [ن کا کھٹے کہ اور بنے تک تمہارے لیے منظم ہو سفے والا اجر ہے) جزیر سے اس قابل صدیح می فرمان ما تمرموموف ہیں ، وَ [تَلْفَ لَعَدَلَى خُلْقِ صَفِينِيم ، واور بنے کہ ساتھ موموف ہیں ، وَ [تَلْفَ لَعَدَلَى خُلْقِ صَفِينِيم ، واور بنے کہ ساتھ موموف ہیں ، وَ [تَلْفَ لَعَدَلَى خُلْقِ صَفِينِيم ، واور بنے کہ ساتھ موموف ہیں ، وَ [تَلْفَ لَعَدَلَى خُلْقِ صَفِينِيم ، واور بنے کے ماتھ موموف ہیں ، وَ [تَلْفَ لَعَدَلَى خُلْقِ صَفِينِيم ، واور بنے کے ماتھ موموف ہیں ، وَ [تَلْفَ لَعَدَلَى خُلْقِ صَفِينِيم ، واور بنے کہ کہ اور بنے کہ کہ اور بنے کے ایک موموف ہیں ، وَ [تَلْفَ لَعَدَلَى خُلْقِ صَفِینِیم ، واور بنے کہ کہ کہ کہ ایک موموف ہیں ، وَ اِلْمُ اللّٰ اِلْمُ اِلْمُ اللّٰ اِلْمُ اللّٰ اِلْمُ اللّٰمُ اللّٰ اللّٰمِ اللّٰ اللّٰ اللّٰ اللّٰ اللّٰم اللّٰ اللّٰ اللّٰمُ اللّٰ اللّٰمُ اللّٰ اللّٰمُ اللّٰمِ اللّٰمُ اللّٰمُ اللّٰمُ اللّٰمُ اللّٰمُ اللّٰمُ اللّٰمُ اللّٰمِ

تم افلاق کے بلند ترین درجربر فائز ہو،) اور صنور کے ان صحابہ کوام سے راضی ہو جیے، جو متلاشیان ہدایت کے بیے، ہدایت کے امام ہیں۔ اور بیروی کرنے والوں کے بیےاس وقت تک لائق اقتدار ستار ہے میں جب بک نور کا دورجاری ہے، اور چھئے رازوں کے انوار چھتے رہیں گے۔ اور تمام ترجمد و ثنا کے سڑاوار انٹر برور دکار عالمیان ہیں۔

يهونسطول رود منولف فانبير

يرجى اتهى كا بعد الله مُمَّ صَدِلَ وَسَدَّمُ وَبَادِكُ عَدَى الطَّلْعَةِ الذَّاتِ المُطَلَّفُ مِ وَالْغَيْثِ المُطْمَطِمِ وَالْحَمَالِ الْكُتَّمِ المُطَلِّفُ مِ الْغَيْثِ المُطْمَطِمِ وَالْحَمَالِ الْكُتَّمِ الْحَقِّ الْحَوْثِ الْجَمَالِ وَنَاسُوْتِ الْوصَالِ وَطَلْعَتِهِ الْحَقِّ الْحَوْثِ الْحَمَالِ وَنَاسُوْتِ الْوصَالِ وَطَلْعَتِهِ الْحَقِّ الْحَوْثِ الْحَقِّ الْمُعَلِّي الْمُعَلِّي الْمُعْدَى الْمُعَلِّي الْمُعْدَى الْحَقِي مَنْ الْحَدْثِ الله عَنْ الله وَالله مِنْ الْحَدِي الْمُعْدَى الله وَسَلِيمًا مَنْ الله مَنْ الله مِنْ الله وَالله مِنْ الْحَدِيمِ الله وَسَلِيمًا مَنْ الله مَنْ الله وَالله مَنْ الله وَالله مَنْ الله وَالله وَله وَالله وَلّه وَالله وَالله وَلِي الله وَالله وَله وَالله وَالله وَالله وَل

اللی درود. سلام اور برکت نازل فرما اس ذات پاک کی خرجت از در استان برجو کمالات عجیبه کی جامع ہے، رحمتوں کی موسلا دصار بارش اور بہت پوشیدہ رکھا گیا کمال ہیں، جو حُن ازل کا جمال اور بہت پوشیدہ رکھا گیا کمال ہیں، جو حُن ازل کا جمال اور ایک خالق سے ملانے کا واسلم ہیں جوحی کی اور ایک خالق سے ملانے کا واسلم ہیں جوحی کی جوجی کی جیسی ہیں۔ ووج والیا ایک انسان سے بیے دبھی ہے جسے ہیں۔

بوفدا کے لم بزل کے خالق ہونے (کے عقیدے) میں تھیلنے والا ہے ۔ جن کی بدولت تو نے حق کی طرف جانے والے مختلف راستوں کو سیدھا کیا بیس النی ان کے ذریعے ان کی طرف سے ، ان کی ذات میں ، ان پر درُود اور بجترت سلام نازل فرا ، اور تمام تعربیوں کا مزادار انڈ درے العالمہ ہے ۔

ببنسطه وورنزين

ا صلوة الستر) بيمهي أنهي كا ب صَسَلَىَّ اللَّهُ عَلَى الْهُ قَرْلِ فِي الَّهِ يُحَدُّ وَ وَالْجُوْدِ وَ الْوُجُودِ -ٱلْعَالِيحِ يَكُلُ شَاهِدِ حَصْرَتَى الشَّهِدِ وَالْمَشْهُودِ. اكتستراك طن والنوراط هدراك ي هُوَعَيْن المُعْفُو جَمَّا مِسْزِقَصَبِ السَّبُسِّ فِي عَالَدِ الْعَلَىٰ ﴿ ٱلْعَصُّوْصِ بِالْكَ تَرْلِيتَ عِ أَلِسَرُّوُحِ ٱلْآقَدُ حِي الْعَلِيْ وَالنَّوْرِ ٱلْوَصَى الْعَلِيْ ٱلبَعِيْءَ ٱلْقَالِيهِ بِكَمَالِ الْعُبُودِيَةِ فِيْ حَضَّرَةِ الْتَعْبُودِ السندى أينض على أوجي من حصت رتع رُوحانيت وَاتَّصَلَتْ بِمِشْكَا تِي تُلْبِي آشِيعَتْ أَوْرٍ: يَتَتِ ، فَهُوَ الرَّسُولُ الْوَعْظَمُ وَالنَّبِيُّ الْدَكْتِرَمُ وَالْوَلَىٰ الْمُقَدِّدُ الْمَسْعُودُ الْوَالَ الْمُقَدِّدُ الْمُسْعُودُ وعسنى آليه وآصعاب خزآين آسسراب ومعاين آنُوَابِهِ، وَمَطَالِعِ آقَتَابِهِ، كُنُونِ الْعَقَانِنَ وَهُدَا يَ الغسلة يْنِ بَجُومِ الْهُدَى لِمِن احْتَدَى وَسَلَّمَ تَسُلِمًا كَتِيدِيرًا وَسُبْعَانَ اللَّهِ وَمَاآنًا مِنَ الْمُشْرِكِينَ وَحَسُبُنَ

اللهُ وَيَعْسِمَ الْوَكِيلُ، وَلاَحَوُلَ وَلاَ قُوتَةً وَلاَ قُوتَةً إِلاَّ بِاللهِ الْعَسِلِيّ الْعَظِيْمِ، وَمَسَلَىَّ اللَّهُ عَلَىٰ سَيِّدِنَا مُحْسَمَّدٍ قَالِهِ وَمَعْسِهِ أَجُعَينَ سُبْحَانَ رَبِّكَ رَبِّ الْعِسزَّةِ عَمَّا يَصِفُونَ وَسَلَامُ عَلَىٰ الْسُرْسَلِينَ وَالْعَسَمُدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ -الترتعالي درُود بيميے ان برج وجودا ورجود وعطا ميں اقال ميں جو تنامد ومشود دونول کے صنور ماضر ہونے والول میں پہلے ہیں. جوباطنی را زاور ظاهری نور ہیں جوعین مقصود ہیں۔ و دجوتمام دنیا میں ہرکمال کے لحاظ سے سب پرسبقت سے جانے والے تہیں جواة ل ہونے کے ساتھ مخصوص میں جو یاک رُ و ح ، بلندم تبت، اوركامل تزين حيحا نؤرمين بواين اسمعبودكي باركا وميرع بؤدتيت کاملہ کے مرتبہ بیر فائز ہیں جس کی بارگا دکی رُوحانیت سے بیں رموحانی طور پر فیصنیاب ہورہا ہوں اورجن کی نورانی شعامیں ہیں طاق قلب میں پوست ہونکی میں بیس وہی رسُول اعظم ورنبی آمرم بين جو قريبي مدد گار، او رباعت معا دست من اور ان كي آل اور ان مے صحابہ کوام پرچر مرکا۔ کے اسان کے خزائے جمعور کے انواركے معارف اورجاندون كي مستعملين حقيقتول كي ان مخلوق کے ما دی ، اور طالبان مدایت سے بیایت سے سار ے ہیں اور النی ال پربست بہت سلام بیجیو! اور النواک ہے، اور میں مشرکوں میں سے میں اور ہم کو انٹر کا فی ہے اور بهترين كارساز بساورهم برائي سي بيحف اوريكي كرف كالا بس فدائے بزرگ وبرتر سے مل سحی ہے اور الشر تعالیٰ ہارے

ا قامخداورات کی آل اور صحابه کرام ،سب پر درُو د بھیجے ، تمہاراپرورگار جوعزت وعلمت کا مالک ہے ، ان خزا فات سے پاک ہے جو پر منگرین بیان کرتے ہیں وررشولوں پرسلام ہو، اور تمام ترجمہ و ثناً منگرین بیان کرتے ہیں وردگارِ عالمیاں ہے۔ کا مذاوار انڈرتعالیٰ پر وردگارِ عالمیاں ہے۔

ببهي اسطوال درود تنزليب

یر بھی انہی کا ہے

أَسْكَالُكَ ٱللَّهُ مَنْ يَهُمَا سَكَالُتُكَ وَأَتَوَ سَسَلُ إِلَيْكَ فِي تُجُولِهِ مِعْتَدَّمَةِ الْوُجُوْدِ الْدُوَّالِ وَرُوحِ الْعَيّاةِ الْوَفْضَلِ. وَنُوْسِ الْعِلْمِ الْدَّكُتِلِ وَبِسَاطِ الرَّحْدَةِ فِي الْدَرُ لِ وَسَمَتَآءِ الْخُلُقِ الْآجَسِلِ السَّيَابِقِ بِالسِرَّوْجِ وَ الغنض والخسايع بالفؤت والبغث والنوريا لقذابة وَالْبَيْسَانِ مُحَكِّذًا الْمُصْطَفَىٰ وَالرَّسُوْلِ ٱلْمُحْتَبَىٰ صَلَّى اللهُ عكيث وعكاكايه وصنعيب وسترت تشيئ كشيركا كَشِيْرًا إِلَىٰ يَوْمِ السِدِينِ وَالْعَسِمُدُ لِيلَّهِ رَبِّ الْعَالِينَ. موجر میں اللی امیں نے جربھے کھے سے ماٹکا سے اس میں یہ سوال نمی ہے۔ موجر میر اوراس کی قبولیت میں تیرسے صنور اس ذات اقدیس کا وسیلہ يحرما بورج وجوداة ل كامتدمه اورحيات انصل كي رُوح مين يج كامل ترعلم كانورا ورازل مين بساط رحمت بين اوربزرگ ترين خلاص محاسمان بين جرروح اورفضل وشرف بين سب سعاق ل اور

صورت وظهور میں سے آخر ہیں جو ہدایت وہیان کے نور ہیں۔
مورت وظهور میں سب سے آخر ہیں جو ہدایت وہیان کے نور ہیں۔
مور مصطفے، رسُولِ برگزیدہ ،التٰدتعالیٰ تا قیامت صنور پرائن کی ال
پرا ورائن کے صحابہ کوام پر بہت بہت درود وسلام بھیجے اور سب
تعریب الشر پرور دکار جہال کے بیاے۔

سطرسطھوال درودنسرلیب درود وصل بیمی انہی کا ہے۔ درود وصل بیمی انہی کا ہے۔

اللهمة بك توسَّلتُ والنيك تَوجَهُتُ وَمِنْكَ سَالُتُ وَفِيْكَ لَا فِيْ آحَدِدٍ سِوَاكَ دَغِبْتُ، كَمَّ آسُكَالُ سِوَاكَ وَلاَ اَظُلُبُ مِنْكَ إِلاَ إِنَّاكَ ، اَنْكُ مُنْ وَ اَتُوسَدُ لُ الدُلكَ فِي قُبُولِ ذَلِكَ بِالْوَسِيدِ لَهِ الْعُظَّلَى وَالْفَضِينُ لَهِ الْسَّخُ بُرِلِي وَالْحَيِينِ الْوَدُنَى وَالْوَلِيَّ الْحَلَّى وَالصَّنِي ٱلْصُطَفَىٰ وَالنَّبِيِّ ٱلْمُجْتَبَىٰ مُحَسَّتَهِ صَلَّىٰ لِلْهُ عَلَيْ وَسَسِكُمْ وَسِهِ آشُكُالُكَ آنُ ثُمَسِينَ عَلَيْسِهِ صَلَهُ الْمَا الْبِينَةُ اسْرُمَدِيَّةً آنَ لِيَّةً لَاحِيَّةً قَيُّومِيَّةٌ دَامُِتُ دَيْمُومِيَّةٌ سَبَانِيَّةً بِحَيْثُ ٱشْهَدُنِي فِيْ دُيكَ كُلِّهِ عَبْنَ أَلَةَ غَيْلِي كَمَا تَسْتَهْلِكُنِي فِي مَعَاسِ فِ ذَاتِهِ فَآنُتَ وَلِي ذَيكَ وَلَا يَوْلُ وَلَا كُوْلُ وَلَا كُوْلًا إِلَّةَ بِاللَّهِ الْعَلِيمَ الْعَظِيمَ-اللى تيراى وسيديمينا بئول تيرى بى طرون متوجه بوتا بول يجمى

الوطحوال درودشرلف

یہ بھی انہی کا ہے

ٱللهُمُ مَسَلَّ عَلَى سَيِدِنَا مُحَسَمَّدٍ وَعَلَى آلِ سَيْدِنَا مُحَسَمَّدٍ وَعَلَى آلِ سَيْدِنَا مُحَسَمَّدٍ وَعَلَى آلِ سَيْدَا وَكُنُ وَكُنُ وَهُنَّةِ مُحَسَمَّةٍ عَرْشِ (سُنْ وَالنَّرِينَا لَا تَعْفِيهِ الْاَنْ هَدِ وَالنَّيْسِيّرَا لُوَتُهِ الْوَثُورَ النِّيسِيّرِ الْوَتُهِ الْوَثُورَ النِّيسِيّرِ الْوَتُهُ النَّاعِدُ وَالْوَثُورَ النِّيسِيّمِ ، صَلَا الْمُنْ الْمُعَلِيمِ وَالْوِثُورَ النِّيسِيّمِ ، صَلَا اللَّهُ النَّاعِدُ وَالْمُسْتِحُ لَيْ اللَّهُ اللْحَلْمُ اللَّهُ الللْمُ اللَ

وَٱلنَّمَّطُ وُبِهَا غُيُوْتَ الدَّحْمُورِي وَالْتَاصُ بِهَا عَنْ عَلَاقَةٍ مَّا سُوْتِ ٱلبَهْمُوْتِ يَالاَهُوْتُ كُلِّ مَّا سُوْتٍ - يَمَّا اللهُ " الهي بهارسة فالمحترا وربهار سه أ فالمحتركي آل بر درو دبيجيئ جو تيرك تستط تسجليات كعرش اورتبرك نزول حيقت كاصل ہیں جیکٹا نور اور راز برتریں بولیٹا ئے جامع صفات اور بگانهُ واسع میں ایسا درو دجس سے میں تمام کائنات کے عجائبات کا مشاہرہ کروں ،اورجس سے تیرسے علیم الشائے مناظر کا نظارہ كرول اورص سے میں جلیل القدر رحمتوں مے مینہ سے بیابی ماصل کروں۔ اورجس کے ذریعہ میں اس دنیا سے شوروغل سے چشکارا حاصل کروں - اے ہرفرد بشرکے فکرا ، اے اللہ-يه چه عدد درُو دستربين شيخ محي التين ابن العربي رصني التدعنه سيم التد تعالى ان كى بركتول سيمين نغع د سے- المعسلوقة الوسلى ور الصلوة الذاتيه میں نے فاصل ، عارف، فیسے احد بن میمان کی شرح سے تقل کئے ہیں جومولانا بزرگواراستنا ديشخ فالدنقشبندي سحفليفه بمعيجمشهورطريقه نقتبنديه سحمجرد تعے۔ میں نے دوسر سے نسخوں سے ملاکر بھی ان کی تصبیح کی سہے جو مجوع اوراد كے وائنی يرتم ريت عد باقى درو و شريف ميں نے مجوعد مذكور و سے تقل كئے میں مجھے استا دشیخ احمداً فندی مہا وُالدین نے جمع کیا ہے ، جوقسطنطنین داشتبول) مين طريقة نقشبنديه محيض طريقت شهر السمجوعه مين انهول في شيخ اكبر كا المسلاة الغيضية الكبرى اورالصلاة الدكبرية بحى وكركيا سعجو وروو نوركے نام سيمشور سے ميد دونوں دروو شريف ميرى كتاب فضل الصلا" ميل مركوريس-

اس مجوعه مین سیدی محقرانبکری کا وه در و در و حرکتاب افضل الصلوت میس أسجالتن بمبرر يكهابوا سبء بجهاضافه كسساته شخ أكبري طرف منسوب كرديا كيا ہے۔ بعدازال اين ميں يوالفاظ بھي آخر ميں سكھ بين آللف آف آ تُعَتِي وَيُسَيِّمَ بِالفَضْلِ عَنَا الرَّيْك . فَهُ إِجا نِ بِيهِ إِن دومِيس سِي كن صاحب كا ہے۔ ان کے اور دیگر کئی حنرات کے سرتب کر دہ کئی در و د شرایت ہیں جن كومين بها نقل نهين كرسكا ويسه يه دُعاوُں ، در د دُول اور اورا و كا ايكفيس مجوعه ب يحتين اجزأ يُرتشل ب التذتعالي مرتب كوجزا كخيرد اور ستیری محی الترین رصنی اوٹٹرعنڈ کے کہنے پرمیں نے یہ درُو د تشریعیٹ اپنی اسس کتاب میں مرہ نمبر میر درج کیا ہے، اور اس کے ساتھ میں نے یہ کچے درُود شریف اس بيے ذكرند كئے كدمجھ ان كاعلم يسلے نہ تھا۔ اب ہوا سے جب كركاب طبع ہوجی تھی۔ لہذامیاں ذکر کرد یئے۔ اور بات آسان ہے۔ جانا چاہیے کہ ستدى على و فأكا و مجموعه در و وحبكا ذكراس كماب مين جواليسوين تمبر ركيا كيا سب -میں سنے دیکھا کہ اس ور و د ترابیت کو صلاۃ الوسطی پرجی کا ذکر ہوجی ا ہے۔ ختم كماكيا سے سوميں نے معلوة الوسطى كوحة ف كرديا بي الائدى ميرسے زديك سبدى على وفأكامجموعة فابل ترجع تها شارح مذكور شيخ احد بن بيمان رحمه الشرف صلاة ذاتيه ندكور كي تشرح مين كها سيطيف ابل علم في سيدى مُرْتِد كا فل سيدم مُسطف حبيني صدیقی کے واسطہ سے سیدی عارف شیخ عبدالغنی نابلسی سے یہ: تنقل کی بهے كدان كلمات سے درُود شريف ير صفى كا تواب، دلائل الخيرات شريف پڑستے کے برابر سے اور اسی ورود نٹرلین سے وسید سے ، اس کے مؤلف تعكميُ الفي استدى شيخ اكبردهم التدامل عرفان كي مقامات تك تنبيع - اسى ك سبسب زما نے کے خوش سنے ۔ اسی سے ان سے یہے دنیا کی کھومی ۔ اسی

ان كوئزر كى اور مدد ملى ميم فرمات مين مين شرح مذكورسه ما و ربيح الاقول شريف ١٢٦٩ كو، دارالخلافرين فارع بوا التدتعالي اس كومصطفي صلے الترعليه وسلم کی برکت سے ،خیانت کرنے والول کے مکروفریب اورحاسدین سے تثرسے محفوظ ومامون رکھے۔ اور کونمی سلمانوں سے تمام شروں کو۔ اور اس تشرح کے فوائديس سيدايك وه ب حضيفت في كما ب صلاة الوسطى مين منقول شيخ اكبر ے اس قول کونقل کرنے کے بعد ذکر کیا ہے کریمان مک کرمیں وعیتی انتحقو ل سركار رسالتِ مآب كى زيارت سے منترف بهول محض دليل وبرمان سينين ؛ يعنى فرما ياكد والت مصطف صلے الله عليه لم كى جامعيت وتعار ف برقران وقد میں جو دلائل وعلامات مذکور میں ان کی روشنی مین میں اور نہ ہی خواہب میں کاپ کے ديدار سيمترف بوتا بؤل كديمتام توئبت بهائيول كوحاصل سيصبلح بين ككرم سے دیدار سے بھالتِ بیداری شرف ہوتا ہوں۔ جیسے سیّری احمدالرفاعی قدّی بهترة اس دولت سے مالا مال ہو سئے اور حضور علیالسلام نے ان کوجنت میں خت بر شھایا -سرکاروالا تبالی خدمت میں بوقت دیداریداشعار ندر گزارے-

سيدام الرفاع فرسس ميزه كو سيدام مصطفح سيب راري مين ديدار مصطفح

فِيْ حَالَةِ الْبُعُدِ رُوِي كُنْتُ اَرْسُلُهَ الْعَبِلُ الْالْرُضِ عَنِي فَهِى نَاعْبَتِي اللهُ وَعَلَيْ عَلَيْ الْاَرْضِ عَنِي فَهِى نَاعْبَتِي اللهُ وَعَلَيْ عَلَيْ الْاَرْضِ عَنِي فَهِى نَاعْبَتِي اللهُ وَعَلَيْ عَلَيْ اللهُ وَعَلَيْ عَلَيْ اللهُ وَعَلَيْ عَالَمُ وَعَلَيْ عَلَيْ اللهُ وَمِنْ اللهُ وَمُنْ اللهُ وَمُنْ اللهُ وَمِنْ اللهُ وَمِنْ اللهُ وَمُنْ اللّهُ وَمُنْ اللّ

جنابي مفسطف عليالسلام في قر تربيف سي اينادايال دست مُمارك أي كرديا جصيتيدا حمدصاحب سنائج م بياا ورمثرف دسيا دت حاصل كرلى الثرأن سے راضی ہواور ان کی برکتوں سے ہم کو نفع دے۔ اس حکایت کو نقل کرنے کے بعدشيخ احدبن لميان فرمات بين اس اجيز سے بھي اليا ہي واقع بيش آيا ميں وسي من حرب لیمان وردیدر مصطفے ای غرض سے مدیندمنور و سے باہر حلا گیا۔ میسے احمد بن بیمان وردیدرسطفے ایس نے دورجگل میں ایک تن نہاشخص کو و کیما بمیرا دل اس کی طرف کیجینے لگا ، اور میر عقل و فکراس کی طرف مائل ہو گئے۔ اورزیا ده نورانیت اور دسبشت کی وجه سے میں اس کا پورا بورا نقشه نهیں کھینے سکتا. سومیں نے دل میں مینجنۃ ارا دہ کرلیا کہ اب حنور سے سفروحنہ بیں کسی صوّرت جُدا نہ ہول گا جسب میں قربیب مینجا توعرض کیا ، مجھے اپنی ہمراہی میں لیے یعیفے اکسس پر حنومُسكرائ اور فرما يا دوست بتيرے بي اب محصحبت كے بب بئت غم محلیس بوا بیس میں اس خیال سے کراب ہمیشہ سرکار کے ہمرا در رہوں گا پیجے بیجیے ہولیا مگرامید نظروں سے اُوجل ہو گئے۔ تاہم قلب ونظریر ابھی کم جھائے بو سے ہیں۔ اسی بیلے بعض حضرات نے فرما یاکد اگریک بھر بھی بنی کریم صلی التّدعلیہ محسلم بهارى نظرول ست پوشىيد د بوجانين توبهما بينے آپ كوسلمان نه جانيں بيں حنور کی وات میں فنا ہونا فنافی التٰد کی تمہید ہے۔ کیبی وجتھی کرصدیق اکبررسنی التٰد عنه حضورعلیالسلام کی جُدائی بیشکوه سنج بوجایا کرتے تھے بیما ن بک کرضروریات انسانی کے میں نظر جوعار صنی عُدائی ہوتی ان سے یا ہے وہ قابل بر داشت نہیں ہوتی وتمنى بيسب كحضته شخبت اورفنافي الرسول كي بنا يرتها بيها ل كما كرمجوب كا واز غيبي طور برجمي محت كانول مك بين جائے تو و و فور البيك كے كا-

اس درو د شریب کے مرتب داین العربی ، قدس بیر و مجی ایسے ہی مخبت رسول صلی اللہ علیہ و م بین فائی شعصے برگاری تصفی کو تکہ و تو مقام محمدی پرفائز ہوگا۔ و تو بیشہ بارگا ہ بلند مرتبت کی طرف روال دوال رہتا ہے سواس کا سفرختم نہیں ہوتا از نہ کا دندگی میں ، ندمر نے سے بعد الخ شارح مذکور کا کلام ختم ہوا۔ اس بسلہ میں شافی کا تفعیلی کلام عنقریب آرہا ہے۔ دیدار رسول ، بیداری اورخواب میں سے عنوان سے انشا اللہ تعالی ۔

منهمتروال درود منولین سیری محتربن ابوالحسس الکری کا سیری محتربن ابوالحسس الکری کا

لاَ هُوتِيَّتِهِ قَعَّالُ مَنَامُوسُ نَاسُوتِيَّتِهِ يَسُلُبُ ٱلْعُقُولَ وَالْاَئِمَا لَهُ تنعقونى تمغت براذج آحدييد اكسسرايرا لتغفيل والا جَمَّالِ وَتَنْزُونِي فِي خِلْسِلَ وَإِحِبِ دِيَّتِهِ آدُوَاسُ الْوَنَفِعَالِ وَالْاِيِّعِسَالِ اِسْتَوْتُ بِهِ عُرُوْشُ الْعِبْعَاتِ عَلَى قَوَايُم الدُّسُمَاءِ وَحِيْتَ فَسِرْشُ العَرَابِلِ بِسُوسِ الطَّهِوْسِ ٱلدَّحْتَى-وَاسْتَسدَا رَعَلَى حَقَائِقِ ٱلسَّكُوُتِ - وَاسْتَنَاتِ بِهَوَاحِسِ أَضُواءِ أَلْجَبِ بَرُوْتِ - مِنْ نُقُطَيهِ إِلْتُمَدَّ كُلُّ عَالَيمٍ-وَمِنْ طَلْعَتِهِ آئَ هَــرَتْ كَوَاكِبُ آدَمَ آمَـدً بِلَطَّاكُفِ الْجَمْعِيَّاتِ عَوَايُعِبَ الْاَكُوَانِ - وَاسْتَصَّاءَ فِي آصُدَافِ الْاُوْصَافِ بِلَوَّامِيعِ الرَّحُنِي - رَجَعَتْ الْكَيْدِ أَوْمِيسُ الرَّغَبُوتِ-غَبُسًا وَطَهُوْرًا - وَهَمَعَتْ مِنْ لُهُ مَوَاطِــ وُ آلسرَّحَوْتِ - مَطُوِيًّا وَمَنْشُوْرًا - آللهُمَّ بِعَنِ سوَرِيا آلتُلُو ببيسان ألبَيّانِ عَنْ حَصْرَة الْقِدَى مِ-وَسِتَرِه الْجَنُلُوَّةِ فِيعًا عَرَائِسُ أَلْحَقًا يُنِ وَإِنْ عِلَمْ لَهِ نَرِّلُ مَسَلَاةً وُصُلَتِكَ الشنبوجية ومن عسرش اشيث الاعظيم على واحد عَوَالِم تَجَلِّيَاتِكَ العُدُّ وسِيَّةِ الْآكْدُ مِ نُورًا فِي التشباب ق والمتغاب ب-متداني الوجعة بك إليّ فِي أَلْمَاسِ مِن الْمُعَالِبِ - لَوْجِ مُعُوْشِ سِسِرِّكَ الْمُعِينِطِ آنجَامِع مُ وْحِ حَيَاكِلِ آمْسِيكَ اللَّدُ فِي الْوَاسِعِ-لِسَانِ إنحسايك في الدّر إنهين يكلّ مَاشِنْت خِسدَانة وتتبتوالاتبوالسيدة يكلما ارتدت الذول القابل

لِهَ نُوَاحِ تَعَيُّنَا يَكَ العَلِيتَةِ عَلَى الْحُتَلَاثِ شُوُونِهَا- ٱلْآخَسِدِ الغايس على حُنُون المداداتيك الستَركيّة في ظهُور ها وَبُطُونِهَا - اَلْعَبْ وِالْقَائِسِ بِسِيرَالْغَلْبِ وَالْإِحَاطَةِ يغَايَاتِ أُلُوَصُ لِ النَّا ظِرِبِعَيْنِ الذَّاتِ إِلَى عَسْنِ اَلِذَّاتِ وَلاَكَيْتَ وَلاَمِثُلْ فَا يَحَةِ كُثُبِ ٱلْحِبَاتِ وَالقِفَا وَالْوَيَاتِ ٱلْبَيْتَنَاتِ سِيوَالبَاقِيَاتِ الصَّالِحَاتِ الدَّايُمَاتِ. آللهُمَّ مسلّ على هذا ألْحَينِب أَلْحُبُوب - أَلْدِي عِنْدَهُ ٱلتَّكُلُونُ - عَبُدِكَ وَيَبِينِكَ وَرَسُولِكَ سَسِيْبِينَا وَمَوْلَدَنَا مُعَسَمَّدٍ وَعَلَى آلِهِ وَصَعْبِ و ويكسرها من قوله اللهم صل عشر مرات تسم يقول كستم يأسيك ٱلْسُهِدَ الْقَيْوُيْ عَكَيْسِ وِمِنْكَ مَعَكَ - وَاجْعَلْنَا بِهِ فِي حَفْسِرَةِ ٱلْعُدُسِ الرَّبَّانِيُ مِتَنْ تَبِعَهُ فَاتَّبَعَت كَ آللهُ مَ كَذَيِكَ - فِي كُلِّ ذَايِكَ - مَادَامَ لَكَ كُلُّ مَاكَانَ وكُلُّ مَا يَحْوُنُ - وَبَقِيَ تَعْيِيْنُ آحَدِيَّنِكَ فِي الظَّهُوْسِ وَالْبُطُونِ - وَآشْسِرَقَ جَبِمَالُ شُهُودِكَ عَلَى عَوَالِسِم آمُسِ كَ فِي ٱلْحَسَرَكَةِ وَالسَّحَوُنِ . وَآنُفَقْتَ مِنْ خَزَايُنِ مَوَا هِبِكَ مَا شِنْتَ مِنْ سِيرِكَ ٱلْمَصُونِ - وَبَطَنَ عَنْ إِذْتَ الْ كُلِّ آحَد دِمِنْ خَلْفِكَ مَاكَتَمْتَ مِنْ آمُنِكَ التكنون - آميين آمين آمين آمين آمين آمين آمين آمِينَ دَعُوَاهُ مُ فِينُهَا سُبُحَانَكَ آنَاهُمَّ وَتَعِينَهُ حُر ينيقاسسية م وآخير دعوا هنم آن المجسِّر وعواهم آن العاكبين-

میں گواہی دیتا ہوں کہ انٹر سکے سواکوئی معبود برحق نہیں اور میں گواہی ديما بهون كم محرّان شرك رسُول بن و من مرتبه مين گوابي ديما بُول -كه فندا كے سواكو كى معبود برحق نہيں اس كى ذات يكتا ہے بياز ہے ظاہروباطن پرنگران ہے۔ ازلی ہے دجس کی ابت کا نہیں) ابدی ہے دجس کی انتأنہیں المیلول مجھلوں برغالب ہے بیں گوائ دیتا ہوں کدانٹر کے سواکونی معبو ذہبیں صفات میں کیا ہے۔ اس کی صفاست واصنح اور روشن کمال کی سجتی گا ہوں میں جا ری ہیں س کی توحید ذاتی وعینی ہے جو علتی روشنی کے سورا خوں میں ساری ہے میں گواہی دیتا ہول کدانٹر کے سواکوٹی مستی عبا دست نہیں،جس کا تام مجی کیا ہے بوو ترکے نشانات اور دائروں میں شامل ہے۔ وانرول ميں رازول محميلي كي مقامات ير جيكنے والا ميں كواہى دینا بُول کما منْد کے سواکوئی معبُو د برحق نهیں، ا ور میں گواہی دیتا ہو^ں كمفخدا متدكي رسول مين الس كى ذات يجما سي الس كى يجا في أثارو علامات سكے ذريعه جوروں ميں ظامبر مُوئى اور اجتماعى وانفرا دى اعداد شمار کے افرا دمین منتقل بُوئی اس کی بُوتیت کا قترا مصنبوط ہے۔ اس كانظام قدرت فكرونظر كوحيرت زده كرديما بصرا المتغيل كرازاس كالحياني كيردون ميل ليفير بون بين اوروسل فنل کے دائرے اس کی وحالیت کے سانے میں گوشنشیں ہیں اس کے اوسا منے میڈ کے عربش کسان کے پانے برقائم ہیں س كيها منے كے فرنشل كے ظهور كامنبوط ديواروں سے كيے ہے بوُ ئے میں اور حقائق کا ننات سے جاروں طرف بھیلے ہوئے ہیں۔

اوراس کی صفات قاہرہ سے چکتے ہوئے انوار سے مجلکار ہے ہیں۔ اس كي نقط دمركز سے تمام جهان ييد اسى كى جيك سے آدم كاشاره جيكا الى في فويفورت مراليول سد دنيا كاكونه كونه بعيديا. صفات كي بيول من ريمن كي كونيل ميك نكيل. رغبت كي كالميزه بالر بن كراكس كى طرف لو منته بي جن ست بيزا در چارسو تيلياني والى باش رستی ہے۔اللی! بارگاہِ قدیمی سے بیان کی زبان سے پڑھی جانے والی اس کی سورت سے حق ہونے کاصد قد، اور اس کے ان بردول سطفيل من مع يقتقول اور محمقول كي دلهنيل آرامستريس، اين وصل كا ياكيزه درود، اين اسم اعظم كے عرش سے، اس و مجوب) پرنازل فرما، جوتيري پائيزه جنيات كي ايك معزز دنيا ہے جومشرو اورمغربول كوروشني بنخشة والدين جومطالب ومقاصدمين تيرى عطاس بينياز ذات واليهن تيرس جامع ا ورمرسو بيسك ہوئے راز کے تقوش کی تی ہیں تیرے وسیع امرلد فی کی صور توں کی دُوج ہیں۔ ازل میں تیرے احسان کی زبان ، جوتیری مشتیت کے مطابق فیضان کرنے والی ہے۔ توجس کے یہے جا ہے۔ وائمی طیل خزانه، تيري گوناگو ل شانول دا كے تعینات عالید كی اقسام كالپلا مقابل تبيرى ظاهري اورباطني بالحنزوا مدا دول مصفرنا نول براخري مهرايسے بندے بي جغيب كي سيركرنے اوروصل كي أخرى سرحدوں کے احاط کرنے والے بی جوبغیر مثال و کیفیت کے اینی ذاتی انکھ سے ذاہتِ باری تعالیٰ کو دیکھنے والے ہیں، فات صفات اورواضح دلائل كاكتابول كا ديباج من بميشررسف والى

بيكول كادازين الني الس بيار معجوب بردر و دبيج يجن كے بالس مطلوب ومقصود ہے۔جوتیرے بندے ، نبی اور رئسول ہیں ہمارے المقا ومولى مُحَدّا ورأب كي أل اوراصحاب ير، أنتَّهُمَّ حسل على هذا الْعَبْسِي الْمَحْبُوبِ اللَّهِ فِي عِنْدَةُ الْمُطْلُوبُ عَسُدِي فَ وَ نَيِيتِ هِ وَمَ سُولِكَ ، سَسِيِّدِ نَا وَمَوُلَا نَا مُحَسَمَّدٍ وَعَلَىٰ آليد وصنعيه" وسلم تربير طصاور بحرك اورحضور يسلام نازل فرما إلىف مددكرت والے توت والے نام سے تيرى طرف سے تیرے ساتھ اور اس کے صد قد سے میں میں اپنی پاک زبانی بارگا ہ میں ان لوگوں کے ساتھ ٹامل فرما ئے اجو صنور کے بیرد کار ہو کر تیرے اطاعت شعار ہوئے۔ اللی! ایساہی ہو، ہرایسے کام میں۔ جب يك تيرار ہے جو ہوجيكا ورجو ہوگا -آورشك تيرى يُمّانَى كانعبتن ظامروباطن ميں بآقى سے اورجب نكت برے ظهور كاجال حركت و سلون میں تیری کائنات امریکی ارہے، اورجب تک تواینے معفوظ رازول كأخشش كمح خزانول سعابني مرضى سع خرج فرماً مارسے، اورجب مک تیری ہر مخلوق سے پوشیدہ رہیں ؤہ بميدجو تويونسيده ركفنا جائبا بي "أين أمين أمين أين أين أين اَللَّهُ مَ اللَّهُ مَعَيِّتُهُ فَيُمَّا سَلَوْمُ وَآخِ مُنْ اللَّهُ مُنَا اللَّهُ مُن اللَّهُ اللهُ ا آنِ الْعَسْمُ ويَدُو مَ بِينَ الْعَالِيسِينَ - المِلْ جَنْتُ كَا جنت میں بچار ہوگی آیا اللہ تو باک ہے اور مجرا ہوگا اسلام اوران کی افری بچار ہوگی کرسب تعربیت اللہ تعالیٰ سے پہلے ہے وسب

جمانوں كا بالنے والا ہے"

ستروال درود منرلفين

ير بھی امھی کا ہے

يَا ٱللَّهُ يَا ٱرْحَمَ الرَّحِمِينَ يَا ٱرْحَمَ الرَّاحِينَ يَا اللَّهُ يَا رَحْمَنُ يَا رَحِيمُ بَاحَتَّى يَا قَيُومُ يَا عَلِيٌّ يَا عَظِيمُ بَا خَلْدُ والجنئزام مُدَّنَا بِمَدَدِئُحَتَهُ وَاشْرَنِ ٱنْبِيبَائِكَ-وَتَاجِ آوُلِيَامِكَ . وَسِيرًا هُلِ وَفَامِكَ ٱلْبَشِيثِ النَّذِيرِ السِّدَاجِ الْمُنْدِيْدِ الرَّسُولِ الْكَرِيْمِ السِّرُونِ الرَّحِيثُو. دَعْوَةِ آيِثِ إِلْهِ الْرَاهِيمَ وَلُشَرَى آخِيدُ عِيْسَى - وَأَلْسَنَوْهِ بِإِسْمِ لِهِ فِي تُوسَا يَا مُوسَى - الصَّادِقِ الْهُ مِيسِيْنِ الْجَيِّ ٱلْمُبِينِ . نَبِيّ السَّرَحُسَّةِ - ذِي الْعُرُقَةِ الُوثِقَى وَالْعِيصُمَدَةِ راحًا مِ الْكُتَّقِينَ. شَفِيعِ الْسُنْ ذَيْنِيثَ نُوْرِكَ السَّاطِعِ. سَيْف حُجَّتِكَ الدَّمِع ٱلْقَاطِعِ. صَاحِبِ النُّنْفَاعَةِ ٱلعُظْنَى - وَالْحَوْضِ الْنُوسُ وَدِ وَالْوَ سِينُكَةِ فِي الْمَحَسِلِ الْاَسْمَى- وَالْعَسَّامِ الْمَحْسُهُ وِ-اَنشَّاهِدِ الثَّهِيثِ و لِلْآنْبِيتَاءِ وَعَسَلَى ٱلْاُمَسِيعِ خَبْرِ دَبِيْلِ أَلْهَادِئ بِنُورِكَ ٱلْمَعِيْدِ - إِلَى آَيْرُ سَيِيْلِ. مَنِ اسْتُسْقِي آنْغَمَامُ بِرَجُهِهِ فَهَمَعَ. وَانْشَقَ لِمِينَدِينِهِ فَسَرُ التَّمَاءِ ثُسُمٌ اجُتَمَعَ-وَعَادَلَهُ

نُوْبِ أَلِنَّمْنِ ٱلنِّنْدِيَةِ بَعْدَ آلُافُ وُلِوَرَجَعَ -وَٱنْفَجَـــــــرَ أَلْسَاهُ ٱلنُنْهَدِ مِنْ آصَــــابِعِهِ وَهَمَة - وَسَجَدَ أَلِبَعِنُ لَيْنِيتِ - وَسَجَدَ تَبِبُو يُرَحُفَيهِ - رَحَنَّ الجِيدُ عُ حَنِبُنَ ٱلعِشْارِ لِفُرُقَتِهِ - وَآتِ ذُمَّةُ سِرُوحِ تُنْديك - وَحَقَّقْتُ أَهُ بِعَمْتُ اِبْنِ مَغْرِفَيْك وَانْسِكَ - العسَّادِع بِالْحَقِّ - السَّاطِقِ بِالقِدْقِ. الْمَنْصُورِ بِالسِرُّتُوعِبِ - المَهَنُومُ قَبْلُـهُ مِنَ الْعِكْمَـةِ وَأَلِيْمُكُ إِن وَالْعِسِ زُفَانِ وَالْعُسِ مَنْ رَفَعْتَ ذِكْرَةً مَعَ ذِكْرِكَ - وَأَقَمُتُ لَهُ في مخسدًاب العبودية والسيرساكة مُطِيعِتًا لِآمُسِرِكَ - مُعُسِتَرِفًا لَكَ بِعَيْثِيمُ تُسُدُرِكَ - وَآقَتُمْتَ بِهِ فِي كِتَ بِدَ وَكُفَّتُكُمُّ لِمُنَّا فَصَّلْتَهُ عَلَيْبِ مِنْ آنُوا عِجَمَّا بِكَ وَخَلَقْتَ نُوْرَ ذَا سِبِ مِنْ نُوْسِ ذَاتِكَ الْعُظْمِي وَسَجَعْتَ بِهِ فِي غَيْهَبِ لَاهُوْتِ سِسِرَكَ الأسمى - وَتَنْتَ لِـ أَيْدُ فِي أَيْدُو فَ وَعَنْكَ حَيْثُ آئت قَدَمًا - وَنَشَرْتَ لَهُ يِورَا شَدِهُ مِكَ الباطن والظَّاهِ إِن فِي اللَّهُ مَن عَلَمًا - وَحَقَّفْتَهُ بِكَ فِي مَظَاهِدِ وَمَا رَمِّنْتَ إِذْ دَمَّيْتَ وَلَيْنَ وَلِينَ الله رتمي وجَعَلْتَ بيُعَسَد عَنُنَ بيُعَيْد وَأَلْظَفْت

يسّانَهُ بِعُجَّيْكَ - أُنِّي آنُوَا سِاكَ - وَبَحْرِآسُوْارِكَ مَّا شِهِ جُيُوشِ أَلهِ دَايتِ وَاليُلَّ - سَيِدِنَا الْهَ كُنَّ عَمْ - وَرَسُوْلِكَ أَلَا عُظَمِهِ مُعَمَّدُكَ آلتخهُ وُدِ فِى ذَاسِيدِ وَصِعَادِهِ - مَنْ خَلَقْتَ الْوَجُودَ لِرَجْسِلِ ذَاتِهِ - وَعَمَسْرَتَ الدَّ حُوانَ سِبَرَكَاتِهِ - صَلِلَّ وَسَلَمْ عَلَيْتُ عِلَيْنَ بِجَلَدُلِ الْوهِتَيْلُ عَلَيْنَ مِجَلَدُلِ الْوهِتَيْلُفَ وصَلِ وَسَدِيمُ عَلَيْثِ فِي مَسَا يُتَاسِبُ عَنْمَتَ سُلُطَانِكَ وَرُبُوبِيَّتِكَ - فَلَيْسَيِّمُ عَلَيْهِ مِنْ حَيْثُ ذَا تُلِكَ وَصَلِ وَسَلِمَ مِنْ خَيْثُ آَمُمَا فُلِكَ وَصِغَاتُكَ - وَصَــِلِ وَسَــِيْ وَسَــِيْمُ عَلَيْهِ عَدَدَمَا آحَاطَ به عِلَمُكَ - وَصَلِ وَسَلِّيمُ عَلَيْهِ قَدْرَمَا جَدَى بِهِ قَلَمُكَ ومحكمك ومقل وسيم عكشه تاطنا وظاهدا ومسل وسَيَّمْ عَدَيْدِ أَوَّلَا وَآخِرًا - وَعَلَى إِخْوَانِدِ مِنْ سَايُرِالْوَمْدِياء وَأَلْ زُسُلِينَ وَاللَّهُ مُكِنَّةِ أَلْقَرَّبِينَ - وَعِبَادِكَ الصَّالِحِينَ - وَ كُلِّ الصَّحَابَةِ وَالْقَرَابَةِ آجُعِيثِنَ - وَالْخُلَعَاءِ ٱلرَّاشِونِينَ - آبِي تكودع وعشرة عثمان وعلى والحسن والمحسين وعلى التكيعين-وثابعينهم بإخسان إلى يؤم الدين وصل عكينامعهم وَعَلَى وَإِلِدِيْنَا وَالْمُسْلِينَ وَالْمُسْلِمَاتِ - وَالْمُوسِنِينَ وَ أُنْ وَمِنَاتِ- إِنَّكَ قَدِيْنِ مُجِيبُ الدَّعَوَاتِ- آمِينَ -

كي يتي يهو ف الكار ين كي بيبت كواون ف في يجده كيا كوه شبيرجن كى مفوكر سے محمرگيا دجن سحفتق ميں) سوكھى توكى اس طرح رو نے لی جیسے اونٹنی لینے بیے کو گم کر کے روئے اپنی ياكيزه رُوح سي توكيف كى مدد فراكى جن كوتوك في اين معرفت ربیجان) اورمحبت کے حقائق سے رُوشنانس فرمایا جی کی آواز بلندكرنے والے سيح بات كينے والے ورعب سےجن كى مدو کی گئی جن سے دل کو حکمت ایمان عرفان اور مُجتّت سے بحر دیا گیاجن كاذكرتون في اليف ذكر كم ساته ملند فرما يا جن كوتو في ايني بند كى اور رسالت كصحراب من. الين علم كانابع بنائر كمراكيا بوتير عظمت مقام كا عزاف كرنے والے بين جن كفيميں تو نے اپنى كتاب ميں كهائين اورجن كو تو في قصم ك خطابات سے نوازا جن كا دائى نور تونے اپنے ذاتی نور سے بیدا فرمایا اپنے برتسرا سرار فکداوندی سے اندهیرول میں سے ائیدخش سے دیزہ کاری کی اپنی تمام مخلوق میں، اپنی خلافت کے مقام پران کے قدم جادیے اورا پنے اسم پاک الظاهد، الباطن كا وارت بناكر، دونون جمانو ل مي أن كاجندالهرا دیا اینی مد د سے وہمن سے مقابلے کے وقت ان کی حقانیت کواس طرح واضح فرما يا ومَا رَمَيْتَ إِذْتَ مَيْتَ وَلَكِنَّ اللَّهُ مَا مَيْ عِب محبوب توني كالريميينك، وهتم في سيس مين علا الترف يمينك!" تو نے جن کی سعیت کوعین اپنی سعیت قوار دیا ان کی زبا ن ممارک سے اپنی دلیل بیان فرمائی تیرے انوار کا اُفق، تیرے رازوں کاسمند تیری طروت رہنمائی کرنے والے نشکروں سے قائد بھارسے آ قا اورتیری

مدد سے نیری طرف رہنائی کرنے والے مردہا کے آفا بنبرے مغرز مجنو اوررسُولِ اعظم اتيرك تُحَدّ اجوذات دسفان كے لحاظ مصفحی تعرب ہیں جن کی خاطر تو سے کا ثنات پیدا کی جن کی برکتوں سے تو سنے ڈنیا بسائی ان بروره ورود وسلام نازل فرماجوتیری الوبیت کے جلال کے شایا بن شان بو، اوراینی عظیم ملطنت و ربُوبیت کیمناسب ان بر درو د وسلام بیج اوران براین دات کی جنبیت کے مطابق درو د و سلام مازل فرما - اور اكن برابيف اسمار وصفات كيمطابق ورودوسام نازل فرما واوران برابني معلومات كى تعدا د كيرابر درو دوسارم بهج اوران برابین قلم و حکم کے جلنے کے برابر درود دسلام بھیج ان يرباطني وظاهري طور بردرو دوسلام بيهج اوران براقل وآخر درودو سلام بمييج واور حضور كي بأدران كرامي فدرحنوان أببيات كرام مئولان ذى اعتشام پر دا و دوسادم بیج اورمُقرّب فرستنول پر نیکوکاربندول بر، تمام کمسحابر کرام برا ور، بل قرابت بر، اور خلفا نے اِنتران بر، بعني ابو بجرصديق عُمر فاروق اعظم عنمان غني على لمرتعني يصن وسين اور نابعین ورجنوں نے بیچی و خلوص کے ساتھ ان ^جابعین) کی بیروی کی۔ اوران كيماتهم برجارت ما راب بر. تمام مسلمان فرول اور عورتول بره امل ايمان مردول او عورته رير ، درو دوس مازل فرا بعالمك توقريب سے دمانيں مُعنف اور قبول كرنے والاہے۔ آمين داييا ،ي ہو)"-

یددونوں درود فترلفیت سیدی فخدین ابوالی اینجری سے میں بیلے کا ذکر تھا۔ محتورالاسرار شنے کیا ہے وا در اس کی فغیلت کی تشریح کرتے ہو کے کہا ہے۔

سیدی شیخ عبدالرحمٰن برحمیده سنے کتاب الحدائق میں کہا ہے اس درُو دشریعیت کاحمُن و جمال جو ہمار سے سامنے آیا ہے اس کی ایک جبکک یہ سہے۔

رین سی انقدر وظائف میں سے ہے جہیں جی سیمانۂ تعالی نے لینے ولی اورعارف ابوعبداللہ محری ابوالحی البحری مصری دھمۃ اللہ کی زبان پرجاری فرایا۔ اللہ ان سے دلیے بندول کو ، نفع عطا فرائے کیؤ کھریہ درو دختر بھین بہتریا ڈکار میں سے ہے لیا اور کتاب کو زالا سرار کے پہلے باب میں فرایا "انٹرشخ البکری میں سے ہے لیا اور کتاب کو زالا سرار کے پہلے باب میں فرایا "انٹرشخ البکری کا مجال کرے کہ وہ اپنے جبال انقدر ، خواجئورت ، ما نع اور بھری ہوئی خوبیوں اور معارف کے جامع درو دختر بھین میں فرائے میں جنیں ہم سنے اپنی کتاب کو زالا المرائیس میں دو وہ نہر بھی تھے دیا ہے۔

معارف کے جامع درو دختر بھین میں فرائے میں جنیں ہم سنے اپنی کتاب کو زالا المرائیس کی تعالی کا سے درو دختر بھی تھی در المائیس کے جامع درو دختر بھین میں فرائے میں جنیں ہم سنے اپنی کتاب کو زالا المرائیس کی تعالی کا سے ۔

یں بی سندہ ہے۔ مہا دوسرا درو دنتر بین تو یہ ان کے مجموعہ اورا دسے بیاگیا ہے جبکا نام ہے ''حزب الاتوار' میں نے دہیں سے تقل کیا ہے ادر کتا بافضل الصلوت میں اسے پیچر شیخے مہر رتقل کیا ہے۔

اکهنروال درود تر لعب بندی امر الصیاغالاستندی

رَيْهُمْ مَسَنِ عَلَى سَيْدِنا مُحَسَمُ دِيعَة دِمَنْ صَلَّى عَلَيْمِهُ خَلْفِكَ وَمَسَلِ عَلَى سَيْدِنا مُحَسَمُ دِيعَة د مَنْ نَهُ يُمسَلِ عَلَيْهِ مِنْ خَلْفِكَ وَمَسَلِ عَلَى سَيَدِنَا مُحَمَّدِ يُمَسَلِ عَلَيْهِ مِنْ خَلْفِكَ وَمَسَلِ عَلَى سَيَدِنَا مُحَمَّدِ كَمَا آمَرَ رَبَا آنُ نُمَسَيِّ عَلَيْهِ وَمَسَلِ عَلَى سَيْدَا مُحَمَّدِ مَسَدَةً وَالْوَسِ نَيلَةً وَمَسِلَ عَلَيْهِ وَمَسَلِ عَلَى سَيْدًا مُحَمَّدِ مَسَدَةً وَالْوَسِ نَيلَةً وَمَسِلَ

عَلَىٰ سَيْدِنَا مُحْتَمَّدِ كُلَّمَا ذَكَرَهُ أَحَدُ مِنْ خَلْقِكَ وَحَيْثُمُا ذِ حُدِي اللهُ ٱللهُ مَنْهُ مَسَلِمٌ عَلَى سَسِيدِنَا مُحَدِّ سَلَوَ مَلَكَ الَّذِي سَكَّمْتَ عَلَيْهِ ٱللَّهُمَّ صَلِّ عَلَى مَلاَ يُكَتِكُ ٱلْمُعَلِّينِ وَعَسَلَى أنبيايك النطقرين وعلى عبادك القاليين من آخل التَّمَوَاتِ وَأَحُلِ الْاَرْضِيْتِينَ وَخُصَّى مُعَدَّمَ صَلَّى اللهُ عَكَيْدِ وَسَلَّمَ بِمَا فَضَلِ العَسَّلَاةِ وَوَآشَسْرَتِ التَّسُلِيمِ -توجمهم واسعالله درود بهج بمار سيمروا دمحد اصلى التعليدوسلم بربمقداراين اس مخلوق کے جس نے اب رصلی الندعلیہ وسلم برورود بھیجا۔اوردرود بمعيج بهاد مصردار محداصلى الندعليه وسلم بريمقداراين اس مخلوق كرجس نے آپ دصلی اللہ علیہ وسلم ہے وردونہیں بھیجا۔ اور ہار سے سروار محد وصلى التدعليدوسلم برورو وبفيج جبيداكرتو ني بمين أن دصلى الترعلي وسلم بردرود بمييجة كاحكم دياسي ا وربمار سردار محددصلى الترعلي وسلم بر الساباكيره استعرا ورودميج جوانبيس دصلى التدعليه وسلم وبال دمقام محدود اوددمقام وسيلة كمس بيخاد سدا دردرود بيج بمار سيسردار محددمليال علیہ دسلم ہرجبال تیری مخلوق ہیں سے کسی ایک نے بھی نے ان دصلحالنڈ عليهوسلم كويادكيا ياجهال داسب النزدتو ذكركياكيا -اسعان ومارس مرداد محدده لى النوعلي وسلم بروه مهام بمع جو توسنے ان دصلی النه عليہ وسلم ہر بميجار اسالتدد وبمعيج اسين مقرب فرشنول برا وراسين باكيزه ببول بر ا ورزمین وآسماں سکے اسیے نیکوکا رہزں وں پر ۔ا ور دا سے النڈم محدملی الڈ عليدوسلم كوبرترو بالاصنؤة وسلام مصعفوص فرماء بردردد فرلف میری بین می می می می می این می ان می می ان می می می ان می می ان اوزاد سے تقل کیا ہے ۔

ميدى محمد زين العسابدين بومحدالبري كا جصے انھول نے لینے اورادی لکھا ہے يَا ٱللَّهُ يَازَحُنُ يَاسَحِيمُ يَأْحَى يَاتَيُومُ يَابَدِيْعَ التَّمَوَاتِ وَالْوَسُ ضِي يَاذَا الْجِنَادَ لِي وَالْخِصْرَامَ صَلِي وَسَلَّمَ عَلَى تَبِيتِكَ الدُّ حُسرَمَ - وَمَ سُؤلِكَ الْدَعْظَمِ - فُرُدِكَ الْبَدِيْعِ وسيةك ألرينع وتبينيك الشفيع واسطة عفدالبين وَقِبُلَةِ آوُلِيَا مِكَ وَآصُفِيَا يُكَ ٱلْعُتَرَبِينَ - دُوْحٍ آ رُوَا جِ أُمَوْجُوْدَ استِ- وَكُوحِ الْوَسْسَرَا رِالْمُنْقُوشِ بِانْوَا رِالْتَجَلَّيَاتِ التَّاطِق بِكَ عَنُكَ آزَلَا قُوْآبَدًا - يستانِ حُجَّتِكَ الَّذِي آبُدَى مِنَ الْحَقِّ طَرَأَيِنَ قِدَ وَٱمْظَهَرِجَا لِكَ ٱلْمُظُلَّيَ-وَبَرُقِ أُفْقِ آسُدَا دِلْكَ الَّذِي لَاحَ وَآشُدْتَى لَاحَ وَآشُدْتَى أَحْدَد مَنْ حَيدَكَ وَحَيدُتَهُ مُحَدّ مَنْ كَالَّذِى لِمُسْتَدِيلَكَ وحشدك لذاض كمنتنة وأخترته من بدايته منى آبُعسَابِ السُّبَاقِ- وَعَايَسَهُ لَا يُدُدَكُ لَعَاحَدٌ وَلَا يُرًا مُ لَهَا كَمَا لَى سَحَيِلِيْعَتِيكَ مِنْ حَيْثُ أَنْتَ عَلَى كَاهِ وَ تغُلُوُقَاتِكَ - وَنُحُنَّا رِكَ آنْتَ لِحِغُظِ آمَانَتِكَ عَلَى جُلْدَةِ بَرِيَّا مِنْ - آلْعَادِي بِكَ إِيُكَ - وَالْسُرْشِيدِ بِغَضْيِكَ عَكِيْكَ -بَدُبِ عَالَةِ النَّبُوَّةِ وَالْدِسَالَةِ - وَشَمْسِ بُرُوجِ الْعِلَّةِ مِكَ مَا لَجَلَوْلَةِ - مَنْ اخَذْتَ الْبِيثَاقَ مِنْ أَنْبِيَا يِكَ عَلَى تَعْدُدُيِّةِ

وَنُصُرَتِهِ - وَاقَرَّكُ مِنْهُمْ مِذَالِكَ وَتَسَرَّرَهُ وَبَيِّنَهُ لِاُهْتِهِ . مَنْ شَرَحْتَ صَدْدَة ومَلَاتَهُ حِكْمَةً وَإِيَّانًا وَوَضَعْتُ وَيْرَهُ - الَّذِي آنْعَمَن ظَهْرَهُ - وَابْدَلْتَهُ رَحْمَةٌ وَعُصْرَانًا -وَرَفَعْتَ ذِ حُرَهُ مَعَ ذِ كُولِكَ - وَ أَتَنْتَهُ فِي يِحْرَابِ ٱلعُبُودِ لَكَ مُعِينِعًا لِوَمْ إِنَّ - مَا عِنقًا بِحَنْدِكَ وَمَدُ حِلْفَ وَشَكُرِكَ كبيك أنختص من متعتب بمعرفتك وخطابك وجمايك أُذُنُ سَمِعَتُ وَلَاَخَطَرَعَلَى قَلْبِ بَشَرِمَنْ مُثَنَّعُتَ بَعُرِقَيْك متخطابك وبحايك ميشه ألقلت وألشمع والبعت رسيديا وَسِيتِدِ أَلْعَاكِينَ - وَعَلَى آلِدِ أَلْدَ شَيمِينَ . وَصَعْبِ كَالْتَّابِعِينَ-سُبْحَانَ رَبِّكَ رَبِّ الْعِسِرَّةِ عَمَّايَعِيفُون وَ ستسكدم على المُرْسِيلِين وَالْحَسُمُ دُيلُهِ رَبِّ الْعَالِين -م استانتد! است رح فرانے واسے، بهربان! لیے بمیشه زنده مرجم براست واسلے، قائم رہنے واسلے! اسے زمین واسان کو بغیر مسی متال سابق سے پیافرانے والے اسے بزرگی وعزت سے مالك البيض تغرزني بردرود وملام نازل فرما جوتير سيعظمت واليه رسُول مِين بتيرسه اولين نورا ور لبندمر تبدراز مين تنفاعت فرطنه والمصعبيب بين سلسله انبياكي المعي اورتير سي مقرب اولياً واصفياً كاقبلهم بموجو داست كى روح ل كى روح اوران ما زول كى ختى ميں جوجنیات کے انوار سے تھے گئے ہیں۔ تیری عنایت سط بندائے أفرمين ست اختك تيرى باست كرنے والے ہيں تيرى الحجيت كى زبان ميں ،جس نے حق كے دشوار ديوشيده را سنے كھول ديئے۔

تيرك عبلال مطلق مح مقهرا ورتيرك اسرار ك أفق كي حجي ومكتي بحلي بل نے تیری تعربین فرمائی اورجن کی تونے تعربین فرمائی ان سے بڑھ کرتیری حدوثنا کرنے والے جوتیرے تعربیت سکتے ہوئے گئر ہیں کانہوں نے جوتیری تعربین کی اور تو نے جوان کی تعربیت فرمائی اسی کی وجہ سے تو نے ان کوئیاا وربیند فرمایا جن کی ابتدا کا سکے يرصف والول كى انكھول كانشانه بداورجن كى انتماكى مُدكسى كو معلوم نهيں اور جس سے ملنے كا اراده ہى تهيں كيا جاستخا ييرى تمام مخلوق برتیرے نائی بھی کو تو کے اینی تمام مخلوق پر اپنی امانت کی حفاظت سے بیلے جی لیا۔ تیرے کرم سے تیری طرف رہنمائی فران والد ترس ففل سے تیری ذات کی را ہ د کھانے والے بالأنبوت ورسالت محيود بوبي محيجاند تيرى عزت وعلالت کے برجوں کے سورج ہجن کی تصدیق اور مدو کرنے کا تو نے البين نبيول مسيخة وعده ليابسب في السكا قرار كيا والله فيهاس تمام والخدكو صنوركي أمست بروا صنح طور بربيان فراوياجن كاسيدة تؤفي كحول ديا-اورا سايمان وعكمت سعيركر ديا-اور توسنے اُن سے وُہ بوجھ آنار دیاجی نے صنور کی کر توڑ رکھی تھی۔ اور بدلے میں رحمت وممغفرت عطافرما دی اورجن کا ڈکر تو نے ابين ذكر كي ساته بلند فرما ياج كو توني ابين مح اسب عبوديت میں قائم فرمایا۔ تیرے کے بندے تیری حمد، مدح اور سف کر كى بات كرنے والے تير معبيب كوتيرى عطاً اوران تعتول مخصوص کیا گیا جوزکسی آنکھ سنے دیکھیں، نرکسی کان سنے تیں نرکسی

انسان کے دل میں کھٹی ہی ہے دل کو تو نے اپنی معرفت ہی کے کانوں کو اپنی مارے کانوں کو اپنی ہات اور آنکھ کو لینے شکن وجال سے نوازا سہارے اور تمام جانوں کے آقابرا ورصنور کی قابل صدع ترت و بحریم آل پاک براور تمام صحابہ کرام پراور تا بعین پر، لینے پالے والے والے برور دگار کی پاکی بولو! ان تمام خوافات سے جمنحرین بیان کرنے ہیں تمام رسولوں برسکلام ہو، اور تمام حمد و تنا انٹر تعالیٰ بردرد کا بر عالم سے لیے ا

ترمهر الرود مراه المال در ودم المين مجي انهي كالمصطفح انهي كالمصطفح

أَشْهَدُكَ وَكُنَّى بِكَ شَهِيْدَا بَالِهُ الْعَالَمِينَ. وَاشْهَدُ وَمُنَكَّانَ سَمَوْلِكَ مَلَا يَكْتَكَ وَوُسُلَكَ وَحَلَهُ عَرْشِكَ وَسُكَّانَ سَمَوْلِكَ وَالْاَسْ ضِينَ - مِنْ كُلِّ مَاذَ رَاتَ مِنَ الْخَلَا يَقِ الْجُعَيْنَ وَالْاَسْ ضِينَ - مِنْ كُلِّ مَاذَ رَاتَ مِنَ الْخَلَا يَقِ الْجُعَيْنَ وَالْآسُ فِينَ لَكَ الْشَالِلَهُ وَحُدَلَ لَا شَسِونِكَ لَكَ لَكَ الْفَالِينَ اللَّهُ عِنْ الْفَقِينَ وَ وَرَحَمُ الطَّعِينَ لَكَ الْخَلْدَة وَتَوْفَعُ - وَتَعِيلُ وَتَرَحَمُ الطَّعِينَ لَكَ وَتُوفَعُ - وَتَعِيلُ وَيَعْ الطَّعِينَ اللَّهُ عِنْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عِنْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عِنْ اللَّهُ عِنْ اللَّهُ عِنْ اللَّهُ عِنْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْنَ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَى الْمُعَلِيلُ اللَّهُ عَلَيْنَ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْنَ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْنَ اللَّهُ عَلَى الْعَلَى الْعِلْ الْعَلَى ا

التَّعَيُّنَاتِ الرَّبَانِيَّةِ عُهُودُهُ - اللَّهُمَّ فَصَلِيَّ وَسَدِيمٌ عَلَيْهِ مِنْ النَّعَيْنَ النَّهُ عَمَّ فَصَلَ وَسَدِيمٌ عَلَيْهِ مِنْ عَنْ اللَّهُ اللْ

میں بچھے گواہ بنا تا ہوں۔ اور تیری گواہی کا فی ہے المی معبود کا ثنات؛ تعجیمہ اور میں تیرسے فرشتوں کو گواہ بنا تا ہوں ، اور تیرسے رسُولوں کو ، اور تیر عرش المفاسنے والول کو، اورتیرے اسمانوں اورتیری زمینوں میں بسنے والول كوا ورعتني مخلوق توكيه يدا فرمائي اسب كواكم مين كوابي ويتابو كرتوبى الشرب اكيلاء تيراشريك كوئى نيس وسفي ولال كوجون اس نقروں کوغنی کرتا ہے جمزوروں پررح فرقا اورمعیبست زدول کی فربادرسی فرمآنا ہے۔ توہی بیست کرتا ہے، توہی بندفرما آ ہے جاتا ا ورجد اكرتا سے توبیا و دیتا سے تیرے خلاف كسي كوكى بنا دہیں وسيسكما بوتيرك أسكه ذليل بوجلت تولسي عزت بخشا مهاور بتك يمك فتحدثير سے بند سے اور رسول ہيں تير سے مبيب اور خليل ہيں-تیری کیا نی کاعرمش وسیع تر اتیری خلافت کا راز سیے بلند ترمقام بر فائز جن کا وجو دصمدانی انوار کی مجلیات سے روشن ہوا اور تعینات رانیہ فائز جن کا وجو دصمدانی انوار کی مجلیات سے روشن ہوا اور تعینات رانیہ کے دائروں پرجس کے زما نے بھرتے رہے ۔ اللی توجہاں معی سے اور تيرسي اسمأجها رعمي بيس تيري صفات جها رعمى بين النابر درو و وسلام بمعجى، أننا در و دوسلام جوتيرى بخششون اور بركتون كے برابر مواوران كى أل كرام ا در صحابة عظام ير-يده و نوال ديد و الما ين الما بدين بن محد البكرى بزر كوار سي من بين كا

ذکر پہلے ہوجگا ہے جنیں انھوں نے اپنے اوراد میں ذکر فرمایا ہے، ہیں نے دم بین نے در پہلے ہوجگا ہے جنیں انھوں نے ا دہیں سے تقل سے بین بیر بہت برسے اولیا انٹریں سے بین انٹر ان سے رامنی ہو۔ اور ان سے بہلے بزرگوں سے اور ان سے بیروکاروں سے، اور ان سے ہم کو نفع دی

به برویمتروال رو در نزلین میری علی بن حمر سرانصاری کا میری علی بن حمر سرانصاری کا

يَا مَوُلَا يَ يَا مَرِيُبُ يَا نَجِينُهُ أَسُّالُكَ آنُ تُوسِلَ بِعُوثَ غَيُوثِ سَلَةَ مِكَ وَصَلَاتِكَ وَنُعُوتَ هُبُوبِ نَسُمَاتِ نَفَعَا يَلْفَ عَدَدَ مَعُلُوْمَا يَلِكَ - وَمِدَا دَكَلِمَا يَكَ - وَزِنَة كَعُلُوُقَا يَكَ وَمِلْ مُ آرُ ضِكَ وَتَمَوَالِكَ عَلَى أَفْضَلِ مَصْنُوعَا يَكَ - وَأَجَلَ مَظَاهِ رَبِّعَ لِيَا يَكَ مَ وَأَكْمَلِ مُتَخَلِّقٍ بِعَمَّا يُنِ آسُمَا يُكَ وَ وَمِيغَاتِكَ - وَأَعْظَيمُ مُتَعَقِّقِ بِدَقَائِقِ مُشَاهَدًا تِ ذَاتِكَ-آشَدَفِ نَوْعِ الإِنسَانَ- وَإِنسَانِ عُيُونِ الْاَعْسِسَانِ -وَالْمُسْتَخْلَقِ مِنْ خَالِقَةِ خُسلَامَةِ وَلَدٍ عَسسَمَنَاقٍ -المكنوج يبتديع الديات والمتغفوص بعموم اليتا وَغَرَايُبِ ٱلْعُصِزَاتِ-اَلتِسرِّاكْجَامِعِ الْعُسْرُقَانِيْ-وَالْمُغْصُوصِ بِمَوّاهِبِ الْعَسُرِبِ مِنْ النَّوْعِ الْوِنْسَانِيْ -مَوْسِدِ الْعَقَائِقِ الْآنالِيَّةِ وَمَصْدَرِهَا وَجَامِيعِ بخزامع مفرداتا ومشبرها وخطيبها وموشدها إذَا حَضَرَ فِي حَظَايُرِهَا - بَيْتِ اللهِ أَلْعَنْوُسِ الَّذِي

اتخذه الله لِنفيد ورَجَعَلَهُ نَاظِمًا الْحَقَالِيّ فَدُسِيهِ مَـدَّةِ مِـدَادِ نُقُطَّةِ أَلدَكُوانِ-وَمُنْبَعِ يَسَابِهُ عِ الحيسكُم وَالْعِرُفَ إِن مِنْ خَمَّتُ بِهِ الْدَنْبِيرَاءَ وَوَرَنْتَ عُلُومَهُ لِلاَصْفِيتَاءِ مُحَسَمَّدِ الَّذِي جَاهَدَفِيكَ حِنْ الْجِهَادِ حَتَّى آتَاهُ الْيَعِينُ - صَلَوَاتِ وَالْتَيْنِيَاتِ تَنَجَدُدُ مَعَ النَّفُعِيْفِ آبَدًا فِي كُلِّ وَقُتِ وَجِينِ مَعَ ذِكْرِالذَّا كِينَ وَسَهُو ٱلْعَافِلِيْنَ وَكَسْج النَّاظِرِيْنَ - وَعَسَلَى آلِهِ وَصَعْبِ لِهِ وَالتَّابِعِيثِنَ وَالْعُلَمَاءِ العَامِلِينَ وَالدَوْلِيَاءِ العَمَالِحِينَ وَالدَّمُنَةِ المُرْشِيدُ وَمَنْ قَامَ بِصِفَةِ الْدِسْسِلَامِ إِلَى يَوْمِ الدِّيْنَ وَسَلَمُ عَلَى الْكُرُسَيلِينَ وَالْعَسَمُ وُلِلَّهِ رَبِّي الْعَالَمِينَ -اسےمیرسےمولی، اسے تربیب اور قبول کرنے والے! میرانجھسے ترجمه المسوال معدرتو ليفسلام ودرودى باشين ازل فرما اورايني نؤستبوً دارنعمتوں کے جبو بکے بھیج ! اپنی معلومات کی تعدا دی بابر اورا بینے کلموں کی سباہی سے برابرا وراینی تمام مخلوق کی خوبھٹورتی ا در زمین و آسمان مجر، ان برج نیری مصنوعات مین سب سے فضل اور تحبیات مے مظاہر بیل سے بزرگتر ہیں، اور تیرے اسکا وصقات کے حقائق سے موصوف ہونے والوں میں کامل ترمیں ، اور تیری وا كيمشابدات كى باريحيول سيدسب سي برُح كومومونوف ين نوع انسانی میں بُزرگ تراورتمام ذاتوں کی انتھوں کی میلی ہیں. اور عدنان كي اولا دميں سے چيزہ چيدہ ميں سے چيدہ ،جن كو عجيب و

غربيب معجزات سے نواز اگيا جن كورسالتِ عامرا ورمعجزاتِ بابر سے توا زا گیا۔ قرآن سے را زوں کو صبح کرنے والا راز. نوع انسانی میںسے عنایات قرئب مسے خصوص از ای حقیقتوں کا گھا ہے۔ و منبع اور ان کے تمام فمغردات كاجامع اورمنبراوران كانحليب ومرت رحب ان كي بارگاه میں حاصر ہو-اند کابیت المعمور دآباد گھر) جصے اس نے لینے یلے بنایا ، اورا پنے قدی حقائق کولڑی میں پرو نے والا کیا جمانگ عالم كون كيفقطول كاسلسله دراز بدے اور جو حكمت وعرفان كے سور تول كامنبع سے جس سے تو نصلسدانبیا كوختم كيا اورصاف ول توكوں كوآبيك كي عكوم كا وارث بنايا - بعنى حضرت كمحمر دصلى الله عليروكم بجنول ني تيري رصنا كے بيلے ايسى كدوكا وشق فرمائی حبركا حق تفاييمان مك كدان كا وسال بوكبا - ايسے درو دوسلام جميشر اور مرو قت چند در جند پیدا ہو ئے اور بڑھنے رہیں ، ذکر کرنے والی کے ذکر کے ساتھ اور غافلول کی مجول کے ساتھ اور دیکھنے والول کے دیکھنے کے ساتھد اوران کی آل اصحابہ کرام ، نا بعین اور باعماعًلماً يرا ورنيك وليأبر، اور مرايت دين والد أمامول برواور ومحملا كيسغت سے تاقيامت موسوف ہو تمام رسولوں پرسلام ہو اور الترميرور د كارجهال كے يسے حدوثنا "

مبیم وال درود مزاین مبیم والی درود مزاین مبیری ابوسسار طوتی کا

تَسُأُلُكَ آللهُ عَرَ أَنْ تَعْلَيْ تَسَلِي مَسَلِي عَلَى نُوُرِ السَّمَوَاتِ وَالْاَسْ مَن وَمَا بَيْنَهُمَا وسِيرَآسُسَرَادِ الْكُلُبُ وَالْلَكَ عُوْتِ وَمَا حَوْمَ هُمَا - آلْتُنْوُتِ بِأَلْحَقِّ - وَأَلْمُعْظَفَى مِنَ الْعَلْقِ - مَظْهَرِجُ لَةِ الْاَسْمَا - وَمِوْلَةِ وَجُهِ الْسُمَى -حَامِلِ لِوَاءِ أَلْوَمَا كَذِ - أَلْوَصُونِ بِالقِيدُ قِ وَالقِيبَاتَ يَهِ جَيْدِكَ أَلْجُنْبَى - وَرَسُولِكَ أَلْمَتِا - سَسِيدِنَا مُحَسَمَّدِ أَلْمَامُ بِعَنْدِكَ ابْدَأْ - وَالْمَعْسُمُوْدِ بِسَنْحِكَ سَسَرْمَدًا -وَإِنْ تَنْخِلْنَا مِنْ بَابِ يَا وَاحِدُ يَا آحَدُ إِلَى مَنْرُ اُلِعِدَايَةِ وَالْإِحْسِدَا-وَنَسُاكُتَ آنُ تُعَسِينَ وَتُسَيِّعَ عَلَى الْمُوُذَجِ الْعَقَالِيَ الْعَلِيَّةِ - وَمَعْلَى الْتَعَيَّاتِ النَّبُويِيَّةِ -وتغتسب الهبؤلات الإنكانيّة وحدث وح الآثراح الْوَكُو السِيَّةِ - وَجَوْجَدِ الطَّبِينِعَةِ ٱلكُلِيَّةِ الْعُنْصُرِيَّةِ -مَنْهُ رِاللَّهُ وُتِ الْعَيْنِي - وَسِيرَانَا سُوْتِ الْعَيْنِي -حَامِلِ أُلْيَوَاءِ - وَإِلْعَائِ مِرْ بَجِينِعِ أَلُولَاءِ - صَلَاكَةً يَسْتَحِيثُهَا عَظِ يُمُرشَانِهِ وَمَا حَقَى - وَأَنْ تُدُخِلْنَا مِنْ بَابِهِ (لِيَ حَمَنُ رَيْكَ يَاسَامِعَ السِّيِّةِ وَالنَّجُوَى-وَنَسَا لَكُ آنَ تُعَسِلَ وَتُسَلِمَ عَلَى نَعْطَ وَبِيكَارِدَادَ

الْاَكُوَانِ - وَعَبُلَى حَقَايُقِ وَتَقَايُقِ الْآنُ مَانِ - الْمُتَعَلِقِ وَٱلْمُتَحِيِّقِ يَجَيِينِعِ كِلْمَاتِ ٱلْفُسُرُ آنِ - وَالْمُحَاطَبِ بِجَيْعِ مَعَانِيُ الْعِسْرُفَانِ-الْعَلِيْمِ بِحَسِيْنَةَ مِسَاكَانَ دَمَا يَكُونَ مِنَ الْاَكُوَانَ - عَلَى مَسَيّاً لَدُّهُوْسٍ وَ ٱلْوَثْ مَانِ - حَامِلٍ يوَاءُ رَجْتَ وَالسَرْحُنَ - وَالْتَعْمُوعِي بِشَفَاعَةِ فَعْسُلِ ألقمناء يلانس والجتان من يَعُولُ آنَا لَعَا فَيُحَسُّرُمُ مِنَ اللهِ بِالْمُطَلُوْبِ وَلَا يُمَانُ - وَآنُ تُدُخِلْنَا مِنْ بَالِيهِ أَلَى حَضْرَيْكَ يَا رَحِيب يُعُرِيّا سَهُمَانُ - وَاسْتَالُكَ أَنْ "تُعَسَيِّي وَتُسَيِّمَ عَلَى مُيْدَ ٱلْآرُوْدِ وَآحِ - وَمُفِيْفِيلَ لَوْرُ عَلَى ٱلْوَشَيْرَاحِ - وَهَادِي الْمُصَلِيلِينَ الْيَطْمُقِ ٱلْعَلَاحِ -حَادِى حَشْسِرَةِ إِنْ الْدَرُ وَلَحِ- دَحَادِي حَوْمَتُهِ أَيِّمُ الْوَشْسَاحِ - فَمَثْلُ تُوْرِهِ كَيْشُكَاةٍ فِيهَا مِصْبَاحٌ -حَامِلِ يِمَاءِ أَنْعَثُعِ مِنَ ٱنْعَثَاحٍ - ٱلْمَعْفُوصِ بِالْكَوْثَدِ وَالنَّحْسِيرِ وَالْغَلَاحِ - وَإَنْ شُكْخِلْنَا مِنْ بَاسِيهِ إلى حَشْرَةِ العِبَانِ وَأَنكِفَاحِ - وَنَسْتَالُكَ آنُ ثُعَلِيّ وَشُسَيْتُ عَلَى مَنْ تَسْسَرَّتَ يِهِ أَلَكَانُ وَالدِيمَانُ -وَيْسِعَ بِهِ آهُلُ السَّلَّةِ وَالسِّيرُكِ وَٱلكُنْرِوَاللَّعْزَاللَّعْزَاللُّغْيَانِ-ٱلْعَادِى إِلَى حِسرًا ظِلتَ فِي السِّسِرِ وَٱلْآعُلاَنِ ۖ الْمَعُوْدِ بالتقام التغمود ودون الدّنام مِن الدّنس والمبان. حَامِلِ لِرَاءِ الْدَنْسِ- الْمَعْلُولِ لِعَنْسُرَةِ الْفُدُ سِ-مِنَ الدَّيَّانِ-اَللْهُ حَرّاتِهِ الْوَسِيسُلَةَ وَالْعَفِيسُلَةَ

وَالدَّتَجَةَ الْعَالِيتَ الرَّفِيعَةَ وَالْعَثْهُ الْعَلْمَ الْمُعْمُودَ الَّذِي وَعَدْتَهُ وَافْدِدْنَا حَوْضَهُ وَالْعِنَا الْعُمُودَ الَّذِي وَعَدْتَهُ وَافْدِدُنَا حَوْضَهُ وَالْعِنَا مِنْ يَدِهِ شُرُبَةً هِنِيئَةً لاَنظُما بَعُدَهَا آبَدًا وَالْمُعْلَا بَعُدَهَا آبَدًا وَالْمُعْلَا بَعُدَةً وَكُرَعِكَ وَكُرَعِكَ وَالْمَعِكَ وَكُرَعِكَ وَكُرَعِكَ وَالْمَعَلَى مَنْ بَابِهِ إِلَى حَضْرَتِكَ مِمَنِكَ وَكُرَعِكَ وَكُرَعِكَ مِنْ اللَّهُ وَكُرَعِكَ وَكُرَعِكَ مِنْ اللَّهُ وَالْمَعِكَ وَكُرَعِكَ مِنْ اللَّهِ اللَّهُ مَنْ مَنْ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ ا

ہم آپ سے سوال کرتے ہیں اللی اکر آپ درود وسلم بیجیں اُن تنجیفی برجو زمین واسمان اور دونوں کے درمیان والی تمام کا کتات کو منة ركرنے والے مہل اورج زمین واسمان اورجوان میں ہے سکے رازوں کے راز ہیں جن کی تعربیت بیجی ہے جو مخلوق سے برگزیڈ میں تمام اسماً كي عظهر المُسِيني وذات بارى تعالىٰ ، كى ذات كا أمينة المانت ميعلمروار اسيامي اورسياؤي صفت مسهموصوف تيرسه بركز يدمجنو ا درتیرے پڑھا ئے ہوئے رسول بہار سے اقامحترصلی اللہ علیہ ولم جوتيري حدوثنا كوسميشه قائم ركف واسله - اورتيرى حدست ميشون كى حد ۋنا ہوتى رہے كى- اور رہارى يەمجى دُعا سے كالے فالے یخاکد آب ہم کورٹ دوہدایت کی بارگاہ تک آب سے دروازے سے داخل فرمائیو! اورہم یہ بھی سوال کرتے ہیں کر آب ورو وسلام بميجيسان برجوحقائق بالاكانموندا ورتعتينا تثبوتنيه كي تحلي كاه مين المكا ہیولوں کے مخکر رستو دہ) اور کون ومکان کی رُوسول کی رُوح ہیں۔ ا ورطبیعت ککیے عضریہ کے جوہر عالم لا ہوت، غیبی سے مظہر اور نظر سمنے والے عالم انسانی کے داز، ولوالحمر، کے برجم بر وار، تمام نعمتوں کے ساتھ قائم ،ایسا دروجوان کی علمت قدروشان کے

لائق ہو، ہاراسوال ہے کرآہیں۔ان پر درُو دیسسوم نازل فرائیں جو دنیا کے دائرہ کے مرکزی نقطہ ہیں۔ زمانوں کے خفائق و د قائق کی جلوہ كاه بن كى ذات قرآن كے تمام احكام واوصا ف سے منون و مظهر سے جن سے علم وعرفان کے تمام خما بن پر گفتگا کی گئی۔ دنیامیں جوہواا درج ہوگا ،سرکی حقیقت کوجاننے واسے . جننے زمانے ور عرصے گزرجائیں رحن کی رحمت کے علمبرارجنوں اور انسانوں کے درمیان فیصلہ کی شفاعست کرنے کے سیاجی کو مفوص کیا گیا،جوفرمال سے آنالھا داس شفاعت عُملی سے یہے میں ہی ہوں) اور بھر النركى طرفف سن آب كامقعد يوراكرك اورآب كى شقاعست تبول فرماكراً سب كى عِزْت افراكى كى جائے گى- اور اسے رحمٰ اور رصم اہم کواینی بارگا واقد سس میں آب سے دروازے سے داخل فرمانا اورميرايه بهى سوال سب كرتو درُود وسلام نازل فرما إان برج رُوس كى مدد فرما نے والے ہيں، اور چھمول پر نور كا فيضا ن فرما وا سے میں اور جگراہوں کو کامیابی کی راہ دکھانے والے بین وجوں سے باب کی بارگاہ کے واقعت کا روجہوں کی ماں کی بارگاہ کی حایت کرنے والے ہیں توان کے نورکی مثال امیسی ہے جیسے ایک ما ق ہو، اس میں چراغ ، فتح دیسے والے دہ کی طرف سے فتح كاعكم للرسن واستعجن كوخاص كياكيا بكؤثر سعة قرباني سعداو كاميابي سے اوردیکر ہم کوان کے درواز سے سے صنوروظہور کی بارگاہ میں داخل فرمانا - اور بهاراسوال سے کر درود وسد م بھیج ان برجنسے مكان وامكان دونوں كوبنسكى عى اورجن كے ماتھوں اہل بترك وكفر

اوزیک اوررکشی کے مربینوں کا قلع قمع ہوا بوظا ہر وباطن تیرے
داستے کی داہنائی فرمانے والے بہل اور جن سے متام محمود کا وعده
فرما یا گیا بوزکسی جِن سے ہُواند انسان سے بجن کوبارگا ہ قدس کہ
ادشہ کی طرف سے اُسٹھا کر لے جایا گیا۔ اللی ان کومقام وسیلہ
ففیلت اور بند وبالامقام عطافرما اوراس مقام محود بیران کو فائز فرما
جرکا تو نے ان سے وعد فرما یا ہے اور ہم کو صور کے حوض پرلانا۔
اور ان کے دستِ کرم سے ایسا شربت بلانا جو توشی گوار ہو بھی کے
بعد ہم کم بھی بیا سے زہوں اور ابنی بارگاہ آقد س میں ، ہم کو صنور کے
درواز سے سے داخل فرمانا ، لینے فعنل وکرم سے۔ اسے بہت
احسان فرمانے والے "

یہ دراو د نشر بین سیری انوس مفوقی کا ہے جصے انھوں نے لینے مختلف اور میں ذکر کیا ہے میں نے مب کوجمع کرایا ہے اور یہ دراو در نظر بیٹ مبساکہ تم دیکھ رہے ہوفضیلت والے دراودوں میں سے ہے۔

جهمة وال درود مرايف سيرى محمد كاب ع جوغوث الدكنام سيميات ما تيميل السائلة الله أن نُمسية على من خمسة مت وعبس وادعة وأبعتم من نُمسية وألدون والنوث والنوث والسين

مِنْ عَيْثُ الدِبْ دَاعُ وَالدِنْ سِيرًاعُ وَالدُنْ الدُنْ الذَالِيلُونُ اللَّهُ اللَّذِي اللَّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ ا

آخسمت أنميك ومختبث خنيك وآسع وكانك وَٱلْمَجْمُوعُ مِنْ ذَلِكَ صَسَلَةً ۚ ذَاتِيَّةٌ خَاصَةٌ بِهِ عَامَّةً ر في جينيع الرحيد النعسرينية والإنبيت و جَيِينِع مَرَايَبِ الْعَقْلِبَّةِ وَالْعِلْمِيَّةِ - مسَلَاةً مُتَّعِسَلَةٌ لَا يُمُكِثِنُ (نَيْعَسَالِمَا بِسَبَبِ وَلاَ بِغَيْرٍ ذيك بمل تشتعيثل عقلا وعلى آله و آصعاب ألتكار ألجوًا مِع وَالْعَسِزَايُنِ الْوَايْعِ وَسَيْعٌ تَسُلِمُتُ كتيسينماً وَالْعَسِهُ وَيَنَّهِ رَبِّ الْعَالَيْ يُنْ وَالْعَلَا وَالسَّلَوْمُ الدَّايُمسَانِ فِي ٱلْوُجُوُدِ عَلَى فَايْسِج حَصْرَةِ الشَّهُوْدِ- وَمَا يَحِ مَدِدَ الْوَدُوْدِ- ثُورِكَ المَسْعُودِ- وَفِيتَاء أُنْقِلِكَ فِي الْيَوْمِ الْمُوْعُودِ- ذَيِكَ يَوْمُ عجنس مُؤعُ لَهُ النَّاسُ وَذَيلِكَ يَوْمٌ مَشْهُودٌ . سَيِّدِنَا مخسست ستيد ألجئؤد- وعلى آله وآصعابه آغل التخاجيئسي والبخود-إلة التتق وانجعكنا منتهستر وسبعان الله ومَا آنَا حِنَ الْتُسْرِكِيْنَ وَالْعَسَهُ باللهِ مَ بِي (نعَالَيسِيْنَ -

اللی میں تج سے سوال کرتا ہوں کہ درود بھیج ان پرجنوں نے مرحمہ برتنعفیص کی اور وصاحت کی اور ابہام رکھاوہی رہیں۔ روح ہیں، نور ہیں اجراغ ہیں جب سے کا ثنات کی ابلاً میں دوح میں نور ہیں اور اور رعدم سے دجود کی طرف ، انتقال ہو۔ مخلیق بہوئی ظہور ہوا ، اور رعدم سے دجود کی طرف ، انتقال ہوا۔ جو تیر سے حکم کے احمد رسب سے براس کرتیری تعربیت کرنے والے

ا در تیری مخلوق کے محمد د تعربیت کئے گئے ہیں اور تیری کا مُنات بين نيك بسخت ترين ماوران تمام كمالات كالمجموعه، ايسا درو دجو فاص ان کی ذات سے یہ ہو، اورجو عام ہوان تمام تختیوں میں ، جن میں حروف واسماً تکھے ہیں اور حضور کے عمام مراتب عقلیم علی ہے۔ * السامتصل وروجب كالوفناكسي واسطريا عدم واسطر سعمكن ندبهوة بلكعقلاً محال بويهوراب كي ال اوراب سيم محاب كرام براج دخير کے اصل اور جمع کرنے والے تعے اور جو کسیع خزانے شعط ور سلام بهج بجثرت سلام اورست تعرفين متربرور وكابه عالم محيك اور کائنات میں دائمی در و دوسلام ،ان برج بار گاوشها داست کے كو لنے والے اور محبت كى مدد فرانے واسلے بيں جيراسعادت مند نور، اوربروز قیامت رج کا وعدہ ہے تیرے اُفق کی روشنی وہی لوگوں کے جمع کرنے کا ون ہوگا، اور وہی حاضری کا ون ہوگا۔ ہمارے اقامحتریر، جونشکروں سے قائد ہیں اور صنور کی آل واصحاب پرچو بزرگوں اور سخاوت والے شکھے لیے عیم ویزی ایکھے ان میں شامل فرما دسے-التلایاک سے اور مین مشرکوں میں سے نہیں اور سب تعربین استربرورد کارعالم سے یا " یه در و دستر مینتری محترالمعرون غوت الله سے واد در ودول کامجوعه مين بيلے درُود ستريف سے أنهوں تے إنامجوعداورا دفتون الازل والا بد" ختم كيا بسے اور ورُو و تقريف جس كى ابتدا كبوتى سے والسلوة والسلام الدا شان الخ كے الفاظ سے انہوں نے اپنا مخصوص وظیعہ ختم كيا ہے ، ميں نے انھیں وہیں سے نقل کیا ہے۔

منتروال درودنزلین میری ابوالعباس ممریک بن موسی المسعی کا

بِسُيمِ اللهِ الرَّحْنُ الرَّحِيثِيمِ وَلاَ حَوْلَ وَلاَ قُوَّةً إِلَّهُ بِاللَّهِ العَيلِي العَظِيمِ لَا إِلَّهُ إِلَّا اللَّهُ اللَّهِ الْمَكِ الْعَقُّ الْمُبِينَ-رَبَّنَا آمَنَّا بِمَا آنُزَلْتَ وَاتَّبَعْنَا الرَّسُولَ قَا حُصُّبُنَا مَسِعَ الشَّاهِدِينَ - آللَهُمَّ صَلِّ وَسَسِيِّمْ وَابِرَّ وَآحَدِنَم. وَآمِعَزُ وَآعُظِمْ - عَلَى الْعِستِيانِ الشَّامِعُ ، وَالْمَجْدِ الْبَاذِخِ . وَالنُّوسِ الطَّامِحِ - وَالْحَقِّ الوَّاحِيحِ - مِنْهِم أَلَمُنْكَ حَقَّةِ وَحَاءِ اَلرَّحُتَة - وَمِيمُ الْعِلْمِ وَدَالِ الدَّ لَالْهِ آلِعِن الْجَبَرُوَّ وَحَاءِ السَّرْحَوُتِ - وَمِينِيمِ الْلَكُونِي - وَدَالِ الْجِدَا يَةِ. ولام الأنطاب الخينية وتؤن المتن ألوانيت وْعَسِبْنِ الْعِنَايَةِ وَكَافِ الْكِفَاتِيةِ وَكَافِ الْكِفَاتِيةِ وَيَاءِ السِّيَادَةِ -كسيبين الشغاذة وقات ألغُرْبته وطَادِالسَّلُطَنةِ وهساء العسسروة وصساد ألعفمته وعلى آله جواجب عِلْمِهِ الْعَسنِ يُورِ وَآصْحَابِهِ مَنْ آصْبَحَ الدِّينُ بهِمْ فِي حِسرُن حَسرِين - صسلة تلك أله يُعِن يعظمته جَلَة يِكَ - الْمُشْرَقَة يَجَلَة لِجَايِكَ - الْمُكَرَّمَة بِعَظِيم نَوَالِكَ - دَايُمَت بِي حِدَدَامٍ مُنكِلكَ لَا أَنْتِقَا لَهَاسَامِيَّةٌ يستمرّ رِنْعَيْكَ لَا أُنْعِضَاءَ لَهَا صَـــــــــــــــــــ لَا اللَّهُ تَفُوْقُ وَتَفْضُلُ

وتيلين يمتجد كرميث وعظيم تغيك آنت كعا آخل لايُسْلَعُ كُنُهُ هَا وَلَا يُعْدَدُ قَدُمُ هَاكُمَا يَنْبَعِي يَشَرَب تَبُرُّتِهِ وَعَظِيمُ تَدُرِهِ هُوَلَهَا آهُلُ صَلَاةً تَفُوْ قُ بِهَاعَنَّاهُمُوْمَ حُوَّا دِبْ عَوَارِضِ ٱلْوِخْيْدِيّارِ- وَتَمْعُوْبِعَا وُنُوبَ وَجُودِنَا بِمَاءِ سَمَاءِ الْعُرْبَةِ حَيْثُ لَا بَيْنَ وَلَا أَيْنَ ولاجقة ولاقسزات وثغيبنا يهاعثاني غياهب وَالنَّهَابِ - وَتُحْوِّلُنَا بِمَاسَمَاحَ مَا تَاحِ فَتُوْجِ وَضُوْحِ تَعَالَمُ بَدَ الْبِعِ جَمَالِ بَيِيتِكَ الْمُخْتَابِ- وَتَمْنَعُنَا بِعَا ٱسْسَوَاتَ آنُوًا سِ سُهُ يُوبِيَّنيكَ فِي مِشْكَاةِ النُّرْجَاجَةِ ٱلْعَسَمَدِيَّةِ تَتَتَضَاعَفُ ٱنُوَامُنَا بِلَاآمَتِ وَلَاحَتِ وَلَا يُحِصَابِ يات بي كالله كات بي كالله كارب كالله كاحستى يَاتَيْنُومُ يَاحَيِّيُ يَا قَيْنُ مِ يَاحَتُي يَا قَيْنُ مُ يَاخَيْنُ مُ يَاذَا الْجَلَولِ والانحدام باازحستم التاجين باأمحسم الترجينية يَا آرُحَهِ الرَّحِينَ مَسْتَالُكَ بِدَ مَا يُقَ مَعَايِنَ عُلُومِ الْقُرُآنِ أَعَظِيمُ الْطَلَوطِمِ آمُوَاجُهَ في بحرخزائن عليك الخفرة ن - وياكات البيتات النوهوات أتباجرات على مُظْهَرِالشَّان عَـ يُن سِيرِكَ الْمَصُونِ - آنُ تُدُهِبَ عَنَّا ظَلَامَ وَطِيسِ ٱلْفَقْدِ - بِنُوْسِ النِّي ٱلْوَجُدِ وَآنَ تَكُنُّونَا مِنْ مُحَكِّلِ صِعَاتِ كَالِ سَتِيدِنَا مُحَسَمَّةٍ صَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ

بِنُوْرِالْجُكَلَالَةِ - وَآنُ تَسْقِيسَنَا مِنْ كَوْشَرِمَعُ رِفَيْهِ الْكُثْرَعِ بِرَجِينَ التّسُدِيمُ وَشُرَابِ الرَّسَالَةِ - ٱللَّهُ مَ صَلَّ على عَبُدِكَ سَبَيْدِنَا وَبَيْتِنَا وَجِينِبِنَا وَشَيْعِنَا ٱلْبُعُوْ بِالْقِيْلِ الْدَقْومِ - وَمِنْتَةِ اللَّهِ عَلَى كُلِّ فَصِيْحٍ وَآعُ جَسَمَ ـ تكلب ريخى التبيشين ونغطة وايرت أكررسيلين المخاكم فِي ٱلكِتَابِ ٱلْكُنُونِ - مَا آنْتَ بِنِعُمَةِ رَبِّكَ بِمَجْنُونِ -وَإِنَّ لَكَ لاَجُسِرًا غَيْرَ مَنْنُونِ- ٱلْوَصُونِ بِعَوْلِكَ ا نُحَدِيم - وَإِنَّكَ نَعَسَىٰ خُلُقٍ عَظِيمٍ " التركينام سے شروع يورهم فرانے والامهران سے- اور بدى سے بیجنے اور نیکی کرنے کی توفیق صرف اللہ بزرگ و برنتر کی عنابیت سے ہے وانٹر کے سوا کوئی بیجامعبو د مہیں۔ وہ ایسا با د شاہ ہے جودا ضح حتى ہے ۔ النی! ہم الس پرایمان لا سے جو تو نے آنا را اور ہم نے اس رسول مکرم معلی انٹرعلیہ وسلم کی بیروی کی ۔ سوہمیں گواہو كيساته لكه سله-اللي درودوسلام يضيع إنيكى كرا ورعزت عطمت بتخش بند ترعزت بر، عظيم المرتبت بر، يمكنے والا نور ، اور رولتن حق ير، مملكت كيميم، رحمت كي حاً ، علم كيميم ، ولالت كي وال جبروت کے العت رحوت کی حاً ، ملحت کی میم ، ہدایت کی وال ، (الطا فنيحنير) پوشيدهمربانيول كى لام ، منن وافيدركامل احسانات) کے نون ،عنایات کے عین ، کفایت سے کا ف ،سیادت کی يا . معادت كيسين . قربت كے قاف بسلانت كے طا ، عروه كى الم عصمت كے صاد اور آب كى آل پر ، بواب كے زبر دست علم

محموتي ميں اور آب مصحابر کام برجن كى وجسے دين مضبوط يناه كاه مين محفوظ بوكيا - تيراايسا درو دبا بركت ، جوتيري علمت عبدل سے ملا ہوا ہو۔ جو تیرے جمال بارعب سے مشترف ہو، جو تیری علیم عطا مسفر رمورج تيري دائمي حكومت كيساته ساته والمي بوجيل كى كوكى أنهائه بهواتيرى لبندى كيساته ملندتر بوجك خاتمه نه بهو ايسا در و دجو فائق و فافعىل ا ورتيرے بُزرگ كرم ا وربڑے ففل سے لالُقَ ہو. و وتیرے ہی تنایا نِ شان ہے جس کی حقیقت مک مینجانہ جاسكے اور جرکا نداندازہ لگایا جاسکے ۔ جیسا کدان کے تمرون بوت عظرت نشان کے یہے چاہے وہی اس مصنی میں ابسا درود مشربعين جس كے ذريكے توہم سے دور فرما دسے وہ غم والم جو بهار مسينو داختياري عوارضات وحادثات كانتيجهين ورايسا ومرود جس سے تو ہمار ہے گنا ہوں کونلیست ونا ہو دکر دے. قربت و عبادت کے اسمان کے پانی سے جہاں نرانقطاع ہے نرمگرہے نهجمت بطفينه مخمارُ اورجس سے توہم کواپنی احدیث رکیتا کی) کے تدبستر انوار کی بہنائیوں میں ایسا و و سے کہم کوشب فروز کے آنے جانے کی خبرتان نہروا ورجس سے تو ہمارے بلے بنے برگزید و نبی کے لاجوا سے من وجال سے کامل طهور کی نعمت سے مالا مال فرمائے اورجس سے توہمیں عطا فرمائے۔ لینے انوایر ترفیق کے انوار، جوائین محمدی کے طاق میں ہیں جس سے ہارے انوار بهي التف براص جائيس، جن كان محكانه، نه صدن شار- اسب يرور د كار إ كمادنترا، ليع يرورد كار إلى النتر! اسع يرور وكار النتر!

اسے میشدزندہ ،اسے میشد قائم رہنے والے!اسے بزرگی وعرّت وا لے اسے میں سے بڑھ کر رحم فرمانے والے الے سب سے بڑھ کررجم فرمانے والے ، لیے سب سے بڑھ کررجم فرمانے والے اسم بھ سے سوال کرتے ہیں قرآن غلیم کے علوم سے باریک معانی کا صدقه اجن محصمندرتیرسے علمی خزانو ل میں موجزن ہیں۔ اور اس کی داختی آیات کاصد قد ، جو ما زد کلیاں ہیں ، تیرسے محفوظ راز کے مرجيتمر بركة توسم سے ووركر دے كم كتنتى كے اندھيروں كو سياسى كاميابي كے أنس كى روشنى سے اور توہار سے آ قامحد صلى التر علیہ وسلم کی صفات کمال کے علے، نور جلالت کے ساتھ، ہمیں بهنادي اوريكة توسم كوسيراب فرما د مصصور كم معرفت مے جاری وساری کوٹر اسے اجنتم سنیم کے فرخ شراب سے اور تتربیت رسالت سے اللی الینے بندے اور ہمارے آقاولاء ہارے بی اور جبیب ورہاری شفاعت فرا نے دا کے بوسیدھی اور صاف بات کے ساتھ مبوث فرہا کے سکتے اورجوا مذکر کا احسال ہی مراجى بات كرنے والے اور كونى ير، جنبيول كى جى كا قطر، اور رسُولوں کے دائرہ کا مرکزی نقط ہیں جن سے محفوظ کما سب میں یہ خطاب کیاگیا ہے جم بھیب آیدا ہے دیوا نہیں'؛ اور بنے تک آپ سے بیلے تبھی ناختم ہونے والا اجروہ اللہ ع ادرجن كى تعربيت تيرسے اس ول سے كائمى كائى كائے ميسب إلى اخلاق کے مالک ہیں ا

المحمر وال درود ترلیب المحمد وال درود تر لویت

يسُيم الله الرَّحُنُ الرَّحِيْمَ - اَللَّهُ مَسَلِّ وَسَلِّدُ وَأَفَلِهُ وَأَنْجِعُ - وَأَسِحَرُ وَأَصْلِهُ - وَذَكِ وَآسُهِ - وَأَنْ بِعُ - وَأَوْسِ وَأَنْ جِعْ- اَفْصَلَ الصَّلَ الصَّلَ الصَّلَ الْمُنْ وَالَّهِيَّا عَلَى عَبْدِكَ وَيَبِيِّهِ فَ وَمَسُولُكَ سَيِّدِنَا لَحَسَبَةٍ فَكَنَ صُبْعِ الْوَحْدَ انِيتَةِ - وَظَلْعَتِهِ ثَنْمُسِ الْاسْسِرَايِ الرَّبَّ يٰبَتَةِ - وَبَهْجَدَةِ قَسَرِ الْحُقَائِقِ الصَّمَدَ (يَبْتَةِ وَعَمْلُو حَفْسَرَةِ ٱلحَضَرَاتِ الرَّحْمَانِيَةِ - نُؤْسِ كُلِّ رَسُولِ وَسَنَاهُ-يسَ وَالْقُدُونَ الْعَدِيمَ - سِيرٌ كُلِّ نَبِي وَهُد دَاءُ-خَلِكَ تَقْسُدِ يُدُالُعَسْدِيْ الْعَلِيْمِ - جَوْهَي عَقُلِ كُلِّ وَلِيْ مَعِينَاهُ - ستسلامُ تَوْكَامِنْ رَبِي رَحِيثِيم - آللُهُمَّ حسّل ِ عَلَى نَبِيتِكَ سَسَيِّدِنَا مُحَكَّدٍ فِي الْاَنْبِيَّاءِ وَلْمَسَلَى ٱلْدُوصَيْدِ وَسَيِّمُ - آللُهُمَّ رَجُعَتُ آفْمَنَ لَ صَلَوْتِكَ عَلَى حَارَيْكِ يِي الذَّوَ آتِ مُقَدَّسَةٌ إِسَرَايُوكُدُسِكَ - رَايُعَةٌ بِرَقَائِنَ ٱنْسِكَ - وَعَلَى اسْمِهِ فِى الْاَسْمَاءِ - مَوْسُوْمَيَةً يِصَغَايَكَ وَاسْمَا يُكِ - وَعَلَىٰ جَسَدِ وَ فِي الْآجُسَادِهَ فَيُ بِنِعْمَائِكَ وَآلَدَيْكَ - وَعَلَى تَلْسِيهِ فِي الْقُلُوْبِ مُرَدَّتَّةً بالعِلْم وَالْيَعِيْنِ وَالْعِيدِ رُفَانِ - وَعَلَى مُرْحِدٍ فِي الْاَدُوْاحِ لَحَسَيَّرَةٌ مِالتَّوْفِيثِقِ وَالسَرَّوحِ وَالرَّيْحَسَانِ -

وَعَلَى مَنْدِوفِي الْفُنُوسِ مُنَمَّقَة كِالْفَوْنِ وَأَلْفَهُ لَ وَالرَّضَوَانِ -صَلَاةً تَتَفَاعَفُ آغُدُهُ أَعُدادُهَا يِالْفَضُ لِ وَٱلْمِسِنَنِ مَا لَا حُسَانٍ - وَتَتَرَّادَنُ آمُدُا دُهَا - بِالْجُوْدِ وَالْحَرْمِ وَالْهِ مُتَّنَانِ - لَاغَايَة كِمَا وَلَا أَمْدَ لَمَا شَرِيْفَةٌ عَنِ اُلكَانِ وَالسَرْمَانِ - صَلَاتِكَ الْسَنَزَّحَةَ عَنِ الْحُدُوْتِ وَٱلْفَتُوْسِ وَالنَّفُصَانِ - وَأَنْزِلُهُ ٱلْقُعَدَ الْفَسَرَّ بَ عِنْدَ كَ يَوْمَ الْقِيَامَةِ مَاحَتَانُ يَامَنَانُ يَا رَحُنُ - وَعَسَلَى آلِدِ مَعْنَائِيعِ طُسُرُقِ الْهِدَانَةِ يِسَعَادَةِ السَّدَارَ بْنِ-وتمقايني كأنؤر العقائق لذخائير الكوتس وأمخاج بُجُوْمٍ ظُلَمَ لَيسُلِ أَلْجَعَالَةِ - آمِنَةِ الْأُمَّةِ مِنَ ٱلشَّلْقِ والشيئرك والمشكوكة وسسلةة تفقينا بهامين كدب شَوْبِ الطَّبِيْعَةِ الْاَدَمِيَّةِ بِالسَّخْقِ وَالْمَحْقِ وَالْمَحْقِ وَتَفْمِيسُ بهكا أتمار ومجؤد الغسنيرتية ميتايف غينب غينب المعوتية نَيْنَتَى الْمُكُلُّ لِلْعَتِّ فِي الْحَقِي بِالْحَقِي بِالْحَقِي - وَشُرَقِيْنَا بِمَا فِي مُعَارِج شَهُودِ وُجُودِ سَنْ يُنِينُ آيَاتِنَا فِي الْدَفَاقِ رَفِين أنفيهيم حتى يتبتين لهم أتنه العق عاربيالله يَا آڪُرَمُ الْآحُسْرَمِينَ يَا جَدِيْعَ السَّمَوَ اتْ وَالْوَرُضِ يَا اَرُحَتُمُ الرَّحِينِينَ - لَا إِلَّهَ إِلاَّ أَنْتَ سُبُحًا نَكَ إِلَى كُنْتُ مِنَ الظَّالِمِينَ - نَسْتَالُكَ مِنْ فَضُلِكَ الْعَظِيْمِ ٱنْتَمُنَعَنَا يغضيك ألعنطسيم آنوازعكوم السترقايق المستهدية يدَيْنِي إِشَامَاتِ ردَعَلَمْكَ مَاكَمُ تَحُن تَعُدُو كَانَفُلُ

الله عَلَيْكَ عَظِيمًا-) وَيُعَمِّسَنَا بِكُرَمِكَ مِنْ حَضْرَةِ الرَّحْدَة الشَّاعِلَة وَالنِّعْتَ - الْكَامِلَةِ النَّبْوَيَّة بِإِنَّاتِ إِ القَيْح الْقَرِيْبِ وَالْعَبْعِ ٱلْمُسِينِ وَالْعَثْعِ الْمُطْلَقَ نَتُوْجِ ألوَاحِبِ الْاَحْتِ دَيَّةِ - بِكَعَاتِ لِعَظَاتِ خِطَّابِ رَأَلْيُمُ ٱكْمُنْتُ لَكُ مُودِيْنَكُ حُرِقاتَمْمَتُ عَكِيْتُ مُونِعْتَىٰ وَيَقِيْتُ تحصُمُ الْوسُلَةِ مَ وَيُنَّا - وَيُبِيِّعَنَا مِنْ أَرْضَعَ الْمُعَادِع آغلى شَـــترف الْمَجْدِ الْاَسْنَى -وَآجَلَّ مَرَاتَب الْقُطْبِيَّةِ الْحُنْرَى- وَاكْمَلَ الْآخُلَاقِ الْعُلْيَّةِ الْعُظْلَمَى - بِي مَقَامِ قَابَ قُوسَتِ ثَنَ آوُ آدُ تَى - بِوَاسِطَةِ آخسسة ولاأكخفوص بتبات حاذاغ البتصورة ماظغى يَا ذَا الْكَرْمِ الْعَظِيمِ - وَالْعَطَاءِ الْجَسِيمِ وَالْغَضُلِ ألعَيثِي - بِعُسُرُمَة حَذَالتَّبِي الْكَرِيْسِ اللَّهُمُ صَلَّ عكيث وعسلى الدوص تحب وحسيم صلاتك وسكمة فِي طَيِّ عِلْمِكَ الْاَزَلِيِّ - وَسَايِقِ حِكْمُنِكُ الْاَبَدِئُ-صَلَّاةً لا يَضْبِطُهَا الْعَسِدُّ - وَلَا يَعُصُّوُهَا الْحَسَدُ - وَلَا تَكُنَيْفُهَا لا يَضْبِطُهَا الْعَسِدُّ - وَلَا يَعُصُّوُهَا الْحَسَدُ - وَلَا تَكُنَيْفُهَا ألعبتارة وكالتخيها الوشارة سقة فنجسدها يِعَظِّهِ الْوَنْفُسِ - عَلَى آفُرَادِ الْفُحُولِ - فَأَبُّلَتَ وَأَبُسَرَ-وَلَسَعَ نُوْرُحًا بِعَيْضِ إِلاَ صَٰ حَلِي حَلَى ذَهِى ٱلْعَقُولِ آ فأدخش وحسير سيدنا ونبيتنا وحبسينا وشفيعينا محتسقة النؤس ألةنقسر يمنبنى تعبيلى الذَّاتِ الْآحَدِيَّةِ فِي حَعَّائِقِ المَيِّعَاتِ الْوَاحِدِيَّةِ -

مِستِيستدَائِدِ اللَّهُ هُوْتِ - فِي مَشَاحِينِ أَنْوَاسِ الْجَبَرُوْتِ -الْمُنْزَلِ عَلَيْ فِي الْعُسُرُ اللَّهُ وَالْعَصْرِ الْعَلَيْمِ - وَالذَّحْدِ الْعَكِيمِ -تَبْسِينًا لَهُ وَتَمْكِينًا وَتَعْظِيمًا وَتَنْبِينًا بِسُسِمِ اللهِ الرَّحْمُنِ الرَّحِيْم - إِنَّا فَتَعْنَالَكَ نَتُعَا مُينِنَّا لِيَغْفِرَلَكَ اللهُ مَا لَقَدْمَ مِينْ ذُنيك وَمَا تَأْخَــرَوَيُتِمْ يَعْمَتَهُ عَلَيْكَ وَيَهُدِيكَ ميستراطًا مُسْتَقِيمًا وَيَنْصُرَكَ اللهُ نَصُرًا عَذِيْزًا-التركينام سے متروع جورهم فرمانے والامهربان ہے - اللي! درو دوسلام بهج إاور كاميابي وكامرا بيعطا فرما ااور كمل وردرت قرما د سے اور پاک فرما اور تفع د سے اور بورا پورا د سے ۔ اور زيا ده عطا فرما! اقصنل تر درو د ۱ او يخليم تراحيانات وتسحائف الين بندس بن اور رسول ، بهار الما تحقريرج و صانيت كي صبح کی بیلی کرن ہیں۔ اسار رہانی سے چھنے سورج اورصمدانی حالق کے د ملکتے ہوئے جاند میں مبار گاہ رحانی کے دُولها اور ہر رُسول كے نوراور حك - يئس والعت وان العيكينم - كامصداق بين-ليسن كامعنى سم ياستدالخلق قطبى برنبي كارازاورمايت یہ غالب و حکمت والے دفرا) محتقررہ اُسول ہیں. ولی سے عقل کا جومبرداصل ،اورروشنی رب مهربان کی طرف سے اہاجتت سے جوبات ہو گی وہ ہوگی سکلا م اللی دمو د بیسے! این نبی، ہارے اقامحدمر، ببیول میں اور صنور کے آل واصحاب بد ا ورسلام رسمی ، اللی افضل ترین در و دنازل فرما! آب کی ذات ير. ذاتون مين جوتيري ياكيزگي سے ياكيز و سے تيري مُحبّت كي

زمیوں سے زم ہے۔ اور ناموں میں آب سے نام بر جو تیرے ا وصافت واسماً ست موصوف وموسوم سب - ا ورحبمول ميراكي كيضم براجوتيري نعتول اوربركتول كمص بجزابهوا بساور دلول میں، حضورے ول برجوعلم، یفتن ورعرفان سے مالا مال ہے اور رُوحوں میں اب کی رُوح کیر، جسے توفیق، سکون اور راحت سے نوازاگیا ہے۔ اور قبروں میں کی قبریر ، جسے کامیا بی قبولتیت اور رصناً كاصنامن بناياكيا سهيدايسا درُ و دحس كي تعدا د فضل احسا كيساته برصتى رب اورج كاشار اسخا دت ، كرم اور احسال مسلسل جاری رہے۔جس کی نہ حد ہونہ انتہا ،جو زمان ومکان سے بالاتر ہو۔ تیراالیها درُو د جو حدوث ، خرابی اور کمی سے پاک ہو اور حضور کو اپسنے قرمیب ترمقام پر، قیامت سے دن فائز فرمانا۔ لیے بهت مهربإن إلى بمست اصان فرانے والے - لسے بھت رهم فرما نے والے ! اور حصنور کی آل برجو دو توں جہاں کی نیکس بختی کی را د ہدابیت کے روشن جراع میں اور دوجها ن کیے حقائق کے خزانوں کی جابیاں ہیں اور آب سے صحابہ کرام پر ،جوجہالت کی اندهیری دات سے سارے ہیں جو اتب معضوظ ترہیں تنک سے، نٹرک سے ، گراہی سے ، ایسا درو دجس کے ذریعے ہمیں صاف فرما د ہے ، انسانی طبیعت سے تعلق گندگی وبوسید گی اور باطل يرستى سے اور جس سے تو ہوئيت كى اتمعاد كرائيوں ميں ہمسے غیرت کے آثار مٹا دے کرسب کھن کے لیے ،حق میں حق كے ساتھ باتى رہے - اورجس سے توہميں ترقى عطا فرائے كرجس

سے ہم تیری کائنات کے وجود کے مشاہدے کی سیر صیول برج کھ سكيں ، دتيرے فرمان محمطابق كهم ان كواپنى نشانيا رعنقريب کائٹات کے کونے کو نے میں دکھائیں گئے، اورخو دان کی جانوں میں میمال مک کران کے بیلے یہ بات واضح ہوجائے گی کریہ دسب جوقران سفيان كيا سے عق سے : اسے برور دكار! اسے الله إ اسے سب سے بڑھ کر کرم فوانے والے ! لیے زمین واسان سے توریداکرنے والے!اسسب سے بڑھ کررھم فرمانے والے الرسے سواکوئی معبود حقیقی نہیں۔ تو پاک سے بات ک میں ہی اپنے او برزیا دتی کرنے والوں میں سے ہوں ، ہم جھے سے تيرك برساح ففل كاصدقه يسوال كرتيب كد توايف عظيفل سے عنایت فرما جمحتری عنوم کی باریکیوں، باریک اشارات سے لينے فرمان سےمطابق كم حبيب ! انٹر نے آپ كو وہ سب كھ كھا ديا، جواً بيدنه جا سنتے شعط؛ اور اپنے خاص کرم سے ببی علیالسلام كى كا مل وشامل رحمت كى بارگا د مىرخىوسى متعام عطا فرما قريبى فتح اور واضح فتح اورمطلق فتح، احمد صلى الته عليه وسلم كم مجنتي بوئى فتوصاً ال پاکیزولمحات میں حبب ارشاد ہور ماتھا یہ ہے میں نے تمہارے سیلے تمہارا دین ممل کر دیا ہم براپنی نعمت پوری کردی ،اور دین كے طور براسادم ممارے بياب ندفرايا " توسمين لندتر محاعظا فرما وعزت وعلمت كالبندترين مقام واوربرى قطبيت كالزرك تر درجه - اورملندمرتبه، اعلی اخلاق ، متعاثم قاسب توسین او او نی نتی لبينے احمد سکے واسطرسے جن کو اسس وصعبِ خاص سے نوازاگیا۔

وكرنه انته جيكى ، نه عدسه أسكه لم حي اس المرسه واله إادرانى عطا واله إعام ففل واله إس بي كريم كى عرّت كا واسطر-اللي صنوربرا ورآب كي آل ا ورصحابه كرام مردر و دوسلام نازل فرااين از لى علم وراين يسلح كم ابدى من ليبيك كر. ايسا ورُود جواعدا وفتمار میں نہ اسکے۔ اور کوئی حد حب احاطہ نر کر سکے عیارت جس کونہ لکھ سكے و اوراشارہ جے بتانہ سكے جس كى مبع واس كے نيس ترحقت چک المصفے نزمرد و ں ہر۔ اورجس کی روشنی حکب و مک المصفحت كے فيض پاكيزه سے تمام عقلمندوں براكسب كو د بہشت زده اورجیرت زده کر دے بنارے آقا، ہارے بی بهار سے بیب ہماری شفاعت فرمانے والے مجتربر چھیجنا نورہیں، ذاتِ احدیث دانترتعاني كتنجلي كاهبين مسفات توجيد كيحقائق مين عالم لابو سے رازوں کے راز معالم جبروت سے انوار کی جائے جی ہے قرآن ظيمين نازل كياكيا بوطلمت بجري نفيحت بسيء مصنور كيلي توضیح کرنے ہو ئے حصلہ و بہتے ہوئے آپ عظمت سے اظہاراور م شابت قدمی کے لیے ۔ بسم انٹدالریمنٰ الرحیم : دانٹد کے نام سے نزوع جورح فوانے والامہر اِن ہے) جے شکک ہم نے آپیے نتے نثروع جورح فوانے والامہر اِن ہے) جے شکک ہم نے آپیے نتے عطا فرما دى تأكرا لتُرتعاليٰ تتهاري خاطرتمها رسيهيلول الترجيلول سے گنا ومعاف کر دے - اور تم برا پنی نعمت بوری کرد سے ا وتمهين سيرهي راه جلاتا رسے اورانشرتها ری محوس مدوفرائے۔

مناسى وال رو دسترلي<u>ن</u> مناسى ما منهى كاست

يشسيرا لله التشخلن المترجينم آمَنَ الرَّسُولُ مِسَا أُننِيلَ النَّبُ مِنْ رَبِّهِ وَالْمُؤْمِنُونَ كُلُّ آمَنَ بِاللَّهِ وَ مَلْدَيُكَتِهِ وَكُتُبِهِ وَمُ سُلِهِ لَا نُعَسَرِقُ بَيْنَ آحَهِ مِينُ دُسُلِهِ وَقَالُوْ اسْمِعْنَا وَآطَعْنَا غَنْ رَبَّنَا وَ لِكِنكَ المتعييرُ- لايُكلِّفُ اللَّهُ نَفْسًا إِلَّا وُسُعَمَا لِهَا مَاكتبَتْ وَعَلَيْهَا مَا ٱكْتَسَبَتُ رَبَّنَا لَا تُؤَاخِبُ ذُمَّا إِنْ نَسِيْنَاٱوْ آخِطَانَا رَبِّنَا وَلَهُ تَعْمِلُ عَلَيْنَا إِصْرًا كَاكَمُلُتَهُ عَلَى الَّذِيْنَ حِنْ قَبْلِنَا رَبِّنَا وَلَا تُعَسِّمِلْنَا مَالَا طَاقَةً لَنَا بِهِ وَاعْمَتُ عَنَّا وَاغْفِرُلَنَا وَاسُحَنَا آئْتَ مَوُلَانَا فَآنُصُرُنَا عَلَى الْقَوْمُ الْكَاجِرِيْنَ -آمِيْنَ يَاآيُكَا الْعَسنِ يُذُكِّ مَسَّنَا وَآخُلُنَا الضُّرُّ وَجِنْنَا إِضَاعَةٍ مُسْ جَانِ فَأَوْتِ لَنَا ٱلكِيلَ وَتَصَدَّقُ عَلَيْنَا لِنَّ اللَّهَ يَجُزِي المُتَّمَّدَ يَيْنَ - حُوَالَّذِي اَرُسَلَ رَسُوْلَهُ بِالْحُدُى وَدِيْنِ ٱلْحَقِ لِيُظْهِرَهُ عَلَى الدِيْنِ كُلِّهِ وَكُفَّى بِاللَّهِ شَهِينِ دَا-اَللَّهُمَّ صَلَّ وَسَلِّمْ عَوَاتُحِعَدُ وَأَنْعِيبُ مَ وَأَمْعَتُ مُ وَأَمْعَتُ مُ وَأَمْعَتُ مُ وَا حَصِيهِ م - وَآجُنِ لُ وَآعُظِمْ اَ فَعَلَ صَلَوَا يَكَ وَآفُنَى ستكاميك مسكاة كاستلاماً يَسْتَوَمَّا يَسْتَوْلُون مِنْ أَفْتِ حُنْدِ بَاطِنِ الذَّاتِ- إِلَى فَلَكَ سَمَـّاءٍ مَعْلَاهَــدِ اُلاَسُمَّاءِ وَالقِيغَاتِ - وَيَرْتَفِيَّانِ مِنْ مِيدُ رَةِ مُنْتَهِيَ

الْعَابِ فِينَ - الِي مَرْحَزِ حَبِدُولِ النُّورِ الْكَبِينِ - عَلَى مؤلانا وستيدنا محسمة عبدك وتبيتك وتسؤيك عِلْمِ يَعِينُوا ٱلْعُلَمَاءِ التَّرَبَّانِيْسِينَ وَعَيْنَ يَعِينُو الْعُلَعَاءِ العِيدِ يُقِينَ وَحَتِي يَقِينِ الْآنِيتِ الْأَنْيِسِيّاءِ ٱلْكُرَّمِينَ- آلَـذِي تَاهَتُ فِي آنُوَ إِرِجَلَة لِهِ أُوْالُعَسِزُمِ مِنَ ٱلْمُرْسَيلِيْنَ -وتعتب يترت في دَنْ كِ حَمَّا يُقِهِ عَظْمًا ءُالْمَلَوْ يُكُ لِهِ ٱلعَيِّينَ - الْتِنزَّ لِعَلَيْثِ فِي الْعُرْآنِ الْعَظِيم بِلِسَانِ عَسَرَيْ مُبِين - لَقَدُ مَنَّ اللهُ عَلَى ٱلْوُمِنِيْنَ إِذْ بَعَثَ يبهيه رسُولًا مِنْ أَنْفُيهِمْ يَتْلُو عَلَيْهِمْ آيَاتِهِ وَيُزِكِيهِمْ وَيُعَيِّمُهُمُ الْكِتَابَ الْمِيكُمَّةَ وَإِنْ كَانُوا مِنْ قَبْلِ لَهِي صَدَة لٍ مُسِيْنِ ، - الله عَمَ الجُعَلَ ا فَضَلَ صَلَوَايِكَ وَآدُ فَى سَلَامِكَ وَآنَى بَرَكَا يَكَ - وَآزُكَى تَعِتَّا يَكَ -وَرَأُ فَتَلَفَ وَرَحْمَتُكَ عَلَى النُّوسِ الْاَكْمَلِ الْوَعْلَى كَالكُمَّا الُدُنْوَارِ الْدَبْهِي-مَهُبَطِ تَجَلِّيّاتِ الْكَالَاتِ الْالْحِيتَةِ. وَمَوّا يَسِعِ نَجُوْمُ الْوسْسِدَارِ الْجَالِيَّةِ وَالْحَسِلَالِيَّةِ الكَطِيْف بِلَطَايُف تَتَمَايُل فَصَائِل مَعَادِم الْتَبْرَالْكُونِم. الزَّوُن بِرَائَةِ لَعَتَدُجَّأَكُ ثُم رَسُوُلٌ مِنْ آنْفُيكُمُ عَزِيزٌ عَلَيْهِ مَدَ غِيثُمُ حَدِيْهِ عُلَيْتُ مُ عَلَيْتُ مُ مِا لُوُمِينِينَ رَوُّكُ رَحِيْم - صَلَوًاتِ اللهِ وَسَلَوَ مُهُ وَمَهُ وَمَا حَسَلُهُ وَبَرَكَاتُهُ وَرَافَتُهُ وَتَجِيتُهُ وَشَخِيتُهُ وَسَغْفِرَتُهُ وَسِاضُوَا حُهُ عَلَى مَوْلَانَا وَسَسِيِّدِنَا مُحَسِّمَةٍ أَلَا قُولِ الْآخِيرِ الظَّاهِدِ

أبًا طِن الْعَيْرِيْرِبِعِيزِ عَظْمَةِ اللّهِ الْعَظِيمِ بِعَظْمَةِ عِزَّةِ اللهِ الْقُدُّوسِ بِسُبْعَاتِ سُنبِعَانَ اللهِ الْمُؤْدِ بمتعاميد ألعَسمُدُ يللهِ ٱلوَحْسدَ إِنْ يَتُوحِيْدِ لَا إِلَّا اللَّهُ الْفَ الْفَ رُدَا فِي يَمَنَارِ اللَّهُ آ كُ بَرُ الرَّبَّانِيُ بِسَدْبِيْرِ لَا كُولَ وَلَوْتُوتَةَ إِلَّا بِاللَّهِ صَلَةَ تَا عَبِينُونَ النَّدِّ سَاطِعَةَ أَلَانُوابٍ مُعَطَّرَةً ٱلوُخُود بِرَوَا ثُمِحُ ٱلْجُوْدِ ٱلدِّلْفِيِّ ٱلْآخَتِ دِي - وَالسِّيرِ الْقُدُسِيُ المُحَسَمَّدِيّ- فِي عَوَالِيمِ شُهُوُدِ دِانِمَا آحُسُرُهُ إِذَا آرًا دَ شَيْئًا آنُ يَعْزُلَ لَهُ كُنُ فَيَكُونُ) لَا غَايَةً لَهَا وَلَا أَيْهَا وَلاَ آمَدَ لَهَا وَلَا أُنفِضًاءَ صَلاَتَكَ الَّنِي صَلَّيْتَ عَكَيْءِ وَوَامِكَ وَصَلَّ يَارَبِّ وَسَيِّمُ عَلَى عَبْدِكَ وَيَبِينِكَ وَمَا سُولِكَ سَسَيْدِنَا مُحَسَمَّدِ أَلْوُمِنِ ٱلْمُعَيْنِ ألآميين المنطاع الحق المتينين ريختذ العاليين وَقَدَمِ صِدْقِ الْمُؤْمِنِيْنَ وَقَايُدِ الْغُسِيِّ التحجيلين غبطة ألحي وعندة الغسلق الدشم الدَّعْظَيم - وَالْسَبَرِ الْوَسْحَيم صَلَوةً جَلْتُ عَنْ الدُّلِحَصُرِوَا نُعَسِدٌ - وَتَعَالَتُ عَنِ الدَّرُكِ وَالْحَدِّ-صَلَوْتُكَ التَّامُّةَ آلَّتِي لَا تَنْنَاحَى تَدُومُ بِدَوَامِم مُلَكِنَةُ الَّـذِ فِى لَا يُصَاحَى -كَمَّا يَلِينَ بِجُوْدِ حَرَمِينَ وحصرم جُودك يَاجَقَ دُيَا حَيِيْهُ وَسَلَّمُهُ تَسْلِمًا تُسَلِّمًا تُسَلِّمُنَا بِهِ مِنْ خُسِرُوْجٍ كَسَادٍ سِ

العشُدُورِ - بِنَفَعَاتِ بَرَكَاتِ - بِسُيمِ اللَّهِ الرَّحْلِ الرَّحْلِ الرَّحْلِ الرَّحْدِمِ -آلمُ نَشْرَحُ لَكَ صَدْدَ كَ وَتُعَلِّمُنَا بِهِ مِنْ ثُعَل آوُزَارِنَا رِبُحُودٍ غُفْرَانٍ وَوَضَعْنَا حَنُكَ وِزُرَكَ الَّذِي آنقَ مَنْ ظَهُرَك - وَتَرْفَعُنَا بِهِ عِنْدَكَ يَا رَبْعَ الدَّرَجَاتِ وَرَجَاتٍ وَرَفَعُنَالَكَ ذِحُولَكَ - وَتَسْتَخْنَا بَرُوَالْيِمِنَا وَالتَّسُلِمُ- بِسَكِنْنَةِ لَا حُولَ وَلَا قَوَّةً إِلَّهُ بِاللَّهِ الْعَلِّي العظيم- مُبَارِكًا بِبَرِكَاةِ تَبَارِكَ الَّهِ يُوكِيبِدِواللُّكُ وَهُوَ عَلَى كُلِّ نَسَدُمُ قَدِيرُ حَيْنِيرًا تَكَاثَرَ خَيْرُهُ. بِتَحِيْثِرِ لَهُمْ مَا يَشَاؤُنَ ذَلِكَ هُوَ ٱلْعَصْلُ ٱلْكَيْرُ وتراد ف برُه - بِمن يُد لهُمْ مَا يَشَا وُنَ فِيْهَا وَالدِّينَا مَسْ زِيْدٌ وَعَلَى آلِهِ تُسَسِرَةٍ شَجَسِرَةِ النَّبُوَّةِ- وَمَعُدِن سيستزالولاية ومنبتع عشين الغنوس شماع صَكَارِمِهِ ٱلْعَمِيمُنَةِ-ٱلْمُتَعَقِّقِينَ بِتَكَانِقِ ٱلْحُسلاقِيدِ العكليمة رواضعاب ضؤد تتمس صباح الاحشدا الَّهُ يُمَنِّةِ الْمُهُنَّذِينَ بِنُورِقَسَرِ الْهُدَى- صَلَّةً وَسَلَامًا يُسَيِّغَان ِ قَائِلَهُ مَا أَعْلَى الدَّرْجَاتِ بِخُسِلَة صَدْخَاصَّةِ آهُــلِ اللهِ أَلْعَرَّبِينَ - وَيُنْسِيلَانِ وَزُلْفَى آجَــلَ مَرّاتَبِ آوُلِيَاءِ اللهِ الْكُخْلَعِينَ يَمَنّ وَنُرِيْدُ آنُ نَهُنَّ عَلَى الَّذِينَ اسْتُضْعِفُوا فِي الْاَرْضِ وَتَجْعَلَهُمْ آيُمَتَ * تَبَعُقلَهُمُ أَلوَابِ ثِينَ فِي - اَكْتَاتَةِ الْعُلْبَاء وَأَلِغَايَةِ الْعُصُوَى - فَوْقَ عَسُرُشِ الْاِسْيَوَا-بِلَّرَاكُمُ

آنوَابِ تَمْكِينِ ايْلِكَالِوْمَ لَدَيْنَا مَكِينُ آمِينُ - يَارَبِ يَا اللهُ يَا بَاسِطُ يَا رَحِيمُ يَا وَدُوْدُ- آسْسُالُكَ عَوَاطِينِ الكريم وقوا يج الجؤد أقل حستراتيًا مِن كَنَّا يُعن ذُنُوْبِ وَجُوْدِنَا ٱلْمُظَلِمَةِ بِالْبُعْسِيدِ مِنْكَ وَاعْفِرُكَنَا بنؤر تنزيك وتغيشنا بصغاء ودك وطهرنا من حَدَثِ الْجَهُلِ مِالْعِيلُمِ الْإِلْمِينَ - وَأَنْعِفْنَا بِالْقُرُبِ الرَّبَّانِي وَالوَصْسِلِ الْتَعْنُوي - كَمِّن اصْطَفَيْتَ أَهُ حَتَّى أَحْبَبْتُهُ فَحُنْتَ تَمْعَهُ الَّذِي يَنْمَعُ بِهِ وَبَعْسَدَهُ الَّذِي يُنْعِيدُ بِهِ وَلِسَانَهُ الَّذِي يَنْظَنُ بِهِ وَتِدَةَ الَّتِيٰ يَبْظِشُ بِهَا وَرِجُلَهُ الَّتِيٰ يَمُشِيْ يبتا وَأَعْطِنَا مَالَاعَسِيْنُ رَأَتْ وَلاَ أُدُنُ سَمِعْتُ وَلِا خعَدَ عَلَى قَلُبِ بَشَهِ بِمَثَا آعُهُ دُتَ يُعِبَادِكَ العَسَّالِحِينَ- الْدَيْمَتَةِ ٱلْمَرْضِيبِينَ- أُولِي الْوَسْتَعَاحَةِ فِي الْكُسُسِتُوَى الْآزِحَى وَالْدُنْقِ الْمُهِدِينِ _ رَبَّنَاتَعَبَّلُ مِنَّا إِنَّكَ آنْتَ التَّمِينُعُ انعَيلِمُ - آللُهُمَّ إِنَّا مَسُكُالُكَ وَتَعْوَسُ لَا لِلْكَ بِعُبِكَ لِعَبِينِ لِكَ لَكَ وَبِهُ لُوِّهِ مِنْكَ وَبَدَيْتِكَ لَهُ وَبِالسَّبَبِ الَّذِي بَيْنَكَ وَبَيْتُهُ آن تُعَسَيِّى وَشُسَيِّعَ عَلَيْهِ وَعَلَى آلِهِ وَصَحْبِهِ صَسَلاً ءُ وسسكومًا خَصَّفْتَهُ بِهِمَا لِغُصُومِيتِيهِ بِمَا اسْتَاتَرُتَ تهُ عِنْدَكَ فِي عَالَمِ الْغَيْبِ وَالشَّهَادَةِ لِيُخَاطَبُتِكَ إيَّاءُ بِقُولِكَ مَاخَلَفْتُ خَلْقاً آحَبُ وَلَا آحَتُ مَكَانًا

مِنْكَ دَآيَهِ اُلوَسِينُكَةَ وَالْعَفِينُكَةَ وَالشَّوْتِ الْكُوعَلَى وَالدَّرَجَةَ السَّرَائِيَّةَ وَالْبَعْثُهُ الْنَقَامَ الْمَحْسَمُوْدَ الذي وعددته كاأشحتم الترجين كاتب أتعالين -يَا ذَلْهُ يَا سَبِرُ يَا لَظِيفُ كَا كَانِي يَا حَفِينُظُ كَا وَاسِعَ العطاء ومُسْبِعَ النِّعم نَسْنَالُكِ بِنُوْبِ وَجُهِكَ الْعَلِيمُ-السُبَرَّةَ الْجَامِعَةَ مِنْ نُورِكَمَالِ سَسِيِّدِنَا لَحُسَبَّدٍ صسكى اللهُ عَلَيْ وَسَلَّمَ مُعْسِطَفَ عِنَايَتِكَ آنُ تَعْيِدَ ذَاتُنَا بِذَاتِهِ ٱلْمُتَدَّسَةِ بِجَلَّوْلَيْكَ. وَتَنْعَقَّتَ صِغَاتُنَا بِصِغَاتِ الْمُشْرِفَةِ بِمَحَبَّتِكَ وَتَلَبَّدُ لَ آغَدَ قُنَا بِاخْدَيْ أَلْمُعَظَّمَة بِكِرَا مَيْكَ - فَيَسَكُونَ -عِوَضًا لَنَا عَنَّا فَنَحُمَّا حَيَّا حَدَا لَهُ الطَّيِّبَ وَالنَّقِيَّةِ وَنَهُونَ مِيسَتَهُ السَّوِيَّةَ الْمَرْمِنِيَّةُ- وَآنُ تَجْعَلَهُ فِي الْعَبْرِ تناسيستراجًا مُنيئِرًا وَبَهْ بَحَة - وَعِنْدَ الْلِعَاءِعُدَّةً وَبُرُهَانًا وَجُعَبَّةً - وَإَنْ يَحُشُرُنَا مَعَهُ فِي نُ مُسترتِيهِ -مَعَ كَالِهِ وَخَاصَيْهِ - مُنَ بَنِيْنَ بِنِيْتَ وَيُمَانِ وَالَّذِيْنَ آمَنُوْمَعَهُ نُوْرُهُ هُهُ يَسُعَى بَيْنَ آيُدِيْمِهُ وَبِايُمَايِهِمُ يَعُوُلُونَ سَبِّنَا آخَيِمُ لَنَا نُوْمُنَاوَاخَفِرُلِنَا إِنَّكَ عَسَلَى كُلِّ شَنَّى تَدِيرٌ فِي مَوْجَبِ الْعِيزِيعِ الْعِيزِيعِ الْعِيزِيعِ الْعِيزِيعِ الْعِيزِيمِ السُّعَادَةِ عَلَى السَّعَادَةِ عَلَى السُّعَادَةِ عَلَى السَّعَادَةِ عَلَى السَّعَادَةُ عَلَى السَّعَادُ عَلَى السّعَادُ عَلَى السَّعَادُ عَلَى السَعْمَادُ عَلَى السَّعَادُ عَلَى السَّعَادُ عَلَى السَعْمَاد مَ سُولُ اللهِ وَالسَّذِينَ مَعَهُ آشِدًا أَعْسَلَى الْحُقَّارِرُحَاءُ بَيْنَهُمْ تَرَاحُهُمْ وَكُفَّاسُجَّدُ آيَنِنَعُونَ-

مَعْشُلاً مِنَ اللهِ وَمِ مَنْوَانًا سِيْمَاهُمْ فِي وَجُوْهِ مِنْ مِنْ الشَّوْرَاةِ وَمَثَلُهُمْ فِي التَّوْرَاةِ وَمَثَلُهُمْ فِي الْوَثِيمِ الْوَثِيمِ الْوَثِيمِ الْوَثِيمِ الْوُرْرَاعَ لِيَغِظَ بِهِمُ الْمُنْ اللهُ ال

الترك نام سے شروع جورھ فوانے وال ، مهربان ہے۔ ترجمه برير دُسولِ پاک اس پرايان لاچڪے اجوان کے پالنے والے کی طرف سنه ان برنازل فرما يأكيا- اورتما مسلما ن بحي ، سب اللير، اس کے فرشتوں اس کی کتا بوں اور اس کے رسولول پرایما ن لاستے۔کہم انٹرکےکسی دُسول پرایما ن لاستے میں فرق نہیں کرستے۔ ادرأنهول نے کہا، ہم نے مُنا اور مانا۔ اللی تھے سے خشش جائے میں اور تیری ہی طرف بلنا ہے۔ انترج کو بھی تکیف دیا ہے۔ اس کی طاقعت سے مطابق ہی دیتا ہے۔ جوکسی نے پی کے سوالینے یلے، اورچوکوئی بُرائی کما شے سوائس کا انجام اسی پر، لے بارے ياكن والع الرم سعبول وكرسطة تمين فينا اواسه ما رساليك واسك المم يراس طرح بوجع نروالنا بيسي تؤسف م سيهلول بروالا-لسے بھارسے پالنے والے ! اور ہم سے نرائھوانا وہ جس کی ہم میں طاقت میں اور ہم کومعاف فرما دے اور ہم کو بخش دے۔

اورہم پر رحم فرما دے - توہی ہمارا آقاسے - توکا فروں کے مقابلہ میں ہاری مدد فرما - لیے غالب دخدا) ایسا ہی کرو- ہمیں اور ہمارے متعلقین کو تکلیف مینجی ہے، اور ہم کھوٹی یو مجی لائے ہیں. سوتو مم كوپورا پوراناب دے - اور مم پرصد قد فرا! بنتك الشرصة وكرف والول كوجزا ئے خيرويا كے اور وہى تو سے جس نے اپنا رسول ہدایت اور دین حق کے ساتھ بھیجا ہاکہ اسے دنیا کے ہرنظام زندگی برغالب کردے۔ اور اس کی گواہی کے يك المتركا في سب - اللي إ درودوسلام بي إ اور تحفد وا نعام عنايت فرما-اورعطا فرمااورعزت افزاكي فرما اادراينا بهئت اوربرا دروداوم كمل سلام نازل فرما إايسا ورود وسلام جوذات باطن كى حقيقت كے أفق سے، ان برنازل ہو۔ جوتيرے اسم أو صفات کے مظاہر کا مرکزی اسمان ہے۔ اور یہ درو وسسلام عارفین کے بدرة المنتهی سے بیندہو تے ہوتے توربین کے مركز عبلال مكب بينع جائيس بهارك ومولا محترير، جوتير يبني نیں اور رسول ہیں۔جوعلما ئے زبان کاعلم ویقین ، اور شیخ مُلفا کا عیرالیقین اور معرز زبیوں سے حق الیقین ملی بین سے انوار طلال عیرالیقین اور معرز زبیوں سے حق الیقین ملی بین سے انوار طلال میں اولوالعزم رُسولَ حیران ہو سے۔ اورجن کی حیقتوں سے معلق كرنے ميں بوك بر سے بول نے ان فرتستے مر كر دان رہے جن پر قران عظيم مين واضح عربى زبان مين بدارشا در امي نازل فرايا كيا-الشرسن يتينا برااصان فرمايا - ايمان والول بر،جب ان مين، انهی میں سے رسول مبخوت فرمایا جوان پراک کی ایسی برصنے

اوران كوباك كرتے اوران كوكتاب وحكمت كى تعلىم ديت مين اكرجهاس ستعيمتك وه كحلم كهلا كمرابي ميس شمصي الني أيناافضل تربن درُود ، اور کامل ترسلام ، اور محل تربر کتیں اور پاکیزه تر رحیتی این نازل فرما ، جو كامل تراور بالاتر نور بين اور يحكا ، روشن كمال مين كمالا النيرى تبحليات كامقام نزول دازما كي جال وكمال كيتارون کے گرنے کامو تع ہیں کجونطیت ہیں اچھی عا دات اور نو ہیول کے ساتھ نیک، سخی، شفقت فرما نے والے قرآن کو الس ارتباد کے مطابق يمجارے پانس وہ رسُول تشریفِ سے آئے جمہی میں مسے ہیں، تمعاری تکالیف ان برشاق گزرتی ہیں۔ ان توتمعاری بھلائی كى حرص سے اور ايمان والوں كے اتھنيق ومهر بإن ہيں الله كى رحمتين اورسندم اوربركتين اس كنشفقت، اس كي يحصح - اور بنخشش اور رضامندي بهار سيأقا دمولي محمر مر، جواوّل وآخر مين ظاہر دباطن ہیں جو خکا دا دعرّت والے ہیں۔ خدا کے بڑرگ نے ا ب كورز كى دى - فدائے ياك كى عظمت سے جوياك سے -مُبِحان التُركيبيحول سے جوالحداللّٰہ كی تعربیت سے تعربیت كن كف من جولة إلَّة إلدَّ الله كي توجيد سي يجمَّا إس جوالدُّ اكبر كمينارك منتزدين ولدحول ولدقوة ولأباللوى نبر سے رہائی دانٹروا کے ہیں ایسا درو دجو بعثال ہو بحس کی رفتنيا ل عيمار بُول جبكا وجود خدا في سخاوت كي خوست بوي سے ممک رہا ہو میسی فدائی سخاوت احمدی ہے میسی پاکیزہ راز محمدی ہے . کاتنات ظامری میں جب انترکوئی کام مراجا؟

توبس آننا فرما ما سبے کر ہوجا ،سو وُ ہ ہوجا ما ہے "جس کی ندعد ہو ىزانتاً ، ندمها فت مذخانمه - يه سے تيرا درُو دجو تو سنے صنور يرجيجا -ابني منشى كے ساتھ اور اسے پروردگار! درُود وسلام نازل فرما ابنے بندے اپنے نبی ورسول ہارے آ قامحتریر، جوایمان والے بكران - امين - واجب اطاعت دمطاع ، واضح حق كأنات کے کیے رحمت اہلِ ایمان کے کیے چائی کا قدم - چھے چیرل اور دمکتے ہاتھ یاؤں والول کے قائد جن برحق کونازاو مخلوق كواعمًا و سهے-اسم اعظم-نيك تر، مهربان تربيس-ايسا درُود جو اعداد وشمار سے بڑھ کراہو- حدُود وقیود سے بالاتر ہو-اینامکل درُو دحِس کی حدنہ ہو جوتیری نختم ہو نے والی حکومت کے ساتھ سأتحد لافاني بو، جيساكه تيري جُوْدِكرم اوركرم جو د كے لائق بو-المصرر مستحى، المساكريم اورخوسب خوسسلام نازل فرما السا سلام جس سے توہم کوسینوں کے دسوسوں کسے جا لے مہمانتہ الرحن الرحم بیری ان برکتوں کے جونکوں کا صد قد بجیا ہم سے تمہارے یا ہے تعمار اسیدنہ کھول نہیں دیا ؟ اور توہم کو ہمارے كنابول كے بوجول سے مختاراد سے اپنی بخش وكرم سے اور ہم نے تم سے وہ بُوجھ أمّار دیا جس نے تماری مرتور و کی تمیں۔ اور اسے درجے بند فرمانے واسے ! اینے مال ہمارسے درجے بلند فرما الإ اوريم في مجون تمهار السي المي تمهارا وكربلند كرويا يُاور بمين سيم ورضاكي جاور اورها و ك لا تحول ولا تُحوَّة إلَّا بالله أنعيليّ العَيْلِيْمِ " كيكون سه وسمين نراني سه بيحظ كي كا

ہے نہی کرنے کی طاقب ہے، مرانٹر کی مدد سے جوملند تراور برتسرهه الاايها درُو د وسلام جصي بركت على بهوتيرسه اس فرمان سي بڑا بابرکت ہے جس کے ہاتھ میں با دشاہی ہے، اور وُہ جو جا ہے كرسك يزياده درود وسلام جس كى تجلائى زيا ده بهو تيرسه اس فران سے كر الهُم مَّا يشَّادُن ذيك هوالغضل الكير؟ ان کے یا وہ سب کھے ہوگاجو دہ چاہیں کے اور میں برافضل ۔ ادرجس کی معلائی تیرے اس فرمان سے برابر ہو کہ ان سے بیاے اس دجنت این وه سب بچه بوگا جس کی انهیں خواہش ہو گی اور ہار یا اسل در بھی بہت کھے ہے ؟ اور حضور کی آل پرجو نبوت سے درخت كالميل ہيں . اور ولايت كے رازكى كان سے . اورجوانمردى كے بطنف كامنيع سے أب كى عام خوبيُوں كے أسمان كامل ہے جو جوحن و محفلق عظیم کی حقیقتول کے متصعب ہے۔ اور صنور کیے صحابہ کوام برج مبع بایت کی روشنی کے سورج ہیں برایت کے چاندے ہابت یا نے والے الیا درُو دوسلام جریوسے ^{وا}لے كواعلى ترين درجات بمسينجائي الشركے خاص مقرب بندو رسمے خلوص كا صدقدا ورانتركے مخلص وليوں كے اعلىٰ درجوں كے تربيب كرد سے اس احمان كا صد قديم في اراده كياكدان وگوں براحسان کریں جن کو زمین میں دبا دیا گیا تھا ۔ اور ان کوام وقائد) اور أنهي كو درنين كل وارث بنائيس يمتعام مبندسي و اور آخری عدمیں استوا (غلب) سے عراش سے اوپر عزت واقتدار محترب شانوار محصد قد سے كدفرا يا " بے تنك آج سے تو

ہارے ہاں عزت وا مانت کامستی ہے ؛ اے پرورد گار الے اللہ اے کتناد کی فرما نے والے ااے جم دمجتت فرمانے والے ایس تبجه يسيسوال مرتابون نرول فضل وكرم كابهاري لغرشين معاف وما دے۔ بعنی ہمارے تاریک وجود کے گئا ہوں کا گرد وغبار مسا كرد _ بوتىرى دُورى كى وجرسى بيدا ہوگيا سے اور اپنے نورقربت سيمين خش دے اور اپنی صاف مشتمری مختت کا ہم پر انعام فرما دے اورہم کوجالت کی گندگی سے ،علم اللی سے ورنعه پاک کر د سے اور ہم کو قرب ربانی اور وصل معنوی عطافرا. اس ا دمی کی طرح جسے تو کے نیے کئی لیاریها ن کمس کدا مسے ایناموں بنالیا یجفرتوہی اس کا کان بن گیاجی سے ودسنتا ہے اور اکس كى انكھي سے وہ ديختا ہے اوراس كى زبان جس سے وہ بولنا ہے اوراس کا ہاتھ جس سے وہ پڑتا ہے اورانس کا یا وُل جس وہ چلتا ہے۔ اور ہم کو وہ وسے چکسی آنکھ سنے نہ دیجھا ہو، کسی کان نے سنانہ ہواورکسی انسان سے دل میں کھٹکانہ ہو۔ جو تو سنے اپنے نیک بندوں کے لیے اور لیسندیدہ اماموں سے لیے تیار كردكا ہے جو ہرميدان عمل ميں اشتقامت كيي يوبي اللي ہم سے قبول فرما، بنت اور ی سننے جاننے والا ہے۔اللی ا بهاراآب يسيسوال بداوريم تيرى طرف وسيله يوسيقيل يس مجتت كابو تحے اینے مبیب سے ہے اور جوتیرے مبیب كو تبھے سے اوراس قرب کا جوالی کو بھے سے اورائسن ورب كاجو سجے ان سے سے ادراس تعلق كاج تيرے اورتيرے

مجوب میں ہے کران پراوران کی ال اور صحابہ کرام پروہ درودوسلام نازل فرماجن سے تو سے صنور کوخاص فرمایا اس وجر سے کر تونے سركاركواين صنورم ردوس يرترج دى . باطني وظامري ونيا میں دعالم الغیب والسما وہ الا تو نے سرکار سے فرمایا کرمین كوفى مخلوق تبجه سے برا هدكر عزت والى ، اور تجه سے زیا وہ مجبوب يبدانهيس كى اور صنو كومقام وسيلدا ورفضيلت عطا فرا وبشي بزركى اور لمبند مرتبه اوران كواكس متام برفائز فرما ،جهال سارى مخلوق ان کی تعربین و توصیعت کرے ، جن کو نے ان سے دعثر فرمایا ہے۔اسے سب سے بڑھ کورج فرمانے وا لے اِلسے مام جهاتوں کے یا لئے والے إلى الله السيملائی والے السيكف فوانے والے ؛ اسے کفایت فرمانے والے ؛ اسے خافلت فرمانے واله إلى كيرع عطا واله إمبت نعموں والے إتيرى وا منور کا صدقہ بھے سے سوال ہے، تیری ذات ہوجیب سے پاک ہے اور نور کمال سیدنام تحرم مصطفے صلی اللہ علیہ وسلم سے جامع ہے دسوال تيري عنايت كاسے كر تو بهارى ذات كوالين جلال كا صدقه احنوری داشت سے تخریر دسے ، اور اپنی مخبت کاصدفدا ہاری صفات کو حفوظ کی پاکیزہ صفات کے نگ میں رنگ ہے۔ اودا پسنے کرم سے ہارے اخلاق کوحضور کے اخلاق عظیمہسے بدل دسے - يہ بها را معا وصد بوجا ئے كر بم صنوكى حيات طيب كاسي ستمرى زندكى بسركرين اورصا ف فيتحرى عمدٌ موت مرين اور قبر می صنوکا وجو د ممبارک ہما رے یا روشن جراغ اور باث

مُسترت ہو۔ اورمینی کے وقت ہاری یُوجی، برہان اورصحبت ہو۔ ا درہم صنوم کے گروہ میں، آب کی آل اورخواص کے ساتھ المحین زینت ايمان سے مزين اور وہ جو حنور برايمان لا شے ان كا توران ا كے اسكاور دائيں جينا ہوگا كيس كے ليے ہارے يا كے والي، بهارس يلي بهارا تؤمهمل فرا وسه اوريمين بخشوس بي تنك توكهرها ب يرقا در ب "عِزت كيمقام برنيك بخت داہنوں کے لیے جوکل عادت مندہوں سے میخترانند کے رسول میں اورجاب کے ساتھ میں اکا فرول پر بڑے سخت ، آبس میں بڑسے نرم جم ان کو دیجھو کے رکوع وسجومیں الله كا فضل اورائس كى رضاطلب كرستے ہؤ سے ان سے چٹرل پرسجدوں سے نشان ہی ان کی علامت ہے ان کی میمی مثال توانت میں بیان کی گئی سہے اور ان کی جومثال انجیل میں بیان ہوئی ہے۔ كىيتى جس سنے دبنی انگر کئ نكالی - بيمراس كوطاقت دى بيمرده مضبوط ہوئی بھر لینے شنے پرسیدھی کھٹری ہوگئی کسان کو خوش كرتى سيستاكدان سے كافروں كا دل جلے اللہ أن ميں سے جوایان واسے اور ا پھے کام کرنے واسلے بی ان سے خشق اوربط اجركاوعده فرمايا بهديتمارا يرورد كاريك بدعز والایروردگار، اس سے جویہ دمشکریں) بیا ن کر شے میں دسولول پرسلام ہوا ورائٹریروردگارعالم کے یاسب تعربین " يه نين وأرود تربيب كما يسمسكك الحنفام، مين ذكر كي سك مين ا ورمصنف كاكهنا بهديد في الدالغباس احمد بن مُوسى مسرع عُوقى قادر

کادرُود تربیت سے النوان کی برکتوں سے بمیں فائدہ دے۔ یہ کے درود تربیت کا نام ہے "دسبیلة الطالب لنیل المطالب و تحف العارف تی العسلوء علی النبی العصویم المروک الرحسیم" مسلی الله علیه و تسسیله النبی العصویم المروک الرحسیم" مسلی الله علیه و تسسیلو۔

دوسرے کانام ہے۔ الفتوحات القدسية والمواهب العافية نى المصلاة والسلام على ستيدنا محتد خيرالبرية " صلى الله على ستيدنا محتد خيرالبرية " صلى الله على يا الله على الله

تيسرے كانام ہے بي الدردالانور واليا قوت الابھو بن العسلاء والسيادم على ستيدنا لمحستد نور الله الان هري ملى الله عليه وسلم -

شیخ ابوالعبانس مذکور کے دلو درُو د تُر بِین بُمبَرِیِین اور چیپن اس کتاب میں گزرچکے ہیں کاتب کی علطی سے یہ تبینوں درُو د تشریعِین و ہاں نہ نکھے جاسکے۔ مماب شائع ہونے کے بعد پہتہ چیلا۔ اس سیلے ہم نے ان کو یہاں لکھ دیا۔ خیر اس میں کوئی حرج نہیں۔

ألتى وال دُرُ و دِنْ لِفِ

اَللَّهُ مَّ صَلَّ عَسَى سَسَيْدِ السَّادَاتِ - وَمُسَوَّدِ الْوِرَادَاتِ . فَمُسَوَّدِ الْوِرَادَاتِ . فَمُسَمَّدٍ حَبِيْبِكَ أَلْسُكَرَّمِ بِالْكَرِّمَاتِ - وَأَلْوَبَدِ بِالنَّمْرِ مُحْسَمَةٍ حَبِيْبِكَ أَلْسُكَرَّمِ بِالْكَرِّمَاتِ - وَالْوَبِي النَّمْرِ اللَّا عِلَى وَالتَّوْرِ الْبَاعِلِي وَالتَّعَادَ الْدِي النَّعَسِيرَ الظَّاحِبِ وَالتَّوْرِ الْبَاعِلِي وَالتَّعَلِيمِ الْعَضَرَاتِ - صَاحِبِ الْعَسْدِالَذِي الْعَامِمِ الْعَصْدِاتِي وَصَاحِبِ الْعَسْدِالَذِي

هُ وَمُغْتَاحُ أَتُغَالِ أَلاَ غُطِيتِ إلاِلْهِ يَاتِ - الْوَقَالِ فِي الإنجبًا وِ وَالْوَجُوْدِ وَ مَنْ بِهِ خَتْمَ اللَّهُ النَّبُوَّةَ وَالرِّسَالَةَ نؤب عَنْ العِنَايَاتِ وَسَسِيِّدِ آهُلِ الْآرُضِ وَالتَّمَوَا -الفتاج يكل شاهد حضرة المتناحد والكمالات اتّذى أسُدرى يجتمِه الشّريُف ورُوحِب لِي اُلاَقْدَيْنِ الْعَالِيُ إِلَى آعْسِلَى الْمَعَامَاتِ-وَخَاطَبَهُ رَبُهُ وَاحْدَمَهُ بِالتَّعِيَّاتِ النُّوْرِ الْوَكْمَلِ وَالسِّمَاجِ ١ ُ كُنْسِيْرِ الْدَنْ حَدِ القَائِسِ حِرِيكَالِ الْعُبُودِيَّتِ فِي حَمْدُ رَبِي الْمُعَبُودِ مَعَ الْعِبَادَاتِ - مَسَلَّى اللَّهُ وَسَلَّمَ عَكَيْسِهِ وَعَلَى آلِهِ وَ آصْعَامِهِ ٱلَّذِيْنَ مَنِ اثْعَتَدَى إلى الله وصسارين آغل انعِدايَاتِ-صسكة تُحَوَ ستسادمًا لَا يَبْلُغُ كَصْرَعَدَ دِيهِمَا آهُلُ الْوَرْضِ وَالتَّمَوَاتِ - اَللَّهُمَّ صَلِ وَسَلِمْ وَبَاسِ لُ عَسَلَى اُلتَّتِ وَالْاَعْظِيمِ مُحَسَّمَةٍ الْحَبِيْبِ الشَّغِيْبِ الستبرّ الرُّون الرّحيم الصّادِق الدّمين السّايق إِلَى الْعَنْقِ نُورُهُ - وَالسَّاحَةِ وَإِلَّ الْعَالِمِ ظُهُونُ الْحَالِمِ ظُهُونُ الْحَالِمِ ظُهُونُ الْحَالِمِ ظُهُونُ الْحَالِمِ ظُهُونُ الْحَالِمِ ظُهُونُ الْحَالِمِ طُهُونُ الْحَالِمِ الْحَالِمِ طَلْهُونُ الْحَالِمِ الْحَالَمِ الْحَالِمِ الْحَالِمِ الْحَالِمِ الْحَلْمُ الْحَالِمِ الْحَالِمِ الْحَالِمِ الْحَالِمِ الْحَالِمِ الْحَالَمِ الْحَالِمِ الْحَلْمُ الْحَالِمِ الْحَالِمِ الْحَالِمِ الْحَالِمِ الْحَالِمِ الْحَالَمِ الْحَالِمُ الْحَالِمُ الْحَلْمُ الْحَالِمُ الْحَلْمُ الْحَالِمِ الْحَلْمُ الْحَلْمُ الْحَلْمُ الْحَلْمُ الْحَلْمُ الْحَلْمِ الْحَلْمُ الْحَلِمُ الْحَلْمُ الْحُلِمُ الْحَلْمُ الْحَلِمُ الْحَلْمُ الْح سَعِدَ مِنْهُمُ وَمِنْ شَفِيَ - مَسَلَة ةٌ تَسْتَغُسِرِقُ العَدَدُ وَتَحِينُ بِالْحَدِ - صَدَةً لَا عَايَدُ لَهَ الْعَا وَلَا اِنْيْهَاءِ- ولا آمَّدَ تَهَا وَلَا ٱنْيَعْنَاءَ- صَلَاتَكِ الَّذِي صَلَيْتَ عَلَيْهِ صَلَامً وَالْمُعَةُ بِدَقَامِكَ بَايْتِ

بِلْقَايُكَ لَامُنْتُهِى لَهَا دُوْنَ عِلْمِكَ وَعَلَى آلِهِ وَصَعِيدِ كَذَيكَ - وَالْمُحَسِمُدُ لِلَّهِ عَلَى ذُلِكَ وَأَجِرُكَا رَبِّ خَسِفِى كُذَيكَ - وَالْمُحَسِمُدُ لِلَّهِ عَلَى ذُلِكَ وَأَجِرُكَا رَبِّ خَسِفِى نُطْفِكَ الْجَينُ لِ فِي آمْدِي وَالْمُسُلِينَ "

م اللي القا وُل كے اقاء مُرادوں كى مُراد مُحَدّم درو د بھيج الينے مبیب پرجوعزتوں سے نوازے کئے جن کی مد دا درنیک بختیول سے مدد کی گئی۔ ظاہری راز، باطنی تور۔ تمام بارگاہول كوجمع كرنے والے الحروالے ، جوتمام معالاتِ الليہ كے پردوں کے تالوں کی بیا بی ہیں۔جواسیا دو وجود میں اول ہیں۔ جن کے ذرید ہے النٹر نے نبوت ورسالت کاسلساختم فرمایا یخابو كى أنحول كانور، زمين واسمان والول كيروار - باركا ومشاملت و كمالات سكے ہمشا ہ كرنے والے كے بيلے راستد كھولنے والے جن كوجبم بإك اور دُوح اقدلس كيساته اعلى مقامات كي سير كروائى كئى ين سے يروردگار نے كلام كيا اورسحا نف سنے نوازار نوراكمل اورهيخا ومحتاجراغ ،جواينه معبودكي باركاه مبس كامل عبادا بچالا سنے والے بیل التدتعالیٰ ان براور ان کی ال اور ان کے سی كرام بردرودوسلام بيعي بجن كى بيروى كرت والدا التركى راه يا سي اور بدايت ياسف والول ميں سے ہوسكتے ايسا درود و سلام جن کی تعداد کوزمین وا سلے نہاسکیں نداسانوں وا لے واللی ورُود وسلام اوربركت نازل فرما ، برسيه قامحد برج جبيب مين شغاعت فرانے واسلے میں بیک تر ہتفیق، مهر با ن بہت سے ا مانت دار ، جن كا نور مخلوق مين سب سه اول ہے جن كاظام

ہوناکائنات کے بیاے رحمت ہے تیری گزشتہ اور آئندہ مخلوق کی تعداد کے برابر بنیک بخت ہوں ایخواہ بدخت ایسا درود جو گئتی کی حدول کمت بہنے جائے اور حدود کا احاط کر ہے۔ ایسا درود جس کی حدوا تھائے ہو۔ نرگزت ، نہ اختتام بیرا وہ درود چر تو نے حضویر برجیجا ، ایسا درود جو تیر سے دوام سے ساتھ دائمی اور تیری بقا کے ساتھ باقی ہو۔ کرتیر سے علم میں جس کی انتہا نہو۔ اور آپ سے آل واصحاب برجی اسی طرح ۔ اس بر الشرکا مشکر اور اس کی تنا اور لے بروردگار! ابنا پوشیدہ نظف و کرم ہمیر معاملہ میں جبی اور تمام مسلمانوں سے معاملہ میں جبی جاری وساری فرما دسے "

اكياسي وال رو در تنوي

الله مسال على سيدنا محته الفضل خلق الله عدة ما هوكا مين في علم ما كان وعدة ما يكؤن وعدة ما هوكا مين في علم الله وسالان وعدة ما هوكا مين في علم الله وسالان الله وسالان الله وسيدنا ومن سيدنا ورسيله وحله عن سيدنا محت وعليه وحله على سيدنا محت وعليه وعليه وعليه وعليه افضل العرب والتنايم ورجمة الله وبركائه والتهم ما من الله وبركائه واللهم من الله عند الله من الله وبركائه واللهم من اللهم من الله وبركائه واللهم من الله وبركائه واللهم اللهم واللهم اللهم اللهم اللهم واللهم اللهم اللهم اللهم اللهم اللهم اللهم اللهم واللهم واللهم واللهم اللهم واللهم واللهم

عَنْ آصْحَابِ رَسُولِ اللهِ آجُمَعِيْنَ عَدَدَ مَا فِي عِلْمِ اللهِ صَلَة اللهِ عَلَمَة يَدَامِمُ مُلُكِ اللهِ وَضِعُمَت ذيك وَأَضْعَاتَ أَضْعَاتِ ذَيكَ - أَللَّهُمَّ صَلَّ على سَيِّدِنَا لَمُحَسَّبُهِ وَعَلَى آلِهِ وَصَحْبِهِ وَسَلِيمُ عَـدَة مَنْ صَـلَى عَلَيْهِ مِنْ آهُـلِ التَّمَوَاتِ وَآهُلِ الْدَسُنِ مِنْ أَدْلِ الدُّنْيَا إِلَى كِذِمْ الْقِسِبَ الْمَدِي وَآصَعَا فِهِمْ صَلَاةً تَذِيبُ وَتَدُونُمُ وَتَفَعُلُ صسلاة ألمُصَيِّينَ كَفَصْلِ اللهِ عَلَى خَلْقِهِ آجْمَعِينَ ـ اسے اللہ! ہار سے آقامحتریر، جوالٹرکی تمام مخلوق میں سے افضل میں، درُو دیمیج اجو ہوگیاس کی اور جو ہوگا اس کی تعدد كربابرا اورجوا فلركے علم ميں ہونے والا سے اس كے برابر الشركي رحمتين اوراس كاسلام ،اس كے قرشتوں ، نبيوں، رسولو الكاعرس اعما في الدوالول اورالس كى تمام مخلوق كا ورودوسلام بمارسية قامحترا ورأب كال واصحاب برافضل ورودوسام رحتیں اور برکتیں النی اہمارے آقامحتریر درو دیھیج جوتیرے بندسه، نبی اور رئسول میں جنبی اُمنی ہیں۔ اور ان کی آل واصحا يراورسلام ممى واورانتد تعالى ، رشول انتد صلى الترعليد وسلم كے تمام صحابر كرام سيداضي بو، ايني معلومات كي تعداد سيرابر ايسا درو وجوالندى وأتمي عومت كيساته دائمي بوااوراس سے چند درجند- اسے اللہ! بھارے آقامحقریر درود بھیج اور حضوركي آل واصحاب برا ورسلام بيميج إأنني تعدا د كے برابر

جوزمین واسمان والول نے بہلے دن سے قیامت کم بھجنا ہم۔
اور بھیجا ہے اوران سے دوگنا چوگنا اوراس سے دوگناچوگنا۔
ایسا در ود جو برطنا رہے بہمیشہ ہوا ور درو دیر طنے والول سے
درود سے اسی طرح بڑھ کر ہو جیسے الشرکی فضیلت اس کی
تمام مخلوق ہیں۔"

بياسي وال رُود ترنيف

الله حرص ل على ستيدة المحسقة العباد الدقة المن وسيد العباد وسيد الدوا المراهدين وسيد الاكاكين والساجين والساجين والماكين والساجين والساجين والماكين والساجين والعالين والعالين والعالين والعالين والعالين والعالين والعالين والعالين والعالين والماكين والمنه الماكين والمنتون والمنتون وسيد الانتون وسيد الانتون وسيد الانتون وسيد الانتون وسيد الماكة والمنتوين وسيد خل الله والمنتوين وسيد والمنتوين وسيد والمنتون والله والمنتون والمنتون والله والمنتون و

Marfat.com

كرنے والوں كے مروار ميں طواف و اعتماف كرنے والول

كے مدارييں - قيام كرسنے والول اور روز سے داروں سكے آقا میں۔طالبین و واصلین کے سرار میں بیکوں اور پر بہتر گاروں کے سردار ببیول اور رسولول کے سردار کمقرب فرشتوں کے اقا الشركى تمام مخلوق كيمروارمين الشرتعالي ال برورو و وسلام نازل فرما شق اوران كى آل اوران كى صحاب كرام ير،ان كى بیویوں اور سیرو کارول پر، اورمددگاروں اور کھروالوں پر حبب مك اعلى يقين ويحف اوركان في سنن ميمون بي

تراسى وال درُود ترلفي

آللهم صَلَّ عَلَى سَيِونَا لَمُحَسَمَّدٍ وَعَلَى آلِهِ وَصَحْبِهِ وسنتم حك أليسيخان ومُنتقى العيسكم ومَبْسكغ الرِّضًا وَعَدَة النِعَيمِ وَزِيَّةَ الْعَسِرُشِ -لألنى درُود بمعيج بهارسے آقامحَمّر براوران كى آل اورصحابہ بر، اورسلام دہمی ، میزان بجرا ورعلم کی انتہا کے برابر، اور رصنا سے برابر اور بالوں کی تعلاد سے کما بر اور عرض سے وزن

م المراكى والى ورود ترافيف الله من مسلة عنى سيدنا محسنة مسلة ع طَيِّبَتُ مُتَا رَكَة تُسَجِّنَ بِهَا قَلْنِي مِنْ طَلَبَ

الرِّزُقِ وَخَونِ الْخَلْقِ - صَسَلَى اللهُ عَلَيْكَ كَا مُ وَحَ حَسَدَ الكَوْنَيْنِ - حَسَدَة مَا كَانَ وَعَدَدَ مَا يَكُونُ لُ جَسَدِ الكَوْنَيْنِ - عَسَدَة مَا كَانَ وَعَدَدَ مَا يَكُونُ لُ وَالسَّلَ لَامُ عَلَيْكَ يَا نُوْرَ حَيَاةِ الدَّدَارَيْنِ - عَسَدَة مَا يَكُونُ لُ عَلَيْكَ يَا نُوْرَ حَيَاةِ الدَّدَارَيْنِ - عَسَدَة مَا يَكُونُ لُ كُ

النی بھارے آقامُحّر پر درود بھیج ایسا درُو و جوپاک ہواہرکت ترجمہ: والاجس سے میرے دِل کوسکوُن ہو۔ طلب ِ دنی سے ، مخلوتی کے ڈر سے۔ لیے و وجہان کے جہم کی دُو ج ، انشر ایپ پر درُود بھیج، جوہوا اور جوہوگا اس کی تعدا د سے برابر اور لیے و وجہان کی زندگی کی روشنی ! ایپ پرسلام ہو بچوہوا اور جوہوگا اس کی تعدا د سے برابر۔

ببيجاسي وال رُود نزلين

به جهای وال رو دنر لف

آللهم مسل وسترتم على ستيديًا مُحَستَه ومِلُ التَمَوّاتِ الشَّبْعِ - أَنلُهُمَّ صَلَ وَسَلِّعُ عَلَى سَيِّدِنَا لَمُعَمَّدِ عِلَ أَلَارَضِيْنَ السَّبْعِ- اَللَّهُمَّ صَلِّ وَسَلِّمُ عَلَى سَيِّدًا مُعَتَّدِمِنُ مَا بَيْنَهُمَا آللهُ مَ مَسَلِّ وَسَيِّمُ عَسَلَ سَيِّدِنَا مُحَسَّمَّدٍ عَدَدَ مَا آحُقَى كِنَا بُكَ-آنَتُهُ مَّ مت ل وستيم على ستيدنا لمحتمد عبدك و تَبِيرِت وَرَسُولِكَ النَّبِيِّ الْدُيِّيِّ وَعَلَى آلِهِ وَصَعْبِ إِ كُمَّا ذَكْرَكَ الذَّا حِيرُونَ وَعَفَلَ عَنُ ذِكْرِكَ الْعَافِلُونَ مِن آوَّلِ الدُّنْيَا إِلَى يَوْمِ الدَّيْنِ -اللي بهارسية الحقرير، سات اسانول كيرابر درُود وسلام بيعيد! الني إبهار سي قامحز برسات زمينول تح برابر درُو و وسلام بميج! اللي إبهار ما قامحتدير ان دونوں كے بيج والى ففنا كے برابردرو سلام بمیج ؛ النی ؛ بهار سے آقامتحتریران اعدا دوشهار سے برابر درُود وسلام بھیج اج تیری کتاب دقرآن یا لوح محفوظ میں محصين اللي أبهارك أقامحتر ليف بندك ليفني ادرليف ر مول مرد و ووسلام بهیج اجونبی اُحتی بین اور حنور کی ال اور صحابر كرام پرجب مبی و كركرنے والے تيرا ذكر كريل ورجب معی غافل تیرے ذکر سے خلت کریں ابتدا ئے آفرنیش سے

ك كرقيامت تك "

متاسى وال رُودِ فرنسرليب

الله وَمَعُهِدِ عَدَة النَّرَى البَرى وَالْوَرَى وَعَدَة النَّرَى البَرى وَالْوَرَى وَعَدَة النَّرَى البَرى وَالْوَرَى وَعَدَة النَّرَى البَرى وَالْوَرَى وَعَدَة مَا كَانَ وَمَا هُوكَائِنْ فِي عِلْمِ اللهِ إِلَى يَوْمُ النَّيَّةُ مَا كَانَ وَمَا عُوكَائِنْ فِي عِلْمِ اللهِ إِلَى يَوْمُ النَّيَّةُ اللهُ اللهِ اللهِ وَمَا عَلَى سَدِيدٍ وَعَلَى اللهِ وَمَعْدِ وَعَسَلَى اللهُ مَ مَلِي وَمَنْعِيهِ وَعَدَة وَالرِّمَا لِ ذَرَّة وَرَبَّ اللهُ مَ مَلِي وَمَنْعِيهِ وَعَدَى اللهِ وَمَنْعِيهِ وَعَدَة وَمَنْعِيهِ وَعَدَى اللهِ وَمَنْعِيهِ وَمَدَى اللهِ وَمَنْعِيهِ وَعَدَى اللهِ وَمَنْعِيهِ وَعَرَى مَنْ وَعَلَى اللهِ وَمَنْعِيهِ وَعَدَى اللهِ وَمَنْعِيهِ وَعَدَى اللهِ وَمَنْعِيهِ وَمَنْعِيهِ وَعَدَى اللهِ وَمَنْعِيهِ وَمَنْعِيهِ وَمَنْعِيهِ وَمَنْعُيهِ وَمَنْعِيهِ وَمَنْعِيهِ وَمَنْعِيهِ وَمَنْعُيهِ وَمَنْعُيهِ وَمَنْعُيهِ وَمَنْعُيهِ وَمِنْ وَمَنْعُيهِ وَمَنْعُيهِ وَمَنْعُيهُ وَمَنْ وَمَنْ وَمَنْ وَمَنْعُيهِ وَمَنْعُيهُ وَمَنْ وَمُنْ وَمُنْ وَمُنْ وَمُنْ وَمُنْ وَمُنْ وَمُنْ وَمُنْ وَمُنْعُيْهِ وَمُنْ وَمُنْ وَمُنْعُيهِ وَمُنْعُلِيهِ وَمُنْعُلِهُ وَمُنْ وَمُنْعُولُ وَمُنْ وَمُنْ وَمُنْ وَمُنْ وَمُنْ وَالْمُؤْمُ وَالْمُؤْمُ وَالْمُؤْمُ وَالْمُؤْمُ وَالْمُؤْمُ وَالْمُؤْمُ وَالْمُؤْمُ وَالْمُؤْمُ وَالْمُؤْمُ وَمُنْ وَالْمُؤْمُ وَالْمُؤْمُ وَالْمُؤْمُ وَالْمُؤْمُ وَالْمُؤْمُ وَالْمُؤْمُ وَالْعُلْمُ وَالْمُؤْمُ وَالْمُؤْمُ وَالْمُؤْمُ وَالْمُؤْمُ وَالْمُؤْمُ وَالْمُؤْمُ وَالْمُولُومُ وَالْمُؤْمُ وَالْمُ وَالْمُؤْمُ وَالْمُؤْمُ وَالْمُؤْمُ وَ

اللی ہمارے افام تحراور آپ کی اکل اور صحابہ کوام پر در و دوسلام بستہ ہم ہے ہم ہے ہوئے اور کا منات کی تعدا و سے برابر ، جو ہوئے اور جو ہوئے اور جو ہوگا اور تھیا ہو سے والا ہے اس کی تعدا و سے برابر ، اللی ا ہمار سے افام تھی اربیت سے ایک ایک ذر ہ مے بر سے افام تھر اور آپ کی ال واصحاب سے برابر ، اللی ا ہمار سے افام تھر اور آپ کی ال واصحاب برایک ایک ذر ہ سے بر سے لا کھول مرتبر درود وسلام ہمیں۔ پرایک ایک ذر ہ سے بر سے لا کھول مرتبر درود وسلام ہمیں۔

المفالى وال رود منزلفي

اَللَّهُمَّ صَلَّ عَلَى سَيِّدِنَا مُحَسَّدُ النَّوُدِ النَّوُدِ أَلِكَامِلِ

وَعَلَى سَبِيْدِ نَاجِبُولِلَ الْكُوَّةِ بِالنَّوْرِ رَسُولِ رَبِي الْعَالَيْنَ وَمَوْلِ رَبِي الْعَالَيْنَ وَ يَا قَرِيْدِ يَا بَجِيْدُ يَا سَمِيْعَ (الدُّعَا يالَطِينَا عِمَا يَسْنَاءُ - نَوِيرِ وَلَهُ مَ عَلَيْنَا قُلُوبُنَا وَقَبُوسَ نَا وَابْعَنَا مِنَا وَبَعَالِسَ نَا مِرْحُمَة مِنْكَ يَا اَرْحَمَ الرَّيْعِينُ -

النی ہارے آقامح ترفور کا مل پر در و دوسل م بیج اور ہارے سرار مرب العالمین کے رسول کے نور سے طاقت دی گئی۔ دیا جن کی کر دن میں مسول رب لعالمین کے نور کا طوق ڈالا کی ہے۔ دیا جن کی کر دن میں مسول رب لعالمین کے نور کا طوق ڈالا کی ہے ہوں اسے آبول فرانے والے ! لے دُعا سُننے والے ! اسے جس پر چارے والے ! البی ہم پر ہارے دل دوالے ! البی ہم پر ہارے دل دوشن فرادے ، اور ہاری قبریل ور ہاری انجھیں اور اپنی رحمت دل دوشن فرادے ، اور ہاری قبریل ور ہاری انجھیں اور اپنی رحمت سے ہم کو صابر بنا و سے ! اسے سب سے زیا دہ رحم فرانے والے !

تواسى وال درود تنزلف

الله مُمّ مَسَلِ عَلَى مُحَسَمَدٍ مَسَلَاةً لاَحِمَّةً بِنُوْرِهِ-اللهُمَّ مَسَلِ عَلَى سَيْدِيا مُحَسَمَّدٍ مَسَلَةً مَّ مَعُرُونَةً بِذِكْرِهِ مَسَلَ عَلَى سَيْدِيا مُحَسَمَّدٍ مَسَلَةً مَعُرُونَةً بِذِكْرِهِ وَمَدُّ حُورِهِ وَمَدُّ حُورِهِ وَمَنْ عَلَى سَيْدِيا مُحَسَمَّدٍ مَسَلَةً فَي سَيْدِيا مُعَرِّمَ مَسَلَ عَلَى سَيْدِيا مُعَرِّمَ مَسَلَةً عَلَى سَيْدِيا مُعَرِّمَ مَسَلَةً عَلَى سَيْدِيا مُعَرِّمَ مَسَلَةً عَلَى سَيْدِيا مُعَرِّمَ مَسَلَةً عَلَى سَيْدِيا مَسَلَةً فَي سَيْدِيا مَسَلَةً فَي سَيْدِيا مَسَلَةً فَي سَيْدِيا وَمَالَةً وَلِيا وَمَالَةً وَلِيا وَمَسَلَةً فِي عَلَى اللهُ وَمِي اللهُ وَلِيا وَمَالَةً وَلِيا وَمَسَلَةً فِي عَلَى اللهُ وَمِي اللهُ وَلِيا وَمَالَةً وَلِيا وَمَسَلَةً فِي عَلَى اللهُ وَمِي اللهُ وَلِيا وَمَالَةً وَلِيا وَمَسَلَةً فِي عَلَى اللهُ وَمِي اللهُ وَمِي اللهُ وَلِيا وَمَالَةً وَلِيا وَمَلَا مُنْ اللهُ وَمِي اللهُ وَمِي اللهُ وَمِي اللهُ وَلِيَا وَمَالَةً وَلِيا وَمَسَلَةً فِي عَلَى اللهُ وَمِي اللهُ وَمِي اللهُ وَمِي اللهُ وَاللهُ وَلِيا وَمَلَا عَلَى مَسَلَةً فَي اللهُ وَمِي اللهُ وَمِي اللهُ وَلِيَا وَمَلَا عَلَى مَنْ اللهُ وَمِي الْمُؤْمِدِينَ وَمُعْمُونِهُ وَمِي وَاللهُ وَلِيَا وَمَالُولُ وَاللهُ وَلِيَا وَمَالُولُ وَاللّهُ وَاللّهِ وَاللّهُ وَلِي الللّهُ وَاللّهُ وَ

الني إبها رساة فانحتريراليها درو دجيج إجراب كے نورسے ملاہوا ہو-اسے انٹر! ہارے آقامحدیرایسا درود بھیج! جوحنور کے ذکروندکور سے ملاہوا ہو۔ لے اللہ! ہارے اقامحدیردرو دہیج اجودوسرو كوكا مل ترنور سے مؤركر وے - الني بارے أقامحمريرا يسا ورُود بهيع إجواب كاسينه كحول وسياب كي خوشي كاسبب بواور درُو دميج إحنو كے تمام بھائيوں تعني ابنيا وا وليا ير، اليا درود

جوحنور کے نورا وراس کے ظہور سے برابرہو"

یه دس درُو د نشریعیت و ه بیرجن کوعلامه قسطلانی نے اپنی کتا بھسالک العنفاً میں ذکر کیا ہے اور ان کی نسبت کسی کی طرفٹ نیس کی-اور انہوں ته ان الفاظ مع متعلق الله مم صل وسية على سيديًا مُعَدَّد ميك ألسكم وت السيديد - الغ - الني ورُود بيج بهار الما محمد بيسات اسمانوں کے برابر- اخرتک ولا یک پیعن نیک دوگوں کا قول سے اور ان کی برى فضيدت بيان كى سے-اور آلكَهُم مسلّ وسكّ عسلّ عسل مستيديا مُعَسَسَمَةٍ النُّوْرِ الكَامِيلِ- اخْرَكُ العَاظ كَيْمَتُعَلَقَ فرا ياكر بعن علماً ني فرما یا ہے کہ یہ ورُو د تشریعیٹ اسٹوب جیٹم کے لیے بڑا مغید ہے اور نزع کی عیف اس سے اسان ہوجاتی ہے۔ اور اسی بناپر ابعض نیک دوگوں نے اس کا تجربہ کیا ج جیسا کر بعض بزرگوں کا قول سے معلوم ہوتا ہے۔

توسے وال رود ترکیب

ابن ابی مجله کا ، په طاعون سے بیخے کے یا مفید ہے۔ اَللَّهُمَّ صَدِلَ عَلَى لَيُحَتَّدُ مَسَلاءً تَعْضِمُنَا بِهَامِنَ الْاَحْوَالِ

وَاُلاَفَاتِ وَتُطَهِّرُ البِهَا مِنْ جَمِيْتِ السَّيَّاتِ اُ اللَّيُ مُولاً ورَحَمَدَ كَالَ بِرالِيها ورُود بَعِيج إجس كے ذريعے توسميں بولناكيو اورا فقول سے بچائے اورجس كے ذريعے توسميں تمام بُرائيوں سے پاک فرا دے ؟

ابن ابی عجلہ نے ابن طیب ببرو دسے تقل کیا کہ انہیں ایک نیک ا دمی نے بتا یا که نبی علیالسلام میریجرست در و دیوضنا، طاعون سے بیجا تا ہے وابن ابی حجله كتت بين من من يه بات يلے باندھ لى اور ميں ہروقت يہ برخ صنے لكا بمرفرا ياكرا يكسم تبهعلا قدمين جب كترت سي طاعون بيبل كياتو ایک بزرگ کوخواب پس نبی علیالسلام کی زیا رست ہوئی، انہوں نےصورتِ مال مكاركس منيان كي توصورند دعاير صفكا مخوايا اللهم إِنَّا نَعُونُ ذُمِكَ مِنِ الطَّعْنِي وَالطَّأَعُونِ وَعَظِيمُ الْسَكَدَّءِ فِي النَّعْسِ وَالْمَالِ حَالَدَهُ لِي وَأَلْوَلَدِ اللَّهُ أَحْبَرُ اللَّهُ أَكْبَرُ اللَّهُ أَكْبَرُ اللَّهُ أَكْبَرُ - ثين مرتبه واللي بهم آب ست طعن - طاعول اورجا ل ، مال ، ابل واولاد کی بڑی آ زماکش سے پنا و مانگتے ہیں) مِتَا نَحَبُ انْ وَ نَحِبُ ذِي - جس مِيزيت مم كوخوف ودُر سے مجمرين مرتب الله اكبر - عَدَدَدُنُوسَا حَسَى تَعْفِسدَ-بهارسے کنا ہوں سے برابر، میمان مک کہ تؤہم کوجش دسے ؛ محرثین مرتبداکبر ومسلى الله عسل محكر وآله وستمتم واورالتردرود وسلام يميم محمرا ورصنور كال مي") التداكرين مرتبر اللهم تسفّعت بيسك فينامهلتنا وعمر وتاينا منازكنا ف لأتُهلِك . بدكنويا كالرحم التاجيمين واسالمدا تونياني المراساند شينع بنا كرمجيجا بيم توكيف بهم كومهلت دى اور بهار سے گھر بم سے بسلت.

سوبهارے گنا بول سے سب بم کوبلاک نه فرمانا-اسیسب سے برھ کررج فرانسا-

اكيابوال درو درترليب ريدي خالد نقشبندي وشاييركا ريدي مي خالد نقشبندي وشاييركا

الله مَ مَسَلَ عَلَى سَيدِيَا مُحَسَدِ وَعَلَى اَلْ سَيدِيَا مُحَسَدُ وَعَلَى اَلِ سَيدِيَا مُحَسَدُ وَعَلَى الله سَيدِيَا مُحَسَدُ وَعَلَى الله سَيدِيَا مُحَسَدًا مُحْسَدًا مُحَسَدًا مُحَسَدًا مُحَسَدًا مُحَسَدًا مُحَسَدًا مُحَسَدًا مُحَسَدًا م

ترجمه: رالنی ایماری اقامحدا در بهارسا قامحدی ال پر در و دنیمی ا بربربیاری اور بربرد وای تعدا د سے برابرا و مایب پراور ان بر

بحرّت برکت اورسلام نازل فرا و ید در و در شریف بولانا عارف بالندسیّدی شیخ فالدسیّندی رصنی الندعنه ید در و در شریف بولانا عارف بالندسیّدی شیخ فالدسّندی رصنی الندعنه مجد د طریقه تقشیندی کا جے جوملک شام میں مدفون ہیں ۔ دعلا نے) دکرکیا ہے کہ یہ در و در شریف اب بھی طاعون سے بچاؤ کے یہ نے تریاقِ مُجرّب ہے اور ایپ کا فران ہے کہ زمانہ طاعون میں ہر فرض نما ز کے بعد لسے میں مرتبہ برفعا جائے اور اس خری مرتبہ برفعا جا نے والا لفظ کینیڈر گاکا دو مرتبہ کوار کرے یاور ان انفا خو برخم کرے وصلی و سینہ علی جیشے آلانیسیائی قدا لیا ان انفا خو برخم کرے وصلی و سینہ علی جیشے آلانیسیائی قدا لیا ان انفا خو برخم کرے وصلی و سینہ علی جیشے آلانیسیائی تا اور و رکودوسلام کی تا میں اور سب کی تمام کالورسب کے تمام صحاب کی تمام کالورسب کے تمام صحاب کی امرام پراورتمام تعربین انٹر ، پروردگارجمان کے یہے ۔

بانوال درود مشركفيت

ٱللَّهُمَّ مَسَلِ عَلَى سَيِّدِنَا مُحَسَمَّدٍ عَبُدِكَ وَبَيِيَّكَ وَسَيُولِكَ النَّبِيِّ ٱلْاُمِيِّ وَعَلَى آلِيهِ وَصَحْبِ وَسَسَلَّمَ تَسُيلُمَّا بِعَدْرِ عَظَمَةِ ذَا يَكَ فِي كُلِّ وَتُتِ وَجِينِ -الني بهارك أقام كمربر دروداورخوب سلام بيبج إجوتبرك بندك تيرك بي تيرك رئسول نبي أتي مين - اوران كي آل اوراصحاب برك ہروقت وآن اپنی عظمتِ ذات کی مقدار سے برابر ک يشخ عبدالله مارشى مغربى في اينى كماب كنوز الاسدرار في الصلوة -على النبى المختساس يمين ان القاظ كي فضيلت بين كهاست كرميرس ول مين ال تعاكديد درُود تشريعيث ايك لا كھ كے برابر ہے۔ بيں نے اس كی فضيلت پر اپنے ايك بمائى سے مذاكره كيا اور ميں نے اس سے كها كركها جاتا ہے ير درو د تر راب ایک لاکھ درو دول کے برابر ہے۔ تو وہ بولے کہ یہ کم ہے اور ہے اوبی ہے۔ كيونك تم في جوكها ابني ذات كي عظمت سي لحاظ سي كها اور الترسبان وتعالى كى ذات كى عظمت كى كوتى مدنهيں، للنذااكس ورو دنترليب برسلنے وال اجر و

ترانوال درود تركيب

اَللَّهُمَّ صَلَّ عَلَى سَيِّدِنَا لَمُ مَسَدِّدً عَلَى اَلِهِ صَلَا اللَّهُ مَنْ لَا اللَّهُ مَنْ لَا اللهِ مَسَلَا اللهِ مَسْلَا اللهِ مَسْلَدًا اللهُ مَسْلَدًا اللهِ مَا اللهِ مَسْلَدًا اللهِ مَسْلَدًا اللهِ مِسْلَدًا اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ مَسْلَدًا اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ مَسْلَدًا اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللّهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللّهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللّهُ اللهِ اللهِ

تواب انشأ الترب صدوصاب بوكابس مي نهيمي اسي ول كي طرف يجوع

كرليا اوراسي كومبتريايا - اوركو في تنكفيس كريه كامل ورودول ميس ا ي

الُدَّهُ خِينَةَ وَالشَّمُواتِ عَدَدَ مَا فِي عِلْمِكَ وَعَدَ دَ وَالشَّمُواتِ عَدَدَ مَا فِي عِلْمِكَ وَعَدَ دَ الشَّمُواتِ عَدَدَ مَا فِي عِلْمِكَ وَعَدَ ذَلِكَ بَحَلَ الْحَصَرَةِ وَالْعَالَ ذَلِكَ بَحَلَ الْحَصَرَةُ وَالْعَالَ حَرِوا ضَعَافَ ذَلِكَ النَّهُ عَينَ لَا يَعْمَدُ اللَّهِ عَينَ لَا يَعْمَدُ اللَّهُ عَينَ لَا عَلَى اللَّهُ عَينَ لَا يَعْمَدُ اللَّهُ عَينَ لَا عَلَى اللَّهُ عَلَيْ عَلَيْكُ وَعَلَى السَّعْمِ وَالْعَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ لَكُمْ عَلَى اللَّهُ عَلَى ال

اللی ہارے افامحراور آب کی ال برآنا درود بھیج جوز مینول مانول کاہم دزن ہوج تیرے علم میں ہے، اس کی تعلاد کے برابر-اور کرہ عالم کے ذرول کے برابر-اور اس سے کئی گنا ذیا دہ، بے نشک توستودہ بزرگ ہے؟

ا سے صاحب کنوزالاسرار نے ذکر کیا ہے اوراس کی فنیلت ہیں یہ بات تقل کی ہے کہ میر مے حتمد علیہ خص نے ہار سے بلیٹوا عیاشی یہ بات تقل کی ہے کہ میر مے حتمد علیہ خص نے ہار سے بلیٹوا عیاشی سے یہ افغا نظر تقل کئے ہیں کہ اس در و دختر لیون میں بڑا راز ہے اور بڑا اجر ہے ۔ جسے اور نظر این کر صنے کی توفیق د سے اس کوا کی نیکی ایک لاکھ سے میں در ایس کوا کی نیکی ایک لاکھ سے اس کوا کی نیکی ایک لاکھ سے میں در ہے اس کوا کی نیکی ایک لاکھ سے اس کوا کی نیکی ایک لاکھ سے اس کوا کی نیکی ایک لاکھ سے اس کوا کی ایک لاکھ سے اس کوا کی نیکی ایک لاکھ سے اس کوا کی ایک ایک لاکھ سے ایک کی نوفیق د سے اس کوا کی ایک لاکھ سے ایک کی نوفیق د سے اس کوا کی کی نوفیق دو سے اس کوا کی نوفیق دو نوفیق دو سے نوفیق دو نوفیق د

بهورانوال درود شركف

اللَّهُ مَالَ عَلَى اللَّهُ مَالِي عَلَى اللَّهُ مَالُودِ مِنَا الْمُعْلَدُ وَمَا اللَّهُ مَالُودُ وَمَا اللَّهُ مَالُودُ مِنْ اللَّهُ مَا اللَّهُ اللْمُ اللَّهُ اللْمُ اللَّهُ

أَهُلِ آمُ ضِكَ وَسَمَا يُكَ -

النی درُود بھیج ان پرجموجودات ہیں بزرگ ترہی، اور بیدا ہونے والوں ہیں افضل ترہیں اورخواص میں معزز تراور تودہ ہیں تیری فضلت مخلوق سے بمرواروں کے بمروار بین گوئیری تمام مخلوق برفضیلت مخلوق سے بمرواروں کے بمروار بین گوئیری تمام مخلوق برفضیلت ماصل ہے۔ ایسا درُو دجوان کے مقام مبندا ورشان والا کے مناب ہو بول اولیا اور مدد گاروں کو عام ہو النی ان بیویوں اولیا اور مدد گاروں کو عام ہو النی ان اور سی پرا ورا ورا بینے تمام ابنیا ورسل پر درُو د بیسے اا در زمرۃ ملاکہ اور ایسے برگزیرہ بندوں پر ایسا درُو دجس کی برکتیں تیری زمین اور سی استے برگزیرہ بندوں پر ایسا درو دجس کی برکتیں تیری زمین اور تیرے ایسانوں کے تمام اطاعت شعاروں کو عام ہوں 'ا

بهجانوال درود تركود تركوب بركمال درود تركيب شخار افضل لصلوت بين كوتيس بركمال درود تركيب شخار افضل لصلوت بين كوتيس

الله ممسل وسسية وتارك على سيدنا محسبة وتارك على سيدنا محسبة وتحداد المحسبة وتارك على سيدنا محسبة وتحداد المحسبة وتحداد الله ومركت الأخابة يحالك وعدا وراب كالمحدا وراب كال الله المربطين المال وراب كالمحداد والمرب كالمحداد والمربئ المربطين المربطين المربطين المربطين المربطين المربط المربط المربط كالمربط المربط المربط المربط المربط كالمربط المربط المربط كالمربط المربط المربط كالمربط المربط كالمربط المربط كالمربط المربط المربط كالمربط المربط المربط

كرت بوئ فراياريه فائده بار سے بزرگوارعياتني فيمين مطافرايا اورمين نے ان سے بیامن سے اسے قال کیا ہے جس کی عبارت یہ ہے۔ ستیری علی سموکی رضی الشرعندس مروى سي كرص نے يہ درو دمشريين ايک مرتب پيڪا اسے پائے لاکھ كرابرتواب مطي كاوريداس ك يلحبتم كربجاؤكا فديه بروكا اورا لتذكافنل وسيع ہے اورجوبات مشہور ہے اور پھیلی ہوئی ہے شیخ شریعیٹ حن ابوعبواللہ محدبن علي المعروف يدابن بسول دمنى التركيمتعلق وه ير ہے كدانهول نے خواب مير مصطفے صلى انترعليه وسلم كو ديكا اور صنور نے ان كويد مذكور و درُو و تشريين بتايا اوربيربات بمي صبح بسي كرامحفنوصلي الشرعبيروسلم نے فرطايا-یہ درود تر دون کس ہزار کے برابر ہے۔ نشیخ عارف مولانا عبرانشر ان علی طاہر حسنی رمنی المندعند فرماتے ہیں مجھے اس سلسلیمیں کھیٹسک گزرا بھیرمیں نے نواب بین بی اکرم صلی انترعلید و لم کو دیجها تومیں نے صنوسے مذکورہ تعال و مصمتعلق سوال كيا توصنون في وايا أيسابي بي بهار ب فيع عياشي في فوايا-میں نے اس ندکورہ ورو د شریف سے محت خواش خط تھی ہوئی پرعبارت ویکھی ہے۔ میں نے سینا شیخ الاسلام، خاتمة الاعلام مولانامحمدا بی بحرولا فی کو کہتے سُنا ہے۔ کہ بیایک ورووشریف دس ہزار کے برابرہے بدیات انہوں نے بالمشا فدفرما كى- اوربهارسے فتیخ امتنا ذمیرے آقام محدّ ابوعنا فی رمنی المترعند نے مجھ سے فرما یا تھاکہ برایک درود فتر بعیث چھ ہزار سے برابر سے بھرب داشا ذابوعنائی ، نے مولانا محدابو مجرولائی سے اس سسدسی بات کی توانهول في محرس فرط يانسين مين ف كهانها ايك درود شراي كس بزار محرابر ہے۔ اور بریمی فرما پاکر جس نے نبی صلی الشرعلیہ ویم میرید در و دسات شوتریہ بيجانوه واس كافديه بروجائ كابس التركيوس فضل يرميراتعب اور برهاكيا-

اوريد يمى فرط ياكراس كافائده عام بصاور يرجى كدايك بزاراكماليس كع برابراب ف مجے يرجى بتايا المتراس سے فائدہ دسے كر سُنعَانَ الله وَ يحدُقُ ايك بزار باريرصنا فديدسهم شفايسابى المم سيدى عبالرحن تعالبي رحمة التركي تفسيريس محما ديجا ب يركهاا وراين بأته س الحاالله ك بنده ناچيز محدين على البكرى نے اتبتكا ماه صغرمن فلال اور فقيه ما فط ابوعبدا كتُدسيدي محمد بن احمر القسطنطيني لحسني سے پوچاگیا کہ در و د مذکور کا جونواب سیدی محد بن علی بن زیسون اورسیدی محدين ابونجر دلا فىسنے بيان فرمايا ہے اس سے متعلق آبيك كيا خيال ہے ۽ توانو نے جواب میں فرما یا کریہ درُود نٹریھٹ ستر ہزار سے برابر ہے وکو کیا گیا ہے کہ يه صديث شيخ مقرى في وكركيا بي كسى اور في لس وكرنهيل كيا واسلسله مين معرسك بعض علماً سنفواسب مين نبي كريم صلى التله عليه وسلم كو ديجها توصنورسه اس روایت سےبار سے دریافت کیاتوا ہے۔ نے فرما یا مقری کے پیچ کہا ہے۔ لیکن اسم الكرامى كے بعد)النِّبِيّ الكايل كے نفظ برُصاكر "كنوزالامرار كي عبارت فتم ہوئي -مين في الله وروو تربي معنفل اين كما ب افضل العلويين ايك عظيم مر ذكركيا سبت ميں نے سيدى احمدالدردير كے درو د تربين كاشرح جوعار وشادى فيلحى ب كاحواله وين كع بعد الحا بكراس ورووثريف كانام كماليري ہے اور یہ بزرگ ترین الفاظیں سے ہے اور بیمتر میزار کے برابرے اور یہ مجى كماكيا سے كرايك لاكھ كے برابر سے اور امام المحدثين عبداللدين سالم بعرى كى نے شیخ كامل سالم بن احرشاع على كے حالات ميں ان كايہ تول نقل كيا ہے۔ جصين في ديما ب عبارت يرب يداس ورود تربي كانسبت خضرعالياد ک طرون ہے اورمشہور ہے کہ بیرم ص نسیان دیجول جانا ، کوائی کرتا ہے۔ مين ميه بات البين شيخ بيما جوقابل اعما دبين بنسخ ابوطا مربن ولى الله عارف

ملاابراسيم كوراني، مدني، شافعي سي شركربيان كرد ما بهول اور و ه ابومحمد شيخصن متونى سے اور وہ كتے بن كرمجھ ميرے شيخ على شباطسى نے خبردى جونا بيناتھ كرمين نماز جمعه سے يسلفتها بالتين خناجی دمصنعت نسيم الرياعن تشرح شفاللقامنی العياض كياس ماضروتا تماميرك يصايك كرسى لافى ما في محى مرمي بينهاكرتا تها اورعلامه شهاب الدين خناجي ميريدم منع بيضنا وراب أشكالا يو چھتے ميں ان محيجوا بات دينا اورجن كما بول ميں جوا بات ہوتے ان كا ذكر يمي سند کے ساتھ کر دیتا ۔ بھراسی طرح ائندہ جمعہ کے دن بھی رعلام خفاجی) کے مگھر ما صربوتے بجب ان سے سوال کیا گیا کو صنرت آپ ناپینا ہیں اور ختاجی کی م بحص صحیا ام میں دیجروہ آپ سے استفادہ کرتے ہیں ، فرمایا ہا ن خاجی مول جات بيل ورمين محولتانسين عرض كياكيا اس كاسبب و فرايا ميلا يك شرك وساتھی ، بیں اس سے ہماہ برابربرابر علم حاصل کرا تھا۔ اس اُنٹا بیں اس نے مجھے بتائے بغیر علم مل صال کردیا۔ مجھے بہت میلا تولیم شبت بریشا ن ہوا میں اپنے مُرشد کے ياس ما صريح الورانحين تمام بات بتا دى اورمطالبه كياكر مجھ بحى يوعلم بيطائيں. . انہوں نے فرمایا کرتم اسے محمل طور برحاصل نہیں کرسکتے کیونکواس کا تنبیہ دیکھ کو ہی ماصل ہوتا ہے اور تیری نظرین اس سےمیاد ل وط میں اور میں جان پریشان رہ گیا اور اس بریشانی کی وجہ سے میں نے دوون کک نے کھی کھایا نہیا ، ايك ا دى ميرك ياس اكر بينا اوركن لكاعلى اكوئى باستنس بين نه أسه ممام بات بتادى اس نے كها يعمر ندونيا كے لحاظ سے قابل تعرفيف ہے . ند دین کے الاسے، لنداس سے اپنی امیدی وابسترمت کرو۔ میں مجھے اس شرط ك ساته ايك فائده بينيانا جائبتا بول كراس سے لاتعلق بوجاؤ- اور وعده كروكراس كارا وه دل سے تكال دو كے بيں نے كما محے اس فائد سے

كانتيج بناؤ آكم مع معامره كرون تواس في محصنيان رمول) كفاتمرك يليج بناؤ آكم مع معامره كرون تواس في محصنيان رمول في كفاتم كالمسم معرب وعشاك درميان برهو، كولى تعارد معربين ورود تربين يرب - آلته مَ مِسَلِ على سَيد كالمحتمد قَ مَعرب مناية وكان يعايد كالمحتمد قَ الديمة الأيفاية وكان كالمحتمد والديمة الأيفاية وكان وعدة وكماله -

ر اللی بھارے آقامخترا ورصنوی آل پر در دد بھیج جیسا کرتیرے کمال کی مذہبیں اور صنور کے کمال کے بوامری

عبارت تمام حروف كي تختم بو في "فضل لصلوت" كي عبارت

جهيانوال درود مترلف

مىيدى زين الدين سربن بركس الخالدى

كَانَ صَدِدَةً مَيْوُنَةً زَكِيَّةً هَنِيًّا رَضِيَّةً مَبْسُوطَةً مُبَاحَكَةً مَسْرُنُوعَة مَرْضِيَّة حَلِيْلَة عَظِيمَة عَالِيَّة مَامِيَّة طَيِّبَةً طَاهِرَةً مَعْبُولَةً كَرِيْمَةً صَانِيتَةً صَلَاةً لَاغَايَثَهَ لها ولا إنتهاء ولا امتدتها ولا انفيناء حدّد من مل عَلَيْدِ وَمَنْ لَمُ يُعَلِّ عَلَيْهِ مِنْ آوَّلِ الدُّيَا الى يَوْمِ الدِّيْرِ وَرَضِيَ اللَّهُ عَنْ صَحَابَتِهِ آجَعِينَ آلَعَثَلَاءٌ وَالسَّلَامُ عَلَيْكَ يَاسَبِّدَ ٱلْمُنْ سَلِيْنَ وَالنَّبِيِّنَ آلصَّلَوَ ۗ كَالسَّلَامُ عَلَيْكَ يَا سَسْسِيَّدَ الْوَجَّلِيْنَ وَالدَّحْسِرِيْنَ المَشْلَدَةُ وَالسَّلَامُ عَلَيْكَ يَاخَبُرُ لُغَلِّي آجُمَعِيْنَ ٱلصَّلاَءُ وَالسَّلاَمُ عَلَيْكَ تاحبيب تب إنعالين العَلَدَةُ والسَّلَامُ عَلَيْكَ يَا حَنْ آرْسَلُهُ اللّٰهُ رَجِّعَةً يُلْعَالِمِينَ الْعَسَلَوَةُ وَالسَّلَامُ عَلَيْكِ يَامَنُ خَصَّهُ اللَّهُ بِالشَّفَاعَتِ الْعُظْنَى يَوْمَ الدِّينِ الصَّلَاةُ وَالسَّلامُ عَلِيْكَ يَا أَنْعَسَلَ عِبَادِ اللهِ ٱلسَّلَاءُ وَالسَّلَامُ عَلَيْكَ يَا آحْتُ مَ الْغَلْقِ عَلَى اللهِ اَلْعَ اللَّهِ وَالسَّلَا يَ وَالسَّلِهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّ حَلَيْكَ يَا سَيِدِنَا يَا مَدُولُ اللهِ ٱلعَثَاوَةُ وَالسَّلَامُ عَلَيْكَ وعسلى آيك وآصّعابيك وآزُدَاجك وَدُرِّيَيْكَ وَأَثْبَاعِكَ آجُمَونَ وَالْعَهُ دُيلُورَتِ إِنْعَالِينَ - اللَّهُمَّ صَلَّوسَكُمْ وَبَاسِ لَ عَلَى سَسِيِّدِيًّا فَحَدٍّ عَبُدِ كَ وَسَ مُنُولِكَ النَّبِيّ ٱلُه مِنْ السُّلُطَانِ الْكَامِلِ الْمُخْتَارِ النَّوْسِ الْمُبِينِ بَحْسِدٍ آنوايات ومغسووات رايان ويستان مجتنك وَعَنُ وُسِ مَمُلِكَتِكَ - وَخَفَرَايُنِ مَهُ حَنْكَ - وَإِمّا مِهِ مَعْدً

السُلَدِّ ذِبُمُشَاهَدَ يَكَ الْتُقَدَّمِ مِنْ نُوُرِضِيَ يُكَ ـ خُلَا صَبَ خَ صَّةٍ عَيْنِ آعُدَ نِ خَلَيْكَ-آنطاً هِـ رِالْعُلَقَ رِمِيْمِ الْعُرِثَةِ وَعَهِ الرَّحْدَةِ وَمِيمُ الْكُلْثِ وَدَالِ الدَّوَامِ السَيِّدِ الْكَامِلِ الْفَارِيحِ الْخَايْمِ نُوْرِالْوَثُواْرِ- وَمَعْدَنِ الْآسُدِ الْوَارِ- وَ سَبِيدِ الرَّبُرَابِ - وَصَاحِبِ النَّاجِ وَالْوَقَابِ - شَيَفْعِ أُمَّنِ لِي مِنَ النَّارِ- وَسَايُعَهِمُ لِدَ آبِ العَسْرَابِ صَدَوَةً دَيْمَتَةً بِدَوَامِكَ- بَاقِيَةً بِبَقَائِكَ وَاثِمَّا آسَدُ اللهِ عَلَيْ مَلْكِ اللهِ صَلَاةً تُرْضِيُكَ وَتُرْضِينَهُ وَتَرْضِينَهُ وَتَرْضَى بِهَاعَنَاصَ لَوَ يَكُنْعِدُنَا بِهَا سَعَادَةً لَا شَقَاوَةً بَعُدَهَا وَيُغْيِينُنَا بِهَا غِنَى لَافَاقَةً بَعْدَةُ مَسَلَوَةً تَحُلُّ بِعَاالْعُفَدَ وَتُعْرَجُ بِمَاانْكُرَتِ وَتُذَهِبْ بِهَا عَنَاكُلَّ حَبِيمَ وَخَيْمَ وَشُوءٍ وَحُسنُرِنِ صَلَرَةً تَرْفَعُ كَنَابِهَا الدَّتَ جَاتِ وَتَمْعُوالسَّيْسَاتِ وَتُضَاعِفُ المتسترت وكبيكغنابها آعلى المتامات يجواب ستيدنا مُعَسَمَّدٍ صَاحِبِ الْمُعْجِ زَاتِ صَلَّى اللهُ عَلَيْدِ وَسَلَّمَ لِنَعُود تِبِرَكْتِهِ بِكَذِيذِ أَلْمُتَاحَدَة وَأَلْمَنَاجَاةِ مَعَ الَّذِينَ آنعنت عَلِهُمْ مِنَ النَّبِيِّينَ وَالصَّدِّيقِينَ وَالسَّفَ كَامِ وَ الصَّالِحِينَ صَـــ لَوَةً تَمَرِيثُ دُوَّتَهُوُوتَا فَوْقُ وَتَعُلُو وَتَعُلُو وَتَسْمُو صَسَلَاةً كُلَّ مَنْ صَلَّى عَلَيْ مِسَلَّدَةً تُسْتَغُي قِ الْعَدَّ وتحيف ألعد كمتماذ كشوا المفايدون وغنل عن ويم بْعَافِئُونَ مَسَلَاتَكَ الْتَى صَلَيْتَ عَكَن مِسَلَاتَكُ الْرَعَالِيَةَ تعاولا بنيعا والآنتيا والأنتما والأنتما والتكاري

صَحْبِهِ كَذَيكَ وَالْحَسَمُ لِلَّهِ عَلَى ذَيكَ - اَللَّهُمْ بَيْعُهُ فِي تغنيده الزكينة الطاحدة وفئ أتكنيدوني آخل بثيني زني صَعَابَتِهِ فَوْقَ مَا يُوَمِّلُهُ مِنْكَ مِنْ فَضَيلاتَ الْعَظِيمُ بِفَضْيلاتَ الْعَظِيْمَ يَا كَذَا الْفَضُلِ الْعَظِيْمِ بِزِيَا دَاتِ كُلِّمَاتِ لَاَيُدُرِكُهَا اَحَدُدُ الزَّانَتَ وَلاَ يَطَّلِعُ عَلَيْهَا آحَدُ سِوَاكَ ﴿ يَعَلَمُهُا آحَدُ غَيُرُكَ وَلاَ يَعْدِرُ عَلَيْهَا آحَدُ لِلْآ ٱنْتَ تَبَارَكُتَ وَتَعَالِثَ يَاذَا الْجَلَدَلِ وَأُلْإِ حُدَايِم - اللَّهُمَّ إِنَّهُ بَكَّعُ السِّيسالَةَ وَأَذَّى الْأَمَانَةَ وَكَثَفَ الْغُمَّةَ وَنَصَحَ الْأُمَّةَ وَوَلَا الْمُكَّةَ وَوَكَالْبَرَكَةَ وآقامَ ٱلْعُجَّةَ وَآظُهَرَاللّهُ بِبَرَكَتِهِ النعَمةَ وَجَعَلَهُ عَيْنَ السَّحْمَة وَجَاهَدَ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ فِي سَيِدُاكَ لَا اَعْرَضَ وَلَا آدُبَرَ وَعِبَدَكَ حَتَى إِمَّاءُ الْيَعْيُنُ - اللَّهُمَّ آيد نيماية مّايسُ آلُهُ السَّايُلُوْنَ وَمَا يَسْ خَبُ بِهِ السَّاعِبُوْنَ آفضل وآظيب وآئري وآئمي وآغلي وآفوب وآكسل مَّا آعُظَيْتَ آحَدٌ مَنْ خَلْقِتَ آجَعِينَ وَآرُضَ عَنْ عَنْ عَنْ عَنْ عَنْ عَنْ عَنْ آجُعَينُ وَالتَّابِعِينَ لَهُمُ بِاحْسَانٍ إِلَى يَوْمِ الدِّيْنِ مُسُبَعَانَ تا يِكَ تابُ الْعِسزَّةِ عَمَّا يَعِيعُوْنَ وَسَسَلَا مُ عَلَى الْهُسَلِيْنَ وَالْعَسَمُدُ يِنْدِ رَبِّ الْعَالِمِينَ -ترجمه: اسے الله! ورویعی این بندے اور رسول اہارے آ فامحت نبی اتن بر. آب کال بر. آب سے سما بر بر آب کے برووں اور اولا پراور ایک م یا نیرد عنزت پر آب کے تمام معزز پیرکارول بر اور پینے تمام اعام ت گذرواں بر تابعین وجع مابعین برجمافیا

نیکی کے ساتھوان کی بیروی کرنے والے ہیں اورسلام وبرکت ،اور رهم وكرم ، مهر في وكرم نوازي فرطا ورايسا نطف وعنايت فرما ،جوتير د وام کے ساتھ دائمی ہو، جیسے تونے درود وسلام ، نطفت و کرم مہرنی و كرم نوازى فرما فى ابراهسيم اور ال ابرابيم بررتمام كائنات ميں بيتسك توستودہ بزرگ ہے جب کک ذکر کرنے والاتیرا ذکر کرتا ہے اور جب تک غافل تیرے ذکر سے خفلت برتنا رہے جو تیرے علم میں ہوگیا . یا ہونے والا ہے اس کے برابرابیا در و دجوبابرات ، صاف، بیندید، منقتل امُبَارک، بلن دمرّبه، جلیل القدر، عظیم، برتسر، ممکل ، صاف مُتمرًا مقبول بمريم ، صاحت بهو- اليسا درُودحب كى ابت را بهوند انتماً - ندمعيا و شاختمام جنول نے آب پر درو د پڑھا اور جنول نے نہ بڑھا - ابتدائے " فرمیش سے میام تیامت تک - ان سب کے برابر اور انڈر آپ کے تمام صحابه کوام سے راحنی ہو۔ درود وسسلام آب پر اے رسولوں اورببيول كي آقا - اور آب پرسلام ! استهدل ميلول مي سروار ! ورود وسلام آب براك سارى مخلوق سعبتر! درود وسلام آب بر الے بروردگارکائنات کے حبیب! درود دوسلام آب بر،اے وہ جن كوالتدفيتمام جهانول كے ليے رحمت بناكر جيجا - ورو و وسلام آب بر، لے وہ جن کوا منٹر نے قیامت کے دن تنفاعت عُظیٰ سے مخصوص فریا ورود وسلام آب براے اللہ کے بندوں میں افضل! ورود وسلام آب اسے افتدی بارگاه سین ساری مخلوق سے معترز تر! درودوسدام آب ير، ليهمارساقا إلى رئول الند ا درُود دسلام آب بر، آكي آل بر المب كصحاب بر، آك برويوں برا درا ولا دبر- ا وراب مربی بروكارو

سب ير . والحرلله رب العالمين وسب تعربيت الشررب لعالمين سے یے۔ اللی إ درو وسلام وبركت نازل فرط ، بارے آ قالینے بندے رسُول ، نبی اُمّی محسستدیر، جوشهنشا و کامل ، مُحنّار ، نورمبین میں بیر انوار کاسمندر، تیرے رازوں کی کان ، اورتیری خبت کی زیان بیں تیری مملکت کے دُولها ، اور تیری رحمت کا خزانہ ہیں، تیری بار کھ كامام اورتيرك مشابرة ذات سالذت حاصل كرنے والے بي تيك نوریر نور کاظهوراول تیری مخلوق کی دید دچیده ستیون میں سے خاص الخاص اورياك وصاحت ببير معزفت كاميم -رحمت كاحا- ملك كأميم اور دوام کی دال بیں استید کامل بیروہ عدم کوچاک کرنے والے سلسلینبوت کوختم کرنے والے اور توروں سے تورہیں ، ازوں کی كان بيكوكارون كليمروار ، "ماج و زقا ركي مالك ، أمنت كوالشرحبتم سے بیا نے والے سفارتنی ، دارِ کون کی طرف ان کے قائد ہیں ایسا در و وجوتیرے وام مےساتھ وائمی اورتیری بقا کےساتھ باتی ہواللہ ك يحومت ابدى كے ساتھ ساتھ وائمى ہو- اليا در و وج تيرى اوران کی مضاکا با عشت ہو، اورجس کے ذریعے توہم سے راحنی ہو- السا ورو جس سے ہم اسی سیک شختی یائیں جس سے بعد بدختی نہر، ایسا ور وحس سے ہم اسی غنا ماصل کریں جس سے بعد محتاجی نہ ہد- ایسا ور ووجس ے گرہیں کھلیں مُشکلیں صل ہوں اورہم سے ہرطرے کا رمیج والم دور ہو، ایسا درووس سے درج بلند ہول ، برائیا ل حتم ہول ، نیکیا ل جو ا درہم کو اعلیٰ مقامات پرمینیائے بستیدنا محقرصا حدیثیم است صلی اندعلیہ وسلم سے قربیب ، کاکہ ہم آئی برکمت سے مشام ہرہ و مناجات اندعلیہ وسلم سے قربیب ، کاکہ ہم آئی برکمت سے مشام ہرہ و مناجات

كے مقامات بر، ان موكول كے بمراہ بنے سكيں، جن ير تو نے اتعام فرمايا. يعى انبياً ، صديقين ،شهداد اورصالحين ، ايسا ورُو دجوزا نُدَمِو، برُصا رہے، اور مبند وبرتسر ہو، ہر در و د تشراعیت بھیجنے والے کے ورود سے تمام درو و جھینے والول کے برابر- ابیا درو دجواعدا و وشمارسے بڑھ جائے ، اور حد کا احاطہ کر لے . جب بھی ان کا ذکر کریں ذکر کے والے اورجس قدرغافل ان کے ذکر سے غفلت برتیں تیراوہ دُرود ج توكف ان يربعي اليها ورُووس كى حدوانتاً نه بو. نه نُدّت نه افتهام. اوراسی طرح آب کی آل واصحاب پر التند کاتشکر ہے ۔النی اس ورو كوآب كى ذات طبيب وطا مبركك آكي اُمّت اورآب كے آل داصحا يرائميد سے بڑھ كرمينيا . اپنے بڑے نسل سے . اپنے بڑے نفسل سے . کی زیاد تیوں کے ساتھ جن تک تیرے سواکسی کی پنتے نہیں جن پرتیرے سواکو کی اطلاع نسیس رکھتا · اورجن کوتیر ہے سواکو ٹی نسیس جانتا ، اور جن پرتیرسے مواکوئی قدرت شیس رکھتا۔ تو مبست برکت والاا وربیند ب اسے صاحب جلال وكرم ! اسے الله احضور صلى الله عليه وسلم سفي بغام منيجا ديا ١٠ مامست ا داكر دئ تحليف وموركي ا دراُمرّت تغيرخواسي فرمائی · برکست پمیلائی . مُجتت قائم کی اوران کی برکت سے انڈرنے متیں ظا مرفرمائیں ان کورحمت کا مرحیتمدنایا - آب سلی افتدعلیہ کوسلم نے تيرك راست ميں جها وكيا ممندموڑا نه بيٹد وكهائى و خودم كك تيرى عبادت بركاربندر ہے - الني ست بري جيزجو ما بنگنے والے سے مانتیں ،آپ کو و وعطا فرہا جس میں رغبست والے رغبت رکھیں وہ عطافها - فاصل تر سا حث تر ، یکنیره تر مزید تر ، برتسر ، قرب بر ر ، اور ج توسنے اپنی مخلوق میں سے کسی کو دیا اس سب سے کامل تر-ان سے

تمام صحابرگرام سے خوش رہیو اوران ابعین سے جنیکی میں ان کے بیروکا ۔ ہوئے ۔ تا قیامت پاکی تیرے رب کو جوعِزت وغلبہ کا مالک بیروکا ۔ ہوئے ۔ تا قیامت پاکی تیرے رب کو جوعِزت وغلبہ کا مالک ہے ، ان کے بیان سے تمام رسولوں برسلام اور تمام تعربین انڈ رب العالمین کے لیے "

یہ در و دخر لین سید شیخ ابدالمکارم زین الدّین عمر بن بونس خالدی شاؤلی کا ہے۔ اور میں نے اسے ان کے بیاض سے نقل کیا ہے۔

متانوال درود ترایب ابی المواهی الشاذکی کار

ترجہ: اے انٹہ! درُو د بھیج ہمار ہے آ قا دمولی محکمتنی امتی پرا در آب کی آل صی برکوام ، بیو یوں ا در اولا د بر، ایسا درُ د د جن سے میراسید کھل جائے۔ میراکام آسان ہوجا ہے۔ ڈوٹا دل جڑجائے جمیری غربی وُ در ہو جمیر تعبر درنشن ہو، اور میری زبان کی بندنش کھل جائے ؟ یفضیدت والا درُ و دنتر لیف مسیدی محدصنی الدین ابوالموا ہب الشا ذلی التونسی حضی اختہ عربہ کا ہے جے انہوں نے تعدید العدد انہ ہے ، حیب

ہیں انس کتاب میں ان کے وئل ورود ذکر کرمیکا تو اس کے بعد مجھے انس کی تبریوئی ۔وہ ون وروويس في امام قسطلاني كات ب مسالك الحنفار كي حواله سييتم ليسوي ورو شرلین سے چپن مک وکر کیے بیں میں نے کتاب مذکور حذب الفر دانیہ میں وہ ورُود ديچاجس كى نسبت ميں ترجيًا سيدى على و فاك طرف كرجيكا ہوُ ں، حس كانم تينياليسوا ہے۔ الحزب میں الس ور و فترلین کی ابت را میں ایسے کلمات ذکرنہیں کیے۔ جو عمرمًا ورُود شرلین کامفهم ویتے ہیں، مبلداس کی ابتدااس طرح ہے۔ اللی إميرا سوال ہے کہ جو تھے سے مالکوں اورجس کی رغبت ہوعطا ہو۔ لینے فضل سے وصد ا نوراة ل كا، پاكيزه تررازكا ، جوكامل تر بين - مؤلف برابرنبي اكرم صلے الله عليه وسم ك ان ا دصاف عاليه فاصله سے تعرف و توصيعت كرر سے ہيں، تا پھی فرماتے ہيں " ہو تيرك غيب كامل كمح منبع اورتيرى تمام سلطنت مين خليفه مطلق بين - ليدان تدان برايسا ورود مجی جس کے ذریعے مجے سرکا رکی معرفت صاصل ہو ، آخرتک ؛ اس کتا ب حزب الفردا . ك شرح مؤلف مختسا كرديشخ عبدالقا دربن سعيب دبن على بن احماطيبي مواسبي وقاكي شا ذلی نے تھی ہے۔ الس مشرح سے ان کی فراغت ذی القعدْ سخت میں ہوتی اس كخطبهمين كتاسب اوراس كميمؤلف كى برى مدح وتوصيف كرنے كے بعد، جوان کی شایانِ شان ہے، کہتے ہیں، اس حزب کمثل اس سے پہلے کوئی کا بنیس تھی كمَّ كَنُ مِين نِهِ خُودالس كِيمُوكُف رحمدالتُّد سِيسُنا كدحزب الفردانيدسين بي صلى التَّرْعليه والم پرمیرایه در و د ایسا سیعی کامثال نمیں گڑری ۔ شارح نے کہ جوکوئی میری بات کا انکار کرسے ، وہ راہنا شے طریقیت شیخ جنید بغیادی رحمدالٹذ کے زما نے سے اس يمك سمة عارفين مي كلام كو كلن كالله السجيسا ورُود مشرليف نه يا شركا أو بفاهراس درود مشربین سے مرادسیدی علی و فاکا وہی درود شربین ہے جس کا ذکر اس سے بعظ كياكيا سها يدورُو ومترايف مراونهين اكرچالس كي نفيدست بهي كي كمنين -

نسبت کی تعقیق کے بلے درود منزلین ۱۲ کی طرف رجرع کرنا چا ہیے۔ جوسیدی الوافوا کا ہے، جیسا کہ مسالک الحنفا میں تکھا ہے ہمئیدی علی و فا کا نہیں جیسا کر تبحفت ارضا مدر رہے میں رہ جو

اعمانوال درود ترلیب شخصه الدین القونوی کا مینج صهرالدین القونوی کا

ٱللَّهُمُّ صَلَّ عَلَى مَلاَ يُكَتِكَ ٱلْعُتَّابِينَ وَحَمَلَةِ عَرُشِكَ الطَّاجِبِ يْنَ وَآنْبِيائِكَ الْمُؤْسَلِيْنَ وَآخُلِ طَاعَيَكَ آجُعِيْنَ مِنْ آهُلِ السَّمَوَاتِ وَآهُلِ الْاَرْصِينَ وَ اخْصُصِ اَ مَدْهُمْ مِنْ كَيُنِهِمْ نَبِيتَكَ مُحَسِمٌ وَآصَفِيَاءُ آدَمَ شِينُتُ وَلِدُي يُسَ وَنُوْحًا وَلِبُ اهِيمَ وَمُوسَى وَعِيْسَىٰ وَ الْعِفْسَرَ وَإِلْيَاسَ وَ ٱلْمُحْسَبَّدِ خُصُوُصًا إبْنَتَهُ فَاطِمَةَ وَعَلِيًّا وَالْحَسَنَ وَالْحُسَيْنَ وَالْإِمَامَ لِمُكَثَّدُا أكتفدى وَخَايَمَ آمُرِنَا وَكَامِلَ عَصْدِيَا وَصَعْبَه وَالصَّفُوَّ مِنْ ٱمَّتِيهِ وَٱلكَامِلِينَ وَٱلكُلَكِينَ مِنْ ذُرِّيَّتِهِ بَا فُضَهِل العَثَلَوَاتِ وَٱلْمَيْتِ اليَّحَيَّاتِ وَآنُكَ السَّيْلِيْمِ-اَللَّهُمَّ بَيْغُ سَسَلامَ عَبُدِكَ الْمِسْكِينَ إِلَى نَبِيتَكَ مُعَسَدًّ دِعَلَيْهِ السَّلَامُ وَإِلَى سَايُسٍ مَنْ ذَ حَرُتُ مِنْ عَبَادِكَ الْمُغْلَقِينُو: يُعِبْمَلاَ وَمُفَصَّلَا فَعَلَيْهِ وَعَلَيْهِمُ آجُمَعِينَ مِنْكَ فِي حَدْ عِاللَّحَظَةِ مِنْ حَدْدًا الْمِسْكِيْنِ ا فُعنَلُ العَشَلَوَاتِ وَآخُلِبَ التَّحِيَّاتِ وَآتُ كَى التَّنْيِلِيمُ -

ترحمه: اللي وو و بجي اين مخرب فرشتوں پر - این عرش اٹھانے والے پاک ير بنے بيے گئے بيوں يراوراينے تمام اطاعت گذاروں ير، خواه آسمانوں والے ہوں یا زمینول والے اورا سے انتران میں سےخاص كراين تبى مُحَدّ صلى الله عليه وسم كواين اسفياً آدم ، شيث ، دليس، نوح ، ابراهیم ، موسلی ، علیلی ، نطنر، البالسس ، اور آلمحت رصل الله عليه وعليهم أجمعين ومسلم بمصوصًا آب كي بيئي فاطمه ير . حضرت على ير اورحسن و حبين بر، امام مُحَدِّم كل مرير الصيحُد صلى التّدعليد وسلم جو بما رسمعامل كي يحيل فرط نے والے اور بھار سے زما نے كي يحيل فرمانے والے ہيں. ا ب سے صحابہ پرآپ کی اُمت کے اسٹیا اور آپ کی اولا دیس سے مینن مكملين. فاصل تردرُود اوركامل ترسلام مالني! اینے اسمسكين بند كاسلام بينيا دے . لينے نبي مُحَدّ على الله عليه وسم يك - او چرتيرے دوسرے عنص بندے بیں ،جن کامیں نے ذکر کیا ہے ، ان تک - اجال بھی تفسيلاً بمي بيس تب يرجى اوران سب يرتهي ، تيري طرف سے اس لمحد است سكين كى طرف سے . فاصل تر دارود ، ياكيز تر تسحا نف ، اورياك

نین مرسور این شیخ می الدین المعروف خطیب وزیری مالکی نے پنے وظ مرب الفتی ہے۔ اور کہا کہ یہ درو و شربین شیخ سد مرب الفتی ہے۔ اور کہا کہ یہ درو و شربین شیخ سد مرب الفتی ہے۔ اور کہا کہ یہ درو و شربین شیخ سد الدین کا ہے میشا برصدرا تدین قونول شراد ہوں ۱۱ و ران کا کہنا تھا کہ یہ انہیں غیب سے مقین ہوا ہے ۔ الس کی برکت کا سجر برکیا گیا ہے ۔ الح ۱۰

تنانوال درود تنزلف

(۱) اَللَّهُمَّ مَعَلِّ عَلَى سَيِيْدِنَا نَحْسَبُّ وِ مَسِلَاةً السِيْمَاوَآئِنَى
 (۱) اَللَّهُمُّ مَعَلِّ عَلَى سَيِيْدِنَا نَحْسَبُّ وِ مَسِلَاةً السِيْمَاوَآئِنَى
 عَنْ آصْحَابِ مِيضَاءَ السِيْمَاء .

رم) ٱللَّهُمَّ مَسَلِّ وَسَسِيمٌ وَيَاسِ فُ عَلَى سَيِدِيَّا مُعَسَمَّدِكِيمُ وَمِاسِ فَعَلَى سَيِدِيًّا مُعَسَمَّدُكِيمُ وَمِارِ وَالْدُمَّعَاتِ -الْدَبَاءِ وَالْدُمَّعَاتِ -

رس الله مُ مَن وسَيْرُ وَبَارِكُ عَلَى سَيْدِ نَا مُحَسَّهُ وَعَلَى آلِدُ مِسَلَاةً تَلِيُنَ يُحَالِدِ وَجَلَالِدِ وَحَمَالِدِ وَصَلَّ وَسَيْرُ وَبَاسِكُ عَلَى سَيْدٍ نَا مُحَمَّدٍ وَعَلَى آلِدِ وَا ذِفْنَا بِالصَّلَاةِ عَلَيْدِ لَذَةً وَصَالِدٍ -عَلَيْدٍ لَذَةً وَصَالِدٍ -

رس، اَللَّهُ مَّ صَلِّعَلَى سَسِيِّدِ مَا مُحَتَّمَدِ طِلْبِ الْعُلُوبِ وَدَا اِسِمَا وَعَا فِيَةِ وَالْوَبُونَ وَشَيْعَا وَنُوبِ الْوَبُعَا الْمُوبِ الْوَبْعَا الْمُوبِ الْوَبْعَا الْمُعَالِكُمَا

وعلى الله مَ مَسَلِ عَلَى سَدِيدًا لَحَدَ مَهُ النَّبِي اللهُ مِنْ وَعَلَى رَهِ النَّبِي اللهُ مِنْ وَعَلَى اللهُ مَنْ وَعَلَى اللهُ مَنْ وَعَلَى اللهُ مَنْ وَعَلَى اللهُ مَنْ وَعَلَى اللهُ وَصَحْبِ وَسَدِيمٌ عَدْ دَمَا فِي الشَّمَوَاتِ وَمَا فِي اللهُ وَصَحْبِ وَسَدِيمٌ عَدْ دَمَا فِي الشَّمَوَاتِ وَمَا فِي اللهُ وَصَحْبِ وَسَدِيمٌ عَدْ دَمَا فِي الشَّمَوَاتِ وَمَا فِي اللهُ وَاللهُ اللهُ فِي فِي اللهُ وَمَا بَيْنَهُ مُ اللهُ وَمَا بَيْنَهُ مُ وَالْجُدِيمَ اللهُ وَمِي اللهُ اللهُ فِي فِي اللهُ وَمِي وَمَا بَيْنَهُ مُ اللهُ عَيْنَ اللهُ وَمِي اللهُ اللهُ وَمِي اللهُ اللهُ فِي اللهُ اللهُ وَمِي اللهُ اللهُ وَمِي اللهُ اللهُ وَمِي اللهُ اللهُ وَمِي اللهُ وَاللهُ اللهُ وَمِي اللهُ وَمِي اللهُ وَمِي اللهُ وَمِي اللهُ وَمِي اللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللّهُ وَالم

رس اَنَهُ مَ صَلِ عَلَى سَيْدِ مَا نَحْسَدُ مَسَلَا كَا اَنْهُ الْعَمَاتِ مَسَلَا كَا اَنْهُ الْعَمَاتِ مَسَلَا كَا اَنْهُ الْعَمَاتُ مَسَلَا كَا اَنْهُ الْعَمَاتُ مَا الْعَمَاتُ الْعَمَانُ مَا الْعَمَاتُ الْعَمَانُ مَا الْعَمَانُ مَا الْعَمَانُ مَا الْعَمَانُ مَا الْعَمَانُ مَا الْعَمَانُ مَا الْعَمَالُ اللّهُ اللّ اللّهُ اللّهُ

ر، اللهم صل على ستيدنا محسقد وعلى الدستيدنا محتد وعلى الدستيدنا محتد وعلى السيدنا محتد وتعلى السيدنا محتد وتعلى السيدنا محتد وتعلى السيدنا محتد وتعلى السيدنا المحتد وتعلى السيدنا المتداهيم وعلى السيدنا المتراهيم وعلى السيدنا المتراهيم في العالين المكاتب ال

دم، ٱللَّهُمَّ مَمَلِّ وَسَلِمْ وَبَارِكُ عَلَى سَيِّدِنَا مُحَسَّدٍ وَآزُوَاجِـهِ ٱلْمَعَاتِ ٱلْمُوْمِنِينَ وَعَلَى آلِهِ وَصَعْبِهِ ٱلْجُمَعِينَ-

(١٠) ٱللَّهُمَّ صَهِدِ وَسَيْمَ وَبَابِ لَكَ عَلَى سَهَدِدًا مُحَتَّدِ ذِي ألمعجيزات ألباجت ومسل وسيل وتسياد وبارك علىسيدنا مُحَتَدُهِ ذِى الْمَنَاقَبِ ٱلْفَاحِٰ تِرَةِ وَصَلَّ وَسَلِّمْ وَبَابِ كُ عَلَى سَيِدِنَا لَحُسَتَدِ فِي الدُّنيَا وَالْوَخِيسَرَةِ وَصَلَ وَسَدِّيمُ وَبَارِكُ عَلَى سَيْدِنَا مُحَسَمَّدٍ وَخَلِقْنَا بِآخُلَاقِيهِ الطَّاحِرَةِ. (١١) ٱللَّهُمَّ صَلَّ دَسَيْمُ وَبَابِ لُحَلَّى سَيِّدِنَا مُعَتَّدِ وَاعْطِهِ الوسيثكة وألغفيشكة وصيل وستيخ وبارك علىسيدنا مُعَتَّدُ ذِي ٱلْتَامَاتِ ٱلْجَلِيْلَةِ وَصَٰلِ وَسَلِّ وَسَلِمْ وَبَاسِ كُ عَلَىٰ سَسِيدِنَا مُحَسِبَّدِ وَخَلِقْنَا بِآخُسِلَةَ فِيهِ الْجَيِيُلَةِ-دان اَللَّهُمَّ صَلِّ وَسَلِيْهُ وَبَارِنُ عَلَى سَيِّدِنا مُحَسَمَّدٍ وَهَبُ لَنَا مَلْنَا شَحُورُا وَصَلَ وَسَلَّمْ وَمَا مِنْ عَسَلْمَ سَسِيدِنَا لَحُتَمَّدِ وَاجْعَلْ سَعُينًا مَشْكُونًا وَصَلَ دَسَيْمُ وَبَارِكَ عَلَى سَيِّدِنَا مُحَسَّدِ وَلَقِنَا نَصْرَرَةً

وشرورا وصن وسية وتارخ على سييونا لمحستبو وَٱنْقِ عَلَيْنَا مِنْتَ تَعِتَةً ۚ وَثُوارًا وَصَلَّ وَسَلِّمُ وَبَارِكُ عَلَى سَسَيِّدِنَا مُحَسَمَّدٍ وَهَبُ لَنَاسِرًّا بِالْوَسُوَاسِ مَسُوُحُا. رس اَتَنْهُمَّ صَلِ وَسَسِيِّمْ عَلَى سَيِدِنَا مُحَسَمَّدٍ إِلْعَنَا وِق الاَمِينِ وَصَلِ وَسَلِمُ عَى سَيْدِنَا لَمُحَسَمَّدٍ ٱلَّذِي جَاءَ إِلْحَقِ الكيني وصرل وستنم على سيدنا محستد الكذى آن سَلْتَهُ مَا حَمَدً يُنْعَالِي بُنَ - وَصَلِّ وَسَدِّكُمُ عَسَلَى ستبيدنا مخسته وعلى تجينع الانبيتاء واكشسيلن وعسلى آلهم وصنحيهم آجتعين كلما ذكت لف الذَّاكِرُونَ وَغَفَلَ عَنْ ذِحْسِ هِمُ ٱلْغَافِلُونَ -(١١) اَللَّهُمَّ صَلَّ وَسَسِيمٌ وَبَايِ لُ عَلَى سَيِّدِنَا مُحَسَمَّدٍ وَعَلَى سَاسُ الْبِيَائِكَ كُوصَلَ وَسَسِيِّمُ وَبَاسِ لُهُ عَلَىٰ سَسِيِّدِنَا مُحَسِّمَدٍ وَعَلَىٰ مَلاَيُكَيْكَ وَآوُلِيَايُكَ مِنْ آهَلِ آئىضك وتتمايك عسدة دماكان وعدد مايكؤن وَعَدَدَمَا يَحُونُ وَعَدَدَ مَا هُوَ كَايُنُ فِي عِلْمَ اللَّهِ آبَدَ أَلَا بِدِينَ وَدَهُ سَرِالدَّ آهِي بَنَ وَاجْعَلْنَا بِالْعَلْوَةِ حَكِيْهِمْ مِنَ العِيْدِيْعَيْنَ الْزَمِنِينَ يَا تَ بَالْعَالِيثِنَ -ترجه أألنى جمارسية قامخذ بررنسا والدورو يجعج اوران كصحابه يفكل طوريرراعني ربنا -ور النی در و دوسلام و برکت نازل فرما ، مارے آقامحدید، جن سے الما مجى كريم اورمانيس محى تريم -

۱۳۱ اللی در دو دوسلام دبرکت نازل فرما بهارسے آقامحگرادر آپ کی اس بر الیسا در دو دجو آپ کے جمال ، جلال دکمال کے دنق بور ۱۰ در در دوسلام دبرکت نازل فرما بهارسے آقامحگرادر آپی آل پر اور جمین در دو دسلام کے دسد تھے آپ کی لذت دسال نسیب فرما ، ایمان کے دسکر تھے آپ کی لذت دسال نسیب فرما ، ایمان کے دسلام بیجے بھارسے آقامحگر ، جو دلوں کے طبیب و دو آبیں - بدنول کی عافیت اور شغائیں ، آنھول کا نور دنسیا ہیں اور سیکی آل دانسیابید

ده، کے اللہ درو ووسلام بھیج ہمارے آقامی جو نبی اُتی ہیں،اور سیکی کے اللہ درو ووسلام بھیج ہمارے آقامی بین،اور آپ کی آل واصحاب پر منرمین و آسمان اوران کے درمیان برچیز کی تعداد کے برابر اور پرورؤگار! ہمارے اور تمام مسلم توں کے معالیٰ میں اپنا پوٹ بیڈ نگفت جاری فرما ،

۱۷۰ النی ! بھا رسے آفامخدم پرزمین واسمان دانوں کا درود وسارم بھین اور لیے رب میرسے اور تمام مسلمانوں کے معاملات میں اپنا پوٹ بید' نظف جاری فرما دے۔

ده، اللی بھارے او قامخت دیر در و دیجے اور بھارے آقا محدی آل پر، اور بھارے آقا محدی آل پر، بھیے اور بھارے آقامحدی آل پر، بھیے اور بھارے آقامحدی آل پر، بھیے تو اُسٹاری اور بھارے آقامحدی آل پر، بھیے تو اُسٹاری سیدنا ابراہیم اور سیدنا ابراہیم کی آل پر جمام جمانوں میں ، بائٹ کے وسٹر باکلی بزرگ ہے۔ جمانوں میں ، بائٹ کو سٹر باکلی بزرگ ہے۔

كرنے والے بيں اور آب كى آل واصحاب ير-، ۱۰ ، الهی درُو د وسلام وبرکت نازل فرما ، بهارے آ قامحد برج قابلِ تخر نضائل سے مالک ہیں۔ اور دروو وسلام وبرکت نا زل فرا ہمارے م قامحمد بدونیا و آخرت میں اور درود وسلام دبرکت نا زل فرا بھار م قامحد ميرا ورسم كوان كے ياكنرواخلاق مصموصوف فرط -المصاديثر إدرودوسلام وبركت نازل فرطا بهار سي قامحتر برجرات معجزات سے مالک ہیں وروو وسلام وبرکت نازل فرا ہا کے ستخامخة ميرجوقابي فخرمحانسن والبيب اور درود وسلام وبركت نازل فرط بهارس تا قامحت ربر دنیا و آخرت میں - اور دکرو و وسلام دبر نازل فرما بهارسے قامح تریرا درہمیں ان سے پاکیزہ اخلاق سے تنصف ۱۱۱) اللی در و دوسلام وبرکت تا زل فرما - بها رسے آ قامحتریرا ورآپ کو مقام دسیله دنفیدلمت عطا فره - اور درود و دسلام و برکت نا زل فرها ہارے اقامحت ربر، جو بلند ترین مقامات کے مالک ہیں اور ورو سلام دبركت نازل فرما بهماري والمحقد براور بهين ان محد اخلاقي جبيد سے سزين فرما -

بید سام استاند اور دو دسلام و برکت اور از فرا بهار سے آقائمگر براور بهم کو شکرگزار دل عطافرها و اور در و وسلام و برکت نازل فرا بهار سے آقا محدّ اور بهماری کوشش با را و رفرها اور در و دوسلام و برکت نازل ذه و بهار سے آقاممحد براور بهیں تروتا زکی کے ساتھ شرف ملاقات بخش ا بادر در و دوسلام و برکت نازل فرها بهار سے آقاممحد براور بهم براپنی طرف سے محبت و نور دال دسے اور ور و دسلام برکت نازل فرها و

بارے آقا گھرپرا ورہیں توکئی فوشی پوشید رازبخش دے .

وال اسے اللہ در دو وسلام نازل فرما ، ہمارے آقا محمد برج ساد ق دامین اور درود وسلام بھی ہمارے آقا محمد برج والم تحق میں ہمارے آقا محمد برج والمنتدار ، ہیں اور درود وسلام بھی ہمارے آقا محمد برج واضح می لے کرآئے ۔ اور درود وسلام نازل فرما ہمارے آقا محمد برج مین کو تو نے ، تمام جمانوں کے یلے رحمت بناکر بھیجا ۔ اور درُود وسلام بین ہم ہمارے آقا محمد براور تمام نہیوں ، رسُولوں بر ، اور ان کی تمام آل میں ہمارے آقا کھی براور تمام نہیوں ، رسُولوں بر ، اور ان کی تمام آل میں اسی میں ہمارے والے تیرا ذکر کریں ، اور جب غافل ان کے اسی مینوں ، ویکوں بر ، اور جب غافل ان کے سے مینوں ۔ ویکوں بر ، اور جب غافل ان کے سے مینوں ۔ ویکوں بر ، اور جب غافل ان کے سے مینوں ۔ ویکوں بر ، اور جب غافل ان کے سے مینوں ۔ ویکوں بر ویکوں بر ویکوں بر میں ہمارے ۔ ویکوں بر و

۱۹۲۱، اے اللہ اور ورود وسلام و برکت بھی جارے آقائحۃ پر،اور اپنے باتی انبیاً پر، اور ورد و وسلام و برکت بھی بھارے آقائحۃ پر،اور اپنے اولیاً پرج تیری زمین اور تبرے آسانوں میں رہنے والے بیں ج بوا اس کے برابرا ورج بوگا، اور چر تیرے علم میں بونے والے بیں ج بوا اس کے برابرا ورج بوگا، اور چر تیرے علم میں بونے والا ہے اس کے برابر بہیں تیر بھی تیر ہے بان پرورو و والا ہے اس کے برابر بہیں تیر بھی تیر ورگارعائی اسی میں جو در ورفوق میں میں والوں سے ملا دے ۔ اے پرورگارعائی ایسی بھی نے کے صد تھے ہم کو ان آمن والوں سے ملا دے ۔ اے پرورگارعائی ایسی میر بھی وہ بچاؤہ ورثو و نفید میں میں وہ بچاؤہ ورثو و نفید میں میں خوجرو و تیر بھی کی تر تیب پرمیر تیب بیں ، ذکر کیا ۔ ان سے چند مختار ورثو دسی کے مقدم میں جوجرو و تیر بھی کی تر تیب پرمیر تیب بیں ، ذکر کیا ۔ ان سے چند مختار ورثو دسی نے اپنی کتاب انفسل العسلون علی سیندالساند " میں ذکر کیے ہیں ۔ صلی اللہ علیہ میں نے وہ بال ذکر نمیس کئے ۔ جب کہ وہ بھی بڑی نفسیدت سے حامل شعص میں نے وہ بال ذکر نمیس کئے ۔ جب کہ وہ بھی بڑی نفسیدت سے حامل شعص میں نے وہ بال ذکر نمیس کئے ۔ جب کہ وہ بھی بڑی نفسیدت سے حامل شعص میں نے وہ بال ذکر نمیس کئے ۔ جب کہ وہ بھی بڑی نفسیدت سے حامل شعص میں نے وہ بال ذکر نمیس کئے ۔ جب کہ وہ بھی بڑی نفسیدت سے حامل شعص میں نے ان کو جمع کر کے ایک در وہ بنا لیا ۱ اب میں بان کے فضائل ذکر کرتا ہوں ۔

ا ن درُود ول کے فضائل

یہ نفائل مارف شیخ احدساوی کی شرح سے نفول ہیں ، جو مولف رحداللہ کے نبیغہ تھے ۔ پہلے کے بارے میں فرما یا بیصیغہ رضائیہ ہے بعجل حفرات کا کمنا ہے کہ جو کو کی اسے سنٹر بار براسے ، اس کی دکھا تبول ہوگی ، دو مرے کے بارے میں فرما یا میں صیغہ کہ مرا را مول ہے ۔ اس کی مبت بڑی فنیسلت ہے ۔ ان میں سے ایک فائد دیہ ہے۔ کر بر سے والے کو کہ مسلطنے صلے اللہ علیہ وسلم کی مُجتت ما سل ہوتی ہے ۔ ان میں سے ایک فائد ویہ ہے۔ کر بر سے والے کو مصلطنے صلے اللہ علیہ وسلم کی مُجتت ما سل ہوتی ہے ۔ ان میں جو کوئی اس پر مہینتہ عمل بیرار ہے اسے اللہ تعلیہ وسال ہے اور مین اس کا نام ہے کینو کہ جو کوئی اس پر مہینتہ عمل بیرار ہے اسے اللہ تعلیہ اللہ اپنے جبیب سے ملا دیتا ہے اور میں مقصور ہے : الی ا

پر تھے درُود شریف کے بارے میں فرایا ۔ یہ ظاہرہ باطن طعب کرنے کا صیغہ ہے کسی بھی ہیاری پر دو منزار بار پڑھے یہ بھی کہا گیا ہے کہ چا رسوبار پڑھے افتدتعالیٰ شفا دے کا این ، میں ہے ہوں میں نے اسے اصافہ وقوت ارواح سے لیے بہترین بنا کہ دروال کے لیے بہترین بایا ۔ برنول کی صحت و شفا کے بلے مجرت ہے ۔ اس میں جو بلاغت وحسن ہے وہ ظاہر میں اللہ درائی ہے۔

ہے۔ پانچوس سے بارے میں فرما یا پر لکھنے تھی کا صیغہ ہے جو اسے کثرت سے پڑھے دنیا وہ خرت کا عام مطعن پائے گا ۔ یہ اور اس سے بعد والدسیدی عبدالوماب شعرانی رمنی اللہ عند کا ہے۔

جھٹے سے بارے میں فرمایا۔ یہ اورلطف کا صیغہ ہے ۔ بعض نے بیراری میں بیان میں میں اور الطف کا صیغہ ہے ۔ بعض نے بیراری میں بیراری میں بیان میں اور اللہ میں الل

ساتویں کے بارے یں فرمایا مے معامراہ ہی ہے یہ رسول التُدصلی التُدعلیہ والہوسلم سے حامل ہوا ہے ۔ بعض نے کہاجواسے ایک ہزار بار برطسے، اِنے رکونواب میں دیکھے گا۔ این ۔

سیمٹوں سے بارسے میں فرطایا، یہ اقتمات المؤنین کا صیغہ ہے۔ الس کی بڑی نسیست ہے۔ الخ

نویں کے بارسے میں فرایا ، یہ طاہر وم فہر صیغہ ہے۔ جواس کا پڑھنا لازم مرسے ، لیسے طما رت نصیب ہوگی ۔ الخ -

دسویں سے بارسے میں فرمایا ، بیصیغہ چار در و و ں بڑشمل ہے۔ اس ک بڑی فغیلت ہے۔ لینے قابل فخر فغنائل والا در و دکھا جاتا ہے۔ الخ

گیارہوں کے بارسے میں فرمایا ، یہ وسید و نفیدت کا صین ہے ۔ اس میں تین در ا ہیں ، باتی تین کے متعلق کوئی مخصوص ففیدت و کر منہیں کی ۔ سب سے ہم ترمیں فرمایا ، و میسنے مکل ہوئے جن کو مؤلف نے دو مرول کے کلام سے جمع کیا تھا ۔ یہ میس میسنے ہیں ، ان کو خاص کر جمع اکس لیے کیا کہ یہ ان کا در د تھے ۔ جوانہوں نے شیوخ العارفین سے مندواجازت کے ساتھ حاصل کیے تھے ۔ یہاں کم کر ان کو جمع کر کے اس طرح شائع کیا گیا ، گویا یہ آگی تھنیف ہے ، الن امذکور وصینوں سے بہرت سے فضائل میں نے افضل العدوت میں و کر کیے ہیں ۔ کچ میں نے عارف صا وی اور کچو اور حفرا سے نقل کے ہیں ۔

سووال درود شركيف

صَلَّى اللهُ عَلَى سَيِّدِنَا مُحَسَّنَدٍ وَعَلَى اَلِهِ وَآصُعَلِهِ وَنَ وُجَدِّهِ مُنْتَهِى مَرُضًا وَ اللهِ تَعَالَىٰ وَمَدُ صَايِّهِ -

ترجہ: را دائد درود بھے ہارے آقام کر اور آپ کی آل واصحاب پرا وربویو پر، جننی افتاد تعالی اور اس کی رضا ہے " پر درو و شرایف الس کتاب کے جا مع یوسف بن اسحاعیل نہائی کا ہے ۔ اللہ اس کومعا ف کرے راسے میں نے ابنی کتاب " حسکو آٹ النّناءَ عسلی ستیدید الدّ نیکیت اور میں ذکر کیا ہے کمیز کھ اس مختر در و و شرایف میں کر رو و شرایف آگہ ہے ۔ اور جسیاکہ تم دیکھ رہے ہوا ختصار کے با وجود بڑا بین ہے ۔ جمع کا مطلب بھی بڑا توب مگورت اور ترتیب بھی خواہورت تر۔

درُود تنرلیب سولک میزی انشخیجی الرملی القادری کا

المُحَسِّدُ لِلَّهِ الَّذِي اَذُ هَبَ عَنَّا الْحَدَنَ إِنَّ مَ تَبَا تَغَغُوْنٌ شَحَصُونُ اللَّهُمَّ صَلَّ وَسَلِّمْ وَاللَّهُ وَكَدِّمُ عَبِلْ سَسَيْدِنَا وَمَوْلَانَا مُحَسَبَّدِ عَبُدِكَ وَبَيِسْكَ وَرَسُوٰلِكَ المنبى الأتي وعلى آلِهِ وَآصُعَابِهِ وَآزُوَاجِهِ وَذُرِّيًّا يِهِ آنعنل حسسلاة وآزكى سسسلام وأنمى بستاكات عذة سُوَسِ ٱلْعُرْآنِ الْعَظِيمُ وَأَيَّاتِهِ وَكِمَّاتِهِ وَحُسُرُونِهِ وَ ونُعَطِيهِ وَتَعْمِينُولِهِ وَجُولِهِ وَجُولِهِ وَجُونُوآيَاتِهِ وَكُلِّيّاً يَهِ وَشَكْلِهِ وَحَنْنِ وَوَحَرَكَا يَهِ وَسَكَنَا يَدِ وَمُعْجَدِهِ وَمُهْمَلِهِ ومنعقيله وتجنبيله ومنطوب ومنهومه ومخكيد مُتَنَابِيهِ دَخَاصِّهِ وَعَايِّةِ وَتَاسِغِيهِ وَمَنْسُوْخِهِ وَإِنَّالَاهِ كآمشياه كنفي وعيزع وتغذع وعبده وتيمتيه كآمكناله وعسدة خاآخعتى وميل مناآخعتى وعدة الدَّحَادِيْثِ الْوَاحِدَةِ وَمَنْ سَوَاحًا وَالْوَثَابِ- اللَّهُمَّ صَلِي وَسَيْمُ وَبَارِكَ وَ حَيْرُمُ عَلَى سَيْدِينَا وَمَوْلَانًا . معتشد عبوك وببيك وتسويك التبي ألأتي وعلى آليو وآمنعاب وآن واجد وفهي يّانيه آنفتل متلاة وَآنُ كَى سَسَلَةَ مِ وَالْجِي بَسَكَاتٍ عَدَدَ الْعَبَاجُقِ وَالدَّسَجِ والشَّاعَاتِ وَالنَّيَائِي وَالْدَيَّامِ وَالْجُرْمِ وَالنَّهُوْمِ

وَالنَّبِينَ وَالْاَئْ مَان وَالدُّحُوْسِ وَالدُّعْمَانِ- آللهُمَّ صَيلٌ وَسَيِّمُ وَبَارِكُ وكَتِيمُ عَلَى سَيِّدِنَا وَمَوْلَانًا مُحَتَّكُ وَعَهُ لِ وَمَا سُؤلِكَ النَّبِى الْدُمِّى وَعَلَى كله واصمعايه وآثراجه وذكريكاته أفعللمكة وآن كى ستسدوم وآنى تركات عدد المعتركات والشكنات والحستنات والشيئات وتعكل أكمنسؤجات ومَضْعُ الْدَنْوَاءِ وَرَمُشِ الْابْعَمَاتِ - آنَلُهُمَّ مَسَلِّ وَسَيِّمْ وباي ك و حَيْمُ عَلَى سَيِّدِنَا وَمَوْلَانَا وَجَيْبِنَا وَقُولَانَا وَجَيْبِنَا وَقُولَا آعُينينًا مُحَسِمَّدُ عَبُوكَ وَمَ سُوُلِكَ النَّبِيّ ٱلْاُمِيِّي وَالرَّسُولِ الْعَدْرِبِي وَعَلَى آلِهِ وَآصَعَا بِهِ وَآثَ وَاحِرُ وذُي تيَايِهِ وَآخُلِ بَنْيَتِهِ آفَضَلِ مَسَكُوةٍ وَآشُكُمْ مَكَاثِمًا كآيُمَنَ تبرَ حَدْ عَدْ حَدْ آلُوَنْفَاسِ وَالْمُؤَاطَوِوَأَلْحُرُوْ وَالنُّعَطِ وَالنَّاتِ وَحَسَوَكَاتِ وَحَسَوَكَاتِ وَعَدَدَ الْبَعِلْجِي وَالسَّيِّنَاتِ وَتَعَاقُبِ أَلوَسَادَسِ وَآدُهَامِ مَالشَّكُولِيُ وَالظَّنُونِ وَتَرَادُ فِ الْوَفْكَارِ- اللَّهُمَّ صَلَّ وَسَبِّمُ وباس ك وحصية م على ستيد نا ومَوْلانا وَجَيْنِا وَقُرْقُ أعنننا لمحست حندك وتسنولك الشبي الدتي وَالسَّ سُولِ ٱلْعَسَ بِي وَعَلَى آلِهِ وَآصُعَا يِهِ وَآنِعِ وَالْعِ وَذُيَّ يَايِدِهِ وَاحْسُلِ بَنْتِيهِ أَفْضَلَ صَسَلَاةٍ وَآثُ كَى ستديم وأنمى ترحقه عتدة ألاشباح وألاثن وَالْاَجْسَامُ مَا كَبُوَا حِسِ وَالْعُقُولِ وَالْعُلُومِ وَعَدَدَ

مَا يَعْعُ فِي مُ وُمَا ٱلْنَامَاتِ وَٱلْحَيَالِ مِنْ اَدُّلِ ٱلْخَلْقِ إِلَى اخيرهِ وَتَعَاقِبُ الدَّلَالِ وَالْاَخْبَابِ- اَللَّهُمَّ صَلِيَّالُمُ وبارن وحقية معلى ستدنا ومولانا محسته عندك وَنَبِيِّكَ وَرَسُولِكَ النَّبِيِّ ٱلْاَمْيِّ وَعَلَى آلِهِ وَآصُعَابِهِ وَ آزُواجِهِ وَنُدِيّ بَّايِهِ آنفنك صَلاَةٍ وَآزُكَى سَلاَ مِم وَآنَمَى بَرَكَاتٍ عَدَدَ الْكَدَيُحِيَّةِ وَالْمُؤْرِالْعِيثِنِ وَالْوِلْ حَانِ وَالْوِنْسِ وَالْجَاتِ وَخَلْقِ الْبَحْسِ وَالْوَنْعَامِ وَالدُّوابِ وَالْوُحُوشِ وَالْوَطْيابِ - آللُّهُمَّ صَلَّ وَسَلَّمُ وباين وتحرثم على ستدنا ومؤلانا محسشد عَبُدِكَ وَنَبِيِّكَ وَرَسُولِكَ النَّبِيِّ الُدُمِّيِّ وَعَلَى اليود آضعابه وآزُواجه ودُيِّ يَاتِهِ آنفسَلَ صَلَوٌّ وَٱشْكَى سَسَلَوْمِ وَٱنْمَى بَرَكَا سِ عَدَدَ السُرُولُسِ وَالْوَجُرُ كَالُاذَانِ وَالْعُسُيُونِ وَالْأُنُونِ وَالدُّنُونِ وَالشِّفَاءِ وَالْآفُواءِ وَ العشَّدُ وُرِ وَالْدَيْدِى وَالْاَسُجُلَ وَالْاَصَابِعِ وَالْوَظَفَا-ٱللَّهُمَّ صَلَ وَسَلِمْ وَبَايِكُ وَكَايِكُ وَكَتِهُمَ عَلَى سَيِّدِنَا وَمَوْلِوَنَا مُعَتَدِّ عَبُدِكَ وَنَبِيْكَ وَتِ سُولِكَ النَّيِّ الُوْيِي وعلى آله وآصحابه وآئه واجدو ذريًا يه آفضل صسلاة وآذكى ستدم وآئمى بتركات عددالتكوب وَٱلدَّصْلَدَعِ وَٱلْعِظَامِ وَٱلاَظُلاَفِ وَٱلاَصُوَا فِوَالْاَسْيَ كالشَّعُوسِ وَالاَوْرَبَابِ - النَّهُمَّ صَلِّ وَسَيْرٌ وَبَارِ كُ عَسَلَى سَسَيْدِكَا وَمَوْلَانَا لِمُعَسَّمَةً دِعَبُ وِكُ وَنَبِيتِكَ

وَرَسُولِكَ النَّبِيُّ الْدُيِّي وَعَسَلَى اَلِهِ وَاصْعَامِهِ وَإَنْ وَآجِهِ وَذُرِي يَاتِهِ أَ فَضَلَ صَسَلَاعً وَآنَ كَى سَسَدَمِ وَآنُهِي بَرَكَاتٍ عَسَدَ دَا بَجُنُومٍ وَالْآعْضَاءِ وَٱلْكُونِ وَمَا حَوَّتَ وَعَدَدَ ٱلْعُسُوُوْقِ وَٱلْسَنَامِ وَالْاَكُسُ وَالْالْسُنَامُ وَالْوَسْمَاعِ وَالْوَبْعِمَاءِ-اللَّهُمَّةِ مَسَلَّ وَسَيِّمٍ وَبَارِكَ وحقيرتم على ستدنا ومؤلانا كمستدعث عندك ونبيتك وَمَ سُولِكَ النَّبِيِّ الْاَتِي وَعَلَى آلِهِ وَآصُحَابِهِ وَآنُ وَاجِهِ وذُيِّ يَانِيهِ ٱفْصَلَ مسَسِلاً وَوَازُكَى سَكُومُ وَٱثْمَى بَرَكًا ۖ عَسَدَدَ الْنَرِّسُ وُعِ وَالنَّبَاتِ وَالْاَوْرَاقِ وَالْاَعْمَانِ كالأشجاب اللهم مسل وسيغ وتايان وحقيم عَلَى سَسِيِّدِنَا وَمَوْلَوْنَا مُحَسِّدٌ عَهٰ دِكَ وَيَبِيتِكَ وَيَالِحُ النشيتي ألأمى وعسسلى آلِودَاصُعَابِهِ وَآنُ وَاجِبِهِ وَذُبِيَّ يَّاتِهِ آفُفَسِلَ صَلَاءً وَآزُى سَسِكُومٍ وَآنُى بَنَامًا حسكة المحتب والنوى والنبؤؤ يواكثه فوية الغواكيه وَالشَّمَارِ- اللَّهُمَّ صَسِلٌ وَسَيِّمْ وَبَارِكُ عَلَيْ سَيِّدِنَا وَمَوْلَهُ كَمَا مُعَسَمَّدٍ عَبْدِكَ وَيَلِيَّكَ وَمَ سُولِكَ النَّبِي ٱلْأَمِّي وعكى آليه وآضعابه وآنزواجيه ودُسَّيَّاتِه آفعنسلَ مسسكة إ وَآنُ كَيَ سسسكة مِ وَأَنْىَ بَرَكَاتٍ عسدة السخَّهُلِ وَالْعَقَى وَالنَّرَّابِ وَالزَّلَفِ وَالْتَكُادَ فِالْمُعَادَ فِوَالْخِكَا آتلهم صلة وسية وبايان وحقيم علىستيدنا كة وُلَانَا مُحَسِنَّهِ عَبْدِكَ وَنَبِيْكَ وَرَسُوُيكَ النَّبِي

الأمي وعلى آلِه واصحابِه وآزواجِه ودُرِّيَّاتِهِ أَفْلَ مسلاة وآذى سلام وأئمى بركات عدد الشماء وَدَ وَرُانِ الْعَلَكِ وَمَتِيِّ السَّحَابِ وَهُبُوبِ السِّيءَاحِ وكشيع السبؤق وآضوات الدّعُدوقطُ آلاَمُطَآبِ آنكهُمَّ صَلِ وَسَدِيمُ وَبَارِكَ وَكَرِمُ عَلَى سَدِينَاوَ مَوْلَهُ مَا مُحْسَمَةً عَنْدِكَ وَيَبِيتِكَ وَمَا سُولِكَ النَّبِيِّي أنحتى وعسكى آلي واضحاب وائز واجه وذكرتا بانيه آفغنل صسيكة يؤآنئ كاستكوم وآئنى تبزكات عكد مَكَايُثِلِ الْمِيَاءِ وَمَثَاقِبُلِ الْجِبَالِ وَالْاَجْسَادِ وَعَدَدَ آمُوَاجِ إلْبِعَاسِ - آللُهُمَّ صَلَّ وَسَلِّمُ وَبَارِكُ وَحَيْمُ عسلى ستيدنا محسته وعبدك وتبيتك ورسؤلاف النسبتي ألوني وعلى آله وآضعايه وآزواجه وننتايته آفضك متسكة ثي وآئرى ستسلام وآئمى بَرَكَاتٍ عتسدَة مَا خَلَقُتَ كَمَا ٱنْتَ خَالِقٌ وَمِلْ مَا خَلَقْتَ وَمَا ٱنْتَ خَالِقٌ وَعَدَدَمَا كَانَ وَمَا هُوكَانِينُ وَعَدَدَ مَا جَـرُى بِهِ كَمَكَ وَيَغَذُيهِ حُكُمُكُ وَآحَاطَ بِهِ عِلْمُكَ وَمَالاَ شُدُرِكُ الْدَفْعَامُ وَالْأَفْكَاسُ- اَللَّهُمَّ صَسِلَّ وَسَسَيْمُ وَبَابِ كَ وحقيت معلى ستيدنا مخستيد عبدن وتبيتك وَرَسُولِكَ النَّبِيَّ الدُّيِّ وَعَلَى اَلِهِ وَآصُعَابِ وَآنُونَ ۖ كذُي يَانِهِ آفْضَلَ صَلَعَ إِوَاشِكَى سَسِلَامٍ وَآسَى بَرَكَاتٍ عَسَدَ دَمَا صَسَلَى حَلَيْدٍ ٱلْمُصَلَّوُنَ مِنْ آخُلِ

التَّمَوَاتِ وَآهُلَ ٱلْاَبَ صِنْ أَوَّلِ الدَّهُوالِي ٱلْجِيرِةِ فِي كُلِّ زَمَّانٍ وَادَّانٍ وَوَقَّتٍ وَشَهْرٍ وَجُهُعَةٍ وَيُومٍ وَكُلْكَةٍ كسّاعَةٍ وَلَحُظَةٍ وَنَعْسِ وَطَرُفَةٍ وَسَاعَةٍ وَنَكْمَةٍ وَهَدَدَ المُعَلِينَ عَلَيْ حَذَلِكَ فِي الْسَنَاءِ وَالصَّبَاحِ وَالْعَيْنِيِّ وَالْاِبِكَارِ- اللهُمَّ صَلَّ وَسَسِيَّمْ وَبَاسِكُ وَحَيْرُمْ عَلَى ستستيدنا ومؤلانا محسته عنبوك ونبيتك وتشولك النشبتي الُوْتِي وَعَلَى آلِهِ وَآصُعَاجِهِ وَآنُ وَاجِهِ وَدُيِّيَّاتِهِ آفضل متسادة فإوآزك سسكوم وآنمى تبركات نيئة العَرْشِ وَالْحَصُرُ سِي وَالْتَكُمُ وَالْتَكُمُ وَالْتَكَمُواتِ وَالْاَمُضِ ومَنابَيُنَهُمُنا وَنِينَةَ الجِبَالِ وَالسِّلَةِ لِ وَالسِّيْمَالِ وَالْعِلالِ وَالدَّجْسَادِ وَالْبِحَسَابِ وَالْاَنْعَابِ-اَلْلَهُمَّ صَلَّ وَسَلَّمَ وَبَارِ كَ وَحَيْرُمُ عَسَلَى سَسَيِّدِنَا وَمَوُلَانَا لِمُحَسَّمَةٍ عَبْدكَ وَبَيِيْكَ وَرَسُولِكَ ٱلنَّبِيِّ الْأُرْيِّ وَعَسَلَى ٱلِهِ كآصُعَابِهِ وَآزُوَاجِهِ وَذُبِيَّاتِهِ آفُضَلَ صَكَدَةٍ وَإِنْ كَى سَسِيلًا مِ وَٱنْمَى بَرَكَاتٍ مِلُ ٱلْعَسِدُشِي وَٱلكُرُسِي وَالسَّمَوَاتِ وَٱلاَرُضِ وَمَا بَيُنَهُمَا وَمِلُ ٱلْعَسَلَوَالْكَ وَالْغُوَالِمِ وَمِيدُلُ أَلَّا فَاقِ وَأُلاَ فُطَابٍ- اَللَّهُمَّ صَسِلٌ وستسيخ وتباي ك و حصير م على ستيد تا المحتسم عَبُدِكَ وَيَبِيِّكَ وَيَسُولِكَ النَّبِي الدُّمِيُ وَعَلَى آلِيهِ وآضعابيه وآئة واجه وذكرتاته آنفل صلحة وآئكى سنساوم وأنمى تبركات عسدة متا في عليك

وَمِلُ مَا فِيُ عِلْمِكَ وَنِي لَهُ مَا فِيُ عِلْمِكَ وَمِدَا دَكِيمَا لِكَ كمُنْتَقَى رَحُمَيْكِ وَمَبْلَغَ رِضَاكَ حَتَى تَرُضَى وَإِذَا كَضِيْتَ وَعَدَدَ وَمَا ذَكَ مَ لَقُكُ وَعَدَدَ وَمَا هُدُهُ ذَاكِرُولُكُ وعتدة دَمَاسَبُحُولُ وَحَدِثَهُ وَكَ وَحَدِثُولُ وَحَدُولُ وَحَدُولُ وَحَدُولُ وَوَتَعَدُو وَهَلَوُكَ وَاسْتَغَعَرُ وُكَ وَعَسَدَهُ وَكَ وَعَسَدَهُمُ مُسَبَّحُوكَ وَ حَاسِدُونَ وَمُحَتَّبِرُوكَ وَمُوحِدُونَ وَمُوَجِدُونَ وَمُعَلِّدُوكَ وَلَمُسْتَعُفِوْلِكَ عَلَى مَسَدِّ الدَّهُوْسِ وَالْوَعُمَسَاسِ - اللَّهُ مَّ مسل وسيلم وبايك وحقيم على ستيدنا ومؤلفا مُحَسِمَة حَبُدِكَ وَنَبِيِّكَ وَمَا سُولِكَ النَّبِيِّ الْأُمِّي وَ عَلَى آلِهِ وَآصُعَاجِهِ وَآزُوَاجِهِ وَذُبُرِيَّاتِهِ آنُضُلَ صتبيحة وآئنى ستبادم وأننى بتركات عتدة مَا خَكَفَتَ مِنَ الطَّيُورِ وَالبَهَائِمُ وَالُوحُوشِ وَأَلَانُعَامٍ وَالْوَبْعَابِ-آللهُمَّ صَلَّ وَسَلَّهُمْ وَبَابِ كُ وَحَيْرُمُ عَلَى السَّسِيِّدِ الْكَامِلِ الْعَارِيحِ آلْخَايْدِ حَاءِ الرَّحُمَّةِ وَمِيمَى ٱلْكُلُّ وَدَالِ الدَّدَامِ بَخِيرَآنُوَابِ كَ وَمَعْدَنِ اَسُوَادِكَ كقروس تمتككيك وليستان حُجَّتك وَإِمَا مِحَفُرَيكَ وَطِرَ ازْمُلُكِكَ وَعَنْيُنِ } عُيَّا نِ خَلَقِكَ وَصَفِيِّكَ أَلْسَايِقٍ يلُغَسِكُق تُوْثُ ﴾ السَّبِحَدِّ لِلْعَالَمِينَ ظُهُوْرُهُ ٱلسُّصُطَّفَىٱلُجُنَّبَى النُّذَ الْمُدُنَّفَى الْمُحْتَارِ- عَبْنِ الْعِنَايَةِ وَنَهُ إِنْ الْفِيَامَةِ كالمام المتشود آميش أكهككة وكتنو التقيقة و وكشمس الشريعة وكآشيف الغمثة وتبالى الظلمة وكأحير

الُيكَّةِ وَنَبِيّ الرَّحُهُ وَشَفِيتِعِ ٱلْأُمَّةِ يَوْمَ ٱلْقِيّامَةِ ستيدنا ومؤلانا مختشد عبدك وتبيتك وتامولك الذِّي ٱلدُينَ وَعَلَى آلِهِ وَآصَعَا بِهِ وَآزُوَاجِهِ وَذُرِّيَّاتِهِ آئفنسلَ صسّلاَةٍ وَآزَى سَسَلَةٍ مِ وَآئَى بَرَكَاتٍ عَدَ دَ حَذَا كُلِّهِ آضَعَانًا مُضَاحَتَةٌ مَضُرُوبًا فِي آمُثَالِهِ وَآمُثَالِهِ وآمنناله لآكنتك عكنها ولاكتيطع متددكا حستى تَسُتَغُرِقَ الْعَدَّ وَيَجِيُطُ بِالْعَدِّ آبَدَ الْآبِدِيْنِ وَكُلِي الدَّاجِدِينَ مَا دَا مَتِ السَّمَوَاتُ وَالْاَيْضُونَ وَالْعَرُشُ والعصرينى والجنشة والتَّابُ وعَادَامَ مُلْكُ اللَّبِ الوَاحِدِ الْعَقَابِ - آللهُمَّ صَلِ وَسَلِمٌ وَبَابِ كُ و حَدِيْمُ عَلَى سَسَيِّدِ كَا وَمَوْلَانًا مُحُسَّتُهُ عَنْدِ كَ وَيَبِيتِكَ وَمَا سُؤُلِكَ النَّبِيِّ الْوُمِّي وَعَلَى ٱلِدِوَامْتَحَايِهِ وَآنُ وَاجِدِهِ وَذُبِيَّاتِهِ اَفَعُسَلَ صَسِلَةَ وَ وَانْ كَى ستسكة ۾ وَآئِمَى تِوَكَاتِ وَالْجُسنِ وِعَنَّا يَارَبِ مَاهُوَ آخُلُتُ وَأَجْسِزِوا نَصْلَ مَا حَزَيْتَ نَبِيًّا عَنْ تَوْمِهِ وَيَ سُولُوعَنْ أَكْتِيدٍ وَآجِهِ أَلْوَسِيعُكَدَّ وَالْعَيْسُ لَتِي وَالِكَّرَ بَعِنْ السِّرِّ فَيْعَتُ وَآثْنِي لُوْ الْمُنْزُلُ المُعَسَىّ بَ عِندَكَ يَوْمَ الْقِيَامَةِ وَصَلِ بَارَتِ وَسَيِّمْ كذَلِثَ كُلِّهِ عَسَلَى جَمِينُعِ الْحُوّائِهِ الْاَحْتَرَيْنَ مِنَ الْوَبْبِيَاءِ وَالْمُنْ سَلِينَ وَعَلَى آبِي بَكُرِوعُمُ مَا ذَعُنُمَا نَ وَعَلِي دَحَسَلَى آلِ كُلِّ وَعَلَى التَّرَابَةِ وَالتَّابِعِينَ الْسَبَرَةِ

الأخياب وتشبعان التسوويحتدد تشبيخا يكيشق بمتبسوء وجسكوك - والعسمدُ يتسركين عيب مُسَارَكًا كَافِينًا عَلَى جَبِيئِع يَعْيِدِ وَإِفْضَالِهِ-وَلَا إِلَى إلاَّ اللَّهُ وَحُدَهُ لَاسْسِينِكَ لَهُ ٱلْمُنْعَسِدُ عُلَوْهِ وَكَمَالِهِ كالثن آحكيرُ أَلُتَعَاظِمْ فِي كِبْرِيَايُهِ وَجَسِلَالِهِ - وَلاَ حَوْلَ وَلَا قُوْتُهُ وَلَا بِاللَّبِ الْعَسِينِ الْعَظِيمِ عِنْدَ كُلَّ هِم وَغَيْمٌ وَكُوْبِ وَضِينَيْ وَحِنْدَكُلِّ حَادِثِ يَحُدُسُكُ لِلْعَبْدِ فِي جَمِيعِ إِحْوَالِهِ وَأَسْتَنَعُفِرُ اللَّهَ ٱلْعَظِيمَ مِنْ كُلِّ ذَنْبِ آذْنَبُسُهُ فِي سَوَا وِ اللَّيْسِ وَخِيسَاءِ النَّعَابِ وبي إقبال مينهما وا ذباب وعدد ويك ومشل ذيك كآضُعًات آصُعَانِ ذَلِكَ مَا طَلَعَتُ ثَمُسُ ٱوْسِرَزَعَ بَدُثُ اَدُعَبَ رِيعُ آوُسَعَ عَمَامُ آوُسَعَ عَمَامُ اَوْسَعَ طَيُوا وَ ٱقْيَلَ بَسَيْسِلُ ٱوْاَشْسِرَقَ نَعَائُ - وَصَلَى اللَّهُ عَلَى سَسَيِّدِ الْاَبْسَاسِ - وَنَى يُنِ الْمُسُوْسَلِيْنَ الْاَحْيَابِ - وَاكْرَا مَنْ آظُلَمَ عَكَيْبِ ٱللَّيْسُ لُ وَآتُسْرَقَ عَكَيْدِ النَّعَابُ-كآلِه وَصَحْبِهِ وَسَيِمْ تَسُلِمُ الصَّيْدُا-سب تعربین انتر کے بیے جس نے ہم سے غم دور فرمایا بے سک بارا پرورد کار بخشنے والا قدر دان ہے۔ اللی درود وسلام و بر مرم ازل فرما بهارس آقا ومولا محترير جوتيرس بندس بني اور يُول بين بني أمني اورآب كي آل واصحاب پر ، اور بيو يول اور اولا د

Marfat.com

مر، فامنل تردر ود اورصاف ترسلام اوركتيربركتين، قرآن كريم كي

سور تول کے برابر، اس کی آبتول، کلمات حروف اور نقطوں کے برابر - اس کی تفصیل اور اجمال سے برابر - اس کی جزئیات و کلکیات سے برابر۔ اس کی شکل ، ہمزون اور حرکات وسکنات سے برابر۔ اس مے نفوط وغیمنقوط حروف سے برابر۔ اس کے منصل وحمل کے برابر۔ اس کے بول اورمفہوم کے برابر محکم وششابہ سے برابر، اس کے محل عام، ناسخ دمنسُوخ اوراشارات کے برابر، کس سے امرونہی اور عَبرك برابر، اس كے وعد، وعيد، قصص دوا تعامت، اورمثالول كے برابر۔ اعدادوشاركے برابراورج صریتیں بیان ہوئیں ان كے برابر- اللی ؛ درودوسلام ، برکت اورکرم فرما ان سے برابراور آن ریے برابر- اللی ! در و دوسلام ، برکت اورکرم فرما ہمارسے فاو مولا محتريرج تيرس بندس نبى اور رسول بين ، نبى أمتى بين اوران كيآل اورصحابركزام بهيويول اوراولا دبيرافضل ورُود اورباكيزه ترسلام بيد دربيد بركتن حركتون سكونول، نيكيول اور برائيول سے برابراور بنی ہوئی جیزوں سے سوراخوں سے برابر، مونہوں سے چانے کے برابر انکھوں کے جیکے سے برابر اللی درودوسلام و بركت اوركوم نازل فرما - بهار سے آقا ومولا، بهار سے جيب اور ہماری انکھوں کی محتذ کو مختر پر جو تیرے بندے رسکول اور نبی اُمنی اورعربي رسول ميں اوران كى آل داصحاب بير، اُن كى بيويوں اور اولاد پر،اوران کے اہلِ خانہ پرافضل دروداورباکیز بیرسلام ا درگرال تدربرکتین اسانسول ، دنول ، حروفت، نقطول ، کلمات اورح کار تے برابر، رنیتوں کے در بیے آنے والے وسود

وبجول شکوک وظنون اوراف کارسکے برابر-الہی در و دوسلام برکت اور كرم نازل فرما بهارسے أقا ومولى مبيب أيحوں كى مُحندُ كرمخترير؛ جو تىرسى بندسى رسول ، نبى أتى ، رسول عربي بين - ا دراب كى ال و اصحاب پرا بیونول اورا ولا و اور کھروانول پر- افغنل درُ و دیاکنرہ سلام، فزول تربركتين - اجسام وارواح كے برابرج ابر عقول اورعلوم سحے برابر، ابت راسے آخرتک مخلوق کے نحوا سب وخیال نیں ج آ تا ہے اس کے برابر ہے دریدے طنے والے دلائل اوران كى خبروں سے برابر اللى ! درود دسسان م بركت اوركوم نا زل فرما . ہارے آقا ومولا، لینے بندے ، بی اور رسول پرجوائی نبی ہیں اورآبيكي آل اورصحابه كوام ير، بيويول اوراولا ديرانصل درُود ا درباکیزه ترسلام اور روز افزوں برکتیں ، فرشتوں سے برابرا ور موفی آبھول وائی حورول سے برابر، علمان سے برابر۔ انسا نوں ۔ جنول اسمند مخلوق، جانورول، چوبائيول، وحشيول اور پرندول محيرابرا اللى إ درودوسلام اوربركت وكرم تا زل فرما بهارى التا ومولا محدير جزير سي بند سي اور رسول بين أتى نبي ير اور حنوكي آل واصحاب بيويول اورا ولا دپر، افضل درُو داورباكيز ترسلام اورفزول تربركتين مرول جرول اكانول المحول ناكول به ونتول، مونهول بسينول ، باتھول، باؤل، اتكليول اورناخول محيرا برالني ! درُود وسلام اوربركت وكرم فرا مارساقاد مولا محترم جترسه بندس نبی، رسول اور نبی اُحی بی اور صور کی آل واصحاب پر، پیویوں اور اولا دبر افضل درو دیا کیزوتر

سلام ا ورفترو ل تربركتيل، دلول، بيسليول، پاريول، كھرول، اُون كالس بات بالول اورليتم كربراير، اللي إ درود ومسلام اوربكت نازل فرما بهارس والمولى محترير، جتيرس بندس بن وسول ، نبي أمتى مي اوراك كي آل واصحاب يربيويون اور اولاد براهنل درُود باكنزه ترسلام اومافزول بركتي ، جبمول ، اعصناً ، ميول اورجوان میں ہے ان سب سے برابرہ اور رکول ہمسامول نبانوں دانتول ، کانول اورانکول کے برابر-النی اورو دوسلام وکرم نازل فرابهارسد أقادموني محتربر اج تيريد بندس بني ارتسول اورنبي افتى بين ا ورحنوركي أل واصحاب ير، بيويون اوراولا دير، افعنل درُو دیاکنروتر مسلام فزول تربرکتی ، کھیلس بیل شنيؤل اور درختول سحيرابر الهى درو د وسسلام اوربركت و كرم نازل فرما بهارك واومولا محتر يرجوتيرك بندسيني رسو اورنبی ا می ہیں اور حنولی ال واصحاب پر اور حنولی بیویوں اورا ولا ديرافضل درو و اورياكيزه ترسلام ا ورفزول تربكتيس وانول محقليول، يجول، كليول اوريكل فروك تحديرابر. اللي إ وروودالم اوربركت نازل فرط بهار ساة قاوموني محقربي بجتير سي بندس نبی، رسول اورنبی اُمّی میں اور آیب سیدال واصحاب بیویوں اوراولا ديرا انضل درُود ، پاكيزوترسلام اور فزول تربکتين ريت اوزكنكريول مح برابر، ملى ، معدنيات اورتيمرول مح برابر، اللي إدرود وسلام ، بركت وكرم نازل فرما ! بهارسدا قا ومولى محترير، جوتير ب بندے بى اور يول اور بى ام تى يى اور اي

کے آل واصحاب پر بیویوں اور اولا دیرا قضل درود اور پاکنرہ ترسلام فزوں تربرتیں اسانوں سے برابرگردش فلاک سے برابر بادلول اوربواؤل كے چلتے بجلی كے چيئے ، گرن كى آوازاو بارش محقطرول محيرابر اللي إورودوسلام وبركت وكرم ناول فرا. بهارسه أقا ومولی محدّ برج تیر سے بندسے نبی، رسول اور نبی اُتی ہیں۔ اورآبيك كي أل واصحاب بيويو ل اوراولا د برافضل ورود باكيره ترسلام اورفزول تربركتين نازل فرا- يانيول كقطرس ، بهارو اور حبمول کے ذروں کے برابر- اور سمندروں کی بسروں اور موجوں سحيرابره النى درود وسلام بركت وكرم نازل فرط بهارست أفا و مولى محدم يوج تير سيندسيني رسول اورنبي امي بي اور صنوركي كال واصحاب ازواج واولا دبراقضل ورُودباكيزه ترسلام، فزوتم بركتين اج كجو توسف بيداكيا ياج كجوبيدا كرسه كاس ك برابر برابرا ور جوہوا یا ہوگا اس سے برابراور تیرے قلم سے چلنے سے برابر جوتیرے حكم افذ بوشے اورج كوتياعلم محيط سے۔ اورج كوعلم وشعور سمجنے ست قاصریت اس سے برابرہ اللی درو دوسلام برکست وکرم نازل فرط سمار سيراقا ومولا محمد مرج نيرس بندسي رسول اورنبي أمتي میں - اور صنوسے آل واصحاب ازواج واولا دیرانفنل درودپاکیز ترسلام فزول تربركتين ازل فرما زمينول وأسحانول والول ني ابتدائه أفرنيش مص اخرتك ، مهرزمانه وأن مين وقت ومهينه میں ، مرحمعهمی، رات و دن میں ،ساعت ولمحہ ، مرسالس و جشم ز دن برگفری درد دوسلام تیرے محبوب برجیجا اس سے برابر

ا در صنور برصبح وشام، سوتے وقت اور ترکیے درود تر لین پڑھنے والول سے برابر-النی ! درودوسلام برکت وکرم نا زل فرا بھارے اتا ومولىٰ لينے بندسے بى اور رئسول بى أخى بر، اور آپ كى آل و اصحاب بر، ازواج واولاد بر، افضل درود، پاکیره ترسلام اور فزول تربركتين عرس وكرسى أسمانول اورزمين اورجوان كيروميا ہے اور بہاروں ، ٹیلول ، ربیت سے ذرول مشکول جیمول سمند اورنهرول سح برابر، الئی درود وسلام برکت اور کرم نانل فرایک ح اقا ومولی محدج تیرسے بندسے بی رسول اورنی اُتی بیں اور آب کی آل داصحاب پر، بیویوں اور بیچل پر، افضل درو د اور پاکیزه ترسلام -اور فزوں تربرکتیں، عرش ، کرسی ، اسمانوں دمین اور جوان کے درمیا ہے ان سب سے برابر۔خلاُ (جوخالی نظراتی ہے) ملاُ دجو مُزِنظر کی ب كائات، أفاق واقطار كيرابر اللي وركود وسلام بركمت اور كرم ان فرا بهارس أ قا ومولى محتربي بوتيرس بندس بي وسول اورنبي أتى بي اورآب كى آل واصحاب بربيويون اورا ولا دير، افضل تر درود ، پاکنرہ ترسلام اور فزوں تربکتی ، جوتیرسے علم میں ہے اس کے برابرا در تیرے علم بھرا در تیرے علم سے وزن جعری تيركمون كرسياى كحبرابراتيرى رحنت كى عد كميرابراتيرى رصناکی رسائی سے برابر، بہاں تک کہ توراصنی ہوجا ہے اورجب تو راصنی ہوجائے اورتیری مخلوق نے تیراجو ذکر کیا ، اس سے برابر، اور جتنا ذكركري سكے اور مبتنا ذكر كريں سكے اس سے برابر اور جو انسول نے تیری تبدیج تھیدا ورعبیری اورجی قدرانهوں نے تیری توجیدکا

اعلان وقراركيا اورحتني مرتبه لااله الاالتركها اورحتني مرتبداتهول تبحد سے مغفرت طلب کی اور مبنی تیری تسییح کریں گے اور تیری حمد كرين اورتيرى تجيركرين سكے اورتيرى توحيد كا افرار كريں سكے اور جس تعدرتیری تہلیل ولاالہ الاالاکہنا) کریں گے۔ ا ورجتنے زمانے وہ مجھ سے مغفرت کریں گے اس سے برابر - النی درود وسلام ، برکت اوركرم نانل فرما بهار ما قادمولا محتربيه بحتير سي بندسي رسول اورنبي المي بين اوراكيب كي آل واصحاب ير، بيويون اوراولا دير، افقل درود، پاکیزو ترسلام اورفزوں تربرکتی، جو تو نے برندے، حیوانات، وحتی جانور، بحیائے اور گائیں بیداکیں ان کےبرابر، الني در ودوسلام بركت وكرم نا زل فرا سردار كامل، قالى ، خاتم، رحمت کی حا، ملک کی میم، دوام کی دال بر، جوتیرسے اتوار کاسمند تيرساسراركى كان ،تيرى حكومت كادولها ، اورتيرى فحتت كى زبان ج تیری بارگاہ سے امام ،تیرسے ملک کی شان .تیری مخلوق کے خاصوں كا خاص اورتيرا وه برگزيده رئيول اجركا نؤرتمام مخلوق سے يہلے ہے. جن كاظهوتمام كائنات كے يا رحمت ہے مصطفے بجتنی درگذین پاکیزه، پسندیده پخته بوکت بین عنایت، قیامت کی رونق ۱ مام بارگاه، امین سطنت جمیقت کاخزانه، شریعیت کاسورج تا پیکول كودور كرين والا، اندهيرول كوروشني بخفين والا، بتت كيدگار بى رحمت بسفيع أحمت، بهارساقا ومولامحرج تيرب بندس نبي اور رُسول بين بي أحق بين اور آب كي أل واصحاب بي بيويون اوراولا ديرافضل ورود، ياكيزه ترملام اورفزون تربكتي ان مسكى

تعدا د سے برابر. ان کوئنگ ابر خصا چڑھا کراوران سب سے مجوعہ کوائنے اور سے ضرب دے کرتمام مجوعہ کے برابرایک بھی کم نہو سیائے زبو يهان كسائرتم اعداد وشاراس ميساجائي اورتمام صدول كااحاط بوجائ بميشتهميشه زمانه بمرجب كم زميني اوراسان بي عرش وكرسى ، جنت و دوزخ اورانتروا مدوقهار كي محومت رہے۔ الني درود وسلام بركت وكرم نازل فرا بهارسے آقا ومولامحقرير، جوتير ب بندے بى رسول ورنبى اتى بى اور آب كى ال واصحاب اوربيواول اوراولا دبر، افضل درو داور پاكيزه ترسلام اورفزول تر بركتي ، اورا سے اللہ اصنور كو ہارى طرف سے وہ جزائے خير عطا فراجس محے المیستی ہیں اور اس سے افضل جز اُجو تو نے کسی توم کی طرفت سے اس کے بی کوعطا فرمائی ہے۔ اورکسی دُسول کواں ک اُمّت کی طرفت سے عطا فرائی اور حنورکوکسی وسیل، ففیلت اورملند درجعطا فرما اورقیامت سے دن حضو کو اپنے قریب ترمقام يرفائز فرما ، اورلس يروردگار! اسى طرح درود وسلام نازل فركا -حنور سحة تمام معزز بجاثيول بعن ببيول اوردشولول براور ابويجر، عمروعثمان وعلى براورسك آل ورسب كصحابراورسي قرابتدرو پراور نیو کارام برین ابعین براورانسی حمدویا کی فدا سے یا ہے جو اس کی بزرگی وعظمت سے شایان شان سے اورسب تعریفیں التررب العالمين سے يلے ہے اليى تعرفين جۇنير سول ايكينو ہو بابركت بول اكافى بول الس كتمام نعمتول اورفعنلول برعباوت سے لائق کوئی نہیں سوائے انٹرتعالیٰ کے بجرایک ہے کوئی اس سے

برابرسی ، جواین بلندی اور کمال میں کیا ہے اور الندسب سے بڑا ہے بواپنی برائی اور دبد ہے میں اپنے آب سے بڑھ کر ہے۔ نیکی کی طاقت اوربُرائی سے بھا والندہی کی توفیق سے ہے۔ بوبلند ترعظیم ز ہے۔ ہرمریشانی عما ورسلیف اور تھ کے وقت اوربندے کو تمام مالات میں نت نے ما دیتے میں اسے وقت ، اور میں فرائے برتسر سے معافی چاہتا ہوں، ہرایسے گناہ سے، جے میں نے دات کی تاری ، دن کے اُجالے اور دونوں کے آتے جاتے وقت میں کیا ہے۔اسی تعداد کے مرابرہ اور اس حتنی اور تعداد کے برابر اوراس سے دوگنی چگنی تعدا و کے برابرجب تک سورن طلوع ہوتا رہے۔ اورجا ندهیکار سے بواطلتی رہے اور بادل جاتا رہے پرندے يجيها تے رہي رات آئي رہے دن جي رہے اور انترتعاليٰ ورو يتصخيحل كمصهرار بركزيده رشولول كى زينىت پراور ان تمام س معترنه ترین برجن بررات اندهیراکرسداور دن روشنی ،اورآب كى أل واصحاب يرا وربست بهت سلام ؛

درود وسلام كے بعد، بنده نقير يكي بن عبدالرحن رملي شافعي قا درى المتراس كواوراس ك والدين كوء الس كف شاكسخ ا ورتمام ملا نول كوبخش دسے،عرض كذار سے كدير بابركت درُود عربی نبی بر بجوبطا کے باسی ہیں . ہاسمی ، فرشی ، اُتی ہیں برد ار کامل ، فاسمے دجن سے لسانہوت نشروع ہوا) خاتم (جی پرسلسانہوت ختم ہوا) پرور د گارعالم سے مبیب گنگاروں کی شفاعت فرما نے والے ،انس اُمّت کے قائم ہیں جن کے چیرے اور ہاتھ یا وُل داعفائے ومنی تیامت کوجیجے ہوں سکے مختصلی انترعلیہ کاسلم يرس وانتداب براوراب كال واصحاب براولا دوازوا جسب بردر ووسلام نادل فرمائے، اور ان برجمی جونیجی کے ساتھ قیامت تک ان کی بیروی کرتے رہیں کے۔ میں نے اس کو جمع کیا بھرہُ انور کے انوار کی جیک و تروتا زگی کی معبت میں اور سركار كى رضا كے يلے اور صنو كى علمت بار كا دينا دسى دنيا واخرت ميں قرب كا وسيدبناني كي يلے اوريس نے اس كواس طرح ترتيب ديا ہے كميرسے كم ميں اس سے پہلے ایسانہیں کیا گیا نہ کسی نے پہلے کیا نہ بعد میں اور پیسب اس کی عام مد اور را الرسے نفبل سے ہوا ۔ کرحنور ہی سے پاس مربیا سے کی بیانس جھتی ہے بحواص عام اورجن وانسان کی چنوعلیالصلوٰۃ والسلام نے فرمایا۔ قیامت سے دن تم میں سے برے قریب تروہ ہو گا ہوتم میں سے سب سے بڑھ کر مجے بر درود بھیجے كا- اورحنورعليلهلوة والسلام نهايك حديث مين فقرلفظول مين برى تعدادكي طرف اشاره كيا سي شبكان الشرى يحتثوم عدد تنتي وسانتيه وَنِينَةِ عَرُشْيه وَمِدَادَكِمُ الورس كه علا و مفهوم مين مِلتي عُلِتي مديني، اورسكت سے يهيل بجيلول بزركول سيداوراس كالهم معنى تسبيحات وخيره منقول بين جب المتد خصجه پرلینے فضل وکوم سے اس دار و د تربیت سے احسان فرایا - توایک نمیک ادمی نے یہ درُ و د مشراعیت پڑھا اور سوگیا خواب میں دیکھاکیا ہے کر گویاکوئی کھنے

والاکه رہا ہے کہ اس در و دخر لیف کا نواب اللہ ہی شما رکز سکتا ہے یہ بیں تو اس نے تھکا دیا ہے یہ واقع بریت المقدس کے مضافات ہیں موضع جلجو لیا میں بیٹریا۔ اور اسے روایت کیا ہے سیدی شیخ استاذ ، امام ، عارف بالتہ تعالیٰ سالکوں کے مرتی ، مربدوں کے سکت ، لینے و کور کے بیکا ، لینے دور کے بیکا ، اپنے ذائے کے مرتی ، مربدوں کے سکت اپنے و کور کے بیکا ، لینے دوار کے بیکا ، اپنے ذائے کے جیدہ ، قلب ، و کی شیخ مختر مغربی النٹران کو معاف فرمائے اور ان بررہم فرمائے اور ان بررہم فرمائے اور ان بررہم فرمائے اور ان کی برکتیں ہم برا ورثما مسلمانوں برلوٹا کے حالا کہ اس وقت مک بر درود خریون میکن میں ہوا تھا جب میں نے اللہ کے فقل سے اس وقت مک بر درود خریون میکن میں ہوا تھا جب میں نے اللہ کے فقل سے اس کو محمل کر لیا تو اس کا نام رکھا ۔

اس یا کے اگر کھمیا عقلاً جائز ہے تو اکیمیا گرکو، دینا کی غریبی سے نجات دیما ہے۔ اور پر در و دخر لیب دنیا داخرت کی غربی سے نجات دیا ہے۔ دیجھوا محضور صلے النٹرعلیہ و مم سے اس فرمان کی حقیقت کو کہ جس نے دباتی فرائض ا داکرنے سے بعر) اپنی تمام عبا دشت مجہ بر درو و دسلام پڑھنا کھہ الی۔ توالترتعاني اس كى تمام دبيوى والخروى حاجات خود يورى يغرا كيكا. يا جيسا حضنو عليهملواة والسلام نے يونهى ده حديث جوحفرت إتى نے كعب ردایت کی ہے،جس کا ذکرار ا ہے بھر مجھ مسر کی طرف سفرکرنا پڑا میں نے كتعفرت صلى المتعليدوهم كوخواب بين كثرت سيضحلات ديجها اوركافي وس بين صنوك يم الميارم ويمبارك نواب ما ه شوال جعد كى رات المثنامة كوين نے دیکھا ہے۔ بھرمیں نے اسی سال ج کیا اور مرکار کی برکت سے بی مدیدمنوہ ما حزموا۔ اور صنوعے زیرسایہ وہیں میں نے یہ درو دسٹر لیف لکھا اور ایک عرصے یک میں نے اسے چیائے رکھا بھر مجھے حنورعلیالسلام کی زیارت نصیب ہوئی توحفنو فرات مي تون مردر وراصاحبور دياسه ويامول ياسه

سے متی مبتی بات فرما کی بین نے عرض کیا صفور اکیا آب کو درود مینچا ہے؟ یا اس سے ملتے ملتے الفاظ میں نے کھے فروایا ہاں ایموفروایا میں عنقریب اسم اعظم مے ذریعے تیرے یے دعا کروں گا- مجھے امید ہے کے حس درو و تشرایف کی طرف اشارہ فرمایا گیا ہے وہ میں در و د شرایت ہے جو کوئی اس کا اہمام کرے گا-اس كى بركت سے بهت معلائى ديھے كا بھريدسب كچھ ظاہر بوا، الحداللہ إيدالس كا احسان بسے اور اوگول میں بہت متبول ہوااور مجھے امید ہے کدا فتراس کواس طرح تهرت بختے گا بیصے زمین کے کونے کو نے میں سور جمشور ہے ۔ وعا ج کہ اسے اپنی رصناکا ذریعہ بنا ہے۔ ان کی مرکمت سےجن کے بیے میں نے لیے جمع كياب اورجوا سيمينته برمص سربندورواز سے كھول دے - اور اسے جنت مي بند ترین محلات میں حبر دے او تھا ہے میں آقا وُں سے آقاصلی الندعلیہ وہم کی جبر زما رشت ہوتی رہے۔کیون نہیں جب ابی ابن کعب رضی انڈوعنہ نے عرض کیا کہ یا رسول الله إلى ميتمام وقت د نوافل كا أب بردرو وبرصف سے بيے صرف كرو كا متوصور في وايا: إذا تنطي مَتك ويُغْفَ مُنك ذَنبك تیری تمام بریشانیوں سے یہے یک کافی ہوگا۔ اور تیرے گنا مبخش دیئے جائیں گئے۔ م خزیک صدیث - ا ورنبی علیالسلام مروژ و وسلام جوم اسے بڑے اجربرکشیں اور -قبوليت بهدوه يوشيد من اوريه برطال مي المداورجب كك زمانه باقي ہروقت ہے۔ پیمرکسی ایسے بھی پر جھے عقل سلیم اور فہمستقیم عطا ہوا ہے بیجیت پر شیدہ نہیں کہ یہ دارو د نتر بعین کائنات ارصنی وسا دی کی تمام کلیات وجزئیات پر مشتل ہے اورتمام گزشتہ در و دول کی تفصیلات ومجلات پرماوی سینے صفا مبارية تول كه د د كنا چوگنا ، حبب كه اسے اسى جيسے سے ضرب دى جائے تاكداس فو كلي عقيت واصنح بوجائے كداس كے اجرو ثوا كل شار الله كے سواكو أي تيس

کرسکا ۱۰ در میا صاب کے اہر پریاز کمل جائے گا ورائندی قدرت وظمت کے اسکے سرسیم کے بغیر اور اپنی عاجزی کا اعتراف کے بغیر جارہ ہی کیا ہے ہیں یہ نہیں کتا کہ میں ایسی چیز لایا ہوں جس کی مثل باتی نہیں لاسکے یا ان کے علم میں یہ وسعت نہیں کتا کہ میں توان کے غالب فائق اور کمل نورا مدا دسے روشنی حاصل کرنے والا ہوں۔ اور ان کے غالب فائق اور کمل نورا مدا دسے روشنی حاصل کرنے والا ہوں۔ اور ان کے خات میں خوات کے موتی جمع کریا ہے ہیں۔ امید ہے۔ اور ان کے اور بھرے ہوئے موتی جمع کریا ہے ہیں۔ امید ہے۔ ان کے نکھے ہوئے اسمائے گرامی

ان کی برکتوں سے ہم کو دنیا وآخرت میں نفع دسے بیٹنک وہ بڑاسنی کرم فرما نے وا اوركتيرنعمت والاست اوريس في اس ورود تروي كواليا حيات الصلعت في م ودفائروں کے بیلے ایک بیرکہ اس میں بیلے اعداد شمار مجی خوا معصل ہوں خوام محل جمع بوجائي ودوسر الدمجهاميد باكاهترتعا كالمراورج شخص اس كوبهتر طربية سے پڑھے گاان کاتمی خاتمہ الخیر فرائے گا، بے تنک وہ قریب ہے اور دعائيس سنفضوالا مصاورمد ببنهمنور والتنراس كفيتم ميرافضل ورود وسلام بيقيح میں اس در و دخرافین کے تکھنے سے بیر کی رات یا شوال منت کومیں فارع ہوا مؤلف كاكلام ختم بعا مؤلف كيش فحرمغربي بين سلقا دريه كي شهربي بيرج كاذكر قطبين يبك كزيها ب- كماب الانس الجسيل في تاب يخ العسب دس المخليل " كي تنت ن و أي تهير بيرتبري على بن عليل جولوگوں ببن عيم كي ام مي شهوربيل كه حالات بين لكا بي كهارس زمان ميري نظرين بارسات فا دمولي شخ والتركه ولى عبا دسة گذارو ل ميميشوا انامرو سكه امام، وجو دا در بنروں كى بركست شمس لدين ابوعو ل مُحَدِّمغــ بى قا درى شافعى بي جوبلجوليا مين تشرلين فرما بي ممدئت المسلاميين مشاشخ قا دريد سي عشيا الله

ان کے دجو دیسے سلمانوں کو نفع مینجا ئے۔ رملی رطرفلسطین کی طرف منسوب ہے۔ جو با فا اوربیت المقارس کے درممیان ہے۔

الكيسودور ورودوريرلف عاجت بَرا ورى اوركيب ووركرن كيلي اَللْهُ تَرْصَدِنَ عَلَى سَيْدِينَا لَحُرَبَ تَدِوَعَلَى ٱلِيدِ صَلَوَةً اَهُلُ الشَّمَوَاتِ وَالْاَحْنِينَ عَلَيْدِ الْجُسِير يَامَوُلَكَنَا نُفُفِكَ الْمُعَى فِي فِي َ آمُدِ يَى وَارِنِي سِيسِةِ جَيِثُ لِ صُنْعِكَ فِيمًا آمُلُهُ مِنْكَ كَارَبِ الْعَالِمِينَ -الني بارسة قافخذاورآب كي آل ير درُو دبيع مِتنا آسان و ومين والول في السير يميا وراسيها رسياً فالبنايوتيده نظعت وكرم ميرسے معامليس جارى فرا وسے اور مجھے اپنے خوبھورت كام كاماز دكما دسے جن جن باتوں میں مجے تجھ سے المیدہے اسے بررو عالم إاس كوكنوزالاسراري ذكركيا ہے اور مُصنف نے اس كى ففيلت بين كها ب المركه الياب جوشف اس كوايك بزارم تبريش اللاس كي تكليف ختم كر د سے كا وراس كى حاجت پورى فرمائے كا خوا وكيسى، كى بوجشخش نے مجھ پر بات بتائی اس نے برجی بتایا کرجوکوئی پر باب کانام آکستیوئے ایک مزار مرتبه ميسص بعني كياستير نبيع كي استيمي مذكوراه فائده بوكا - فرما ياكرج دونو پر عمل کرے توکیا ہی کہنے ابن بعض حضرات نے اس درُود کوستیرعبادہدعلی کی طرف باين الفاظ منسوب كيا سي الله في مسل على سيدياً المحكودة على

آليسي صسّب لوّة آخسيل ألاّت عنديّق و آخسريّات سبّ بِلُطُّفِكَ الْمُسْرِينَ وَالْجُسْرِيّات سبّ بِلُطُّفِكَ الْمُسْلِمِينَ اوركها كرصنورعليالسلام نے يہ درود ورثر لين ان كوبالمشاف بنايا تھا النّدان سے داصى ہو۔

ايك سوندسرا ورُو درته ليف

اللهم صل على سيدنا محسد و على السيدنا محسد و على السيدنا محسد منسكه ما تصلت العرف العرف النظر و ت ف خرف المحسد الدر منون بالمعكر و حرج حاج و آغتم ، ولبني و خلق و تخفق الدر منون بالمعكر و حرج حاج و آغتم ، ولبني و خلق و تخفق المحترى و طاكن بالبيت العيني وقبل الحرد و وجيج جب اللي ابهار المحافظ المحترى اللي ابهار المحتر و المحتري المن المحتري المنا المحتري المن المحتري المنا المحتري والمنا و المنا المحتري المنا المنا

اس کوشرے کنوزالاسلامیں ذکر کیا ہے اور اس کی ففیلت کی مقبلت کی مقبلت کی مقبلت کی مقبلت کی مقبلت کو اسے مقبرے میں مقبلت فرا ہے۔ مقبرے میں ایک رقعہ دیکھا تھا جس میں یہ سنے فرایا میں نے ایک ولی کے مزار کے گنبدیں ایک رقعہ دیکھا تھا جس میں یہ عبارت لکھی ممی ۔ فقید مقام میں یہ مرتبہ پیرھنا یا کسے لاکھ کے موام ہے۔ مرتبہ پیرھنا یا کسے لاکھ کے موام ہے۔

ایک به وتنها در و دنترلین وکه در د دور کرنے کے کے

الله مسرية والله الله المعالمة المناتع العليب العلم ا

مرحمی النی ابهاری آقامحقد برد دود اورخوب نوب سلام بینی برجوبهمشکل مرحمی کومل کرنے والے ، پاک صافت اورجهان والوں پرانشر کی رشت بیں اور آپ کی مسافت سختری آل برای

ہیں ہورہ ہیں کا مصاریں مذکور ہے، اور مُصنّف نے اس کی یہ درُود شریف کنوزالاسماریں مذکور ہے، اور مُصنّف نے اس کی فضیلت بیان کرتے ہوئے فرایا کہ یمشکلات ومصائب کے و ور کرنے کے یہ اور مرحن کو دھر کے بلے دمجرب، ہے میساکرسیدی شیخ احمد ولد شیخ ستدی ابوالمحالسن کوسف الفاسی، انسُّران سے نعع وسے کی تحریر سے معلم شیخ ستدی ابوالمحالسن کوسف الفاسی، انسُّران سے نعع وسے کی تحریر سے معلم شیخ ستدی ابوالمحالسن کوسف الفاسی، انسُران سے نعع وسے کی تحریر سے معلم

ایک سوبا بجوال درود مشرکیت آبیج ایک سوبا بجوال درود دمشرکیت رانعی ک

اللهُ مَّ يَاحَيُّ يَافَيُّوْ مُ بِعَا وَ مُحَسَّدٍ صَلَّ وَسَلِّمُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ مَلِيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْ وَآنِهِ صَلَّلَةُ الرِّضَا فِي كُلِ لَنَّتَ عِمَدَ دَمَعُلُوهُ اللَّهُ وَآنِهِ عَلَىٰ الرَّفَ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَ

ترتبر الداللة اليك الميد اليك المؤلفة المؤلفة

ایکسیموچیا در و دشرلین مصطفرانسی مقصطفرانسی کا -

اللهم صلى وسلم والما يا ي على سيد المحسم الله من الله من الله الله من الله من

الشَّرِيْعَة لِلْعَالَيِ بُنَ - وَآ دُضَعَ آفَعًا لَ الطَّرِيْقَةَ لِلْسَائِلِيْنَ وَرَمَزَ فِيعُلُومُ الْحَيْبِعَةِ لِلْعَارِفِينَ - تَعَسَلُ وَسَيْمَ ٱللَّهُ مَ عَلَيْدِ مَسَاوَةٌ تَكِنُقُ بِجَنَابِهِ الشَّرِينِ- مَعَقَامِهِ الْمُسِيْفِ وسَسِيْمُ تَسُلِيماً وَاحِمّا يَا اللّهُ يَا رَحُمُنُ يَا رَحِيمُ - اللّهُمَّ مَسَلّ وستيخ وَبَارِكَ عَسَلَى سَيِّدِنَا مُحَسَبَّدٍ الَّذِي زَيَّنَ معاصبرَ القَلُوبِ- وَآظُهُ رَسَسَوَا يُوَالُغِيُوْبِ يَابَ كُلِّ طَالِبِ وَدَلِيبُ لِي كُلِّ مَحْجُوبِ - نَمَلِّ وَسَسِيَّمَ ٱللَّهُمَّ عَلَيْهِ مَا طَلَعَتْ نَتْمُسُ الْاَحْحَانَ عَلَى الْوُجُدِ. ومست لة وستريخ وبارك على مَنْ آ كَاصَ عَلَيْت بأشداده ستعايت الجؤد ياالله يارم لمن كارجيم اللهجة مسلة على سيدنا محتد مسلاة تُذين بَعِيْدَنَا إِلَى الْحَضْرَاتِ الرَّبَّانِيَّةِ - وَتُدُهِبُ بَعَيْنِنَا إلى مَالَانِهَا يَدُلُ مِنَ أَلِنَاكَاتِ الإحْسَانِيَّةِ - وَحَسَلَ اللهم عليه صلية تنشرح بماالت وفر ويه بِمَا الْا مُوْدُ - وَسُحَشِيفُ بِمَا السُّنُورُ - وَسَلِيمُ تَسُلِمُا كَيْنُورًا إِلَى يَوْمِ الدِّيْنِ آمِينَ -

ورُود وسلام وبركت نازل فرما بخارسية قام محدّر يرجموج داب كاصل میں اور ہرانسان کے دجود کا سبب ہیں - اور درو ووسلام وبرکت تازل فرا-ہمارے قامحمد براجنوں نے دنیا جان سے لیے اسکان شرع كومضبوط كيا اور عزورت مندول كے يلے طريقت كے افعال كوواصح فرمايا - اورعارفين كے يلے علوم حقيقت ميں رمزي مقرد فرائيل سواست النراحنور بردرد ديسسان م نازل فرا، جو اسب کی ہارگا دہند متربت اور مقام مقدلس کے لائق ہو-اور ہمینتہ النى ال پرسلام نازل فرما-اسے الله إلى حرف إلى حربيم إاللى ورود کسلام وبرکت ازل فرا بھار سے آفامتحدّ پر بہنوں سنے د لول کیبستیال سجائیں اور چھے را زظا ہر فرائے۔ ہرطالیک درواڈ اور بريوشيده حقيقت كى دليل-سوالهٰي ان بياس وقت تك ورود سلام بيجيو،جب مك كائات كامورج دنيا برجك را بيد -ادران پردرو دوسلام وبرکست نازل فراجنوں نے ہم پر اپنی مد دسے جود وعطائی بارشیں کیں۔ اسے اللہ! اسے رحل ! اسے رحيم الني بحارسے كا الحكريراليا دُرُود بجيج ! جوبھارسے كا كو بارگا ۽ تبانی میں مزید قرب عطا كرسے اوربھارسے قریب كوان مقامات احسان برفائز كرسيجن كى كوئى أنتهانهيس ا وراللي إ ان پردرُو دکسسام بھیجن سے سینے کھٹل جائیں اور کام آسان ہو جائیں اور پر دے اُمٹر جائیں۔ اور روز جزائک ان پر بجترت سلام تا زل فرا ـ اللی دایسایی ہو۔

ايك بوسأنوال درُودِ شرفي

يريمي أنهي كا ہے

ٱللَّهُمَّ حَسَلٌ وَسَيِّمُ وَبَارِكَ عَلَى سَيِّدِنَا مُحَسَّتَهُ مَنِ ا فَتَسَنَعُتَ بِهِ وَجُودًا لِخَسَلَائِنِ طَلَّاً - وَخَمَّتَ بِهِ عِفْدَ النَّبُوَّةِ الْعَسِرُّا - وَجَعَلْتَهُ آعُلَى النَّبِيثِينَ فَضُلُا كَآعُظْمَهُمُ آجُبِ رًّا - وَخَلَفْتَ بَحِينِعَ ٱلاَثْوَاحِ مِنْ نُوْسِ وِ نَوْادَتُ مُ تَسَتُدُ بِذَيكَ قَدَدًا- صَدَلَةً وَسَدَمًا وَلَمَكُنِ لَا يُعْتَدُن بَيلُكَ ٱلْمُحَشِّرَةِ الْعَلِيثَةِ حَسَدَةَ ٱلْحُسْرَةِ آنوًا عِ الْسَبَرِيَّةِ - حَاظَهَ رَفِيُ الُوُجُوُدِ مِنْهَاوَمَا بَطَنَ -وَمَا يَحَرَّكَ وَمَا سَكَنَ - وَعَدَدَ كَالَكَ فِي خَلْفِلْتَ مِنُ اِفْضَالِ وَمُنَنِ - وَعَدَدَ كُلِّ عَدَدِ كُلِّ عَدَدِ وَعَرَسَيْكَعُ نِي ٱلْكُلُّ كَالْكُكُوْتِ إِنْ أُسِينَدَتُ لِحَاطَتُكُ لَا يُحْتَى آدُجَنُعُ آبُواع جُهَلِهِ وَ آفُسْرَادِعِ بِعَدِّ لايُسْتَعْفَىَ ٱللَّهُ مَ اسْسَرَحُ بِهَا صُدُوْدَنَا وَكِنتِ رَبِهَا أَمُوْدَنَا وَٱخْسِيجُنَابِهَا مِنْ كُلِّ خِينُ وَعُسُرِ- إِلَى كُلَّ فَرُرَج وَيُسُدِر وَفَرِيْنَا بِعَاضُرِيَّةٌ مَعَينُ يُرُبِعَالَدَيْكُ مِنْ آعُلَى الْمُعَنَّ بِينَ - وَالْتَبْسَنَاعِنْدَكَ مِنْ الْمُحْبُوبِينَ -وَٱبْعِيدَ ذُكَامِنُ دِيُوَانِ البُعَدَاءِ وَالْمَطُودُ وَيُنِيَ-كَارِكَ ٱللَّهُمَّ عَلَيْ وَعَلَى ٱلدِ وَصَعْيِهِ ٱجْمَعِينَ الْحُ

يِنْدِ رَبِّ أَلْعَالِينَ -

النی ! درو د وسلام وبرکت نازل فرا بهار سے افامحدیر، جن سے کو نے ساری مخلوق کی ابت دفرمائی- اورجن سے تو نے نبوت کا نُول ٹی سلساختم فرمايا اورجن كوفضل وكرم بين تمام نبيول ست اعلى اوراجروصله کے سی ظرعظیم ترکیا اور تمام انوار کوان سے نور سے بیا فراکران کائنب برُها یا ۱۰ ایسا درود وسسلام جومیشه بواور ان کی اِرگا دعظمت بنا ه كدلائق بويفتى كى انواع كے افراد كے برابر جوظا سرميں اورج پوشيد میں بومتحرک بیں اور جوساکن ، اور مخلوق میں جوفضل واحسان تُو نے فرمایا اس كے برابر جواعدا دو تمار زمين واسان بي بوچك اور بوبول كے۔ كرجن كاا عاط كرنا چامي تونه بوسكے ياتمام انواع وا فراد كربابرجن شمارنہ ہوسکے ۔ ان سے بما بر۔ الہی اس سے بھارے بیسنے کھول دے اور ہارے کام آسان فرا دے اور ہم کو تبرشکی اورشکل سے سے کا دے ہرن دگی واسانی کی طرفٹ اورائس سے وسید سے ہم کو اپنی اعلیٰ ترین فرُبت عطا فرما اورا پنے متبولوں میں تھے دسے ، اور دُوریوں اور دسکار ہوؤں کے دفتر سے جارانام دُور رکھ اور النی صور پراور آب کے " ل والسحاب سب پرم کمن نازل فرا اورسب تعربین اللّه بروردگار

یہ دونوں درُو د تر لین سیدی مُصطفہ البری سے ہیں۔ پہلے پرانہوں نے سے رہ فول درُو د تر لین سیدی مُصطفہ البری سے ہیں۔ پہلے پرانہوں نے سے رہ کا دُوں اُسٹری سے وظا دُعن ختم کیے ہیں اور دور ارشیخ محمد نافلاتی معنی بیت المعدس کی البیف اللہ مطالا علی کی شرح سے آخر میں ، میں نے تھی دیجی ہے جو مشرح سے آگ ہے اور راس کے او بریری بارت تھی ہوئی ہے ہیں درُو د نشریب سبدی شیخ مُصطفہ البحر

کا ہے جو لوج معنوظ سے نقل کیا گیا ہے۔ میں نے اسے ہرارستردلائل کی مقدر براسی الز- بلفظه " اوراكيمشهو اولياكبارمين سه بين - رمنى الشّرعند والشّدان سے رامنى بو) اورسسد عاليرفلوتير ك شيخ طريقت بين بجاب كى وجدس ونيا كے كونے كونے مير يجيل حيكا سبے اور نبی عليالسلام پر درو د وسسلام سے موضوع پرمختلف اساليب میں آپ کی متعدد کتابیں موجود میں جن میں نئے نئے اسلوب اختیار کئے گئے ہیں۔ بهت مفيدين - ان مين سے ايک الصيلوات العامعة بغضيانل المخلفاً الاربعتها سي كما ب- اللها مسلّ عسلى سيّدنا مُعَيّد العَالَلِ آ بُحُ بِكُورِكَذَا "اللي المحترب ورود بجيج جنول نے فرايا ابوبرا يسے بي ريوں بي اور اس سے اسے کھے فضائل مذکور ہیں جنبی کرہم صلی المترعدید وسلم کی زبان ممبارک سے حضر صديق اكبر كم متعلق منتول مي ايونهي صنرت عروعتان وعلى رصى المتعم مستعلق اوران بيس سن اكيك تما ب سي الدرالغائق في الصلوة على إنبون لغلا السي ألهول نے درو دامع کی ترتیب برمرتب کیا ہے ، اس میں بیلا درو و سے اللہ ممل وستستيغ على ستيدنا مُعَكَّد وعلى آل سيدنا مُحَدّ الْعَايْم بِالْوَلْمُ لِلْي اِورُودو سلام بسيج بهارس أقامحتراوربها رسام فالمحتركي آل برجود قابرقائم بين اسيطر با في ان بين ست ايك كما ب مي المصلوت البوية العسلاة عسسل يخير البويية يُرْمِي حروف معجر کے لحاظ سے مرّب ہے۔ اس کے شروع میں فرائے ببري حبب التنرشجانه وتعالى نعيمين تباياكه رسول الشرصلي التنرعليه وبمم بر درُو د و سلام بیجنا بڑے کسبیوں میں سے ایک ہے اور پھیلوں کوپہلوں سے الانے والا دروازہ ہے اورابیا بھل داریاغ ہے جس سے آگے نہ کوئی میرمدارہے اورنہ رکا وسٹ ا ورائس را ہ پر چلنے وا سے والول کامنبوط سہا را ہے اور حنور کی بارگا و مالی کی طرمیشدن در کھنے واسے سے بیے بڑا دسپیرہے تویس نے اس

يلق اوركرس برسه اورغلم التان سمندس دا فل بون كے يا المترس استخاره كيا- اور مجعنى عليالسلام برسك جان والياس ويود شرليت كا نام المسسلاة السبويه في المسلاة على خير البويه كي ابازت مل كئ-الس سے پہلے میں نے ایک درود شریف مکھا تھا جس کا ام میں سنے الدر الغائق نى المسلاة على اشوف الخلاركا تعاليكن اس كاجم كم تعا-اغلاط سيمتراصفات تبن سوسے زائد میں نے جا ہاکہ ایک مزار ہوجائیں تاکہ مارے یا خیرہ ووسید بهوجا كمري سيتمين فرب ومحبت عاصل بوكيونك صححا حاديث جوهم كك بي صاد مصدق عليالسلام كى ذات سيجنجى بين ان ميں يہى سيے كھيں نے حضورعاليكسلام پر ہزار بار در وجینجا انترنے اس کاجسم آگ برحوام کردیا "ای ہے درودوں میں سے و وسات درود متربیت مجی ہیں جن کا ہیں نے سیدمر تصفے شارح الاحیا کی عبار كے والہ سے اس كتاب كے واله سے ذكركيا ہے ميں نے ان كامطالع كيا ہے۔ الفاظ عجیب وغربیب اورمفهوم دقیق استحضے بیکتشکل لنذا س کتاب میں میں نے ان كوتقل كرنا مناسب نه سمجها- درود شيستربراس كي حيد شرص بحي بين تونهي سير محالبکری البیرکے جمع کیے ہو کے وہ درُود نشریبت جوانہوں نے رسول لت مسلی انترعلیہ وسلم سے ماصل کئے نتھے۔ دخواب میں) اور جن کی ابت داُ ان الفاظ سعبوتى بالمالمة والمتال على تورك الاسلى الزان كى بهى آب في فراكة ا وما ن کے شہور در و د تر لیب موسومہ برالعسلوت البکینی کے شعرے بھی کھی ہے جس كى اجتباان الغاظ سے بوتى ہے آلٹھنتا زني آسكالك بنسے هِذَ ايتَلِكَ ألا عظم اورسيدى شيخ مى الدين ابن العربي كے الصلوة الدكبرية كاشرح بمي اسيد ني الحقى ہے جس كا ابتسان الفاظ سے ہوتى ہے ۔ اُللفہ مَسَلِ عَلَى سيتِ دِكَا مُحَدَّتُهِ إِكْسَلِ مَحَدُ لُوْقًا يَلِكَ ' يُحْ اورية مايول وُرُود

شریت میری کمآب افضل العسلوت میں مذکور میں ان سکے علا وہ اور مجی درود ترکتر اب سے دیھے ہوئے میں خلاصدید کہ آب الند کے بڑے اولیاً اور نبی علیہ السلام کے بیجے فترام میں سے شمعے الندان سے ماصنی ہو۔

ايك سواتهوال درودنزلي

شهاب احمد بن مصطفى الاسكندرى كا اللهُمَّ مَسلِ وَسَدِمُ عَلَى بَيْتِكَ وَجَيْدِكَ سَيِّدِيَا لَمُسَدِ وعتلى الحُوانِهِ وَآلِهِ مسَدَّةً وَسَدَلَةً مَا نَعْسُدَعُ يعتا آبُوا بْ جِنَا يَكَ وَنَسَتَجْلِبُ بِعِمَا اسْبَابَ مِفْوَانِكَ وَنُوَدِي بِهِمَا بَعْضَ حَقِيهِ عَلَيْنَا بِفَضْلِكَ وَاحْسَا ذَلِكَ وَنُودِي بِهِمَا بَعْضَ حَقِيهِ عَلَيْنَا بِفَضْلِكَ وَاحْسَا ذَلِكَ

ا مین -ترجم بر اللی درود وسلام بھیج اینے نبی، مبیب، ہارے افاحمداور ا کے ہمائیوں برا در صنور کی آل بر، ایسے درو دوسلام جن سے ہم تیری جنت کے دروا دے کھٹے گھٹائیں اور جن سے ہم تیری رساکے اساب ماصل کریں اور جن کی بروات ہم صنور کے کو جمع قدیم ہم

پریں اداکر کیں اپنے فضل واحسان سے۔ اللی ایجاری و ما فرما کی سیدی محقد مرتبطے نے شرق الاحیاد میں فرا یا کہ یا رے ابنی شیوخ کے شخ شماب احمد بن مصطفے اسکندری المعروف برصباغ اب ی ابنات میں فرایا جس مرید نے گئا ہ کو کے اپنے شمار زادتی کی ہے۔ اس سے بہنے شرکا قریب تر مستداست نفا ۔ ہے بیمز بی مختار صلی الکر مدید ہو اس سے بہنے شرکا قریب تر ماستداست نفا ۔ ہے بیمز بی مختار صلی الکر مدید ہو دود وسلام میں نے یہ ماستداست نفا ۔ ہے بیمز بی مختار صلی الکر مدید ہو ا

درود شریب اوراس کے خواص جومیرسے ول میں ڈالے گئے محض انترتعالی کے احسان اور بی علیالسلام کی برکت سے حاصل کئے ہیں اور بیس نے یہ درود شرلیب صفور کی خدمت اقد کسس میں میش کر کے اس برعمل کی اجازت طلب کی ، تو حضور مسکوائے اور درود شرلیب یہ ہے جومذکور ہوا ۔

ایک یونووال درود تزلین مصطفے زیری مصطفے زیری کی کار

آتلهم مكل على سيدنا مُحَتَدِيكِ صَلَاءَ يُحِبُ اَنُ يُمَسَّرِلَى بَهَا عَلَيْسِ فِى كُلِّ وَقُتْ يِجَيِثُ اَنُ ثَمِيَلِى بِهِ عَلَيُهِ - اَللَّهُ مُ سَلِّهُ عَلَى سَيِّدِنَا لَحَتَدِبِكُلِّ سَلَدْمٍ تُعِيثُ آنَ يُسَتَّمَ بِهِ عَلَيْسِ فِي كُلِّ وَقَتِ يُعِيبُ آنَ لُسَكَّمَ به عَلَيْتِ مِن صَبِّلَةٌ وَسَلَوَمًا وَا يُمَيِّنُ بِدَقَامِكُ عتدة مَا عَلِمْتَ وَنِي نَتَهُ مَا عَلِمُتَ وَمِيلٌ مَا عَلِمُتَ وَ ميسة الاكيماتيك وآمِنعَاتَ أَضْعَانِ دَلِكَ - آللُهُمَّ كك العَسْدُ وَلِكَ الشَّكُرُ حَصَدَ لِكَ عَلَى ذَلِكَ فِي كُلِّ ذَالِكَ وَعَسَلَى ٱلِهِ وَصَحْبِهِ وَالْحَانِهِ -ترجم زالنى بكارسيما فالمحقرم بهرابيا درود بجعج إجوان مرتوجيجنا چا شاهير برایسے وقت جوتوان برجیجنا چا ہے۔ اللی اہمارسے آقامحتربر، برايساسلام بمع وتوان برجيخا جائها سے مرايد و تعتجب توان برسلام بيجنا جاسب ايسے در و دكسلام جنيري مشكى كساتھ

به بنده برا تبری علم کے برابر اور نبرے علم جراور تبری کلمات کی سبالا کے برابر اور اس سے دونا دوں اللی بری بی تعریب اور تیرائی تشکر یونهی اسی پر السسب میں اور عنور کی آل اور سما برا ور نبایول نبیول ابر ا

سید مرتعنے نے شرح الدیا میں تکھا ہے کہ یہ دروہ تربیب ماہ رجب کی
ایک رات منظام محصے اس وقت الهام کیا گیا ہب ہیں سرے منعام حارہ الداود بر
میں نہا اور مجھے یہ بیشا رت دی گئے کہ اس توسوم تبریق ضلے سے وہ ملک محفوظ ہو
جاتا ہے دیرسب اس ورو ونشر لیٹ کی برات ہے۔

ا بک نیمودسوال درود شرکین ایک نیمورسوال درود شرکیا تنفی الترین طنبلی کا

اَللّهُمْ صَلَ عَلَى سَتِيهِ نَا الْمُحَدَّ وَعَنَ الْمُحَدَّ وَعَنَ الْمُحَدِّ الْمُحَدِّ الْمُحَدِّ الْمُحَدِّ الْمُحَدِّ اللّهِ عَلَى اللهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ

نور وجُعِكَ الدَّعُلَى الْمُوْبِي - الدَّ الْمُ البَافِيُ الْمُكَلَّدِي وَالسَّكَالُكَ بِالنَّمِكَ وَمَ سُؤُلِكَ مُحَدِّةٍ وَالسَّكَالُكَ بِالنَّمِكَ وَمَ سُؤُلِكَ مُحَدِّةً الْمُتَعَالِي عَن وَحُدَةً الْاَعْتَالِي عَن وَحُدَةً الْاَعْتَالِي عَن وَحُدَةً الْمُتَعَالِي عَن وَحُدَةً الْمُتَعَالِي عَن وَحُدَةً الْمُتَعَلَمُ وَالعَت وَ - المُعَدَّ سِعَن كُلِّ آحَدِ النَّعَالِي عَن وَحُدَةً اللَّهُ العَمَدُ المَّدَة مِن السَّحِيمُ : قُلُ هُوَ اللَّهُ المَّهَدَ اللَّهُ العَمَدُ اللَّهُ العَمَدُ اللَّهُ العَمَد المَّهُ المَّذِي المَّهُ المَّهُ المَّهُ المَّذَة اللَّهُ العَمَد اللَّهُ المَعْمَد المَّاسِلِي المُعْمَد المَعْمَد المُعْمَد المَعْمَد المَعْمَد المَعْمَد المَعْمَد المَعْمَد المَعْمَد المَعْمَد المُعْمَد المَعْمَد المَعْمَد المَعْمُ المَعْمَد المَعْمَد المَعْمَد المُعْمَد المَعْمَد المُعْمَد المُعْ

ترجم النی این آپ سے آپ کے بڑے ام کے ذریعے سوال کرتا ہوں ہے آپ کی بڑی ذات کے نور سے کھا گیا ہے ، جو دائی ہے اور ہمیشہ رہنے والوں میں ہمیشہ باتی ہے ۔ بیرے بی ورسول محکم کے دریعے دل میں ، اور میں ٹیجھ سے سوال کرتا ہوں تیرے بڑے ام کے ذریعے جوایک کی کی تاتی سے ایک ہے معملارا ورگنتی کی اکا فی سے بندتر ہم ایک ہے ۔ معملارا ورگنتی کی اکا فی سے بندتر ہم ایک سے پاک اور بوسیلہ ہم النٹر الرجم قل ہوا حد اسٹ مالے میں المصمد ، ام میلد و کئم یولد ولم میکن له کھو اُ احد کرتے ہو ہے ایک اور وسلام نازل فرا جو وجو دہونے کی اکثر ہر درو دوسلام نازل فرا جو وجو دہونے کی زندگی کا ماز ہیں ۔ ہرموج د کے بیاے بڑا سبب ہیں ۔ ایسا درو و جو میرے دل میں ایمان بیر مروج د کے بیاے بڑا سبب ہیں ۔ ایسا درو د جو میرے دل میں ایمان بیداکرے اور بھے قرآن زبانی باد کروا دے جو میرے دل میں ایمان بیداکرے اور بھے قرآن زبانی باد کروا دے

ا در مجھے قرآن کامفہوم سمجھا دسے ا درجی سے تومیرے بیلے نبیجول ا در مجھے قرآن کامفہوم سمجھا دسے ا درجی خات کو دیکھنے والا تورکھول ا در معمق ل کا تورکھول دسے ا دراہنی خات کو دیکھنے والا تورکھول

وے اورآپ کی آل اورصحابر کوام پر "

به دونوں درو د نترلین سیدی عارفت بالندشیخ محترتقی الدین دخی حنیلی كتاب عقيدة الغيب كيموكفت بن جوابوشعروشعير كام معيمشهوري رحنى الشرعند بيران كمحموع جواهم انواب حيأة القلوب فى المصلاة قيالسسلام عسلى ا فضل معبوب سيدنا محتد صلى الله علية فإن مي سيها درُ ود نترلیت سیّدی علامیمی محمدعا بدی نے لینے اسمجوعہ میں وکرکیا ہے ، جوان کوہکارسے شیح عَلاَمه شاکرا لعقا د سکے ا فا دانت سکے ذریعے پہنچا ہے فرا ایکان فوائدمين سنديد درو دفترليب يمجى سيصجوعارون بالتثرشيخ محكزالمعروف ابوشعر عنبى مؤلف عقيدة الغيب كالحامواب- اور دوسرالين الملفم إني آستالك ا خرتک ، تواس کے فوا ندیر میں نے ایک تقل رسالہ دیجھا ہے جس کے مُصنف نے اس كانام اسم اعظم ركها ب- محص منتف كانام معلوم نهيس بوسكار شائداس كيم منتف الس درو دينترلعيث محصنف يشيخ لعي الدين خود بين يمصنعت عليه الرحمه فواسته بيل یر عنلیالشان رسالہ ہے جن میں اللہ تعالیٰ سے سم اعظم سے خواص و فوائد و تصرفات وکر کیلے جائیں گے یہن کوصاحب عقیدتہ العیب نے وکر کیا ہے، اور رجال العیب وکر کیلے جائیں گے یہن کوصاحب عقیدتہ العیب سے وکر کیا ہے، اور رجال العیب قاس سرام كے طریعتے ذكر ہول سے اوراس میں بڑے جیب غریب اسار مذكور بين ان مين سے ايك يه كرجب تم اسے برروز سومرتب برصوتوا وليا مين شامل بوجاؤ كاوراكرمرد وزايك مزار بار برصو توتمين غيب سے رزق مع كا اكب يك اگر ہفتہ کی داشت کسی تا ام کی تباہی سے یہے اسے ہزار بار پر محو توانس کی عجیب بات ويحوك ايك يكردا بزنى كافاتمه ابن بأي ياوك كي يحي معمى بمرى يكر

اس برسات باربرمعوا ورتتمن كى طرف فضاميل لمسيمينك ووتواسى وقت ان بر بلاكت بدسك كيدان مين ستايك يدكم تشده جيز الم مجا كنے والے ، يا چورى شكره مال بھینا ہواسا مان امانت قرص وغیر وصول کرنے کے لیے ہرروزسات مرتبہیو اورنيت يربهوكه اس كاتواب نبى كريم مسلى التدعليه وسلم ، صنور كى آل ، صحابه كرام ، احبا رجال الغيب توبركرن والول إوران كرئيس كوبينجايا ما كالميم عرب مسكينول اورتنيمول كوكو تي جيزالس وقعت كملاؤ حيب تمهارى مراد يورى بهوجائے بندوں سے پرور دگار کاشکرا داکرتے ہوئے صنورعلیالسلام آب کی آل وصحابہ ، اولیاً الشراور دکوشول کی طرفت سے ، توانشرتعالی کے محم سے تم اپنی مُراد پالو کے ایک په کوکسی بیاری کامریف بهو لوبان پر پڑھ کمالس کا دھوال مرلفن پر پھیونک د و۔ المتر کے حکم سے تندیست ہوجائے گا-ان میں سے ایک یہ در دِسترہوبخارہو، اشوبيجيشم بواتعول مين در د بهوا ا و سص كود د د به وعرق كلاب برسات مرتبالس كوبيعوا ورمرمرتبدسا تحوسوره فأتحبى بوصكر بمار كي مربراس كي مانش كرو، الشركي مصاسى وقت شغابوگى ايك يركوب فاسح كيرا تقري اس كوساست مرتبه بيله كرماني بردم كرايا اوربيار كوبلا ديا توادلتر مصحكم معينه فايا ہوگا۔ پولمی اگرعورت یا جیوان کا دو دعرتهیں توجاری اُسلتے جتنے سے پائی سالے كماس يسأت مرتبه فأسحه سكرماته يدودون تريين بإهركماس بباركوبائين-اوراس يرج كاى بمى كريل المدك كم سي تفاياب بوكا اور دو دهد دين لك ما ایک بیر مدیانی اس بیار کویلا شیطی کے بیٹے کی جگاتی ہو کی ہے یا اس من يعن به يا بيناب بند بوكيا اوربي كيديكش مين يعيف بوتى بهان مب کے یا فاتھ کھا تھ مات مرتبہ یہ در و د تربیت پڑھ کردم کریں۔ الثنائس عليف وود بوجائے كى برابر سے كربتى ير وص تيل بريوسي ياتى بر

برص بامترمريام مع وغيري اكب يكر بيار رومال بريوه كرا مص مريد بانرها اس سے زمدی عوار ص ختم ہوجائیں کے اور طبیعت شفایاب ہو گی اور روح وطبیعت كوسكون ہوگا۔ ان میں سے ایک فائدہ یہ ہے كرسوتے وقت بی لے علط قسمے خواب، گھرام ہے ، مجول اسانس میں تنگی ، سے میں درد ، ہوائیں ، سیف کے درد لونے ٹوملے ، دل کی دھڑکن سب سے یہ صفید ہے ان میں سے ایک پر کھیب است لي كر دوكان مي ركھے تواس ميں رونق وكس ظاہر ہوگا دل اس كى طرف يھے ائي كے اسجارت نفع اوربركت بشصى ايك يدكر فيروبركت كى نظرے ا سے پڑھویا برکت کے بیے اس میں زغبت بڑھے گی جھک اورحن وجال اس پرظا ہرہوں گے۔ ان میں سے ایک فائدہ یہ کرجب ہم خواب میں صنورعالیانی ياخترعليالسلام كى زيارت كرنا جاموا وركسي جيزكومعلوم كرنا جابويا كوتى ابساعلم ماصل كرنا جالموجس سے دنیا یا آخرت میں فائد ہو توسوتے وقت اسسایک ننومرتبه برهد لو با وضوا و رقبله و خ بروكرا ويستر كے پاس كو كی خوشبو بوشلاً عرف ً لا سِ ، گلاب سے بچول یا ایسی ہی کوئی چیز ' اب نبی علیلسلام کی روحانیت تم بربهاري استعداد محصطابق جيسة تم جابوظا برسوكى بجول جول تمارى قوت توی ہوئی جائے گی ۔عالم ملکوت میں محض عالم خیال میں رُوحانی سلطنت کی خوشی برصتى جائے كى اور تم سينوں مے عجيب وغرب علوم بيان كرنے لك كے جن كو تم سے دہجے سے حب خالص کی رضا سے بلے تم نے چالیس دن کمب پیمل کیا توتمهارے ول سے عمت سے چھے زبان برجاری ہوں سے اور تم اہلِ کشف میں سے ہوجا و کے اور رسول التعصالات علیہ ولم سے فیوصات سے انوار تبوليت بي ربيع ما وُسك اورج اسدارو دروز أنحول سے أوجل بي المسلكم إد كرتمعارك سامن أجائين بس اينا بجيد جياؤ اتمها راحكم جلي كاور رازول كي كريد

مذكروا ورندآزا دول كے دفتر سے تمهارا نام مثادیا جائے گا اور جوافی سے اس پراضی ربوبي مبت مفيدب -اكرتيرے يا يوده الحفاليا جائے تومعلوم ہوكر تؤنے وہى اختیارکیا جو ہونے والاتھا۔ان بیں سے ایک فائدہ یہ ہے بھا گے ہوئے کا لوٹ آنا بسے دورے پرنتے ہول امشکلات مل کرنے کے بیلے، جا دوز دہ کو دُور کرنے ، قیدی كور ما في ولانے بيريشان حال كونوشحال كرنے بعنوم كومسروركرنے . قرص دارجس بركوني اراس مو، د شکارا بوا مو، فاليج زده بو ، سار بو بخار مين متلامو، ديگرعوا رين ميش بول-مامله ہو، توایک او قیتہ رجالیس رہم تقریبًا دس تولہ جاندی ، زینون کا ببل لو ا ہے سغیر سیشی میں ڈال کر مصحے کے میند سے میں کٹکاکر قبلہ کی جانب دیوار سے ہاشے رکھ دواد ما دوبان کی دهونی سلتگا و که اولیاً الشداوز بیکون کاعنبر مهی مه اورتمام دهونیول کا بادشاه اورجب الس كوتوبيعامع دهوني بوجائ كاورُشكلات مل كرن وال بادتهاه الترتعاليٰ، كے حكم سے رُوحوں كى قبوليت مبلد ہو كى ، مجھرد و ركعت نفل بلا ھە كر اس کا تواب رسول انترسلی انترعلیه و هم کی رُوح پُرفتوح کومهریرکر، اور آب کی آل و اصحاب سب كو، الس كيما تحدا سم اعظم كوبھى ايك بنزار بار ملاسلے - ان دھونيو لكے د میان قبلہ رُن ہو کر بیٹے جا واور جس زینون پر تو نے بڑھا ہے وہ تیرے سامنے ہو، اوراینا با تھ انس پررکھ سے جب سب پڑھ لے تو د درکعتوں پرخاتمہ کرا در اسسکا تواب الشركي طرفت سے رشول يك يسلے الشرعليہ وسلم اور حصنور كي آل واصحاب كى فدمت میں بدیر کرنے کی بہت کوالس سے بعد بیوں برے ہاتھ اٹھا ہے، فرنت تمهار المعمن سے دیکلمات الیں کے مجموعاجت مندا سے استعال کرے کھانے مين عي اور بطور يل عجر تمين دن ياكس سے زياده . الله كے حكم سے برا فائد ، ہو

ايك الوبار والم ووثرلف

سيدى الوالعبالس تحانى كالسكام جوبرالهمال

اللهُ مَسَلِ وَسَيْمُ عَلَى عَنِي الرِّحْسَةِ الدَّبَانِيَّةِ وَالْيَافُونِةِ وَالْعَافِي وَلَا الْكُونِ الْعُهُومِ وَالْعَافِي وَلَوُلِالْكُونِ الْمُتَحَقِّقَةِ الْمَايُعِلَةِ مِسْرُكِوْ الْعُهُومِ وَالْعَافِي وَلَوَيُولُولُكُونِ الْمُتَحَقِّقَةِ الْالْدَى مَا حَبِ الْحَقِّ الرَّبَافِي الْبَحُوبِ وَالْوَسَطَعِ الْمُتَوَى الْعَمْرِينِ الْبَحُوبِ وَالْوَلَاقَ فِي الْمُتَعِينِ الْبَحُوبِ وَالْوَلَاقَ فِي الْمُتَعِينِ الْمُحْتِينِ الْبَحُوبِ وَالْوَلَاقَ فِي الْمُتَعِينِ الْمُتَوْتِ اللَّهُ مِعْ اللَّهُ مِعْ اللَّهُ مِعْ اللَّهُ مِعْ اللَّهُ مِعْ اللَّهُ مَعْ اللَّهُ مَا لَمُتَعِينِ الْمُعْقِلِ الْمُتَعِينِ الْمُعْقِلِ الْمُتَعِينِ الْمُتَعِينِ الْمُعْقِلِ الْمُتَعِينِ الْمُعْقِلِ الْمُتَعِينِ الْمُتَعِلِينِ الْمُتَعِينِ الْمُتَامِعِلِي الْمُتَعِلِينِ الْمُتَعِينِ الْمُتَعِينِ

الی درود وسلام بھیج رحمتِ ربانی کے سرجیتہ پراوراس اقوت بھر برجونہ ومعانی کی مرکزی دیوارمیں اویراں ہے اور حق ربائی کے سنا وار انسان کی کائنات کا نور ہے اور ان بنرجوا وُل کی جیکی بہلی پرجوسمندروں کے پانیوں سے بھری ہوئی ہے اور اپنے اس چیکے اور بہر ہوس سے تو نے کائنات کا کونہ کو نہ جرر کھا ہے۔ اللی جی کے در بیر جس سے تو نے کائنات کا کونہ کو نہ جرر کھا ہے۔ اللی

رہے میں ۔ تعریک معارف کا مسرمیتمہ ۔ تیرام کمل سیدها راستہ ۔ اللی اس پر درود وسلام بھیج جوتی کے سانھ حق کی جیک ہے ۔ بڑا خزانہ ہے بچھ ہے تیری طرف قیعن لیسنے کا بحر نورہ ہے جھوج ہے ۔ جنور پر التّعدایسا درّود بیسے جب ہیں مقدور کی التّعدایسا درّود بیسے جب ہمیں صفور کی معرفت ماصل ہوا ور آید کی آل ہیں۔

ایکسیونیمزیوال در و دنترلین مجھی انہی کاسپے

اَللَّهُمَّ صَلِّ عَلَى سَيِّدِنَا لَمُحَسَّدُ النَّبِيِّ عَدَدَ مَنُ صَلَّى عَلَيْ وَمِنُ خُلْفِكَ وَصَلِّ عَلَى سَيِّدِنَا لَمُحَسَّدُ مَمَا يَنَعِيْ مَنَا اَنْ نُعَسَلِّ عَلَيْ وَصَلِّ عَلَى سَيِّدِنَا مُحَسَّدُ النَّبِيِّ كَنَا اَنْ نُعَسَلِّ حَلَيْ وَصَلَّ عَلَى سَيِّدِنَا مُحَسَّدُ النَّبِيِّ كَنَا اَمَنْ ثَنَا اَنْ نُعَسِلِ عَلَيْ وَصَلَّ عَلَى سَيِّدِنَا مُحَسَّدُ النَّبِيِّ

مه اللی! بارسا قا ومولامحدنی پر درو دوسلام بمیج تیری طبتی مخلوق مرحم بر نیصنو برد در در در در در در در بیج بارس آفامحد بر مرحم بر نیست به بارس آفامحد بر بیست بین ان پر در دد بیج با با بینی اور بارس آفامحد بر بیست بمین ان پر در دد بیج با با بینی اور بارسی آفامحد نبی پر درو د بیج با بست با توسی بر درو د بیج با بست کا می دیا ہے۔ بیج بی بسیا تو نے بیم کو صور پر در و د بیج بی کا حکم دیا ہے۔

ايك الموجود بروال رود مرايي

ٱللَّهُ مَّ صَلَّى عَلَى سَيِّدِ ذَا مُحْسَنَدِ وَعَلَى ٱلِهِ صَلَّاةً ثَعُدِلُ بَعِينُعَ مَسَلَوَاتِ آخِلِ مَجَسَّنِكَ وَسَيِّمْ عَلَى سَيِّدِ ذَا مُحَسَّدٍ

وَعَلَى اللهِ سَسَلَامًا يَعُولُ سَلَامَهُمُ " الني عارسة قامخداوراب كي آل براليها در ودجيج اجوتير مر تمیہ جم تمام مجتت کرنے والوں کے درود کے برابر ہو،اور جارے آفا محداورات كال يراليها سلام بيبيج جوان كصلام مح برابر بوك يتدينون درود مشركف برسصته ورولي جناب سيدى ابوالعباس احترسجاتي مغربی سے میں جومقام فانس میں مرفون ہیں۔ پیلے کا ام ہے اجوبرہ انکمال ، جیساکہ ان کے ساکر دعلی بن حواز م کی کتا ہے جوا ہرالمعانی میں بھا ہے ، وہ تکھتے ہیں کہ برورو تهربين رسول اكرم سلى الشدعلية وللم نے بيراري ميں ان كونو ولكھوا ياتھا اور بيركه ختو علیالسادم نے اسس کےچندخواس مجھی بیان فرمائے تھے ان میں سے ایک یہ کوجوادمی ا ميكو مات يائس سے زيا دومتر بريسے اس كے پاس مضور على السان م اور جارو ل عافا استدین کی رومیں حاصر ہوتی ہیں ،جب یک پڑھنا ہے، ایک بر محصل ومی عوربير ماست متربدست زياده السركوبير سصحضورعا بالسلام اس سيخعوص كمخبت ورا تے ہیں اور حب تک ولی نہ بن جانے مرکے گانہیں - اور شیخ رمنی الترعف نے فرمایا سين اسي با وصنو مؤكر سوت وفت باك بستر مرسات مرتبه برطا اس كونبي عليالسلام كازيات بولى ودوسرے درود تربيف كانام بے الفعال كا درود اوكب ئے دوسمرے اور میسرے ورو و کی جی بہت نطبیعت بیان کی ہے۔ بيهم أيالاهم وبنك يرلفظ برلا بؤا م كيونكواس مي خوا في ظاهر م ت پیے میں نے لفظ اقوم کو مؤخر کر دیا ہے اور اس کواقدم کی حجد رکھا ہے اور يهى يى جاوراس كى جندين نے لفظ أعلم ركھ ديا ہے كرمعارف سے مناسب تريهي ہے - والتداعلم -

الكالم المويندوال درود شركفي

ٱللَّهُ مُنَّا صَلَ عَلَى سَيِّدِنَا مُحَتَّدٍ نُقُطَة دَايِرَةِ ٱلْوَجُوُدِ-وَحِيْطَةِ آفُلاكِ مَرَاتِي الشَّهُودِ- اَلعَنِ الذَّاتِ السَّاكِ سِيرُهَا فِي كُلِّ ذَرَّةٍ - حَاءِ حَيَاةِ العَالِمَ الَّذِي حَعَلَى مِنْ هُ مَبُ لَهُ الْهُ وَإِلَيْ مِ مُعَدَّةً ﴿ مِنْ مُنْكِكَ آلَّذِي لاَيُعنَاهَى - وَدَالِ دَيُمُوعِيَّنِكَ اَلَّتِيُ لاَتَكَاحَى - مَنْ آظَهَرْتَهُ مِنْ حَضْرَةِ الحُبِّ فَكَانَ مِنَصَّهُ لِتَجَلِّيَاتِ ذَا يَكَ - وَٱبْرَنْ تَهُ بِكَ مِنْ نُؤْمِ كَ كَكَانَ مِرُا جَ رلِمَ اَلِكَ الْبَاهِي فِي حَضَرَةِ اَسْمَا يُكَ وَصِفَا يُكَ -تَنهُسِ ٱلكَمَّالِ الْمُشْسِرِقِ نُوْمُ حَاعَلَى جَينِعِ العَوَاكِمِ ٱلَّذِي حَصَّوَنَتَ مِنْهُ جَينِهَ السُّكُوَّنَاتِ مَكُلُّ مِنْهَابِهِ مَّا يُمْ مِنْ ٱجُلَسْتَهُ عَلَى بَسَاطِ تُحُرُمِكَ وَخَصَّفْتُهُ بِانْ كَانَ مِغْنَاحَ خِزَانَة حُبِّكَ لَهُ كُبُوُبِ الْآعُظِيم السِسِيِّ الظَّاهِ وِالمُنكِيِّ - الوَاسِطَةِ بَيُنكُ وَسَيْنَ عِبَادِيَةِ وَالسُّنِيَّ الَّذِي لَايُرْثِي الْآيِدِي وَيُ مَشَّاهِدِ كَمَالَةَ يِكَ . وَعَلَى آلِيدِ يَنَا بِنِيعِ الْحَقَا يُقِ - وَاصْعَ بِهِ مَفْتًا-الهُدَى لِكُلِّ الْخُلَايُقِ وصَلَا ةً مِنْكَ عَلَيْهِ ومَنْفُ عَلَيْهِ ومَنْهُولَةً بِكَ مِنَّا لَذَيْهِ - تَلِيْقُ بِذَاتِ يَغُمِسُنَا بِمَا فِي ٱنْوَارِ تَجَلِّياتِهِ ثُلَقِوْبِهَا مُلُوِّبَنَا وَيُعَدِّي بِهَا ٱسُوَارَنَا وَثُوَيِّ بِهَا ٱلْحَالَا

وَيُعُيِّمُ بَرَكَانِهَا عَلَيْنَا وَمَشَا يِخِنَا وَقَالِلَيْنِنَا وَالْحُوانِثَ الْحُوانِثُ وَالْمُثُلِينَ وَمَعُونَة بِسَدَمُ مِنْكَ إِلَى وَالْمُثُلِينَ وَالْمُثُلِينَ وَمَعُونَة بِسَدَمْ مِنْكَ إِلَى وَالْمُثُلِيمُ وَلَهُ يُعْلَى الْعِن مَسَلَاة وَمَثَعِيدُ وَمَعُيدُ وَمَتُعِيدُ الْجُمَعِيثُ وَالْعَالَةُ وَمَتُعِيدُ الْجُمَعِيثُ وَالْعَالَةُ وَمَتُعِيدُ الْجُمَعِيثُ وَالْعَالَةُ لِللّهِ وَمَتُعِيدُ الْجُمَعِيثُ وَالْعَالَةُ لِللّهِ وَمَتُعِيدُ الْجُمَعِيثُ وَالْعَلَادُ لِللّهِ وَمَتُعِيدُ الْجُمَعِيثُ وَلَا وَتَنْ وَحِيثُ وَالْعَلَادُ لِللّهِ وَلَا وَتَنْ وَحِيثُ وَالْعَلَادُ لِللّهِ وَلَهُ مَنْكُ فِي كُلّ وَتَنْ وَحِيثُونَ وَالْعَلَادُ لِللّهِ وَلَهُ مَنْكُ فِي كُلّ وَتُنْ وَحِيثُونَ وَالْعَلَادُ لِللّهِ وَلَهُ مَنْكُ فِي كُلّ وَتُنْ وَحِيثُونَ وَالْعَلَادُ لِللّهِ وَلَهُ مَنْكُ فِي كُلّ وَتُنْ وَحِيثُونَ وَالْعَلَادُ لِللّهُ وَلَا الْعَالَدُ مُنْ وَلَا اللّهُ اللّهُ وَلَا الْعَلَادُ وَاللّهُ وَالْمُ لَلّهُ وَلَا وَلَا اللّهُ وَالْعَلَادُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَالْعَلَادُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَالْعَالَةُ وَالْعَلَادُ وَاللّهُ وَالْمُ لَلّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَالْمُ وَلَا وَالْعَلَادُ وَالْعَلَادُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَالْمُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَالْمُ وَلَا وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَالْهُ وَلَا وَلَا لَا لَاللّهُ وَلَا وَلَا لَا لَهُ وَلَا اللّهُ وَلِي اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ اللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلِي اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلِي اللّهُ وَلَا اللّهُ اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّ

الني بارسا قامحتريم جودائره وجود كانقطمين، رحمت نا زل فرا. ترجمه جرشهود كے زينوں كے اسمانوں كا دائرہ ہیں۔ ذات بارى دسائيت كرنے والى بحكامجيد ہر ذرّے ميں جارى وسارى ہے۔ دنياكى زندگى جس سے اللہ نے کائنات کی ابت داکی اورجن کی طرف دنیا کا مھاری ہے تیری بے مثل ملکت کی میم ورتیرے دوام کی دال جس کی مذہبیں، جن كوتون بالكا ومحبّت سے ظاہركيا ، يس وه تيري تجليات كامركن میں جن کوتو تے لینے لور سے ظاہر کیا تو وہ تیری بارگاہ اسماوصفات سے روشن جال کا تعینہ بن سکئے۔ ہر کمال کاسورج میں کی دوشنی تما م دنیابر عک رہی ہے جس سے تو نے تمام موجودات کو وجود سختا۔ سوسسی قیام نہی سے ہےج کو تونے لینے قرب سے فرنس پیمایا۔ مورب، ظاہری ما زجنیں پوشیدہ کیا گیا تیرے اور تبرے بندوں کے درمیان واسطدا ورسیرحی کداسی سے ذریعے میرے مشامرات يمدرسا في بوعتى ب اورصور كي ال يرج حيثتول سے بيشم ميں اور ان سے صحابر کوام برج تمام مخلوق سے بیلے مدایت سے جواع میں بری

مرف سے ان پرمتبول درود اور تیرے کرم سے ہماری طرف سے بھی متبول جو صنور کی ذات کے لائق ہو بھی کے صدیقے تو ہم کوان کی تعلیات کے انوار میں غرق کردے ۔ جس سے تو ہم ارے دل پاک کر ہمارے باطن کو شخرا کرد سے واور ہماری رد حول کو تر ہی اور ہم برا بی ہمارے باطن کو شخرا کرد سے واور ہماری رد حول کو تر ہی اور ہم برا بی مرکتیں عام فرما د سے و رہم بر بھی اور ہمارے مشاشخ ، دالدین ، بھا بول اہل ایمان واسلام بر بھی ، جو اقیامت تیری سلامتی سے ملی ہو اُن ہوں۔ اہل ایمان واسلام بر بھی ، جو اقیامت تیری سلامتی سے ملی ہو اُن ہوں۔ بن کو مہزار در مہزار سے صرب دی ، اور سب تعربیات تیرے ہی ہے ہے۔ برہ اور ایس تعربیات تیرے ہی ہے ہے۔ برہ مرم وقت، اور سب تعربین اسٹر برور درگار عالمیٰ المیں کے لیے ہے۔

یہ درُود بڑے اسّا ذہری شیخ محدّن عبدالریم سان کا ہے۔ اللّہ ان سے
ہمیں ہرومند فرما شے۔ ونیا واخرست میں کس کانام شرا المنحة المحسدی فی الصلاة
علی حیوالم بویة "آی بزرگ ترین اور افعنل ترین درودوں میں سے ہے۔

ایک اسور بولهوال در و دنتر لین مرسی مختیم ان مرغنی کا مرسی مختیم ان میری کا

الله مسلة وسَيْم و بارك على سَيْد مَا مُحَسَدُ مِسَلَوة الله مُعَسَدُ مِسَلَوة الله مُحَسَدُ مِسَلَوة الله مُع انال بَيرُكتِها السَّيْدِم فِي بَينِع الاحْوال الله مُسَلِقة مَل وَيَهِمَ مَل وَيَهِمُ مَل وَيَهِمُ مَل وَيَه وكارك على سَسِيدِما محتقد مسلاة الدُول يبرك يبرك يقا الإخلاص في سَساسُو الاعْمال الله مُسَلِقة مَسلة وسَلِم مَسلة وسَلِم وَالله مَاسِن وسَلِم وَالله والدُول المُسلة والدُعمال الله من الدُول المناسِ الدُعمال الله من الله من المناس المناس الدُول المناس ال

عَنَى سَيْدِنَا مُحَكَّدِ مَسَلَاةً تُصُلِحُ لِي بِبَرَحَيْهَا الْاَقْوَالَ وَ الأفعّالَ - اَللَّهُمَّ صَلَّ وَسَيِّمْ وَالرَّاعِلَى عَلَى سَبِّيدًا مُحَسَمَّدٍ صَدِلَةٌ ٱلْحَفَظُ بِعَامِنُ جَينُعِ السَّيِّنَاتِ- اَللَّهُمَّ صَلَّادَسَيٍّ وَبَاسِ كُ عَسَلَ سَيِّدِ نَا مُعَتَّرٌ صَلَاَّةً أَعُمَّمُ بِعَامِينَ بَجِيسُعِ الشَّهَوَ اتِ-اَلَدُهُمَّ صَلَّ وَسَلِّمُ وَبَا رِكْ عَلَى سَيِّدِيَّا لَمُعَسَمَّدٍ صَدِدَة أعَاذُ بِهَ صِنْ كُلِّ لَعَفَ لَاتِ - الصَّلَوَةُ وَالسَّدَهُمُ عَلَيْكَ يَاسَتِيدِي يَارَسُولَ الله - آحتَ لَوَةُ وَالسَّكَومُ عَكَيُكَ كَا ستيدى يانبى المشرير اتعتساق كالستسكة مُ عَكَيُك يَاسَيْدِ يَجِينُتِ اللهِ-الصِّيزَةُ وَالسَّيلَةُ مُعَلِيْكَ يَاسَيِّدِى يَاصَعْيُ الله والعَسَدَةُ وَالسَّدُمُ عَلَيْكَ يَا سَيِّدِى كَاصَفُوَةَ اللهِ-العتسكة أو الستسكة مُ عَلَيْكَ كَاستسيِّدى كَاعَبْ مَ اللهِ-العشَّسَدَةُ وَالسَّنَوَمُ عَكَيْكَ يَاسَيْدِى يَا لَمَحْبُوبَ الْحَضَّرَا ۖ الْوَلَعِيَّةَ - العَسَّرَةُ وَ لَسَّلَةُ مُ عَكَيْكَ كَا سَسِيِّدِى كَالْعُمُوْبَ , كُعْظَا يُسِ الرَّدَ يَنِيَةِ - العَسَلَوَةُ وَالسَّلَوَمُ عَكَيْكَ يَاسَسَيْدِى كاحطنوب انتظرات الخفيتة الفكلاة والستسكة أعكنك كاستيدى كارْبُسُ دِبُوانِ ٱلكِبْرِيَاءِ- آلعَسَدَهُ قَالسَّلَهُ كَالسَّلَهُ عَكَيُكَ يَاسَسَيْدِى ؟ فَرِيْدَ الْاَصْفِيَاءِ-الفَّلَاثُهُ وَالسَّلَامُ عَكَيْثَ يَا سَيِّدِى يَا إِمَامَ آهُلِ بِسَاطِ الْفُرُبِ-الْقَلَاهُ والستسكة م عَكِبُك يَا سَسَيِّدِى يَا ذَا الْجَمَّالِ الْمَحْبُوْبِ لِوَهُ إِلَى الْحُبِّ - العَشَادَةُ وَالسَّلَةُ مُ عَكَيْكَ كَاسَسَيْدِى كاجبل قان حَفَلتُهِ النَّجَلِيَّاتِ -العَسَلاَةُ وَالسَّلاَمُ عَلَيْكَ

كاستبيدى كابخشر نجينط استراب القيفات -القبلاة والشكة عَلَيْكَ يَاسَيْتُ وَيَارَسُوُلُ اللهِ صَلَى اللهُ عَلَيْدِ وَسِسَلْمَ مسكرة وسكرما يكؤنان بتندر عظمة الذات وآلك وَصَعْبِكَ وَالسَرِّوْجَاتِ-آللُّهُمَّ مَسَلِّوَسَسَيْمُ وَبَارِكُ عَلَى جَمَالِ حَضَرَا لِكَ وَجَيُلِ مَصُنُوعًا يُكَ - وَمِنْ آةِ ذَايِكَ وَكَمِعْلَى حِيغَاتِكَ - قِبُلَةٍ تَجَلِّيًا تِكَ - وَفِجْهَةِ عَظَلَاتِكَ - وَمِنْعَةِ خِبَايْكَ وَعَظِيْمٍ مَسْلَكَنِكَ ايْسَانِ عَبِيْنِ مُكَوَّنَا يَكَ-وَفَرِيْدِ جَلِيْلِ مَعَنُدُوْقَاتِكَ الْمَتَنَى الْمُصْطَىٰ - الْمُونَى دَي الْوَفِي الْوَفِي ا وَالْمُنْقَى وَالْمُنْتَقَى - وَالْمُنْرَتَقِي المسَرِقَى - وَالْمَيْنِبِ الْمُخْتَى-وَسِيسَكَةِ آدَمَ وَالْعَلِيٰلِ- وَاسِطَةٍ مُوْسَى وَثُوحِ الْعَلِيْلِ وتميدة عيستى ودا وُدَخليفتيك ألجتيبل- النيَّا مِن عَسَلَى كُلِّ شَيِيٍّ وَرَسُوْلٍ- الوَاحِبِ لِلْ وَلِيّ مَا صِلْ وَمَنْعُولِ-خِيزَائِنُوعَطَاءِ مَلَائِكَتِكَ الكِرَامِ - وَدَلِيِّ خِزَانَتِكِ ثَ لِكُلِّ الْكَايُنَاتِ بِلَوَ كِلاَمْ - اَللَّهُمَّ أُمُسِلَا سُوَيُدَامَنَامِينُ ستستاء - وَعُلُوْتِنَا مِنْ نُعْمَاهُ وَآهَلُنَا لِمُعَالَمُ السَّبِيهِ بِي كُلِّ وِيُوَانِ - وَآنِيعُنَا بِجَسَلَالَتِ وِي كُلِّمَشُهَد يَنَالَهُ وَنُسَسَانُ - إِنَّكَ وَلِي الْعَطَاءِ وَالْإِمْنِيَانِ - آمِينُ كَامُعُعْ يَا وَخَابُ يَاحَثُنَانُ - آنَكُهُمَّ صَلَ وَسَسَلِمْ وَبَاكِي عَلَى مَوْعِدِ ذِنَا الْمَوَافِي - آلَتُهُمُّ صَدِّ وَسَدِيْمٌ وَباي لَثُ عَسَلَى لَمَيْنِينَ إِلنَّ النَّسَانَى - اللَّهُمَّ صَلَّ وَسَسْيَمُ وَبارِكُ عَلَى مَوْعِدِدِنَا الْوَاتِي- ٱللَّهُمَّ صَلَّ وَسَسِيِّحٌ وَبَارِ نُ عَلَى

خِلِنَا ٱلْوَا فِي- ٱللَّهُمَّ صَلَ وَسَدِّمْ وَبَارِكَ مَلَى غِيَايُسَ ألكاني - آللهُمَّ صسل وسيل وسيلم وبايك على يجنوالعَظمة الزَّبَّ نِيتَة - كَبَرْ الْاسْرَابِ الْوَلْحِيَّة - كَاظِنِ الْعُسُنُومِ الْفُنُ آينت وطَاهِ رألانوار الوَجُوديّة وتطلب حَيْنِبِ الزَّيَارَاتِ فِي الْجِتَانِ - وَغَوْتُ حَصْرَةِ الْوَيِهُ لَهِ كَالُوْحُسَانِ- السَّسَارِي سِستُوْج فِي جَبِيئِع الْوَعْبِسَانِ-ى اُلغَايُعْنِ نُوَرُهُ عَسَلَى سَبَائِدِ الْمُغَدِّقَةِ - مُحْسَمَّدِكَ ٱلْمَحَدُمُوْدِ وَصَغِيرِكَ يَا رَحْسَنُ - ٱللَّهُمَّ صِغِنَا بِصِفَايُهِ - وَ آجُعَلْنَا مِنْ آخِسِ لَوَيهِ - وَصَسَدِّدُنَا فِي حِمَايْسِهِ - وَحَسَلَى آله وَصَحْبِهِ مِنْ بَعْسِدِةٍ مَسَلَدَةٌ وَسَسِلَهُ مَا يَدُوْمَانِ بِدَوَامِ عَطَائِهِ - آلَتُهُمَّ فَارِحَ ٱلْعَيْمَ كَاشِف الغسية لمجينب متفوي المفطرين تغثن أكثبا والآخيز وَرَحِينُهُ هُمَّا آنُتَ تَرْحَسُنِي فَأَرْحَبُنِي بِرَحْمَةٍ تَغَلِيدِي بِعَاعَنْ رَحْمَةُ مِنْ سِوَاكَ-ثَلَاثًا- ٱللَّهُمَّ رَبِ الشَّمَوَاتِ وَأُلدَرُضِ عَالِمَ الْعَيْبِ وَالشَّهَادَةِ إِنَّ آعُهَدُ النَّبكَ فِي حَسَدُ وَ الْحِيَاءِ الدُّنْيَا إِنِّي آشُهَدُ آنُ لَا لِلَهُ إِلَّا آشُتَ وَحُدَكَ لَاشَدِيْكَ لَكَ وَآنَ لَمُسَتَّوْاعَبُ وِكَ وَمَ شُوْلِكَ فَا نَكُ إِنْ تَكِلِّنِي إِلَى نَفْسِى تُعَسِيرٌ بَيْ مِنَ الشَّسِيرِ وَتُبَاعِدُ فِي مِنَ الْعَيْدِ وَالْمِي لَا آثِقُ لَا آثِقُ الةَ تُحكيَّكَ فَاجُعَبِ لَ لِيُ عِنْدَكَ عَهُدًا تُوَقِيْنَبِ فِي يَوْمَ الْقِيَّامَةِ إِذَكَ لَهُ تَخْلِعِثُ الْيُعَسَّادِ- ثَلَاثًا- اَللَّهُمَّ يَوْمَ الْقِيَّامَةِ إِذَكَ لَهُ تَخْلِعِثُ الْمِيْعَسَادِ- ثَلَاثًا- اَللَّهُمَّ

إِنَّ اسْسَالُكَ القِيعَةَ وَالْعِفَةَ وَالْعَفَةَ وَالْاَمَاتَةَ وَحُنْنَ الْعُلُقِ وَالرِّصَابِ الْقَدَى يَدِ دَلُونًا ، اللَّهُمَّ آجُعَدُ لَ الْعُنُقِ وَالرِّصَابِ الْقَدِي الْمُتَعَقَى وَسَيَّمَ عَلَيْهِ وَكَابَ مستَلَى فَي الْمُثَنَّقَ وَسَيَّمَ عَلَيْهِ وَالْمُتَعَقِّ وَالْمُثَنَّ وَسَيَّمَ عَلَيْهِ وَالْمُثَلِقَ وَاللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ اللَّهُ الللْلَهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللْ

اللي ورُود وبركت نازل فرا جارے آقام تحرير كا ايسا ورُود بمين كى بركت مصين تمام حالات ميك لامتى يا وك واللي ورود وسلام اور برکمت نازل فرما- بهارست آفامحتریر، ایسا در و دحس کی برکت سے میں تمام اعمال میں اخلاص حاصل کروں - اللی درود وسلام اوربر کستازل فرا بخارسے اقام تحترید، ایسا درودجن کی برکت سے میری باتیں اور عمل ويست بوجأمين الني درو دوسلام اوربركت نازل قرما بهاري أقامحكر برانيها درودحس كى بركت ست مين تمام برائيول سي محفوظ بو جاؤل الني درود وسلام اوربركت نازل فرما مهارسا قامحد براايسا ورُودجس كى مِركت سے مين تمام شهوتوں سے بينے جاؤں والني درُودو سلام اوربرکت نازل فرما بحارسا قامحزیر، ایسا درودجس کی وجہسے مين تمام غفلتول مسيم حفوظ بوجا وُل ي درودوس لام آب براس الله مكور كول المعيرسة أقا! ورود كاسلام آب برا اسعيرسة أقالي التدكي ودودوملام أب براسيم ساق السان ومودوم درود دكسلام آب يراسيميرك قالد الله كركزيره ؛ درودكان

آپ برلس میرے آقالے الند کے یکنے ہوئے درود وسلام آپ ہر لے میرسے اقالے اللہ کے بندے - ورود وسلام آب پراے میرے ا قا ، اسے بارگاہ اللی مے محبوب، درو دوسلام اب براسے میرسے ا قا ، لے اللہ کی مبتول کی شہد کی محصول کے با دشاہ ؟ - درودوسلام أب براسه ميرس آقاء لسيفي نظرول كيمد دب إ درُو دوسلام الصيرات قاء ليدايوان كبرايوكة فائد إ درود وسلام أفيراس میرے آفااے برگزیدہ ستیوں کے جنا! درود دسام آب براے میرے آقاء اے اہل مجلس قرب سے امام ، درودوسان م آب پرلسے میرا قا اسے اہل محبت سے محبوب جال واسے ا درو و وسلام الهب يراك ميرك قاء لس عظمت مجتبات سے كوه قاف؛ ورُودو سلام کپ پراسے ہیرے آقا ، اے اسرارصغات کے بحرمجیط ا درُود و سلام آب برلس میرس آقا ، اسے التر کے رسول ، آب بروہ ورودو سلام بيصجيح وعظمت ذات سے برابر بھول ، اور آب كى آل واصحاب اوربيونو لير، اللي درُود وسلام وبركت نازل فرما ، اپني بارگابول كحن بر، اوراين مصنوعات بيل مع جوخولمؤرث تربي اك بر، جو تيرى ذات كائينه مين اورتيري صغات كي تجلي كاه ، تيري تجليات كا تبده تيرى عظمتول كاجهره اورتيري بخشنول كامغزاورتيري مملكت میں سب سے بڑا، تیرے رازوں کی انتحد کی تی اور تیری بڑی مخلوق كا كوم رئيًّا، صا منستم ابركزيره اجس سے وفا كى كئى، وفا والا يستمرا كما، ترقی والا بجس كوترقی دی گئی محبوب، منتخب ا دم وخلیل كالميل مُوسَى ونوح جبيل كا واسطر، عبيني و دا و كا مدركار، تيراغ بعثورت

خلید، ہزیی ورسول برفیضان کرنے والا برفضیلت والے اورجس پرفضیلت دی گئی ، ولی برعنایت کرنے والے تیرے معزز فرشتول كى علاكا خزامة ، اوربغيركسى جوك ويجراسارى كاثنات كے يلے تيرے خزانول كامخآر الني حنوركي روشني سيهاري تبلي كوروشني بخشاور سب کی فعمتوں سے ہارے دلوں کوٹرکر دے اور ہریارگا ہیں حدد كي مجلس كابميں ابل بنا وسے - اور صنور كى جلالت كا صد قد، ہم كوہراس شها دت گاه سے ملا دے جسے کوئی انسان یائے۔ توہی عطأ واحسان كا مالك بد أمين! اسعطاً فرانے والے بنخشے اور كرم فرانے والے، اللی درُو د وسلام اورمِکت نازل فرما ، ہارے محبوُب یک بیر، اللی در و دوسلام وبرکت نازل فرما بها رسیمتنام وعثرووفاً ير اللي درود وسلام ا وربركت نازل فرما بهارسے وفا دار مخبوب ير الني درو د وسلام وبركت نا زل فرا ،عظمت ِ رّبّانی كے مندربر اور فکائی مازوں کی ختنی پر ،علوم قرآنی سے باطن اور انوار دجودی سے ایک مازوں کی ختنی پر ،علوم قرآنی سے باطن اور انوار دجودی سے ظ مربر منتول ميں بونے والی ملاقاتوں کی مرکز می صیبت - بارگا ہ كسيله واحسان كيغوث د فريا درس جن كى رُوح تمام موجُ داب میں ساری اورجن کا نورتمام دوستول پرفیض رسال ہے۔ تیرے محمد دجن کی بار باریخترت تعربیت کی جائے محود - دستودہ ، لیے بہت مهربان تيرسيستوده والئى صنوركى صغائى كاحد قديمين بمى صاحب كر وسے، اور مہیں صنور کے سیے دکستوں میں شامل فرما د سے۔ اور ہم كوحنوركى جِواكاه كے درميان عبدعطافرما - اورصنور كے بعدائي ال اورصحابه برابيها درود وسلام اجوحنوركى عطا جب ككسے۔

بأتى ربي ، اسے الله إيراتياني وورفرانے والے إعمضم كونيوك بے مبول کی دُعائیں سُننے والے مونیا واخرت کے رحمال ورجیم! توپی مجدیردم فرماً اسے تومجدیر وہ رحم فرما جس سے میں غیرول سے تربس کا محاج نہ رہول - یہ بین مرتبہ بیصے و لسے اعتر ! زمین و سمان کے مالک۔ نظام وہوشیدہ کوجاننے والے میں اس تندگی میں اس بات کا قرار کرتا ہوں کہ تو اکیلا ہی معبود برتی ہے تیر کوئی شركينسس اوريد كمحمرتير بندساور يسول بين الني الرود نے مجے میرے نفس کے توالے کردیا ۔ توخوابی کے قریب اور بہتری سے دُور کر دیا ۔ اور مجے توبس تیری ہی رحمت کا اسرا ہے لنذا میرے ساتھ وعدہ فرما بر قیامت کے دن تواسے پورا فرائے كابيتك تو وعدے كے خلاف نيس كرتا - تين مرتبد - اللي ! مين محمد سے صحت ، خیریت ، امانت ، ایھے اخلاق تقدیر پر راصنی رہنے کا سوال كرتا ہۇں . تين بار - اللي إميرے درُود كا تواب ان كے يا كر دے چوتیر ہے۔ تنودہ ہیں استھرے میں اور صنور پر اور صنور كی ترتی بانے والی آل برسلام نازل فرا والنی اتو یک سے اور تعرفیت كامستى. و ه گواهى ديما بول كه تيرسيسوا كو في سيحامعبود نهيل ميل سم سے معافی مانگا ہوں اور تیری طرف رئج ع کرتا ہُول امیں نے براكياء اورابني جان برظلم كيا- توتو مجعين دے كرتيرے سواكناه بخفي والاكوئى مبين تين مرتبه "

یہ درُود ٹرینسیدی عثمان میرغنی صغی محمدی صینی رمنی المتریخ کا ہے۔ جے میں نے ان کی کتاب ختع الدیسول ومغتاح باہد الملہ حول لمن

اراداليه الوصول" سينقل كيا سيء درود وسلام كيموننوع يريرببت عمرًا ور مغيدكتاب بهاكس كخطبري فوات بي جان لوكر صفورعليالسلام كافرب ماصل كرف كافريب ترراستر درود وسلام ب ترسي في با كرجودرود ووسلام صور كصحابرة تابعين اوران كيروكارنيك بندول ني أبيدير صان كوجمع كر وُول . توميرك كانول من كيواس تسم كي آواز آئي ، جس مين انتاره تحاكر جب ریارت ہو گی توارزوبوری جائے گی جب میں مدین طبید، انترانس کی مٹی کویاک ر کھے مہنچا تو میں نے اس کے علاوہ مین درو دئٹرلیف اور لکھے بھر میں نے اس محوصے كاداده كرليا، الس ترتيب برجس المجى ذكركرا يا بول، بهرين حجره وحفرت عائشته كالمجروبيني رومنداً فاركس، مين داخل بواا ورمصطف صلے الشرعليدوم كيسا منے كمرا ہو كيا توميں نے اپنامتصود باوا زيندع صن كر ديا اور ميں نے خطب برصا شوع كرديا اورا بين اس قول كمين كيا يومين في اس كانام ركفا اوربرد سے كينے داست بمعرهيورست ركعاا ورميس فيصنور سيداس كي قبوليت كاسوال كيا اورفاطم نصراا ورحنور کے دونول ساتھیول رصدیق وعمر ارصنی انتدعنم، سے بی فبوکت كاسوال كيا- بوكول كي قبوليت كابحى دكه بوگوں مين تنبول بنو) اور بوكول كي طرف ستقبول بونے كا سوحنور في اورياي اوريه عي فراياكم الس درو وسے راز مملیں کے اور حضور کا قرئب دوجها نوں میں حاصل ہوگا، اور حضور نے وہ کچھ فرمایا حب كم محضے كى تاب سامعين مين ميں ورميں نے اس كوصنو كے سامنے بنت كى كيارى ميں تكعا بسواحما و واعتبار كيديتمهارے يديري كا في ہے بسويمايُوا الرانتركيبندسا وراولا دعدنان كيردار رصلي المترعليكم كووست بننا چاہتے ہو، توکس کی طرف دوڑو، میں نے اس کے ساکت باب اور میرباب كى المحصلين مقرر كى بي بيلى فعل درُ و د تترليف كى فيندت كے بيان ميں -

دوسری فعل آن سیست و رودول سے بیان میں ، جوصنو نے وداینی داشکا اللہ بربڑھے بیسری فعل ان درودول سے بیان میں ، جوصنا برکوام اور البعین نے صنو بربڑھے بیسری فعل ان درودول سے بیان میں ، جومعنا برکوام اور البعین نے صنو پربڑھے بیخ می فعنل ان درودول سے بیان میں جومعنو کی زبان برما تورہ دُعادُل برسے باہی بی فعل ان درودول سے بیان میں جومعنو کی زبان برما تورہ دُعادُل سے ساتھ جاری ہوئے۔

ایک میومنروال در و در نفر این باقوتیه ایک میروال در و در نفر این باقوتیه رئیدگیم شیر منظر العن اسی شاذ کی کا سکتید کیم شیری منظر العن اسی شاذ کی کا

إِنَّ اللهُ وَمَسَلَوْ يَكُنَهُ يُعَلَّوُن حَلَى النَّبِي يَ آيُهُ الَّهُ يَن اللهُ وَمَسَلِقُ النَّيْ اللهُ مَ مَسَلِ المَسْلِمُ اللهُ اللهُ مَسَلِ اللهُ اللهُ

وَٱشْبَاحَنَا بِآخُوالِهِ - وَسَسَرَيُونَا يَمُعَا مَلْتِ وَ وَبَوَاطِنَنَا بمشاحدة و و آبعت ادمًا با أو ارمُعَيَّا جَمَا لِهِ ويَحْوَنُمُ آعُسَاتَنَا فِي مَسْرُصَنَاتِهِ - حَتَّى نَشُهَدَكَ بِهِ وَهُولِكَ فَاحِينَ نَايُبًا عَنُ الْحَصُّوتَيْنِ بِالْحَصَرَيِّينِ وَآدُلَّ بِهِمَا عَلَيْهِمَا وَنَسْمُالُكَ اَللَّهُمَّ اَنْ نُعَيِلَ وَثُلَسَكُمْ عَلَيْ صَلَوَةً وَتَسْلِيمًا يَلِيعًا نِ بِجَنَا بِهِ وَعَظِيمً مَسَدُي لِا وَيَجْمَعَنَى بِهِمَا عَلَيْهِ - وَتُعَسِّرَبَنِي بِخَالِصِ وُدِّهِ مِنَالَدَيْهِ وَتَنْفَعَتْ فِي سِتَبِهِ مِنَا نَفُعَتْ الْأَنْفِياءِ-وتمُعَنى مِشْهُمَا مِنْعَتْ ٱلرَّصْفِيَاءِ ولِآتَكُ السِّيسِيُّ . المَعَنُونَ - وَالْجَوْهَــرُالْعَنْتُرُدُ الْكُنُونُ. فَعُوَالِيَا قُوْلَةُ الْنُطَوِيَّةُ عَلَيْهَا آصُسكَ انْ مَكُنُونَا يَكَ - وَالْغَيْهُوَيَّةُ المُنْتَغَبُ مِنْعَا اَصْنَافُ مَعُلُوْمَاتِكَ -فَكَانَ غَيْبِّا مِنْ غَيْبِكَ وَسِّدَلاُ مِنْ سِسِرِّرَبوبِيَّيْنِكَ حَتَّى صَسَارَ بِذَيِكَ مَعْلَهَزُ ٱنْعُتَدِلُ بِ عَكِنْكَ وَكَيْفَ لَايَحِيْنَ كَذَلِكَ - وَقَدْ ٱخْسَبُرْتَنَا بِذَلِكَ - فِي مُعْكِم كِنَا بِكَ بِعَوْلِكَ رايَّ الَّذِيْنَ يُبَايِعُونَكَ إِنْسَايُبَايِعُونَ اللَّهَ) فَقَدْ زَالَ عِنَّا بِذَهِكَ الرَّيْبُ وَحَصَىلَ الإِنْدِيَّاءُ - وَأَجْعَسِلُ (اللهمة ولاكتنا عكنك يد ومُعَامَلَتنا مَعَكَ مِنْ أَنْوَارِ مُتَابَعْتِ و - وَ أَرْضَ اللَّهُمَّ عَلَى مَنْ جَعَلْتَهُمْ مَعَدلًا لِلْإِثْنِةَ ١- وَصَــبَرْتَ كُلُوبَهُمْ مَصَابِيْحَ ٱلهُدَى-المُعلَقَرِينَ مِن رِقِ الرَّحْدَارِ - كَشَوَ ابُدِ الْذَكْدَادِ

مَنْ بَدَتُ مِنْ قُلُوبِهِمْ دُرُرُ الْعَانِيُ - فَجُسِلَتُ قَلَوْيَهُ الْحُقِينَ لِاحسُلِ الْسَبَانِيُ - وَاجْسَتُونَهُمْ فِي سَسَانِقِ الْاَفْتِينَ الرِ الْمُعْتَمُ مِنْ آصُعَابِ يَلِينَ الْمُغْتَابِ وَرَضِينَتِهُمُ لِالْمُسَادِ وَيُنِكَ فَعُسُمُ السَّسَا حَلَيُهُ وَرَضِينَتِهُمُ لِالْمُسَادِ وَيُنِكَ فَعُسُمُ السَّسَاحَةُ المُخْتَابِ الاَخْسَالُ وَوَمَناهِفِ اللَّهُ مَا اللَّهُ الْمُعَلِينَ وَالْمُعْتَفِينَ الْاَثَارِ عَلَيْهِمُ مَعَ الْاَلِ وَالْعَشِينَ وَالْمُعْتَفِينَ الْاَثَارِ وَاخْوَانِنَا فِي اللَّهِ وَجَهُمِ الْمُؤْمِنِينَ وَالْمُعْتَابِينَ وَالْمُومِينَ مِنْهُمْ وَالْمُعِلِينَ وَالْمُعْلِينَ وَالْمُعْلِينَ مَنْهُمْ وَالْمُعِلِينَ مِنْهُمْ وَالْمُعِلِينَ وَالْمُعْلِينَ مِنْهُمْ وَالْمُعِلِينَ مِنْهُمْ وَالْمُعِلِينَ وَالْمُعْلِينَ مِنْهُمْ وَالْمُعِلِينَ مِنْهُمْ وَالْمُعِلِينَ وَالْمُعْلِينَ وَالْمُعْلِينَ مَنْهُمْ وَالْمُعِلِينَ وَالْمُعْلِينَ وَالْمُعْلِينَ وَالْمُعْلِينَ مِنْهُمْ وَالْمُعِلِينَ وَالْمُعْلِينَ وَالْمُعْلِينِ وَالْمُعْلِينَ وَالْمُعْلِينَ وَالْمُعْلِينَ وَالْمُعْلِينَ وَاللَّهِ وَمَعْتَلِينَ مِنْهُمْ وَالْمُولِ وَالْمُعْلِينَ وَالْمُعْلِينَ وَالْمُعْلِينَ وَاللّهِ وَمَعْتِينَ مَا مُنْهُمْ وَالْمِنْ وَاللّهِ وَمَعْتَى اللّهُ وَمَعْتِينَ مَا مُنْهُمْ وَالْمُولِينِينَ وَاللّهِ وَمَعْتَى اللّهُ وَمَعْتِيعُ مِنْ مَنْهُمْ وَالْمُعْلِينَ وَاللّهُ وَمَعْتِيمُ وَالْمُعْلِيعِينَ مَنْهُمْ وَالْمُعِلِيمُ وَالْمُعْلِيمُ وَالْمُعْلِيمُ وَالْمُعْلِيمُ وَلَا لِي

بے تنک اللہ اور اس کے تمام فرنستے اس نحیب بنانے والے تمریم پر در کود بھیجے ہیں، اسے ایمان والو تم ہمی ان ہر در کود بھیجے ہیں، اسے ایمان والو تم ہمی ان ہر، جن کو تو نے اپنے جبروتی رازوں کے فالسش کرنے اورا پنے رحانی افار کے فالسش کرنے اورا پنے رحانی افار کے ظہور کا سبب بنایا، ہیمر کہ دبارگا و فداوندی کے نائب اور تیرے اسرار ذاتی کے فلیفہ ہو گئے ۔ سووہ تیری بے مثال اور بے نیاز ذات کی کمیائی کایا قوت اور تیری ازلی صفات کے ظہور کا بیاز ذات کی کمیائی کایا قوت اور تیری ازلی صفات کے ظہور کا بیاز ذات کی کمیائی کایا قوت اور تیری ازلی صفات کے ظہور کا بیری خراف اور تیرے بیرا بردہ اور تیرے بیری خراف اور تیرے بیری خراف اور تیرے بیری کو تو نے اپنی اکثر مخلوق سے برد کے اس کر تو گئے نے اپنی اکثر مخلوق سے برد کی میں رکھا ۔ بس و تو قمیتی می پاخراند اور موجز ن سمناز ہیں ۔ بس اللی میں رکھا ۔ بس و تو قمیتی می پاخراند اور موجز ن سمناز ہیں ۔ بس اللی میں رکھا ۔ بس و تو قمیتی می پاخراند اور موجز ن سمناز ہیں ۔ بس اللی میں تیرے کو ماصلی ۔ بھی سے صفور کے اس مرتبد کے ، جوتیری بارگا ہ میں آپ کو ماصلی ۔ بھی سے صفور کے اس مرتبد کے ، جوتیری بارگا ہ میں آپ کو ماصلی ۔ بھی سے صفور کے اس مرتبد کے ، جوتیری بارگا ہ میں آپ کو ماصلی ۔ بھی سے صفور کے اس مرتبد کے ، جوتیری بارگا ہ میں آپ کو ماصلی ۔

اوراس عزت کے جو تیرے صوران کی ہے ا کے دسیلہ سے ا سوال كرتے ہيں كرہارى باتوں كوحنور كے افعال سے اور ہاہے كانول كوصنوركے اقوال سے اور ہمارے دلول كو صنور كے اناور سے اور بھاری رکوسول کو حنور کے اسرار سے اور بھارے جمول كوآب كے احوال سے اور ہمار سے سینوں كواب كے معاملات سے اور ہارے باطنول کو آپ کے شاہدے سے اور ہاری انحوں کوآب کے توریجال سے اور ہار سے اعمال کا فاتمانی كى رضا سے آبا در كھ تاكر صنور كے ذريعے بم مجھے ديھيں اسال میں کر صنور تیرے ساتھ ہول دونوں بار گاہوں سے نائب ہوں دونو سے ساتھ ہوں ، اور دو تول سے دو نوں بررہائی فرائیں ،ادرالئی بهارا كبكرسيسوال سب كرحنوريرابيها درو دوسلام بمجيح جوحنوكى باركاه مبندم تبت ميل ميل وران كصد تعييمي وما ل موجود مول اورائس فالفنحبّت کے صدیتے جودرُود وسلام سے صنور کو ہے، مجعظمي فرسب حاصل ہوء اوران کی وجہ سے مجھے میکول کی ہوا يتسر بوا وراس كے دسبيلہ سے مجھے عيلينيرو لوگوں كاحته ملے كرميى محفوظ مازب اورميي بيمثال جيئا موتى سے اور تيري كاننا كاسبيول ميں ليٹا ہوائي توباقوت سے اور وہ گراسمندر جس تیری معلومات کی مختف صمیل کئیک سی وہ تیرے سے غیب اور تیرسے مازِربُوتیت کا بدلہ ایمان کے کہاس سے وہ تیری ذات ير دلانت كرف والانظرين كيا، اورايساكيون نه بهو،جب كراس كى خبرخود تونے اپنى محكم كتاب ميں ہم كودى اس فران سے إت

اللّذِينَ يُبَايِعُونَكَ إِنَّمَا يُبَايِعُونَ اللّهَ - بِيُمُكب بولوك تمهارى بعيت كريته بين وه بعينه المثركى بعيث كريته بين "السس بهاراتك ختم بوااور بم بيدار بو كئة والني احضور كم ففيل اين وا كى م كور منهائى فرطا ورحنور كے انوار اطاعت كے صدیقے ہم سے معاملہ فرماا وراللی! ان سے راصنی ہوہ جن کوتو نے قابل اقت رار بنایا ورجن کے دل تو نے مدایت سے چراغ بنا مے جوغیروں کی غلامی سے پاک اورمیل کے دھبول سے مصنّا ہیں جن کے دلول میں معنی کے موتی جیکتے ہیں جن کوعلم وفن کے بانیوں سے پلے عین کے ہاربنایا گیا . اورجن کو تو نے اپنے دین کا مدد گاربنایا بنے تک وہیر نئی مختار کے دکستوں میں سے ہیں، اورجن کو تو نے اپنے دین کا مد د گاربنا یا بهی نیک سرواریس اللی ان پراینی منزید رصا دو تی چونی فرما دے۔ آل اورخاندان مے ساتھ اوران کے نقوش قدم تلاش كرتے والول كے ساتھ- اللي ! ہارے والدين، ہارے مثناشخ اورفداکی رضا کے یا بنے وا لے ہمار سے معاثیوں کوئٹ دے اورتمام ايماندار مردول ورغورتول كوبمسلمان مردول اورعورتول كونيكول اور بدول كو"

یہ دُرو دیا تو تیہ ہارے شیخ ، استاذ کبیر عارف شہیر سیدی نیسے محقرفات اللہ کا ہے ، جوآن کل حرمین شریفین میں آئے ہوئے شیں المندان سے داختی ان سے داختی ان سے عالم ، فاصل ، کا مل خلیف ، سیدی سیدی سید محقرم کا رکس مخر بی جوآج کل دمشق ان سے عالم ، فاصل ، کا مل خلیف ، سیدی سید محقرم کا رکس مخر بی جوآج کل دمشق شام میں ہیں نے مجھے بتایا کہ میں نے شیخ سے شناکہ ایس در دو شریف کی تالیم میں ہیں دیکھا ، حضور شہادت سے بعد انہوں نے بی کوئی سی انتہ علیہ وسلم کوخواب میں دیکھا ، حضور شہادت

کی اٹھی سے لینے بیسنے کی طرف اثبارہ کرتے ہوئے فرماتے ہیں، یہ محفوظ را زہے بمرصنور نے ير در و و و تر ليف حا منرين مجلس كے سامنے بيش فرما يا بھر مجھے اس كى تبوليت سے نواز اليا اور القطب نے فرايا ، جو شخص صبح وشام يد در و د شراي تين تين مرتبريد سط الس كو صنور عليالسلام كا ديدار بيداري اورنيند مين احتى اور معنوى طور يريخترت ماصل بوگا-اساذفرا تي بين ، كدايك بهائي سأت دن كك گونترنشيني كي جالت ميں بير در و د تر لين مسلسل پڙھتے رہے اور اس فت مک بامرندا کے حبب مک بیداری میں صنورعلیالسلام کی زیارت مذکر تی بھ مكارسه علوم واسرار ماصل كي البنيس كمتا بول مين في وتشخ وشيخ رمنى الترعة مسيم مرين هشدي من مين ملاقات كي اوران مصطريقة شا ذليه ماصل كيا-اس وقمت مين جامعة زمرم مرين طالب علمتما بين آب كالمجلس اورحلقه ذكرمين حاضر بوا ادرائیے آب کی برکت ماصل ہوئی۔ کھٹراکاشکر ہے۔

ایک سوامهاربوال درودنرلیب ایک سوامهاربوال درودنرلیب مَیّری مُرکبیشرین عرب باعلوی کا مَیّری مُرکبیشرین عرب باعلوی کا

اللهم صل على ستيدنا محتد صد كرة كه كستابيعًا آخصتل آئمنُوا و وَفَوْقَ ٱلْسُوَا وِ فِي دَابِ التُّنْيَا وَدَايِ الْمَعَسَادِ- وَحَسَلَى كَلِهِ وَصَحَيْبِ هِ وَبَاسِ كُ وَسَسِيمٌ عَسَدَة مَا عَلِمْتَ وَزِسَتَ مَاعَلِمُتَ وَمِيلُ مَاعَلِمُتَ ر

ترجمهم اللي ا درو دوسلام نازل فرما بها رسيه المحقرير، اليها درُود

بس کے وض تو ہم کو کا مل تر مُراد بخش دے اور مُراد سے اُوپر و نباو

ہم کوت میں ، اور صنور کی آل واصحاب پر ، اور برکت و سلام ابنی

معلومات کے برابر ، اور میری معلومات کے برابر ، اور اپنی معلوما ہم ہم اس درُود نشر بین کومیر سے شاشخ کے نیسی ، امام ، علامہ ، شام کے محدث سیدی شیخ عبدالرحمٰن الکزیری دحمۃ الشرف اپنی سندات کے مجموعہ بیں ذکر کیا ہے اور قربا یا کہ مجھے اس کی اجازت ہمارے نیسی نیٹر لیف عبدالمشری عرباعلوی صنری صیبین نے دی ۔ ان سے میری ملاقات می محدک مربی ہوئی مطالع میں ہوئی جاپ مربی مواجد بر شراییت کے سامنے صنور میلی الشرعایہ و کی جاپ روضہ اقراب کے باکس مواجد بر شراییت کے سامنے صنور میلی الشرعایہ و کی جاپ مربی ما ما صنور تھے قربانے گئے یہ در و د نشر لیب مجھ ہمرکار نے الهام کیا ہے۔

میں حاصر تھے قربانے گئے یہ در و د نشر لیب مجھ ہمرکار نے الهام کیا ہے۔

الكوال موأنيسوال درود ترليب

سيرى شيخص الوطلاوه الغزني كا

"أللهم صلى على سيديا محسم المحتر المحبيب المحبوب والمحبوب المحبوب المحتروب وعلى المحتروب وعلى المحتروب وعلى اليه وصحيه وسيديم " اليه وصحيه وسيديم " الله وصحيه وسيديم " الله ورود وسلام بيم ، مارس قامحد براجومبيب ومجوب مرس بهاريول سفتفا بخت والة بملينين وورفران وليه وليه الدراب كال واصحاب بر"

اور اب می ان واسی بیده در کرنے سے یا می می می می ولی بد درود نشر مین کیلیفیں دُور کرنے سے یا می سے مجے میتدی ولی پیچے عقیدے والے شیخ ابوص علاوہ الغزنی نے یہ درُود نشر میت بتایا اور اس

کا جازت دی ، اس وقت اکی وطن بیت المقداس تھا ۔ پرنسالہ کی بات ہے۔
میں نے ان سے اپنے رہے والم کی شکایت کی تھی ۔ توجتنا انڈ نے چا ہا ہیں نے
اس کو بڑھا ، اور انٹر تعالیٰ نے اس کے ذریعے میرا در دوغم دور فرما دیا ، اور
میری آرڈو و تمنا سے بڑھ کو انٹر کے فضل و کرم اور نبی عدالسلام بران بابرت
الغاظ سے درود وسلام کی برکت سے مل ، اس تاریخ سے ایک سال بعد شنے
انتقال فرا گئے ، انتقران بررحم فرائے اور ان کی برکتوں سے ہم کوفیضیاب
فرائے ۔

الكرا الموبليوال درو دنزلين

اَللَّهُمَّ مَسَلِّ عَلَى سَيِّدِنَا مُحَسَنَدِ النَّبِيِّ اُلُوْمِيِّ الطَّاهِرِ النَّيِّ الْكُومِيِّ الطَّاهِرِ النَّيِّ مَسَلِدَةً تَحَسُلُ بِعَا العُعَسَدَ وَتَعَلُقَ بِهِسَا النُّعَسَدَ وَتَعَلُقَ بِهِسَا

النی اہمارے افائم تربر بونی آئی، پاک اورصا ف بیں، اببا ور و بیمی بس سے گربی کھل جائیں اورشکلات مل ہوجائیں ' اس در و دشریف کوشنے شہاب الدین احد بن عبرالطیف الشری لائید مؤلف مختصرالبخاری نے اپنی کتاب المقتلات والعوا سک بین ذکر کہا ہے اور ایک نیک آدمی کا یہ قول نقل کیا ہے ، کرچشخص کسی معیب میں گرفتار ہو۔ اور میر پڑھے آنڈ ہم مسل علی سیسید کا محتسب الدیت ہے الاُ تین … اور میر پڑھے آنڈ ہم مسل علی سیسید کا محتسب و د مع فرما دے گا ۔ ابن ۔

ايكان وكيسول درود تنرلف

الله مسيدن المحتقد وحتى الله وحتى الله وحتى الله الله الآالله والمحتقد وحتى الدينة والمحتفظاً وفيقنا الله وتخطفاً وفيقنا الترصفاء والمسيوف عنا الشوكا والمحتنين ويما كتنين المحتنين ويما تتن خيرالونام - وعن ساير الدي والمنحاب الكستام - والخيفا المحتنة والاستدم - ياحق المتحقة ما الكست ام - والخيفا المحتنة والاستدم - ياحق المتحقة ما الله -

میں نے یہ در و د نتر ایف عارف بالترسیدی ابن عطا الدامی کندری کی تاب مفتاح الفسلاح وجعد باح الدرو آئے کے آخری ورق پر انکھا دی کھا آگا۔
یہ در تی کتاب سے باہر کل ہوا تھا ۔ اس کے بعد یہ عبارت تکمی ہوئی دیکی یہ در و د نتر ایف ہر تقصد کے یا ہے سو سے ہزار بار تک پڑھے اور نبی کویم علیہ السلام کے دیدار کے یہ ایک ہزار بار اگر توفیق ہوتو ہرروز دایک ہزار

بارمیسے ،النگرانس کو کامل غنی کر دے گا اور تمام مخلوق اس سے مجت کرے گا۔ "کلیفیں اور بلائیں دور نیموں گی۔ اس کے فضائل بیان سے باسم میں۔عبارت ختم ہوئی۔

ایک مویانیسوال درود تر لین

ٱللَّهُمَّ إِنَّى ٱشْسُالُكَ وَٱتَّوَجَّهُ إِلَيْكَ بِحَبِيُبِكَ ٱلْمُصْطَفَى عِنْدَكَ يَاحَبُنُنَا يَا مُحَسِتَدُ إِنَّا نَتُوسَسُ لِهِ إِلَّا يَرَبُّكُ فَالشَّفَعُ لَنَا عِبِثَ وَ الْمُؤْلَى الْعَظِيمُ كِانْعِيمَ السَّرَسُولُ الطَّآهِ مُن اللَّهُمَّ شَقِعَهُ فِينَ إِجَّاهِ عِنْدَكَ اللَّهُمَّ وَاجْعَلْنَا مِنْ خَسِيْرِالمُعْتَدِينَ وَٱلْمُسُلِمِينَ عَلَيْتِ وَمِنْ خَبُرِا لُكُتَرَبِينَ مِنْهُ وَإِلَا رِدِيْنَ عَلَيْبِ وَمِنْ آخِيَارِالْمُحِبِينَ فِيهِ وَالْمَحْبُوْبِينَ لَدَ بِهِ وَفِيرِيْحُنَابِهِ فِي عَرَصَاتِ ٱلْقِيَامَةِ وَالْجَعَلُهُ لَنَا دَلِيُسُلاً إِلَى جَنْتُهِ النَّعِيْمَ بِلاَ مَؤْسَهُ وَلَامَشَقَّهُ وَلَهُ مُنَاقَسَّةً إَلَيْسَابٍ وَاجْعَلُهُ مُقْبِلًا عَلَيْمًا وَلاَ عَلَيْمًا وَلاَ تجتعكه خاضبًا عكِنُنَا وَأَغْضِرُكُنَا وَلِجَيبِيْعِ الْمُشِينِينَ ٱلدَّحْیَآدِمِنُهُ المَایِتِینَ وَآخِہ وَ المَیتِینَ وَآخِہ وُ کَعُوآنَا اِنِ اکتسٹندُ یِلْهِ رَبِّ انْعَالَہِینَ "

مه اللی این تجد سے موال کرتا بول اور تیری طرف تیرسے برگزیژ محبو مرجم بم محد مسیلہ سے متوجہ ہوتا ہول ۔ اسے ہمار سے محبوب ا سے محتر ،

بے تنک ہم آپ کو دسید تا نے ہیں ، آپ کے رب کی طرف ، تو برسه فاكريم كحصنوبهارى سغايش كيجير المسيمترين دشول اللی ! ہمارے بارے میں صنور کی سفارش اس عظیمت سے صدیحے متبول فرا ہے۔ج تیرے صنوس کار کو حاصل ہے۔ النی اہم کو صنورعلیالسلام بیہترین وژو دوسلام پڑھنے والے بنا د نے۔ اور حنوا کابہترین قرب خاصل کرنے والے اور ما عنری دینے والے کردے اور بہترین مخبت کرنے والے اور صنور کی ابگا میں بہترین محبوب کر دے اور صنور کے صدیقے میدان محتنہ میں ہمیں خوشیاں منانے والول میں کر دے اور سرکار کونعمتول مجرے مبتول کی طرف ہارا رہنا بنا دے۔ بلامختت وشقت، بغير كؤريصاب كے اور كركى توج بم مرفرا دينا-اور صفور كو هم میزناراص نه فرمانا بهم کونجی اورتمام زنده و وفات یافتهمسلما كوتجي سخش د سے اور ہماری آخری اواز میں ہے كہ تمام تعربیس

یہ دعا صنورعلیالسلام پر درو دا وراب کو کسید بنا نے پر شمل ہے
اس کو دلائل لخیرات کے مصنف نے ڈکر کیا ہے اور شارح نے کہاکداس
جیسی دُعا امام ترمذی نے بحی نقل کی ہے اور اس کو صن میرے غربیب کہا ہے
امام نسائی ابن ما جہ طبرانی نے بحی بیان کی ہے۔ طبرانی نے اس سے
بسلے ایک قصتہ لکھا ہے۔ ابن خزیمہ نے ابنی میرے میں اور حاکم نے بھی استعل
کیا ہے اور حاکم نے اس کو شرط بخاری مسلم پر میرے قرار دیا ہے۔ پہتی
کیا ہے اور حاکم نے اس کو شرط بخاری مسلم پر میرے قرار دیا ہے۔ پہتی

قراردیا ہے۔نسائی کے ایفاظ بیہیں - ایک نابیا شخص صنور صلی الشرعلیہ وسلم کی فد اقدس مين ما صربوا - اورع ص كيا يارسول الله إالله عديما فرعا فرائيس كربينا في تحيك كر دسے، فرما يا ، ميں شجھے إسى حال مرجھ و دووں ؟ عرض كيا ، يارسول الشر إبنيائى نہ ہونے کی وجہ سے سخت پرلٹان ہوں ، فرما یا جا وُ وعنوکر سکے داورکعت دنقل پرکھو بمركه والمنهم استكالك والكجشة إكيك تبيتك محسته يتج التعلق كَالْمُحَسِّنَدُ إِنِي الْتُوَجِّنَهُ إِلَىٰ رَبِيْ بِكَ أَنْ كَلُشِفَ لِي عَنْ بَعِيْدِي أللهمة شيغة في تعنيف كاللي مي تجد مصوال كرما بول اورتبرى طرف متوج ہوتا ہوں تیرسے نبی محمد نبی رحمت سے دسید سے ، اے محمد ؛ بے تسک میں اب كے دسيد سے اپنے رب كى طرف متوجر ہوتا ہوں كرميرى انحد سے بروہ كھول دے ۔ لیے الترحنور کی شفاعت میرے تی میں قبول فرما " و محا مانگ کرفار غ ہواتوالشرنے انکھوں سے پردہ ہٹا دیا ، اور صنیف نے جوالفاظ نقل کیے ہیں ابن تابت نے بھی اپنی کتا سب الکفایہ "میں معمولی تبدیلی سے یہی نقل کیے ہیں۔ اور مُصنف كينزديك لفظ زائد تمي بي اورابن ابت ني اس دوايت كونبي عليالسلام كي زیاست سے بیان میں نقل کیا ہے ، اور کہا کہ نبی علیالسلام اور ای کے دو تو ل نما تميوں پرسلام ع ومن كر كے بچروشول الشرصلى الشرعليد كوسى كى طرف بيٹ آئے۔ كثرت سے دعاكرے اورصنورعلياكسلام كى شفاحت طلب كرسے مثلاً ٠٠٠ اللى ! میں آپ سے سوال کرا اور آپ کی طرف متوج ہونا ہوں آگے تمام عبارت وہی ہے جوندکورہوئی بھریہ الفاظ ہیں قرآ خیسر دھے قرائا آ ن المعسشد کہ یلائی تب المعالمین شارح دلائل کی عبارت ضم ہوئی۔

الاستعمال ورودته لعن

سَهَلَهُمْ مَسَلَ عَلَى سَيِدِنَا مُحَسَمَدٍ وَعَلَى آلِسِهِ وَآصُحَابِهِ وَآزُوَاجِهِ وَثُمَيْتَيْتِهِ وَآهُ لِهَ بَيْتِهِ عَدَدَمَا فِي عِلْمِكَ مَسَلَقَةً وَآثُمَة سِدَمَامُ عَدَدَمَا فِي عِلْمِكَ مَسَلَقَةً وَآثُمَة سِدَمَامُ مُلْكِكُ ؟

النی اِ درود بھی ہارسے آقامحقدا ور آب کی آل، صحابہ ، اقدواج و اولاد اور گھروالوں برا بنی معلومات سے برابر۔ ایسا در و وجو تیری حکومت کے ساتھ دائمی ہو یک

میں نے یہ در و دشرایف عکا مرشیخ محقر صالے کیس زمیری زمزی کی شافتی
دیم آلند کے فقا وی میں دیکھا ہے وہاں بیمی نکھا ہے کہ علامیسیدی الصغیرا بن
میار من نے کہا کر جس نے ایک مرتبر یہ در و دخر لیف پڑھا کو یا اس نے جالین کم رتبر
میار من نے کہا کر جس نے ایک مرتبر یہ در و دخر لیف پڑھا کو یا اس نے جالین کم رتبر
ولاکل الخوات پڑھی '' ذہیری کی عبارت ختم ہو کی یجر بیس نے یہی بات کتا ہے کو ذالکہ
میں دیکھی، اس کی عبارت یہ ہے جو مجھے شنے عیالت (النٹران کی حفاظت فرمائے) نے
عطاکی یہ درو دخر لیف قابل اعتماد لوگوں نے شنے سیدی صغیری میار مینی النٹر عنہ
سنے قبل کیا ہے النٹران سے میں نفع دے وگوں کا کہنا ہے کہ جس نے اسلیک
مرتبر پڑھا گویا اس نے جالیس مرتبہ دلائل الخیرات پڑھی ، اس کے الفاظ قریب قریب
اس طرح ہیں آلڈ گئم مسکل عسکی سستید کا محملت کی عدد کہ مما فی ھے کہا
اس طرح ہیں آلڈ گئم مسکل عسکی سستید کا محملت کی عدد کہ مما فی ھے کہا
مداکی تعداد کے برابر در کو د بھی ۔ ایسا در و د جو عکومت اللیہ کے دوا م کے ساتھ

ايك موجوبيوال درو دنزلين

سيدى شيخ عبالطيف بن مُوسى بن عجبل يمني كا

اللَّهُمَّ يِنْهِ وَسَسَلامٌ عَلَى عِبَادِةِ ٱنَّذِيْنَ اصْطَفَى أَلْحَدُدُ يله آنحت خدُيله آنحت شدُيله يَارَبْ يَا اللهُ يَارَبْ كَالَلْهُ كَارَبِ يَا اللهُ - يَا حَيْ يَا قَيُومُ يَا حَيْ كَا قَيْوُمُ مَا حَيْ كَا فَيُومُ مَا خَذَا لَجُلال وَالاكْدَامِ مَا ذَا لَجَلَالِ وَالْاِكْرَامِ مِا ذَا اَلْجَلَالِ وَالْإِكْلَمِ. كَا بَدِيُعَ الْتَنْفُواتِ وَالْوَرُضِ ٱسْسَنَا لُكَ آكَتُهُمْ ۖ آنُ تَجُعَسَلَ بي بي هذذ والشَّاعَتُ وَفِي كُلِّ سَاعَةً وَوَقُرُ وَلَكُسُ وتختة وكغظة وخكوة وظرفة يظرئ بكاآحث ل التَّمَوَاتِ وَآهُلُ الْاَرْضِ وَكُلِّ نَسَنِيُ هُوَ فِي عِلْدِكَ كَائِنُ ٱوْقَدُكَانَ ٱسْتَالُكَ ٱللَّهُمَّ ٱنْ يَجُعَلَ لِي فِي مُدَّةٍ حَيَاتِيْ وَبَعُدُ مَمَاتِيْ آضَعَاتَ آضُعَا فِ ذَلِكَ آلُف. ٱلْعن صَدَلَةَ ۚ وَسَدَةٍ مَ مَنْ مُوبِئِن فِي مِثْلِ ذِلِكَ كآنمشال دلك عسلى عندك وتبيتك ورسولك سَيْدٍ دَمَّا مُحْسَنْدُ النَّبِيِّ ٱلُامِينُ وَالرَّسُولِ الْعَسَدِ فِي وعلى الدواضحابه والألادع والزواجه وذرتيب وآخل بنيد وآضهار و وآنستار و دَآشستاعِهِ وَٱشْبَاعِيهِ وَحَوَالِينِهِ وَبَحُدَّامِهِ وَمُعَبِّيهِ الْمَى

إِجُعَسَلُ كُلُّ صَسَدَةً ﴾ مِنْ ذَلِكَ تَعَوُّ قُ وَتَفَصْدُلُ مُسَلَحَةً المُعَيِّلِيْنَ عَلَيْهِ مِنْ آخُلِ السَّمَوَاتِ وَآخُلِ الْالْرَضِيْنَ اجمعين كغفيله الكنوى فضكته عكلى كأفكة خلقك كَا ٱكْدَمَ ٱلدَّكُومِينَ كَا آرُحَهُمَ الرَّاحِينَ رَبَّنَا تَعَبَّلُ مِثَا إِنَّكَ آنْتَ السَّمِيعُ الْعَلِيمُ - آلتُهُمْ صَلِ وَسَلِ وَسَلِ عسلى عبدك وتبيتك ورسويك ستيدنا محسم النَّبِيِّ الْدُمِيِّ وَالرَّسُولِ الْعَسَرَبِي وَعَلَى آلِهِ وَأَحْتًا * كآوُلادِه كآدُود وأدُرت الحِسه ودُرت تَبِيهِ وآصَمَادِهِ وَأَنْعَادُهُ وَٱشْبِيَاعِهِ وَٱشْبَاعِهِ وَمَوَالِيهِ وَخُسدًامِيهِ وَنَجِيبِهِ آقَعْنَ لَ الصَّلَوَاتِ - وَعَدَدَ ٱلْمَعْلُوْمَاتِ -وَعَدَدَ الْمُحُدُّوُفِ وَالْكِيّاتِ - وَعَدَدَ السَّكُوْنِ وَالْمَكَّا بَيْنَهُمَّا وَمِنْ الْمِينِزَانِ وَمُثْتَعِى الْعِيلِمِ وَمَسْبِكُعْ الزّمنَسا وَزِيّنَةَ ٱلْكُرُسِيّ وَالْعَرْشِ وَعَدَدَ ٱلْمُجُبِ والشرة وقات - وعرفة الدسمار العشنى وَ العِيفَاتِ الْعُلْيَا- رَبِّ تَقَبَّلُ مِينِي يَا لَحِيْبُ الدَّعُوَّا-يَا وَلِيَّ الْحَسَنَاتِ كَا رَفِينِعِ السَّرَّرَجَاتِ- اَللَّهِ مُثَّمَّ صَلِيَّ وَسَسَيْمٌ عَلَى سَسَيِّدَ مَا مُحَسَنَّدٍ النَّبِيِّ ٱلدُيِّيِّ وَالرَّسُولِ الْعُرَيْنُ وَعَلَى ٱللهِ وَآصُعَابِهِ وَآذُلَادِهِ وَآزُوَاجِهِ وَذُيْبَتِهِ وَآحُسِلِ بَيْتِهِ وَكُلَّمَا ذَكْرَكَ وَدَ حَصَىٰ اللَّهُ الكِدُونَ وَكُلَّمَا غَفَلَ وَسَهَا عَنُ ذِكُولَ

وَكَكُوهُ الْعَسَافِلُونَ وَعَسَدَدَ مَاذَكُوهُ الدَّاكِرُونَ وَعَدَدَمَا آحُصًا ﴾ الْمُحُصُونَ وَعَدَ دَمَا تَكُمَّ سِيهِ الْمُتَكِيْدُونَ - اللَّهُمَّ صَسَلِ وَسَيِّمْ عَلَى عَبُدِكَ وَنَبِيتِكَ وَرَسُولِكَ سَتِيدِنَا مُحْسَتَدِالنَّبِيِّ الْدُيْ مِي وَالرَّسُولِ العَسَرِبِي وَعسَلَى آلِهِ وَاصْحَابِهِ وَآوُلَادِةِ وَآذُلُودٍ وَذُلِيْتِ وَأَحْرِل بَيْتِ فِي صَلَاثًا أَنْتَ لَهَا آهُلُ. ٱللَّهُ مَّ صَلَ وَسَلِيمٌ عَلَى عَبُدِكَ وَيَبِيِّكَ وَرَسُوٰلِكَ ستستيدنا محسستيد النتبي ألأمنى والترشؤل العربي وعلى آلِهِ وَ آصُعَيهِ وَادُلاَد لِا وَآزُول جِهِ وَذُوليتِهِ وَاحْسُ لِ بَيْسِ وَكَمَا تَحِتُ اَنْتَ وَتَرُضَى - اَللَّهُ سَرَّ صلة وسَلِمُ عَسَلَى عَبُدِكِ وَنَبِيتِكَ وَرَسُوُلِكَ سَيِّدِنَا مُعَسَنَدُ النَّبِيِّ الْدُيِّيِّ وَالرَّسُولِ الْعَسَدَيْ وَعَلَى آليو وآصحاب والالادن وانتاب وذي تيت وَآحُسُ لِ بَيْتِ وَكَمَا يَنْبَغِى لِشَرَونِ نَبُوَّتِهِ وَعَظِيم مَسَدُندِةِ - اللهُمَّ صَسلَ وَسَيَمْ عَسَلَ عَسَلَ عَسَلَ عَندِ لَ وَيَبِينَ اللهُ عَسَلَ عَسَدَ اللهُ عَسَد لَ وَيَبِينَ اللهُ عَن وَالرَّسُولَ وَرَسُولُ لَ عَرَسُولِ النَّسِينَ الدُي وَالرَّسُولُ النَّسِينَ الدُي وَالرَّسُولُ المَّاسِنِينَ المُعَلِّقِ المَاسِنِينَ وَالرَّسُولُ المَّاسِنِينَ المُعَلِّقِ الرَّسُولُ المَّاسِنِينَ المُعَلِّقِ المَاسِنِينَ وَالرَّسُولُ المُعَلِّقِ المُعَلِّقِ المُعَلِّقِ المُعَلِّقِ المُعَلِّقِ المُعَلِقِ المُعَلِّقِ المُعَلِقِ المُعَلِّقِ المُعَلِّقِ المُعَلِقِ المُعْلِقِ المُعَلِقِ المُعْلِقِ المُعَلِقِ المُعَلِقِ المُعَلِقِ الْعُلِقِ المُعِلِقِ المُعِلِقِ المُعَلِقِ المُعَلِقِ المُعَلِقِ المُعَلِقِ المُعَلِقِ المُعَلِقِ المُعَلِقِ المُعِلِقِ المُعِلِقِ المُعِلِقِ المُعِلِقِ المُعَلِقِ المُعِلَّقِ المُعِلِقِ المُعَلِقِ المُعَلِقِ المُعِلِقِ المُعِلِقِ المُعَلِقِ المُعَلِقِ المُعَلِقِ المُعَلِقِ المُعَلِقِ المُعَلِقِ المُعِلِقِ المُعِلِقِ المُعِلِقِ المُعِلِقِ المُعَلِقِ المُعَلِقِ المُعَلِقِ المُعَلِقِ المُعَلِقِ المُعَلِقِ المُعِلِقِ المُعِلِقِ المُعِلِقِ المُعِلِقِ المُعِلِقِ المُعِلِقِ المُعِلِقِ المُعِلِقِ المُعِلِقِ المُعِلَقِي المُعَلِقِ المُعَلِقِ المُعِلِقِ المُعِلَقِ المُعَلِقِ المُعِ العسري وعسلى آليه واصتراب وآذلا وع وَأَذُوَاجِهِ وَذُيِّتَتِهِ وَ آهُ لِي بَيْتِ وَسَلَوَةً تَكُونُ لَكَ رِضًا ولمعينيه أداء - أللهم صرت وسيم على عبدك كَنَيِيتِكُ وَرَسُولِك سَسَيِتِونَا مُحَتَّدٍ النَّيِّيَ الْدُرِي وَالرَّسُولِ الْعَسِرُ بِي وَعَسِلَى آلِهِ وَآصُعَابِهِ وَ

وَالْادِهِ وَازْوَاجِهِ وَذُرِّيَّتِهِ وَاهْلِبَيْدِهِ مَا مُلِيِّهِ بَعَدُدِكُلِّ حَرُنٍ جَرَى بِهِ ٱلْقَلَمُ وَبَعَدَ وِ هَا يُعِلَمُ وَأَذْلُهُ أُلْقَعَتَ ذَكْ أَكْمَتَ تَرْبَ عِنْدَكَ يَوْمَ الْقِسَامَةِ رَبِّنَا تَقْبَلُ مِيًّا ايَّكَ آنْتَ الْسَمِيْعُ ٱلْعَلِيمُ - آلَلُهُمَّ صَلِ وَسَيِّمْ عَلَى سَيِّدُ مُعَسَبَّدٍ النَّبِيّ الُوْتِيّ وَآزُواجِهِ أَصَّعَاتِ آكُوُمِينِينَ وذُرِيَّتِيهِ وَآخِيلِ بَيُتِيهِ كَمَا صَلَّيْتَ عَسَلَى إِبْرًا حِيْمَ وَٱلِ إبْرَاهِ يُمَ إِنَّكَ يَحِيدُ مَجِيدٌ - آلَتُهُمَّ صَلَّ عَلَى سَيِّدِنَا كمحتبتد وعلى آلمنحتندكت صتيئت على دبراجينم فِي الْعَالَيْسَيْنَ الِمُكَ حَمِينُدُ مَجِينُدُ - اَلَهُ هُمَّ صَلِ عَلَى سَيَيْدِتَا مُعَسَبَدَدٍ وَعَلَىٰ آلِ سَيَدِنَا مُحُسَتَدِكُمَا بَارَكُتَ حَسَلَى اِبْرَاهِيمْ آِنَكَ حَينُ دُنْجِينُ وَآلَهُمْ صَلِّعت لِيَ سَيِّدِنَا مُحَسَّدٍ عَبُدِكَ وَرَسُوٰلِكَ وَعَلَى آلِسَيِّدِنَا مُعَتَدُّوكَتَا صَلَّيْتَ حَلَى لِبُوَاحِيْمَ وَآلِ لِبُرَاحِيْمَ وَبَارَكُ عَلَى سَسِيِّدِ نَا لَحُسَتَدٌ وَآلِ سَسِيِّدِ نَا لَمُحَسِّمَةٍ كتاباركت على وبراعنيم وآل وبراعيم وتك يمين مَعِينُ ذُ - اَللَّهُ مُ مَسَلَّ عَلَى سَيِّدِ نَا مُحَكِّمُ وَعَبُوكَ وَنَبِينِكَ النَّسِينَ الْأُمْنِ وَعَلَىٰ آلِ سَسِيِّدِ نَا مُعَسَّبُهِ وَازُوَاجِهِ وَذُرِيْتِهِ كَمَا مَسَيْنَتَ عَلَى (بُوَاجِبِيمُ وعسنى آل اينزا جيم وتارك على سيدتا محتد النسبتى الديمي وعدلى أل ستسيدتا محسته واذقاجه وُدُرِيَّتِ وَكُمَّا بَارَكُتَ حَلَى (نِرَاحِيمُ وَعَلَى آلِ

إِبْوَا هِنُمْ فِي أَنْعَالِينَ إِنَّكَ حَيثُ ذُ مِجَيْثُ دُ- اَللَّهُمُّ صَلَّ عَلَىٰ سَيْدِنَا مُحُسَتَدِ وَعَلَىٰ آلِ سَسَيِّدِنَا مُحَسَتَدِكَا صَلَّيْتَ عَسَلَى إِبْرَهِيْمَ وَعَلَى ٓ آلِ اِبْرَاهِيْمَ الَّكَ حَيثُ ذُنَّ مَجِيثُ ذُ- آنَلَهُمَّ بَارِكُ عَلَى سَيِّدِنَا مُعَسَبَّدٍ وَعَلَى آل سَستِيدِنَا مُحَستَدِكَمَا بَارَكُتَ عَلَى َ اِبْرَاهِيْمَ وَعَسَلَى آلِ اِبْرَاهِيْمَ إِنَّكَ حَيِيدُ دُنِجِيدٌ ﴿ اللَّهُ مَا تَكَ حَسَلَى سَيِّدِنَا مُحْسَتَهُ وَحَلَى آلِ سَسِيِّدِنَا مُحْسَتَهُ دِكَا تَزَمُّنَ عَلَى ابْرَاهِهِ ثُمَ وَعَسَلَى آلِ ابْرًاهِ ثُمُ الْكَ حَمِيلُدُ تَجِيثُ ذُ- اَللَّهُمَّ وَتَحَنَّسَ عَلَى سَسَيِّدِنَا مُحَسَّدٍ وعلى آل سيتدنا محستدكما تحتثث على ابراهه وَعَلَى آلِ لِبُرَاهِيمَ لِنَكَ يَحِيدُ تَجِيدُ تَجِيدُ - آنَهُ هُمَّ وَسَلِّمُ عتلى ستيدنا لمحتقر وعلى آل سيتدنا مُحَستَد كمَّا سَنَّمُنْتَ عَسَلَى الْبُرَّا هِيمُ وَعَسَلَى آلِ إِبُرًا هِدِيمُ لِنَّكَ حَييثُ دُ تَجِيدُ *- (إِنَّ اللّهِ وَمَلَامِكَتُ لُهُ يُصَـلُوُنَ عَلَىٰ النَّبِيِّ يَاآيُكُمَا الَّذِينَ آمَنُوُ صَدَوْ عَكَيْهِ وَسَيْمُو ا تَسُينِمًا كَبُنِيكَ ٱللَّهُمَّ كَبَيْكَ وَسَعُدَيْكَ صَلَوَا تُكُلُّهِ السبرالترحيم ومسكويكت الفترين والتبيتين كالمضيد يقينن كالشهداء والقالجين وماستبتح كك مِنْ مَسَنِعُى كَارَبِ الْعَالَمِينَ عَلَى محسِبٍ إِبْ عَبُوالْمُ خَاتِيمِ النَّبِيثِينَ وَسَسِيِّدِ الْسُرُسَلِينَ وَامَّامُ أُمُثَّقِينَ وَرَسُولِ رَبِّ الْعَالَمِينَ الشَّاحِدِ ٱلْبَيْتِ الْعَالَمِينَ الشَّاحِدِ ٱلْبَيْسِينُ وَالدَّ وعُ

إِلَيْكَ بِا ذَيْكَ العِسْوَاطِ اكْسُنَقِيْم اَلسِّوَاجِ الْمُسْيِوْوَعَكِيْهِ التشكة مُ دكل يوم ثلاث ممات ويوم الجسعة مائة ممة ر صَلَوَاتُ اللَّهِ تَعَالَى وَمَلاَئِكَتِهِ وَٱبْبِيَائِهِ وَرُسُلِهِ وَ جَيينع خَلْقِهِ عسَلَى سَيِّدِنَا لَحُسَنَّدِ عَلَيْ وَعَلَيْهِمُ السُّلَامُ وَرَحْمَةُ اللَّهِ وَبَرْكَاتُهُ - اَللَّهُمَّ الْجُعَلُ صَلَوَايْكَ وَرَحُمَيْكَ وَبَرَكَانِكَ عَلَى سَيَيْدِنَا مُحَتَدٍّ سَيْبِ اُلْدُرُسَلِيْنَ وَامِنَامَ الْكَثَّقِينَ وَخَاتِمَ النَّبِيِّينَ حَبُوكَ وَرَسُوٰلِكَ اِمَامِ الْمُسَيُرِوَقَايِّدِ الْمُسَيُرِوَفَايِعِ الْمُسِيرِوَفَايْحِ الْمُسِيرِ ومُعَسِيمٌ الْحِكْمَةِ وَرَسُولِ الهُدَى وَالرَّحْسَسَةِ الْلُهُمَّ دَاحِيَ الْسَدُحُوَّاتِ وَبَارِئَ السَّنُوُكَاتِ وَخَالِنَ الْخَلُوْقَا إنجعَلْ شَرَايُفَ مَسَلَوَاتِكَ وَنَوَامِى بَرَكَايِكَ وَلَانَى تَعَنَّنِكَ وَمَضَائِلَ الْآئِكَ وَآزُكَى تَجِيَّاتِكَ وَآوُنَى سَلَامِكَ عتلى ستيدنا مختبر عندن وتبيت ورسؤيلت السّيبيّد انكامِل كالْعَسَى عَالَمَ الْحَرَاكُمَا يَمِ كَاذَّ لِهَا لَاَحِير القّاهِ راَنْبَاطِي وَالْسَاحِي آنْجَامِيعِ الدَّا فِيعِ ربجيسُشَاتِ الْدَبَاطِيلِ- وَالنُّؤرِ الْهَا حِي مِنَ الْدَصَالِيُلِ امِينَيْكَ ٱكْمَاعُونِ - وَخَايِنِ عِلْمِكَ الْمَعَنْ رُونِ - اللَّهُمَّ مسَلِ وَسَيِمْ عَلَى نَبِيتِكَ سَيتِونَا مُحَسَتَّدِ فِي الدنبيتاء وعلى دشيه بي الدسماء وعلى جسد و فِي الْانْجَسَادِ وَعَلَى رُوْحِيدِ فِي الْاَرْوَا مِ وَعَسَلَى تسبره بي ألفُبُور مسكوة تتكتاعن آغددادها

وبكرادن المسدادها متسكرتك آتى مبليت عَلَيْ إِيدَ وَامِنْ - وَصَلِ يَارَبِ وَسَلِيمُ عَلَيْجَسُدِ وَ وَأَصْحَابِهِ وَأَذُواجِبِ وَذُرِّيَّتِهِ وَأَدُواجِبِ وَذُرِّيَّتِهِ وَآهُلِ بَنْتِهِ كَذُيكً أَلْلَهُمَّ صَلَ وَسَلِّمْ عَلَى عَبْدِكَ وَبَيِتْكَ وَرَسُوْلِكَ ستيدنًا مُحَسَّدَدٍ وَعَلَى الدِ وَ اَصْحَابِ وَ اَدُلادِدِ وَ آذُوَاجِهِ وَذُرِّيَّتِهِ وَاحْدَلِ بَيْتِهِ وَاصْبَهَابِ ﴿ وآنفتاره وآشكاعه وآثباعيه ونجسيه وَ أُمَّتِهِ . وَعَلَيْنَا مَعَهُمُ آجُمَعِيْنَ رَبَّنَا تَفْسَتُ لُ مِنَا رِنَكَ آمَنَ لِسَمِيعُ أَلْعَيلِمُ - آلِكُهُمَ صَلِ وَسَيلِمُ عَسَلَى عَبُدِكَ وَنَبِيتِكَ وَرَشُولِكَ سَيَدِنَا لَحَسَيَّدِ النشبتي المُفسطَف وَالرَّسُولِ ٱلمُجُدِّتِي وَالْجَيلِبِ ٱلْمُعْتَبَرِ وَالْمُعَسَدُّمْ يَوْمَ أَلْقِيسَاحَةِ وَالْسُفَعَ فِي الْمَعْشَدِدِ مسَاحِب اللِّوَادِ الْمُعَقُّودِ - وَالْحَوْضِ الْمُؤْرُ وُدِ-أَلْسُكُمَّ بِالْكُوْتِيْرِ- ٱلَّذِي نَحَتَمُتَ سِبِهِ الرِّسَالَةِ وَالدَّ لَاكْسِهِ وَالْبِسْنَارَةِ وَالنِّبِ ذَارَةَ وَالنَّبِ وَالنَّهِ وَالنَّبُوَّةَ وَالسِّوَّةَ واستريت بيه لكثلامين السنجيد الحسراج إِلَىٰ السَّبِيدِ ٱلدُّقْعَى - إِلَى السَّمَوَاتِ الْعُسلَى - إِلَى السَّمَوَاتِ الْعُسلَى - إِلَى سِيدُدَةِ الْمُنْتَهِى - إِلَى قَابِ قَوْسَتِ إِنْ اَدُادُ فَى -وَآرَيْتُ الدّيةَ الكُنْرَى - وَآنَلُتُ الْعَايِدَ ٱلْعُمُوَى - كَاكْرَمْتُهُ بِالْكَاكِنَةِ وَالْشَاهَدَةِ وَٱلْعَايِنَةِ بِالنَّلْ رِرَحَظَ حَدَّ إِلْحُبِ وَالْعَرُورَ

وَ التَّهُكِينَ - وَا رُسَلَتَهُ رَحْمَةً يَّلِعَالَمِينَ - وَخَاطَبَتَهُ وَوَصَفَةً بِعَوْلِكَ أَنكُوبُم وَلِنَّكَ لَعَلَى خُلُوْعَظِيمٍ - تكودعشسًا ٱللَّهُمَّ صَلَّ وَسَيِّمُ عَلَيْهِ وَعَلَى ٱلِهِ وَاصْعَابِهِ وآولوده وآزواجه وذريتيد وآغيل بنيدوآفهايع وآنصاره وآشياعه وآثباعيه ومواليثه ونحدامه ونخيتينه وأمكن وعكننا آجتعين كاادحب الرَّاحِينِينَ يَارَبِ الْعَالِمِينَ دِثَلِثًا) وَمَسِيلٍ الْمِينِ عشبتي عَبُدِنَ وَنَبِيتِكَ وَرَسُوٰلِكَ سَيِّدِنَا مَحْتَدٍ خَاتِم النَّيِيِّينَ آفَعَسَلَ صَلَوَاتِكَ وَآتَمَ سُلَامِكَ وَٱلْمَى بَرَكَايِكَ مسَدَة لَا تَسْتَغُيرِنُ الْآمُسِدَادَ-وتُحِينُطُ بِالدَّحادِ-صَلَاةً لَاعَابَتَ لَعَا وَلاَ آمَدَ لَعَا ولاأنقضاء كفاصسكة أمتيكة آتيدتية سنمدتثة تَذُومُ بِ حَوَامِ مُلْكِنَ كَا وَايُمَ يَا حَدِيدِ يَارَبُمُنُ يَا رَحِيثُمُ. وَصَــل يَارَبُ وَسَــيْمُ عَلَيْ عَنِهِ كَ وَيَبِيْكَ وَرَسُولِكَ سَــيّدِنَا مُحَــتُنَا الْمُعَــتُنَا الْمُعَــتُنَا الْمُعَــتُنَا الْمُعَــ النِّيتِينَ - وَعَلَى آلِهِ وَآصَعَابٍ وَآهُلِ بَيْسِهِ الطّيّبيْنَ ٱلطَّاهِ رِيْنَ - وَعَلَى آبُوا بِهِ إِبْرَاهِيمَ وَايُمَاعِيُلِ وَعَلَى جَمِيعِ إِنْوَانِ فِينَ النِّيتِينَ . وَ أَلُسُرُسِيلِيْنَ - وَآلِ كُلِّ مِينَهُمُ وَآوُلَادِ حِيْمٍ - وَآتُوَاجِهِمُ ودُرِيَتِيهِمْ وَصَحْبِهِمْ ٱجْمَعِيْنَ -وَصَلْ يَارَبُوسَيْمُ عَلَىٰ عَبُوكَ وَ كَبِيْكُ وَرَسُولِكَ سَبِيْدِنَا لَمُحَسَمَيْدٍ

خَانِهُ النَّبِينِينَ - دَعَلَى آلِهِ وَٱصْحَابِهِ وَ آخُلِ بُيْدِهِ الطَّيْبِينَ الطَّا هِيرِينَ - وَعَلَى أَوُلِي الْعَسُومِ مِنَ الْسُرُسَيِلِينَ -وَعَسَلَى الطِيِّدِ يُقِينُ وَالشُّهَدَاءِ وَالطَّالِحِينَ ـ وَمَسَلَّ يارب على عبوك ويبيك ورسويك ستيدناكي خَاتِمُ النِّبِينَ - وَعَلَى آلِهِ وَ آصُحَابِهِ وَآهُل بَيْتِهِ الطيتين الطاهرين وعسلى حملة عشرتيك ومَلْائِكَيْكَ الْمُعْتَرِبِينَ وَعَلَى جِبُرِيْلَ وَمَيْكَا يُهِبُلُ وَإِسْسَرَافِيْلَ وَعِنْرِمَائِيُلَ وَعَلَى جَبِينِعِ مَسَلَوْبِكَةِ المشتموّات والارُضِينَ - وصسل يَارَبِ وسيرَّمُ عسلى عبدك وببينة وتشولك ستديا كمحتبد خَاتَيم النَّبِيتِينَ - وَعَلَى آلِهِ وَآصُحَابِهِ وَاهُلِ بَيُتِهِ الطَّيْسِينَ وَالطَّاهِ رِيْنَ - وَعَسَلَى الصَّالِحِينَ مِنَ اُلانْسِين وَا يَجِنِّ الْمُؤْمِنِدِينَ مِنْهُمُ وَالْسُلِمِينَ. وَصَلِّ كارْبِ وَسَدِيمُ عَلَى عَبُوكَ وَكِبِيدَ وَرَسُوُلِكَ سَسِيدِنَا مُحَسَبُّهِ نَبِى الرَّحْسَةِ وَصَبِيدُ أَلُامَةٍ سَسِيدِنَا مُحَسَبُّهِ نَبِى الرَّحْسَةِ وَصَبِيدُ أَلُامَةٍ وَكَاشِعِنِ الْعُسَّةِ - وَجَسَلاَءِ الظَّلْمَسَةِ - عَدَدَ الشَّلْعِ كالوشر- ووعددالشخاب والقطير وعكدذتك انبترة البخسر- وعدة الشمار وورق ألاشجار مَسْدَدَمًا آظُلُمْ عَكَيْهِ الكَيْلُ وَآشُوقَ عَكَيْهِ النَّعَادُ- وَعَدَدَ نَعُمَا يُكُ وَإِنْ ضَالِكَ وَالْايُكَ وَعَدَدَكُلِمَا يُكَ الْمُبَارَكَاتِ الطَّيْسَاتِ - صَلَاةً تُنْجِنْنَا

يِهَا مِنْ جَمِيتِ الْاِحَنِ رَالْيَعَنِ وَالْآهُوَ الْ وَالْبَيَّاتِ. ويُستيمُنَابِها مِنْ جَبِيعِ أَنفِتَنِ وَأَلَّهُ سُقَامٍ وَٱلْاَمُنَاضِ وَالْوَفَاتِ وَإِنْعَاهَاتِ - وَتُطَهِّرُنَا بِهَا مِنْ جَيبُ جِ العُيُوْبِ وَالسَّيِّنَاتِ- وَتَغْفِرُلَّنَاجِهَا جَعِيثِ مِ الدُّنُوْبِ وَيَحُوُجِهَا عَنَّا الْعَطِيثَاتِ- وَتَقْفِى لَنَابِهَا جَيشِعَ مَا نَطُلُبُ مِنَ الْحَاجَاتِ - وَتَرْفَعُنَا بِهَا عِنْدَكَ آعُلَى الدَّرَجَاتِ - وَيُبَلِّغُنَا بِمَا آقُعْمَى الْعَايَاتِ - مِنْ جَسِينِعِ الْعَيْرَاتِ فِي الْعَيَاتَةِ وَلَعْدَ المتات - يَا رَبِ كَاللُّهُ كَا لَجَيْبَ الكُّمْوَاتِ مَيْبَا تَعَبُّلُ مِنَا إِنَّكَ آنْتَ السَّمِيعُ الْعَلِيمُ- ٱللَّهُمُ وَتُعَبَّلُ شَفَاعَة نَبِيْكَ سَيِدِنَا مُحَتَدِ أَلَكُبُرَى وَبَيْغُهُ يِنْظَيْكَ البَيْبِ نِمَايَةِ الْبُشْدَى - وَأَرْفَتُعُ وَرَجَتَهُ الْعُلْيَا- وَآتِ مِ سُؤُلَهُ فِي الدَّخِسَرَةِ وَالْدُولَ كَمَا آتَيْتَ اِبْرَاهِيْمَ وَمُوْسَى - وَآعُطِهِ آفَعَلَ مَا سَأَلَكَ لِنَفْسِيهِ وَآفَفَ لَ مَا سَأَلَكَ لَهُ آحَدُ مِنْ تَخْلُقِكَ وَ ٱنْصَلَ مَا آئْتَ مَسُنُولٌ لَهُ الْيَ يَوْمِ القِيّا مَنْ مَ اللَّهُمَّ وَالْبِعَثُ مُمَّا مًا مَعُمُودًا يَعْبِكُهُ ينشد الذوَّلُوْنَ وَأَلْتَحِسِوُونَ وَآيَهِ ٱلْوَسَيْلَةَ ﴾ وَالْفَضِيلَةَ وَالسُّرَتَ الْدَعْلَى وَالدَّرْجَةَ الرَّفِيعَةَ واكتنزكة اكشامخة اكعاليت أكمكيننة وأنجزع عَنَّا يَا رَبِّ مَا هُوَ آهُلُهُ وَأُحْسِنِهِ عَنَّا آفَعْسَلَ

مَاجَزَيْتَ نَبِيًّا عَنُ أُمَّتِهِ . وَزِدُ فِي دَرَجَتِ وَسَرَفِهِ وَرِفَعَتِهِ - آللُهُمْ وَ أَحَيِنَا مُسْتَمُسِكِيْنَ بِسُنَّتِهِ وَتَعَبَّيْهِ وَأُجُعَلْنَا مِنْ خِبَارِ أُمَّتِيهِ - وَأُسْتُزَنَا بِخَيْلِ حُرُمَنَهِ - وَامِثْنَا عَلَى دِينِبِ وَمِثْنَا عَلَى ذِينِبِ وَمِثْتِبِهِ . وَأَحْشُونَا يَوْمَ الْعِيَامَةِ فِي زُسُرَتِهِ - وَاسْقِنَا مِنْ حَوُصِهِ وَآدُخِلْنَا الْجَنَّةَ بِشَفَاعَتِهِ • مَعَ آخُلِهِ وَخَاصِّيهِ • وَأَجْمَعْنَا بِهِ وَبِهِمْ فِي مَقْعَدِ القِيدُقِ عِنْدَكَ مَعَ الَّذِينَ ٱنْعَبْتَ عَلَيْهِمْ مِنْ النَّبِينَ وَ العِسَدِ بُعِبْنَ وَالشَّهِدَاءِ وَالصَّالِحِينَ يَاحَنَّانُ كَامَنَانُ يَا رَحْمَنُ دِثْلِاثًا ﴾ وَتَبْنَا تَعْبَلُ مِثَا إِنَّكَ آئت التينيعُ العسينمُ بِحُرْمَةِ طِذَا لنَّبِيّ الأيتي- وَالرَّسُولِ الْعَسَرِي - صَلَّ اللَّهُمَّ عَلَيْ ا وعلى آله وآضحایه وآذلاد و وَأَزْوَاحِهِ وَأَنْوَاحِهِ وَأَنْوَاحِهِ وَأُنَّيِّهِ وَآخِلِبَيْتِ وَسَسِيمٌ عَدَدَ خَلَقِكَ وَمِضَا نَفُسِكَ وَذِنْتِهُ عَسَرُشِكَ وَحِسدَادَ كَلِمَاتِكَ ٱلَّتِيُ لَاَيْفُهُ يَا آرُحَتُمَ الرَّحِيثِينَ - سُبُحَانَ اللهِ وَالْحَسْمُدُيلُهِ وَلَا إِلَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ أَكُبَرُ وَلَا يَوْلُ وَلَا قَدْتُ تَا إِلَّا بِاللَّهِ الْعَسَلِيِّ الْعَظِيمُ عَسَدَ دَ مَا عُلِمَ وَمِلْ مَا عُلِمَ وَاسْتَعْنِونَ أَللْهُمْ وَآثُوبُ إِليْكَ يَا غَفُونُ يَاتَوَّابُ وَآعُوٰذُ بِعِلْمِكَ مِنْ جَهُلِيْ وَ بِغِنَاكَ مِنْ نَعْدِى وَبِعِينِ لَكَ مِنْ ذُلِيَّ وَبِمُوْلِكَ

وَتُوْتَيْكَ مِنْ عَجُنِرِي وَضَعْنِي وَآعُوْذُ بِكَ آنَ أَرَدًا لَى آرُدَ لِ الْعُسُرِ وَآعَوُدُ يَكِ مِنَ الْحَوْدِ بَعُدَ الْسَكُوْدِ اى من النقصان بعد الزيادة - ٱللَّهُمَّ إِلَى ٱ عُوْدُ بِمُعَافًا مِنْ عُقُوْلَتِكَ وَآعُوذُ بِرَصَاكَ مِنْ سَخَطِكَ وَآعُوذُ بلكَ مِنْكَ لَا أَخُصِي مَنَاءَ كَلَيْكَ آنْتَ كَمَا ٱثْنَيْتَ عَسَلَى نَفْسِكَ - اللَّهُمَّ إِنَّ آعُوْدُيكَ مِنْ مُمْنِكِرَاتِ الْاخْلَاقِ وَأَلَا كَالُو هُوَ آءِ وَالْوَدُ وَآءِ وَآخُودَ بِكَ مِنْ عَلَبَتِهِ الدِّين وَغَلَبَتَ السُّرُونِ وَشَمَاتَةِ الْعِبَادِوَا لَحُسَّادُ وَآعُوٰذُ بِكَ حِنْ أُنْهَمْ وَالْحَرَثِ وَٱلْعَبْرِوَالْكُنْلِ وَالْجُسُبُنِ وَالْبَحُسُلِ وَآعُوْدُيكَ مِنْ خَلَبَةِ السَّكُ يُنِ وَ تَهْوِالدِيِّجَالِ- اَللَّهُمَّ إِنَّى اسْسُنَالُكَ فَوَاتِحَ الْحَيْدِ ويخوانيت وبجوامعت وآذك وآخسره وظاهيره وَبَاطِئَتُهُ وَالدَّرَجَاتِ الْعُسُلَامِينَ الْجَنْتَةِ-آمِيْنَ · ٱللَّهُ ثُم إِنِّي ٱسْسَكَالُكَ مِنْ خَسِيْرِمَا سَأَلَكَ مِسْسَهُ عَبُدُكَ وَبَيتِكَ وَرَسُولِكَ مُحَسِّبَدُ صَلَّى اللهُ عَكَيْهِ وستسيلم وآعُوٰذُبك مِنْ شَرِمًا اُسْتَعَاذَكَ عَبُدُكَ وَيَبِينِكَ وَرَسُولِكَ مُحَسِمَدٌ صَسِلَى اللهُ عَلَيْبِ وَسَلَّمُ وَآنُتُ الْمُسْتَعَسَّانُ وَعَلَيْكَ الْسَينَةِ عُ وَلاَ حَوْلُ وَلَا نُدَّةَ وَالِدَّ بِاللهِ الْعَسِلِيِّ الْعَطِيْمِ - ٱلْعَسَمُ دُلِلْهِ ٱلَّذِي الله رَبَّنَاكَ سُرِعُ قُلُوبَنَا بَعْبَ وَإِذْ هَدَيُنَاوَهَ لِنَا

مِنْ لَكُذُنْكَ رَحْمَةَ إِنَّكَ آنَٰتَ الوَهَابُ سُبُحَانَ رَبِّكَ رَبِ الْعِيزَةِ عَشَا يَعِنْفُنَ وَسَسَلَا ثُمُ عَلَى الْنُرُسَلِينَ وَالْحَسَمُدُ لَلُورَبِ الْعَالَمِينَ . وَالْحَسَمُدُ لَلُورَبِ الْعَالَمِينَ .

سب تعریش النرکے بلے اور اس کے برگزیدہ بندوں پر،سب تعربیں انٹر کے یہ رسب تعربیں انٹر کے لیے ،سب تعربیں الشرك يا والما يرورد كار! الدالتر! الديرور وكار! لا الله لے زندہ! لے قائم رہنے والے ! لے زرہ ؛ اے قائم رہنے والے ! اے بلال وعزت وا ہے۔ اے بلال وعزت وا ہے۔ اے ملال و عِزْت والله إلى اسمانول اورزمين كونوبيداكرت والله إالى: ميرا بحدست وال ب كرتوميرك ياس ساعت اور برساعت و وفت ، مبرسانس ولمحد لحظه، قدم اورآسانول وزمينوں واسليجَواكھيس جسكة ميں اور جو بھے تيرے علم ميں ہونے والا سے اور جو كھے ہوجكا : النی ! میار بچھ سے سوال ہے کہ انسسب کی تعدد سے برابر میری زند کی اورمرنے سے بعد اٹھ آٹھ گنا اور اس سے ہزاروں گنا برُها چرُها کر د رُو دوسلام جن کواتنے بن منریدا عداد وشا. میں سرب دى جانے اور كئى كنا بوكر تيرے بندے ، نبى ارسول اور جارت آقامُحد أبي أمني رسول عربي ميه بوم اور آب كي آل ، عمام ، ، ولا د بيويول اورسچيول اور گھروالول ،آپ كيسمال دانوں ، بيروكارول، غلامول، فا دمول اورد دستول بربو- الني !ان ميل سے ہر درود وسلام اس درُود سے افعنل بوجوز مینو ل اور اسانوں والصب لكراب برير صفي بين اسي طرح جس طرح تياديا وا

ففل وكرم تمام مخلوق سي برهدكر بي جوتون أب كوعطا فراياك سب سے بڑھ کررجم فرہانے والے! لیے سب سے زیادہ رجم فرم والے االلی اہماری طرف سے قبول فرا بے تمک توسنتا جاتاہے الهى إ درود وملام بحيح اينے بندے نبی اور رسول پر بجو بارے مزار بين محدّ صلى المتدعلية ولم اجونبي أتمى اور رسول عربي بين اورآب كي ال وصحابه بيرا ولا د، ازواج ا وزيخ ل بريس سيسرل ، مردكارو بیروکا رو ل پراکی سے دکستول، فا دموں اور مجست کرنے والوں میز افعل ورُود، معلومات کی تعداد کے برابر حروف اور کتابوں کی تعدا د سے برابرہ سنون وحركات كے برابر- ايسا در ووج زمينوں اوراً ساتوں كؤيموسے-اوران دو کے ذرمیان جفنا ہے اس کو بھر دسے یمیزان کے برابریکم کی انتها ، رضا کی حد کرمی وعراض کے دزن کے برابر، بیددول اور سامیددول كے برابر - استاحشنی كے برابر - صفات عاليہ كے برابر، اسے پرور د كارمجھ سے تقبل فرما ۔ لیے دعائیں قبول کرنے والے! اور بھلائیوں سے مالک! اور درسے لمبند فرانے والے النی در و دوسلام بھیج ہارے آ قاممکریر، جونبي أمى بين، رسول عربي بين اوراكب كيال واصحاب يد، اولاد و ازواج اومبیحیول پراورنبی علیالسلام سے گھروالوں پر، جب مک ذکر كرنے والے تيرااوران كا ذكركرتے رہي اورجب كم تيرے اورحنو عدیالسلام کے ذکر کرنے سے ذکر کرنے والے غافل ہول اور ذکر كرنے والوں كے ذكر كے براب، اور صباب كرنے والوں كے صباب كرابر، اوركل م كرنے والول كے كلام كے برابر، النى ! ورووسلام بيبج ابنے بندے اپنے بی اور اپنے رسول ہارے اقامحرم جوبی

ائتى ادر رسول عربى بين ا ورآب كى آل واصحاب، اولا دوازواج براور آب كے اہلِ فانہ بر السا درُودج تيرے شايان شال ہو اللي درُودو سلام بيج اپنے بندسے بى اوررسول پر اجو بھار سے آقامحتریں بی آتی اوررسول عربي، اوراكب كي آل وصحابه اولاد وازواج برگفروالول بر ايسا درُود جوآب كے شايان شان بو-اللي درود وسلام بيج لينے بند ا پنے نبی اپنے رسول سیدنا محقد میرجونبی اُتی ا در رسول عربی ہیں اور آگی ال دامحاب پراولا دوازواج پر، آپ سے گھروالوں پر جیسے توجیہے اوربیندفرائے - اللی ! درود وسلام نازل فرا ، اپنے بندے نبی اور رُسول بهارسه المحترير، جونبي أتى اوررسول عربى بين- اوراك كى ال و اصحاب، اولا دوازدان براورا بل خاندبر، جوآب سے مرتبہ نبوت اور لبند درجر محضایان بو اللی درود وسلام نازل فرمالینے بندسے نبی اوریُسول بهارست قامحدمیر، جنبی أحتی اور رسول عربی بیس ، ا وراکسید کی آل و اصحاب، ازدا ج واولا دبرا درا بل خانه بر، ايسا درُو دجس ميں تيري مِنا بمى بواورا كي حقيمى ادابو، لسعاد لمر درود وسلام بيبى لينے بندستے اینی اور ابسنے رسول پر بہار سے قامحدنبی اُتی اوررسول عربی پر، اورآب كي آل، اصحاب، اولا دوازواج برا ورابل خاند بر، براس حرف ك بدال جس برفلم جارى بوا، اورعد دمعلوم كربرابر، اورج آ كمعلوم بو ا کا۔ اس کا اور قیامت کے دن آپ کو اپنے قریب مخمازا ، ہار سے پروردگار بارى طرف سے قبول فرما - بيشك تو كينے جانتے والا ہے الى درودو ملام بميح بها رساة فالمحدد نبئ التي براوراب كي ازوا جمعهات بمسلمانول كى ما وُل برا ورأب كى اولا د اورابل بيت بر- جيسے تو نے در و د بيجا المام

عليالسلام درآل ابرابيم بر- بي تمك تومرا باكيا بزرگ سها اللي درود و سلام بمين بمارسة أقامحة براور بمارس أقامحد كي آل بر. بميسة توني فدرود مجیجا ابراہیم مرحیانوں میں استے مک توسٹر کا گیا بزرگ ہے۔ النی بجارے الأفامحدم درود بجيج جوتير سي بندسة إور رضول بن اور جارب أو محدكي ك كريب و أن ورد و بين ابرابيم اوراك ل ابرابيم بد اوربركت ازل فرا ہا رہے اقامحدّا ورہار ہے آقامحد کی آل ہر. جیسے تو نے برکمت فرمائی البہم اورال ابراہم برائے توسل ماکیا بزرگ سے -اللی : درود میمج ہا رے آقا مُحدّ مرجوتیرے بندے اور تبی انبی احق میں اور ہار سے اقامُحمّد کی آل اور حنور کی بیوبوں اوراولاد پر، بیسے تو نے درود مجیجا ابراہیم اورابراہیم كى آل بد، اور بارك قامحد بربركت نازل فرماج نبى أمتى بين اور بارك س قامحكرى آل پراوربرويوں اوراولا دير، جسے تو نے بركت بيمي ابرا ميم اورآل ابرا ہیم علیہ علیہ مانسلام براجها نول میں۔ بینسک توسسرا ماکیا بزر ہے - النی درُو دیجی سارے آقامحکریدا ورہمارے آقامحدکی آل بر، بيس توكف ابرابيم ورآل ابرابيم يرورو دجيجا - بي تمك توسلم الك بزرگ ہے ۔ اللی برکت نازل فرما جارے آقامحد براور بھارے آقامحد ى آل پر ٠٠ يصب تو تے بركت مازل فوائى ابراہيم او رَالِ ابراہيم بربت ك توسراباكيا بزرگ سے ، الني بھار سے آقامحدير رم فرما اور بھار سے آقا محدّى ال برا بطسے تو نے ا براہیم اور آل ابرا ہیم پر رحم فرمایا . ب شک تو مرا ما گیا بُرزگ ہے ، النی ہا۔ ہے آ قامحد اور بھارے اُقامحد کی آل بر اس طرح مهر بانی فرما بیسے تو نے ابراہیم اور آل ابراہیم برمهر بانی فرائی بيتك توك إما كيا بزرگ ب - اللي ؛ بهارے أ قامحداور بهارے أقا

محدى آل براس عروسلام بمعيج بيست تو في الرابيم اور آل الرابيم برسائم مجيجا بالمك توكسدا ماكيا زيب مبانتك المتداوراس كفرتت اس عنيب بائے والے دنی پردرود بھی ہار اسے ایمان والو ان پر درود بھی ، اورخوك خوكب سلام أالساد تترس ما عنر بول اور دوم رئ نيك مجنى تیرے ہاتھ ہے۔ فکرائے بی کارمہر بان اور مغرب فرستوں اور ببیوں، صديقيق ، شهيد ون اورتمام نيك بندون اوراك پروردگار : جوجوجيز تیری پاکی بولتی ہے ، ان سب کی درودی محقربن عبدالشرصلی الشدعلیہ وسلم برج نبیوں کاسلسدختم کرنے والے ، رسولوں سے آقا ، بر بیز گارول ك ين الله كالنا والع كرسول بين واضرواظروشا بد بتارت دینے والے ، تبرے مسے تبری طرف جانے والے سیدھے را ستے کی دعوت دینے والے ،اورروشنی عطا فرمانے وہ ہے روشن چراغ ہیں اور صنور پرسلام ہون ہرون تین باراورجمعہ کے دن سوبار ک المترکی رحتیں و درودیں ، اس سے فرشتوں کی ۱۰س کے بیوں اس کے رسولوں کی ، اورانس کی تمام مخلوق کی ، بھارے آقامُحَدّ صلی اللّٰدعلیہ مسلم به منوّا ورحنوً علیالسلام کی آل پرسلام اورا نندگی رحمت اور برکتیری النی رحمتیں اور برکتیں ہارسے اقامحقرصلی اندعلیہ وسلم بڑا زل برکتیں ، النی رحمتیں اور برکتیں ہارسے اقامحقرصلی اندعلیہ وسلم بڑا زل فرماج تمام رسولوں کے سردار ابر میزگاروں کے امام ، جیول کاسسد ختم كرف والے، تيرے بندے اور رسول ميں نيكى كے امام اور رسما نیکی کا در وازه کھولنے والے اور حکمت کے علم میں ، مدایت ورحمت كے رسكول - است الله إ يوشيد جيزوں كو جيانے والے إمضبوط اسكان كويداكرنے والے ، تمام مخلوق كے بيداكرنے والے ، اپنى بزيكتروستي

اور دائمی برکتیں اور شفقت بھرتے سے ایک اور فاصل تر نعمتیں اور یا کیزو تر نواشات اودمكل ترسلامتى ازل فرا محارك فأمحمر برجوتير سبندك تیرے نبی اور رسول ہیں ، کا مل سر ار کھو لنے والے دفائع ، وسلسائہ بوّت کی تحتم قرا نے والے ،اقل ،ہخر،ظاہر، بالمن، برائیال ممانے والے دماحی ، جنح کرنے والے ، دورکرنے والے ، باطل خیالات کو، نورًا ور راہنا كمرابول سے تيرے قابل اعما وا مانت وارا ورتيرے تخذانه علمى كے خزایجی ، اللی ورُود وسلام بھیج ا پنے نبی ، ہمار سے آقا محدم ببيون ميس سعا اورامتول مين سيصنور كي امتن براور صنور کا و اجدا دیرا جدا دمیں سے اور ارواج میں سے حتور کی ووج پر، اور قبروں میں سے صنور کی قبر میر، ایسا در و دجس کی تعدا د برمعتی ہے ا ورجس کی مد دمتواتر ہو۔ تیرا وہ درو دجوہمیشہ سے تواکن پر درک و دیجیج رم ہے۔ اور النی ایونہی درود وسلام بیج صنور کی آل واصحاب ، ازوان واولا دير، حضور كے إمل خاندير، اللي ورودوسسام يھيج ا ہے بندے ، ا پنے بی ا پنے رسول ، ہارے اقامحتر مراور آپ کی آل واصحاب، اوا! وازوارح اورابل خانزاورسلول پراورصوسکے مردگاروں بھتے ہے رنگ میں رنگے ہوؤں ، بیرو کاروں آنا بعدروں م ہے سے محبّت کرنے والول اور آہے کی اُمّت پر، اور ان سب کے ساتهم پریمی اسے پرور د گارہاری طرف سے قبول فرما بے تمک توسينف اورجانت والا ہے۔ اور اسے اللہ ا درود کسلام بھی ا اینے بندے اپنے ہی ا ہے رسول ، ہارے آقابی محتر برگر فی اور رسول جيده برجة فابل اعماد دوست، قيامت ميسب سے يملے

اور بروز حشر شقاعت كرنے والے انوبھورت اجھنڈے والے اور بیرا كرنے والے وض كے الك ميں جرحض كانام كوثر ہے يجس ومجوب پرتونے رسالت رہنائی، بشارت، تنبیر، بتوت، بها دری ختم کردی۔ اورجن كوتون ايك رات مسجد حوام مسلم القطى كك سيركرواني -وبإل سے مبندآسانوں ،مبدرة المنتئی اور دو کمانوں کی مقداریا اس معيمى قربب ترقرب عطا فرمايا اور ان كو توكنے برسى بڑى نشانيا ں د کھائیل ور کائنات کی ہنری مذکب پنچا یاجن کو تونے باہمی گفتگو، مشابده اورنظر كامعائة عطا فرمايا اورجن كوتون فحبت وكربت اور قدرت سے خصوص فرمایا اورجی کو تو نے تمام جمانوں سے لیے دهمت بناكر بميجا ورجن سے تونے خطاب كيا اور اپنے معزر كلام سے ان كى يصغنت بيان فرمائى كەمحبۇب تم اخلاق كى برسى متفام برفائر ہو-اس لفظ کو کیس یار دُہولئے۔اللی! درُو د کسسلام بھیج آپ پر آپ کی ال معابركام ، اولاد ، ازواج ، إمل خاندسسلول ، مدد گارول بحثو کے رنگ میں اپنے آپ کو رنگنے والول ، بیرو کاروں ، ضور کے دواو ا ورمجست کرنے والوں پر بھنور کی آخت پر ، اور سم سب پر - اسے سب سے بڑھ کررحم فرما نے والے ، اسے تمام جانوں کو پالنے والے تين بار-اور درو د وسلام بين إينے بندسے البنے نبی اور ا بنے دسول ہارے افتحربر، جنبول کے خاتم ہیں۔ اینا افضل درو دادر کملسل اور فزون ترم كتين ايسا درود جوسيابيون كوختم اورا كائيول كااحكم کرے ایسا در وجس کی حدنہ ہو،جس کی مدت نہو،جوختم نہ ہو ایسا درود چیمیشن سے ملاہوبرسرمدی ہو،اورتیری پیمومت سے

ساتھ دائى بو. لىت قائم إاك كريم! كارمن إلى رحمن الداك پروردگار دو دوسلام نجیح اینے بندے اینے نبی اور اینے رسول بهارسية فالمحترم بواخرى نبى بين اوراً بيد كمال واصحاب بر، اور صنور کے گھروالوں پر، جوظا ہڑا و باطنا صا ویستھرسے ہیں ،اور صنور كے آبا الهم واساعیل علیما السلام براورصنور مے تمام محالیو ل نبيول رشولول برا اوران سب كي آل واولا دبر - جوظا بروباطن صا فتحرك تصحاورتمام اولوالعزم رسولون برا ورصد يقول بهيدو صالحين براوراك برور وكاردرو ديجيح ليف بندك ايت نياني رسول، ہمارے آفامحتریر، جوآخری نبی ہیں اور آب کی ال واصحاب ادر كھروالول برجوباكيزه وستھرے ہيں اور تيرے عرفش سے انحانے والول اورمقرب فرشتول برا ا ورجبريل الميكائيل المرافيل اويعزائيل علبهمالسلام بير، اورزمين وأسمان كے تمام فرشتوں بير- اور اسے پروردگار؛ درو دوسلام بیج اپنے بندے اپنے بی اور اپنے رسول. هارسة قامحتريه جوخاتم النبيين بين اورحنوركي آل معابرا ور كروالول مرجوصاف وباكنره شصه اورجنول انسانول مين جنيك ابل ايمان وابل اسلام بي - اوراسے پروردگار درود وسلام نازل فرالينے بندے اپنے نبی اور لینے رسول ، ہمارے آقامحمرنی رحمت پر، اُمّنت سے سروار پر، غم در ورفوط نے والے پر، اندھ رسے میں روشنی کرنے والے بر بجفت وطاق کی تعداد کے برابر ، با ول دباش سے برابر، خلی وسمندر کے ذروں سے برابر، درختوں سے میلوں اور بنول کے مرابرا ورجن مررات اندھراکرتی اور دن روشنی میلاً ا

ہے ان مے برابر : تبرے فضل اور تیری نعمتوں سے برابر ، تیرے بابرکت باكيره كلمات كيرابرا ايسا درودجس ك ذريع تويم كوتمام در انو ا وربولناکیوں ا وبمصیبتوں سے بچا ہے اورجن کے طفیل ٹوہمیں تمام فتنول أتكيفول ابياريول أفتول اور الاكتول مصفحفوظ فراك اورجس مصبب توسم كوتمام عيبون اور برائيون سے پاک كردے-اورجس کے صدقہ تو ہما رہے تمام گنا و بخش د سے اور تمام خطامیں منا دے اورجس سے تو ہماری مطلوبہ حاجتیں بوری فرما دے اور جس سے تواپنے صنورہارے درجات بند قرما دے اورجس کے ذريع تؤسم كوالمخرى منزل برمينجا دسي يعنى زندكى اورمرن سي يحد تمام تعبلائيال - المصيرور وكار! ليه الله! المه وعائيس فبول كرت واسے اسے بارسے برور دگارہم سے قبول فرما ہے تمک تو سُننے جا ننے والا ہے اسے اللہ لینے نبی ہا رے اقامحد سی اللہ علیہ وسم كي شفاعت قبول فرما اوراين نظر كرم سه اسها ني خوشي كاينام بنا دے اورانس كالبند درجه اوربلند فرما - اور دنيا واخرت ميں صنوجو ما يحين عطا فروا د سه . بيس توامراسيم ومُوسى عليهما السلام كوعطا فرايا اور حنو نے جو کھے بھے اپنے لیے مانگا اس سے زیاد دعطافر مااور صنور سے یہے تیری مخلوق میں سے جوکسی نے مان کا ہس سے جی افضل اور صنوکے کے قیامت مک جو تھے سے مانٹا جائے گا اس سے زائد عطافها است التدحنوركواكس مقام حدوثنا يرفائه فرما جس يرصط بمجلة سب زنسك كريل اورحنوركومقام وسيلد وفضيلت عطا فرما اور بلند ترمتمام اوررفيع تر درجر اورعزت وعظمت ومترافت كي منزلت،

ادربارى طرف سے اسے رب إحفور كو وہ جزائے خرعطا فراجس كے أيمشى بين اوركسي نبي كواكس كى أمّت كى طرف سيجو تو في جزادى ب بارى طرف سے سركاركواكس سے افغنل ترجز اعطا فرا ، اور صنة کے درجر، تروت اور طبندی میں اضافہ فرما - اللی اہم کواس طرح زندہ ركيبوكر حنوركي محبت اورشنت بارسه باتعمال بو-اوريم كوحنو كامّت كيكوكارول مين ركعيو! اورصورك دامن رحمت مينهم كوجهيالينا اورحنور كمحدين اوراب كىملت بريم كوموت دينا اور تیامت کے دن ہم کوحنور کے گروہ میں اٹھانا -اورصنور کے حوض سے ہم کوسیراب فرماع اور صنور کی شفاعت سے ہم کوجنت میں داخل فرمانا حضوكال اورخواص كعماته اورم كوسكار كيماته اور اُن سب كے بمراہ این صنور مجائی كے متام برجنے فرمانا ان لوگوں كيهراهجن برتون انعام فرطايا ينى انبيام كرام معديتين اشهدأ اودصالحين ليرح قرانے والے اصان فرانے والے ، مہریا ن ا (تین مرتبر) اسے ہار سے پروں دگارہاری طرفت سے قبول فراہیے توسنتا جانا ہے اس بی اتن اور رسول حربی کے صدیعے ۔ درُود بمجيحا سالله إحسوريرا ورأس كالماصحاب ، اولاد ، بويول تحل ادرابل فان پراورسوم اینی مخلوق کی تعداد سے برابرہ اپنی فات کی رصنا کے برابر، اینے عرفتی کے وزی سے برابر اور تیرے ان کل كو تنطف والى سيابى كے بوابر جوختم ند ہوگی - لسے مسب سے بڑھ كر رحم فرمانے والے انٹرکویاکی سب تعریفوں کامستی انٹر ہے۔ التركيسواكوني معبود ميس الأسب سيرا اسما اونيى ير

على رنے ، بڑائى پر ركنے كى طاقت ، خدائے برتر وعظیم كى مد د كے بغیر نہیں معلومات کی تعداد اورمعلومات کے وزن کے برابر، اورمعلومات کے برابر - اور اے اللہ میں تجمد سے خشس جاتها اور تیری طرف تائب ہوتا ہول الے بخشنے والے السے بہت توج فرما نے والے اور تیرے علم كىددسيس ابنى جامليت سے بنا ہ جا مبنا ہوں اور تيرے غذا سے لين فقراورتيرى عزّت سهايني ذِلّت اورتيري طاقت وقوّت سے اپنی عاجزی و کمزوری کی بنا د چاہتا ہوں اورضعف و کمزوری کی عمر کی طرف لوشنے سے تیری بنا ہ مانگا ہوں اور زیا دہ سے کم بونيي تنجمه سے بناہ -اسے اللہ إين تيري معافی سے تيرے عذائي اورتیری رضا سے تیری تا راضی کی بنا ہ مانگیا ہوں اور میں تیری بناہ ين آيا بول بول تيري اس طرح تعربين تهين كرسكتاجس طرح تو نے خوداین تعربیت کی ہے۔ اللی میں مجھ سے برسے افلا ق انواہتا اور بیار یول سے بناہ مانگیا ہول اور میں مجھ سے مانگیا ہول قرمن کے غلبہ کمینول کے غلبہ بندول اور حامد ل کی ہنسی سے ، اور بمجرسے بنا ہ مانگا ہوں غم والم ،عربولستی . بُز د لی اور بخل سے۔ اور میں مجرسے بنا ہ مانگا ہوں قرض سے بُوجھ اور لوگوں سے وہاؤسے، اور میں مجرسے بنا ہ مانگا ہوں قرض سے بُوجھ اور لوگوں سے وہاؤسے، التي تجه سي وال ب ابتدائي اورأتها أي مجلائيول كارسب كميموم كا، ميلي يجليول كا، ظا سرى وباطنى كا، اورجنت كے اعلى درجات كا، النی میری دُعا قبول ہو، النی میں تھے۔ وہ معلائی مانگیا ہوں جو تبحص سے تیرے بندے بی اور رسول محمد صلی انٹرعلیہ وہم نے مانگی اور میں تھے سے بناہ فانگا ہوں الس بُرائی سے جس سے تیرے بندے ،

نبی اور رُسول صلی الله علیہ ولم نے پنا ہ مائی گیری سے مدد مانتی جاتی ہے۔
اور بھی بربینچانا ہے نیکی کرنے اور بدی سے بیچنے کی ہم میں کو کی طاقت
نہیں، سوائے بزرگ وبرتر کی مدد کے الشرکاٹ کو ہے کہ اس نے
ہمیں اس کی داہ دکھائی اگراللہ بھاری دستیگری نہ کرنا تو ہم سبیر معی
را دیر کبھی زجل سے نے ۔ اللی بدایت کے بعد بھارے دل ٹیروسے نہ کرنا ، اور
ہمیں اپنی طرف سے رجمت عطافر ہا بے تنگ تو نہمت بخشنے والا ہے ؟
ہمیں اپنی طرف سے رجمت عطافر ہا بے تنگ تو نہمت بخشنے والا ہے ؟
ہمیں اپنی طرف سے رجمت عطافر ہا جن تک الارب ۔ اس سے جو مشکر ہیا یا
کرتے ہیں، رسولوں پرسلام اور تمام ثنا وسائٹس کا مزاوار الشریر وردگار

اس ففیلت والے درُود ترلیف کوکنا بسالک الحنفا میں ذکر کیا موکف نے
اس سے بہلے یہ عبارت تھی ہے یہ میرے پاس شیخ عالم ، کیا شہاب الدین ، امام مدرسہ
الینبیۃ ، انتدان سے نفع دے کتا ہے برکانا م الکبویت الاحسانی الصلوۃ
عسلی مین انذل علیہ آنا اعظینات الدیجی فیو" معتنفشخ عباطین عدلی میں انذل علیہ آنا اعظینات الدیجی فیوائے کرائے اس کامفنون بن مُرسی بن عجیل میں اللہ ان کی برکت سے بمین شفید فرائے ہے کرائے اس کامفنون بن مرائد ترمین کے بعد او کا شرک عبوا ہے۔ آئے نمی بنایا و سسسس کو می سے باوی آگیدین اصطفے - اخریک -

الكان توجيبول درود منربي

يشج محرعقب لدكا

آللهُم مسل مِظَاهِ رِدَاتِك وَصِفَاتِك عَلَى بَعُنع

المُعَايُنِ الْالْعِيْدِ وَعَرُشِ الْاسْمَاءِ الْحَقِيَّةِ وَإِلْحَلْفِيَّةِ وَعَلَى آلِهِ وَمَحْبَهِ وَسَيِمْ - آلَهُمُ صَلِ عَلَى نَبِيْكَ الْإِمَامِ الْمُبْنِي المُعُمَى فِيْدِي كُلُّ شَسِيعٌ وَعَسَلَى آلِهِ وَصَحْبِهِ وَسَلَمْ - اللَّهُمَّ مسَسلَ عَلَى عَبُدِكَ نَعُطَةٍ تَرُكِيبُ حُرُونِ ٱلْمُؤْخِوْدَاتِ وَعَلَى آلِهِ وَصَحْبِ وَسَيلٌمْ - آللَهُمَّ صَدْلٍ عَلَى رَسُوُ لِكَ مَعْلَهَ وَالنَّعَيْنَاتِ وَمَهُدَاءِ الْمُهُدَعَاتِ وَعَلَى ٱلْهِ وَصَيْدٍ وَسَيِتُمْ- اَللَّهُمَّ صَلَّ عَلَى صَغِيتِكَ مَنْشَا ٱلتَّهُويُووَالْكَيُنِ وَالسُّدُوسُ وَعَلَى آلِيهِ وَصَحْبِهِ وَسَيِّهُ- اَللَّهُ عَرَّ مسسل على حبيبك القلم الدّعن والطريق لأجل وعسلى آلِهِ وَصَحْبِهِ وَسَسِيمٌ - ٱللَّهُمَّ صَلَ عَلَ خيبيك السترثن المغنثؤق مينشه كجيئع العواكي وعنى آليه وصخيه وسية -الله صل عسل عسل معتشد اضل الخروب الغالت وعلى آله وصخبه وسسيتم - أنشفة صيل على أوَّل تعسين كك في المندعات وَعَلَى آلِهِ وَصَعْبِهِ وَسَسِيَّمْ - اَللَّهُ مَسَلَّ عَلَى الرُّوحِ آبي الاردواح وستستيد الأشتاح وعسلي الووصخيد وستيتم - الله مكل على منب دَاءِ المُحَتِّةِ الْولْعِبَّةِ وَمَنْسُاءِ الْمَعْرِفَةِ الذَّانِيَّةِ وَعَسَلَى ٱلِهِ وَصَعْبِهِ وَسَلِمْ - اللَّهُمَّ صَلَّ وَسَلِّمْ عَنِي الْعَقْلِ الدَّوْلِ النُّوبِ الْانْحُسَلَ وَعَسَلَى آلِهِ وَصَعْبِ وَسَسِيِّمْ - آللُّهُ تَمْ صَلِّ عَسَى ألِينَسَانِ الكَامِلِ وَالْعَلِيْفَةِ الْعَسَادِل وَعَلَى

آلِهِ وَصَحْبِ وَسَلِمْ - اَللَّهُمَّ صَلَّ عَسَلَى الْوَاسِطَةِ الْاَعْظِمِ وَ الدَّسُوُلِ الْافْخِعِ وَعَسَلَ ٱلِهِ وَصَحْبِهِ وَسَيِّمْ - ٱللَّهُمَّ حَسَلٍ عَلَىَّ الْعَيْضِ الْوَلِمِي وَاكْسُيدٌ الرَّبَّانِيُ وَعَلَى آلِهِ وَصَحْبِهِ وَسَيْمٌ - اَللَّهُمَّ صَلِّ عَلَى السُّرُوحِ الْعُدُسِنُ وَعَلَى آلِيهِ وَصَحُبِهِ وَسَيِّمُ - اَللَّهُمَّ صَسَلَّ عَلَى الْمُسْتَوَى الرَّحُمَانِيُ وَعَلَى آلِهِ وَصَعْبِهِ وَسَلِمْ - اَللَّهُمَّ صَلِّ عَلَى بَعْمَعَ الْتَبَعَّاتِ وعسَلَى آلِهِ وَصَعُبِهِ وَسَيْمُ - اَللَّهُمَّ صَلْ عسلى تينيس آخسل اليمتين وعسلى آيي وصخيب وسكيشو اَللَّهُ مَدَّ مَسَلِّ عَلَى الْمُبُدَاءِ اَلْعَيَّا صَرِ مِن حَصْدَتِهِ إِلَى آخُـلِ عِنَايَتِهِ وَعَلَى آلِهِ وَصَعَبِهِ وَسَلِيَعُ - آللَهُ تَعَ صَدِيٌّ عَلَى وَ اهِبِ الْحُنُهُ وَمِينًا تِ لِاَهُ لِ وَلَا يَسِبِ وعسكاكايه ومتغب وسسيتغر المثب تتمسل عَلَىَّ الْكَنْيُلِبِ السَّندِي مِنْنَهُ مُوجُودُ كُلِّ مَوْجُودٍ وَعَسَلَى آليه وَصَعْبِهِ وَسَرِيْنُ اللهُ تَرْصَلُ عَسِلَ تَّابَ تَسُوْسَي الْاَسُمَـَاءِ وَعَلَى آلِهِ وَصَعُبِهِ وَسَيِّعُهُ اَللْهُ حَسَلًا بِكَمَايِكَ وَبَحَالِكَ عَسَلَى اَتُسْرَفِ أكركجؤذات وعكى آليه وصنعب وستستنز آنلهم صت لي على ستيدنا مُحكّد مجنبع مظامت بالذّات وَالدَّنْمَسَاءِ وَعَسَلَى آلِسِهِ وَصَحَبِ وَسَسَلِمُ * اَللَهُ عَلَى مَسْيِدِنَا مُحَسِّتِهِ فِي مَسْطُهَ وَلُعَمَّا لِمُعَسِّمَةٍ فِي مَنْطُهَ وَلُعَمَّا لُعَمَالُ وألكبرياء وعسلى آليد ومتغيد وستستغر آللهم

مستيع تنقي ستيدنا محست منظه رالكنزية وعل آلِيهِ وَمَنْعُبِهِ وَسَسِيْمُ- آللُهُ تَرَمَسَلَ عَسَلَ ستيدتا محتبد بعسدد مقاعرالأكومت وَعَلَى آلِهِ وَصَحْبِهِ وَسَسَيِّعُ - اَللَّهُمَّ صَسَلَ عَلَى سَيِّدِنَا مُعَسَتَّدِ يَعَسَدُهِ مَعَكَاجِرِالرُّهُ بِيَنَةِ وَعَسَلَهَ الِهِ وَ مَتُعَبِيهِ وَسَلِيعُ - اللَّهُمَّ صَلَّ حَلَى سَيِّدِ نَا مُحَدَّدٍ بِعَدَدِ مَظَاهِيِ ٱلْآدِهُوَتِ وَعَلَى آلِهِ وَصَحُبِهِ وَسَلِّهُ آلتف عرَّمَلِ عَلَى سَيْدِنَا مُحَتَّدٍ يعَدَدِ مَغَاهِرِ الجسبروت وعلى آلد ومتعبد وسيتم النهم مسل عسلى سميني كالمحستند يعسد ومنظاهسير النكك والمكشئ وحسلى الدوصعيد وسسين اللهت مسيل على ستيدنا محستد بعد ومظاهير الْعَبُعَت والْيُمُنِي فِي الْآخِر وَالدُّنْيَا وَحَسَلَى آليه وآصُعَلِهِ وسَسِيْمُ - ٱللَّهُمَّ صَلَّ عَلَى سَبِيدَا مستند يعدد مظاجرانتيت اليسرى بي الدُنيا وَالْاَجِسِرَةِ وَعَلَى آلِهِ وَصَحْبِهِ وَسَسِيَّمُ - اَلَّهُ خَرَ ممتل عسلى سيندمًا مُحسستد بعسدة والانعال المحقبّة وَالْخَلْقِينَةِ وَعَسَلَى آلِهِ وَصَعْبِ وَسَيْنُمْ- اَللَّهُ خَر مسسل عتلى ستيونا نحستند يعسد وقوى ألاشماء مَاظَهَرَمِنْهَا وَمَالَـ ثُعِ يَظُهَرُوْءَ عَلَى آلِهِ وَصَيْءٍ ومتسيقغ-اَللُهُمُ مَسَلِّ عَسَلَى سَسَيِّدِ كَالْمُحَسِّدِ بِعَدَدِ

مَظاَ هَـرِالُا نِيَّةِ وَعَلَى آبِ وَصَعْبِ وَسَيَّمُ - النَّامُ مَسَلَ عتلى ستسيّدتا مُحسّسَدٍ بِعَدْدِ مَفَاهِدِرالُهُويَّةِ وَعَلَى آلِهِ وَصَحْبِهِ وَسَلِمْ- ٱللَّهُمَّ صَنَّ عَلَى سَيْدِنَا مُحَدِّ بِعَدَدِ مَنَا حِدِ الْآحَدِيَّةِ وَسَلَى آيَهِ وَصَعْبِهِ وَسَلَمٌ - اَللَّهُمَّ صَلَّ عتنى شبيدنا نحتشد بعدد منظاه يرائز حيدين وكاك آيدة ومتغبد وسَيتِمُ - اللَّهُ تَرْصَلُ عَلَى سَيْدِنَا لَحُسَيَّدٍ يعتدد إيْعتال كُلِّ أَنْهِم إِلَى مَوْجُوْدٍ وَمَعُدُ وُمُ وَعَلَى آيده وَصَحُبِهُ وَسَلِمُ - اَللَّهُمَّ صَلَ عَلَى سَيِّدِنَا مُحَتَّدٍ بعت. ﴿ مَا يَتَحَوَّنُ مِنْ آنْفَاسِ آخُلِ النَّعِيمُ آوُمَا سيكُونَ حِنْ مَطَالِهِ مِنْ وَعَلَى آلِهِ وَصَعُرِ لِ وَسَلِمُ - آلَهُ ، متلات كتيد محكتد الزية الكثرى والواسط العُشَى فِي سَدِيْنِيَا وَالْأَخَدَ لِمُرَى وَعَسَلَى آلِيهِ وَصَعَيْبِهِ وَسَلِّمُ -ألد عَمَ مِرَزَ عَنَى مَدِيرًا مُحَدِينًا مُحَدِيدًا لَحَفُومِ بِالْعُونِ إِلْعُونِ إِلَيْعُونِ إِلَيْعِيلِ إِلْعُونِ إِلَيْعُونِ إِلَيْعُونِ إِلَيْعُونِ إِلَيْعُونِ إِلَيْعُونِ إِلَيْعُونِ إِلَيْعُونِ إِلَيْعُونِ إِلَيْعُونِ إِلْعُونِ إِلَيْعُونِ إِلَيْعِيلِ إِلْعُونِ إِلَيْعُونِ إِلَيْعِلَى إِلْعُونِ إِلَيْعِلَى إِلْعُونِ إِلَيْعِلَى إِلْعُونِ إِلَيْعِلَى إِلْعُلِي إِلَيْعِلَى إِلَيْعِلَى إِلْعِلْمِ إِلَيْعِلَى إِلْعُلِي إِلْعِلَى إِلْعِلَى إِلْعِلَى إِلْعِلْمِ إِلْعِلْمِ إِلْعِلْمِ إِلْعِلْمِ إِلْعِلْمِ إِلَيْعِلَى إِلْعِلْمِ إِلْعِلْمِ إِلْعِلْمِ إِلْعِلْمِ إِلْعِلْمِ إِلْمِلْعِلِي إِلْعِلْمِ إِلْمِلِي إِلْعِلْمِ إِلْعِلْمِ إِلْعِلَى إِلْعِلْمِ إِلْعِلْمِ إِلْمِلِي إِلْمِلِهِ إِلْمِلْمِ إِلَيْعِلَى إِلْمِلْمِ إِلْمِلْمِ إِلْمِلْمِ إِلْمِلْمِ إِلْمِلِي إِلْمِلْمِ الْمِلْعِلِي إِلْمِلْمِ إِلَيْعِلَى إِلْمِلْمِ أَلِي مِلْمِ الْمِلْمِ الْمِلِي الْمِلْمِ الْمِلْمِ الْمِلْمِ الْمِلْمِ الْمِلْمِ الْمِلْمِي الْمِلْمِ الْمِلْمِي الْمِلْمِي الْمِلْمِلِي الْمِلْمِ الْمِلْمِ الْمِل عتسان تسن تستديّا فمحسّن أنمخضوص بالمثنّا فعَدَ جَ لَنَكَ لَمَةِ وَعَنَى آلِهِ وَصَحْبِ وَ سَيْمُ - اللَّهُ مُسَلِّ عَلَىٰ سَيَدِدَ نَحْسَتُ وَٱلْمُخْصُوضِ بِالنِّيَابَةِ الْعُظَلَّى وَعَمَلَ آلِيُ وَصَعِيبِ وَسَدِيمُ - اللَّهُ حَدَ صَلَّ عَلَى سَبِيدًا عَسَبَدَ الْمُحْفُوعِينَ ٱلْحَيْدِ وَتَعَالِكُ بُرَى تَعْمَلُ إِلَا وَعَنْجِ وَسَلِمُ وَسَلِمُ اللَّهُ وَعَنْجِ وَسَلَّمُ اللَّهُ مَا لَا لَا مَا لَا اللَّهُ اللّلْمُ اللَّهُ اللَّاللَّا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ سَسَيَدَ: مُعَسَسَدُ والقُورَالذَّ فِيُ آسَسُ مِن سِعُوْرِيْ

جَييْعِ ٱلاَسْمَاءِ وَالقِيغَاتِ وَعَلَى آلِهِ وَصَحُبِهِ وَسَسَيْمُ آللهُمَّ صَلَّ عَسَلَ عَسَلَ عَسَلَ عَسَلَ عَسَلَ عَسَلَ الْمُعَسَدُ الْجُوْهَ وِالسَّا مِي إِلَى كُلِّ حَضْرَةٍ وَعَلَى ٱلِهِ وَصَحُبِ وَسَسِيمٌ - ٱللَّهُ تَرُ صَلِ عَلَى سَيِيدِ مَا مُحَسَتَدِ دَايُرَةِ الرَّحْمَلُةِ الْإِلْمِيَةِ كالميداتية المتينيتة وعسنى آله وصخيد وسيتء آللُهُ قَرصَ لِ عَلَى سَيِدِ نَا مُحَتَدِ جَامِعِ السُّبُلِ الجماليَّة وَالْجِسَالِيَّة وَعَلَى آلِه وَمَحْبِه وَسَيِّهُ وَسَيِّهُ اللهُ تَرْمَسُلَ عَلَى سَيْدِنَا لَحَسَبَدِ سَايِقٍ أَكْسَلُق في بيغمار الُعُرُبِيِّةِ وَحَلَى آلِهِ وصَحُبِهِ وَسَسَيِّهُ اَللَّهُ حَرْصَلَ عَلَى سَيِّدِ نَا نَحْسَتَدِ إِمَامٍ مِحْسَرَابٍ حَضْسِرَةِ أَلَى وَعَسَلَى آلِهِ وَصَحْبِهِ وَسِسَلِمَ لَهُ اللهكة صل على ستيدنا مُحتدديمت ع طأعت فالترب وعسلى آليه وصخيسيه وستيفة الله ترصل عسلى سيدنا مُستندِ تسدي ألعِنَا يَسَةِ وَالتَّوْفِيْقِ وَعَسَلَى اَلِهِ وَصَحْبِهِ وَسَسِيْهُ-اَللْهُ تَرْصَل عَلَى سَيدنا مُحَتَدَد يَمِينِ التشريع وَالتَّعُلِيمُ وَعَسَلَى آلِهِ وَصَحُبِهِ وَسَلِّهُ-اللهسترصر عسك سيدنا محستر ونجدالولاية وَالنَّعُولِينِ وَعَسَلَى آلِيهِ وَصَحُبِيهِ وَسَسَيِّمُ ا آنَتُهُ عَرَصَلَ عَلَى سَيَدِنَا مُحَسَبَدِ رُوُحِ التَّوْجِيْدِ التغسريد وعسكى آليه وصحيسه وسسين آلثهة

صَلَّ عَلَى سَيِّدِنَا مُحَتَّمَدٍ فَطُّرِوا الْمُثَاهَدَةِ وَالْعَنْهِ مِي وعسَلَ البهِ وَصَحُبِهِ وَسَسِيْمُ - اللَّهُ مَ صَلَّ عسل سَــــ دِنَا مُحَـتَدُ قَالَبَ الْمَعَـانِيٰ وَالْمَعْنَوْبَاتِ وَعَلَى آلِهِ وصحيه وسيلم - الله م صل على سيديا محتدي عبن العِذَا بِسَادُ الْإِلْهِيَّةِ وَعَلَى آلِهِ وَصَحْبِهِ وَسَسِيْتُمُ - اَللَّهُ تَرَ مسلة على سيتونا مُحسَد شكل التَّحيدُ و المُتَجدِد و عَسَلَى آلِهِ وَصَحُبِ وَسَلِّمُ - اَللَّهُ حَرَّ صَلَّ عَلَى سَيِّدِنَا نعتشد صُورَة النَّنكُيثِرِ وَالشَّنزِيْهِ وَعَلَى آلِهِ وَصَعُبِهِ وَسِيْعُ - اَتَّهُ عَرْصَ لَ عَلَى سَيِّدِنَا مُحَتَّ تَدِهُ يُولَى التغيلن والقطب يروعلى آله وصخيسه وسيتم-آلله ت صَلَّ عَلَى سَسَيِّدَنَا نَحْسَتُ دِ مَادَّةِ الْوَيْدَاعِ وَالتَّكُونُنِ وَعَسَلَى آلِهِ وَصَحْبِ وَسَسَيِّةُ - اَلْهُمُّ صَلَّى عَسَلَى سَيِّدِنَا مُحَسَّتُهِ الْاَعَسِزِ الْاَبَهَى وَعَلَى آلِهِ وَصَحَبِسِهِ وَسَيِّعُ - اَللَّهُ تَرَصَيلَ عَلَى سَيِّدِ ذِمَا مُحَسَبَّدِ الْا بُلِيجِ ٱلَّذِي يُسُنَّقَى الْعَكَامُ بِوَجُهِ وَعَلَى آلِهِ وَصَحَيْدِي وَكُمُ اللَّهِ وَصَحَيْدٍ وَكُمُ -اللهُ مَ صَلِ عَلَى سَيِدِ مَا مُحَسَمَدٍ آكِمَامِع وَعَلَى آلِيهِ وَصَحْبِهِ وَسَلِمْ - اَللَّهُ حَرْصَلِ عَلَى آلَم طَاحِرِا لَحَكْقِ وَبَاطِنِ الْحَقِّ وَعَسَلَى آلِهِ وَصَعْبِهِ وَسَسَيْرُ - اَلْتُهُ تَرَ صَبِلَ عَلَى اَلْقَافِ الْيُحِينُطُ بِكُلِّ مَوْجُودٍ وَعَلَى آلِبِ وَصَحُبِيهِ وَسَلِينُهُ - اَلدُهُ حَرَصَلَ عَلَى سَيْدِيَا مُعَسَبَّدٍ جُنَاجِبِ الْعَقْبِلِ الْكُكْبَلِ وَالْعِيلُ حِ الْاَفْصَدِ لِي كَعَلَى آلِهِ

وَمَعْدِهِ وَسَلِمْ - آلَكُهُ خَرَصَ لِيَ عَلَى سَيْدِنَا مُحَسَسَمْدٍ صَاحِبِ الوِلَايَةِ وَالْعِنَايَةِ وَعَلَى آلِهِ وَصَحُبِهِ وَسَلَيْتُمْ- اَللَّهُ حُرَّ متسل على ستيدنًا مُحَرِبتُه صَاحِب الْبَهَاءِ وَالسَّنَا وَعَلَى آلِ وَصَحْبِهِ وَسَلِيحُرِ اللَّهُ مُ صَلَّ عَلَى سَيدُنَا مُحَسَنَد مَسَاحِبِ القِنْعَاتِ الْحُسُنَى وَعَسَلَى ٱلِلِهِ صَحُبِ إِ وَسَسِيْمُ- اَللَّهُ حَرْصَلَ عَلَى سَسَيْدِ كَالْمُحَسَسَدُ مَا يُحَسَسَهُ وِصَاحِبِ اية اءِ الْحَسَنْدِ وَالنَّنَا وَعَسَلَى آلِهِ وَصَعْبِهِ وَسَسَيْمُ -اللهنتر مسية على سسيتدنا مُحسَمَّدِ مسَاحِبِ الوَسِينَانَ وَالْغَفِيلَةِ وَعَسَلَى آلِيهِ وَصَعْبِ وَسَلِّعْ ِ آلله خَرَصَدِ عَدَى سَيْدَنَا مُحَدَدُ صَاحِبِ الْذَرَجُا العَالِبَ بَ وَالْمَتَامَ الْمُحْسَنُودِ وَعَسَلَى ٱلِهِ وَصَحْبِهِ وَسَــِينُهُ- اللَّهُ قَرْصَلَ عَلَى سَــِيِّدِنَا مُحَــِتُّدِ صَاحِبِ الْمُحَوْضِ وَالشَّفَاحَةِ الْعُظْنَى وَعَلَى آلِبِ حِ تصنحيه وستقراكه كرصل على ستيدنا مُحَسَبَّدهَا حِبِ الْخَاتَ حِ وَالْعَلَامَتَ وَعَلَى الِيهِ وَصَحُبِهِ وَسَيْسِعُرِ اللّٰهُ تَرَصَلِ عَلَى سَيْدِنَا مُحَتَّدِ ٱلْمُتَكَدِيانَ اللَّهُ وَيُن يُبَايِعُونَكَ إِنَّمَا يُعُونَ اللَّهَ وَعَلَى آنِهِ وَصَحُبِهِ وَسَلِمُ مَا لَهُ مُرَّ صَلِيلًا عَلَى سَيْدِ مَا مُحَكَمَّدِ الشفكن بِمَا آرْسَلْنَاكَ إِلاَّ رَحْمَةٌ يلْعَالِينَ وَعَلَى آلِبِ وصخب وتستيز النهة رصل على ستيدنا محتر السُدَيْرِبِبَا ٱرْسَكْنَاكَ لِلْآكَاتَ كَانْتُ لِلنَّاسِ وَحَسَلَى ٱلِهِ

وَصَحْبِهِ وَسَيِّحُرِ- اَللَّهُ خَرَصَلِ عَسَلَى سَسَيْدِنَا مُحَسَشَدٍ الْمُزَّمِّيلِ بِعُلْ يَاكِيمًا النَّاسُ مُحَسِّتَهُ دَسُولُ اللَّهِ السَّيْكُمُ حيينعًا وَعَلَى آلِيهِ وَصَحُبِهِ وَسَسَيْعُ - اَللَّهُ تَرْصَلَ عَلَى سَسِيتُهِ نَا لَحُسَبَدِ الْمُتَرَدِي بِوَلَسَوُفَ يُعْطِيُكَ رَبُّكَ فَنَرُضَى وَعَسَلَى آلِهِ وَصَحَبِيهِ وَسَسَكِّمُ-اَلَّهُمَّ صَدِيَّ عَلَى سَيِّدِنَا مُحَدِّبَهِ ٱلْتَطَيُّلِسِ بِلَعَسُمُوكَ إنَّهُ ثُم لَنِي سَسَكُرَيْهِ وَيَعْبَهُوْنَ وَعَلَى ٱلِهِ وَصَحْبِهِ وستستكثر آلله تشرصت لاعتلى ستيدكا محستندوكك آ قَلِ خَلِيْفَةِ لَهُ فِي عَالَى إِلْعَنَ احِيرِ وَعَسَلَى آلِهِ وَ صخب ووست يتفرا ألله تكرصت لآعلى ستيدنا مُعَتَدِّدِ وَعَسَلَى جَينِعِ الْاكْبِيتَاءِ وَالْسُرُسِيلِيْنَ وَعَلَى آله وَصَعْبِهِ وَسَسِيِّعْرُ-آللُّهُ تَرْصَلِ عَلَى سَيِّدِنَا نمت تثدد وعسكى انوت ثماء والتَّابِعِينَ وَعَلَى آلِهِ وَصَحْبِهِ وَسَسِيرُ مُ اللَّهُ تَرْصَلِ عَلَى سَيِدِنَا مُحَسَسَهِ وَعَسَلَى الْوَوْلِيّاً وَوَالصَّالِحِينَ وَعَلَى آلِهِ وَصَعُدِسِهِ وستيغر-اَلْهُ تَحْصَلِ عَلَى سَيِدِنَا مُحَسَبَدٍ وَ عَلَىٰ الشُّهُدَاءِ وَالصِّدِّيُقِينَ وَعَلَىٰ ٱلِهِ وَصَعُبِيهِ وسَدِيْدُ-آللْهُ تَرْصَلِ عَلَى سَبِيهِ نَا مُحَسَبَّهِ وَعَلَى اَلْحَنُهُ وَبِينَ وَالْمُعَرَّبِينَ وَعَسَلَى آلِيهِ وَمَعْجِيهِ وَسَيْمُ. اَللَّهُ مَرْصَدِ لِي عَدَى سَدِينَا مُسَنَّدِ وَعَلَى الْلَالْكِنْكَ وَ اللَّا خُوْتِتِينَ وَعَسَلَى آلِيهِ وَصَحْبِيهِ وَسَيِّمْ - آلَتُهُ مُّ

مسّل على سَيّدِ كَا مُحَسِّبُ وَعَلَى الْسَلَائِكِيَهُ النَّالُؤُيِّينَ وعسلى آليه ومتخبه وستيتر- الله ترمسل على ستسيتدنا مُحسَمَّدِ وَحسَلَى الْكَلَائِحَتِ وَكَرَّحْمَانِيَّيْنِ وَعَلَى آلِهِ وَصَحُبِ وَسَلِيْهُ - آللَّهُ حَصَلَ عَلَى ستبديا محتبت وعتك أكتاؤيث والمجتزويتين وَعَلَى ٱلِهِ وَصَحَبِ وَسَسَلِّهُ مَا لَهُ مَّ صَلَّا عَلَى ستبيدتا مخستشر اكمام التفكين وسسيدا كفريقين وَزُوْحِ الطُّ رِيْعَكُنِ تَعِيْنَتَهِ أَلْحَقَا يَقِ وَإِنْسَانِ عَكِينِ العَسَ لَايُق - اَللَّهُ حَرَّوَ الْجُعَلْنَا بِفَضِّياكَ لَبَ هُ مِينَ التَّابِعِينُنَ وَ إِلَى سُنَتِيهِ وَطَرِيْقَتِهِ ، مِنَ الْمُثَّمَدِينَ الْمُثَّمَدِينَ وَعَلَى حَوصِٰ مِنَ الْوَارِدِ ثِنَ وَ إِلَى خَدَدَ مِنْ صِرِيَ اُلوَا صِسِيلِيْنَ وَيِحُبِّتِكَ وَحُبِّتِ مِنَ الْمَشْعُولِينَ وَإِلَى طَلَيِكَ قَاصِدِيْنَ وَفِيمَا عِنْدَكَ رَاغِبِيْنَ وَإِلْيُكَ مُتَوَجِّهِينَ وَعَسَلَى مَا يُرْضِينُكَ مُقِيمِينَ وَعَسَّنُ سِوَالَّ مُنقطِعِينَ وَبِكَ مُتَوَلِّعِينِ وَ فِي كُلِّ شَسَنَى : نَكَبُلَهُ لَكَ شُكَاجِدِيْنَ وَبِمَا آعُظَيْنَنَا لَاضِينِنَ وَفِيجَمَالِكَ مُسْتَغُرِقِيْنَ وَفِى كَمَالِكَ مُسْتَهُلِكِيْنَ وَبِحَهَالِكِ عَارِفِيْنَ وَبِكُلِّ نَا طِنْ لَكَ سَامَعِيْنَ وَبِكُلِّ مُبُعِيْدٍ مُبْعِيدِينَ إِجُعَلُنَا ٱللَّهُ حَمِّينَ وَسِعَكَ فِى كُلِّ مَثْلَمَ رَكَكَ فَلَمُ يُنْجِ رُكَ فِي شَيْءٍ مسَدَرَعَنْكَ يَا ٱرْمَعْهُمُ السَّرَاجِينُ كَا تربِ الْعَالَمِينَ صَلَّ عَلَى كُنْ وَ

عَيُنِ عِبَادِكَ العَثَالِحِيْنَ وَتَعْبَثُنَا بِجَسَاهِهِ آمِينُنَ سُبُعَانَ رَبِّكَ رَبِّ الْعِسْزَةِ عَتَّا يَعِيغُونَ وَسَسَدَمُ عَلَى الْمُرْسَلِينَ وَالْحَسِنُدُ يَلْهُ رَبِّ الْعَالَيْنِ -

اللى دركود وسلام بميح ابنى ذات وصفات كيمظا بركي سأتحداك يرج الني حقيقتول كالمجمع اوراسا متصفى وخلقى كاعرش بين ورآب كى آل اور صحابرير اللى درُو دوسلام بمعيح ا پنے نبی واضح کرنے والے ا مام (اما ممبين) بروجن مين مرجيز كاشمار كرر كهاب اوراب كي ال واصحابير اللى دراو د وسلام بھیج لیتے بندسے جھرو منیموجودات کی ترکیب کا نقط میں۔ اور آب کی آل واصحاب پر-اللی درود وسلام بھیج ا پنے رسول ير، جوتعيتنات كامظهرا در مخلوقات كالمبدأ بين ا دراب كي آل اصحاب پر، یا الله ؛ درگو د کوسلام بھیج اینے صغی پر،جن سے صور پین کھیے اوركردنش دورال بنائي گئي-اورآيب كي آل واصحاب بر-الني! ليت جبيسب بردرود وسلام بيميج وبلندم تبتقلم وركتن ترراسته بها وكأب كيَّال واصحاب بر اللي إ درود وسلام نازلُ فرا بينے خليل برج واصل محے جن ستيمام كائنات توخليق كياكيا اوراب كي آل واصحاب پر، اللي ! درُود وسلام بمبيج بهارست قائح تمريج دلين كنا رول كى اصل بيں اور حنوا كي آل وصحابه بير، اللي إ درود وسلام بيمج جومخلوقات بين تيرام بلاتعين بين اورآب كي آل واصحاب بر- الني إ درُود وسلام نا زل فرط الس رُوح برجوارواح كاباب اورصورتول كاسردار سن اورآب كي آل اصحابب پر-اللی درُود وسلام بیج اکن پرچمخبنت اللی کانقطرانغاز اور معرفت ذات كانشأبي اورآب كال واصحاب ير-الني إ دُودُولاً

يمج عقلِ اقرل اورنوُراكمل براورآب كي آل داصحاب بر- اللي إ درُودٌ سلام بیج انسان کامل اورخلیفه عا دل پر ۱ اورآپ کی آل واصحاب پر الني ! درود وسلام بيج برس وسيلها ورعظيم المرتبت رسول ميرا ورآب كى آل واصحاب بر- الني! درُود وسلام مّازل فرما فيقس خداد ندى اورمب را رَباني بر اورآب كي آل واصحاب بر-اللي إ درود وسلام بهيج ياكيره مروح يرا دراكب كي آل واصحاب بر-الني! درُو د وسلام نا زل فرمامستوى جالى برا وسآب كي آل واصحاب بر- الهي إدرو د وسلام بمبيح مجمع فيصنان بر ، اور آب كال واصحاب بر- اللي إدرُو دوسلام بميج دائي طرف والول سرد اربر- اورآب كي آل واصحاب بر- اللي! درو د وسلام بميج أن برجو این بارگاہ سے اہلِ عنایت کے یے فیصل کا اُبنا ہوا چیتمرمیں۔ اور آئی آل واصحاسبیر-اللی ! درُود وسلام بھیج ان پرچوا پنے دوستوں کوخسوسی انعامات سے نواز نے والے میں اوران کوال واصحاب پر- اللی (رحمت) سے اس ٹیلے پر درُود وسلام بھیجس سے سرموجو دکو وجود ملا سے -اور آب کی آل واصحاب پر- اللی! درود وسلام بیسج آسان کی دو کمانوں کی مقلاما ورآب كي آل واصحاب ير- الني! ابين كمال وجمال سے درو دو سلالم بميح اُن مرحوتمام موجُود است ميں بزرگ تربي اور ان کي اَل واصحاب -الني إ درُو د وسلام بيسيج بارسياً قالمحقرير، جوتمام منظا برذات اسماً كا مجمع ميں اور آب كى آل وصحابہ بر- الني بمارے آقامحقر بر در و دوسلام يهج بهوملندوبرا أي كامنهمين اورآب كي آل واصحاسب يروالني إ درود سلام بمج و دونتمندی کامظهر بین اورآب کی آل واصحاب برد اللی! دُرودُو ملام بمع بارے آقامحتریر، مظامر رئوبت کے برابرادر آب کی ال و

اصماب پر اللی إ درُو د وسلام بميج بهارے ا قامحد مرم طام روبت کی تعاد كے برابر- اور آب كى آل واصحاب بر- النى! درود وسلام بھيج جارے اً فَالْمُحَدِّرِيْمُ ظَا مِرِلا بُوتُ " كَبِرابر - اوراً بِ كَال واصحاب بِر - اللي إدرود سلام بهيج بهارے آقامح تربیم ظا برجبروت کی تعدا د سے برابر-اور آب کی آل واضحاب بر-اللي ا درُو دوسلام بيج بهارے أقام تحريم لك واللي ا كيمنظا بركي برابر- اورآب كي آل واضحاب ير- اللي إ درُودوسلام بيج ہارے ا فائحتریر الس اکنزد بابرکت دائیم کھی کے مظام رکے برابر جوکا اظهارونیا واخرست میں ہوگا -اورآب کی آل واصحاب پیر-النی! درکود و سلام بھیج ہارے ا قامحتریر ائیم منھی سے بلابر دنیا و آخرت میں اورآب كيّ ال واصحاب بير، اللي ! درُو دوسلام تجييج ! بهارك أ فالمحدّميم اور خلقي كامول كيم برابر، اوراب كي آل واصحاب بر- اللي إ درود وسلام بهيج بارسة فالمحترب اسكاكي ان توتول كيرابر، جوظا سربوي بي اور جوظا سرنهبس بوكيس - ا وراكب كرال واصحاب ير-اللي ! ورُو و وسلام بهيج بهارسة فالمحديدة في مظام كي برابر، اورآب كي آل واصحاب ير الهٰی! درُود وسلام بھیج ہارے آقام محتربر مظام رہوتیت سے برابر، اور سب كي آل و اصحاب بر- اللي ! درُو و وسلام بميج بهارس آقام محديم ، مظامريكاني كرودوسلام بيجيح بهارس افانحقرير مظام إحدتيت كي بلابراورآب كي آل واصحاب ير. اللي ! درُود وسس مجيج بهارس أقامحترير، مراسم مے لين مسمتے موج د یامعدوم سے ربط سے برابر اور آپ کی آل واصحاب بر اللی! درُد دوسلام بملح بهارے اقام تحدید اہل جنت کے سانسوں اور ال

مقا صد كے برابر- اورآب كى آل واصحاب بر-اللي ! در و دوسلام بھي ہمار مة فالمحدّر ويجودُنيا والمخرت بين في كري نشاني او رعظيم الشان واسطمين اوراب كي أل واصحاب برااللي إدرود وسلام بينج بهارسا فالمحترير، جومعواج فاتى سے مخف كئے كئے اور آب كى آل واصحاب ير اللى! در و دوسلام نازل فرما بهارے افتحتریرجن کو دیار وکلام سے خاص كياكيا ورأب كي أل واسحاب بر- اللي إ درُود وسلام نازل فرا بهارے ا قام تحديد، جونيا بت عظمى سن مخصوص كئے كئے - اور آب كى آل دا صحا بر اللی! در و دوملام بھیج ہارے آ قامحۃ برج نعلافت کبری سے محفوص كثے كئے اورآب كى آل واسحاب بر، اللى ! درود وسلام بھيج كا - سے ا قامحتر مد ، جونو رو دا تی بیرجن کی نورانیت تمام اساً و صفات میں جاری و سارى بدورات كى ال وصحاب بد اللي درو دوسلام ما زل فرما بارسة قامحدم برجوم بارگاه محقمتی جوم مین و درآب کی آل داصحاب الني درُو دوسلام بهيج بها رسامًا قالمحقر بر، جورهت فدًا وندى اورماليت حقى كا دائره بين اورآبيدكي آل واصحاب برواللي درود وسلام بهيج إ ہارے آقام تحدیر، جوجلال وجال کی تمام را ہوں کے جامع ہیں اورآب كى آل واصحاب برداللى درود وسلام بينج ابها رسة قامحمد براجوميان ورودو سلام بميج بمارسة قامحدير بجرباركا وخلا وندى كصحراب سياما مين اوراكب كي آل واصحاب بر- اللي درود وسلام بميج بها رسي أ فالمحترير-جوعايت وتوفيق كا قدم بين ا درآب كي آل وصحاب بر- اللي درُ و د و سلام بميج بهارس آ قامح بربي جومتر بعيت وتعليم كامنسع بين اوراب كي

آل واصحاب بر-اللي ؛ درو دوسلام بحيح بمارسة والمحترم، جوولايت معرفت كا ذريعيس - اورآب كي آل واصحاب پر- اللي درودوسلام بمعيج بهارسه أقامحترميج توحيد ديحتاتي كي روح بين اورآب كي آل و اصحابب بر- اللى درُود دسلام بميج بما رسے آقامح تربر، جمشا مدہ وتغييم كقطب بي اورآب كي آل واصحاب پر ، الني درو و وسلام بھيج بجار ا قامحمر بر بجمعنی ومعنویات کا قالب بین اور آب کی آل واصحاب بر-النى درُود وسلام نازل فرابها رسيماً قامحَمّر بربجوعنا بيت خدا وندى كا چىنىمەس ا دراسىكى آل داھىجا بىر- الئى درود دسلام نازل فراسار آ قامحترید، جوجمد وبزرگی کی شکل ہیں ا وراکب کی آل واسحاب، پر، اللی درُودوسلام نازل فرما بهارا قامحمدبر، بوتجيرة نوير كي صورت بي ا ورآب کی آل واصحاب پر- الئی درود وسلام نازل فرا بهارس ا قامحديد، جوملق اليجا د كيهيوني رما ده مي اوراكي كال واصحايرة اللی درُود وسلام نازل فرما بهارے آقامحترپر اور آب کی آل واصحاب پر-بواغاز توكوين كا ما ده بيس اور آكي آل واصحاب بر- اللي درو و وسلام نازل فرا بهارسے آقامحکرید، اور آب کی آل واصحاب پر چوسب سے زيا وه عزّتت وروشتی واسے بیں اوراکیپ کی اَل وامحاب پر-اللی دورُو ساءم بهيج بهارسة أقام كتريرجونورى جرس واسع بيس جن كے چرسے کے دسید سے بارش مانگی جاتی ہے ا ورآب کی آل واصحاب پر، اللی درُو د وسلام بھیج جمع کرنے والے العنبیر اوراکیپ کی آل و اصحاب پر -النی در و د وسلام بھے آگم پر مخلوق کے طاہر ا ورحق کے باطن پر، اور آب کی آل واصحاب پر -اللی درو دوسلام نازل

فرماس قاف پرج تمام موجودات كا ماط كرنے والاسے - اور آكي ال دصحاب بر- اللي درُود وسلام نازل فرما بها رساة قا مُحَدِير حِ كامل م عقل اورا ففنل ترعلم واليهم. ا ورآبيدكي آل واصحاب ير- الني درُودُ سلام نازل فرما ہمارے آفامحمر بر بروولایت وعنایت سے مالک میں۔ اورآب كي آل واصحاب ير - الني درُود وسلام نازل فرما جو جيك د مك والعامين اوراب كي ال واصحاب بر-اللي درود وسلام بيج بهارس ا قامحًد برج برتر بن سفات کے مالک میں ۔ اور آ ہے کی آل وصحاب بر۔ الى ابهارس أقامحترير ديرودوسل م بينج جولواً لحسدا ورتعربين كے مالكسبين- اوراكب كي آل واصحاب ير- الني بهارسه آقامحكرير درُود بجيج وسيلدونفيلا كے مالك بي ا ورآب كى آل واسحاب ير- اللي درُو د وسلام بھیج بھا رسے آقامحتربر ،جو لبند درجہ ا ورمقام جھود کے الک بي اورآب كي آل واصحاب بر-اللي إبهار ا محمد بردرو دوسلام بهي جوحوض اوربرى شفاعت كے مالك س - اور آب كى آل واسى بر- الني بهارسه اقامحمد برورود وسندم بحنج ، جوخاتم د بحرمی اور علامست واسلے ہیں ا ورآ بیس کی آل واصحاب پر- ا لہٰی درُو دوسلام بمج بارسا قامحترر جن کے گلے میں یہ مار آ دیزاں ہے۔ باتک ده لوگ جو مجبوک مهماری بعث کرتے ہیں وہ تویس الٹری بعیت كرتيم بن ا درآب كي أل واصحاب ير- اللي بارسية قامخذير، ورُودوس مي بيج بن محصفل بي فرما ياكيا : قدما آرسكنات إلكا ريخمة يُلتعالمين "بهم نيمس الصحبوب نرجيجا مُدَّنِها مربدا وب كے يا رحمت بناكر- اور آب كى ال والحدب ير - الى جارت

آقا كمدم ورود وسلام بميع بن يروم كا أرسك للك إلا كافعه يكناس ہم نے تمام لوگوں کے یہے رسول بنالرجیجا می اور اوا کرجھیا اور أيدى أله والتحاميد الني ما رعافا محترير وزو وسلام ازل نسرا. وَقُالُ مَا يَعَالِنَاسُ إِنِي رَسُولِ اللهِ الله كيكي : اكن اورا يدن أن واصحاب يد اللي درودوسلام يهي عايد "فَالْحُمْدِيدِ جَى وَوَلَمَةُ وَنَ يُعْطِينُكَ رَبُّكَ وَسَلَكَ مَسَنَوْصَلَى" كاجام بينايا أيراوراب كرأا والساب يردالني دردد وسلام ازل فرا باس والحديد ورونيات عناسيس لينع ملط فليعذير -اورأس كي آل واصح . زو د دسان م بیمج بهارے آقامحدیدا و رتمام نبیون رسولول پر-ويا بال والعاب ير اللي درودوسلام يهيم المارسة افالمحديد ، النورية و الورييروكارول بيراورابيكا الواصحاب برا . . ما سه أفامحرم ورودوسلام بهيج اور اولياً وصالحين ميزا ورأب كى آل واسمام بدير الني درود وسلام بهج بارسة المحمر بر، الرسم سديفون براوراكيدكي ال واصحاب بير اللي دروووسلام نازل قرما ما رے آ آ انحدید، اور محبُوبوں اور مقربین بیر، آپ کی آل و اصحاب بر۔ الني بهار ساقا محقرم ورُود وسلام بهيج اورعلم والد فرستول مر، اور حنوكي آل و اصحاب بروالن درُو د وسلام بھيج ٻارے آ قامحد برا ورلا ہو فرختول يرا درأب كي آل واصحاب بمعلق درود وسلام بميج بمارك " قامحد ميا و زا شوني فرشتول بر، اورآب كي آل واصحاب بر الني درُودو سلام بميج بها رسة أقامخ زيرا وررهما في فرشتول ير- اور آسيك آل داصحا پر ۱۰ اله د زو د دسلام بهیج بهار سه ا قامحد میرا در جبروتی فیشتول برا در

أيب كي أل واصحاب بر اللي ورود وسلام بهيج بما رساءً قامح مربر جوي فول نسائر كے امام اور دونوں جاعتوں كے سردار بيں۔ دونوں راستون كى روح خیقتوں کی حقیقت اور مخلوق کی انکھ کی نیلی ہیں۔ الن اپنے فضل سے م كوسركاركاييروكاربنا دے اورآب ك طورطربيوں ياخ وال ١٠٠٠ . آب كے توص برميراب بونے والا بنا دے اور آب كے قدموں كك بهنیا و سے - اوراینی اور حمنور کی مُحبّت میں شغول فرما د سے اوراینی طلیک اماده كرنے والا اوراینی بار". دكی رغبت ركھنے والا اور اپنی طرف ہو كرنے والا، اوراپنی رضامندی كے كامول پڑھل كرنے وال - اور اپنے ماسوا سے ہننے والا ،اوراپنی ذات میں شغول ، ہر چیز میں اور سرچیز سے پہلے تیری گواہی دینے والا، اورتیری عطایر رائنی اور اپنے جال مین مصروف ۱۰ ورا پینے کمال میں فانی تیری صفات کا عارف ، اورجو تيرى باست كرم است شننے والا ، اور جوسجے د كھانيوال بواس كود يجھنے والا الني المم كوان ميں سے كرد سے جوتير سے مظهر ميں تيرى وسعت کے قائل میں اسوج چیز مجمد سے صا در ہوئی اس میں تیرے دجود کا ایجا۔ مهيل كرتي " اسمب سے بڑھ كورهم فرمانے والے ! لے جا ل كي برور فرمانے والے! درود بھیج ان برج تیرے نیک بندول کی انھول کی مفتد بیں اور ان کی عظمت سے صدیحے قبول فرما - النی ! ایسا ہی ہو۔ پاکتہ تمهارا رب، عزّت والا برور دگار، اس سے جو مُؤکرین ، بیان کرتے میں. اورسن م ہوتمام رسولول پر، اورسب تعربین انٹر پر و . ذکا رجها ن

يه درود بين سيدى تين محقر بن احرا لمعرو ف عقيد حنفي ملى بهذا لندس وان كا

نام بعي "النغيات الزكيد " تروّع مين بم النرك بعيم منف فوات بين ألحاله الله اقداد و أحد النفسة في النفسة في الكرا المنتزة عن حداد و المسكرة به يناك حقيفة المعلى فله و المنتزة عن حديد غيرة و المسكرة به يناك حقيفة العلى المنتفيد و المستقلة عن حقيمة العلى الدين المحتروب و المستقلة على المنافية و المعلى الدين المحتروب و المستقلة و المعلى المنتقلة و المعلى المنتقلة و المعلى المنتقلة و المعلى المنتقلة و المنتق

بعداس حدوثا کے یہ داو دشریب بین کبید اسلام براجی کومیں نے اس بارگاہ کرم میں مدیدہ نذر کیا ہے اور مجھ صنور علیالسلام کے کرم سے انمید قبول ہے۔ اور جو نحبت کے ساتھ ان کو پڑھے گا ادنٹران کو اجرع طافر اِئے گا۔ اور اسٹرائس کو صنور کی بیروی نصیب فروائے گا بے تنک ادنٹر جو چا ہے کرے اور و کہ قبولیت کے صنور کی بیروی نصیب فروائے گا بے تنک ادنٹر جو چا ہے کرے اور و کہ قبولیت کے لائن ترہے نیک کمانے اور بڑائی سے بیجنے کی طاقت صرف القربزرگ وبرتسر کی تاثید سے ماکسی ہے ، بھرائس کے بعدید دارور تر بین گرشتہ ترتیب سے مطابق نقل فرایا بہ ہاکا براولیا وصوفیا میں سے تھے ، بربات المرادی نے اپنی تاریخ شلک السد رد نی اعیان العت رن المث نی عشر سیمی منکور ہے کہ آپ نے شام مروم اور عراق کی مبئت تعربیت کے بیٹ اس میں یہ بھی مذکور ہے کہ آپ نے شام مروم اور عراق

کاسفرکیا اوربے شمار مخلوق نے اُن سے اخذ فیف کیا ۔اورجب آپ دمشق میں تشریف لا سے تو وہاں ملقہ دلیس و ذکر فرمایا ،مجر لینے شہر کر تشریف سے سکٹے اور و ہیں منصلہ صیں وفات بائی ، اللّٰہ ان پررحم فرمائے۔

ایک موجیدیوال رود منرلیب مختر بن علی محلیت رح تصیر نائیدلسری کا مختر بن علی محلیت رح تصیر نائیدلسری کا

آللهُمُّ مسلِ وسَيلَمُ أَنْصَلَ مسلَوَةِ وسَسلَوم عسلَ ستيدنا مُحَسَّدُ عَبُوكَ وَكِيتِكَ وَرَسُولِكَ النَّبِيِّيْ وعلى جينيع الآنييتاء والشرسيين وآلعيم وصخيع آجنعيين وستايوالقالجين عتددمغلوما يلق وميدة وكليما يك كُلَّمَا ذُكْرَكَ الدَّّهُ الْكُونَ وَكُلَّبَ غَفَلَ عَنْ ذِكْ رِكَ الْعَا فِيلُونَ صَسَـ كَوَةً وَسَسِلَوَمَّا دَا ثُمَيْن بِدَ وَاحِلْكَ بَاتَيبِين بِبَعَائِكَ لَامُنسُنَعَى كَهُمَادُوْنَ عِلْمِكَ إِنْكَ عَلَى كُلِّ شَكِيءٍ فَكِهِ نِرُ-النى ورُود ومسلام نازل فرا بما رسي قامحترير، جوتيرست بندست بى اور رسُول ، نبی اُتی ہیں اور تمام عبوں اور رسولوں بر، اور ان سے تمام ال واصحاب بير، اورتمام نيخ كارول بير، ابني معلومات اور كلمات كف برابر جب يمى ذكر كرمن والتيرادكركري- ا درجب بمي خافل تيرك وكرس فنست برين ايسا درود وسلام جوتيرك دوام كساته المى ادرتيري بقأ كم سأته باقى بو بجن كى تيرس علم كرسواكو فى عدر بو

بے تنک تو ہرمی پر قدرت رکھتا ہے۔

الكي ستأميسوال رود مشلوب

ابوالمعتمرك وظالف سے

سُبِعَانَ اللهِ وَالْحَسَدُ لِلّهِ وَلاَ إِلّهَ اللهُ وَاللهُ آلُبُرُ وَلاَ حَوْلَ وَلاَ قُدُوْ اللّهِ اللهِ اللهِ الْعَلِي اللهِ العَلِيْمِ عَدَدَمَا حَلَقَ وعسرة مَا هُوَ خَالِقٌ وَذِتَ مَا حَدَثَ مَا خَلَقُ وَزَتَهُ مَا حُقَ خَالِنٌ وَمِلُ وَمَا هُوَ خَالِقٌ وَذِتَ مَا حَدَثُ مَا حَدَثُ مَا حُولًا خَالِنٌ وَمِلُ وَمِلُ وَمِلْ وَمِنْ وَمِلْ وَمِلْ مَا حُولُ اللّهِ اللّهِ اللهِ اللّهِ اللهِ اللهِ اللهِ الله

آدُضِه وَمِثْلُ ذَٰلِكَ ٱصْعَانَ ذَلِكَ وَعَدَدَ خَلُقِهِ وَنِ مَنَّهُ عوُنتيه وَرِضَانَنُهِ وَمُنتَهَى رَحْمَتِهِ وَمِدَادَ كَلِمَاتِهِ وَهَبُلَعُ مِ صَاءُ حَتَّى يَرُضَى وَإِذَا رَضِى وَعَدَدَهُمَا نَكُرَهُ بهِ خَلْفُهُ فِي جَينِعِ مَامَعَنَى وَعَدَدَمَا هُهُ ذَا حِيرُوْءُ فيمابعي في كُلِّ سُنَتَةٍ وَشُهُ وَجُنُعَةٍ وَيَعْمِ وَكُنِلَةٍ وستاعت بمين الشّاعَاتِ وَشَهُمُ وَنَنْسٍ حِنَ الْانْعَنَاسِ مِنُ اَسِدِ الْاَبَادِ اَسِدِ الدُّنْيَا وَاسِدِ الْاَحْسِرَةِ وَالْكُرُ مِن ذَلِكَ لَاَسْقَطِعُ آوَكَهُ وَلِو يَنْفَدُ آخِدُو كَاللَّهُ تَرَّ صَلَّ حَسَلَى سَسَيِّدِ نَامُحَتَّدٌ وَعَسَلَى ٱلِ سَسَيْدِنَامُحَتَّدُ مِيْسُلَ ذَيِكَ وَاصْعَاتَ اَصْعَافِ ذَيِكَ -باکی انتدکو اورسب تعربیت انتر کے بلے ، اور انڈ کے سواکوئی عبات كالمستى نميس اورالأسب سے بڑا ہے بيكى كرنے اور كرى سے بيخے کی طاقت الٹرکی ٹائیسد کے بغیرمیس جرابند ترا ور عظیم تر ہے جواس نے بيلاكيا اوربيداكرس كالمس كيبرابر جواس ني بيداكيا اوربداكرس كا اس کے وزن کے برابر جواس نے سداکیا اور سداکرے گااس کے مساو زمیزل آسانول بھرائس کی مثل اور اس سے کئی گئا ، ایس کی مخلوق کی تعداد کے برابر اس کے عرش کے وزن کے برابر الس کی ذات کی رضا کے برا بر- اس کی رحمت کی آنتا کے برابر- انس کے کلموں کی سیاہی كے بوابرا درائس كى رضاكى مد كے بوابر يہاں يك كر راضى ہوجائے اورجب وه ماصنی بهوا وراس کی مخلوتی نے گزرے زمانہ میں مبتنا اس کا ذكركياس كيمزابرا ورجب تك المنزه زمانول بين وه السركا ذكركيل

كراس كى تعداد كراير جين سال مول ميسنة بول يفقر جع ، بول ا دن ہوں ساعتوں میں جتنی ساعتیں ہول جس قدرسانس میلے مکئے یارہی ونيانك اوررسى اخرت ككجرمانس بيع جانين سكي بميشة ميشاور اس سے زیادہ جن کی ابتدا وانتها نہ ہو، تب تک - النی ہارے ا قامحد اور بارے افائحری ال برا اس مبنا اور اس سے دونا جونا ، درود مجیج کے یہ درود نشریب اصل میں المعتمرے وظائفت میں سے جس میستد مرفقتی زبدى شارح الاحيأف الاالفاظ كالصاف فرطايا سي التسلولي عسل التسيق صَلَّى اللهُ عَلَيْت و قسس لَّعُ الله ورُود شريف براعة وال كوندكوره تعلوين درو د تشریب کا تواب حاصل بو، اوربا تی تمام سبیحات کا بھی و دُونا وُون - امام غزا لی م نے احیا العلوم میں ذکر کیا ہے کہ الس کی تغییرت میں یہ روایت بیان کی گئی ہے کہ يولس بن عبيد في خواسبيل ايكسيخس ديجها ، جورومي علاقد مينشهيد بوجيكا تتميا ، پوجيا وبال واسكيهان تم كوكون ساافعنل عمل ويجعا واس نے كها ميں نے انتدكى بارگا ه بين بيعات ابوالمعتمد كومست ثنان ميں ديجا ہے " ثنارح زبدى نے اس سے بعد فرايا اس روایت کواسی طرح کتاب آلفوت" کے مؤلف نے لکھا ہے اور اس براتنا اصافہ کیا۔ معتمر بن لمان نے کہامیں نے عبالملک بن خالد کو الس سے مرنے سے بعد دیکھا میں تے كما يكسيهو وكها تميك بول- مين نے كها كنه كاركے يے كو فی الميد ہے وقوا يا الالمعتم مميى سے- ابن سعد نے كهاكسيان قابل عماداوركترت سے اما ديث بيان كرنے والا تعا-ا ورمحنت كرنے والے عبادت كذارول ميں سے تعام عشاكے وضوسے تمام ك نماز پڑھاکریا تھا بشعبہ نے کہا ہیں نے اس سے بڑا صوفی نہیں دیکھا جنبی علیکسلام كى مديث بيان كرمًا ، تورنگ متنفير بوجا ما محقد بن عبدلاعلى نے كها ، ابوالمعتمر بن يمان

نے کہا، اگرتم میرے فائدان سے تہ ہوتے تو میں اپنے باپ کی یہ روایت کمیں نرسُنا گا۔

چالیس سال تک یہ ممل رہا کہ ایک دن روزہ ایک دن افطا را ورعشا کے وصنو سے

مبلے کی نما زا داکر تے تھے۔ د ؟ مملک ای عامل کی محمریں بھرہ میں فوت ہوئے۔

ایک جاعت نے ان سے روایت کی۔

ایک جاعت نے ان سے روایت کی۔

ايك الواطعاليبوال رودترلي

الله مَلَ عَلَى الدِ وَصَحُبِهِ وَسَلَهُ عَدَدَ وَاللهُ الرَّحُدَة وَعَلَى الدِ وَصَحُبِهِ وَسَلَهُ عَدَدَ مَا اَحَاظَ الدَّحُدَة وَعَلَى الدَّحُدَة وَعَلَى الدَّحُدَة وَعَلَى الدَّحُدَة وَعَلَى الدَّحُدُ وَالدَّمُ الحَلَى الدَّحُدُ الدَّهُ المَّهُ الدَّهُ وَالدَّمُ وَالدُّمُ وَالدُّمُ وَالدُّمُ وَالدُّمُ وَالدُّمُ وَالدَّمُ وَالدُّمُ وَالدُمُ وَالدُّمُ وَالدُّمُ

اللی در دورسدم نازل فراہارے افاقحد پر اج تیرے بندے اور معمیم مرسول ہیں۔ بنی رحمت ہیں اور آپ کی آل واصحاب پر تیرے علی احاط بری برخینی خلوق ہے اس سے برا بر اور خبنی مرتبہ تیرا فلم مید ہے اس سے برا بر اور خبنی مرتبہ تیرا فلم مید ہے اس سے برا بر اور ج تیرا حکم نافذ ہوا اس سے برا بر اور ج تیرا حکم نافذ ہوا اس سے برا بر اور ج تیرا حکم نافذ ہوا اس سے برا بر اور ج تیرا حکم نافذ ہوا اس سے برا بر اور جس شدے سے فروا سے ہوجا و دو ہر

وه ہوجاتی ہے۔ بین مجدست سوال کرتا ہوں کہ ہارے آقائم تدیردرود بھیج۔
اور مجے قرض سے معنوظ فرما واورغربی سے بچاکرغنی فرما ، اور علال ،
زیادہ اور برکت والارزق عطا فرما اور درود وسلام بھیج، لے اللہ !
ہارے آقائم تدیر اور آیے کہ آل ''

یددرو و ترلیب میں نے امام علام شیخ کالبدیری الدمیاطی المشہور ابن المیت کی کاب تقدیب الوسید المطالبین فی الصدالة والسددم علی سید الا ولین و آلد خسدین ایک شیخ منی اور تید معطف البری و آلد خسدین ایک شیخ منی اور تید معطف البری کے مُرشد تھے یہ درو و تشریف اس تماب کا حتنہ میں اس کے بعد لکھ تا کہ جشنی دس مرتبہ یہ درو و تشریف اس تماب کا حتنہ میں مرتبہ یو کی افر مرتبہ یہ درو و تشریف بڑھے دین میں ترقی اور روق میں برکت ہوگی آخ

الكان المواليسوال ورودترلين

مولف کا

آلله مم صَلِ وَسَلِهُ عَلَى سَيِدِنَا مُحَدَّدُ صَلَاةً كَا مُسَلَدةً كَا مُسَلَدةً كَا مِسَلَةً كَا مِسَلَةً الأَرْبُ الآبَدَ وَلا يُنْتَارِكُهُ مِسِيعًا مِنْ خَسُلُ الدَّرُلُ الآبَدَ وَلا يُنْتَارِكُهُ مِسِيعًا مِنْ خَسُلُ الدَّرُ الآبَدَ وَلا يُنْتَارِكُهُ مِسِيعًا مِنْ خَسُلُ مِنْ خَسُلُ الدَّمَ مَنْ الدَّمُ الدَّمُ الدَّمُ الدَّمُ الدَّمُ الدَّمُ مَنْ الدَّمُ مَنْ الدَّمُ الدَمُ مَنْ الدَّمُ الدَّمُ الدَمُ الدُمُ الدَمُ الدُمُ الدَمُ الدَمُ الدَمُ الدَمُ الدَمُ الدَمُ الدُمُ الدَمُ الدُمُ الدَمُ ا

بَحُومِ الْمُفَتَّدِيْنَ - وَرُجُومِ الْمُغْتَدِيْنَ - وَالتَّابِعِينَ كَهُ مُع باحُسَانِ إِلَى يَوْمِ السَّدِيْنَ -

رم، الله حَرَّمَة مَعَلَى عَلَى سَيْدِنَا مُحَتَّدِا فَفَلَ صَلَا يَهُ فَعَا وَلَجَعِيثُ عَلَيْهُ الْعَلَيْهِ الْمُحَيثُ عَلَيْهُ الْمُعَلَيْهِ الْمُحَيثُ عَلَيْهُ الْمُعَلِيهِ الْمُحَيثُ عَلَيْهِ الْمُحَيثُ عَلَيْهِ الْمُحَيثُ اللَّهُ ا

رس، آللُّهُ مَّ مَسَلِ عَلَى سَيْدَا لَحُسَنَهُ وَعَلَى آلِهِ الْحُسَنَةِ وَعَلَى آلِهِ الْحُسَنَةِ وَعَلَى آل مَسَلَا مُسَلَّى الْحَدُ وَمَسَلَّةُ عَلَى الْحَدُ وَمَسَلَّةُ الْحُسَنَةِ الْحَسَنَةِ الْعَلَى مُن وَمَعَ لَهُ الْمُسَنَةِ الْحُسَنَةِ الْحَسَنَةِ الْعَالَي مُن وَعَلَى الْحُسَنَةِ الْحُسَنَةِ الْمُسَنِّةِ الْمُسَنِّةِ الْمُسَنِّةِ الْمُسَنَّةِ الْمُسَنَّةِ الْمُسَنَّةِ الْمُسَنَةِ الْمُسَنَّةِ الْمُسَنَّةِ الْمُسَنَّةِ الْمُسَنَّةِ الْمُسَنِّةِ الْمُسَنِّةِ الْمُسَنِّةِ الْمُسَنِّةِ الْمُسَنِّةِ الْمُسَنِّةِ الْمُسَنِّةِ الْمُسَنِّةُ وَمُولِهُ فِي النَّرَانِ وَمَعَلَى الْمُسَنِّةُ وَمُن النَّمَ الْمُسَنَّةُ وَمُن النَّالَةُ الْمُسَنَّةُ وَمُن النَّالَةُ اللَّهُ السَّلُهُ اللَّهُ السَّلُهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُسَادِ وَالْمُعَالِهِ وَالْمُعَلِيهِ مُحْمَا الْمُسَلِّةُ وَالْمُسَادِ وَالْمُعَلِيهِ مُعْمَى النَّهُ الْمُلْسَلِينَ وَالشَلُولُ وَالْمُعَلِيهِ مُحْمَا الْمُسَلِّةُ وَلَيْ النَّهُ الْمُلْعُلُولُ وَالْمُسَادِ وَالْمُعَلِيهِ الْمُحْمَالُهُ وَالْمُعَلِيمُ الْمُسَلِّةُ وَالْمُعَلِيمُ الْمُلْعُلُولُ وَالْمُعَلِيمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُعَلِيمُ الْمُلْعُلُولُ وَالْمُعَلِيمُ الْمُلْعُلُولُ وَالْمُعَلِيمُ وَالْمُعَلِيمُ الْمُلْعُلُولُ وَالْمُعُلِيمُ الْمُلْعُلُولُ وَالْمُعَلِيمُ وَالْمُعُلِيمُ الْمُلْعُلُولُ وَالْمُلْعُلُولُ وَالْمُعِلِيمُ الْمُلْعُلُولُ وَالْمُعُلِيمُ وَالْمُلْمُ وَالْمُعِلِيمُ الْمُلْعُلُولُ وَالْمُلْعُلُولُ وَالْمُعِلِيمُ الْمُلْعُلُولُ وَالْمُلْعُلُولُ وَالْمُلْعُلُولُ وَالْمُلْعُ وَالْمُلْعُلُولُ وَالْمُلْعُلُولُ وَالْمُلْعُلُولُ وَالْمُلْعُلُولُ وَالْمُلْعُلُولُ وَالْمُلْعُلُولُ وَالْمُلْعُلُولُ وَالْمُلِمُ الْمُلْعُلُولُ وَالْمُلْعُلُولُ وَالْمُلْعُلُولُ وَالْمُلْعُ وَالْمُلْعُلُولُ وَالْمُلُولُ وَالْمُلْعُلُولُ وَالْمُلْعُلُولُ وَالْمُلْعُلُولُ وَالْ

أُمَّتِهِ وَمِنْ بِمِثْمُ أُمَّتَدَى وَسَلِّمِ ٱللَّهُمَّ عَلَيْهِ وَ اللَّهُ مَعْلَيْهِ وَ اللَّهُ مَلُوْكُ وَاللَّهُ مَلُوكُ وَالنَّهُ وَكُلُّ مَلُوكُ وَالنَّهُ وَلَا تَحْدَكُ اللَّهُ مَلُوكُ وَالنَّتَ وَحَدَكُ أَلْكُ مَلُوكُ وَالنَّتَ وَحَدَكُ أَلْكُ مَلُوكُ وَالنَّتَ وَحَدَكُ أَلْكُ مَلُوكُ وَالنَّتَ وَحَدَكُ أَلَى اللَّهُ مِلْوَكُ وَالنَّهُ مَلُوكُ وَالنَّهُ مَلُوكُ وَالنَّتُ وَحَدَلُكُ أَلْمَا لِلكُ - فَالْكُلُّ مَمُلُوكُ وَالنَّهُ مَلُوكُ وَالنَّهُ مَلُوكُ وَالنَّهُ مَلُوكُ وَالنَّهُ مِنْ اللَّهُ مُنْ أَلِي اللَّهُ مُنْ اللَّ

رس، اَللَّهُمَّ صَلَّ آفُضَلَ صَلَاةٍ وَآحُكَلَمَا وَادْوَمَهَا وَٱشْمَلَهَا- عَلَى سَسِيِّدِنَا مُحَتَّدُ عَبُدِ كَ ٱلْذَى خَطَّفْسَهُ بالتسسيائ العاتمة فهوستيدُ العَاكِي مُن عسلَ اُلاطُلاَقِ - وَرَسُوُلِكَ اَلَّذِى يَعَثْبَهُ بِأَحُسَ إِلنَّمَا يُهِل وَآوُمَنِعِ الدَّلَايُلِ لِيُنتِيعِ مَكَارَمَ ٱلاِحْسِلَاقِ-مَلَوَةً تُنَاسِبُ مَا بَيُنَكَ وَبَيْنَهُ مِنَ الْمُشْرُبِ ٱلَّذِي مَاخَا زَ بِهِ آحَدُدُ- وَتَشَاكِلُ مَالَدَيْكُمَا مِنَ الْحُبِ ٱلَّذِي كَانْفَرَدَ بِهِ فِي الْوَمَ لَ وَالْاَبِدِ- صَلَامًا لَا يُعَلَّدُ كَا وَلَا يَعُلَدُكُمُ كَا مَا وَلَا يَعُلُكُمَا مَّسَلَّمُ وَكَالِسَانُ - وَكَايَصِفُهَا وَلَا يُعَسَرِّفُهَا مَلَكُ وَكَا نُسَسًا نُ-صَلَوَةً تَسُوُدُ كَانَّكَ ٱلصَّلَوَاتِ-كيسيتا دَيْهِ عَلَى كَانَتْ الْمَعْلُوقَاتِ - صَلَاةً يَشْعَلُي ئُورُ هَا مِنْ جَسِينِع جِمَانِي - فِي جَسِينِع أَوُعْتَ إِينَ وَيُلِانِ مُرَجَبِيبُعِ ذَرَّانِي رَبِي حَبّاتِي وَبَعُسدَ تمتاتيث ر وعسلى آله الاظهاب - وآضحاب الانجار-وسَسِيقُ تَسُيلُمُنَّا كَشِيبُواً-ره، الله على مسل على سيدنا المحستد عند ك وَنَبِينِكَ وَمَا سُؤلِكَ صَلَوْةً لاَ صَلَوْةً الْأَصْلَ مِنْهَا تدَيْكَ وَلِدَبُهِ - وَلَاصَلَانَا أَحَبُ مِنْهَا إِلَيْكُ وَلِيدٍ

وَلاَ مَسَلَاةً الْفَكُمُ مِنْهَا لَهُ وَلِكُلِّ مَنْ مَسَلَّ عَلَيْهِ وَالْمَسَلَةَ الْمَسَلَةَ الْمَسَلَةَ الْمَسَلَةَ الْمَسَلَةَ الْمَسَلَةَ الْمَسَلَةَ الْمَسَلَةُ الْمَسَلَةُ الْمَسَلَةُ الْمُسَلِّةُ مَا فَي جَيشِعِ الْمُسَلَّةِ الْمُسَلِّةِ الْمُسْتِي الْمُسَلِّةِ الْمُسَلِّةِ الْمُسَلِّةُ الْمُسْتِي الْمُسَلِيقُ الْمُسْتِي الْمُسْتِ

رو، اَللَّهُمَّ مَسُلِ عَلَى سَيْدِنَا مُحَسَّدٍ عَبْدِكَ وَيَبِيْكَ وَصَلَى اَلِهُ وَ وَصَلَى اللَّهِ وَ وَصَلَى اللَّهِ وَ اللَّهُ مَعْ وَصَلَى اللَّهِ وَاسَلَامًا وَابُحَيْنَ يَمُلَانِ مَعْلَاقًا وَاسْلَامًا وَابُحَيْنَ يَمُلَانِ مَعْلَاقًا وَسَلَامًا وَابُحَيْنَ يَمُلَانِ مَعْلَى اللَّهُ الْمُعْلَى وَكَنْ فَعَ وَالْمُكُونِ وَكَنْ فَعَ وَالْمُكُونِ وَكَنْ فَعَ اللَّهُ اللَّهُ وَالْمُكُونِ وَكُنْ اللَّهُ الْمُعْلَى اللَّهُ الللْمُعُلِّلُولُ اللَّلْمُ اللَّهُ اللَ

اَللَّهُمَّ صَلِّ اَنْفَلَ صَلَوا يَكَ وَانْفَعَهَا - وَاشْعَلُهَا وَإِلْ سَعَيَا - وَٱجْمَلُهَا وَٱجْمَعُهَا - وَآحُسَنُهَا وَٱبُدَعَهَا -وَٱنْوَامَا هَا وَٱسْطَعَهَا - وَاكْتَلَهَا وَٱرْفَعَهَا . وَٱعْدَلَهَا مَكَانَةٌ كَذَيْكَ - وَآحَبُّهَا مِنْ كُلُّ الُوُجُوْءِ إِلَيْكَ - عَسَدَة مَعُلُوْمَا يُكَ - وَمِدَ ادَكِيمَا يَكَ فِيمَا كَانَ بِعَسَيْرِبِدَا يَتُهِ -وفِيمَا يَكُونُ بِغَيْرِنَهَا يَةٍ - لَوْتُيمَتُ جَيبِيعُ ٱلْعَوَالِمِ إِلَى اَصُغَرِ آجُدَا يُكَاكِنَفَهَ تُ قَبُ لَ نَفَادِهَا وَمَا بَكَغَتُ عُشْرَمِعُشَارِ اَعُدَادِهَا-تَتَوَالَى عَكَيُونِي كُلِّ لَمُعَدَّةٍ مُسْتَكُيلَة فَعُلَهَا مَعُسُوُوبَة فِي تَجُسُوع مَا قَبُلَهَا حَتْى تُعَاجِبَ سَوَابِقَ الْاَبَادَ - وَتَعَجَنَزَعَنْ لَحُقِيبًا جَيبُ حُ الْدَعْسِدَادِ- تَغْضُ لَ جَينِعِ الصَّلُواتِ- كَفَصُرِلِهِ حَلَى جَينِيعِ الْمُخُلُوكًاتِ مَشْفُوعَة يُسِلَوم مِنْكَ يُمَا يُلُهَا - لِاتَنْفُسُ لَهُ وَلَا يَفُضُ لُهَا - صَدَّلَاةٌ وَسَلَوَمًا يَصُدُدُ ان مِنْ فَيُصِ فَضُلِكَ ٱلَّذِى لَدَيْنُفَ كُوكَانِ عَبِلَى ٱحَتِ عَبِينُ وِلَ النِكَ الِحُثُ الْحَتَابِ حِسَيِّدَ مَا مُحَتَّدَ وَعَلَىٰ اَلِهِ وَصَحْبِهِ ٱجْهَعِينَ - وَكُلِّ مَنْ دَخَلَ ثَخَتَ چينط وينيده المبيئن -

الله درود وسلام بمیج بهارت افائحد برجوکا مل و دائم بوجس بی من محمد می ارت افائحد برجوکا مل و دائم بوجس بی من محمد می ازل وا برتزریک بول جس درود میں بی صنور کے ساتھ النڈی مختوق میں سے کوئی اور ترکیک نه ہو۔ وہ در وجس کی خبرند دی جا سے باکم محدود بی سے کوئی اور ترکیک نه ہو۔ وہ در وجس کی خبرند دی جا سے باکم محدود بی جو جائے ، اور جس کی حدبندی نه ہوسے کے ضاربو۔ ایسا در وجومتم بین

کے اعلیٰ ترین درجے کی اُخری مذکب بہتی ہوئی ہوجس کی ابت دا کوازل و
اید مک کوئی زبینے سکے۔ اور حضور کی ال پرجوسب سے بڑھ کر قریب ہیں۔
اور اہلِ ایمان کی ما وُں بر اور حضور کے صحابہ پرجورا ہ بطنے والوں کے
لیےستا رہے ہیں۔ اور حدسے گزر نے والوں کے یہے جھٹے کار۔ اور اُن پر
جزیکی کے ساتھ تا قیامت ان کی پیروی کونے والے ہیں "

اللی درود بھی ہار سے آقافی ترب، فاضل تراور کامل تر دُرود دائم تر اورعام تر الیسا درُو دجوان تمام درُود دول کے برابر ہو۔ جو تو نے انرا میں اُن بر بھی باا بد کو بھی گا یاان دو کے دیمیانی گرت میں بھی گا اور استمام درُود د کے برابر جو تیری تمام مخلوق جِن ، انسان اور تمام فرضتوں نے مرکار پر بھی ایسا درُود جو حدوشار سے بالا ہی جس کے فریع تو گو بھی ان لوگ میں حدوثار کو تمام الفاظ وشار نہ بہتے سی جس کے ذریعے تو مجھان لوگ میں سے کر دے جو تمام مسلما فن میں زیادہ نیک بخت ہوں، جو تیری اور تیر سے اور تیر میں کے فرت میں کامیاب ہوں وار محتور کی ان اور اور آب کے سلمان برشتہ داروں برجن کا صنور سے کہ ان ازواج اور آب کے سلمان برشتہ داروں برجن کا صنور سے اقد سی طرح کا بھی برشتہ ہو۔ اور آب کے صحابہ کرام برجو صنور کی ذات میں طرح کا بھی برشتہ ہو۔ اور آب کے صحابہ کرام برجو صنور کی ذات میں انکھوں سے دیکھے اور تو ہو نہو نے اور جنہوں نے سرکار کے مجزات اقد سی کی زیارت سے مشتر ہونہ ہوئے اور جنہوں نے سرکار کے مجزات اقد سی کی دیارت سے مشتر ہونہ ہوئے اور جنہوں نے سرکار کے مجزات اقد سی کے دیکھے اور تو کو بہتو کو بیان ان فرما کا

النی بارے آقائم ترپر درُو دوسلام بیج اور آپ کی آل پراس سے رسم افغیر بندوں پر بیجا یا بیسے گاکہ اصلام افغیر بندوں پر بیجا یا بیسے گاکہ کا افغیل درود جو تو نے لینے نیک اور مُقرّب بندوں پر بیجا یا بیسے گاکہ کم جو تو نے میت ناا براہیم علیالسلام اور اُن کی آل پر بیجا ، اپنے کمال کے باوج داس سے اسے وہ نسبت ہوجوایک ذرّے کوتمام کا ننات سے ۔

اورمرکارے بھائیوں نیخ انبیائے کوام پرجواب سے بھے زمانہ میں مخرر کے بیسے باد تماہ سے بھلے امر کر کئر تے ہیں اور آپ کے صحابہ کوام پرجو ہات کے بیسے باد تماہ سے بھلے امر کر گزر تے ہیں اور آپ کے صحابہ کوام پرجو ہمایت کے شار سے اور آپ کی اممنت کے انمہ اور لا تق اقت اللہ ہیں واللی گؤمہی صفور علیا لسلام اور ان سب پربہت بہت سلام نازل فرا۔ پرسب تیرے ملوک ہیں ، تو تہنا ان کا مالک ہے ؟

ومم ، اللي ا قضل تراكا مل تر، وائم تر، اورشا مل تر درود و دسلام ، بيج الما ا قامحديد، جوتيرك ايسے بندك بي، جن كو تو في سيا دت عامد سے معنوص فرمایا۔ پس وہ مطلقاً تمام جمانوں کے سردار ہیں۔ اور تیرے و ہ رسُول ہیں کو تُونے بہترین اخلاق اور واضح ترین دلائل دے کم مبعوث فرما يآماكه وُه ا خلاق حسنه كود رج كمال تكب بنجائيس- ايسا دُروْ جوتیرے اور ان کے درمیان یا شے جانے والے قرب کے مناسب ہوبجن قرب سے کوئی دوسرانوازانہیں گیا اورایسا درُو دجوتیرے ا ورتبرے جبیب سے درمیان پائی جا نے والی از لی ایدی مُحبّت کے شایانِ شان ہو ۔ ایسا درود وسسلام جس سے صروتشمار سے زبا ل والم تا صربوں بجس کے انسان و توست تربیان کرنے سے عاجز ہو، ایسا درود جوتمام درُود ول كاسردار مو ، مسيصنور عليالسلام تمام محلوق كے سرداریس، ایسا در و دجس کی روشنی مجھے برطرف سے، ہروقت اپنی مبوه سامانیول سے منور کرتی رہے اور زندگی وموت دہرحال میں ، میرے ذریے ذریے کولازمی طور برجیکاتی رہے اور حضور کی ال یاک اور بهنزين صحابه كرام براا وربست بست سلام نازل فرما-

وهى الني بهارك أقام حربر ورُو ديميج جوتيرك بندك اور رسول باليا

درو دجی سے بڑھ کر تیرے اور ان کے نزدیک کوئی در و دنہ ہوا وجی سے مجور کے گئے در و د تیرے اور ان کے نزدیک نہ ہوا اور ایسادر کو جس سے بڑھ کر نفع مند کوئی در و د صنور کے یائے ہو نہ بڑھ سے والے جس سے بڑھ کر نفع مند کوئی در و د صنور کے یائے ہو نہ بڑھ سے والے کے یائے ایسا در و د جو تمام در کو د وں کے نفسائل اور نیکیاں اپنے اندر سمیسٹ ہے۔ تمام اعلا دوشار اور اُن سے دُونا وُون۔ تمام تقادیر و اعتبارات کے ساتھ جو زمینوں اور اُسانوں کے در و د بڑھ سے والوں مطلوب ہیں لحظہ بہ لحظ تمام مخلوق کے وزن کے برابر ۔ تمام جانوں کی مطلوب ہیں لحظہ بہ لحظ تمام مخلوق کے وزن کے برابر ۔ تمام جانوں کی اور اُس کے ماہر اور اُس کے در وازن کے برابر ۔ تمام جانوں کی اور اُس کے ماہر سے دین متین میں اُن اُن اور ایم طہرات اور صحاب کرام پر اور مہراکس اُدی بر بہ جو صنو کے در وازے سے تیرے دینِ متین میں اُن اُن ا

ہوا ، اور بہت مبت سلام بھیج ہارے آقائحۃ بر ، جزیرے بندے نبی ، رُبول اور بہترین خلوق ہیں نبی ہارے آقائحۃ بر ، جزیرے بندے نبی ، رُبول اور بہترین خلوق ہیں نبی اُقی ہیں اور آب کی ال واصحاب پر ایسا در و و ملام جودائمی ہوجن کے کمال سے دائر ہ امکان بُر مبا کے اور کرم می فلافندی کے مطابق حن واحسان کی تمام اقسام سے جو مماز وخت بُول اور ایسے درود وسلام جو درود کوسلام کی ان تمام ففیلتو کے جامع ہوں ، جو تو محصور کے یہے یا کسی اور کے یہے ماصنی ، حال یا جامع ہوں ، جو تو محصور کے یہے یا کسی اور کے یہے ماصنی ، حال یا مستقبال میں جا ہے اور جن سے کوئی ایسی خوبی رہ نہ جا ئے جو تو نے ہو اور جن سے کوئی ایسی خوبی رہ نہ جا ئے جو تو نے ہوں ، اتوال اور دجمانوں میں کسی کی صدتے تو نم مجھے ان تمام افعال ، اتوال اور بر اسما سے جا افعال سے جس کے صدتے تو محمول نور جر بر نیکی میں مجھے ہوں ، اور در جر بر نیکی میں اور جو بر نیکی میں اور جو بر نیکی میں اور جو بر نیکی میں اور خر و خوبی مجے عطاکویں ۔ نیات سے صابات کرد سے جو تیرے ناپ ندید دہیں اور جو بر نیکی میں اور نے کے بعد مر خیرو خوبی مجے عطاکویں ۔ کا ایک نیک کون یہ اور نر کی میں اور نے کے بعد مر خیرو خوبی مجے عطاکویں ۔ کوناپ تکریں ، اور نر در گی میں اور نے کے بعد مر خیرو خوبی مجے عطاکویں ۔

الني اينا افعنل بمفيدتر، شامل تز كيبع تربخ بفورت ترا جامع تر بهتر مديدتر، روستن تر، واصح تر، كامل ترا ور مبند ترا ور وه جوتيري بارگاه ميل عزيزتر بود اورجوم لحاظ سے تيرى بارگاه ميں محبوب تر بو وه درود نازل فرما - ابنى معلومات، لين كلمات كى سياسى اورج كجربغيرابت مام كے ہوجيكا ورجو بغيرانتا كے ہو كالسب كيرابر، كداكرتمام دنياكو سب سے چو نے جز تک تقسیم کیا جائے توختم ہوجا ئے ممرکز در و و تر لین ختم نم ہو۔ اور اس کے دسویں حصہ کو بھی نہ بہنے ۔ بدورو د تر لین مرکمحہ این بوری تفیدت سے ساتھ آب برنازل ہونا رہے اور اس تعداد کو تمام گزشته تعاديس صرب د مرجوحاصل ضرب بحظه بيان مك كه ود گزشته زمانول سے بل ما شے اور اعداد وتھاراس سے عاجراً جائیں۔ وه درُو دچوتمام درگو د ول پرایسی نغیبلت حاصل کرے حبیبی تمام مغلوق برحفو عليالسلام كوحاصل ہے-ايسا درو دجوتيرى طرف سے أفي والصلام كيساتهمل جائد اوردوكن بوجائد منه يه الس برسے نہ وُہ الس سے / ایسے درود وسلام جوتیرے اس فیض وکرم سے تكليس جوكبهي ختم نه بهوا اوريد دريدان لركوئي تيريد محبوب ربندي ابوالقاسم سيدنا مخمد صلى الترعليه ولم اوراك ب كي أل واصحاب سب ير اورج بھی آیے کے دین مبین کے دائر سے میں وا خل ہواس مر " يه در و د متريف سات در و د و ل مَشتل سي بيلا در و د شريف ميري كماب "أنوارالمحتديه من المواهب اللدنية" كخطيرس سيد وومراورُود شريف ميرى كتاب جية الله على العالمين في عجزات المسين لين كالمسين سي يسادرو تربین میری کتاب اٌ فضل العسلوٰت علی ستید السیادلی خطبه میں ہے۔ پی تعادرُود

ربین میری کتاب و سائل الوصول الی شمسائل الدسول ی می الشرطیروی کتاب می الشرطیروی کتاب می الشرطیروی کتاب می سند الدندیا سی خطبه میں ہے بھٹا درود شربین میری کتاب العضائل المحدی کے خطبہ میں کتاب العمادة الدادیون فی العمادة علی سید الکو مذبین میں الشرطیرولم کے خطبہ میں ہے اور جیسا کہ آپ دیکھ رہے ہیں سکے مسب کا مل تراور بینغ ترعبارات برشتیل درود ہیں۔

الكونليول دئود بشركيب

مع الله م تارسول الله مِن حسكوتِ الله وتسليماتِه و الله م تعيراتِه و تسليماتِه و تعيراتِه و تعيرات

تا تیرس نے پانی ۱۱ در روست میں اللہ علیہ وہم بر برشصے جانے والے درُود ول میں سے مانے برائے والے درُود ول میں س جامع تر درُد د نشریف ہے -

تبيهات

ان العاظ كيبان مين، جن سے ايسامعنوم بيدا ہوتا ہے جس كي نسبت الله مهما من العاط ميهان من من من من البيان من المعمال المع ملشيرٌ ذا لمحسّارٌ شامى كي بحسّ المعظر والاباحة مين فرايا " ديكنا جاسية كرص طرح دعامين دوسر مخشتبالفاظ سيريميزكرنا حابية يدلفظ مجى نربوك تركيخت سلطنت کا صدقه"کر پیتشابر مغظ ہے اور متشابہہ وہ نفظ ہوتا ہے جبکا اطلاق قرآن و سُنت کی رُوسے اللہ تعالیٰ کی ذات پرمحال ہوجیسا کہ اس قسم کے درُو دختر بعین جومنقول بين تلا ألكُهُمُ صَلِي عَلَى مُعَتَدُوعَدَدَ عِلْمِكَ وَحِلْمِكَ وَمُنْتَ مَهُ مَنْ خَذِلْتُ وَعَدَدَ كَلِمَا يَكَ وَعَدَدُكُمَا لَ اللَّهُ " كُواس سے ايك صفت كے متعدد ہونے کا وہم ہوتا ہے یاصفات علم وغیرہ کے محدود ہونے کا گان ہوتا ہے خصو یہ کناکہ تیرے احاطر علم میں جو بھر ہے اس سے برابر تیرے سننے میں جو آتا ہے اس کے یہ کناکہ تیرے احاطر علم میں جو بھر ہے اس سے برابر تیرے سننے میں جو آتا ہے اس کے برابرياتيركمات كيرابري كيونكداس كعلم وحمت اوركلمات كى كوئى عدنيس-اور تفظرعدد وغير سے اس كے خلاف وہم بيدا ہوتا ہے . فرما يكر ميں نے ولائل الخيرات كى تترومطالع الخيرات مصنت علام الفاسى ميں اسمومنوع پر ايك بحث ديجهى ہے . جس مين ملامه الفاسى فرمات مين وعلما في المسئد مي اختلاف كي سي كرجس من كوويم نهر و معوروم نفط درود مترليب ميل ستعال كرسكتا هد يانهيس يا ايسا نفظ موسوم جس كالمانى ستاويل بوسكتي سيحس كامو قع محل واضح اورطريق استعمال صحيم عنى مناص كرد باسب علماً كى ايم جاءت نے بحضورعلالسلام پر درُو د تشرلین كى كيفيات سے

بحث کی ہے اور اس کوافضل کیفیت فرار دیا ہے - ان میں سے فیخ عنیف الدین الیا فعی - اشرف البارزی اور البا القطال ہیں بھی سے یہ یات ان مے شاگردالمقد الیا نقل کی سے "

امام ابن عابدین شامی فرماتے ہیں جمیر کہتا ہوں کرہمارے انم کا اس ارے میں جو تول ہے اس کا معضیٰ میں ہے رجب کے اس کا ظر صفور علیالسلام سے ابت بنہ بوں ، ہتعال نہ کئے جائیں، جیسا کرفقیہ دشامی کا غرب مختار ہے۔ غور کہجے۔ والآداعلم . عبارت ختم ہوئی ۔ میں نے اس بحث برمحق فاصل شیخ محمد بخیت المطيعي كاجومصر كي جامعدازم كعلماً مين سے تھے، ايك رسالد ديكھا، جوكانام أنهول نے الدساسی البھیتہ فی جوان العسلاء علیٰ خیرالبریہ بالعیعت الکمالیت رکھ ہے جس سے میں نے آنے والی حیارت ماصل کی میمنتعت اللہ ان کی حفاظت فرائے ، نے ابن عابرین کی ندکورہ عبارت نقل کرنے سے بعد فرایا بيليه صروري بي كراب كومتشابه كامعنى معلوم بوتاكه اس كى جزئيات برحم لكالمكي يس م كتة بي كرنغت مي مشابكامطلب ب ، جيزكان كا گذيدهم وجاناكم ذہن اللیا زند کرسکے، اسی یے جس چیز مک انسان ندمینے سکے اس کو متشابہ کہتے ہیں۔ ا درنامعدم كومجى متشابه كيتين بيسے الله تعالىٰ في فرط يا جن البعد تشاب عَلَيْتَ الله الما مُعِينته بهوكى "اكثر محققين كے نزديك جيساكدا ام فخرالذين الذي نے نقل کیا ہے، عرف نشری میں قشاب کامعنیٰ ہے مجل اور مووُل کے درمیان تدر مشترک "امام نخرالدین رازی فراتے بیں مجل اورمشترک اس بات بیں مشترک بين كد تفظ كى ولالت اينے كسى ايك معنى بر را جج نهيں ہوتى ـ بيں مجل توندرا ج ہوتا ہے ندمرج ع موؤل راج تونسیں ہوسکتا لیکن مرج ع ہوسکتا ہے بغیرکسی مفوص دلیل کے اسی قدر شترک کو تشابہ کہتے ہیں کیونکہ دونوں قسموں میں سیھنے

کامفوم موجود ہے ، اور ہم بیان کرآئے ہیں کراسی کو تمثا بہ کتے ہیں یا تواس یا کہ و چیزمعلوم نہیں ہوسکتی ، کیونکر اس کے متعلق ذہن میں نفی جس طرح آئی ہے اسی طرح آئیا ہے ، یا اس چیز سے کر جس چیزییں تشبر آجائے وہ معلوم نہیں ہوسکتی ، پس تمثا برکا لفظ نامعلوم پر بولاگیا جیسا کر سب کام مسبقب پر بول دیا جا آئے ہے ، پیر تمثا برکا لفظ نامعلوم نہیں جا آئے ہے ، پیر تمثا برکا لفظ نامعلوم نہیں جا آئے ہے ، پیر تمثا برکا فا من ذاتی علم ہے جیسا کر بعض سور تول کے تمروع میں ہوسکتا ، یرالڈ تعالیٰ کا فا من ذاتی علم ہے جیسا کر بعض سور تول کے تمروع میں حروف مقطعات ، کئی اقوال میں سے ایک تول راجح کے مطابق اور کہی شا بر ایسا ہوتا ہے ، جس کا یعنی مغرم ہم جر میں نہیں اسک ، کیونکو جومی نفظ سے ہم میں ارہ ہے وہ مُرا د لینا ، عقلاً ورشد عا محال ہے ، سولازم ہوا کہ صحیم میں مُراد بیا جائے ، لین اس فاص معنیٰ پر کوئی قرید موجو ذمیس اس اس کے مورت کو تشکل بھی کئے ہیں جے فرا ن فاص معنیٰ پر کوئی قرید موجو ذمیس ، اس اس خری صورت کو تشکل بھی کئے ہیں جے فرا ن ارب کا میں کئے ہیں جے فرا ن

آمسَنُ مَا حُسِنَتَ فِيهُ عَالَمَ الرَّجِهِ: بِم نَصِبَنِيون مِن رَجِنَ واليهِ مَن مَن مَن الله مِن مِن الله والمُوسِم ويا توانهول تابينيو فَعَسَدَةُ وَ الْحِيثِةِ الْحِيثِةِ الْمُنْ الله الله والمُوسِم ويا توانهول تابينيو

میں جوائم کیے۔

کیونکہ اس کا خبقی معنی مرا ذمیس ہوستی کیونکہ اللہ تعالیٰ کا یہ بمی فرمان ہے: ۔

الت املیٰ کہ آت کے اسٹ و ترجم: بے تنک اللہ بہودہ باتوں کا یہ بالفی مسئی میں دیا ہے ۔

یونہی اشد نے کا فروں کے اس تول کا کہ !

قراملّه آخت نا به " ترجم: الله نهم كوالسكا يحم ديا ہے۔ مذكوره آيت ميں ر د فرط يا ہے تولازم ہواكہ بہلى آيت كواس كے ختيقى معنى سے بجازی غيرمعيّن معنیٰ كى طرف بھير ديا جائے ہا رہے مذكورہ نظريہ كى تا ثبيد تعشا ہر آيتوں

محمتعلق سلف محصلك كوترجح ويتفهوك امام مازى فيجوا شدلال كمياس اس سے بھی بوتی ہے رسلف آیا تب تشابهات میں ماویل نہیں است تصاور معنی مُرادی كوفُدا كے ميرد كرتے تھے۔ اس عتيده كے ساتھ كرانٹر مبرعيب سے پاک ہے لئذا ظا ہری معنی سے بھی یاک ہے جواللہ کی تنایان شان نیس مام رازی کے قول کا خلاصہ یہ ہے ایجب لفظ کارا جمعنی ہو، بھرائس سے قوی تردلیل سے معلوم ہو کہ ظاہری معنی مُراد نہیں، توہمیں معلوم ہوجائے گاکہ اللہ کی مراد اس حقیقت کا کوئی مجا زی معنی ہے اور مجازی معنول میں کنزت ہے اور کسی ایک معنی کوترجے صرف نغوی مرتجے سے ہی ہوسکتی ہے۔ اوراس سنه صرفت ظن صنيعت كافائده عاصل جوسكما سي الخ اورسلعن كم مذبهب كو يول بمى ترجى وى جاسكتى ب كرجب لفظ كوخيقى معنى سي يميرويا كيا اورمجازى معنى ايك تهيئ تعدد موسيختے بين تو بيم كمى ايك معنى كوالله كى مراد قرار دينا اور دوسر مطعنى کورّ دکرنا حالانکیممکن وه معنی مُراد نهره انتُدتعالیٰ پربرسی جرأت وجهارت کی بات ہے۔ بس ادب ير سے كرلفظ كومعنى محال سے بنا ديا جائے اورمرادى معنى كيا ہے ؟ اس كو مبرد فکراکر دیا جائے۔جیساک ظاہرہے تمہا رے سامنے ہم نے جو وضاحت کی ہے۔ اسى كيريش نظرعلما في كما سب كرادلتُه تعالى كصتعلى منشا بدانا ظ استعمال كرنا جا ترتمين اور اگرایسے الفاظ لفن قطعی میں آجائیں توان کی مناسب ما ویل لازم ہے اور دیال) لفِن قطعی سے ان کی مُراد وہ ہے جود قرآن سے ساتھ مدیث صبحے کو دہمی اشامل ہو،جے أمّنت في تقل كيا اور قبول كيا اوربغيرانكار كماس يرعمل كيا-يه دليل مصاس بات كي كدان كے نزديك الله لقالي كے تمام الجھے اور مقدس نام اس پر بو لے جا سكتے ہي اور اس بر قریب قریب اجاع و اتفاق ہے۔ حالانک بعن اسما مے سکی منشابہ قسم سے دیں خنلاً صبّوی ، روا یانت و احا د بیث جوانس سلسد میں آتی ہیں اگرچ صحیح ہیں اور آتمت نے ان كوقبول كيا ساور بغيرانكاران يرعمل كيا سي ميكن متواتر توقط عاميس اوربلاشيد

مذكوره درو وتشريين عبى اسى قبيل ے ب يہ إتكريمنول وا توراور بغيرانكا رائت کامعمول بہ ہے ،سواس کے متعلق سیدی مصطفے البکری نے اپنی کما ب المنهل العد مِن فرا یا میم نبی کریم علیالسلام برننوم تب در دد تمریب پرسے ، اور جوالفاظ برسے جائزين، إلى الران الفاظ مع يرفع توزيا وه بهتر بها الله من صل وسسيلة وَبَاسِ كُ عَلَىٰ سَسِيِّدِ مَا مُحَسَمَّدٍ وَعَلَىٰ آلِهِ حَدَدَ كَسَالِ اللَّهِ كَسَا يَلِينُقُ بِكُما لِهِ - الى درُو دوسلام وبركت نازل فرما ، بهار سه آقامحترير اور آب كي آل بر كمال الني كى تعداد كے يواير جيسے اس كے كمال كے لائق ہے " ہم كوالس كى اجازت بهار سے مرحوم شیخ ، بمیشداللہ کی چمت میں غوطرزن رہیں ، جب یک الہی القیوم مِلوه كرب اورجب مك لين جمال سعيرده انمات ركع شخ ابوالمواسب عنبلي يعلى رحمة الله، وه اين والكشيخ عبوالباقي كى تصديق كے ذمر وا يس ممكوانهول نے اپنے مشاکنے اور اپنے والد کی تحریر کی اجازت دی ہے -ان کے والد نے اپنی تھے بر میں اپنے بعض مشامنے کی یہ بات تقل کی ہے کہ وہ یہ درُو د شریف ایک بارپڑھ ناچودہ مِزار كم برابر ب النولود اور كي تعكف بهيل كرستيد بحرى رعني المترعظ برك المرهنفيد میں سے بیں اور انہوں نے اپنے زمانہ کے بہت سے دوگوں کو پیلفین کی ہے جنول فے آب سے پر تعمت حاصل کی ، اور تو گوں نے بغیراتکار اپنامعول بنا یا ہے ستد بحرى نے لینے شخ ابوالموا بہب سے اسے ماصل کیا بوعنبی مسلک سے ائمہ میں سے شمصي في اس درود ترايف كوان ك والدكى بياعن مين ذكر كيا ب عبساكتيس اس میں نظرامسکتا ہے۔ اور کسی نے اس پر بڑ انہیں منایا دیونہی ، اس کویتد بجری سيشخ الاسلام المفتى نے عاصل كيا، جواكابرين تُمُشا فعيدس سے سے انہوں نے اسے اپنامعول بنایا اورا پنے دور کے بست ہوگوں کو بمی بلاا نکاراس کی تنقین فرما ين الاسلام حتى سے يہ درُو د تشريعت ابوالبركانت سيّدى احمد دا دير نے حاصل كيا۔

ان کی برکتیں عام ہول ۔ آب اکابرائم مالکیہ میں سے تھے انہوں نے آ گے بخرت دوگوں کو انس کی اجازت دی اور اپنے دور میں علماً کرام کے ساتھنے انس پرعمل کیا اورکسی نے انکارنہ کیا ۔

امام سمرقت على في اين كما سببيرالغافلين مين فرايا بهم سے قابل اعماد تشخص نے اپنی سند کے ساتھ حتماک عن ابن حبائس رصنی انڈعنا سے یہ روابیت بیان كى جدا سرافيل عليه السلام حنو عليالسلام كى خدمت بين حاصر بوك ورعوض كيا المصحروسلى الترعليه ولم) يرفوا و المسجعان الله قرالحسست يله ولا إلة إلا اللهُ الْعَيلِيُّ الْعَظِيْمُ عَدَدَ مَا عَالِسَةَ اللَّهُ تَعَالَىٰ وَينِ مَنَهُ مَا عَلِيسَةً الله تعالى كالتدباك ب اورسب تعرفف الله كعيد بها ورا تعربندتر عظيمتر كے سواكوئي معبود برحق نہيں اللہ كے علم كى تعداد اور الله كي معلومات اكے وزن كے برابر؟ الخ-اور وه تمام الغاظرين سيد لائل الخيرات كے درود تربيت بنے بيں.وداكثر ان الفاظ مذكوره يُرشتل بين - حالانكه اكثر لوگ اورخصوصًا علماً باعمل جوالس برعمل بيرا بين -شار سے باہر ہیں - اور پھٹسک کدان مذکور ہ ائمہ کرام کا درود و ذکر کے مذکورہ بالا الفاظ بِمِتُوحِهِ بِونا ا وران كوم را نے والے زمانہ بیں یکے بعد دبیر سے نسلاً بعد نسال بنا معمول بنایاء تمام دنیا کے نوگوں کا خواہ پہلے ہوں خواج بھلے،علماً کی موجود کی بیں ان برعمل كرنا - حالانكه علماً كو بدعتوں سے ۔ و كنے كى مبئت حرص رہتى ہے اوركسى سے ان كے خلا مت كوئى باشتم نقول تدبونااس بات كى واضح دليل سے كدية تمام الفاظ دراصل حفو على السلام سنة ابت بي اور أمنت نه ان كوقبول كيا سميس أكريه فرمن مجى كربيا جائے كريمتنا برين اويل محساته اور محال معنى سے تفظ كومير كرميح معنى ميں استعمال كرنا جائز بوجائے كا اسى يليميدى على و فأرمنى اندهند دميں نے ان على وفأ كانام نهين سُنااور بي تمك يربر كمشهورعلى وفأبن محدوفا شاذلى كے علاو وس كيونك

وہ میز بجری سے کئی سوسال بیلے گزرے میں انٹران سب سے راضی ہو) نے السنح الدلفية كاشره بيرسيد بمرى ك قول يم كه الله عمر كه الله عمل و ستيم وآبارك عَلَى سَبِيْدِنَا مُحَسَّتَدٍ وَعَلَىٰ اَلِهِ عَدَى كَمَالُ اللهِ وَكَمَا يَلِينُ ثُمِكَا لِهِ -محصت بھا ہے بعنی اپنی رحمت نازل فرط اور جو کھ اس کے ساتھ ہے مذکور دہشتیوں پر، ایسی رحمت جس کی حدنہ ہو، جسے تیرے کمال کی حدثیں ۔ الن "اورالسجاعی نے سیدی احدزوق کے وظینے مربھی گئی بین شرح میں اُن کے قول اَللَّھ کُنَّے صَلِی عَلیٰ سَيَدِنَا مُحَسَّدٍ عَبْدِنَ وَبَيْتِكَ وَرَسُونِكَ. الْأُوْنِي وَعَلَىٰ آلِهِ وَ صَحُبِ وَسَلِّهُ تَسَلِمُ النَّهِ بُرًّا عَدَدَ مَا آحًا طَبِهِ عِلْمُ لِكُ تصحت فرما يا بعني تمام مخلوق تح مرابر ، اجر كھ لوح محنوظ بين ہے ، اورا بن لمساني اس طرف سكتے بيں كرجل نے يُول كها . أَنْهُ حَرَّ صَسَلَ وَسَلَّحُ مَعَلَىٰ سَسِيدٍ نَا مُعَسَّدِ عَدَدَ خَسَلَقِ اللهِ عُاس كواس تعداد مين اجر ملے كا النو- عاصل يركه عَدَدَ كتال الله - بيسكامات كوا يسيما : يمعنوں بمحول كيا جا شے جن كومُرا د ليناور بهوكه ایسے الفاظ منتول میں اور اُمّت نے ان كوقبول كيا ہے اور عقیقی معظم عال میں بیں ایسے الغاظ کا استعمال زم کرود حرمیہ ہے ندمحروہ ننزمیسید بلحدان میں بہت تواب ہے علاوہ ازیں ہار سے گزشتہ بیان سے مسمجھ کئے ہوکہ ایک متشابہ وہ ہؤا بصحب كامعنى بالكلمعلوم نه بوسكے اور جسے الله تعالی نے اینے علم سے محفوص كرليا ؟ اور مذکورہ الغاظ الس قبیل سے بالکل نہیں جبیا کہ ظاہر ہے۔ یا و دکر جس کا ختیقی معنے معلوم تو ہے لیکن تغظ بول کراس حقیقی معنے کومُرا و لینامحال ہے۔ بس تغظ کوا یسے مجازى مصفے پرمحول كيا جائے كا جصے مُراد ليناميج بو، أنها في خيال جبيدا بوسكا ہے. وه يركه مذكوره الغاظراسي فبيل سي بين اوريه بات مركز قابل قبول نهيس كمشلا كمال غداوندی کی تعداد کے برابر بیسے انفاظ منشاب میں بیونکد اگریہ فرص کرمھی لیاجائے۔

کرمنی حقیقی محال ہے لیکن معنی مجازی قراد یلنے کا قرینہ توموج د ہے اور وہ قرینہ بولے جانے والے الفاظ میں موج د ہے اور یہ کوئی الگ دلیل نہیں اور جب قرینہ موج د ہے تومینی مجازی کوئی معنی را ج نہیں ہو ا جیسا تومعنی مجازی کوئر معنی را ج نہیں ہوا جیسا کرمعنی مجازی کوئر معنی را ج نہیں ہوا جیسا کرائس کا حوالہ گزرا ہے ، للنداجس نفظ کی سجت ہو رہی ہے وہ محکم ہے اور نفظ قرینے کے ماتھ لینے مجازی معنی میں استعمال ہوسکتا ہے ، اور یہ منع نہیں ۔

سوال ؛ کمال کی تعدا داور اپنی معلومات کے برابر جیسے الفاظ میں مجازی معنی سوال ؛ کا قریبۂ کمیا ہے۔ ؟

میں کتنا ہوں حبب کمال اور علم کی نسبت الند شیخانہ وتعانیٰ کی طرف بوامب ، بوگی تویه خود اس بات کی دلیل سے که عدد سے مراد غیرمتنا ہی كثرست سيحكيونكدا للأكح علم وكمال كاجن جيزول سيتعلق سيصان كى كوكى عدنهيس يس يدنسبت واضح تفظى قرينه بوكيا اس باست يركد مُراد كثرت مين مبالغه بيداكرنا . بمرفرا باكهم يبحى كرسكة بين كانفظ عدد كالكسفظيمنهم سب و وراسيمفهم کے اعتبار سے تمام مراتب اعداد پر بولاجا ما ہے جن کی کوئی حدثمیں۔ یس پر کسی حد کا مرکز تقاصاتهین کرنا اور نه کسی تعین اعدا و وشار کا- اور اسی منهوم سے اعتبار ست مذكوره بالاكلمات بس استعمال بواست بيس يه برگز تنشابدالقا ظريس سيتي م ل اس محد اتب میں جواس منهوم میں اسی طرح واخل میں جیسے دسن بنتی اور ہرمرتب میمی عدد کمان نا سے کیونکہ وہ عدد کے منہوم کی میں داخل سے اور انس کے افراد میں سے ایک فرد ہے، ان مراتب میں سے ہرمرتبدا ماطرشار اور انتہا چاہتاہے ا در برمرتبه و درجه کوخاص لفظ سے تعبیر کیا جا تا ہے مثلاً دکسن کا نفظیمیں سے یہ تسبيدا ہونا ہے كرعد دا حدوثها رجابتا ہے . حالا يح عقلاً ايسانهيں . معرفرايا ال علاوہ ازیں علامہ ابن عا برین نے ان الغاظ کے ساتھ درگود وسلام پڑھنے کو قطعًا

منعنهين فرمايا بجن كالمصنور عيدانسلام ستتبوت ننا ميمتلاص بغركمال أيؤمى ووصينف دلائل الخيرات ميں تھے ہيں، يا وظائف كى دير كتابوں ميں تھے ہوئے درو دسترلين جوزمین سے کو نے کو نے میں علماً میں بغیرانکار کے مشہور وعمول بہا میں کیونک علام مذکور رحمدا فترف ليف كلام ميرمنع مصتنى فرما يا بدان الغاظ كوج حنور عليالسلام سے شابت ہیں الفاظ کمال بختابت ہیں جیسا کر حبارت گزرجی ہے۔ جیسے قرآن عظیم میں علم کا اطلاق معلوم برہے . قرمان باری تعالیٰ ہے :ر و لَهُ يَحِينُ طُونَ بِسُنَتُ يُ تَرْجِهِ: وه الله ك علم يعيم معلوم ميل

مین علیه " سے مسی کا احاط نہیں کر سکتے۔

جیساکدامام رازی کی تغییر جیریی ہے۔ لنذاالس قسم کے درود تشریف میں جی کوئی

أنشفت صل وسي يم ترجر اللي درو دوسلام وبركت نازل وتبايرك على سيدنا محستيد فواجارية فالمحترا ورأب كالرر وَعَلَىٰ آلِهِ عَدَدَ عِلْمِهِ " ان كعم كراب "

كيونكرنف بين علم بعني معلوم أيجاب ادرجائز بون كے يا كسى فاص عبارت كا نعن میں آنا شرط نہیں بلکدائس نوع کے نبوت سے یان ملک ناکافی ہے اور اگر كسى لغظ كامعنى مجازى مين قرييز كيمسا تمع استعال بونا بحى ببوت نص برمو توحث بود مرخاص ہو گی تولفظ بولنا صحیح ہوگا ورزنہیں ، تو دین میں مبت تنگی سیدا ہوجائے گی اورمعاملى يجيده بوجائے كا مالانكونكى ويجيدى قرآن كى رُوست، بم ست دُوركردى می ہے۔ فران باری تعالیٰ ہے :ر

مَاجَعَلَ اللهُ عَكَيْكُو فِي ترجر: الله في مين م يركوني في الدِّيْن مِنْ حَسَرَج يَا بَسِيل كي -

صدیت شریعت میں آیا ہے " دین آسان ہے، اس میں بی تی نہیں " اسی طرح فرا یا دین سے جومقا بلرکر سے گا، دین اس پرغالب رہے گا۔

صاصل کلام اس سد میں برے کہ درو دکال وغیرہ کے حقیقی جواز میں کوئی شیخیں۔
ماصل کلام استعال ہوتا ہیا ہے اور قوم کے دفائف میں متواز نقل ہوتے ہے۔
ہیں ،جی کو قابل اعتماد لوگوں نے نقل کیا ہے اور جن بر پیطے بچلے علماً وسلماً کاعمل رہا ہے۔
خواہ ہم بریمی بالفرض تسلیم کرلیں کہ یرانا ظ متشا بہ ہیں جن کا استعال کرنا تبوت شرعی پر
موتو ف ہے تو ہم قطعا کہیں گے کہ تبوت ترعی موجود ہے اور اس سلم بین کسک
کرنا ہمیں اس بات کی طرف لے جائے گا کہ اٹھ نے جوا حکام فقہ بینقل کے ویں جن
کے دلائل کا ہمیں کو ئی علم ہیں ،ہم ان پراعتما و نہ کریں ،

ہوس کا میں طلب میں مبالغہ بیدا کرنے کے یہے یہ اسلوب اختیار کیا گیا ہوا اسس کو خاص کرنے کی عنرورت اس لیے بیش آئی اور عبارت اینے عموم براس لیے نہروہ کی کرعمومی معنی مراد لینا بہت وشوار ہے کیونکہ جبکھا لنڈ کے احاط علمی میں ہے اس کے یہے اعلادت ارتبار مکن نمیس ایس میں خصیص صروری ہے ناکدام کا اعظی کے اللہ امکا اعظی کے اللہ امکا اعظی کے اللہ امکا انتقالی کے اس قاعد سے برر ہے اور بہاں مخصیص کرنے والاعقل ہے جیسے اللہ تعالیٰ کے اس فراد مدین برر ہے اور بہاں مخصیص کرنے والاعقل ہے جیسے اللہ تعالیٰ کے اس

الله خالق کی شنگی ۔ ترجہ: الله برت کوبید کرنے والہ ۔ بخت کوبید کرنے والہ ۔ بخت کسے علم اس ایت کو فاص کررہی ہے ۔ کیونکہ ہم واضح طورجا نتے ہیں کاللہ تعالیٰ اپنی وات یا صفات کا خالق نہیں ، بس بیال سے کمرا دان دو کے سوا ہے ، علما کاس میں اختلاف ہے کر لفظ موہوم کو آبیا وہ خض استعال کرسکتا ہے جس کو وہم نہیں اور جس کے نز دیک ایسے لفظ کا صبح معنی مُراد ہے یا آسانی سے اس کی صبح اویل ہو سکتی ہے جس کا واضح ہے یا اس میں خصیص کرے صبح معنی میں استعال مسکتی ہے جس کا وصح معنی میں استعال کیا جاسکتا ہے۔ فیریں ؛ علما کی ایک جا عت نے رسول الله صلی الله علیہ وسلم کیا جاسکتا ہے۔ فیریں ؛ علما کی ایک جا عت نے رسول الله صلی الله علیہ وسلم

يرور و د وسلام بمجيئ كے كئي را ستے افتيار كئے ہيں، جو مستف كے اس قول سے ملتے بفلة الغاظ يُرشتمل بين عدَة وَعِلْمِكَ وَعَسَدَة مَا آحَاطَ بِهِ عِلْمُعَكَ - اور علماً نے کہا ہے کہ یہ افضل کیفیات میں سے ہے - ان علماً میں شیخ عنیعت الدین الیافعی النشرف البارزى بهأ ابن العطارتها مل بي يربات ان كے تماگر والمقدى رحميا لله نے والعطار ، سے تقل کی ہے '' افعد کی ان پر رحمت ہوا ور افتران سے راحتی ہوا۔ بعرعلامه فاسى فيايك صفح لعد دلائل الخيرات كحقول حكتعيثم حسكرة تغوق وَتَغَضُلُ صَسَلَاةَ الْمُصَسِيلِينَ عَلَيْهِمْ مِينَ الْخَلْقِ ٱجْعَيِينَ كَعَضُلِكَ علىٰ جبيب خلقك -كے حت فرايا الله كے درودكا ان سب كے دروديوابيا بی مرتبه بهوگا بیسے الله کا درج سب یر کیونکه د و نو ن فسلول مین فضیلت کی سبت د بی ہو گی جو د و فاعلول کی فضیلت میں ہے اور درخیقت ان دومیں کو کی نسبت بها بن مبين بيم بندول كا درُود بهي دراصل الترسيحان كابي فعل اوراس كايدكره بهے یہا تحقیقی تشبیر مرا دمہیں کیونحہ یہ تو ہے ہی محال کرحا دش کی حا دش دمخلوق پرایسی نفیدست ، بو · جیسے قدیم کوحا د ش پرسے پھال صرف نفیدست بیں مبالغہ بيداكرنا مراوب اور دونول مرانب مي جوحد درجمكل فرق سے اس كاتھو سامنے لانا ہے ، کرکہا بھی ہے یا کھ اور اس سے تقریباً ایک ورق پہلے مصنف ك تول صَلَىَّ اللُّبُ عَلَىٰ سَيِّدِيَا مُعَسَنَّةٍ عَدَدَ خَلْقِهِ وَمِمَا نَعْسِهِ وَنِ نَدَّةَ عَوْشِهِ وَصِدَا ذَكَاكِمَاتِهِ - كَتَحَتْ وْمَا إِ-الم مهيوطي تے اپني كتاب الدر التشبير في تلخيص نھاجة ابن الاشير یں اس کامطلب اسکا ہے " مذکورہ چیزوں کی تعداد کے برابر " اور بیمی کہا كيا ہے "كىكثرت ميں جوان امشياً كے برابر ہوخوا و ناب ميں خواہ وزن ميں يا تعداديس يأان سيمشابر ذرائع اندازه وشمار اوران مثالول سعمقصدواضح

كزامقعود بوتا من ورزكلام اب تول من شامل نبيل باختار سي تعلق ركمة مد ا ورامداد ایسے بی معدر سے بیسے مدد بعنی جس سے زیادتی ا وراضا فرکیا جا کے۔ الم مخلابی نے کہا یہ مدد کی طرح مصد ہے کہا جاتا ہے مَدَی تُ الشَّنِی آمَدُهُ مَدَدًةٌ وَمَدَدُ اللهُ الله عن في في المحليجا ورلما كما كلينيا وسلمان ورا الما كما المعني المراد والمعاني نقل كى سے كداكار تى نے كما يجمعون السدمدادًا بنابري اس كامعنى بوگا ،اكل الدمعيار- فرايكه المتركمات بدأتها بين كواعدا دوشا ريس محدوديس كيا جاسخة ليكن مصنعت نے اسم شالم من اظها ركٹرت كے يلے بيان كردى ہے۔ يهمى كماكي بص كدمرا وثواب واجرب اور كلمات الترسع مرًا ديمي ال كاجرد تواب سے کلمات ۱ ملک کی وضاحت میں امام فخرالدین رازی نے قرمایا کہا کے امتحاب كحنزديك ان مصمرا ووه الغاظ مين جوعلم فعدا وندى كمتعلقات برولالت كرشفين اوريه بمي كما كياكم يم كلمات الله محطم اورعجائب بردلالت كرت بين الغاسى دحمدانتُّد كاكلام ختم بهوا- إس كتاب كاجامع فقير يُوسِعن النبهاني التُّرانس كو معاف فرائے ، كتا ہے كرج كچھ

دونون نظرون من طبیق است کام کامت عنی یہ ہے کہ جا نہا کا کام مذہب ملی اللہ علیہ کام کامت عنی یہ ہے کہ جا نہا کہ کام کامت عنی یہ ہے کہ جا نہا کہ کام کامت عنی یہ ہے کہ جا نہا کہ کام کامت عنی یہ ہے کہ جا الفاظ منتقول ہیں وہ جا نز ہیں اور جو سرکا رسے منقول ہیں وہ من ہیں ، جیسا کرفت میں کا مذہب مخار ہے اور جو جا نز قوار دیا گیا ہے ،ان دوسی طبیق یہ ہے کہ جی الفاظ میں خت نہی بیدا ہونے کا امکان ہے وہ منع ہیں ووسی طبیق یہ ہے کہ جی الفاظ میں خت نہی بیدا ہونے کا امکان ہے وہ منع ہیں منظ یہ کہنا آندہ کے منظ میں کہنا کا کھیست کے جا ہر اللی ہارے آقام کھی پر دارو دیجے ہر ہر وقت میں اپنی فرات یا رہی تعالیٰ کی عظمت کے جا برا

اوريول كناكه الشرك كمال محرابر-اوريُول كناكه ايسا ورود جوز أمر بو،اوير بواور فاصل ہو، اس درو دبرجو درو د بڑھنے والی تمام مخلوق آب پر بڑھتی ہے جس طرح تجے اپنی تمام مخلوق پرنفبلت ہے ؟ یالس سے طنے بطنے الفاظ ،جن سے خنت ترین ابهام بیدا ہوسکتا ہے اورجوازاں کےعلاوہ دوسری صورتول میں ہے۔ جهال اس قسم كا ابهام بيدانه بومثلًا يُول كير اللي وُرود بمعيج بهار سے أَ قَامَحَهُ مِدِ برابر اس کے جوالٹر کے علم میں ہے یا معلومات خداوندی کے برابر-اوراس کے کلمات کیسیاہی کے برابر - بے تک ان الغاظ کو مخلوق خدا و تدی پرمحول کیا جا سے گا،اور مغلوق كتني ہى زياد ہ يواس كى حد ہے علاوہ ازيں ايسے الفاظ سے مراد حقيقي محدود تعادد نهيس ہوتی ، كديد كها جائے كەمعلومات خداوندى توغير محدود ميں بېر محض كثرت ممراد ہوتی ہے کیونکرانٹرتعالیٰ کے علم کا تعلق قدیم وحادث دونوں سے ہوتا ہے۔مزید بہا ميدة الدكيمانيه كالفاظ بى كريم صلاالترعليه وسلم كى صديث باك مين مجى آئے بيل يسبيح کے ان الغاظ میں جا ہے ام المونین سیدہ جویریہ سلام التّرعیما کوتعلیم فرائے شہے۔

سُبُعَانَ اللّہ وَ بِحَدُمِهِ مَرْجَرَبِ إِلَى وَتَعْرِفِ اللّٰهِ كَا لِيَهُ اللّٰهِ وَيَعْرِفِ اللّٰهِ كَا إِلَى اللّٰهُ وَيَعْمُ اللّٰهِ اللّٰهُ اللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهُ اللّٰمُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰمُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰمُ اللّٰمُ اللّٰمُ اللّٰهُ اللّٰمُ ال

لندا اس قسم کے الفاظ جوصنور علیالسلام سے منقول ہیں ، کو استعال کرنا بالاتفاق جا کرہے۔
فدا بہتر ما نیا ہے کہ اس قسم کے الفاظ بن بیں سخت ابہام پایا جا تا ہے ، ان کے موطفین سے علیہ مال کے وقت نظے ہیں ، بیمال کک کدان کو الس بات کا احساس تک نہ ہوسکا ، کہ انتاز تعالیٰ کی طرف سے منسوب ہور ہے ہیں وزیر انتاز ان کی طرف سے منسوب ہور ہے ہیں وزیر

و ه مغرات گڑمی افٹر تعانی کا سب سے زیاد دا دب کرنے دائے تھے اور ان کو زیاد دہر کا متحی اس بات کہ افٹر تھائی کی طرف کن کن الغاظ و معانی کی نسبت کرنا جائز ہے اور کن کن کی نسبت کرنا منع ہے اور جو لفظ یامفہوم اللّٰہ کی شایا بن شان نہ ہو اس سے بہت پر ہیرکرتے تھے۔ با ہم ہمدان بزرگوں کے مقا صرحیحہ کا اعتبار کیا جا تا ہے، ظاہری حبارات کا نہیں و بشتر ہی کے خاہری حبارات کا نہیں و بشتر ہی کے خاہری حبارات کا نہیں و بشتر ہی کا استراحی کا علان ہوں بمتر ہم)

می کمقدارا ورحدو فایت کا اندازه نه نگایا جا سکے جب اس برانهوں نے فورکیا۔
توانهوں نے النّد کی ذات وصفات کے سواکوئی ذات یا سفت ایسی نظر نه اُن ہو غیر
محدود ہوتی اور جب کے اوصا دن و کمالات لامحدود ہوتے ، یہ فکرا ہی ہے ج تمام صفائے
کمال سے موصوف ہے، بیس ان حضرات کا حضور علیا سلام بر ان اوصا دن سے متعسف
کمال سے موصوف ہے، بیس ان حضرات کا حضور علیا سلام بر ان اوصا دن سے متعسف
در و دوسلام ان بینغ کلمات سے بھیجنا ، عظمت جی سبحانۂ و تعالی کو متضمن ہے۔ اب
جوکوئی ان بزر کوں کی بیروی کرتے ہوئے اس متعسد کی فاطراس نیت سے ان الفاظ سے
رکول اللہ صلی اللہ علیہ کو سلم بر درود وسلام بھیج ہوان سے متعول ہیں تو بہت ابھا ہے۔
اور جن تحض کے خیال ہیں یہ الفاظ اللہ تعالی کی تنزیمہ و تقدیس میں خلل انداز ہو تے ہیں، تو
ادر جن تحض کے خیال ہیں یہ الفاظ اللہ تعالی کی تنزیمہ و تقدیس میں خلل انداز ہو تے ہیں، تو
اسے ان سے بیخنا چا ہیے اور ایسے انفاظ سے درُود دوسلام بھیجنا جا ہے جن میں یہ احتال
میرے ناقیس ذہن پر روشن فرمائی اور مجے اس کے سیح ہونے کی المیں یہ جاسکر ڈنائ

رورودوسلام) کے جوالفاظ نبی کریم صلے اللہ علیہ وسم سے ووک مند ملیہ وسلے اللہ علیہ وسم سے ووک مند میں میں ان کا اور دوسروں کے ٹواب پر کلام کرم اجروزوں

كن الفاظ كازباده سے ؟

جان البحي كرجن درو دول كوسي نے الس باب ميں ذكر كيا ہے ، ان ميں سے بكتونو حنورعليالسلام مصنقول مبب اور كيحدركار سفنقول نهيس مبحدكجه وهبي ج بعض صحابه كرام يا بعد واله اوليًا كرام وعلمائے عظام سے منقول ہیں - حافظ سخاوی نے القول الب دیے میں حافظ ابن مسدی سے نقل کیا ہے کہ نبی علیانسلام پر درو دوسلام کی کیفیت سے تعلق بخرت اطا دیث نقل کی گئی ہیں ، صحابہ کرام اور بعد کے بزرگوں میں سے ایک جاعت اس طرف كئ جے كه السيمسند ميں الغاظ كانص ميں وار دہونا كو في عنرورى تهيں ، بلحص كوالتد نے قوت بیان عطا فرمائی ہے اور وہ قصیح دلین الفاظ سے صاف سیدهامفہوم ادا كرتاب، جس سے شرفت وكما إلى تصطفے صلے الله عليه وسلم كى وضاحت ہوتى ہے توانس کی گنجاکش ہے۔ ان بزرگوں کی دلیل حضرت عالمنتے بن مسعود دھنی انڈعنڈ کا یہ فوان ہے۔ آحسينو القلاة على بيت كم ترجر: ابنے بي برمبترين ور ود بيجاكرو-فَايَّنَكُمُ لَا تَكُنُ وُنَ تَعَسَلُ تَمْسِينِ مِا نَتَ كُنْنَا يُدُوُهُ أَسِبِير ذيك يُعشد ومنى عَكَيْر - ييش كيا جا بو الإ دلاکل الخیرات کی شرح دمطالع المسرات، میں علامہ فاسی نے فرمایا ، الخطاب نے کہا

دلائل الخيرات كارشرح ومطالع المسارت، ميں علامہ فاسى نے فرط يا ، الخطاب نے كها واحتى الإبكرا بن العساري المسارت المعارضة فائم فرط يا بہت ، فرط يا كرحس شخص فاحتى الوبكرا بن العسر بی نے جمیب وغریب معارضة فائم فرط يا ہے ، فرط يا كرحس شخص كا عقيد ہ ہے كر رسول الشرصلي الشرعلي فيرسلم كا فرط ان :

اس خف کے پیے بہر جس نے کہا " رسول المدملی الاعلیہ کو کم سے کے یہ اجرصرف اس خف کے بیارے ہے جو صربے اس بر درود وسلام بیسے جیسا کہ ہماری وضاحت سے معلم

ہو گیا "الو فرما یا کہ علامہ سخاوی نے فاتم میں کئ خواب ذکر کیے میں جن سے معلوم ہو ا ہے كر لفظ مذكور سے تواب عاصل ہوتا ہے يہ بات اور دوسرى بسن سى يالين اس كتاب كے باب اللطائف مين كزري مين - فراياتنوج الوغليسية "موُلف تشيخ زروق مين بدان العربي سفكها درو ووسلام كعجوالفاظ حضو عليالسلام مضنقول بين وبي جائزين ابن العربی کی را ئے کوشنخ نقی الدین مشبکی نے اختیار کرتے ہوئے کہاکہ بہترین درود ٹٹریینہ جذبی علیالسلام پرمڑھا جائے وہ ہے جوتشد میں آب سے مروی ہے ،جس نے اسے بر هدایا اس نے یعینا حضو علیالسلام مردرود براه لیا اور الس سے یا تعیناً وہ اجرو تواب لکھ دیا گیا ،جو درود نشریف سے بارے میں ا حا دیت میں آیا ہے۔ اور جوشخص دوسرے الفاظرسے درود تشریعیٹ پڑھتا ہے استے مک رہا ہے کیمطلوبر درو د نشریعیٹ پڑھاگیا يأميس وكيونكم معابكرام في كهاتها يام أب يركس طرح درُو ديجيب و توسدكار في فرمايا اللهمة مسلي الخكوتوان كى طرف سے اپنے اُدبرالس كواب نے درو د قرار ديا تھا۔ النو- امام نووی وغیر نے دعاؤں اور اذکا رسی ان الفاظ وکلمات کولازم قرار دبیا چوصنوعليالسلام سيمنول بير- نودى فرمات بي اسى طرح صنوعليالسلام بردارو ذريب يجيئ كاولى وافضل طريقريه ب- الخدووسرعمائ كرام في المسكرين وسعت سے کام لیا ہے ،کیو بحین صور تول میں در و د تشرییٹ پڑھنے کا حکم ہے ال کے متعلق روایتی مختصنی، اور الفاظ میں کمی بیشی ہے۔ نبوت ۔ امیتت عبودیت رسالت -ا در صنوعلیالسلام کے دیگرا دصاف میں ٹیس ٹوئیسی جنورعلیالسلام کے ہم اوجن حضرات ریر كا ذكرب ان مين مي اخلاف ب .كيس ال .كيس ذرتيت ،كيس اولاد . يُونهى صحاكيام اورسلعن فيصفورعليالسلام سع درود وسلام كيجوالفاظ نقل كيفي بي ال مين مجى اخلاف ہے۔ اسی طرح مجہدین وفقها شے کوام اور مخدین وغیب ڈیزرگوں نے اپنی تقا مين مفتر مسلى الله عكي وسسكم اورعكي الصلاة والسكدم

کان الا استعال کے بیں، گونهی مروج بہت کی تعیات جوعد توانز کی بیلی اس بات کی دلیل ہیں کہ اس میں نوش اس بے مقام نووی نے کہا اس میں خوالا اس بیان خوالا ہے کہ کن الفاظ المبار کہ سے حضو علیالسلام پر درود تربیب پڑھنا انعال ہے ؟ اس سلسلہ ہیں برت سے اتوال ہیں؛ شخ مجدد الدین تسیال ی کہا اس میں دلیل ہے کاس مسللہ میں کانی گنجا کشن جا بین تنظی کمی پیشی ہوئے تی ہے ، مہا افضل وا کمل کا سوال ، سو مسللہ میں نبی ترول الا برائ کے مسللہ منے بنائی نہیں اور میں برگوں نے فرایا اطاعت جذبہ محبت کے ہوخوا مساتھ اگر چرکم ہو اس افاعت جذبہ محبت کے ہوخوا مساتھ اگر چرکم ہو اس افاعت سے افضل ہے جو بغیب مبدئہ محبت سے افضل ہے جو بغیب مبدئہ محبت سے ہوخوا مساتھ اگر چرکم ہو اس افاعت سے افضل ہے جو بغیب مبدئہ محبت سے ہوخوا مساتھ اگر چرکم ہو اس افاعت سے افضل ہے جو بغیب مبدئہ محبت سے ہوخوا میں تربی دیا ہو بہو نا کہوں کا رہی تعالی ہے : د

تَّهُ لُ إِنْ كُنْتُ يَمُ تُحَيِّدُنَ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ المُرْمِينِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللْمُ الللْمُ الللْمُ اللللْمُ الللْمُ اللللْمُ اللللْمُ الللْم

تم سے مجتت فوائے گا ا

اسی بیے صحابہ کرام رصنی الشرعنہ منے جب اللّٰہ کا یہ حکم سنا کراً میال والواس غیب کی خبریں دینے والے (نبی) پر در و دبھ جوا درخو بخوب سلام یہ کمال فصاحت و بلاغت کے با دجو د اپنی طرف سے در و د وسلام پر الحدیث کو کافی مذہبی) مالانک وہ اس متام بلند وبالا پر فائز سے کہ بعد میں آئے والا کوئی بزرگ ان کا ہمسر نہیں ہوسکا۔ اور انہوں نے حضاؤ علیال لام سے در و د پر طب کا طریقہ بوجھا۔ اس مسلم بین تقریبًا بیس روایات اکی ہیں بیس اللہ سے مجت کرنے والا اور اپنے نبی کی سنت کا بیروکا مسلم بیس روایات اکی ہیں بیس اللہ سے مجت کرنے والا اور اپنے نبی کی سنت کا بیروکا میں سے کہی جزوی یا گئی الحراف کر کے ان کلمات کی طرف کہی وئی نہیں کرسکتا جن کو جنوں نے در و و نشریف بہنے سے جنوں نے در و و نشریف کی بینے سے جنوں نے در و و نشریف کی طرف کہی اس در و و نشریف پڑھنے کی جنوں نے در و و نشریف کی طرف کر در و و نشریف پڑھنے کی میں بہنے سے جنوں نے در و و نشریف کا طرفیت نو و نبی علیال لام سے بیکھا ، ہاں در و و نشریف پڑھنے کو و نبی علیال لام سے بیکھا ، ہاں در و و نشریف پڑھنے کو و نبی علیال لام سے بیکھا ، ہاں در و و نشریف پڑھنے کو و نبی علیال لام سے بیکھا ، ہاں در و و نشریف پڑھنے کے در و و نشریف پڑھنے کے در و و نشریف کی طرف کروں کے میں میں بینے سکت کے جنوں نے در و و د نشریف کی طرف کے در و و نشریف کی خود نبی علیال لام سے بیکھا ، ہاں در و و نشریف پڑھنے

والابن انفاظ میت واحترام سے درود پر مصح بلات بعظیم جرو تواب سے بھرہ در ہوگا بھر فربا یا بعض لوگوں نے اس مسکومیں وسعت بیدا کی ہے۔ بیمان کک کردوح البیان میں کہا درو شرایعت کی بارم ہزار بھی کیا ہے ۔ جیسا کوشیخ سوالین مشری جارم ہزار بھی کیا ہے ۔ جیسا کوشیخ سوالین معموی سے برقسم مشرق ومغرب کی کسی جاعت کی بہندیڈ ہے۔ مابعاد مناسب کے لحاظ سے اورسب نے ان میں نواص و فوا کہ سمجے ہیں۔ الخ بی بھر کتاب مناسب کے لحاظ سے اورسب نے ان میں تواص و فوا کہ سمجے ہیں۔ الخ بی بھر کتاب ختے الربانی کی بیر عبارت نعل کی جب کوئی شخص کے۔

آلله في مسل وسيلم على محسد ورد ورد وسلام نارل فروا محد و الله في الله

اس کے یہے پر شرط نہیں کہ بڑھے والا وہی درو دیٹر سے بونبی کریم علیالسلام سے نابت

ہو مجد اعتبار الس بات کا ہے کہ جس درود کی بڑھنے کا حکم ہے وہ اس برصادی آئے۔
اگرچہ جس دیمو کی تعلیم کی گئی ہے وہ کا مل ترام کمل تراورانفل ترہے ۔ لیکن اس کا ہر گزیہ
مطلب نہیں کہ باتی درُو دنتر بیٹ اس اجرو تواب میں شامل نہیں جرسول انڈر صلی انڈر علیہ وکم
مطلب نہیں کہ باتی درُو دنتر بیٹ اس اجرو تواب میں شامل کا مرکار نے ترغیب دی ہے۔
ماصل کا م پر کر ترغیبات محلاقہ در و دِمطلق پر وار دہیں اور ندکورہ درود داس کے افراد بیں
ماصل کا م پر کر ترغیبات محلاقہ در و دِمطلق پر وار دہیں اور ندکورہ درو داس کے افراد بیں
ماصل کا م پر کر ترغیبات محلاقہ در و دِمطلق پر وار دہیں اور اس بات میں کو کی مانے نہیں کہ
جوشھی ان درُود و و ل میں سے کو کی ایک پڑھ سے بوخلو علیالسلام نے بلو تِعلیم بیان فرائے۔
ہوشھی ان درُود و و ل میں سے کو کی ایک پڑھ سے بوخلو علیالسلام نے بلو تِعلیم بیان فرائے۔
النٹر اس کے یہے زیا و ہ اجرو تواب ایک و سے بہ نسبت اس سے جس نے فیمنی والوں
النٹر اس کے یہے زیا و ہ اجرو تواب ایک و سے بہ نسبت اس سے جس نے فیمنی والوں
برخی جا دیکن یہ نائد تواب اس سے مانے تونہ ہیں کہ انٹر توانی دوسرے درُو دیٹر صنے والوں

کواصل اجرو تواب عطافرائے جس پر درود تشریف کانام صادق آنا ہے بیسے متناؤ صورت مسولہ عنها - نسائی نے حضرت انس رصنی الشرح نئے سے بر حدیث نقل کی ہے : ر سرور عنہا - نسائی سے حضرت انس رسنی الشرح نئے سے مدیث نقل کی ہے : ر

مَنْ صَلَىٰ عَلَىٰ صَلَاتًا وَاحِدَةً تَرْجَه: رجومجديدايك ورُود بمبح الله صَلَى اللهُ عَلَيْهِ عَسَدَ وَصَلَوْتِ اللهِ السريراس ورُود بمبح كا .

نسائی نے حضرت ابوطلی رعنی انڈعنہ کی جوروایت نقل کی ہے اس میں ہے اس پر دسنل در دد ادر دس سلام بھیے جاتے ہیں۔ در دد ادر دس سلام بھیے جاتے ہیں۔

-820.

اور کی شکت میں کرم در و دشر لین کایمال سوال دیمیش ہے اس کوپڑ صنے والے برمجی بیبات صادق آتی ہے کہ وہ درو دیڑ صنے والا ہے ۔ للذاؤ ہجی اللہ تعالیٰ کے مذکورہ درود کامستی ہوگا ۔ اس کی خلائیں معاف اور و رجات بلندموں کے اور قیامت کے دن نبی علیالسلام کے نزدیک تر ہوگا ۔ کیون کی نبی علیالسلام نے ہم کو خبر دی ہے کہ ان فضائل کامستی وہ شخص سے خرد کی ہے کہ ان فضائل کامستی وہ شخص ہے جمعلی درود و ہی ہو چوصنور علیالسلام نے خود بہر میں یہ قیب نہیں کہ درود و ہی ہو چوصنور علیالسلام نے خود بہر سکھایا ہے ۔

اسوال الم برموتون ب اينت مين جمطلق درُود كاحم آيا ب و مجل ب للنابيان سوال الله برموتون ب اينها بين درو درو درو در مشربيت بي عليانسلام سفتول ب السركا اجرو تواب مطلق درُود شربيت سے زياده ب المذاغير منقول درو د شربيت سے زياده ب المذاغير منقول درو د شربيت برمونا عائز نميس و ؟

جواب ، منقول درُو دشريين مجلنيس لنذابيان كي ضرورت نهيس وي مذكورُ

درود ترمین (منقول) کے اُولی وافسل ہونے سے یہ لازم نہیں آ اکمطلق درود ترمین اس کامستی ، زیادہ سے زیادہ یہ کہا جاسکتا ہے ، کمنقول درود وسس پڑھے والا زیادہ تواب پائے گا۔ دووج سے ایک تویہ کدوہ زیادہ جامع ہیں۔ دوسرے یہ کم مقطفے کویم علیالسلام کی زبال ممبارک سے بھے ہوئے نے کمات میں برکت زیادہ ساتے ، مذکورہ عبارت کے بعد فرایا :

بحن كلمات مدرود ترم ليف برها جائي الرحم المدكوره بحث سے بن كلمات مدرود ترم ليف برها جائي بالرم المام بواكر بي عليلسلام پر در و دمشرلين جن الغاظ سے پڑھا جائے ما تورہ ہوں ياغير ما تورہ ،پڑھنے والاالس اجرونوا مكاحمتدار ہے، حبكا صبح حديثوں ميں وعده كياكيا ہے۔ سوجشخص من من الله الميرات اوركتاب شغاً السقام وغير كويرها ، جن ميس المردي درُو د وسلام کے مختلف کلمات جمع فرما شے میں، وہ انس اجر کامستی ہوگا۔ ہاں ال ال ال بعض كلمات سے بربر کرنا چاہئے جونصوص کشرعیوں مجی نہیں ا درجن سے ابھام بدا ہو اے۔ مُتَلَّا لِعِصْ لُوك كه ويت بِن يَسْدِ يُل تَحَرُّشِ اللهِ - بهرعال وه كمّاب جرس مؤلعن ان كلمات كو درُو و تترلعين ميل لائے جوكتاب المثريا صحح ياحن ياصنعيمت حديد مين است بين بال موصوع رواياست مين نهول ، توايسا درُو د نترليب پركھنا باعث اجر مذكورسے الس برقطعاكو في طعن بين بهرحال زيا دہ تواب اسي بر سے جو صحيح حديث سے ابت ہو پھرس صغیف وغیرہ سے درجبدرج اس کتاب کامؤلف فقیر نوسے نبهانی، التراس كومعاف فرمائے، عرص كرتا ہے۔

علیہ وسلم سے نابت ہیں ، اور ان کلمات سے درود بھیجے جن کود وسسرے لوگوں نے مرتب کیا ہے وہ میں نے ان سے کہا ، بلاشبہ وہ درود دوسلام جن کے الفاظ

المل جوال المنظم المنظ

وَآجُعَلُ لِي السّسَانَ صِدُ قِ ترجه: را ورميرے يا يجع آنے والول في الكہ خيسيدين - ميں جي زبان بنا وے ا

ره گئے می برکرام یا ان کے بعد ا نے والے بُرزگ ، توان حفرات نے جن الفاظ سے حفور علیالسلام پر درو در تفریف بیر الله است ان کو حضور کی عفرت و تناک سے خالی میں جیر الله الله میں جیر الله میں ان کامتعبو د صنور کی تعظیم اور ساتھ ہی یہ ظاہر کرتا ہوتا ہے کر سرکا رائٹ تعلیم اور ساتھ ہی یہ ظاہر کرتا ہوتا ہے کر سرکا رائٹ تعلیم اور ساتھ ہی یہ ظاہر کرتا ہوتا ہے کر سرکا رائٹ میں جو حنور علیالسلام کے متام اعلیٰ کے لائق ہے۔ تعالی کی ساتھ ہی میں جو حنور علیالسلام کے متام اعلیٰ کے لائق ہے۔

ورز حضور طیالسلام ہارے درود وسلام کے قطعًا محتا ہے مہیں کیونکہ اللہ تعالیٰ نے مرکار پر طرح طرح کے کمالات کا وہ فیصنان کو دیا ہے جس کی کوئی حذمہیں اور انس میں لمحربہ کمہ اصافہ وتر تی ہوتی جا رہی ہے اسب جولوگ اپنے درود تشریب سے الفاظ میں جوصاحتًا حضور علیا سلام کی صفت و نستا کرتے ہیں۔ بے مفصر مہیں بریواس سے صول متصد اور زیادہ معنور علیا سلام کی صفت و نستا کرتے ہیں۔ بے مفصر مہیں بریواس سے صول متصد اور زیادہ یعنی ہوجاتا ہے۔ اب میں اس متعرض سے کہتا ہوں۔

معرف سے گراف کی ایس میں وکوئی شدہ میں کرصور علیا اسلام کی تعربیت توظیم معرف سے گراف کی ایس مزیز تواب ہے جومحض در و دخر بیب پڑھنے میں نہیں ۔ اب ویکھنا ہے کہ انس اضافی نمواب کے متعا بلرمین منول درو دمیں بھی کوئی مزیر تواہی، یامیس اس کا جواب قطعاً نامی ہے کیونکہ دونوں با توں کا احتمال ہے ۔ بس ہم صورعلیہ انسلام پر ماتورہ در ودوسلام بمج جیجیں کے اور غیراتورہ بھی اکیونکہ ہرا کیس میں وہ تو بی و فیل و فعنیلت ہے جو دیسرے مین مہیں ۔

غمانوره ممات سے دروز ترمیط سے کے قوائد الناظ سے صور علیہ

السلام پر در و دخرلین پڑھنے ہیں ایک فائدہ یہ ہے کہ در و دیڑھنے والے کوصنورعلبہ
السلام کی صفت و شاسنے وشی صاصل ہوتی ہے ہمرکارے اوصا ب علیا کہ اذکر اور
نئے نئے اسلوب ساسنے اسے رہتے ہیں جن سے جلیعت اکتاتی شیں اور یہ جیزاس کے
پہلے صنو علیالسلام پرزیا وہ در و و شرایت پڑھنے میں مدد کا زابت ہوتی ہے توصیعت اشانیا وہ ہوتی ہے۔ زیادہ تکوار کی وجہ سے نئے نئے منہوم ذہن نشیں ہوتے رہتے ہیں میں سے صنورعلیالسلام کی محبت و شوق میں اضافہ ہوتا ہے ، اور بڑھنے می نوا مواصل میں سے صنورعلیالسلام کی محبت و شوق میں اضافہ ہوتا ہے ، اور بڑھے شری افاظیں کرسنے کے یہے پرشرط ہے ، علاوہ ازیں ان بزرگان دین نے فرایا ہے کم ان الفاظیں سے اکثر وہ ہیں جو صنوعلیالسلام سے ان کو بیا ہے کہ ان الفاظیں کے یہے پرشرط ہے ، علاوہ ازیں ان بزرگان دین نے فرایا ہے کم ان الفاظیں سے اکثر وہ ہیں جو صنوعلیالسلام سے ان کوبیداری میں بتائے مثلاً مسیدی کھی البحری کے

الفاظ يسبيرى احمدبن ادريس كے مينے سيّدى احمدِيجا ني وغيرُهم كے كلمات- اور بعض فررگ في يكلمات بندك ووران جنورت روايت كاومعلوم كا كرجى في حنورعاليتهام كوندنيد (نحاب) بين ديكها كويابيداري مين ديكها واوربسا اوقات، بعض كلمات مختفلق انهو في تواب كى جمع دبيان كى ج منتلا ايك منزاريا وس مزاريا ايك لا كوكنا، اسے انهون حنورعليدسلام سيءان حالات ببركجائت تؤاب يابيدارى بمي بيان كيا سيع عج بعض سنے الس کی نفریح کی ہے اوربسااد قات دوسرے ذرائع سے انہوں نے المس کی اطلاع یائی مبساکتسے علیتم وشی نے کتاب کنوزالاسراریں عارف شعرانی سے نقل کیا ہے۔ فراسته ين شيخ سيرى عبدالوم سب شعراني في كماب الطبقات الوسطى مين لين شيخ تورالدين الشران سے فائدہ دے اسے بارے میں لکھا ہے میں نے انھیں وفات کے ساتھ دن بعد خواب میں دیکھا ، مجھے فرما تنے ہیں تد مجھے سیّے سیّدی عبدالدّعبدوسی کا مرتب کیا ہوا درود بماؤكيونكراخرت بين ميں نے اس ايك كا جرد وسرے دس بزار كے برابريا يا ہے ، اور دنیا میں مجھ سے یہ رہ گیا ہے ؟ میں مجھ کیاکہ شیخ مجے وہ درود برصنے کی تعلیم دے رہے ہیں۔ نو دنهیں بڑھ سکے "شعرانی کی بات اور کنوز الاسرار کی عبارت ختم ہو کی بسیدی عالم سے عبدوسى كا درُود تمرليت يرب - الله مَ أَجُعَلُ اَفْضَلَ صَلْوَا يَكَ آبَداً وَ أَنْمَىٰ سَوَكَا يَلِكَ سَسِوْمَدًا - الزَك. يه درو دميرى كمّاب افضل الصلوت بین تیسوین مبرور، غزالی یاجیلانی کی طرف منسوب کرکے ذکر کی گئی ہے ، کیونکھامنہول نے این بڑے درود ترایف میں اسے ذکر کیا ہے صبحے یہ ہے کہ یہ درود عبدوسی کا ہے۔ جيساكه شعراني نے فرما يا اور شيخ صاوي كا قول جيے غزالي نے عبدوسي سے تقل كيا ہے۔ جبساكس فيدبات ذكركردى بي تهجريت سے-الس درود شريب كانياده تواب والابونا مبرى الس بات كى تائيد سے جوميں يہ لاع حض كر جيكا بۇ ل يعنى بهت احترام سيصفورعليالسلام كي تعظيم وتنا بيؤي بيكمات حنورعليالسلام كي نامي بلغ تر

ادر زوب مئورت ترمین اوران بزرگول کے فضیلت والے کھات میں سے وہ بھی ہیں جن ہیں اوصا بلیغہ اور کفرت اولاد کو عمدہ اعلیٰ اور فرائی عبارات سے بالذہ سے بیان کیا جائے۔ جسااللہ نے اس کے دل میں ڈالا ہے۔ اس بارے بیں ان کی دبیل رسول اللہ صلی اللہ علیہ وہم کا دُہ فرمان ہے جوائم المرتمنین جویریہ رضی اللہ عند مسام ترقیق و فیرش نے نعل کیا ہے۔ شہر عنان اللہ عدد د تھ کی تھے۔ ترجمہ: پاکی اللہ کو، اس کی محتوق کی تعالیہ قریب منا اکم کھی آیتہ ۔ کے وزن اور اس کے کھات کی

سابی کے برابر "

جبتمييں يمعلوم ہوگيا، تواب يمجمعلوم ہوگاكدان بزدگوں كے كلمات سے صنور عليه السلام برج وروو شراعين بڑھا جا تا ہے اس ميں كتا اجرو ثواب اور كس قدر فوائد ہيں كئى وجوہ سے وراگرجوان كلمات سے حضو عليال برم بردر و وجي غاجواب سے منقول ہيں۔ يہ بيس زيا وہ اجرو تواب كا باعث ہے بنسبت و درسرے الفاظ كے جوغير منقول ہيں۔ يہ رضعيل، ہے جوال ترتعالی نے ميرے اقص ذہن پر واضح فرائی، اورسب تعرفیت الند تعالی پرورد كارعالميان كے يہے ہے۔ جو كھوسي نے ذكر كياسب كاسب معترض جواب مين ميں مبلك السب معترض على الند تعالی پرورد كارعالميان كے يہے ہے۔ جو كھوسي نے ذكر كياسب كاسب معترض حواب مين ميں مبلك السب محترض على اللہ عالی مبلك اللہ عند اللہ اللہ اللہ عند اللہ

ميسري نبسيه

اس ارس میں کراڈ کارو درود کے سلسد میں جمتعین تعداد آئی ہے کیا صلوم مول : نواب ہے لیے پیشرط ہے ؟ اینیں ؟ درود شریف سے بھے کھات کے ساتھ ذکر ہوتا ہے کہ جو کوئی ان کھاست کو فاص تعداد میں پڑھے گا ، اس سے یہے آنا

آنا تواب ہے . یونمی بعض اوراد کے بارے میں آیا ہے وابسوال یہ ہے کونم رہ تعلاد سے کم ازیاد و پڑھے والا اس اجرو توا کی مستی ہوگا یا نہیں حبرکا وعدہ منعین تعداد بردیاگیا ہے۔ بارے کم بازیا دو پڑھے والا اس اجرو توا کی مستی ہوگا یا نہیں ہوگا یا نہیں ہوگا یا نہیں ہوگا یا تعداد فدکورہ میں فلطی کا آریکا ب اس کے تعداد فدکورہ میں فلطی کا آریکا ب کیا ہے ۔

الس كاجواب وه جعجوا ما م إن جربيتمي في ابني كتاب التعف شوح جواب المنهاج بن باب شروط العلوة "مين نبية كعنوان سه ديا. فرمایا متاخرین میں اس بات پرمبت اختلاف بر گراکجس دمی نے روایات میں اسے والى تعداد مين اصنا فدكر ديا مثلاً مع مرتبه سنجمان الله برصدي ، القرافي في كما كمروه كيونكديه بدادبي سهداس كى دليل ير بدكرير دواً،جب مقدارمين اضافهرويا توبيارى بن جائے گی۔نیزیے چائی ہے بجب اس کے دندانوں میں زیادتی ہو گی۔ تو مالانہیں محلے گا۔ ووسروں نے کہاکدزیا دتی کی صورت میں مضوص اجرو تواب عاصل ہوگا۔ زین عراقی سے كلام كامتنفنى بمى اسى قول كى ترجيح ہے كيونكداصل برعمل كرنے سے تواب بتا ہے ، تو اپنی طرفت سے زیا دہ پر مضنے سے تواب کیسے خنا تُے ہوجا شے گا ؟ ابن العما د نے بھی اسی ہِ احمادكيا ہے، بلكرزور ديا ہے كيتے ہيں اس صورت ميں تواب بونے كاعتيده ركمنا جائز نهين كيونكديد كهنا بلادليل سي مبكدوليل الس كار دكرتى سي- اور ده الله كايه قول بر مِنْ جَارً بِالْحَسَنَةِ مِسْلَة عَرَاكِ الْمُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ عَشَدُ آمُثَالِهَا۔ یے اس کی دس گٹا اجسر ہے "

یرعام ہے۔ القسوا فی کوار مضوص عدد کا مازمعلوم نہیں ہوسکا یعنی م م بارسبھان اللہ کمنا۔
سم ار الحسمد دللہ برصنا اور م م بار الله اکسبر کمنا یعنی ایک عدد برصاک کاکرننو
بورے ہوجائیں۔ اس میں رازیہ ہے کہ اللہ تقالیٰ کے کل نام ۹ ایس ۔ یہ یا تو ذاتی ہیں
بعدے الله الله میں جسے کہ براجمالی میں جسسن بیں بسینے ام کے لیے
بعدے الله الله میں جسے کہ براجمالی میں جسسن بیں بسینے ام کے لیے

سعان الله به جزئز مير ذات كي ب و دوسرے كي الله اكبر بي سير كے بيے المعدی يونكرينعتوں كاتما ساكرتا ہے تيسرے ميں الله اكبر يالا إلله الدَّالله و حسد كالاشريك كسب - اخرك ، كافا فركياكيا ، اس ي كركماكيا بكرسونام ، اسم اعظم مع محمل بوتين ، جواسات جلاليدمين واخل ب يميى كماكيا ہے كديد دوسرى بات نقل كے لحاظ سے زمادہ صبح ہے بيمراس قول سے فال نے ایسا انسکال میں کر دیا جو ختیقت میں انسکال نہیں ، بیر اس میں نبوت مدعی کی دلیل ہے وہ الله المال يكرروايات بين الس تعداد سي كم وبيش كا ذكر ي ب-بیجیش، گیاره ، رسن بین ، اکهتر، ننو بسیمین اور مین اور این او كوتعبدى ندمانا جائے ول يدكها جاسكتا ہے كد مذكورہ تعداد ميں سے كسى ايك كوانيا لینا امرتعبدی ہے۔ کیونکہ ہرتعدا و تربیت میں وار دیے جب کہ ماری گفتگوا ان کما كے بارے میں ہے ، جو تر بعیت میں است نہیں ، جھر شام كا تفاق سے يم خوم ملتاج كرحبب ووروا يتول ميں اختلاف بهوجائے توان ميں تطبيق كرنى چاہيئے بنتلاننو كو كيجير يالدَ إله الله الله عضم كرنا، يس بترب كردونون برختم كرايا جائے. اس میں احتیاط بھی ہے اور ممن حدیک منتقول برعمل میں اس کی مثال دعا مے تشد میں -ظَلَنْتُ نَفْسِنَى ظُلْمًا كَتَشِيرًا كَ الفاظهِين ايك روايت سي لفظ كَتَبِيرًا بأموعده كماتعانا باورايك روايت مي كينسين أنامنن كم ماته بهتر میں ہے کہ دونوں کو جمع کو لیا جائے العسز ابن جماعة نے اس کا مدکیا ہے جما ردیں نے اپنے مامشیر الفیاح بہمٹ دُعا نے یوم عرفہ میں کھا ہے۔ بعض علما نے اس بات كوترج وي كريو صنے وال الرينيت كر نے كد واقع ميں جا ال كم حضور عليہ السلام سے منقول ہے اس کی تعیل کررہا ہوں اور اس کے بعدج بھے ہے اپنی طون

سے اعنا فرکر رہا ہوں ۔ تو دونوں کا تواب ملے گا درزمیس و بسے اس سے بترایک ا ورتفسيل سب وه يركه اكرا ضافه كسي قسم كتمك كى وجر سے كرر كم يا اصلف كوعيا دت سمح رما سے توجا زنميں كيزى درخيفت وه شارع عليالسلام كي علطي كاازاله كررما ب جوجا تزمنين يسحفه كي عبارت ختم بوكي-كتاب افضل الصلوت كاتراسطوان وروديه ب اللهم ما ما مكانة كَامِلَةٌ وَسَلِمْ سَلَومًا تَامَثُ " آخرتك، است إروشى في ابنى كمّا بكوزالك وار سين ان الفاظ سے ذكركيا ہے على تيج تنحسل سيد العمسك نه نفظ محد ذكركيانه يه الفاظ يِعَدَدِ كُلِّ مَعْسَلُومِ تَكْتَ واوركهاكه يه ورُود شریف عارف بالترسیدی ابراسم اری رصنی الترعنه کی طرف منسوب سے-اور مغرب میں درود ناریر کے نام سے متھور سے بیکامل درودوں میں سے ہے بستھورہ معروف اورتمام لوگول مين معول ومتداول بي كدج شخص اسے جار بوار مرتب براه ك اور بجراللهٔ تعالى سے اپنى ماجت مانگے تو پورى بو گی خوا ه كو تى بجى ماجت بو اورائس كالبحرب كما جاجيكا بديمي كماكيا بسي كرجس فيحبب بجي است برطعاس کے پاکس اللہ کے ہاں سے کشاکش صنروراً تی بیں نے یہ درُود مشرلیت اپنی کمآب انعنل الصلوت مين حزينة الدسسوار مؤلف شيخ تمخ وحى نازلى كيحوالهس نقل کیا ہے۔ انہوں نے دروونازیہ کے نام سے ذکر کیا ہے۔ یہ ناریہ کی جسگہ تحریب ہے۔ اورلفظ محرکو انہول نے بیا لغظ نبی کونہیں لیا ۔ میں نے وہال جیسے ويكهانقل كرديا ميح واى بصح مين فيها نقل كرديا بعدين إينا ول تواس طرف مائل ہے كد لفظ محرى بوا ور لفظ بى بى بويوں كيے ستيد ما معت بندي النَّبِيّ آتُ ذِي شَخُلُ بِهِ الْعُقَدَ لِي يَصِ . سَيَدِ نَالْحَكَدِ ٱلسَّذِي مَنْحَلُ بِهِ الْعُقَدُ-

میحے احادیث میں درود منرلیب کے لیے استعال ہونے والے الفاظ کی شرح میں

مهل محت لفظ اللهم معموم كيبان بل المردُ عابن كرت اس كامعنے ہے يا الله أسالة مم مرف ندا ريا ، كے عوض ہے ديس يونسين كه سكتة اللهم عفوس معيديم مثلاً بأل يول كدسكة بين اللهم أعفف إي والتحديق اس پر حرف ندا نا در بی آنا ہے۔ ندا کے وقت فاص طور پر سی کی بمز و کو قطعی مانا کیا ہے اس کالام پر کر کے پڑھا جا آ ہے اور اس پرمعرفہ ومعرف بالام) ہونے کے باوجود حرفت ندا داخل موجاتا سے امام حن بعری رحمة الله کے متعلق آیا ہے کدوہ پُول كهاكرت مع الله مُعَتميع السد عام الله دعاؤل كوجمع فران والد معفرت نفر بن ميل سيفتول ب كرص في كما اللها تواس في الله سيداس كم تمام الول كم ساته سوال كرايا " ابورجاعطاروى سے مروى ب كرانتها كى میم میں اللہ کے ناموں میں سے تنا نوے ام موجود ہیں۔ ووسرى بحسة المرامعن المامعن ال کمناجب اندکی طرف منسوب ہونواس کا معنے ہے پاک کرنا د تزکیر، فرشتوں کی طرف منسوب ہو تواستغفار ، زمخشش جا بنا) لوگوں کی طرف سے صلاق کا معنے ہے

دُعاد یه الما دردی نے کہا یہ نعظ کئ معنول پی شترک ہے۔ ظاہری ی ہے کہ اللہ کی طرف سے ہو تو و عاً فسیست ہو تو رصت . فرسی اس کے طرف سے ہم تعنقار اہل ایمان کی طرف سے ہو تو و عاً المام زمشری نے فرایا ۔ مسلاہ کا معنظ ہے رحمت و رافت اس سے ہو کو ل کا تو ل حسک تی ادالله و عکی ناتھ کی المام زمشری نے فرایا ۔ مسلو کا المسترک المام میں ہم تو ل ابوا نعالیہ کا قول ہے جو پہلے گزرچکا ہے کہ ادشتر کا اپنے نبی علیا سلام پر درود کا معنظ ہے مرکا رکی علمت و تعرفیت بیان کرنا ، فرشتوں و غیر کے درد د کا معنظ ہے ۔ اللہ تعالی سے اس کہ طلاب کرنا اور طلاب سے مرا داصل صلوۃ طلاب کرنا تہیں مبلے اس میں اضافہ طلاب کرنا ہے۔ قاضی عیا صن نے بحرفشیری کا قول تعلی کرنا تہیں مبلے اس میں اضافہ طلاب کرنا ہے۔ قاضی عیا من نے بحرفشیری کا قول تعلی کے ملا وہ دوسروں پر صلاۃ کا معنی ہے کہ اس میں اضافہ طلاب اور نبی علیا لسلام کے علاوہ دوسروں پر صلاۃ کا معنی ہے رحمت کرنا ۔ اس تقریر سے نبی علیا لسلام اور باتی اہل کسلام میں فرق ظاہرہ و کا اللہ فرا تا ہے : ر

آن الله و ملك كت ترجم: باتك الله اوراس ك تمام و مستنفى على النبي - فرشته اس غيب كي جري وين واله و مستنفى على النبي - فرشته اس غيب كي جري وين واله و به يرورو و بمين مين الله

حُوَالَدُی یُصَلِّیْ عَکیْکم ترج: وہی تو ہے جوتم پرصداته وَمَلِسُکَیُهُ ۔ بیجا ہے۔

اوریہ بات معلوم ہے کرچ در و دصنوعلیالسد م کی شان کے لاکق ہے اس کا درجہ دوسروں کی بنسبت بہت بند د برترہے - الحلیمی فیشوب الایمان میں کہا بھر بی راب میں میں میں میں میں الایمان میں کہا بھر بی ربان میں صلاته کا معنیٰ ہے تعظیم بہتین ومشور صلاته دنمان کو صلاته کا ام اس یے دیا گئے ہے کیونکہ اس میں نمازی جسکتا ہے دیا گئے ہے کیونکہ اس میں نمازی جسکتا ہے دیا گئے ہے کیونکہ اس میں نمازی جسکتا ہے دیا کہ کر میں میں اکر اس میں نمازی جسکتا ہے دیا کہ کر میں میں اکر اس میں نمازی جسکتا ہے دیا کہ کر میں میں الم

برے کودی کھ کرھیکا ہے توعاد تا اس کو تعظیم و تو کیم ہی مجعا جا ا ہے بیمروگوں نے نماز میں ہونے والی قرائت کو مجی صلاۃ کانام دے دیا جب کرعمواً قیام ، تعود ، رسجود) ونيرومين رب كى تعظيم سے بچرعلماً نے الس ميں وسعت بيداكر دى اور دُ عاكومجي صلاة كنف فظ يملس مي محرف سے دعا كى جلت اس كى تعظيم ہوتى ہے اورائس كى طرف يعبت ہوتی ہے۔ اس میں اس چیز کی عظمت ٹابت ہوتی ہے جس کے حصول کی وعا مانکی عائے۔ كيونك وبهى چيزمانكي جاتى سے ،جس كى خواہش بومثلاً الملاكا فضل اور الس كى نظر كرم -يس التدكي يلے صلوات كامعنى وه اذكار بين ، جن ميں اس ذات كى تعظيم كا اظهار ہو، اور اس کی مبلالت شان کا اعتراف ہو۔ اور مبند مرتبت ہونے کا اعلان ہو۔ ان تمام باتوں كاختيقى حتىدار الله لقاليٰ ہے۔ اس كے سوايد استحاق ذاتى كسى اور كو طامل مين بيم جب بم كت بين أكثف م سكر عسك عسك محسسة والتي عارى مراد ہوتی ہے۔اسے المترمحد صلی التر طلیہ وسلم کو دنیا میں بڑائی عطافر ما ، ان کا ذکر ملبذ كر- ان سكه دين كوغلبر دسے كر، اوران كي شريعت كومحفوظ ونا فذفر باكر، اورا خرستيں أتمست (مبحة بمام أتمت سحبيلے) ان كاشفاعت قبول فرماكر، اورماج عظيم عطا فرماكو، المتواسب سے کر۔ ا ورمقام محود پر فا نز کر سے مہلوں مجیلوں سب پر ا ن کی فعنیلت آشکا ا كرك اورتمام مقربين برجموج وبول كے ال كومقدم فراكر، فرا يك يرتمام كالات الرج الترتعالي في اين محبوب كود بهاري دُعا كرينيري عطافها دين بي ايكن ان میں سے ہر کمال میں کئی درجات ومراتب میں، توممی ہے کرجب کوئی اُتنی سکار مردرود بيجا بعادماس كى يردعا قبول بوجاتى بع تونى علياسلام ك انتمام كمالات وففنائل بين جن كانهم ف ذكركيا بت ، ترقى واطنا ذكرديا جائے - للذا يه در و د فتربین بمی ان اعمال میں شامل ہوگیا ،جن سیمقصو د بحضورعلیہ سیم کاحتی اداکرنا سے اجتمام وجائے اور اس کے ذریعہ الترتعالیٰ کا قریب ماصل ہوگا۔ یہ دلیل بوائے

> الله تعالی فرا است : -اُوْلَیِکَ عَلَیْتُ عِلْمُ صَلاٰتُ ان پرانٹر کی دِمْتِیں اور برکتیں ؟ مِینُ تَدَ بِیھِ خُر وَسَاحُدَ ہُوْ۔ مِینُ تَدَ بِیھِ خُر وَسَاحُدَ ہُوْ۔

کوالٹر، فرشتوں اور اہلِ ایمان جنیں درود کوسلام بیجینے کا حکم ہوا ہے تینوں کے یے ایک ہی معنی میں استعمال کرنا جائز ہے مسلاۃ کامعنی اگرچہ رقمت ہے بیکن اس بات میں علماً نے اختلاف کیا ہے برکہ

آینی علیالسلام کے یے لفظر جمت سے دعا مالکا جائز ہے وا مام مستيم نووى شرخ سمين فرات بين الان عادة ين بى علىالسلام برر مت كا ذكر مين أيا، بالعض غريب صديقول مين أناب، فرايا كربها ر مصنيوح في اس بار سيس اختلاف كيا سي كراي انبي عليه السلام كے يك كرات کی دعا مانگا جائز ہے ، بعض اس طرف کئے ہیں کہ ا جائز ہے یہی ندم سے مخار ہے ابوهم بن عبدالبركا، وومرول نے اسے جائز قرار دیا ہے اور میں مزیب ہے ابو مُحَدِّنِ الوزيدكا - اكثريت (نا جائز كيف والول) كى دليل يد ب كرنبى عليالسلام ك ا بنے اوپر درو و بڑھنے کی تعلیم دی ہے اس میں رحمت کا ذکر نہیں، اور مذہب مخار میں ہے کدر حمت کا ذکرنہ کیا جائے الج ابن حرف الدرالمنفنو دیس فرما یا۔ جان لیجے كرما فظابن مبدابراس طرف كئے ہيں كرصنور علياسلام سے بيلے رحمت كى دُعا مانكا منع ہے۔ آفی علما نے ان کار دکیا ہے ، کیونکر صبحے عدیثوں میں اس کا ثبوت ہے جن مِن سے مِبِحِ ترمدیث تشدر ہے ۔ اکستے کا مُ عکن کے آیک النَّ بِيَّ وَرَحْمَةُ اللَّهِ ، ايك دليل اس اعرابي كا قول ب الله عنه من أستحسن في واكر حسنه محسك اللي مجديدا ورمحتر مرم فرمام اورحضوعليسلام فيه اس برانكار نهين فرطيا - يَوْمَى حفوظ علي السلام كافرط ن اللَّه اللَّه اللَّه السُّكَالُكَ دَحْمَدَةً مِنْ عِنْ حِنْ وَكُ ٱللَّهِ مَنْ أَرْجُوْ مَا حُمَدَ كَاحَبُ كُا باقيركم برخست كآستغثث

ا ام ثنانعی کے درمالہ کے خطبہ میں ہے حسّلی اللہ عکیت وید حسم و

كَدَّة وانعَسَتَر- الم مثانعي كے كلام كامعتفیٰ ایسا ہی ہے جیسے صدیث تشہد كهس مين مائز سي كدلفظ صلاة وسلام كوطايا جائے ورت تشهدمائز تهين اس إت كو سب نے اختیارکیا ہے۔ بلکہ قاضی عیامن نے الدکھال میں جہور کامسک بہی قال كيا ہے - القرطبى نے كهايمي صبح سے اورا مام غزالى نے ايك كو ذكر كونا كاجاكز قرارويا ے، فرما المحض رحمت مجینا جا ترجیس الله کا قرمان اس بردلیل ہے۔ لَا يَجُعُكُوا دُعَاً مَا لَتَ السَّوْلُ مِن ترمِه: رسول كواس طرق دعاميانين ك بَيْنَكُمُ وَكُو عَمَاءِ مِتْ بِكَارِهِ بِسِي ٱلْمِسْ مِن الْمِهِ وَمَرَّمَ بَعْضِكُمْ بَعْصَا - كويكارت بو" صلاة كامعنى الرجد رحمت ب، مكر صنوعليالسلام اس سلسلين ووسرم فيول كى طرح خعوصی تعظیم و تحریم سے نواز سے کئے میں اور ان کابندم تبدوسرول سے متاز كياكيا ہے۔التدكی ان برصلات وسلام ہو،كرصلات ان كے حق ميں محض رحمت سے معنی مین میں بائد خاص معنی مراد ہے ہاں اعرابی کا ظاہری قول جو گذر جیکا کر اللی مجمید اور محديدهم فرماء اورصنوعليس كآتأ سُيد فرمانا بصنوعليلسلام كے يے رحمت كى دعا ما سكنے كاتبوت مهياكرتا ہے . اگرچاس كے ماتھ ورود وسلام كوند ملايا جائے يدوج صیح عدم ہوتی ہے ۔ حضورعلیالسلام کی تائید خاص ہے لہذاالس عام پر تقدم ہے۔ جُهُ بِت مُرِيدُلَة بَحُعَدُوْا وْتَعَارُ السَّوْسُولِ الْهِ بِين بِي مِناسب بِربِي مُرْمِن دوگوں نے صنورعایالسلام کے یلے صروت رحمت کی وُعاکومنع کیا ہے ان کامطلب یہ لیا جا سے کہ وہ رحمت جو باتی توگوں سے یہے حاصل ہے ویسی ہی رحمنت کاسوال صنورعديدسلام كے يك كرنامنع سے يا وہ رحمت جو بالا وبرتر درج كى نہو -منوعاً عنوعاً المسلام كے يائے زولِ رحمت كى دعا مانگی جاتی ہے مالانكرا بور سول خورسلا ارحمت میں ؟

و مساآت سکنگ الا شخصة المتعالمین بوناجی تواند کی ایک رحمت بیاس کے علاوہ بوالی ایک رحمت بیاس کے علاوہ اللہ کا بیار حمل کا رحمت بیال لانا جب اللہ سے صنور علیالسلام کے یا رحمت مانئی جاتی ہے تو دراصل دو مری قسم کی رحمتوں کا سوال ہوتا ہے۔

اللہ کی جاتی ہے تو دراصل دو مری قسم کی رحمتوں کا سوال ہوتا ہے۔

اللہ کی خاتی ہے تو دراصل دو مری قسم کی رحمتوں کا سوال ہوتا ہے۔

اللہ کی خاتی ہے تو مولف رحماد منٹر نے شرح العباب میں فرمایا ، الزر کشی نے الخادم بیل کہا ہے کہ علامرا بن عبوالتر ، ابوالقا سم اضاری شارح الارشا داور قاصنی عیاض میں کہا ہے کہ علامرا بن عبوالتر ، ابوالقا سم اضاری شارح الارشا داور قاصنی عیاض میں جمت میں رحمت کی منا منا کی ایم منا کی بیا ہے۔

دعا مانگنا منع ہے۔ ان صفرات پر بیا اعتراض وار د ہوتا ہے کو ایم بخاری نے ابنی صبح میں اعتراض وار د ہوتا ہے کو ایم بخاری نے ابنی صبح میں اعرا کی کا یہ قول نقل کیا ہے۔

میں اعرا کی کا یہ قول نقل کیا ہے۔

الله المراعة المراعة المستخدمة المراعة المراع

يررهم نه فرانا .

وصنورعدالسلام نے اسے فرایا : محتری کوئنگ ومحدود محتری کاسیعگار ترجمہ اور نے کسیع کوئنگ ومحدود کردیا ہے .

سین صنورعلیلسلام نے اپنے متعلق اس کی دعائے رحمت پراکارنہیں فرا یا بھرائس فرکورہ کول کارد کیا کہ ریخت ت عکف و میں نے صنور پر رحمت بھیجی نہیں کہنا چاہیے۔ فرای کہ نفظ رحمت صلاۃ کے معنی کومتھنمن ہے توجس طرح نفظ صلاۃ متعدی ہوستا ہے اسی طرح نفظ رحمت بھی تعدی ہوسکتا ہے اور اس سوال کا کہ تستی میں کتف کا معنی پایا جاتا ہے یہ جواب دیا کہ اس بیں یاس جیسے دوسرے انفاظ میں ج

مَن تكبد ينعنع أعلف كريفين أبلا مخصيص وتعين كريا أبه الكل لائد من المستعبد ينعنع أعلف كريفين أبلك وكردونون كامنى جمكان من محمراً والمراشقة والمكان وكردونون كامنى جمكان من محمراً و ماكرين بونا، الزيشي كا قول ختم بوا -

ر تجفیلو المقار التوسول وعادبان آبس میں المتحقیلو التوسول کی وعادبان آبس میں المتحقیلو التحقیلو التحقیل التحق

الارشا دكين رح الجالقاسم النسارى نے كما يد وعا صلاة كى صورت ميں توجانز ب تنها بائز نهيں احفاف كى كما بول ميں سے ذخيره مير كو كركے حوالہ سے اس كى وجيد كلى بے كراس بين نقص كا اتحال ہے كيؤكر عام طور پر رحمت كى دُعا قابل طامت كام كر مے والے كے ليے مائلی جاتی ہے - رہا اعرابی كا قول اور ميجيس ميں اس كی حدیث : اللہ منظم الرحم ني قارمة من محمد منظم الله عجد پراور محمد بررحم فرط -

سواس کا جواب یہ دیا جا کا ہے کہ اس میں صنور طلیائسلام کے یہے از الرست میں مصلے کے ابعے کر کے دعا ماگل گئی ہے و براہ راست نہیں) رہا ابوداؤد

كى مديث يس صنور عليات الم كابد فوان جود وسجدون بيراب فراياكرت تعصر : ر مدا ويسرد علي كابد فوان جود وسجدون بيراب فراياكرت تعصر : م اللهم الفيد لي كارت شني - ياالله مجه بخش دے اور مجد بررح فرا-

ہارے نیخ نے فرایا ، عافظ ابن عبدالبر براعتراض نہیں کیا جاسکنا کرانہوں نے صوعلیہ السلام کے بیے رقمت و نظا بن کے فرایا ہے کی نوی یہ صدیت نوٹر بیت کی تشریح اور اُست کی تعلیم کے بے رقمت کو نظا ہے کہ نوی یہ صدیت نوٹر بیت کی تشریح اور اُست کی تعلیم کے بار بی تعلیم کے ایسے تفام بروہ کس طرح دعا ما کھا کریں نیز اس میں حقو سلید السلام کی ایت رہ کے جمع کو نشری کا اظہار ہے ۔ رو گئے ہم ، تو بھر جن اس میں اس من فاسلاق کی ایت رہ بری کا اظہار ہے اور کا ہے کر اس میں اس من فاسلاق کی ایک منطب اور کو کت کا اظہار ہے اور ہیں کا بری آپ کی ایک و عظمت اس کی نایا ب کا اور کا رہ اس میں اس کی نایک موافقت کی ہے اس الافنی نیضر میں میں تقل کیا ہے اور نودی سات الافنی نیضر میں نقل کیا ہے اور نودی سات الافنی نیضر میں نقل کیا ہے اور نودی سات الافنی نیضر میں نقل کیا ہے اور نودی سے الافنی اس کی نائیس کی دور نوانوں کی نائیس کی نا

مرى برخت نبى بالمشيخ كم مركم المركم ا

ا در اگر اس سے اسم منعول منتق ہو، تو معنے ہو گاجس بریجنزت اور باربار قعل واقع ہو۔ یا دہ ذات جوسيك بعددير سعمدونا كالمستى بوكها جانا ب (محد) اس كى بار بارتعربين كى كئى- ده رمحت، لینی باربار تعربیت کاستنی ہے بیسے کہا جاتا ہے دفعومعلم) اسے سکھایا گیا وہ (معلم) يعنى سكها يا بواب - يعلم بهي ب اورصغت بمي حفورعليالسلام برجب بولا جائے گا توانس میں دونوں بائیں جمع ہول کی اگرچر بہترے دوسرے لوگوں کا تھی یہ نام رکھا جآنا ہے، مگرو ہاں صرفت علم ہوتا ہے میمی حال ہے الشرتعانی کے امول کا-اوراس کی كتاب اوراكس كينى عليالسلام كے نامول كا يكر برسىب علم ميں اور ايسے اوصاف پر ولالت كرت ين جوال مينول كى ذات ميل إ ك جات مين اوران مين كے خلافت تهيں سبخلاف باقى مخلوق كے امول كے بيس وہ الشر الخابق الباري المفتور العقائر" سے بینام جنمعنوں پر دلالت كرتے ہيں وہ الله كی صفيس ہيں كوسمی القران الفرقان الكتاب البيين " تحرآن كے نام تعبی ہیں اور الس كی صفات بردلاكت بھی كريتے ہيں۔ اسى طرح نبى عليالسلام كے نام معجب سدواحمد والماحى" جبير بن مطعم منى الترعة من جو حديث نبي عليالسلام سے روايت كى ہے اس ميں ہے ، نال ان لی اسماع انامحسد و انا میں محتربوں ، میں احسر بھول میں وُہ محکرنے والا ہول جس کے ذریعے اللہ تعالیٰ گفر کومٹا تا ہے "

سونبی کریم علیالسلام نے پراسماُ ذکر فرائے خواس خصوصی فضیدت کو واضح کر رہے ہیں۔ جواللّہ نے صنور کوعطا فرائی ، اور ان الغاظ کے معاتی کی طرف اشارہ فروایا ، وہ اگر بے معنی علم ہوتے توضور علیالسلام کی مرح پر دلالت تکرتے ، (تب ان کا فکر فنول ہوتا ، معا ذائلہ) اسی ہے تو صفرت جسان بن تابت رضی انڈون نے کہا ہے : سے وشنی لہ من اُسِمِ لِی کِیجَالُه فلا العرش محود و حکار الحصمد

ترجه المند خصنور علياسلام كانام النين ام مصنتی كبا آنكداسے بزرگی بخف اب عرش والا تومحود ہے اور بدمخد ہیں ''

جب يه بات أبت بوكئ توصنور عليالسلام كاينام الحقر الس يدركها كيا ب كرينام مُبارک اینے مسمی تعین حمد برستل ہے ۔ بس صنور علیالسلام اللہ کے ماں مجم محمود ہیں و تستول کے ہا رہمی اپنے بھا کیول بعنی تمام رسُولوں کے ہاں بھی محمود د قابلِستانش اہیں او یمام الم زمین کے نزدیک مجم محمود ہیں۔ اگر چیعن زمین والول نے سرکار کا ایکار کیا ہے جیوکھ صنو عدالسلام کی ذات با برکات میں حوصفات یا کی جاتی ہیں، ہر عمل مند کے نزدیک و الله تعربیت ہیں۔ اگرچہ کو کی شخص غرور ، عنا دیا جہالت کی بنا پر حضور علیالسلام کے يے ان كا انكاركرتے بھرے -اگرا مصعلوم ہوجائے كركسكر ران اوصاف سے تصف ہیں تومصروف تعربیت و توصیعت ہوجا ہے جمیو بحدوہ استخص کی تعربیت توکراہے۔ جوان صفات مصنصف ہے ما رحضورعلیالسلام میں ان سفات کا ہونا اسے علوم ہیں توحيقت مين وه صنورعلياك لام بي كأننا كومُوا وطنورعليالسلام صفت ممدست السس طرح مختص میں کرکسی اور میں میفهوم جمع نہیں ، آپ محترمیں ، احمد میں کی امت والی وال جودتسج وراحت ميں اللہ كى حمد كرتے ہيں۔ اُمّت كى نماز د 9) حمد سے شوع ہوتی ہے۔ آبی خطبہ حمد سے شروع ہونا ہے آپ کی کنا بے حدسے شروع ہوتی ہے۔ اللہ مے بال اوج محفوظ میں ایسا ہی ہے صنور علی السلام کے فکفاً اورصابہ کرام نے قرآن مجید كهانوا بتذاحمد سے كى حضورعليات لام كے إتحد ميں قيامت كے دن دلوالحمر) ر حمد کا پرجم) ہوگا اورجب نتفاعت کے یالے لینے رب کے صنور سجد کریں گے اور اس اسدين أب كوا جازت بوكى توايس كلمات سے الله كى حمد وَنناكري محجواسى وقت الله السير كوك و المام مود كا ماك بين بي المالي المالي المالي المالي المالي المالي المالي المالي المالي الم نیک سریں گے. اللہ تعالیٰ کا فرا ن ہے:

ترجمہ: اور رات کا کچھ وقت اس کی عباق میں جاگ کر گذار و یہ تمہارے سیانے دائد نماز ہے بعنقریب بمیں تمہارا پروردگار مقام محمود پرفائز کرے گائ وُصِنُ اللَّيُلِ فَتَحَصَّحَدُ بِهِ فَارِلَمَةَ لَكَّ عُسَلَى أَنْ يَبِعُ ثَنْكَ كُتِبِمِكَ مُعَلَّى أَنْ يَبِعُ ثَنْكَ كُتِبِمِكَ مُقَامًّا مُنْ أَنْ يَبِعُ ثَنْكَ كُتِبِمِكَ مُقَامًّا مُنْ تَحْسَمُو وَأَ

جب آپ السمتمام برفائز ہول گے تومیسان محشروا لےسب حنور کی حمدوُنا کڑی گئے۔ كيسلمان كياكا فركيا بيلے كيا بيچھے بيس صنوعليات وم محود لائق حمد ابيں اكدانهي كے ذربعے زمین ہدایت ، ایمان علم منیدا ورنیک عمل سے پُر ہوئی . انہی سے دل کھلے اور اہل زمین سے اندھیرے کا فور ہوئے۔ آب ہی نے ان کوشیطان سے جیگل سے آزاد کیا یعنی اختر کے ساتھ مترکیے عمرانا - اس کا اکارکونا - اس سے بے خبر ہونا - بہال مک کو اکس سے ہے۔ سے علاموں نے ذبیا واخرت کا ترف یا یاکہ آپ کی رسالت نے زمین والول کو ودسب کچه دیا جس کی انهیں صنرورت سے کیونکہ وہ بمت پیستوں ،صلیب پیستوں ،اتش پرستوں ، ستارہ پرستوں اور فدا سے غنسب زدہ ہوگاں میں مٹمک رہے تھے جن ہرابار اللّٰه كا غضب نازل بهوا يمركرُ دان شمع ، ندرب كوبيجا نين حبى كى بندگى كرسكيں اور ندا دا بندگی ہی جانیں وگ ایک دوسرے کو کھا رہے تھے۔ جے کوئی جیزیسندا جاتی اسی كى طرحت بلاً، جواس كى مخالفت كرمًا اس سے دليجا-زمين پر قدم بمبرجك توكر رسالت سے متور تهمعي بيرابيترتعالى فيصابل زمين عربول اورعجيول كوديحا اتودين ميح كميجند بيع يصحا أكركو جيور كرسجى بينا راحل بمواديس التدتعاني في المستصفور صلى الترعليدوسم كے ذريعے بمام ملحول اور بندوں کوسیارب کیا الہ سے اندھیروں کوختم کیا اور مری ہوئی مخلوق کوزند کی کمنتی مگاہی سے ہدایت اورجهالت کی جرد علم بخشا مِنت کو کشرت اور دِنت سے بعد عِرّت عطا کی-غربت کی جن خوشالی دی بحنورعلیالسلام سے ذریعے اندصی انکھول کوبدیائی بہرسے کا نول ا ورغلا من چرکے ہوؤں کوشنوائی نعیب ہوئی ہوگوں کو ان کے رہب ا ورمعبود کی وہم پیال کما جوا خری درجه کامعرفت ده عاصل کر سکتے تھے . اس کی ذات، صفات اور افعال سے ذکریں، ابتدا فراكي. بارباربات ومعراكي واختصارا ورطوالت وونو ل سي كام بيا بيهال تك كليماندار

ابوداؤد نے اپنی مراسیل میں صنورعلیالسلام کی یہ روایت نقل کی ہے کہ آپ سنے ایک میں مواث کے بہت کہ آپ سنے ایک میں مواث کے بہت کے ایک میں مواث کے بہت کے ایک میں اورات کا ایک محرا ادبیجا تو فرا یا بھسی وم سے گراہ ہونے کے بہت یہ بہت کا ایک میں اور کی بیروی کریں احد تعالیٰ یہ ہے جو کتا ہوں کے بیروی کریں احد تعالیٰ ایک میں میں بہت نازل فرائی ۔
نے اس کی تصدیق میں یہ بہت نازل فرائی ۔

ترجمبه: کیاان کو یہ کافی نمیں کہ ہم نے تم پر کتاب نازل کی ، جوان ہر بڑھی جاتی ہے بنے تسک ایس میں رحمت اور نصعہ میں مند کا میں میں مست اور

ذَيكِ لَرُحْمَةٌ قَدْ ذِكْرَ يَقَنُو مِ جِهِ بِنَهُ اِسْ مِن رحمت اور مُومِنُونَ يُومِنُونَ يَهُ الول كه يك. كُومِنُونَ يَهُ الول كه يك.

أولم يكفه مدأ أأنزكنا عكيك

الكِتَابَ ديتلي عَلَيْهِ حُدَالٌ في

اور صنوسطیالسلام نے ان کو وہ راستے بنائے جوان کو ان کے رب اس کی رضا ، اور اس کے مقام عظمت بھے بہنچائیں ، بس کوئی نیک حکم دیئے بغیر نرجیور ہی اور کوئی بڑائی منع کے بغیر نرجیور کی معام عظمت بھے بہنچائیں ، بس کوئی نیک حکم دیئے بغیر نرجیور سی اور کوئی بڑائی منع کے بغیر نرجیور کی جسا کہ نبی علیہ اس کا تمہین کم دیا ہے اور جو چریز تمہیں گل رجہتم ، کے قریب کرے میں نے اس سے تمہیں روکا ہے لا دیا ہوئے کراسان میں کوئی برند و بھی اگر اپنے برط تا ہے تو بہیں الس سے کسی چرز کا علم بارت جا اس مال میں و تو بہا اس مال میں و تو بہا کہ اس مال میں و تو بہا کہ اس مال میں و تو بہا اس کے اور میں الس سے کسی چرز کا علم بارت جا اس کے در میں رعان کو ان کے رب کے صنور میشی کا حال بھر بنا و یا ، اور کھل ہے اور مینور علایسلام نے ان کو ان کے رب کے صنور میشی کا حال بھر بنا و یا ، اور کھل

بنا دیا کر بات کمول دی اور وانع کر دی بندول کوفائد و دینے والا اوران کوان سے رب کے قریب کرتے والا ہو کا کہ دوازہ کمول دیا اور جُوشکاتھی۔ اسے وضاحت سے بیان کر دیا ۔ بیان کک کہ گرا و دنوں کو ہوایت دی اور بیار ولوں کو اس سے شفاعطاً کی اوران کو دیا ۔ بیان کک کہ گرا و دنوں کو ہوایت دی اور بیار ولوں کو اس سے شفاعطاً کی اوران کے صدیحے جا ہوں کی قربا و رسی فرائی ۔ نو بھران سے بڑھ کرکون سا انسان ام محمد سے مرسی کی بوتے کا زیا وہ تقدار ہے ؟ وصلی الشرعلیہ ولم ، الشدان کو اقت کی طرف سے بڑکی سے بڑی جزاعطا فرائے۔ وو تو لوں میں سے سے جو ترقول یہ ہے کہ فرمان بادی :

جزاعطا فرائے۔ و تو لوں میں سے سے جو ترقول یہ ہے کہ فرمان بادی :

وَمَا اَرُسَلْنَا لَکَ اِلْاَرْحُسَدَ مُنْ مَرْدَ : میسب ہم نے تمین جہال والوں یہ نے کہ نے کہاں والوں سے شاکھی جا سے الکھی جا سے سے کے یہ محض رحمت بنا کرچھ جا ہے۔

یلف کئیس ۔ سے ایکھی اس کے یہ محض رحمت بنا کرچھ جا ہے۔

یلف کئیس ۔ سے اللہ کو میں سے سے میں میں محسن بنا کرچھ جا ہے۔

ا پنے عموم پر ہے۔ اس تقدیر پر اس میں دو وجہیں ہیں اوّل رحمتہ للعالمیں کامفہوم برحمتہ للعالمیں میں موسی است سے استقدیر پر اس میں دو وجہیں ہیں اوّل فائده ہوا ہے جصنور سے غلاموں کو اس طرح کہ نہوں نے آپ سے صدیعے دنیا وا خرت کی عِرْت بِائَى بَابِ كَے تِمنوں اور المنے والوں كويوں كدان كومبلدقتل كروا ديا ، اوران كاموت ان کی زندگی سے ال کے حق میں زیا وہ بہترہے کیونکہ زندگی ان کے اخروسی عنداب میں شدت کا باعث ہے کہ بریختی ان کا مقدر ہوچکی ہے ہیں گھڑیں طویل زندگی بسسر کرنے سے جلدی مُر جانان كے يلے زياده بهترہے۔ رہے آب سے معاہدہ كرنے والے ، تووہ دنيا يل آب سے زیرسا یہ ، آپ کے وعدے اور وقے واری میں زندہ رہے اور صفورسے لوئے والول کی برنسبت کم ترجزائم میں متوشت ہُوئے۔ رہے منافق، تومعن زیانی اظہا رایما ہ سے ان کو مان دمال اوراع زنت وابرو كانسحفظ مل كباورميات وغير مين ان ميسلمانول كم احكام جارى بُوسَے اور رہ گئے دُور دراز ہسنے والی تومیں، توافشد تعالیٰ نے صنوعلیالسلام کوپیمی کم عام عذاب سے اہل زمین کوبیجا لیا۔ بیرصنورعلیالسلام کی رسالت سے تمام جما تو ل کوفاً میجا دوسرے یہ کرحنورعلیالسلام ہرا کیس سے یا رحمنت میں بیج مسلمانوں تا اس میت كوتبول كيا ور دنيا وآخرت بين اس سينفي مند بوك ورب كا فرتوان كے روكونے سے ان کے تق میں رحمت ہونے سے یہ خارج تونہیں ہوگئ میکن انہوں نے خو دہی اسے قبول نہ کیا۔

بیسے کما جا مے کراس ماری کی بردوا ہے۔اب اگرمریفن اس دواکواستعال ہی نرکرے ، تو یہ دوا ہونے سے خارج تونمیں ہوگی اورجن وجوہات کی بنا پر صنور علیالسلام کی تعربیت کی جاتی ہے۔ ال ميں سے ايک وجرو واخلا في كريمانداور عاوات بسنديده بيں جن براللد تعالیٰ نے حضو عليہ السلام كوبيدا فرايا كرجس أدمى ني اب كے ابتھے اخلاق اور بہترين عا دات كو ديكھالت یقین ہوگیا کہ آب ہی مخلوق میں بہترین اخلاق اور سین ترین عا دات سے مالک ہیں بنی علایسان تمام مخوق میں سب سے بڑے عالم ، سب سے بڑے امانت دار ، سب سے بڑھے ہا كنے والے اسب سے بڑے برداشت والے اسب نسے زیادہ جودوسخاوا ہے اسب بڑے بوجہ اٹھانے والے ،بڑے معا ف کرنے والے ، اوربڑے بختنے والے ہیں بخت ترین جہالت مے مظامرے پر بھی زیادہ برداشت کائی اظہار فرماتے۔ جبساکدا مام بنجاری نے حضرت علق بن عمرو رضى الله عندى روايت سعايني صبح مين نقل كيا سب كدا: تورات میں رسول الشمطى الشدعليدو لم كاصفت اس طرح محكم محكرمبر سے بندے اور يُسول مين بين في ان كانام دمتوكل ، ركها لميد ، ترض رُو، ندسخت دل ، ندازارون میں شور میا نے والے ۔ ند بُرائی کا بدلد بُراکی سے دینے والے . بلکمعاف فراتے اور بخش ويتقبين اورجب ككمين ان مح ذريلع براهد دين كوفيح حال بين قائم ندكر لون المريى م بحول كومينا يذكر دُول بهرس كا تول كو تسنف والا اوربر دول بين بليت ولول كومنور ندكر دُول، ان كوموت نه دُول كايمان يم كول ركّ إله إلاّ الله) كافرا يركس اور حضور عديدلسلام سبب ست برطد كرمخلوق بررحم وشفقت فرما نے والے بي اور دين و ديا میں مخلوق کوسب سے زیادہ فائد و مہنجانے والے میں اللہ کی مخلوق میں قضیح تراور کہیمانی كومختفرترين مدتل الغاظ ست تعبير فرمان والديم بيرمتما مات سبريس سب برصر كردك جانے والے بمیدان جگ میں سب سے بڑھ کر بیج بولنے اور سب سے بڑھ کرعمدو ذمنہ پورا کرنے والے بین بی کا براسب سے بڑھ چڑھ کر دینے والے ، مبت انکساری کرنے والے ،اپنی ذاشت پر دوسروں کوسب سے بڑھ کر ترجے وینے والے ،ساری مخلوق سے بمصركه بنصاتميول كي حايث كرنے والے اوربچانے والے جس چيز كا حتم ملا الس يرسب

منوق ے بڑھ کرقائم رہنے والے او پیزے منع کیا گیا اسے سب سے زیا وہ چھوڑ نے والے مخلوق بسرسب سيزياده رهم سے پشتوں كوجوڑنے واسلے بي جنرت علي نف فرايا ويمول التنصلى المترعليدوهم تمام توكول سے بڑے كرسنى ول بيتى زبان ، نرم لیج، بود وبائش میں سیسے برك كريم بن جواجا كك ديكوليتا ورجا اا درجو ما ن بها ن كرك كفل مل جا المحبت كرنے لكا يسركار كاصفت بيان كرف والاكتنابين في ال جيساندان سي يمط كو كى ويكما ندان کے بعد راجود دلمذاس) سیٹراد ہے نیک دلی اور بہت نیکی اور پر کرسخاوت کا كوياحيتمه تنها جوسكار كيسيدنه سيحيونها تتعااور مراجى عادت اس مين وحودتمنى اور مزيي نيا بيساكد بعض ابل علم نے كها كر دنيا بجري كوئى ايسى جيئنهيں جها ن سينة مصطفى صلے الله عليه ولم سے زیا دہ نیکی جمع ہو۔ اللہ نے تمام خیروخ فی جمع کرے سرکار کے سیندم کارک میں ودیعت فرما دى . اوريدج فرما ياكر كارتما مخلوق سے بره كويج بولنے والے تصصوب و وقي سے۔ جس كا قرار صنوسے لاتے والے وسمنوں نے جی ۔ کیا ہے۔ اس سلسل میں تمام وستوں نے جوشها دست آپ سے حق میں دی اسے توجھوڑ دو ، کسی دشمن کوہمی کسی ایک جموط کا تجرب كيى ذبنوا . رُوت زين كامل كماب اومُشركون في صنوعليالسلام سي طرح كاحتكير ر ا ورعر مجر مجر می نے جھوٹے بڑے ایک جھوٹ کا بھی آب کوطعینہ میں دیا یحضرت مسو بن مخرمہ کھتے ہیں میں نے اپنے ما موں ابوجبل سے کہا ماموں جان ! کیا آ سی محقد کے اس علان بوت سے پہلے کہی ان کو محبُوٹ کی تہمت لگاتے تھے۔ اس نے کہا بخدا، میرے بھیسے! د محقر ہارے بال جواتی میں اس سے بارے جاتے تھے۔ اب بڑھا بیے میں کب جوٹ بول سے ہیں؟ بیں نے کہا مامول جان ! بھرتم ان کی بیروی کیوں نہیں کرتے ؟ اس نے کہامیر بمانیح ابنی ہشم اور ہم میں زرگی کاجھڑا ہے۔ انہوں نے کھانا کھلایا اور سم نے کھلایا انہوں نے بلایا اور ہم نے بلایا انہوں نے بنا و دی اور ہم نے بنا و دی جب ہم نے گفتے فیک دیثے اور اس طرح ان کے گروی ہو گئے جیسے ممیار گھوڑا ممیراگروی ہے ۔ توانہوں نے کہانبی بم بين سے بين اب بهم ان كے اسكے يد دعوى كيسے ميش كرسكتے بين ۽ توان تد تعالیٰ نے اپ كو انسلی ولشفی دیتے ہوئے فرایا :ر

إِنّهُ لَيُحُونُكُ الَّذِي يَقُولُونَ فَا لَهُ عُولَاكِيَ لَوْ لَكَ ولِكُنّ الظّلِمِينَ إِلَيْ الله يَجْحُدُونَهِ وَلَقَدُ كُوْبَتُ رُصُلُ بِينَ تَبُلِثَ وَلَقَدُ كُوْبَتُ مُصَلًا مَاكُو يَوْدُولُونُ فَصَهُ بُولُواعِلَى مَاكُو يَوْدُولُونُ فَصَهُ بُولُولُ عِلَى مَاكُو يَوْدُولُونُ فَصَهُ بَوْلُ لِيكِيطِينَ اللّهِ فَوَلَا مُبَدِّلَ لِيكِيطِينَ اللّهِ وَلَقَدُ مُبَدِّلَ لِيكِيطِينَ اللّهِ وَلَقَدُ مُبَدِّلَ لِيكِيطِينَ اللّهِ وَلَقَدُ مُبَدِّلَ لِيكِيطِينَ اللّهِ وَلَقَدُ الْمُسُولُ سَلِينَ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهِ اللّهِ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهِ اللّهِ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّ

اوريرجوفر الاالنيم عريكة ، اسكامطلب سي اب نرم مزاج بي لوكول سے قريب ربتيب بهو دعوت د سالس كى دعوت قبول فرات ببل جواب سابنى حاجت مانتے اس کی حاجت پوری فراتے ہیں جوآب کے ارا دے سے آئے اس کی دل جوئی فواتے ہیں۔ ندمحروم کرتے ہیں ، نہ ہی امراد کر کے والیس کرتے ہیں جب صحا برکوام ایسے كسى بات كا اظهار كرتے ہيں توآب ان كى موافقت كرتے ہيں اوران كيمشورے كے بغيركسى باست براطنهي جات ببحدان سيصلط ومنتوره يلتة بين أب ان محنبكوكارو كى إت قبول فواشف اوربدكارول كومعاف فواست تحصيح فرط يا سايا الوصه عشرة اليى بسركرنے والے ، اسكامطلب يہ ہے كه اپنے جس سائھی كے ساتھ كذ كيسرفرا نے بہنرين كريماً بسرفران بيهره أقدس برطال مهيل لات تصحبات بيسحى نهيل فرات تصحاورانس چرہ مبارک پھیانسیں کرتے سے و زبان کی لغزشوں پر گرفت نہیں فراتے تھے و برتمیزی ہے كوئى بات بوجاتى اس يرموا فذه تهين فرط ت تصبلكدان كاندان والول سے أتهافى إصا فرما تدا وران كابجارى بوجد أتمات ربس ضوكى كذربسران كى تمام كاليب ومظالم بردا کڑا تھا -ان میں سے کسی پر زغصہ ہوتے ، نہ ملامت کرتے نہ اس کے کی ایسی بات فرا جوا سے الپندہو دیشر طیح شریعیت کا تقاضانہ ہو) جرایب سے گھل مل جا آ وہ آ یب

ی قربت و توجہ سے متا تر ہوکوکتا ہول آگے سب سے بڑھ کرمجوب ہول کرآپ انس کے مسکلہ کا انہام فرط سے انس کی ٹیرخواہی کوتے ۔ انس پراحمان فوا سے اور انس کی سختی کوبر داشت فوا سے تواس گذر بسسرسے بڑھ کوکریمانہ کون سی زندگی ہے۔ ؟

الم حسين صنى الدعنه كافران والدسه المنه من الله عدا المسام كم من الله عدا المسلم كم اخلاق کے بارے میں پوچھا تواہب نے فرایا، ہمیشہ ممکھ، اسان عادت، نرم بہلو۔ نہ ترکش و زعیب او سخت طبع، نه شورمچانے واسے، زفن گو، نہ ہےجاتعربیت کرنے واسے ہجس کی خواہش نہ ہوتی اس سے بے توجہ آپ کا امید وار کبھی ایوس ہوا نہ امراد بین باتوں سے اجتنا فرماتے۔ ندکسی کی بُرائی کرتے ، ندعیب لگاتے ، ندائس کی چیمی با توں کی ٹوہ میں ملکتے یہ وہی با كريت حس كتي واب كي الميدم و جب بات فوات يم نشين اس طرح كردنين مجل يلت بيسان كم مروں پربزدرے ہوں جب آپ خاموش ہوجا تے تب وہ بات کرتے۔ باہم گفت گوہیں جلد بازی ندکھ نے کوئی آ دمی آپ سے سامنے بات ممرًا سب خاموش ہوجا تے پہاں تک کہ وہ بات سے فارغ بروجاً ا رصحاب کمرام) کی تعتیراً بسر محصوا یسے بوتی جیسے پیلی ارتعتی کونے والے کی۔ ا به بمی اس بات پر ہنستے جس بر و ور سے ہنستے اور جس بریا تی لوگ خونش ہوتے آ ہے بھی خوش ہوتے۔ کوئی اجنبی ض برمیزی سے بات کرنا با بھرانگا تو آپ کے ساتھی اسے ہٹانے کی کوشسش کرتے فرما ياكرت حبب كسي ما جت مندكو ويحو توعطا كرو- صرف اس تعربيت كوقبول فرما تے جو اصان کے براے میں کرے جب یک کوئی بات ختم نزکر ہے ، بات ندکا متے بھرٹوکنا ہوتا تویامنع کرکے ٹوکتے مائٹھ کھونے ہوتے۔

یہ و فرایا کر جو تحض ہے کو اچا کہ دیمقا کر جاتا ، مرعوب ہوجا ا اورجان ہمچان کے بعد جو ہو ایک کے بعد جو ہے ہو ا جو ہے سے محل مل جاتا ، بیار کرنے لگاتا " یہ صنوعلیال لام کے دو وصف ہیں ، جن سے اقد تعالی کے بعد پیری اور محبت ہیں ، جن سے اقد تعالی پیری اور محبت ہے اور بیر فلوص بندوں کو موصوف فر آتا ہے ۔ بینی رعب اور محبت ہے ہے بررعب وحبت وحبت و دونوں کا نزول ہوتا ، لفذا جو دیمقنا مرعوب ہوجا ، اور اس کی بڑائی سے در نے لکتا ، اور اس کے موا و وجو لا سے محمل دل ہے جا و وجو ل سے محمل ایسے محمل دل ہے جا و وجو ل سے محرجا آتا ہے اور واقع میں کیوں نہ ہوتا ، اور جب اب سے محمل دل ہے جا و وجو ل سے محرجا آتا ہے اور اس میں کیوں نہ ہوتا ، اور جب اب سے محمل ا

چود کرد دسرساتر کیسافتیار کرلیت بین ان سے اسی مُخت کرتے بین جیسی ادارے ایمان والے بین وہ ادارے ایمان والے بین وہ سبب سے زیا دہ انڈرسے مُختت کرتین

تواد لله نے پینجبر دی ہے کرج کوئی اللہ کے سواکسی اور سے ایسی مجبت کرے مبیسی اللہ سے کمنی پیا ہیں تو اس نے اللہ کے ساتھ ترکیب عشرالیا جہنی لوگ جہنم میں اپنے معبود وں سے کہیں گئے۔ تَاللّٰهِ اِنْ کُنَّ لَوْمُ مَالُ کُمِ بِیْنِ ہِا اُو کُسُوبِکِ ہُ اِنْ کُسُوبِکِ ہُ اِنْ کُسُوبِکِ ہُ اِنْ کُسُوبِکِ ہِ اِنْ کُسُوبِکِ ہُ اِنْ کُسُوبِکِ ہُ اِنْ کُسُوبِکِ ہِ اِنْ کُسُوبِکِ ہُ اِنْ کُسُوبِکِ ہِ اِنْ کُسُوبِکِ ہِ اِنْ کُسُوبِکِ ہِ اِنْ کُسُوبِکِ ہِ اِنْ کُسِابِ ہِ مِن مِرور دُگا رعالمیا ن سے بابر بُرتِ اُنْ فَہُ مِن ہُ اِنْ کُسِابِہِ ہِ اِنْ کُسِابِہِ ہِ اِنْ کُسِابِہِ ہِ مِنْ مِن مِرور دُگا رعالمیا ن سے بابر مُنْ اِنْ مِنْ مِنْ اِنْ کُسِابِہِ اِنْ کُسِابِہِ ہِ اِنْ کُسُلِبِ اِنْ کُسِابِہِ ہِ مِنْ اِنْ کُسِابِہِ ہِ اِنْ کُسُلِبِ اِنْ کُسِلِبِ اِنْ کُسِلِبِ اِنْ کُسِلِبِ اِنْ کُسِلِبِ اِنْ کُسُلِ اِن کِسِلِبِ اِنْ کُسِلِبِ اِنْ کُسُلِبِ اِنْ کُسِلِبِ اِنْ کُسِلِبِ اِنْ کُسُلِبِ اِنْ کُسُلِبِ اِنْ کُسِلِ اِنْ کُسِلِبِ اِنْ کُسِلِ اِنْ کُسُلِبِ اِنْ کُسِلِبِ اِنْ کُسُلِ اِن کِسِلِ اِن کُسِلِ اِن کُسِلِ اِنْ کُسِلِ اِن کُسِلِمِ اِن کُسِلِمِ اِن کے بیابِ اِن کُسِلِمِ اِن کُسُلِمُ مِن مِن مِن مِن مِن اِن کُسِلِمِ اللّٰ اِن کُسِلِمِ اِنْ کُسُلِمِ اِنْ کُسِلِمِ اِنْ کُسِلِمِ اِن کُسُلِمِ اِن کُسِلِمِ اِن کُسُلِمِ اِنْ کُسُلِمِ اِن کُسِلِمِ اِنْ کُسِلِمِ اِنْ کُسُلِمِ اِن کُسُلِمِ اِنْ کُسُلِمِ اِنْ کُسِلِمِ اِنْ کُسُلِمِ اِنْ کُسُلِمِ اِن

أمنو أشد حبّا لله

ان کابڑوں کوا دشر کے برابڑھ برانا پر نہ تھا کہ انہوں نے اسا نوں اور زبن کوبیدا کیا ہے۔ یاان کو اوران کے باہدوا داکوبیدا کیا ہے جلحانموں نے انڈ کے برابرا ہے معبودوں کوبروردگا رعالمیا کے ساتھ اس محبّت میں برابر کردیا تھا ، جواد ٹارسے کرتے سمے کردی حقیقت عبا دت محبّت وذات

ہی تو ہے۔ بین وہ جا ہ وعزت ہے جس سے اللہ نے اپنے اس قول سے اپنی ذات کو تصف فرایا سے در

ترجر: تیرے پروردگار کانام بڑی برکت والا ہے دج بروسگار) جلال دعزت تُلْبِوُكِتَ الْسُعَرُ دَيْبِي فِي الْمُسْعَرُ دَيْبِي فِي الْمُسْعَرُ دَيْبِي فِي الْمُسْتَدَامِ هِ الجلل وَالْوَكْسَرُامِ هِ

دو تولوں میں میرے تربیہ سے کرمبلال کامعنی ہے تعظیم اور اکرام کامعنی ہے مجتب بیری مفوم بند کے اس تول کا لاَالِکُ اللَّهِ وَاللَّهِ وَاللَّهِ اللَّهِ وَاللَّهِ وَاللَّهِ اللَّهِ مِنْ اللَّهِ مَاللَّهِ اللَّهِ مِنْ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهُ مِنْ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّ

اسی بیے سندا مام احمد میں حسّرت آنس رضی الله عند کی روایت ہے کہ حضوّ علیہ سلام نے فرایا . اُنظو بیاذ المجلال والاکسوام ترجم: اس کولازمی اس کولازمی

طوريما ينا لوك

مسندا بولعیسیٰ الموصلی میں بعض صحاب کرام سے ہے کہ انہوں نے انٹدکا اسم اعظم معلوم کرنا چا ہا تو خواب میں دیکھا کہ اسمان محصت تاروں میں مکھا ہے

انسان کی ہرتجہت و تعظیم النّد کی تجہت و تعظیم کے ابع کر کے مانیا ہی جا ترہے۔

جیسے رسول النّد صلی اللّہ علیہ و لم کی تجہت ، کہ یہ دراصل بیجیے والے کی تعظیم و مجست کی کمیل کے

بی شک صفور کی اُمّرت جو آپ سے مُجست کرتی ہے ، محض الس یے کہ اللّہ ہے مُجست

کرتا ہے اور اُمّتی آپ کی تعظیم و حجریم اسی یے کرتے ہیں کہ افتیدان کی تعظیم و حجریم فرقا اہنے۔

چونکو اللّہ کی تحبیت کی وجہ سے ہے لئندا النّہ ہی کی مُجست ہے یونہی علماً کی عربت اہل کیان

ا درصی اہرکوام کی عربت و تیکویم ، افتیدا ور رسول کی مجست کے تابع ہے یم تعسد یہ کہ افتیدانی اور می تعسد یہ کہ افتید اور مرحفص

ن این طرف سے بی کریم صلی افتید علیہ و کم بیر وجب و مُجست کا فیضان کیا۔ اور ہر مخلص

الم من النائد المراب الم المراب الم الم من المرى رحم المدّ في على الم من المال الم الم من المراب الم الم المراب الم المراب الم المراب المراب

صحابه کرام کے دلوں میں عبتی محبت رسول انٹر صلی التر علیہ ولم کی تھی ،کسی کے ول میں آئی تحبّت كسى كى نسيس موسى ، نهى السي سيبت وعقلت بحضرت عروبن العاص فرات بي اسلام لانے سے پہلے کوئی شخص مجھے صنور علیالسلام سے زیادہ مُراندلگا تھا، بھرجب ایمان لایا تومیری نظر میں صنور علیالسلام سے بڑھ کر کوئی مجوب و مُعظم ندریا، فرما یا کداگر میں تمہار سے سا منے صنوعلبہ السلام كاصفت كرنا چامول تونهيل كوسكول كاكبونكي ميضوعليدالسلام كصحاه وجلال كي وجر سے کبی اب کوانکو بھر دیکھ ہی ندسکا عروہ بن مسعود (صدیدیس کفارمک کے سفیر) نے تربیق سے کہاتھا اے قوم ! خدا کی قسم میں قیصر و کسٹری اور دیگر یا دتما ہوں سے درباروں میں گیا بمُوں مِحرَّمیں نے نہیں دیجھاکہ کسی با دشاہ کے ساتھی اس کی آنی تغطیم و تحریم کرتے ہول عبنی محکمہ رصلی الشرعلیدوسلم) کے ساتھی محکر ولی الشرعلیدوسلم ، کی کرتے ہیں ۔ فکر اکی قسم تعظیم کے پیش تظر وه نظر المعاكد السن كي طروف ويحقة نهيس اورجب كوئي كلفتكا رمعي تحوكمًا به توان لي ليسكسي كم م تھے ہی لیا ہے۔ جسے و اوا نے مرزاورسینے پرمل لیما ہے اورجب وہ رنبی ، وضوکر ا ہے تو اس كے انتعال تنده بانى برار المق مرنے كوتيار بوجات بين بي بيرجب رسول الله صلى الله عليه ملم ان اوصاف مي تنصف بين جوبار بارا ورتبكوارهم فين كل معتقفي بين، تواب كانام محدّر كماكيا. وصلی الترملیروسم ، بدا بیسانام سے جواپنے مسمیٰ ، اورمعنیٰ کے مطابق ہے۔ اور لفظ ایم دو محریں فرق دوطرح سے ہے۔ اقل یا کو کھر کامطلب ہے

جس کی یے بعد دیگرے تعربیت کی جائے " یہ دلالت کرا ہے.

کراپ کی حد کرنے والوں کی حمد مبت زیا دہ ہے۔ اس سے لازم آنا ہے کہ اسباب حمد و تنا کہ اسباب حمد و تنا کہ اسباب حمد و تنا کہ دوس میں و لالت کرتا ہے۔
مرح حمد ذینا کے اپنے متعدار ہیں، وہ اس سے افضل ہے ، جس کے دوسر فیستی ہیں ہیں مجھ تا ہیں مجھ تا ہیں ہے کہ تنا کے ہوئی ہے کہ تنا رحمت اور احمد میں حمد زیادہ ہوتی ہے کہ فیت و مرتب کے کاظ سے اور احمد میں حمد زیادہ ہوتی ہے کہ فیت و ارتب کے کاظ سے اور احمد میں حمد زیادہ ہوتی ہے کہ فیت و مرتب کے کاظ سے بیارہ کو تعرفیت ہے ۔ اب کی سب سے زیادہ اور سبے اعلی حد و تنا کی جاتی ہے۔ دوم پیر کم فحد و و ہے جو میں کہ جن کے تمام حمد فیا تنا کی جاتے ہے۔ اور احمد و و ہے جو سے کہ نے میں کہ کرد چکا ہے اور احمد و و ہے جس نے اپنے رب کی تمام حمد فیا

كرنے والوں سے افضل حمد وُتناكى ہوتوا يك نام باك يين مُحَمّد نے بتا باكرا ب قابل صفت وُننا ہيں اور دوسرے نام باک بینی احمد نے تمایا کدائپ سب سے زیا دہ اینے رب کی حمد و تنا کرنے والے ہیں بہی قیانس و فانون مجی ہے کیون کو جسراوں کی ایک جاعت کے نزدیک اسم تغضیل اورافعل تعجب صرون فاعل محفعل ستبنتة بمغول محفعل سنهين بنتة ديعنى فاعليت مح معف كم یے آتے ہیں مامنعولیت کے یہے ہیں آتے) دوسرول نے ان سے اس مستعے میں اختلاف کیا ہے اور انہوں نے کہا ہے کہ اسم تفضیل و تعجب کو فاعل اور نعول وونول مے فعلول سے بنتے ہی آ ربعنی فاعلیت اور فعولیت، دونول کے یا تے ہیں ہمتصدید کے حضوعلیال الم مسلم کم اوراحداس بے رکھے گئے ہیں کرا ب ک حدسب سے زیا دواورسب سے افضل کی جاتی ہے۔ یس دونول میارک نام اسم معول کے معنے میں ہیں ، اور میں مذہب مختار ہے اور صنور کی مدح میں ہی بات بینع ترا دراس کامنهوم کامل تر ہے اور اگرانس سے فاعلیّت کامعنی مُرادلیا جائے تواہی اسم گرامی مما د ہوگا یعن بهت تعرامیت کرنے والا بیسے آپ کا اسم گرامی محتر ہے بین جس کی بہت تعربين كا جائے۔ تو ہے تنک استحفوصلی اللہ علیہ ولم تمام مخلوتی سے بڑھ كرا بینے رہ كی حمد و ثناً كرنے والے بيں لنذا اكراب كانام نامى فاعل كے معنے ميں ہو توبہتر ہو كاكرنام نامى حاديو بيسے نبزيد د ونول پاكيزه نام سركار كه اخلاق حسنه اوراوصاف حميد المسيستين ميں جن كى بنا برئ آب اسم كرامى محقر واحمد سيموسوم ہونے كے مستی محمرے ، كم حصنوبهی کی ذات گرامی ہے جس کی دنیا اور آخرت والے ، آسان والے اور زمین والے جسمی تعربین كرتے بيں بس اب اپنے كثيراوصا و بحودہ كرجن كے تعار سے تعار كرنے والوں كے اسماً عدوختم ہو ا جائیں ، کی وج ہے تھیں کے ایسے دوشتول (محقرواحمد) سے موسوم ہوکئے۔ جعظمت وشوکت . میں نفیدت دزیادی کا تقاضا کرتے ہیں اوا بنائیم کا کلام ختم ہوا۔ تاصی عیاض کا فرمان ماصی عیاض کا فرمان بسط ان دوناموں سے کسی کوموسوم نر ہونے دیا بین محقداور احمد بسلى الله عليه ولم والم المواسم كلامي احديها كما بول مين أياسي اورجس كم ساتم عليه السلام نے بشارت دی ، توالنٹرنے اپنی حکمت سے نہ تو آب سے پہلے کسی کونٹام ر کھنے دیا۔

اورکسی دعویدار کواپ سے پہلے اس کا دعولی کرنے دیا بھر کرور دلوں میں سک دف بیدانہ ہو۔ رہ کیا اسم گرامی تحقیر، مسلی افتر علیہ وہم ۔ توبہ نام بھی کسی عربی یا غیر عربی نے آپ کی پیدائش سے بھر عرصہ پہلے صرف اس وقت رکھنا ترقع کیا جو آب یہ بات ہر طرف مشور ہوگئی کہ ایک بنی مبعوث ہونے والا ہے جس کا نام محمد ہے تو بھر عربوں نے اپنے بیٹوں کا نام اس اُمید پررکھنا مربوث ہونے والا ہے جس کا نام محمد ہے تو بھر عربوں نے اپنے بیٹوں کا نام اس اُمید پررکھنا مربوث ہونے والا ہے جس کا نام محمد ہے تو بھر عرب اور المقدم ہم اور المقدم ہم اور المقدم ہم کا اللہ کا مات کہ اللہ میں سے وہ تحمد ہوں والد المقدم ہم کی شدح مختصر ہے ارف یا لائد عالم ہم کا کہ میں حضور کیا ہے۔ میں نے عارف یا لائد عالمت کریں ابی جمرہ کی شدح مختصر ہے اربی میں حضور علی کا اس فرمان سے محسر کے اس فرمان سے محسر کیا۔

یرمبارت دیمی شیخ می سیستاله من محابر کوام کواپنے نام برنام رکھنے کی اجازت اس یے دی
کاس میں خیرو برکت ہے ۔ کشت بی کجس گھریں کو کی شخص رہتا ہو وہ خیرو برکت سے
خالی نہیں ہوتا '' یہ بمی مذکور ہے کہ قیامت کے دن جب اسے اس کے نام کھرسے پکارا جا
گا، ہرکوئی یہ نام مس کوس اٹھا کے گا کا میاب و کا مران ہوگا ، اس بار سے میں اس سے بلتے
گا جزت آنا میں تقول ہیں ۔ فرما یا کہ میں نے ایک بابرکت عالم کو دیکھا جس کی کا نی اولا دیمی ۔
انہوں نے ہر بیتے کا نام محمد رکھا ہوا تھا ، ان میں صرف کی بیت سے اتمیا زہو اتھا ، کیؤی کو وہ
دوایت انہوں نے من رکھی تھی جس میں اس نام نامی کی خیروبرکت کا ذکر تھا اور جو کوئی پنے
بیتے کا یہ نام رکھے اس کی فضیلت بیان ہوئی تھی ، اس یا ہے میں نے ان عالم صاحب او مال
کی اولا دکو بمیشہ عظیم النتان خوشحالی میں ہی دیکھا ہے ۔ ند کسی سے طمع نہ خوف ، ند دین سے خطت '

کا ذکر رکیا ہے۔ بینام اقدی صفو کے مشہور ترین اور بزرگ ترین امول میں سے ہے۔ اسی لیے اس میں جند فاص چیزیں رکھی گئیں ہیں۔

ایک پرکدکا فرجب کک اس کوزبان پرندلائے اس کا اسلام صحفیمیں ہوسکتا ۔ یوں کے محسیقی شدہ تا شول اللہ ۔ اسلام میمنی میں ہوسکتا ۔ یوں کے محسیقی شدہ تا شول اللہ ۔

الم محركي خصوصيات

ومحدّاند كرسول ميں) يس الس حبد الحد كون كا في نيس البت الحيمي نے اسے اس تسط م ساته مائز قرار دیا ہے کہ اس کے ساتھ ابوا تعاسم کا لفظ ملا دیا جلئے۔ اور الاسنوی نے المبھید میں اس کی توتیق کی ہے۔ دوسری یہ کہتشفہ اوشادت میں بھی اس کو بولاجا یا ہے۔ اس كى حبرات حفوصلى التدعليه وم مع كما ورنام كواستعمال كرناكا في تيس منهى الهم الحسد کا فی ہے۔جیساکہ شرح المهذب اور التحقیق میں تھا ہے بیری کلم خطبہ کا ہے جیسری کاس كوريت الخلامين لے جانام كروہ ہے اور استنجا كے وقت اس كوماتھ سے بدلنا صروري م اكراينانا م تحدثها وراسي نيت مصانحوتم بيلكواليا توجمي باس ركمنام كل نظرب بيوسم یدکد اسم نام محرامی سے صرب، کسداور لبط سے رسولول کی تعداد تھلتی ہے جوکہ بین سویسرہ ہے یوں کہ اس میں مہیلی میم اور دوسری شد وجو قائمقام دومیموں سے ہے کی تین می وئے۔ اورمیم کی جب کسر کی جائے توم ،ی - م بین صرف باتے ہیں الس صاب سے ہرمیم کے المحد كے صاب سے توسے عدد بنتے ہیں مِثلاً میم كے عدد میں جاليس يا دى ا كے عدد میں دنل و دوسیول اور ایک یا وی) محصد دہوئے نو جے) بستین میمول محصد دہوئے دو توستر وال محمد دس متيس يون كردال و در كي جار الف و فر كا ايك ولام دل) كتيس وكل ١٥٥ ع ماكي مختصد السي كسبنين وكل ولل ١١٥) ينم - مياكي یہ نام رکھنے سے بار سے ہیں صنرت ابن عبائس دمنی انٹرعنہ کی سند سے یہ روایت ہمی بیان کی جاتى ہے كررسول الترصلي الله عليه ولم كاپيدائش موتى توصرت عبدالمطلب نے ايك بيندا عقیقیں ذہبے کیا وراب کا نام محدر کیا جب ان سے کہا گیاکہ ابوالحارث امتحدنام رکھنے پر کس چیز نے آب کوا ما دہ کیا، اور آب نے ان کانام باب دادے کے نام پر تمہیل کھا۔ توبهول نے فرط یامیرمقصدیہ ہے کہ اسمان پراندان کی تعربیت کرسے اور زمین برلوگ

بیتی نے بنی سند کے ساتھ ، ابن اسحاتی کی بدروایت تقل کی ہے کہ حضور علیالسلام کی والدہ ماجد الممنز بنت وہد سلام افتد علیما فرایا کریں کرجب وہ مختر صلی افتد علیہ و کم کے تصلی افتد علیہ و کم کے تصلی افتد علیہ و کم کے اس اکر کہنے والے نے کہا ، آب اس اُم تت کے آقا کی حاملہ ہیں جب وہ زبین پر توان کے بالس اکر کہنے والے نے کہا ، آب اس اُم تت کے آقا کی حاملہ ہیں جب وہ زبین پر تشریعت رکھیں تو کہنا میں ان کو فکد اے واحد کی بنا ہ میں دینی ہوں ، ہر حاسد کی شدے کے واحد و مرسے اُسعال کے دوسرے اُسعال کے اور ان کا نام محمد کے اور ان کا نام محمد ہے زبین واسمان والے ان کی محمد ہے دار قرآن میں ان کا نام محمد ہے دین واسمان والے ان کی تعربیت کریں گے ۔ اور قرآن میں ان کا نام محمد ہے دین واسمان والے ان کی تعربیت کریں گے ۔ اور قرآن میں ان کا نام محمد ہے ، یس اسی یے والدہ ماجد نے آب کا نام محمد رکھا جس کی انسان مانسی کے داور قرآن میں ان کا نام محمد ہے ، یس اسی یے والدہ ماجد نے آب کا نام محمد رکھا جس کی انسان مانسی میں دینے والدہ ماجد نے آب کا نام محمد رکھا جس کی انسان مانسی دائے والدہ ماجد نے آب کا نام محمد رکھا جس کی انسان میں دیا والدہ ماجد ہے آب کا نام محمد رکھا جس کی انسان میں دائے کہ کہ دوسر کے ۔ اور قرآن میں ان کا نام محمد ہے ، یس اسی یے والدہ ماجد نے آب کا نام محمد رکھا جس کی انسان میں دائے کی دوسر کے ۔ اور قرآن میں ان کا نام محمد ہے ، یس اسی یے والدہ ماجد نے آب کے دوسر کے ۔

مت المطلب كاخواب الكاعى نے اپنى تماب سيرت بين كها ہے روايت مصرع ملب كاخواب المعالم الله عندے آپ كا الكاع من الله عندے آپ كا الله عندے آپ كا

آم مُبارک ایک نواب کی بناپر مُحکرر کھا تھا ۔ انہوں نے دیکھا گویا چا ند کی نرمجیران کی کمر سے ایک اسکا ایک بیرا آسکا ن برا ور دوسرا سراز مین پر ہے ۔ ایک شرق میں اور دوسرا مغرب واللہ میں بیمروہ زمیرایک درخت سے بدل گیا جس ہے ہر ہے پر روشتی ہے بمشرق ومغرب واللہ اس درخت سے بدل گیا جس ہے ہر ہے پر روشتی ہے بمشرق ومغرب واللہ اس درخت سے نوٹوک رہے ہیں ۔ انہوں نے بیزخواب بیان کیا تواس کی بی تعبیر کی گئی کان کی بیشت سے ایک نوٹولو و دہونے والا ہے اہل شرق وغرب اس کی غلامی کریں گے ۔ زمین و اسکان والے اس کی تعرب کریں گے اسی بیے انہوں نے آپ کا نام مُحمّد رکھا ۔

اس روایت کے ساتھ جو حضور کی والدہ ماجدہ نے بیا ن فرما کی۔ ما تطابیوطی نے بینی سند کے ساتھ حضرت الوہ بریرہ رصنی الشرع نہ کی روایت نقل کی ہے کہ رسول الشرصلی الشرع لیا استعمال سے گزرا وہیں بینا نام اس طرح تکھا پایا گیجد رسول اللہ السر کو ابولیلی اور مبزار نے روایت کیا اور طبرانی نے ابنی سند کے ساتھ حضرت عمر فاروق رضی الشرع نہ کی روایت نقل کی کہ رسول الشرصلے الشرع المدر علی احب و ما یا جب و میں الشرع نہ کی روایت نقل کی کہ رسول الشرصلے الشرع المدر الماکہ ہوالہ الشریس سی معلول ہوتی ہے المالہ المالہ سے معلول ہوتی ہے المالہ المالہ المالہ میں بھول ہوتی ہے المالہ المالہ میں بھول ہوتی ہے المالہ المالہ میں بھول المدر میں بھول المدر المالہ المالہ میں بھول المدر المالہ المالہ میں بھول المدر میں بھول

مين كو في صنعت تهين الج

ابن جرم کے خصصرے شائل میں فرایا سے محدواحمد کی مزید خوبی یہ ہے کہ دونوں میں حروف بے طلالت برابریں کیان وونوں مُبارک ناموں کے فوائد میں سے پریمبی ہے کہ جو كوفى ان كوكسى ورق برنكه كوا بن بالس ركه اورجمينته ديكمنار سا ورحنورعاليسلام پرورو د وسلام بیجتا زہے، توہس کوئیند کی صالت میں سرکار کی زیارت کثرت سے ہوگی۔ ميرية قاسيد مفطف البكرى في ابني شرح ترب العام النودي مح اخري فرايا حنورعليالسلام كحتمام المول مين منهورتونام مخترصك الأعليك مساورآب س بعط كسى فيدنا منهي ركها ولين حب اب كي نوروظهور كا زمان قريب أكيا - اورك وكرمبرطرف بيليف لكاتوابل كتاب نے ليف بيوں كانام اس الميدير محكر" ركھاكشائد ہارا بیٹانبی بن جائے۔ ایسے بچول کی تعدا دیٹ درہ تھی۔ صنورعلیالسلام سے پاکیزہ نام الماكيا ہے كدا يك مبرار بين ميمى كماكيا ہے كر دو برابيس بين يلين ان سب ميں النظام میں لذید تر، اور دل کوسب سے زیا وہ تسکین دینے والا ، چنتمہ فرحت وسور میں بابت نام ہے۔ اگرجیات کے تمام ما م ایسے ہی تھے وموم ہیں . شارح دلائل نے مشروع میں فرایا۔ مكاركايهام أقدم مشهورتر بمضومن نرا ومعروف ترجيه اسى نام أقدس سعدالتارتعالي ونياو منحرست بين كركوبلا است اوربلا شے كا ورمين ام باك كلم توصيد مين آيا ہے۔ اسى سے م دم عليالسلام ككتيت والجمحر، ركمي أوراس نام اقدس سے انهول في تفاعت جا ہى-اوردا ماں ہوا کے حق مہر کے طور براسی ام پاک برانہوں نے درو دبیرها تھا ، اورخو دحفرہ علیہ السلام اینامین نام تماتے شمعے فواتے ہیں آنا تھتند کا بن عَبْد الله - وَالَّذِی نَعْنُسُ مُعَسَنَدُ بِيدِهِ . فَا ظِمَةُ وَبُنْتُ مُعَسَنَدٍ كِي وَخُط نَحْقَةُ وَاسْ طَرْمِينَ نُعَنَدُ تَسُولِ المتساسي ام سے فرشتے آب پر درود بھیجے ہیں اور اسی ام سے قیامت کے د ن عیسی علیہ امن ممام انسانوں کوشفاعت کے لیے آگے دروازہ دکھائیں گے۔ حدیث معراج میں جبر علیاسلام نے اسی جم کی کے سے مرکار کا تعارف کردایا - دخیروغیر : صدیت معلون اس ابہم علیاسلام نے بھی مرکار کومیری ام ممبارک ہیا ، آپ کی بیدائٹ مرتاب سے دا دا صنرت عبدالمطلب علیاسلام نے بھی مرکار کامیری ام ممبارک ہیا ، آپ کی بیدائٹ مرتاب سے دا دا صنرت عبدالمطلب

نے بھی مین ام رکھا اسی ام مبارک سے قوم ایب کوپیارتی تھی بیماروں کے فرستے نے میں کی اسی نام سے آواز دی - فرستہ تموت آب کی رُوح قبض کرے اپنے ہمراہ سے کو آسمان کی طرون ہیں نام مُبارک کے سے کررڈ ا جا آتھا ۔ وَالْحَجْدُ آ ہُ جب سرکا رِجنّت کا دروازہ کھائیں کے اور گزان فرشتہ نام یو چھے گا تو وہا سمجی آب بہی نام بیں گے۔ یونہی دوسرے کئی مقام بواس وقست برس ذبن میں ماضرتیں حضورعلیالسلام کے ناموں کی شرح کرتے ہوئے فرایا بین ام مُبارک آیپ کی وات بردلالت کرما ہے۔اللہ تعالیٰ نے فرما یا محکمہ استان الله يصغت سي تنول س كيوكد دراصل يتحسمد مفاحف سي الممنول ب بيم أس كونقل كركيحتنو علياسلام كاعلم تركياكيا معنوى لحاظ سع يصيغهميا لغدمش كيويحة لاتى محرح بين بالغركامعنى بيداكر في كے ليے مضاحت كيا جآنا ہے - دلفظى اضافه كيا جآنا ہے) اصل مي تحيية فعل مجبول مص محود واسم خوانا بمراس كود تفظى اضافه كركم ، محيدة اوراس اسم منول معی محت دنیایا گیا-اوریدمبالغرے بلے کیا گیا بیونکداس میں جد یکے بعدویکو يخارك ساته موتى بعين كفت مين محمة كامطلب موكا ألّذي يحد كا بعد دَحد ا جس كى يى بعدد يكري تناكى مبائ ؛ اور مُنعَقَلُ كالغظ بيسي مُفَرَّبٌ اور مُمَدَّح تومنون اس دات کے بیا آیا ہے اجس بوقعل یے بعد دیگرے تحار کے ساتھ آئے ہس یام صنور عليهالسلام كى ذات ا ومعنى كيمطابق سے كيونك آب كى ذات ياك تمام كائنات كى زبانول بر مرسرميلو سي ستوده ب جي تقيقت كے لحاظ سے اوصاف كے لحاظ سے جسم اورعادات كے لحاظ سے تمام اعمال ، احوال ،علوم ، اوراحكام كے لحاظ سے -اور تمام ان چيروں كے نحاظ مت جوا ب كصد تعنازل مؤمَّن اورظام ريومي بين وه قابل تانشق مين زمين و آسمان میں اورونیا وآخرت میں ونیایں یول کہ الشرفے آید کے ذریعے ہدایت دی-اوراب كصدت سعم وحكمت سهالامال فرمايا-اوراخرت مي شكايت ك ذريد يديد توجيسا لنظ كاتفاضا تعامعني مين كواربوكيا اس كيساتها يبى عامد والله كى تمدكرنے والے اس كيونكران كي من خدوننا كي آب كي تعليم سے كى كدو وسب کے نبی ہیں. لنذا وہی حامد میں بیا ہو تو بول کھو کہ اطفرتعالیٰ کے محتیقی حامدہ ہی ہیں۔

اورالندتعا فاحتوعلياسلام كاحدوثناكرتا بصادرالندتعالى فيابندول كازبانول بر ا ب کی حدی میس آب بی انعا مداورا ب بی المحویس منظریه فرق یه ب کرنزول حکم اور مبدأ فاعليت كاعتبار سيأب كواحديت مصفعوص كياكيا بصادر بلوغ حكماور منها مع معولیت سے محاظ سے محریت سے محاظ سے بیں آپ کانام آسمان میں احمدادر زمين بين محدثه وربوكيا- بس ال صوصلى الله عليه ومعدونا كرف والول مين بمي بهترين اورمنزا وامان حمدوستائش میں میں افسل میں اور حق تویہ سے کم محلوق میں سے آپ کے سوان کسی نے آپ کی ممدونتاکی اورندای آپ کے علاوہ رب کی طرف سے کسی کی تعریب وتوصیعت کی گئی بہونجی کیسے و کدا کھید تواب ہی کے باتھ میں بوگا وہی مقام مخرك مالك بين جهال بيلط بيط يسيس أب كى تعربيت كري سي الخ الفاسى ني تثرح ولائل مين فرايا واس كلام كاكثر حدشيخ عبدات مكى كاب شوح الحاجبية سے اخوذ ب چردیک ایب اس وفت مک محرفه نیس برکو شیریت مک که احمد نه بهونے صلی اندعلیہ ولم. يوں كما ب نے رب تعالى كر حسد فتاء تمام بوكوں سے يسلے كى - وجود سي تھى ايسا ہى جوا- دك م يك وجو د ميلے اور اور مخلوق كا بعد ميں ہوا) بلات براك اسم كرا مى احمد ميلى كما يول ميں موجو ہے۔ اور اسم گرام محتر واحمد کی طرح) قرآن میں ہے۔ اور اسم گرامی احمد صفت سے نقول سے زیادہ در وخنا کرنے والا کا اور حقیقت میں ایسا ہی ہے کیونکے متمام محمومیں آپ برحم وشنا ك وه جامع كلمات كمو لے جائيں كے جوآب سے يمطيكسى برند كھولے كئے بھرآب ان كلمات طیبات سے اپنے رب کی حدوثناء کریں گئے اسی بلے کاریچم د لوا کھرد) آپ کے واتھ دیا جائے گا بچرفر ایا ، شیخ ابوع البتد کی نے کہا اس اسم گرامی فحد رصلی اللہ علیہ وسلم) میں میں ما دہ کے لحاظ سے تطیعت اشامات ہیں۔ یعنی حروف ما دیر او بیٹت بسور یہ کے لحاظ سے۔ مسب گرامی محکرمی و ما دی انتارا کی در بندترین سلطنت کی میم بر مسب گرامی محکرمی و ما دی انتارا کی بین دبندترین سلطنت کی میم بر مشتل ہے۔ ما اس حیات اور حفظ برد لاات کرنی ہے جو آپ کو حاصل ہے اور جسے للم بالا

نے انکھا ہے۔ اور مملکت بالا کی میم ہے جمعنکت ظاہری کی میم میں موج و ہے اور دوام وتعالی۔ کی دال ہجوانفصال وانقطاع کے وہمول کوختم کرتی ہے۔

گرام مُحدّ كى صورت ميں دُھل جا يا بسجان الشد مترم

من عبدار من سطامي كا فرمان الناء ن دوية العين عدائد الى من الكتاب دسة يراسم گرامی حقیقت میں ندمسرکا رسے پہلے کسی کا رکھا گیا نہیں ہو گوں نے یہ نام رکھ کوھنوں میں ترکت کر لی معنوی جست سے کوئی آب کا شرکید وسم نہیں ہوسکتا کیونکداب سے علادہ جومخوق، اس میں پھے نہ کھکسی پیلو سے نقع صفرور ہے، اور نہیں تویہ تو ہے کہ کوئی کمال کی انتہا تک ميں بہنے سكا ہوآب كا مرب ہے يو محتاعلى الاطلاق المحتممطلق آب كے سواكو كى تيس وجسيں كسي تسم انقض زيو) كيؤكدكسى وصعب كمال مين أتها كك زينجا بمى ايب طرح كى بُرا تى ہے ۔ وم ہے۔ اورجس سے ذم کا کسی طرح مح تعلق ہوجائے حقیقت کھے تنہیں ہوسکتا ۔ بس محقوصلی اللہ علیہ ولم سے سو كو في محرضين اللي يدجب مُشكون نے ، نظم اوركلام موز وں سركار كى بجكرنا جابى ، توانشد نے اسكا رُج آپ سے پھیردیا کیون کے حضورصلی انٹرعلیہ و کلم کی خیفت کسی طرح بھی اسے نہیں جا ہتے۔ بیس وُہ مذمم كابج كرت تصے اورو مشيطان مے كيون تشيطان كے تمام نامول ميں يہ جامع ترين ام ہے۔ ميونك بدأتها في درج كے مرعبب پرستل ہے-ان دونامول دمخد: مذمم باس اس واضح تضاد اور دو نون صغنوں میں عدم انتراک کی وجر سے تبیعان صنوعلیالسلام کی صورت نہیں بناسکتا۔ اگر يهوال كياجا شكرحب اسم محتران كمام محود سيشتق كياجا شي ميساكر صنرت صان بن ابت

قَدُّ والْعَدُشِ مَحْسَمُ وَدُ وَهَا لَمَ الْمُحَدِّدُ

وَيُسْقُدُلُهُ مِنْ إِسْمِهِ الْمُجِلِّكُ

الترخصوركانام ابنضام مضتق كيآماكه استفلت وبزركى بخشف بيسعرش والا محوب ، ا وريم عربي صلى الترعليه ولم تويم السم كمرين تشديد سيم بالفركيون فرايا او محود مين كيول مذم بالغد كماكيا ؟ -جب كه حضوعليالسلام بشرد انسان ، بي و دبشر د بختيت بشري اس شان جواب كالكنهي موسكة كتمام اوصاف مين كامل مبوا وراخرى درجه برفائز بودانلا اسم گرا می مشتر د کرنے کی ضرورت بڑی میہ بتا نے سے یا سے کرانس وصعف میں آب دوسٹول كى مثل نهيں و بلك أكينه حق ميں ، جواساً وصفات كے تمام حقائق كواينے اندر منعكس كرر ہے ہيں ؟ مرجم كى طرفت سي صلى اليج كها كياب كراسم الدس محترص التدعلية ولم التدعلية والم التدعلية والم التدعلية والم التدعلية والم المعلم التدعلية والم المعلم المنازع من المعلم المنازع من المعلم المنازع من المعلم المنازع من المعلم المنازع ال سااكي سے بيونكه ما د ه اشتقاق مصدر بولا سے يد تو د و نول اسم فعول بي اور د و نول محد مصدر من الم الما معدا كم و وسرے سے كيون مشتق كيا كيا ؟ اس كا مقر توجمير بيا ك چونکدد ونوں کا ما دد اشتقاق کی ای ، توجب که محد حمد اے متن ہے محمود حمد سے ستنق ہے۔ مدا دسط حد کوگرانے سے تیج بہا مدہوگا محدمحوسے سنتی ہے۔ گیزی تقدیم وّاخیر سے تیجریہ اے گامحوم محد سے ستنق ہے جو تک مدا دسط حمد دسعری دکبری دو نول میں محول ہے لہذا شکل تانی ہوئی اس مصیح نتیجہ کے لیے دو ترطیس ہیں۔ (1) كيف يعني أسيجاب وسلب مين صغرى وكبرى مختلف بول-رم) کبری کلید ہوا ورصغری دائمی ہو -میاں بیلی شرط نہیں انی گئی۔ للذا تیبی معی صحح اور کبی غلط بوسکتا ہے بیما ن صححصورت مراد سے تفعیل سے بیے کتیب مقول کی طرف رئج ع کریں ۔ مثل شرح تہذیب بجٹ تیاس دغیرہ " سيدى ابوالموامب الشاذلى رصنى التُرعندُ نه اپنى كتاب توانين الاشواق بيس فرمایا، فرمان باری تعالی ہے:-قادُ كُلُنَا بَسَلِيكَةِ اسْجَدُ وَ الْتَحِيدُ مِنْ الْتَجَالِمُ مَنْ فَرَضْتُولَ سِے كما اُدم الله وَقَرَاتُ مِنْ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ ا

اگرتم الندک سواکسی د و سرے کوسجد دکرنا توحوام ہے تو پیجدہ کیسے جائز ہوگیا ؟
ہم کتے ہیں اس مجدہ سے مقصود تھا جونے کا بڑے کے اسکے تواضع وانکساری ہوائیں۔
چواسب کرنا۔ پیرمرپوب کا رہ کوسجٹ نہ تھا کیونکہ اوم علیائسلام بندسے تھے ، رب نہ تھے لیکن ان کی انسانی شکل کی اس ہے تعظیم و توجیم کی گئی کہ اس میں محتری آنار نمایاں تھے میسی تو وہ میت میں تو وہ میت سے اسے عقل و ذو تی والو اجس نے محراب ہیں مجد واجب کیا ''

ا ببین کرروایات میں کہی آیا ہے؟ براس طرح کر الند تعالیٰ نے صنور علیا اسلام کے لیے تمام بیوکانواکورر شولوں کی رہنائی اولیا کی ہدایت جمع کر کے ایپ کو نوئے تم نبوت سے مقت کردیا -

ہزوتمازین ہوا، کر یہ العنہی ہے ۔ دو کیموں سے چھر وف نکے۔ دال بین تین حروف بین دا اللہ دالم من العن ہیں ہے ۔ دو کیموں سے چھر وف نکے ۔ دال بین تین حروف تو تو تیں اللہ کے کام کا خلا ہری وباطنی حروف تو تو تیں اللہ کے کام خلا ہے کا اس میں اور حضو کی علی اور حضو کی اللہ کے بیروکا رولیول پر قیسیم ہونے کے لیے صرف ایک عدد افر دی کیا گئے ہے یہاں ایک اور نقطر ہے کہ ولیول پر قسیم ہونے کے لیے صرف ایک عدد افر دی بیا ہے ۔ کیونکھ ان ولیوں میں افراد بھی ہوتے ہیں جو حقیقہ انفرادی شان سے منفق ہوتے ہیں۔ ان میں سے ایک فرد کو اللہ رتعالیٰ لینے زمانہ کے تو کر کا جامع کر دیتا ہے اور یہ دقیقہ حقیقت میں کہ تھا میں کہ کہ اس میں اللہ میں کہ تمام مونیا کے اوصا ف کی ایک میں جمع کر نے ایک اللہ میں کہ تمام دنیا کے اوصا ف کی ایک میں جمع کر نے ایک اور سوار عسا اور شیخ شہا د میں الد میں الحکم ہو کے کھنورعلیا السلام کے اسم مرارک کے دس خصائی میں جو تھی خصوصیت یہ ہے کہ :

جگڑے میں حاکم نہ ماہیں اور تمہا سے فیصلے سے طل بین منگی محسوس زیریں اورسسیہ

ثُمَّ لَوَيَمِدُوا فِيُ الْعُلِيهِ عِنْدُوا فِي الْعُلِيهِ عِنْدُ الْحُلِيةُ الْعُلِيهِ عِنْدُ الْحُلِيةُ وَلِيسَالِيهُ وَالْمُلِيدُ الْمُلْفِا حَمَدَةً وَلِيسَالِيمُوا حَمَدَةً وَلِيسَالِيمُوا

تَسْلِمًا -

یہ کہ کیا گیا ہے ما سے فرادا ہے کہ امت کی جات ہے۔ رہی دوسری میم ، تویہ اللہ کا حدوث کی استادی میں اللہ کا اللہ کا اللہ کی استان کی مناوی دوال واعی الی اللہ کی ہے اللہ اللہ کی مناوی دوال دواعی الی اللہ کی ہے اللہ کی مناوی دوالی الی اللہ کی مناوی کی مناوی کی دوالی اللہ کی مناوی کی مناوی کی دوالی اللہ کی مناوی کی مناوی کی دوالی اللہ کی مناوی کی مناوی کی مناوی کی دوالی اللہ کی مناوی کی دوالی اللہ کی مناوی کی دوالی اللہ کی مناوی کی دوالی دوالی اللہ کی دوالی دوالی اللہ کی دوالی اللہ کی دوالی دوالی اللہ کی دوالی مناوی کی دوالی دوالی اللہ کی دوالی دوالی

دَاعِيًّا إِنَّ اللَّهِ مِا ذُنِهِ وَسِيسَةً اللَّهِ مِن المُحضور صلى اللَّهُ عليكُ مِن ونيا و دَاعِيًّا إِنَّ اللَّهِ مِا ذُنِهِ وَسِيسَةً اللَّهِ مَن المُحضور صلى اللَّهُ عليكُ مِن اللَّهِ مِن اللَّهِ مَن مُنِينَيِّدًا - مُنِينَدًا - مُن اللَّهِ مَن اللَّهِ مَن اللَّهُ مَن اللَّهُ مَن اللَّهُ مَن اللَّهِ مَن اللَّ

اس كونيشا يورى في وكركيا-الو

ا مَ بِصِيرِي نِ تَصَيْدُ بِرَدَهُ مِن كَاخِرُبُ فَوَالِيَ كَانَّ لِيُ ذِمَّتُ مِنْ لَهُ بِلَّسُدِي عِنْكَ أَ كَانَّ لِيُ ذِمَّتُ مِنْكُ أَنْ مِنْكُ أَلِيَّ مِنْكُمْ الْمُعَلِّيَ فِي الدِّمَةِ مِنْ الْمُعَلِّيِّ فِي الدِّمَةِ مَا تَعْمُوا أَوْ فِي الْحَلَيْ فِي الدِّمَةِ مَا تَعْمُوا أَوْ فِي الْحَلَيْ فِي الدِّمَةِ مِنْ

ترجہ: بنت بھے صور کی ذمر داری رضانت عاصل ہے کیونکیس نے اپنا ام مُحمد
رکھا ہے اور صور علالسلام سب سے بڑھ کر ذمر داریوں کو پورا کرنے والے ہے۔
علام شہائ الدین اجم قسطلانی رحمداللہ نے اپنی شدح تعییدہ برد ہیں فرایا بہ ناظم کے
کلام میں آپ کے نام برنام رکھنے کی ترغیب ہے اس بارے کئی احادیث وار دمو کی ہیں جن
میں سے ایک پیمال انہوں نے اس کی سند ذکر کی ہے جی العلویل عن انس - کرشول
میں سے ایک پیمال انہوں نے اس کی سند ذکر کی ہے جی العلویل عن انس - کرشول
المدّر معالی اللہ علیہ ہے ہے فرایا بندے رقیامت کے دن ،اللہ کے سامنے کھڑے کے جائیں ہے
تواللہ تعالی ان کوجنت میں داخل ہو نے کاحکم دے گا۔وہ کہیں گے، پرورد کار انہم جنت کے
مستنی کی طرح ہو گئے ہیم نے تو کوئی ایسا عمل نہیں کیا جس کے عوض جنت جاسکیں ۔اللہ برقی مستنی کی طرح ہو گئے ہیم نے تو کوئی ایسا عمل نہیں کیا جس کے عوض جنت جاسکیں ۔اللہ برقی اللہ عمل ان کی ایماد کی ہے کہ د بشطریا لی جس
فرائے گا ، میر ہے بندو ! جنت میں جلے جاؤ ، کیونکو میں نے تسم اٹھار کی ہے کہ د بشطریا لی جس
نے اپنا م منح برا اجمد در کھا جتم نہیں جائے گا "

بيط بن تشريط سے روايت بے كررسول دفتر صلى افتر عليه وم ف قرا يا افتر تعالى

نے فرایا بھابی عزت وجلالت کی قسم کہ دھیب!)جن نے بیرے نام پرنام رکھا میں اسے جہتم کی سزانہیں دوں گا اس کو ابونعیم نے روایت کیا ان سے ابوعلی حداد اور ان سے ابو مفور دیلی نے اپنی سند کے ساتھ مسند الفردونس، میں مرفوعاً ذکر کیا اور فربایا ایس کی سند متصل ہے۔ اور جبغر بن محد دالباق) سے روایت ہے کہ جب قیامت کا دن ہوگا ، ایک بچار نے والبیکا کہ کا منواجن کا نام محد ہے وہ انٹھ کرجت میں داخل ہوجائے، بیعزت و تو کی ہے سرکار کے نام محد کی اور در سے لفظ میں ہے کہ قیامت کے دن اواز دی جائے گی کیا محتد کی اوجن جس کا نام محد ہو گا میں سنے کہ قیامت کے دن اواز دی جائے گی کیا محتد کی آبوجن کو نام محد ہوگا میں سنے کہ اور دی جائے گی کیا محتد کی توجن جس کا نام محد ہوگا میں سنے کو اور دی جائے گی کیا محتد ہوگا میں کے دن اور دی جائے گی کیا محتد ہوگا میں کہ میں گواہ بنا کا ہوں کہ جس نے کو اس کے کا میں کھیا کہ دیا تھیں گواہ بنا کا ہوں کہ جس نے کہ میں گواہ بنا کا ہوں کہ جس نے کو اس کے گا میں نے کھی دیا گ

ر برا کے بیا ہے۔ امامرضی افتد عنہ سے روایت ہے کہ جرکا بٹیا پیدا ہواا وراس نے اس کا نام برکت کے سے کہ جرکا بٹیا پیدا ہواا وراس نے اس کا نام برکت کے بیٹے میڈ کھا ہو وہ اور اس کا بٹیا دونوں جنت میں ہوں گئے اس کوصاحب مسندالفردولس اور اس کے بیلے منفونے روایت کیا ۔ اور اس کے بیلے منفونے روایت کیا ۔

انهی د ومزرگوں نے صنرت علی رضی انڈی نے سے یہ روایت بھی نقل کی ہے ہے کہ جو سترخوان پرمختریا احمدنام کا کوئی شخص حاصر بھوا ، انٹرائس گھرکومپردن کا ومرتبدیک فرقا ہے '' ؛

پر مدی امدام کا نوی مس حاصر ہوا ، احدام کا تو مردن دو مربہ بال فرق ہے ۔

قسطلانی فرق تے ہیں اللہ کا انتکا کا تشکر ہے کہ مجھے جی صنوعلی اسلام کی نتانت ماسل ہے کہ کار کے اسم مُبارک کی طرح میرانا م بھی احد ہے اور میں اللہ سے اس کے صنل کا سوال کڑا ہول کرجس طرح اس نے مجھ ہر میداحسان فرقایا ہے ، مجھے صنورعلی اسلام سے محبہت کرنے والوں اور واڑلوں کی دسمی میں میرود دے بہارے فضل وکرم اور رحمت سے ایکو

ستید مصطفی ابری فرات بین الحدولاجی نے میرے ام برایتا نام مصطفی کا و ہجا
طور بریمرکاری دمتہ داری میں اجآنا ہے کیونکو مرازام آب ہی کے نام برہے ،اور مجھے اہل و فامیں
سے ایک صاحب کشف نے بتایا ،جس نے جتمہ صفا سے بعر بحرجام ہے تھے کہ بعض فقراً
کی مست جیت تمین جن کے بڑے بڑے نام اسی ام سے ایک جنیقت کا نام اسی ام
کی مست جیت تمین بین فیصلہ کن نام پاک تو وہی ظامرو واضح (محمد واحمد) ہے اور وقع کی مصلفے بررکھا گیا تھا ، لیکن فیصلہ کن نام پاک تو وہی ظامرو واضح (محمد واحمد) ہے اور وقع ملی کے مطابق اسے معلی کے دو میں امام حسن

بھری کے نذکورہ بالا فران میں بیاصنافہ ہے کہ اللہ تعالیٰ قیامت کے دن مختذ یا اجدنام کے اور میں کے اللہ اللہ کا م اومی کو اپنے سا منے کوڑا کرے گا اور فرائے گا ،جبریل اِ میرے بندے کا ہاتھ بچڑ کر اسے جنت میں داخل کر دو۔ کرجس کا نام میرے جیب کے نام پر محتظد یا احد ہو۔ اُسے جنتم میں عذاب دیتے مجھے نشرم آتی ہے۔ دیتے مجھے نشرم آتی ہے۔

صنرت علی بن مُوسی اینے باب اوروہ اپنے داداسے روایت کرتے ہیں ، انتدائ س سے رامنی ہو ، کدرُسول انتدمسلی انترعلیہ کام نے فرط یا ، جب مُحمّدنام رکھوتو اس کی تعظیم و توقیر کرو ، اس کی تذلیل ذکرنا ، نہی دباؤ ڈالنا ، زایسے اومی کی بات مالنا ای آکدمحمر مسلی انترعلیہ سے م

کی سیم ہو۔ کو خرت و آلد بن الاستع مینی انڈونہ سے روایت ہے کہ رُسول انڈھلیا وسلم نے فرا یا بھی خص بحقین بیلے ہوئے اور الس نے کسی کا نام محکرند کھا ایس نے جمالت کا بوسوا ہ دیا ؟ حفرت علی رضی انڈونہ سے روایت ہے کہ جس قوم نے کو کی مشورہ کیا اور محکرنا می کوئی نشخص ہونے کے با وجود انہوں نے اسے شورہ میں ٹرکیک نہ کیا ، الس میں برکت نہ ہوگی ہے تشخص ہونے ابوہ مردہ رضی انڈون ہے روایت ہے کہ مُسول انڈسی انڈعلیہ وہلم نے فرطیا ۔

جس گرین میرانام ہو، اس بین غربی داخل نہ ہوگی ہے الا سید مصطفے البکری نے مذکورہ عبارت کے بعد فرما یا کہ اس اسم گائی کے عداللہ کے اسمائے شیخ میں سے بایسط اور قددہ فی کے اعداد کے برابر ہیں بین جس کسی کا ام محمد ہواں کے یے تماسی ہے کہ ان وونا موں کا ذکر کرتا رہے بھارے شیخ بینے محمد اخلیلی اتعاطائے ابھی بھی بیت القدرس میں بہیں بتا یا کہ امنوں نے لینے بعض مشاصح سے اسم اتعان حاصل کیا میدا للہ کا اللہ ان کا اللہ ان کا ہوائی گان م سیجس کے اعلاد اسم محمد کے موافق ہیں جسلے اللہ علیہ وہ اس کی اللہ ان کا ہوائی مہارک اسم محمد کی کے مقلق ایک رسالہ ہے امنوں نے مجھے بتایا کہ وہ اس کی شرح کونا چاہتے میں اکہ اجر جزیل باہیں بہت ان حضرات میں سے ایک ہیں جنوں نے مجھے اپنے مشاکح کی طرف سے اجازت دی ۔ اللہ النظم فی خواصل تھا فرط نے ۔ الیا فعی رحمہ استہ نے اللہ النظم فی خواصل تھا ن العظم میں فرط ہے ، جارے ایک شیخ نے الیا فعی رحمہ استہ نے اللہ النظم فی خواصل تھا ن العظم میں فرط ہے ، جارے ایک شیخ نے

ا پنے شیخ سے پر مکایت مجے شنانی کوشیخ محی الدین ابن العربی رحماللہ نے فرمایا " بحرشخص نے صنورعلیہ السلام كي ام يس سي كوحروف يلي اوران حروف كوالتُرتعالي كاسمام صياب سيجس میں دیکھے مطابق ہول سے اگرا یک اسم میں نہائے تو دومیں الش کرے یا مین یا جا رسی مشلاً محتند اس كه ١٩ عدد مين بهم في اللي موافقت الله كه ايك نام ين وهوندهي توسياني دومیں مل کئی آول اور دائم میں بھرین میں موافقت نه ملی مگراند کے اسماحسنی میں سے جا کھے محوعرين مل كئ بيبيار تحتى - وَهَابُ - وَاجِد " - وَ إِنْ - بين فرايكُ ومي اسم مُحَدّ کے عدد کے برابر ۹ مرتبہ سوؤ فالحربیسے بھراتی مرتبدایہ الکرسی اور موذ تین (قل عوذ برب الغلق اور قسل اعوذ برب الناس عاوماً في بي مرتبه سورة الم نشوح بيم ان جارهما شيخشني كواسي تعسار كصطابق يرسط، الس كو وطيفه بنا ليے جب، يه وظيف محمل تعارد میں پڑھ لے توکھے یک بختی آجی ذکے سیری وَاکٹٹ ٹنٹی میماں جوبیا ہے الس کانام ہے اسى طرح مَا وَهَابُ هَبْ يها رسم مطلوبي مِيزكانام ك. يَا وَاجِدُ آوُجِدُ مَا مطلوبينيز بع جب اس كواسم مُبارك وَاجِدُ مع ملايا جائت تواسم مُحَدّ ك اعداد سع ان كاعداد موافق ہوجائیں گے بروكرجب م نے كهاميم شدد ووحرفوں كے برابرے تواس كے عدد ١٣٧ بول مے - اس اسم سَلَوْم كواسمُحَد سے مناسبت عاصل ہے كيونكر صنوعليالسال ممام ونياكا فلسيس وينسن فران كاللب بداورسكة م قدولة من تتب تحييم وينس . كافلب ب -سلام كامطلب ب امان سياء اورضوعليالسلام امان مي كيوكنودفرت ہیں، انٹرنے میری امست سے یا مجھیر دوا انیں نازل فرائیں، ایک تو وَمَاكَانَ لللهُ لِيُعَدِّ بَهُمُ كَانَتُ جب كم مبيب ثم ال مي موالندان كو فيهيم ومتاكات الله ممعد بهم عداب سيركر عالا وحب كمتحشش

ما عظتے رمیں کے تب یک انسران کوعداب

وَحُمْمُ يَسْتَغَيْنُونَ -

فرايا جب مين ميلاكيا توان مين ما قيامت استغفار جيوا فال كالحضوّ عليانسلام يردرُو دوسلام

فنأل كياب كي خرس قرافي أيول ك مختلف فوائدا ذكار نبويه وغيره كاذكرائ كالمان مي کیدفوائد کا تعلق اسم گرامی محرصلی الله علیه کولم سے بے اور میں نے صوصی طور پر اسم گرامی محمد احدصلی الترعلیہ وسلم کے نصائل میں ایک کتاب دیمی ہے ، برمجوعہ ہے ابوعبدا بشرحیین بن احک بن عبدات بن بكير، حافظ كاجے تكا ب عبدالرحن بن محدالمعروف بدا بن فرفيروستى في عيوشخ الاسلام فكسب خيفتري كے بيلے تھے بيكتاب انہوں نے وجو عيس دشق شام ميں تھی ۔ اس ك يُشت پركتاب كنام كينيجان كے لينے ہاتھ سے بيعبارت بھى ہوئى ہے، فلاكستے معد كالتكريب مين اس كناب مذكوركي روايت كررما بهول حب كا بالا في حقد بهار سين خشيخ الاسلام شمس الدين محتربن إلى اللطعث المقدسي ثنافعي كى وه خطروكتا بت بيرجوانهو ل نيبيت المتعدس سے بیری طرف کی ۔ اپنے شیخ ، شیخ الاسلام کمال بن ابی ٹترلیب المقدسی سے ان سے شیخ ، شیخ مشاکنج الاسلام قاصنى القضاة ابوالغفىل شهاسيالدين احربن على حجرشافعى سے انہوں نے كها بم كوخبرى المسندالعا بدزين الدين ابوالفرج عبدالمرحن بن احمد بن مبارك بن حا والغزى الشهير لم بن الشيخة رحمه المتربكها بم كواس كي خبودي ابوالعبالس احمدين بيقوب صابوني نے انہوں نے كها بم كوبايا فخرابوالحن على بن احد بن عبدالوا عدمنيلي نع ابن بخارى كے نام سيمشور بيں وه كيتے بي بم كوخبر دی ابوحنص عمرین محکرین طبرز دینے شن کر-اورعبدالعزیزین احدین عابشترین بجیریچرانهول شے مصتف ندکورکی بیعبارت نقل کی ہے۔

انڈرکے ام سے تشروع جورم فرمانے والامہربان ہے۔ ہم کوشیخ ما فظ ابومحد عبد الغیر میں میں کوئین مگیارک بن محود خباندی نے خبر دی ، جب کدان پر بیرعبارت پڑھی چارہی تھی۔ اور میں شن مہا تھا۔ یہ واقعہ ہے ذی الحجرث میں خداد میں۔ ان میں کہا گیا کہ تم کو ضروری تیسیخ ابومحد میں کا علی بن محمد بن علی بن محمد بن المعلاج المدیر تے ، جعد کے دن اذان تانی سے پہلے، ماہ رمضا ان مسلم میں ہوئے اس کی تیبی کی تیم کو خبر دی قاضی شریعت ابوالحسن محمد بن احمد بن علیف میں بالصمدالم تعدی نے اجرائی میں میں المدیل میں محد ، ان کے سامنے بڑھ در ہے تھے ذوا بو مساب کے اسلام کی توانسوں نے افراد کیا۔ میں بیان کیا ابو عبداللہ میں بن احمد بن عبداللہ بن بیر ما فظ نے ۔

جن لوگول کانام محمّ بلیان می تصدید ان کی تضیدت میں مروی آثار

یدوه آثاربسندیده بین جی کی سندجلیل آقیمتی قابل انتجاد سب اوران لوگول کی نفیلت

کیارے بین بین جن کانام محمدیا احمد ہے۔ حذتنا احمد بن علیشند. حذتنا جدی لابی العبالس صدقت

بن موسی بی کمیم بن ربیعیتہ بن صنم آ الغنوی مولی علی بن ابی طالب ۔ حذتنا ابی عن حمیدالطویل عن

امن بن مالک رضی الشرعن و الغنوس المد علید کی مے فرایا ، دوبندے الشرکے حضو کھڑ

امن بن مالک رضی الشران کوجنت کا حکم دے گا ، وہ کمیں کے برور د کا رہم جنت کے مستحق

کیسے ہوگئے ، حالانک ہم نے کوئی ایسا کا منمیں کیاجس کی جزاجنت ہو الشرتعالی فرائے گا .

میرے بندو اجنت میں واضل ہوجا و میں نے جمد کرر کھا ہے کرجس کا نام محمد ایا حسر ہوگا۔

وداک معر نہیں جائے گا ؟

حدثنی ابوالمسن حامد بن حادب المبارک عن عبد الله العسکری نبعیبین، حدثنا اسلحق بن سیّار بن محتد ابویعقوب النفسیبی حدثنا حیاج بن المنهال حدثنا حسادبن سخه عن بود بن سسنان عن مکول عن ابی امامد الباهلی رصنی الله عن نه قال قال رسول الله سیم کا بیم بوا اوراس نے اس کا ام محدر کھا ، برکت ماصل کرنے کے یاے وہ اوراس کا بیم جن میں مائس کے ہے۔

حذتنا محتدبن لخلك الحضربى حدثنا حبيب بن نصربن زياد

المهلی حد أنه عبد العمد بن مقاتل العباد انی بعبادان حد أنه العمد بن معنی معنی بن عکومة بعبادان فی مرباطناعن الی العب لو برد بن سسنان عن مکعول عن ابی امامة الباهلی رضی الله عن الله عن محد الله عن ال

حفرت امام مین اپنے والد حفرت علی رسنی النّد عنها سے وایت کرتے ہیں کنہی علیہ سلام نے فرایا محدیا احدام کی سخت می مشور ہیں شامل کریں گئے توان کے یلے مہتر علی ہوگا ۔ اس کے بعد و وسند و ل سے حضرت علی رسنی اللّٰد عنه کی یہ روایت ہے کہ سُول اللہ مارسی اللّٰہ عنہ وایت ہے کہ سُول اللّٰہ علیہ وسلم نے فرایا کرجن وم نے مشورہ کرنا ہوا و محمدیا احدنا می خوایا کرجن وم نے مشورہ کرنا ہوا و محمدیا احدنا می خوایا کرجن وم نے مشورہ کرنا ہوا و محمدیا احدنا می خوس کواس میں

شرکی کرلیں تو یہ ان کے حق میں مہتر ہوگا ۔ اس کے بعدا یک طویل سند کے ساتھ ، جسیس حذف کر رما ہولی دمتر جم

مخترام رکو کر بھراسے گالی دیتے ہیں اندعنہ سے مروی کدر شول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم نے فرایا مخترام رکو کر بھراسے گالی دیتے ہیں اندیر دایت مین مختلف سندول سے فدکور ہے جہتر جم المحترام رکو کر بھراسے گالی دیتے ہیں اندین کی روایت ہے کدرسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم نے فرایا اللہ صلی کے دستہ خوان برمحمد یا جمد نامی شخص حاضر ہو، وہ گھر ببردن میں دو مرتبہ پاک کیا جب کی سے دستہ خوان برمحمد یا جمد نامی شخص حاضر ہو، وہ گھر ببردن میں دو مرتبہ پاک کیا ۔

بیمرصرت علی رضی اقد عند کی ایک روایت نقل ہے کہ رسول اللہ وسلی اللہ علیہ وسم بیمرصرت علی رضی اقد عند کی ایک روایت نقل ہے کہ رسول اللہ علیم کرو اس کی نے فرایا میجب بیننے کا نام محکمہ (یا احمد) رکھو تو اس کی عِزّت، توقیرا ورتعظیم کرو اس کی ندلس بتھیراو رتو مین نہ کرو : عظمت محمد صلی للہ علیہ وسلی کی بنایر -ندلس بتھیراو رتو مین نہ کرو : عظمت محمد صلی للہ علیہ وسلی کی بنایر -

یں نے علی بن بندارالبروعی کی کتاب بیں ان کی اپنی سند کے ساتھ میر وابت دیجی اس کے بعد سند مذکورہ جسے اضفارا ہم نے حذف کر دیا ہے جہترم) حن بھری رحمالاً فوات بیں اللہ تعالی اس شخص کوجی کا ام محد ما احمد ہوگا لینے سا منے کھڑا کرے گا ورفوٹ کا محمد کا ام محد ما آئی کہ میری نا فرانی کرتے رہے ؟ حالانح تسارا کا محمد کا میرے بید سے بیں کیا تمہیں تشرم ندائی کہ میری نا فرانی کرتے رہے ؟ حالانح تسارا اللہ میرے بیب کے نام میرے بیب کا اس محمد میں وانول کر دو بھر کے محمد میں میں میں اس کے بعد دو طویل سندوں سے صغرت علی ادھنی اللہ وعنہ کی ہدروا بیت ہے کہ رسول اللہ معلی اللہ علیہ وسلم نے فرط یا جوب بیٹے کا نام محمد رکھو تو اس کی عزت کروا وراس کے سامنے منہ نام محمد رکھو تو اس کی عزت کروا وراس کے سامنے منہ نام محمد رکھو تو اس کی عزت کروا وراس کے سامنے منہ نام محمد رکھو تو اس کی عزت کروا وراس کے سامنے منہ نام محمد رکھو تو اس کی عزت کروا وراس کے سامنے منہ نام محمد رکھو تو اس کی عزت کروا وراس کے سامنے منہ نام محمد رکھو تو اس کی عزت کروا وراس کے سامنے منہ نام میں اس کے لیے جبکہ وسیع کروا وراس کے سامنے منہ نام میں منی ان ترحین کی واروں سے سامنے منہ نام میں اس کے لیے جبکہ وسیع کروا وراس کے سامنے منہ نام میں گھرانے میں مُحمد نامی کوئی شخص کو ا

التررات دن ان كوبركت ديما ريما بها

ابومبریره رضی المترعد سے روایت ہے کہ نبی اکرم صلی المترعلیہ ولم نے فرط یا جس گھر میں میرازام ہو الس میں فقرد اصل نہ ہوگا دیعنی اصیاح) میں میرازام ہو الس میں فقرد اصل نہ ہوگا دیعنی اصیاح)

حرب ملی ایک اور روایت سے کمنبی علیالسلام نے فرط یاجس گرانے میں

نبی کا نام ہوا یک فرشتہ صبح وشام ان کو پاک کڑا ہے۔

میں نے ابو محتر جعفر بن صن بن منسو بغدادی الاشقری کما سب بین صنرت علی الدی

كى يدروايت ديكى منص كامفهوم بعينه مذكوره بالاروايت والاسه

حفرت عائشته رصتی انترعنها سے روایت ہے کررسول انترصلی انترعلیہ وسلم

نے فرط یا جو طلال رزق میراسمنام شخص کھا کے اس میرد کھنی برکست ہوگی -

حضرت ابن عبامس اور ابوسغید خدری رصنی انتُرعنها کی رو ایت ہے کہ نبی علیہ ابسلام نے فرما یاجس کا دلاکا پر برا ہمو اس کی تعلیم وتربیت بھی صبحے کوسے اور نام بھی اچھا

اسلام سے فرمایا بس کا مرافا بیرا ہوائل کی سیم واربیت بھی بھے مرسے اور ہائم ہی ہیں۔ رکھے ، جب بالغ ہو تو اس کی شا دی مرسے، اگر بالغ ہونے کے با دجو دانس کی شا دی نہ

كى اوراس سے كوئى كنا كاسرز دہوا تواس كا باب بھى كنگار ہوگا ؟

حضرت عائشه رصنی الله عنه است روایت سے که رسول الله صلی الله علیہ وسلم

نے فرایا ہریہ وسمحنہ تین طرح کا ہوا ہے۔

دا، بريدُ مكافات دجوبد العين ديا جلت)

دی بدگوئی سے پیچنے کے یلے۔

وس، مدیدانڈ کی رضا کے یا ۔

ختم ہوئی اس می کے فضائل کی کتاب ہوں کا نام احمد یا محقد ہے ۔ اس کوجمع کیا ہے ابولی کتاب ہوں کا نام احمد یا محقد ہے ۔ اس کوجمع کیا ہے ابوع بلٹے جسین بن احمد بن عباللّٰہ بن بجیرہا فظ نے ۔ اور انہوں نے لینے تبیوخ سے ابوع بلٹے جسین بن احمد بن عباللّٰہ بن بجیرہا فظ نے ۔ اور انہوں اس کے درود سے اس کی روایت کی ہے سب تعربین فکدا شے بچتا ہے بیا اور اس کے درود

ہوں ہارسے آفامحرا وراہب کی آل واصحاب اور بیروکاروں اور دوستوں برہ کتاب نذکور کی عبارت ختم ہوئی النداس کے مؤلف بررحم فرائے۔ معرب میں بہر محمی بحدث نبی کے معتبے میں

ت فی ہزو کے ماتھ کھا گیا ہے کہ یہ اُلٹہ ہے کہ وہ انٹری خوری اور منہ کے اور منہ کی خوری اس یے کہا جا تا ہے کہ وہ انٹری خوری ہے ہے ہیں بدتی فقید کی ہے وزن براسم فاعل کا بی کے معنی میں ہے ۔ بعنی خبرینے والا بیعمی جا کو ہے کہا سم معنول منہ کا کے معنی میں ہو معنی جس کوانٹر کی طرف سے خبردی گئی اور اوامرونوای کی ان صفرات نے دلیل میرمیش کی جسے کم نبی کی جمع خلافیف کی جمع خلائی کی جمع خلافیف کی جمع خلات کے دلیل میں جمع خلافیف کی جمع خلائی کی جمع خلافیف کی جمع خلائی کی جمع خلائی کی جمع خلائی کی خلافیف کی جمع خلائی کی کی جمع خلائی کی کی جمع خلائی کی کی جمع خلائی کی جمع خلائی

حفرشعبانس بن سرديس فواشيي : -

یا پر آباین کو سے بین ظاہر ہونا اور طبن دہونا و اب بین تعیلیمی فاعل ہوگا تعین ظاہراور بند میر تفقیق اسم معنول مے معنیٰ میں بھی ہوستما ہے بعنی جس کوائٹر نے اپنی مخلوق ہو طبنہ متر برسنجشا ، یا بید لفظ بنا سے ماخو د ہے معنے راستہ وہ اس طرح کرنبی الشد کی طرف مخلوق کو مہنچا نے والا راستہ ہے جس کے ذریعے وہ اپنے خالق کی بچال کا کتیجیے ہیں بہی وہ انسان ہوتا ہے جس کی طرف احکام شریع کی دھی کی جائے۔

ندى كا اصطلاحي معنى المسرع كى تبليغ كاميم ديا جائد بيمراكراس كوان امكام منكى كا اصطلاحي معنى الشرع كى تبليغ كاميم حكم بوتو وه رسُول مي سبد بين بي عام

مسوال اگرتم بسوال کروکدان بین سے افضل کون سے نبوت یا رسالت ؟

جواب نین عزالدین بن عبد السلام نے لینے قوا عدمیں اس کا جواب دیا ہے کہ نبوت افضل ہے ۔ کیونکہ اس کا مفہوم ہے ان اگمور کی خبر دینا ، جن کا رب سبحانہ مستی ہے بہت لا صفات جلال و کمال اور ان کا تعلق دو نول طرف سے النٹر کے ساتھ ہے اور متفام رسا اس سے کمتر ہے کیونکہ اس کا ایک طرف اس سے کمتر ہے کیونکہ اس کا ایک طرف سے ادبئر کے ساتھ تعلق ہے اور وسری جانب سے بندول کے ساتھ عدا ور بین کمک ہونے کا حکم للندا اس کا ایک طرف سے ادبئر کے ساتھ تعلق ہے وہ اس سے افضل ہے جس کا ایک طرف طرف سے افتال ہے جس کا ایک ایک ایک ایک ایک دونوں طرف سے اور نبوت رسالت سے پہلے ہے کہ موسیٰ علیالسلام سے افتال ، دونوں کا یہ فرمان ، د

اِدُهَ بِنَ فَا فَا فَا اللَّهُ اللّلْمُ اللَّهُ اللّ

پس فرعون کے مبانے کے حکم سے بہلے جو کھے فرایا گیا وہ نبوت ہے اوراس کے بعد

تبیغ کے جواحکام ہے وہ رسالت ہے فلاصہ یہ کہ نبوت کا رُخ معبود کی بہچان، اور

اس سے متعلقہ امور کی شناخرت کی طرف ہوتا ہے ، اور رسالت کا رُخ اللّٰد کا رُمُول

کی طرف ، اس مقصد کے لیے ہوتا ہے کہ وہ ایس کے احکام اس کے بندوں تک بہنچائے

سب تک یا بعض تک جوالٹرنے ان برفرض کے ہیں مشلا ایس کی بیجان ، اس کی اطاعت،

اوراس کی نا فرمانی سے بینا " الخ

ادراس کا افرانی سے بینا تا ابن منجوں سیجیت اُم تی سمیقہوم کی محقیق میں پانچوں مجست اُم تی سمیقہوم کی محقیق میں پانچوں مجست اُم تی سمیقہوم کی مجتب

فلاصمالك الخنفا سے انقول البديع من فرايا جي تشديد كے ساتھ، منسوب ہے. أهر كل طرف بيني نه لكھے زيكھا ہوا بڑھے كو ياجس طرح مال سے بيدا ہونے وقت تھا . اسى عالت يرمرقور ب كدنداس وقت تكفتا برهنا تعار اب ياينسوب ب أم كاطون. كربيخة ال كيم حال مرج كيوك ورتول كى اكثرين مانت بوتى بن كدنه الكيس تراهيس يد مجى كما كيا ہے كريہ فظ احتراف ون المون المسوب ہے - ديعنى مك كى طرف بمعنى ك اوركهاكيا كداس توم عرب كي الم ف منسوب ب بس كى اكثرت ندير هتي تحقي خاسي ا تمعیاور کما گیا ہے کہ اُم ی اُمن کی طرف منسوب ہے ۔ کیونخ فتو علید لا اپنی امن اللہ متناب اللہ معيديه كماكيا بهدك أم التماب كي طرف منسوب ب كيونك يراب برنازل بوني ب ياار یدے کہ آپ نے اس کی تصدیق فرمائی اور دوسروں کو اس کی تصدیق کی وعوت دی بیریمی كماكيا ب كرية أمّة كى طرف منسور ب ب جي كامعنى قدوقامت بالعنى حبين قدوقا والي واوركها كيا ب كذاتُم الدِّمَاع كى طرف ننسُوب ب ريعنى و دجِلَ سيمعز ہوتا ہے ،مزدیہ ہے کوج مسکدس وحی نرواردہوئی اسے دماغ سے سوچ کرطل قرآ والے - تر انکھنا ہارے بی کامعجز ہ تھا - صال تکرآب کوتمام علوم عطا ہو کے اللہ تعالی

وَمَاكُنُتَ تَتُلُوْمِنُ تَبْلِهِ مِنْ لِيَا مِنْ لِيَا مِنْ لِيَا مِنْ لِيَا مُرْمِدِ : ببيب تم اس ع بنك ذكوني وَلَا تَعْطُهُ بِينَمُنْنِكَ إِذًا الْذَا اگرابیها بو اتو باطل پرست سنرو زیمک

ببهطى بجنت ال كالمعنيل

السين اختلاف ہے كماكيا ہے كماس كى اصل تحل ہے مكاركو بمزہ سے بدلاكيا داور ما قبل فتحر ہونے کی وجہ سے العث ین گیا ، اس میں بھی اختلاف ہے کہ بہاں آل محکمت سے مراد كميا ہے۔ ترجع اس كو ہے كه ال محقد سے مراد وہ لوگ ميں جن برسد قدحرام ہے - الم ثنامی نے اس کی تصریح کی ہے اورجہور نے اس فول کو اختیار کیا ہے اور اس کی تائید کرا ہے بی علیالسلام کا فرما ن ہے جسے ابوہ رہے ہ صنی انڈ عنڈنے روایت کیا ہے کہ مکار سنے صن بن علی رصنی النّرعنها سے فرایا ، ہم آلِ مُحَدّ کے بلے صد قدجا مُزنہیں ' اسی طرح ایک سرفوع حدیث میں فرمایا- پرصد قد نوگوں کی میل ہے، ندمحد کے یہے حلال ہے نہ لمحمدى آل سے یہے یہ امام احمد بن عنبل فراتے ہیں تشعد میں آل محدسے مراد حضوعالیسل کے اہل پیت ہیں دازوارچ منظہ است جسنین ،علی ، قاطمہ) اب سوال یہ ہے کہ آیا ال کی جكام لكتا جائز ب واس مي علماً كى دورواتيس مين ودركماكيا ب كرال محترب مادد آبيد كى بيويال اوراولاد ب كيونك عديث ك اكثرطرى مين المحقر ك الفاظ أئير. اور صديث ابوهميدس اس كى جد وار واجه و فريتيه ايا سهديد ديل كال س مرادس كاركى بيويال اوراولا دسے الس بريه اعتراض كياكيا سے كتمينوں (كال، ازواج، اولاد ، کامجوعه بمی تا بنت سهے . جیسے ابو سربرہ رحتی احترعنہ کی غرکورہ عدیمیٹ ۔ اس پیس

مُحسَمَّدٍ فَوْتًا- مقرد فرادے-

گویانه و اولاد کا انگ مرکزنه به قاتوبات ا دهوسی ره جاتی -

امام عب الرزاق نے اپنی جامع میں سفیان توری کے متعلق کھا ہے کہ ایک شخص نے ان سے بوجھا میں کر ان ما کہ اندھ کم متر کے گئے تھید و کھی ان کے کہ کا اس میں اختلاف ہے کہ کہتے ہیں الم محتر مکر رہے گھروا لے ہیں اور کچھ کہتے ہیں الم محتر مکر رہے گھروا لے ہیں اور کچھ کہتے ہیں الم محتر مکر رہے گھروا لے ہیں اور کچھ کہتے ہیں الم محتر میں اور یہ کہ اگیا ہے کہ آل سے مرا دھرف فاطر مرض الدّر عنها کی اولا دہے : اس کو نودی نے شرح المهذب میں بیان کیا ہے ۔ بیم کہ اگیا ہے کہ آل میں اس کو ابن الرفعت نے المہذب میں بیان کیا ہے ۔ بیم کہ اگیا ہے کہ آل میں بیان کیا ہے ۔ بیم کہ اگیا ہے کہ آل سے مرا دھرف المام مالک کام سے مرا دھم اس کو زمری نے اختیار کیا ۔ ابوالطیب طبری نے بعض طرف امام مالک کام سے کہ آل ہے ۔ اس کو نودی نے شرح مسلم میں ترجیح دی ہے ۔ قاضی عین اور المواغ ہے برہمیزگاروں کی قید رکانی ہے جنموں نے مطلقاً کہ دیا ہے انگا کہ دیا ہے دیا ہے دو انگا کہ دیا ہے دیا ہے دیا ہے دیا ہے دیا ہے دو انگا کہ دیا ہے دیا ہے

اِنَ آوُلِيّاً وَ الدَّامُتَقَوْنَ - ترجمن سے ول صوف برہنے گارلوگ ہو سے ہیں ا

لے فوادر ابوا میں ہے کہ انہوں نے ایک ہائٹمی سے نظر حوائی اس نے کہ انہوں و کھیں سے نظر حوائی اس نے کہ انہوں و کھیں و کھیں سے سے نظر حوات و حالان کے ہرنماز میں مجد پر درو دیجیجے ہوا تلائی ہم حسل علی محترد قد علی آل محترک انہوں نے کہا ، میں ان بر درود جیرتا ہوں جو یا ک ہیں ، توان سے ہیں ۔ برات ہا رہے نے کہا ، میں ان بر درود جیرتا ہوں جو یا ک ہیں ، توان سے ہیں ۔ برات ہا رہے نے مہیں ہائی ۔

معلوی خیرا دی کی حکایت ایک علوی اسید کی زیارت اورسلام کرنے کے یائے گئے۔
علوی خیری سے کہا ، ہم اہل بیت کے بارے میں کیا کتے ہو؟ انھوں نے کہا میں اس گارے
علوی خیری سے کہا ، ہم اہل بیت کے بارے میں کیا کتے ہو؟ انھوں نے کہا میں اس گارے
کی بارے میں کیا کہوں جے وہی کے پانی سے گوند معالکیا اوراس میں نبوت کا پودالگا یا گیا، اور
بالت کے پانی سے بنچا گیا اس سے ہدایت کی کستوری اورعد عند عنبرتی کی کستوری
بالت کے پانی سے بنچا گیا اس سے ہدایت کی کستوری اورعد عند عنبرتی کی کستوری
بیری سے کہا اگر تم ہماری نیارت کے لیے آؤ تو رہ مجی تمہاری مہر بانی ہے اور اگر ہم تمہاری
بیری یا کروائیں نا الخ ریاس با فلا ناوی کی گفتگو ہے۔
کریں یا کروائیں نا الخ ریاس با فلا ناوی کی گفتگو ہے۔

مچرہا ہے ان کی مرا دیہ ہوکہ دارو دسے مراد رحمت مطلقاتما م ال پر درود بھیجنے کوجائز قرار دیا ہے ان کی مرا دیہ ہوکہ دارو دسے مراد رحمت مطلقہ ہے ہیں اس کونیکوں سے مقبد کرنے کی کوئی صفر ورمت نہیں ان کی دلیل بیجی ہے کہ محفرت انس رضی اللہ عند کی مرفوع حدیث مدے دیں د

آلُ مُحَسَنَد کُنْ نَفَنَی ایک میسلمان المُحَدید و آل مُحَسَند کُنْ نَفَنَی ایک میسلمان المُحَدید و آل مُحَسَد کُن نَفَنَی ایک میسلمان المُحَدید و آل میسلمان المُحَدید و آل میسلم اس کوطرانی نے بیان کمیا ہے۔ آب اس کا سند میست کمزور ہے بہتی نے حضرت جاہر سے اس سی بی روایت نقل کی ہے اور ساتھ ہی کہ دیا کہ ایس کی سند تعیقات ہے۔

لیکن تصوعیل السلام کی اولاد باک صنور علیانسلام کی اولاد اوران کی اولاد ہے۔

امام احدی کیا آب کی بیٹوں کی تعداد بھی اس میں شامل ہے ؟ توا بام شافتی اورا بام مالک اور امام الکوں کا امام احدی ایک رواین بھی ہیں ہے کہ پر حضرات اولا دہیں شامل ہیں کی نوک تمام سلما نوں کا اس براتفاق ہے کہ فاطمہ کی اولا دہیں شامل ہیں کی نوک تمام سلما نوں کا درود بھینے کی دعا کی جاتی ہو اولا دہیں شامل ہے ، جن کے لیے اللہ ہے درود بھینے کی دعا کی جاتی ہو تی ہے۔ این الحاحب نے مالکیہ کا مذہب یہ نقل کیا ہے کہ حضو تعلیہ السلام البہ مالی ہوں کی اولا دہیں تامل ہے ، قرایا اسی طرح جیسی علیا اسلام البہ مالی اولا دہیں جا مام ابو حقیق اور ایک روایت کے مطابق الم احکار نہ ب علیا سلام اللہ اولا دیں حافظ میں اولا دہیں وافل نہیں ، ہاں اس سے انہوں نے اولا دفاطہ سلمانوں کی بیٹ من نظر تمام سلمانوں کی مالیہ اوعید کو ششنی کیا ہے۔ اس غلیم افرائیس نظر تمام سلمانوں کی المیں انتخاب کے مشن نظر تمام سلمانوں کی المیں انتخاب کے مشن نظر تمام سلمانوں کی المیں انتخاب کی اولا دیں وافل نہیں مالی سے انہوں نے اولا دفاطہ سلمانوں کی المیں انتخاب کی تعلیہ اولی سے دول نے اولا دفاطہ سلمانوں کی المیں انتخاب کی تعلیہ اولی سے دولی کی اولا دیں داخل نہیں داخل نہیں ، ہاں اس سے انہوں نظر تمام سلمانوں کی المیں انتخاب کی تعلیہ اولی سے دولی کی اولا دیں داخل نہیں داخل نہیں ، ہاں اس سے انہوں نظر تمام سلمانوں کی انتخاب کی تعلیہ اولی کو دیک دائل کی دولیہ کی تعلیہ اولیہ کی دولیہ کی تعلیہ کی تعلیہ کی دولیہ کی دولیہ

ایک مهلی بوی صفرت فدیر بنت ایس کی مهلی بوی صفرت فدیر بنت خوبلد رسنی انده منا ارواج معظم مرا ایس می مرسوده دست زمد رسنی انده نها ، بهر عاکشت سدینه بنت او بحریت اید عنها ، بهر عاکشت سدینه بنت او بحریت اید عنها ، حضو علیلسادم بهر حضرت غرکید رسنی الد عنها ، حضو علیلسادم بهر حضرت غرکید رسنی الد عنها ، حضو علیلسادم کی ظاہری زندگی میں صرف به فوت بوئیں بیرام میربند بنت اُبواً میته رسنی الد عنها ، بهر زینب بنت جش رسنی الد عنها ، بهر بیر بیرام می مینه دبنت اُبواً میته رسنی الد عنها ، بهر رسیا د بنت شمعول رسنی الد عنها ، بهر سیاد بنت شمعول رسنی الد عنها ، بهر المی الد عنها ، بهر المی الد عنها ، بهر مل بازد بیران کے علاوہ سات سے آب نے نکاح کیا ہے مگر قوبت منہیں کی ، بس آب کی کا بازد بین ان کے علاوہ سات سے آب نے نکاح کیا ہے مگر قوبت نهیں کی ، بس آب کی منام ازواج شمل اس بورام اورامت براا

كروام بونے كى وجرسے، اورية تمام حنوسطيلسلام كى دنيا اور آخرت ميں ديوياں ہيں.

سأنون محت لفظامراتهم كحبارسيل

مَا إِذَا إِنْتُكَى الْبِدَاهِيْمَ مَا تَبُ مُ تَرْجِرِ: اورياد كروجب ابراتهم كوان وَا وَالْهِ الْبِيلِيمَ اللهُ اللهُ

اورانتد ففرایا : م اقت این این هیئم کان است " ترجمه: بے شک ابراہیم اللہ کے فرانبرار،

داگرج ایک تصح مگر بوری جاعت کاکام کیا) امّت کامطلب ہے قابلِ تعلیم کی تعلیم دینے والا، تنایث کامطلب ہے ہمیشرالندی اطاعت کرنے والا ہتھیں کے کامطلب ہے

الشركى طرف رُخ كرنے والا ، اور ول سے مندمور نے والا اور چكسي چيز كى طرف رخ كرمًا ب، ماسوأ مصمندموراً بي سبع بس باماميم عليالسلام بحار تيسرك باب بين وبي ابل توصير كامام بين ابل كتاب ان كوتموعا لم ستون كاننات كانام ديست بين تمام ابل ملاسب ال كاعظمت ومحبّت برمعن بين ال محبّترين فرزندا رجندا ولا دِا دم محدروار محدمتى التدعليه وسلم ان كي تغلم وتحريم فرمات تصاورتمام مخلوق سے بڑھ كران كے شابہ معصم بساكه ضوعليالسلام كي صحح حديث بين ما ب يرصنورعدالسلام في فراياس في ابراييم عليالسلام كوديحها وهتمهارس صاحب لعني صنورعليالسلام كى ذات پاك سے تمام لوگوں مس بره كرمشابه سمع اورابرابيم على نبيتا وعليالسلام بيط انسان مصحبهول في مهان نوزي كى اور يسط ختنه كرنے والے اور ميلے أو مي مين جنبوں نے سفيد بال ديجه كر عرض كيا ليے يرور دكار إبيكيا ہے؟ فرايا و قار عرض كيابرور دكار إميرے و قارين اصاف فرااور آب تعنی ابراہیم صلی انتدعلیہ شمام جیسا کہ کہا گیا آبک ول رحمٰن کے یا تھا ، اول د قرباتی كے يہے ، اوربدن آگ كے يہے اور مال مهان كے يہے تھا - قلب فيلت خسن - وكدُهُ يلفُرُأُن مَبُدنُهُ يلينينُوانَ مَالَهُ يلقيمنان جب ان كرب في ابنا فليل بنايا اورقلت كمالِ تحبّت كو كيتے بي اور يه و دمقام ہے جو تثركت دمزاحمت قبول نهيں كرتا ، آپ نے اين رب سن يك وصالح بيناعطاكر في كاسوال كيا توالنرن أب كواسماعيل عليالسال عطا فرائے الس بیٹے نے دل کے ایک محدیر قبضہ کرلیا ، دوست کو دوست کی اس بات پرعزت آئی کداس کے دل میں کسی اور کامکان ہو، بس اسی بیٹے کے ذہر کرنے کا مکم وسے كرا بينے ووست كامتحان ليا ماكونجت كارازكك جائے كر اپنے ووست كامجت وبيط كانمت برفائق ہے مجم جب اپنے ووست كا محبت كو بيائے كامجت برترج ويت بو يح الني كرما من تسليم مرديا ادراس اقدام بربوري طرح سه آماده بوكئ. اور مختت کی حکم انی خالب آئی اور بینے کو ذہبے کرنے کا اراد ہ کرلیا ، انٹر نے اپنا حکم منسو

كرديا اور ذسي عظيم مصے اس كافريد دسے ديا . اورجب فكدا كے وسمنول في ان سے يلے آگ جلائى اوران كوجنين مين مخاكراك مين دالن سك توزمين واسمان كے درميان جبربل عليالسلام ان كى فدمست بين حاضر بوتے اور عرص كيا ابراہيم! ميرى ضرورت بوتوحاضر بُول فسرا ياتيرى كوكى

بقول أقبال مرحوم: ت

نه كرتقبيد الم جبريل ميرك جنب و مستى كى تن آسان فرستيون كو ذكر وسبيح و طواف اُو لي يمرالله نے خود ہی ان براگ کو تھنڈاا ورسلامتی کامحل بنا دیا ؟ ترمذی نے ابن مسعوْ رمنی النّہ عنہ سے روایت کی کہ رحول النّہ صلی النّہ علیہ وسلم نے نروا إنسبمِعارج مين معابراسم عليالسلام معملاقات كى وانهول في قرايا المحمدايي أمتت كومياسلام كمنا اوران كولتا دينا كدكم طاشتهرى ، يا في منها ا ورسطح بموار ا ورائس كے يورے شبعان الله والحدد لله ولا الد إلد والله اكبر ميں - ترينرى

نے کہا یہ مدیبشے صن ہے۔ مخصراً ربی ال ابراہیم، تو وہ آب کی اولاد ہے اسماعیل واسخق علیها النبواهيم البدم ع بياريد جاعت ني اس براعما وكياب اور اكر فابت بومائ كرحفرت ساره وبإجره سلام التدعليها كمعلاده مجىكسى بيوى سيرآب كاولاد بسے تولامحالہ وہ بمی اس میں شامل ہیں۔ بھیرمراوان میں سےوہ ہیں جسلمان بلکہ مسعی ہیں بیں ان میں انبیاً صدیقین اشہداً اورصالحین ہی شامل ہیں۔ دوسرسے نہیں بیمال پر دوسوال بير- اول بيكرتمام ببيول بين سيصرف ابرابيم عليالسلام سيمشابهت كيول سوال ہے! فی بیوں سے کیوں تمیں ؟ جواب اس كاجواب يه ب كريا توان كاعزت افزا في كے يا بدلا آنے

یالس یے کہ کوئی اورنبی اس بات میں ان کا نثر کیب نہیں ، اور درود نتر پیف بیں ابراہیم علیہ السلام کا خروجیت سے یا توانس یے ذکر آیا کہ دہ اللہ کے خلیل اور محد صلی اللہ علیہ السلام الله میں کے خبیل اور محد صلی اللہ علیہ السلام الله میں کہ اللہ کے حبیب بیری ، یا اس یے کہ ابراہیم علیہ السلام تتر بعیت کا اعلان کرنے والے ہیں کہ اللہ کے حبیب بیری ، یا اس یے کہ ابراہیم علیہ السلام تتر بعیت کا اعلان کرنے والے ہیں کہ اللہ

قَ النَّاسِ بِالْعَتِجِ ترجم: لوكون مِن ج كا علان كرولوك مَن في النَّاسِ بِالْعَتِجِ ترجم: لوكون مِن ج كا علان كرولوك مَن أَن في النَّاسِ بِاللَّهِ وَعَلَىٰ كُلِّ تَمهار سے باس بِيل اور دُبي اولائيول مَنافِق مَنافِق مَنافِق مِن اللَّهِ مَنافِق مِن اللَّهِ مَنافِق مِن اللَّهِ مَنْ اللَّهِ مَنافِق مِن اللَّهُ مِن اللَّهِ مَنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِن اللَّهُ مِن اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِن اللَّهُ مِنْ اللَّهُ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِن اللَّهُ مِنْ اللَّهُ اللَّهُ اللَّالِمُ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّ

اور محد صلی الند علیہ وسلم دین کا اعلان کرنے والے بیل و فرایا جمہ استیارے ہور دگار! بینیک سینیا این استیارے برور دگار! بینیک سینیا این استیارے برور دگار! بینیک بینیا این استیان سینیا این استیان سینیان کرنا ہے۔ ایمان کا اعلان کرنا ہے۔ ایمان کا اعلان کرنا ہے۔

یاس یے کوابراہیم علیالسلام نے رہ تعالیٰ سے یہ سوال کیا تھا جب انہوں نے خواب میں جنت دیکھی اور اس کے درخوں بر لگ الله والله الله محکمت منظم کی اور اس کے درخوں بر لگ الله والله الله محکمت منظم کی اور اس کے درخوں بر لگ الله والله میں بوجیا توانہوں نے سرکار کی شال بائی اب نے دعا مانٹی اللی اللہ محمصلی افتر علیہ وسلم کی زبانوں برمیرا ذکر جاری کورکھنا سیا اس وج سے کرفرات میں در

Marfat.com

وَاجْعَلُ يِّيُ لِيسَان حِسدُي ترج : بِجِيلوں مِي ميرت بِيسِح أِن كُفا.

یاس یے کہ باتی ابیائے کرام بیں آپ ہی سب سے افضل ہیں۔

را ا ا یہ ہے جوہشور ہے کو کا تغیید ہیں مقرر قاعدہ تویہ ہے کوشند بمشربہ سے وکسرسول کر بہتا ہا ہے کہ اسلام پراور آپ کی آل برجینا جانے والا درود ، شریع بمشید ہے اور اہراہیم علیالسلام اور آپ کی اور دیور بہت اور اہراہیم علیالسلام اور آپ کی اولا درود ، شریع بمشید ہے اور اہراہیم علیالسلام اور آپ کی اولا درود بہت ہے۔ مالانکو معاملہ در حقیقت اس کے برعکس ہے کہونکہ ایک گئے تاہم میں انٹر علیہ وکم اہراہیم علیالسلام اور آپ ابراہیم سے افضل ہیں بخصوصا جب آل محکم صفر عبرالسلام کی طرف منسوب ہے ، اور افسنل ہونے کا تما ضا تو یہ ہے کرجس درود وجمت کو طلب کیا جایا ہے وہ ہر دو سرے درود ورجمت سے افسنل ہو جو کسی اور کو حاصل ہو گئے ایر ایر گئے ۔ ک

اورفرمان پاری تعالی :ر

کُیْبَ عَلَیْ کُوْ الصِیْبَ مُ مَرَ الصِیْبَ مُ مَرَجَهِ بَرَمَ بِراسی طرح روز نے فرض کئے۔
کماکی یہ علی الکّن یُن مِین جُکیکم کے کئے جس طرح تم سے بہلوں پر فرض کئے۔
کماکی یہ علی الکّن یُن مِین جُکیکم کے کئے جس طرح تم سے بہلوں پر فرض کئے۔
تول مختار میں یہ ہے کہ مُراد اصل روزوں میں تشبیہ ہے۔ نہ کہ وقت میں یا متعین فرو
میں۔ یہ ایسا ہی ہے بیسے کوئی کے اپنے بیٹے سے بھی اسی طرح احسان کر بیسے تو نے فلال

سے اصان کیا ہے اور مرا و اصل احمال ہونہ کیمتدار اسی قبیل سے امتدکا یہ فرمان ہے : اکٹیسٹ کہ کہ جھت احلیٰ مخترت ٹرسٹی علیاسلام نے قارون سے

اکٹیسٹ کہ کہ ایک سے

فرا یا احسان کر بھیسے ہیرے ساتھ اللہ

فرا یا احسان کر بھیسے ہیرے ساتھ اللہ

نے احسان فرما یا "

لَدَ تَجَمَع اصتى على الفسلالة - ترجر: ميري أمّت كرابى بر آف آق لد تجمع اصتى على الفسلالة - ترجر: ميري أمّت كرابى بر آف آق

مالا و مین ایک شخص نے یہ دعولی کیا کرسیدنا ابراہیم علیالسلام سیدنا محقر صلی الله علیم میں ایک استعلیم الله علیم الله علیم میں ایک ایم واقعیم سے افضل میں دلیل میں بیش کی کرحفور علیالسلام نے صحابہ کرام الم الم میں درود شعر بیت پڑھنے کی جو تعلیم دی درود شعر بیت پڑھنے کی جو تعلیم دی درود شعر بیت پڑھنے کی جو تعلیم دی درود شعر بیت بیڑھنے کی جو تعلیم دی درود بیت بیٹر سے کو تعلیم دی درود بیت بیٹر سے کو تعلیم دی درود بیت بیٹر سے کی جو تعلیم دی درود بیت بیٹر سے کو تعلیم دی درود بیت بیت ہے کہ کو تعلیم کے کو تو تعلیم کے کو تو تعلیم کے کو تعلیم کے کو تو تعلیم کے کو تو

ين بوفرا إلكا صَلَيْتَ عَلَى إِبْرَاهِنِيمَ وَعَلَى آلِ إِبْرَاهِينِم وَعَلَى آل إِبْرَاهِينِم وعلما يُما في كايرُ فاعدُ ہوتا ہے استض سے یز محت پوشید رہاکہ یمسکدا کے بب سے ہے قرمشیہ پھتیہ سے بمن أيا وه يركه معابر كوام فيجسب كهايا رسول الندائب يرسلام برصاتومين معلوم ب- درود رصلاق كس طرح برصين وجب نمازا داكرين توفرا ياكهو أكته فسيتم حسل على محسقي وَعَلَى ٱلِ مُعَيِّدُ كُما صَلَيْتَ الزَّك الزَّك السِه إلى الما صَلَيْتَ عَلَىٰ إِبْمَا عِيْمَ الرَّك كَنَا ير ب كداكب درود شرليف كاصورت وكيفيت كاسوال كياكياتها . يس تشبير صرف كيفيت بي ب يغور يجيح بب أب كسى ولى ياعالم كو كتے ہيں كم مجھ أب ادب سے سلام كرناسكمائين ماكم سم آب كوا دب سيسلام كري آب كي تعظيم، مدح اور لوگول مين آب كي فعيلت بيان كري-تواس سے یلے سوائے فاموشی کے اور چارہ کا رکیا ہوگا ؟ یا بھرلولیں توعا جری و انکساری کے الفاظ بولين اسى يلے كعسب بن عجر ورمنى الترعندكى للريث مين آيا ہے كەحب ہم نے ركسول الله صلى التندعليه وسلم سن يوچياكه آب بيركس طرح در ودجيجاكرين ؟ تواسب خاموش بهو كنة اورچه اقدس کی نیکت سُرُخ ہوگئ بیمان مک کرہم نے اظہارافسوس کیاکہ ہم یہ سوال نہ پوچھتے توہتر به تاید بجد شد مت حیا کی بنایر تھا اور آب کا فرمان در

نتفاعت !

واضح طور براً بب کی نفیدت تا بست کرره اسے یمان کمک کرخود آ دم علیالسلام بریمی -اور فران باری تعالیٰ :ر

وماينطق عن المفوى إن هو ترجم برميوب ايى خوايش سنهيل بولة الله وخسي يونون - يه تو فالص وحي بوتي بي حوانهين كي جآتي -

یر محق آدم علیالسلام کے ساتھ اظہار ادب ہے ، کیونکہ بیٹے کے یے مناسب نہیں کرکے ہیں ابتے باب سے افضل بول - داگر جافضل ہی ما ل جهاں اور ن النی آگیا تو بیان واقعد کردیا ہے۔

الدم فين دُون مُ تعسب ترجر ادم اور ووسي فوق مير روائي- يجم كے يع بول كے ي

علما نے معرف استنس بر، بشرطیک ایکا یہ توان ابت ہوجائے سخت احجاج کیا ہے شائسیدی محدالب كرى اسيدى محدالرملى المين على عاصرالدين طبلاوى النيخ نورالدين طندنا في في اوريدكمابي ما م عجول میں پڑھی گئیں جاں ہے تھا ر ہوگ سمے اس کو بچھ بھیے سب تعریبی اللہ رسالعالمین

انہوں نے اپنی کہ سے طبقات کباری میں عارف بانٹدسیدی ابوالموام ب شاذ لی کے حالات منگ میں تکھا ہے اس میں تکھتے ہیں ۔ ابوالمواہب رسنی اللہ عند فرط یا کرتے ہے۔ با معدال زہر میں ا ميرساورايك دوسر فيخص مين صاحب قسيده بدده كالأول بي حبكم موكيا. فَمَنِهُ الْعِلْمِ فِيهِ اللَّهُ أَنْ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُل ترجد :رصد عدياسلام كفتعلق عارس علم كامنع ميان كم بين أب. أسان بي

ور ب سكر آب التركي تمام مخلوق ست افتسل بير-اس تحق نے ا، علیہ فرحمہ کے پاس اس کی کوئی دلیل نہیں ، بی نے اس سے کہا اس م المتت كا اجاع ب الين اس نے اپني بات سے رہوع نركيا توميں نے صنور عليالسلام كو

فوائے گا۔ اگرچہ و و و ل وصعف جالی گرجی میں شرک میں بیس تعلیل علیالسلام بران کے مرتبہ کے مطابیق ترجی جال کا زول اور ہارے آقافح ترصلی المتدعلیہ و لم پر بجی جال کا زول ان کی شایا بی شایال بی بی محد صلی المتدعلیہ و می کا مقام سیرنا ابراہیم علیالسلام کے مقام سے بلند تر ہے ۔ بیس جس و رُوو کا حضو علیالسلام کے لیے مطالبہ کیا جا آ ہے و والس ورُو و سے افضل ہے جوالتٰد نے ابراہیم علیالسلام پرنازل فروایا " یہ تفصیل اما م نووی کے اس قوال کی آئید کرتی ہے امام نووی کا قول ہے کر ہا رہے بی محدر شول اللہ صلی المتدعلیہ و سے کہ ابراہیم علیالسلام کے ورود کو ابراہیم علیالسلام کے ورود سے شعبیہ و سے سے اعتراض وارد ہوتا ہے کہ ابراہیم علیالسلام سے افضل ہیں۔ اس کا بہترین جا ب وہ ہے جوامام شافعی کی طرف ننسوب ہے کہ المتشبلید کو حسل ہیں۔ اس کا بہترین جا ب وہ ہے جوامام شافعی کی طرف ننسوب ہے کہ المتشبلید کو حسل المقداد تو آ می المقالی پر تشبید نوب ہو کہ کو نفس صلاۃ ہے ہے ''

علامراحمد بن جرمی نے اپنی کتاب الجوه والمنظم فی زیادة المقسب الشریت النبوی المکوم می فرایا میزی کتاب الجوه والمنظم فی زیادة المقسب الشریت النبوی المکوم میں فرایا میذا ابرائیم طیل اوراپ کی آل اہل ایمان کو درُوو شریت میں ترجیح وینے کی وجہ یہ ہے یک الناز نے رحمت وبرکت صرف ان کے ہے جمع کی ہیں۔ سورہ ہو دمیں فرایا :۔

ترخمه والله وكركانه عكيكم ترجر اور بيسك بهار عن محمد صلى المحمد الله وكركانه عكيكم المراح المحمد المراكم المركم المراكم المرا

من الدين من كا ارتباد المناد المناد المناد المناد المناد المن المناد ال

المطهوب محت نفظ مركت ميل

کوت میں اس کا معدب ہے عزت و مجاد کی کا برسنا اور ترقی کونا۔ او یک ایا ہے کہ اور کے کرما داو یک ایا ہے کا کہ اور ہے عیبوں سے باکہ صاف ہونا ، یرجی کہ گیا ہوگئا کہ کہ اس قول سے بادیکت الدیل کا وض زمین برخم کیا ہوگئا کہ اُسٹاء اس جی کو کہتے ہیں جما بالی خم ہرا ہو۔ ابوالیمن بن عسا کرنے اس معنی برجزم کیا ہے وہ کہتے ہیں بایات کا مطلب ہے۔ بوشرف وعزت تو نے ان کو دی ہے لسے قائم دائم رکھنا ، یہ عربوں کے اس قول سے جوشرف وعزت تو نے ان کو دی ہے لسے قائم دائم رکھنا ، یہ عربوں کے اس قول سے بادیک البیدی یہ نفظ ہے بادیک البیدی کے بادیک کہ بیٹ اور کہ البیدی کے بادیک کہ بیٹ اور کہ کا جاتا ہے بی وہ کھی میں استعمال ہوتا ہے بیٹ کے بیک بخت آدمی کو متبارک کہا جاتا ہے بی وہ محبوب ومرخوب ہے۔ ماصل یہ کوا اور اس الفظ کا مقصود ہے۔ بہتری عاصل ہوتا اور اس کا

قائم دائم رہنا جبہم کتے ہیں آ ملے ہم کا بیائے علی نمح تکید تو اس کامطلب ہوا ہے ، اہلی مختری ذکر دعوت او یشر بیت کو دائمی کر دے او یضو کے بیرو کاروں اورغلاموں کی کشرت عطا فرما اورضور کی آمت کو آپ کی برکت وسعا دت کی بیجان کرا دے کہ تو ان کے بارے بیل سکر کشفاعت قبول فرمائے گا - اوران کو بہلی جنتوں میں داخل فرمائے گا ، اوران کو ابنی رضامندی کی شفاعت قبول فرمائے گا - اوران کو بہلی جنتوں میں داخل فرمائے گا ، اوران کو ابنی رضامندی کے گھر میں ٹھر انے گا - اوران کو بہلی جنتی سعا دت ، دوام اوراضا فر کے بیان میں مافظ ہوئی ہے کہی ہے اور کہا کہ ہاری معلومات کے مطابق ابن حزم کے مافظ ہوئی ہے کہی ہے اور کہا کہ ہاری معلومات کے مطابق ابن حزم کے موا ، کسی نے قد بار نے علی فحت کی ہے اور کہا کہ ہاری میں کہا - ابن حزم کے الفاظ سے کسی نہ کسی صورت میں اس کا وجو بے معلوم ہو آ ہے ، وہ کتے ہیں کہا - ابن حزم ہے کہ مرکا ر پر برکت کسی صورت میں اس کا وجو بے معلوم ہو آ ہے ، وہ کتے ہیں کہا - ابن حزم ہے کہ مرکا ر پر برکت بھیے ، خواہ عربیں ایک باری کیوں نہ ہو '' ۔ الخ

نول بحدث عالمين كے بارے بيل

القول السدين مين فرا إبساكه حديث بن ابوسود ونيه وكى روايت بن آئى عالين سه مراد دنيا كى اقسام بني اس بن اوراقوال مي بزي بها كيا ب ولات الافلات مين مين المربح بي بن المربح المربح بالمربح بن المربح بالمربح بن المربح بن المربع بن المربح بن المربح بن المربح بن المربع بن المربح بن المربح بن المربح بن المربع ب

برکت مطلوب ہے جو مخلوق بین مشہور دمعرد دن ہونے میں اس رحمت دہرکت سے مشابہ ہو۔ الشرنعانی فرمآ ہے جر

وَشَدَكُنا عَلَيْهِ فِي الْآخِدِينَ ترجم نهاى عزن وتحريم كماته وستركنا عَلَيْهِ فِي الْآخِدِينَ ترجم نهاى عزن وتحريم كماته وستسلام على إبراهيم إلى المائيم بيسلام بود

فلاصنحتم ـ

دسول المحتدميد محيد كياري

نمیں، بیکسی غرض سے کی قوتم اس کی تعربیت کرنے والے نہیں آ وقید رئیجت ہے اس کی تعربیت اور کی تعاشا تعربیت نہ کرو، اور یہ تعربیت اور گئیت آبع ہے ان اسباب کے جو محبت و تناکا تعاشا کرنے والے بیں۔ اور و وہیں محمود کی صفات کمال، اور دوسروں سے اس سے مبلال واحسا کی خصلتیں۔ بیس بین محبر گئیت کے اسباب بجر کہوں بیصفات جامع اور کا مل تر ہوں گا، فنا و محبت او کا مل تر ہوگا۔ انڈ تعالیٰ کے لیے کمال مطلق ہے، جس بیس کسی طرح کی کوئی کمی نمیں۔ احسان تمام تراسی کا ہے اور اس کی طرف سے ہے بیس وہ ہرجت سے مکی محبت اور محمل تناکا حقدار ہے۔ وہ اس بات کا حقدار ہے کہ اس سے محبت کی مبارک ذات کی وجہ سے، اس کے اقعال واسما کی وجہ سے اور ہم بھی انڈر بھواس کی وجہ سے، اس کے اقعال واسما کی وجہ سے اور ہم بھی انڈر بھواس کی وجہ سے اور ہم بھی ہم بھواس کی وجہ سے اور ہم بھی ہم بھی انڈر بھواس کی میں میں کی وجہ سے اور ہم بھی ہم بھ

درود بیسین والاالندسی حضو کی تنا و بزرگی مانگا ہے کیونکد در و دشریعت بمی ایک طرح مست سرکار کی حدو برکرگی بی ہے ولئداان دواموں سے اس کوختم کرنا مناسب تحالیتی حمید مجید سے برکونکد دعا کرنے والے کے لیے جائز ہے کہ وہ اپنی و عااد شرکے اموں بیس مسی ایسے نام سینے تم کونسے ہواس کے مطلوب سے مناسبت رکھتا ہو، یاس سے اپنی دعا شرد ح کرے ، فرمان باری تعالیٰ ہے : د

ا در حضو علیالسلام نے صدّ بلق اکبر صنی النتری المنتری میں وقعت فرایا جب انہوں نے اسے اسے مستری اللہ میں اللہ م آب سے نماز میں مانگی جانے والی وُعاسکھانے کا سوال کیا ۔ کہو :ر

اوریہ بہت ہے۔ اورجب کررسول اللہ ملی اللہ ملی اللہ ملی کا بنے اُویر اللہ کے درود سے مقصد تعربیت ہے اورجب کر رسول اللہ معدمید، کے دوناموں سے ختم کیا ؟ جلا الافهام کا فلاصد ختم ہوا۔ کا فلاصد ختم ہوا۔

انقول ابسد یع میں فرایا یحییہ تحد سے قیدی گئے وزن پر تھیٹوڈ کے معنی میں ہے۔ اور ایس سے زیادہ بین ہے۔ کی تکھید وہ ہے جس کو صفاتِ تحد کا مل طور پر صاصل ہوں ویرجی کما گیا ہے کہ جمید حامد کے معنی میں ہے ، بینی بندوں کے اپھے افعال کی تعرفیت کرنے والا ۔ اور مجید مجد سے ہے یہ بزرگی کی صفت ہے ۔ اس دُعا کو ان عظیم و تنا اور د ناموں سے تم کرنے کی مناسبت یہ ہے کہ معلوم ہو کہ اللہ اپنے ہی کی تغطم و تنا اور عزید و تنا ہوں ہے اور حمد و بزرگی طلب کرنے کو یہ بات سلوم عزت کرتا ہے اور محد و بزرگی طلب کرنے کو یہ بات سلوم ہے اسی میں اشارہ ہے کہ یہ و د نون چیزی مطلوب کے یافیت ہیں ۔ یا اس کے ہے اسی میں اشارہ ہے کہ یہ دونون چیزی مطلوب کے یافیت ہیں ۔ یا اس کے مسلسل نعمی میں اور معنی یہ ہے کہ وہ کام کرنے والا ہے جوسبب حمد و تنا ہیں ۔ مشلا مسلسل نعمی مطافر مانا ۔ بہت احسان کرنے والا کریم ہے اپنے تما م بند وں پر ۔ مسلسل نعمی عطافر مانا ۔ بہت احسان کرنے والا کریم ہے اپنے تما م بند وں پر ۔ مسلسل نعمی میں انگذرت العالمین کے یہے میں ۔

نوال باب

ببى عليلهام كاجلة اوربوت من ويدار عاصل بوما

جان یجے کرس نے دسویں اب سے پہلے یہ اس لیے نکھا ہے کرحضو علیدسالم پردرُود وسلام كاسب سے بڑا فائدہ خواب بي آپ كى زيارت كرنا ہے بن لوكول كوي تعمت كثرت سے ماصل ہو كى وہ اس سے ترقى كر كے بدارى ميں سركار كى زيارت كى بنيس كے. اورجب كريرسب سے بڑى نعمت ہے اوراس كے اسباب كاعلم، تمام علوم يل اہم ترين علم ہے، اس بات بیں اس پر میں شرح وبسط سے کلام کیا ہے۔ اور اس میں میں نے حضرات اولیاً، ائمر، علماً کے اس موضوع براتنے اقوال جمع کر دینے ہیں جواس سے پہلے کسی کما سیا جمع نهيل كئة بكة ويسان كى عبارات معيمين علوم بوجائ كا- انشأ الترتعالى -ابوعلسدالرصاع نيات ابنى كماب تحفة الدخيار مين فرايا وجب اس أمت کامرتبہ لینے رہ سے ہا رمقرر ہوجیکا و زبی کی نضیدت سے اس کی نصیدت تا بہت ہوگئی اور نبی اُمّی محترم کی سخت محبّت کی وجہ سے بیتمام اُمّتول کی مردار بن گئی ، اورمبنزین زماندان نوگول كا تما جنهول نے سركاركو ديكھا اورآب پرايمان لائے اور و ه صحاب كرام تعيم ،جو برك معزز سردار تنص جنول في سبقت كتمام نثان جمع كريد تص اورجو سيدلفن ا درجبیب حق کی صحبت سے فیفنیاب ا ورجبیب فکدا کے انوار کے مشاہرہ سے بھڑور ہجنے ان سے بعد وہ باتی رہ گئے جن سے بلے آب کی لائی ہوئی آیات پڑھی گئیں اورجن سے سلمنے آب کی صفات بیان کی گئیں-اورجن کے بال آب کے معجزات انتابت بوکے اورجن براب کی خیروبرکت کی بارش مسلسل ہوتی رہی تو وہ بھی آپ پر ایمان لا منے ، آپ کی تعدیق کی ۔

فیارت سول کاطریم است دادر است مرکزیم علیالسلام کے دیدارکاشوق رکھنا ہے اور است سول کاطریع است میں اس کے دل برا قائے دوجهاں کی مجتت خالب ہے ،اور اس کے دل میں دنیا کے مال واسباب کی مجتت نہیں ،اس کا دل ایسا آئین ہوجا آ ہے جب بیں اس کے دل میں دنیا کے مال واسباب کی مجتت نہیں ،ایس کا دیدار صحح اور خواب بیں آ پ کا دیدار صحح اور خواب بیں آ پ کا مشاہدہ قطعی ہے ۔ بین میرے اور کس مقام میں دل کی صفائی اور کھتے ہے۔ بین میرے اور کس مقام میں دل کی صفائی اور کھتے ہے۔ بین میرے اور کس مقام میں دل کی صفائی اور کھتے ہے۔ بین میرے اور کس مقام میں دل کی صفائی اور کھتے ہے۔ بین میرے اور کس مقام میں دل کی صفائی اور کھتے ہے۔ بین میرے اور کس مقام میں دل کی صفائی اور کھتے ہے۔ بین میرے اور کس مقام میں دل کی صفائی اور کھتے ہے۔ بین میں دل کی صفائی اور کھتے ہے۔ بین میں دل

ا بقول غالب سه

واکر دیئے بین ٹوق نے بند قبائے طن عزاز ٹکاہ اب کوئی عائل نہمیں رہا مترجم ، کیونکرصا دق در مصدق آفاصلی الشرعدیوم فرائے ہیں : مین شائی ٹی فی الکنام مکھنے تو ترجمہ: جس نے مجھے خواب میں دیکھا اس سائی تحقا ۔ نے بین الکنام اور جبیب بشمنشا و علام کے دیدار کا ٹیوق ہو، اپنی مُحبّت کو

آوی کرلو، نفس کو صاف کرلو، اور صنوعظ السلام پردرد دوسلام پڑھنے ہیں عمر صرف کرو۔

یہاں کہ کہ تمہمارے دل کا ایک ایک کو نہ انوارے پُر ہوجائے اور انحیار کے اندھیرے

مرٹ جائیں اور اس میں ہاشمی مختار صلی النّد علیہ و لم کی صورت منتقش ہوجا کے النّد ان پر

ادران کے آل واصحاب پر رشمی ادرسلام ازل فرائے جو بصارت وبھیرت والے تھے۔

امر تر مذی نے اپنی کتاب شاکل کے آخر میں ایک باب با ندھا ہے جس میں نہی کریم صلے ادنتہ علیہ وسلم کی خواب میں زیارت ہونے کا بیان ہے۔ اس میں انہوں نے

چند عد شیر نقل کی ہیں : م

می بیث حفرت ابو مرزه رصنی الله علیال الام سے روابت کرتے ہیں فرایا دوسر خد جس نے مجھے خواب میں دیجھا ، اس نے یقینًا مجھے ہی دیجھا کرشیطان نہ میری صورت اختیار کرسکتا ہے نہمیری شاہمت اختیا رکرسکتا ہے ۔

مدى بيت طارق بن التيم رضى الله عنه كى روايت كنبى عليالسلام نے فرايا ، جس نے مليس مرفلا مجھے خواب ميں ديکھا ، اس نے مجھے ہى ديکھا ؟

من برفت الومريره رصى المدّعنه سه وايت كدر شول المدّصلى المدّعليه ولم فرايا بي الموسى المدّعليه ولم فرايا بي ويحا المدّعلي المدّعلية ولم فرايا بي ويحا المدّعلية ولم المدّعلين ميرى شانهين بي بي محلى حد جوابو مريره رضى المدّعنه سه روايت كرنے والے بين ميں في يدهديث حضرت ابن عبالس رضى المدّعنه سه بيان كى اور ميں نے كها، ميں في بي عليا المام كو ديكما جنا ورميں في مورت بارك والى موري في مورت بارك والى موري المدّعنها كا ذكر كيا كر صفور عليا السلام كى صورت بارك والى عبالس رضى المدّعنها كا ذكر كيا كر صفور عليا السلام كى صورت بارك والى عبالس رضى المدّعنها كا ذكر كيا كر صفور عليا السلام كى صورت بارك والى عبالس رضى المدّعنها في المركمية واقعى ملتى تعى -

حفرت ابن عبانس رصنى الترعنها سے روایت كه رسول الترصلی الترعلیه بالجوي مديث وسلم نے فرما یا شيطان مير ماشا برنسين بوسکتا ، سوجس نے محفظواب میں دیکھا ،اس نے مجھے ہی دیکھا ۔ بزید فارسی جو قرآن کے نسخے لکھا کرتے تھے ، کہتے ہیں میں نے حضرت ابن عبالس کے زمانہ میں ،خواب میں نبی علیالسلام کو دیکھا توابن عباس سے كهاكه ميں نے نبی عليدلسلام كوخواب ميں ويكھا ہے، نو ابن عبائس رضى التدعنهما نے فرايا . حضوعليالسلام فرما باكرتي يمح بتيطان ميرك مشانيهين بوسكتا ، سوص نے خواب ميں مجعے دیکھا اس نے مجھے ہی دیکھا۔ اچھا تم نے نواب میں جسے دیکھا اس کا مگلیہ با ن کرسکتے ہو، ہ كهاكه إلى مين تيرسصا من اس كاصفت بيا كرّابُون و وا ديون مي سے درميا في تخص جهم ور گوشت سفیدگندم گول ربعی مرخ زمگ، کیونکسمره کالفظ حمره برجی بولا جاتا ہے انکھیں مرکیں اہنسی خوبھورت اچھرے کے دائے سے خوبھورت ، اس کان سے اس کا ن يكسكفني والمهمى بجس فيسين ساؤيركا حتة تزكر كماتها - اس يرابن عباس رصني الترعنما نے فرایا اگرتم بیداری میں بھی ہوتے تو اس سے بڑھ کو تعربیف نہ کرسکتے۔ ابوقتا وه رصنی انٹر عند سے روایت ہے کہ رسُول انٹرصلی انٹرعلیہ وسلم نے فرایا جس نے مجھے خواب میں دیکھا اکس نے حق کو دیکھا۔ ما و پیٹ حضرت انسروننی النّدعدُ سے کر دِسُول النّدسی النّدعدیہ ولم نے فرایا ۔ مالول حد کرجس نے خواب میں مجھے دیجھا اس نے مجھے ہی دیجھا کرشیطان میری خیالی منكل مين بحضي استخا، فرايا صاحب ايمان كاخواب نيوت كے جياليس اجزأيس سے لكسيجز بوتا ہے بميرے مشاشح كے شيخ بشيخ ابرا ہيم با جور دى دهمة المله عليہ نے اپنے حاشب میں فرفایا ۱۱س کی وجرجیسا کد کماگیا یہ ہے کہ وحی کا زمانہ بیکی سال ہے۔ اورسب سے بھلے صنة عليالسلام كوا يسے خواج ہے شغروع ہوئے تھے اوران كى ندّت چے ما ڈھى ا ورائس كى تسبت سارى مدت سے كرين توجي اليسوال حد بتنا ہے بيم فرما يكداس فرمان كازيده وانع

مغهوم کراچے تواب بہوت کا جزوہیں، یہ ہے علم بنوت کے اجزا ہیں ہے ایک جزوہیں۔
کیونکران سے آدمی بعض غیوب کوجان لے گا اور بعض مغیبات پر ہاوی کا معنی اطلاع
پالیتا ہے اور اس میں کوئی تشک نہیں کرغیبات کا علم ، علم موت کا حقہ ہے اس کی تا بیکدوہ
عدیت بھی کرتی ہے جسے ابوہ بریرہ رضی انٹد عنہ نے مربوعاً ذکر کیا ہے کہ مبشرات کے ہوا
نبوت کاکوئی حقہ باتی نہیں رہا ، صحابہ کرام نے پوجھا ببشرات کیا ہیں اچھے تھا ب جو مردمومن
دیکھتا ہے نیا اُسے وکھائے جاتے ہیں اس کو بخاری نے روایت کیا فرما یا مبشرات سے
دیکھتا ہے نیا اُسے وکھائے جاتے ہیں اس کو بخاری نے روایت کیا فرما یا مبشرات سے
تعبیر کرنا غالب کی بنا پر ہے ورند کہمی تھا ہے منذرات دشنبہ کرنے والے ، بھی ہوتے ہیں
عبارت مختصر اختم ہوئی۔

میں نے شماب رملی کے فقاؤی میں یہ سوال ویکھا ہے۔ ولجسب الول وجواب الرسالة مأبسى المدعلية وسم في تواليف إيد میں توفرا دیا جس نے مجھے خواب میں دیکھا اس نے سے مجے ہی دیکھا کرتیطا ن میری مثل نهیں بن سکتا ، الله تفالی مصتعلق ایسانهیں فرمایا ہ اگر کو فی جواب دینے والا پر جواب دے كرجب نبى علىالسلام كى صورت انسانى شكل كيمت بمعى توممئن تماكر تبيطان سركاركى خيالي إمثالي صورت اختيار كرالي لنذامنا سبتهاكه مركارايف بالمصيري وضاحت فرما ویتے. رہا اللہ تعالیٰ تواس کی مثل ہے ہی نہیں بیں عقل بھی اس کو اس کے حق میں جائز توازميس ديا جامسكتا - لنذاد حضوعليالسلام كور، اس وضاحت وتنبيه كي عنرورت تتمحى ي آیا بیجواب درست سے یانہیں ؟ توشهاب ملی نے اس کا بیجواب دیا کرحفوظلیالسلام حصو طور براینی ذات یک کاجو ذکر کیا اس مین دختی میں - اول ید کد فرمایا ، اس نے سے مج مجھے ہی دیکھا جب کہ اللہ تعالیٰ سے بارسے میں ایسانہیں۔ قائنی ابوبحریا قلانی نے فرما یا کنواب میں اللہ تعالیٰ کو دیکھنا وہم اور ولی وسوسہ ہے ایسی مثالیں سامنے مجاتی میں جواس کی شان مے لائق نہیں " الغزالی نے اپنی بعض کتا ہوں میں فرایا اکثر کے نزدیک وات یاری کودیکنا

متعة رجى نهيں بوسكا اگر كوئى شخص من كے خلاف و بهم كرنا ہے توان كويرات وضاحت
سے بنا دى جائے گا . فرا يكرير اختلاف "ديجے" كالغظ بولنے يس ہے ، اس ميں سب كا
اتفاق ہے كرم عنى مرادلينا جائز ہے كيونك ذات بارى تعالىٰ نظر نهيں آئى . كيونكي جونظراتى
ہے وہ مثال ہے اور الندابنى ذات كے ليے شاليں بيان توكرتا ہے ، ليكن مشل سے ہے وہ مثال ہے اور الندابنى ذات كے ليے شاليں بيان توكرتا ہے ، ليكن مشل سے ہے توپاك ۔ دوم يركد ايك جاعت نے الله كا ديدار كال بتايا ہے كيونكونواب ميں جونظراتا
ہے وہ خيال ومثال ہے اور ذات تو يم كے ليے يہ دونوں محال ميں ۔ سوم مذكورہ بالا جواب ديا ہے ، وہ بالكل سي جے ہے " فتا دى كى عبارت ختم بوئی۔ عواب ديا ہے ، وہ بالكل سي جے ہے " فتا دى كى عبارت ختم بوئی۔ عمار ف بالد عراق با

البخارى كاسترح مصحنوعلياسلام كے ارتباد بر

مُسَمَّوْا بِالْهِي قَلَا تَكُ الْوُا تَرْمَه : ميرے نام برنام رکھو، اورميری ويکننتي وَمَنْ مَا فِي الْسَنَامِ کنيت برکنيت ندرکھوجس نے مجھے مَنَّدُ مُنَا فِي قَلَ الْسَنَانَ لَا تُوابِ مِن ديکھا اس نے يقينًا مجھ بي کھا تَدَ مَنَا فِي قَلَ الشَيْطَانَ لَا تُوابِ مِن ديکھا اس نے يقينًا مجھ بي کھا تَدَ مَنَا فَي قَلَ اللّهُ يَعْلَى اللّهُ مِنْ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ مِنْ اللّهُ مِنْ اللّهُ مِنْ اللّهُ اللّهُ اللّهُ مِنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مِنْ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ ال

میں کسی صورت میں کسی اور مجی نہیں است کا رسوس نے مکار کو اچھی صورت میں دیکا ، تو بددا صل و یک کے دیں کاحن ہے اور اگر مکار کا کوئی عیب دار عضو دیکھا ہے توبیعیب میں دیکھنے والے کے دیں کاحن ہے اور اگر مکار کا کوئی عیب دار عضو دیکھا ہے توبیعیب ہی دیکھنے والے میں ہے کہ اس کے دین میں خرابی ہے ۔ اور یہی بات تی ہے ، اس کا تجرب کیا ہے ، واقعی میں اسلوب ہو تا ہے ، مرابر برابر ، اس کا انکار نہیں کیا جاسکا ، اس سے صور علیا سلام کے دیدار کے سلسلومی برمت بڑا فائد ، حاصل بڑوا بیمان کم کے دیدار کے سلسلومی بوجاتی ہے۔ والے کو اپنی دینی حالت معلوم ہوجاتی ہے۔

ر مرد مرص معنول دوست المیونی آب نور بین اور آب کی مثال ایک بشناف این مرص معنول دوست این کاری به که دیجتے والے کی خوبسوری یا برصوتی اس میمنعکس بوجاتی ہے۔خود آئیند بہترین حالت میں بوقا ہے،الس میں حیب یا خلی نہیں ہوتی محقین نے بہی بات اید سے کلام محصقعلق تھی ہے کہ اگر نواب میں سکار كى زبان مُبارك سے سنت كيمطابق بات سنتا ہے توبيتی ہے اور اگر فلاف سنت سنتا ہے توخوا بی سننے والے کے سننے میں ہے کروہ سرکار توابنی خواہش سے بولے ہی تہیں، جوفر ماتے میں وجی النی ہوتی ہے اگر یکلام اللہ کے سواکسی اور کا بو ما تولوگ اس میں بحثرت انتمالا ف یا تے بیپس ذات یاک کی زیارت حق ہے اور کبھی ویکھنے والے کے کان میں خوابی ہوتی ہے ، یہ وہ حقیقت ہے جس میں کوئی شک نے ہیں۔ ر عارفِ بالشُّرِعالِين رحمة الشُّرَ والمعادق المساوق الما الما المساوق الما المساوق الما المساوق المساوق المساوق المساول المن على المنظم المن كيهطابق، ابنے ول اور باطن ميں حاصر كرتے اور آب كى صورت مباركد كا تصور كرتين يصيفواب مين بوتا ب، بيمراس كيفيت مين د كاسكارسي بمكلام بوت بي أيا دل الس كيفيت كومر دانتست كرسكتے ہيں ؟ اوركيا ايساخيقت بيں برمنے تا ہے يانہيں ؟ جواسب إبس مان يليح الشرسم اورتم كوتوفيق و سي كدابل ول كاللي كيفيات

تى بى جىساكرىشرى دلائل سے تابت سے اور دوسرول كيمشاہره سے بيرزياده سيا ہوتا ہے کیونکدا منڈ نے ان کوا پنے نوراوربرکت سے نوازا ہے حضور علیالسلام کی طرف ے اس ارسے میں کوئی اتبارہ میں متا ۔ باتی اچھے یا بڑے کو ایسے کا دیدار ہوجا ناحق ہے۔ بھرجیاں بید دونول غفلتیں جمع ہوجائیں رکہ بندہ اہل دل بھی ہوا ورنیک بھی ہو) تو كياكمنا إس سے تواس كى يائى كى مزيدًا ئيد بهوجاتى ہے لوگول كى قلبى كيفيات بم نے ت به سی دوسرے مقام بربیان کی ہیں۔ بھرجب باری مذکورہ دونوں آپیں جمع بوجائي بعنى أنحعول مين صورت مماركد بوا وركانون مين آب كي أوازيس كفول رہی ہوتوانس کیفیت کی تصدیق مرقران وسنت دونوں سے ولائل جمع ہیں ایس سلسد من حضو على السلام كايه قرا الحي كا في سے :ر

إِنَّ السَّيْطَانَ لَا يَمَتَثُلُ - مرجم برشيطان ميرك ببيي

يد نفظ عام بداورايت عموم مرمحول بداور حنوا عليالسلام في طريق باطل كي بوننی کر دی ہے۔ جوشیطانی راستہ تھا، اب صرف حق باتی رہ گیا ، دیکن ایک تسرط كيساته، وه يكركماب الله اوسنت رسول يربين كرك موافق بوتوجمترورند هیورد سے الخ اورایی مشرح مذکور میں اس ارتبا دنبوی کے سحت :ر مرجن في محيخواب مين ديجها و دعنقريب بيداري مين محياته كا.

اورشيطان ميري صورت مين مبيل اسكتا " فرا یاظام ری عدمیت دو محمول بردادات كرتی سے وایك به كر مستحض نے صفوعلیه السلام كوخواب مين ديكا وه عنقريب بيداري مين مجه مجه ويحه كا- ووساريخبردي كتيطان حنوعليسلام كي صورت افتيا رنهيل كرسكا - الس يركئ وجوه سي كلام بهو سكتا ہے۔ اول كيا يہ بات سركار كى زندگى بين ، اور و فات كے بعد و و توں حالتوں

میں عام ہے یا جیات ظاہری سے فاص ہے۔ ووم کیا دوسرے اجیا کے کوام علالسلام كي تكل تعيطان اختياركرسكة ب- اوركياخواب ين ال كي صورت مي أسكة ب والنذ کے درو د وسلام سرکاربر تھی اوران سب برتھی۔ با بیصنو علیالسلام کی خصوصیات بس سے ہے ۔ سوم دیر دیکھنے والے کے لیے ہے یاجس میں لیافت ہواور آپ کی منت کی بیروی بائی جاتی ہو۔ ہمارا برسول کر کیا بیٹھ میاتِ ظاہری اوروفات کے بعد ہرمال میں عام ہے یاصرف حیات ظاہری سے ختص ہے بسولفظ توعموم کافائدہ دے رہا ہے جو خصوص کا دعوی کرے وہ سرکار کی طرف سے کوئی مخصص میں اُنسیں

عقانات البعن لوگول نے اس عموم کی تصدیق نہیں کی اور وہی کہا جوان کی عقانیارسی اعقان کی مسے نظر استخاب ہے۔ مالا يحالس قول ميں دومری خوابياں ہيں- اوّل بيك اس يحى سركار دانصا دق على المندّ عليه وسلم كى ياست كوجهلانالازم أناب بجرابى خوابش نفس سيمبى بولت بيس دوسرى يكر قدرت والے كى قدرت سے نا واقعى اوراس كى عاجزى نابت كر ماہے ا کویا اس مخص نے وہ بیان میں سُناجوسورہ البقرہیں ہے اللّٰدتعالیٰ کھے بیان فراً کا يبغضهاكذيك ترجرنهم ني كماكات كالخشت يحشيتى الله أكمؤتي كه كے شكوف سے مردے كومار ويوكى الترم و سازنده كرتا بے "

يس مرد سے كى قبريال كي حبم كوكائے كي كوك سے ماراكيا توميح سالم أخد كفرا بُواً-اورا بناقاتل بنا دیا اوریہ وا تعابل علم کی تصریح کے مطابق قتل کے جالیس برا بعد بُوا . كيونك كاشے كا حكم ديا كي تعالى كالنش ميں بن اسليل كو جاليس بس سے تھے پھرکسیں ماک ملی اسی طرح اسی سورہ بقرہ میں عزیز علیالسلام کے واقعہیں،

اوراسى صورت بقرومين ابرابيم عليالسلام و وجاريرندول ك زندد كرف كا وأقدموجود ب اورالشرف ان كا مالكسي وضاحت سے بيان فرايا - بس حب ذات نے مرد سے كو كائے كي وسعارنالس كي وندكي كاسبب بنايا ، اور دعائد ابراييم عليالسلام كويرندول كي زند کی کاسبب بنا یا اور عزیز علیدسلام کے تعجب کوان کی اوران کی گدھے کی زندگی کاسبب بنايا ، حال نكرسوسال مك وفات يائے رہے ۔ وہ ذات اس بريمي قا در سے كرخواب يى مكاردمالتا بسلى المدعليه وسلم كى زيارت كو بيلارى مين زيارت كاسبب بنا و سے-ت مسالاً ما المسالاً ما المسالاً المسال عبدانشرابن عبلس دصنى المتزعنهابي كمرانهول شفنبى عليالسلام كوحواس ميس ويجعا بهريت مسر يا وأكنى اورسويح مين ووب كئة بيعرصنو علىالسلام كى بعن أزوا زم مطهات كي ياس ماعنر بُو ئے میلز خیال ہے کہ حضرت میمونہ رحنی المتوعنها تھیں اورسب بات ان کوتبا دی وہ انھیں اوران کے بلے ایک جُبتراور آئیندلائیں اوران سے فرمایا، برحفت علیالسلام کاجبر فرمین، اوريدا يك ائدينه بص فروايس في أيين من ديجا تورمول الترصلي الدسليدولم كاصوت نورانی نظرا کی ، اورمیری صورت نظرند آئی بسلف وخلف کی ایک جاعت کا ذکر جمیشه ملتا ہے۔ كمرانهول تعضو عليالسلام كوخواب بين دبيما وهاس حديث كوظا برييمتول كرتي تفى الندابعد میں بیداری میں عمی ان کو نمر کا رکا دیدارنسیب ہواء اورانہوں نے بھی پرنسانبوں کا آب سوال کیا، تواہد نے ان کے دُور ہونے کی خبردی اور ایسے کلمات بنائے جن سے وہ بريشانيا نختم برومانين اور بغيركسي كمينتي كمايسان بوا اس كا الكاركر نے والاء دومال سے فالی میں یاتو كرامات اوليا كى تصديد منگر کا حکم کرتا ہے یان کوجٹلا تاہے اگرجٹی نے والول میں سے ہے توالس سے فنگ فتم كردو كيونك وه السي حقيقت كالم بصحب كودكما باور استنت واصح ولائل سينا

كررب بي اوراس بربم في ابتدائ كتاب بي كلام كياب والشرك نفل سي كافي كي بيان كرديا ب اور الركزامات اولياكي تعديق كرما ب توبيد وي جيزب و بصيهم ابت كررب میں اکیونکدا ولیاکرام کے یلے خرق عادت کے طور پر کائنات بالا دلیست میں ایسے متعدد خائق منکسف ہوتے ہیں، بس کرامت کی تصدیق کر کے اس کا انکار نہیں کرسکتا۔ رہی ہاری يه باست كدكياتما م انبيا ئے كرا م صلى الله عليهم وسلم كا ايسابى ب عبيسا حفو علياسلام كا، كتيبطا ان كى سكل يى سكى اسكا ؟ يا يدس كار كا خاصه ب يسويه عدبيت بى نه عوم بركو كى قطعى وليل ر می حدی اور نه خصوص بر، اور نه بیا بین عقل وقیان سے ماصل بروسکتی ہیں۔ ایک صرور وضا ہاں انٹر تعالیٰ کے حضورِ ان کی جعظمت ہے وہ بتاتی ہے کہ یہ عايت سب كے يلے عام ہے - كيونكدانبيا كرام صلوت انتروسلام عليهم ميلان اوراس کے گروہ کے اثرات زائل کرنے کے لیے تشریعیت لائے میں بی بتایا کیا کہ شیطان ان كى با بركت صورتين اختيارتهين كرسكة جيسے صوعليالسلام في ابني اور ويگرانبيا كے كرام کی یہ عزمت وعظمت بیان فرما ٹی کرزمین بران سب کے گوٹریت جوام ہیں ، بیمان کمس کرجس طرح ان کوشپرد زمین کیا گیا اسی حالت میں وہ انہیں با ہربکا کے گئے یونہی اس حرّت وحمت

اب ہم اس بات کو لئتے ہیں کیا پی علم عام ہے ہم اس تعف کے یلے جاہے کو خواب
ہیں دیکھے ؟ جان بیجے، قطعی خبراد رضوصی بات جس کی طرف نترعی دلائل د قواعد سے اشارہ
ملتا ہے کہ بیسی مال توفیق کے بلے ہے ۔ کے یلے کمید کی جاسکتی ہے کیونکہ ان کا آنجا کی کیونکہ ان کا آنجا
کیونکہ ان کا آسجا م معلوم نہیں یمکن ہے ساما دت ان کے یلے مقعد ہو چکی ہے ۔ ہم
تعلی طور پر ان کی ہمتری سے ایوس بھنے نہیں بضوصاً جب کہ نبی علیالسلام کا یہ قول موجود جم
مرتم میں سے کوئی آدمی جنتیول کا ساعمل کرتا ہے یہاں تک کہ اس میں اور جنت میں یالشت
ہمرا یا تھو بھرکا فاصلہ رہ جا آ ہے بھراس کا ایکھا آئے بڑھتا ہے بس وہ جنتیول کا ساعمل

افتیار کولیا ہے اور بے تمک مے ایک اومی جنیوں کا ساعمل کرتا ہے بہال کمک کواس میں اور جنیوں کا جنم میں بالشت بھرا ہا تھ بھر کا فاصلارہ جا آ ہے۔ بھرائس کا بھا آ گے بڑھتا ہے اور وہ جنیوں کا ساعمل افتیار کر لیٹا ہے "بہناری دکھیا موعنما ، لین بوشخص صور علالسلام سے اس فرمان کو سچانسلیم نمیں کرتا وہ یکھے ایپ کی زیارت سے مشروف ہوسکتا ہے ؟ ولائل کی روشنی میں تو یہ بہت دور کی بات ہے۔

سین جس دمی میر صنوعدالسلام کی سنت کی مخالفت بیائی ہے آیا وہ سرکار کا دیدار کر

مخالفين سنت كادعوى ديدار

سن ہے جہاں میں علم کا اختلاف ہے کہ حب وہ دعوائے دیدارکرے تو ہے یا نہیں ؟

اس سے بہلے اس شے پر سبخت ہو بی ہے کہ جس شخص کی خواہ میں زیارت نا قا بل بقین ہے اس شخص کی خواہ میں زیارت نا قا بل بقین ہے اس شخص کے ہے بیداری میں دیدار کھے ما نا جا سکتا ہے و یسے اس میں ہوت کی کا فی گنجائش ہے ۔ اس شد میں پر اشارہ بھی ہے کہ جب نبی علیا اسلام نے اس بات کی خبر دی کہ آب کی اُم مت میں آخری میں برا ایسے آم می بھی ہوں گے ، جن کی تم تا ہوگی کہ وہ اپنے اہل و مال سے کہ کر کر گرا کی نیارت ماصل کو سے ۔ تو کیا یوا یہ ہے لوگوں کے ہے بشارت عظیٰ ہے کہ جس نے آپ کو تواب میں دیکھا منظر برب بیداری میں جی دیکھے گا ۔ بس سی اُم سید بران سیحے تصدیق کرنے والے اہل مجرت نے دولت دیدار مل میں دیکھا کہ ایس میں جن لوگوں کے بارے میں آتا ہے کہ انہوں گیا دیکو ترکی کہ دولت کے بیدار میں کے مالات کی کُرید کر و گے تو تم میں بیڈ چلے گا کہ ایک تو وہ لوگ کی اس حدیث کی تصدیق کرتے ہے اور دوم وہ دوسروں کی بر نسبت صنو علیا سلام سے برائے جو کر می اور اس حدیث کی تصدیق کرتے ہے والے تھے ۔ وہ لوگ کی سید میں تو میں کرتے تھے اور دوم وہ دوسروں کی بر نسبت صنو علیا سلام سے برائے جو می تھیے تھے اور دوم وہ دوسروں کی بر نسبت صنو علیا سلام سے برائے جو تھیے تیں کہ اس حدیث کی تصدیق کرتے تھے اور دوم وہ دوسروں کی بر نسبت صنو علیا سلام سے برائے جو میں کرتے تھے اور دوم وہ دوسروں کی بر نسبت صنو علیا سلام سے برائی جو میں کرتے تھے اور دوم وہ دوسروں کی بر نسبت صنو علیا سلام سے برائی جو می می تھی کرتے تھے اور دوم وہ دوسروں کی بر نسبت صنو علیا سلام

میرے نزدیک بعض حزات جن کا اس حدیث پریجٹ کرنے سے پہلے میں نے ڈکوکیا ہے کہ ان مے نزدیک بغیر کسی شہر ہے یہ بات صحح تر ہے کہ انہوں نے اپنے ایک ٹواب میں

حنو عليالسلام كوابني طرف خصوصى طور يمتوجد ديكها ، اورعوض كيايا رسول المشراعين الس عنايت فاص کامستی کیزیو تھے ہوا۔ ج تومکار نے فرایا ، مجھ سے مجتب جوکرتے ہو، بس اس مبند مرتبہ کی محبت كے سوا آب نے كوئى وجنسيں بائى ، اس اتباره كو اگر منكر مجد لے تو انكار تدكرے وہ يول كمحبت إينے محبوب ميں فاني بوتا ہے محبوب كى طرف ممل توجه الس كو اس دنيا اورجها ل كے باشندوں سے دورکر دیتی ہے جب فانیوں میں اس کا تھارہو نے لگا ہے نووہ وارالبقام والول سے جاملیا ہے۔ ان کو دیجھٹا اور ان کے دیدار سے لذّت اندوز ہوتا ہے بہاں اس ك جنت محض اس طرح بوتى بيست قبر كاظا برتو دنيامين بوتا بهاور المكا باطن اخرت ميمعلق ہوتا ہے کیونک قبر آخرت کی منازل میں سے بیلی منزل ہے۔ اور بار ما قبر کے اوپر ایسے آتار نموار ہردتے رہتے ہیں جواندر کی اچی یا بُری کینیت کی خبردیتے ہیں اورسلفٹ وظلف میں بیٹینت تثرت كاس درج مك يمنع جى ككسى كايت وجرك ذكركرن كا منرورت فين اور اس میں اللہ کی قدرت کی دلیل ہے کہ اس نے شیطان کوکس طرح قدرت دی کرچومورت کے انتلیار کراہے، اورجس سے چا ہے مشاہمت اختیار کر ہے۔ یمنوم صورعلیالسلام کے اکس فرمان سے ماصل ہوتا ہے کوشیطان میری صورت نہیں بی سکتا ؟ یہ دبیل ہے کہ ووسول كى مثل بن سكتا ہے ايسا ہى فرستول كے متعلق آنا ہے ، ال برانشر كاسلام ہوكہ الشرتعالی نے ان كويه طاقت دى سے كدجو صورت جائيں اختيار كرليں اب شيطان اور ملائح كا حال ويجود كم دونوں رجیب وغربیب وصعت ملا ہے اسی لیے اہل توفیق تے ان کرامات پر توج لمیں ک جن مين خرق عا دت المورجول انهول في المحام شعرع يرعمل كي توفيق ما يكي بيدا ورونيا واخر میں انے یے اسر کا نگفت انکا ہے۔

اس ہے کہ خرق عادت تو کہی صدیق اور ندیل و ونوں کو ماصل ہو کرام مت کا ظہور ایا تی ہے ، زندیق کے بیے مہدت اور گراہی کے بیے ، دونوں میں تینی کرام مت اور آز اکش واغوامیں فرق صرف کتا ہے وسنسٹ کی بیروی کئے واضی ہوگا۔

(كرجهان قرآن وشنشت پرعمل بوگا و با ل كرامست بهوگی ورندامتحان واغوآ عارف بالشخالتيم بن ابوجره رحمة الشرنے اپنی شرح مذکور میں فرمان یُسول صلی التُدعلیہ وسلمجس نے مجھے خواب میں دیکھا اس نے بقیا جھے ہی دیکھا کر تبیطا ن میری صورت اختیا زمیں كرسكة بكى ايك روايت مين لا يتحييك اوراس سيها مين مَيْمَتُكُ النَّه يُطَانُ إِيْ كمالفاظ أئے ميں وتوم كتے بيل ورائٹر توفيق دينے والا معيمترى كى كر دونوں صيرو كامقعىداس باست يرولالت كرتا ہے كرشيطان كى خواب ديكھنے والے كے ساتھ ووحاليس میں ایک ید کرجس صورت اور جس حالت بیں و دخواب دیکھنے والے کےسامنے آنا جاہے م سكتا بينين رسُول يك صلى التُدعليه ولم كم صنورت مين مين اسكتا - دوسرى ميك ويحفف واله كوخيال كزرًا ہے كە كوئى صوُرت اس كونظراً رہى ، حالانكە درحقیقت و وشیطان كى اسل سور ہوتی ہے،جس میں کوئی فرق نہیں ہوتا ایسے شاہرات ان لوگوں کوزیا وہ ہوتے ہیں جواس نیا مين جادوكاكاروباركرت مبين كد ويحفظ والديجيزول كواصل شكل سيمخلف ويحقظ بيان حقیقتهٔ شے میں تبدیلی تہیں ہوتی الس میں ان احادیث کی دلیل ہے جو ذرا بیلے ذکر کرت_{ا ہو} جهال ميسوال أيا تعام كياسى معماليا جائے كا اس صورت كوجوا بل بركت اورابل والوكو كفيالات مين حفو عليالسلام كي صورت أى ب ، يانهين ؟ يد دليل ب كرص طرح تبطا معنو عليالسلام كي صورت مين مهيل المحق - اسي طرح كلام اورخيال مين بهي اوركسي اورنسور میں بھی سمرکار کی شکل میں سا منے نہیں ہمسکتا کیو بحرجب غور کرو تو د وہی صور میں مبنتی ہیں ا محميا ذات كي تمكل مين بهويا ذات كيملاده كلام-انتاره يا دل بين إت ائد يا خيال أك توميلى صديث في تما يا كرشيطان صنورعالياسلام كيشكل اخليا فيمين كرسكتا جب كدد وسرو

ئی کا نتیار کرستا ہے۔ الس مدیت نے یہ تبایا کرنتیطان سورت کے علا وہ بھی کوئی ایس مالت اختیار نہیں کرسکتا جو صنور علیالسلام پر دلالت کرے یفتلا سرکار کی کوئی خسوس منت ، کوئی مخصوص لمحہ ، کوئی خطرہ یا اثنا رول میں سے کوئی اثنا رہ ۔ اور یکہ اللہ تعالیٰ

نے ان تمام احوال کے اختیار کرنے سے شیطان کومنے کر دیا ہے - اور رسالت ما ب صلی اللہ عليهؤهم كم علاوه سب كرماته حوجاب رويه اختيار كرك التدتعاك نے اسے يتولات دے رکھی ہے میرست برسی بشارت ہے الس خیال میں ہارے نبی علیالسلام مے علاقہ باتی انبیا ئے کوام علیالسلام محصتعلق جو بحث ہے گزشتہ بحث کی طرح ہے۔ اس سے پہلی مدیت سے من میں ان تمام با تول میں وہ شرط ملحظ ہوگی جوہم پیلے تھے آئے میں کہ ایسے مشا مدات میں جو امر بنہی . زجر مخاطبت و نویش ہوگی ، اسے سرکار کی سنت پر مبیش کیا جا سے ویکھنے والے نے جوئٹنا دیکھا اگر دو سنت ہے موافق ہے توحق ہے اورج سُنّت مے خلاف ہے۔ دیکھنے والے کا فعلل ہے کہ مرکا ر تواپنی خواہشِ نفسی سے بولنے ہی ہیں اوراگریہ احد کے سواکسی كى طرفت سے ہوتا تولوگ الس ميں مبست كچھ اختلاف محديس كرتے . يس واست مباركد كا ديدار حق ہے اور خرابی سُننے والے کے کا ن میں ہے ۔ یہ وہ حقیقت ہے جس میں ذر ہ مجر تسک منہیں۔ يونهى جب سحت مين ميم ريد عبي كرنيك دو كول كے خيالات ميں جوسركار كي مئورت مُبارك تى ہے اور صنور علیالسلام کابیداری میں دیدار، اور آب سے مملامی اور و مشامدات جو آب ک طرفت سے داکوں تک پہنچے ہیں، اورجو لوگوں کے و لول میں آتے رہتے ہیں ان سب کو النذى كتاب اورسركارعليلسلام كاستست بريش كياجا شے كا بيسے گزر يجا ہے - المنتهى بترى كى توفيق دينے والا سے- الس ميں قدرت والے كى قدرت كى واضح دليل سے جيساكد يہلے گزداه ۱ در اس میں سرکارے مُجَنت کرنے والوں ا وراکیب کی بیروی کرنے والوں سے یلے بشار^ہ ے کیونک جب آب کی زیارت حق ہے توجو آب کی طرف سے اشارہ یا خطرہ سا منے آسے۔ مكل الس ميں خود موجود ہول محے اور وہ أب كى طرف سے ہوگا۔ بس مذكور الشمط كے ساتھ وہ تق ہے۔ بس ان کی خوشی مزید خوشی میں بدل جائے گی واللہ تعالیٰ اینے احسان سے ہمیں د ونو رجه ال میں ان میں شامل فرما دے بنیروعا فیت - اس کے سواکوئی رب نمیں کے شرح ابن ابی جره کی عبارتین ختم میں نے اسی سے پر نقل کیں ۔

علام ابن جرف ابن صفح فال ترندى مين عليسلام كاس قول كتحت:
مَنْ ذُا فِي فِي الْمِنَام فَعَدُ رَا فِي حَقَّا فَا تَ الشَّيْطَانَ لَا يَسَمَّلُ فِي الْمِنَام اللهِ مَنْ ذُا فِي حَقَّا فَا تَ الشَّيْطَانَ لَا يَسَمَّلُ فِي الْمِنْ اللهِ اللهِ مِنْ اللهِ اللهُ مِنْ اللهُ اللهُ مِنْ اللهُ الله

ایک روایت میں ہے ، ر لک میتکوانی بی -

كنتيطان ميرى تنافهيس بن سكتا -اگرچ الترنے اس كوطاقت دى ہے كہ جوصورت چا ہے افتيار كوك مرح من عليسلام كي صورت اختيار نهيل كركت ايك جاعت نے كها الس كامو قع محل يك كرمبسي حفوظ عليالسلام كواس صورت مين ويحصر واقعدمين آب كي تمحا وربعض نيه اس مين بيمبالغه كميكه اس صورت ميں جو بوقت وفات آب كتمى انهى ميں سے ابن سيرين رحمة الله ميں بياسي بات بے كرجب خواب ديكھنے والاان كرا شخاينا خواب بيان كرا تو وہ ويكھنے والے سے كتے وكي تم نے ديكھا كم ميرك ما منے اسے بيان كرو. اگر غيرمو وف سقت بيان كرا تو كتے تونے صنوعلیسلام کونمیں دیجا - عاصم بن کلیب کی حدیث بھی س کی تانید کرتی ہے جے الم فے مگر دہستد سے بیان کیا ہے ۔ کرمیں نے ابن عبانس رصنی انٹرحنا سے کہا ، ہیں نے بی علیسولم كوخواب ميں ديكا ہے، أنهوں نے كماميرے ما منے بيان كرد - كماكه مين من على رضى الأعما كاذكركيا ورسكاركوان كصنابه تبايا توانهول في كهاتم في يعينًا مكرى كوديكا ب- اس عفل وه صدیث نمیں کرجس نے مجھے خواب میں دیکھا اس نے مجھے ہی دیکھا ، کرمیں سرصویت میں نظر آ مكا بول كيونك يروايت ضعيف ہے ووسرول نے كما يدكو في شرطفيس ان ميں ابالعربی منى الترعد شامل مي ان كے قول كا ماصل يہ ہے به حضور عليكسلام كومشروصفت مين كيفنا

ادراك تبنت ب اوردوسرى مفت مين ديكفاا دراك مثال ب الصحي يه ب كدا جيا كرام عليه الصلوة والسلام كوزين برل ميس يحتى المس ذات كريم كا دراك حيقت با ورصقات كو ديكفنا ادراك مثانى ب اوراس فرمان كامطلب كرعنقريب مجع ديكي كالتنسير ب متن مناني كي جس نے مجھے دیکھاکیونک پرخی اور غیب ہے اور یہ فرمان کر گویا اس نے مجھے دیکھا "اس کا مطلب یہ ہے کہ اگرجا گئے ہوئے مجھے دیکھا تو وہ مجھ مجھے دسومطابق ہوتا جواس نے خواب م . ويجما بين ميلاحق اور حقيقت بها ور دواسر حق اور مقيل بيداس وقت به جب أب كومشهو صغت میں دیکھے۔ ورندمثال ہے اگر دیکھنے والا آب کو اپنی طرف رُن کیے دیکما ہے تو یہ بترب ديكف والے كے ياء اورس ومعامل بوكس سے ان ميں سے قاصني عياض رح ال بس. وه فوات بين خَقَدُرَانِيْ يَا فَقَدُرُأَنِيْ يَا فَقَدُرُأَى الْحَقَّ ، اس كامنهوم يوجي بوسخاب كرجس نے مركار كواس شهروسورت ميں ديكھا جوظا ہرى: ندكى ميں آب كى تھى- اسكا تواب حتى ب اورجس في مشروسكل كيفلاف ديحابس كاديجنا ما ويلى ب- امام نووى رحمة التدعليد نے اس براعتران کیا ہے اور فرمایا یہ بات کرورہے سیجے یہ ہے کہ ص فیمکار کردیکھا، نے آب ہی کو دیکھا، کا ہم اس سے کامعروف صورت میں دیکھا یاغیرمعروف میں ۔ تعفی خاظ نے اس کا بیجواب دیا ہے کہ قاصی عیاض کا کلام اس کے فلا فٹنہیں بلکدان کے کلام کا فلام مفهوم بربي كردونون صورتول مين أمهول نعطنوعلياسلام كوي ويجاب، ميكن ميلي مؤت میں تعبیروتا ویل کی ضرورت ممیل ور دوسری صوت میں وہ خواب کی مناسب تعبیر کی مماج، م كى ان ميں سے الباقلانی وغير ہيں - ان حمزات نے يسلے صرات كويد الزام ويا ہے كروشخا صنوعلىالسلام كوان كى اصل صورت كے خلاف ديجتا ہے ، والس كاخواسيطيقي خواب نهيم بلكريديشان كؤخيال ميداوريه باطل سي كيونكدوه خواب مين جوكي ديكمتنا سيعوده ونياكى حالت بداری کے مطابق ہے۔ اب اگر کسی طارض کی بنا پرشیطان صنوعلیاس کی تمل اختیار کرلیا تديه بات مركار مح اس مح فوان مصحوائے گئ تمثيطان ميري فسكل اختيا فهنين كرسخا - بين م

يهى ہے كرأب كے ديداركوياكي مناسب صفات ك مشابده كوشيطاني دسترس سے مفوظ مامون مانا جائے میں بات آب کی عزت وعسمت کے لائن تر ہے بعد آب بیداری میں شيطان مصمعصوم ومحفوظ بي بي سيح ير ب كرسركار كا ديداركسي حال مير إطل وغلطنهين. بلكه اپنی ذات کے لخاظ سے حق ہے اگرچ حنو کی اسل صفت کے ملافٹ و یکھے کیونکداس صورت كاتصورا منزتعالى كى طرف سے ہے . بين علوم ہواكم صحح و درست بعض حفات كاوي قول مع كرحنور طلياسلام كاديدار جب حال مين بوحق سے بيراكرا بيد اصل صورت میں ہیں خواہ وہ جوانی کی ہو، پیخہ عمر کی ہو، بڑھا ہے کی ہویا خری وقت کی ہو، توکسی تادیل کی صرورت میں ورنہ ویکھنے والے کی حالت کو دیکھ کرتبیر کی صورت پڑے گی۔ . نظرنظر میں فرق البعن علمائے کہاکہ اگر کوئی شخص حنور علیالسلام کوخواب میں بڑھا ہے۔ نظرنظر میں فرق کی ماست میں دیجہ آ ہے تو یہ اتہا ئی صلح کی نشائی ہے اور اگر جانی كى مالت ميں ديخما ہے تويد انتهائى جنگ كى علامت ہے اورجس نے آب كوسكواتے وقيا . تویہ اسب کی سُنسٹ پر جلنے کی دلیل ہے اور بعض نے کہا جب کسی نے آبے کو اپنی اصل حالت و ميت پر ديجا تويد ويحف والے كى ايجائى، كمال جا داور دئمن كے مقابطے ميں كامرانى كى علا ہے اور حس نے آب کو غیرطال میں دیکھا مینی تیوڑی چڑھی صورت میں دیکھا ، یہ دیکھنے والے ک برمالی کی دلیل ہے دکر آیسے میں اپنی شکل نظراتی ہے ابن ابی جرہ نے کہا صنورعالیسال كوالجى صوّت ميں ديكفاء ويكف والے كے دين كافش ہے، اور اكرا يہ كے بدن مُيارك بر کوئی نعق وعیب دیکھتا ہے تو یہ دیکھنے والے کے دین کی خوابی ہے۔ کیؤیکہ ایشفاف ایسے کی طرح میں کہ جوسا منے آتا ہے ، اس میں تعکس ہو جاتا ہے اگرچہ آپ اپنی اسل کے لحاظ سے مین تراور کامل ترمیں و بقول مولائے روم سے كغنت من أمين مصقول ووست

ترکی و ہندی برببینہ آبکہ اوست

اور مرکارے دیدارے مستے میں بربہت بڑا فائدہ ہے کہ اسی سے دیکنے والے کی بیجان ہوتی ہے۔ دو مروں نے کہا حضو علیالسلام کی نسبت سے دیکنے والوں کی حالت مخلف ہوتی ہے۔ کوئٹ یہ دیکھنا انکو کانہیں ول کا ہوا ہے اور ول کے دیکھنے میں اور و منہیں ہوتا۔ بلکہ نتری و غرب وراوی نہیں ہوتا۔ بلکہ نتری و غرب وراوی نہیں ہوتا۔ بلکہ جیسے ہم ایسے میں کا دیکھتے ہو، جب ایمینابی جیلے سے تعقل نہ ہو، ختل ایک اوری رفوعا دیکھتا ہے اور و و مرابوان ایک وقت میں اور ایسا ہی ہے بیسے ایک صورت میں کہ نتری اوری سے دیکھا جائے اور خلف الات ہے جائے ہیں کہ بس سے معلوم ہوا کہ ایک وقت میں ، دُوو دا ذکر مختلف متا مات پر بختلف واسا ونہیں ہے ایک جائے ہیں کہ جواب الزرکشی نے بھی دیا ہے۔ اس موال دکر حضو کا دیدار مختلف زنگوں میں کیول ہوتا ہے ۔ اس موال دکر حضو کا دیدار مختلف زنگوں میں کیول ہوتا ہے ۔ اس موال در کر حضو کا دیدار مختلف زنگوں میں کیول ہوتا ہے ۔

ا صنوعلیالسادم جان اور توریس می بیا علامرز کستی کا ایمسان افروزوافعه ایس نوری صنوعلیالسادم سے تمام عالین میں نور بہ نے کی مثال ہے توج سطرے اہل شرق وغرب آن واحد میں مختلف صفات میں مودو

كود يحقة بين أين حال صنوعليالسلام كا ب

اورجیساکدان العربی نے کہا غلوا ورحاقت، بعض لوگول کی بیات علوورحاقت العربی کے کہا غلوا ورحاقت، بعض لوگول کی بیات علوورحاقت ہے کہ خواب میں جو نظراً آئے ہے برسر کی انکھ سے نظراً آئے ہے حالا نکھ بعض کمیں نے الس و پھنے کو ول کی دو آنکھوں سے ختص کیا ہے جوا کہ قسم کا مجاز ہے این ابی جمرہ البارزی اور الیا فعی وغیر نے فیا این ابی جمرہ البارزی اور الیا فعی وغیر نے فیا کے بیاد میں میں میں ویکا یو تعلیم کی ہے کی جلوہ میرمایل کی ایک جماعت سے برحکایت نقل کی ہے کو انہوں نے ضوّ علیا لسلام کو میداری میں دیکا کو نمی حفوظ البسلام کا دیدار براسے بڑے کی ایم میں ویکا کو نمی حفوظ البسلام کا دیدار براسے بڑے

علماً سي تقول من و بيسام عبوالقا درجيل في رحمدالله ميساكرعوارف المعارف ميس منداد. امام ايوالحن ثناذ لي بصدان كابيان نعل كياب اجتاج ابن عطا الله في اوران كيماتهي ابو العبالس المرسى، امام على وفائى، قطب قسطلانى ، اورستيرنورالدّين اسجى ، اسى مسلك برمبي ا مام عزالى، وه این کمآب المنقد من الصندلال میں فراتے ہیں ہوا الل دل بسیداری میں فرستو اورارواح انبياكو ويحقق الوازين سُنفة اور فوائد طاعل كرت "غزالي كاكلام ختم بوالام في وعوى كياب كراس سولازم أناب كه صوعليالسلام فبرتريف س البركليل غلط ہے۔ اس کے کداولیا کی کرا مات میں سے یہ مجی ہے کدانڈ تعالے ان سے پر وے باک كرديهًا ہے بين تعلاً بمشرعًا ، عاد ماكوني انع تهيں كرولى انتها في مشرق وممغرب بين بواور المترانس كي عزت افزائي فرماتے برُو ئے الس ولي اور اپني قبراطهر ميں تشسر لعيت فرماني عليه السلام كے درميان سے تمام بروے اورسترائها دے كروه بردے سينے كى طرح بوجائيں۔ كرتيجي والى برجيز نظراك اب ويحف والي كانظرم كارابد قدارصلى التدعليه ومم ميراك كالم اور سمارا لیتین ہے کر حضو علایسلام اپنی قبرشر لیف میں زندہ ہیں اور نمازیں مرصف میں توجب كسى انسان كى كس طرح عزّست ا فزاكى ہوسكتى ہے كہ و دحنو علیالسلام كو دیکھے ، تومچھ ہركار معيمكلامي كوشرف سي كيون مشترف في بوسخفا وللذاكب سي كلام كرف اورسائل كا سوال کرنے اورسسکارسے جواب حاصل کرتے میں کوئی ما نعظمیں۔ است تمام پر ندشر عا انکار ری

علامم الن حسفلاتى كا اسكال عسقلانى ، في البارى كيمستف (ابن تجسر علامم الن كي كا اسكال عسقلانى ، في كماية إن بهت مشكل بها ورائس عديث كوظا برى معنى برنمول كيا جائة توية تمام ، خواب مير ويداركر في والي محابر بول هي اورمقا م صحبت قيامت يك يا تى رب كا و والن كا كونى بى و والي محابر بول هي اورمقا م صحبت قيامت يك يا تى رب كا و والن كا روان كونى بي و و والن كا روان كا والن كا روان كا والن كا وا

بهارى اس تقرير يركسي قسم كاكوني أشكال باتي نهيس ربا .

رہا ہے۔ بے محل ہے۔ ہر اس کا حل اس کے مرکار کونے سے محابی ہونا لازم آ آ ہے، بے محل ہے۔ ہر اس کا حل اس نے سرکار کو رہنوی خل ہوری ایات کی ہو سے کی بیر نشرط ہے کہ اس نے سرکار کو رہنوی فلا ہری) زندگی میں دیکھا ہودیا بات کی ہو صبحت کی ہو) میان کے کہ علما نے ان وگوں کے صحابی ہونے میں اختلاف کیا ہے جنوں نے وفات کے بعد تذہین سے بسلے آ کے دیکھا کہ انہیں محابی کیا جات فارق عا دست ہے اورایسے دیکھا کہ انہیں محابی کیا جات ہے اورایسے امور کے یہے توا عراشہ ع بر لے نہیں جات ہو۔

پرآنانشدیدصدم پینچاکه اسی سے چھ ما ہ بعدان کی وفات ہوگئی۔ حالانحدان کا گھرسرکا ۔ کی قبر ننربين كياستها وراس مدت ميس مركارى زيارت نيسب بهذا منقول نهيس-اس کار در است کامنول نه ہونا ، اس سے نہونے کی دبیانہیں ، کہندایہ کوئی دلیانین بيسے كدية قاعده إين جي مقرب، يونهى حضرت قاطر معنى الله عنها كانتدت عم سے فوت مونا. داگریسیم کرلیا جلئے کہ اس مدست میں ان کوسرکارکا دیدا زنہیں ہوا) کیونک کم کم درج والے كواليي تعمت سے نوازا جاتا ہے جس سے براے مرتبے والے بھی رہ جاتے ، اور اولياً الدكو جوسركار كا ديدار حاصل بهوما رماء الس مين ابدل كي ية ما ديل كى كديد ديدار ان كودر ختيست بفائبة طوربين سوا دمحف خيالي بحركو وه سيراري تمجه بينه إلى السمين ال اكابر تحميتعلق بدهاني ميحكان كوخياني اوربسيداري كے ديجھنے بين شبر ہوكيا . حالانكد ايسى بدكماني توكمتر عقل والول كي متعلق بمی نہیں کی جاسکتی جہ جائیکہ اکابر سے اور اس کا عارف بانٹد ابوالعبانس المرسی سے اس ول يراكررسول مترصلي مترعليه وسلم مجرس المحرجيئ سك برابرجى اوجل بون توليف اس كوسلان

نهين جا الدير يجيب اويل كى كرميان مجازى معنى مراد سي يعنى أوجل بوف سي مراد غافل بوا يدمادنهين كرحضور هليالسلام كى ذات أيحول س أوجل بوجا ئے بكر نظروں سے أوجل بو تومحال ہے . بیں اس سے کہاجائے کہ تیری مراد اگراستحالے تعلی ہے تویہ باطل ہے اوراستحا تشرعي مراد ب توكس دليل يا قاعده سے تونے يمنوم اخذكيا ونهيں ہركز اس ميں كوكي اسحا نين جيسے ہم نے بہلے بيان كر ديا ہے " ابن حجركاكلام شدح تمائل سے حتم ہوا -

اور فاتمة الفنا وي مين أمهى كي عبارت اس سوال كي جواب بين كدكيا رسول التنوسلي لله علیہ وسلم کی زیارت بیداری میں ہوسکتی ہے ؟جواب دیتے ہیں ایک جاعت نے اس کا اکار کیا ہے اور دوسروں نے اس کوجائز کیا ہے اور یہی تن ہے اس کی خبران نیک دو کول نے دی ہے جنیں جوٹ کی شمت میں لگائی جاسکتی بلک مدیث بناری سے اسدلال کیا۔ ثمن را بی تی المت ام فسیوانی ترجر: جس نے مجھے خواب میں دیکھا عنقر

في اليقظة " بيداري من ديجے 8 -

ینی سرکی انکھوں سے اور کہا گیا ہے، دل کی انکوں سے اور قیامت کے دن کا احمال کرنا بيدار سے دُور كى بات بے علاوہ از بى اس قيدكاكوئى فائد فهيں كيونكد و إلى توسكار كى سارى المتنت زيارت سيبره وربوكي بنواه كسى نے خواب ميں ابيد كو ديكا ہويا نه ديكھا ہو. اور ميح بخاری کی منتخب ا حا دیبیش کی جوشرح ابن ابوجره نے کی ہے، اس میں بھی اس حدیث میں عوي كوترجيح دى كئى ب بطامرى زندكى مين بويا بعد وفات يستنت برجلن والا بويا نداد صوطيالسلام كتيب دلكائے بنيرو قيدلكائے علاہے بيمراس محتن كوكوالزام ديتے ہمئے محقیمین کرایک تو و و پیسے ذبی ، کی سی باست کی تصدیق تمیں کرااور ووسرے قا در داند، كى قدرت سےجامل ہے جيسرے وه كراهات ولياكامنكر ہے . مالانك وه قرآن وسنست واضح سفتابت بيل اورعموم مص مراديه ب كرهب هيجي خواب مين ،خوا ه ايك مرتبه ويحا بيدارى مين زيارت كرسه كالكحفو عليالسلام كاوعده سيأتا بت بويجس مين خلاف

نيين بوسكماً وادعوام كواكثريد معادت مرف سيبط امرف سے ذرايسط عاصل بوتى ہے۔ يس جب مك سركارى ال كوزيارت من موطب أو و مسين كلتي ميد ب ايفائ وعده . إ في ووسرے ہوگ دجنول نے واب میں زیارت نہیں کی ان کوالس سے پہلے ان کی اہلیت، عقل وراتباع سنت مصطابق كم يازياده يرسعا دت عاصل بوسكتي ب كداس ميركوني براما تعظل انداز ميس ميخ سلمين عموان بن حدين رهني التدعيد سعدوايت بديم مفود علىالسلام كوبواسير كي تكليفت تحى أوراب الس يرصبركرن يحيم اس محصله يلى فرتست آبیدکوسلام کرنے حاصر ہوتے تھے جب آب نے اس کو دانع دیا فرستوں کاسلام ختم ہوگیا بھرجب داغ دینا ترک کر دیا لین تھیک ہو گئے،جبسا کے معجے روایت میں ہے۔ ان كاسلام تي رلوط أيا " تتديد صرورت سك با وجود ا بني عا وت تشريف كي خلاف، وأغف سے ان کا سلام ختم ہوگیا ، کریہ توکا تسلیم ، اورصبر کے خلافت تھا بہقی کی روایت میں ہے كدفر تستة أب سعمصا في كرت تص جب أب نے داغ دياتو وہ الك بوكئے - جمدالاسلام امام غزالى رحمة الترعليدكتاب المنقذ من المضلال يم صوفياً كوام كى تعربيت كرتے اورا ك كو بهترين مخلوق قرار دييف كے بعد قرمايا بيان ككركد وه بيدارى مين فرشتول اور ارواح انبیاکو دیکھتے، ان کی آواز شکنتے، اوران سے نوائد حاصل کرتے ہیں۔ بھرصورتو ل اور شالو سے یہ حال ترقی کر کے السومقام پر بینچا ہے جس کے بیان سے زبا ن قاصر ہے ہواں سے شافر دابو يجربن العربى مالكي تے فرما يا "انبياً اور طلائك كوديكفنا اوسان كاكلام سُنناممكن سيصومن ك يد بيد بطور كرامت اور كافر كے يد بطور عقوبت دسترا، - ابن الحاج مالكى كى كتاب المدخل ميں ہے بیداری میں صفوعلیسلام کا دیدا تنگ دروازہ ہے اور کم ہی کسی کوماصل ہوتا ہے ال جن كا وجود اس زماندس تا دربلي معدوم بوكيا ب، حالانكريم ال كي حسول كان اكابرك بي الكانهي كرته بن كفام وباطن كوانتد في منوظ فرايا ب - فرايا بعض علماً ظوام ك الس كاس بنايرانكاركيا بد كرفا في أنحر باتى ذات كونهيس ديكوسكني صفو عليالسلام عالم

بقائیں ہیں اور دیکھنے والا دارِ فنائیں الس کار داس طرح کیا گیا ہے کہ جب ایما ندار مرباہے تو اللہ تعالیٰ کو دیکھ لیتا ہے۔ حالانکہ اللہ حالة مربانہیں ، حالانکہ بیک وقت ستراد می سرتے ہیں دہلی ہزاروں ہیتی نے اس کے رد کی طرف یوں اتبارہ کیا ہے کہ جارے نبی علیالسلام نے معزاج کی رات تمام بیوں کو دیکھا۔ البارزی نے کہا ، جارے زما نے اور ہم سے بسلے زما نے کے اولیا کے متعلق شناجا آیا ہے کا نہوں نے بی علیالسلام کو وفات کے بعد حالت بیاری میں دیکھا۔

مصرين مهنكا في اورمزارا برابيم عاليسلام اليافعي وغيره في كبيرادوعات

من کی ہوگئی، آپ اپنے رفعا کے مراہ معروف و عام ہوئے۔ تو کہا گیا کہ وعامت کروہ اس ارے میں آم میں سے کسی کی وُعانی ہوئے۔ کی فرایا کہ میں شام کے سفر برروانہ ہوگی جب میں خلیل علیا اسلام کے مزار مُبارک کے قریب بہنچا، بھارے نبی اور آپ برافضل درو دو مسلام ہو، توآپ سے ملاقات ہوگئی۔ میں نے عرض کیا یا رسول اللہ ، اپنے ہا ممیری بیرمها نی فرائیس کہ اہم مصر کے لیے دُعا فرائیس کہ اہم مصر کے لیے دُعا فرائیس کہ اہم اللہ مصر کے لیے دُعا فرائیس کہ اہم اللہ مصر کے لیے دُعا فرائی ادفتر نے مہنگائی ان سے دور فرا دی ، الیافی نے کہا، یہ جو فرایا کہ خلیل علیالسلام سے میری ملاقات ہوگئ " میات می سے میری ملاقات ہوگئ" میں ان سے دور فرا دی ، الیافی نے کہا، یہ جو فرایا کہ خطیل علیالسلام سے میری ملاقات ہوگئ" میں دائی مرجیز کا مشاہرہ کرتے رہتے ہیں اور انبیا ئے کرام علیم السلام کو مُرده ما تو میں اور نہا ہے کہ جو کھی اوران کی بیش میں ، زندہ دیکھے ہیں ، یصبے حضو علیالسلام کی ایک جاعت اسمانوں میں دیکھی اوران کی بیش میں اور میرات طب ہو کہ جو کھی انہا کے لیے بطور مجر وہ جائز ہے وہ اولیا کے لیے بطور مجرورہ وہ جائز ہے وہ اولیا کے لیے بطور مجرورہ وہ جائز ہے وہ اولیا کے لیے بطور مجرورہ وہ جائز ہے وہ اولیا کے لیے بطور مجرورہ وہ جائز ہے وہ اولیا کے لیے بطور مجرورہ وہ جائز ہے وہ اولیا کے لیے بطور مجرورہ وہ جائز ہے وہ اولیا کے در ایس المفتن نے طبخات الا دلیا ،

ين برطايت على المستحد المستحد

فرایا میں نے نماز ظهرسے پہلے نبی علیاسلام کو دیکھا، فرایا بیٹا ہو لئے کیوں نمیں ، میں نے عرص كيا آباحنوا مين عجى ادمى بول فصحاف بغداد كسامة كيد بولول إفرايامة کھولو، فرما تے ہیں میں نے من کھولا، توآیہ نے سامت مرتبہ الس میں معاب ممبارک الا اور فرالیا نوگول ہسے خطاب کر وا ورایتے رہے کے راستے کی طرونے مکست ا دراجی تھیجت و سے بلاق میں مما زظر روس کر دمنبر اپر بلید کیا ، منوق بے شارمی مجربر وعب طاری ہوگیا. اورمين كالبين لكا استف مين ليضها من صنرت على رمنى الترعية كومجلس مين كعرب إياء فرايا بينا! بولتے كيون ميں ويس نے كها آباحنو المجرير كميكى طارى سے فرطا إينامنه كھولوميں في منه كهولا تواب في جدم تربيلهاب دالا- مين في عرص كيا اسات بار يوري نهيل ته فرايا رسول التدملي الترعليك لم كا ويب سب يجروه يحد سع أوجل بو يحق ومين بولنا تشروع كردياج ال شكے علا وہ صوفیا كی ایکسیجا عست كا ذكركیا ہے جن میں سے ہر ايك كوكترنت سيصنور عليالسلام كى زيارت بولى تعى ببيدارى مين مى اورخواب مين مى ان میں سے ایک کمال ا د فوی کا ذکر قرایا ہجن سے بن الدقیق وغیرہ نے بیہ باست لی۔ " اج بن عظا النترنے اینے شیخ کا مل عارون، ابوالعبالس المرسی کا یہ تول تقل کیا ہے۔ كهيسنه اينفان دوماتهول سيحنوعليالسلام سيمعيافح كمياسه ابي فاركس فيسيدى على وفاس يد كايت نقل كى سے كه فراياس بايح سال كا عمرين ايك تشخص من قرآن مجيد برها كرمًا تما ايك دفع مين السي كي س إيا توني عليالسلام كو نیندمین نهیں بیداری میں دیکھا ، ایب پرسفیدسوتی قیصیمی بیمریں نے وہی قیمیں ا پینےجسم پر دیکھیں۔ جھ سے فرما یا پڑھومیں نے آب کےسا منے مور و والفنی اور الم نشرح برطهى بيم الحكول سے أوجل بو في بجرجب بيرى مراكيس سالتمى ميں مقام قراف ، ميل نے مبح کی نماز کی بجیر سحریمه کهی تواپیفرسا صفیبی علیالسلام کو دیکه آب نے مجھ سےمعانقہ فرط یا اور فرمایا لینے رہ کی نعمت کاخوب چرمیا کیا کرو "اسی وقت سے مجے زبان مل"

اس سلسد میں اولیاً النظر کی حکایات بهت زیادہ ہیں اور الس کا انکار کوئی ضدی یا بنے سیب ہیں کرسکتا ہے ۔ ابن العربی کے حوالہ سے جوبات گزری ہے اس سے معلوم ہوا کہ صنوعلیہ سلام کی اکثر زیارت ول سے ہوتی ہے چھرول سے ، دیکن یہ دیکھنا عام دیکھنا نہیں ہے آسحا دحالی اور حالت برزخی ہوتی ہے اور وجدا تی کیفیت ہوتی ہے ۔ یس اس کی حقیقت قال سے بیا نہیں حال سے بیا نہیں حال سے بیا نہیں حال سے بیا نہیں حال سے میں کی جاسکتی ہے ہی تی نہی کہا گیا ہے۔

يجى بوسكة ہے كد ديدار سے مرا دوبى ديدار بوجوع ف عام ميں ديداركملا اسے. كردنيا ميل ايك جماعت صنوعاليسلام كوديكه يا ويحف والول اورمركارك درميان سس يرد ، أخم ما أي مركار ابن قبر الورس بركول، يس ديكف والاحقيقة "، زنده مالت مين حنوا كى زيارت كرك كم كس مين كوئى استحال نهيل ديكن عموًا صورت ذاتير نهيل مثاليه نظراً تى ہے-الم مغزالي كا قول مجى اسى يمحول كيا جائے كا -كرمزاد بدن ا درجيم كا ديخفانهيں بكرانسى مثال ہے۔ بیمثال ایک ارمنتی ہے اس حیتت کک بہتنے کا جومکار کی ذات میں ہے الدیا حقیقی ہوتا ہے یا خیالی اور نفس خیل کاخیال نہیں ہوتا - بیس جسکل اس نے دیکھی سے وہ نہ توروح متعيطف صلے الله عليك لم بيء نه بعينه ذات مصطف صلى الله عليه وسلم - بلك تحقيق يه بهدكم وه آب كي مثال ب قراياكم اسطرح النز تعالى كا ديدار ب جوا دمي كوخواب بيل ماصل ہوتا ہے اب احد مقد تعالیٰ کی ذات توشکل وصورت سے پاک ہے بلی محقین رقطرانی مُنتست اور آنا رِعالم کومیشِ نظرر که کمی جوا دنتر کی تعرامیٹ کرتے ہیں، وہ لوگو ن کمس کسی جتى مثال مثلاً نور وغيره مح واسط معيني بهاور و دمثال معرفت زات كا واسطه بننے کی مذکک صبح ہوتی ہے۔ اب دیکھنے والا کہتا ہے میں نے خواب میں انڈکو دیکھا ہے۔ اس كامطلب ميسكاي كرجس طرح باتى ذاتين نظراتى بيرم ايليدي ذات بارى كوديكا ب-

فرایاکه میریں نے ابن العربی کو دیجھاکہ انہوں نے بھی میری بات کی تقریمے کہے۔

کرصفر علیہ اسلام کی ذات جبم می روح کا دیدار محال نمیں کیوبحہ آب اور دو مرے تمام ابنیا کرام علیہ السلام زندہ ہیں ان کی روحین بیض کے بعد دویا رہ لوما کی حتی ہیں اور ان کو اجاز اسے کہ ابنی قبرول سے کا کرعالم بالا وبست میں تعرفات کریں الس میں کوئی سکا وٹنہیں کر بیک و قت ان کو کتیر تعدا دمیں لوگ ویکھیں کران کی مثال سؤرج کی سی ہے اوج ب قطب کا ثنات کو بحر دیا ہے جب کہ تاج بن عطاالتہ نے کہا ہے تو نبی علا السلام کے متعلق تمہاراکیا خیال ہے واس سے دیکھنے والے کاصحابی ہونالاز م نہیں آیا کیونکی صحابی متعلق تمہاراکیا خیال ہے واس سے دیکھنے والے کاصحابی ہونالاز م نہیں آیا کیونکی صحابی موسے کہ حضور علا السلام کو عالم ملک دونیا وی زندگی میں دیکھے۔اورید دیکھنا عالم سک دونیا وی زندگی میں دیکھے۔اورید دیکھنا عالم میں میں میں جی ہے کئی جائے گا میں میں ہیں ہیں ہیں ہیں کا ماری میں میں ایک کئی جائے گا میں میں ہی آیا ہے ور نہ یہ راستہ تمام اُست کے لیے کھی جائے گا کہ اس میں جی آپ بریئی کے جاتے ہیں وہ آپ کو اور آپ ان کو دیکھتے ہیں جیسا کہ اصادیت میں آتا ہے فنا وی ابن جرکی عبارت ختم ہوئی۔

الم بوميري رحماً للذكر تفييدُه بهزيد كم الس شعري شرى مي مي باش بهي ب كَنْتُهُ حَصَّنِيٰ بِرُوُ بِيَدِ وَجُسِهِ كَنْتُهُ حَصَّنِيٰ بِرُوُ بِيَدِ وَجُسِهِ ذَالَ حَنْ كُلِ مَنْ مَالَهُ الشِّعْتَاءُ

کانٹن مجھے اس جبرہ افدنس کی خصوصی زیارت نصیب ہوجس کے دیکھنے سے ہر ویجھنے والے کی برسختی جاتی رہی -

اس مقام برا فریس فرات بین، میرے اور میرے والد کے شیخ محکر بن ابی الحائل کرت سے
بیداری بین بی علیالسلام کی زیارت سے مشترف ہوتے تھے ہمال کک کر جب کسی بیکیارے
میں پوچھا جا آ تو فراتے میں اسے صنور علیالسلام کی قدمت میں بیری کرلوک بھراپنالسر کربیان
میں ہے جاتے بھرفرواتے بی معیالسلام نے اس بارے میں یہ فرایا ہے بھرایسا ہی ہوتا ہے
میں ہے جاتے بھرفرواتے بی معیالسلام نے اس بارے میں یہ فرایا ہے بھرایسا ہی ہوتا ہے
فرواتے کبی اس سے محتلف نہ ہوتا ۔ بس اس کے انکار سے بیجو اکدید اشامہ غیبی کی علامت
ہے کی ہوتا کے بی اس می محتلف نہ ہوتا ۔ بس اس کے انکار سے بیجو اکدید اشامہ غیبی کی علامت

علامهمناوی نے اپنی سترے شمائل میں فرمان نبوی صلی الترعلیہ ولم من سانی فی المنام فعدا في اورسم كاروايت مي ب فسيدا في فالعظة يرلفظ مي عاماً الله فى القطه ياير فقد دلى المحق - كاشرح مين فراياً يعيّ جس نفراب مين مجع جمالت مين ديكما، المصعلوم بونا جا بيكر الس في انواب ديكما بصليني يرخواب باطل نبين، حق ب كيونك ترط وجزاكا أسحا واغايت كمال كى دليل ب، اورمبالغه كى عدب يعنى حس في محص ديكا توانس في تمام كمال كيماتموميرى خيست ديمى السيس ميركو في شك وتسبرسين الس مين بليد مے كرتظر كتے والى ذات ، ندس كاركى روح بے نسخص بكر تحقيق يہ ہے كر وہ مثال ہے اسے جہ الاسلام دغزانی ، نے ذکر کیا ہے بھرائس کے بعدوہ لفظ لائے جومہلی عبارت کی مغوق تاكيديا يحكم كى تعليل مجد يلجية - فرما يُأتبيطان ميرى مثال نهير بنسكماً " يعنى الس ميں برطاقت بي بي نمين عام اس سے كد ديكھنے وال مركار كومشور وسعت ميں ديكھے يا غيرمووف من میں میساک عقمندوں کے نزدیم مقبول مفہم ہے ، کیونک حق سبحان نے آب کور حمد العالمین بنایا ہے . گراہوں کے یلے ہادی ، اورشیطانی وسوسوں سے محفوظ فرمایا ہے بیس حب کانا آب کے نور دجود سے منور التبطال آب کی میساد کے ساتھ ہی دھنکا راا ورستاروں سے مارا جانے نگااور کا منول کی بنیادی اکھاڑ دی گئیں تو کیسے تصور کیاجا مے کرنتیطانی كافتال بي محتاب اور اكر شيطان أب كامتال اختيار كرسكة توخارج مين يُونهي قتل موجائ ين وابسيراب كو ديكنائ بيع صورت ميري بو-

پھرابن ابوجرہ ابن مجراد اورصد الدین قونوی کی آنے والی عبارت کا پھرصرہ در فرالیا ملاعلی قاری نے شرح شائل میں فرایا ، الماندی نے اب قلانی سے حکایت بیان کی ہے کہ صنو علیال دم مے دیدار کی حدیث اپنے ظاہری منہوم میں ہے اور مراد یہ ہے کہ جسنے مگر رکو دیکھا اس نے اب کو پالیا اور کوئی مانے اس سے منع نہیں کرسکتا عقل مجی اس کو محال قرار نہیں دیتی کہ ظاہری معنی سے کسی اور طرف بھیرنے کا جیا کیا جائے۔ بھر ملاعلی قاری نے

حضوعليالسلام كے فرمان من سانی فی المسنام فعسمانی فان الشيطسان لا يتمشل بى - الس كواحد، بنحارى اور تزمذى في حضرت انس رمنى المدعوة مسهرواين كيا-امام احدادر سيخين نے ابوقياً وہ رصني النَّدُى وسے يرفقط روايت کيے ہيں من سا آئی فقل راى المن فان الشيطان لا يتوانى يعى جن تع محه ديكما الس فيميرى كامل حيفت ويحى جس ميں كوئى شك وست بيس اس برحفوعلياسلام كايہ قول دليل سے فقد دائى الحق يعنى جس نے مجھے دیکھا الس نے خیفتہ میری ظاہری عورت دیکھی اور عنقرب اسمنے میں ويحدي كاكرشيطان مبرى صورت اختيارنهين كرسخنا الس ميرميري بمتمل صورت اختيار کرنے کی طاقت ہی ہیں۔ ورزمعنوی صورت اختیار کرنا تو ویسے ہی بعید ترہے مرحوم فروات بين بيممين معلوم بهونا جابية كداد تنرسجان تعالى تعصرط والتبدياري مين خبيطاني تستط اور وسوسه سے اپنے بی علياسلام كومحفوظ ركھا ، اسى طرح وارالتكليف و دنيا) سے نکلنے کے بعد بھی محفوظ فرا دیا ایس سیان آب کی شکل اختیار نہیں کو مکنا، کہ دیکھنے والے كو فرصني سخيلات ميں مبتلا كر دھے۔ يس كسی خص كاحت عليہسلام كونواب ميں ديجھنا ،بيداری میں دیکمنا ہے۔ کریشیقی دیکھنا ہے کسی اور ذات کو دیکھنائیں۔ کیونکوشیطان سرکار کی متورد شمكل اختيارتهيس كرسكتا - تدير بهوسكتا جه كرتشيطان اپنی صورت ميں آسے اور و پچھنے والا حضورصلي التزعليه وسلم كي صورت سجيج بينطح - بس وضعض مكار كوخوا ب بين ويحفے خواہ كسي صور میں دیکھے اسے ایسی تعبیری کرنے کی صرورت نہیں ۔ زکوئی اور وہم وخیال کونے کی اگر صنة عليلسلام كى دُنيا وى صورت كے خلافت ہى ديکھے . جيساكدمبرك نے ذكركيا -الخريه سوال كيا جائے كرنبى صلى الشرعليدوسلم كوبيك و توت مختلف بيكلول ازالدست بد میں بہت سے دوگوں نے دیکھا ہے داس کاکیا مل ہے ؟) ہم کھتے ہیں اسكا تعلق و يحضے والول كے حال سے ہے، جصے ديكھ رہے ہيں الس كے حال سے تهيں اجيسا كرأ ببنامين بوقا معص ف مركار كوشكوات ويكفا تويدوليل بدكر ويكف والأكاب كاست

تبتم وعلى كررباب اورحال غسب مين وكفناس تومعاط برعكس مسحس في أب كونا قص دیکھا یہ تویہ دلیل ہے کہ اس نے آپ کی منت کی ناقص آباع کی ہے مثلاً سبر تسیقے کے بيجيع سيسفيد برندك كوديكف والابهبزنك بين ديحقنا بداسي يرقياس كروبيي وبا صاحب لازبار نے ذکر کی ہے اور انتها کی محقیقی اور دقیق ، ہال کمی اس کا تعلق و بھنے كى چى سے بھى ہونا ہے بيسے صنورعليال الم كومسجد كے ايك حصة ميں اس طرح ديحاكيا بيسے أبيد مرُده مهُول تعبض عارفين نے اس كى تەببىركى تو اس قطعه زمين كامسجد ميں شامل كياجا نا سنت مصطابق نهير بهوا جب اس كي محقيق وتفتيش كي حكى تومعلوم بهواكر وه قطعه غىسب نشده تمعا " بيع نبى عليلسلام كے قرمان فقد داى المحق كے محت فرمايا بر ديجفاحق و صیح ہے اس میں کوئی وہم یا باطل خیالات کا وخل میں . یہ بات مرمانی نے ذکر کی علیمی نے فرايا المحق الرجي معدر موكد ب لعين جس تے مجے ديجھا اس نے مجھے ، اس کی ائیسداس سے بھی ہوتی ہے کہ ایک روایت میں ایسے ہی الفاظرا نے ہیں - زین العرب نے کہا تی باطل کی صد ہے۔ بس میعفول مطلق ہے اصل عبارت اس طرح ہے فقد ملی رویة العقى، مبرك نے كما ، كما كيا ہے كه المحق معنول بعب، مجے اس بين آمل ہے . فتم۔ شائرتاتل كى وجربير بوكرحق مص مراد باطل كى صندليا بروللذا يمعفول مطنى نهيس بوسكتا بال يدمرا دليناسيح بب كرحق سبحانه مراد بومضا ف مقدر مان كرد يعنى لألى تظفر كحتي يامنطقدة جس نے مجے دیکھا اس نے حق کامظہر دیکھا "یا یہ کرجس نے مجے دیکھا وہ حفرسیب المدسسجانة كوديكه كالجيز كاركونواب مين ديجها توده آب كوعنقريب جا كتة بوكسالامتى مے کھرد جنت) میں دیکھے گا-اس سے لازم آیا کہ وہاں وہ الندکو دیکھے۔ یہ بی بعید سیس کہ اس کامطلب مواجس نے مجھے خواس میں دیکھا و وعنقریب الٹدکو نواب میں دیکھے کا کہ میر ديكمنااس كے ديكھنے كامقدمريا السمنفسد كے صبول كى بشارت ہے ' وال - عارف باللہ سیّدی صدرالدین تونوی نے ان چالیس احا دیث کی شرح میں ، جوا ہل حقیقت کی زبان پرجاگ

ہیں، یہ شرع مکن نہیں ہوسکی ملیستائیس تک بہنچ کرختم ہوگئی ہے، فرما یا بیسویں صدیث ہیں ہستود
رضی السّد عمد دیکھا کرشیں ملی المرضلی الشرطیہ وسلم نے فرما یا جس نے مجھے نواب میں دیکھا
الس نے مجھے دیکھا کرشیں طان میری شکل اختیار نہیں کرستے ا؟ ایک روایت میں ہے ہیں سکے
بیرمناسب نہیں کرمیری صورت اختیار کرے !* ایک روایت میں ہے ہیں تاب کا اور وخرمیں
بن سکتا اگا ایک اور روایت میں ہے ہی جس نے مجھے دیکھا الس نے حق کو دیکھا کرشیں طان میری
بن سکتا اگا ایک اور روایت میں ہے ہی جس نے مجھے دیکھا الس نے حق کو دیکھا کرشیں طان میری
اس بے ماصر ہوتے کرحق تعالیٰ کے تمام اسما وصفات کے جواحکام ہیں ال سے اپنے آپ کو
متصدت کریں اور اپنے افر ران معائی کومنعکس کریں ۔ کیونکومتام رسالت اور جن لوگوں کی طوف
متصدت کریں اور اپنے افر ران معائی کومنعکس کریں ۔ کیونکومتام رسالت اور جن لوگوں کی طرف
متصدت کریں اور اپنے افر ران معائی کومنا کی دعوت دینے ان سب کا تعاصابی تعاکیٰ پ
میں میں حکم اور سلطنت کا ظرار ہوتا وا وران کوحق کی دعوت دینے ان سب کا تعاصابی تعاکیٰ پ
میں ایر ایک نام م اور کی بھی ہے جیسا کرخو دائٹہ نے اس کی جردی ۔
میں انگری کہتھ کردی الی حسد کاطر ترخی نہ کہدوی والسٹہ نے اس کی جردی ۔
میں انگری کہتھ کردی الی حسد کاطر ترخی نہ کردی ہے جیسا کرخو دائٹہ نے اس کی جردی ۔
میں دیکھ کوری کے اللہ حسد کاطر ترخی نہ کردی ہے جیسا کرخو دائٹہ نے اس کی جردی ۔
میں انتہ کے کہت کردی ہے جیسا کرخو دائٹہ نے اس کی جردی ۔

المحمز برا الموسوال ہے کہ اللہ فی تعلق کی تعلقت ہے تعلیم کی تعلقت سے بڑھ کر ہے کیا وجہ المحکم میں ہونے اللہ می کا ہے کہ اللہ نے بربابندی کا دی اور اللہ کی اور اللہ کا کہ اللہ کا اور ان سے بات کی کرمیں تی بڑوں ہجوان کی گراسی کا سبب بنا ، اور اس طرح کئی لوگ گراو بڑوے کہ انہوں نے دیدا رالئی کا کمان کیا ، اور یہ کہا کہ بہتے تھا تی ہے اور ایس کی بات شہرے ہے۔

مرکا جوامی برختمند جاتا ہے کہ احد تعالیٰ کے کو اُمتعین دوطرح کا فرق ہے اول یہ کہ بیانہ ہو سکے بخلاف بی علائے ہوں اور نظرا نے والی سورت ہے بیانہ ہو سکے بخلاف بی علائے الله م کے کہ ایک معین امعلوم اور نظرا نے والی سورت ہے دوسری وجہ یہ ہے کہ احد کی اُست کی تعالیٰ یہ ہے کہ جے بایت و ساور جے واس کی وجہ یہ ہے کہ اس کا متعالیٰ اس کو خت مدیث کے ضمن میں بیس اور میں بیس اور میں بیس اور میں بیس اور میں میں بیس اور احد میں ایک اور احد میں ایک اس بات کی تعدیق فراکی اور ایر بھی فراکی کی وہ بڑا جھوٹا ہے در ہے بی علیا سلام کا مکالمہ ہوا تھا۔ اور احد نے اس کی اس بات کی تعدیق فراکی اور ایر بھی فراکی کی وہ بڑا جھوٹا ہے در ہے بی علیا اسلام کا مورت کی سورت کو شیطانی تعقیل سے جو اپنی مورث میں طامر ہوتی ہے بیں لازم ہے کہ ایپ کی صورت کو شیطانی تعقیل سے بی آیا۔

تاكه اعقاد باتی رہے اور ہوایت كامتصدفا ہر بواس خص میں جس میں اللہ تعالیٰ صنو علیہ اللہ کا میں اللہ تعالیٰ صنو علیہ اللہ کی ہدایت ظاہر طاہر ہوگا۔
کی ہدایت ظاہر طاہرے ۔ اگریہ بات نہ ہو توانس فران باری کا کیام خوم ہوگا۔
اِنگلت کَسَتَفِیہ کی اِلیٰ حیست اللہ ترجم : رہے تشک اب سیدھے داستے
مُسُسَنَفیہ ۔
کی راہنا کی فراتے ہیں ۔
مُسُسَنَفیہ ۔
کی راہنا کی فراتے ہیں ۔

پھرتوبعثت کاکوئی فائدہ ہی نہ ہُوُا۔اسے ہم جیجے ۔ ہاں پہاں ایک کسوٹی ا در دلیل ہے ، ان دوتوں تینید کرنا صروری ہے ۔

بى كايم عليالصلاة دالسلام كي خينى زيارت به بهدكم ويكف والا معمل الصحمت المسادة والسلام كي خينى زيارت به بهدكم ويكف والا معمل المسادة من المسادة من ويكف والا معمل المسادة المس

اسی بات کی طرف بعض روایات حدیث میں اشارہ ہے کرجس نے مجے نواب میں دیکھا اس نے مجھے ہی دیکھا ہوں کہ کہ اگر کسی نے مرکار کوھیتی حمین دجیل صورت کے خلاف دیکھا ، اس نے مجھے ہی دیکھا ہی ہماں کہ کہ اگر کسی نے مرکار کوھیتی حمین دجیل صورت کے خلاف دیکھا یا اس نے آب کو دیکھا ہی ہمیں مشار مہت کمبا اللہ دیکھا یا بہت جوٹا قد دیکھا یا رکورنگ میں دیکھا یا کوٹھا بہت گذم محل وغیر اور دیکھنے والے کا یعین کرمیں نے آب ہی کو دیکھا ہے کو کی دلیل نمیں بلی جوجیزا سے نظرار ہی ہے وہ یا تو دیکھنے والے کے عقیدے کے مطابق صورت بشرع ہے یا اس کا حال ہے یا اس کی صفت کا منظر ہے یا کسی اسلامی مطابق صورت بشرع ہے یا اس کا حال ہے یا اس کی صفت کا منظر ہے یا کسی اسلامی اور دو دو رکول میں ہیں جو جا رکا تر ہے جہاں دیکھنے والے نے تواب میں صورت دیکھی اور بھی اور دو دو رکول میں ہیں جو جا رکا تو بی ہے اور دو دو رکول میں جا ور اپنے شیخ الاسلام ، اکمل جی الدین بن محقر علی بن العربی رضی المنڈ عذو نے مجھا سی کہ کہا ہے ہیں ایک میں ایک میں ان میں سے ایک سلسلہ میں ایک میکا بیت سنائی کے کہ

ایک مرتبانی میں میں ایک مرتبانی میں البیاری جا میں مجد میں ہواندلس ابن العربی کی محکایت رہین سے شہر البیان سے شہر البیان سے ہے ، انہوں نے بیالیہ

السلام كوخواب بين ديحاكه أب وفات يا يحكم بن اوراك كوفي بي وربي للطيور ہیں اس کے کئی سال بعدجب بیٹے اللہ والوں کے راستے برجل بڑے ، حکومت اورجو کھھ دنياوى مال بيس تمعاسب يح ترك كرديا اورمصروف انترت بو كيئ اورا دنته في قوات کے دروازے کھول دیئے تواتفاق سے میام عسجد میں لینے شہر کے بعض اہلِ علم و فضل کے بمراہ داخل ہو کے کسی کام سے وہ ایک دروازے داخل ہو کردوسے سے بكن چاہتے تمعے اور اس بات كونا يسند كياجاً اتحاكد كوئى شخص كذر كا د بناكر مسجد سے يُو كذرجا شفاور وونفل ادا فذكرس اورص دروا زسے سے چا سے تكل جائے . بهماتي موتمى اس طرح كئ دروازول والىمسا جدكوكذركاه بناسف اور دوركعت نفل يمي ا دانه كرنے سے منع كرتے تھے۔ فرا ياجب ميں اپنے مذكورساتھى كے ہمراہ جا مع سجد ميں واصل ہوا ، میں نے کہا جب مک دونقل ادا نرکو کو مسجد کو عبور تهیں کردل کا يميرے مهمى شے كماآ وُلس كوسنے ميں دونغل اواكرلوا وراشارہ الس كوسنے كى طرون كيا،جا میں نے بی علیہ ملام کوانس کونے میں مرُد وا در کیاسے میں لیٹا ہوا دیجھا تھا، لہٰذا میں اس جد تمازيد صنا اجهاميس مجمة انهول في اس برتعم ادركهاتم في حق ديكها بهد مب مينمين اس خامب كي تعبيرتِها ما بول · جا ن يبجيه كدوه مقام ميرا گھرتھا بلا دِمغرِب کے ماکم نے مسجد میں توسیع کا امادہ کیا ایک دیوارکو کمایا اور الس کے تیجے جومکان سے المين موسير مين شامل كرنے كے اما وسے سے خريد ليا مير سے مكان كے علاوہ كوئى مكان باتى ندرما وانهول ني مجكر سے وه خريدنا جا ماليجن مبتني تميت ميں جا ہما تھا ، آئى انهول نے نہ دی ، میں نے بیجنے سے آٹکار کر دیا ۔ میکن انہوں نے میری رضا مندی کے بغیری حتبی تیمت میں جا و ومکان لے لیا۔ بس میں نے جن کو دیکھا ہے وہ نبی علیالسلام نہیں ان و کی تربیت ہے۔ اس نسبت سے پہاں فوت ہوئے اورسودے کی صورت میں پردہ ذ إليا يرسودا درست نرتها بكه يرجي غصب شرقتمي و ل اب مي تمين كواه بناكراينا حق

ابل اسلام سے یا چھوڑتا ہوں لیس آب آئیں اور تماز پر مصین ہم سکتے اور اس مسجد میں تما زیر طی وريوا پندكام كے يا بركل مي يونهى علاقتام مي مجد سے بيان فرايك ايك بيك أدمى في خواب مين بي عليالسلام كوتمير مارا و نعوذ بالنب بمر كمبار كربيد كدر موا اور آب كي طلات تان كيسين تطرح ديماتها اس مد وبتت زده بوكيا بعضيون كم ياس أكرايا خواب بان كيا، شخ في اس كا تمييم علوم بوكرنبي عليالسلام اس معظيم تريي كرميل الكسى اور كالبيديه باته أنحد سك جوتوني ويكها وه بي علياسلام متصفيداب كالشرع تمي بص ك ايك حكمين تو في علطى كى ب، اورتير يهير بي محيد السيم الله الله الله المحمد المرحام اور كنا وكبير كارتكاب كياب، إلس بروه تض مراسيمة وكرسوجي لكا اوريد نبها ياكد مين في كوفي مجم كيا ہے۔ ويسے ديندارا وميتھا اس شخص نے شيخ كوالس تعبير يوكو في متهمت نداكا في كيونكروه جانبا تھاكرتين صيح تعبيركرد ہے ہيں بي بيان اور بوجل دل كے ساتھ كھرلوگا - بيدى نے الس يريبًا في كاسبب يوجِها، تواكس في ايناخواب اورشيخ كي تعبير السيبًا في بيوى بُست حياران موتى اورانس نے توب کی اور کھنے بھی میں مجھے بتاتی ہوں ، تو نے قسم اٹھائی تھی کراگر میں تیرسے فلال جان پیمان و الے سے محرقدم رکھول تو مجھ طلاق میں ان سے دروازے سے گزرنے نگی انہو نے محصمیں دیں ، مجھان کے اصرار پر تشرم کا فی اور میں اندر جلی کئی اور ڈرکے مارے یہ ماج ين تنهير سيبيان مذكيا اس بيصورت حال جيائ ركمي اب الشخص نے توب واستغفار ك درحق تعالى كى باركا هين زارى كى عورت في عِرت المرادكرا وكسير فونكاح كيا -القونوى رصنى الشرعة في فالكوره وأقعه كے بعد فرايا يعين

القونوى رصنی اخترات کا تواب نے اس رات کوجی کی میچ میں بغدا دیہ بنیا اسمری کے وقت نی کریم علیا اسمری کے وقت نی کریم علیالسلام کوکنن میں لبٹی لاش کی صورت میں دیکیا بچھ لوگ اسے لے کر دوڑے جا رہے ہیں ، مرمبارک کھلاتھا ، اور زُلفیں زمین سے جھورہی تھیں۔ میں نے آن لوگوں سے کہا کہا کہ رہے ہو یہ ، انہوں نے کہا یہ فوت ہو گئے ہیں اورہم دفن کونا چا ہتے ہیں۔ میرے ل

میں آیا کھ صفور طیالسلام فوت نہیں ہوئے، میں نے ان لوگوں سے کہا ، کجے قواب کا چھڑا قدی مرفے والوں کا سا نظر نہیں آیا۔ ذرا صبر کرو، بات کی تحقیق ہوجائے بیل منزم بارک کے قریب ہوا۔ تو مجھ ملہا جعلیا سائس محمول ہوا۔ میں ان پر جلایا اور ان کو اکس ارا دے سے منع کیا۔ اب میں سخت گھڑ ہوئے میں بیدار ہوگیا تو مجھے ہوئے کہ میں برام معلوم تھا اور بار ہا الس کا ہجر ہو جا تھا۔ لنذ ایس بھر گیا کہ بید عالم اسلام میں کسی بڑے حادثہ کی مثال ہے، جب یہ بات بھیل کہ منعل دستی کی اب بات بھیل کر منظل دستی کی بات بی بات بھیل میں کہ منوب کی ایس میں ہوگھے محمول ہوا کہ بغدا د فرنے میں آگیا ہے میں نے وہ تا ایسنے فوٹ کر لی میں ایک سے زیادہ اخباری جنوں نے اپنی آدکھوں سے دائعہ دیکی اتھا ، ہموجو د ہوئے ، اور انہوں نے بتایا کہ کسی دن بغدا د ہر حملہ ہوا تھا۔ بس خواب کی تعبیر میں جو ہوئے۔ میں نے نقہ کوگوں سے الس بارے میں جو سننا ہے اور کئی بار مجھے و د ہو سے نو کو کو کو اگر یر سب کھے ذکر کروں تو بات طویل ہوجائے۔ تبیر و سے نو کو کو کو اگر یر سب کھے ذکر کروں تو بات طویل ہوجائے۔ میں نے معن نمونہ اور تبغیر کے طور پر کھے بیان کر دیا ہے۔

میں لوگوں کے ایک دوسرے کو دیکھنے کے متعلق اور بیمی بیان کیا کہ یہ دیکھنا کئی قسم کا اور مناسبا كيمطابق الك الك نوعيت كابرة است ادرائس بيان مين بارسيمتصور كي جوأت ب. الس كافلا صدير سي المراكس دنيا مي لوكو ل كايك دوسرے سيصورتو ل ميں جمع بونا اورعالم بالامين ارواح كصماته جمع بوناكبهي بداري اوركمبي خواب مين السوكامعنبوط تر سبب مناسبت اوركئي باتول مير كحيانيت كايايا جانا سے كثرت اجماع اور قلت اجفاع كا دارومدار أمار مناسبت كي قوت وضعف يرس كيونكدد و ذاتول ميل كميى صفات، احوال اور افعال تينول مين مناسبت بوتى سے اور كمي صرف افعال مين اكر الس درجے میں کوئی دوسراوصعن بھی اس سے مل جائے توسیت اور توی ہوجائے گی۔ اگراس كے ساتھ مناسب ذاتى كوبھى فرض كربياجائے تنسبت مكل بوگئ يس حرا دمى كى نسبت كاملين تعنى ابنياً واولياً كى ارواح سنة ابت بوكى ووجب بيا سبحان سعل جائے خواب میں خواہ بیداری میں . فرمایا بیر حال ہم نے اپنے شیخ اکبر محی الدین ابن العربي رصنى المترعنة مين كمي سال مك ويحام فيان ميس سي بعض احوال دوسرت وكول مين عبى ديكھے ہيں رسيت شيخ رصنى التدعن مسوده انبياً واولياً اور كزرے ہوئے ديجروكول كارواح سيحبب ابي ملاقات كريت تحصالس ملاقات كيتين صورتيس بين ارواح مصلاقات مراتب المناسية المراتب وزين رُومانيت كواس ارواح مصلاقات مراتب ونياس وعبمرك مثالي صورت بين محسوس كرم بوحتى حقيقى مورت سيمثناب بوجو ونيا ميل سيعاصل تهمى السس ميل ذرة ومجركمي شهو-ر ۲ ، اگرچا ہے تواسے واب میں ما ضرکر ہے۔ ر ۱۷ ، اور اگرچا ہے تو اپنی شکل ختم کر کے اس سے مل جائے، بایں طور کہ اس کا ذاتی مقام میلاد سیمتھیں بید -

اس مناسبت نانيد كے مطابق جواس نظراً نے والی صورت اور بعض فلاک سے درمیا ہے اور اس مناسبت کے مطابق جوائس فلک کو دوسرے افلاک اور دوسری کا مُنات سے ہے اور بیال جومیں نے ذکر کیا ہے ہارے شیخ رصنی اللہ عذکے تعرف سے ملا ہے۔ اور بدورانت بوی سے میں ہونے کی دلیل ہے اسی کی طرف اللہ کے اس اُتنا و کی طرف اتبارہ ہے۔ جورسُول ہم نے تم سے بہلے بھیے ہیں ان سے پوچھ لو یا آخر کک۔ اگرنبی علیہ سال ال ببیول سے ملاقات نہ کرسکتے تو اس فرمان کاکوئی فائدہ نہ تھا۔ سوالیسی ملاقات کوبعید نه مجر، کدکسی کمزور تا ویل کاسها را دهو بنتا بھرے کہ تیرے علا وہ استحداا یک سے زیا دہ كے بائيمبر سا بهم ميں فرمايا عمل في مام بيوں اور رسولوں كو اپني انكھوں سے ويجھا ، اوران میں سے صرف قوم عا دکی طرف بھیجے گئے نبی حفرت ہو د علیالسلام سے بم کلام ہوا، اورکسی كلام نهيل كرسكاء اورميل نے تمام مسلمانوں كوعبى اپنى أنحم سے ديكھا ،جو بوچكے يا قيامت یک ہوں گے۔ افترتعالیٰ نے ان کومیرے سامنے ایک میدان میں ، دو مخلف وقنول میں ظا ہر فرما یا میں سوائے محمد صلے اللہ علی فیلے ہے ، ان سب کے ساتھ رہا ، اور ان سے بھرمند ہوا۔ان میں ابراہیم طلیل التند علیا سلام تھی شائل تھے جن کے سامنے میں نے قرآن بڑھا اور عيسى عليليسلام بمجى ان كے سامنے موجود تحصا وركوسى عليالسلام نے مجھے علم كشف علم العنياح اوردات ون برلنے كاعلم عطا فرما يا ، حبب مجھے بدحاصل ہواتورات ختم ہوگئ اورتمام وقت دن ہى رہ سومبرے ليے نه سورج غروب ہوا نه طلوع ميكشف مير يلے الترتعالیٰ کی طرف سے اس بات کی اطلاع تھی ،کدا خرت میں میرسے لیے کوئی برسختى تهين ام ودعلالسلام سے ميں نے ايک مسئلہ پوچھا ،جوانهول نے مجھے مجھا ديا سکھے

یوں کا جیسے صنرت میرے اسی زمانہ میں موجود ہیں اور مجھار ہے ہیں اور میں رسولوں میں سے محتی است میں اور میں رسولوں میں سے محتی صلے اللہ وسلم ، امراہیم ، مُرسی عیسیٰی ، ہود اور داؤ دعیہ السلام کے ساتھ رما ، باقیوں کو دیجھا تو ہے ان کے ساتھ رما ہیں الخ ،

معرف الترسيد عب الحريم الجبلى كا افتراك المناولي المناسكان كامل وه قطب المحين المحين كا افتراك المنان كامل وه قطب ركيل المعين فرما يأم ان كامل وه قطب ركيل المعين برا فلاك وجود ابتدائ أفرين سي المؤتك الرئيل كرمت بين اور وه ابتدائ وجود ابتدائ المحت المرتك الرئيل كرمت علمة شافين بين يك البتدائ وجود البداله با ذك ايك بي سي يعرا كاس كامتعلق شافين بين يك شاخ كاعتبار سي وسيراك المعل الم محت من المحت المحت

اسک راز یہ ہے کہ حنورعلیالسلام ہرصورت افقیار کرسکتے ہیں اسکارازیہ ہے کہ حنورعلیالسلام کو اس صورت میں کیتا ہے جو صورت میں کیتا ہے اور جو ایس کو جیات ظاہری میں حاصل تھی تو وہ اسے اسم مختر سے موسوم کرتا ہے اور اگر کسی اور صورت میں ویجھا ہے اور جان لیتا ہے کہ یہ مختر سے موسوم کرتا ہے اور اگر کسی اور صورت میں ویجھا ہے اور جان لیتا ہے کہ یہ مختر صلے اور علی میں ، تو بھر اسی نام سے موسوم کرتا ہے۔ بیں وہ نام حقیقت

مُحرّبہ پر ہر ہولاجا آ ہے۔ تم ویجھے نہیں کر صب حمد تو علیہ السلام تسبلی بنی اللہ عنہ کی صورت ہیں نظا ہر بڑے تو شبلی نے اپنے شاگر سے کہا نظا ہر بڑے تو شبلی نے اپنے شاگر سے کہا

تناكر دممي صاحب كشف تعاالس تيهجان ليااوركها -

الشهد أملك رسول الله وترجم بين كوابى وينا بهول كراب الله

کے رسول ہیں -

یرکوئی غلط بات نہیں ہیں ہے ہے جیسے کو ٹی کسی کوخواب ہیں دیجھتا ہے اور کشف کا کھر
درج یہ ہے کہ خواب میں جو کچھ دیچھا وہ بیداری میں بھی ممکن ہوا دیکن خواب اور کشف ہیں فرق
ہے وہ یہ کہ خواب میں مجھرصلی اللہ علیہ ولم کی جوشکل دیجھتا ہے ، اس کو جا گئے ہوئے حصیقت ہو
مختر یہ کانا منہیں و سے سختا مانس لیے کہ عالم مثال کی تعیر تو ہوسکتی ہے کہ جن خص کوخواب
میں دیجھا ، اسے بیداری کی صورت مجھریہ سے تعییر کر لیا دیکی کشف میں ایسانہیں ہوتا ، کیوکھ
جب کشف میں صورت مختر یہ تمہمارے رہا منے کی اور آن ومی کی صورت میں ظاہر ہوگی تو
تم برلازم ہوگا کہ قیمت منجھریہ پر اس صورت کانا م جبیاں کہ و ، اور تم بر یہ بھی لازم ہوگا ،
کوانس صورت والے کا اسی طرح اوب کر و، جس طرح محترصلے اللہ علیہ و لم کا اوب کرتے ہو۔
کریوک شف نے تمہیں یہ تبایا کہ محترصلی اللہ علیہ و لم ماس صورت میں ظہور بذیر ہیں ، للہ آب
میری گفتھ سے متمارے رہ ما منہ من صورت میں ظاہر گئے تو اب تمہارے لیے یہ
جائز نہیں کہ اس سے اب مجبی وہی معاملہ کروجو اس سے بہلے کرتے تصفیم سرح تم ہوگر مرگز

ا التُدكی بناه، رُسول التُدكی بناه و صلی التُدعلیدیم م مرمیری به مُراد بهو مبحدرسُول التُدمسلی التُدعلیدیم

استے نناسخ نه مجمد لینا

کی ہرصورت میں ظاہر ہونے کی طاقت ہے کہ آب ان صور تول میں ظاہر ہرسکتے ہیں اور حضور صلالیسلام کی شنت جاریہ ہی ہے کہ مرز مانہ میں ، جرجلیل اتعد شخصیت ہوئی ہے۔
انس کی صورت میں ظہور پذیر ہوتے ہیں تاکہ ایسے لوگوں کی ثنان لمبندا ورمیلان درست بوجی برحضرات ظاہر میں ہمرکار کے ضلعاً ہیں اور حضو علیا نسلام باطن میں ان کی حقیقت ہیں ؟
الجمالی کا کلا مزحتمہ ہوا۔

علامر می کا ارتباد این میل الدین سیوطی این کتاب تنویوالحلات علامر می این کتاب تنویوالحلات علامر می دویته النبی والملائ میں قوائے

رمیں بیسوال بخترت کیا جاتا ہے کواریا ہا حوال کو صنوطلیلسلام کا دیدار ہوسکتا ہے۔

یامہیں ؟ اس زمانہ کے بعض لوگ جن کوکوئی علمی متقام حاصل نمیں ،نمها بت مبالغہ سے

اس کا انکار کرتے ہیں اور اس کے محال ہونے کا دولی کرتے ہیں ، لنذا میں نے اسٹسلہ

میں یہ رسالہ لیکھا ہے ہم اس کی ابتدا اس صبحے حدیث سے کرتے ہیں ، جوالس موضوع

پر ،اما م سبخاری ، اما م مُسلم اور امام ابو داؤد نے حضرت ابوم برمیرہ رضی الٹیوعنہ نے نعل

کی ہے کہ یہ حضوعلی السلام نے فرمایا :۔

کی ہے کہ یہ حضوعلی السلام نے فرمایا :۔

د تجس نے مجھے خواب میں دیجا، وہ عنفزیب مجھے میداری میں دیجھے کا۔ اور شیطان میری مثل نہیں بیسکتا "

طبرنی نے ایسی ہی روایت حفرت مالک بن عالمتی دا در ابو بجرہ رضی اللہ عنہ ماسے نقل کی ہے۔ اور اسی کی مثل دارمی نے ابوقیا دہ سے نقل کی ہے۔ علماً فرماتے ہیں بحثو علیا بسلام کے فرمان فسیرانی یعظم میں اختلاف کیا ہے۔ کہا گیا ہے کہ اس کا مطلب علیا بسلام کے فرمان فسیرانی یعظم میں اختلاف کیا گیا ہے کہ اس کا مطلب ہے عنظریب نیا مت کے دن مجھے دیکھ لے گا اس بر بیا اعتراص کیا گیا ہے کہ بھرائی صربت کا کوئی فائد ونہ میں کی نوٹو اب میں دیکھا اور وہ مجی جنول نے نہ وبھا ، برمجی کھا میں جنول نے نہ وبھا ، برمجی کھا میں جنول نے نہ وبھا ، برمجی کھا ہے۔

الله به المراد وه لوگ بین جراب کی ظاہری زندگی میں ایمان لاک لیکن دولت دیدارسے مشرف نر ہوسکے۔ کراپ سے ملاقات نر ہوسکی ایسے لوگوں کو بشارت دی گئی ہے۔
کہ دہ اپنے مرنے سے بسلے ضرور مرکار کو دیکھیں گے۔ ایک قوم نے کہا یہ فرمان اپنے ظاہر پر ہے کہ جس نے آپ کو خواب میں دیکھا ، وہ اپنے سرکی آبھوں سے بیداری میں بھی آب کی زارت کر ہے گا۔ یہ دو نول آبیں قاضی ابو بحر بن العربی زیرت کر ہے گا۔ یہ دو نول آبیں قاضی ابو بحر بن العربی نے بیان الی جسے کہ دل کی آبھے سے مید دو نول آبیں قاضی ابو بحر بن العربی نے بیان الی جسے کہ دل کی آبھے سے مید دو نول آبیں قاضی ابو بحر بن العربی نے بیان کیں سیبوطی نے ابن الی جسے مرد العربی العربی کے بعد فرایا ہے کہ دل الدیمان میں فرمایا ہے۔ کہا ، ابہتی نے کتا ب عدی الدیمان میں کہا ، ابہتی نے کتا ب الاعتما دمیں فرمایا ، در

الدنبياء بعدماً قَبِصنُوْ الترجم برأبسياً كوام ك رُوصِ قبض سُ وَ الله م أَدُوَا حُهُمُ كُر نے كے بعد بھران كى طرف لوٹاكى خَصْنُ أَخْتَا عِنْدَرَ تِهِدُ عِلَى مِن لِين وه اين رب كم إل كالشهدة وقدراى النبى زنده بن جيسة شبيد، اور نبى علياسلام صلى الله تعالى عليه وسلم في مسل كارت ان كايب ليلة العسواج جاعة منهم جاعت كوديكا اورانهول فيأكي واخبرولاخبرصدى آن ميمى خردى، بينكم بالاورود صلاتنا معووضة عليه وآن آپ پرپش كمياجآنا ہے اور بیشك سلامنا يبلغه وان الله تعالى بهاسلام أب كويني باويينك حدم على الارص ان ماكل المترتعالي في زين برنبيول كے لعوم الدنبسياً- كوشت كهان حرام كرديت من -البازى نے كها بحارے زمانے اور يہلے زمانے كے اولياكى ايك جاعث سے شاکیا ہے کہ انہوں نے بی علیالسلام کو وفات کے بعد بداری میں زندہ وبھا سیو

سنه اینے رسالہ میں شیخ صفی الدین بن ابی منصور ، اور شیخ عفیعت الدین الیافعی نے روض الرياحين ميس شيخ كبير قدوة الشيوخ العارفين ، بركت ابل زمانه الوعبدالله قرشي كے متعلق لكا بي كرجب مصر كے علاقه ميں مبت بڑا فحط بڑا - اور آب نے علاق شام كاسفركيا ورسيدنا أبرائيم عليالسام فيان كاستقبال كياني كذشة قصر كم اختك " بھرفرایا کدیافعی نے کہایہ کہنا کوفلیل علیالسلام میرسے میا منے اس کئے ،حق بات ہے الس كا انكار وى كرك كا جو كاملين كے ان احوال سے نا واقعت ہے جن ميں وزمين و أسحان كى عظيم انشان كائنات كامشا بده كرتے اور انبيا كو مرُده حالت مين ميں زنده ويحقة بين جيسے نبى عليالسلام نے مُوسى عليالسلام كوزمين ميں ويحعا بمحرال كوانب ميكى ایک جماعت کواسمانول برخمی دیکھااوران سے گفتھ کی اورشنی بیممی نابت ہے۔ كدانبياً كے يلے جو كھ بطور معيزه جائزے اوليا كے يلے وہى كھ بطور كرامت جائز م المنت الملق في من مو فرماً ما كوشخ سارج الدين بن الملق في عطبقات الاولياً من تسخ خلیفربن مُوسلی النه ملکی کے حالات میں تھا ہے بنہ ملک عواق میں ایک بستی ہے کہ وہ اکٹر حضو علیالسلام کے دیدار سے تواب وبیداری میں مشرف ہوتے سمے کماکرتے تنص كميرك اكثرافعال حنوعليالسلام كحظم مصتعلق بين كجونواب مين كجهبداري من خواب كاايك واقعديه سي كرانهول نے ايك دات مين سركار ايد قرار كوستره مرتب ديكها. ایک مرتب فرمایا ، فلیفه! متجه منبارک بهوکه کنی اولیا میری زیارت کی صرت مین مرکفے۔ غيلفه إمين تجع استغفار منها ومجس ستودعا مانكاكرك ومجرير كلمات ال كوسكائ اللهم ان حسسناتی من ترجر درالی باتسک میری نیکال تیری عطائك وسيناتي من عطا عين ادرميري بائيال تيري قضائك فجد بمكا انعت تضاست بي يس بن نعتون كامير على ما قضيلت والمح ذلك حق مين تونيفيل كرويا ب ومعلا

بذلك جليت ان تطاع فراان كوان عماد مرتوب كورس الا باذنك او تعصى لا برترب كريرى الا عت تيرت كم كم بعلمك الله معاعمينك بغيرى بائرى بائرى بائرى افرانى تير على معلمك الله معاعمينك استخفافا عم ك بغيرى بائرانى كرب بهي ين محتلك ولا استحات في تيرى افرانى كى تيرت كو بعد ابلك بكن لسابقة كشياسمي كرا ورتير عذاب كومعولى سبق بها علمك فالتوبة سمي كونهين كى بلك المن فرق كو اليك والمغفوة لديك بيرج كا فيصل تير علم مين بيل ساليك والمغفوة لديك بيرج كا فيصل تير علم مين بيل سيل بوج كا تي المن توب نيرى طرف اور ساور السيدى طرف الديك بيرة من الله بين توب نيرى طرف اور سيرى طرف اور سيرى طرف اور سيرى طرف اور سيرى المناه في المنه في الم

بخشش تیرے پاس ہے ؟

ان کے پانس جاؤ بیں نے فناکی راہ کی اور تسخ عبدالرحم کی خدمت میں حاصر ہوا۔ انہو نے قرما یا، رسول الد صلی الله علیه ولم كوبھائتے ہو؟ میں نے كهانميں - انهول نے كها ، بيت المقالس كي طرف جيلو ته ماكر رسول التُدصلي التُدعليه وسلم كوبيحا نو بين بيت المقدلس كي طرف چل برا ، میں نے جب قدم رکھا تو کیا دیکھا کراسمان ، زمین اور عرائش وکرسی رسول انتد صلی انتدعلیہ وسلم سے بھرے ہوئے ہیں میں شیخ کی خدمت میں واپس آیا بھنے نے فرایا ، تم نے راسول التُرْصِيْك التُرْعليه ولم كويها، يس نے كه جي ال. فرايا اب تمهاري طربعيت كامل بوتي اقطاب اقطاب مهيس بنت اوتا داوتا دنهيس بنت اورا ولياً اولياً مهيس بنتے بحب تك رسول التدصيع الترعليه وهم كم معرفت حاصل نركرليس بشيخ صفى الدين كيقة ديس مي نيشخ جليل كبيرابوع التسرالقرطبى كوويكا جرشيخ قرشى كيحبل القدرساتحيون ميس سيتمعه اكثرمدين منوره میں رہتنے تھے اور حنور علالسلام سے رابطر رکھتے تھے جواب یلتے سلام عرض كرتے-ان كوحتو عليالسلام نے ملك كامل شے ام حط وسے كرمصردواند كيا انہول نے خط بمنعايا ورواليس مدينه طيبه آكئ - اليافعي نے روض الرياجين ميں محصا سے كر محصيف حضرا نے بتایا کہ وہ فاند کعبد کے اگر و فرستوں اور نبیوں کو دیکھتے میں ور اکثر بمنظر جمعرات بیر كى رات مونظراتا ہے ميرے ما من بهت سے بنيائے كرام كانام ليا، اور يرتمى كهاك میں تے خانہ کعبہ کے گرد مربی کو محضوص متعام پر بلیکے دیکھا ہے اور ان مے ہمراہ ان کے رشنة دار، امل وعيال اورصحابه بروت بين- اوريه بحي كهاكه بهار سينبي كريم عليالسلام كي الكرداتني تعدا دمين اوليا المترجمع بهوت بين جن كوشارتهين كيا جاسكنا والشربي ال كي تعدد ما نے۔ اتنی تعدا دبائی تمام مبیوں کے کرد جمع تمیں ہوتی -

کے اور ان کے بیروکاروں کی ایک جاعت جرکی طرف بیٹے ہیں بہارے نبی علیالسلام کوصحا برکوام ہل بیت اور اولیا اُمّت کے ہمراہ رکن بیانی کے باس بیٹے دیکھا۔ ایک ولی کی حکایت ہے کہ وہ ایک فقید کی ایک حدیث بیان کی ، ولی نے کہا بیعدیث غلط ہے ۔ نقید نے کہا تھے کیا معلوم ؟ اس نے کہا یہ نبی کریم صلی اللہ علیہ و لم تیرے بر بر کھڑے فرار ہے ہیں میں نے بربات نہیں کہی ۔ مذکورہ بالابیان کے بعد سیوطی فرا ہیں بعض مجموعوں میں ہے کرسیدی احمدر فاعی جب جرہ نبوی (روصنہ اقد کس ، کے سامنے کھڑے یہ ویشعر مڑھا ، ر

فِيُ حَالَةِ البُعْسِ كُنْسَ اَرُسَلُهَا تَقَبَلُ الْآرُ مَنَ عَنِيْ وَهِي اَلْيُسَيِّ وَهٰذِهِ اَوْبَهُ الْاَشْسِبَاحِ قَدُحَفَنَوتُ وَهٰذِهِ اَوْبَهُ الْاَشْسِبَاحِ قَدُحَفَنَوتُ فَاصُدُدُ يَمِينُكَ كَيُ يَحَظَيْ بِهَا شَفَيَى

ترجه : دوری کی حالت میں میں ابنی روح کو بھیجا تھا کد میری طرف سے انب بن کرزمین بوسی کرے اور بہ حبم کی باری ہے جو حاضر ہے ۔ ابنا دستِ کرم بڑھا کیے کہ میرے ہونٹ ابنا حصد دصول کریں ۔ بس دست افارس روعنہ انورسے با میز کلا اور انہوں نے اسے بوسد دیا گ

فرایا اس کایت کوبیان کرنے والے بعض صنرات نے الس براتنا اور اضا فدکیا کڑی کمی اس براتنا اور اضا فدکیا کڑی کمی طاحزین نے اسے دیکھا اور حنو کریم بعلے اللہ علیہ وسلم کی ڈات مقدس کوروح من حاصر ہے دیکھنا ممتنخ نہیں اس لیے کہ حضو علیا سلام اور دیگر انبیا سے کرام علیہ السلام کی روحین قبین ہونے کے بعد دوبار ہ لوٹائی گئی ہیں اور ان کو قبر وں سے عل کرکائنات

بالا دہست میں تعرّف کی اجازت ہے۔ امام بقی نے حیات الانبیا کے موضوع برایک جزکتاب الیف کی ہے ولائلِ امام بقی نے حیات الانبیا کے موضوع برایک جزکتاب الیف کی ہے ولائلِ

نبوت مين فرايا البيائ كرام إيف رب كيضو ايسمي زنده بين جيسي شهدا ! اسما ذابومنصوعبدالقامرين طام ربعدادي في كماية بهار معتقق مسكين اس بات ير متنق بي كريمارسيني كريم عليالسلام ابني وفات بحد بعد زنده بين اورايني أمّت كياطا سے خوات ہو تے ہیں اور کنھاروں کے گنا ہوں سے عمر دہ ہوتے ہیں اور جوامتی آب بر سلام بيمجے وہ اكب كومتي است فروا ياكر انبيا ئے كرام ز بوسيده ہوتے ہيں نرزمين ان ك جسم كاكو تى جِصته كهاسكتى ہے۔ مُوسىٰ علالسلام اینے زمانے میں قوت ہوکئے مالا تكریجارے نبى عليالسلام فيهمين بهاياكرانهول في ان كوچوشمي (ميمج يه سي كرچيش) أسمان بر ديجهاريون اب في أدم اورابرابيم عليها السلام كوديكا ويكليب المقدس مين سب كوديكا اورسب ك امامت فرائی احبب بارے سامنے بیا صحیح اصل موجود ہے توہم کتے ہیں کہارے نی علیالسلام مجمی اپنی وفات کے بعد زندہ ہو گئے اور وہ برستورنبی ہیں ؛ الخ حقده معومه المم قرطبى نة تذكره مين عديث صعقر كيبيان مين اين شيخ كايه المست تول نقل فرما یا یک موت عدم محفن نهیں، یہ تومحض ایک حال سے دوسرے مال میں طرف منتقل ہونا ہے؟ اس پردلیل یہ جے کہ شہداً کینے مثل اور موت کے بعد تمجی زنده بهوتے اور رزق بلیتے ہیں،خونش بوتے اور مبارکیا د حاصل کرتے میں ورب دنیا میں زندہ لوگوں کی صغت ہے جب شمدا کے لیے بیسب کھ ہے تو انبیا نے کوام توالس كالطريق اولى مستحق بوئے سيات بھي صحح ہے كرزمين انبيائے كرام كيے مولكم کهاتی نهین درید بھی که نبی علیالسلام ،معراج کی راشت تمام نبیول سے بیت المقالس میں اور السمانول برمليب اورأب فيفرسى عليلسلام كوابني قبرين كحرس تماز برصف ويحاب اورسركا رنے يدخبر بھى دى سے كرج مسلمان آب برسل م بھيے آب الس كاجواب و ينفهن دغير وال تمام واقعات مصطعى طور برير حتيقت سامن المئ كدانبيا ئے كوام كى موت كامطلب صرف يرب كه وه بهارى نظرول سے أوجل بي بربهم ان كو ديكونميں سكت

اگرچه زنده موج دمین بمین مال سے فرستوں کی زندگی کا، کہ وہ زندہ موج دمیں امتران کو صرف بہی دوگ دیکے سیحے ہیں جن کوافٹہ تعالیٰ نے اس نثرف سے مشرفت فرایا ایخ صرف بہی دوگ دیکے سیحے ہیں جن کوافٹہ تعالیٰ نے اس نثرف سے مشرفت فرایا ایخ

ابربعلى نے اپنی مندا دربہتی نے کتاب جیا ڈالاب یا میں صنرت انس منی الله عند سے روایت کیا نبی علیالسلام نے فروایات نبی زندہ ہوتے ہیں اپنی قبرول میں نما زیں پڑھتے ہیں۔ اور پہنتی نے صغرت انس منی النہ عند سے روایت کیا کہ حضو علیالسلام نے فرایا. انبيا ئے کوام عالیس دن کے بعد حجوڑ نے میں جاتے میکن وہ النڈ کے حضور نمازیں مڑھتے ہیں اور سور می میکے مک پڑھتے رہیں گے ایسفیان ٹوری نے اپنی جامع میں فرایا ، ہمارے ايك شيخ نے صنرت سعيد بن السيب سے روايت كياكه كو في نبي اپني قبريس جاليس و سے زیا دو مہیں محورًا جا آبیمال مک کر اُٹھا دیاجا آ ہے بہتی نے کہا اس با برتمام ببول كالك حال برجاتا بع بجهال الندان كوتم لمرك وبال تحريق من وام عبدالرزاق في ا بنى مُصنف بيس منيان تورى عن المقلام كالسعيد السيب فرايات كوكى نبى رين برياليس السي نائد دبعدوفات نهيس را - الومقدام كأنام تابت بن برمز كوفى تها بيصالح كے اشاد شيے-ابن حبان في ابني ارسخ ،طبرني في الجيراور الوقعيم في الحليد مين السروضي المدعن سي روا كى كررسول الشرصلى الشرعلير و من المراي كرج نبى وفات يا كاب و فينى قبر مين صرف الميس ون كك رتبا ب و ام الحرمين في النهاية مين اورالافعى تصنيره مين كها روايت ب كررسول التدصي الترعليه وسلم في فرطاياس أين رب كح صنوالس سي معزز تربول كه مجتے مین دن سے زیادہ قبرمیں رکھے امام الحرمین نے اس بر سافد کیا ہے کہ دوون سے زائد - ابوالحسن بن زاغو تی صنبی نے اپنی ایک تصنیف بیں بید حدیث تقل کی ہے کہ الله تعالی مسی نبی کوا و سے دن سے زیادہ اسس کی قبرین میں جھواتا۔ امام بدالدین بن الصاحب نے اپنے تدکرہ میں فصل نبی علالسلام کی وفات کے بعد برزخ میں زندگی کے بارے میں اس کی دلیل مشاشنے کی تصریح اور قرآن کریم کی اس آیت سے

التاره ب دروا تحسين الذين تلوا في سبيل الله امواماً بل احيا عنديم یدز قدن - پس یہ طالت تعنی موت کے بعد حیات برزخی تو ہر شہیدکو طاصل ہے، اوران کی عالمت دوسرول سے اعلیٰ ہوتی ہے خصوصًا برزخ میں اور کسی اُمتی کا مرتبہ نبی علیدسدم سے براہ کرنمیں بلکدان کو بھی بیتمام حاصل ہونا ہے تونبی کے ترکیداور غلامی سے نینرو ہ اس مقام کے ستی ہوئے ہیں توصر ون شہا دت کی بنا پر، اور شہادت مركارعليالسلام كواعلى مرتبركي حاصل سبصيا ودنبى عليالسلام فن فرما ياليشسبمعان میں سرنے کیلے کے باس مُوسی علیالسلام پر گزرا، تو وہ اپنی قبرسے کھڑے نماز بڑھ کیے تنصع بحيات مُوسَى عليالسلام كت بوت منس مي عديث بها كدوه ابني قبر مي كلو تعے اور نماز بڑھ رہے تھے اور اس طرح کی صفات رُوح کے لیے تا بہت تم بیوتیں یجم کی صفات ہیں بھرقبر کی تحصیص محصم کے لیے ہوسکتی ہے بھسی نے بنہیں کہاکہ ببيول كي رُوعين جيمول كيهم أه قبرين مقيّد موتي بين اورابل ايمان كي رُوعين حبّت مين ہوتی ہیں۔ صدیت ابن عباس میں آتا ہے کہ ہم مكة ومدین كے درمیان رسول الله صلی الله عليهوم كے بمراہ يطے ، ايك وادى سے گزرے ، آب نے فرط يا بيكون سى وادى سے ؟ ہم نے كها وا دى ازرق ، فرما يا كويا ميں مُوسَى عليالسلام كوديكھ رہا مُول. كانول مين أهميال مفو نسع ، الله كى يناه يلتي بلبيد مرصت اسس وادى بين سے كزرى بس بهربم فيلتة عِلت ايك ها في رائع، فرا إحواس تونس عليلسلام كوركن افتنى بر سوار دیکھ رہا ہول ، ان پرنسوف کا جُبۃ ہے۔ و دیمی ایمستدا سستداس وا دی میں جلے آ

ایک اعتراض وراس کوا این بیران یرسوال کیا گیا ہے کہ وہ تو فوت برجیے ایک اعتراض وراس کوا این بیر مضور علیالسلام نے ان کے جج و تبدید کا ذکر کیسے فرمایا ۔ وہ تو دو مرسے جمان میں بین جو دارالعمل نہیں اس کا جواب یہ دیا گیا ہے۔

كم شداً ابنے رہ كے صنورنده اور رزق حاصل كرنے ميں سركو كى بعيد ميں كر جج كري اورنما زير صيس اورجها ل يك بوسكے النّه كا قرُب حاصل كريں اگرجه و دانس جهال ر برزخ ، میں دمجی ، میں مرحوات دنیا میں مجی میں ،جو دارانعل ہے میان مک کرجب یہ ونیا فنا بهونی ا ور دوسری دنیا آگئی جو دارالجزاً ہے، توعمل محی ختم ایکی پیدالفاظ قاصنی عیانس رحمة المتدعليد كيمين توجب قاصني عياض كتيمين كروه ابيت اجهام كرساته وحكمت اور قبرول سے جُدا ہوتے میں تونبی علیالسلام کے اپنی قبرسے جُدا ہونے کا کیسے انکا كيا ماسكا ہے جيس ان تمام منقوله عبارات اوراحادیث كے مجبوعے سے يہ فائدہ عاصل برداكه نبى عليالسلام لينت جم ورروح كصاته زنده بي تقرف فرات اورزمین واسمان کے کونے کونے میں حبال جاہی تشرافیت ہے حاصل محنت اجاتے ہیں بالکل اسی شکل وصورت میں جو وصال سے پہلے ہے کو ماصل تھی، ایس ذرّہ محتربدیلی میں ہُوئی، اور آب آنکوں سے اسی طرح اُوجبل بیں جیسے رُوح وجیم کے ساتھ زندہ فرنستے ہیں جب اللہ تعالی کسی بندھے پر كرم نوازى كرتے ہو كئے بروہ اٹھانا ورمحبوب كا ديدار كروانا جا ہا ہے كووہ بنده سركا ركوحقیق صورت میں دیکھتا ہے اس میں كوكی ركا وطنهیں ڈالسكتا-اور یکناکدمثال دیکھی ہے الس کا نہ کوئی داعیہ سے زسبب "سیوطی کی کتا جنویر الحلك كاعبارت ختم بوئى - سي نے ايك أقل سے يعبارت نقل كى -ا علام تسطلانی نے الوائب لدید میں طویل کلام سے بعد جس فاکٹر حصتہ سیوطی وغیر کے مذکور كلام كيصنمن مين كزرجيا ہے، فرما إلى فيا ابن الومسنو نے اپنے رسالہ ميں فرمايا-كهاجاً ما سب كدايك متربي فتيخ ابوالعبالس قسطلانى نبى ملايالسلام كى خدمت ميركان و مركة كت توصنة عليالسلام نے فرطايا ، احمد! الترنے تمهارى وسيحيرى فرط كى بشيخ الوسو

كتت بي مي اليف شخ ابوالعبالس اوردوسرا وليأمصر كي زيارت كياكرتا تها بيمرجب يسلسدختم بوكيا اورمين مصروف بوكيا اورمج بربندشين كحل كئين اسب بي عليالسلام مصول ميراكوتي شيخ نه رما اوريه بزرگ برنماز كے بعد صنورعلالسلام سے مصافح كرتے شمع تشيخ ابوالعبالس لحرار كتتيمين مين تبي كريم صلى التدعليد وسلم كي خدمت مين حاضر وا-توسی نے دیکھاکرسرکارا ولیا کے لیے ولایت کے منشور لکھ رہے ہیں ال کے سا تنع میرے بھائی محد کے لیے بھی ایک بنشور تھے برفرطایا ، میں نے عرض کیا یار سول اللہ میرے لیے اس طرح نمیں لکھتے بھے میرے بھائی کے لیے لکھا ؟ فرما امیرے میرکا، بذا چا ہتے ہو ؟ اصل لغظ طرقی تھا جواندلسس کی زبان میں بیرو کا ر کے معنی میں ستا برتا ہے۔ اس سے يم مجاكيا كران صاحب كلمقام اور تھا۔ المومب ميل ام عزالي كى كتاب النقذ من المضلال كى عيارت تقل كرنے كے بعد فرما يا ،سيّرى على وفاكانبى علىالسلام كودنجينا بيدارى مين تنعابال وه جوشيخ ماج الدين بن عطاً الله ف كُطا تُعن المنن المشيخ ابوالعبالس المرسى كى حكايت تكى سے ،كدو اللي الون شاؤل کے ہمراہ جمعہ کی رات ستانکیسویں مضان قیران میں تھے بیمران کے ہمراہ جامع جد كيم المحلي كايت بي يمان كك كرفوايا، مين نے دسول التّد صلى التّد عليه وسلم كويه فرط تے مُناج اسے علی ! اپنے كيڑوں كوميل سے پاک كر، ہر لمحدا دلله كى مارسے حته يا و كي به خوتك - الس مين خواب كابحى احمال ب. اسى طرح شيخ : فطيب! لدين قسطلا في كه بركهنا كه مين مدين معنوره مين ابزعب داملة محقد بن عمر بن كيسف قرطبی سے پڑھاکڑا تھا ایک و ن میں تنہائی میں ان کے پاس آیا، اس وقت میں نوع رتھا آی باہرتشریف ہے آئے اور مجے فرایا سمجھے یہ ا دب کس نے سکھایا۔ ا در برا مبلا فرا یا که کرمین مستنه خاطر حلا گیا مسجد نبوی میں داخل بوکرنبی علیالسلام كى قبرمبارك كے يالس مبير كيا - ميں اسى حال ميں بيٹھا ہوا تھاكر ايما نك شيخ تشريب

لائے، ورقر بایا الحر، تمهاراا بیاسنارشی جی ہے جسے ٹالانمیں جاسکتا '' اوراس سے ملتی جاتی شرح عبداتقا درجریو نی کی کایت ہے جسے شیخ سہر ور دی نے عوار ف المعار ف میں تقل کیا ہے کہ میں نے اس وقت بک شاہ ی نہیں کی جب بک نبی علیائسلام نے شاہ دی کا حکم نہیں دیا '' امام شعرائی نے اپنی کتاب المدن الکہ بی کے مقدمہ میں فربایا ، سیدی علی انواص فربایا کرتے سمعے، کسی بندے کو عارفین کے رستے پر جبان اس وقت بک میرخ نہیں جب نہ وہا یا کہ دونوں جاں کی نمتوں سے بے بروا ہنہ ہوجا کے ادر سوائے اللہ کے اس کا کو کی مجبوب نہ ہو، اور اس کا کامل وارف ہوگا ، اور کھا کرتے سمع میں نے بیطر پیڈ سیدی ابراہیم متبولی نے واسط سے نبی علیائسلام سے اضعیار کیا اور کہی فرما تے میں نے بیطر پیڈ سیدی ابراہیم ملیائسلام ابراہیم علیائسلام ابراہیم علیائسلام ابراہیم علیائسلام کے واسط سے معاصل کیا ہے ۔ اس میں کوئی اختلا ف نمیس کی نوبح ضاو تمام نہیوں کے کے اخلاق وراصل محمق صلی افتر علیہ وسلم ہی کے اخلاق صحیح کیو بی خوصو تمام نہیوں کے اخلاق وراصل محمق صلی افتر علیہ وسلم ہی کے اخلاق صحیح کیو بی خوصو تمام نہیوں کے اخلاق وراصل محمق صلی افتر علیہ وسلم ہی کے اخلاق صحیح کیو بی خوصو تمام نہیوں کے اخلاق وراصل محمق صلی افتر علیہ وسلم ہی کے اخلاق صحیح کیو بی خوصو تمام نہیوں کے اخلاق وراصل محمق صلی افتر علیہ وسلم ہی کے اخلاق صحیح کیو بی خوصو تمام نہیوں کے اخلاق وراصل محمق صلی افتر میں میں وہ بی میں وہ

قبیض مل کرنے کی صورت یہ ہے کہ ان کی وجیس اسول انڈوسلی الشرصلی الشرصلی الشرصلی الشرصلی الشرصلی الشرصلی الشرصلی الشراف میں الشراف میں الشرصلی الشرصلی الشراف میں الشراف میں الشراف کا استرصافی الشراف کا اجتماع صفر صلا السلام سے ویسانہیں جیسا صحابہ کرام کا تھا ۔ استرصو استری ابوالعبالس المرسی رحمۃ الشہ فروایا کرتے تھے فیتر کا متام کا مل نہیں ہو اجب میں المرسی رحمۃ الشہ فروایا کرتے تھے فیتر کا متام کا مل نہیں ہو اجب کر رحم ما ملا میں میرکا رکی طرف اسی طرح میں رہوع نہ ہوجس طرح شامر دکا استا دکی طرف ہو المحدوم اور مبحد تعمیر کی توانس کی کسی واسطہ سیدی تحدید کی مربول انڈوسلی الشرعلیہ وسلم سے اجازت المحی ارتے فروایا تعمیر کرو، اور الشویر سے رسول انڈوسلی الشرعلیہ وسلم سے اجازت المحی، میرکا رنے فروایا تعمیر کرو، اور الشویر

محروسه رکھومین نہیں جانبا کریہ بالواسطداجا زیت حصول کمال سے بیستے تھی۔ یا حسنوعیہ اسلام سے بیستے تھی۔ یا حسنوعیہ اسلام سے مشترم وجیا کی بنا برتھی الواسط اجا زیت جا ہی، ویسے ان سے مرتبہ ومتعام کے کے لائق مہی صورت تھی، بے تنک وہ کمال میں شہور تھے۔ کے لائق مہی صورت تھی، بے تنک وہ کمال میں شہور تھے۔

سبدى يا توت عرسى رحمة الله عليه فرا ياكرت مصح جسخس به وعوى كرك كميل بالشافه رسول التدصلي الترعليك لم المصعلم وا دب حاصل كياب، الس معتم كينيت يدهيوا اكر كهيم بين نے ايسا نور دي عاجس في مسرق ومغرب كو نورانيت سي عرد إتحاء اورمیں نے ایک کھنے والے کواکس نور میں سے یہ کہتے سُنا ،جومیرے ظا ہروباطن میں ما مسى خاص جبت ميں محدود نه تھا غور سے بيرے رسُول اور نبي کا حکمسُ ،ايسے آدمی كي تصديق كرو، ورند مفترى حجولًا بسطالي تومعلوم بُواكه بلا واسطة حنورعليالسلام عطيصل كرف كامقام مبت معزز ومكرم مقام سے ،اسے برشخص نهيں باسكتا ميں فيدي على المرصنى رحمة التدكوف والتصينا، فقيرا وريسول الترصلي الترعيد ولم سع بلا واسط فيفن ما صل كرنے ميں وولا كھ جي ہتر سنزار نوسوننا نو سيمقام ہيں -ان كى اصل ايك لا كھ تما) اوران كے خاص ايك مترارمتام ہيں يسوجوتشخص ان تمام مقامات كو سطے ندكر ليے واس كا ندكوره طريقة سيصيفياب بونا ورست ميس يسيدى ابرابهم تتبولى رحمدا للذكهاكوت سم دنياس مهم يأسيح أومى وه بين في رسول الشرصلي الشرعليه وسلم محصواكو في شيخ تهين (۱) الجعيدي لعني وه خود - (۱) الومدين

رس ، شیخ عب الرحیم اتعنا دی . رس ، شیخ ابوالسعو بن العشائر . دس ، شیخ ابوالسعو بن العشائر . ده ، شیخ ابوالحسن الشا دلی رصی الشرعهم اجمعین می السرے بعدا مام شعرانی رحمدالله فرما تے ہیں میمیرے بھائی جان لو، که اب مصر میں طاہری فقر اُمیں سے مجھے اپنے سوا مے دو مراکوئی اقیر ایسامعلوم نہیں جس کا واسط رمول انڈ صلی انڈ علیہ سے مجھے اپنے سوا مے دو مراکوئی اقیر ایسامعلوم نہیں جس کا واسط رمول انڈ صلی انڈ علیہ سے ایمی مجھ سے زیا د وقر بیب ہو، کہ میرے اور حضور علیالسلام

كے درميان صرف دوا دميول كا واسطرسے - اوّل سيدى كالخواص، دوم .سيدى ابرائیم المتبولی بیس و ممام اخلاق کا ملرجوان و و بزرگول کے حوالہ سے اس کتاب بیل مذكور مين، وهسب يا توصراحة مصنوعليات م صاصل كئ كيُّ مين يا اثنارة . جيساكه مجصية ي على الخواص رحمة التدعليه في بنايا ، اور مجصين الوالفضل الاحمدي في تا یا کرسیدی علی اس وقت دنیا سے رضمت نہیں ہو مے جب کک کررسول اللّم صلی التّدعليه وسلم من بل واسط فيضياب نهين بُو ئے . بس الس طربق سيمبر سے اور صنوعليہ السلام سے درمیان صرف ایک ادمی کا واسطر ہے بیمنا ملرمیری بالمصافی سندسے متابه بدي مين في تنظم ابراهم فيرواني سدمصافي كيا انهول في محمعظمين تركيب سادى تسيمصا فحدكيا ،انهول ندان بعن حنول سيمصا فحدكيا تحاجنول نيحضورعليه السلام سعمصا فحركيا ببرميرسا ورنبى عليالسلام كم ورميان تبن واسطع بوكم ك بعماسى كتاسب كمح بالبحوي باسب مين شيخ رمنى المتدعنه فرط تن بمجد بإلاثه تعالى في حج انعام واكرام فرمايا الس مين سے ايك يوجى بيے كر مجھ سركاردوعا لم صلے الله عليه وسلم سي شديد وريت ملي اوراكتراوقات ميرك اورصنورعليالسلام كى فبراقدس ك دوميان والم مسافت بييث دى جاتى جديها ل كك كربسا اوقات بين مصرين بوت يوك بھی سرکار کے روصندا قدلس برہا تھ رکھ کراس طرح بمکلام ہوا ہول بھیسے انسان اپنے ساتھی سے باتیں کرنا ہے۔ بدمقام مجھے بغیر بھھ میں نہیں آنا ،جواس متعام سے نا آشناہے۔ در در در در در در میں میں اس میں بھے بغیر بھھ میں نہیں آنا ،جواس متعام سے نا آشناہے۔

ذوق این می نشاسی بخدد تا نه چشتی ترجر انسان این دل سے ابع ہونا ہے کہ دل جبم سے ابع ہے۔ ؟

مین المین میں میں ہے۔ کا مین علیالسلام کے کلام ہیں ہے۔ فرمان حضرت میں جے۔ کرانسان کا دل اس سے ال سے ماتھ ہوتا کے میں تھے ہوتا کے ماتھ ہ

یں اپنے عال اسمان میں رکھوکٹمہار سے دل اسمان نیں رہیں بینے مال معدقہ کر دوکٹسمان کی طروشت چڑھ جا سے اور وہاں تم اس کا اجر د تواب دیچھو یک

سيدى تبيخ ابوالعبالس للمرى رصنى الأعنه فراياكرت تصحبنت الغروكس إرسوالة صلى الله عليه وسلم المحرم يليم يدي ينظر سي أوجل بوجائين يا ايك سال مح متام عرفا میں براو توفٹ فرت ہوجائے وجے نکوسکول) میں اپنے آپ کومرد ول میں تعارز کرول " شعرانی فرواتے ہیں بھائی ! فقراً کے ایسے دعو ہے تسلیم کرلو، اور جب مک شریعت صرحت منع نذكرے، أكارندكر- لمس يرسب كا آفاق جنے كرچھن ان مے كسى مقام كا الكاركرك السويرمنزل مكسينياحوام بوجاما ب-الكومجلو، اورسب تعرفين الليرداد جہاں سے یہے ہیں۔شعارتی رصنی انڈی شے اپنی کما سے ایمیزان انکیائی مے مقدمہ میں فدوايا ستيدى على لخواص رصى المترعنه فروا ياكرشته يخصه امل كشعث سكه نزديك أنمكه مجتدين كے آفوال ميں سے كوئى قول كبى قطعاً شريعيت سے يا ہرسين كل سخا توخودان كانتربيست كے خلافت ہونا يكسيمكن ہوسكتا ہے ۽ جب كدان كواپنے اقوال كے قرآن ہ سنست اورا توال صحابرسے ولائل معوم ہیں بکشف صحیح بھی ہے اوران کی ارواح اکیوں الدّمسلى الله على يوسلم كى رُوح مُمبارك ملاقات كرتى بين، اور دلائل نرملين توسركارس سال كركة تسلى كريعت بي كريارسول الله يداب كاتول سے يانهيں ؟ جا كتے بوك بالمشا قد- ان تُرانط سكيماته جوابل كشعث بيرمشهودين. يُونهى على شے كرام قرآن وسُنت سي جومسائل استنباط فوط تنه ان كوابنى كما بول ميں تكھنے اور مرتب كرنے سے يہلے سركارست بوجيت ماكد الله كعم المشرخ روبول بيادشول اللهم ففالال آيت سعيد مسئدا فذكيا بصاور فلال عديث سعيمفهم اياب أب كويدليندب أيسي بھراہے کے فروان یا اثنارے کے مطابق عمل کرتے ہم نے انگر مجتدین کے کشف کا جوذكركيا بهداور وماني طور بران كانبى طليالسلام سے ملنے كابيا ل كيا اگرالس ميں

ا مو کی شخص توقف کرے توہم اس سے کہیں ہے۔ یہ سب یقیناً کرامات اولیا ہیں ۔ اب اگرائم مجتدین اولیاً نہ تھے۔ اگرائم مجتدین اولیاً نہ تھے۔

الله سعلاقات كرتے تمحاوران كے بم زمان لوگ اس سلسلميں ان كى تقديق كرتے يميم النسيدي شيخ عب الرحيم فنا وي شيخ الومدين مغولي بسيدي الوالسعواب الي العشائر؛ مدى تنسخ ابرابيم وموقى لبستيد تنسخ ابوالحسن سف ولى - سيدى الإلعباس مرسى بسيدى شبخ ابرابهم تمبولى اسيدى شيخ جلال سيوطى وسيدى شيخ احكرز والوي تحيرى ا درایک جا عست جن کومیں نے کتاب طبقات الاولیامیں ذکر کیا ہے بیس نے علامرميول الدين بيوطى سحيها تمح كالكعابوا إيك ورقى ال سح ايك سأعمى شيخ عبدلعاد شاد لی سے پیس دیجا ہے جہنہوں نے ایک ایسے بھی کو تکھاتھا جس نے با دشا ^{ہے} پائس ماکرکسی کام کے سلسلمیں شاکش کرنے کی درخواست کی تھی۔ علام میروطی سے بادشاہ سفارٹ کی نے اسے بیرے بھائی بعان ہے کراب کک علام میروطی سے بادشاہ سفارٹ کی میں رسول الڈسلی الڈ علیٹ بھر سے بچنز کی درجواست اور سے کی معدرت کم تربیداری میں بالمشافہ، شرف ملافا ما مسل کرجیا ہوں اگر ماکموں کے درباروں میں ماضری سے مجھے صنوعلیالسلام کے حیاب میں ہونے کا خوف نہ ہونا ، تومین ضرور شاہی قلعہ میں جاتا ، اور با دشاہ میں سے ایک ہوں اور مجھے سرکار کی طرف متوج ہونے کی ضرورت پرتی -ال ماد مى تعيم سے يدج مومختين نے اپنے طور يومنيعت قرار ديا ہے اور بے تمك فائده میرے بمائی تیرے فائدے سے زیادہ بہترہے ؟

فرما ياكمشخ جلال الترين سيوطى كالس باست كى تائيدو المشهوروا فعيمى بديرين محدبن زين متراح رسول صلح المترعبيه وعم المركاري بيداري بني بالمشافد زيارت كرتے تھے جب وہ چھے لیے گئے توسم کارنے قبر کے اندرسے ان سے بات كى ان كويمقام بميشره اصل ما بيال مك كرمخ اويد ك ايك سخف ف عاكم شرك پالس جا کرسفایشش کرتے کی اوران سے درخواست کی بھی۔ آیے حاکم سے پاکس من توانس في أسيب كواين قالين بريجايا بجرديدانهين بوا بجعر عرص يك رسول لا صلی انتدعلیہ وسلم سے دیدار کی درخواست کرتے رہے بیما ل مک کرسرکا رکی ثنان میں شعر کھے، تو دُور سے زیارت ہوئی سکار نے فرط یامیری زیارت بھی جاہتے ہو اورظالمول كيمراه قالين مريمي بيطيخ بوجتمهارك يلياس كي كونى سيل تهيل اس کے بعد بہیں یہ اطلاع نمین پہنچی کہ تاوقت وفات ان کو دیدار بہوا ہو۔ ہم کوشیخ ابوالحن شاذلى اوران كحشا فركشيح ابوالعبالس للرسى وغيركم ياست يهنجى سيمكروه كماكرت سع كم الرحنو عليالسلام لمحمري عارى الحول سداد جل بوجائي، توبم ا پہنے آب کوسلمانوں میں شمار نہیں کرتے۔ بیس جب ایکطام ولی کا یرکهنا ہے تو ایمر مجتدين كوالس مقام كے بطريق اولى خدار ہيں يوميزان كى عبارت علم ہوتى -اورشعراتی رضی الله عند سے اپنی کتاب لواقع الانواس القد سیسیة فى بسيسان العهود المحسستنكي مثر العهو الكبرين فرايا ، ميرس بما كى إجا لوكة جبسة خيقت مين ركبول الأصلى الأعليث لم إين تمام أتمت ا جابت كم يشخ و مُرْشد بين توبهارے يا يد كنے كي كائش موج و بے كركماب وسنت مين عقبے وعد مذكور ميں، وہ أب نے ہم سب افراد أمّت محمّديد سے يا ہيں كي كار نے صحابہ کوام کو کسی امر نمہی ، ترغیب باتر ہیب سے خطاب فرما یا توعمومی طور پر، قیامت مک و و حکم تمام اُمّت کوشامل ہے۔ بیں ہمارے شیخ عینی آبی ہیں۔

خوا مشائع کے واسطر سے یا بغیرواسط مثلاً وہ اولیا جنول نے بیاری میں ان مترائط محساته مركار كى زيارت كى جوقوم كے نزد كي معتبرين والحدالله میں نے اس متعام برفائف کی حزات سے شرف ملاقات حاصل کیا ہے بشلاً سيدعلى لمخواص بشيخ محدالعدل شيخ محدبن عثمان أشيخ جلال الدين سيوطى اوران بیسے اور حفزات واللہ ال سب سے دائشی ہو بھرمرحوم کماب مذکور کے عہد نافيين فرمات بيرصنو عليسلام كاطرف سيهم فيحد لياكيا بي كريم يت تمام اقدال، انعال اورعقائد میں شنست محقدید کی پسروٹی کریں۔ اور اگرکسی مسلتے كى كما بسنت اجماع يا قيالس سيمين دليل نه طعه اس برعمل مذكرين حبب ديحدنه لين والرائس بات كوبعن علما فيمتحن قرار ديا جد توسم نبي عليلسلام سے اس بارسے میں اجازت مانیس کے بھرہم اس عالم کا ادب کرتے ہوئے اس بات برعل کریں ہے۔ بیسب تربیت مطہرہ میں برعات سے بیجے کے لیے ہے کو کہیں میخف مجی برعتی اور گراہ کن ائم میں سے نہ ہو میں نے خود بعض وكول محالس قول بيركار سيفتوه لياكنما زى كوسجده مهومين بدالفاظ يوصف عِابِينَ يُسُبِعَانَ مَنُ لاَنَيَا مُ وَلاَ يَسُهُو الروه بِال بِحِر ندسوكَ ند ميوك اسوخلوعلى السلام نے فرطايا يراجها ہے بھريد بات بوشيدن كس كذنبى علىالسلام سے اجازت عجمي ادمى محصر سطال ہوتى ہے جب ووكام كرنا ما بتا ہے اگران لوگوں میں سے ہے جنیں سرکار کا قرب بیداری میں اور بالمشافہ ماصل ہے، جیساکدامل کشف کامقام ہے تواجازت مجی اسی حال میں کے ورنہ ول سے اجازت مانچے اور انتظار کرے کر اند تعالیٰ اس کے ول میں اس کام كراجة ابالرا بون كصفل كياذانا ب ويمراس عدر كمنعلق فرايامير مهائى ا پنے ائيد ول كوميل وزنگ سے صاف كر كے اور تمام ذليل كامول سے

ا بث أب كومحفوظ ركه كركام كرت جا و اكدكونى اليي تعلت تم مين ندر بي والكاو فداوندی یا بارگاه نبوی صلی انته علیه و هم میں رسائی سے تمہیں ماتع ہو- اب اگرتم محترت سے سکار پر در و وسلام بھیجے رہو، توامید کامل ہے کہ صفر عدالسلام محمقام مشابدة تك رسائى ما صل كراو محريهي طريقه بصيبخ نورالدين شوكى، شيخ احدة وافى يسخ احمد بن داؤ دممنزلاوى، اورمشائع ين كى ايك جاعت كاكران مي سے سرايك يميشه بمى عديدسلام بريجرت درود وسلام بومتاربها بصيهال كمدرتمام كأبول يك بروجاتا بصاورص وقت جا كم سيركار سيبيلاري من بالمشافه الاقات كا بداورص كويه ملافات ماصل نه بوتوجان كي كراس في مطلوب تعدد مي درو و وسلام بخرنت زبیبجا کریمتام حاصل کرسکے مجھے تیج زوّا وی نے بنایاکانیں بى علىالسلام سى بدارى ميل ملاقات نەم دىي - يسال تكسسال بمريابندى سے در و د وسلام برصفر سهم برروز ميس بزار بار پرصف يس تيسيدي على لخواص كوفرات مناكرين لوكول كابمين علم بواكد وه حنور عليالسلام سيبيداري مني بالمشاف ملاقات كرتے شمص، ان ميں سيستع الورين شيخ الجاعظ بين عبدالرجم فناوى ، تشيخ موسى رولى، يسيخ ابوالحن شاؤلى، تشيخ ابوالعبالس المرشى وشيخ ابوالسعود بن بوالعشاير، سيدى ابرابيم المتبولي اورشيخ جلال الدين سيوطي دين . فرا ياكرت مين في ركول الد صلے الله علیہ وسلم کو دیکھا اور سداری میں کھاوپرسترمرتبد ملاقات کی رہے ہیں ایرابیم تنبولی توان کی حاضری کا توشاری نبین کیونک وه مرحال مین سرکار سے ملاقات كرت انتصادركه كرت كرميراتوركول الأصلى الأعليك لم كصواكو في مُرتبد بهاى نهيل ويشيخ ابوالعبالس المرمى كهاكرت سمع اكررسول المذعلي المتدعليه ومم إيك لحم بھی میری انکھول سے اُوجل ہوجائین تویس اینے آب کوسلمان نہیں کتا جان لوكررسول اخترملي اخترعليه وسلم كى بمنشين كامتمام مبت بندب-

ايم فتفسيدى على مونى كے إس آيا . مين محاصر تھا ، كينے لكا صور ميں ايسے تھا ، برسنے کیا ہوں کرمب چا ہوں رسول الأصلے الله عليہ وسلم کومیاری میں دیجہ لول ،فرایا بعض بند سے اور اس متنام کے درمیان دول کھسینالیس ہزارمتنام ہیں بیاتم بات کرے ہو، ہاری مراد صرفت ان میں سے دس مقام ہیں ،یں اس مدعی کو پندنہ چلاکد کیا کیے ادرت ومنده بروا، اس كوجان كے!-اور الله مصے جا معصيدهي راه برطلائے-می ومدین کا در واحدام این کتاب ندکورین میمیدین زیاده بیشین کے بیان می ومدین کا ادب واحدام اس فرمایا سیدی محد عمان نے مجعے بتا یا سیدی ادعاس عرى كيمعا صراوليا في آب كيهراه ج كيا-انديس ان كى بركتول سيبهومند فوا معدان میں سے معر کے بندرہ اولیا اور قرائمی تھے ۔ انہوں نے آپ سے کہ اُتا ا اب كاطريقه كيا ب وكلم جائين كے يامينه و فراياتم بين سے جوكمت يا مدينه كا دب كركا ہے وہ جائے۔ انموں نے کہا مکتر کا دب کیا ہے ؟ فرطایا ید کدان لوگول کی - فات برم بوباركاه رسبالعرّت بين بارياني يات من ، مثلة انبيائ كرام واولياً من كون اور إلى لى مدت قيام مي كوئى اليي خفدت ظاهرز بوجوا للد تعالى كونايسند س توجب الله والسنة خسلت كارتكاب كيا المحركيا وسدرا وانهول في كها مدينه كادب كيا ج وفوا إلى ادسبی، ادسمی طرح ہے ذرااس میں برامنا فد کر اے کہ کسی مال میں نت رسول اللہ صعے اند طلیروسم کی مخالفت نہ کی جا ہے۔ یہاں کم کرهما مرجود ار کھے جو کچھ ہاتھ آئے صد قد كرد سے ميندمنوره ميں صرف اس بات كا دركس و سے صراحة مشركيت سے تا بت ہو. قیالس اور را شے کامسٹر بیان نرکو ہے۔ بریٹول انڈھلی انڈھلیدو کم کا ادب ہے کاپ كے صنوركسى اور كى بات بجراب كيمشورہ كے ندكى جائے - اگرا بل صفا ميں سے ہے تو برقیاسی اور رائے وا لےمسئلمیں آپ سےمشورہ سے اور جو آپ کا اشارہ ہو وہ کرے۔ بشعيبه آب كاكلام بدياري مين صراحة مصف بيسي شيخ مي الدين ابن العربي كا عال تما فرات

ہیں میں الیں متعد دا حا دیث کی سرکار سے بیسے کی ہے جن کو بعض حفاظ نے صنیعت قرار دیا ہے۔

یس میں نے اس سلسلہ میں حضوعلیا لسلام کا تول لیا ۱۰ در میرے نزدیک سرکار کے فرمان میں کوئی

شک نہ رہا ۱۰ در میرے نزدیک وہ میسے نتر عی مسئلہ ہوگیا جس پر میں حل کرتا ہوں اگرچہ اس بیا

میں علما نے کرام لینے قوا عد کے پیش نظر میری نہ ماہیں ، ن تمام مشائع نے کہا ہم میں سے تو

میں علما نے کرام لینے قوا عد کے پیش نظر میری نہ ماہیں کر سکتا اور اس وہ تمام سیدی ابوالعباس

میں علما نے ہوئے کہ داب پر کوئی مجھ علی نہیں کر سکتا اور اس وہ تمام مسیدی ابوالعباس

کے ہمراہ والیس ہوگئے۔ ان میں سیدی محقر بن داؤد ، سیدی محقر العدل ، سیدی محقر ابوب کے الین

المحدیدی شیخ علی بن الجال اور شیخ عبداتھا در دشطوطی شامل شمعے مجھے میرے شیخ الیان

ام جا میں سیوالغری نے جوان کے ساتھ جے پر گئے شمعے بتا یا کہ سیدی عبداتھا در الا شطوطی

عرم مدینہ میں داخل نہیں ہوئے جب سے جے کے دن شوع ہوئے ، صرف باب السلام کی بطیز

برزیارت کے لیے اپنا رضار رکھا بیمان تک کرسب جل پڑے اور ان کو حالت استخراق میں

برزیارت کے لیے اپنا رضار رکھا بیمان تک کرسب جل پڑے اور ان کو حالت استخراق میں

برزیارت کے لیے اپنا وضار رکھا بیمان تک کرسب جل بڑے اور ان کو حالت استخراق میں

برزیارت کے ایے اپنا وضار رکھا بیمان کو جب بیرعلی رضنی الٹرعنہ کے پاس بینچہ۔

برزیارت کے ایو ایس بینچہ بی تو شور بی ہوئے ، صرف کیاس بینچہ۔

کی عبادت اپنے اندرجمع کر ہے۔ جیسے منافقین کو صحبت نے کچھ فائدہ نہ دیا بہی عال ہے کافروں کی تلاوت قرآن کا کہ اس سے انہیں کوئی فائدہ نہیں ہوتا کہ وہ اس کے احکام برایمان نہیں رکھتے ہوالخ

علا مرتبع علی اجهوری مالئی نے اپنی ضخیم کنا ب النوس الوها ج نی الکلام علی الاسب فی و المعواج کے سخومیں فراتے ہیں۔ مجھ سے پوچھاگیا ہے کرکیا کوئی شخص بھری میں نبی کریم علیالسلام کو دیکوسکتا ہے ایمیس ؟ گونهی اگر درو دراز علاقول کے رہنے والے مختلف لوگ بیک وقت صنور علیالسلام کے دیکھنے کا دعوی کریں توکیا ان کی تصدیق کی ج کی انمیں ؟ کیونک حب ایک فاص وقت میں انتہائی مشرق میں رہنے والاشخص مرکل کروچھنا ہے تو اسی وقت انتہائی مغرب میں رہنے والاشخص کیسے دیکھ سکتا ہے ؟

برسوال بھی کیا گیا کہ آیا ایک ہی وقت میں الختاف منفا مات ہیں زیارت سے مشروف ہونے

مخلف انتخاص کو آن واحمب رمیں مختف مقامات پرسنسرف دیدار

والے دوگ مخلف صفات میں آپ کو دیکھ سکتے ہیں ؟ میں نے ان الفاظ میں اس کا جوا بہ ! . الصحد واللہ میں الله المعالم کی براری میں زیارت سے مشترف ہونا ، جعے اللہ نے اس ما وقت کے لیے نیا ، ایک حقیقت ہے جس میں نہ بری کیا جا سکتا رجیسا کہ احوال صالحین اس معا دت کے لیے نیا ، ایک حقیقت ہے جس میں نے نہیں کیا جا سکتا رجیسا کہ احوال صالحین سے باخبر دوگوں پریاجن کو ان سے واسط رہا ہے پہتیقت روشن ہے ، جیسے علم ضوری

بعرائ جربیتی المدخل لابن الحاج شعرانی اوسیوطی جهم الله کے ندکورہ بالا آقوا نقل کرکے فرط نے ہیں المحدلله بیں نے ایک جاعت ایسے لوگوں کی دیمی ہے جن کوسیائی میں رسول الله صلی الله علیہ وحم کا دیدار نصیب بوا ادر میں نے یہ سب کچھان کی زبانی سنا ہے۔ ان میں سے ایک ہمار۔ بینے عارف باللہ ابنے زمانہ میں شیخ الطان خوالمالکید . نیسے محدالبنوفر م

ہیں اس کے علاوہ لوگول کی ایک جاعت کا ذکر کیا جن میں بار سے شیخ عارف، بالدشنخ علی . خمصانی المعرو مستختیش ان کویرسعا دست کمئی مرتبه حاصل ہوئی اس کی صداقت پر رکشن ولائل بين بجونتين كافائده ديت بين ان مين سايك بارك ين نورالدين فلصمى اوران كيشخ عار من بالتُدتعا ليُ شيخ احمداحدي بين بمحصان سيمتعد د مرّب شرمن الآقات عاصل براسي اورانمول نے محصنیک دعائیں دیں اور سے لوگوں میں سے بعض قابل و توق لوگوں نے مجھے تبایا کہ شیخ مذکور اکثراد قاست بیاری میں سرکار کی زیارت سے مشرف ہوتے سے۔ اوركهاكدان كي تناكردول مين سي ايك في ان كيرما من ايك ايسي من كاسوال كيا-بونبی علیالسلام کی بخترست بیداری میں زیارست کا مدعی تھا۔ شیخ نے اس کی تقدیق کی ،انسس شخف فے کہا آب بمین نہیں تاتے کہ آپ کونبی علیالسلام کی محالت بیداری زیارت ہوتی ہے۔ فرما یا جو شخص میشہ دھوبید میں رہے وہ سؤرج کی کیا بات کرے اسے مجوجب سے اور نیک نوگوں کی ایک جاعث الس بات کا دعوٰی کرے کوانہوں ہے ان میں مختلف دور درا زعلا قول میں رسول الاصلے الله علیہ وسلم کی بیداری میں زیارت کی ہے۔ تو وہ سے ى كىتى بىلى كىنى بىلى دى دى دى مىلى مىلى دى دى دى كى دى دى بىلى بىلى بىلى بىلى دى كالمسترق ومغر والهيئة ن واحديي ويخفته بي اسركار كالجميمين حال سب اسى باست كي طرون معتنين ى جاعت كئي ہے جن ميں ہارے أثر ميں سے شہاب القرافی مجی شامل ہيں ، جنوں نے صوفیاً کے حوالہ سے ایک بحث نقل کی ہے اور الس براعتراص کیا ہے بعض واول نے ان کے کلام کا خلاصہ ذکر کمیا ہے بو فرمایا جب خواب میں نظرانے والی سکار کی مثال ہے۔ تواس سوال كاجواب مل جائے كاكر صنور علالسلام بيك وقت ببداري ميں دويا زياد ومتعاما يريس نظراً سكتے ہيں ،كيونك نظراً نے والى دويا زيا و مثالين بين يمشكل ير سے كرايك ذات بيك وقت د ومكانو ل مين موجو د بو-

صوفيا في نوجيد صوفياً نه اس كايرواب ديا بي كرني علياسلام سورج كاطرت

میں جالک جھی ہوتے ہوئے متعدد مقامات سے نفری ہے کہ وہ کسی ایسے محدود مکان مین مهیں جواسانوں کے اندر ہو، بلکہ یہ ان سب سے بلند ہے اگر سورج سکان میں محدود بوّاتو دوسرے مكان والے الى من ديكھ سكتے جب كرنبى عليالسان محدو دمكان ميں سے نظراً تے ہیں اورا پ کو دوسرے مکان والے دیکھتے ہیں۔ لنذا سرکار کا نظراً اسورن کے نظرانے محبرابر نہیں ہوسکتا۔ جب مک یہ بات تسلیم ندکی جائے ایک حدید محدود سوس كودوسرى عد والے ديم سكتے ميں - فلاصريه كم حنورعليالسلام ايسے و ويازيا و و متامات سے دیکھے جا سکتے ہیں جمحدود ہول، جب کر کسی اور کے سافنے و ومقامات حجاب بن جائیں مے۔ اور کوئی دوسرا ذہبی علیاسلام کی حابت سے بغیر، ایک صدسے دوسری صد مين نظر نهين اسكة سورج مين بية قاعده جاري نهين بوكا " الخ الس برالزر كفتى في اعتراض كيا ب- الاجومى كتة بي بمبيكما جاتا ب كصوفياكي مُراد صنورعليلسلام سُوج كي طرح ہیں سے یہ ہے کہ ہرایک سرکا رکو دیکھسکتا ہے اس لحاظ سے سُوج کی طرح نہیں ، کونون كے الكے جب كوئى شے مائل ہوجائے وہ نظرتين آئا بخلافت بى عليالسلام كے اكائے سا منے کوئی بردہ حاکل مہیں بوسکتا - اور ہرا کی۔ آپ کو دیکھسکتا ہے۔ یہ کال آکے حرقی عادت کے طور بیرحاصل ہے اور اسس میں آپ کی عزّت افزائی ہے ، بس آب اس لحاظ سے سورج کی طرح نمیں ایک جاعت اس بات کی طرف گئی ہے کہ نبی علیالسلام نے اپنے وجود سے دُنیاکواس طرح مجربیا ہے جیسے سورج کی روشنی نے۔ اسی کی طرفت اثنارہ کیا ج عارف بالأسيدى اج الدين بن عطا الشراس كذرى صاحب المحكم وغير في مبساكدان كے بعن تلامذه في الكامل مي ركي جبر كي حب طوا ف كرد ما تما تولش كود ويكا ميل في سويا طوا ف سے فارنع ہوجائیں توسلام کرول جب فارنع ہوئے تونظروں سے غائب ہو كشة اورسى ديحه ندسكا - بيمريس نے عرفات ميں اسى طرح و بيكا ، و بال بھى و بى متور ہوئی باقی مقامات میں بھی ایسا ہی ہوا اس وایس قابرہ آیا توشیخ کے بارے میں ریافت

کیا ، مجھے بتایا گیا کہ وہ بالل خیریت سے ہیں ، میں نے پوچھا کہیں سفر پر گئے تھے لوگوں نے
کہانہیں ، میں نے حاصرِ خدمت ہو کر سلام عرض کیا اور کہا جناب ؛ میں نے آب کو دیکھا تھا
اور ساری بات بتائی ۔ فرما یا ،اسے بھائی بڑا آ دمی کا ننات کو اپنے دجو د سے بھر دیتا ہے۔
تُطُب اگر بچھر کو بلائے تو وہ جواب دے "الخ میم جب بزرگ ادمی کا یہ حال ہے ، تو
سیرالم سلین تو اس کے زیادہ ستحق ہیں ۔

جاعت كان واحسيل ديدارسيم شرون بوا إيك وتت مخلف

يدسوال نركيا جاشي كربعن لوگ آب كواسى وقت سفيد زنگ ميں ديجقين

سول اوربعض میں یونہی بعض بورھی عمریں دیکھتے ہیں بعض جوان حالت میں واللہ میں اور بعض جوان حالت میں والدی عمرین دیکھتے ہیں بعض جوان حالت میں والا کا ایک کے برعکس یونہی بورھا جوان یا اس کے برعکس یونہی بورھا جوان یا اس کے برعکس نظر مہیں آ اور میرید تشبید کمیسی ؟)
نظر مہیں آ اور میرید تشبید کمیسی ؟)

جواس اس کاجواب یہ ہے کہ آب کو دیکھنے کا آبکیز بھسی آبھنے سے اس بات میں قدر سے تنقف ہے کیونکہ آب کو دیکھنے والے آبکیز قلب کو ٹی ایسی صفت پیدا ہوئی ہے جو اس اختلاف کی منتقفی ہوتی ہے مثلاً ابہان وعبا دان کا اجر و تواب یا اس سے برمکس د کفر ومعصیت کا وبال کہ ذایہ ہر طرح سے بھی آبینے کی طرح نہیں بلک

بعن صفات بین صی آئینے کی طرح ہے کیونکہ آئینے میں سفید صورت سباہ یا سیاہ صورت سفید،
یا نوجوان کی بودھی یا بوڑھے کی جوان صورت تو نظر نہیں آئی۔ حال نکر سرکار و وعالم صلی اللہ
علیہ وسلم کے دیدار میں ایسا ہو تا ہے کہ ایک اُ دمی آب کو جوان دیجھ تا ہے اور دوسرا
بوڑھا ، وغیر " معراج الاجموری کی عبارت ختم ہوئی ۔

مد این میلی کی تماندار عبارت فرا وی میلی کی تماندار عبارت ایمه نا دی میر اس سوال سے جواب میں

كما يكشخص حنو عليالسلام كوبيارى ما خوسبيل وبجقها بسيريايه جائز سے ؟ اوركيا وُ ه حقیقت میں آب ہی کی ذات بابرکات کوسی دیجفنا ب:اس کا کیا حکم ہے کہ دوفق بیک وقت ایک وقت ایک و سی بین مالا محدایک مشهر ق سی سے اور و و مرامغرب میں ؛ فرایا ضا ظر مهم الترقيه الس براتفاق كيا ب كنينديا بيداري مين عنو عديد سوم كا ديدار جانز ؟ -ميكن اس ميں ان كا اختلافت ہے كما يا و يجھنے والا اس كى دات تر رينيد كو حقيقة و يحقا ہے یا اسی مثال دیجمتا ہے ، جو ذات اقدس کی خبردیتی ہے جیسے تول کی طرف ایک جاعت حمی ہے اور دوسرے تول کی طرف امام غزالی ، الیافعی اور دوسرے کے میں مہیلی جاست ی دلیل میر ہے کہ حضور علیالسادم جراغ بدائیت، ظلمنوں کی دوشنی ، اور معارف کے سورج میں توجیسے چراغ اور سورج کی روشنی دورے نظر تی ہے اور سورج کی تحبید اپنی تحسوصیات عوار من کے ساتھ نظر آتی ہے ، نوس سرکار کا جسم کریم اور مدن شریف ہے۔ بس روضه اقدس سے آب کی جُدائی اور احد انور کا سکار سے خالی ہوا ان زم نہیں آ ا بلک اللہ اعالی اللہ ویکھنے والے محسامنے سے برد سے جار کردیتا ہے اور رکا وف بٹا دیا ہے بیال مک کہ وہ ایکودیکولیں ہے، حالا بحرسر کا رائی جگریر تشریف فرا ہونے ہیں اس بنایر بریمی مكن بكان وا صراورا كيد جحرس آب كو دوا يسية دمى ديكيس من سياك مشرق میں ہو، اور دوسرامغرب میں ویان مرد وں کو اتنا شقا ف کر دیا جا مے کمان

مے بس مرد وجیز چید نرسے۔

القرافی رحمد الله نے قربای مفل نزاع الس وقت ہے جب ایک و بیجے
مخفل مزاع الله الله نے گھریں مشرق میں اور دومراسی وقت اپنے گھریں
مخفل مزاع ہے ویجے کہ گھریں صرف سُوری کی سعاعیں نظراتی ہیں مہی کئی سووہ
ہومغرب میں واقع ہے دیجے کہ گھریں صرف سُوری کی سعاعیں نظراتی ہیں مہی کئی سووہ
اینے مدار میں ہے اگر دیکھنے والا الس کا اعاظ کر لے تو بھراسی وقت دوسری جگراس کا ہونا
محال ہے تولازم ہے کہ دوسری کئی کومثال کہا جا ہے۔
اکا برصوفیا کی ایک جاعت نے عالم مثالی کا قول کہا ہے۔ برابرہے کہ

اکا برصوفیہ صلی ایک ایک جاعت نے عالم مثانی کا قول کھا ہے۔ برابرہے کہ اکا برصوفیہ صنائی کا قول کھا ہے۔ برابرہے کہ اکا برصوفیہ صنائی کا منائی کا تولی کھا ہے۔ برابرہے کہ اکا برصوفیہ اس صنائی میں ماسل صورت مُبارکہ کے موا فِق ہویا نہ ۔ کیونکہ مسرکار كي خيتى صورت كے خلافت جو بچھ نظراً آہے وہ دراصل ديکھنے والے كى اپنی صورت جم جوصنورعليلسلام كي صورت فينالي مي منتقش بوربي سي بحدد ونول صورتول محيل سائیند کی طرح ہے بعض لوگوں تے ایک درمیانی را و اختیار کی ہے وہ محتے ہیں کرجب نواب بير صنوعليلهلام كواصل صورت وصفت ميس ديجه توكمسى تعبير كى صنرورت نهيس رہتی۔ بھورت دیج تعبیر کی ضرورت بڑتی ہے۔ دیدار دونو ل صورتول میں سرکار کائی ہوتا ہے یہ بات عمومًا اتفاتی ہے كرشيطان بياں وسوسانداز نسيں ہوسكتا بلك بير ديكفا حق ہے کہ ان صورتوں میں نظرانا اللہ کی طرف سے ہے جس نے بڑھا ہے کی حالت میں سكاركوديما توياكس كي انهائي صلح جُونى ہے جس نے آب كوجوانى كى حالت ميں ديكھا-توریج کی کی علامت ہے جس نے مسکواتے دیکھا پر سنت پر کاربند ہونے کی دلیل جس نے آپ کو اصل شکل و شہامت میں دیجا تو یہ دلیل ہے کر دیجنے والا نیک ،اسکا عال كامل - ومثمنول برانس كا دبدبا وركام إنى بع جس نے مكار كوغير مالت ميں ويجا، يدد يحضے والے كى بدعالى كى دليل سے يہال كك كمسلمان آب كوا چھاا وربيدين تيسح ويحقا ہے كيونى مركارشفاف آيكے كى طرح ہيں جوسا صف آنا ہے منتقت ہوجا آہے۔

بنات فودسركاركامل تروسين تربين والتدي ميترجانا ب يوايز .

مى العزيد الدباع كافران الناع كافران المناع كافران كافران المناع كافران المناع كافران المناع كافران ال محتا كردعلام كسيدى احدين مُبارك في تقل كى جه، بين بحقة ہيں ميرستمراه ستدى على البزا وى ميرى رسائى فرات رسى الجي بآيس تبات رسى المجيمت ولاتے رہے اور میرے دل سے توف و نوم ماتے رہے جو کھے دن ما ورجب، ما ورجا ماه رمضان . ماه شوال ، ما و ذیقعد - اور دس زوالجة سالان کے دوران مجديرطاري رم جب عيد كاليسارون تعا، بين في يدالوج وصلے الله عليه ولم كو ديجها توسيدى عبدا ملاً البزما وي نے كها مير سے أقاعبدالعزيز، ايك دن يسط مجھے تمهارا ور تھا اور الهج جب كدا ملتر تعالي في تمهيل ابني يهت سيدالوجو وصلى الترعليد وهم كى مل قات س فیضیاب فرما یا میرادل بےخوف اور مطمئن ہے۔ اب میں مہیں سیر خدا کرنا ہوں ، دہ محض الس یصے میرے پانس اقامست پذیر شحصے کہ ول پڑنا یکیوں سے درا نے سے میری حفاظت کریں۔ ان فتوحات کے دوران جوالٹرنے مجے عطافر مائیں میمان کم كه ديدا متصطفي صلے الله عليه ولم كي فتح حاصل ہوئي بيلے ان كوميري فتوحات كا لار

مات ورايس المبارك نے كتاب مذكور كے باب اقل بين فرط إبيل مات ورايس ورايس

السلام کے اس فران کاکیا مطلب ہے۔ ؟

اِنَّ هٰذَا ٱلْقُرُانَ ٱلْنُولَ عَلَىٰ ترجم: بِنَسَك یہ فران سات حرفوں

مستبعت آنحون ہے دورات است مسلم کے سنتھ کے آنے کو ایک است مسلم کے سنتھ کے آنے کو کے است کا دی کا دی

فراياعلما نفاسين مخت اختلاف كياب واسموضوع برمين في عارجبيل القدرعلما كاكلام ويكها م الله ويكما ب النقل في في الني كماب الانتصار المم ابن الجزري في كماب انشر حانظه بن مجرنے شرح مخاری کی کتاب فغائل القرآن اورحا فط سبوطی نے کتاب الاتعان فخف علوم القوآن ميں بيں نے شنح رصنی اللہ عندُ سے عرض کيا ميں صرفت آہے۔ سے پوچنا چاہتا ہول کرنبی علیالسلام کی اس فران سے کیا مُڑاد ہے؟ اس پرشیخ رمنی انڈیجۂ شے فرمایا ، الس کا جواب میں کا تمہیں دگول گا ۔ انشااً دلتٰد ۔ الکے دل شیخ رصنی اللّٰرعذ نے فرايا ورسيح فرمايا بكرميس نتحضو علياسلام ستعانس فرمان كاسطلب يوجها توسركارني مجھاس کی مُرَادِبَنا کی میں شیخ رصنی المتُدعندُ سے تین دن تک اس لسلیمیں باست محرّا رہا۔ اورانهول نے جو کھا پہنے شنے سے شاہس کا خلاصہ بتایا . بھر شنخ عب العزیز الدیاغ نے دوسرس بابت ميس فرمايا ان برسخت مشكلات اويقيتي بلاكت سحه وقت فتوهات بؤي يهال بمسكراً قا ومولى محتررسول التُدصلي الشُّرعليدوهم كى زيارست ہوگئى. بُونهي زيارت ہوئى خوشى ومُسترتِ حاصل ہوگئى كيون كوتھنورعاليسادم كواد تُدتعا ليٰ كى طرف سيضوصى طاقعت عاصل بصجوذات كريمه كوذات بارى تعالى مصعلات ركمني بصفلوق بين كمسي وركوبيطاقت حاصل نهیں، اسی یلے آہے تمام مخلوق میں معزز تراورا فضل ترین ہیں بہرجں آ دمی برفتوحات کملتی ہیں ،جب وہ ذات مصطفے صلے اللہ علیہ ہے کہ رسائی حاصل کرایہ ہے۔ توانس کی كشش التدتعا لے كى طرف زباد و بوجاتى ہے اوراسے تعلقى كا خطرونهيں رہا۔

عجی و غربیب اسوال وجواسید عنهٔ سے بعض فقها نے اس بُزرگ کے متعلق سوال ی ، جس کا دعوی تعاکر و ، نبی علیات مرم کو بیداری میں دیجقا ہے عبارت یہ ہے جا دمی یہ دعوی کرے کر وہ نبی علیات الم کوبیاری میں دیجھتا ہے ، اللہ کی معرفت رکھنے والے یہ کہتے ہیں کہ الس کا دعوامی صرف ولیا کے

ساتھ ان بائے گا وہ یہ کہ ایک کم تین ہزار مقام طے کرے۔ اس مدعی کوشار کرنے اوربیان کرنے گا تھیں ہوئے گا۔ آپ بزرگول کی بزرگی کوانٹر ہمیشہ رکھے ، ہاری آپ کرنے گا تھیں دی بائے گا۔ آپ بزرگول کی بزرگی کوانٹر ہمیشہ رکھے ، ہاری آپ استدعا ہے کہ ہم ہے کو یہ مقامات شمار کر کے بتائیں خوا در مزواختصار سے یا جیسے بھی استدعا ہے کہ ہم ہے کو یہ مقامات شمار کر کے بتائیں خوا در مزواختصار سے یا جیسے بھی اسان ہو، بات کم بی نہ ہو۔ ہ

ا شيخ رصني المترعندُ في إس كايبواب وياكرمرذات يس ٢ ٢٣ ركبين بي بواسب مرگ بین ایک خصوصیت بیدای گئ ہے۔ صاحب بھیرت ان رگول كواپنی خصوصیات میں جميحا و محقا د بچھا ہے۔ بس جوٹ كى ايك رگ ہے جوابنی خصوصیت میں مصروف ہے۔ حسد کی رگ اپنی خصوصیت میں جیک رہی ہے۔ ریا کی رگ اپنے معنی میں شعلہ زن ہے۔ دھوکہ بازی کی رگ اپنے معنی میں روشن ہے خو دبینی کی رگ اپنامعنی چھارہی ہے بیری رگ اینامنہ م چھارہی ہے بیمان کد کہ سردگ اینا ایا کام کررہی۔ یمان کم کرعارف جب کسی ذات پرنظر کوتا ہے۔ تواس کوہرذات کسی نیسی منزل پر و کھائی دیتی ہے سویدایک اگ ہے بالا سے سام ۲۹ ستمعیں ہیں ہر شمع کا رنگ دوسری سے مخلف ہے بیموان خواص میں سے مرایک کی تفسیل واقسام ہیں بمثلاً خصوصیت شہوت که ان اشیاکی بنسبست جن کی طرفت پینسوب ہوتی ہے کئی قسمیں میں اگرانس کوشرسکا ہ كى طرف منسوب كرين-دىترم كاه كى تسوت ، تويدا يك قسم ب اورا سے جا ه و مرتب كى طرون منسوب كرين وجاه كي شهوت تويد وكالتهم بنے - مال كى طرف منسوب كرين دال کی شوت یاخواس الویداید اور قسم بوجاتی ہے کمبی امیدوں کی شہوت داو ہوجا کے کانش یول ہوجائے تویہ ایک اورقسم ہوجاتی ہے۔ یُونہی عبوث کی خصوصیت الرجنية سے كرجوف بولنے والاحق بات نهيں كرتا ، ايك قسم شار موكى اور السرحتية سے کہ حبوث بولنے والا دوسرے کے بارے میں سے نہ بولنے کا گمان رکھاادراس كى بات مىن ئىكسەكرتا دورانس كى تصديق نهيى كرتا ، أيك دورقسم شمار بوكى . دور بندسے پر

بندسين اس وقت تك كل نهير سختين حبب مك ان تمام مقامات كوطے مذكر لے حب اللہ کسی بندے سے مجلائی کا ارا وہ کرتا اور اس میں اس کی اہلیت بیداکرتا ہے کدائس کی بندشيل كمل جائي تووه بتدريجاس سان كوختم كرّما سے يحد مشلاً حب اس سے جوط کی خاصیت ختم ہوتی ہے، سچائی کے مقام پر فائز ہوجا آ ہے بھرمقام تصدیق يريحب الس سيتهوت ال كى خاصيت ختم بوتى ب تومقام زمرير فائز بوجاناب ستوت معاصی حتم ہوئی ہے تومقام توبربرفائز ہوتا ہے۔ کمبی آرزو ول کی خواہش ختم ہوتی ہے تو دارالغرور دنیا سے کنارہ کشی کا مقام حاصل کرلینا ہے یا فی کو اسی برقیاس كرلو ، ميرجيب بنتيين ختم كفل جاتى بين اورتمام رازاس كى ذات بين ركعه دين جاند میں اب انس کی رُوح کا کنات کے مشاہرہ میں مصروف ہوجاتی ہے سب سے پہلے جس چیز کامشا مده کرئی ہے وہ احرام ترابیہ دمنی کے اجبام ہیں بچمران میں سب يهي اس زيين كامشا بده كرتى سے جي سي وه رہتى ہے - بھردوسرى زين كاس طرح كردوسرى زمين كك نكاه بردول كوچاك كرتى على جاتى ب يحتميسري اور يوسى ساتون یک بیمواس فضاً کامشاہدہ کرتی ہے جواس کے اور پہلے اسمال کے درمیان ہے ، پھر يهيلے اسمان كا اور بھر باقيول كا، اسى ترتيب سے جو زملينوں كے متعلق ذكر كى كئى ہے يجسر برزخ اوراس میں موجو دارواح کامشا ہدہ کرتی ہے۔ بھرعام فرشتوں اور حفاظ بت کر والول كااوراكموراً خرست كا وربندس يران مثابدات مين سے برمشا بدے يرحقوني ربُوبتيت بين سے ايك جن اور آ دا بعبو ديت ميں سے كوئى ادب لازم آ ما ہے الس سلسطين اس كيسا من ركا وميل ومُشكلات حائل بوتى بين اور ايسي الموركامشا بدد ہوتا ہے جوڈرا وُنے اور مملک قسم کے ہوتے ہیں میس کمزور بندے کواکر اللہ کی توقیق، ففل اور رحمت ميسرنه بوتوسب سي كمتر درج يرام ائي جس كيسبب سي المقول میں دوٹ آئے بھربندے کا مقامات مشاہدہ اور انس کی ہولناکیوں کا قطع کرنا، خاص

حزات كمقامات كوعبور كرف سيمشكل تربونا ب كيونحراص امرباطنی ہے، جن کاشعور قطع کرنے کے بعدہی ہوسکتا ہے اور مقامات مشاہرہ کو طے مرنا امرظا بری ہے جوا سے سامنے نظراً تا ہے کیونکہ یہ السی چیز ہے جھے اُ و می کشاکش مے بعد عبور کرتا ہےجب الس کی نظر صدف اور نور بعیرت ممل ہوجاتا ہے اور المداس برامسي رثمت نازل فرما ديما سيحس كے بعد بديختي نميس توالله سُجاز تعالیٰ اسے پیلوں بیجیلوں کے آقاکا دیدارعطافراتا ہے آب پرافضل دو داور پاکیٹرسلام ہو، پھرصنو علیالسلام کوسامنے دیجھا اوربیداری میں اب کامشا ہرہ کڑا ہے اوراللہ اس کی ایسی مد دفرمآنا ہے جوندکسی انکھ نے دیجھی نرکسی کا ل نے شنی اورندکسی آ دمی سے ول مي كمطنى الس وقت انسان برخوشى ومُسترت كا وقت آيا ہے اسوا سے يسعادت مُبارک بوداب جوالس تعدا د کاحساب نظاؤ کے جنواص اوران میں شامل اقسام کے عنمن میں ذکر کئے گئے ہیں ساتھ ہی ال مقامات کاحساب لگاؤجو مذکورہ مشاہدات كيهراد حاصل بوت بين توتمين معلوم بوكاك مذكور د تعداد سے يدكيس زائد ہے-م ا بيمزي عليالسلام كطيما كلمطهره آب كي أمّت برمخفي مبين يقيناً باطنى ضائص كوجمع ومدول فرمايا سي والله تعالى نداس كوعطا فرا مت ميس سركار پرافعنل درودا دربائيزة ترسلام بواب جرا دمى صنورعديالسلام كے ديدار كا دعوى كر تواكس سے آپ كے ياكيز داحوال كے متعلق يوجينا جا بيئے اور اس كا جواب سننا جا بيئے كرويكف والدكاجواب جيانهيس رتها ، اوركهمي كمسى غيركات بنهيس بوسكة - والسّلام -اگرانس برقناعت كريس تومبست اچها ماورمزيد كلام جا بو، توجان يجيج كرجب اللّه من الفصيل المواحقاني ميں سے کسي وركوا ينے بندے برظام كرتا ہے . مغربلا مال الوده نور اس بندے ميں ہرطرف سے داخل ہوتا ہے اور اسے عبلا ديا ؟

یهان تک کداس کا توشت بڑی جل جاتا ہے۔ اس کی مخترک اور روح تک اس کے دافل ہونے کی شفت ادمی کوسکوات موت سے قریب کر دیتی ہے بھر اس نور کا حال يهرة اب ، كرمخلوق ك ال اسرار كرما تحده ه يعيلا جا البيد الأرتعالى بند یران مشا بدات کے دوران کمولنا چاہتا ہے یس نور اس کی ذات میں مخلوق کے مذکور مخلف رنگوں میں داخل ہوتا ہے۔ بھرجب الله تعالیٰ اس برزمین بر یسنے والی خلوقا كيمشامدات كعون عابها ب تودي نوركبي تواس كي ياس أكران امرار الحدامًا ہے جس سے اولا دِ آدم بنی ہے اور کھی اس کے پاکس ان اسرار کے ساتھ آتا ہے۔ جن سے چیائے بنے ہیں اور کمبی ان اسرار کے ساتھ آتا ہے جن سے جا دات بنے بين مثلاً سبزيال ، بيل وغيره-الس طور بوكداس بركسي حيز كامشا بده اس وقت تكنيس كملتا حببتك وه ان كے اسرار سے سیاب نهوجائے۔ بایں بہدو مہرم تبران حقائق كامشا بده كرتا بصجن كالبط كرتارم اوران حقائق ميس سے ايك برى حقيقت سيدم اورنشا ن شهو دصلے الله عليه و مم بين يم جب الله تعالى كسى بندے برا ب كى دائل قد كميشا برا كاوعده فرما ما بها توانس وقت اسيمشا بده ذات أفدس نهين بوتاجب مك أب كي تمام اوصاف والسراراس بمنكشف نه فرما دے و فرض كيميد ديدار س بيط أب كى ذات اقدنس كوكسى ماريك يعيز كم مشا بمجمة اسب حالان كاب كى ذات اقدى اس نور کی طرح ہے جس میں کئ قسم کی شعاعیں منعکس ہوتی ہیں جن کے رنگال کی تعساد سؤ مك بيني سي الس سيممى زائد جب الله تعالى اس تاريك ذات كے ذريع كوم فرمانا چاہنا ہے تو وہی نورجواس کی مدد کرنااوراسے سیراب کرتا ہے ایک باراتا ہے اور ان شعبوں کو یکے بعد دیجرے جلا دیتا ہے مثلاً ہم اس نور کو صبر فرص کرتے ہیں بیں اس سے اس کی صدیعیٰ جزع و قلق رہے صبری ، کی سیاسی زائل ہو جاتی ہے۔ مجعى كسى اورتسعبرى تسكل مين أما ب ، بهما سے شعيرُ رحمت فرمن كرتے ہيں، بين اس اس کی صدیعی عدم صبر دے مسری کاسیان نائل ہوتی ہے۔ کھی کسی اور شعبہ کی صورت

بیں آتا ہے ، ہم اسے شعبہ دھمیت فرض کرتے ہیں ،اس سے اس کی خدیعنی عدم دھت (ناتری) کی تاریخ حم موجاتی ہے۔ کیمی کسی اور شعبہ لی صورت میں آیا ہے، ہماسے ضعیطم فرض رے جیں اس سے اس کی صدی تاریخ حتم ہوجاتی ہے۔ اس طرا اق يهان كمك كرمبتن صفات ذات اقدس ميس ميس ده سب بارى بارى علوه فكن موكرارك وات سے ایک ایک کرکے تام سیا وصفات کا خاتر کردیتی ہیں ،اب بندے ہیں وات اقدس کے ویکھنے کی طافت پریدا ہوجاتی سے کرونکہ جب کک۔ تاریکی سے وہ اس کی ذات میں موجود تاریکی کی وجرسے ہے اور ذات اقدی کامشا برہ اس وقت تک نہیں ہوسکتا جب تک دیکھنے والے کی ذات سے ممل طور پر تاریکی نکل مذجائے بہاری مرادينبين كرجب ذات اقلاس كرامرار وصفات كاجب اس يربرتوط سع كاتد ود كا بل طوريرد ميصن والديم بين أجامي سي جكريمارى مراديد بيدكراس كى طاقت وفطرت محمطابق ان صفاحت کی تعلی اس برسجگی میم بیمی نہیں کینے دجب ان صفاحتیں سے كسى صفدت سيع بمنده نوازا جاستے توسركاركى ذاست اقدس ميں كوئى كمى آ حبائے گى را وراتنى عكه خالى رب كى كيونكه انوار سے جتنا كچه ليا جا سے الى سے تم تہيں ہوتے -اس بیان سے تم برمیحقیقت واضح بولئی که آدی اس وقدی تک بنی علیه السلام کی زیارت تنهي كريكتاجب بك البينة تمام اوصاف لااذبله بختم كرك ان الرارشرليذ والوارلطيف كومامل ذكري -اوراس سي لاتوادمفامات طي وجا تي بي ے فَإِنَّ مُسْلَ رَسُولِ الله ليسُ كَلَهُ حَرَّ فَيَعُوبَ عَنْهُ فَاطِقٌ بِفَسِمِ "بشبك رسول المدملي المدمليدوسلم كے فعنل كى كوئى السي حدثهي جسے بان كرتے والا اپنی زبان سے بیان کرسے یا (بومیری) توجن لوگوں نے ان مفامات کو دوم زار یا اس سے زائد میں محدود بتا یا ہے، انہوں نے درامل این حال ادراپنی فتوحات کابیان کیا ہے ،اورجورہنا نظارہ گیا ،اس سے پہلے جوكهاك بيك ويتحفوان تمام مقامات كوط فركران سيدديدار سيمشرف نبيل كيامات تواس سعمرادير سي كراك المساكا مل ترمشا بده ما صل نبير م وتارا سبص أوى ميس كمتح صلت

کی کی سہے اور وہ شرف دیدار سے مشرف ہوتا ہے تو کا مل طور برنہیں ہوسکتا۔ الندمبر جانتا ہے ۔

فرمابا، کربعف مذکورہ نقبار کا ایک سوال بیھی ہے، جناب عالی احصنورعلیہ السام
کی شکل وصورت جواکیہ مسلمان کے ذہن میں آتی ہے اور جس کا دہ تعور کرتا ہے عالم اداح
سے آتی ہے با عالم مشال سے با عالم خیال سے اور ذہن میں جوصورت آتی ہے اوراس سے
باننب کرنے کا جو خیال کیا جاتا ہے کیا البیا شخص شیطان سے محفوظ ہوتا ہے ؟ جیے خواب
میں دیکھنا کرنی علیہ السلام فرما ہے میں "جس نے مجھے دیکھا ہے جے اس نے مجھے ہی دیکھا میں خیال ہے با یہ دیکھنا میں مشال نہیں بن سکتا ہے ، یا جیسے می حصور علیہ السلام نے فرمایا ۔ با یہ دیکھنا اس جبسانہیں ؟ جواب دو کر تہیں اجر و تواب سلے ۔ آپ کو باکنے و ترسلام درجمت ۔ اس جبسانہیں ؟ جواب دو کر تہیں اجر و تواب سلے ۔ آپ کو باکنے و ترسلام درجمت ۔ تواب رضی اللہ عند نے اس کا یہ جواب دیا کر یہ حاصر کرنا ۔

جواب استخف کی روح اور عقل سے ہے ۔ توجی شخف نے اپنی نکر کو صورت اجاتی ہے۔

ہرا کر دیکھے والا ان لوگوں میں سے ہے جن کو مرکار کی صورت معلوم ہے مشال صحابی ہے

یا ان علمار میں سے ہے جنہوں نے اس موضوع پر بحث و تحیص کی ہے پھراس کو ذہن نشین کر لیا ہے تو اس کے فکر و شعور میں صورت مبادکہ اپنی اصل حالت می انگی۔ اور جوشخص ان دو قسموں میں شال نہیں اس کے فہر میں شال نہیں اس کے فام و تاب کہی تو ذہن میں آنیوالی صورت واخلاق کے لیا ظ سے انتہا اُل کا بل انسان کی صورت ما حرب میں آنیوالی صورت مرکار کی ذات کی صورت ہے ، اور فی میں آنیوالی صورت مرکار کی ذات کی صورت ہے ، روح کی منہیں ، اور فکر و تصور ابنی چیزوں کے کے دوم مرکار کی ذات کی صورت ہے ، روح کی منہیں ، اور فکر و تصور ابنی چیزوں کے مرکار کی ذات کی صورت ہے ، روح کی منہیں ، اور فکر و تصور ابنی چیزوں کے گردگھومتا ہے جن کا آد می کو علم ہو۔ اور جن کو و دیبچانتا ہو۔ ا ب تمہدا ایر موال کو کیا نظر

انبوالی صورت عالم ادواح سے بے ہاگراس سے مراد تمہاری بیہ ہے کھورت کریے کو عالم ارداح سے مامز کیا گیا ہے تو ہو شیک ہے بینی غورونکری روح ،اوراگر حاض مراد یہ ہے کر مرکاری روح ہما رہ افکار میں حاضرہے تو یہ بات گزر چی ہے کر بہاں یہ مفہوم مراد نہیں ۔ اب رہ گیا تکر میں اُنے دالی اس صورت میں ہم کلام ہونا ۔ سواگر د کھینے دالے کی روح پاک ہے اور نظر آنبوالی صورت سے مجبت کرتی ہے اوراس کے امراراس سے لوسٹ بیدہ نہیں اور دہ اس کے ساتھ آلیس ہے، جیسے دوست کے ماتھ الیس ہے، جیسے دوست کے ماتھ وست ۔ تو یہ گفتگور شیعائی درا ندازی سے محفوظ و محصوم ہے، اور جی ہے اگر ذان داس کے بوسٹے و منی اللہ عنہ ان اس کے برگلام کرتے ہوئے و شیخ رضی اللہ عنہ نے ان کودیں ان کا بیان ہے ۔ بھر بیان ہے ۔ میں نے شیخ رضی اللہ عنہ نے رضی اللہ عنہ نے ان کودیں ان کا بیان ہے ۔ میں نے شیخ رضی اللہ عنہ کو مشا برے ہوگری اس سے عاجر ہیں اور و جو ان کے دیے میہاں تک کہ عنہ کے انہوں کے سیاں تک کے میہاں دری ان کے سے میہاں تک کے اس باب میں بتا نے سے میہاں تک کے عنہ کے اس باب میں بتا نے سے میہاں تک کے عنہ کے اس باب میں بتا نے سے میہاں تک کے عالم اس سے عاجر ہیں اور و جو ان کے عنہ میہاں تک کے عنہ کے اس باب میں بتا نے سے میہاں تک کے عنہ کے اس باب میں بتا نے سے میہاں تک کے عنہ کے اس باب میں بتا نے سے میہاں تک کے عنہ کے اس باب میں بتا نے سے میہاں تک کے عنہ کے اس باب میں بتا نے سے میہاں تک کے عنہ کی اس باب میں بتا نے سے میہاں تک کے عنہ کے دورات کی اس باب میں بتا نے سے میہاں تک کے عنہ کے دورات کے دورات کے میہاں تک کے دورات کی کھورکے اس باب میں بتا نے سے میہاں تک کے دورات کی دورات کی کے دورات کی کے دورات کے دورات کی کے دورات کے دورات کی کی کو دورات کے دورات کے دورات کے دورات کے دورات کے دورات کی کے دورات کے دورات کی کی کی کو دورات کی کو دورات کی کو دورات کے دورات کی کی کو دورات کی کو دورات کے دورات کے دورات کی کو دورات کی کی کو دورات کی کو دورات کے دورات کی کی کو دورات کی کو دورات کے دورات کی کی کی کو دورات کی کو دورات کے دورات کی کی کی کو دورات کی کو دورات کی کو دورات کی کو دورات کی کی کو دورات کی کو دورات کی

كة الرجع كولوبيان نك كم انكوخي كے طلقے كى طرح بوجائے میں نے كہا جمع كريا۔ قرما بااب جنّا سند کی دنیا پرنظر دو داوان اوران کویمی اسی طرح اسینے ساحے کرلو۔ میں نے کہاکر لیا ۔ فرمایا فرشتوں کی دنیا پرنظردوڑای ، زمین ، اسمان اورعرش کے فریستے۔ ان سے بھی الیہا بى كرد يى نے كہاكرىيا فرما ياكروہ اكيد الك عالم كنتے محتے بياں تك كرمتعدد اقسام ثمار كريے يجنت كى دُنيا اور حوكي اس ميں سے جہنم كى دنيا اور حوكي اس ميں سے اور مجھ محكم وباكرسب كواپئ نظروں كرسا من لائ ميں جمع كزناكيا وركبتاكيا كدكرليا يجرفهايا ا پی اُنکھوں کے سامنے جو جموعہ ہے اسے بیک وقت عورسے دیکھو اورلوں کا کھٹش کرد کیا ایک نظرمیں سب کوحا حرکر سکتے ہو ؟۔ میں نے کوسٹنٹ کی، مگرمجھ سے منہوسکا، فرمایاتم اس نمام مخلوق کونبی دیکی سکتے اور ایک نظریس حاحز کرنے سے عاجز ہو، تو خالق سجانه وتعالی کامشا ہدہ کیسے کر سکتے ہو؟ اب مجھے میجے بیٹے چلاا ورمی خون کے أنسورد باكه عجعه اس ستے كى حرص تقى جومبرے بس ميں ديتى ، فرما يااس تمام مخلوق كو ا بک نظرمیں دیکھ لینا ،اتسان کے لبس میں تہیں فرمایا اسی طرح جوا ولیا را لنڈتی علیاسلم كوجا مختے ہوئے و بكيتے ہيں وہ اس وقت تك آب كونہيں ومكيم سكتے جب تك برسب جهان دیکھ دہیں ۔ نیکن وہ مجی ایک نظرسے نہیں دیکھ سکتے ہے تویی باب میں اكيسطويل كامسك بعدفرماياء جب آوى كوبيدارى لمي مركاركاد بدارحاصل موجانات تواسے شیطان کے کھیل سے امان مل حاتی ہے ، کیونکہ وہ الٹرکی رحمت سے مل حانکہے ا وروه رفهت بمارساً قا ومولامحمصل التُدعليه وسلم مي يجراس كاذات اقدس سع ملاقات كمنا، حق سبمانهٔ وتعانی کی معرفست اور ذاست از لی سے مشاہرہ کاسبسب بن جا تا ہے کیونکہ وہ ذات افدس ذات حق تعالى من غائب اورحق تعالى كيم شابره مين منهك بالاسب ايس ولى يم يميشنبى عليه السلام كى ذات بإك كى بركت سيحن سبحان وتعالى سبع تعلق تائم رایتا ہے ، اور آ مسندا مسنداس کی معرفت میں ترقی کرتاجا تا ہے بیہاں تک

كأسي ذات كامشابده اوراسل معرفت والوارمجست سي نوازاجا ماسي بحيروي بالبيري فرمايا اليسن فيضخ رضى التدعذ كوفرمات شناكم جيزكى علامت موتى ب اوربند ببدارى مين زبارت دمول صلى التدعليد وسلم سيمشرف بهوشكى علامت برسي كراس نبي صلحالة علیہ وسلم سے فکرمیں بمینندلگن رہے کہ بھی اس سے فکرسے آپ غائب نہوں اورتوج مٹانے والی کوچیزاس کی توجرکونہ ٹا سکے، نہسی اور میں مشغول کرسکے۔ ایسے ویکھے کہ کھانا کھا رہا ہے اورنظر من الور برہے ہی رہا ہے اورنظروہیں ہے بھیگڑنا ہے اور نظروبیں سے اسوریا ہے اورنگاہ وہیں جمہوتی ہے میں نے کہاکیا الیابندے كے عل اور حيله سے ہوسكتا ہے ؟ فرما يانهيں كيونكداكراليا بندے كے عل اور حيله ہوتا، توکبی سرکارسے غفلت ہوجاتی ، جسب کوئی توجہ کو پھیرنے والی ، یا غفلن طاری كرنبوالى منف أراع أماتى بلكربيضائى معامله ب حوبند كواس براما وهكرنا اوداس كام ميں لگاتا ہے اوربندہ اس سلامیں اپنا احتیار محسوس جہیں کرتا۔ بہاں تک کہ اگربندے کواس کیفیت کے ڈورکرنے کی تکلیف دی جائے توں کرسکے۔اس لئے معروفیات ورخیالات اسے دورہیں کرسکے .

سوبندے کا باطن تونی کریم ملی الند علیہ وسلم کے ساتھ ہوتا ہے اور ظاہر لوگوں کے ساتھ دان سے بالا دادہ باتیں کرتا اور کھا تا ہے اور ظاہر کی طور پرجو کچے دیکھتا ہے اُسے بلا ادادہ کر ڈال ہے کیونکہ اعتبار تو دل کا ہے اور وہ توگوں کے علاوہ کسی اور سے ہوتا ہے ، جب بندہ ایک مدت تک اس حال پر رہتا ہے تو الند تفائی اُسے بیداری میں اپنے بنی کریم اور رسول عظیم ملی الند علیہ وسلم کی زیارت نصیب کرتا ہے مدت عور و فکر مختلف ہوتی ہے کسی کے لیے ایک ماہ کسی کے بیے اس سے کم مدت بوتی سے اور کسی کے لیے اس سے کم اور کسی کے لیے اس ماہ کی زیارت بہت برطی سعادت اور کسی کے لیے اس ماہ کی زیارت بہت برطی سعادت اور کسی کے لیے اس سے برہ ور اور اس می نے برا در سے برا میں سے برہ ور اور اس می نے دور اس میں برہ ور اور اس می نے دور اس میں برہ ور

نه بوسكے ليس اگر سم ايك اليساأ دمي فرض كري جوببت طافت ورم واوراس ميس اليسے جالبن شامزوروں كازورجع بو جن مي سيمراكي ماعت ديسالت كي ن بر خیرا کان بچوسکتا ہو، بھرم فرص کریں کہ اس شفس کے سامنے بی علیہ السلام کسی محل سے نکل را کئے ہیں نومرکار کے عظیم رعب و داب سے اس شخص کا عگر كيه ط جائے جم كم كي حل جاتے اور روح نكل جائے ۔ اس عظيم سطوت كے إوجود اس دیداریاک بیس وه لذت سے اس کی کیفیت بیان وشار سے باہرہے۔ بیاں يمك كدد بلادس كارسي مشرف بهونيوالول كفنزديك به دخول جنت سعافضل ب ،كيونكر جنت مي داخل م ونيوالاس كى سارى نعمتين ربيك وقت منهي مايا. بلكهر سنخص كے لئے مخصوص نعمت ہوت ہے . بخلاف دیدار مصطفے صلی اللہ عليه دسلم ك، كرجب كسى كومشاهده ندكورها صل بونا بي تواس كو ابل جنت كى تمام تعمين بإدى عاتى بين بين وه مرقسم كى لذست ومنهاس اى طرح محسوس كرتاسي جيسے ابل جنت ، جنت بي اوربرلذتين ان كى بانسيت قليل بي ،جن كورسے جنتن بنائی گئی۔ مسلی النڑعلبہوسلم۔ان پرالٹڑی رحست ،کرم ، بزرگی وعظمت کانزول مورادمان كي آل واصحاب يرفرما يا يرميرانيم شامر عيم ما صل موتى مع ص مشامده والمى موكاس كى سرائي بھى والمى بوگى را مام ابن المبارك رحمذ الدّعليفرواتين امام ابن المبارك كاارسناد الموديم وركين المبارك كاارسناد المحدد و كالمراك كالرسناد الموديم و كالمراك كالرسناد الموديم و المعادم عقا جب راويان حديث مركادك رنگ مبارک تد کے طول میا بالوں سے طول یا رفتارہ غیرہ میں اختلاف کرتے توميرا بينے سينے رصنی المدعن سے پاس مبا تا اور ان سے اس بارسے میں موال كرتا توزيب الساجواب وينضجود يكض اورمثنابهه كرنبوالا وياكرتاب وماياكهم نے ایسے بعن واقعات بابادل کے اخریں تکھییں۔ والعُداعلم۔

غورنبس كرية عق - والتداعلم -

آپ رصنی الندعنہ نے فربایا اس کی علامت کہ بند ہے کو اللہ کا دیارماصل ہو یہ ہے کہ دیار رسول صلی النہ علیہ وسلم کے بعد اپنے رب سے ایسا تعلق آل کے ذہن میں پیدا رہوجائے کہ اس کی سوع اس میں ایسی غاشب ہوجائے جیسے علیہ السلام کے بارے میں گزشتہ گفتگو میں بیان ہوا بھے رہی حال رہے ہیا ت کہ حق تعالیٰ کے دیوار کے درواز ہے اس پر کھل جائیں کر سی اس کے دل کا جل اور مکر کا بہتے ہو ۔ جب مشاہد ہ رسول صلی النہ علیہ وسلم سے بہتے ہیں اسے جنت کی تمام نعمتوں کی لذت حاصل ہوتی ہے نومشا برہ ذات باری تعالیٰ کے متعلق تمہاراکیا جیال ہے ، جو نبی علیہ السلام جنت ا در ہر شے کا خالق ہے فرمایا کہ متعلق تمہاراکیا جیال ہے ، جو نبی علیہ السلام جنت ا در ہر شے کا خالق ہے فرمایا کہ متعلق تمہاراکیا جیال ہے ، جو نبی علیہ السلام جنت ا در ہر شے کا خالق ہے فرمایا کہ متعلق تمہاراکیا جیال ہے ، جو نبی علیہ السلام جنت ا در ہر شے کا خالق ہے فرمایا کہ متعلق تمہاراکیا جیال ہے ، جو نبی علیہ السلام جنت ا در ہر شے کا خالق ہے فرمایا کہ متا ہرہ فدا وندی کے بعد لوگوں کی دوقت میں ہوجاتی ہیں ۔

ایک قسم ان اوگول کی دوسی ایک قسم ان اوگول کی سے جومشا برہ حق بس اس الرات الوگول کی دوسی کے دوسی کے مشاہرہ میں اس الم اللہ اس منائلہ میں ۔ دوسری قسم کا مل ترہے ، ان کی ارواح توحق تعالیٰ کے مشاہرہ میں منہ ک موق بیں اور دوات ارسول الترصلی الدُعلیہ وسلم کے مشاہرہ میں مستفرق رستی ہیں۔

يس بدتوان كى ارواح كامتابده و ذوات كممتابده برغالب آما سبعاورز ان كى ذوات كامشابره ارواح كے مشابره ير، فرمايا يرتسم كامل ترسيم بميونكه ان كامشابرة ق يبيكروه كيمشابرة حق سيكامل ترب راودان كامتنابره حق تعالى اس كيكاملة ہے، کیونکہ بربوگ مشاہدہ نبی صلی التُدعلیہ وسلم سے الگ نہیں ہوتے احوارتقار کے بعدمتنا برہ و تفالی کاسبب ہے ۔ اس حس کومشاہرہ نبی ملاالدعلیہ وسلم زیادہ بوكا أمس مشابدة حق بحانه وتغالى تجى زيا ده موكا ادرجس كامشابره كم مبوداس كا وه مشا بده المركام مولاً و فرمايا و اگر بند مدكوا ختيار موا اور اس كى عمر مثلاً نويد سال كى بوتو و ه سوائے ديدار مصطفیٰ صلی التُدعليدوسلم سے اور کسی بات كی تمنا نہرے۔ ا در موت سے ایک دن میلے اسے دیدارخداوندی نصیب موگا ۔اس دن اس کے سے دبیاربار ک نعافی کے وروازے معل جائیں سے کیونکہ اس کا قدم متاہدہ تن صلی الدّعلیه وسلم می مصنبوطی سے جم چیکا ہے رسب سے نیادہ فتوحان اس کھلنی ہیں بھے اس دنیا میں مشروع سے آخرتک دونوں مشاہرے حاصل موست بي مجراب في البك أئينداين الكهول كمسامن ركها اورحروف كو ومكهنا شروع كباءا درفرما پاكيا اليدانيين كرحروف وران كى چك جونظراً رہى سبے وہ اكينے كى مفائ اورتاب کے تابیع سے بیس نے کہاجی ہاں: فرما یا نبی علیدالسلام کامشاہرہ آئینہ کی ارت سے اورحق سیحاند کامشاہرہ حروف کی طرح ہے ۔ نبی علیدالسلام کامشاہد، جنناماف اورتا برارسوكا مشامرة وات بارى تعالى بيراتن بى صفائى وتايان موكى اوروات ازلى كے مشاہرہ میں نابنیائی ختم ہوجائے گی میں ہے آپ سے بركلام اس وقت شنا جب بعف بزدگ فقهار نے آپ سے برسوال کیا ،کیا ولی فاز چھوٹر سکتا ہے ، فرمایا ولى تماز ببيس جيوارسكنا . اورابساكيونكر بوسكتاسيد ، و ه تو بميشد وحلوه كامول مي ريتا ب داس کی ذات تومشاہرہ مصطفے صلی الترعلیہ وسلم کی حلوہ کا میں ہوتی ہے ۔اورمدح

مشاہرہ تی کی جارہ کا ہیں ، اور دونوں مشاہدے اسے تما ذاور باتی اس کا مرتب ہو وسے بھی ایک اور مرتب کی ناز کا تارک کیے ہوسکتا ہے ، حالانکہ جو معلائی اسے دونوں مشاہدوں سے حاصل ہوتی ہے ، دہ اس وقت توحاصل ہوتی ہے بولائی اسے دونوں مشاہدوں سے حاصل ہوتی ہے ، دہ اس کی ذات کو ذات نبوی صلی الشعلیوسلم کے امرار درموز سے سیراب کیا گیا ، اور ذات اندس کے امرار سے کسی الیں ذات ہو کہ ذکر سیراب کیا جاسکتا ہے ، جو ذات اندس کے سے کام درک سے بہو ذات اندس کے سے کام درک سے بہوتی ۔ اس کت ب کے چو ذات اندس کے سے کام درک سے بہوتی ہوئی ۔ اس کت ب کے چو فات اندان کے سے کام در ک سے بہوتی اولیا مرک میں اولیا مرک سے ہوئی ۔ اس کت ہم اور ان اور ایک سے ہم اور ان کے ہم اور ان میں معلیم اور ایک سے ہم اور اندان کے ہم اور اندان کے ہم اور اندان سے معلیم اور اندان کے ہم اور اندان کی مداور اندان کی طرف درج و جا اندان کی طرف درج و کار ہم کے مداور اندان کے کہ در اندان کے کار ہم کے کار ہم کے کار کے ۔

عارف التربيدى يتيج عبدالغنى نابلسى نے سبدى عبدالقا ورجيلانی رضى التران كرمجموع صلوت كی شرح میں اس قول پر وَ اَشْخُفْنَا بِمُشَا هَدتِهِ صلى الله عليه وَ المَّخُفْنَا بِمُشَا هَدتِهِ صلى الله عليه وَ المَّخُفْنَا بِمُشَا هَدتِهِ صلى الله عليه وَ المَّخُفْنَا بِمُشَا هَدتِهِ صلى الله عليه وَ المَّخُفُنَا بِمُشَا هَدتِهِ صلى الله عليه وَ المَّخُفُنَا بِمُشَا الله عليه وَ الله عليه وَ الله عليه وَ الله عليه وَ الله عليه و الله و

اورشیخ حلال الدین سیوطی کا اس سلسله میں ایک رسالہ ہے جس کا نام ہے
در درق یہ النبی والملک " شیخ عبدالغنی فراتے ہیں ہیں مدینہ منورہ میں جس سال حافز
مقا اماہ رمعنان البارک سے الدی کوشیخ امام ، حمام ، فاضل ، کامل ، عالم ،

بيس بهجى وه تجرو اقدس كى طرف آتے توان سے كہاجا تا امركارا پنے جيا محترم حضرت همزه رصنی الندعنه کی زیارت سے لیے تشریف سے گئے ہیں ۔ وہ مجھے اہسے تام واقعات سنایا کرتے تخفے جوان کے ا درمرورکا کناست مسلی ائڈعلیروسلم کے درمیان عالم بربداری میں ہوتے میرا اس برایان ہے اوراس بارے میں اُن کی نصدلین کرنا ہوں ۔ وہ سیے علمار میں سے متھے ۔ حتیٰ كرايك دن انبوں نے مجھے ا بينے گھر بلايا بو مدين منورہ ميں بھاا ورميری مهانی کی اور مجھے اپنی تفنير ورن الكال كردكهائي جواعظ علدون مين تفى اورحصنور عليالسلام بيرورود شركف س موصنوع پرملیں نے ان کی ایک کناب دمکھی جوشہوروم عروف ولا لی الخیرات شریف کی طرز ریفنی اور جم میں اس سے بڑی تھی . مجرتھیں ہمزید کی شرح سے ، علامدا بن حجرہ تی كى عبادىن نقل فرماني اورفهايا بميس كهنا بهوں بركوتى عجيب بمعائلہ يا عزيب صورست حال نهیں کیونکم مرنبوالوں کی روصیں مطلقان مری ہیں دیمجے مرب حی ۔ بلکہ حبیب خاکی عنفری برنول سيعبرا بوتى بيءا بخصورتين ابناليتين بي رجيب روح الامين جبل عليالسلام اعرابي وصبدكلبى مصنى التزعته كم شكل مبن تشريف للسطح سفقے . جبيباكردسول التفصلی التزعلیہ وسلم کی صیح احاد مین می آ تاہے برب عام ہوگوں کی روحوں کا برحال سے پہنہوں نے کا مل اتباع مجى منبس كى اورو ە فدائقى جوان برلازم عضان كوا دائجى نېيى كيا. جىيە فرمان بارى تعالى ہے۔ کُلِّ نَفْسُ بِمَاكْدَ بَ دَعَيْنَا إِلَّا اُ تَعَابُ الْبَيِنُ يُواكي عامب والوں كيوا، مرآدى الين اعمال ئيد الحردى ہے " الجندى في شرح خصوص الحكم" مين كهاكم شخ اكر فدس سرة ائى موت كي بعدا ين كلوآ تے اورائى ام ولده سے فرمات تنهاراكيا حال ہے، توکیسی ہے اس ام ولدہ فے انہیں بربات: بتائی، اوروہ اس کی مداقت میں شک بہیں کرتے سے تو میر تر ابیوں اور سولوں کی روحوں مے متعلق کیا نیال ہے ان سب پرالٹلک رحمتیں اورسلام ہوں موت روحوں کےمعدوم ہونے کا نام نہیں ہوا ہجسم كتينى بإن برجائي اسوال فرحق ب ريونهى قبركى نعتبس ا ورعذاب ابل سنت وجاعت

كيزدبك حق مبداور سوال تعمين عذاب عالم ونيامين بيء عالم برزخ مي بي-اورعالم مرزخ كا دروازه قبرسے اور قبرون میں تومردوں كے جسم بی ہوتے ہی كرقبري اك دنيابس بين اورمزنوالون كى روحين عالم برزخيس بلاشك وعنبدزنده بين ونيامل حسم روحوں کی وجہ سے زندہ میں رجب ان میں روحوں کا تفرف ختم ہوگیا توجیم رکتے۔ روحیں سیدے طرح زندہ باتی ہیں موت تو ایک دنیا سے دوسری دنیا کی طرف منتقل ہوناہے۔ يس ده روصي جوايى براعمالى مي كروى تبين أزاوير، عالم برزخ مي ترتى على بير. ا سینے جسموں کی شکل میں اوران کے لباس میں ہوتی ہیں ،جس کے بیے اللہ ان کوظام فرمانا ما ہے۔ اس کے لیے دنیا میں ظاہر ہوتی ہیں ۔ جیسے بیوں ، وہوں اورا نٹرکے نیک بنددى كى روحبس ا وراس باست ميں شك كرناموس كى شايان شان نہيں كيونكربراسائى توا عدواحكام بربسنى سيداوراس مي مرف بدعتى بمراه جعقل ونهم كى بچھوں برسنجد ليس، بى شك كرسكة اورجه حياب سيده راه برجيات اوروه سب كجدهانناب يالنج سین عارف نابلسی ہی جینے اکبرکی کتاب العلوت المحدید اکی شرح سے آخر میں فرماتے بيل قَرَعُلَىٰ اله اورا بكاويداركرنيوالون اورميجان والون برادرود وسلام كالتحايه صلى الله عليدوسم اورآب كصحابري اصحاب مساحب كى جمع سب ورمساحب رسول ہروہ سلمان سے جس نے آپ سے ملاقات کی اور آخردم کد ایمان ہدرہ کرانتھال کیا۔ بیٹک نبی علیہالسلام کا دیدار کا مل ابل ایمان وا بفتان کے ہے باتی ہے علیائے كاملين مي سع ابك كے سائق ميں رہا۔ وہ مجھے بى عليدالسلام كے ديارا ورملاقات . كالت بريدارى كابتا ياكر تسعق عي رمعنان مصلا معداله هدي جب كرديذ طيبهي حاحز تقا جرم نبوی میں ان سے ملاکرتا تقا اوران کے ہماہ حجرہ اردون، رسول کے دروازے ك باس بيطاكرًا تقا وه ني عليدالسلام سعدا بين معاطات مجه ننا باكرن تقاور میں دل سے ان سب کی تعدلی کرتا تھا۔ وہ مجھ سے مجسے کرتے اور میں ان سے ۔ مجھے

اسینے گھردعون دیتے اور میں ان کے مہراہ روزہ افطار کرتا ، ایک مرتدانہوں نے مجھے کئی حلدوں میں اپنی تغییر آن دکھائی۔ وہ بڑے علماء میں سے بحقے ۔الٹد لغالیٰ ان پر رحم فرمائے کی اسمنے

آب، ان علمار میں شا ل میں جن کے حوالہ جاست میں نے دوھندا قدس کے باہر سے نفل کئے ہیں۔ الباتیات السالیات میں ہے کہ آپ نے دوھندا قدس کے باہر سے سلام عرمن کیا بیس علیہ السلام سیدنا حمزہ رضی اللہ عمر من کیا بیس علیہ السلام نے سلام کا حواب دیا۔ یہ معاملہ سیدنا حمزہ رضی اللہ عنہ دصی بہت ہوا ہے۔ اس میں مذکور ہے کہ نبی علیہ السلام نے ان کا نام میں علیہ السلام نے ان کا نام میں علیہ دالا اوصا حب الیہ الحویل کی انتقا۔

اس کا ذکرنہیں کریہ برباری بمیں متھا باتواب میں اور پیچوفرایا (صاحب البدالویل جس نسخہ سے میں نے نقل کیا اس میں میں الفاظیں بیری ہوسکتا ہے اصل لفظ الطولی ہوا ورغلطی سے الطویل مکھ دیا گیا ہو۔ کتا ب اول الخیات بیں خکورہ ہے کہ آپ کی ملاقات خصر علیالسلام سے ہوئی ۔ عبارت ہے ہے" اہل ہمیرت کی ایک بڑی جماعت خفر علیالسلام کی نقر رکی فائل سے اوراس کتاب کے متولف نے اپنی آنکھوں سے آپ کو مسجد نبوی میں درکھا ہے ۔ النہ کا شکوسے میں کا النہ کا شکوسے میں کا میں درخواست کی سے ۔ النہ کا شکوسے میں کا میں درخواست کی سے ۔ النہ کا شکوسے میں کہ درخواست کی سے ۔ النہ کا شکوسے میں کا میں کا میں کا میں کہ درخواست کی سے ۔ النہ کا شکوسے میں کو میں کا میں کا میں کہ میں کہ درخواسے کی درخواسے کی اسے درکھا کے دوران کے درخواسے کی درخواسے کی سے ۔ النہ کا شکوسے میں کی درخواسے کی درخواسے کی درخواسے کے دوران کے درخواسے کی درخواسے کی درخواسے کی درخواسے درکھا کے درخواسے درکھا کے درکھا کی درخواسے کی درخ

في عرون في الرماح من تعلى الرماح من تعلى الما المام كى باركاه اقدى سے لعلق دوطرح کا ہوتا ہے۔ اوّل یہ محصنورعلیالسلام کی صاحرکیاجاتے، اورحاعزی کے وقت آب کے احلال ، تعظیم ، ہیبت ووقار کے بیش نظراس سےاوب کا برتاؤکیا جائے الريدن بوسكتوده صورت ذبن مل حافزكر جعاتو في والما من ديكها سع الداكر خواب میں بھی تم نے صنورعلیہ السلام کودیکھائی نہیں ، توجس وقت تم سرکار کا ذکر کرو، تو يرتصور باندهو ، حوياتم مركارى جلالت تعظيم ، سيبت اورحياء كييش نظر اوب سے كور الم في حبب معى ان كا ذكركيا، و وتمهين و يكصفة اورسنية بين كيونكم آب الذكى مفات سے متصف ہیں ، اور اللہ تعالیٰ اینے ذکر کرنے والے کا منتقین ہوتا ہے ۔ دوم تعلق معنوی بے کہ ب کی صورت کا تصوراس طرح کروکر حقیقت کا ملداوصاف۔ کال سےموصوف،حبلال وجال کی جامع صفات ِخلاوندی سےمزتین جونور ذات سے بهيندمنورسى سب .اكربرنه موسك، توجان لوكر المحصرت صلى الله عليه وسلم درج كلى يل-جو وجود حقائق کے دونوں کناروں برقائم ہے مائیس کنارہ قدیم دوسراحا وف یس سرکاروات صفاست مي دونول كنارول كى حقيقت بي كيونكرة ب نور ذان سے بيدا موستے بي اوراس كاوصاف افعال، أثار وموفرات كي، ذات وحكم كے لحاظ سے جامع بيل . اى يد الله تعالى في سي كون من فروايا مع أمَّ دَني فَتَدُكَّى فَكَانَ قَابَ قَوْسَيْنِ ا وُ أدُني "مُعِرصنورقريب،وت ،سوحلوه فق تعالى مجى قريب آكيا ، مجدد وكمانون كى مقداريا قربيب ترم وكيا يهنى عليدا نسادم دراصل حقيقن الاتمام مخلوق سے درميان ايک اکو بيس كه تب بى تمام حقائق كى حقيقت بين - اسى يے شب معراج أب كامقام بالات عرش رہا -ا ورتم جانتے ہوک عرش مخلوق کی آخری حدسے کراس سے آوپر مخلوق نہیں۔ لہذا نبی علیاللہ جدب عرض بمتكن بوئے توتمام ترخلوق سربارے تدموں تلے اور آ ب كارب آ ب كادير-یس آب معنوی طورم پر رزح میں کا بیکا وجود نورحق سے سے ادر باتی مخلوق کا دجود آ کیے نورسے ۔ بس آب دونوں جہنوں سے ان وودصفوں سے موصوف نبس مورة ہمی ا درمعنا ہی ۔

حكا بھی درفرا یا بھی فرمایا كرمیرا دجود الله سے سے درابل ایمان كا وجود مجھ سے۔ اب جب تم میری بات سمجھ گئے تواب نمہارے لیے دیكال محدی حا حركرنا آسان بوجائے كا . انشاء الله تعالى .

بجرجان لو، النديمين اور تمبين توقيق د ما درالنديمين بيصاف شربت نصيب كسك كحقيقت محدب كاتمام ونيامس ظهور ب يس عالم اجسام من آب كاظبوراس طرح تنبین جس طرح عالم ارواح میں ہے کیونکہ جسموں کی دنیامیں وہ وسعت نہیں جو روحوں کی و بناجی سے اور عالم ارواح بین آپ کاظہورالیا بنیں میساعالم معیٰ میں ہے، كيونكه عالم معني عالم ارواح سي لطيف ترا وروسيع ترب اورزمين بيرة ب كاظهودالبانين جیسا آسمان میں ۔ اورکسمان میں آ پ کاظہورالیا نہیں جیسا عرش کی دائیں طرف یا ورعرش کی والميس طرف آپ كاظهورالسانهيں، جيساكراللدتعان كے يال كرجهال مذابن دكهال، سے مذ كيف دكيسي بس برمقام جويبيكى نسبت بلذتر ب اس بين آب طبورهي بيلي كانبت كالم لزب الدم مقام بروه جلالت ومهيبت ہے جسے وہ تبول كرے رہبان بك كرا ب ا بیسے مقام کے جا پہنچے ہیں ،جہاں نہ آ پ کونکوئی نبی دیکھ سکے۔ نفرشنہ رندولی۔ يمطلب بي صنور عليه السلام ك اس تول كأبي مُعَ اللّهِ تَعَالَى وَقُدَّ لَا يَسَعُنى فِيهُ مَلَكِ يَنْ مَنْ خَسْرَ ثُلُ يَبِي مُصْرُسُلُ" (بخاری دسم " مجعے النہ کے ساتھ ایک الیا وتسة ميسرسيخ جس مي دكوتى مقرب فرشة مجه تك رساتى حاصل كرسكتا هددني مل" بس مير سے بھائی! بلنديمني سے كام سے ناكر مركاركا و كہيں بھی ہوں بلند ترمنطا ہرميں ، عظیمانسان دیدارکر سکے ۔اشارہ سمجھو۔میرے مخلص دوست! میں تتجھے وصیبنت کرتا بهول كربمييته مركادكي صورت اورمعنى كالقور كية ركهنا الرحي تثروع تروع يس مورت کوحا فزکرنے میں تہیں تکلیف ہوگی، لیکن عنقریب تہماری دوح اس سے مانوس ہو جائے گی۔بس سرکار حقیقة " تیرے ساسنے حا حزبو بنگے اور تواک سے بات چیت کرریا

وه تعجی جواب دیں گے اور بات جیت کریں گے ، جس سے تو (ایک گونه) در جہو کا اسلام فرمان میں "الْتُ رَبِّمُ کُون علیہ السلام فرمان میں "الْتُ رَبِّمُ کُون مَالُون مَالِي مَالُون مُلِي مَالُون مِن مُلِيل مَالُون مَالُون مُلِي مُلِيلُون مَالُون مُلِيلُون مَالُون مَالُون مُلِيلُون مُلِيلُون مَالُون مُلِيلُون مَالُون مُلِيلُون مَالُون مُلِيلُون مُلِيلُ

معرفت خداومعرفت مصطف بلى فرق اجان بوكرد ل كامل كوتون

فيمنى خلعيت إلى من ليحة لداوليا ماللهم سيون في عليالسلا كو

تجليات خداوندى لمي سي سيكسى جلى فلعنت كال لي ملبوس و تكها ، في على السلام وه خلعت و يكفة والعير مدقر و يتعليم يراس كي يدمول التدملي الدعلي والم كى طرف سے تحقد ہوتا ہے۔ اگر طافتورہے تو دنیا میں اس کوفوری طور پر بدیاس بیٹنامکن سے وریز بہخلعت اللہ کے ہاں اس کی آنا نت سے بجب طاقت ہوگی ہیں ہے گا۔ خواہ دنیامیں انواہ آفرت میں۔ اب جس کو بیفلعت نصیب بوکتی اوراس نے دنيامي استيمين لياتوقيامىن كدن بدفاقت استينى عليرالسلام سيرمل كى۔ اب جس نے اس ولی کوتھی ، ان سجلیات میں سے سی سجلی میں دیکھ لیا و خلعت نبوبرس ملبوس دمکھا تووہ ولی اس دوسرے دیکھتے والے کو انبی علیہ السلام کے نا تھے کی میت سے وہ خلعت بحش و سے گا اور صدقہ کرد ہے گا ۔ اور بارگاہ محدیب سے اس ولی برایک اورخلعت اترتى سے بير بيلى خلعت سے كامل ترجوتي سے اوربياس خلعت كيمون اسے ملتی ہے ،جواس نے نبی علیہ السلام کی طرف سے اس برصد قد کی اور دوہتی بہلسلہ بے حدوصاب صورت میں بڑھتا رہتا ہے بہینرے ہے آپ کی ہی بخشش اورعادت كريمان بصان اوليا م كرام كے بيے جواب كى زيادت سے مشرف موتے ہيں۔ اتعلق صورى كى ية ايك اوركيفيت سے : تعلق صوری کی ایک اور کیفیت ہے ، وہ کوں کمہیں نظرا کے کری علمیاسان كاتنات يرسب بلكرة بعين كاتنات بي اوربرك أب نورمعن بين جس مي تم غوط زن مو سرکی انکھیں بنو ، ول کی کھلی ۔ اس نور میں جب تم مستفرق ہو گئے ، اپنی مستی ختم کردی توتم فنا فى الرسول كى معنت سے موموف موسكة اور حس كومقام فنا حاصل موكيا. اس نے اس کی محبست کا مزاحیکھا۔ نعلق معوری کی دومیں سے یہ ایک قسم ہے .اس کی صورت یہ سے کہ نبی علیہ السلام کی بیروی کروا ورا ہے کا مٹوق ا ورمحبنت لازم کریو ٹاکٹنم آ ہے کی محبت كالذن تمام وجودس محسوس كرو- ول سے ، روح سے جبم سے ، بال سے جمرے سے

بالکل اس طرح جیسے سخت بیاس سے بعد مطندا پانی بینے ہوتو وہ تمام جسم کمیں سرائیت ارتامحسوں ہوتا ہے۔ اس بحث کوذمین نشین کرلو۔

محتمد سول مل الدعليد مم إنبي عليه السلام كي محبت براكيه ملان محتمد الدون ب الدون ب الدون ب

جب نار فی انبوة تا بت بوگئی۔اب تمہاری فناکوفنا بوگئی القامل گئی)
یہ مقام ہے ، ہے ،استم براس صورت کا فیصنان بوگا، جونورسے برمنکشف ول
اس کی کیفیت یہ ہے کرجیب تم نبی علیہ السلام کوغورسے دیکھوا تومعلوم بوکرا ہے اس کی کیفیت یہ ہے کرجیب تم نبی علیہ السلام کوغورسے دیکھوا تومعلوم بوکرا ہے اس کا داست میں مگن میں بیمان مک کرتمہال وجودان کے ساسنے معدوم ہوجا ہے اورتم گم ہو حاق ، اونہی جب بی علیہ السلام برورود جیجی تو یہ خیال کروکر دردو مجیجے والے تھی وی

ہیں، تم نہیں کیونکرتمام اسٹیا رحصنورعلیالسلام کے تورسے بیدائی گئی ہیں اور ورسے اس کے مطابق روشنی خوائی ہے فررسے میں اس کے حال کے مطابق روشنی خوائی ہے اور نمام ، شیار میں تم خود بھی موجو و مور اور تمہارے اندر بھی ابنی کا نور ہے بیس نیری وات میں موجود و بہن تورد دراصل مرکار کی طرف متوجہ بھتا ہے جو تیرے وجود میں بور شیدہ ہے۔ میں موجود و بہن تورد دراصل مرکار کی طرف ترق کرتے جاتے ہو، یہاں مک کراند تنہیں اس مقام برفائز فرما دیتا جہال تنہاری بقاد، رسول التد صلی التد علیہ وسلم کی بقا کے ساتھ ہوجاتی ہے۔ موجود تی بھاری بقاد، رسول التد صلی التد علیہ وسلم کی بقا کے ساتھ ہوجاتی ہے۔

اب نم انسان کامل ہو، حقیقت کے وارت، در کمالاتِ مصطفویہ کے ابین . اب اللہ کاشکر کرد کراس نے تہیں اس نعمت سے نوازا ۔ اور مفام عبودیت دبندگی ، کی طلب کروا دراحد تین کے سمندروں میں عوطہ زن ہوجا کا ۔ اور شان بکتا کی کے وافق ہو جا کہ ۔ قطب سمان کا کلام ختم ہوا ۔ رحتی النوعنہ ۔

عارف بالنہ سبیدی ۔ سینے عبدالرض العیدروس نے ابوالفتیان سیدی حمد
البدوی رضی النہ عنہ کے مکھے ہوئے مجموعہ درود پراپی کھی گئی شمرح ہیں ان اولیا داللہ
کی جماعت کا فرکر نے کے بعد جنہوں نے بنی علیدالسلام کی ببداری ہیں زیارت کی اور
جن کا اس سے پہلے فرکر ہوجیکا ہے فرما یا بھارے پاس یہ یا حصفقول ہوکر ہو ہی ہے کہ سعاوت ہمارے اسلاف کو بھی حاصل ہوئی ہے ، یا دکل اس طرح جس طرح اب مجھے حاصل سعاوت ہمارے اسلاف کو بھی حاصل ہوئی ہے ، یا دکل اس طرح جس طرح اب مجھے حاصل ہے ۔ ان ہیں بہ حضرات شامل ہیں جمیرے آقا جدا علی محمد بن علی جو فقیہ مقدم کے نام سے مشہور سے اوران کے بیلے علوی اوران کے بیلے علوی اوران کے بیلے علوی اوران کے بیلے علوی اوران کے بیلے سیدی محمد بن علی بن علوی ندگور اوران کے بیلے سیدی عبدالرحیٰ بن محمد جوسقات کے نام سے مشہور ہیں اوران کے بعائی سیدی عبدالرحیٰ حوسکوان کے تام سے مشہور ہیں اوران کے بعائی سیدی عبدالرحیٰ سقاف اوران کے تام سے مشہور ہیں اوران کے بعائی سیدی عبدالرحیٰ سقاف اوران کے بیلے عبدروس عبدالنڈین ابو بکرا وران کے ساتھی عمرالمحصنار بن عبدالرحیٰ سقاف اوران کے بیلے عبدروس عبدالنڈین ابو بکرا وران کے ساتھی عبدروس عبدالنڈین ابو بکرا وران کے ساتھی عمرالمحصنار بن عبدالرحیٰ سقاف اوران کے بیلے عبدروس عبدالنڈین ابو بکرا وران کے ساتھی عبدروس عبدالنڈین سے معلی ابوران کے ساتھی میں ابوران کے ساتھی ابوران کے ساتھی ابوران کے ساتھی میں ابوران کے ساتھی ابوران کے ساتھی میں ابوران

يستح سيوطى كى كتاب متنوميرا لملك وغيره كى كچھ عبارت نفل كرنے كے بعد كہا" انتاء الله جوبات واصح بو کی وہ سرکرنبی علی السلام اپنی وفات کے تعدیا کیزہ تر رصامندی فردوس جنت کے اعلى ترين مقام اودمقام وسيله برمقرره ترتيب كم مطالق فانز بوت يستحفرن صلى الدعليه وسلمائي قرمنورا وررومنه اطهرتك بمنجي تصربالشرالتدتعالى في كواس درج تك بند فرما با بنواس ك بال بزرك ترس بعنى مقام وسيد بحس براسك بخط سب مركال عظمت شان بررشك كنال تبوشك بهوالتلقائ تينى عليدالسلام كوقطعى اعبا زت وبدى كرزمن وأسان ككوف و الما الما المان وبياد المان وبياد المان ا بایں بمدائنڈنغانی نے آپ کووہ توت بخشی ہے اوروہ المبیت عطافرمائی ہے کرا ہے مقام کہلے برقاتز موسفے کے باوجود اگر کوئی نبی مرسل ایا مقرب قر شتر سرکار کوا وارو در تواب جواب دسية بي . دفت وفان سعافيامت اوراس كے لعدمين بيشه . جيبے كيمقام وسيدس ت ہے۔اسی طرح آپ کا طالب، آپ کوبارگاہ خدا وندی میں پالیتا ہے اورا ب پرسلام بھینے والا، فرمين آب كويا ليتاس برطالب آ يكواسي مطلوب كسامن يا تاسي مثلاً فكركيف والااحية فكرمبي ، عارف احية امرارمين ، جيساكران لناني في أبيبا كرام صلى النوعليم وللم کواین بارگا و اقدس میں اعظامے کے بعداجازت دی سے کدان کی ایک شبیدان کی قروں میں رسے تاکرزمین والوں سے انس رسے اوراشیاح سے آزادموکر بھی جہاں جا ہیں جریں على كران يركونى بابندى نهيس واور قريس جوستين وصورت المقيم سے واس كے مقيم موت كاس كے سواكوكى مطلب بنيس كرجب بجى طالب اس كوطللب كرے، يا سے اورجب اس کے یاس صاعر ہواس کی ذات کو دیکھے اور اس کی مزید توضیع عنقریب اربی سے ما فظ سيوطى في كتاب مذكوري اكر احاد سيد اورا توال علماء اجوحالت زنده بنی اسلامی می السلام کی زیارت کے امکان پر وکالت کرتے يس ، ذكركرف كے بعدفرمايا ، انتمام اقوال واحا ديث سے يہ بات كابست مؤكمي

گئی کرنبی کریم علیسلام اینے جہم اور کوح کے ساتھ دندہ ہیں اور آپ زبین واسمال کے کوئے کوئے میں جہاں جا ہیں تقرّف فرا تے ہیں اسی طرح جبل طرح حبات طاہر میں فرما یا کوتے میں جہاں جا ہیں تقرّف فرا تے ہیں اسی طرح خالیا اسلام آنکھوں سے اسی طرح خالی بیں جس طرح فراسے خالی بہیں ،اس کے با وجود کرا ہے جسموں کے ساتھ دندہ ہیں جب اللہ تا کا کرنہ کا رکی زیارت سے شترف کرنے کے ارادے سے ساتھ دندہ ہیں جب اقدود اسی حال میں سرکار کی زیارت کرنا سے اسس میں کوئی ان میں بردہ اُٹھانا چا ہے ، توود داسی حال میں سرکار کی زیارت کرنا ہے ، اسس میں کوئی ان میں نہیں وربات کا کوئی امرداعی نہیں کرنے خصیص کرے مثال کا دیجھنا قرار دیں سیوطی کا کلام

اس سے خاص کرمیرے خیال میں بیات ہے کرحتو معلیالسلام کے وجود مبارک سے نہ کوئی زمان ومکان خالی ہے . ندمحل ومکان ، ندعرش ، ندلوح ، ند کرسی ، ندقلم ، ند خشی ندسندر، نسیسان نهام، نهرزج نقبرجیساکه یم نے انس طرمت بھی اثسارہ کردیا ہے اور حس طرح سفلی کا ثنات آ ہے سے پڑے اسی طرح عالم بالا بھی آ ہے وجود سے برے اب کی قبربھی آپ کے وجو د سے پڑے بین تم کار کو قبرانور میں مقیم یا وُ کے بیت ك كردطواف كرتے، اوائے خدمت كے ليے ليتے رب كے صنور كھڑے اور مقام وسيد برمكل خوشى كى حالت ميں كدر ہے ياؤ كے . ديجھے تنبيل كربيدارى يا خواب ميں جولوگ انتهائے مغرب میں آب کا دیدار کرتے میں، وہ ان لوگوں سے آنفاق کرتے ہیں جواسی وقت سے مشهرق میں آپ کا دبدار کرمیے بیو تے میں جب بیصورت حال خواب میں ہوگی توعالم خيال ومتال مين سوحي اورجب بيداري نين سوكي توصفت جلال وجال كاظهو بوگارد. انتها فی کمال مے ساتھ۔ جیساکسی کینے والے نے کہا ہے: لَشِينَ عَلَى اللهِ مِنْ تَلَا أَنْ تَعِيمَعَ اعَالَهُ فَيْ احدِ .

ترجہ: الله بریبات د شواریا ان ہونی نہیں کرساری دنیا کو ایک ذات میں جمع کردے !

اس مدیت بی سمجی دلیل ہے جسے ہم بیان کرآئے میں کرنبی علیاسلام نے معارج کی رات ابين بها في موسى علياسلام كو قبريش نماز برفضته ديكا، اوراب ببيت المقدس تشاري لائے تو و بان علی ان کو دیکھا اور تمام بنیول تے اید کے بیجھے نما زیڑھی ۔ آب براور ان براللہ کی وحسين بول بجمر مكارس جدا بوك اور يحق أسمان برج مع كف اوروم ال مركار في ان كواينا و ظرياي مين كيدا وم بيني عيسى ايوسف وادرس وارون اورا برابيم صله الترعليهم السلام كرساتهيش أيا بكرميت المتدس مير حنور علياسلام في ان كونما زبرها في اورا سانول يرجعي ن كوموجود يا يا و حالانكديه حضرات تضيدت بين آب سي كم بين و وفنيدت بين آب الله بين اتواب اس قول كے زيا و وحقدار ميں كر ہرجي موجود تھى ہول اور قبر سريف ميں معمم تھى . شب معراج توسر كاركوو دعو و نصيب بوا جويد كسي مقرب فر تست كونصيب بو. ندسي مُرسَل کو - فرما یاکداس بر تقلی د لائل میں سے ایک دلیل و ہمجی ہے جسے سبخا ۔ی دو فیر، نے تعل كيا بك كديد وأو فرشت قبروا لے سے كيتے ہيں ما تقول في ها خداالوجل ؟ اس شف كى بارك بين توكياكت ب ويعنى نبى عليالسلام ، اور اسم أثباره كصرف ما صرى طرف التا إ كياجاتا ہے مجمر فرمايك حبب بى عليالسلام عالم بالا وزيرين كى يوج بين تولازم سے كه س كائنات كاكو فى جزاب كے جسم باك اور روح باكيره سے خالى ند بويسيوطى وغير في سبت سے اولیاً الله کے متعلق لکھا ہے کہ وہ خواب اوربیداری میں سرکار کی خدمت اقدس میں حاصر بوتے بیں بیں بردہ ہارے گنا ہوں کی بنا پر ہاری طرفت سے ہے ، مکار کی طرف سے ہیں ،اسی بات تم دیکھو کے کرجب آدمی ا پنے نفس سے جُدا موتا ہے ۔ اگر نیند کی وج سے ہوا اور آنجیس بندكرا ب توصنوعليالسلام كوديكه لينا س جب الله تعالى اس كي تعيب مي كردے جب آدمی کمنا ہوں کا قلع قمع کر کے ختم کردیا ہے تو بھرانس کے اور نبی علیانسان مے درمیان نہ فوا

مِن كوئى برده وبها سب زبيدارى من اسى يلے بارے شيخ نورالدين النونى بدارى مين بى علايسلام سے جامعان زمریں ملاقات کرتے سے ان کے صنور عبالسدم سے جمع و نے کی علامت بی تھی کہ تے مخل میں کھڑے ہوجا نے اور تمام لوگ بھی ان کے ہمارہ کھڑے ہوجا تے کیجنی اخرشب البھی شب ورکبی نمازعتا کے بعد محفل درود دسان سے نتروع میں بیسرود نسیج کم کھڑے رہے۔ ادر مقام تنیونیدین خلوت کی مالت بن اب زمومه کے پانسٹالبًا شب و روز زیارت ہوتی تھی۔ مجرفرا یا اس براید دلیل سے کراس است برا بدال کا امراس این رکھا کیا ہے کدود اپنی جگریر كرمسافرين جامات اوراس كالدائر المحيركوا كالسورت ميل جيوار ما الم

سوان کیا تو ان کی ما شاصویمی بن کنین تسک ترنے ورزیک نبیس کیسکتا تھا کہ سرنسورت میں قفیسی لیان بیں ان بیں ہے ، یک بسورت نے قائنی اور مدعیوں سے کہا ، دیجہ کرتباؤکس صورت برترك نمازكا ومونى بت وجب ايك إبالكايه عال بي توكيار يُول التُرصلي المد عليه ومم ك يص مبزار ول الكول تنالين ظامر تبين بوسخين ؟ -

ا ابن عطا الله سكندسي كراكيد مدين

ابن عطا الأسكندى كا عاجى مربيه جي و دُه جهال جا ، أبي و يحديدا.

او حبب ان سے بات کرنے کا ارا دہ کڑا نظر نمآتے۔ بچمروہ اسکندرید آیا او -ان سے متعلق د ا فت كياتوا سے بنا ياكيا كدوہ توبياں ہے كيس كئے بن بيں جب ملافات بوكى توتمام احوال بیان کیا بھرفرہا یا اس سے جانز ہونے کے ولائل میں سے ایک عقلی دلیل یہ ہے کہ جانز ہے کہ الشر تعالیٰ عالم بالا وزیری کوحنتو علبالسلام سے سامنے اس طرح کرد سے جس طرح اس نے ساری دنیا ستناعزرا ثيل عليالسلام كاس مصرا من كردى ب. سؤل كياكياكد ايكتيمن انتهائ مشرق بيرب. دور انتا مصغرب میں ہے. دونوں کا وقت وفات بیک وقت الله ان کی رُوح بیک وقت

يسي موكى بغرما يا مسرتنا و نے تمام زمين ان كے سا منے اس طرح كردى جيسے كھاتے والے كے سامنے سالہ جوجا ہے لے ایک فرما یا اس براور دلائل کے علاوہ ایک دلیل بیمی سے کربرزج کی بات كوكسى اورير مياس تهين كوياك. يختفيها من ميديا من للرحود حدود ور ا تفرید بردن کے میوں کے ساتھ تلک ترین قبروں میں کماں سے آتے اور کہاں سے جاتے ہیں اوربیک و قت د دبیمتعد اسے والول سے کس طرح سوال کرتے ہیں، حالا تحرکوئی وورمشرق میں ہوتا ہے اور کوئی وور درازمفرب میں ور رکس طرح انتخارے سے ایک کھڑی جنت كى طرف اور د وسرى جنتم كى طرف كحول و يتے بيں ؟ حالائك جنت بدر د المنته في سے پائس اور جہتم نمین مندر کے بیچے ہے . بیس کوئی رو کنے والانہیں کدانتد تعالیٰ بھارے افا محد صلط الدعلیہ كووه طاقت د سے دسے ، جسوال كرنے واسے فرشتے اور ملك الموت كو دى اور ان سے بڑھ كمر كروه دونوں مرتب ميں أيد سے كم بين كروه توسكر كے بار سے بين بى سوال كرتے أت بين جمعر فرما ياسميس ولى عار فت مسيترى عبدلعزيز ديرينى كى باشتمعلوم ہوئى ہے كرجب ديرين ميں ان ک طرف بسیری کی نسبت ہونے تھے اور بزرگوں کی ایک جاعت نے ان سے جو کام کیا تو وہاں کے دوگوں نے طے کیا کونما زجمعہ کے بعد وہ مشائع وسا دائے کرام اپنے جدامجد، رمسول اللہ صيعه التدعليه والم كوليكاريل ورسيدى عب العزيز بمى مكار كوبكارين سي اورص كوحنور عليلها جواب دیں، وہ حق پر ہے۔ اس کے بلے تمام لوگ وقت مقررہ پر جمع ہو نے سیدی عبدالعزیز مع مناسخ سے کہا ، آب حضرات آ کے تشریف لائیں اور کیا ریں وان میں سے بھے بعد دیگرے سراكيسة اربادريكاتارم كاجسيني كارشول الله! الميرع بترامجداك الله كے رسول اسكن كسى كوجواب ندملا-اب سيدى عب العزيز آگے ہے اور ديكارا كاستيكري يًا رَسُولَ الله إ ترتمام بوكون في يراوادسن كبيك يا عبد العنديد تواكب جاعت نے کہا کہ جوصف سیدی عبدلعز بز سے فریب تھی انس نے آواوسی شے آور میں مقال نے میں و ننی . آپ نے دوبارہ بیکا را تو دوبارد زواب ملائین سربدانسا موار بیل نبی عدیدالسلام کا دیرین

(منام) سے تعلق دیکھے۔ حالا کو آپ کا جسم کبارک مدین طیبہ میں متیم ہے اس سے مہیں یہ و دیائے گو۔

کریشنا نبی علیالسلام سے کا نبات کا ذرہ فررہ کر ہے ۔ آپ رحم اللہ نے فرایا جان یہ بھے کہ جن مشاشخ ، عارفین ، رہنا وُں اور یہ برون سے میں نے آخریں ملاقات کی ۱ن میں سے سنیخ نورالڈین الشونی ہیں جو حال نبوی کے پرتوا ورمد دمصطفوی کے مظہر تھے ، مات دن جن کا وظیفہ نورالڈین الشونی ہیں جو حال نبوی کے پرتوا ورمد دمصطفوی کے مظہر تھے ، مات دن جن کا وظیفہ نبی علیالیل م برور و و و مولام پڑھنا تھا یہاں کہ کہ یہی چیزان کا وصعت ادر علامت بن گئی ہیں ان کا اور معن اجواب و بیداری میں کفرت سے حضور علیالسلام کی زیارت سے مشترف ہوتے تھے ۔ یہاں کہ کہ کہ یہ بات سرطرف بھیل گئی ۔ زیانوں اور کانوں سے کہی اور شنی مانے دی ۔

امام مبخاری بمسلم اور ابو داؤد نے ابوسریر ہ رصنی اللہ عند کے بر وایت نقل کی سے کرحفرت بی کریم صلے اللہ علیہ و م سے کرحفرت بی کریم صلے اللہ علیہ و لم نے فرایا جس نے مجھے خواب میں دیجھا وہ عنقریب بداری میں دیکھے گا۔ اورشیطان میری مثنل نہیں بن سکتا :

ایسی بی روایت طرانی نے مالک بن علبت ختعمیا و رابو بحرہ رصنی الدّ عنها سے نقل کی ہے۔
ایسی بی روایت دارمی نے ابوقا دہ انسائی رصنی الدّ عندُ سے نقل کی اس حدیث میں بینخوننجری
جاکہ ہے کا جو اُمّتی حالت نواب میں آب کی زیارت سے شترف ہوگا ، وہ لازمی طور پر براری میں آپ کی زیارت سے مشترف ہوگا ، وہ لازمی طور پر براری میں آپ کی زیارت سے مسرفرانہ ہوگا ۔ اگرچ مرنے سے بہتے ہی کیوں نہ ہو ۔ ان شا اللہ تعالیٰ ومیں آپ کی زیارت سے مسرفرانہ ہوگا ۔ اگرچ مرنے سے بہتے ہی کیوں نہ ہو ۔ ان شا اللہ تعالیٰ وہ اور ایسلمت وضلعت کے تمام صلحات بقد تربیاری میں آپ کی خشتہ میں حاضر ہوئے ، کئی مسائل سرکا رہے ہو بھے اور آپ نے ان کا جواب دیا ، پس ان کے کہنے کے مطابق حرف بحرف مربات نظام بر ہوگئی ۔

یہ بات بھی اس سے کہ اہل میان کی ارواج کواجازت ہے کہ دُہ جنت اجرآسانوں میں جریں اور سیر کریں۔ اور بسا اوقات اپنی فبروں میں اپنے حبموں کی زیارت سے ہے آئی ہیں۔ اور بسا اوقات اپنی فبروں میں ، اپنے حبموں کی زیارت سے ہے آئی ہیں۔ اور آسان دنیا سے اپنی فبروں سے بالمقابل قریب بوجاتی ہیں اور سلمان اپنے زیارت

کرنے وہ ہے اور سلام کرنے والے کوم پیانیا ہے اور جب الس کی توجرا سے اجازت اور تدرت ہوتی ہے جواب رہا ہے اور یہ بیان جمعہ کے دن شام سے لے کر ہفتہ کی جبح کمک بڑھتی رہتی ہے ، اور اسس سلسد بین اولیا اسٹیا عام لوگوں سے بڑھے ہوتے ہیں ، اور ہے تنگ نیک عمل ر نے والے عدم بندا ، صحابہ کرام ابل بیت اور حضور علیالسلام کے اہل قوابت الس میں قوتی میں ، اور ہے کہ انبیا نے کرام علیم السلام اپنے جسموں اور رو ہوں کے ساتھ کا گنات میں سیر مرتے ہیں ، اور جب المذرق الی کی ابازت ہوتو جج وعمرہ کونے ہیں ، بیسے (دینوی) زندگی میں ر نے ہے ، اور جب المذرق الی کی ابازت ہوتو جج وعمرہ کونے ہیں ، بیسے (دینوی) زندگی میں ر نے نیے ، اور نبی علیائس م کے نور و برکت سے کا ثنات بست و بالا مجری بڑمی ہے ، کیونوک

فرایا گر استان اسے یاخود کررہ افرایا گری کا بائے رضیح صدیثوں میں آتا ہے۔ فرت تدرند اسے یاخود کررہ استان نے نبی علیسادم کی قبار درکہ اس ویس استان میں رفرایا ہے جود یُودوسان بھینے وہ اے کا درکودوس نوم آپ کی خدمت میں بینی ہے اگر آپ مرجوز مرت توفر شتے کو کیوں مندر کیا جاتا ہ

س کا تواب رسته -

قبرانورک باسس فرست کیول مقرر ہے؟

منا ات اسب رماس بے اس کی جینیت تعنیم ملکت کی جو سے قبرانور کو دورہ کے منا ات اسب ہے اس کی جینیت تعنیم ملکت کی ہے ۔ فُدّام میاں مخلف مانا ہے ۔ اس کی جینیت تعنیم ملکت کی ہے ۔ فُدّام میاں مخلف مانا ہے ۔ اس کی جینی اس فرشتے ہے وقے آپ کی خدمت میں ملام بیش کرنے کی وقر واری لگا دی ہے ۔ بیر مرکار کی تعظیم و توقیرہ ہیں ملا تہ ہے است کے الممال کی وفرنتے سے وشام آپ کی خدمت میں بیش کرتے میں میں وشام آپ کی خدمت میں بیش کرتے میں بیان کو تھر اس الم کی فدمت ہے جس بیان کو تھر اس الم کی واری میں ، میکا یہ بی فکرام کی فدمت ہے جس بیان کو تھر اس الم کی الم الم کی فدمت ہے جس بیان کو تھر اس الم کی الم کی خدمت ہے جس بیان کو تھر اس الم کا الم کا الم کی خدمت ہے جس بیان کو تھر اس الم کی خدمت ہے جس بیان کو تھر ا

بروقت اوربرج مور کائنات صلے الدعید ولم کی بارگاہ یں حافظ رہنا ، سرف ان لوگوں کومیت رہے ، جوافلہ کی طرف سے فضل وکرم کی خصوصیات سے بہرد مندا وردین کے اعلیٰ منا اور بہند ترمراتب سے مرفراز بیں ، اور جبنوں نے ایسے نیک کام کیے جواس مقام ومرتب کا وسیل بن کیس جبسا کہ یہ درجہ بھار سے شیخ نورالدین الشونی جمداللہ کو حاصل تھا ، کیو بحداب لازمی طور پر صبح وشام رات کے کمان اور دن کے کناروں میں اور شب وردن نے معالیسلام بردروقو سلام بی بردروقو سلام بی بردروقو سلام بردروقو سلام بی باکر تے تھے۔ اس طرح کی اسے آپ نے اپنا ور دو فطیفہ بنایا ہوا تھا ، اسی راہ بھلے سلام بی باکر و نوش کی فئر ہوئی ، نرسجا دد کی ترملفین کی ۔

= 11

گوا دیکے بینے ان زم ہے کہ جس جیزگی گواہی و سے اس کے پاس حالنہ جو اورا سے دیکھتا ہو ہیں معدد مرد کرنے عدیالسن مرتمام ذیبا کوٹرکرنے واسے اور سرجیڑھا ف جی ا

جوز ابا کی دلیا ور دایت یہ جواس بات پرکہ انبیا دنیا میں سبر قراتے ہیں۔
جسے ہم ف ام بدل الذی سبولی کا الیت الاعلام بحکم حیسلی علیہ الشلام کے ذیل
میں نقل کیا بین کرنی علیا سال م بک دفعہ خانہ کو بدکا طوا من کر رہے تھے ، تو آب نے ہوا بین وجو
ایک نبی علیا سال م کوسل م کیا جب اس کے متعلق بوجھا گیا تو فرایا ۔ میں نے اینے ہما ئی ، مریم ک
فرزند عیسلی علیا سال م کوطوا من کو برکرتے دیکھا ، انہوں نے مجھے سال م کیا ۔ بھر میں نے انہیں
سال م کا جواب دیا گ

فرا يكدان دلائل ميں سے ايك دليل يہ ب كرنبى عابدلسلام نے فرما يا حجب محص

خواب میں دیکھا ، وه عنقریب بداری میں بھی دیکھے گا۔ کیونی آب مشرق ومغرب وغیرہ میں نظراتے س بیصیح میں کمان ارشا دات میں دیکھنے سے سرف قیامت کا دیکھنا ہی مراد لیا جا ہے۔ كيونكر وبال توتمام لوگ أيك كوديكس كفخواه كسى في دُنيا مين أيك ويكا بواند. حاصل می است اصلی موجود میں حاصل میں است کا یہ ہے کہ نبی علیاتسان م جارے درمیان موجود میں حاصل می خات کا میں اصلی حاصل میں اور میں موجود میں حاصل میں اور دیل کے اور میں موجود دیل کے احداد دیل کے اور میں موجود دیل کے احداد دیل الحاظ مع تعيد رساله مذكور ميل لحلبي كاكلام ختم بيوا- اوران لوگول مين سي اج نبي عليالسلام سے بيدارى ميں ملاقات كرتے اور آب سے اورا دو وظائفت عاصل كرتے تھے ، ايك سيدى عارف بالترسيدا حدبن اوليسلسلا وليسيد كحباني شيخ بحى بين ببيساكدان محجوعه اورا د ين م ادرسيدي عارف بالأستيدالوالعبالس يحاني صاحب بسلسلة يجانيد وجيساكتشيخ على حرا زم کی کتا ب جوابالمعانی اورشیخ عمر بن سعید تونی کی کتاب الرماح میں مکھا ہے اور اپنی کتا افضل الصلوت بين ذكركيا ب كيستيتى قطب محتربن الحالون اليحرى مصرى رفتى الدعتما ادران كى ال وا ولاد سے مم نے كتاب، فضل لصلوت سينتاليسوال ورو وشريف طاصل كيا بيجواس طرح تنروع بوتا ب آللهُ مَ صَلَّ عَلَىٰ نَوْرِ لَكَ أَلُهُ سُبِ أخريك ميصنوصلي المدعليك على في خود و محدوا بإنها ، اوريدالس بات كى دليل ب كرير بزرك حنورعلالسلام سے بیداری میں ملاقات کرتے تھے اور میں نے سیدی محد صفی مصری ، باتی يشخ سلسله خلوتيه كميمنا قب بين جوال كفتها كروشيخ على جن كاما في وطن الفركا وُن تها مكمعظمه میں پیدائمی ہوئے اور مہیں عمر گذاری، نے تکھے بیں تکھا دیکھا ہے کہ ال کے شیخ مذکور سمے ديس مين بي عليالسلام رحوصلدا فزائي اور بركت دينے كي فعاطر ، مار إ ديكھتے جاتے بيمھان ك شاكرد و ل مي سے ايك فين احمد النسا تع ، جوخواب وبيدارى ميں زيارت بوى بخرت سنتريث ہوتے سے ان میں سے ایک فیسے محمود کردی ہیں جو اکثر صنور علیالسلام کا دیدار کرتے تھے۔ اورجب نبی علیاسلام کے دیدار سےمشترف مناظا منے منہ بہ ماسے ان اس

سے ایک سیدمنصور ملبی میں کرجن کی نگاہ سے نبی علیالسلام نے بیداری میں بروہ ہوت وقع نه خواب میں . فرمایا میں نے اپنے استاذ محترم سے یہ فرما تے سُناکہ وہ نبی علیالسلام مے مبوب مين نذا يو باللطالف مين سيدى احمد بن ابن مغربي كم متعلق مر بات كزر يحي سي كانهو فے حضور علیالسلام کی جوزیا تیں کیں ، ان میں سے استار ہویں زیارت خواب میں نہیں ، بیداری يرنهى و ديا كونبى على السلام كى موحانى طور برجوز إربس بوكيس ان مس سے ايک وه سے جے میدعبدالر تمن عید روسی نے اسیدی احدالبدوی معجموعه درو دوسلام بر ایکی گئی این ترم میں کتا بالزمبرالباسم الیعن سید عبدلقا در عید وسی کے حوالہ سے ذکر کیا ہے والعیب تروسی المتران سے نفع دے، نے فرا یا شیخ بیرعارف بالد محمد بن احد ملبخی قد کس میرؤ کی روایت ب كديس في بلخ سے بغدا و كم مفركيا - يوميري جواني كا زما نه تحام مقصد سفر فينخ عبدالقا دركي نارت كزاتها مين بينياتووه اين مديسه مين نماز عصرا دا فرمار ب تحصر اس بيد زیں نے ایک دیکھاتھا ، نہ آپ نے مجھے جب انہوں تے سان م پھیا تو لوگ سان م کرنے کے ہے ، ن کی ناوٹ یکے میں نے جی گئے بھر کران سے مصافی کیا۔ آپ نے مسریا تھ پھڑ اليا ومسكرت فوضع ميرى طرف ويكفاه اورفها إلى مفحد المني وستن مديد إلى الله في تيامرتيه دين ، بيت كوها ، بهار ان كي تسكو زخمي كي د وا ، اور بيار كي شفاعمي خوف د فكراي مسيمبري تا تحصی بڑنم ، ہیبت سے بیضے تھ کنے اور شوق ومُحبّت میں دل دھڑ کنے لگا مجے مخلوق سے وحشت اوردل میں ایک ایسی کیفیت محمول ہونے نکی جسے میں تسجیح طور برتعبیز ہیں کرسکتا . بجربه كمفيت برا برشرعتى ا ورطا قتور بوتى كئ مين الس برغالب آف كى كوشعش كرّار بالكيب رات میں و تطیفے سے لیے اٹھا، رات سنت اندھیری تھی میرے دل میں دو شخص ظا سریکو کے۔ ایک سے ہتھ میں جام اور دوسرے کے ہتھ میں معت دبس تھا۔ ضعت والے صاب ئے مجے کہاکہ و دعلی بن ابی طالعب میں ، (رننی ناروند) اور بر و وسرے نساحب مل کے منفر میں سے ایک میں اور بیرجام، نشراب مخبت ہے ۔ اور بیطاعت دلباس، فلعت بانات

مچرانہوں نے مجھے ود علعت بینائی، اوران کے ساتھی نے مجھے جام عنابیت کیا،جس کے توسے مسترق ومغرب روشن مو كئے ميں نے جو كھے ديكھا بالديا توميرے يا عيبى راز مقام ا ولیاً النّدا ور د و مرسے عجا مُب روستن ہو گئے میں نے جو کھے دیکھا الس میں کمک السامقام بھی تھا جس کے اوراک سے عقول کے قدم لرزتے ، فکروسویں اس کے حال سے قاعر ا دلیا کی گردنیں اس کی ہیبت سے سامنے خمیدہ اور انس کے انوار کی شعاعوں سے آگے ول کی انجس ب نور تعبس ابس متعام كي فدر ومنزلت كايه عالم تهاكم معصوم فرستون ، رُوعاني اورمقربين كا جوگروہ وہاں سے گزرّنا ، ایس کی عزّت وعظمت سے پہنٹرِ نظررکوع کرنے وا لوں کی طرح ایس كى كمر تحبك جاتى بخور كرنے والے كے بلے بیصفت ابت ہوجاتی ہے كد واصل كا ہر مقام ا ورمُحَدَّث كا حال ، هرمحبُوبك راز ، هرعارت كاعلم ، هرولى كاتحترف ، اور سرمقرّب كي قوّت كى استدأ، مرجع ، محموعه ، تفصيل ، كل بعض واول والمخركا قراراسى مين ب يميس سابتداور میمیں سے تکنا، اسی سے اس کی تھیل ہے ایک مقت تک تومیں اسے دیکھنے کی ممت نہیں يا نا تها بهر مجع د بجفنے كى طاقت ملى-اورايك مدّت تك بيں الس حال بيں رہاكہ مجعے معلوم نه تھا اس میں کون ہے، تا گا ہ جو دیجھا تو اسس میں رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم سمھے ۔ آپ سے وأئيل طرون حضزات آوم ، ابراسيم اورجبرتيل عليه السلام اوربائيل طرف حضرت نوئع ، مُوسى و عيسى عليهم السلام تصدالله كى رحميل ورسلام انسب بربول أب كرسا من برك بوك صحاب كرام رصنى الله عنهم ورا وليا قدلس المداس مطفة كي صورت مين كفرے سمع بمكرر علیه السلام کی ہمیبت سے پلیش سطرح (مُودّب) گویا ان سے سرول پر بیزندسے ہول ان میں سے جن کو میں نے پہنیا نا حضرت ابو بحرصَد لِق ، عُمر فاروق ، عنما ن عنی المرتعنی ، عنی المرتعنی ، حمزہ ، عباس ، رصنی الله عنهم اجمعین مسمصے اورجن اولیا کو بیس نے بیجا نا ان میں معروف کوخی سری سقطی ، ضيد بغدا دى، سهل تسترى، ماج العارفين ابوابوفاً ، شيخ عب إلفا وراور شيخ عدى اور يشيخ احمدالهاعى رصم الأشامل بين صحابه كرام مصنوع اليلسلام ست قريب ترا بوبجرصديق رصني الله

تعے اوراولیا میں آپ سے قریب ترشیخ عبالقا در تھے بیں نے ایک کھنے والے کو کتے سنا جب مقرب فرشتوں ، مُرسل نبیوں اور محبوب اولیاً کو مُحَدّ صلی الله علیہ وہم سے دیدار کا شوق ہو: حب مقرب فرشتوں ، مُرسل نبیوں اور محبوب اولیاً کو مُحَدّ صلی الله علیہ وہم سے دیدار کا شوق ہو: تو د د این رب کے صور ص بمقام ببند د بالا پر فائز ہے جس کو د بھنے کی کسی میں تا مہیں. نے ا جا مے کر صنو کے دیدار سے اس کے انوار و وجند ہوجائیں گئے ، آب کے مثا بدے سے الس مے عالات یا کیڑا ورا ہے کی برکت سے اسکامتام بلند و بالا ہوجائے گا بھر فیقِ اعلیٰ كى طرف لوٹ جائے۔ فروايكر ميں نے تمام وشتوں كويہ كھتے مُسنا ، اللي ہم نے سُنا اور ما نا ، يرى بخشش ما ہے ہیں۔ اے پروردگار! اورتیری ہی طرف بیٹنا ہے بھرمیرے لیے بارگاہ رب عظیم کی طرف سے ایک چیک ظاہر ہوئی جس نے مجھے بہرشہود سے غالب اور ہرموج دسے ا کے ایا ورمیں مختلف چیزوں میں انتیاز کرنے کے قابل ندرہا ۔ اس حال برمیں مین سال مک سا مجے کھے تید نہ چلا ، کدا جا نکسشنے عبدالقا وجبلائی رصنی اللہ عند مخواب میں میرے ساسنے آئے ، اس نے ہاتھ میرے سے بینے پردکھا ،ان کا ایک باؤل میرے پاس اور دوسرا بغدا دیس تھا میرے ہوں حوالس سجال ہو گئے اور میں نے طبیعت برقابویا بیا مجھ سے فرانے نگے۔ اے بنی ! مجھے کم ملا ہے کہ سجھے تیرے وجو د کی طرف لوٹا وُ وں سمجھے تیرے حال کا مالک بنا دُول ، اور سجھ بینعلبہ یا نے داسے عواریس کوختم کر دوں بیموانہوں نے اوّل سے آخرتک میرے تمام حالات بیال کئے جوانس بات کی دلیل بھی کہ آپ کومیرے ترام احوال کی ہروقت خبتھی اور فرطایا میں ہے سات سرتبدرسول المتدسلي الله عليه ولم سے بوجها بيان كك كد مجھ وُومقام ويجھنے كى توفيق بوئى ميمسات مرتبيهوال كميا تومجه ومان كم رسائى بوئى - اورسات مرتبههوال كياتو مجهانس میں موجود نوگوں کو جھا بھنے کی توفیق ہونی، بھرسات مرتبہ سوال کیا ، مجھے وہ ا ل کی سوراز منائی دی اورمیں نے تیرے لیے اللہ سے سات بار مجرسات بار مجرسات ارتجم مجرسات بارسول كيابيان كك كنيريسا من وُديك ظاهر بوئى واوراس سے يمط بين فيتيرے يا الندتعالى سيسترمرتب سوال كماميها وبمك كدالله في مجصابني محبّت كاجام ملايا -اور منج

إِنَّى رضاكا جورًا بِسَايا - بينا ، جوفرائفن ره كَيْم بين ان كي قصاً كرو يُو الخ -

اورمیں نے دسس کا بی جم ما زیادہ کی ایک کناب دیکھی جوستیدی عارف یا للہ روز سیان کی

تقىنىيى بى اس كانام بى المكاشفات "جى بى اتهون نے الى اشفات اورارواج البياء

اوليا كيساتها ينامنا . فرستول كوديكفا اورالله تعالى كامشابده بغيركيف وحربان كياب.

يهرندكوره بالاتمام تفصيل قل كرنے كے بعد ميں نے عارف باللہ شيخ ابرابيم اوشيد.

خببفه سيدى احمد بن ا دليس رصنى التدعنهاكي ايك كتاب ديجهي ، جوان سوالات كے جوابات يحيجوان

سے پانس ۱۰ رمضان ۱۱ م جنگوعلا مرشیخ علی عبدالرزاق کی طرف سے بیسے کئے شھے ۔ علی عبدالرزا

يو چيتے ہيں ، نم نے جورسول الله صلى الله عليه وسلم كى بارگا ه ميں حاضري اور اس كى كيفيت وا فا دو

ذكركبا ب إس سي مرادكيا ب كياتها را سريروكار رسول الترسط التدعليدة م كوبياري

میں انکھ کی نظر سے یا نمیند کی حالت میں اورد ل کی بسیرت سے دیجھتا ہے بیا

علام على على الرزاق كاسوال

مثال ہوتی ہے ، اور کیا بر مصطفے صلے استر سید وسلم کی روح ہوتی ہے یاجہم پاک یا دونوں کا

مجموعه و سارے یا اس کی وضاحت کریں۔

ريرية كابها إلى وتني الله عنه نه فرطاية وسنوال مسكد،

من ابراسيم الرسيد جواب المول الشرسي الشرعيد م كاما منري ك

متعلق اس كے سحت چندمسائل ہيں بيلامسئله صنورعليالسلام كى عاضرى كى كيفيت كا ہے . ب بدانفاق خفاظ جائز ہے دشرعًا بھی، وعقل مجی جیساکدا کا برعلما کی ایک بڑی جاعت نے اس کی را سنائی فرمانی سے الس میں سے ایک عبارت وُد بے جوشنج سیدی علا مرا حد نفراوی نے ابن ا بی زید قیروانی رصنی الله عنها کے رسالہ پر تھی گئی اپنی شری کے ہخر میں تھی ہے۔ فرمایا رسول

الترصلے الترعليه و مم كا دبدارجائز ہے بيدارى اورخواب بي اس مين حفاظ كا آنفاق ہے .

اختلاف صرف يرب كرديكف والاخيفة أبيكى ذات ياك كوديكنا سع يامثال وخيقت

ک فہر دیتی ہے ؟ ایک جاعت پہلے قول کی طرف گئی ہے اور غزالی القرافی الرافعی اور جگر دوسرے کی طرف بہلے گرد و کی دلیل ہے ہے کہ چراغ ہدایت ، نوُر بدایت اور شمس المعارف سلے احتر علیہ و کم کا دیجھنا ایسے ہی ہے بیلے نور ، چراغ اور سور کی و و رسے نظر آتے ہیں۔ اور نظر آنے والی اسورج کی تحکیم بی بنی صفات وعوارض ہوتی ہے یونہی بدن مُبارک ہے۔ بیس آپ کی ذات اقد س قبلورے فیرانمیں ہوتی بیک اللہ تعالیٰ دیکھنے والے سامنے سے بیس آپ کی ذات اقد س قبلورے فیرانمیں ہوتی بیک اللہ تعالیٰ دیکھنے والے سامنے سے برد سے جاک کر دیتا ہے اور مانع ہٹا دیتا ہے میمان کے کہ سرد یکھنے والا آپ کو دیکر لیس خواہ وہ مشرق میں ہو خواہ مغرب میں بیا پرد سے اسے شفا ف کر دیثے جائیں کران کے بیکھے والی سبتی پیمت بدنہ رہے۔

افرانی نے اس بات پرجزم کیا ہے کھنور کو خواب میں دیجنا، دراصل معلوم کرنا دربالینا ہے، ہم اسے جائز سمجھتے ہیں بشرطیخ بیند کی افت دل میں حائل نہ ہوجائے ہو یہ دیکا اندر کی انکھ دیسیرت، سے ہونا ہے اس کی دلیل یہ ہے کہ یہ دیکا راندھے کو بحبی کم حاصل ہوجاتا ہے۔ اس کے بعدسیتری شیخ ابراہیم الرمشید کے حافظ میں وائے ہیں کے بعدسیتری شیخ ابراہیم الرمشید کے حافظ میں حافظ میں حافظ میں میرسے خیال ہیں ان کو بہاں دوبار فاضروری نہیں۔

فصل خواسب میں نہی علاہ سلام کی زیارہ ہے۔ بابیں عدم کی ندکورہ عبارات کے علاوہ

سیدی عبدالغنی البسی نے اپنی تعطیر الانام نی تعبیر المنام بیں صدیت پاک من رانی فی المنام فسیوانی فی البقظة فان الشیطان لایمثل بی کاشرح میں علام ابن مجری شرح شمائل کی ودعبارت تقل کر کے کے بعد ، جس کا بسلے ذکر ہوچکا ہے فوایا تمام

أبيا كرام عليهم السلام كايره مال م كيونكتيطان نه المندكي مثال بن سخة ب نه اس كي أيول کی ندانبیا ئے کرام اور نہ فرستول کی سوجی نے بھار سے بی کھترصلی اللہ علیہ وسلم کو دیکھا!س کی طبیعت بمیشر بلی مجیلی ہوجائے گی مغوم ہے توغم دُور قیدی ہے تو آزاد ہوجائے حبيب كسى بندجيَّه ديدار بهوكا يا جهال مهنكا في تنحى التديريشاني دور فرما شيركا . نرخ ارزال ہوں گے مطلوم ہوں گے تومدد ہو گی خوفنردہ ہوں گے توامن ملے گا اور آب کا دیدار مُبارک جیساکہ احا دیث میں آپ کی صفات حسنہ آتی ہیں جن کو بیان کرنے والا صحیح طور پر بیان نمیں کرسکتا۔ یہ دیکھنے وا سے کے لیے دنیا واخرت کی عافیت کی بشارت ہے جمہارا ذات كيمطابق اورتمهار مصشفا ف أئينه محمناسب خواب يسمهين سركار كى زيارت تعيب بو گی بین صنورعلیالسلام کوجس نے اپنی طرف متوجر دیکھا۔ یا تعلیم دیے بوئے، یانماز میں آفتداً كرت بوك ، ياراست ميں رہنائى كرتے يا يركرسركار نے اسے كوئى اچھى چيز كھلائى - ياكوئى اجيما لبالس بينايا - ياكونى وعده فرمايا ، يا اججى دُعا فرما تى - اب اگر و يجفته والاحكومت سحالانق ہے تو حکومت کرے گا ۔ اس کے دورمیں عدل وانصا ف ہوگا۔ قیصلے حق پر ہوں سے نیکی کا حكم دے اور برائي سے منع كرے كا- اگرعالم ب تولينے علم برعمل كرے كا عابد ہے توابل كرامت كيمتها مات برفائر بوكا بجنهار سي توتوبركركا اوراندتها في كاطرف رج ع كمي كا كافرے توبدایت یائے گا اوربسا او فات وہ اپنے مقصد ،علم ، قرأت یا ہے برا او فات كے با وجود باطن كى دنيا آبا دكر نے ميں كامياب ہوگا . فرمان بارى تعالى ہے۔ كَامِينُوا بِاللَّهِ وَسَاسُولِهِ ترجر البسواللُّه براور الس كريول باني اُتَّى بِرِايمان لا وُكَ النَّبِيِّ الدُّرْتِيِّ -اگردیکے والاکسی کمران سے ڈرٹا ہے توکوئی ایساسفارشی مل جائے گاجس کی شفاعت مقبول -كيونك أسحنوصلى الترعليه وسلم صاحب شفاعت مين الكرد يحض والاكراه كن بدعت برعمل يرا ہے تو دل میں انٹرسے ڈرے فصوصًا حب سرکار کو اپنی طرف مندمور سے دیکھے کہوئی تھے

والدكونونش كن بشارت ملتى سا ورصور علياسلام كا ديدار ولائل ك أطهار واتكى سجال اوروعده پورا ہونے کی دلیل ہوتی ہے اور بسا او فات و د اینے گھراور خانمال والوں سے بڑھ کروہ مقام حاصل کرلیتا ، جھے کوئی دوسرایا نے سے قاصر ہوتا ہے اور کیمی اس کوان كى طرف سے دسمنى ، حسد اور بغض ملنا سے اوركہى و د اپنول سے جدا بوكر بيوطن ہوجا آيا ہے. اور کمجی اسے والدین کی طرف سے تیمی کا احسانس ہو نے لگا ہے۔ اور کبھی صفوعلیہ سلام کا ویدار اظهار کراهات کی دلیل بنتا ہے کیؤی مہرن نے آب کوسل م کیا-اونٹ نے آپ سمے بیر ویدے ایک کواسمان کی سیر کروائی گئی و دیجری کے بھنے ہُوئے) بازو نے آپ سے کلام كيا . درخت آپ كي طرف د ولوكرا ئے اور اگر د يجفے والا ان مرمه فروشوں ميں سے ہے . جوابكهول كاعلاج كرتي مين تووه اينه كام مين اس متام برميني كا،جها ل كوئى دوسراس كو نهين مينج سيح كاليونك نبى علياسلام حضرت قتاده رضى التدعنه كي المحط دوباره تحفيك كردى تھی۔ اگر دیکھنے والاسفریس ہے جہاں لوگ بیاس سے بنا بین تو یہ کرم اور بارتش ہونے کی دلیل ہے کیونکہ پائی نہ ہونے کی صورت میں سرکار دوعالم صلی الترعلیہ وسلم کی الكيول سے يانى سے چتے محمو في من يونمهى اگر لوگ شي اور فحط كانسكار ميں تو والك ديار، سیر ہونے اختصالی اور مرکت پر ولالت کڑا ہے جہاں سے لوگ سوچ مجی نہیں سکتے ۔اگر عوت ایکو دخواب میں ، دیکھے تو بڑے مرتب اور شہرت کے مینیے کی جبک پاکباز اور اپنے بیے امانت وحفاظت یا نے والی ہوگی۔ بسااد فات سوکنوں کے ذر بھے اسکامتحان بیاجائے گا.ا سے نیک اولاد ملے گی۔ اگر مالدار ہے تواللہ کی راہ میں خریج کرے گی اور صنور علیاسلام کا دیدار اس بات کی دلیل ہوگی کہ وہ شنانے پرصیر کرنے والی ہوگی، اگریتیم فيصنوعليالسلام كى زيارت كى توبر منام كم بيني كالين حال ب غريب كا . اكريج والاجسمول كامعالى سے تو ہوگوں كواس كے طبت سے فائدہ ہوگا - اوربسا اوقات نبى علىيدسلام كا ديدامسلانون كى مدد اوركا فرول كى بلاكت كاسبب بنا ہے خصوا

جب آب محتمراه آب مصحابر كرام مى بول واكرمقروض أب كى زيارت سيمشرف بوا، تواس كا قرص ا دابو كابيار ديكه تواسه الشرشفا دسه كاراكر ج نذكر نه والدنه ہ بیا کو دیکھا تو جے بیت اللہ کرے گا۔ اگرجا دکرنے والے نے دیکھا توانٹرانس کی مفرائے كا- اكرامتمان والي في ويحال وكاميان وكى اكرسركارعدالسلام كوخشك زبين يرويها. و ه سرمبز ہوگی ۔بشرلیکہ آب اپنی اصل صورت پر ہول ،اگر دیکھنے والے نے نامنا سب بگ ، كمزور اور نافص ديجها نوبر دليل بوگى كراس جدًدين كمزور بهاور بدعات غانت به ي توجه بيراس وقت بوگى جب آپ كويم فيرائے لباس بيس ديجهے ، اگرخواب بيس ديجه كرنبي عليالسادم به ي توجه بيراس وقت بوگى جب آپ كويم فيرائے لباس بيس ديجهے ، اگرخواب بيس ديجه كرنبي عليالسادم كاليمي كرخون في رما ہے، حالانكماس كے دل ميں آب كي كيت ہے ايساشخص جها دمين تهديري اوراگرعلانبہخون بینانظر آیا ہے اس کے نفاق کی دلیل ہے اوروہ آب کے اہل بیت سے خواد، میں تشریک ہوگا واور اس نے آیہ سے اہلِ بیت سے قبل میں مدد کی ہے۔ اگر آپ کوسواری بر دیکھاتو وہ آپ کی قبر کی زیارت کرے گا اور اگرائپ کوبیدل دیکھاتو آپ کی زیارت كوبيدل جائے گا. اگراب كو كھرے ديكھا تواس كا اپناكام صحح ہو كا اور اس سے زمانے كے حكموان كاكام مسجع بوكا - اكراب كووفات باتے ديجا تواب كي نسل باك ميں سے كوئى شریف آدمی فوت ہو گا-اگراپ کاجنازہ دیکھا توانس علاقدمیں کوئی بڑی معیبت آئے گ اگراب مے جنازہ کے ہمارہ جلامیاں تک کر قبر میں ایپ کورکھا توبر عست کی طرف ا ل بوگا - اگرخوا سبس آب کی قبرانور کی زیارت کی توبڑا مال بلینے گا - اگریہ دیجھا کہ میں بی عدایسلام کا بیٹا بڑول مالانکہ آپ کی نسل میں سے نہیں تو یہ دیجٹنا اس سے خلوص کیا آن ہوں ئى دىمائى ايك شخش كا خواب مين سركار عليالسلام كو ديكفنا صروت اسى يلے يا بركت نهيس بلئة تمام مسلمانول مے یہ باعث بركت ہے- اور اگرنى عليالسلام كوخواب ميں ديكھاكمائي نے اسے پھے سامان دینا یا کھانے پینے کی چیزعطافرائی تووہ مال ہے جوم کارکی عطا سے برابر کیا گا۔ و کچر کارنے اسے عطافہ مایا ہے اگر وہ معمولی چیز ہے مثلاً تربوز وغیر تو شخص کی بری معید سے اگر وہ معمول چیز ہے محات باے گا، ہاں اس سے اسے بچھ تعلیمت و وشواری بیش آئے گی اگریہ و کھا کہ صغور علیالسلام

سے اعضاً میں سے کوئی عضوخواب دیکھنے والے سے پانس محفوظ ہے نویدامورشسرع میں کسی بعت كارواج يانا ب جبت فس نے ديماكدودنبي عليالسلام كيسكل ميں منشكل موكبا ہے. يائس نے آپ کاکوئی کیڑائین رکھا ہے یا آپ نے اسے اپنی انگو مٹی یا تموار عطافرائی ہے۔ اگر حکومت کا خواہش مند ہے تو ملے گی اور زبین اس سے قبینہ میں آئے گی اگر وہت و اساندگی میں ہے توالنداس کوعزت بختے گا۔ اگرطالہ علم ہے توایی مداد یائے گامحیاج ہے توانی و كاشا دى شد ونهيس تونكاح بوگا اگر هنوعليالسلام كوكسى ويران حبير ديميا تو و دحبگ پ كى بركت سے آیا دہو كی اگر کسی مكان كے اندر بلطے ہوئے دیکیا تواس مكان ميرنشان وعبر ظاہر بھوں گئے۔ اگراتی کوکسی جندا ذان ویتے ہونے دیکھانو و بال کی پیدا وار ا آبادی اور مردول بس نے آپ کوئٹر مدلکا نے دیکھا ، تو وہ تخص آب کے دین کی دیستی اور آپ کی حدیث کے ماصل کرنے کا حکم دے گا ، اگر ما ملوعورت یاس کے خاوند نے سرکا رکوخوا ب میں دیجیا توحل لڑکا ہوگا جس نے آپ کومہنت سین دیکھا، تویہ دیجنے والے کے دین کاحن ہے۔ جس نے آب کی سیاہ و الیعنی دیجنی برسفیدی بالی نیمی، وہ مبت خوشی اور بڑی خوشجانی دیکھے کا جس نے آب کو بینے تا عمروالوں کے حال میں دیکھا تو یہ اس کے حال کی توت اور دمنو براس کی فتح کی دلیل ہے جس نے آپ کوایک بڑی ہتی کی صورت بیں دیکھا، توانس كى فافت وحكومت وجرسطى ب الميرعظمت آئے گى . اگر آب كى كرد ن مضبوط مال ي ويجي توسوچ كدا مام مسلمانول كامانت كامحافظ بويا ب- اكرا كل سيندكت ده وسين دیجاتو اونی و اینے فوجیوں کی عطابیں شخاوت کرے گائر یہ کاشکم مبارک خانی دیکھا تواس كامطلب قومى خزانه نالى بوكيا ہے اس ميں كوئى النمين اگرا ب سے دائيں إتحد كى انگليا بالبم بوست ديمين تومعني بوكاكه امام وحاكم باراتشن وغير نهين وسعد ما اورخواب ويحض والدنه ج كرك اجها واورندا في امل وعيال برخرت كرك كراينا بالا المريند دیجها تواهام وحمران اینے فوجیوں کا رزق بندکرے گا۔ یو ن جهاد کے امول اور صفحت اور خواب و بحضنه والاز كوة نسي وينا ورسال كومنع كرنا ب الرحضة عديلسلام كم اتف

گفی حالت میں دیکھے توا مام رزق دے گا اورخواب دیکھنے والا جے وجہا دکرے گا-اوراگر
دیکھنے والے نے آپ کی بندم تھی دیکھی، تو سربرا دِ مملکت کے معاملات اُ لچے جا کمیں گے اوراس
کو فتر وامن گیر ہوگی بہی حال دیکھنے والے کا ہوگا جس نے سرکا رعلیاسلام کی خولیے ورت
بڑی اور زیا دہ بالوں والی ران مُبارک دیکھی، تواس کے خاندان کو کٹرت تعدا دا ورمال سے
قوت حاصل ہوگی جس نے آپ کی بنڈلی مُبارک دیکھی، تواس کے سربراہ کی مُرطویل ہوگی،
جس نے حضور علیاسلام کو مُسلّح حالت میں میدان جبک میں دیکھا ،اس حال میں کہ لوگ نُوشی سے
جس نے حضور علیاسلام کو مُسلّح حالت میں میدان جبک میں دیکھا ،اس حال میں کہ لوگ نُوشی سے
جس نے حضور علیاسلام کو مُسلّح حالت میں میدان جبک میں دیکھا ،اس حال میں کہ لوگ نُوشی سے
جس نے حضور علیاسلام کو مُسلّح حالت میں میدان جبک میں مارگا ہے کو چو می اس کے میں اوران میں کہ دیکھا کہ کو میان دران کو فران باری تعالیٰ ہے : د

جس نے صنوعلیالسلام کومسرا ور داڑھی میں تنگی کرتے دیکھا تو یہ دیکھنے والے کے رکیجوالم کے ختم ہونے کی دلیل ہے ۔ اگر کسی نے آب کومسجذ ہوی، یاحرم مدینہ یاحرم مکر باآب کے مشہور کان میں دیکھا تو وہ عزّت و قوت پائے گاجس نے آب کو صحابہ کرام میں موافات ربحائی چارہ) کرنے دیکھا ، وہ علم ودانش پائے گاجس نے آب کی قبر آبارک دیمی ، وہ غنی ہوگا ، مال پائے گا۔ اگر آجر ہے تواپنی تبحارت میں نفع پائے گا۔ تیدی ہے تورہ کی پائے گا جس نے نواب میں نبی علیالسلام کو اپنے آب کا ادب ہے دیکھا تواس کے دین میں فساداور بھین میں دیکھا ، اس کے ایمان میں قوت آگے گا ، جس نے اپنے آپ کو نبی علیالسلام کے دیکھا تو وہ تبی علیالسلام کے بیکھی میں دیکھا ، اس کے ایمان میں قوت آگے گی ، جس نے اپنے آپ کو نبی علیالسلام کے جیکھی بھی دیکھا تو وہ تبی شنت ہے جس نے نبی علیالسلام کو اپنے کسی معاملہ میں غور کرتے دیکھا تو ہیں ہوگا تو یہ تھا تو وہ تبی شنت ہے جس نے نبی علیالسلام کو نبی علیالسلام کے ساتھ کھا اگا تھی ہو یہ کو تبیا کو اپنے کا کو بی علیالسلام کے ساتھ کھا تا گا

سأل كو كيفين بنا بين إب است صدقے كا حكم في رجين اكر منور عليالسلام كو نفطيا ول ويحا، تويتحض باجاعت نما زنهين برهنا بين آب اسے باجاعت نماز بر صفے كا حكم دے رہے ہیں جس نے آپ کوموزے بہنے دیکھا ، توسر کا راس شخص کو فی سبیل اللہ جہا د کا حکم نے سبے ہیں جس نے نبی علیالسلام سے مصافحہ کرتے دیجا تویہ آب کی سنست کا بیروکا رہے۔ حس نے اپنا خون نبی علیالسلام کے خون سے خلط ملط دیکھا تو وہ کسی تشریف ا دمی سے رشته داری کرے گایا علماً سے نکاح کرے گا -اگر دیکھا کہ نبی علیالسلام اسے کوئی سنری عطا فرار بيب تويتخص عم سنجات إئے كا اگركونى ب نديد وجيز عطا فراكى مثلاً مجور، شهد، تو پیشخص حافظ قرآن بنے گا اور آنا علم حاصل کرے گاجتنی و ہجیزآب نے اسے دی تھی جب نے بی علیالسلام کوخطبہ دیتے دیجیا، تویشخص کی کاحم دے گا در بُرا کی سے منو کرے گاجس نے خواب دیجا کرنی علبالسلام نے اسے کوئی چیزدی ہے، وہ علم حاصل كركاورى كى بيروى كركى اكراس تي كاعطيه وايس كرديا توبدعت بيل كرفتار بوكاء جس نے نبی علیانسلام کو درا زقد نوجوان کی صنورت میں دیکھا نوانس کی وجہ سے توگول میں فلندو قىل بوگا - اگرىسركا ركوبرها بىلەكى مالىت مىل دېجھا تولوگ جىروعا فىتت بىل بول كى - اگراپ كوكندم كوں ملك ميں ديكا تو يشخص بے دين جيور كرول بي توب كرنے كى اتي كرے كا -اكر ا ب كوسفيد زنگ ميں ديجا توية شخض الله محصنور توبه كر مے نيك عمل كرے كا ورسيدهي أه يط ا جس نے دیکھاکہ و دسکار سے اراض ہے جھڑم کررہ سے یا آب کی آواز براین آواز بند كررما ہے۔ توبر و و برعات بيں جواس نے دين بيں بيداكى بين ، ارتواب بين ديكاك نبى علىيالسلام السي بوسد دے رہے ہيں، تو دېجھے اور غور كرے كد و وحشو علىيالسلام ف كون سى مديث روايت كزما ہے جس نے ديجا كرنبى عليالسلام كسى متعام بدو فات يا گئے مِين توانس حِيِّ سُنت ختم بوگي " عارف ناملسي كاكل منحتم بوا -

اورس نے کتا ب استدالنفیس المحموع من کلام سیدی اعدی ادر اس میں برعبارت دیکھی ہے۔ آپ رمنی الترعن مصوال کیا گیا کہ جشخص بی علیالسلام کوخواب میں الس صورت كے خلاف و يحے ، جو دكتب حديث ميں بان ہونی ہے ، اس كا خواب حق ب يانهين ؟ توأب نے جواب دياكماس كاخواب سي اے كرجس نے صفوعليالسلام كو ديكھا اس نے یے مے آب ہی کو دبچھا اگرچہ انسل سورت ممبارکہ کے خلافت ویکھے اس کی دلیل یہ ہے کہ جبریل عليانسلام سركا ررسالت مآب عليانسلام كى خدمت بين دحيركلبى رصنى التُدعنه كيشكل مين ت تهے. دراصل آب كو ديكھنے والول كا حال مختلف ہؤنا ہے : ثم آيمينے ميں اپني صورت ويكھنے بو اگرخوبصُورت مين توخوبصُورت ديجه بين برصورت بين تو برصورت و يحت مين يون جو تفض نبی علیالسلام کو دیجت ب-وه اینے اس طرز عل کے مطابق ہی دیکھے گاجو اساق اس تعالے سے بے مسلمان تواپنے بھائی کا أيند بي مين جب آب اس كوكسى چيز كا حكم ان يكسى جيز مصمنع فرمائي . تو اگرسركا رائس صورت مين نظرائين جوبيان كي گنى ب توخواب میں آب نے جو بھی حکم دیا و ہ اسی طرح ہے بھیے بیداری میں بنتک و وشخص اس کی بیروی کرے گا. يونهي اگراب نے كسى بات سيمنع فرايا توانس سے رك جائے . بشرطيك احكام شرع كيموا فق مو، ورنه قابل عمل مين كيو كخواب ديكف واليكوات يا ومهين رستى يجيساك علماً نے فرمایا ہے ، اور اگرسر کاراس صورت میں نظرنہ آئیں جو گتب میں نذکور ہے نوعمل نیں كياجائ كالمكاب مذكور مين وكفت مرحُوم ايك اورمقام يرفوات بير، مجعة قابل وتوق شخس نے بتایا جس کی سیائی میں مجھے کچھسکٹ بیس کر انسوں نے نبی علیاتسلام کو خواسب میں دیکھااور طلال ب ياحرام - آب في حقرت عائشة صديقة رصني الله عهٰ كى طرف ديچھ كر فرما يا جو آپ سے پائس موج وتھيں ، اگريدا سے پی ليں توميں ان سے قريب نه جاؤں ۔ یہ بات اسے نے تین بار دُسرائی بنواب دیکھنے والاکتا ہے ، میرسے ول مینجال بيدا بُواكديس يُوجِول ، كرسركاراً ب في تربيت مي الصحرام فرايا به والرفوايا ب

توصديث مين كس مقام بر ۽ بين مين مروست يو بيفائجول كيا آب رضي الله عندُ فرا ت مين يھ يعج اكراس وأتم المومنين عائشه صدلعة حنى التدعنا بي ليتين توحضو عليالسلام ال كي قريب نہ جاتے۔ تو اس کے بینے پر اسس سے بڑی آفت کو ن سی ٹوٹے سکتی ہے کہ رُسول اللہ نسلی الذعليدوسلم ابني بيوى اومسلمانول كے مال كے قربيب نه أبيل الس سے برده كراس كے حرام ہونے کا کیا اتبارہ ہوسکتا ہے ؟ اورجس نے رسول الد صلے اللہ علیہ وسلم کو دیجھا اس فے حقیقتہ آہے ہی کو دیکھا اور جس نے خواب میں آب کی زیارت کی تو یہ ابسا ہی ب بیسے بیداری میں کی سلام ہو بدایت سے بیروکا ریر۔ فرمایاکہ اس کی قیمت کامھی میں حکے ہے۔ ایسے موقع برنبی علیالسلام نے فرمایا بیو دیوں پر خکرا کی تعنت ہے سک الذنے ان پرچربی حرام کی . توانہوں نے اسے پی کرانس کی قیمت کھا ناشروع کر دی۔ ورحبب الشدن كسى قوم بركسي جير كاكفانا حرام كرديا تواس كي قيمت بجي حرام فرما في " انس كوا مام احمدا ورابو واؤ ونعضرت ابن عبائس رننى التدعنها سے روابیت كمیا-الخ يشخ الاسلام زكريا في تشرح رساله يشخ الأسلام زكريا كاارث د فشيريه مين فرايا بني عليالسلام كے سے کوئی فلافٹ شرع بات نہ سنے فيحى ديداركى علامت يهب كد ديكف والاآ ینی ابرین فن صدیت سے نردیک اس کی تیجے تعبیر ہو سکے۔ الخ الم الوسعيدواعظ نيشا بوري كا ارت والمستا بوري بمنت و المستا بوري كا ارت و المستطع المنت و المستطع المنت المنت المستطع المنت المستطع المنت المستطع المنت المستطع المنت المنت المستطع المنت المنت المستطع المنت المن التعبيريين اينى سند كے ساتھ ابو مرميرہ رصنى الله عنه سے روايت كى ہے كرميں نے رسول التربيط الترعليدوسلم كوفرات سناجس في مجع خواب بي ديكها كوبالس في بيداري یس دیجها رشیطان میرمی مثل نهیس بن سکتان ابوسلم کیتے بیں ابوقیا وہ رصنی التّدعنُہ نے

Marfat.com

بی علیاسلام کا یدارشا دنقل فرای کرجس نے بھے دیکھا اس نے حق کو دیکھا اورابنی سند

كے ساتھ حضرت انس بن مالک رصنی اللہ عند سے سركا ركايدار ثما دنقل كيا كرجس نے مجھے د بجد ليا . ہرگز حبنم ميں نہ جائے گا .

ا دراین سند کے ساتھ سعید بن قبس عن رہیر، رُسول الله صلی الله علیه ولم نے فرایا-جس نے مجھے تواب بیں دیکھا وہ ہر گزجتم ہیں نہ جائے گا۔اسا ذابوسعد رضی اللہ عند فرایا. الله الله في مُحمد صلے الله عليه ولم كوتمام جبانوں كے يا حمت بناكر بيجا و سووہ تعفل برا سعا دت مند ہے جس نے آب کو حیات ظاہری میں دیکھا اور آب کی بیروی کی اور وہ بھی بڑاسعا دستمند ہے۔جس نے خواب میں آپ کی زیارت کی اگر قرص دار کو زیارت ہوئی التدالس كا قرض ادا كرے كا مريين كو بوئى توالله اس كوشقاً بخشے كا اكر مجابد نے ديكھا توالله اس كى مدد فرمائے كا. اگر ج سے وسے كئے نے ديكھا تو ج نصيب ہوكا. اكر قحط نده زمیں میں دیکھا توانشرخوستحالی لائے گا اگرائس زمین میں دیکھاجہا ں ظلم کا وور و ورہ تھا ال كى حجد عدل والفها ف لائع كا- اكر دراء في حجد برويجها توالله وما ل امن وامان قائم فرا كا " كچھ ندكور ہ تعبيرس عار من البسى سيمنقول ہيں بيمرفرا يا ميں نے الواحسن على بن محدّ بغدادی حصیتهورعلی بن ابوطالب رصنی الدّعن و کوفر، پیرشنا- فرا یا ابن ابی طبیب الفقيرسنه كها ميں دلسن سال بهره رما ، بس ميں مدينة منوره حاضر بحوا يمنبراور في رانور كے درمبان سوگیا خواب میں نبی کریم صلی الدعلیہ ولم کی زیارت ہوئی - مس نے عرض کیا ، با رسول الله إلى الداري المعرف المعادية الوسيلة ما نظر السينة المنظمة المنظرة لازم ہوگی " نبی علیالسلام نے فرمایا عَافَات اللّٰهُ اللّٰہ كيمعاف فرمائے ميں نے ليے نہیں کہا میں نے کہاتھا "جوکو ٹی اللہ کے صنورمیرے لیے وسیلہ مانتے واس کے بلامیر شفاعت لازم ہوگی " کہتے ہیں نبی علیالسلام کے فرمان عافات اللہ کی برکت سے روض رسول كامهان فرايا علقمين الجلاف بالأكاكر مين مدينه مؤره ماض

ہوا۔ میں مجو کا تھا . قبرر تول صلی استرعلیہ ولم برجا ضربو الدین نے صفورعلیالسلام اور آب سے د و نول ساتھيوں د صديق و عُمر ، رضي الله عنها ، كي خدمت ميں سان م عرض كيا . بيم عرض كيا . بيا روق الله بين مجوكا بول اوراكب كامهان بول يجرذ را بهث كرقبرانور كيسا من سوكيا. میں نے دیکھاکہ بی عدالیسلام میری طرفت تشریعیت لار ہے ہیں میں تعظیماً کھٹر ہوگیا۔ آپ نے مجدرونی عطافرانی بین نے روٹی کا کچھ حتہ کھایا ہی تھا کہ انجھ کھل گئی دیجھتا کیا ہوں کروٹی كا با قى مقتدمىرے ماتھ ميں ہے . فرما يا ، قارى ابوالوفار مروى كا بيان ہے كرا الم ميں علام فرغانه میں میں نے نبی علایا سلام کوخواب میں دیکھا. میں با دشاہ سے دربار میں ما دشت قرآن كياكرًا تها ،جب كه وه لوگ بجائے قرآن سُننے كے اپنى با توں ميں شغول رہتے، بيں غمزوه كقربوط أيا ورسوكيا بنواب مين ببي علياسلام كوديكها بيهرؤ اقدنس كارتك يتغير تنها أب علیسل مے مجھے فرمایا ، الذکاکل م قرآن کریم اور ان موگوں کے ساسفے پڑھتے ہوجو اِتوں سی مصروفت میں اور تمہاری فرأت منتے بی تہیں اس سے بعدنہ پڑھنا ، ہال جننا اللہ جا ہے اس برس بدار ہوگیا ، اور جا مین کے سی نے زبان بند کھی جب مجھ ضرورت برقی توبرچ ل برد کھا۔ بس میرسے پانس محدثین دفقہاً جمع ہو ئے۔ ان سب نے آخر کا ۔ پہنوی دیا . كرمين كل م كرسكتا بول بحد إلاً متاشاً الله استثناء ب واب جاراه كے بعد مين سى جگاسوگیا جهاں پیلے سویا کرنا تھا تومیں نے نبی علیٰ لسلام کوخواب میں دیکھا اکسے کا چیزمہار چمک رہاتھا مجھ سے فرمایا تم نے توبر کرلی ؟ میں نے عرض کی جی باں ! یا رسول اللہ ! فسرمایا جوتوب كرك المداس بمتوجرة وجأ الماين زبان إبركالو، بحراب نے انگشت شدا و ن سے میں زبان کو چُوا اور فرا اجب ہوگوں میں موجود ہوا ورامند کی گناب مرصو تو وقفے وقف سے فران میما مرز اکروہ فور سے اللہ کا کار موسی یہ بر بسیدا والا توا مے نفیل واحسان سے بیری زبان گھل کی تھی. فرا اِحکایت ہے سایا جی ما یا جوگیا. بك رات نبي عليالسلام كو وخواب بن ، ديجا كو إ فراء بي اگراين باري سے

غربول کی مذکرو اسفاچا ہے ہوتو لاکو کہ برعمل کروجب بیار ہوا، توصر عرب بیار ہوا، توصر عرب بیار ہوا، توصر عرب بیار ہوا، توصر عرب کی مذکر کرو اسفیان توری رضی اختر عند کی خدمت میں دس بزار در ہم کیجے اور کھا انہیں غربوں میں تقسیم کر دہیجے ، اور خواب کی تعبیران سے پوچی ، انحموں نے فرایا لاکا کہ لا سے برجی کی ہماس فرایا لاکا کہ لا کے این کتاب و قرآن مجید) میں اس کی تعربیت میں فرایا ہے : ر

رَيْتُوْنَةً لِوَشَرُقِيَّةً وَلَا غَرْبِيَةً إِلَا غَرْبِيَةً إِلَا غَرْبِيَةً إِلَا غَرْبِيَةً إِ اورتیرے مال کا فائدہ یہ ہے کہ تیری وجہ سے غریبوں کی حالت محدوے کی کماکاس تنفس فے زیتون کا بطور و و ااستعال کیا . تواللہ تعاسلے تے حکم رسول صلی اللہ علیہ وسلم ئى تعيل اور خواب كى تعظيم كى بركت سے اسے شفاعطا فرما دى ، كهاكه بميں به بات بحی بأنجى ب كراكك شخص في خواب بين سركار رسالت كاب صلے الله عليه ولم كى خدمت ترس بیں اپنی منگرستی کی شکایت کی آب نے قربا یا علی بن عیسی سے ایس جا وُ، اور اس ے کو کہ تمہاری ما است سرحا ر نے میں مدد کرے ، اس شخص نے عرصٰ کیا ، یا یہول اللہ! مس علامت سے ؟ فرما یا اس سے اسانشانی برہے کر تو نے مجھ وادی بطی میں دیکھا ہے، تواس والنه ابك بلند شيع يرتها اليهر تواً تركوميرك بالس آيا تومين في مجع اين حجد واليس جائے كاحكم ديا - ياعلى بن عيسى يلے وزير تصح جومعزول ہوئے تيمران كو وزارت مالكى -جب و ہتخص ہدام وا علی بن عیسی کے پانس مینجا جواس وقت و زیر تھا جب انس نے اس كاما سے اینا قصربیان كیا تواكس نے كها تو نے سے كها اس نے اسے چار مزار دینار و بن اور که ان سے قربس اوا یکھے۔ بھراور جار مزار دینار دے کر کها برتمهارا جیب خرج ہے جب خرین کولو ، محمر میرے پانس مانا ۔ کہاکہ مرادک نامی ایک بھری سبز ما وین سا كرًا تھا ، اسكاكمنا ہے كرميں نے ابوز كے ايك امير كے ماتھ باتھى دانت فردخت كيا. میں اس کی قیمت وعول کرنے کے یہے اس کے یاس اٹا جاتا رہا۔ اس نے ابو برصد بنی اور

رضى الله عنها كوگانى دى ہے فرايا أسے مير سے پائس لاؤ ميں مركارى خدمت بين السير ولا الله فرايا السے مير سے پائس لاؤ اسے لئا ديا ، فرايا اس كو ذہبے كر و ميرى نگاه بين الس كو ذہبے كر واليا الله والله والله

ایک برلتیان حال ابن میرین کی خدمت میں ابن میرین کے بیس کیا یہ ایک برلتیان شخص آیا۔ بس کے یہ پر شہدت نسیں نگائی جاسحتی اس نے کہا میں نے دات خواب میں دیک ہے کہ میں رسوت وقت تم صطاعة علیہ وسلم کے چرو اقد س براؤں رکھ دیا ہے۔ آب نے فرایا رات سوت وقت تم نے موزے میں اس نے کہاجی ہاں! فرایا ان کو آدر ایس نے آثار دیے۔ وقت تم دیکا کرایا ان کو آدر ایس نے آثار دیے۔ وقت تم دیکا کہ ایک کا اللہ کا فشت ہے۔ اؤسد واعظ رحمد الله کا کلام ختم مجوا۔

فصل

مستعيد محق الدين بن لعربي رحم الله كارتم المعتزات

اس تصل میں ، بیرستیدی شیخ الحجرمی الدین ابن العربی رمنی المدعند کے رسالہ مبتدل كا ذكركرو ل كا بنى عليالسلام كى زيارات كيسلسلمين بدا كيدمفيد تحرير ب يشيخ رصى الد عنهُ ف قرط يا - بسم الدُّالرحن الرحيم . الله كن م سي شروع جورهم فرما ف والامهر بالتيج. العسمة ويله رب العلمين ،سب تعربين الأمروردكارعالميان ك يهي . وَالْعَاقِبَةُ يَامُتَعِينَ - اوراجِي أخرت بربيز كارول كے ليے بعة وَمَلَى اللهُ عَلَيْ مَعْدًر وَ آليه الطآ هسسيربن الترتعالي رحمت فازل فرائع محمد صلى الأعليه ولم الراكي ياكيره أل بر- حدوصلوة كے بعد! باتك الله تعالى في افتى وليول ا ورعام مسلمانول کے بیلے ایصے خواب دیکھنے کو اپنی وجی قرار دیا ، اورا سے اجزا کے نبوت بی سے ایک جز قرار دیا جبیها که ترمذی نے اپنی مسندیں ابوہ رمیرہ رصنی الڈعندسے روایت نقل کی ، کہ رسول الترصيف الله عليه ولم نے فرما يا يونبوت ورسالت ختم ہو ي ہے - بس ميرس بعدند كو في رسول ہے ذہبى كماكم اس سے لوگ كچه كھيرا كئے منى علىالسلام في فرايا ، ميكن مبشرات باتی ہیں صحابر كرام نے پوچا، يا رسول الله إبشرات كيابي وفرايامسلمان كا خواب، جو کوئی شخص دیکھتا ہے۔ یا اسے د کھایا جاتا ہے ، اوریہ نبوت کے اجما کی سے ایک جزب ی ابوعیسی وترمذی انے فرما یا۔ یہ حدیث حق میں ہے اور امام مسلم نے میں بات ا بنی مسند میری میں صنوت عائشتہ رصنی اللہ عند سے روایت کی ہے . فرا تی ہیں ، رسول اللہ صعه النّد عليه وسلم كوابتدائ وحى بين الجھے نواب نظراً تے تھے . بين بى عليالسلام ج بعى

چىجى خواىب دىكىتے وەظرر مىمى كى طرح سىخى كىلتى - التندتعاكے نے يوسعف علىالسلام كى تحبر فيہتے ہوئے فرا يا : ر

إِنِيْ سَاكِينَ اَحَدَ عَشَركُوكُكُ اللهُ ترجم: يَ تَسكمين نَهُ كياره ستارون، وَالنَّهُ سَدَ وَالْعَدَ اللهُ الم اللهُ اللهُ

بعرجب آب کے بھائی اور مال باب آب کے سامنے سجدے میں گرے ، آب علیالسلام نے فرایا " یہ ہے میرے میلے خواب کی تعبیر جے میرے دہ نے بیچ کیا ،

اورجب اس كربارے خوف محكوس كرو ، تواسے دريا بيں ڈال دينا ؛ بورا قبقہ كماكيا ہے -كرير و بى تھا جو مُوسى عليالسلام نے ديجا تھا ، آب رعنی الشوعند فراتے ہيں ۔ بيں نے بارادہ كيا ہے كراس جزئيں وہ سب كھ ذكر كر دُول ، جو بيں نے خواب ميں ديجھا ہے جب سے دورشرل كوفائدہ ہمو، خير كے اسباب بيدا مُول - اور ج كھوميرى ذات سے خفق ہے اوسے ذكر كرنے كوفائدہ مو ، خير كے اسباب بيدا مُول - اور ج كھوميرى ذات سے خفق ہے اوسے ذكر كرنے

فواب كي تنين ا جان يجيد كرخواب كي تين تسين مين.

اقرائے: وہ خواب جوالڈ کی طرف سے ہے۔ پیشندات کہلاتے ہیں ۔ یعنی خشخبریاں ۔ دوھے: نفس کے خواب ۔ یہ وُ دخیالات ہوتے ہیں جن کو بہیداری ہیں انسان اپنے دل

بي سونيا رہتا ہے۔

سوھ انتیسانی خواب یعنی ڈراؤ نے خواب جن کے ڈریعے شیطان تمہیں پریشاں کڑا ہے۔
پس جو کو نی پریشان کن خواب دیکھے وہ اس خواب کے تشر سے المند کی بناہ مانتھ اور بائیں
طوت تین بارتھوک دے اس سے وہ اس کی تنر سے محفوظ رہے گا۔ اور اسے کسی مے
اسکے بیال نہ کرے ۔ اسی ظرح نبی تعلیا اسلام کی مدیدوا میت ہیں جہنے ہے۔

او نبی علیال دم کی روایت بھی ہم کمینی ہے کہ آید نے فرمایا "خواب برندے کے یا قرابا اللہ خواب برندے کے یا قرابی سے تو و د فورا ہی گرما کے یا قرابیں سے کہ اس بھی رہما ہے کہ اور فائنل ملک کو د بھی اللہ تعالیٰ فرشتوں، بمیوں اور فائنل علما کو د بھی) دوطرح ہے ۔ جا ان یہے کہ خواب میں اللہ تعالیٰ فرشتوں، بمیوں اور فائنل علما کو د بھی) دوطرح کا برتا ہے۔ اچھی بکا مل اور نفنل و کمال کی صورت میں دیجنا اور ایج تجھی اور ناتھ صورت

ر بسنمكل مبارك كوان دوحالول مين ويحفظ كے دوسبب ميں .

مر الدیا ذیا الله مسل الدی کی مجلس میں ایکی صورت میں دیمنا باطل. بُرائی اور اللہ کی تاہید میں کا اللہ اللہ اللہ اللہ میں اللہ می

عليه كي نهدي ما ورائس تعتقات زن وشو برستورقائم ركھ-

ايسابى واقعرابك اوريك أدمى كساتحيت أيابس نفواب بين ويحاكر حستهر

یں رہا ہے وہاں نبی علیاسلام کی و فات ہوگئ ہے اوراس شہر کے فف اُ نے نبی علیاسلام کو دفن کردیا ہے۔ وہ خص سیدار ہوا تو ہوچھ گجھ کے بعد معلوم زواکہ جے کے متعلق سی سندھی ہے ہوری ہوری ہے ، اورایک فریق واضح احادیث ما مینے ہے نے کے اوجود ماننے ہے ایم ہی ہی ہیں واحدیث ما مینے ہے نے کے اوجود ماننے ہے ایم ہی ہیں ہوری ہی اورا بنی یا ئے ہے فیصلہ کررہے ہیں اورا بنی یا ئے نے فیصلہ کررہے ہیں کتے ہیں مذہب مستعین ہو چی میں اور بحبی ہی فوالے اورٹ کے ذریعے ان کور دکرا جائے ہیں اور تو ہو ای احادیث کے ذریعے ان کور دکرا جائے ہیں اور تو ہو تو ہو گئے احدیث کے ذریعے ان کور دکرا جائے ہیں ہیں اور تو ہو تو ہو تو ہو گئے اورٹ کے دریعے ان کور دکرا جائے ہیں ہیں اور تو ہو تو ہو گئے اورٹ کے دریعے ان کور دکرا جائے ہیں ہیں دیکھا جن کو اشتبیاری جا می سید کے ایک ہیں ہیں دیکھا جن کو اشتبیاری جا می سید کے ایک ہیں ہیں دیکھا جن کو اشتبیاری جا می سید کے ایک ہیں ہو ہو ای سے نبر دستی بوقیا تو معلوم ہوا کہ وہ جنگ معنو ہو ہو ایک سید بردستی بوقیا تو معلوم ہوا کہ وہ جنگ معنو ہو ہو ایک سید ہو ایک ہوری کے دو ال کا قلوکوں کے دو ال کا تعلق ہو جن کے خوابوں کا ذکر کروں جن سے کو ڈو کئی ہے ۔ بیس میں جا ہتا ہوں کہ دکر مورف ان خوابوں کا ذکر کروں جن سے کو ڈو کئی ہے۔ بیس میں جا ہتا ہوں کہ دسری وجو ا

جوه رمین مول ملی المرعم المرام میمل بار بونے کی توغیب بیتی ہیں۔ جوه رمین مول میں المرعمی المرعم المرام میمل بار بونے کی توغیب بیتی ہیں

میں نے خواب میں ہی کرم صلی اللہ علیہ وسم اور فرخشوں کو دیکھا یہ اس زیا ہے کی اِن ہے جہ جب ابراہیم بن جام آنبیلی نے صدیثیوں کو سرتب کرنے اور ان برعمل کرنے کا انہام کیا جما الن سے باس وہ فقداً مجبی کھرے تھے جنوں نے نبی علیالسلام کو دفن کیا تھا جیسا کہ ہم اور دکر کرا ہے ہیں۔
پاس وہ فقداً مجبی کھرے تھے جنوں نے نبی علیالسلام کو دفن کیا تھا جیسا کہ ہم اور دکر کرا ہے ہیں۔
تو میں نے دبی کر رکول اللہ دسی علیہ وسلم امراہیم بن جمام کو مچرم رہے ہیں اور مجت بان کو ہے

بيعة سے كار ہے ہيں اورائي محتت كا اظهار فرار ہے ہيں۔

الینی بی ایک اور بشارت ہے ، بیں نے بی کریم عیدالسلام کوخواب بیں دیکھا کہ امام محدّث البحق سے معانقہ فرمار ہے ہیں ۔ پیرعلم محدّث البحق سے معانقہ فرمار ہے ہیں ۔ پیرعلم صدیث یوں البحر بی البحر بی معانقہ فرمار ہے ہیں ۔ پیرعلم صدیث بیں امام ، عالم اور اسس برعامل شخصے ، روشنی نے ذات اقدس رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم اور ذات ابن حزم کو ڈھانپ رکھا تھا ، اور اسس طرح گھل مل کے جیسے دونہیں ایک وسلم اور ذات ابن حزم کو ڈھانپ رکھا تھا ، اور اسس طرح گھل مل کے جیسے دونہیں ایک بی جیسے دونہیں ایک بی جب بیں برکت مدیث کلہے ۔

ایسی بی ایک ادر بشارت ہے صول علم ہے بہتے میرے تمام دوستوں نے مجھے کشت رائے دقیات ایر بیٹ ایسے کا بیٹ ایسے کا ترغیب دی ہجے کہ بیٹ نہ تھا۔ نہ علم مدیث کا نہ قیات کی بیٹ خواب میں دیکھا ایک یا میں ایک کھی فضا میں بول اور کوشنے لوگ میرے قتل کے در یے دہیں مجھے بھا کہ کا کہ کے ایسے کو کی بیٹ ایک کی بیٹ کا انتہا میں ان کی طرف بیکا ایک سے ایک فیط پر رسول المند صلی انڈ علیہ وکل کو کھڑے دیکھا۔ بیٹ ای کا منہیں مل رہی ۔ بیٹ نے میں ان کی طرف بیکا ایک سے ایک بیٹ جائے میں نے ان وشمنول میں میں متعام ایک بیٹ جائے میں نے ان وشمنول میں میں متعام ایک بیٹ جائے میں نے ان وشمنول کو دیکھا تو رہو سے زمین پر بچھا ان میں سے کوئی نظر نرایا ۔ اسی وقت سے میں فدمت حدیث میں مشتول ہوگی ۔

المي مفهوم كي ايك اوريثارت

بیں نے امام الہ ہوت الک بن انس امیری کوخواب میں دیکھا ہسنید کیڑے ہیں طبولس۔
اللہ واتھ کیٹرازمین پر تھیلے مجا رہے ہیں باب الفتح نامی دروازے پر کھڑے ہیں۔ بیں نے ان
سے کہا ، ماکک ایکی پڑھوں او قوائے مظے کمتب رائے پڑھنا چاہتے ہو ہ مجھے ایک شخص نظرا اسے کہا ، ماکک ایک میں صروف رہا کرتا تھا۔ دیکھا کہ وہ شخص امام مالک سے مذہور کو ایم کی کو دیکھنے میں معبروفت ہے میں نے کہا اے امام مالک مجھے وڈدنگا ہے کہ کمتب دائے مجھے

اس طرف نہ ہے جائیں،جس طرف اس دمی کو لے گئی ہیں۔ اس برامام مالک رصنی النوع فیمسکوا برا اور فرمانے نظیرے کہتے ہو۔ بین ! حدیث پاک کی نشرواته اعت اور اسی برعمل کرتے رہو۔ علم حديث كاير يمي تشرف ب كرعالم ابوالعباكس حدين احمد بن ابوا وُدبن على بن ابت علم حديث كي فعيلت الشهرين بنيخ، صالح، عارف عبدالعزرين ا بی بخرق شی مددی سے مکان پر مجھے بتا یا کہ مجھے دابوالعبانس ، کواما م کبیرابوعنیف رصنی النّدعة و سے بڑی عقیدت تھی کیونکدان کی را ئے اجھی اور ذہن پارسانھا. لنذا میں دوسرے اٹمد کی بجاشے ان کی طرون ماک تھا۔ ہیں میں نے رسُول اللّہ صلی اللّہ علیہ وہم کوخوا سبیں دیجھا بمگر اب نے مجھ سے کلام نز فرمایا - مجھ وجربو چنے کی ہمت نہ ہوئی۔ آپ کے پھے پیھے ابو برکر صدیق رصی الندعند شفع، میں نے عرض کیا اے ابو بحر! آب کے نز دیک انگر کے مراتب كس طرح ميں ؟ انہوں نے فرما یا ، ہما رسے ساتھ ملے ہوئے احمد بن عنبل ہیں۔ یحیرتسافعی ہیھر مالک. بیمرابومنیفر- ابوالعبالس کیتے ہیں مجے حیرت ہوئی ۔ اورمعلوم ہواکہ نبحات حدیث کی

صدیق رضی افترعذ سمع ، میں اے عرض کیا اے ابو بھر ا اب المدے مراہب
کس طرح میں جانہوں نے فرایا ، ہا رے ساتھ ملے ہوئے احمد بن صنبل ہیں یہ بھر شافعی ہجر ماکک بیروی میں جانہ ہوا کہ بہارے ساتھ ملے ہوئے اور معلوم ہوا کہ نبات صدیت کی ماکک بیروی میں ہے جیرت ہوئی ۔ اور معلوم ہوا کہ نبات صدیت کی بیروی میں ہے ۔ میں نے بیات قاضی عبدالوہا ب از دمی اسکندرائی کو وقع میں محد معظم میں بی تو انہوں نے کہا ہی صبحے ہے اور میں تمہیں ایک حکایت بتا ہوں جو ابوالعبالس میں بنائی تو انہوں نے کہا ہی صبحے ہے اور میں تمہیں ایک حکایت بتا ہوں جو ابوالعبالس کے خواب کی اگریت میں نے کہا بنائی ہے اس وقت ہم کرن میا نی کے سامنے باب حزورہ کے پاس تھے انہوں نے کہا کہ ہمارے ہاں ایک نیک اوری تھا جس کی ذات بیں جھا تو دیکھنے ورید کے ہاں سے کہا ، اے فلاں! جو فرشتے تیرے پالس اے تو زمین کیستی تھی ؟ کہا یا نی معرف جا اس سے کہا ، اے فلاں! جو فرشتے تیرے پالس اے تو زمین کیستی تھی ؟ کہا یا نی معرف جا اس سے کہا ، اے فلاں! جو فرشتے تیرے پالس اے تو زمین کیستی تھی ؟ کہا یا نی معرف جا اس سے کہا ، اے فلاں! جو فرشتے تیرے پالس اے تو زمین کیستی تھی ؟ کہا یا نی معرف جا اسے اور کی کھی تا ہے اور کھی اوری کھی ؟ وہ بولا میں نے کھی تا ہے اور کھی خواب کی اوری کھی ؟ وہ بولا میں نے کھی تا ہی میں نے اسے کہا ، تو نے کہا وہ وہ لا ہیں نے کھی تا ہی ہو کہا ہو کہا ہی نہیں ڈوات ، ویکھنا ؟ وہ بولا میں نے کھی تا ہیں۔

Marfat.com

ببندى پرديمي اور كھ زمين كى بيتى ميں جب ميں نے اس كى وج پوچى تو مجھ بايا كيا۔

کر بندی پر کمشب حدیث بیں اور لیننی میں کشب رائے۔ اور برحالت الس وقت تک رہے گی حبت تک دونوں طبغوں سے بازپر سنہیں ہوجاتی .

یں نے کو شریعت بین موقود میرکو خواب میں حضرت ابو بحر صدیق خواب میں حضرت ابو بحر صدیق

مسجرحرام كيمعرفت كي بشارت

رصنی المذعنہ کو دیجھا تو آب نے سول کیا کہ مجد حوام کی حدکماں سے کمان کک ہے جس میں ایک نماز لاکھ کے برا بر ہوتی ہے ؟ کیا وہ تمام حرم نشراییت ہے یا مشہور مجد حرام ؟ آب نے فرما یا نہ میں یہ کہنا ہوں کہ وہ تمام حرم نشر لیف ہے اور تہ یہ کہ صرف مبحد شراییت ہے بدی بی فرمایا نہ میں یہ کہنا ہوں کہ وہ تمام حرم نشر لیف ہے وہاں نمازیر حمی جاتی ہے وہی سجد حرام بی کا جز ہے اور اسس میں ایک نماز ایک لاکھ کے برا بر ہے بہمارے نزدیک بیسئلہ یونسی ہے۔ کا جز ہے اور اسس میں ایک نماز ایک لاکھ کے برا بر ہے بہمارے نزدیک بیسئلہ یونسی ہے۔ کا جزیب دار ہوگیا ۔

فيلجى كاحكم كرنے كى بشارت

بلاک کرنے کے لیے اُٹھ کھڑے ہوئے سوالٹ نے ان کے مقابد ہیں میری مدد کی اورا پنے فضل وکرم سے مجھے بچا لیا۔ نبی علیالسلام نے فرا یا الکیڈیٹ النی پیک آئی وی فیرخواہی خضل وکرم سے مجھے بچا لیا۔ نبی علیالسلام نے فرا یا الکیڈیٹ النی پیک آئی وی فیرخواہی ہے۔ النیر، رسول مسلمان حکم انول اور سلمان عوام کے یا یہ اس حدیث کو اوم مسلم نے این سیمے میں ذکر کیا ہے ۔

ايمان كى ترغيب ينصوالاخواب

مجے کہ الدین ابوع رفقان بن ابوع روانہ مرئ شافعی نے جوحفرت برار بن عازب رمنی المسترعبة کی اولا و سے تصفی سیسجد اقعلی مس بتایا - فرایا بیں نے رسول الشوسلی الله علیه وسلم وخواب بیں بید فرما تے سنایہ ہر نبی کی آل وجاعت ہوتی ہے اور میری آل وجاعت مومن ہے بار بار اس بات کو دہراتے رہے انہوں نے مجھے یہ می بنایا کہ بیں نے نبی علیہ السلام کو خواب میں یہ فرما تے سنا ، انبیا ئے کرم اپنی امتول کو بیٹ کم دیتے رہے کا مسال کی عبادت نہ کریں اور میں نے اپنی امت کو حکم دیا ہے کہ اقدان کی عبادت نہ کریں ۔

حفظ قرآن كى ترغيب والاخواسب

یں نے خواب دیکھا ،گویا قیامت قائم ہے ۔ لوگ جمع ہیں میں ملین سے لاو میں قرآن کی ہوا زشنی میں نے کہا یہ وقت ہیں ہر قرآن پڑھنے والے کون لوگ ہیں۔

انہیں ذرہ خو ہ نہیں ۔ مجھے تبا اگیا کہ بیر قرآن کے حامل ہیں ۔ ہیں نے کہا، میں مجمی ان میں سے ہول ، میرے یہے ایک سیڑھی شکا اُن گئی جس کے ذریعے بس علیتین کے مجمی ان میں سے ہول ، میرے یہے ایک سیڑھی شکا اُن گئی جس کے ذریعے بس علیتین کے ایک محل میں مینے گیا وہاں تھو ٹے بڑے سب انٹد کے رسول امراہیم خلیل علیالسلام سے قرآن مجید بڑھے لگا۔ بالکل قرآن مجید بڑھے لگا۔ بالکل قرآن مجید بڑھنے لگا۔ بالکل قرآن مجید بڑھنے لگا۔ بالکل محتر مے جس مرسے وغم

میں بہتلا تھے بھے اس کا بہتہ تک نہ تھا نبی علیالسلام نے فرہ اِقرآن کے عامل ہی خاص اللہ والے بیں . فرہا نِ اِسی تعالیٰ ہے ۔ وہ محلات میں امن سے ہوں گے .

قيام ليل كى ترغيب كاخواب

میں نے خواب میں دیکھا گویا عصر میں ہول اور نبی علیاسام محساتھ ایک گھرمیں ہوں میرے اور آب کے درمیان تخت قرب وطلب ہے گویا میں آب، اور آب میں مجھاب كالجوابينا نظرارا بص حبب بي عليالسلام مح يالس كوفي تنفس زيارت كرفيا أأب الس چھوٹے صاجزا دے کوبا ہزنکا لئے تاکہ لوگ اس سے برکت حاصل کریں اور اسے پیجائیں۔ اس چھوٹے صاحبزا دے کی الند کے ہال بڑی قدر دمنزلیت تھی اسی آنا میں کہ ہم بینے ہوئے تھے کسی تے درواز ہ کھٹکھٹا یا۔ بی کریم صلی التدعلیہ وجم الس چوٹے صاحیزا دے سے ہماہ باہر تشرلیف لائے بچرمیری طرف بیٹ کرفرایا ، الترتعالیٰ نے مجے مدیندمنورہ چلفا ورائس كه دومشرقى صول مين نماز برصف كاحكم ديا ب- مين بي عليلسلام سے جدانهيں ہوتا ہے۔ ا ورمیری نظری مرابراً ب پرنگی ہوئی تھیں ۔ گویا میں مکار کی ذاست بن گیا۔ نہ میں ایک عین تعا نه نویس اس آنا میں کہ اپ کومومہ کے درمیان شعے کہ آب نے آسان سے خیر عظیم دیڑی بھلائی ، اترتی دیکئی ۔ فرایا جبریل بربڑی بھلائی کہا کہ انس جیسی میں تے کہمی شہرو پھی امنوں نے کہا یہ بڑی مجلائی عربس اعلی سے تبحد گزاروں پر اترتی ہے و بھرجریل نے مجھ سے مخاطب ہو کرفر مایا ، تواس قابل کها ل کرائ میں شامل ہو سکے۔ بھرجریل تے تہجد گزارو کی تعربیت شروع کر دی جوادندگی رضا جو ٹی سے یہے پڑھتے ہیں۔ میں نے ایسی تعربیت مجعی نهين سُنى والمذكى قسم بى عليدلسلام السب بين اعلىٰ وافصل شعے ويس مجر كيا كرجبريل كا درج بالا تول ميرسدار سے ميں تمايين تواس قابل كه ان كران ميں شامل ہوسكے-اور مين سيسار بوگيا -

بشارت نيكول كى دعائيها صل كرنے كى ترغيب

میں شبیطیہ شہر میں شیخ بہتی بیک اوعمان موسی بن عمان ارتی سے پاکس حاضر ہوئے۔
میں نے ان کو ایک خوشی کی بات بنائی انہوں نے بھے مبارکبا ددی ،ا در فرا یا الشرنے تمہیں جنت کی بہتارت دی ہے ٹھیک اس طرح بھیے مجھے دی جیند ہی دن گزرے تھے کہ میں نے لیف ایک فوت شدکہ ساتھی کو نوا ب میں دیکھا بیں نے ایس کا حال دریا فت کیا تو اس نے ایک طویل بسلا کو میں اپنی تجلا کی ذکر کی بھیر مجھے کہا کہ الشرنے مجھے پر نوشخری بھی دی ہے کہ تو فوت میں میں اپنی تو نواب کی بات ہے اپنی بات پر کوئی دلیل لاؤ ۔ کھے لکا ٹھیک میراساتھی ہوگا میں نے کہا یہ تو خواب کی بات ہے اپنی بات پر کوئی دلیل لاؤ ۔ کھے لکا ٹھیک ہیں میری بیار ہوا ، تو اس وقت با دشا ہ شجھے قید کرنے کے لیے اپنے بالس ٹبلا سے گا ۔ پس اپنی نوکر کر میں صبح بیدار ہوا ، تو اس وقت تک کوئی ابیاس بسب نہ تھا کہ میرا بلا وا ہوا ہج بہتاز سے میں میں جب یہ اوگیا ۔ بیٹ درہ دان تک میں موج بیدار ہوا ، تو اس وقت تک کوئی ابیاس بسب نہ تھا کہ میرا بلا وا ہوا ۔ جب نہا وا گیا ۔ یہ سب نہیکیوں کی دُعا سے ہے ۔

<u>بشارت</u>

میں نے خواب میں دیجھا گویا اللہ تعالیٰ مجھے گلام ا ہے اور فرا آ ہے ، کے میرے بندے اگر تو می افتری ، معترزا ورانعام یافتہ ہونا چا ہتا ہے توکٹرت سے بڑھا کر کرتِ اکدینی آفظ کہ اکٹیلے ۔ ترجہ: پروردگار مجھ اپنا دیدار مطافرا! کرمیں تجھے دیکھوں ۔

يربات مجے باربا رفيرہائی۔ عاصم معنع مستقبی است مجے باربار کا مستقبی کے معمل مستقبی کا مستقبی کا مستقبی کا مستقبی میں نے خواب میں رسول انڈرصلی انڈرعلیہ کام کو دیجھا ،عرض کیا ، یاربول انڈرالڈ

کے فرمان :

وَالْسُطُلُقَاتُ يَسْرَبُطِنَ بِالْغَسِيقِينَ ترجم: طلاق واليال لِينَ آيد كونين قراء شَلَاتُ فَي مُعْدُوعِ - من محمد و كركيس؛

یں قراسے کیا مُراد ہے ، جیض باطهر ؟ کیونکدیر لفظ و ومتعنا دُمعنوں میں انعمال ہوتا ہے ، اور علی نے اس میں اختلاف کیا ہے اور انتر نے جو کھا ہے کی طرف آیا را ، ایس کی مُراد آ ہے بہتر جانے بہتر وہی علیا نے اس میں اختلاف کیا ہے اور انتر نے جو کھا ہے کی طرف آیا را ، ایس کی مُراد جیمن جانے بہتر تو نبی علیا لسلام نے فرا با یہ جب اس کا جمع شدہ مواد ختم ہوجا سے تو بھراں ہر بانی اندھیلو ، اور النتر کے دیئے رزق سے کھا وُلا میں سے با کہ نے مرف بات اُوا کی جب اس کا حق شدہ مواد ختم ہوجا نے تو بھراس پر بانی اندھیلو، اور النتر کے دیئے رزق سے کھا وُلا بھیلے فرا یا تھا ، میں بھر بوچھا اور آ ہے بھروہی جواب دیتے جون مرتب ایسا ہی جواا ورمکر دیلے مرا یا تھا ، میں بھر بوچھا اور آ ہے بھروہی جواب دیتے جون مرتب ایسا ہی جواا ورمکر دیلے مرا کے اور مرکز دیلے کے اور اور مرکز دیلے کے اور مرکز دیلے کے اور مرکز دیلے کے اور اور مرکز دیلے کی مرا دیمیون ہے ۔

بشارت

بیں نے خواب وبیداری کے درمیان نبی صلی اندعلیہ وسلم کو دیجھا آپ کے ہاتھ بیں دھوپ تا پہنے کا آلہ تھا آ ہنے یہ فرہا کر پیمینک دیا کہ پر ملعوں بدعت سے دجی نما زاسی طرح پڑھو چیسے تمہارے بیلے متربعت میں مقرر کی گئی ہے۔

بشارت

الس بشارت سے یہ معلوم ہوگا کہ جو تخف مین طلاقیں زبان سے وے ، وہ ایک ہوسی المیں انہیں ؟ میں نے محدم مرمین نی علیالسلام کو تواب میں باب اجیاد ا ورباب جزورہ کے بیں انہیں ؟ میں نے محدم مرمین نی علیالسلام کو تواب میں باب اجیاد ا ورباب جزورہ کے درمیان دیکھا جمترین مالک صدفی تمسانی آب کے سامنے میری باری پڑے رہے ہیں ۔ میں نے

نی دسلی الله ملیه وسلم سے پوچاکہ کوئی شخص اپنی بوی سے کھے سمجھے تین طلاقیں اور طلاق دینا تہیں یا بتا ۔ یا دی مبین کیا یہ اس سے کھنے کے مطابق تین ہول گی با ایک ہنی علیالسلام نے فرابا يه بيسياس نے كماتين ہيں ميں نے عرصٰ كيا بعن علماً اسے ايك قرار ديتے ہيں ؟ فرايانه ئ وه كهاجوان يك مينيا، اورانهول في ابنى دانست بين عيك كها-بين فيع عن كيا إيسول الله ين اسمسلامين الله كے نزديك أب كافيح فيصام علوم كرنا جائنا موں ميں براس كے كينے كے مطابق تمن طلاقیں میں، و وعورت استیفس کے بلے کسی اوشیفس سے نکاح کمے. قربت کمے يعرطلاق اورعدت كربغيرطلال نهبس بكويا اسمعبس بارباراكيدكى باست زد كرنے والا اببس تنعا اورگویا بین نبی علیالسلام کی طرفت دیکھ رہا ہوں اور گویا آا رکا داند سرکار کے رخساروں پرسچوط اکبا نعا- آب بہت نارا ص بو ئے اور آب سے فرما ن کوز دکرنے والے سے مخاطبی كرزور دارلبح بين فرما بالينتم ممكابول كوحلال كزاجا بشتر وي يرحمد كئي بارفربا بالمجيساس ني کہ بہتین ہیں مبسا اس نے کہا یہ تبن ہیں بچھر پڑھنے والے نے کتاب صحیح سناری پڑھی جب مجلس کی کاروائی ممل ہوکئی توحضورعلیالسلام نے اپنے دونوں ہاتھ اٹھا مے اور رکن یمانی کی طروت رُرْح كر كے بير و عامانتي ميد اللي إجميل الجبي بات سُنا - اور سميں اجھي بات كي طلاع و سے-الله سمبی عافیت عطافر ما ئے اور اسے ہارے کے دائمی کرد سے وا دراللہ تعالیٰ ہا سے دلوں کو پر بیزگاری پرجمع کر د سے اور مہیں اس بات کی توفیق سختے جوا سے محبوب ولیسند کے ادرمبراخيال بے كدا ب فسوره بقره كا خرى أيتين تلاون فرائين-

بشارت

میں نے رسول اللہ معلی اللہ علیہ کو خواب میں بیر فرمائے ہوئے کئے اس بے تسکتم قبرل میں فتند دجال کی طرح یا فریب آزمائے جائو سے بیھ قبلہ رُخ موکر آپ نے اپنی آستینبی مرفعائیں بازو مُنا رک عُرای ہوئے ،مصلے بچھا کر دورکعت نماز بڑھی ، میں بھی آپ کی دائیں طرف کھڑا

بوكيا اور دوسرى ركعت يالى -

بنتارت طواف کے بعد دورکعت

یں نے سے کہ کو اسے ہیں، نی صلی المنظمید و کم کو خواب میں دیکھا، فرماتے ہیں۔
اے اس گھرے مالئو! پاساکنو! اس کا طواف کرنے والے سے کہوجب بھی طواف کریں
بعد میں دور کعت نماز ادا کر لیا کریں کہ افٹرتعالیٰ اس کی اس نماز سے ایک فرشتہ قائم کرنا ہو جو بیا کہ اس نہ کہ انسانہ کا کہ انسانہ کا بھی ہوگئا ہے۔ داملتہ اک بور) یا س کی تبدیح دسٹ ہے ایک اللہ الک بور) یا س کی تبدیح دسٹ ہے ایک اللہ الک بور) مار سے کا مراز رہے کا مراز رہے کا دو میں کون سالفظا ہے نے بتایا تھا ک

بشارت

يبخواب الس درخت كى وضاحت كرمًا ہے جس كا ذكر قرآن كريم كى سورہ نور ميں

اس طرح أيا نهد المسترقي ندمغربي المسترقي ندمغربي المسترقي ندمغربي المسترقي ندمغربي الم

سے منتا جاہا ہُوں ۔ تواہب مذکورہ بات فراتے اور میں بیدار ہوگیا یہ ہیں پجومشا مبات ، جو بیں فرد دیا ہے جو اس وقت میں غرب بیل مذکرہ بیان کر دیئے ہیں اور سب تعرفیف التّربروردگار جمان کے بیا اور درو دوسلام اس کی مخلوق میں سے برگزیدہ ترین بیتی ، ہار سے آ فاتح تیر اور ایپ کی ال واصحاب بر، الیبا سلام جوروز جزاتک نازل بورا رہے ۔ شیخ اکبرکا رسالہ ختم ہو . میں نے سیدی ابوالموا ہم بیٹ فرا کی ایک کتاب دیجی ہے جو سب کی سب ان کی بی علیا لسلام سے ہونے والی ملاقاتوں سے متعلق ہے اور میں نے ایک رسالہ دیکھا ہے جس میں ان بیاسی مشابہ ایک میں میں اور بیا ہی ایک رسالہ دیکھا ہے جس میں ان بیاسی مشابہ ایت بویر کا ذکر ہے جو سید کی مقاول مغربی بی با باسس رصنی اللہ دیکھا سے جس میں ان بیاسی مشابہ ایت بویر کا ذکر ہے جو سید کی مقاول مغربی بی با باسس رصنی اللہ دیکھا سے جس میں می الدین اور باتی اولیا عارفین کو ماصل ہوئے ۔

فصاح بيمتنا مراست نبوله وتواجعه ولعن كنا كج عاصل مجود

اس فقیر حقیر توست نبهانی، مؤلف کتاب بندا کوجندمشا بدات، اس نبی کریم کی خدمت کے طغیل صاصل ہوئے کے ان بر فاصل تر در و دوسلام بوا و رائٹر کے فضل واحسان سے مزید کا خوسسکا موں -

يهر لامتابره

میں جیب لا ڈقیریس وزیرانسا ف تھا ، بیٹنٹلدھ کا واقعہ ہے بیں نے ان الفاظ سے درُود تَسریجِت پڑھا ۔

نرجم النی روحول بن سے بارے آفامح تصفال مربوع کی روی برا وجبول بی سے آب کے جسم برا ور قبرون میں سے آب کی قبر مرد دودوس م بیج اور آب کی آل داصحاب برا

دوساخواب

میں نے ماہ جادی الاولی سلام کوخواب دیجاگریا میں جبات عامری میں رسول الشرصلی المذعلیہ کوسلم کی زیارت سے مشترف ہورہا بکوں میں اس جبر دانل ہوا جالاً ہیں تشریف فرما تھے۔ میں اس جگر کومیجاننا نہیں مشاید مدینہ منورہ ہے میں نے دیجا کہ نبی علیاسلام سکوئے ہوئے ہیں اور آب کا چہرہ اقدس نسکا ہے میں نے قریب ہی بیٹھ کر آ ہیکا

طرف ديخفا شروع كرديا-اوراب كيرسار بون كانتظار كرنے لگا جمرے يجھے دوياتين ا دمی اور بھی اسی نبیت سے بیٹے ہوئے شعصے تعوری دیر بعد نبی علیالسلام انتھاکر ایک کرسی نما ملٹ رجگہ پر جا کر بیٹھ گئے۔ جو اس مکان کے درمیان تھی۔ دیگر ہوگوں سے پہلے میں حاصر خد اقديس ہوا۔ ميں نے آبيك دايا ل ماتحد مُبارك بيكوا اورظا ہرى وباطني طرف اسے إرباربوسے ویتے پھریں مکار کے مقدلس با وُں کی طرف کے گیا اور کئی باران کے بھی بوسے یہے۔ بھارتے مجدت فرما با ، تم جنت میں جا و کے -اور اس بات کو آب نے کسی چیز سے مشروط فرما یا ہیں میں اللہ تعالی سے اپنے لیے اور اپنے دُعاکوؤں کے لیے راحت وعافیت مانگا ہُول بھر نبى علىالسلام نه مجھے ايك شخص كى وجرسے عمّاب فرايا جس نے مجھ سے كچھ رقم مانگی تھى۔ یں بیں نے نبی صلی النّہ علیہ ولم سے معذرت کی کہ الس وقت میرے پایس ا سے دینے کے یے کھنہیں تھا۔ مجھ سے فرمایا۔ النرکے دوسنوں نے اس بات لینی استخص کو کھے نہ دینے كونابيندكيا ہے - ميں تے عرض كيا، مكار إكب تونبيول، وليوں بلكة تمام كائنات كے مثرار مبی اورسی جا بت بول کروه تمام حنرات آب کےصد تے مجد سے راحنی بوجائیں توآب صلی التدعليه ومم في فرايا إلى يرتجى بوسكما به كرة دمى راحنى نه بوا ورجير راحنى بوجائه اوربيل نيند سے بيار بوكيا اورسي اس قدرخوش وخوم تماكدكيفيت بيان سے باہر ب اوريد نیندسحری کے وقت بیداری کے قریب بھی اور میں نے نبی علبالسلام کو خالص سفیدنگ میں دیکھا جى يى سُرخى ندتھى د ۽) اور بعض روابات كے مطابق آب ايسے بى تھے سوظا ہريہ ہے كر مكار نرم و ازك جسم كى وجد مسيمي توفا لص سغيدر كك بين ظاهر وت تصاور كبي عوارضات كى بنايراس بي مرجى نظراً تى تنمى مشلاكبهي راحت وسكول بيد كبهي تفكاوف كبهي كبهي تمني كمني كري جبياكد بكت سے دوگوں میں براحوال نظرا تے ہیں -اور باتی اوصا منجومیں نے دیکھیں، وہ وہی ہیںجوباب شَاكُ مِينَ آبِ كِيمُ كَابِكُوام سے مروى بين - والعدد لله رب العالمين سب تعربيث اللّه پرور دکارعالمیان کے بلے۔

ميسامتايره

دوسراستابدے سے تقریباً انہے ا و بعدس فے دیک اور شاہد و بچا دیجی نماز فجر سے ذرابیطے تھا پھط مشاہرے کی طرح خالص سفیدرنگ ، اور اس مشاہدے میں میں نے نبی علىيالسلام كيسا منے دوقلميں ديھيں ايكسيج وشمل اور دوسري پھوٹی ہوئی ۔ حبرگاکٹر صته بهکارتهاا ورصرف بالمح قراط سے برابر صبح یسیدهی بھی جمعی بیموی تھی میرے دل میں خیال آیاکرید نوا بو آقلم اید سے کس کام کا و لنذایں حاصل کردن اکد سرتے وقت اپنی ترمين اسے رکھنے كى وميت كرجاؤں اورميرى نجات كاسا مان ہوجائے مركز ترم كارے میں کھل کرمانگ زسکا۔ بیں نے تمہید گفتی نشروع کردی اکرمناسب جواقع ہراسے حاصل کوسکو تومیں نے عرص کیا ، صنور اکیا یہ آب کی حیاتِ ظاہری بیں آب کا تلم تھا۔ جوانس زمانہ سے بيا چلاآر إ ب ميرك دل مين ير كمظ تهي كديه زمانه وهمين واگرچ أت اي جي ننده بيد مرده نهيس سركار نے فروا بال إاس متمهارامنفدكيا وميں نے عرص كيا صنور إميرا ہوں کہ آب اپنا قلم مجے عطا فرما دیں ماکد قبرس میرے ہمارہ دفن کیاجا ئے۔ آب نے الس انداز مص مجه فرما بالويا قلم مجه عنايت فرما دبا ب حرتم توشع سعيد مين د فن كف جا وُسكَه ؟ بمرمين خواب سيبدار بوخميا - والحدالله رسالعالمين - خواب بيس بى ميرس ول ميس بيدات ا فى كدا يك قبرتان ب جي في سعيد كا قبرتان كفتي سي من في تفقد ا ين ايك يع دوست سے بیان کیا تواس نے مجمد سے کہاشیخ سیدتم خود ہوا ور نبی علیالسلام کی طرف سے یہ اشارہ ج تهارے اس شعری طرون جونعلین تشریعیت کی مدحیہ نظر کے ہم خریس ہے -سَعِدَ ابْنُ مَسْعُودٍ بِحِنْ لَمَتَ لَعُلِهِ وَإِنَّا السَّعِيدُ يَخِدُ مَنِي يِبِشَالِهَا حزت عبدالندبن سود توحنور محج تقمبارك كى فدمست كر كے معادث

ہو گئے، اور بیں اس رنعل مبارک) کے نقتے کی فدمت کر کے سعا دت مندہو؟ میں اس تعبیر سے بہت نواش ہوا ، اسٹراس کوسے کردے -

بحوتهامشامره

ميں كيد دنيوى أمور كى خاطر كي غير متنقى اور غيرصالح بڑے لوگوں تھے پاکس آيا جا ياكثرا تنعا الس بنا ير مجه كجه بريشاني ريني تحى- اورميس ورئاتها كديد باست المشربعالي اوررُسول الله مسلى تدعليه وسلم كوبيندنهين ببن ول مين اس كے جائز ہونے كى اپنے طور بريد وليل بجرانا -كرحبب نبی عدیالسلام طالقت سے واپس آئے۔ تومنحشر مبل مطعم بن عدی سے پاس مھرتے تعديدوا تعسيده فديجر منى الدعنها ورجناب ابوطالب كى وفات كے بعديش آياتها. ا کے خاندان والول نے آب سے امناسب سلوک کیا اور آپ غزوہ واپس ہوئے - اب اب کے بیدم دمعظر میں سر مشخص کی بناہ وجایت کے بغیرداخل ہونام مکن ندتھا سوائب کے مطعم بن عدحی کی طرف پیغام بھیجا، جنہوں نے حامی بھرلی۔ اور آبیصلی انٹرعلیہ وسلم ان کی ومد داری پرمکمعظمیں واخل ہوئے اورطوا ف کعبد کے بعدان کے گھرتشرلفیہ لے گئے ا سفريس أب كے فلام زيدين حارثنه رضى الله عند مجي آب كے بمراه تھے بيں نے جب اس وافعربرغوركبا توبات أسان بوكئ يسويه العميس مجعه اس خواب كالجيمت ابره حاصل مُوا-توسي نے است فنيمت جانا، اورسوگيا ديخة اكيا بول كويا ين محمظم سے نواح ميں ايك بلند جگرير بهون اور تبي معلى الترعليد و مل يك بلند حبك سے مايدا وه شهر مين ذاخل بور سے بين -اسكا آكے آب اور آب سے بچھے ایک اور تخص جلااً رہا ہے۔ آپ سے اور مبرے ورمبان تقریباً ووسوقدم كافاصله ب مين يمي ساتب كواوراب كيجي بلف والتضف كوديكه را ہوں اورطوا مذکعبہ کے کیے سیمدحرام کی طرف جا رہے ہیں۔ مجھنے علیالسان م کی اس جراکت برتعب بور فاتحاكدا مل محراب كتدريد ترين مخالف مين اوراب ديده دليرى سے جارہے

بچریس بیار ہوگیا ، اور پریات یا دائی کر بر ما است نبی عندانڈ علیہ دسلم کے زید کے بہارہ مختہ میں دا نظے کی سبے اورطا لگت سے آب اسی حال میں منے کی طرف ہوئے تنعے ۔ اس سے مجھے بڑا اعتماد واعتبار حاصل ہوا - والحد سد ملله ربت العالمین ۔

يأبحوال متامره

میری بوی صفیہ بنت محکربگ البحان البروتیہ ہیے عود توں میں سے ہے۔ آج کے میں فياس سع جوط نبيل سنا واس في مح كذشته رمضان مسايم مين مجه بما ياكدوه بروز بره ٣٧ رمضان، مكل طها رست كى حالت بيس موكئ سحرى سے ذرابيطے الس نے مجھے اس حالت میں دیکھاجھاں ہم سوباکرتے تھے۔ایک السی مجلس میں جوبھارے ما منعقد ہواکرتی تھی بھا۔ بإلس دوعمده جديدترين جراع تع ين مين زيون كاتيل استعال بواتعا-ان مين سايك نو میرے اس کمرے میں جہال میں سویاکرتا اور دوسراس کمرے میں جس میں اس نے مجھے خواب میں بيتما بوا ديكمانها بين نے بيچاغ جوم سيستما كرانس ديوى كود سے ديا - اس جاغ ميں روشنی نتمی بیں نے اس سے کہایہ لے لیجنے ،اس دیوی نے دہ چرانع لے لیا -اور مجھے کتے لنگ یمبل اسے روشن کروں ؟ آب کے جرسے والاتوروشن ہے۔ یعنی اس کو بھی روشن کرما خرود نہیں میں نے اسے کوئی جواب نہ دیا بھرس نے جواب سنا ، بال اوازمیری آواز کی طرح بہت خوبصورت تھی۔اس برس نے باریک نظر سے اینے ایب کو دیکھا تو محسوس ہواکہ میں ، میں نہیں ا ورمیری بوی نے میری جگرایک اور انسان دیکھا جس کے متریز کڑھائی شکرہ ٹوپی ہے جے حقوقیاً بينة بين . برى خوب صورت ،خوشبودار، مرزخ ريشم سے كرمائى كى بركى -اس برشال . لولى فييشانى اورانكول كوجيدي ركعا ب- اس في الى مرزج زيك كاجره ويكما اسياه والمعى ، جس مين تمور سه سع بال سياه - ايمانك كوئى كف والاكتنا بعدرسول المتُدملي التُعليدوسلم میں اس نے جرہ مُبارکہ نور سے پر دیکھا جوجست تک روشنی سے بھا ہوا تھا۔ امیری یوی نے،

پرمعلوم کنا چا ما کیا پر روشنی رسول پاک مسلی النّدعلیری ملم کی وجرے ہے۔ یا مجرے میں موجود دوسری مجانع کی ہے جومیں نے اسے نہیں دیا تھا اس نے اس جواغ کو دیکھا ، تو وہ روشن نہیں تھا اس نے اس جواغ کی ہے جومیں نے اسے نہیں دیا تھا اس نے اس جواغ کو دیکھا ، تو وہ روشن نہیں تھا اس بھائے ہوئے کہ اسے بقین ہوگیا کہ پر رسول النّد صلی النّد علیہ کو کو رہے ، اب اس برنبی علیا سلام کی رسبت کی بنا برعاجزی و انحساری کی کیفیت طاری ہوگئی ۔ اور اسی حال میں بدار ہوگئی ۔ والحسد دللّه دبّ برعاجزی و انحساری کی کیفیت طاری ہوگئی ۔ اور اسی حال میں بدار ہوگئی ۔ والحسد دللّه دبّ العالمين ۔ اللّه بروردگارعالميان کا شکر ہے ۔

ب<u>حصامثناهٔ</u> ادبر سافندی ابن محدالحفاشنامی مقسبهم بریت کا

ماتوال منتامره داؤدا فنسك رابوغزاله نابلسي كا

یدایک بیک، بارسا بزرگ بی رسول انتدمی اندعدید وسلم کوبخترت و بیکفتے کیلیے مشہور میں انہوں نے مجھے تقریبا ایک سال بہلے بتا پاکد انہوں نے جامع اموی دمشق اشام میں بی عدیدسلام کو دبچھا ۔ آپ سے اس بالس بہت سے لوگ تنھے انہوں نے تمام لوگول

نى مسلى النزعليدوسم كة قريب ترمجه ديكها · والحسسد لله ديب العالمين -

المحقوال مشامره

تقریباسات سال ہو کے میں نے خواب میں دیکھاکہ عبیا ہوا ہوں اور میر سے اردگرد لوگ بیل میں میں ان سے کر را ہوں کہ تمام لوگ جونی صلی احتر عبد وسلم کی شان بیان کرتے اور آہد کی مدو شائین میں وقت اور آہد کی مدو شائین میں وقت ہیں۔ وہ تمام اس سلسلہ میں مرکز رہی سے مدد ماصل کرتے ہیں دیر حقیقت نبی مشائین معلی وقت ہیں ۔ وہ تمام اس سلسلہ میں مرکز رہی اینے احوال وا وصا حذ پرک ہیں مرتب صلی احتر علیہ وسلم خود ہی اپنی حرف تما کو تے ہیں اور وہی اپنے احوال وا وصا حذ پرک ہیں مرتب فرانے والے ہیں ۔ دیگا تھا کہ بعض لوگوں کو ممیری اسس یاست پرتی تیب ہور ما تھا لہذا میں نے اس کو دری طاقت سے دہ لرا ناشر وع کر دیا ہیمال کہ کہ خواب سے بیدار ہوگیا ۔ والحد مثلہ دریا معالم ہین .

نوال مشامره

جب بیں نے نعلین شریعین کا نقشہ شائع کیا تو خاب میں دیجھا کیا ہُوں کو مکے دن
کیا رہ شعبان ۱۵ ام ایم بعد نما زفج ، بری راستے سے سفر ج پر میل بڑا ہمُوں بھر میں نے بخفروں سے
تعریش کہ داکیہ مزار دبھا ، اس کے اندر ایک بچھر پر نبی مسلی اللہ علیہ وسلم کا نشان قدم تھا ، جے
اسی پلے وہاں نصب کیا گیا نتھا کہ لوگ اس کی زیارت کریں اور اس سے برکت ماصل کریں میریک
دل میں بیخیال آیا کہ بیمزار تو میں نے ہی تعمیر کیا ہے۔ بیس میں اس سے ساھنے کھرا ہوگیا ، اور
عرض کیا '' اللی امین تیری ا رکا دمیں اس نشان والے دا قا مصلے اللہ علیہ وسلم کا وسیار پر آ ہوں
کہ مجھے جے مقبول نعیب فرا بچھر بین خواب سے بیدار ہوگیا ۔ میں نے اس کی تعبیر پر کی ہے کو تعلیان
کہ مجھے جے مقبول نعیب فرا بچھر بین خواب سے بیدار ہوگیا ۔ میں نے اس کی تعبیر پر کی ہے کو تعلیان
مزیر نین کا پر نقشہ صبحے ہے اور نبی صلی اللہ علیہ وسلم کے اصلی تعلیمین شریعین سے مطابق ہے۔
والحد حد دللہ رب العالم بین .

وتوال متابره

میں نے سی ای کا ایک میں دیکا کہ ایک جاعت کے سا سے بیں ریمسکد بیان کورہا ہوں۔

کرساری کا تات نبی علالسلام سے کس طرح تمام نیکیوں میں مددحاصل کرتی ہے ! میں اسس
کی شال اس بڑے حوص سے دے رما بول جو بیروت شہر کے با ہر ہے جس بین نہر کا بائی جمع
کیا جاتا ہے ، اور اس سے لو ہے کے چھوٹے برشے بیشا رسکا نول وغیر کو بانیوں کے ذریعے
شرکے مختلف علاقوں میں بلائی کیا جاتا ہے بیں نے ان سے کہا ، بیز سک نبی ملی اللہ علیہ ولم
کاففل و کرم بی وہ بڑا حوص ہے جس میں نہر کا بائی جمع ہوتا ہے اور وہا ل سے لاگوں میں تقسیم
ہوتا ہے ۔ بس صنور صلی اللہ علیہ وسلم جی تعالی اور مخلوق کے در میان ہر نعمت کا واسط میں اسکو بیت ہوتا ہے اور وہا ل سے لاگوں میں تو اسط میں اسکور سے اللہ وہ کہ واسط میں اسکور سے اللہ وہ کو اللہ اللہ وہ کو اللہ وہ کی اللہ وہ کو اللہ وہ وہ کو اللہ وہ کو ا

میں میں معنمون بیان کیا ہے۔ سے

تھند ڈر اُلکٹو تھا ت مُورِدُ ھا العَّن کی تام الورٹ به کے تھا اُم

ہر ہمام توہیوں کے بنیج ہیں جن کا گھاٹ رہائی ، میٹھا ہے ۔ کا ثنات کے کریم

ہر ہم ہیں کی وجہ سے کریم ہیں۔

آف و عَ الله مُونِدُ و کُلُ الْعَطَا يَا وَالْبَرَا بَا حِنْهُ لَهَا اسْتِعُطَاءُ

اللہ نے آپ کی ذات ہیں تم معنا ہیں جع فرما دیں اور ساری کا ثنات لینے

ایسٹری رسے عطا ہیں حاصل کرتی ہے۔

بیسٹری رسے عطا ہیں حاصل کرتی ہے۔

احیاً العلام ادراتقا موس کشارے یہ تو فی شیاجے بیرے گھروا تھ بیروت بیں بطور مہان ہیں۔ اس رات بیرے گھر ما تھے اللہ میں اور اس بیرے گھروا تھے اللہ میں اسولوں کے آقا صلی اللہ علیہ وسلم کے برج سے قیامت کے میں اور اور ان کو باعمل علمائے کردہ میں ، رسولوں کے آقا صلی اللہ علیہ وسلم کے برج سے قیامت کے ون اٹھائے ۔ یہ صفرات تو حقیقت باعلی علماً اورائے مدین تھے ۔ رہ گیا میں تو اس فکرا کی تہم برک سواکو کی معبود نہیں ، میں لینے آپ کو تو ب جانتا ہوں کہ میں ویسا تو کیا اس کے قریب بھی نہیں ۔ میرے اور ان کے درمیان کو کی مناسبت نہیں ، ہاں مجھان سے مجت ہے اور ان بھیے باعل علماً ورائم الم اسلام سے بیار ، اسی نسبت مجت سے بیں مگر وصلی اللہ علیہ وسلم اور ان صفرات کی زیارت خواب میں کو لیت ہوں ، اس سے مجھے انھید ہے کہ اللہ تاری کی جاعت سے قیامت کے دن صفوصلی اللہ علیہ وسلم اور درحت سے انہی کی جاعت سے قیامت کے دن صفوصلی اللہ علیہ وسلم اللہ علیہ کے انہے واللہ اللہ علیہ کے انہیں کہ انہیں کہ کے انہیں کہ انہیں کہ انہیں کہ انہیں کہ کہ انہیں کہ انہیں کہ انہیں کہ انہیں کہ کہ تا تھ ہوگا جس سے مجھے مدیث نقل کی ہے ۔ انہی کی جات کے دن تو تھ مین ایس میں میسے مدیث نقل کی ہے ۔ انہی کی جات کے بہت میں تھ مین آخت ۔ ترجہ باتہ کی ان کے کہ تاتھ ہوگا جس سے مجھے انہیں کہ دیات تھ ہوگا جس سے مجھے مدیث نقل کی ہے۔ انہیں کے ساتھ ہوگا جس سے مجھے انہیں کے ساتھ ہوگا جس سے آئمت کے تو تھ مین آخت ۔ ترجہ باتہ کی ان کے ساتھ ہوگا جس سے میں تھ مین بی میں جس سے ترجہ باتھ کی کو کی ساتھ ہوگا جس سے ترجہ باتہ کی کو کو کی ساتھ ہوگا جس سے انہا کہ کو کو کی ساتھ ہوگا جس سے میں انہیں کی ساتھ ہوگا جس سے میں کہ کو کو کور کی انہی کے ساتھ ہوگا جس سے میں کہ کی ساتھ ہوگا جس سے میں کہ کی ساتھ ہوگا جس سے میں کہ کور کی انہی کے ساتھ ہوگا جس سے میں کور کور کی انہی کے ساتھ ہوگا جس سے میں کی ساتھ ہوگا جس سے میں کور کی سے میں کی ساتھ ہوگا جس سے میں کور کور کی کی ساتھ ہوگا جس سے میں کی ساتھ ہوگا جس سے میں کور کی کی ساتھ ہوگا جس سے میں کور کی کور کی کور کی کی ساتھ ہوگا جس سے میں کور کی کی کور کور کی کور کور کی کی کور کی کور کی کور کی کی کور کور کی کور کور کی کور کی کور کی کور کور کی کور کی کور کی کور کور کی کو

مجتت كرے "

نیراه م بناری وسلم نے لین میمین میں اور دوسرے محتین نے بھی ابوہر میرہ رصنی النوعی میں ا یہ مدیث نقل کی ہے۔

بے شک احد تھا کی کے کھ گشت تھ نے والے دسیا میں ، فر شتے ہیں ، جو اکر کی مجلسیں ڈھوند ھے دہتے ہیں جو ان مجالس میں آتے ہیں تواسمان کک ان کو لینے ہیں وال مجلس کے ان کو لینے ہیں وال ان کو لینے ہیں تو ان سے ڈھا نی لیتے ہیں ، جب لوگ اُمھو کو اوھ وا دھو مل پر شتے ہیں تو فو ان سے بوچھا پر شتے ہیں تو فو ان سے بوچھا ہے مالا نکو تو ہوا تا ہے ، تم کمال سے آئے ؟ وہ کتے ہیں ہم تیرے ان بندول کے ہال سے ہو کو آئے ہیں جو تیری ہا کی دسیسی ہوئے حمد و ثنا کرتے ہیں اور بڑا ٹی ہوئے والا الدالا الدالالدالا الدالا الدالدالا الدالا الدالدالا الدالا الدالدالا الدالا الدالدالا الدالا الدالا الدالا الدالا الدالا الدالدالا الدالا الدالالدالا الدالا الدا

سوال كرتداد رتيرى أك سيهاد التخدين الله فرآ الم كيا انهول نے میری جنت واک دلیمی ہے ؟ کہتے ہیں مبیں، فرقا ہے اگر دیکھ لیں توان كاكي مال إو بين تم كوكواه بنامًا مول كرمين في ال كونجش ديا اورجوانهول نے مانگامیں نے دیا بھرکھا جاتا ہے ان میں ایک ایساسخص بھی شامل ہو كياجوان ميں سے بين تھا و كسى كام كے يلے أكيا تھا بجھراد للد تعالى فرما ما ہے وہ ایسے لوگ میں کدان کی وجہ سے ان کے پاس بیٹھنے والا بدسخت

تودیجیو، کداننڈ کی رحمت اس شخص کے کس طرح شامل حال ہوگئی۔ حالانکہ وہ ان لوگول میں شامل نہ تھا۔ صروف وقتی طور پران کی مجلس میں تشریب ہوگیا۔ یونہی انٹدکی رحمت میرے شّامل حال ہوگئی کہ میں یسُول انٹرمسلی انٹرعلیہ وسلم، باعمل علماً اوران اولیا عارفین سفح بسّت ر کھتا ہوں، جورا سنا اور راہ شنامس ہیں۔ یونہی تمام نیک اہل ایمان اور سلم عوام سے بھی مجھے محبت ہے سب تعرفیں الله بروردگارعالمبان سے بلے بیں۔

ان مشامدات کے بیان کرنے کی غرض

میں نے پرخوبھورت مشاہرات محف اس بیے بیان کئے بیں کہ بیدا نشدتعالیٰ کی مجھیر بہت برسى عنايات بين سے ايك بين مجھان سے بہت خوشى اور لاز والمسترت عاصل ہو كى ہے۔ میں بہت بڑاگنا ہ گارہوں ایسے گناہ جن کے ہوتے ہوئے ان کوم گستریوں کامستی نہیں ہو سكما تماليكن المدتعالى بمستق حدوثنا باوراسي كااحسان ب، فلوق برمطلق تصرف اسی کے افقیارمیں ہے۔ سوجی برجوجا ہے کرم فرا سے اس کی عطا کو کو کی رو کنے والانہیں اورده ندد ع توكوئى دىنے والانىيى . و د ياك ويرتسر ك يجتم فرا دُاللَّد كے فضل ويمت بى الىسى نعمت سى برانهين وشبال منانى جاريس بيدان كي جمع كرده مال ودولت

سے بہترہ بہ بیں المند برتر معزز عرض کے الک سے بوال کرتا ہوں کہ مجھ معا ف فرادے۔
ادرا پنے فضل درجمت سے مجھ اپنے ادرا پنے مبیب بھی ترسیدالرسلین صلی اللہ علیہ وسلم
کے مفرب تربن دوستوں میں سے کر دے اور کوئمی ہراس شخص کویہ مقام عطا فرائے جو
کسی بھی وقت میں سے یہ دُعا ما نظے زندگی میں بھی اور مرنے کے بعد بھی ۔ اپنے مبیب مِرحم صلے اللہ علیہ وہم کی عزّت وجا ہ کا صد تھ ۔

ان فوائد کے بیان میں جن سے خواسب میں برارِ مصطفے صلے انٹرعلیو مماصل ہوتا ہ ہے

نی علیالسلوۃ والسلام ہر ور و دوسلام کے فوائد وہمارت کے باب بیرعنقریب یہ بات اری ہے کہ جن کلمات کے ساتھ ہو، بخترت در و دوسلام پڑھنے سے نی صی اللہ علیہ ملی خواب بیں زیارت حاصل ہوتی ہے اورجب اس کشرت بیں شدت و مبالغہ ا جا گے تو در و دوسلام پڑھنے والے کو کبھی بدیاری بیریمی دیدارا قدس نعیسب ہوجا تا ہے جبیسا کہ یہ در و دوسلام پڑھنے والے کو کبھی بدیاری بیریمی دیدارا قدس نعیسب ہوجا تا ہے جبیسا کہ یہ بات اسی باب بیں پیلے بھی بیان ہوجی ہے ۔ اس تتم بیں، صرف ان قوائد کا ذکر کروں گا۔ بن سے خواب بیں نی صلی اللہ علیہ و لم کی زیارت حاصل ہو سے۔ یہ کچھ کھمات، سورتیں، بن سے خواب بیرن نبی صلی اللہ علیہ و لم کی زیارت حاصل ہو سے۔ یہ کچھ کھمات، سورتیں، دعائیں اورجمان مک مجھ معلوم ہے۔ اس کتاب دعائیں اورجمان مک مجھ معلوم ہے۔ اس کتاب کے علا وہ یہ مجموعہ کسی اور کتاب بیرن نہیں۔

يهبسلافائره

، ابوانفاسم بنی نے اپنی کتاب الدرسا النظم فی المولد العظم میں نی صلے الله المعظم میں نی صلے الله علیہ وی المولد المعظم میں نی صلے اللہ علیہ ویم کا بدفرمان تقل کیا ہے۔

بس خارواج بیں سے روح محد صط اللہ علیہ ولم اور جموں بیں سے آب نے جہم اور قبروں بیں سے آب کی فبرانور پر ور در بجعجا مجھ خواب بس ویکھے گا۔
اور جس نے مجھے خواب بیں دیکھا وہ مجھے خواب بیں و بیکھے گا۔ اور جس نے مجھے آب سے اس کی شفاعت کروں گا اور جس کی بیں نے قباست کے دن دیجھا میں اس کی شفاعت کروں گا اور جس کی بیں نے شفاعت کی و والمیرے خواب سے بیٹ گا۔ اورا دینر نے اس کا جسم آگ بر شفاعت کی و والمیرے خواب سے بیٹ گا۔ اورا دینر نے اس کا جسم آگ بر حاول کا ا

شیخ مس الدین عب دسی سے روایت کیا گیا ہے جس نے نماز عشا کے بعد این ان خواب کا دسی میں ہے در ور دیور معا ور قل ہو الله احد ور معود تین بین بار پڑھیں۔ اس کے بعد کوئی بات ندکی واور سوگیا) وہ نبی صلی اللہ علیہ وسلم کو دیکھے گا۔ در و و تر الب

الله مَ الجُعَلُ افْصَلُ صَلَوايِكَ آبَداً قَاتُى بَرَكَايِكَ سَرُعِداً وَاللهُ مَ الْحَيْدَةِ اللهُ اللهُ

أَلْفَا مَا تِ الْوصَطِفَا لِيَنَةِ - الْخَيْلِ الْاعْظِمِ وَالْحَيْثِ الْاَحْدَمِ مَا لَكُولِ الْمُعْلَلِ وَعسلَى سَيْدٍ لَالْمُحْسَدُ بِنِ عَبُ وَاللّهِ بِنِ عَبُو الْمُعْلَلِ وَعسلَى اللّهِ وَمَنْحِيهِ عَدَدَ مَعْلُومًا يَكَ وَمِدَا ذَكِيمًا يَكَ كُلّمًا ذَكُرَكَ اللّهُ الْمُونُ وَصَحْبِهِ عَدَدَ مَعْلُومًا يَكَ وَمِدَا ذَكِيمًا يَكُولُ كُلّمَا ذَكُرُكَ اللهُ الْمُونُ وَصَبِيمٌ تَسُلِمُ اللّهُ الْمُونُ وَصَالِمٌ مَسُلِمُ اللّهُ اللّهُ الْمُونُ وَصَالِمٌ مَسُلِمُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ المُونُ وَصَالِمٌ اللّهُ اللّهُ عَنْ اَصَعْجًا بِوَرَسُولُ اللّهُ الجُمْعِينَ اللهُ عَنْ اَصَعْجًا بِورَسُولُ اللّهُ الْجُمْعِينَ اللهُ عَنْ اَصَعْجًا بِورَسُولُ اللّهُ الْجُمْعِينَ اللهُ عَنْ اَصْعَابِ وَسُولُ اللّهُ الْجُمْعِينَ اللّهُ عَنْ اَصْعَابِ وَسُولُ اللّهُ الْجُمْعِينَ اللهُ عَنْ اَصْعَابِ وَسُولُ اللّهُ الْجُمْعِينَ اللّهُ عَنْ الْمُعَالِدُ وَاللّهُ الْمُعْلَى اللّهُ اللّهُ الْمُعْمَالِ الللّهُ الْمُعْمَالِ اللهُ اللّهُ الْمُعْمَالِ اللّهُ اللّهُ الْمُعْمَالِ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الْمُعْمَالِ اللهُ اللّهُ الْمُعْمَالِ الللهُ اللّهُ الْمُعْمَالِ الللهُ اللّهُ الْمُعْمَالِ الللهُ الْمُعْمَالِ الللهُ اللهُ الْمُعْمَالِ الللهُ الْمُعْمَالِ الللهُ الْمُعْمَالِ الللّهُ اللّهُ الْمُعْمَالِ اللّهُ الْمُعْمَالِ اللّهُ الْمُعْمَالِ الللّهُ الْمُعْمَالِ اللّهُ الْمُعْمِلُ اللّهُ الْمُعْمَالِ الللّهُ الْمُعْمَالِ اللّهُ الْمُعْمَالِ اللّهُ الْمُعْمَالِ اللّهُ الْمُعْلَى الْمُعْمَالِ الللّهُ الْمُعْمَالِ الللّهُ الْمُعْلِي اللّهُ الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُلْمُ اللّهُ الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى اللّهُ الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى اللّهُ الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَمُ الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلِقُ الْمُعْلِي الْمُعْلِقِي الْمُعْلِي الْمُعْلِيلُ الْمُعْلِي الْمُعْلِمُ ال

ترجمه در اللي بميشداينا افضل تردر ووداور دائمي طور برايني روزا فزول بركتين اورفضيلت وتعدادس ايني إكيزة ترتحالف ان بينازل فراج جنول اورانسانول كى مخلوق ميں بزرگ ترمين -ايماني حقائق كالجمع اوراحساتي تجتیات کامظرین دروحانی رازون کی جائے نزول میں سلسانیا كا واسطه- اور رسولول كالشكر كامقدم معزز نبيول كاسالار كاروال اورتمام مخلوق ميں اختل ہيں ۔ بلندترع تست سے پرچم بردار ، اور بلند تربزر کیول کی لگامول کے مالک میں سازلی رازوں سے گوا ہ،او اسكرجان والى يبلى روسنيول كامشامده فران والدرزبان قديم ك ترجان اورعلم- برُدباري اورحكتول كينبع -عطائيجزوي وكلي كمراز كيمظهر اورموجُ دات بالا وبست كي بحكي يتلى - دوجهال كي جم كي رُوح اور دوجها ل کی زندگی کاچشمه ببند ترمقامات بندگی سیمتعلمت. اورمقامات برگزیده کے افلاق سے موصوف براے دوست بمعزد ترمجنوب - بهار سے آقا حزرت عبدالمطلب مے صاحبزادے حزبت علیہ رمنى التدعنها كے فرزند بختراور آب كى آل اور اصحاب برا بنى معلومات كربرابر- اوراین كلمات كىسياسى د كے قطرات، كربرابر حب تك ذكركرن والي تيرا ذكركرت ربي اورجب تك غافل تيرے ذكرس

غافل رہیں ۔ اوربہت بہت سلام نازل فرا - اورائٹر تعالیٰ رُسول اللّٰہ معلیٰ دُسول اللّٰہ معلیٰ دیکھ معلیٰ معلیہ کا معلیہ وہ معلیہ کا معلیہ وہ وہ معلیہ وہ معلی

سیدی شیخ عبدالوہاب شعراتی کماب الطبقات الوسطی میں اپنے شیخ ، شیخ نوالدین الشونی الشونی الشوال سے فائدہ دے کے حالات میں ایجتے ہیں کہ میں نے ان کو وفات کے کئی سال بعد خواب میں دیکھا ہجے کہنے لگے مجھے شیخ سیدی عبدالشرعبدوسی کا درُود سکھا دے میں نے انخرت میں دیکھا ہے کہ الس ایک کا نواب دوسروں سے دئی گئا دائد ہے۔ دنیا میں مجھے یہ حاصل نہ ہوسکا ، میں نے اس سے یہ تنبیج نکالا کرشنے دراصل مجھاس درو دنشرلیت کے پڑھے کی تعلیم دے رہے تھے خودان کے بڑھ سے کا کو کی مطلب نہیں۔ درو دنشرلیت کے پڑھے کی تعلیم دے رہے تھے خودان کے بڑھ سے کا کو کی مطلب نہیں۔ درکھون کے برائد علیم میں الے ان مجھے فرایا امام سیدی کی المقدسی نے الس کا نام الک نذالاعظم رکھا ہے۔

تيسافائده

چوكوئى خواب مين بى صلى المشرعليدة ملى زيارت كرنا چا جه و ويدير سے .

الكفية صلى على محكت بدكتا استونا الله تقلى عليه و الله حق مسل على محكة بالله حكمة مسل على محكة بحكة الله على محكة بحكة الله محكة الله الله على محكة بحكة الله الله على محكة بحكة الله الله على محكة بحكة الله تحيية و توضى له "

ترجمہ: النی محدصلی الندعلیہ وسلم پردرود بھیج، بیسے تو نے بمیں ان پردرود بھیجے کا حکم دیا ہے۔ النی محدصلی الندعلیہ وسلم پردرود بھیج، بیسے وہ اس کے قابل ہیں۔ النی محدصلی الندعلیہ وسلم پر درود بھیج جیسے تو ان کے بیلے چاہتا اور بیندفرانا ہے ؟

جوكو كى طاق مرتبه بد درود تشريعت پولمنط كا وه نواب مين آب كودين كا - اور اس كيساته ان كلمات كا اصنافه كرك - آنته في مستسن على رُوْج مُعَت تَدِني الْانْوَاج اَنَتْهُ مَّ صَلِ عَلى جَسَد بِ مُحَسَدَ بِنِي الْاَجْسَادِ اَنَدُهُمَّ صَلِ عَلَى قَبُومُ عُسَدَد فى انْفَيُور ؟

الني روحول ميس، رُوح محقر بر درو ديجي السائلة إجبمول ميس جيم مُحرّ بر درو ديميج السائلة إقبرول ميس، قبر محتر بر درو ديميج -

ببوتفافائده

قسطلانی نے کہا ، میں نے ایک مجموعہ میں دیکھا ہے کہ جشخص بمیں شہور وُمزمل اورسور دُکوٹر مِڑھے ، وہ آہے کی زیارت کرنے گا۔

بحطافائره

بعض صزات سے منقول ہے کہ جدی رات پارنف پڑے بہلی کھت بیس ورہ قاسی اسرہ القدر ۔ دوسری رکعت بیس ورہ قاسی ورہ قاسی ورہ قاسی ایسورہ الزلزلة تبیس کر کعت بیس ورہ قاسی ایسورہ قاسی ارسورہ قاسی ارسورہ قاسی ارسورہ قاسی ارسورہ قاسی ارسورہ قاسی اور اس ایس ایک ایک بارسورہ اخلاص ، اور اس ایس ایک بارموذ تبن کا اضافہ کرے بھرسلام پھیردے یہ وہ وہ کو کہ میں گھی ہا کے اور ایک مبزر بار بی صلی اللہ علیہ وہ مم پران الفاظ سے در وہ شرایت بڑھے ۔ آمکہ مسلم مسلم اللّہ یہ اللّه می اللّه

امیسانت مفن خواب مین بی معلی الندعلیه وسلم کی زیارت سے انشا الندمشترف بردگا پسیے جمعہ کویا دوسرے یا تیسانت میں نے شیخ بہا والدین دوسرے یا تیسسرے کو یہ تسطلانی نے فرمایا ، یہ آخری درو دشتر لیب میں نے شیخ بہا والدین منفی امام سلسلہ عینیہ یہ مخط سے نقل کیا ہے۔ انتدان براپنی عنایت کی نظر فرمائے۔

سأتوال فائره

قسطلانی نے فرایا اور میں نے ان کے اتھ کی تھی ہوئی سورۃ الفیل کی ضوصیات
میں بین تھا دیجھا کہ جو کوئی مذکورہ بالا در و دشرلیب نسی بھی رات کو ایک ہزار بار بڑھے اور
نبی صلے اللہ علیہ و کم برایک مبزار بار در و دشرلیب بیسے اور سوجا ئے، اسے آپ کی زیارت
نواب بیں ہوگی درجو کوئی اسے تکھ کر لٹکا لے دیکھ میں یا باز و وغیر میں آتو یہ وشمن کے مقابمہ
میں ایک بڑی حفاظت ہوگی اور السندان کے مقابد میں اس کی مدد فرمائے گا۔ دیشرطیکہ
طلم نہ کرے ہمتہ جم اور السے کوئی پر ایشانی نہ ہوگی۔

ستطيحوال فائده

تفسیرقرآن سے تعلق امام جعفرصادی رعنی الشرعة کے فوائد میں سے ایک آبہ جو خص جمعہ کی رات میں رات کونما زہم جد وغیش کے بعد ایک ہزار بارید در و دستر لیت برط سے ، وہ خواب میں ہی صلی الشرعلیہ ولم کو دیکھے گا - النہ - میں کہتا ہوں ، صاحب کنو ڈالا الرائے نے یہ فاید و ان انفاظ میں ذکر کیا ہے ، جو کوئی جعارت بعد نما زعشاً ایک ہزار بارید ورود نشر لیت باری و راس کے بعد کوئی سا در و در شر لیت ایک ہزار یا ریوش صے اور الشد سے نبی فائد و ایم و بلا رکا موال کرے ، المقد اسے دیدار نصیب کر دے گا - العقسطلاتی نے علیالسلام کے دیلا رکا موال کرے ، المقد اسے دیدار نصیب کر دے گا - العقسطلاتی نے میں فائد و ایم یہ کا دیلا کی اس مان نے کے ساتھ دکر کیا ہے جو کوئوزالا سوار کسے میں نے نقل کیا ہے ۔

نوال فائره

بعن اکا بررح النه علیه نے فرایا نماز مغرب کے بعد، دونفل اداکرے ہرکعت میں سورہ فاتھ کے بعد سات بارسورہ افلاص بڑھے سلام بھرکر، سمر سحدے میں رکھ کرسائٹ بار یہ بڑھے۔ سن بیخان الله قا کھت کہ کیلئے قالاً الله کا الله کا الله کا کہ بڑے اورسائٹ بار بی صلی اللہ علیہ کو لم بریہ دراء و مشرفین بی بھے۔ الله می صلی اللہ بی الدی ہے کہ بھر سات بار کے یا تی بی کا قدیدہ کو یا تیجہ کم اللہ بی الدی ہے تا تی بی کرے بہاں کہ کرعشاکا وقت ا جا ئے بین نماز عشا بیرا معد کے اور نبی صلی اللہ علی اللہ بی الله علی اللہ بی الله علی اللہ بی الله علی الله می الله علی الله می الله علی الله میں کرے بہاں کہ کہ عشاکا وقت ا جا ئے بین نماز عشا بیرا میں بدور ایس بید بر الله علی الله علی الله علیہ وسلم بردرود مشرفین پڑھتے بر صفح سوجائے، بقینا نبی علیالسلام کی زیارت سے مشرف برگی۔ وسلم بردرود مشرفین پڑھتے بر صفح سوجائے، بقینا نبی علیالسلام کی زیارت سے مشرف برگی۔

دسوال فائده

كيار بوال فأئده

دوركعت نفل اس طرح برسط كرم ركعت بين قائمى كے بعد د ذنبو بارقت ل هوً الله استخاص بورى مورته افلاص برسط منازست فامنع بوكرتین بار كے يا الله كارتنن

باربوال فسائره

كركها تها . الندبزرگ و برتسر معافی مانگوا و رختنا چا بونبی صلی الله علیه و لم پر درُ و دنجیجو، بچربستسر پراكر دائين مبدوسو جائين . انشأ الله تم كونبی صلی الله عليه وسلم كا ديدار نصيب بوگا . پراكر دائين مبدوسو جائين . انشأ الله تم كونبی صلی الله عليه وسلم كا ديدار نصيب بوگا .

تير بوال فائده

بعض بزرگوں نے فرما با جوکوئی نبی صلی اللہ علیہ ولم کاجال بوت دیجھنا جا ہے ہوتے وقت عنسل کر کے صاف ستھرے بستر بربیٹھ کرسور والشمس ، سورة واللیل اور والتیں بڑھے ، رفعور و بیشیم اطلاع الاتھی ہم ۔ سے شروع کرے ۔ سات را ہیں کس برعمل کرے اور نبی صلی افتہ علیہ و کم بربخترت درو دوسلام بھیجا وریہ دُعا یا بندی سے بڑھے ۔ اللّٰ اللّٰہ اللّٰہ اللّٰہ علیہ و کم بربخترت درو دوسلام بھیجا وریہ دُعا یا بندی سے بڑھے ۔ اللّٰه اللّٰہ الله اللّٰہ ا

بيود بوال فائده

بندر بوال فائده

نماز جد كاسلام بيركر منوارير برسط منتبكات الله ويجتدي واوراسى دن نماز عدر ك بعدا يك مزار باريد برسط الله في مسل على النبي الدي الدي الديم المستنفضه الدين المام عينيد في المستنفض المدين الدين الم عينيد في سيري منتبخ محقرز يتون مغربي فاسى سدروايت كياج بها رسيني أشيخ احمد

شهاب الدین زرد فی سے شیخ تمعے اور بے تمک سیدی احدالترجمان المغربی نے مدینہ نزرایپ میں اس کاتر جربر کمیا اور صبحے یا یا ۔ ابخ

میں نے پر پیندرہ فائدے کتاب مسالک الحنفاً الی مشارع الصلاۃ علی النبی المصطفے ؟

تالیعندامام - علاّمہ شہاب الدین احدالقسطلانی ؟ سے بعن اضافوں سے ساتھ نقل کیے ہیں۔
ال اضافوں ہر مجھے د دورانِ مطالعہ) انکابی ہوئی۔

سولهوال منائده

ہمارسے شیخ اشیخ حسن لعدوی رحمۃ انترعلیہ سے شعر دلائل الخیرات میں بعض عارفین کے حوالہ سے عارف المری رضی انترعند کے قول تقل کیا ہے کہ جو کوئی دن رات میں عارفین کے حوالہ سے عارف المری رضی انترعند کے قول تقل کیا ہے کہ جو کوئی دن رات میں بانچسو بارید درُود مشرفیت پڑھے وہ مرنے سے پہلے بیداری میں بی میں انترعلیہ وسلم کی زیارت سے مشترف ہوگا ؟ الن درُرود مشرفیت یہ ہے۔

اَلَتْهُمُّ صَلَاعَلَى سَيِدِ مَا مُحَسَنَدٍ عَبُدِكَ وَنِيْتِكَ وَلَيْتُولِكَ النَّيِيَ وَعَلَى آلِهِ وَصَحْبِ وَسَيِّمْ "

ترجمه بر الني ! دَرُود وسلام بين بارسا قامختر بر، جوتير بدند ساني اور شول نني افتى بين اور ان سك آل داصحاب بر ؟

جب بنیاری میں بی علیالسلام کی زیارت حاصل ہوسکتی ہے توخواب میں توبطریقِ کی حاصل ہوسکتی ہے۔

يستربوال ف المره

ہمارے شیخ نے اپنی شفری مذکور میں امام یافعی کی کتاب بست والفقوا کے حوالہ سے یہ بات نظری کے خوالہ سے یہ بات نقل کے حوالہ سے یہ بات نقل کی سے کہ نبی صلی احتر علیہ وسلم نے قروا یا جس نے جمعہ کے دن مجد میرا یک میرار باریہ

درُو و تشریف پیرها در

الله مُ اللَّه اللَّه اللَّه اللَّه اللَّهِ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّاللَّ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللّه

جَعَلَكَ اللهُ مِنَ الْهُ تَدِينَ - ترجه برالله يُح راه بان والول ميں

- 2 s Sc

بچرطِدہی ہدایت کے آنا رائس برطا ہر بونے نگے۔ ایک اور بھائی نے بھی اس برعمل کیا 'اور نبی صلی انڈرعلیہ سے دیوار سے مشترف ہوا - اور ایپ نے اسے دُعا سے خیردی -نبی صلی انڈرعلیہ کو سلم کے دیوار سے مشترف ہوا - اور ایپ نے اسے دُعا سے خیردی -

اطهار بوال فائره

قطب ربانی سیدی شیخ عبواتها درجیلانی رخدان ترعلیدنی تناعبی الدیمی من الدیمی عن الدیمی الله عند من می الله عند می الله عند من می الله عند الله عند می الله عند می الله عند می الل

الجنعة وتكفير ويقر الفي كل وكفة فايحة الكتاب واية الكوي مراه و والمعت الفل يرع مراعت من المنت و والمعت الفل يرع مراعت من فاتحدا وركعت الله الحداد المربيد والمعت الله الحداد المربيد والمعت الله الحداد المربيد والمعت الله الحداد المربيد والمعت والله الحداد المربيد والمعت والله الحداد المربيد والمعت والما المحرب والما المناس المربيد والمربيد وال

أنيسوال فسائره

ابوموسی المدینی نے این عباس رصنی اللہ عنما سے نبی کریم میں اللہ علیہ وہم کا پرفروان
نقل کیا ہے۔ جوسلمان جمعہ کی رات دونفل اس طرح پڑھے کہ ہررکوت ہیں فاتحہ کے بعد
بہجیس مرتبہ قُلُ هُوَ اللّٰه ﴿ آحَدُ الْوَ بِحِرابِیہ ہزار مرتبہ پڑھے ۔ حسّلی اللّٰه علی محسّتَ یہ
السّت بی اللّٰه مِن مُن اللّٰه ممل ہونے سے بسط خواب میں مجے دیکھے گا اور جس نے بھے
دیکھا ، اللّٰہ اس کے گنا ہ محق دسے گا ۔

بيبول فسائده

شَيْ مُحَدِّقَ افْسَدى مَا زَلَى نَهِ ابِنَى كَابِ فَرِيدَ الاسلار مِيں كما مِحْ مِيرِي شِيْ وَ سِند، شِيْ مُحود يه مِين اس كاب كي اجازت الله الله سند، شِيْ مُحُود يه مِين اس كاب كي اجازت الله مين على الله مُعَمِيلًا الله مين على فرائل مين على فرائل مين على فرائل ورسول الله مين الله عليه والله على مُعْمَلِي الله كار فرائل الله مين اوريد ورو محمد الله من ا

اكبيول فسائره

سیداحددهلان مفتی مورکم نظر رحمال ندائی مجروعه در و در شرای بین به مین نبی میل الله علیه و استار الله و الل

بألبيول فائره

سيداحمد وحلال نفحجوعه مذكوره مين بربات ذكركى بصكران فضيلت وال

ينكيبوال فائره

شیخصا وی نظر در دالدر دیرایمها ، بعض نے کها ، ایک مبزار بار در و دالدر دیرایمها ، بعض نے کہا ، ایک مبزار بار در و دائیری پڑھنے سے نبی صلی انڈ علیہ وسلم کا دیدا رنصیب ہوتا ہے ۔ ہار سے شیخ عدوی کی عبارت شرح ولائل الخیارت میں یہ ہے یہ بعض عارفین سے مروی ہے تشہد میں در و دشر لویئے ہے جوالفاظ اما م بخاری نے نقل کئے ہیں ، پیر کی را ت یا جعہ کی را ت ایک ہزار بارپڑھنے سے نبی صلی انڈ دعلیہ وسلم کی زیارت نصیب ہوتی ہے ۔

بحومسوال فائره

یشخ صاوی نے اپنی شرح مذکور میں سیدی محتربن ابوالحسن البکری سے دروڈ ویوسویہ صداد تا الفاتح ؟

اللهُمَّ صَلَّ وَسَلِّمُ وَبَارِكَ عَلَى سَيِّدِ مَا مُحَسَّمَ وَالْعَالِمُ

لِمَا أَعُلِقَ وَالْخَارِ حِرلِمَا سَبَقَ وَالنَّا صِدِ اَلْحَقِّ بِالْحَقِّ وَالْهَادِيُ لِمِنْ وَالْعَادِيُ وَالْهَادِيُ وَالْهَادِيُ وَالْهَادِيُ وَالْهَادِيُ وَالْهَادِيُ وَعَلَى آلِهُ وَالْهَادِيُ وَالْهَادِيُ وَعَلَى آلِهُ وَالْعَالِيهِ وَعَلَى آلِهُ وَالْعَالِيهِ وَعَلَى آلِهُ وَالْعَالِيهِ وَمِثْدَادِهِ الْعَظِيمِ وَمِثْدُ وَالْعَلَيْمِ وَمِثْدَادِهِ الْعَظِيمِ وَمِثْدُ وَالْعَلَيْمِ وَمِنْ وَالْعَلَيْمِ وَمِنْ وَمِنْ وَالْعَلَيْمِ وَمِنْ وَالْعَلَيْمِ وَمِنْ وَمِنْ وَالْعَلَيْمِ وَالْعَلَيْمِ وَالْعَلَيْمِ وَالْعَلِيمِ وَالْعَلَيْمِ وَالْعِلْمُ الْعَلَيْمِ وَالْعِلْمُ الْعَلَيْمِ وَلَهِ الْعَلَيْمِ وَالْعَلَى وَالْعَلَيْمِ وَالْعَلَيْمِ وَالْعَلَيْمِ وَالْعَلَيْمِ وَالْعَلَيْمِ وَلَهِ الْعَلَيْمِ وَالْعَلَيْمِ وَالْعَلَيْمِ وَالْعَلَيْمِ وَالْعَلَيْمِ وَلَهِ الْعَلَامِ وَالْعَلَيْمِ وَالْعَلَيْمِ وَالْعَلَيْمِ وَالْعَلَيْمِ وَلَيْمِ وَالْعَلَيْمِ وَالْعَلَيْمِ وَالْعَلَيْمِ وَلَيْمِيمُ وَالْعِلْعِلَيْمِ وَالْعِلْمُ وَالْعَلَيْمِ وَالْعَلَيْمِ وَلَيْمِ وَالْعَلَيْمِ وَالْعَلَيْمِ وَالْعَلَيْمِ وَالْعِلْمُ وَالْعِلَيْمِ وَالْعِلْمُ وَالْمِلْعِلَى وَالْعَلَيْمِ وَالْعِلْمُ وَالْعُلْمِ وَالْعِلْمُ وَالْعِلْمُ وَالْعِلَى وَالْعُلْمُ وَالْعِلَى وَالْعِلْمُ وَالْعُلِيْمِ وَالْعَلَيْمِ وَالْمُ وَالْعُلِمُ وَالْعِلْمُ وَالْعُلِمُ وَالْعُلِمُ وَالْعُلْمُ وَالْعُلِمُ وَالْعُلْمُ وَالْعُلِمُ وَالْعُلْمُ وَا الْعُلْمُ وَالْعُلْمُ وَالْعُلْمُ وَالْعُلْمُ وَالْعُلْمُ وَالْ

ترجہ برائی درود وسلام وبرکت نازل فرہ : ہمارے آفامحد برجوبند شول کو کھولنے والے بگزرے ہموول کے خاتم حق کی حق کے ساتھ مدد کرنے والے اگر رے ہموول کے خاتم حق کی حق کے ساتھ مدد کرنے والے اور تیرے سیدھ راستے کی راہنائی فرانے والے ہیں۔ انتدآب والے اور تیرے سیدھ راستے کی راہنائی فرانے والے ہیں۔ انتدآب براہ درآپ کی آل واصحاب پر رحمت نازل فرائے۔ ان کے متربہ اور شان مُزرگ کے مطابق ؛

مرص من بي المراب المادة الماجعة كى رات البيركى رات الك المراب المراب ورود المراب المراب ورود المراب المراب

بيجيبون فائده

فین سنوسی نے اپنے مجر باب میں فرایا ، جرشخص فیدر البی کی بڑے براللہ تعالیٰ کا م آلڈ دُدُد کہ تھے اور اس سے ساتھ معت درسول اللہ ٢٥ بار نکھے ۔ اور الحسد اللہ ٢٥ بار ، اور بیمل نماز جمعہ کے بعد کرے ، اللہ تعالیٰ اس کوطاعت و نیکی کی توفیق و سے گا ۔ اور شیطانی وسوسول سے محفوظ کرے گا اور جو اس کو اپنے باس رکھے اللہ تعالیٰ مخبوق کے داول میں اس کی میبت بیدا کرے گا ، اور اگر روز اند طلوع آفیا ب کے تعالیٰ مخبوق کے دلول میں اس کی میبت بیدا کرے گا ، اور اگر روز اند طلوع آفیا ب کے تعالیٰ مخبوق کے دلول میں اس کی میبت بیدا کرے گا ، اور اگر روز اند طلوع آفیا ب کے

وقت ، نبی صلی النڈ علیہ دم پر درود وسلام پڑھتے ہوئے اسے دیکھے اسے کفرت سے نبی صلی النّدعلیہ وسلم کی زیارت نعیسب ہوگی ۔ اورالننداس دن کے اسباب اس کے یاے مُرتیا فرائے گا۔

به حبيسول فائده

شیخ سنوسی نے بھی فرما با کہ جو کوئی نبی صلی اللّٰہ علیہ وسلم کا دیدار کرنا چاہے، وہ سے نے ت يك عنسل كر ، دوركعت نفل يرسع سلام تعيركريه بوسع. يستسير الله الدَّخلي الرَّحيثِ الرَّحيثِ أللهُمَّ لكَ الْعَسْدُ عَسَالَى عَظْمَتِكَ وَحَلَىٰ مُلَكِكَ وَمُنْتَهَىٰ الرَّحُسَةِ مِنْ دِيثُوَا يُلْتَ ٱنَّلُهُمَّ لَكَ الْحَسَّدُ كُلَمَا يَنْبَغِيُ لِكَدِمٍ وَجُهِكَ وَعِنْجِلَالِكَ ٱللَّهُ مَ إِنْ ٱسْسَنَّالُكَ بِالْعَسُرُونِ الْعَظِيمِ وَنُوْرِ وَجُعِيكَ ٱلكَيْمُ اللهم للقا المحشد على مُدَا وَمَةِ الْحُسَانِكَ وَحُسْنِ عِبَا وَيَكَ الَّذِي ٱشْرَفْتَ بِهِ التَّعَوْتِ قَالُاكُمْ حَلَى وَٱسْسِنَّا لَكَ بِاسْمِكَ ٱلَّذِى تَسْـ نَوْلُ بِهِ الْمَطَّدُ وَالرَّحْسَةُ عَلَىٰمَنْ ثَشَاءُ مِنْ عِبَادِكَ ٱللَّهُ مَنْ آلْتَ إِللْهُنَا وَٱلْمَتَ عَلَىٰ كُلِّ شَدَّى تَدِيثُ اَسْتَالُكَ اللهُ مَ يَعَقِ مَا دَعُوتُكَ بِهِ أَنْ شُرِينِي فِي مَنَا مِي هذا سَسِيِّدِنَا وَمَوْلاَنَا مُحَسِّمَةً وَاسْلَى اللَّهُ عَلَيْهِ وَعَلَىٰ آله ومتخيسه وستستم عدد خليثه ويضاننس ونيتة عَدْشِه وَمِدَادَ كَلِمَاتِهِ "

ترجمہ: رائٹر کے نام سے شروع - النی تیرے یہے ہی سب تعربین ، تیری عنطمت ا در ملک ا در معدِر جمعت ا ور تیری رصنا سے ، النی تیری ہی

ستأنيسوال فائذه

بیردرود شربین سیندی الوالعباس ننیجانی کا ہے جوکر موہرۃ الکمال میمہاتا ہے۔اوروہ یہ ہے۔

الله مدصل وسلم علی عین الرحمة السربانیة الخ اس ودود شرلف کومی اس کتاب کے آملوی باب میں پیلے لاچکا ہوں اور بیاتعداد و رود کے لحاظ سے ۱۰ انمبر ہم ہے اور میں نے وہاں بڑے اسم فاتہ سے ذکر سکتے ہیں رمنج کہ ایک وہ فائدہ ہے جو سیسے رحنی اللہ عذرنے فرما یا کرجس شخس شخص سے وقت با وصوستھ رے بہتر ہرساست دن تک ہمیشگی کی تو اسے

نى كرد صلى الدندند وسلم كى زيارت بوگى -

الحطائيسوال فائده

سیدنا احددفاعی دخی الدعنه کا درود شرلیت ہے جن کا ذکر پہلے باب میں ہوچکا ہے ۔ اور ریستر ہوال درود شرلیت ہے اور وہ برہے ۔ ایستر ہوال درود شرلیت ہے اور وہ برہے ۔ اللّٰہ ﷺ ما معی سیّد نا محدمدہ النبی الامی القدر شی ہجدا آوا دلت وہ عدن اسرادک الخ

"جس نے بیر درود شرلف مزار بار بیلعادہ اپنی نیند میں نبی کریم صلی التدعلیہ دسلم کی زیارت سے مشرف ہوگا۔" بیلے جہاں اس کا ذکر گزرچکا ہے وہاں اس پر گفتگو ہو جکی ہے۔

انتيسوال فائده

یدرود شرلیف سیدی محدالو شعرشامی "جن کا ذکراس سے پہلے باب بیں ہوچکا ہے" کا ہے۔ اور بدایک سوگیارہوال ورووشرلیف ہے وہ یہ ہے۔

النُّصُحَّدُ انى استلک باسمک الاعظسم المکنوب من نوروجهت الاعلی الموبدالدا تُسعدالباقی المخلدنی قلب نبیتک ورسولت محسسمد النخ

یددرودشرلیف بھی نبی کریم صلی الندعلیہ وسلم کی زیادت کا مقیدسہے۔ جیسا کہ بیہاس کے فوائد میں ذکراً جبکا ہے۔

تيسوال فائده

اكتيسوال فائده

نیزادام شعرانی قدس سرؤ نے مطبقات اسیں اُ بہی کے ترجیمیں فرہا یا کہ اپروشی الدعنہ فرمایا کرتے ہے کہ کہ کہ ادادہ نبی کریم صلی الدعلہ وسلم کہ اپروشی الدعلہ وسلم کے ویکھنے کا محوقوا سے چاہئے کہ شب وروز محبت کے ساتھ الذکے برگزیہ اولیارمیں اُ ب صلی الدعلیہ وسلم کا ذکر کمٹرت سے کرتا رہے۔ ورد یہ روبت کا باب اس سے مسدوور ہے گا کہ یونکہ برلوگ جس طرح اولیار کے سا واست ہیں اب اس سے مسدوور ہے گا کہ یونکہ برلوگ جس طرح اولیار کے سا واست ہیں اور دان کی نارا صنگی ہے) ہمال بروردگار امی طرح رعام کوگوں کے بھی ساوات ہیں۔ اور دان کی نارا صنگی ہے) ہمال بروردگار رجس طرح رعام کوگوں کے بھی ساوات ہیں۔ اور دان کی نارا صنگی ہے) ہمال بروردگار رجس طرح رعام کوگوں کے بھی ساوات ہیں۔ اور دان کی نارا صنگی ہے) ہمال بروردگار رجس طرح رعام کوگوں کے بھی ساوات ہیں۔ اور الذھلی اند علیہ وسنجی نا راحق ہوتے ہیں۔ اور جس طرح کی ناراحق ہوتا ہے۔ اس طرح رسول الدوسلی اند علیہ وسنجی نا راحق ہوتے ہیں۔

بتيسوال فائره

صلاة یا توتیر ہے۔ یہ ہاد سے استاذ عادف بالٹرسیندی سیسے محدفاسی قدس سرہ جن کا ذکر سالفہ باب میں سیلے ہوجکا ہے اور درو دہیں یہ ایک سو سیسے ہوجکا ہے اور درو دہیں یہ ایک سو سیر ہراں درو د ہیں ۔ آب رضی الندعز نے قربایا . تعلیب عالم نے فرمایا کہ جس نے مبیر وشام تین مرتبہ سمیشہ ور دہیں رکھا تو اسے اکثر سوتے . جاگتے ، ظاہراً باطنًا نی کرنے صلی اندعد یوسلم کی زیادت ہوتی رہے گی ۔

تنتيسوال فائده

نبی کرم مل التدعلیه و ام کی زیار .. برنی کی یاب ندیس نے ایک مج عدمی اکھا ہوا ویکھا جس کی صورت ہوں، ہے کہ جوادمی ہمارے نبی کریم سلی مندعلیت الم کوتوا سبیں دیکھنا جاہت توارسرچاہت کرد درکعت نمازاس طرح اواکرے کہ بردکھت میں سورہ فاتح سے بعد ہیں مرتبر متورہ والفتی اور بحیس مرتبر اکٹم نشرح بول سے پیرسوئے تک بنی کریم سئی انڈ علیہ وسلم برد دووشر نیز پولھنا رہے ، النے

بونيسان ف ائده

الديميرى في حياة المحيول جميد في المحيول من المريدي احدالبونى كا ب ستوالاسلوك والد الديميرى في محاله المحيول المحيول

ے دیدار ہوگا یہ ایک تطبعت راز ہے جے آزمایا جا چکا ہے والخ

بنتيان فائره

جهنيسول فائره

عارف الترسيدي شيخ مفيط البكرى ني حزب النووى بريكى كئي شرح كم أخرس فرايا - كراسم المرك معسد منظم المرك المرك المحسد منظم المرك المرك

سينتيسول فائره

اس تاب كالمحري باب بي ساتوين بريد ندكور درُو د تشريب كا بتدا اس طرن و تي به الله تم حسل كا بتدا اس طرن و تي ب الله تم حسل على ستيد كا المحتدد عبد كا قد تسعولية النسيجي الأفي من الله تم حسل المحتدد كا محتدد كا

ارتنسوال فائره

جوشخصنى صطالت عليدك مم كوخواب مين ديكفناجاب بلكداس ع بره كربيارى بي

ديكفنا جاب جيساكر لعفن عارفين كے كلام مصعلوم بوقا بے تووہ نبى مىلى الله عليكم كے حكول بر عمل كرس اورجن المورس أسجاب في منع فرا باب ان مدير بميركر م اورمحبّت ، شوق اور كثرت ذكر كساته سأتحتم يشداب كأسنت بركا بزررب اوركثرت سعاب بردرو و سلام بيعيجا ورجميشه نبى صلى الله عليه وهم كصحامد ومحاس كا ذكركزار ب- اوراكر يبطيجن واب يس آب كى زيارت نصيب بوئى بے تو آب كى صورت مرارك كوذى ميں حاصر كھے اور اگرزبارت تعبيب نهيس بوئى تواكس تسكل وشبابت كوذبن مين حاضرر كمصيح تشاكل بويد صلے الله عليد كسلم كے ذكر مين كتب مديث وسيرت مين مذكور بين اوراكر يبط ديدار مبارك بوجيكا ب تواب كم جرام ال كوذبن مين حا صركرے يكويا برسركار كے صنور كھڑا ہے۔ يدبيان عنقريب سيدى عبدالكريم جيلى كى كتاب الناموس الاعظم في معسدت قدر النبي صلى الله عليه وم كالرسة أح كي بأيم بيشه نبى صلى التُدعليه وسلم كي صورت اقدس ورثنان برتسركا تصورسا منے ركھ كو درو د تشرلعيث پڑھو۔ اگر مہیں اس صنوری سے تلیف ہوتی ہے پھر بھی کھے ہی عرصت کم تمہاری روح اس سے مانونس بوطاعے كى بيں نبى صلى الله عليه وسلم تمهار سے سا منے ہول كے تم ان سے كلام وخطاب كرو كے مركار كمبيل جواب دیں گے اور تم سے گفتگو و خطاب فرائیں کے تمبین ایک طرح سے صحابہ کا درجہ حاصل ہو۔ اورانتُدنے جا مِاتوان سے سل جاؤ کے

أتاليسوال فائده

خواب بین بی صلی الله علیہ ولم کی زیارت سے بلے متر القیم تا القیم کی زیارت سے بلے متر المتر الله القیم کی برصواور سونے سے پہلے یہ دُعا مانگر :

ٱللهُمَّ إِنَّ ٱسْالُكَ بِنُورِالْانُوَارِ ٱلَّذِي هُوَعَيْنُكَ لَاغَيُرُكَ آن تُرِينِيْ وَجُه بِبِينِكَ مُحَسَمَّدٍ صَلَى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَسَلَمَّ كَمَا هُوَعِنْ دَكُ يَدِيدِكَ مُحَسَمَّدٍ صَلَى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَسَلَمَّ كَمَا هُوَعِنْ دَكَ "

ترجہ برالی میں مجھے ہے سوال کرتا ہوں نوروں کے اس نور کے کے سیلہ سے ،جرتیرا عین ہے ،غیر نہیں کہ مجھے اپنے بی محد صلحالتہ علیہ کو سلم کا جہرہ اس صوبت میں دکھائے، جیسے وہ تیرے صنوبیں - اللی ایسا ہی کردے-

جاليسول فائده

پاؤل کے انگوشھ اور اس کے ساتھ والی انگی کے درمیان رکھتے تھے اور دومر اتسمہ درمیانی انگی اور اس کے ساتھ والی اور پاؤل کی گیشت پر اکریہ تسمیل جاتے تھے بہی نشراک اس کے ساتھ والی دھینے کے ساتھ والی اور پاؤل کی گیشت پر اکریہ تسمیل جاتے تھے بہی نشراک کہ ساتھ والی دو ہرے تھے اور گائے کے بھڑے سے کہ تھے کسی قدر ٹیر لیسے ، زبان کی طرح بہی جا دو یہ بھی جا تھے ہے ہے گھڑا کا نے کہ بھڑے کے اور پر تسمیل انڈ علیہ وسلم نے موز کے بھیلی طرف بھی بائد علیہ وسلم نے موز کی ہے کہ نقت رائیں نعل مُبارک کا ہے۔ بھی بیستے ہیں۔ ان پر مسے کیا کرتے تھے اور بھن نے تھے رہے کی ہے کہ نقت رائیل معلی مُبارک کا ہے۔

منتهبير

قدیمی کابوں میں نبی صلی اللہ علیہ وسلم کا ایک نام مبارک تھا تھیں النعلین کیونکہ جو تے است النعلین کیونکہ جو تے است کے دونعلین اور المحد موزے تھے ، آب جو توں میں بھی چلے میں اور المحد موزے تھے ، آب جو توں میں بھی چلے میں اور المحد و انگساری کے طور پر نشکے یا وُل بھی بخصوصاً عبا دات کے پلے آب نے جو تول سمیت (اکشر) میازا دافر یا کی ہے وہ دونوں پاک ہوتے تھے ، کمی باران کو بائیں ہاتھ کی انگشت شما دت سے اٹھا لیتے ۔ بسااہ قات آب کے فادم ابن سعودا تار نے کے وقت آب کے نعلین تریفین اپنے ہاتھ ول سے محفول سے مطالع ایستے ، اور مہینتے وقت سامنے رکھ وینے ۔ پہنتے وقت دایاں جو تامبارک پہلے سینتے اور آثار تے محفوظ ایس بھی آثار تے ، ابن الموزی نے کہا جو ہمیشہ دائیں ہاتھ سے تشروعا کرے وہ سے محفوظ ایس بھی اور زرگ نے کہا جو سور المنتحد تھی کراس شخص کو بانی میں صل کر کے پلائی جائے ، اسلاک میں علی میں میں کر کے پلائی جائے ، اسلاک میں صلی میں بیاری بوگا و

مسئله

درختول وردیگرات یا کقه ویربانا ، مثلاً نقش نعل ترایف جائز ہے - روگئی انسان یاجیون کی تصویر جب کداس کی المان یا جیون کی تصویر جب کداس کی المانت نه بوحوام ہے - والیت ضروری اورمفید تصویر بنانا ، جس سے انسان و مشری خرابی لازم ندا تی بو : یک مقاصد سے لیے جائز ہے - فلاصہ یہ کذیک و بدمقاصد سے لحاظ سے جائز وا جائز کا حجم معلوم ہوگا - مترجم)

فوائد

تسطلانی نے المواہب الدنیہ اور المقری نے فتے المتعال، بین علماً کا یہ قول نقل کیا ہے کاس نقشہ نعلین مبارک کا جو بجریہ کیا گیا ہے ، اس میں سے ابک یہ ہے کہ جو کوئی اسے برکت سے لیے اپنے

پانس رکھ اسے باغیوں کی بغاوت، ڈیمنوں کے علبہ برسر کش شیطان احد برجاسد کی نظر سے خاط ہو اسے کا خار سے کا دائیں بازو سے باندھے ، چلنے میں کلیف تھی توانٹہ کی قدرت وا مسل کی ۔ اگر حاملہ عورت اسے لینے دائیں بازو سے باندھے ، چلنے میں کلیفت تھی توانٹہ کی قدرت وا سے آسانی ہوگی میں نظر بدا ورجا دو سے امان ہے جواس پر بمیشہ کا ربند رہے ۔ اسے محلوق میں ممکل قبولیت حاصل ہوگی ۔ اسے متروری بی صلی انٹہ علیہ ولم کی قبرانور کی زیارت نصیب ہوگا ، ورخواب میں مرکوری زیارت نصیب ہوگا ، ورخواب میں مرکوری زیارت سے ہمرہ ورہوگا جرائٹ کریس میرہو، انتے تحست نہوگی جس حافلہ میں بوجوری نہو ۔ او بولوثا نہ جائے جس سامان میں ہوجوری نہو ۔ او بولوثا نہ جائے جس سامان میں ہوجوری نہو ۔ او اس نعلین والے دصی انٹہ علیہ ولم می سے جس حاجت میں توسل کیا جائے ہوری ہو ۔ بی کہ دور ہو بہا ، اس نعلین والے دصی انٹہ علیہ ولم می سے جس حاجت میں توسل کیا جائے ہوری ہو ۔ بی کے دور ہو بہا ، سے جس حاجت میں توسل کیا جائے ہوری ہو ۔ بی کے دور ہو بہا ، سے جس حاجت میں توسل کیا جائے ہوری ہو ۔ بی کے دور ہو بہا ہو ۔ بیشرط بچرا کیا می صفوط ہو ۔

نقش نعلین کے بیچے تھی ہوتی عبارت یہ ہے جو مرتب کاکمنا ہے کہ پر نقشہ، نبی صلی اللہ علیہ كي نقولت نعلين من سي محتر ب جوكيمرك كالمدد سي لياكيا ب اوريد مسح ترتفش اس نقش ك مطابق ہے، جے بی نے عَلام احد المقرى كى تناب فتع المتعال فى مدح النعاسے ليا ہے جوكا فى ضيم جلدبيں ہے اگرچہ بيكتاب ناياب ہے مگر مجھ النُّدتعالیٰ نے اس كے بين مسجح ترين نسخے عطافرا ئے أبي اكك اس نسخ سے نقل كياكيا سے جريم منسنف ك و تخطوي . ميں نے ينعش تينوں ميں ملا مجلة دیکھا ہے-اوریسی وہ نقستہ ہے جے چھنفشوں میں سے نتخب کیاگیا ہے-فرایا اسی پراعماد ہے -این العربی - این عساکر - این مرزوتی - الفارقی سیبعطی - بنجاری شنائی اورایک سے نبائد سے والمقری ف ان سب کے تبوت واسنا دمجی ذکر کیے ہیں برنبی صلی النرعلیہ وسلم کا نعل ممیارک سیدہ عائش صابع رصنی الندعنها کے پاس تھا ، بھروہ برابر ایک سے دوسری نسل تکسینیتا ما بیمراسی کی نقول تیار ہوتا ربي بيان تك كمشاشع نے اسے تم بول كاوراق بينتقل كرديا اوراس كے بوت ميں نديل ذكركيل يهان كس كراس مساوين بعض حفارت نے كتابين تكي - ان ميں سے ايواليمن بن عساكر بين جنول تے اسے اپنی کتاب بین تقل کیا بیمران کی کتاب سندوں کے ساتھ روایت کی گئی اور حفظ کی جانے لگی يهال تك كالمقرئ تكبيبى ، انهول نه بن عساكر كم معتدعلينسخ سي إنى كتاب فتح المتعال ميراس

ركيا ماس تنويرعلى وخائظ مثلة السيوطى - السخاوى اور الديليى رصم الله كوشتى تحريري المستحريرين المستحري

فأتم

الن وی اوراتھاری نے شرح کا کی میں ابن العزلی کا یہ قول تھل کیا ہے بجوتی نبیوں کالب ہے۔ بوتی سے کہ ان کے علاقوں ہے۔ بوتی سے دوسری قسم کے جو تے صرف اس لیے استعمال کرنے شروع کر دیئے کہ ان کے علاقوں کی جو تھا۔ میں نے میں گفت کو اپنے اس قول برختم کردی ۔

اِلْيِ خَدِمُتُ مِثَالَ نَعُسِلِ السُّطَفَّ لِاَ عِيْشَ فِي الدَّارَيْنِ تَحْتَ ظِلاَيِهَا لِاَ عِيْشَ فِي الدَّارَيْنِ تَحْتَ ظِلاَيِهَا

کی خدمت سے خوش قسمت ہو گئے او بیں اس کے نقشہ کی خدمت سے خوش عمت ہوئی ؟' میں نے مثال نعلین کی شان میں اوراشعار بھی کے ہیں جس کومیں اسس میں شیابل کرنا چاہیا میں نے مثال نعلین کی شان میں اوراشعار بھی کے ہیں جس کومیں اسس میں شیابل کرنا چاہیا

تها بهرس نے اسے اس اضافہ سے انگ رکھنے کو ترجیح دی ۔ مِثَالُ حَلَىٰ نَعُلاً لِاَ فَصَلِ مُرْسَلِ مَثَسَّتُ مُثَامَ التَّوْبِ مِنْ أَلْعَوْا مِدُ مِثَالُ حَلَىٰ نَعُلاً لِاَ فَصَلِ مُرْسَلِ مَثَسَّتُ مُثَامَ التَّوْبِ مِنْ أَلْعَوْا مِدُ صَوَا مِرْهَا التَّامِعُ اللَّهُ مَا التَّامِعُ مُلْعًا عَيادِی قَیْجَانُ الدُّول مِحَوَّا سِدُ

مَنْ الْمُوْهَا الَّبِعُ كُلُّهَا عَيارِي وَيَعَانُ السَّلُوُكِ حَوَّاسِدَ عجر نفشه نے افضل ارسل دصلی الله علیه وسلم کے جُر نے کا بیان کیا ۔اس کی وجہسے افس زمین کی منی ممل برگئی تمام ساتویں اسمان اس کی غیرت مندسوکنیں ہیں ۔اور یا دشا ہول کے اق اس پر زمک کرتے ہیں:

میں نے یہ معی عرص کیا ہے۔

عَلَىٰ مَنَّ سِي هَٰذَ الْمُكُونَ نَعُلُ مُحَتَّدٍ عَلَتَ فَجَنِيعُ الْحُلَقِ تَحْتَ يَظُلَالِهِ السَكَانَات كَيْمَتُرِيمُ كُونَ الله عليه وسلم كانعل ، ثِوّا مبارك) بند بوا بِس اس كاننات كيمتر برمُحَرّ صلى الله عليه وسلم كانعل ، ثُوّا مبارك) بند بوا بِس تما م مُحلوق الس كے زير سايہ ہے ؟ لَذَى الطَّفُومُ وَسلى تُعُومُ الْحَلَةُ وَحُمَّةً عَلَىٰ الْعَدُ شِي لَمْ اَنْهُ وَمُولَى الله عليه الله على الله و مُحرصل الله عليه مي الله عليه الله على الله عليه الله على الله على الله عليه الله على الل

میں نے یہ بھی عرف کیا ہے۔

مِثَالُ لِنعَلِ الْمُصْلِظَةُ مَا لَدُ مِثْبِلُ مِثْبِلُ لِمُعْلِمَةً مَا لَكُ مِثْبِلُ لِمُعْلِمَةً مَا لَكُ مِي لِمُعُلُلُ لِمُعْلِمَ لِمُعَلِمُ لِمُعَلِمُ لِمُعَلِمُ لِمُعَلِمُ لِمُعَلِم لِمُعَلِم مِن اللهُ اللهُ

رون والن الما وريرة القدام المراس ال

س نے یہ بھی عرف کیا ہے۔

وَلَمُنَّادَا أَيْنَ الدَّهُو قَلْ حَامَتِ أَوْلاً جَعَلْتُ لِنَعْيَى نَعُلَ سَيِدِهِ حِمْنَا "أورجب ميں نے زمانے كوسارى دُنيا سے درائے ديكھا، تولينے ياسيدكائنات كجونے كوبيا وكافلونياليا "

د سوال باب نبی صلط دینو مرد کودوسلام کے قوائد و تمرات ببی صلط دینو مرد کودوسلام کے قوائد و تمرات

مياخيال تحاكداس باب كوان فوائد كم ذكرس شروع كرول جنبي علامتهمس لدين ابن التم تراين كتاب معيله والافهام في فضل الصلاة والسلام على معست دخيرالانام: میں بیان کیا ہے۔ اور جوسب کے سب یا ان میں سے بڑے بڑے ان احا دیث میں آجے ہیں جن کو مختر طور پر باب دادم میں ذکر کرا یا بڑوں لنذایها ل اک سے تحرار کی صنرورت نہیں ۔ ان کا ذکر اس کتاب كے علاوہ مسالك الحنفا اور الدرالمنصنود وغير بين مجى بواہے بيں نے حبلا الافهام كے قوائد ذكر

كرتے وقت ١٠ ن بركھ اضا فد بھى كيا ہے-

ابن لقيم رحمة التعليب في فرط يا - ودرُود وسلام كا) ميملاقائده الشريح عمريمل -

ووسر ازفائد الله تعالى كالما تعصلاة مين موافقت اكرج دونول كيمفهوم مين قرق ب بهارى صلوة أبب بروعا اورسوال باوراندك آب برصلوة ، تنا وتشريف ب عبياكد كرديكا ب-میسرافائده اسیسالترکے فرشتوں کی موافقت -

جوتها فائده درُود تربين برصف والے مے بياند كريس درودوں كا ماصل بونا .

ما محوال فائد اس ك دس درج بند كي جاتيب.

جيمافائره اس كيديدن نيكيال تحي بالى بير.

سأتوال فأنديس وسل بائيال منادى جاتى بير-

مهم مع العلام مبدئ على يمل درود شريف برسط توقبول دُعاى أميد بوتى ب بين رود

تربيف، يرور دكارعالم كصنو دعاكومينيان والاسم

فوال جب اس كوسوال وسيد كساته ملائة توني صلى المدعد يرسم كاشفاعت

کے صول کاسیب ہے۔ باسوال کسیدسے الگ بھی پڑھے۔ جیسا کہ اس بارے میں کی روات گزر دی ہے۔

دسوال كأبول كانشش كادربعه بعيساكد كذراء

كيار بوال بالشرك بدع كيار بوال

الدر المنصودين فرايا بزنى نه إلى بن كعب رصى الدعية سه روايت نقل كى حجب دوتها أن رات كذرجاتى تواكب أعظم كالمرت بوت اور فرمات لوكو! الندكا ذكوكرو-التدكا ذكركرو-كيكبان والي أكنى الس كي يهي بيهي آن والي أكنى موت ابنى ما م عتيول كمسانها كلى موت ا بنى سختيول كيساته أكن موت ابنى مختيول كيساته أكنى- اتى كت بين مين في عرص كيا، يارسول عمر بس آبیب پرمہنت درُو دمشرلییٹ پڑھتا ہوُل، ہیں د فرائفن وصروریات بستریدی ا دائیسنگی سے بعد كتنا وتنت آب پر درُو دبھيجاكرول ؛ فرايا جتنا چا ہو۔ بيں نے كها چوتھامسئلہ ؛ فرما يا جرتمهارى مركا ؛ ا در اگر زیاده کروتوتمهارے یا بهتر ہے۔ بیں نے عرض کیا آدصا وقت ؛ فرما یا جرعیا ہو، او ماگرزیادہ كرو توتمهارے يا بهتر الى ميں في عرض كيا واوتهائى ؟ فرما يا جتنا جا بو، اور اكرزياد ه كردوتو تمهارے یا بیمبتر ب میں نے عرض کیا ، میں تمام وقت درود وسلام کے یلے وقف کرتا ہوں۔ فرمایا توبہ تیرے عمد دُور كرنے كے يالے كافى ہے، اورتيرے كنا و بخش ديئے جائيں كے "عاكم نے مستدرك مين كها الس كى سندهيم ب الايك روايت مين ب، جب چوتها كى رات كذر جائي ا دوسری بی ب وہ رات کے تیسرے صعیمی نکلاکرتے تھے ؟ ایک روایت میں مبت در ودیرہا موں کی حجد میں آب پر در و دیڑھتا ہوں یو کے الفاظ است میں ایک اور روایت میں ہے کانہوں نے بی علی الله علیه و مساح من کیا میں اپنے دور میں ، درود ترایف سے لیے آتا و قت معرد كرتا بول الإيورى مديث الامام احمد ابن الى عاصم اور ابن الى تثيب كى روايت ميل ہے كدايك

شفس نے عوض کیا یا رسُول الند! به فرمائیس که اگر میس تمام وقت آپ پر درو د دسلام پڑھنے میں صرف کم دُون؛ فراياتر بيموالله تارك تعالى تمين دنيا واخرت كفع والم يربيا في الم بينى في يورود ع وسند كرساته رمايت كى ب مركاس ين ارسال درا وى جيوف كيا ، ب -ايك اور روايت میں ہے ایک شخص نے عرض کیا یا رسول الند! میں اپنے وظیفہ کے وقت کا میسار حصد آپ برد رُود ترکیب بيبول كا. فرماً إن اكرها به وعرض يد وتهائى وقت. فرما يا ال عرص كياتهام وقت درود شركيب كے يد فرايادلتر تمهارے دنيا وآخرت كے فرور فرائے كا "اس روايت كے دوراوى ايسے میں جن کوجہور نے منعیعت قرار دیا ہے بیجن بیتمی نے مندری کی طرح اسے میں قرار دیا ہے کیونکاس معضوام موجود میں ایک اور روایت میں ہے، میں اپنا آدھا ور دآپ کی رعبت ورجات، دُعا كے يے مقرر كرتا بول. فرايا تھيك ہے كها ، حنور إسى تمام وظيفة سے يے يے دُعا قرار دينا مول وفرا باجب تواللدتعالي ممهارے دنياوا خرت كے تفكرات كے ازالدكا السبب بناد كے . ايك اور روايت بين بيد مير سارب كون ساكك آف والامبر سياس ياس في كما جوبن ڈ آپ پرایک بار درُود بھیے گا ،انٹرائس پراس کے بدلے دسنل بار رحمت تازل فواشے گا . ايك شخص في كفرك بوكركها يا رسول الله إس آدهى دُعا آب كے يا نگول كا . فرايا جيسے جا مو اس نے کہا دو تهائی، فرط یا جیسے جا ہو۔ اس نے کہا میں تمام دُعا آب کے لیے مانگول گا . فرط یا تو ميراديد تعالياس كاسدتي تيرك دنيا وأخرت كعفم دومر فرط ككا اس روايت سے خواد مرسل قرار دى جائے يامنعسل بيات صراحتة معلوم بوكٹي كد گذششة احادیث بیر لفظ مسلا كامعنى دُعا بيد-لنذاكسي اورًا ويل كي ضرورت نهيس مطلب يدكر مين مبت دُعا مأعماً مول اليس اس میں آپ سے در و د نتر بھینے سے لیے کتن و قت سرف کروں بھینی مجھے جو وقت بیٹسر ہے میں اس میں اپنے لیے دُعا مانگا موں اپس اس میں سے آب پر صلوۃ بھیجے کے لیے کتا وقت صرف کروں ؟ سونبی مسی افترعلیہ وسم نے اس سے یلے وقت متر کرنا مناسب نیمجھا تاکد اسس پراحنا فدکا در واز^و بندنه بوجائ بس بابرابراسے اختیار دیتے رہاورساتھ بی ساتھدا ضافہ کی ترغیب مجی

دیتے رہے بیما ن کم کہ اس نے کہا۔ میں تمام وقت کپیر درود شریف پڑھا رہوں گا۔ اپنی جنا
وقت میں لینے لیے دعائیں مانگا ہوں ، وہ تمام وقت بھی کپ کے لیے دعائیں مانگا رہوں گا۔
تواب نے فروا یا یہ تیرے عمر کے ازالہ کے لیے کا فی رہے گا۔ یعنی دنیا وا خرت کی ہر فکر سے تمہیں ہا مل جائے گا کہ یون کے بیادالہ کے لیے کا فی رہے گا۔ یعنی دنیا وا خرت کی ہر فکر سے تمہیں ہی مل جائے گا کہ یون کے بیادا مل ہے۔ یہ دراصل مل جائے گا کہ یون کہ انتاز کہ دراصل اللہ صلی اللہ علیہ وہ کم کی تعظیم کوشا مل ہے۔ یہ دراصل بی صلی اللہ علیہ وہ کم کی ذات کے لیے دعاکر نے کا اشارہ ہے جبیسا کہ صریف قدسی میں کیا ہے۔
کر تمیرے ذکر نے جس کو ما نکھے سے بے خبرر کھا ، ہیں اے ما نکھے والوں سے زیادہ دیتا ہوں گا اس کے تواب سے یہ بین کھیا ہے۔ اللہ تو اللہ علیہ وہ کم پر در ود وسلام پڑھے کو ابنی سب سے بڑھی ہوا دت سے یہ تین کھیا ہے۔ اللہ تو اللہ علیہ وہ کم پر در ود و وسلام پڑھے کو ابنی سب سے بڑھی ہوا دت کے مقبقے صلا ہ مرا د ہے۔ یعنی اس کا تواب ۔ یا اس کے تواب بیسا تواب بیکن مذکور د بالا روایت اس کا زد کرتی ہے۔

مثل سركارى خدمت بيش كرتا بول ، كس سے بى صلى الله عليدك لم كے نثرف بيں اضافہ بوتا ہے . كراس نواب كمثل كحصول كانبي صلى الشرعليد وسلم كے يلے دعا مانتي جا رہى ہے اور اس كے صول سے آپکے نٹرون بڑھے گا اس لیے کریہ بات بالکل واضح ہے کداس کا حصول کمال ہے۔ یں جب پر شرف سرکارے اصل شرف سے ملے گا ۔ توانس میں مزید کمال بیداکرے گا اوروہ ترقی آئے گی جو پیلے حاصل نہ تھی۔ ٹیونہی نی صلی النڈعلیہ و لم پر ورو دوسلام بڑھنے کے بارے میں مجی سم کمیں کے کہ اس سے سرکار کووہ زائد کمال وترقی عاصل ہوتی ہے جواس سے پہلے آ ب کو عاصل ندتمی ایک روایت میں ہے کہ یکفت گو حضرت ابنی کے علاوہ اور بزرگوں سے بھی ہوئی ہے اوروہ بزر بين ايوب بن بتبيركدانهول في نبى صلى التُدعليدولم سے عرض كيا بحد مين نے يزنه يدكر ليا سے كر اينا تمام تروظیفہ آپ کے بیلے دُعا مانگنا ہی رکھول گا '' الحدیث اگریہ روایت صبحے ہے توان دونول کا آپ كے يد مانگاميم ہے اس ميں كوئى مانعنيس الله وابن جركاكلام ختم ہوا -مارسروال - درُود شریف، قیامت کے دن بندے کا بی صلی اللہ علیہ وسلم سے قریب ہونے كاسبب ہے اكس بار سے ميں ابن مسعود رفنی الله عند سے سروی حديث گزدي ہے۔ مير بوال - غريب در ور شريف مي الما در در شريف مدود دين كا تم مقام ب-چور بروال - درود تراین عاجت روانی کاسب ہے۔ میندر بہوال - درود تربیف پڑھنا بڑھنے والے کے لیے انٹراور اس کے فرشتوں کے درود

سولهوال مدرود شرایت بر صفوالے کی صفائی ویا کیزگی کا سبب ہے۔
سر شربروال مدرود شرایت بندے کے لیے مرفے سے بہتے جنت کی خشخبری کا سبب ہے۔
یہ بات ما فظ ابوموسلی نے اپنی کتاب میں ذکر کی ہے اور اس سلسلد میں ایک مدیث نقل کی ہے۔
امٹھا رہوال یہ قیامت کی ہوانا کیوں سے نبحات کا سبب ہے یہ بات ابو مُوسلی نے ذکر کی ۔
اور اس برا کیک مدیث بجی نقل کی ۔

انبیسول سرئے سبب بی صفے انٹر علیہ کو م درود وسلام پڑھنے والے پر اجوا آباد دو دولام بیسیتے ہیں۔ مبیسوال سسے سبب دمی بھولی بسری آبیں یا دکر لیتا ہے مبیسا کہ گزرا و اکبیسوال یہ مجلس کی خوشی کا سبب ہے وادی کراہل مجلس پر قیامت بھے حسرت واف کوں کا اثر نہ ہوگا و مانگیسوال یہ غربی و مُنلسی کے ازالہ کا سبب ہے۔ جیسا کہ گزدا و منگیسوال یہ غربی و مُنلسی کے ازالہ کا سبب ہے۔ جیسا کہ گزدا و منگیسوال جب درود در تر بعت بڑھنے والا اس کا رہے ذکر کے ساتھ ورود رقم تھا ہے بیخیل

یانلیسوال بیفری و معلسی کے ازالہ کاسبب ہے۔ جبیساکہ کردا۔ معلیسوال جب درود تربیت بڑھنے والا، سرکار کے ذکر کے ساتھ درُود بڑھتا ہے بنجیل کانام اس سے ختم ہوجا آ ہے۔

بروبلسوال درود تراین این برصف والے کوجنت کی را دیر دال دیتا ہے اور نیر مصف والے کوجنت کی را ہ سے مطا دیتا ہے۔

ست المیسوال یر بیمرط بربندے کی روشنی میں اضافے کا سبب بے اس سلسیر ایک تحد سے جے ابو مُوسی نے ذکر کیا -

امظاً مسول اس سے انسان در شقی وجفا سے کل جاتا ہے۔
اس سے انسان در ودوسلام بڑھنے والے کا ذکر خیر اہل زمین و استیسوال اس کی وجہ سے اللہ تعالیٰ درودوسلام بڑھنے والے کا ذکر خیر اہل زمین و اسمان میں بھیلا دیتا ہے۔ اس لیے کہ در و دبڑھنے والا ، اللہ تعالیٰ سے اس بات کا سوال کرتا ہے کہ در و دبڑھنے والا ، اللہ تعالیٰ سے اس بات کا سوال کرتا ہے کہ دد و دبڑھنے والا ، اللہ تعالیٰ سے اس بات کا سوال کرتا ہے کہ دد و دبڑا سے نوازے ، اور جزا مجی علی عنس سے دہ لینے رسول مقدلس کی شنا کرے ۔ اس بے کو مشرون وجزا سے نوازے ، اور جزا مجی علی کی عنس سے

ب، بس لامحالہ در کو دشریف بڑھنے والے کو اس کا حقہ ملے گا۔

میسول یہ درو دشریف بڑھنے والے کی ذات ، عمل، عراور اس کی مجلائی کے اسباب،
میں برکت کا سبب ہے کیونکہ در و دیڑھنے والا لیے رب سے یہ دعا کر ا ہے کہ وہ سرکا دیرا اور آپ
کی آل پر برکت ازل فروائے۔ اور یہ دُعا قبول ہے اور اسن کی جزا بھی الیسی ہی ہے۔

اکمیسول یہ انٹر کی رحمت کے مرل کا سبب ہے کیونکہ یا تورجمت بھی در و و ہے۔ جیسا المحکم ہے میں عندوری ہے کہ در و و

برصے والا بھی اسے یائے۔ معیسوال یسبب ہے رسول انٹرسلی انٹرعلیہ ولم سے دائمی مُحبّت اور اس میں دو بمیسوال یسبب ہے رسول انٹرسلی انٹرعلیہ ولم سے دائمی مُحبّت اور اس میں دو حن داخذ فرکان

ادریدایا ن کے اعولوں میں ہے ایک اصول ہے جس کے بغیرائیان کمل نہیں ہوسکتا ۔اس لیے کہ ادمی جو ل جو ل جو ل جو ل جو ل جا ور دل میں اس کی ذات محاسن اور مخبت بیلا کرنے والی خو بیوں کو حاضر کرتا ہے اور دل میں اس کی ذات محاسن اور مخبت بیلا کرنے والی خو بیوں کو حاضر کرتا ہے ، اس کی مخبت بڑھتی ہے بشوق میں اصافی ہوتا ہے ۔اور اس کے تمام دل براس کا تسلط ہوجاتا ہے ،اور جب اس کے ذکر سے منہ موٹر لیتا ہے اور اس کی ذات اور اس کے محاسن کو دل سے تکال دیتا ہے ، اس کے دل میں محبوب کی عبت کم ہوجاتی ہے اور محب کی اس کے محاسن کو دل سے تکال دیتا ہے ، اس کے دل میں محبوب کی عبت کم ہوجاتی ہے اور اس کے محاسن کے دیدا رسے بڑھ کو کی یا عبت قرار نسیں جب بیجیز اس کے دل میں جم جائے گی تو کر جائی میں محبوب کی مذبح فرائ کی وجیشی اس کے محاسن کے ذکر سے بڑھ کی وجیشی اس کے دل میں محبوب کی مذبح فرائی کی وجیشی اس کے دل میں محبوب کی دہیتی سے ہوتی رہے گی جواس اس کے گواہ میں ۔ اسی لیکسی شاعر نے کے دل میں محبوب کی مذبح ہے ہوتی رہے گی جواس اس کے گواہ میں ۔ اسی لیکسی شاعر نے کی دل میں محبوب کے دل میں محبوب کی دور سے گیا۔ اور اس کی کواہ میں ۔ اسی لیکسی شاعر نے کی دل میں محبوب کی دور سے گیا۔ اور اس کی کواہ میں ۔ اسی لیکسی شاعر نے کی دل میں محبوب کا محاس اس کے گواہ میں ۔ اسی لیکسی شاعر نے کو دل میں محبوب کی کو دور سے گیا۔ اس کے گواہ میں ۔ اسی لیکسی شاعر نے کی دل میں محبوب کی کو دامی اس کے گواہ میں ۔ اسی لیکسی شاعر نے کی دل میں محبوب کی کو دار سے کا محاس اس کے گواہ میں ۔ اسی لیکسی شاعر نے کی دل میں محبوب کی دل میں محبوب کی دور سے گیا۔ اور اس کی کو اور میں ۔ اس کی کو اس کی کو اس کی کو ان میں ۔ اس کی کو ان میں ۔ اس کی کو ان میں ۔ اس کی کو ان میں کو ان میں کی کو ان میں کو کی کو ان میں کو کو ان میں کی کو ان میں کی کو ان میں کی کو ان میں کو کو کو کو کی کو ان میں کی کو کو کو کو کو کی کو

عَجِبْتُ لِتَنْ يَتَعُولُ ذَكَّ رُتُحُيِّى عَجِبْتُ لِتَنْ يَعُولُ ذَكَّ رُتُحُيِّى وَهَـلُ ٱلْسُلِى فَآذَكُو مَا نَسِيْتُ

" مجھے استینفس پرتعجب ہوتا ہے جوکتا ہے کہ میں نے اپنے محبوم کی ڈکرکیا کیا میں محدل جاتا ہوں کہ بھولی بات کو یا دکرتا ہوں "

بس اس ادمی نے اس ادمی پرتعجب کیاج کتا ہے، میں نے اپنے محبوب کویا دکیا کیؤنکہ یا د تومع کے لئے کے بعد کیا جاتا ہے اور اگر کس کی مجتنب کا مل ہوتی تو ہرگز اپنے محبوب کو محبُلاتا •

ایک اور شاعر کتا ہے۔

این دید نسستی دی کو تھا ف کا نت سی کی کی سیدنی ایران سیدان ایران سیدان ایران سیدان ایران سیدان سیدان

سواس شاعر نے اپنی حالت بتائی ، کرمجور سے اس کی مجتبت ، اسے مجلانے بین کا وقعے -ایک اور شاعرنے کہا ہے -

ميرًا دُعَن الْقُلْدِ نِينْ يَأْنَكُ مُ قَتَّا لِحَلَ الطِّبَاعُ عَلَى النَّاقِلِ الرَّمِهِ: ول سِيَمُ النَّاقِلِ ويف كاراوے كي جاتے ہيں اليمُ طبيعت نقل كرف روائے كاراوے كي جاتے ہيں اليمُ طبيعت نقل كرف والے كى بات نهيں مانتى "

شاعر نے بنایکر دوستوں کی محبت اوریا دائس کی طبیعت بن بی ہے اب جواس کے فلا ف ارادہ کر سے طبیعت بن بی ہے اب جواس کے فلا ف ارادہ کر سے طبیعت اس سے انکاری ہے اور مثل مشہور ہے جوکسی سے محبت کرتا ہے۔
اس کا ذکر بجثرت سے کرتا ہے ،اور اس بارگا و معظم میں حق تو یہ ہے۔

سویہ ہے مومن کا دل جس میں انٹرکی توجید اور اس کے رسول کا ذکر بھے ہوئے ہیں۔

بونرمیت سیس نزائل بوسی جب کسی چیز کاکٹرت سے ذکر کرنا اس کی دائی نحبت کا سبب،
اور ذکر نزکرنا مجت کے فاتر یا گزوری کا سبب ہے اور اللّٰد لقا لی کا بی حق ہے کہ بندے اس سے
انتہا کی مخبت کریں اور اس کی عبادت و تعظیم کریں بھروہ شرک جبختا نہیں جائے گا وہ بھی بہی ہے۔
کہ تو محبت و تعظیم میں کسی اور کوشر کے کرے اور کسی مخلوق کی اس طرح تعظیم و مُحبّت کرے جے
اللّٰہ کو تعظیم و مُحبّت کن ہے اللّٰہ لقا لی فرما تا ہے ،

وَمِنَ النَّاسِ مَنْ تَنْتَعْنِدُ مِنْ تَرَجِهِ بِهِ لَوَلُ وه بِي النَّهُ كَ سُوا دوسَرُ وَمِن النَّهُ كَ سُوا دوسَرُ وَمِن النَّهِ النَّهِ النَّهُ اللَّهُ اللَّالِمُ اللَّا

اور مومن کو سرچیزے بڑھ کر النڈ کی محبّت ہوتی ہے جبتی جبتی میں کہیں گئے۔ تاداللہ ان گئٹ الیف منسسلة لِ ترجر جندا ہمیں کھئی گراہی میں تھے جب میبین اذائسی نیکٹم بیزت انعالین تمہیں بروردگارجهال کے ساتھ برابر

كرت تع "

ادر معلوم ہے کو مُشرکین نے معبودان باطلہ کوائڈ کے ساتھ مُجبّت، الوہیت وعیادت ہیں ہرابر کر رکھاتھا، ورندان میں سے کسی نے کہی یہ تونہیں کہاتھا کہ بُت یا با تی سٹر کی اللہ مجھی رہت انعالمین کے ساتھ ، صفات وافعال ، اُسمانوں اور زمین کے بید اکرنے والے بندوں کے بیدا کرنے میں برابر میں ان کا برابر گھرانا توصر ہے بحبت وعیا دت میں تھا مقصد یہ کرج برائی کُری دائی مُجبّت کا سبب ہے ۔ اور انڈ جا آئے ہی نہ کا مل مُجبّت ، عبو دیّیت ، اور تعظیم واجلال کا سبب سے برام کر مستق ہے تو اکس کا ذکر بندے کے یالے سب سے زائد نفع بخش ہوگا ۔ اور اس کا تھیتی فیمن وہ ہوگا ۔ جو اسے رہ کے ذکرا در اس کی بندگی سے منع کرے ، اور اسی لیے قرار دیا ہے ۔ اور اس کو سبب فلاح قرار دیا ہے ۔ اور اس کو سبب فلاح قرار دیا ہے ۔ اور اس کو سبب فلاح قرار دیا ہے ۔ اور اس کو سبب فلاح قرار دیا ہے ۔ اور اس کو سبب فلاح قرار دیا ہے ۔ اور اس کو سبب فلاح قرار دیا ہے ۔ اور اس کو سبب فلاح قرار دیا ہے ۔ اور اس کو سبب فلاح قرار دیا ہے ۔ فرایا : ر

يَّا يَهَا النَّذِينَ أَمَنُوْ الأَمْلُهِ كُمُ تَرِينَ لِمَالَى الرَّمَارى الرَّمَارى الرَّمَارى الرَّمَارى المُوَ النَّكُمُ وَلَا المُعَالَى اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ الْمُلَامِنَ اللَّهُ وَاللَّهُ الْمُلَامِنَ اللَّهُ وَمَنْ يَعْفَلُ ذُلِكَ فَاللَّكُ الرَّمِ السَاكرين وي تقصال المُعَالَى اللَّهُ وَمَنْ يَعْفَلُ ذُلِكَ فَاللَّكُ الرَّمِ السَاكرين وي تقصال المُعَالَى المُسَالِ المُعَالَى المُسَالِينَ المُسَالِينَّ المُسْلِينَ المُسَالِينَ المُسَالِينَ المُسَالِينَ المُسَالِينَ المُسَالِينَ المُسْلِينَ المُسَالِينَ المُسَالِينَ المُسْلِينَ المُسَالِينَ المُسْلِينَ المُسْلِين

ا وزی صلی النّدُعلیه و لم نے فرمایا : "جن کوغذا دی گئی وہ آسکے تک سکے ، صحابہ نے عرض کیا، یا رسُول اللّٰہ! غذاکن کو دی گئی ؟ وہ النّٰد کا بست ذکر کرنے واسلے اور والیاں "

ترمذی میں صنرت ابُو داؤ درصی الندعنہ کے سروی ہے کہ نبی صلی الندعلیہ و کم نے فوایا میں میں میں میں اللہ علیہ و کم ارسے بادشاہ داملہ ، کے ہاں پاکیزہ تراورتمارے دیجے بنتر کرنے والا اورسونا چاندی خوج کرنے سے نیک تر۔ اور اس سے مبترکہ تم اس سے لڑہ ، کہ اللہ و رہ تماری گردنیں ماریں ، صحابہ کرام نے کہا ہاں یارشول اللہ جبلائیں ، فروایا ، اللہ کا ذکر ، موطا میں میر عدیث ابو در داپر موقوف ہے ۔

ادر صفرت معاذبن جل رصی المند عدائے فرایا آدمی نے اللہ کے ذکرے بڑھ کرکوئی الساعل نہیں کیا ، جس سے عذا میں صفا و ندی سے پہنے کی ائمید کی جا سے ۔ اور ذکر رسول ، ذکر فدا کے تابع ہے متصدید کہ دائمی ذکر ، دائمی جمت کا سبب ہے ۔ بس ذکر کرنا دل کے پلے ایس خدا کے تابع ہے جیسے کھیتی کے بیے پائی ، اور جیسے کچھیلی کے لیے پائی ، کہ اس کی زندگی اس کے بغیر نہیں ، اس کی تقسیں ہیں ۔ السند کا ذکر کرنا اس کے نامول نے ، اس کی صفات سے ، اس کی تعریف کرنا، دفاج کسی تعریف کرنا، دفاج اس کی تعریف کرنا، دفاج اس کی تعریف کرنا، متا خرین کے نزدیک زیاد و تر لفظ ذکر کا استعمال اس کی تعریف کرنا، متا خرین کے نزدیک زیاد و تر لفظ ذکر کا استعمال اس کی تعریف کرنا، متا خرین کے نزدیک زیاد و تر لفظ ذکر کا استعمال اس کی تعریف کو کرنا ہونا ہے ۔ اس کے احکام کا ذکر ۔ اس کے اوا مر و نوا ہی کا ذکر ۔ بیرے اور اس افضل ترین ذکر اس کے کلام کا ذکر ہے ۔ فر اِن با ری تعالیٰ ہے ، در و متا نے تو کو باری تعالیٰ ہے ، در و متا نے تو کو باری تعالیٰ ہے ، در و متا نے تو کو باری تعالیٰ ہے ، در و متا نے تو کو باری تعالیٰ ہے ، در و متا نے تو کو باری تعالیٰ ہے ، در و متا نے تو کو بی تو کو بیرے ذکر سے مشرور ا

يَوْمَ الْقِيلَةِ آعْمَى - كُوقيامت كدن اندهاكر كالمُانينَ -يهال الترفايا ومكلام وكرفرايا بعجاس فالنائر أمل يازل فراياب مطاه فدعليه

ر الكذين المنوا وتطهير الموجود ترجر برجوايان لائد اوران كردل الله بِذِكْرِ اللهِ الأمينيكُ واللهِ كَ وَكر عظمُ ثُن بُوكَ بِسنواللَّهِ مَعْلَمَيْنَ الْقَلُوبُ - وكرسى ول معنى بوسكة بي

ادراس کے ذکرمیں سے بیمی ہے کواس سے دُعا -استغفاراوراس کی طرف گڑا کڑا ہے ۔ بیاس

كى بدل محبّت ہى ہوتى ہے۔

اسب كامحبت اس كے دل برقبضه كرليتى جاوراس كے دل مين بي صلى المتر عليه وسلم كے احكام كى خلاف كوئى چىزىمىس رئى اورج كى آب لائے اسى يى كوئى تىك باقى نىسى رئى الىكاب كى لائى بوتى بدايت اس كے دل برنقش بوجاتى ہے-احوال كے اولئے بد لنے سے وہ اس كوريد كويدهاربها ہے- مدايت كاميا بى اورطرح طرح كےعلوم اس سے حاصل كرا ہے- جوك جول اس میں بھیرت، فوت اور معرفت برحتی ہے ، بی صلی الندعلیہ وسلم براس کا درود وسلام بھی بمعما جانا ہے - اسى الماعلم جواب كائسنت وجايت كےعارف اور آب صلى الله عليه وسلم كييروكارين،ان كا درودوسلام انعوام ك درودوسلام مع مخلف بنوا بع اجنول

نے درودوسلام میں محض لینے اعتفا کو استعمال کیا اور آوازی مبند کیں ۔ رہ گئے آپ کے ہیروکارج آپ

کسنت کو بہانے والے اور آپ کی لائی ہوئی تعلیمات کو جاننے والے ہیں ۔ سواہ پران کا درودو

سلام کچرا اور ہی نوعیت کا ہے تو جُرل جُرل آپ کی لائی ہُوئی تعلیمات کا ان کو زیادہ علم ہوتا جا آپ ۔

ان کی آپ سے نیم تشریعی جاتی ہے اور آپ پر جوالنٹر کی طرف سے درُود وسلام مطلوق مقد و

ہے اس کی حقیقت بھی ان کی بچر میں آجاتی ہے ۔ یونمی افٹر تعالی کا ذکر ہے ۔ جُرل جُرل بندے

کواس کی زیادہ سے زیادہ حقیقی معرفت حاصل ہوتی ہے وہ اس کا زیادہ تا بع فرمان اور اس سے

زیادہ مُجبّت کرتا ہے ، اس کا ذکر غافلوں کے ذکر سے مختلف ہوتا ہے جو کھیل کو دھیں مصروف

زیادہ مُجبّت کرتا ہے ، اس کا ذکر غافلوں کے ذکر سے مختلف ہوتا ہے جو کھیل کو دھیں مصروف

رہتے ہیں جو شخص لینے اس محبوب کی ذکر کرتا ہے جس کی مُجبّت اس کے تمام دل پرمُستط ہے۔

وہ اس کی مذح و شنا کرتا ہے اس میں اور

اس خفس بہر بڑا فرق ہے۔ جواشارہ یا لفظ سے بوہ کا ذکر کرتا ہے لفظ بھی ایسا جس کا مفہوم جاتا ہی مہیں، ظاہرہے کہ کسس کی زبان و دل میں موافقت ومطابقت نہیں۔ جیسے بین کرنے والی اور دکھیا ری کے رونے میں فرق ہے۔ بیس نبی صلی انٹر علیہ کوسلم اور آب کے لائے ہوئے دین کا ذکرا وراد ٹڈرشیجا نہ تعالیٰ کی حمد ڈٹٹا اکس انعام واکرام برجواس نے ہم برفرویا ہے اور اُسول بھی کرفروایا ہے یہ وجود کی زندگی اور رُوح ہے۔ جیسا کہا گیا ہے۔

من دُوْمَ الْجَالِسِ ذِكُ وَا وَحَدِيْثُ وَ وَحَدِيْنَ اللّهِ مُلَدَّدٍ حَدِيْدًا نِ وَهُ مَنْ يَكُلّ مُلَدَّدٍ حَدِيدًا نِ مَعْلُول كُلُ رُده واكر لِي مُعْلُول كُلُ رُده واكر ليك الله معنول كي رُده واكر ليك الله معنول كي رُده واكر ليك الله معنول كي رُده واكر الله من مناول من مناول كل المراب الله مناول مناول من مناول مناو

وَإِذَا أَخِلَ بِنِ حَسَدِهِ فِي مَعَبُلِسٍ فَأُولَدُ الْحَدَ الْدَمُوَاتُ فِي الْحَسَبَ نَ فَأُولَدُ اللَّهُ الْدَمُوَاتُ فِي الْحَسَبَ نَا جب كسى مخل مين اس كذكرت رُوكرداني كي جائے . تووہ لوگ زندول مين جب كسى مخل مين اس كے ذكرت رُوگرداني كي جائے . تووہ لوگ زندول مين

مرُدہ ہیں اس کے سبب سے درُود رشریف پڑھنے والے کانام رسول اللہ مسلی اللہ علیہ والے کا فران ہے۔

ان مسلم کی مسلم مسلم کو دومت کے ترجہ دریشک تھا را درُود مجھ پر پیش کیا ہے ۔

ان مسلم مسلم مسلم مسلم کو دومت کے ترجہ دریشک تھا را درُود مجھ پر پیش کیا ہے ۔

جا تا ہے ۔

اورنبی صلی الله علیہ ولم کا ارشاد گرامی ہے۔ ان الله قد کل یق بوی ملائله ترجہ بریشک الله نے میری قبر برفر وسینی فی نئی عن اسکا کہ معرر کردیتے ہیں جو میری اسکا میں میں میں کا سالم میں بینے کھونی عن اسکا کہ معرد کردیتے ہیں جو میری اسکا کا میں میں ہو میری اسکا کا میں میں ہو میری اسکا کا میں میں ہو میں ہوتے ہیں۔

اورادمی کی بیر بڑی سعادت ہے کہ اس کا نام صنور سلی انٹرعلیہ وسلم کے صنور نیکی کے ساتھ لبا جائے اسی عنمون میں کہا گیا ہے۔

ومن خطرت من بالك خطرة تحيق بان يده والته والتحقيق بان يده و والتقدمة

كى اور نےكما-

آخلاً بِمَالُمُ آکُنُ آهُلاً لِمَوْقِفِهِ قُلُ الْبُنْسِيدِ بَعْدَ الْبَاسِ بِالْفَرَّ الْمُلاَيِمِ الْمُلَّى الْمُلاَيِمِ الْمُلِيمِ اللَّهِ الْمُلِيمِ اللَّهِ الْمُلِيمِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللْمُ اللَّهِ اللْمِلْمُ اللَّهِ اللْمُلِيمُ اللَّهِ الْمُلْمِلُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللْمُلْمِ اللَّهِ الْمُلْمِ اللَّهِ الْمُلْمِلُ اللَّهِ اللْمُلِيمُ اللَّهِ الْمُلْمِلُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللْمُلِمِ اللَّهِ الْمُلْمِلُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللْمُلْمُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللْمُلْم

يرماين ہے۔

مستندال یرکم مطرط برقدم منبوط رہنے اور اس مے عبور کا سبب ہے یوعدالمرمن بنامو مستند ال منی اللہ عندے مدیث مروی ہے جانہوں نے سید بن میتب سے بی ملی التدعليه وسلم كدديدار كم متعلق بيان كى ہے الس ميں بيمى ہے كدميں نے اپنا ايك التى تعماط يركرنا برات كمسنة ديحا جوكبي رفعكما بي مجينا ب يجراس كياس وه ورود مرود ترايين آيا. جاس في محريبي تعاس في اس كواس كي إول بيسيدها كمواكر ديا اوراس كوجتم مي كرنے سے بچاليا يوال كوالوموسى مدينى نے روايت كيا-اور تربيب و ترخيب مے مومنوع پر تھی جا نے والی ابنی کما سب کی اس پربنیا در کھی، اور کہا کہ بیصد بیش بست اچی ہے۔ بى صلى التدعليدو ملم يردرود وسلام يمين أب كدي كابست بى كما صان أرميبوال اداكرنا بداورآب كانعام واكرام كاادني شكرب بحداد تدخ آب ك ببنت كيسبب م رسبت برا احسان فرايا ب، حالان عص كالمستق بن نهم. است جان سجيں اور ندشمار كرسكيں ، ندائس كى طاقت ركھيں ، نداما وه كرسكيں۔ ليكن اونڈ تعالى اپنے ففنل وكرم سے بندول كے تحوار كے تحوار معمل ادائے تى سے راصنى برما تا ہے۔ يدان للرك ذكرا اس كفتكرا وربندول برامس كماحسان عظيم كامعرفت ذريعها يع يجوبندول ميں اينا مجوب رسول بيج كراس نے كيا ہے ،يس حضرست محدصلی الندعليد و سلم بر در و د مشراعيت ، الندك ذكر ، ذكر رسول ، اوراس دُعا پرستل الله-كما دنترتعالي اس درُو دسترلعيف كي عوض ان كو وهجزا كت خيرعطا فرائ جس مح أسيستى مين. بييسيها رسه پروردگارنے ہم کوا پنے اساً وصفات کی معرفت عطا فرا کی اوراپنی رصنا مسند کی کی طرفت ہاری راہنائی فرمائی ا ورہیں بربتا پاکساس کے وصول اور اس کی طرفت قدم اُمٹھا نے میں سمیں کیا فرائد حاصل ہوں سے۔ بس یہ درُو در شواعیت تمام دین برشتمل ہے بلی ہیاس پروردگار ك وجودكواقراريستل بصحب سے دُعاكى جاتى ب اوراس كيسمع وقدرت ارا ده حيات.

کلام کابعثت ،نی کی خبرول کو بچاکونا ، یہ سب کمال فیت ہے ،اور کی شک نسین کریں ایمان کے اصول میں ،اور نی مطی التٰدعلیہ وسلم پر درود مشرفین بڑھنے سے انسان کوان تمام چیزوں کاعلم ہما اصول میں ،اور نبی صلی التٰدعلیہ وسلم بردرود مشرفین بڑھنے ہے انسان کوان تمام چیزوں کاعلم ہما ہے ،ان کی تصدیق ہو تی ہے ، اس بی تمام ہے ، ان کی تصدیق ہو تی ہے ، بس بی تمام اسل میں افضل ہوا ۔

بندے کا نبی صلی المترعلیہ و کم پر در و دبیجنا، دُعا ہے، اور بندے کی اللہ اللہ اللہ اللہ و کی اللہ اللہ اللہ و کی اللہ اللہ اللہ و کی اللہ اللہ و کی اللہ و روز و کی اللہ و کی اللہ و روز و کی اللہ و کی اللہ و روز و کی اللہ و کی ال بيش أفي والصمائل محمل مح يلي بسويد دُعا وسوال اورا يثار سي بندے كے محبوب و مطلوب سے یہے۔ دوسمرے بیکربندہ الترسے سوال کرے کدوہ اپنے جبیب وخلیل کی مدح و شنا كريد ال كي عزت وتكريم مين اصاف فروائد ال كاذكريميلائد اور مبندكريد اور يكانسك نهين كدانتدتعا لي اوركس كارسول صلى التدعليه وسم الصيبند فريات بين وحوضف ابنى حاجا و ضروريات برائس كوترج وساوريه اس كالمحبوب ترمقصدبن جائے اوروہ اسے ہرجزر ترجیح وے اسواس نے بقیناً اللہ اور رسول کی محبوب جیزکو اپنی لیندبر ترجیح دی - اورجزاعمل کے مطابق ہوتی ہے،سوجوا داد کوغیرمرترجے دے النادھی اس کوغیرمرترجے دیتا ہے۔اس بات کواس طرح مجمو ، كرجن لوكول كوانت إ دشا بول اور ميسول كے دربار ميں اعتما دحاصل بوآ ہے جب وه ان محصو مزيد قرب ومنزلت جا بته بي، تووه اين محسن سان توكول بيانعام واكرام كى درخواست كرتے بيل جوان كى نظريى با دشا بول اور رئيسول كے خيرخوا ہ ہوتے ہيں . وہ جُول جُول ان برانعام واكرام كاسوال كرتے مبی ، بادشا بول كی تكا دسیں اس كی قدر دمنزلت اور انعام واکمام میں اضافہ ہوتا رہا ہے کیونکدان لوگوں سے اپنے دوست سے لیےصلہ وستانش كامطالبكرت مبيسوان فرے وكول سے وہى سوال كرا ہے۔ جزياده مختت كرا ہے ماكلس برمكل انعام واكرام واحسان بوًا رہے۔ بیعام مشاہرے كى بات ہے۔ بس بادشا دكن كا ه میں ان توگول کامتنا م اور ان کامتنا م جرمیشدا بنی ضروریات و حاجات کا سوال کریں ۔ ایک

نہیں، پھرکیسے خیال کیا جاستی ہے سب سے بڑے اور جلیل القدر فرنسٹ کرنے والے دفدا، کا معاملہ اس کے کوئم ترا در فرقوب ترخوب کے ساتھ ۔ جاگر نبی صلی الشدهلیہ و کم پر در و در شراحیت پرخوب سیسا اس کے علاوہ کوئی اور فائدہ نرجی ہو، توبندہ مومن کی اسی میں کا نی عزت وعظمت موجود ہے ہو این القیم کی عبارت کتا ب مذکور سے ختم ہو ئی میں نے وہیں سے نقل کی ہے ۔ این القیم کی عبارت کتا ب مذکور سے ختم ہو ئی میں نے وہیں سے نقل کی ہے ۔ الفاسی کے ارتبا و الله الخیرات کے شامع الفاسی نے ، مُصنف کے قول الفاسی کے ارتبا و الله الخیرات کے شامع الفاسی نے ، مُصنف کے قول میں ہو کہ میں آگئے تا الدہ تھا تا ہوں کہ الدہ ہے جورب الا دیا ہے کہ الدہ تا ہو تا ہے ہیں اللہ تا ہوں کہ الدہ الدیاب کا قریب چا ہے ہیں اللہ تا ہیں اللہ تا ہیں اللہ تا ہوں کا ہے ہیں اللہ تا ہیں اللہ تا ہوں کہ اللہ تو ہیں اللہ تا ہوں کہ اللہ تو ہیں اللہ تا ہوں کہ اللہ تو ہیں اللہ تا ہوں کی اللہ تو ہیں اللہ تا ہوں کہ تا ہوں کے اللہ تو ہیں اللہ تو ہیں اللہ تا ہوں کہ تا ہوں کے اللہ تو ہیں اللہ تا ہوں کہ تا ہوں کے اللہ تو ہیں اللہ تا ہوں کہ تا ہوں کی کے اللہ تا ہوں کہ تا ہوں کہ تارہ کی اللہ تو ہوں کے اللہ تا ہوں کہ تا ہوں کہ تا ہوں کی کہ تا ہوں کی کے اللہ تا ہوں کہ تا ہوں کہ تا ہوں کی کہ تا ہوں کر کے اللہ تا ہوں کہ تا ہوں کہ تا ہوں کو کہ تا ہوں کہ تا ہوں کی کہ تا ہوں کی کے کہ تا ہوں کی کے کہ تا ہوں کہ تا ہوں کی کہ تا ہوں کی کہ تا ہوں کی کے کہ تا ہوں کی کے کہ تا ہوں کی کے کہ تا ہوں کی کہ تا ہوں کی کہ تا ہوں کے کہ تا ہوں کی کے کہ تا ہوں کی کے کہ تا ہوں کی کہ تا ہوں کے کہ تا ہوں کی کے کہ تا ہوں کے کہ تا ہوں کے کہ تا ہوں کے کہ تا ہوں کی کے کہ تا ہوں کی کہ تا ہوں کی کے کہ تا ہوں ک

کی تشریح میں فرا یا جو کوئی اپنے پرور دگار کا قرب چا ہے اس سے پلے درُ ود مشریعین چند دجوہ سے
مست اہم ہے۔ ایک بیر کر کس میں النڈ کی بارگا ہ میں اس سے مبیب ومصطفے مسلی اللہ علیہ وہم کا
مسبد حاصل ہوتا ہے۔ اور النڈر تعالیٰ کا فرمان ہے:۔

قابنتنی الیسید الوسید نی تربرای کی طون دسید فرهوندور الیسید الوسید فره ورزود و الدانته تعالی کی طوف اسید فره کر براا و تربیب ترکوئی دسید الدانته تعالی کی طوف اس کے دسمول اکرم معطالته علیدوسم سے بڑھ کر بڑااور قریب ترکوئی دسید نمیس اسکا حکم دیا اور ترغیب دی عمض نبی حق التما علیدولم کی عفلت، شرف اور ففیدلت فل مبرکر نے کے لیے اور اس برعمل کرنے والے کو اچھے فاتے اور اور تعلی کا وعدہ دیا - للذا یہ تمام اعمال میں کا میاب تر ، تمام اقوال میں لائن تر ، تمام احلال فوال میں برگئر ، تمام احلال میں باکیزہ تر ، تمام عبا دات میں بابرکت تر ، اور تمام برکتوں میں عام تر ہے - اسی سے درتی فل مرکز وی میں عام تر ہے - اسی سے درکتی فل مرکز وی میں ماکتی ہے - اسی سے درکتی فل مرکز وی بین ، اسی سے دکھائیں قبول ہوتی بین بلند ترین درجوں پر فائر ہوسکتا ہے - اسی سے دلوں کے زخم مند مل ہوئے اور بڑے گنا ہوں سے دل صاحت ہوتے ہیں ، ایک فائدہ یہ ہے کہ نبی صلی ادلی علی ایک فائدہ یہ ہے کہ نبی صلی ادلی علی ادلی علی ایک فائد علیہ وسلم النہ تعلیہ وسلم النہ تو تو النہ تعلیہ وسلم النہ تعلیک و تو النہ تعلیہ وسلم تعلیہ وسلم

اس کے تمام فرشتے اس پر در و دوسلام بھیجے ہیں اور اس نے اہل ایمان کو آب پر در و و وسلام بھیجے

کا حکم دیا ہے ۔ بس اس محبوب سے مجت کرنا ، اور آپ کی مجت ، تعظیم اور آپ پر در و دوسلام

اور السند تعالیٰ اور فرشتوں کی صلاۃ کی بیروی کرنا ، واجب ہوا - ان میں سے ایک فائد دیہ کہ

در و دیتر بھین پڑھنے کی فضیدت اور اس پرجزائے جزیل طبنے کا وعدہ ، ابنا ذکر ملبت دہونا ، عمل

مرنے والے کا اللہ کی رضا اور ابنی حا جات دنیا وا خوت کے صول میں کا میاب ہونا ، ایک یہ

کراس سے اس واسط کا تکر ہے جائٹہ کی نعتوں میں جبی نعت مثلاً ہا را وجو دا ور اس کو طنے والی

مرمد دایسی نمین جس میں نبی صلی اللہ علیہ ولم کا معلی جبی نعت مثلاً ہا را وجو دا ور اس کو طنے والی

مرمد دایسی نمین جس میں نبی صلی اللہ علیہ ولم کا معلی دیتوں کو اعدا دوشا رمین نہیں لایا جاسکا ، جیسا کہ فرما ان

پس بم برنبی صلی المنده علی و از م بروا - اور آب کشکر کے واجب بونے کالازئی تیجہ یہ

ہے کہ بم آب بر درود وسلام بعینے میں ذرہ کونا ہی ذکریں سانس آئے یا جائے کہ اس میں سیم بودیت

کافی م بین یکم باری تعالیٰ کئی تعمیل ہے - ان میں سے ایک دد فا مُدے میں جن کا بحربہ کیا جا چکا ہے
جن کا اخرا و رفع دیکھا گیا ہے - بعیسے فرمانیت ، ربح والم کا از آلہ یمان مک کما گیا ہے کہ درود

خری بین بین خوریت کی جگر کافی ہے اور اس کا قائم تمام ہے ان میں سے ایک یہ کہ اس میں کا مل اعتمال بایا جا تا ہے جس سے بندے کا کمال کی لیڈیر ہوتا ہے کئی صلی المند علیہ و لم مردود و کا کم میں المند اور کس کے رکبول میں المند علیہ و لم دونوں کا ذکر اجا تا ہے ، جب کہ المند کے

ویکھی بری المند اور کس کے رکبول میں المند علیہ و لم دونوں کا ذکر اجا تا ہے ، جب کہ المند کے

ویکھی بریات خمیں رہ

بعدالغاسى فرات مين فرون القرطبى كاتب بين سين بان الوكم نبي الأعليدولم

پردرود تركیف بیمین يس صنيلتين بي - اقل جبار بادتها ه دانند) كا درود - دوم نبي منار كى شفاعت بسوم بىك بخت فرستول كى اقت ما بهمارم منافقين وكفار كى مخالفت بينم. كنابول اورخطا وُل كُيُخشش شِيتَم صروريات وحاجات كايورا بونا بهمم ظاهروباطن كي روشني يهشتم جهنم مصنجات بنهم جنت مين داخل بونا - دبم . فكرائ رجيم وغفار كاسلام " يهم مختصر طوريرا بن القيم الجوزى كا درج بالاكلام كتاب حدد اكل الد توارقى الصلاة والسسلا وعلى لبي محسار كروادس ذكركيا فيمشرح الدلائل مين بمي فرما يكدامام ابن السبع نے اینی سفا میں بی صلی التدعلیہ ولم بر در وسلام کے دین . دنیا واخرت میں ہونے والے بن سو مك قوائد بيان كيه بين- اما م الساحل نے اپنى كتاب بعنية السالك بين كها سے كرمين كے درد د وسلام كے فوائد شمار كرنے كا ارا ده كيا توسوست اوپرتك تعدا دجا يہجى يرجو يو فوائد كا إيسا دروازه كمولاكياكماعدا دوشمارس بابرب- مهاحب كنوزالاسداراس بات كوتفل كرك فرفا بين - مين كمتا بول التُدتعالي كالمجديريداحسان فرمايا ، أسن محرمجيط كا ايكسيمينيا فمالا يجس كي موجين بيان سعيا سربيس وتجع وه الفاظ تهيس ملتة جس سي تعبير كرسكول بمنظر مين كمثنا بول كرنبي مل انتذعليه وسلم بردرود وسلام بميجنين اس دنيابين اورا خرستين وه فوائد، اسرار، معارف ادر انوارہیں ، جوکسی اکھونے نہ دیکھے۔ نہ کسی کان نے سننے اور نہ کسی انسان کے دل میں کھنکے ۔ اگر بمتین فاصرنه بول اوراولیاً الله کے معارف کو سمھنے سے دلول کی روشنی بھے نہ گئی ہوتی تومیں اس رَيفيل سي كفت كوكرتا وان حقائق كى رعايت كيسية كرول جب كدبها رسي بي صلحالته عليه وسلم نے ہمیں اوسیسکھایا ،اپنے کس فرمان سے خَاطِبُوالنَّاسَ بِقَدْرِ مِنَا ترجه بروكوں سے ان كى بچے كے معابق يَغْهَ مُونَ لَمُ الناسِ عَلَى مَدعقوهم باستكروك اوكما قال مترجم سوپاک ہے وہ ذات جس نے میا ،جس کوچا ہا وراسے کسیع علم عطافر ایا ، یراند کا فضل ہے۔ ادرجانے کے بلے اللہ کافی ہے۔

ما فظر مناوی نفوایا مین مناه کی مناه می مناه

وسيد يجوا، و دايني مراد كومينيا اورا بيض مقدين كامياب بوا علمائد اس موضوع برالك کتا بیں تصنیعت کی ہیں ان میں سے ایک عثمان بن صنیعت بھی ہے جس کا ذکر ہوجیکا ہے ۔ اس کے ملاوہ اور مجی ہیں۔ یہ ز در ودوسلام)نبی صلی التندعلیہ وسلم کے ال مجزات میں ہے، جوطویل عرب سال وصدیاں گزرنے کے با وجود باتی ہے بیں اگریوں کما جائے کرنبی صلی الترعلیہ وسلم کی عرت وسطوت كاوسيد يرفي في والي اوران كى قبوليتين ببت سے وسيلول معجزات اور مبت سى قبولتيتول كوشامل سے توريمبت اچى باست ہوگى كداب مركار كيم عجزات كوشمار كرنے كى أتميد مندر ہے گی۔ شمار كرنے والا اجس عدد كك منتي على عديك منتي ينتي سے قاصر ہے كا بعن برسيعلما فيديكام شروع مي الين صرف بزار كم ينج سحة اورفداكي قسم أكرول كأنكاه ما ہوتواس پرمزاروں کا اضافہ ہوسکتا ہے مسلی اللہ علیہ ولم سینا کٹیرا - اور تیرے یا اس مهاجر عدت كاقصه كافى بصص كابيًا مركبا بجرالتُدتعالىٰ في اسے زنده كرديا جب اس في بي صلی انٹرعلیہ وسلم کا وسیدر بچڑا۔ بیما ل ابی بن تعب کی وہ حدیث بیش نظرر ہے جو ذکر ہو بی ہے۔ كرس كارصلى التذعلية ولم في ان سے فرط ياكر- بھرتو يہ تيرے عم كے ازالدا وركنا وكي تحشق كے یے کافی ہے "سب تعربین التدہی کے یا ہے اور نبی صلی التدعلیہ وسلم برورو دوسلام پڑھنے کے فوائد میں سے ایک فائدہ یہ ہے۔ کد در ود دسلام بڑھنے والاغدابوں سے سجات پالا اوران بائیول سے مخفرظ رہا ہے جو درود وسلام کے ارک کے لیے ہیں۔

ان میں سے ایک پر رحب کے سامنے نبی صلی اللہ علیہ وسلم کا ذکر کیا جائے اور وہ آئی درُود تشريعين نه جيميع، برسخت بهم اس كى ناك كرد الود جوكى و دليل بوكا) دوز ج مير اخل ہونے کاستی ہوگا وانترا وراس کے رسول سے دور-اس برجبریل علیالسلام اورنبی نسلے اللہ علیہ وسلم کی برعا پڑے گی اور حمت سے دور بوگا -

ان میں سے ایک پر کرمی ا دمی کے سامنے نبی صلی اللّٰدعلیہ وسلم کا ذکر کیا جائے اور وُرہ کہ بر درُود وسلام مذبیعے بقینا وُہ جنت کا راستہ مجھ ل گیا ۔ کہب پر درُود وسلام مذبیعے بقینا وُہ جنت کا راستہ مجھ ل گیا ۔

ان بیں سے ایک برکر جس کے پائس بی صلی انٹرعلیہ وسلم کا ذکر کیا جائے اور وہ آپ پر در و دشترلین نہ بھیجے ، ایس نے یعنیاً آپ پرطلم کیا ۔

ان میں سے ایک یہ ،سب سے بڑا بخیل وُ ہے جس کے پاس نبی صلی المتُرعلیہ کوسلم کا ذکر کیا جائے اور وہ آب پر درجو درشر لعیت زبرِسے۔

ان میں سے ایک پر کروشخس نبی حلی استر علیہ کو کم کرمش کر در کو دشر لیے نہ برا مے وہ لعنتی ان میں سے ایک پر کرمش ان میں سے ایک پر کرجس کے سامنے صنوصلی انٹر علیہ کو سام کا ڈکر کیا جائے اور دہ آپ پر در کرو د نہ بڑھے وہ سب سے بڑا ہاجی ہے۔

اوران میں سے ایک یہ کہ جومجنس نی صلی المنڈ علیہ وسلم کے ذکر سے خالی ہے وہ اہامجنس کے پلے قیامت کے دل باحستِ حسرتِ وافسوس ہوگی ۔ اوران میں سے مُرُدار کی سی بُولُٹ گی۔ ان میں سے ایک یہ کہ جس نے نبی صلی النڈ علیہ ولم بر درُّ و دستر لعین نہیں میں او ہ آپ کا چہرہ اقد س نہیں دیکھ گا۔

ان میں سے ایک برکر جس نے نبی صلی الشّد علیہ وسلم پر درُود ندیجیجا اس کاکوئی دین نمیں۔
ان میں سے ایک برکر تارک درُود وسلام ان بے صد وشار قوائد سے محروم رہا ہے۔
جزنبی صلی الشّد علیہ کوسلم پر درُود وسلام پڑھنے والول کو حاصل ہو تے ہیں۔ و نیا میں بھی اور الحرت
میں بھی۔ یہ تمام با تبین اس کسسلمیں وار دہونے والی احا دیث سے تا بت ہیں۔ یہ تمام القول البّد "
دغیر کتب میں مذکور ہیں۔ سب سے اہم فائدہ پر کہ نبی صلی الشّد علیہ وسلم پر درود بیعینے والوں
کو ایک کشفاعت نصیب ہوگی۔

"الدد المنصنود" بن ب من بال بي كما ما عزلى رحما المدند مشارشنا عت اوراس كم سبب بربر انفيس كلام فرا با به جس كا فلاصر برب كرشفا عن ايك نور ب جويار كا واللي سے سبب بربر انفيس كلام فرا با ہے جس كا فلاصر برب كرشفا عن ايك نور ب جويار كا واللي سے

جوہربوت برجیکا ہے اوراس سے ہرا یہ جوہر کی طرف منتقل ہوا ہے جس کی سربوت سے سخت مناسبت بو، شدید محبت سنتول برمدا دمت اور درو دوسلام کی صورت میں نبی صلی التدعليه والم كے و كركتير كى صورت ميں - اس سے تعبس يھى معلوم بوگا ،كداس مناسبت سے نور نبوت كامنعكس بوناا ورشفا حت كاحقداربنانے كى استے بين خس قدرروا يات واردين، وه سىبىمشروط بي ان تنزلك سے جوروا بات بيں مذكور بين، مثلا مركار پر بحثرت درُود شريب پڑھنا - یا آب کی قبرمبارک کی زیارت کرنا - یا افال موذن کا جواب دینا ، اور افان کے بعد سرکار كريك دُعا مَا تَكُنّا اورا يسيم ووسرك أنمورجونبي المدعليدة لم كمُحبّت اورتعلق مردلالت ممين وظلاصدعبارست ختم

اين عطأ الترف كتاب مغتاح الفلاح ميس كها، أبيا كرام صلى التدعليهم وسلم برورود وسلام بيعيخ كيحكم ميس

ابن عطے کا کلام يدرازينال من كدانساني رُوح كمزور سه -انوارالليدكوقبول نهيل كريسكتي جب درُود وسلام ير صف والے كى رُوح كا يرشته ارواح انبياً كے ساتھ مضبوطى سے قائم ہوجاً اسے ، تو وہ انوارج عالم عيب سه ارواح انبياً برفائف بوت بن ، ورُود وسلام برسف والول بران كاعكس مياً . كنوزالاسسوارين فرايا مواق نے كتاب سنى المهتدين بين علماكا يہ تول تقل كيا ہے۔ م ذکر مذکور کی محبت کو سخته کرتا ہے اور محبّت محبوب کی بیروی کو سخته کرتی ہے۔ پس رسُول اللہ معط التدعليه وسلم كا وكرسركار كم محبت كاسبب بدا ورآب كم عبت آب كى غلامى كاسبت اوراكب كى غلامى فرض سے يس نبى صلى الشرعليدو ملى يردرود وسلام كا حكم ماكيدى بوا-

تمرات درودوسلام

اس كتمرات بين سے ايك يہ ہے جسے كتاب سالك لعنفادين ام قسطلانی نے بيان كيا ہے۔ الك العنفادين ام قسطلانی نے بيان كيا ہے كار الد ذكي العنبا سا

ألاوليا بين فرايا كجن جيزول سافلاص اورفاص وكول كعبندمقا مات عاصل موسكة بين ان مين سے ايك ابل علم كى كتابول كامطالع بعثلاً - احياً العدوم - القوت-الوعايه الحليس عوارف المعارف - التنويد- وردوظا لعُن بريمتني اورسيّنا يول التُدْصلى التُدعليد و لم يركثرت سے درودوسلام بيجيا وادراس كيمرات بيس سے ايك دوب حب كا ام مسطلانی نے بھی قول كيا ہے امام عارف سيدى محد بن عمر عرى واسطى نے اپنى كتاب شنع المنة فى تلبس بالسنة " بين فرايا . جان لوكشب وروز إبندى سے رسول التنوصلي التندعليدوهم بردرو دوسلام برصناسانك براتبدايس بى لازم بدوس ساس اس راستے پر چلنے اور رب الارباب کے قرب طلب کرنے میں بلمی مددملتی ہے۔ دوسرے اذكاركى يه باستنهين اس سے الله كى طرف جانے والاراسته كمل جاتا ہے يميزي المحفوصلى الشرعليدولم بى بارس اورانشدتعالى كے درميان واسطه ووسسيله بي -اور بارسے يا اي ہی ادائد کی ذاست پردلیل اوراس کی پیان ہیں۔ اور ذمی واسط سے پیلے واسط سے تعلق ہوتا ہے کہ داسط ہی با دشام معظم کی بارگاہ میں داخل بونے اور متام قرب عاصل کرنے کا سبب بوّا ہے . بین صنور صلی المترعلیہ کوسلم مخلوق اور ان کے رمب تبارک و تعالیے کے درمیان واسظر جان نوكر بيبول وليول تمام ببیول اور ولیول کوحضور بی سے مدملتی سے اور تمام مندق ورتب صلے اللہ علیہ وسلم ہی کی طرفت سے مدوملتی ہے۔ اور ال محتمام اعمال اب صلی اللہ علیہ وسلم بربيش كف باتين اوربراجرو تواب كصول بن اب الاسطرين سواب برورو ووسلام قرب فدُا در سُول کے یا سب سے بڑی مرد ہے -اس سے تورماصل بوتا ہے، اورظامت توربی مين زائل ہوستى ہے بىلمت سے مراد ہے تعنى كاميل، دلكازىك جب تعنى اور دل زنگ سے پاک ہوجاتا ہے، نیکی سے رو کنے والی تمام بیاریاں ختم ہوجاتی میں بیسب اسمحضرت کی بکت ادرآب پر بخترت درود وسلام بریض اوردل مین آب کی محت جاگزی بونے کی وجهد مع بواراه

جب بہیں معوم ہے کہ آپ کے افعال وافعاتی کی ہروی اس دقت تک نہیں ہوسکتی جب کہ

اب کی طرف کا مل توجر مبذول نہ کی جائے اور کا می توجراس دقت تک ہونہیں سکتی جب کہ

اب کی ٹبت بیں مبانفہ نہ کیا جلئے اور ٹمبت بیں مبانفہ صرف اسی صورت بیں ہوسکتا ہے۔

اب کی ٹبت بیں مبانفہ نہ کیا جلئے اور ٹمبت بیں مبانفہ صرف اسی صورت بیں ہوسکتا ہے۔

جب آپ پر کٹر ت سے کرتا ہے۔ اسی لیے مبالک دواہ تی پر چلنے والا) آپ پر در و دوسلام سے ابتدا گر کہ ترت سے کرتا ہے۔ اسی لیے مبالک دواہ تی پر چلنے والا) آپ پر در و دوسلام سے ابتدا گر ہے۔

انگور ججیہ فا ہر ہوتے ہیں ، جن سے مالک ایسے اسرار و در موز فوائد اور لطعف ولذت ماصل مرتا ہے۔ کہ تا ہم رہ گئتی وشھار میں میں اسکتے۔ اب سالک سمجھ جاتا ہے کہ فالعی اللہ کی رمنا ہوئی کی طوف اس کہ بی ہوا جا سے کہ فالعی اللہ کا میں اسک اس کہ بی ہوا جا سے کہ فالعی اللہ کا میں اسک کے دریاج ہی توجہ بھا جا سے کہ فالعی اللہ کی ماصل کی جہاس کی برکت چکتی ہے۔ اور بری قواکس منزل و دراہ کا چراغ ہے جس سے ماہنو کی ماصل کی جا سے جس سے دائو کی میں اللہ عالی ماصل کی جا سے جس سے دائو کی میں اللہ عالم ہور درود دوسلام پڑھ کر کہ اور کہ اور اس کے انوار سے توجید کے بی جے رازوں پراطلاع وسلمی ہے۔ درود دوسلام پڑھ کر کہ اور کر لیا ، دواس کے انوار سے توجید کے بی جے رازوں پراطلاع والے ہے۔

ا در دُوح تواکیمے لئے کم میں "سوجن میں میجان ہوگئ ان سے مُجتت ہوگئ اورجن کو ندیمیجانا اس سے اختلاف کردما ﷺ الح

عارف بالشرسيدى ابراہيم الرمشيد فليفرسيدى احمد بن ادريس نے علاميش على عبدالرزاق كي بيش كرده سوالات بين سے دسوين مسئد كے جواب بين فرايا في بي بات معلوم ہے كرجس نے دصال مصطفے صلے الشرعليہ كسلم كى لذت چكى لى بيونى دونوں كا بارگا ، ايم بهر بهر بي حجم وسيت كرب نجا و متعمد فك بينج كيا جس نے دو وصالوں ميں فرق كيا اس نے معرفت كا ذائقة نہ جيكا ، عارفوں نے الشرا وررسول كى محبت ميں باہمى زرمك كيا ہے برسى نے غزل كے وائقة نہ جيكا ، عارفوں نے الشرا وررسول كى محبت ميں باہمى زرمك كيا ہے برسى نے غزل كے وسيد سے وصال طلب كيا ، جيسے برعى اور بوصيرى ، كسى نے غزل كے وريعے متعمد طلاب كيا . جيسے ابن الفارض اور ان جيسے دو سرے ، كھ وہ بين جنوں نے دونوں متعالم تبرمغزل سے كام بينے ابن الفارض اور ان جيسے دو سرے ، كھ وہ بين جنوں نے دونوں متعالم تبرمغزل سے كام ميں ہے جب كرسي سے بڑا ذريعہ وصال ، بيا ہے جيسے سيت بينا ورا ور مالام بينجا ہے بيمان كم كرمكار مانات مبيب سے تعلق بيداكر فااور آب بربحثرت در ود وسلام بينجا ہے بيمان كم كرمكار

كاخيال اس كى أبحول ميں رہے، جيسے صاحب إلالك الخيرات كا طريقة ، كدروصندُ اقد سس كي تصويرما منے ركھ كر، دور والاشخص، نبى صلى التّدعليدو لم بردرود وسلام برصتے وقت السے دیکھے اس سے تصویرا س محبوب کی طرون منتقل ہوج اس روصنہ کے اندر تشریف فرا ہے۔ جب باربار درُود منترلف برُصنااور است ديجتا جائے گا توجن كاخيال وتصوّر باندها تھا وہ محسوس ہونے نکس کے اور یہی اصل مقصود ہے ۔ اسی کی طرفت کسی تناعر نے اشاری ا فَرَوْهَا مِنْ الْكُنَّانَى مَنَاى وَبُعْيَتِي وَفِيْهَا مِنْفَا كُلِّنِي وَنُوْكِي وَرَاحَيْ وَرَاحِيْ ا کی خوبمورت روصنه کیاک امیراتمنا اورمقصود ہے اوراسی میں میرے واق رُوح کی شفاً اور آرام ہے " فَانَ بَعُدَتْ عَنِي وَشَطَّ مَنَا رُهَا فَيَمَتَا لُهَاعِتْ دِي بِآحْسَنِ مُوَةً مھراگروہ مجھ سے دورہے اورائس کی زیارت مشکل ہے، توہیل اس کی شبيبة تومبترين صورت مين ميرے ياس موجود سے؟ وَعَادَنَا يَاخَيُرُ النِّسِيتِينَ كُيِّعِينَ كُيِّعِينَ كُيِّعِينَ كُيِّعِينَ كُيِّعِينَ كُيِّعِينَ كُيِّعِينَ ا در ہاں ، لیے تمام مبیول سے مبتر دنبی ، میں اسے شوق سے ، اپنی آگ بجھانے کے لیے جُوم رہا ہوں کے اسی معنوم کوکسی دوسرے شاعرنے یوں بیان کیا ہے۔ كَلُّمَّا الشُّوْقُ ٱقْلَعْنِي إِلَيْهَا وَلَمْ آظُفُرُ بِمَطُّلُولِي لَدَيْهَا جب شوق نے مجھ اس کی طرفت ہے تاب کیا اور میں اس کے یاس اینے مقصديس كامياب زيوسكا" وَقُلْتُ لِنَا ظِيرَىٰ قَصْرًا عَلَيْهَا-نَعَشْتُ مِثَالَهَا فِي أَنكُفِ نَعَثْنَ وتوامين في تميلي مين اس كي تصوير نقش كرلى اوراين ويحف والي كوكها اس يركم نظر واليودك معبوب كي تصوير مينظر كرنا عاشق كوناكواركزتا ہے ؟

عارفین بی مسلی الله علیہ وسلم پرجوکٹرت سے درُود وسلام بیجے بی تواسسے ان کا مقصد وصنول نواب یا اس سے نفع اندوزی نہیں ہوا - اگرچہ بیضیقت میں بیچیز بھی ان کو ماصل ہوتی ہے - بعقول آفبال مرحوم - سے ماصل ہوتی ہے - بعقول آفبال مرحوم - سے سوداگری نہیں ، بیرعبادت فکر کی ہے ۔ لیے بی خبر جزاگی تمنا بھی جورد دیے عارف مائٹ دالد مرداکش رمنی انٹر عند فرماتے میں - سے عارف مائٹ دالد مرداکش رمنی انٹر عند فرماتے میں - سے عارف مائٹ دالد مرداکش رمنی انٹر عند فرماتے میں - سے

عارف بالتدالدمرد المش رضى الشرعة فرات مين - مه كين الدين الم يك ها الإكتاكا كين تفت في ين الجناف نعيماً في غيد إنى المريد ها الإكتاكا منتول مين ميرام متصدف مين رحاصل كمنا الهبيل ميرام متصدف مينوب بيرام وجنت ميرام تصدف مينوب المراد ويوجنت مين مرادك - دجوجنت مين مراكا -)

بقول عارفت رومي عليالرحمه - ت

ہے توجنت دو زخ سست اے دلبر یا با تو دو زخ جنت سست اے جانفزا رمبوب تیرے بغیرجنت ، جتم ادر تیرے ہم اہ جنتم ہے۔ مترجم)

مين تيارنعتين، عالم كشعن مين ويحمين توفرايا - سه

اگرمجت میں تمعارے نزدیک براوہی مقام ہے، جومیں دیکھ چکا ہوں ، توبقیناً میں نے اپنی عمرصنائع مردی ایج

عارف بالترسيدي مُحَدِّعَنَّان المبغنى ، خليفرستيدى احدبن اورليس نعيما بين اوراُدسى به باب الفيض والدومن حضوة الدوسول السند بير لين قول آنلهم مسّل وسَسَيَّة وَبَارِكُ عَلَىٰ مِنْ إِنْهَا عِهِ وَتَحِيبُنَتِ ، وَاسْتَيْحُصَّا رِي الصَّوْرِي يُ

ة التعنيق - الخ واللي درود وسلام اوربركت ما زل فرا مجدير، آب كي بيروي ومحبت و م پی کا صوری ومعنوی منتا مده ... : کے بعد فرمایا ، دورُود شرایب عبارت ہے اسی سے ترقی كى أميد. براسلوك اورآب سے تعلق حاصل بولا بادراسے بادشا بول كے بادشا دا بىرى تیری طرون جانے والا قریب ترین راستہ ہالئی ید نعت مبیشہ عطا فرمانا ورسمیں ال لوگوں میں شامل فرما مے جنیں اس کا وافر حیت ملا ہے۔ بہماں ایک لطیف بحت اور قیمتی موتی ہے۔ ایک لطیعت می این میں اسے بیان میں راسنے کے راز اور متفاصد وانعے کرنا ایک لطیعت میں ایک لطیعت میں اسنے کا ہا ہوں جواللہ کے قریب تر اور اس کی تکا دبیں بزرگ نز ے۔ میں نے اس اخری دورمیں اس کی طرف اشارد کر دبا ہے۔ اس کا سبب یہ جواکہ آتوار ك رات بين ويحقاكيا بول كدايك عاليشان مكان مين جبيب باكت بي الشرعلية ولم محصنو حائنر بول الب نے مجھ اس مات فرمایا ، تم میرے مجوب ہو یم میرے مطلوب ہو۔ تم میر مرغوُب ہو ، تواسے لوگوں میر کیا قسمت اور کتنا وا فرصتہ ہے ۔ اور آب نے اشار اُہ بشار با كم ميرك بيروكار مزارول مع بره كربول كيدا وربول كي عجى برك برا مكرة م ومقرب اور میرسے ان کے درمیان مربدین کا واسطدنہ ہوگا۔ پیٹینے نے فرما یا ، جان سے ! کہ قریب ترین اور بزرگ ترین راسستدمیی و دروونشراعیت ، سب بهید اسس جبسیا اور اس سے قربیب تر كونى اور ماستدب بى تهين اس كے يلے جواس كي مفهوم كو تجفا بو مبى سمار سے طرابقد ملك برطربقه كاراز جعج مبين بناأ قا عل عداله كك مهنجائ واللي ليداس في تما م اذ كارمين مبیں اس کا حکم دیا ہے اورسٹن لوکہ میر سجاری دمزہے میدو و سبے جو سجاری تما م کمتا بول میں موجود ہے بیجداد تشرا ور رسول برولالت كرنے والى تمام كما بول میں ہے . بير ہوتى خوشبو ہے۔ بس اس مے حاصل کرنے میں محنت کیجئے - بان لیجے کدکسی شیخ عارف کا ہونا ضروری ہے۔ دِ جامِل بشہوت برست کا ، بے عمل کانسیں مترجم) اگر مل جائے آو ميى مقصود سب مير توتمام وقت ذكرمين اورنفس كي مجابد سي مين صرف كر التدس

مشول اورماسوا سے الگ بوجا بحر سی منوس رہے جا سے دیم ہماؤی ، اور مقصد ہے آب سے صوری یا معنوی بیس ہے ۔ اور مقصد ہے آب سے صوری یا معنوی تعلق بید اکرنا ، صوری کی دور مقصد ہے آب سے صوری کی بیروی کرنا ۔ تعلق بید اکرنا ، صوری کی دور آب کی منح کی بوئی تما م باتوں سے بریم نز کرنا ، اور یہ تعام آپ کی سنت وا آر بریمیش عل اور آپ کی منح کی بوئی تما م باتوں سے بریم نز کرنا ، اور یہ تعام آپ کی سنت وا آر بریمیش عل بیرا بونے اور آپ کے بیش کے ہوئے احکام بریکار برند ہونے سے ملتا ہے آگہ اسے آپ کے اسرار حاصل بول اور عزائم برعل کیا جائے آگہ غائم میسرآئیں ۔ اسرار حاصل بول اور عزائم برعل کیا جائے آگہ غائم میسرآئیں ۔ دوم آپ کی مخبت میں فائمونا ، شِند تت سُتوق ۔ اور آپ کی الفت میں نیج گئی ، کثرت سے آپ کی ذرک نا ، آپ بر درود بھی فا اور ہمیشد ان خوبیوں برغور کرتے رہنا ، جوآپ کی مخبت کی محرک ہے ۔ ذکر کرنا ، آپ بی صورت ممبر با برکت کو ذہن میں حاصر کرنا ۔ اس کا اقل ۔ آپ کی صورت ممبر بارکہ ذات جقیتی ، اور سستی با برکت کو ذہن میں حاصر کرنا ۔ اس کا

اورتمام دنیاکا نبی صلی ادائی علیہ ولم سے مدد فانگاخی وا ابت ہے بنود ہار سے سامنے بیر حقیقت منکشف ہوئی ہے کہ نبی صلی اللہ علیہ و لم کا ثنات کی اور کا نور مبیر، انہی سے کا ثنات قائم ہے ، سنوائیے میں آپ کو فاضل ترا ورمختصر تر راستہ بتا وُں ،

موسية مراست في معرفة قد دالنبي صلى الله عليه الناموس الاعظه بئون كذنبى صلى المتدعلية ومم كي صورت اوراب كامرتبه بمبيشتر بين نظر ركحو- اكرجه اتبدا مين كلف ہوگا ، مگرعنقریب تبری رُوح ما نولس بوجائے گی بیمرنبی سلی التّدعلیدو مم واضح طور برتبرے سا منے ہوں گئے ، توان سے بات وخطاب کرے گا ، حنور کھے جواب دیں گئے ، مجھ سے با كرين كئے ،خطاب فرمائيں گے ۔ اور تجھے دايك گوند ہصحاب كا درجہ ملے گا اور انتأ اللّٰد ان معے گا۔ جان لے بحد عارفین خواد کیسے ہی علی مقام بیفائز ہوجائیں، مرتبے میں آ قاؤں کے م فاسلے اللہ علیہ وسلم کوحان کر سے میں ایمال کم کے عین تحکی حق کے وقعت بھی ان کی توجہ نبی صلی اللہ علیہ وسم کی طرفت رسبتی ہے۔ اپنی قابلیت سے مطابق آپ سے سُنتے اور طاقت سے كئى كئا زياد د بات بين جركونى حسورت بين آب كا ديداركرتا باليني بي خلعت عاصل سرتا باورعظمت وترقی یا آ ہے نبی علیالسلام کی عا دت ممبارکہ ہے کہ سرویکھنے والے ہر الیہا ہی کرم محکدی اور فکق احمدی فراتے ہیں. جان ہے اکد ایسے مقامات بران کلمات کواس أميد سے ذكر كرا بول كر توجب يه درو و شرافيف برسے توسويے ، عمل كرے اور كاميا جو -

و من مستدم محد عثمان میرغنی رحمته الله علیه کی عبارت ختم بُونی الله ان کی برکتول سے مہیں مرین میں میں میں است میں میں اللہ علیہ کی عبارت ختم بُونی الله ان کی برکتول سے مہیں

اس کے تمارت میں سے ایکٹ تمرا یہ ہے کہ یہ دورود تشریف است قد کے قائم متعام ہے۔ کہ یہ دورود تشریف است قد کے قائم متعام ہے۔ جب میں انترعلیہ وسلم سے روایت کی کرجش کمان ہے۔ جب میں انترعلیہ وسلم سے روایت کی کرجش کمان

كى إس صدق كرنے كو كھ نه بوده اپنى دعا بيں يُول كھے۔ اَنَّهُ مُنَّمَّ صَلِّ عَلَى مُحْسَسَةَ دِعَبُ دِكَ وَرَسُوْلِكَ وَصَلَّ عَلَى ٱلْمُعْنِيْنَ وَالْمُوْمِنْتِ وَالْمُشْلِينِيْنَ وَالْمُشْلِمَةِ مَا مُسُلِمَةً مِنْ مَا

اورائس کے تمرات میں سے ایک یہ ہے کہ حاجیں بوری ہوتی ہیں۔ امام قسطان فی سے مسالک الحنفائمین کما جب کسی بات میں تمہیں میں مشکل میٹیں آئے تواس ذات پاک برکٹرت سے درود وسلام میں جن بربا دل سائبان ہوتا تھا۔

ان کے تمرات میں سے ایک یے کرجب دُعاکی ابت را وانتها در و مشرایت سے کی جائے وُعا قبول ہوتی ہے۔ ابوسیعان دارنی نے کہا ، الشرتعالی دونوں در و وقبول فرا آ جے وہ کریم ایسانہیں کہ ان کے درمیانی حصة ردُعا) کور دکر دے ۔ اور حدیث میں ہے کہ دو درودوں کے درمیان والی دُعارُ زمیں ہوتی ۔ ایک اور حدیث میں ہے۔ ہر دُعا میں دو درودوں کے درمیان والی دُعارُ زمیں ہوتی ۔ ایک اور حدیث میں ہے۔ ہر دُعامُ رَحِیْم وَمِیْن والی کے درمیان رکی رہتی ہے ، جب مجھ پر بڑھا ہوا درود آ ہے دُعا اُوپر چڑھ جاتی ہے درمیان رکی رہتی ہے ، جب مجھ پر بڑھا ہوا درود آ ہے دُعا اُوپر چڑھ جاتی ہے دَعا اُوپر چڑھ

اس كتمرات مين سے ايك بے في خاتم وسيد محروكر دى ال فيدت الصاعات

سیں فرایا علیٰ امریکا سربراتفاق ہے کہ کنڑت سے درود وسلام پڑھنا جن فانمسر کی علاما معرب سے ایک سے -

اس سے تمارت میں سے ایک یہ ، تربیت کرنے والاشیخ میسرند سوتو یہ اس سے قائم مقام ہے برنورالاسرارمیں فرمایا- عارف بالترستیدی پوسف انفاصنی نے اپنے بعض ساتھیوں سے فرما یا اس کی عبارت یہ ہے۔ الحد للد بان الے کہ سمیشہ یا بندی سے اذکار و وظالف پڑھنے سے ایسی نورانبت عاصل ہوتی ہے جوسفات کوجلادیتی ہے او طبیعتوں کو تا زگی بخشق ہے جس سے وہ صداعندال ہے انھواف کی طرف تنجاوز کر جاتی ہیں۔ بمبیر گروہ عقبہ ہ سے مل جائے اور اس برغالب جوائے تو خیر محض ہے -اور مالات سے مل جائے تو سرف ايم مجموعه ہے اور اعمال سے ال جانے توان كى خبيفت كو ترجيح ديتى ہے اور غدوكر دبني ہے۔ يا قوال مصمدي ہے تو الترين وحدت بيداكرويتي ہے واسى يافيسلم نول كو بي صلى الشرعليد وسلم برورُ وومشربين بيجين كاحم وياكيا ہے بركہ يا في كى طرح نفونس كو قوت ديا اورطبيعتول ك كدورت كوختم كرديما ب- اس بي بعض مشائع في كها بحس كوترسيت ويف والاشيخ ندم. وونبی صلے اللہ علیہ وسلم مرکثرت سے درود جسے ، ورحقینت بد ہے کیونکداس میں اعتدال كارا: پوشىدد كى جوبندى كى كىل وكمال كاجامع كى دىن تىسلى الله على ورود و سلام بميجفيس، وكرفدا وذكر مصطف ، وونول موجود بن اس كرم عكس بين اسى يا نبي صلے ادالہ علیہ وسلم میر درو د وسلام بھیج بغیراللہ کے ذکرسے گرا ہی صاصل ہوتی ہے . اور تیجبیب

ستدی ابوالعباس التی نی نے فرایا جیسا کرجوام الرسمانی میں نقل ہے کہ شیخ سے ملنے سے

ہیلے شرید برلازم ہے کرسخت حضور قبلب کے ساتھ ذکرا ور بن صلی اللہ علیہ وسلم بردر وو وسلام

ان زمی بڑھتا رہے۔ توفیق کے مطابق معانی برعزر کرے۔ بیعقیدہ رکھے کردہ ہی سلی اللہ علیہ ولم

کے سا منے بدیجھا ہے اور جہال کر ہوسکے خواہشات واغراض نفس سے ممند بجدیہ لے اور جو

وعمال اسے اللہ کامحبوسب بنائیں ان پرعمل بیرا ہونے کی کوشش کرے واوریہ نوا فل مختلف او قا میں شہور میں مثلاً چاشت کے وقت، ظہرسے پہلے اور بعد، عصرسے بہلے مغرب کے بعد، عشاً کے بعد، سونے سے بیدار ہونے کے بعد، رات کے پچیلے پیروان میں کمی کوسے اوراس ك حبك نوافل كى جند ذكر فكر اكر سه اور رسول باك صلى المترعليد وسلم بردر و وسلام المهام و كترت سعيجيجار بصاس ياكدان كأذكرا ورركول الترصلي الترعليه ومم يردرود سلام، ہرنیکی کی گئی ہے۔ ذکر تنهائی میں ہو؟ کھانا پینا کم کردے۔ کھردوزے مطعاور ان حیزوں سے پر بہز کرسے جواہل طربیت نے تھی ہیں'ڈانخ بھرآبیہ رمنی ابٹرعہ نے شيخ ومرُستُد كے اوصا من ببان كرنے كے بعد فرايا الس دور ميں جوكو فى شيخ تك رسا ماصل کرنا چا ہے ،اوراس کی پیچان نہ کرسکے اور جھوٹے وعویداروں کے وام فریب میں تجینس جانے کا در ہو، اسے لازمی سیائی اور ول کی گرائی کے ساتھ اللہ تعالیٰ کی طرف متوجہ بوجانا چا ہیئے۔ کا مل عاجزی وانکساری کرنی چا ہیئے یا کد مُرشد کا مل کابیۃ جل سکے جواس بيستى سے اسے كا كے اور فداكى راہ بتائے اور حكم النى كى تعميل ميں اس كى مدد كر سے بيال مك كداس كيمندركي كرائي مين ووب جائے اس كايري چارة كار سےاس سے بال الس سے اعلیٰ، نیا دہ مفید، مُراد کک زیادہ بہنچا نے والا، مبند تر، اس آدمی کے بلے جو يشيخ كامل كي حصول مين كامياب نه موسيح، أنها في ادب واحترام، ومجمعي وتوجه ي كثرت نبى صلى المترعليدوسلم بردرو دوسلام بميجنا ب- اس بين كيساته كم نبي صلى التدعليدولم مے حضور مبنیا ہے اس بر مست عمل بیرار ہے بین محدود تی اس بر مبیته عمل بیرار ہے ،اور اس كا الله كارسانى كاليكادرا ودبوهي ساساباني حاصل كرنايعا بداد تداكس كا باتدير كريبني طرف كيني لينا ہے، يا توايسا شيخ كامل واصل عطاكراً ہے جواس كى وستريكري كرے. یا نبی صلی التندعلید ولم مے رو مروکر دیتا ہے اور یا پردے اُٹھاکر باب وصول اس مے بلے كلول ديتا بي كيونك وه بميشراس كے مبيب صلى الله عليك مير درود وسلام بيجا ہے.

كرادند كك بيني مين مين سب سے بڑا وسيله ہے اور حس كسى نے بھى كسے يو وسيله بحراً الله الله الله الله الله الله ا المراد نه بھرا ؟ الن -

ہارے شیخ حن العدوی نے ابنی شندے والاً الخیرات میں فرایا ۔ بعض اہل حقیقت نے کہا ہے کہ و دبغیر کسی شیخ و مرشد کے وسیلہ کے الشد کک بہنچے ہیں لیکن قطب علوی نے کہا ، یہ اس لیے کہ درو د نشر لیف کی دلوں کی روشنی میں عجیب انتیرہے ۔ ورنه الشد کک بہنچ نے کے لیے وسیلہ طوری ہے '' سیداحمد دحلان نے ابنی کتاب تقویب الشد کک بہنچ نے کے لیے وسیلہ طروری ہے '' سیداحمد دحلان نے ابنی کتاب تقویب الاصول التسمیل الوصول میں کہا ، مربیدان وظالفُ کو اپنا کے جن کا شیخ نے اسے حکم دیا ہے۔ اگر شیخ و مرشد نہ ملے تو وہ اذکا رجز نبی صلے الشرعلیہ و لم سے تا بت ہیں اور محم کی ہے۔ اگر شیخ و مرشد نہ ملے تو وہ اذکا رجز نبی صلے الشرعلیہ و لم سے تا بت ہیں اور اور کا سے کا رسالہ الدی اور اور داس میر منقول ہیں ، دراصل و ہی اور اور قاتورہ میں ۔ گونسی اس کے یائے تلاوت قرآن کریم اور نبی صلی المتدعلیہ و سلم پر درو دوسلام پڑھنا میں ۔ گونسی اس کے یائے تلاوت قرآن کریم اور نبی صلی المتدعلیہ و سلم پر درو دوسلام پڑھنا میں ۔ گونسی اس کے یائے تلاوت قرآن کریم اور نبی صلی المتدعلیہ و سلم پر درو دوسلام پڑھنا میں ۔ گونسی اس کے یائے تلاوت قرآن کریم اور نبی صلی المتدعلیہ و سلم پر درو دوسلام پڑھنا میں ۔ گونسی اس کے یائے تلاوت قرآن کریم اور نبی صلی المتدعلیہ و سلم پر درو دوسلام پڑھنا میں ۔ گونسی اس کے یائی اس میں ۔ گونسی اس کے یائی ہیں ۔ گونسی اس کے یائی ہے۔ ۔

علامرستدی عبدالرحن بن مصطفی العیدروس مقیم صرف سبدی احدالبدوی کے وفل نفٹ کی نثر ح میں اور اپنی کتاب قد فا الشموس فی مناقب ال العید لدوس کی بنر میں اور اپنی کتاب قد فا الشموس فی مناقب ال العید لدوس کی بن میں میں اور النہ تعالیٰ کتاب میں تربیت کرنے والے ختم موجا کیں گئے۔ اور النہ تعالیٰ کتاب بہنجا نے کا ذریع صرف نبی صلی النہ علیہ و لم بر درود وسلام رہ جائے گا۔ حالت خواب میں بھی اور بدیاری میں بھی اعمارت ختم م

ستداحددهلان نعجی این گناب مذکور بین ابوالمواجه الشنا ذلی ینی اندیمهٔ کاید قول نقل کیا ہے کہ احتر کے کچھ بندے ایسے بین جن کی تربیت بلاواسط نبی سی متدعلیہ سیم خود فوراتے بین کیز کہ وہ مرکا رصلی انترعلیہ وسلم پرکٹرت سے درود وسل مجھجتے میں۔ تصادف الحنفار میں شیخ شمس الدین البر شنشی کی کتا ہے مفتاح العفلاح و

ومصباح الدرو المحا والما يسوك من كئ است من جن من تح كمي نظر مبس المع كى اب تواس طريق سے ابت داكر - بيط بينه امام ابو كمرصد بن رصني الله عند كا ہے . ميں نے تعبق الم تعقبق سے حاصل کیا ہے۔ وہ برکسالک دیگرا ذکار کو چود کرنبی صلی اللہ علیہ وہم بردروہ سلام سے ابتداکرے بہونکہ مارے اور فٹرا کے درمیان نبی صلے انڈعلید مم ہی واسطون آب،ی بھارسے یلے المسرکی ذات بردلیل میں آب بی بھارے بلے معرفت خدا کا ذرایع میں اورواسطرووسيله كتعلق بيك بوتاب اورمقصود سے بعدميں نيزمقام اخلاص ول ہے۔ اور كبھى وہ غيرخدا كى طرف متوجه كرنا ہے . او نفس ، مخلوق كى طرف متوجه بتوا ہے ، برائى كابهست حكم ديين والا، خوابشات نفسا نبركى ترغيب ديينے والا، اورغلط باتوں كى طرف مائل كرسف والاب - يتمام كندكيال مبي جودل كواخلاص سع محروم اور مح طور برالله كي طرف متوج ہونے سے دو کئی ہے اور مین شبط فی حکموں کو قبول کرتی ہیں۔ اگر میر قبول نہ کرتیں . توشیطان کو دل کی را د ند ملتی - ان کا قبول کرنا ان کی غفلت اورانٹرے دوری کی دلیل ہے-اورالتدسي غيبت ودوري مجاري برده ساور برده اندهبراس بسالك اس اندهير كودوركرفي اوراكس كندكى كوختم كرف كامحناج بوا-اورا ندهيراروشني سے دور بوتا ہے. روايت بيكنبي صلى التُدعليه وللم في فرا يا مجدير درُوديرُ صناروشني برروشني بيد اوركندكي صفائی سے زائل ہوتی ہے اور نبی صلے التّدعلیہ وسلم سے روایت ہے کدا ہلِ ایمان کے ولول كى باكى اوميل سے دھونامجھ مير در و ديجيجنا ہے اسى يلے سالك كوابت رأيس نبى صلى التدعليه وسلم بردرو وبيجن كاحكم دياكياب تاكرا فلاص كامتام باك بوجائ كيونك جب يكبيان باتى ب اخلاص بدانهبس موسكا - اورخوا بى جديب خداصلى المترعديد ولم ك وكرس حتم ہوتی ہے اور آب برکترت سے در ود جمعی کا بھل آب کی معبت کا دل میں سیختہ ہونا ہے۔ اورآب صلى التدعليه وسلم كم محبست كالبخة بونے كاميل آب كى طرف اورآب كى صوصى صغات اورا خلاس كىطرف سخت متوجر جونا ب جب بين معلوم بوكيا كماب كا فعال واخلاف

كيدوى صرف الس وقت نفيب بوطحق به كرحب ميرك نزديك آب كى از حدام ميت بو اوراس متام برصرف اس وقت مبنجا جاستی ہے، جب حد درجہ کی آپ سے محبّت ہواور ہے کی حدورج محبت حاصل کرنے کا صرف بہطریقہ ہے کہ کہپ پرکٹرت سے ورُود و سلام بيجا جائے اور جس كوكسى سے تحبت بو، كثرت سے اس كا ذكر كرتا ہے اسى ليے سالك نبى صلى التدعليد ولم مرود وسلام بيجن سے ابتداكرتا ہے اور يدذكر خلاذكر رسُول خدا صلے النّه علیہ وسم کوجمع کرنے والا ہے۔ روایت ہے کدرسُولِ باک صلی النّہ عليهو الم في فوايا ، الله كا فران جي الصحر الله المحقر إلى في تحصيف ذكر ميل سے ذكر منايا . ہے،جس نے تیرا ذکر کیا اس نے میرا ذکر کیا ،جس نے تھے سے محبت کی اس نے مجھ سے محبت كى، سونبى صلى الشّرعليه ولم نے فرط پاجس نے ميرا ذكركيا ، اس نے اللّٰد كا ذكركيا -اور حب نے مجد سے محبت کی اس نے اللہ سے محبت کی اور ور ود بھیجے اللہ کا ذکر کڑا ہے بھرفرمایا، خبردارلفظ سیادت دستینا) نہ جھوڑنا اس میں راز ہے جواس عباد يرممينته على كرت والي برظام رموجاً ما بي

میں محتری وعدول کے عنوال کے محت فرایا، نبی صلی الله علید و مم برکشرت سے درود سلام بیجنے کا وعدہ "اے بھائی جان لے اکدانٹد تعالیٰ کی بارگاہ کک بینے کا قریب تر راسته،رسول المندصلي المندعليدوسلم مر درود ومسلام بمين بي حضفف نبي صلى المندعلية وم كخصوصى خدمت نهيل كتاا ورباركاه ربالعزت ميل داخل بونا جاس ده اسر مال كارا ددكرتا ب- اس بارگاه كے آ مے جربرد سے حاكل ہيں وہ اسے داخل نہيں ہونے دیں سے میسب اس لیے ہے کولے بارگاہ فداوندی کے دا سب کا پتنہیں اس کی مثال يسيهى بع جيسي صول مقصد كے ليے بغيرسى واسط كے ؛ وشا ہ كے حنور ما صربون

کی خواہ ش اس بات کو سوچ ا سو، اسے میر سے بجائی ابنی صلی اللہ علیہ ولم پر کترت سے در ود و سلام بھینا اپنے او بیلازم کر لے ۔ اگر تو تعلا کوں سے محفوظ ہو بیری کہ اوشا ہ کا نوکر یا غلام نے بی یا غلام نے بین اپنے او بیلازم کی پوچیا تک نہیں ، بخلا ف اس کے جوبا وشا ہ کا غلام نہ ہو اور لیے آپ کو با دشا ہ کے فقدام اور غلاموں وغیرہ سے برتسر سیجے اور کسی وسائط و وسائل کے دائرہ میں دا فعل نہ ہوتو بلا شب دربار کے متعلقین اسے مایں گے اور میزا دیں گے۔ سووسائل کی حایث کو دیکھو۔ ہم نے بھی نہیں دیجا کہ آقا و والی کا غلام نئے میں ہو، اور کو کی اکس سے بازیرس کرسکے میسب آقا کی عِزت ہے ۔ فیزسی قیامت کے دن فرشتے میں میں ان برسس کرسکے میسب عزت و توجیم ہے۔ بی صلی اللہ علیہ و لم کے فا دمول کو بازیرس نہیں کرسکیں گے۔ بیسب عزت و توجیم ہے۔ بی صلی اللہ علیہ و لم کے فا دمول کو بازیرس نہیں کرسکیں گے۔ بیسب عزت و توجیم ہے۔ سول اللہ علیہ و لم کی فا دمول کو بازیرس نہیں کرسکیں گے۔ بیسب عزت و توجیم ہے۔ و فائدہ دے گی۔ جو نبی صلی اللہ علیہ و لم کی طرف ضوصی طور پر منسوب نہ ہونے والی کشیر نیکیاں نہ دسے سکیں گے۔

ہارے نیسے ہیں۔ نیسے فرالدین الشونی کے زمانے میں ایسے لوگ بھی سے جوعلم وعمل میں ان سے بڑھ کر سے بیکن نبی سی الشرعلیہ وسلم براس کثرت سے درود تربیع بھیجے تھے جیسے شیخ - توان کے علم وعمل نے ان کو وہ قبول عام اور مقام مبند نہ دیا جس برشیخ نورالدین شمکن سے - ان کی حاجات پوری ہوتیں - ان کے را سے برحلاجا آبا اور تمام علما اور مجاد والولی کا متعصد اور مجذوب ان سے مجبت کرتے تھے - فعالی قسم ، ادشد کے سیحے ذکر کرنے والولی کا متعصد صرف الشدی مجبت ورضا ہوتی ہے ۔ فولمی نوری ہوتی میں الشد کی مجبت ورضا ہوتی ہے۔ فولمی نوری میں الشد علیہ وسلم برجم بونے والول کا مقصد مخبت رسول صلی الشرعلیہ وسلم ہوتی ہے ۔ اس کو سمجھ لیجیے کو را یا میں بونے والول کا مقصد مخبت رسول صلی الشرعلیہ وسلم ہوتی ہے ۔ اس کو سمجھ لیجیے کو را یا میں بیا ہم اس میں میں الشرعلیہ و کم بر در و دوسلام بیجے مرکار برطان میں بیرون کر کر کر و وال بیا کہ تیرے اندر شوقی ہیدا ہو ، شا ندائد تعالی سمجھ مرمان کی خالص مجبت رہا ہی

راشنل ہوجائے اور تیرے مرنک کام کا جرو تواب نبی صلی اللہ علیہ وہم کے اعمال اسمیس کے جو ایک اسمارہ کرتی کام کا جرو تواب نبی صلی اللہ علیہ کے جمال اسمارہ کرتی ہوجائے ۔ جیسا کہ صفرت ابی بن کعب رضی اللہ عنہ کی حدیث اس کی طرف اشارہ کرتی ہے ہے کہ یارسول اللہ ابیس ابناتمام وقت آب بردرود وسلام پڑھنے میں وقف کرتا ہوگ اللہ کانی اللہ کا تواب آب کے لیے وقف کرتا ہوگ نبیس سے شرعہ بھرتوا دنہ تھا کی اسمارہ کا اور دے گا اس سے شرعه بھرتوا دنہ تھا کہ اللہ کا کافی مدا واکر دے گا اس سے شرعه رنبی صلی اللہ علیہ کوسلام کا درود وسلام بھینے والے برائلہ اس سے فرشتوں اور اس کے فرستانوں اور اس کے فراد کی کا درود دوسلام کا زل ہوتا ہے۔

ان میں سے ایک فائدہ یہ ہے کہ خطائیں معافت ہوتی ہیں اعمال باکیزہ ہوتے ہیں۔

ان میں سے ایک گنا ہول کی بخشش اورخود ورُود مشرلین کا ، پڑھنے والے کے لیے ک نابہ

ان میں سے ایک پر کہ دُرو د نترلیف پڑھنے والے کے لیے ووقیاط اجر تکھا جآ ہے ، ہرقیاط کو ہ احد کے برابر -اور اس کونا ب کر بدرا بدرا صلہ طے گا۔ ان میں سے ایک پر کرجو کوئی درُود وسسلام کو ہی ایناکل وظیفہ بنا لیے ، اسس کے لیے دنیا واخرت میں میری کافی ہوگا ، جیسا کہ گزرا ۔

ان میں سے ایک یہ کے خطائیں مسٹ جاتی ہیں اور غلاموں کی گرونیں آنا دکرنے سے یاعمل افضل ہے۔

سے ان بیں سے ایک بیرکہ تمام پرلٹیانیوں سے بجات اور قبیاہ سے کے دن اس کے حق میں رسول الشخصلی التدعلیہ وسلم کی گواہی اور لازمی نتفاعت ۔
می میں رسول الشخصلی التدعلیہ وسلم کی گواہی اور لازمی نتفاعت ۔
ان میں سے ایک یہ کہ الشدکی رضا ورحمت اور اس کے غضہ ہے امان اور اس کے عرصت کے مان اور اس کے عرصت کے دن بنا ہ ملے گی ۔

ان میں سے ایک پر کہ خرت میں تکیوں کا بیڑا بھاری ہوگا۔ حوص کو تربیانی ملے گا۔ وربیاس سے بیچے گا۔

ان میں سے ایک یہ کہ جنم سے آزادی بیصاط سے بیز بھی کی طرح گزرنا اورجنت کے نزدیک ، مرنے سے پہلے ا بنا ٹھ کانہ دیکھنا ہے۔

ان بیں سے ایک جنت بیں بہت بیوبال نصیب ہول کے اور عزّت کا مملکا ند

64

ان میں سے ایک پر کدایک بار کا درو دشتر بعیث بڑھنا کیس غزوات کی شمولیت سے افضل ہے۔

ان میں سے ایک پر کدرود وسسلام زکوۃ ہے،جس کی برکت سے مال بڑھنا

ان میں سے ایک برکہ مبرد رُود کے بدلے شواسے زائد ماجنیں بوری ہوتی میں.
ان میں سے ایک بدکہ بدعبا دت ہے اور اللہ کو تمام اعمال میں سے محبُوبتر۔
ان میں سے ایک بدکہ درود وسلام سے معلوم ہونا ہے کہ پڑھنے والا اہلِ

سُذَت ہے۔

ان میں سے ایک یہ کرجب تک درود شریب بڑھنے والا نبی صلی اللہ علیہ و لم پردرُود بڑھتا ہے فرنسنے اس بر درود بھیجتے میں .

ان بیں سے پیکہ درُودوسلام مخلول کی زینت ہے۔غریبی شکدستی دور کرتا ہے ان میں سے ایک بیرکر اس سے نیک نامی حاصل ہوتی ہے۔ ان میں سے ایک بیرکر اس سے نیک نامی حاصل ہوتی ہے۔

ان سین سے ایک یکراس کا عامل قیامت سے ون ، نبی صلی الله علیہ وسلم سے

قرب تربوگا-

ان میں سے ایک بیکر، عامل اور اس کی اولا دائس سے قائدہ اٹھائیں کے بید

جى كواسى كى توفيق بۇنى -

ان میں سے ایک یہ کہ یہ انٹر تعالی اور اس کے رسول صلی انٹر علیہ وسلم کے قرب مدیدے .

ان بیں سے ایک پرکریٹر صنے والے کے یائے یہ تعبر، حشراور ٹیل صراط پر نوٹرگا۔ ان میں سے ایک پرکریٹر صنے کی نتمن کے متعا بد میں مدد ہو گی ، دل نفاق اور میل کھیل سے یاک ہوگا۔

ایک پیکدانس سے اہل ایمان سے مخبتت ہوتی ہے۔ لنذا درود وسلام پڑھنے والے کوصرف وہ منافق نابسیند کرے گا جس کا نفاق ظاہر ہو۔

ان میں سے ایک بیار خواب میں بی سن اللہ علیہ و نم کی زیارت نسیب ہوگی . اوراگراور کنٹرست کرے توہیداری میں ۔

ان میں سے ایک یک، درو دوسلام اپنے عامل کی گراہی میں کری کر، ہے۔ یہ کما اعمال میں میں کری کر، ہے۔ یہ کما اعمال میں مبارک ترین افسنل ترین اور دنیا وا خرت میں مفید ترین عمل ہے۔

ايكشمره

وس كحقرات بين سے ايك جيساكدسيدى ابوالعبائس التيجانى في فرمايا وربيات ان كي تناكر وابن حوازم نے اپنى كتاب شجوا هوالمعانى بين نقل كى سے كد جومسلال نبى صلى التدعليدو لم يراكب درو دبيعيح التدتعالي اس كيعوض اسس بروس ورود بيعين كانسام ہے ۔ اس میں دوراز بیں ۔ ایک یہ کر جھنے فن بی صلی اللہ علیہ و لم مردرود وسلام بھے بارس نبى صلى الله عليه و لم يراس كابدله دينالازم بوجاً البعدوس قاعد سے كى دو ك كريم كرم كرما بى سے جب كوئى نبى صلى الله عليدو كم بيمتوج به قوا ہے، تواپنے نبى كا جد حق سُمان القالي اس يروس درود يهي كرتوج فراتا ہے- ايك كے بدلے دس-دومدارازيركم التدشيحانة نتعالى كولين رسول صلى التدعليد وسلم مصيمت محتت ورعنا ہے بیں جس کوانٹر تعالیٰ دیکھتا ہے کہ وہ اس کے محبوسب پر در وہ وسلام بھیج کراسس ك طرون متوجه بوا ہے - الله اس كى رعايت اور اس سے محتت فرما كا ہے كيونك وہ مي نبي صلى التدعليه وسلم مر درود وسلام بميجة بصديه منبتت وعنايت الس درج موجاتي مس راوزاول سے روز آخر تک تمام اہل زمین کے گنا ہوں دونا دون كنابول كارتكاب بمى كرك، بيمرانترسيان تعالى ليد إين فضل وعفو كيسمندرسين اخل فرائے گا ور تبامت کے دن اس کوسا منے لاکراتنا کھ عطا فرائے گا بفتے کی اسے توقع بو - كيونكوالله في اس كوايني رضامندي كماعلى ترين مقام يرمينيا دياس، اور غانبانداس كايرحال ہے كرجب بجى فرنستة اس كا كما ہوں سے پُرنام ُ اعمال لے كرا وُپرعات بين الله تعالى فرقا جهاس كوبهار مصبيب صلى الله عليه وسلم مع محتت وعنابت ہے، سواس کی خطائیں دوسرول کی طرح مبیں ۔ اور دوسرمےخطا وارول کی طرح اس كى خطا ۋل پرگرفت نهيں ہو گئ جب تمين به عديث معلوم ہوگئ تريم بمعلوم ہوگا

کراس زمانے کے دو کا کے گئیں میں انٹرعلیہ وکم پر درود وسلام پڑھنا ہلا وت قرآن ہے اس وجراور صرف اسی بیٹیت سے افضل ہے ۔ جیسا کہ تم سن چکے ۔ یہ بات نہیں کہ در و در تر اس وقران کریم ہے ، فضل ہے کیونک انٹر کے قراب کے یلے قرآن ہی افضل ہے ۔ بیکن اس کے لیے جس کے اعمال واحوال افتد کے ساتھ صافت ہوں ، اس سورت میں قرآن کی تلاوت کرنے والا سب سے آگے اور سب سے بڑھ کر ابند کی رضا عاصل کرنے والا ہوگا ۔ اس وقت خاص میں کامیاب ہونے والوں کا اس کے برا بر مرتبہ نہیں ۔ تلاوت قرآن کو مطلقاً کم مناص میں کامیاب ہونے والوں کا اس کے برا بر مرتبہ نہیں ۔ تلاوت قرآن کو مطلقاً کم سیجنے والوں میرا دفتہ کی وہ نا راضی ہوگی جوعقل وخرد سے ور ٹی ہے ۔ کیونک انٹر تعالی کو ابنی کتاب میں ضلط ملط کو ابنی کتاب بین ضلط ملط کرے اور انٹر سیجانہ نعالی کی ہے اور کی کتاب میں ضلط ملط کرے اور انٹر سیجانہ نعالی کی ہے اور کی کرے انٹر اس کو دھتکار دیتا ہے اور اسس میزا رائش ہوگی کرے انٹر اس کو دھتکار دیتا ہے اور اسس میزا رائش ہوگا کی کہ کے دور میں اس میں اس معلی دیس نے اس بی رکا وکا حق او انہیں کیا رجس نے اسے بی لیا توقرآن اور نبی صلی اسد علیہ وقر میں برد ۔ ود وسلام کی سبت بھی لیا۔

کاتمام مبادات کرے بھراندتعالی ہے پرایک صلاة بھیج دے تو وہ ایک علاۃ تیرے مام عمر کی عباوات پرافضل و برتسر ہے بینونک تو اپنی توفیق کے مطابق درو دیجی ہے اور انڈ تعالی اپنی رائوبیت کے مطابق رحمت نازل کرتا ہے۔ یہ تواس وقت ہے جب ایک صلاۃ ہو۔ بھرجب اللہ تعالی تیرے ایک درو د کے بدلے جو بریسن الملاقی نازل فرائے تو کیا کہنا ، الا بھرجب اللہ تعالی تیرے ایک درو د کے بدلے جو بریسن الملاقی نازل فرائے تو کیا کہنا ، الا اس کے تمرات میں سے ایک ، برتیری خوت بڑے ، انفاسی فیصندے دلائل میں صنف کے اس قول پر کہ بعض عارفین رصنوان الشّد الجعین ، سے مروی ہے کہ انہوں نے کہا ، جس مجلس میں محمد میں اللہ کہ کہ اس اللہ علیہ وقرار ہوا ایمنی ہے ۔ میں یہ وہ مجلس ہے جس میں محمد سی اللہ کہ کہ اسمان تک بہنے جاتی ہے ، بھر فرقتے کہنے میں یہ وہ مجلس ہے جس میں محمد سی اللّه کہ کہ اسمان تک بہنے جاتی ہے ، بھر فرقتے کہنے میں یہ وہ مجلس ہے جس میں محمد سی اللّه کہ کہ اسمان تک بہنے جاتی ہے ۔ علیہ و می بر درو د وسلام بھیجا گیا ہے۔ علیہ و می بر درو د وسلام بھیجا گیا ہے۔

یشخ ابوجعفری و داعه رحمدالید نے کہا ، حدیث میں بعض صحابہ رضی اللہ عنہ مے مردی ہے کہ جس جی نبی اللہ علیہ و لم کا ذکر کیا جائے یا آپ پر در و دوسلام ہی جا جائے۔ دہاں سے الیسی نوش ہو کھوئتی ہے جوسات اسمانوں کوچیر کرعرش معلیٰ تک جا بہنچی ہے۔ جنوں اور انسانوں کے سوا ، اس نوش ہو کو زمین میں النٹر کی ساری معلوق محسوس کرتی ہے اگر بہمی اس کی خوش ہو محسوس کرتی ہے قائل بہمی اس کی خوش ہو محسوس کرنے دیگئ تواسس کی لذت میں شغول ہو کہ کا روبار زندگی سے فافل ہو جا ابس کی خوش ہو کو جو فرشتہ یا النٹر کی دیگر مخلوق محسوس کرتی ہے وہ اہل مجلس کے ہوجا ابس اور اس نوش ہو گور و فرشتہ یا النٹر کی دیگر مخلوق محسوس کرتی ہے وہ اہل مجلس کے بیا استخفار کرتے ہیں اور ان کے بیاے اس تم ام تعدا دی برابر نیکیاں لکمی جاتی ہیں ۔ اس کے برا مراب کے درجے بست ہو جاتے ہیں ، مرابر ہے کہ مجلس میں ایک ہو با ایک لاکھ مرابک کو ایو اجر بھی طے گانا ور دیگر بھی مبت کھی۔

ایک اور صدمیت میں ہے جس مجلس میں بھی نبی صلی انٹرعلیہ ولم پر درود وسلام بیجا جائے اس سے خوشٹ ٹواٹھتی ہے اوراسمان تک جاتی ہے اور فر نتیتے کہتے میں برخوشٹو اس مجلس کی ہے جس میں نبی صلی انترعلیہ وسلم پر درو دبیجا گیاہے ۔ فرایا اس کے ساتھ ملتی

ملتي وه حكايت ہے۔

جصابن شام لعنی استاذ ابو محدجبرنے محد بن سعید ام ابن بهشام کی حکایرت بن معروف سے نقل کیا ہے جوا کی مروصالے تھے۔ كتے ہيں ميں نے لینے اُوپرلازم كر كھا تھاك جب مجى مات كوسونے كے ليے بستريا آنا . ايك مُعين تعداد میں نبی صلی المند علیہ ولم بر درود وسلام بیجنا ، ایک رات میں نے جُونہی بر تعدا د بیدی کی-ميرى الحظالم كنى مين ايك بالاخان مين مقيم تها و محياكيا بون كرنبي صلى المترعليه وللم بالاخلف ك دروازم اندر ما فل بو تحص علم م حكك كرن لك بجريرى طرف رخ كرك فرمايا، يمنداك كرج مج بركترت سي ورودوسلام بيطقا بيك مين ال بربوسه دكول. میں مرکار کی طرفت اپنامند کرتے مثر ماسالگیا ، سومیں نے اپناچہرہ کسی قدر بھیرلیا ، بھرآب نے میرسے رخسار پر بوسر دیا۔ میں اسی وقعت کھبرا کرسیسار ہوگیا ، میں نے پاکس لیٹی ہوئی اپنی ہوی كوجكايا مساما مكان نبى مسلى المتدعليه ولم كي خوش بوس مهك رم تصااور مير ب زحسار برتقرياً المحد ون مک کمنتوری کی خوشبو یا تی رہی جھے میری بوی دات ون میرے رضار پرمحسوس کرتی رہی او ایسی ہی ایک کایت استا ذجر نے بغیرسند کے ذکر کی ہے۔ ابن مندیل نے کہا کہ اسے این بھوال نے ذکر کیا ہے۔ اور کہا ہم سے محمد بن سعید خیاط نے بیان کیا جو مردصالے سمھے ميرابن وواعهن كما بحبب تم اس باشك حقيقت معلوم كرنا چا بهوتونبي صلى المترعلي والم مح اس فرما ن برنظر كروي جولوك كم مخفل مير بينيس ا ورنبى سلى البندعليه ولم بر در ود ودسلام بيميح بغير منتشر بوجائي وه مردار انزياده بدائو بمنتشر مؤت " تير اليا بربوجائيل كاكم جن مجالس میں نبی صلی المتٰدعلیہ و کم کا ذکر کیا جائے یا آب پر در ود نشرلیب بیجاجائے اُک مع علری خوست بوئیں آئیں گی ۔ اورکستوری کی ممک آئے گی ۔ اورجب نبی صلی النڈعلیہ ولم سب سے برمد كريك اورسب سے بره كر تھرے ميں اور عبد ہى آ ب كوا بل جنت كى نصوصیات سے نوازا گیا تھا تو آب جس ماہ سے گزرتے ، جس مجلس میں بیجھتے اور جس جیز

كوابيف دست مُبارك إكمى عضو سے جيئو ليقة ١١٠ ميں كمتورى جيسى نوست بُو باقى رہتى . يها ل يك كراب كا صحابر كرام اسى خوت بو عصعلوم كرت تصح كدس كاراس راد سے كزر سيس.اند نے آپ کی بیکرامت باتی رکھی ہے۔ سونی صلی اللہ علیہ ولم کا ذکر حب معل میں کیا جائے ، یاآپ بردرود وسلام برصا جائے، وہ جگہ آب کے ذکر پاک سے معطر جوجاتی ہے۔ اور وہاں سے مکل خوشبوُ دار بوائيں على رسى بيں يسوالندتعالیٰ آسب برا ورآب كی ال براليها درود بيعيع، جس وكرى مجالس معطر بول اور برائ سے بڑے كناه بختے جائيں "فرايا جس جيز كا ذكر كرنا بها م ہے، وہ بات ہے جے شیخ عالبتی الساحلی رضی التّرعنه نے بغیدة السالک میں وکرکیا ہے۔ كماكه مجه سعميرت والدرصى التذعنة في بيان كيا مكهم سيشيخ ابواتقاسم المريد منى التدعنة تے بیان کیا کہ جیب شیخ ابوعمران البردعی مقام مالقر تشریف لا شے و بال ان کی ملاقات شخ ابو على الحراز سے ہوئى ايك دن ميرے كھركھانے كى وعوت برہم مينوں جمع ہو كئے ، كھاناس نے تباركباتها ابوالقاسم نفكها جوميرك والدك ياسسموج وشحف اورزكام كى بيارى ان سے جُدا نهیس ہوئی تھی۔ پہال تک کداس نے حسّ شامر کومعطل کر رکھاتھا ، پس شیخ ابوعمران نے شیخ ابوعلی سے کہا اے ابوعلی اِنمہیں اٹھسال ہوگئے، حوارت نے تہارے اندر اٹرنہیں کیا - انہوں نے كها أقااس معيمى زياده مرتب كذر حكى ب يشخ ابوعمران في كها ، يد جيز توبيول مين ظام مروىي ہے۔ اس طرح تونبی صلی الشدعلیہ و کم کا ذکر نہیں کمیا جاستی بھرفر یا یا شیخ ابوالقاسم کے والد کے ہاتھ میں سانسس لو۔ فرما یا ، ابوعلی نے میرے والد کے ہاتھ میں سانس لیا ، ان کے سانس سے كمتورى كى خۇستبواڭ نے لگى دىيى تىمورى تىمورى يىموشى ابوغران نے مبرسے والدابوالقاسم کے ہتھ میں سانس لیا دیجونک اری ، تواند کی تسم بمستوری کی خوست و نے میرے والد کے نتهول كوچيركرركه ديايهال كك كدفورًا ريشربا برنكل ادرناك سے خون بينے لكا ميرديمكا میں خوشبو میں لگئی بیال مک کرکستوری کی خوشبر کے تھے پردوسیوں مک جا مینے کما کہم شنخ ابوعران نے کماکیا محدصلی المدعلیہ وم مے محاب کرام کا یہ خیال ہے کدانہوں نے ہی مگریسے

فیض ماصل کیا ہے ؟ ہم نے نہیں کیا اِسخدا ،اس بات پرہم ان سے مزاحم ہول کے بیان کہ کر انھیں معلوم ہوجائے گاکہ وہ لینے تیجے ایسے لوگ چوڑ گئے ہیں جرسر کا رسی اللہ علیہ وسلم پر ورُود بیسے میں اُڈ الخوج

سے درو د وسلام بیعینے کی وجہ سے ،ان کی قبرسے کستوری کی خوشیو آتی ہے یہ سنترج دلاکل کری دست ختم م

اور اس کے تمات میں سے جیسا کہ ہارے شیخ العدوی نے تشرح دلائل میں بعبن عارفین کے حوالہ سے لکھا ہے کو صلام بڑھنے کی عادت ہو۔

کے حوالہ سے لکھا ہے کو جس اُد می کی نبی صلی النہ علیہ وسلم پر بجٹرت درود وسلام بڑھنے کی عادت ہو۔

اسے بہت بڑر کی حاصل ہوتی ہے بہوں کہ نبی کریم صلی النہ علیہ وسلم سخوات موت کے وقت اس کے باس حاضر بوتے ہیں، اورا سے ان نعمتول کی زیارت نصیب ہوتی ہے ، جواللہ تعالی نے اس کے بیاس حاضر بوتے ہیں، اورا سے ان نعمتول کی زیارت نصیب ہوتی ہے ، جواللہ تعالی نے اس کے بیاس حاضر بی بیتیا رکی ہیں مشلاً محرّدیں محلات ، ولدان بختیالتعب دا دا زواج ، اور غالب ہنے نے والے فار کہ کا کھوٹ سے سلام کا محمّد - جیسے اللہ جل شائہ فراتا ہے ب

الكَّذِينَ تَتَوَقَّاهُمُ الْمُلَيِّكُ وَرَجِهِ رَجِن كُوفَرِيَّةَ وَفَاتِ وَيَتَ مِن الْمُولِيَّةِ مِن الْمُلِيِّكُ مِن الْمُلِيِّكُمُ مِب كه وه لوگ پاک بون توفر شق كنة مُلَيْكُمُ مِب كه وه لوگ پاک بون توفر شق كنة الْمُنتُمُ بِينَ مَ بِرسلام بو بجنت مِن وافل بو الْمُحسَّلُونَ وَمُنت مِن وَافل بو تَعْمَدُنُ وَلَهُ مِن اللهُ عَلَيْهِ وَمُنت مِن وَافل بو تَعْمَدُنُ وَلَهُ وَالْمُعَلِيمُ وَافْل بو مَا قُولُ الْمِنْ اللهُ الل

اس کے تمرات میں سے ایک یہ ہے کہ گرمی وغیرہ میں جب سخت بیاس نگی ہوتونہی صلی اللہ علیہ و میں جب سخت بیاس نگی ہوتونہی صلی اللہ علیہ و مالام پڑھنے سے ختم ہوجاتی ہے ۔ عارف باللہ سیدی عبدالغی نالیسی فی اللہ علیہ و معربیہ پراپنی تھی گئی ترح میں فرمایا ، نبی صلی اللہ علیہ وسلم پر با ربار درُود و و مرابی بیر مصنے سے جمیں ایک تھی ہر یہ ہوا کہ گرمی وغیرد کے موسم میں جب انسان کو سخت بیاس نگی ہو کے موسم میں جب انسان کو سخت بیاس نگی ہو

تواس سے دورہوجاتی ہے۔ بلاشبریس نے خود اس کاتجربہ کیا ہے اورلینے بعض میا ہوں کو ہا ہے۔
جنوں نے سفرج میں بانی نہ طنے کی صورت میں اسے آنا یا ہے۔ دیکن مشرط یہ ہے کہ نبی مسائی اللہ
علیہ وسلم برا یسے کلمات سے در و دوسلام بیجا جائے جن میں لفظ الملک نہ ہو کیؤی دہ کوم ہے
بیاس بھائے کے بلے اس قسم کے الفاظ استعمال کرے۔

اَلْعَسَلَاةُ وَالْسَلَاةُ مَ عَلَى سَيِدِنَا مُحَسَمَّ وِ الْمَبُعُونِ اِلْدَنَامِ.
اَلْعَسَلَاةُ وَالْسَلَاةُ مَعَلَى سَيِدِنَا مُحَسَمَّ وِ الْمَبُعُونِ اِلْدُنَى الْعَسَيَدِ نَا مُحَسَمَّ وِ المَبُعُونِ اِلْدُنِي الْفَصَلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِدِ نَا مُحَسَمَّ وِ الْمُعَنِينَ الْمُعَلِينَ الْمُعَلِينَ الْمُعَلِينَ الْمُعَلِينَ الْمُعَلِينَ وَفِي اللَّهُ الْمُعَلِينَ وَفَي اللَّهُ الْمُعَلِينَ وَفَي اللَّهُ الْمُعَلِينَ وَفِي اللَّهُ الْمُعَلِينَ وَفِي اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ ال

اوراس کے تمرات میں سے ایک طاعون کا خاتمہ ہے۔ شیخ الاسلام، شیخ ذکریا الفا میں نے ایک الفا میں ہے ہے۔ شیخ الاسلام الشیخ کے الفا میں کہ النہ کا البیا کہ المسلام کے النہ کہ النہ کہ اللہ المبین ہیں بیان (مسدالعلم عین کی میں فرایا ، بعض عارفین سے مروی ہے کرسب سے بڑی معیبت ہے۔ ان کا ستریاب نبی مسلی النہ علیہ کو ملم بر درود وسلام بھینا ہے۔



سل وہ احا دین وا مارجود کو در متر لفے تصفوص دعا وک بیان میں اور قصنائے حاجات کے لیے تغیر ہیں بیان میں اور قصنائے حاجات کے لیے تغیر ہیں

حفرت انس رصی النّد عند مرایت بے کر رُسول النّد علیہ وسلم نے فرایا ، توجی سے بیری رات جار رکعت نفل اس طرح اداکرے کر مبر رکعت میں الحسد دللّه ایک بار بہلی رکعت میں الحسد دللّه ایک بار بہلی رکعت میں اکیس بار یعیسری میں سی بار و اور میں گیاں بار یعیسری میں سی بار و اور الدین کے لیے بی تر عیمی رکعت میں جالین بار اور پی مسلام بھیر کرتی تھی را بیٹر ہے ۔ ابنے اور والدین کے لیے بی تر بی بار استعفاد کرے ، نبی صلی الله علیہ و لم بیر بی تر بی بار در و دوسلام بھی بھی الله نالله سے ابنی ما وجت مانکے وہ اس بات کا حقدار ہے کہ اللّه السے جو انگے عطافہ وائے ۔ اس کو صلاقہ حاجت میں بھی کہتے ہیں ، اس کو ابو مُرسی المدینی نے کتا ب وظائف الله بالی والد بالم اور الم مغزالی نے احتیا العلوم میں ، دونوں صفرات نے آخش سے بلاس ندوکر کیا ہے ، گونسی القول البدین نے احتیا العلوم میں ، دونوں صفرات نے آخش سے بلاس ندوکر کیا ہے ، گونسی القول البدین میں کہا ہے ۔ میں نے آدال الحقی ۔ مدنی کے حاضی میں دیکھا ، یہ بزرگ عار ون نالمبسی کے ہم صفر میں ، انہی سے نقل کرتے ہیں جس کی عبارت یہ ہے۔

احد برمص ادر بي صلى المتدعليه وسلم برسترمار در و و شراعيت بيم و اور لا تحوّل قالاً فَتُو الله إلا يله سترمار الراس يقرض بي توانداد اكرس كا اكرمسافر ب الله اسے وطن نوٹا ئے گا۔ اگر اسمال سے کناروں بعنی بادلوں مک گنا ہوں میں لتھڑا ہوا ہے بھر ابنے رہے سے معافی مانگے، اللہ اسبخ تر سے گا۔ اگرانس کی اولا د منیں ، اللہ اسطولا سككا الراكس سے دعا ما بيكے قبول فرائے كا واكر بدعانه ما فيكے توابس بإما راعن بوكا واللہ كى يناه "ا دراس كے بيچے يوعبارت تكونمى يہم نے قبوليت وعاكى مناسبت سے يدائھ ويا بي تأكدا سه ويحضه والا اورانس سه وا تعنيت ركف والا ائن به فائده أممات. اسے فائدہ انتخانے والے ایم تجھے اس فندا کی تسم دیتا ہوں جس نے اسمان مبند کیے اور زمینول کا فرنش بچایا ا در وه سب سے بڑھ کررح وکرم فرمانے والا ہے ، کہ تو کیے جیز مرمنت متى كوبتانا . بشرطيكه وه إلس كحصول مين لاچار بهو يميونكه يه عظيم كام ہے ، اور میں نقیرنے اسے اوائے قرص وغیر محصلسد میں بار ما آزمایا ہے۔ میں نے جب مجی درود تنرلفين ختم كيا ١١ بجي السوجد سع بالبرنهين كالاكدافله تقالى في ميرى عاجت اورمره بدری فرط دی -انتری کے لیے تنا وشکر ہے عبارت ختم ہوتی -

کرے نزاگراس برقرص ہے توا دیڈ تعالیٰ اداکر دے گا۔ اگر غریب ہے تواس کوغنی کر
دے گا۔ اگر مسافر ہے توادیڈ اس کو لینے گھر لوٹا ئے گا۔ اگر الس پر دنیا بھر کے گنا ہوں۔
ادیڈ بخش دے گا۔ اگر ہے اولا د ہے۔ ادیڈ سے اولا د ما نکے ، انشد اولا دعطا فرائے گائے
محرت علیضر بن ابی او نئی رضی ادیڈ عند سے روایت ہے، کہ ایک بنی صلی انشہ علیہ کو م ہمارے ہیس تشریف لائے اور فرا یا جس کی انٹدسے یاکسی انسان سے خات
ہمو وہ انجی طرح وصنو کورے ، وورکعت نفل اداکرے۔ بھر الشد کی تنا اور رسول النگر ملی انٹد علیہ وسلم پر دروو بھیجے۔ بھر یہ بڑھے۔

لَا الله الآ الله المحسين الكريش مسبعان الله تب العالمين المستالك المعترفي العقابين المستالك المعترفي العقابين المستالك المعترفي العقابين المستالك المعترفي العقابين المستالك المن المعترفي الم

ا سے ترمذی وغیر نے روامیت کیا۔ اور محدجبرنے کتا ہے۔ 'المسلا ذوالا عنصاح' میں عبدالملک بن صبیب،عن الی

بريره دمنى الترعن سے دوايت ہے كريدانهوں نے كها جورات كو التھے الجى طرح وضوكر م بيمروسش باراننداكبرك وش بارسبعان الله اور لاحول ولاقوة اتنى بى بارير سع ميم نبي صلى التُدعليه وسلم براهجي طرح درودوسلام بيصيح، دنياوا خرت كي جونعمت الله سے ما بنگے گا -عطا فرمائے گا -حنرت انس چنی انڈ عنہ سے روایت ہے کہ بی صلے التدعليه وسلم في فرما يا جس كى التدسه حاجت بوده الجي طرح وعنوكري ميمردونفل اس طرح ا واكرسے كرميلى ركعت ميں فاتسحدا ور آية الكرسى برشعے، وور فل ميں فاتسحاور المن الرسول بما انزل اليه من رتبه والمومنون يرص - يحتشدا ورودوون ترهي يمم كرسلام بجيرے بجريد دُعا مانگے۔ اے اللہ! لے براكيلے كى جائے امن ! برتنا كے ساتمی! لے قریب ا زبعید- لیے حاضر! نہ غائب۔ لیے غالب! نمغنوس۔ لسع زنده لي قائم رہنے وا لے! ليع علال وع تست واسلے السے زمین واسان کو تو بيداكرنے والے الم من كم سے تيرے اسم رحن ، رحم ، حى ، قيوم ، حس كے اسكے جرم فيكے، ا وازیں بیست اور حس کی سبت سے سامنے ول رزیدہ ہیں سے طنیل سوال کرتا ہوں کم مخترادراً لِمُحَدِّمتني الشُرعليدك مم يرورود وسلام نازل فرا ا اورمير ساتم يه برّا وُفرا -اس کی حاجت پوری ہوگی ۔ اس کو دلیمی نے مسندالفرد وسس میں ڈکرکیا ہے۔

حزت انس رصی الله عند سے بروایت بھی ہے کررسُول الله ملی الله علیہ وسلم فی الله علیہ وسلم فی الله علیہ وسلم فی الله وسل الله الله وسلم الله وسل الله الله وسلم الله وسل الله وسل الله وسلم الله والله وال

پوری فرط! لے دمن اور اس میں مجلائی پدافرا۔ بے نسک تو ہر جا ہے ہوقا در ہے۔
اے اُم این احب بند و نسائی میں احد کا دکر کرے ادر مسببت زدہ ہو تو فر شتے کہتے ہیں اور اور اس کی شفاعت کرو! ادر اس کی معالی میں احد کر اور اس کی شفاعت کرو! ادر اس کی دعا برا مین کرو! برا اس کی دعا برا مین کرو! اور اس کی دعا برا مین کرو! پر احد اور حاجت بوری کردیا ہے ' اس کوعب الرا اللہ میں معالی میں میں میں اور اور حاجت بوری کردیا ہے ' اس کوعب الرا اللہ میں میں میں میں میں اور ایس کی اور اس کی حب الرا اللہ میں میں میں میں اور ایس کیا۔

صرت بهل بن معدر صنی النّدع و سے روایت ہے۔ ایک شخص رسُول اللّه صلّی اللّه علیہ و مل کی خدمت میں آیا اور غربی و ترسکہ سنی کی شکایت کی - رسول اللّه صلی اللّه علیہ و ملے میں ایا ہو و غربی و ترسکہ سنی کی شکایت کی - رسول اللّه صلی اللّه علیہ و توسلام کما کرو خواہ اندر کوئی ہویانہ پھر مجہ پرسلام بھیجا کرو بھرا کی بار قبل ہوا ملّلہ احد پڑھا کرو - الس نے اس پرعمل کیا۔ اللّه احد پڑھا کرو - الس نے اس پرعمل کیا۔ اللّه احد پر ماکہ و رواز دکھول دیا - میمال کہ کہ اس نے اپنے پڑوسیوں ادر رشتہ داروں پرفیضا ان کیا " الس کو ٹوٹوئی میر پنی نے روایت کیا -

ابو ذکریا الغیری نے کما میں نے الس کو آزما یا اور ایسا ہی مایا ہے۔ ابو بجرکہ می نے کماعل نہ کو ۔ سے فارغ ہو کر قبلہ رُو ہو کرعا جزبند سے کی طرح بیٹھ جائے۔ مرفیکا ئے دل حاضر کیے ، قبولیت کالیتین کیے افٹہ تعالیٰ کی حمد و ذکر کرتے۔ اس کی شایا بی شان ثنا کرتے الس کے نبی محمد صلی اللّہ علیہ وسلم کو سفارشی بنا تے لا حول کی قلا فی قات سے نبی حاصل کرتے اور تعوذ و آسمید پڑھتے واعوذ با للله مین الشیطان الدوجیم، نبی حاصل کرتے اور تعوذ و آسمید پڑھتے واعوذ با للله مین الشیطان الدوجیم، بسم اللله الدوجین الدوجیم ، اپنے لیے جزئی کا کے جیجو کے اسے اللہ کے بار بار الله الدوجین الدوجیم بار سے الله الدوجین الدوجیم ، اپنے لیے جزئی کا کے جیجو کے اسے اللہ کو الله برق اور برڑے اجروا لی ہا و گئے۔ اور السّر سے خشن ما بھی ماضر ہوں اور تیری سعاد والا مہر بی ن ہے ، اور اپنی زبان سے پکا رہ لیے میرے آتا میں حاضر ہوں اور تیری سعاد میں ہے اور تیرا کم زور ، ذلیل ، بیکی بندہ نظا ہر باطن

ت میری طرف متوجہ ہے۔ تیری توفیق سے بوتنا اور تیرے حکم کی تعیسل کرتا ہے تھے سے ماڑجا ہا ہے۔النی! تو ہی میرا یا لنے والا ہے تیرے سواکو کی معبود نمیس ، تو نے ہی مجھے پداکیا ہے۔ بن تیرابنده ا در تیرے عهددیا ن برحبال بک ہوسکے قائم بُول بین تیری مخلوق سے شکر سے تیری بناه مانتخابهوں مجھ پرتیرے احسان کی بنا پرسی تیری طرون رمجُ ع کرتا ہوں اور یں اپناگنا ولایا ہول تو مجھے خش و ہے۔ کہ تیرے سواکوئی گناہ سخشنے والانہیں جمیؤی نیم مختار ملی المترعلیہ وسم سے منقول ہے کرمیمی سیالاستغفار ہے دنل بارمین کے بھر کھے سب وبین انڈپرور دگارجان کے یہے ، ایسی حمد جواسس کی نعمتوں کے برابر ہوا ور اسس کے مسان سے شایان ہو۔ میں تیری ایسی تعربیٹ نہیں کرسکتا جیسی تو ُ نے خود اپنی تعربیٹ ک ہے بس تیرے یلے تعربین، بہان کم کر تورا حنی ہوجا ئے۔ اور راحنی ہونے پر تیری حمد ورجب توراحنی بو اتیرے یے حدوثناً ی دس بار پھر کے النی! در و د وسلام بھی ہمارے ا فامخدا وربهارے ا فامخدی آل پر، جیسے تونے درو دیجیا۔ بہارے آ قا ابراھیٹم اور ہارے آقا ابراہم کی آل پر-اور برکت ناول فرما ہمارے آقامحد اور ہمارے آقامحد کی ال بر، بصب تو نے برکت مازل کی جارے تا ابر ہم اور جارے آقا ابر ہم کی آل بد جانو میں، بے تسک توہی ستودہ ، بزرگ ہے۔ اپنی مخلوق کی تعداد کے برابر۔ اپنی رضا کے مرامر، اینے عراض کے وزن کے برابر، اینے کلمات کی سیابی کے برابر جب بھی ذکر کرنے ولے تیراذکر کری اور نما فل تیرے ذکر سے غفلت برتیں تد دنل ار - ادب وحشوع سے آسحضرت مسل الشدعدير كوسلم كى صورت مُباركه حاصر كركے - كويا تؤسر كار كے سامنے ہے - آپ كى عزّت كو و العظم كركير الله يسي كراب المنزكا مرا دروازه بيي - كدونيا وانوت كي تمام يجلا في صرف كي والبشكى سے مل سكتى ہے۔ بشتك آب مخلوق كى خالق كى طرف دسيل بيں اور السس ياك الإسليان داراني سعمروى بي كرج شخص الترتعالي سيكوني ما جت مانكا جا سي ما سيك ميلفني صلى الترعليه والمم يرورود وسلام بمعج بجرايني ما جت ما ننظ بجري من

انترعليه وسلم بردرو دوسلام برختم كرے مينسك افتدتعالى دونوں درود شريعيت قبول فرائے گا۔ یرمیس ہوسکتا کہ وہ کریم درمیانی دعاچھوڑ دے۔ بھر کنے میرے آقامیں فر ہوں ہمام نیک بختی تیرے ہاتھ ہے ، میں تیرافقیر ہوں ، میں تیری جناب کی حمایت حاصل كرتا بول- تيرى طرفت تيرك محبوب ترين دوست كا دسيدلايا بهول- تقدير مين بها ومين تير لطعت دكرم كا خوابين كاربول اورا ين تمام معاملات مي محدس مدد ما بحظة بوئ عوض گذارہوں ، اے لطفت وکرم فرما نے والے ! اس کو باربا رمیے مشہوریہ ہے کدا سے سوا مزارچوسواكتاليس بارير سط ،جب يه تعدا د بورى بوجائ ي بهوكو كى ايك ومعاسوله بار برُهے يميرجيساكدگزرا ہے۔ بى صلى الله عليه وهم ير ورود يميع - اپنى وُحاكمين ا وروالحم لله سب العالمين برختم كرے - بھرد وركعت نفل ا واكرے - يرطريق سب سے بهترا وركمل وبهيب بن الورو محدالفا ظرجن محصتعلق بميں يہ بات مبني ہے كدا ك الفاظ كے جودُعا مانتي جائے۔ رَدنهيں ہوتی وہ يہ كه بارہ ركعت نفل اس طرح ا داكر سے كه مركعت میں ایک بار فاتھ ، آیة الکرسی ، اور قل هو الله احد پڑھے جب قارع ہو تو ہو۔ میں گرمائے اور کھے ہیا گی الس فکراکوجوعزّے کا مالک ہے اور کھے پاکی اس کوچواحسان ففىل والا بنے - ياكى اكس كوجوعزت وكرم والا سے - ياكى اس كوجوطا قت والا سے - مير تجھے سے تیرے عرفش کی عِزّت کے صد تھے سوال کڑا ہوں واور تیری کتاب کی مدورج رحمت اورتیرے مزرک نام اورملب د ترشان اورتیرے تمام مکمل کلمات ،جن سے کوکی نیک وبدا کے بڑھ نہیں سکتا- ان سب کے صدیے کر تو محکم ملی انترعلیہ وسلم پر ورود وسلام نازل فرما - بھرانشدسے السی چیز ما نظے جو گناه نه ہو، وہیب کماکرتے تھے جمیں بر برایت مینی ہے کہ یہ دُعا اپنے بی تو و و ل کو زسکھانا بھر وہ النڈ کی نافر مانی میں بیم حیں گئے ؟ الس کو تمیری اور این بشکوال نے روایت کیا ہے۔الطبلسی نے مقاتل بن حیان سے روایت کی كرجوكوني ما بد كراند اس كمشكل مل كرد، على ودركرس اوراس بيرى بيول مك

بنجائے اس کی حاجت پوری کرے اور اس کا قرض آبار دے یسینہ کھول دے آبکھ میں نوش کرے ۔ وہ جب جا ہے را وقات محروب کے علاوہ) چارنفل اداکرے ، اگرآدی میں نوش کی کرے ۔ وہ جب جا ہے را وقات محروب کے میں فاسح اور اس کے ساتھ مبلی رکعت میں سورہ لیک ۔ دو سری میں اکسم السجدہ ۔ تیسری میں الدخان برتمی میں میں آسم السجدہ ۔ تیسری میں الدخان برتمی میں شب الدخان برتمی میں شب الدخان برتمی میں شب الدخان برتمی میں میں الدخان برتمی میں اللہ علی برائے ہیں میں میں الدخان برتمی میں الدخان برتمی میں میں میں میں بربا ربار درود بھی بھر اللہ تعالیٰ سے ابنی حاجت مائے ، ان شاان اللہ عنقریب بی السے ابنی حاجت مائے ، ان شاان اللہ عنقریب بی السے ابنی حاجت مائے ، ان شاان اللہ عنقریب بی السے ابنی حاجت نظر اجامے گی ۔ بھر وہی و عابیان کی جو و ہمیب کے حمالہ سے گزیگ ہے ۔ وہ در بیدی نے کہا یہ شہور و کا ، دگا شے مقاتل بن حیان کے نام سے مشہور ہے اور کہا جان جا تا ہے کہ اس میں اسم اعظم ہے ۔

علامه توسعن نبب ني كامشابره وتحرب

الم عزالی کا ارتباد کی یوسرفوع حدیث نقل کے بیم سی الله عند کوسلم کا ارتباد کی یوسرفوع حدیث نقل کی جے کہ آپ نے نوبایا۔

عبدانشدے کوئی حاجست مانگو توجی پر درود وسلام سے ابتدا کرو، انتدکی شاپل کریمی سے خلاف ہے کہ اس سے دودعائیں کی جائیں ایک منظوری جائے اور دوسری رَدکر دسیٰ خلاف ہے کہ اکس سے دودعائیں کی جائیں ایک منظوری جائے اور دوسری رَدکر دسیٰ علامینا دی چھ ایڈ روایت نہیں ملی وراصل ابو دروا ، اور حبوانڈین عورضی علامینا دی چھ ایڈیں عمورضی

التُدعة ني في التُدعليه وسلم معدروايت كى بهداب في فرما ياجم والتُدمه كولى حاجت بو، وہ بُرھ جمعرات اور جمعہ کاروزہ رکھے رجمعہ کے دن خوب صاف ستھرا ہو کوسے میں جائے ، مجر تھوڑ امبت صدقد کرے جد بڑھ کرید دُعا ما بھے لاالئی میں تجھ سے تیرے نام كاسوال كرما ہوں يو الشركے نام سے شروع جور جمن ورحيم ہے۔جس سے بغير كو كي مج معبود مليس ،عيب وسها دت كوجا في والا سعدرهن ورهم مع مي ميل محدت تيرك نام كاسوال كومًا بول الشرك نام سي شروع جورهن ورجم بصحب كي بغيركو في معبود برحق مهين جميشه زنده اورقائم رئينے والا - ندليد اون كھ آئے نزميند جو كى زميں سے زمین واسمان مجرے پڑے ہیں- اورسی کھے سے تیرے نام کاسوال کرتا ہوں ، انڈ کے نام سے تروع جرحمٰ ورجم ہے جس مے سواکو تی معبود میں ،جس کے ایکے چرے بھلے ، بنگاہیں بیجی اورائس کے درسے ول کانب رہے ہیں کر مخترصلے الندعليہ وسلم اور بھارے س قامحترصیلے انتدعلیہ وسلم کی آل بر درود وسسلام بھیج ، اور مجھے میراسوال عطافہ ما ، اورمیل فلال قلال حاجت بوری فرما ، انشاً الشراس کی دعا قبول ہوگی - فرمایا کرتے لینے نا دانوں كوند محملانا -كيس كناه يا قطع رجمي كى دعانه ما تكاكرين " الس كو ابو تُوسلى مديني في اسى طرح موقوقا روايت كياست - يوملى تميرى في عيم موقوفا بيان كى جيساكدا لقول البديع بين تكاست بيد فائده الدميرى نے حياة الحيون ميں البوني كاتب سولاسوسى واله سے وكركيا ہے۔ اور آخرمیں کما یہ ایک لطیف راز سے اور مجرت ہے۔

ابوا مامہ بن سمل بن منیعت سے روایت ہے کہ ایک شخص کسی کام کی غرض سے حضرت عثمان بن عثمان کی خدمت ہیں ہا رہا مگر صفرت عثمان رضی انڈرعنہ (بوجوہ) اس کی طرف توجہ نہ فرما سے اور نہ الس کی حاجت کی حضرت عثمان بن صنیعت سے حضرت عثمان بن صنیعت سے معشرت عثمان بن صنیعت سے ملاقات کی اور ان سے اس بات کی شکا بیت کی ۔ انہوں نے فرما یا پائی لوا ور وحنوکر و بچم

مسجدهي جاكر و وركعت نفل ا داكرنے بچريه كھے " الني ميں مجھ سے سوال كرتا ہوں اور ميرى بار کا دس تیرے بی محد صلی الله علیہ وسم کے وسیلہ سے متوجہ ہوا ہوں ، جونبی رحمت میں -يا مخذ بي سك مين آب كے وسيد سے اپنے رب كى طرف متوج ہوتا ہوں كر آب ميرى فا پوری کریں میماں اپنی حاجب کا ام ہے۔ بھرجاؤ اکر میں بھی جاؤں وہ تنخص میلا گیا اور السابی کمیا، محصرت عنمان بن عنان کے درواز سے برآیا۔ دربان کیا اور ما تھ میجو کر اکسے حفرت عمّان رصنی المتُرعنه محے پائس لے گیا اور سندیران کے پائس بھا دیا ۔ آپ نے فرطایا . تمهاری حاجت ؟ اس نے بتائی آپ نے پوری کردی ۔ پھرفرمایا ، آج کک میں تیری حا سمجه بی مهیں سکا جب بھی کوئی ما جت ہومانگ لیا کرو۔ وہاں سے بھل کرود شخص حفرت عَمَّان بن صنيف سے ملا ، اور كها ، جنوالت الله حكيدًا الله تهميس جزائے فيرد سے جب مک میں نے ان سے بیان مہیں کیا ، نہ وہ میری حاجت کی طروف دیجھتے تھے نہ توجہ فرماتے۔ عَمَّان بن منیعنب رصنی انڈری نے فرمایا ، نہیں نے ان سے باٹ کی نہ انہوں نے مجہ سے ليحن مين نبي صنى الشرعدييه وسلم كي خدمت مين حا ضرتما ، كداّ پ كي خدمت مين ايك ، ابيما آيا . اس نے صنورسے بینائی چلے جانے کی ٹسکاسٹ کی نبی صلی انٹرعلیہ سسم نے اس سے فرایا۔ جاؤلونا كي كرومنوكرو، يومسجد مين عاكر وونفل موصو، بهركهواللي : مين تجد مصسوال كرما بو اورتیری طرف متوجہ برقام ہوں، تیری نبی رحمت کے دسید سے، اے محتہ بے تسک میں آپ سے ذریعے متوجہ ہوتا ہوں اپنے رہ کی طرفٹ کہ وہ میری تکا دِ رونشن کر دے۔ النی ان كخ شفاعت مجع نصيب كر. اورم يرم صتعلق ان كخ شفاعت قبول فرما - عمَّان كيت بين خداكي تسم ہم وہاں سے الگ نہ ہوئے ندزیا وہ باتیں کی کدود شخص آیا گویا کہمی نابینا تھا ہی نہیں'۔ اس كوبيقى وغيرن ذكركيا جد حافظ سخاوى في كما بعض ك نزديك بدالفاظ بين يوكيك نابينا تنفس نبي صلى الشرعلية و لم كم ماس أيا اور كيف لكا، النزيد ومُعاكر وكر بحيشفا ياب فراكم-فرا یا اگرمیا ہوتواس کے بدائے آخرت میں مجے درج مل جائے یہ تمعارے یے بہترہے۔ اگرمیا ہو

سے مخوظ فرائے گا۔ اور اس کے عابل کارمب انڈ تعالیٰ بند ول کے ول میں بیدا کرے

گا۔ اور جو کو کی سوری نکتے وقت ہررونر اس پر نظر کرے اور نبی صلی انڈ علیہ ولم پر
در کو دفتر بعیت پڑھے ، اسے نبی صلی انڈ علیہ وسلم کا دیدا رہا رہا وصل ہوتا رہے گا۔ اور
اس کے اسباب اسی دن سے میٹسر ہونا فتر وع ہوجائیں گے۔ اس کتا ب میں فروا یا کوشن
یوجا ہے کہ الس کی بیوی کے ہاں بیٹا بیسدا ہو، جب اس کی بیوی سور ہی ہوا بینا دایاں ہو
یہ جا ہے کہ الس کے بیدا ہو کے اور ممل کے ابتدائی دول
معرف میرا ہوئے کے بیلے مسلل ایس کے مینز پر رکھے اور ممل کے ابتدائی دول
معرف میرا ہوئے کے بیلے مسلل ایس اس کی نا دن پر ہاتھ رکھ کم تین با ریڑھے۔
معرف میرا ہوئے کے بیلے مسلل ایس اس کی نا دن پر ہاتھ رکھ کم تین با ریڑھے۔

آملَهُمْ إِنْ كُنْتَ خَلَقَتَ خَلَقًا فِي بَعْنِي طَنِي وَ الْمَدُا وَفَكَوْنَهُ وَ الْمَدُا وَفَكَوْنَهُ وَ الْمَدُهُ عَلَيْهِ وَمَنَى اللهُ عَلَيْهِ وَمَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَالْمُ اللهُ عَلَيْهِ وَمَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَالْمُ اللهُ عَلَيْهِ وَالْمُ اللهُ عَلَيْهِ وَالْمُ اللهُ عَلَيْهِ وَالْمُ اللهُ عَلَيْهِ وَمَنْ اللهُ عَلَيْهُ وَمِنْ اللهُ عَلَيْهُ وَمَنْ اللهُ عَلَيْهُ وَمِنْ اللهُ عَلَيْهِ وَالْمُ اللهُ عَلَيْهِ وَاللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَمَنْ اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَمَنْ اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَمَنْ اللهُ عَلَيْهُ وَلّهُ وَمَنْ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَمَنْ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ وَمُعْلِمُ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ وَاللّهُ وَمُعْلِمُ اللّهُ وَلَهُ وَمُنْ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ وَاللّهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا اللهُ وَاللّهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللّهُ وَلِمُ اللّهُ وَلِلْمُ اللّهُ وَلَا اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الل

الدمیری نے صنرت عبداللہ بن عروضی اللہ عنما سے روابیت کی ،کرمیں نے رسول اللہ مسل اللہ علیہ مسلم کو فرما تے منا ،جوکو کی ہرفرض نما ز کے بعد آید الکرسی پڑھے۔ السوکی وہ صرف اللہ تعالیٰ ہی قبض فرما ہے گا۔

امام بیقی نے ابن عبالس رحنی انڈ عند سے رشول الڈمسل انڈ علیہ وہم کا یہ قول نقل کیا ہے۔ قول نقل کیا ہے کہ ایک عبال انڈ عنوا اللہ اللہ عنوا کی انڈھوا اللہ انڈھوا اللہ عنوا اللہ عنوا اللہ عنوا کی ایک معنوظ رہنے کی منعانت ہے۔

نبى صعے الله عدید وسلم سے ایک صحابی نے سوتے وقست اسے پڑما ہوراندر کھمسا

اور گرکاتمام سامان سمیث کرائی ایا وه صاحب جاگ رہے تمعے ، چرد دروازے پر مہنیا تو التے بندیا یا محفری زمین برر کمی تو دروا زد کھک گیا تین بارالیا ہی ہوا ۔ کھٹری اُٹھا آ تو دروازہ بند ہوجا تا نیچے رکھتا تو کھک جاتا) صاحب ضانہ کی ہسنی محل کئی اور کہا ہیں نے مكان كاقلعمسبوط بنايا ہے -

الدارمى في مغير بن بين سے روايت كى جوعليت بن مسعود رصنى الله عند كے ساتھیوں میں سے تمعے کہ جوکوئی سوتے وقت سورہ بقرہ کی دلس اتبیں پڑھے ، قرآن مريم نهيں يمبو كے كا ميل و وآية الكرسى ، ووآيتى الس كے بعد والى اور تين خى اورالدارمی وغیر نے علبت دین ابی امامہ سے زیّرابن جُیس کی یہ رواست نسّل كى كدم كونى رات كيكسى خاص حصة ميں أشخف كے يلے سؤرة الكھ كا أخرى حقد يڑھے۔ بیدا۔ ہوگا ایک ساتھی کا کہنا ہے کہ ہم چندسا تھیوں نے الس کا تبحر برکیا ، جیسا سنا ، وبيها يا يا ي يد باست سيوطى نے الخسائق الكيرى بيس و كركى ہے -

ى العزمز الدباع كا ارشا و الدباع رضي الله عدد سيمنقول سي مديد الدباع رضي الله عند سيمنقول سي مد

ج کوئی یہ آبیت کرمیہ پلسصے، وہ مبتے صادی سے ذرہ بیلے، رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم کی ولادت سے وقت بیدار ہوجا یا کرے گا۔

امام یافعی نے اپنی کتا ب الدّ رانتظیم نی خواص القارن العظیم میں کھا ہے۔ كرچ كوئى سورة جمت كا كوكرزمزم كے يانى سے وهوكريى لے، لوكوں ميں معبوب بوكا . اس كى بات سنى جائے كى جو سنے كا يا در كھے كا . تكه كرياتى سي كھول لے اورجو بہارى ہوائس یانی سے و تھوئے اللہ کے حکم سے و ور ہو گی -الدّرالنظيم بي مي جي حري في فرمان باري تعالى محسند رسكو الله سخر سورہ تک، النّدی توفیق سے تکوکر اپنے بالس رکھے وہ عجیب قبولیّت وغلبہ دیکھے گا۔

توالله المرول و كيف لكا دعافرا دين آب في الصابحى طرح وضوكر في كا حكم ديا اور فرما يا ودور كعت نفل مره كريد وعا برهو، اللي إلى على اللي المي اللي المي اللي المي المركم الدوتيري طرف تيري نبی محدسلی الله علیہ وسلم کے وسیلہ سے متوجہ وا امول جونبی رحمت ہیں الے محمد ! بے تمک میں آپ کے وسیدسے اپنے رب کی طرفت اپنی اس حاجت میں متوج ہوتا ہوں مکہ وہ میر یے اسے پوری فرما دے والئی ان کی شفاعت میرے حق میں قبول فرما ، اورمیرے حق میں میری شفاعت قبول فرما ؟ ابن ابی الدنیا نے اپنی سند کے ساتھ یہ بات ڈکر کی ہے کا یک شخص عبدالملک بن سعید بن حیان بن ابحرکے پاس آیا - اس کوبیٹ کی تطیعت ہوگئی علیمک فے کہا تھے ایسی بھاری لگی ہے جو تھیک نہیں ہوسکتی -اس نے کہا ون تی بھاری جکها الس تخفس في منهجيرليا اوركها الني إتوميارب بيدين اين رب كيم مسى كونتركيف نهيل كرتا واستداد للرابين بيرى طرف تيري أو تمام الله عليه ولم محدوسيله سے متوجہ ہوتا ہوں ۔جونبی رحمت میں اسے محد اس کے دسیدے آپ سے اور ا پنے رب کی طرون متوجہ ہوتا ہول کدجو ہاری مجھے ہے اس کی تعلق تج پررهم فرمائے الیی ر حمت جب سے میں تیرے غیروں کی رحمت سے بے نیاز ہوجاؤں یا تین بار جمیروہ شخص ابن ابحرسے ہاس آیا اس نے اس کا بیٹ ملاحظ کر کے کہا ، تم نحیک ہو جمعیں کوئی بھاری نیں اورانشر بی توفیق و ینے والا ہے۔

كرد واكر بوسكے . وہ عاضرى كا وقت ہے اس ميں دُعا قبول بوتى ہے يمير سے بھاكى حضرت يعقوب علياسلام نے اپنے برٹوں سے فرما یا تھا" سَوْفَ آسُتُنْغِيْدُكُ مُ رَبِيٌّ "مَين عنقريب تمهارے یے اللہ سے معانی ما بحول کا ج یعن جمد کی رات آجائے تو انہیں ہوسکتا تودرمیا هنته مين أخمو، يه مجى نهين تورات سمے بيسلے بيرانمھو، جار رکعت نفل اس طرح ا داکر و کرميلي ر کعت میں فاتسے کے بعد سورہ لیس، دوسری میں فاتلے کے بعد سورہ کمتم الدخان- تبسیر كعت بين فأسحرا ورالم تنزيل السعيد ورجِ تمى كعت مين فأسحدا ورسورة السلك تشهدس فارع بوكرانندى بترين حدوثناكرواو مجدير بترين درودوسلام بيجوا اور تمام بپیوں پرمبترین درُو د وسلام بیبج مسلمانوں مُردوں ، عورتوں اور ا چنے ان بھائیو سے لیے دُنا کے مغفرت کر وجوا میان کے ساتھ تم سے پہلے گزر چکے ہیں ج خرمیں لیُوں دُعا ما يى انى مى برمنرور رحم فرما كرجب كك مجع باقى ر تھے ميں گنا بول سے كناردكش رمول . ا و مجدیدینه ورزم فرماک میں ففول کامول میں مصروف نہ مہوں اورجن انمور میں تیری رصا ہے۔ ان میرشن نفرنسیب فرما ِ اسے املہ ! زمین واسمان کونوپیداکرنے وا ہے ، جلال وعز و احترام والنے جبكا را وونسيس كميا عاستما -السادالله! السار حمن إليس تُجه سے تير عبدل اورتیرے ذاتی لورکا واسط دے کرسوال کرتا ٹہوں برکہ جیسے تو نے مجھے اپنی کٹا میکی علم عنایت فرمایا ہے ۔ ویسے ہی میرے دل کواپنی کناب کا حشدعطا فرما ۔ اور مجھ اسطرح تلاوت نئیب فرماک و مخصص راصنی برجائے۔اسے اللہ إنرین واسمان سے نوبیدا مرنے والے والے دامی حبزل عظمت اور عزّت سے مالک ہجس کا اراوہ نہیں کیا جاستا ،الے الله اس يمن اس تيرب بلال اور يرى تورانى ذات كے واسط سے بشج سے سوال كرّا بُول كدا بني كمّا ب سيميري بنياكي روشن ، زبان چالوُا ور دل سے رسمج وغم دور فرما و سے اسیند کھول دے اور میرابدن وصود ہے . بے سک تیرے بغیرماہ حق میں کوئی میرا مد ، كارسين اورتير بسيسواكونى ويانهين بدى سيميرنداوريكى كرندكى طاقت الله

بى سے ملتى ہے ، جوملبند وبرتر ہے ؟ اسے ابوالحسن ! الس برتين ، يا كى ياسات جمعے عمل كر، التذكي كم سددعا قبول بوكى - الس التذكي قسم اجس في محص كي ساته مجي بي مومن كو ممجى ما يونس نهيں كرہے گئ صخرت عبدالله بن عبانس رصنى الشرعنها تے فرما يا - فكرا كي قسم حنرت على رصنى النَّدعندُ برباليح سات ون گذر سے بهوں کے کم نبی صلی النَّدعليه وسم استقىم كى تجلس مين تشريعت لائے ، انہول نے كها ، يا رُسُول ا دلتُد ? بيسلے مجھے صرف حياراً يتي يا و تمين جبب ان كى تلاوت كرتا توتفك ما ، آج مين حاليس أيتين ما وكر حيكا مون ، جب اينے طوربران کی تلا وست کرما بھول توگویا الٹرتعالیٰ کی کتاب میری انتھوں کے سامنے ہوتی ہے اورسي حديثين شناكرتا تحا يجب مين ال كودم را العالميا توزبان مساترجاتين اوراهيمتين سنتا ہوں ، جب ان کوپیا ن کرتا ہوں ایک حرصت بھی چھوٹتا شیں۔ اس وقعت نبی صلی انڈ علیہ وسلم نے ان سے فرمایا 'رہی کھی کی قسم ابوالحسن تم مومن ہو'؛ اس کو ترمذی نے اپنی جامع میں اورطبانی وغیر شنے بھی روایت کیا ہے۔ المنذری نے کہا ، انس مدیث سے طرق بینی سندی عمده میں اور متن مبت غرب ہے۔ ایسا ہی عمدا اُن کنیرنے کہا ، حافظ سفاوی کے کها ،حق بر ہے کہ اس میں صرف کمزوری بر ہے کہ اس کو ابن جریج افے عطا سے حتعہ کے ساتھ نقل کیا ہے۔ یہ فائدہ ہمارے شیخ ابن جرکا ہے۔ کہاکہ مجے ایک سے زائد صنوات ہے بتا یک انہوں ہے اس دعاکو آزمایا اورحق پایا ہے سیتدم تعنی زبیدی نے احیا انعلوم کی شرح میں فرمایا -ابوالعبانس شرجی نے اپنی کما سے الفوا کڑئیں ہمارے متاخرین عکما کے صنفيد ميں سے بعض كايہ تو ل نقل كيا ہے برحبى افتارتعالى سے ما س كو تى جا جت ہو۔ وه جار ركعت نفل اس طرح برسط كرميلى ركعت ميس سورة فاتسى كعبد ون إرسورا الله دوسك ميں سورة فاتحد سے بعد بين مرتب سورة اخلاص تيسري ميں سورة فاتسح عبد تين مرتب سورہ افلامس بچتمی میں سورہ فاتسی کے بعدجالین بارسورہ اخلاس قارنع ہونے ك بعديد دُعا يرص - استداند إنيرى ذات پُرنورا ورحبلال كا داسطه اوراس اسم اعظم

میں بھرے تیرے بائیزہ ،مشہ کہ معرّز ، با برکت ، پاک ناموں کے وسید سے سول کرتا ہوں ، بیت نام جو فور برفر وہ فور جو نور کے اور ہے ۔ ایسا فور جو نور برہے ۔ ایسا فور جو نور کے اور ہے ۔ ایسا فور جو نور کے نہیں ہے ہوئے ہے ۔ اسا فوں و زمین کا فور ، عرش عظیم کا فور ، تیری پر فور ذات کا سول ہے ، اور تیری کھی سلطنت اور مضبوط طاقت و فوت کا سوال ہے ۔ سب تعربیت اللّه تعالیٰ کے یہ ہے جس کے سواکوئی معبود برحق نہیں ، زمین واسما نول کا نوبیدا کرنے والا . جات ہے ہے جس کے سواکوئی معبود برحق نہیں ، زمین واسما نول کا نوبیدا کرنے والا . جات ہود دگار! اے برور وگار! اے برور وگار! اے برور وگار! اے برور وگار! کا جات ہودی فوما ، دنیا وا خرت میں اور اللّه در وود و مقابد میں میری مد د فرما ، میری حاجت بودی فوما ، دنیا وا خرت میں اور اللّه در ود و سلام نازل فرمائے جارے آقامحد اور آپ کی آل پر۔

الشرجی نے کہام محد بن دستوریہ سے سروی ہے کہ میں نے امام شافعی رحمۃ اللہ کی کتاب میں ان کے ماتھ سے بھی ہُوکی نماز حاجت دیجی ہے ، جو ہزار حاجت سے لیے ہے ، جرحفرت نضر علایسلام نے ان کو معیض بندوں کے لیے بھائی۔ وورکعت نفل اس

طرح برُ سع كربيل ركعت بين فاتح كے بعد دسن بارسوره كافرون، دو مرى ركعت بين فاتح كے بعد دسن بارسورة اخلاص بيرسلام كے بعد بحد مكرے اور بحدے بيں دسن بار نبي مسل الشرعليه وسلام بر درُو د برُ سے اور دسن بار مسبعان الله قالَة سند دينيه والا الله [لاّ الله وَ الله و الله و

سيخ ابوالقاسم كحيم نے كها ميں نے ايك عبا دن گذار كے ياس قاصد بھياكہ وہ يہ وظیفہ مجھے بہا د سے بچرانس نے بچھے اس کی تعلیم دی ، میں نے اس برعمل کیا اور اللہ سے حكمت كاسوال كيا ١١٠ نے مجع عطا فرمائى اورميرى ايك بېزار ماجت بورى فرمائى . حكم كيت بين جوكو كى اس برعمل كرنا جا ہے وہ جعرات كو غسل كر كے صاف كيڑے بينے - اور سحری کے وقت اس برعمل کرسے اور قصائے حاجت کی نیت کرمے انشا اُوٹر حاجت پوری ہوگی۔طبرنی نے ماب الدعاً میں محدّ بن حجرّ بن حجرّ بن محرّ بن علی بن حین بن ابوط الب رصی المدّ عنم سے روایت کی ہے کرمیرے والد کوجب کوئی بریشائی لاحق ہوتی، وصنو کرکے و ونفل اوا كرتے مناز كے بعد كتے اللى الم صيبت ميں تو كميراسهارا سے اور مرحنى ميں توميرى الميد بي اور بمنظل ميں جو مجھ بريات تو ہى ميرا اسلا و بھروسہ ہے . كتني ہي تعييتي ميں جن سے دل كمزور بوجاتا ہے۔ چارونسيں جلتا ، دوست مندمور اليتا ہے۔ دشمن خوات ہوا ہے میں نے اسے تیری بارگا ہ میں بیٹن کیا اور تھے سے اس کاسٹنکوہ کیا تونے اسے ختم کیا او مُشكل مل فرما دى - توہى مرحاجت يورى كرنے والا ہے - برنعمت عطافرما نے والاہے۔ تونے ہی لڑکے کو انس کے والدین کی نیکی کے صد تھے بچایا ۔ مجے بھی اسی طرح بیجا لیے ،جس طرت تو نے اسے بچایا - اور مجھے ظالم ہوگوں کے یہے آزمانش ندبنا - اپنی اس تیرے ہزام کے واسطہ سے سوال کرتا ہوں جسے تو نے اپنی کتاب میں ذکر کیا ، یا اپنی کسی مخلوق کوسکھا۔

یا تیرے علم خیب میں وہ محفوظ ہے اور میں تھے سے سوال کرتا ہے جیرے بزرگ بزرگ بزرگ ام کا صد قد جس کے دسید سے جب بھی تھے سے سوال کیا جائے تو لاز می طور پر اپنے فضل و سرم سے عطافہ باتا ہے برمح زسلی انٹر علیہ وسلم اور آپ کی آل پر درود وسلام نا زل فرا - اور می آئے سے سوال ہے کہ میری حاجت پوری فرما - اور جو حاجت ہے مانے ہے۔

ابن عبالس رعنی الندعنها سے روایت ہے کہ جرکوئی قرآن کریم کی سواتیں بڑھ کر بإتمدا كمائ وركع وسبحان الله وسبحان الله سبحالله ولعاسبها وهوالعلى العظيم وہ اپنی زمین اور اسمانوں میں باک ہے، سے والی زمینوں میں اسی کی باکی بولی جاتی ہے۔ عرب عظیم راسی کی باکی بولی جاتی ہے۔ وہ پاک ہے، اسی کے لیے حمدوثنا ہے السی جوتم نہ ہو۔ بوسيده نه بهو-السي حدجوالس كى رهنا تك پنج الس كى أنتها كك نهينچ السي حمدو تنام جولامحدود ہو. بے استها بو ، جس كا بيان معلوم نه بوسكے - اسے پاكى ، اس كے قلم كے شمار كے برابر، اور الس محے كلمات كىسيائى كے برابر الله كے سواكو فى مستحق عبادت نهيس انصا قائم فرما نے والا اس کے سوکوئی معبود تہیں ، وہی غالب حکمت والا ہے۔ ایک تنها ج مصنیاز - ند کسی کوجنا ، ندخود جناگیا - ندائس کے برابر کوئی - انتدسب سے بڑا ہے -انتدسب سے بڑا ہے۔ انتدسب سے بڑا ہے بہرت بڑا جلیل انقدر بعظیم علم والا بجراً ت والا۔ ر كبريا تى والا ببسند والا يعمتول والا - ا ورسب تعربيث التذبيرور د كارجها ن سمے بلے -اللي ! تو نے مجھے بیدا کیا ، جب کدمیں کوئی قابلِ ذکر جیزنہ تھا - سوتیرا شکریہ ۔ تو نے مجھے سیحے مُردبنا یا . موتیرات کر ہے۔ تو نے مجے ایسا بنایاک میں تیری عباری میں اخیراور تیری تاخیر میں جلدی شہیں جا ہتا ۔ میں تھے سے تمام عبلائی مانگتا ہوں ، فوری بھی ا ورمیعا دی بھی جسے جانما بوں اور جے نہیں جانما - اللی امجھے کان و انکھ سے فائدہ نصیب فرما اوران دونوں كوميرا وارت بنا د سے واللي إمين تيرابنده اورتير سے بند سے بندي كا بيا ہول جير سے يرجيلنے والابول بمجدبرانعها وف سے اپنا حكم علا ميں تبھ سے تيرے ان امول كا صد قد

انگا ہوں جو تو نے خود مقرر کے ہیں اور اپنی کسی کتاب میں نازل کے ہیں یا اپنی کسی مخلوق کوسکھا ئے ہیں، یا لینے باس اپنے غیبی علم میں مخصوص کر رکھے ہیں برم محداور آل محکد بردرو و ایس بھتے اور قرآن کو میرے سینے کا نور کر دے ول کی بہمار، غم کا ازالہ ،اور زمیج کا فاتمد کوئے ہیں جوج چا ہے دُعا ما نگے۔ اندر سجانۂ تعالی قبول فرما نے گائی اس کوالنمیری نے روایت کیا۔ جبرج چا ہے دُعا ما نگے۔ اندر سجانۂ تعالی قبول فرما نے گائی اس کوالنمیری نے روایت کیا۔ حضرت ابوہ ریرہ رصنی اند تعنہ ہے روایت ہے کہ جس کو بھول جانے کا ڈر ہو، وہ کھڑت سے بی صلی انڈ علیہ وسلم پر دو در یعنے ''اس کوابن جبکوال نے منقطع سند کے ساتھ روایت کیا۔

حفرت صن بھری نے کہاغم والم وگور کرنے کی وثنا یہ ہے ہے اے ابراھسیم کی انترعلیہ وسلم کا ہاتھ روکنے والے ، بیٹے کے ذریح کونے سے ، اسے ویرانے اوراند سے کئیں میں یوسعت صلی افتد علیہ ہے ہے فافلہ بھیجنے والے ااوران کوغلامی سے بعد ارشاق بھی بنا نے والے ۔ اسے ذوالنون دگونس علیالسلام) کی دُعا بین اندھیروں میں سُتنے والے ایک گرسے سمندر کا اندھیرا ، دوسلرات اور تیسلر میجلی کا بیسٹ کا اندھیا ہے والے ایک گرسے مندرکا اندھیرا ، دوسلرات اور تیسلر میجلی کا بیسٹ کا اندھیا ہے ۔ ایک گرفی ختم کرنے والے اوراے داور کے انسوی پر ترکس کھا نے والے اوراے داور کے انسوی پر ترکس کھا نے والے اوراے اور کے کا نسوی پر ترکس کھا نے والے الے جزدوں ایوب کی تکیف میں ایوب کی تکیف میں اسوال ہے کہ میر کردوں کے غم دور کرنے والے ! اسے جزدوں کے خردوں کے خردوں کے دور کرنے والے ! اسے کوئی کردوں کے خردوں کے خردوں کے دور کرنے والے ! می کھرا در ال می کردوں ہے گا ایس کوالدینوری نے المجالستہ تیں بیان کیا ۔ ساتھ ایسا ایسا کر گا اس کوالدینوری نے المجالستہ تیں بیان کیا ۔

کے سواکوئی معبود نہیں۔ اس دائم کو پائی جوختم نہ ہوگا اس قدیم کو بائی جس کا ابت انہیں ہے بائی اس کوج زندہ کرے اور مارے ، پائی اصے جو ہر دن کی نئی شان میں ہوتا ہے ، پائی اسے جو نظر ہونے والی اور نظر ہوئے کے والی اشیا کو بید اکرتا ہے ۔ پائی اسے جو ہر شے کو بغیر تعلیم کھلایا ، النی ان کلمات اور ان کی خومت کے صد تھے میا تیجہ سے سوال ہے کہ محمقہ صعب انتہ علیہ کا میں میں در و دہ جھیج ! اور ممیرے ساتھ یہ سکوک کر ، اس نے یہ کلمات کے توانگہ نے اس کے دل میں طمین ان بیدا کر دیا ۔ ود فور گا با ہر کلا اور عبد الملک سے جا ملا ، اس نے اسے مالا ، اس نے اس کے دل میں طمین ان بیدا کر دیا ۔ ود فور گا با ہر کلا اور عبد الملک سے جا ملا ، اس نے اسے املا ، اس نے اسے مالا ، اس نے اسے مالا ، اس نے اسے مالا ، اس نے اس کے دل میں طمل کیا ۔

ا بن تطحان نے احدین الطبانی سے روایت کی کمیرسے مقتول بالمحفوظ باب نے مجھ یہ بات بتائی کہ میں احمدین طولون کے باس ایک و ن بیٹیا تھا ۔ اس نے ایک شخص کومناظرہ کرنے کے بیے مشکوایا ۔ اس نے مناظرہ كي اورائي عاجب كواسة قتل كرنے كا حكم ديا ، اوركماكدائس كا سركا ش كومير سے پاس لاؤ-الس نے اسے پچڑاا ور لے گیا۔ کا فی وقت گزار کروالیس خالی ہا تھدا گیا۔ ایس نے پوچھاکہ ملزم كرساته كيكياكيا ہے ؟ حاجب نے كها ليے امير! حان كى امان باؤں توعرض كروں ، امیرنے امان دے دی کہامیں استخس کوآپ سے حکم سے مطابق قتل کرنے کے لیے ہے جا رہا تھا اکی خالی مکان میں ہے کو گیا - اس نے مکان کے اندرجا کرمجے سے وونفل اواکر نے كى اجازت مانتى . مجھ اللہ سے تشرم آئی كدا كسے الس سے منع كروں - لنذا ميں نے اجاز وے دی وه مکان سے اندر صلا كي جب زياده وقت كذركيا ، توسي مكان مي داخل موكيا-لیمن مجے وہاں کوئی اضان نہ لا۔ اس میں کوئی کھڑی وغیرہ نتھی۔ امیرنے پوچھاتم نے اس كوئى باست مسئى تمى كماكد بإن ، ما تحد المعائد أنكى سے اشاره كرتے ہو تے كهدر با تھا ، ليے تطیعت! جوتوکیا ہے. اسے جوجا ہے کو گزرنے والے اِمحقراور ان کی آل پر درُود بھی ا وراسی وقت مجر پرتطعت فرما -ا ورائس کے ہاتھوں سے مجھے چھڑا ہے ،احمد نے اس

كما، توكفيح كها، يد دعامقبول ہے .

امام قرطبی کا ارتسا د استروطبی بین تنسیر دانجامی لاحکام انقران العرف امام قرطبی کا ارتسا د استسیر قرطبی) میں فرما یا ، جرکوئی زمین میں بیج الح اسے اس کے لیے ستحب ہے کہ آغز آئٹم کما تخوٹون آآنٹ ٹم کن کے ایم تخن السزادغون ســــا أيت كے بعد كيے بلخداد لله كي كاكا فياد كا فياد كا يمك يبنجان والاسم - اللي المحدّا وراً ل محدّ صلى الترعليد وم بردرُود بهي اوراس كالمحل سم كونصيب كر، اور اس كے ضرر سے مم كوبچا اور سم كوان كى تعمقوں كامشكر گذار كرنے-فرمایاکماگیا ہے کہ یہ بات امس کھینی کے لیے تمام آفات سے امان ہے۔ مثلاً کھڑا کمٹی وغیرسے یہ بات ہم نے قابل اعماد لوگوں سے سنی ہے بہجربہ کیا گیا اور دلیا ہی پایکیا ہے؛ يه باستقسطلانی نے کمی اور ابن بیکوال نے عبدالقدولس رازی سے نقل کیا ، کروہ ایک شخص كى تعربين كرت يحص كدوه بهت كم سوتاتها ، فرما يا حب سونا جا بر توبر صو- إن المله وَمَلَيْكِكَتَهُ يُمُسَكُّونَ عَلَى النَّسِيِي يَاآيَّهَا النَّذِيْنَ امَنُوُا صَسَلَوُا عَلَيْدٍ وَسَدِيمُوا تَسْسِيلِيمًا "بينكن بِهُ عاجائه اور دحوكربيا عائد - بِسُيرانله التَّرْحُسُنِ الرَّحِسِنِمَ - اَللَّهُمَّ فَعِيْسُنِيُ عِلْمَ النَّدِيُعَةِ وَالطَّرِيْقَةِ وَالْحَقِيْفَةِ وَاسْتَغْسِلُنِي بِهَا بِحَقِّ سَبِيدِنَا مُحَسَّدٍ صلى الله عكيث وسكم وآله وصغيب الجنسين كال ترجم: "التُدك نام سے تربع جورتم فرمانے والامہربان ہے۔ اللی ! مجھ علم متربيت ، علم طربقت اورعلم حقيقت سكها سجها وسه ا ورانس برعمل يبراكر دس - صدقه بارس أقامحة صعاد شرعديد وسم كااور آكي آل و اصحاب، سسكاي

علاّمہ نورالدین علی سمہودی نے اپنی کتا ہے جوا حوالعقدین نی فضل للشوّا،

س ما فظ ابوع التَّن محمدُ ظغر الزرندي المدنى كى كمّا ب نظم در دا لسمطين محواله سے امام جعفران مخذالبا قرعن ابيدعن جده عن التبي صلى التدعليدو لم كدسركار ني حفرت على دم الندوجية سے فرمايا ، جب كسى بولناك واقعه سے دوجار بو توكمو آللهم مكت عكى مُحَتِنَدٍ وَعَلَىٰ اللهِ مُحَتِّنَدِ اللهِ مُحَدِّاه رَال مُحَدِّصلى النَّه عليه وسلم بردر ود فا زل فرما-النی محمدادر ال محمد صلی الله علیه وعلیهم وسلم سے حق ہونے کے وسید سے سوال ہے کہ جس چیزے میں ڈرتا ہوں اور بیخا چاہتا ہوں اس میں میری مدوفر ما بحد توہی میری مشکل حل رسکتا ہے 'یوالو میں نے بعض مجموعوں میں بیر عبارت مکھی دیکھی ہے ، کہ شیخ ابوالعباس احدين مُحَدِّبن صواللواني في مهين خبردي ،كماكديمين الوالجين ميحي بن مُحَدِّ المعروف بدابن العائغ خبردی کہا خبردی ہم کوابواتھاسم بن خلعت بن عبدالملک بیسعود بن نشکوال نے كهامين خبردى ابوالحسن بن عبدالرحن بهار ميساتهى نے تسحريرييں نے ان كے سامنے يوسی كخبردى ممكوابوانقاسم بن صوا تي مشكر، خبردى ممكوابومروان عبالملك بن زيا وة الله الطبنی نے ، ہم کوخبردی ابوالقاسم بن بزار نے ، ہم کو خبردی محمد بن علی بن محمد بن صنحراز دی ابوالحسن نے، بیان کیا ہم سے ابوالحسن نے ، بیان کیا ہم سے ابوعیا ص احمد بن محمد ابن الحسين بن احمالقطان المحتسب بلني نے رسول انترصلي انترعليدوسم کے مدينہ ميں . وسبت سیحاتھا، ہم کوخبردی محدین مارون ماشمی نے ہم سے بیان کیام محدیکی المازنی نے ہمیں بتایا مُرسی بنسل نے رہیع سے رواہت کیاکہ ۔ بتایا مُرسی بنسل نے رہیع سے رواہت کیاکہ ۔

ام جعفرصا دق اورمنصور ہوا ، مجے کہا ربیع اِجھنری محد کومیرے ہوا ، مجے کہا ربیع اِجھنری محد کومیرے پاس لاؤ کہامیں اس کے سامنے سے اُٹھ گیا ، میں نے د دل میں ، کہا اسے کس مسیب میں ڈانا چاہتا ہے ؟ ویسے میں نے اس کے سامنے ظا ہریہی کیا کہ اس کے حکم پرعمل کر

یں دالیا چاہا ہے ؛ ویصلے یں سے ہوں سے ماسے مردی کے مسلم کا ہما ہوں کے مسلم کا معلم ہم جو میں اور میں ماسے ہوت رہا ہوں بتھوڑی دیر تعبد میں حاضر ہوا را بوحبفر نے کہا میں نے سمجھے کہا تاہیں ہم حبفر

بن محد كوميرك بالس لاؤ ؟ يا اسے لاؤ، يامي تمسيل برى طرح قتل كردوں كا -كهاميل الس كے باس كيا، اوركها ليے ابوعلينتر! اميرالمومنين كے بايس تشريف لانے۔ وہ ميرے ہماه انتھ کھڑے ہوئے ۔ بھرجب ہم دروازے کے قریب بہنچے۔ کھڑے ہو گئے اور ہونٹوں کو حركت دى ميراندردا فل بوئے اور دمنصور) كوسلام كيا-لين اس نے جواب نهيں يا-آب كعراب رب الس نے بھایا نہیں بھرسرا کھاكر كھنے لگا، جعفر! تم برجنوں نے افتراق م انتشار مجیلار کھا ہے حالان محصمیرے باب نے اپنے باپ اور انہوں نے دادے سے يرروايت كى بے كرنبى كريم صلى الله عليد كوسلم نے فرما ياكر قيامت كے ون غدار كے يلے جھنڈانسب کیا جائے گا جس سے وہیجانا جائے گا جھفرنے کہامیرے باپ نے لینے باب اورانهوں نے دادے سے یہ روایت نقل کی یرنبی صلی احدّعلیہ وسم نے فرمایا : قیا مست کے دن عرمش کے اندرسے منا دی اعلان کرے گا ،خبر دارجی کا اجراف کے تے ہے وہ کھڑا ہوجا نے ،سوانٹر کے بندول میں سے صرفت وہ کھڑے ہول گےج ففل دکرم كرنے والے ہول گے۔ برابرمہی كادم ومبراتے رہے يہاں تك كہ الس كاغضة پھنڈا ہو كياءا ورنرم ہوكيا كينے لگا ابوع البتك. إبيتي ابوع البتكر! أو يح يُك يربيتي بيميت بيرانس نے تیل کی ایک قیمتی شیشی منگرانی ، اور اینے باتھ سے ان کوتیل لگاناشروع کیا بیل محقطر امیالمومنین کے آگے گرتے تھے۔ پھرکها ابوعبرالٹر! الله کی حفاظت میں تشرلف لیجا ہے۔ اور مجھے کہا ربیع! ابوحسدان دے بیھے جاؤا وران کو دُونا دُون انعام دو کہا میں باہر بكلاا ورعرص كيا ، الوعب دالله اآب كومعلوم بي كر مجهة ب كيساته كتني محبت ب فرما یاتم تومیرے ہو مجھ سے میرے والدنے امنول نے لینے والدا ور انہول نے اپنے وا واسے روایت بیان کی کرنبی صلی انٹرعلیہ وسلم نے فرمایا۔ قوم کامولیٰ اُنہی میں سے بوّا ہے . میں نے کہا اے ابوعبداللہ! میں وہاں حاصر تھا جہاں آب نہیں تھے اور میں نے ود کھٹنا جوآب سیں شنا جب آ ہے تو میں نے دیکھاکہ آ ہے ہونٹ حرکت کو

رب تھے ۔ فرایا ہاں میں دعاکر رہاتھا ، کہا آپ نے منصور کے پاس آتے وقت اپنی طرف سے کوئی دُعا پڑھی، یا اپنے پاکیزہ آبا سے حاصل کی ، فرما یانہیں مبحد مجھ سے میرے والد ان سے ان کے والدا ورامہوں نے اپنے وا وا سے یدروایت کی کرنبی صلی المتدعلیوولم يرحب كو في مشكل وقت أمّا تويه وعا كرته اور فرمات ، يه وعامشكل كمشا سه ومُعا یہ ہے " یا تشدمیری خاطت فرما اپنی اس انکھ سے جوسوتی شہیں اور مجے اپنی اس بناہ میں رکھنا ،جس کا اراد ہنمیں کیا جاسکتا -اور دینی قدرت سے مجھ پر رهم فرما - تو ہی میری بناه والمب بمتنى مى نعتين تو نے مجھ بركيں جن كے عوض ميں نے تير كم سحر كيا-اوركتنى " زمانشول میں تو نے مجھے ڈالا بجن مرمیں نے کے صبر کیا ۔ سواے وہ ذات، جس کی نعمت كعبر المعيرا شكركم بي يجري مجه مح محمد وم زركها واورات وه ذات إجس كم امتحال سے اسے میرا صبر کم سے عجر بھی مجھے ہے آسرا ندھیوڑا -اور لے وہ کد مجھے خطا وارد پھے کر مجى رسواند كيا مراتبي سيسوال كالمحدوال محترير درود بهي جيس تون وردودي بركت ال وما تى ابراهسيم بر، بي تسك توستوده بزرگ ہے - اللى إ دنيا كے برك میرے دین میں میری مدوفر فا اور تقوی سے میری اخرت کی مدد فرا اور جو کچ تج سے غائب ہے اس سے میری حفاظت فرما - اور جو کھ میرے سامنے ہے اس سے بارے میں مجھے میرے نفس کے سپر دنہ فرما - اے وہ کد گناہ حس کا بھے نہ جگا دیسکیں اور خشش حس كانقصان نذكر سيح مجه وه كجيخش د سے جوتىرانقصال ندكرسے - اور ميرسے ودگنا ه بخش وے جوتیرا کھے ذکی دسکیں والنی اک لوگوں سے مجھے بے پرواہ کردے بنبی کرنے و۔ بُولَی سے بیجنے کی توفیق صرف اللہ بڑرگ و برتسری مدد و حایت سے ہے " ربیع نے کہامیں نے اسے جعز بن مُحدّے تھا ہے اور دو تھے میرمیرے جبیب موج دہے موسی ین مهل نے کہا میں نے اسے رہے سے مکھا ہے اور تھے یہ میرےجیب میں ہے، مختر بن محینی نے کہا میں نے اسے مؤسلی سے نقل کیا ہے اور وہ میرے جیب میں ج

ابرالحن علی بن سین نے کہا میں نے اے مختد بن بارون سے کھا ہے ،جومیر سے بیب میں ہے ۔ ابوعی اسے ، جومیر سے جیب میں ہے ۔ ابوعی اسے ، حدبن منصور سے کھا ہے ، جومیر سے جیب میں اسے دی کہا میں نے اسے احمد بن منصور سے کھا ہے ، جومیر سے جیب میں ہے ، محقد بن علی بن صخر نے کہا میں نے اسے ابوعیا من سے دکھا ، اور اس کا نسخہ میں نے اسے ابوعیا من سے دکھا ، اور اس کا نسخہ میں نے اسے ابوعیا من سے دکھا ، اور اس کا نسخہ میں نے اسے ابوعیا من سے دکھا ، اور اس کا نسخہ میں نے اسے ابن بنار کھا ہوا نسخہ میر سے پالس ہے ۔ ابوا مقاسم بن ابوا مقاسم بن محمول ہے و سے دیں ، بھر میں نے اسے ابن بنار ابوا تقاسم سے نقل کیا ، اور وہ میر سے پاکس موج د ہے ۔ ابوا تقاسم بن معوا ب نے کہا، میں نے اسے ابوا تھا ہم بن صوا ب سے بھا اور اب میر سے پاس ہے ۔ ابوا تقاسم بن شیکوال نے کہا میں نے اسے ابوا تھا ہم بن صوا ب سے تھا اور اب میر سے پاس ہے ۔ ابوا تقاسم بن شیکوال نے کہا میں نے اسے ابوا تھا سم بن شیکوال نے کہا میں نے اسے ابوا تھا سم بن شیکوال نے کہا میں نے اسے ابوا تھا سم بن شیکوال نے کہا میں نے اسے ابوا تھا سم بن شیکوال نے کہا میں نے اسے ابوا تھا سم بن شیکوال سے نکھا جومیر سے پاس ہے ۔ اور ہمیں وہ نسخہ دکھا یا ۔ میرے پالس ہے ۔ اور ہمیں وہ نسخہ دکھا یا ۔ میرے پالس ہے ۔ اور ہمیں وہ نسخہ دکھا یا ۔

ہارے شیخ ابوالعبانس المتدان کی مدو فرمائے، نے فرمایا میں نے اسے الولمین سے تکھا، اوروہ میرسے پاس ہے اور نہیں وہ نسخہ و کھایا - قصلی علیٰ ستسیت یونا مختسبت یہ قرعیلی آلیہ قصنی ہے کہ قسستہے۔

ان کواین النعمال کے اصحاب سے۔

بحریں نے اس کوعلا مرشیخ مخدعا بدبن احدعلی انصاری خزرجی سندی بھرمدنی سے يهالمشملي بيصوالتارد من اسانيد محسستدعابديس ايك اورسند كمساتم کھا دیکھا جومہلی سند کے ساتھ ابوالحسن محترین علی از دی برجا کرمل جاتی ہے۔ شیخ محمدعا بد مذكور بنوں نے يتمام سلد ذكركيا ہے، نے كهاميں نے جتنے راويوں كے ام تھے ہیں، سب میرسے جیب میں مخفوظ ہیں۔ میں اسے سیدعبدالرحنٰ بن ملمان بن میخیٰ بن عمر مقبول الابدل عن سيّد الي بحربن على البطاح عن سيّد تُوسعن بن مُحَدّ البطاح الامدل ع إلستيرها هربن حسين الابرل عن الحا فنط عبدالرحن ابن الدبيغ عن التمس مُحَدِّبن عُليمُن السخادى كهامهم كوخبردى ووشيخ ل ابوالسحاق ابراهسيم بن على البعناوى ا وركاتب مریم بنت علی بن عبدالرحمٰ نے۔ دوکٹر نے کہا ہمیں خبردی محب محدین احمد الطبری نے سن کر اور علبت بین ملیان کی نے اجا زت و سے کراگرچیسن کرنہیں ہے۔ مہلی نے کہا ہم کو خبردی ابوالسا وہ عالیتے دمن اسعدالیا فعی نے انس نے اور سکی سے كما بم كونبردى الرمنى ابواسحاق طبرى تصكها اسم كوتبا يا محب احدبن عبدالتُدالطبري نے۔ ہم كوفيردى تقى ابر الحسن على بن بحرطبرى نے ،كما ہم كوخبردى تقى ابوعب دالله محمد بن اسماعیل بن ابی الصیعند نقید نے ، ہم کوخبردی حافظ ابوالحسن علی بن مفتل مقدسی ہے۔ میرے پہلے شیخ جوسب سے زیادہ عالم میں ، نے کہا ہم کو خبردی امام محدابوطا ہر فیروز آبادی نے ، اوپرعیل کرعبدالرحمن بن عمر نے بھی کھا۔ م کوخبروی مشراهیت ابو محمد عبالندبن عبدالرحن ديباجى نے، بم كو بتايا ابوعالنسد محقد بن سين بن صد قد بن سيان اسكندرى نے ہم سے بیان كیا ابوالحسين على بن ابراسيم عاقو لى نشافعى نے ، ہم سے بيان كيا قا منى ابوالحسن محدّ بن على بن صحرارذى نے - سيلىسند كے آخرىك - ان تمام راويو نے کہا میں نے اسے فلال سے مکھا اور اب وہ میر سے جیب میں ہے۔ یہا ل کے کھے

عابرصاحب ثبت مذکورنے کھا میں نے لئے اپنے شیخ سیّدعبدالرحن بن سیان سے کھا اورانہوں نے مجھے الس کی اجازت وی کھا اس حدمیث کو دطی نے الفرد وکس میں ان العرانہ وی کھا اس حدمیث کو دطی نے الفرد وکس میں ان الفاظ سے نقل کیا ہے۔ اے علی اجب کوئی مسئلہ بیش آ جائے توکہ نا اے اللّٰہ میری حفاظت فرما ابنی اس انکھ سے جوسوتی نہیں آ خرتک ۔ اسس کو ابن ابی الدنیا نے کہ اللّٰ الدنیا نے کہ اللّٰہ الللّٰہ اللّٰہ ال

علامرابن الحاج كاارشاد الركايد برى معيست مير يمي أبي داین الحاج ، نے الس کی شکایت اپنے شیخ عارون بادلٹر ابن ابی جمرہ مولعن مختر ابخاری سے کی۔ ہنہوں نے تواب میں رسول انٹرصلی انٹرعلیہ کو دیکھا۔ آپنے ايكسيخس كى طرهث اشاره كريمے فرما يكريہ شؤبا رسسيعيان اللّه ، شؤبار المحسسدنله . اورسُوبار الله اكسبر- يرُحين اوركيس اللهُ مَسَلِ عَلَى مُعَسَمَة والسَّبِي أَنْ فَي اللَّهِ السَّبِي أَنْ فَي اورسْوْباريرصي لدَّالِهُ إلاَّ اللهُ وَحُسدَهُ لاَ شَوْيك لَهُ - بيمرباره ركعت تفل برشے اورجوچا ہے دعا ما شکے۔ بھروو رکعت نفل او اکرے بھر ترمیں بیجات آتی اورسوره بقره كي أخرى أيتين بوصط يجعر جوبين ركعت نفل اد اكر كي يه وعا ما فيك -النی اکھون توبس تیرا کھول ہے ،سوہم سے مرشکل وسختی کھول دے ،اسے وہ کرجس کے باتعدميں كھوسلنے كى كنجيال ہيں . اورجوجن وانسان ہميں بُرائى مپنجانا چا ہے اس مے متابد میں ہماری مدد فرما اور اپنے منبوط دست قدرت واؤن سے ، اس کوہم سے دورفرما وے۔ بے سک تو ہرط ہے برقا در ہے " اس نے اس برعمل کیا تو استفی کی مشکل آتی ربی، اور بھارے اقام محدصلی انڈ علیہ وسم نے اس ندکورہ نواب بین جس میں آپ نے نذكوره تسبيح ونماز و دعاكا فرمايا، يهجى فرما ياكر جوكوئى صدق دل سے اس يرعل كرسے كا . ا دنتراسی دن اس کی کوئی ا ورکیسی بی شکل کیوں ندہو و ورفرما شے گا ایخ

دین واخرت کی ماجات طلائی نے کے لیے رو وغرہ کے فریعے نبی صلی اندعلائی سے فریا دکڑنا وغیر کے فریعے نبی صلی اندعلائے سے فریا دکڑنا روی

اورمددمانگنا

عارف بالشرستدى عبدالوماب تعرانى في أكيسن الكُنْدي مين فرطايا مين تع سيّدى على الخواص حِنى الشّرعنة كوفر ما تصمّنا ، نجه دِار وفات يا فتدا ولياً الشّد سے اپنی ماجتیں نہ مانگنا۔ ان میں اکثر قبروں میں تصرّوت نسیں کر سکتے۔ رہے کچھ دومسرے مش لاً ا مام شافعی رصنی الشرعند کیا ان جیسے . سولبا اوقات زائرین کے صدق وخلوس کے مطابق ان كوالله تعانى تصرفات كى قدرت عطافها المي على الخواص رحنى الله عند نے فرما یا، تمام اولیا کے دروازے ان بربند ہیں۔ اب صرف رسُولوں سے آقاصلی الترعليه و مراز و كلا ب جوالتدك بال جات عزت وشرف والاسكاب جهر نی کونی عاجب بهووه نبی صلی انترعلیه و سلم پر کامل توجه سے ایک منزار آبار درُو د متراهیا، یز سے بیمر ب سے این ماجت ما نظے ، انشا الله بسرور بوری مو گی این سب الني الشرور والمعرفي، في الني كما بالعهد الكبدي مين فرط يا ورسول الشرصلي الشرعائي ومم كى طرنت مصبم مصام وعدد دبياكيا بي كديم اس وقت يك المرتفالي سے کسي تينے اسوال ناکري جيب مک الله تعالی کی عدد تنام اور تبي سلي الله ندیہ وسو ہر ورو دوسلام جھیے لیں بیر گویا جا جب ما بھنے سے پہلے مدید بلیش کرنا ہے۔ من بت عائشه بنى المترونها في فرما يا و قضاف ماجت كي بني ، أسس مي مين مريد من كرنات حبب مرينة أعالى مع حدوثنا كرت مين وديم مع رامنى بوجاء باوجب

ہم ہی اللہ علیہ وسلم ہردر کودوسلام ہیجے ہیں تواب اس قصائے عاجت میں ہارے بید اللہ کا اللہ کے ماجت میں ہارے بیدا در اللہ فرما ہا ہے، اللہ کی طرف وسید طلب کردا اور کھرانوں کے استانے دیکہ محرس ہرگا کہ تہیں کسی ایسے واسطے کی عفر درت مردا اور کھرانوں کے استانے دیکہ محرس ہرگا کہ تہیں کسی ایسے واسطے کی عفر درت ہے جے جے حاکم کا قرب و نیا زمندی حاصل ہو، تاکہ وہ تیری حاجت برداری کے یا سے جے جے حاکم کا قرب و نیا زمندی حاصل ہو، تاکہ وہ تیری حاجت برداری کے یا تیرے ہمراہ بیطے، اور اگر بلا واسطہ ان کے دربار تک بہنے اللہ و دبیرے سے کے ۔

الس کی وصناحت یہ ہے کہ جربا وشا ہ کا قریبی ہووہ ان الغاظ کو بہتر جانتا ہے ،جن سے بادشا

وسيبوكى وضاحست

کو مخاطب کیا جائے۔ اور حاجات برداری کے اوقات بجی بہترجانیا ہے بسوہا اوسائل طلسب كرناء أسس كصساته وأوادب افتيار كرنا بصاوراس سينهمارى ماجات جلد یوری ہوجاتی ہیں -ہم جیسے اللہ تعالیٰ سے ممکلام ہونے کا اوب کیا جانیں ؟ میں نے سيدى على لخواص كويه فرط تقرمنا ،جبتم الله سه حاجت ما يؤ، تومخة صلى الله عليه وسلم کے وسیلہ سے مانگؤ۔ اور کہوالئی ! میں محترصلی التُدعلیہ وسلم کے حق ہونے کے صدی ترجی سے سوال کرتا ہوں کہ ہما رہے فلاں فلاں کام کردے۔ بے شک انٹد تعالیٰ کا ایک فرشتہ جهجوالس دعاكورسول الشرصيط الشرعليد وكلم كمدينجانا بسيداوراب سيعوض كرماس كم فلال يخف في أب كي حق كي وسيد سه التر نعالي سه فلال ماجب مأني بهديم حضورمسلی التدعلیہ وسلم اس حاجبت کو پورا فرانے کا اللہ تعالے سے سوال کرتے ہیں سروه قبول ہوجاتی ہے کیونکہ آسخسو صلی انٹدعلیہ دسلم کی دُعار دنہیں ہوتی ۔ فرمایایہی حال ہے جب تم اولیاً اللہ کے وسید سے دعا ما نکے ہوکہ فرشتہ ان کومینیا تا ہے۔ اور وه اس فضائے حاجت کے یلے شفاعت کرتے ہیں اور انتدعلم وحکمت والا ہے ۔ او علامه الن حجب بمديم كاارتباد الناسك بر بحد كمة ابين عامند يرجع

باب میں ایک فائدہ کے ذیل میں تکھتے ہیں اسس بات کی دلیل کرنبی کرم صلی التُدعليوس كا وسيد بيران اسلف صالحين انبيا واولياً وغيره كاطريقه بدء وه حديث ب حب كوحاكم في تقل كميا ورا سي مي بنايا بي كم نبى صفي التُدعليد وسلم نے فرايا ، جب أوم عليكسلام سے خطا سرر دہوئی، عرص کی برور دگار! میں بھے سے محد کا صد قدسوال کرتا ہول کرمیری بخشش فرما، فرما یا آوم تو نے مجر کو یکھے پیچان لیا - حالانکدائجی میں نے ان کو پیدا زظا ہرائیس كيا عرصن كي يرور دكار إجب توني مح ليف باته سے بنا يا ورايني روح ميرسا اندر تي وائد میں مجاکیا کہ تو نے اپنے نام سے ساتھ اس کوملایا ہے جوساری مخلوق میں تیرامحبُوب ترہے۔ الله تعالیٰ نے فرمایا ، آدم تو نے بیج کہا : بے تمک دو تمام مخلوق سے بڑھ کرمیر سے بیا کیے ہیں اور جب تو نے ان سے وسید سے دعا مانتی توسیں نے مجھے معافت کر دیا - اگر محد ندہو میں سجھے پیدا مذکرتا ۔نسائی اور تربذی نے صدیت نقل کی اور اسے سیحے قرار دیا یک ا يمين بين تشخص نبي صلى التُدعليدوم كى خدمت اقدمس ميں حاضر بيوا ، اور عرض كى الله سے میری بنیا ٹی سحال ہونے کی دُعاکریں ۔ فرما یا جا ہو تو دُعاکروں اورجا ہو توصیر کرو۔ كديتمارك يليبتر بع عرص كى دعافرائين آب نے اسے اچى طرح وصوكرنے كا حكم ديا اور فرمايا بيه دُعايْرهو -

"اللهُ مَا إِنْ اسْسَالُكَ وَالْوَجَبُ إِلَيْكَ نَبِيتِكَ مُحَسَّدُ مِسَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ سَيِّ الرَّحْسَةِ يَا مُحَسَّدُ إِنَّ الْوَجَبُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ سَيِّ الرَّحْسَةِ يَا مُحَسَّدُ إِنَّ الْوَجَبُ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ سَيِّ الرَّحْسَةِ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ وَاللّهُ وَا اللّهُ وَاللّهُ وَا لَهُ وَاللّهُ ولَا لَا اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّه

آئئی ! میں جھ سے سوال کرتا ہوں ، اور تیری طرف توجہ کرتا ہول ، تیرے نبی محقر صلی الشرعلیہ سے وسیلہ سے جونبی رحمت میں اسے محمد مبیک نبی محقر صلی الشدعلیہ وسیلہ سے جونبی رحمت میں اسے محمد مبیک

میں آپ کے وسید سے لینے رب کی طرف متوج ہوتا ہوں ا اپنی ا ميں ، كدآب اسے بورى فرائي - اللي إحنوكي شفاعت مير سے حق ميں

الام بيتى في الصيح قرار ديا مصاور آنا اهنا فدفوا يا ب يمدوه صاحب وتصح توبينائي سبحال تنمحي به

بیقی خے سندجید سے یہ روایت نقل کی ہے کہ نبی صلی اللہ علیہ و لم نے اپنی دعامیں پرکلمات یجی فرمائے تھے۔

" بَيتِكَ وَالْاَ نَبِياء اللَّذِينَ مِن ترجم ابيفنى كاصدقداور مجدت قَبُيلَ - يسينبول كاصدفد-

المم سبى كے نزويك توسل - استغاثه - تشقع - اورنبى كريم صلى الله عليدوسم اورباتى انبيا واولياً سے توجر كے سوال كرنے ميں كوكى فرق نهيں اكرجيد عبدلسلام نے اسے منع کیا ہے۔

اس بے کہ توعمال کو دسید بنانا تا بت ہے۔ودوا

حالان وه اعراص ميں رجو ذوات سے قائم ہوتے ہيں ، بيس ففيلت والى ذاتيں بطراق ا د لی وسید ہوسکتی ہیں ۔ اور اس کے کہ صنرت عمر فاروق رصنی اللہ عند نے بارسش کی عا مين حفرت البانس عني للزعنه كويسيد بنايا تتعا اورانس يرانكار نهيل كياكيا- اور كمبي حفوة کے دسید بنانے کامطلب ہوتا ہے آی سے وعاکمزاکیونکرآ ب زندہ میں ،سوالکنے واسف ك موال كوجا فت بين ايك طويل صحح عديث مين آيا بسي كم حفرت عرصى المدعدة كے زمانہ میں اوگ تھناسالی میں مبتلا ہو گئے ایک شخص نبی کریم صلی اللہ علیہ وسلم كی قبرمُبارک يرآيا اوركهايا رشول الله إبني أمّنت كے يلے يانى ماليكس خواب ميں اسے بى كريم صلى الله

عدير وسلم كى زيارت نصيب بوئى ، آپ نے اسے بتا يك بايش بوگى ، ايسا بى بوا يا ابن مجركا كلام ختر بواك

اكر الليف واقعدوه ب جيئة المعمرى في الني كتاب نفع الطيب "ميل الس کے ادیب ابو پھوصفوان بن اوریس کے حوالہ سے نقل کی ہے کہ و دلینی مسفوان بن اوریسراپنی بیٹی کے نکاح کی تیاری کے لیے عازم مراکش ہو تے۔جوبا نغ ہوگئی تھی اور حکران کی مدح و ستانش کے قصیدے لے کر دارالخلافہ بہنچے مگرمقصدیں کوئی کامیابی نرمجوئی-اپنی ماکا متصدير عذركيا اوركهاا كران ليسبحان سعاميد ركحتا اورائس كخبى صعه الترعليه وسلم اور رکار سے پاکیزہ گھروالوں کی مدح و ٹناکر تا تو اپنے اس نیک عمل سے طنیل حصو اِمقد مين كامياب بهوا يجرافي يهداعما ووجروسد كم بارس من الله تعالى سامعانى مانكى. اور بقین بوگیا کمسی دوسرے برعجر وسنسی کیا جاسکتا بیس اتنی سی بات کدا را دو درست كي اويعزم مفتم سے اس طرون منه كركيا معلوم بواكداس كى طرون توجه بونى ہے۔ ، سے خلیفہ کے پاکس حاصر کیا گیا خلیفہ نے متعددہ چھا ، انہوں نے تفعیل سے اپنا گدیما کہ رسایا -نعلیغہ نے نقدی اورسا مان سے اس کی مدد کی ، اور بریمی تبایا کہ پرسب اس خواب کی تعمیل میں بوره بداجر میں کس کو رسول اختر صلی انتر علیہ ولم کی زیارت نصیب بوکی ، اور سرکار نے اسے ان کی حاجت بر داری کا حکم دیا ، اپنا دامن مقصو دبھر کمر والیس ہوا ، اور بہیشہ مرکا یا ور آپ کے اہل بیت کی مدح و تناہیں مصروف رما بیما ن کک کر ہس سعد میں خوب

علی العالمین فی معجزات سیندالمرسلین میل الشرطیرولم مین محرات اور اسناد کوخد ف کر کے صرف بڑے بڑے واقعات مختفرا دکر کردیئے ہیں مالا کو ایسے واقعات مختفرا دکر کردیئے ہیں مالا کو ایسے واقعات مختفرا دکر کردیئے ہیں مالا کو ایسے واقعات کو جم کیا جائے توضخامت کئی طبدول برجیل بگ میں وقوع پذیر ہونے والے واقعات کو جم کیا جائے توضخامت کئی طبدول برجیل بگ الحد لللہ مجھا یسے واقعات بیش کئے جو جمع صاوق کی طرح صافت اور ہے ہیں۔ مبحداس واضح وصریسے تر-ان میں سے ایک یہ کر گذشتہ سال کا اللہ میں ایک فکرا نا ترکس شخص نے مجہ برافترا کیا ، جس کے نتیجہ میں بادش ہے میری دور وراز علا تے میں مبلا وطنی کا حکم دیا ۔ مجھ جب اسکا بہتے چلا تو بہت منعکم ہوا ، جعرات کا ون تھا ، میں نے جمد کی را ت دیا ۔ مجھ جب اسکا بہتے چلا تو بہت منعکم ہوا ، جعرات کا ون تھا ، میں نے جمد کی را ت ایک مبزار با را ستنعا رکیا اور ساڈھے تین مو بار نبی صلی ادلتہ علیہ وقم پر ان الفاظ سے درو و دوسلام عرض کیا ۔ درو و دوسلام عرض کیا ۔

"اللي إ درود بميح بهارك قامحدا وربهارك قامخدى آل پر،ماريدنگ برگيا ب، يارشول الله إ محصنبهالا ديسجه "

م ر برنیند کا غلبہ ہوگیا ، پھڑ کھے پہر بیدار ہوگیا اور ان انفاظ سے میں نے ایک ہزار ہا ر در و دختر بیت پڑھا اور نبی صلی انٹر علیہ وسلم سے مدد مانگی اسی جمعہ کے ون شام کے وقت شید بڑام کے ذریعے یا دشاہ کی طرف سے میری بحالی کا حکم آگیا انٹد انس کی مدد فرائے اور افتراً باند صنے والے کو ذلیل کرے اور سب تعربیت انٹر برور وگارجہ ال کے یائے ہے۔ اور افتراً باند مینے میں انٹر علیہ وسلم کی بارگاہ میں بہترین استنعا نے جو مین کے گئے ہیں۔ ان میں سے ایک قصید میں کہ محد بن ابوائس نا ابری معری رصنی انٹر عنہ کا ہے جو یہ ہے یہ

مَا اَنْ سَلَ النَّحُلُنُ اَدُيْرِسِلَ مِنْ يَحْتَمَةً تَصُعَدُ اَوْ سَنْ لِلَهِ مَا اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ الله

۵۔ اور پر کھٹک بیں انہی کی بنا ہ ما صل کر کہ وہی امن وعقل کی جا ہیں۔ ۸۔ اوران کو اواز دے کرمصا ثب نے لینے ناخن گاڑ دیئے ہیں اورشکل شدید ہوگئی۔

۹- اے اپنے رب کے حفو بزرگ ترین خلق ، اورجن میں رہتے ہیں ان پر
 بہترین ، جن سے وسیلہ سے سوال ہتا ہے -

۱۰ مجے تکیعن ہے اور کئی باری ہے اسی تکالیف ڈور فرائیں ، جن میں سے معن مسکک ہوتی ہیں۔

۱۱ - سواس فکراکی قسیم جس نے آپ کونخلوق میں اس متعام مخصوص پر فائز کیا ۔ جس سے تمام جندیاں نیجے آتی ہیں۔

۱۲- میری کلیمن مبلد و در فرما شیے اگر آب نے توجہ نہ فرمائی ، میں کس سے سوال کروں گا۔ سوال کروں گا۔

ن ۱۳ - سومیراحید دینگ اورصبرختم مرویکا اسمجه میں نہیں آ میں کیا کروں -۱۳ - مجد سے زیادہ عاجز آب کو نظر نہیں آئے گا نہ تکیفٹ برواشت کونے

كى طاقت. نداممًا نے كى -

۱۵ - سوآب ہی اللہ (کی رحمت) کا دروازہ ہیں جوالس کی یا رکاد میں آپ کے بعد اللہ میں آپ کے بعد اللہ داخل نہ ہوا۔

۱۶- النّداّب ير درُود بيمني ، حبب كك، كلنى كليول سے با دِمسيا المحكيليال كرسے-

میں نے ایک مجرعہ میں دیکھاکرجس کی کوئی حاجت ہو وہ رات کے تیسرے

پہراٹھ کھٹرا ہو ، پھرجس قدرانٹہ جا ہے نما زیر سے ، پھرید استغاثہ پڑھے اور اس معرم
کوستربار وصل کے ۔ عَجِل یا ذی تھا ہے آئے نے ٹی ایٹ تھے گئے۔ انٹہ کے حکم سے
اس کی حاجت بوری ہوگی ، اور سیدی محمد البکر نے بھی فرما یا ہے جسے میں نے ان کے
دیوان سے نقل کیا ہے۔

۱- اسے پرور دگار ! لیے رازوں کے جاننے والے ۔ اے کرتو ہے ، تیرے سواکوئی نہیں - باریک بین ، تطعت فرہانے والا۔

۲- سنبهالا د مستبهالا د سے ، ذلیل وحقر غلام کوجوینا ه مانگآ ہے اور تیر سے سواکوئی بنا ہ دینے والانہیں ۔

۳- پرورد کار! جیسے تو دیکھ رہا ہے، میں وٹے بھوٹ کانسکار ہول توہی میر تلائی کرنے والا اور توہی مبترین مددگار ہے۔

٧ - خداکی بناه کرس نامرادر بول اجب کرجس چیز کا در بوانس سے تیری بناه مانگا بول -

۵- الئی! میں آہ وزاری کرتا ہوں ، مجھے توکا تی ہے۔ تومیری پناہ ، تیرے سوامیرا مددگارکون ہے ہ

٢- اگرتونے كناه كى وجر سے بھير كرفت كى رتوتعب ہوكا-) ميرے كتے ہى كناه

ہوں تُوتورتِ عفور ہے۔

». مین شکل میں بُروں ، حل فرما ، حل فرما - میں ہسٹنشکل میں ذلیل واسیر بوں -

۸ ۔ میں نے نبی صلی انترعلیہ وسلم کا وسیلہ پڑلیا ہے اور وہی مجھے کا تی ہے۔ میں میں مصطفران میں مندوں لیاں جیسنا ترون لو ہو

بي تنك ومفعظ بنارت دينه والهاور فرسنا نه والهي

٥٠ پرورد كاران ير درودوسلام نازل فراجس ساندهيرا وربرد -

شر الندو ما

شماب الخفاجي في المن رسال الرسيحان مين في والدالوالمواسب كاستنفاتول

میں سے،ایک نتخب استفانہ نقل کیا ہے جس میں یہ اشعار بھی ہیں۔

۱۰- ېم بيايس مين کهال جا ئير حبب که پيچنم شيرس موجو د ہے۔

و. یه عام چیشمر ہے شیریں تر اور پیشکھرے یا تی کا گھا م ہے۔

ہ ۔ یہ جارے آقا کا دروازہ ہے اوریدان کا پیارا تھر ہے۔

سم بان کاملندم تبدرُ و ح باور بداس کا قریب ترکهان ہے۔

۵- میں سوال ، اُمیدگا و مقصود اور مُدّعا ہے۔

٧- صبيب فكرا . تورالانوار - راز ومطلسك خزانه -

، - یہ وہیں جن کے رُوعائی کی اوج محفوظ میں سکھے ہوئے ہیں۔

٨- يه وه بين حن كے بلند تر رتبه ميں ، عقل مركر دان . بول رہى ہے۔

٥- قابل حترام رسولوك جمال ،سنرس جا مع وا لے-

١٠٠ ا مع بهترين مبوث بونے والے قل، جے اس كے آقانے اپنا فرسكتا۔

١١-١ معوه ، جن كو أنكه سع ديحقا . سوان سي كمبي يرده نهيس بو ، ٠

١١- ١١ عدد كرين كي بورى تعريف كوئى نهيل كرسكة خواه كتني طويل بو-

١١٠ ميرى برى بغزي مغزيش معا من كرديس كدميرس يلي جين وشوار بوكيا ہے-

۱۱۱ - کچے ایسا خالص کردیجے ، مجے الیسامخعوص کردیجے ، ان کی رُدھانیت سے ، جوسلیب نہو ۔

۵- آقا اِمشکل میں میری فراِ درسی سکھیے ، ورندکس نے ایس جاؤں - ؟ ۱۷- ادر مجھے فرما دیں توممبری بنا و میں ہے ، سونہ ڈر ، نزنعک -

۱۰ - میں نے آیے مدد مانتی ہے ، سومیری مدد فرما کیے کرجس کی آب مدفرمائیں۔ مجمعی منطوب نہ ہوگا .

۱۰ میں نے آپ کی نسفا عت طلب کی ہے سوآ ہے میری شفا عت فرایے ، کہ میرے گناہ کے بجا گئے کی جگر آپ ہیں۔ میرے گناہ کے بجا گئے کی جگر آپ ہیں۔

ادرکسی فاصل نے کہا ہے۔

ا - حبب بیں نے دیجا کرتمام حکم ایک انڈر کے یہے ہے ، اور یہ کر رسُول اللّٰہ تمام مخلوق میں بہترین ہیں .

۲۰ ترسی نے اینے کام اور مشکل حل کرانے کے یا وسید بڑا معززتین معززتین معنور۔ معنور۔

ام ابن الور وی نے اپنی تاریخ میں میں ہے مالات وحوادث میں مکھا ہے کہ اسے کہ اسے کہ اسے کہ اسے کہ اسے کہ امیرصل مے الدین بوسعت ووا تدار نے اما م شافعی علیالرحمہ کے یہ دوا تدار نے اما م شافعی علیالرحمہ کے یہ دوشعر سنا ہے ہے کہ حفظ بھیا رت سے یہ علیدہیں۔

ا سے میری آنکھو! میں تمہیں تعقوب علیالسلام کی حفاظت میں دیتا ہوں میعنی جب نظر نے ان سے بیوفائی کی توانہوں نے اسے بناہ بیں دسے دیا۔

۲- تمبیم پیسف کی جسے پوسمٹ علیانسلام کے فوٹنجری سنانے والے قاصد نے میری آنکھ پر ڈالا ہے ۔سوائے تعبیف جلی جا ایک

فراليكسس في على ووشعر كي بين جوانشا الشرتها في حفظ نفس احفظ دين ، وحفظ

مال واہل کے یعمفید ہیں۔ شعریہ ہیں -

ا- میں نے اسی تجیلی کو گذاریا ہے ، جس میں بھروں نے سیسے بڑھی، اور نظار کو تیز یانی سے سیار کیا ،

٧- اینی روزی ۱ اینی آخرت ، اینی اولا د ، اینے ظاہر و باطن میر -

ابن الوردى كے كلام ميں سے يہ مجى ہے۔

۱- کسے رب اسط وی ، بشیر محتر کا صدقد ۱۱ وران کے اس دین کا جوتما م دینوں سے برتسر ہے۔

۲ - کدمیرے دل کواسلام پڑا بت رکھ اور مجھے تن کی را ہنائی فرما ، اور شیطان کے متابل میری مدو فرما - متابل میری مدو فرما -

المحبالطبری نے خلاصت الانتر نی اعیان العتون الحیادی عشو سی سام علا سنی المام علا سنی المام علا سنی المام علی المربیم تعانی کے حالات زندگی میں بھی ہے کہ انہوں نے الجوھرة میں بھی گئی اپنی مشرح میں فرما یا مشدید رسیح والم میں گرفتارا و می کے یلے رسول الشرصی الشاخلیوسی کا وسید جس قدر مجرت ہے کوئی اور چیز الس جیسی نہیں ، اللقائی نے کہا ، اسس سلسد میں جن چیزوں کو از ما یا گیا ہے ان میں ممیرا تعییدہ مجی ہے رجس کا ام ہے لاکشف الک و دب میں میرا تعییدہ مجی ہے رجس کا ام ہے لاکشف الک و دب میں میرا تعییب والتوسل بالمحبوب یہ جوت دیر مصیب کے وقت قدر تی طور برمیرے ول میں بیدا اور زبان پر حاری ہوگیا جس کے صد تھے و و تمام کالیف الس خالق ارض و سام کے حکم سے ختم ہوگئی جو کالیف کو دُور فرما اس جس کے سواکوئی سیام موزنیس اور جس کی مجلائی کے بغیر کوئی محبلائی نہیں۔ قصید ہے جب اور جس کی مجلائی کے بغیر کوئی محبلائی نہیں۔ قصید ہے جب اور جس کی محبلائی کے بغیر کوئی محبلائی نہیں۔ قصید ہے جب اس معلوق میں بزرگ تر امیرے واست تنگ ہو گئے ۔ بٹوی ٹوٹ گئی

۱ - استمام مخلوق میں بزرگ تر امیرے راستے تنگ ہو گئے ، بڑی توث گئی درچلے دسیلے فائب ہو گئے۔

م و كو تى ايسا ها قعت ورسين جس كي پناه لون و اس رجيم كيسوا حس كي سفار

رسول وعرندتے میں -

م- جوان کی بناہ لے و واس کی مدد بر کراب تد ہوجا تے ہیں بمعیب سے دن جب کوئی سہارا نہ ہوگا۔

م حب ہوگوں پڑشکل آپڑے تو وہی محتاجوں کے فراید رسس ہیں جب کمزوروں پرخو منٹمستط ہو تو وہی ان کی بناہ گا ہ ہیں۔

د- جن بجارے کی مدد سے سب باتھ کھینے لیں ، آب ہی اس کی اُمید کا وہیں۔
اور حبب اس کی ذات برندامت مسلط ہو، اس وقت عزت یا ہے۔
اور حبب اس کی ذات برندامت مسلط ہو، اس وقت عزت یا ہے۔
ا فقیر کا خزانہ سنحا وت کی عِزت جن سے آگے با دشاہ جبکیں اور اُمتیں دوشتی بہتے ہے۔
ایک میں میں موشق کے عزت کے آگے با دشاہ جبکیں اور اُمتیں دوشتی بہتے ہے۔

۵۰ جویتیموں کی ہے ہیں کے ون ۱۱ ان کاسهارا بنیں ۱ اور بیواؤں کی عزت وغلمت کا بردہ -

۸۰ جسیمیدان کارزارگرم ہو، تمام کشکروں میں شیرنر، تیز کلوار اور نیزد -۹ - دبر کرمشکل و تمت ہیں جن کی مدد کی اسید دہوتی ہے اور جن کی وجہ سے اندھاین اور بیاریاں دُور ہوتی ہیں -

... جارا شه کانه محقرابن عب دانشر صلی انته علیه و م - ورصی انشرعنهٔ مین ۱۰۰ می و طویل دن مین جسینام پریشانی موگ

۱۱- رسسدکانات کی ابت داکرنے والے سسدنبوت کوختم کرنے والے بخوش سخت عطا کاسمٹ کہ اورابیا خزانہ جس کا فیعنا ن عام ہے۔ سخت عطا کاسمٹ کہ اورابیا خزانہ جس کا فیعنا ن عام ہے۔

مرد ومندسب سے بڑا ہے . مدور فی اور ہارے غم جاتے ۔ بے نکی ومنتحل کے مدد کار

١١٠- رُسول المدّمل الله عليه وم ك صحح يد عزم ومبت سے بڑے موشيار

بها درْتحست کھا گئے۔

۱۹۰ فرياد كويميني إا مسروار دوجهان إسم بيمنكلات آبير اور دوستى يارى غائب بوكتى .

دا مرا برها یا ظاهر برگیا اور گناه کرنشکر محمقا بدیس عرشکست که کربیده و سے گئی کرم کوکرنهیں دیجتی جدی کیجید ۔

۱۶ ۔ تنهائی میں صیبت زود کی فراد رسی کہجے اور قدم لرزی واسس کی شناعت کے جے ۱۶ ۔ خلاصد کلندم میر کدمیں ڈر آ ہوں ۔ اور حبس کے ذرائع محدود نہوں آپ اسس کے ۱۰ ۔ خلاصر کلندم میر کدمیں ڈر آ ہوں ۔ اور حبس کے ذرائع محدود نہوں آپ اسس کے نو یا درسس میں .

۱۸ - میرارب آپ پرجمیشد مبیشه درُود بیجی جب یک گردش شب وروز جارگ ۱۸ - اور کی نورانی آل ۱ در مُعترز صحابه پرجور دشن نصیلت و اسے بیں اور عمُده شخص شنع سُنام

ينيح مصطفي البابي الحلبي كاعجيب استغانته

و معرود و اکس تیری کبرانی کامنیزون میں کمر ہیں۔

مه سے زنده السے مبیشه قائم البری انتری می تعلیم مرکز دان میں۔ سرین بیری تنی بی حمد و شنا محرک تا بول ، جوب نتا خوں کی ال میراعلم کمال سری بنا ب

ام تیرے شخت غیب سے پر دے میں ہوں تیرے رابطوں سے محروم میں مدار تین بارگیوں سے طابہ ہے۔
د توانی راور اسید فرل اور اپنی بارگیوں سی طابہ ہے۔
د تعجب ہے کہ نیری وسٹیدگی تیرے طہور سے باتے افہور تیری وشیدے۔
م کا ننات کیا ہے ؟ اندھیار جس نے تیری روشن سے ایک مل کیا۔

٨٠ ونباس جو ب وفانى ب بيرى بقاس مدد يسف والا ٩- بلكالس مين برخص محمة ج اورتيرى عطاكي الس لكائے ہے-١٠- تمام دنياس، زمين واسمان مے كونے كو نے ميں جو كھے ہے۔ ا - محاجی سے سکے روح تیری غنائی طرف ہے -ا و سی نے سی سے سوال کیا ، ان کے وسید سے ، جنوں نے دلوں کوتیری محتت پرجمع کیا۔ ۱۳۰ نورکائنات ، د وجهال کاخلاصه تیر سے نبیوں میں برگذیده -س، تو نے اس فریا دی کی نیشنی، جوتیری آزمائش سے تیری بنا ہ مانگا ہے۔ ١٥ - امتحان وازمائش سے باتھوں نے اسے بندج کی سے چینکا۔ 17- اورا سے عناصر وطبائع کے اندھیروں میں ڈالا-١٠ - بيمراس كے آگے لوازم دنيا آڑے آئے اور تيرى ثن سے مثا ديا-١٠٠ كيرجب بوش أيا يا في تكابيريان الصبح سے دور لے كيئ -و تیرے فیصلے سے جوگزری سوگزری - اب نگفت وکرم فریا دے۔ ان میں سے وہ نظم ہے جے ام مسیوطی علیا لرحمہ نے اپنی کما ب "د لفلا المشعون میں ایک فاصل کی طرون منسوک کیا ہے۔ یہ وا تعیشت کا ہے جب انہیں سیدنا و مولانا رسول انترصیے انترعلیہ وسلم کی زیارت نصیب ہو گی -۱- المعنس المسجع مركوب رسولول كاسرداريس. توان كي حايت بي الكيا، سويكارطلب كرا درسوال كر-۲- شیجه برک بر ممبارک بوسختی ختم بوکشی - سوصاف، خالص شیرین حیمه سو - ا دسب وانحساری سے در واز سے براجا ان کی دہلینزیر انسوبهاکوکسر!

م ۱۰ سے رسولوں کے سروار ایکنون تر ۱۰ افعنل تر ۱۰ اے مخلوق میں مُعزّز تر ۱۰ ننگے یاوُل والی مخلوق بویا جو تھے والی -

۵- ایدانتد کے برگزیدد! لیستی ترباتحہ والے! ایدبیارے غمزد و خوفنزده کی مایوسی میں بنا وگا ہ -

4 - اسے مرتب والے ؛ حدیثیں گواہ ہیں کو تخلوق میں سے حرکسی نے آب کویا یا، وہ قابل مرکبارک ہے ۔

، - اسے وہ كرجب ارفول نے آب كى باركا ه كا قسدكيا -

٨- غنى كما بر مغمت خريح كى عطاكى بيان كك كم برا في والا خوشال بوكيا -

۹۔ اے وہ کہ ، جن کی حابیت ہیں ، میں حا صربواا ور فرباید کی ، اعتر کے لیے ہر
 ۵۔ اے وہ کہ ، جن کی حابیت ہیں ، میں حا صربواا ور فرباید کی ، اعتر کے لیے ہر
 دکھ ور دکا ازالہ کی ہے۔

۱۰۰۰ سے کریم ہیں اور جس محتاج نے آپ سے را بطر کیا جمیک بخت ہے کاس نے اپناسوال وائمیں دیا ہے۔

۱۱- سخدا، آپ نے اپنے ما نگنے والے کو کہی نہیں ، نہیں فرمایا ، اللہ آکے روکرنے اور بخل کرنے سے بچائے ۔

۱۲- میں آب سے ان قرضوں کی شکایت کرتا ہوں جی مبتد ہوں - انٹر سے سنارش کیجیے کرمبلدادا فرائے ۔

۳۱ - آقا ؛ اس سے سوال فرائمیں کہ مجھے رزقِ حلال کوسیع عطا فرہائیں حس میں مشرکوک کی امیزمش نہ ہو۔

۱۰۰۰ تا امیرے ہے اس سے بناہ گاد ما بیکے، جہاں اِت بسرکرسکوں ا اینے وشمنوں سے شرسے شکلات سے بیجاؤ۔

٥١- اور الس سعميرے يا ول كا آرام ما بيكے كدول ميں ايسا درو بے كدلا

عَمْراً يَحْمُ كُلُولُ مِنْ ہے۔

اور مبترین استغاثہ ایک وہ ہے جوکسی نے کہا ،اور جس کے بحوارسے ڈکھ ڈور بونے کا تبجر بہ کیا گیا ہے۔

- مع اسے نزل کم بنجائے والے نبی او نیامی میراحال ننگ ہے اور ای اس
 قابل میں کر آب ہے اُم کی حالے میرے خالق سے میرا ور و و ور کونے کا
 سوال کیجے یکہ بے تک مخلوق نہیں، وہی میرا و رو و ور کرنے برقا ورج و
 بعض افاصل نے نبی صلی احد علیہ و سلم سے فریا و کرتے ہوئے کہا ۔ م
 میں صرف آب کے آگے حال ول سنا ول گا اور جمند مرتبر کھیا لی کے یمول ۔
 میں صرف آب کے آگے حال ول سنا ول گا اور جمند مرتبر کھیا لی کے یمول ۔
 میں سے حب بھی آب کے ورواز سے کا و نے کیا ۔ آرام بایا ، بخدا لینے سوال
- یں کامیاب ہوا۔ سے معرور حب آیب سے درواز سے کی بنا ہ نہ ٹول ، توحال واستقبال میں شکرستی میں میں کون ہے ؟
 - س ترو في إناه لى اورايض رب ذوالجلال سي يند كلي يهد
 - .. ، وطرح گزشته ۱ د وارسی جننے نبی ورسول آئے۔
- من تنسين وه تب سے مدر مانتخة تھے حالت عبد ل ميں اور حالت جمال
 - م اگران کے پانس و ، غمر آیا جو تمام ونیا برسام بت تومجد جیسے پر کیسے محدود م
 - ۔ یا یشول مذابع کی دئی غدم بن میں نے لئے برشے گنا ہوں میں سیکی بناء لی ہے۔

بس ب ایک ظربرم نے میہ می فراد رسی فرمائیں امیرے مقصداور تمام احدال میں مجھے دی کافی ہے۔ تمام احدال میں مجھے دی کافی ہے۔

م میں آپ پرانس وقت تک وڑو و بھیجا رہوں گا۔ جب تک قافلے آپ کا اُنے کریں۔ اور بہاڈوں کی چیمیوں سے لبیک کمیں۔

الطيب 'سي --

ی ایمیری طلب کے سلامی، طعند دینے والے! مجھ طعندزنی سے جھوٹر، ا کے جھوڑ دیے۔ مجھے جھوڑ دیے۔

۔ میں تنوق سے سفر کروں گا پورسے عزم سے ساتھ ، شستی سے تیں۔ مہ رسول انڈ کے رو جنے کی طرف، لینے حشن کلی تصدیق کرتے ہوئے۔ مہ رسول انڈ کے رو جنے کی طرف، لینے حشنِ کلی تصدیق کرتے ہوئے۔

م برا تے میں دوڑوں گا جب كبوترگا ، بوگا .

۔ اے پاکیزہ ترین خلق ، میں دلسیال بھا گا ہوا انسان ہول -

ت سیمیری غلامی ختم کر دیجید اور مخبت سے میری طرف دیکھ۔

ے سوآب اور صرف آپ ہی میری نیاد گا دہیں میری مُراد آب ہی آپ ہیں۔

ے اگراپیری جہانی آفکھ سے غاشب عبی بول دیرواہ نہیں ہمیری ذہنی آنکھ سے پوشیدہ نہیں .

مه اگراپ نہ ہوتے توہم ہوگ شیطانوں سے برتسر ہوتے۔

ے حب آپ کورسُول بنا کر جباگیا تویہ سترین فضل واحسان ہے۔

مه سېمېرى شفاعت فرائيل كىمىرى كىلىف د كور بو.

۔ میں رُرا سِن رُروں ، میں نے ڈھال کی بیٹے تھیروی ہے۔ ابوعلین میں ناملسی نے فرایا جیسا کڈنفح الطیب میں ہے۔

- م الرمحة نبى نه بوت ، تو مخلوق برترين حال مين تبا و بوجاتي صلى المترعليه ولم-
- ت سارى مخلوق مين اعلى مرتب والع بمريم ترا ورظام ترين را بنما في فرها في واله
 - ه ان برانته نے نبوت، بنتارت ،اور رسالت ختم فرما دی۔
 - مخلوق مين ان كومرتبه وجلال مين محضوص فرمايا-
 - كيبرسالت كي جاندا ورصحابه كرام اس كروم الي اليس
 - ے کا فروں کی انھوں میں کسنے کی بیلے ، جوبجا ئے مقا بار کرنے کے گر اسٹی پود کررہ گئے۔
 - مه آکیشجاعت کے ظاہر ہونے پراہوں پرتھکاوٹ ڈکھیف کی قمیص میں لی۔
 - ۔ ان کی خبروں کی طرفت کان لگامعلوم ہوگا کہ انبجام کاران کا ہے۔
 - م حببتم نے وسید وصونٹ لیا الس کی تعربین کی اور فکدا کی تعربین کی۔
 - م توبقين جانوكرتم قيامت كے دن يقيناً محفوظ مول كے۔
 - ے پہی ابن حیّان نے کہا ہے :ر
 - مع بہوتے اور ندامست اٹھانے کے دن مخلوق پرسب سے زما دہ رحم فرانے والے .
 - م اینے کم ترین غلام برحم فرما ، لے طاقت و نعمتوں والے۔
 - م بے تنکیس نے اپنے آقا ، برگزیدہ ، پاک اور تمام قوموں میں سے نتخ کے وسیدید اور میں سے نتخ کے وسیدید اور میں سے نتخ کے وسیدید اور میں سے نتخ کے وسیدید کو ا
 - مە تىرى طرف اپنے برى خلا ۇل سے اسے نہا، جېمىنتىدا يک رہے گا داور نەسوئے گا -
 - م تیری طرف سے ان پر درُود ہو جب کمی سوُرج طلوع ہوا ورجبیک اوراق میں تلم سے تکھا جائے۔

مه وہی شفاعت کرنے والے بیں جن کے ذریعے مجھے نیجات کی اُسید ہے ووزخ سے جب کفار کو تلے کی طرح ہوں گئے۔

ير مجى ابن حيان نے كما ہے۔

ا - دل اس کی بات پرلیک سے میں ، جو مخلوق میں قابل اعتماد ہے - الواتقاسم - دل اس کی بات پرلیک سے میں ، جو مخلوق میں قابل اعتماد ہے - الواتقاسم - بی ، شفاعت کرنے والا -

۷- میں نے اپنے گنا ہوں کے پلے خیع بنایا ، اس کی بارگا و میں جو تکھنے وا لیے فرشتوں کا ماکک . ایک میسند مرتب بغنے والا ہے۔

سو. سوشفاعت کیجے بشفاعت کیجے قیامت سے دن اسے خاتم الرسل جو بڑی شہادت گاہ اور ڈراؤنامنظر ہوگا۔ بڑی شہادت گاہ اور ڈراؤنامنظر ہوگا۔

م . اس کی جوایتے نفس بڑھلم کرنے والا ہے ۔ جوخطا وُں اور سرغلط کا م میں مددرجہ بڑھا ہوا ہے -

۵ - حب گناه یاد کرتا ہے، انکھیں بہنے نگئی ہیں اور ندامت سے چر جسکتے مگا ہے۔

ہ۔ اس کی امسیدنا مُراد شیں ہوسکتی کیونکہ وہ اپنے رہے سے ڈرتا اور عاجزی کرتا ہے۔

، سببراق ل واخسر دارود ہوجب کے طلوع کے وقت روشنی ہو۔ کئی دیواتوں کامصنف شہاب محمود علی ملک شام میں عرض گزارہے۔ ۱۔ اے وہ جس کی عزّت کے صدتے میں شغا عست کا طلب گا رہوں اورا بنی زِنّت سے سبب شرا آ وانحساری کرتا ہوں۔

م. اے ڈوبتوں کو ترانے والے اور وہ حرکا بندہ اسے گھٹ اندھیروں میں کا تا ہے تو وہ سُنتا ہے۔

- سور لے ان تعلیفوں کو دُور کرنے والے ! جن کی تدبیریں عاجز ہوجانیں تو اسی کی طرف ان محصل میں رجُ ع کمیا جا تا ہے۔
 - م الم بوت بوت بده نظف فران والے إجن كى قدري نظر نہيں آتي اور اچھا كام مرة ارتبا ہے۔
- ۵- 'سے بڑی تکلیف ڈورکرنے والے ۱۱ وران مصائیکا زالہ کرنے والے جنیں کوئی نہ کرسکے۔
- ۲- اسے میری ننگی کے سہارے! اسے میری تنائیوں کی عِزْت بیس سے غیر کی طرف میں ناری ناکروں۔
 طرف میں زاری ناکروں۔
- ے۔ لیے ہزخوفت سے بچانے والے یمسی ادرسے فضول پکانے کے سوا مجھے کوئی توقع نہیں۔
- ۸ تیرسے سوامیراکوئی نہیں ، توہی میری رغبت کی جگہ، توہی شکایت کی جھاں فردوں یا اُمیب در کھوں ۔
- و کیاتیرے سواکسی سے ڈرول یا اہمیدر کھوں، حالانک کا کنات میں ذکوئی ۔
 انعج دے نہ نعصان (تیری اجازت کے بغیر)
 - ۱۰ توسخنی ہے ہاتی تمام مخلوق محتاج ، تیر سے فضل کی طرف پیکے ہیں .
 - ۱۱- اسے کریم ! تیرے سواکوئی کا مل نہیں سو مجھے عنی کر دے اور بیجا لے کہ نہ ومیسدر کھوں نہ ڈروں-
 - ۱۲- اے وہ کہ جصے میں اپنی تعلیمت میں کیا تا ہوں۔ بے صبری سے بچر حب یکلیمت کا مشکر ہ کرتا ہوں ختم ہوجاتی اور لوٹ جاتی ہے۔
- ۳ و الده و که خیری امیت بصری ارتا موں اور تبولیت کا قطعی بین کرتا ہو۔ اس و کو دیت کا قطعی بین کرتا ہو۔ ۱۹ و تو و مصریک ورواز سے سے سواکوئی درواز و نہیں ،اگر مردے چلے ننگ

ہر جائیں، تو دروا نے کھنکھٹا یا جاتا ہے۔ دا۔ توہی وہ ہے جس کی حفاظت سے سواکوئی قلعہ نہیں ، اسس سے سواکمزورطاقت ور عاجز ہیں۔

۱۰۰۰ تو وہ بے کے حس سے سوامیراکوئی مددگار نہیں بنواہ میرے خلافت تمام وشمن ۲۰۰۱ جمع کیے جائیں اور جمع ہوجائیں۔

، اسے وہ کرزماندائی وانسست میں خواہ اپنی معرفین ختم کر دے۔ تیری معرفیں ختم نہ ہوں گی .

ے بین کا در اور کروٹے زمین تو ۱۰ اے میری وحشت کے دوست جب میار مخوار دور کو اور کروٹے زمین تو ایک دیرانہ ہے۔

۵ . ایرمیرے ایس وقت کے ستھی، جب کوئی میراساتھی نہ ہو جے بکاروں
 ۵ . ایرمیرے ایس وقت کے ستھی، جب کوئی میراساتھی نہ ہو جے بکاروں
 تو وہ فیستے ، یا ایس کا اما وہ کروں تو وہ میری طرفت آئے۔

٠٠- يەمداماتھ اندھيروں ميں تہے سے دعاكر رہا ہے- اورسارى مخلوق ميں كون ہے ج تيرے دَربيہ بجوم نہيں كرتا -

الا . میں تھے سے اس بناہ گیری وعا مانگا ہوں ،جس کی تیرے در بر نظر کیے عرکزرگئی ۔ عرکزرگئی ۔

۱۰۰ تیرے سواتمام ذرائع ختم ہو گئے۔ اور تھے سے ملانے کے یہے اسے میں اسے میں کانی ہے کہ تیرے سواسے میں کانی ہے۔ کانی ہے۔

۲۰۰۰ سندمندگی سے زمین پرسسر رکھے ہُوئے۔ کیونکی گنا ہوں کی شومندگی کی بنا پرائس کا مشراکھے شہرسکتا ۔ پرائس کا مشراکھے شہرسکتا ۔

برا- اسم مسطف اوی می الله علیه ولم کاشفاعت بیش کرا ہے جن کی قیا سرا- اسم مسطف اور کی میں اللہ علیہ ولم کاشفاعت بیول ہوگی۔ سے دن گنتگاروں سے حق میں شفاعت قبول ہوگی۔

۲۵- مخلوق میں بہترین ، جلیل ترین مبعوث ہونے والے جن کی ہدایت سے گراہی کی بیڑیاں کمٹ گئیں۔

۲۷- النزكاسائر يمت ، الس كى يمت كاراز ، جدد نياس شفاعت كے ليے ود بيت ركھا كيا ہے -

۲۰ وه گنهگارول کومسیدان حشرمیں صرف ان کا جا ہ وجلال قیامت کی ہون کی سینجات وسے گا۔

۲۰- وہی ایسے تین جن سے انمسیدیں وابستہ ہیں کیزنکہ بلاا جازت وہاں کوئی شغاعت کرسکے گا۔

و ۲- مسيدان محشرين أنهى كا وسسيله اور انهى كا جندا برگا- إن كے علاده سب ذررہے بول كتے-

۳۰. جسے چاہیں حوض کوٹر سے سیراب کریں گئے یجب کہ پیانس وخوف سے زبانیں با مبرکی ہول گئے۔

۱۳۱- تمام لوگول پرشترت و تکلیف کا دور دوره ہوگا۔ وہاں یہ نظر نہیں آمے گا سمہ مال واولا دکسی کوفائدہ دے۔

۳۲- تمام مخنوق کوپیایس وکلیعن کا سامنا ہوگا۔ ہرا کیدان سے گرد گھوتما گا۔ ۳۳- آپ آکرا پنے رہ سے آ سے ہجدہ ریز ہوں گئے۔ اوراہی جمد ڈ ٹنامحری گے،

جو بیلے کسی نے نہ شنی ہوگی۔ مہ مہ بچھر کہا جائے گا مانگے جو ما بیچے گا ملے گا ۔ دنیا کی شفاعت کر قبول ہوگی بمہ

انتظامين الخاوَل كا-

ہ ہو۔ فرائیں سے میری اُمّت ہجنیں میں نے تیرار استدبنایا اور انہوں نے اختیار کیا بھا جائے گا وہ سب تیرے۔

۱۹س-میرے خالق ۱ ان سے حق ہونے کا صدقہ تو کمیرا بوجا ، جب ن کھے میں ایکے ۱ور ہول طاری ہو۔

، مار اور قیامت سے دن ان کومیر اشفیع بنادے تاکہ جنت میں تھوڑی سی حجد مجھے مجھی مل جائے۔

رسد انہی کی ذات میں تیری طرف میرا وسیدا درمینی ہے -اورمیری خطاسے تیری عطا بڑی ووسیع ہے -

وم- اكر مجه كن وى معافى كاليتين نه بو. توغرور كيميد أن مين نه دُرول اور

بعير بيلم ما وُل -

بہد میکن میری اُمید اور شن طن نے خوف کم دیا جس نے میری کہ توردی ۔ اسم. میں جھے بچار نے سے بنا ہ مانگنا ہو ک کیونک میں نے ان کا دامن مضبوطی سے بیرار کھا ہے کہ گنا ہوں سے ڈرون اور بے صبری کروں ۔

بوس میں میں میں ایا ہوں ۔ اور تمام و کے زمین والوں کو اگر تو موس میں میں میں میں ایا ہوں ۔ اور تمام و کو کئے زمین والوں کو اگر تو جوڑھے تو تو فو فینہیں میجتے۔

مام- ایسے اسباب بیداند فراکر میں تیرسے غیرسے ڈروں ، یا انترکے سواکسی سے دلول۔

مه مدرزق توتیرا ہے لوگ وسید ہیں بسوسی کس سے آگے آہ وزاری کروں م دم مدس نے قسم کھالی ہے کہ تیرے سواکسی امیرسے اُمسید نہ رکھوں گا۔ خواہ ود اپنے مال خرچ کریں مایند کریں۔

اورشيخ فتح الترالخانس على نے كها

ے اے وہ ذات جو بکار نے والے کی شنتی ہے اور اس کا حکم اس سے اسی کی

طرف نوٹما ہے۔

ت بروردگار!میری بیشانی تیری منی ہے۔ تو نے جو لکد دیا وہی ہوگا۔

سه بروردگار! تیرابنده یا تیری منی وسیع معافی میں امید دار ہے۔

مه اینی منی برجم قرما ، اسمعانی دینے والے ، تیرے آگے نالہ وکنال ہے۔

مه میں تیرابور ما بندہ ، گذگار تیری معافی کے دروازے کو کملے نے آیا ہوں

مد میرسه ما ته میرا ورمیرسه بالس وسائل و ذرا نع نهیل -

م سوائے کو میوں سے بڑوکس سے جو آنے والے ماجت مندوں سے فریاد دیں۔

ے پروروگار، روشن جیروں کا اور تیری بارگا دیں جیکتے آروں کا صد قد۔

م اس تور ك طلوع كا صدقد ،جل ك طلوع سيتمام مطالع روشن بوك.

م بڑی محنت جس کی آمدسے اندھیرسے کا فور ہوئے۔

ه سچابمبجاگیا آیات دمجزات ، اورجامع کلمات کےساتھ۔

ت جن کی شمشیر دعوت ، رگ شرک کو بمیشه کافتی رہے گی۔

م اخلاق مين تمام مخلوق سيبتر؛ يرميز كار، كريم ترفطرت والي-

ت تمام نبیوں میں بہتروافعل جن کاشریعت نے تمام شریعتی نسوخ کردیں۔

سه اوران کے دوساتھیوں کا صدقہ جان کے ساتھ لیسے ہیں، یکتی اچی خواہگا۔

سه میری بداعمالیول کی بنایر، نظر کرم کرد سے، کرخاتم یخیر ہو۔

مىرى نامرُ اعمال نعمراجيروسيا ،كرديا . بورها ،س يسيد ، كورسط .

م يهال كك كرهيمي مع كم با وجود ميرك راست مجديد نوستيده رب.

مع میں مبت ڈرتا ہوں اور اس خوفت کوتیرے سواکوئی دُور منیں کرسکتا۔ اے معاون فرمانے والے۔

ے افسوس ،جب اینے کے پر عزر کرتا ہوں ، تثرمت کی ہوتی ہے۔

ت میرے گنا ہوں کی وجہ سے حب آنسو گریں تو مجھ برجم فرمانا -

۵ اوراین معانی سے میرے گن ہوں کا بوجہ بلکا فرما دے اور میار ماتھ میکومولا۔

ے تیری فالص زندگی کی قسم میں سے آگے قبر میں رہنے والار کوع و تجود کر ہے۔

ه میری زندگی س قبر برقربان جس بیمیشه نور نبوت جیمی رسا ہے۔

مد النی ان کا ذر تیرا در بے میری تھے سے امیدا وران سے طمع ہے۔

ه مجمی میں رب ، رب بچاتا موں ، اور بھی اسے بہترین شفاعت فوانے الے۔

ه مارحاد ته دیکھیے اورسمارا دیجے کرمیں گھبارا ہوا آیا ہوں-

ے اسے جود وسخا سے منبع اجس کی تبھیلوں سے یانی اُبتا ہے۔

م يعيد كى راتين بين ، جن مين كريم عطائين كرتے بين -

۔ اس وسخفے جاتے ہیں بخطائیں وصل جاتی ہیں اور احسان ہوتا ہے۔

ه میں کی حایت میں ہوں ، اور آب اللہ کا وہ دروازہ میں ، حس بردھ تکالہ نہیں جاتا .

مه اس ال واصحاب بر ، جنول نے کو وٹیں بستروں سے دُور رکھیں۔

ه حبب كم مورج حيئا اورجا ندا فق برطلوع بوما رس

يشخع وسمغر بي رحمة الله نے فوایا

ے میرے پاسٹ کلیعن و ورکرنے کا بجز اس سے کوئی ذریع نہیں ہم سُننے قبو محرنے والے درب ، سے شکوہ کروں۔

مه جوسب سے بڑھ کر رہم فرما نے والا ، کا تنات کا مالک تاکلیف و ورکونے

- والا،عيوب كوتھيانے والا ہے۔
- مه وه جس نه ايوب عليالسلام كوانس وقت بجايا ، جب ان مصيبتين نازل بومي -
- ا در بیقوب علیالسلام کی تکاه زائل ہونے سے بعد بھیردی حب کر سخت صدمے اور بھیا چکے تھے۔ اُٹھا چکے تھے۔
- ت اسی کی طرف م تھا تھائے غائبانہ دعاکرًا ہوں ، کیے بیٹیان ، آنسوبہا تے۔
 - ے عفریب اس کا پوشیدہ نگھنے کر بھیست زوہ پریشان حال کا در و دُور کرسے گا۔
- ے آج ان کی ضدمت میں بگنا ہول سے بھاگ کر ، ہاتھ بھیلائے ما صربہوگیا ہول۔
 - ع جرد بویں کے رات بہترین مخلوق ، ظر سے پانس، اپنا دکھ دود کرنے کی تنفات کروا نے آیا ہوں۔
 - احد مضطفا صلے اخذ علیہ ولم ، میارسار ، میرا ذخیر ، حوص و الے ، جھنڈ سے
 والے ، شنیوں والے رجن کے ہاتھ ملکتے سے شنیاں روشن ہوگئیں)
 - ۔ اے میری ولین ،خوشی مناکہ میں تقام بسند پر آپہنچا- ان کی تعربیت سے صدی تے جود لول کی غذا ہیں۔
 - ۔ رسُولوں کے سروار، تمام مخلوق میں عظیم المرتبت، تصدی انتہا ، مقصور ومطلوب کی آخری حسید-
 - مہ جن کے یہے جاند تنق ہوا، اور سُورج والیس آیا ۔ بغیر کسی تردد سے یغروب ہونے کے بعد۔
 - سوکھاتن ان کے فراق میں رویا ۱۰ وربغیر قدموں کے درخت ان کا خدمت میں، قریب محرسلامی ہوئے۔
 - ایسے لامٹی ان کے ہاتھوں میں برگ بار موکی اور شاخ کی طرح دوبارہ ہری

بجرى ہوگئى-

م بحری کی دستی نے عجیب راز کھول دیا دکھیرے اندر زمبر ملایا گیا ہے) اور بھروں نے جوے کوسلام کیا ۔ بھروں نے جرے کوسلام کیا ۔

ب رسی سبر سی ایستی ایستی و رحیم اور برٹسے بڑھے گنا ہوں کے ازال کمنے مہ اسے اہلِ ایمان سے یہے شفیق و رحیم اور برٹسے بڑھے گنا ہوں کے ازال کمنے دا لیے شفیع دشفا عست کرنے والے)

میں اپنے پر وردگار سے صنور آپ سے وسید سے فریا دکناں آیا ہوں۔ اے سے سے سے بریشانی سے ون کے محکانے ! • سخت پریشانی سے ون سے محکانے ! •

"كتابيسعادت للارين كا خاتمه"

اسمائے الہید آیات قرائیدا ورا ذکار نبوید وغیر کی خصوصیات کیسے بیان میں

رشی بھیلی جل ہے۔ اور یہ ایک عظیم المرتبت کا کھے بڑی بڑی کتا ہوں سے تعنیٰ کو وے ، یہ امطلب اور مناسبت میں نے امام غزالی سے نقل کی ہے ، بجزان با توں کے جوانہوں نے ڈکا منیں کیں۔ وہ میں نے دوسروں سے لے ہیں۔ اگر جیدان کی تعداد کم ہے ، اور خواص میں نے عارف با للہ شیخ احمد زروق کی شرح سے نقل کے میں۔ اللہ توفیق و بینے والا ہے ۔ اللہ تعالی کے بیں۔ اللہ توفیق و بینے والا ہے ۔ اللہ تعالی کے یہ مرب کی نام میں اللہ عام ترمذی نے صفرت ابو هر برہ رصنی اللہ عند کی روایت کے یہ مرب کا میں نام میں اللہ عند کی کہ میں۔ الام میں اللہ عند کی کہ میں۔ الام میں اللہ عند کی تصفرت ابو هر برہ رصنی اللہ عند کی روایت میں اللہ میں اللہ علی ہیں۔ الام می میں اللہ عند کی اللہ میں میں اللہ میں بھی نے ان کو اور اللہ میں الل

هُواللهُ الدِّنِي اللهُ اللهُ هُوالتُرْخُسُ التَّحِيمُ الْعَلِيهُ الْعَبَالُ الْعَنْ الْعَيْرِينُ الْعَبَالُ الْعَنْ وَلَ السَّعَةِ الْمُلَا الْعَنْ الْعَيْرِينُ الْعَبَالُ الْعَبِيلُ الْعَبَالُ الْعَبِيلُ الْعَلِيلُ الْعَلِيلُ الْعَبِيلُ الْعَلِيلُ الْعَلَىلُ الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلِيلُ الْعَلَى ال

زهمہ: - وہ الند ہے جس سے بغیر کوئی سچامعبو دشیں۔ رحم کوئے والا۔ مہزان۔ با وشاه - مبرست باك بسلامتي وين والا - امن دين والا من بنان. غالب۔ قابوکرنے والا۔ بڑائی کا اظہا رکرنے والا۔ بیداکرنے والا۔ بنانے والا مسورتیں بنانے والا مبہت بنخشنے والا قہروالا بہت بخشنے والا بهت رزق وینے والا بهت کھو لنے والا - علم والا ۔ شکی کرنے والا - فراخی کرنے والا ۔ بیست کرنے والا - ملبٹ د کرنے والا ۔ عزّت وینے وال - ذليل كرف وال - سنن وال - و يحف والا - نيفسله كرف والا - النسا كرنے والا - تطعث كونے والا يخبر داركرنے وال - بر داشت كرتے والا -عظمت والا-بخشنے والا - قدروان - بلبندم تبت - بڑا حفاظت كرنے-والا- بدلہ لینتے والا ۔حساب یعنے والا ۔حبلالمت والا ۔کرم کرنے والا ۔ بحرّان - تبول كرسف والا-فراخى والا يحكمت والا بمحبّت والا-بزرك . الما نے وال کواہ ۔ حق کا رساز ۔ طاقت والا منسبوط ۔ قرمب والا۔ تعربعيث كميا بهوا يتتما ركرنے والا-ابىت دائىر نے والا- د وبارە لۇلم نے والا- زنده كرنے والا، مار نے والا - بمیشہ زندہ - تما تم رہنے والا-بإ لنے والا - بزرگی والا - تنها - بے نیاز - قدرت والا - اقت دار والا -بيط لا في والا يجي لاف والا - اول - اول - اخر -ظامر - باطن - والى -

بلنديوں والا ينيوكار - مبت توبقبول كرنے والا - بدلد لينے والا يست معا وينے والا شفقت كرنے والا - ملك كا مالك - مجلال وعزت والا · انصافي مع جمع كرنے والا ، بيرواه ، بيرواه كرنے والا - رو كنے والا - نقصا وينے والا ينفع و ينے والا ، نور - راہنا - نوبيدا كرنے والا - با تى ، وارث يسير راه والا يحوصلے والا -

ان اسمائے گرامی کے معب نی وتوضیحات

کوئی مخلوق وجود ذاتی کی ستی نہیں، اسی سے وجود حاصل کرتی ہے بسواینی ذات سے لحاظ سعمعدوم اورا نندسے قریب بونے کی وجہ سےموجود ۔اورائس کی ذات کے سواہرموج دے ید ہلاکت ہے۔ صبحے ترب ہے کہ یہ لعظ اس معنیٰ پراسی لیے ولالت کرتا ہے ، جس طرح علم اس مصنتی ہونے میں اور انس سے ما دول مصلسلہ میں جر کچر بیان کیا جاتا ہے تعلق قصنع ہے۔ یہ ننانوے اموں میں سب سے بڑا ہے کیونکدیہ اس ذات پر ولالت کرا ہے۔ جوتمام صفات خدًا وندى كوجا مع ہے يها ل كك كدكو في صفت يا سرنهيں رہتى . اور الس ليے کہ بیتما م ناموں میں مخصوص ترہے ، کیونکہ کوئی اکس کوانٹد کے سواکسی کے یا ہے نہ حقیقی معنی ہیں ہوت ہے۔ ندمجازی میں اوربندسے کا اس معنی سے متصعت ہونے کا تصوّر بھی نہیں کیا جاستھ بخلاف وومرے اسما کے برمزام کسی ایک معنی پرولالت کرتا ہے۔ اور ووسروں کو بھی اس سے موسوم کیا جاستی ہے مثلاً قا در علیم وجمے کہ بندہ ان سے موصوف ہوسکتا ہے بندے کا اس میں بیجتہ ہے کہ وہ اس سے خلق ہو،جر سے میری مرادیہ ہے کدوہ اپنے ارادے اور دل سے

فلدگی ذات بیمستفرق ہوجائے۔ اس سے سوانہ کسی کو دیکھے نہ کسی کی طرف توج دے ، صرف ہی سے اکسید رکھے اور السی سے ڈرے ، ایسا کیوں نہو ؟ وہ ایس اسم مُبارک سے ہجھ گیا ہے کہ موج دھیتی حق وہی ہے ۔ ایس کے سواسب فانی ، ہلاکت والا ا درباطل ہے زمینوں سے مُلرد کیک ہی ہے ۔ ایس کے ساتھ ۔ سواپنے آپ کو ہلاک ، باطل اور فانی سمجھ ۔ کیک ہی ہے کہ رُسول اسٹی مسل اسٹی میں اسٹر علیہ وسل کے ساتھ ۔ سواپنے آپ کو ہلاک ، باطل اور فانی سمجھ ۔ روایت ہے کہ رُسول اسٹر مسل اسٹر علیہ وسل کے فرایا یسب سے بی بات جوعربوں نے کسی روایت ہے ۔ وہ بسید شاعر کا یہ قول ہے ۔ آلا کُلُ شَنْدی می ماخلا اسٹر کے اسٹر کے سوا ہر چیز فانی ہے ۔ وہ بسید شاعر کا یہ قول ہے ۔ آلا کُلُ شَنْدی می ماخلا اسٹر کے اسٹر کے سوا ہر چیز فانی ہے ۔ وہ بسید شاعر کا یہ قول ہے ۔ آلا کُلُ شَنْدی می ماخلا اسٹر کے اسٹر کی سوا ہر چیز فانی ہے ۔ ا

اس کی فاصیت یہ ہے کریسین مضبوط ہوتا ہے۔ وات وصفات اور مصفوصیات خصوصیات شخص روزاند اس کواکی مبزار باراس طرح برطے" یکا احلاہ کیا ہے۔" اختداس کو کامل یعین نصیب فرائے گا "ربعین اورلسیہ" میں تھا ہے کریا احلاہ المحکہ و فی کُلّ یعالیہ کے متعلق سہرور دی نے کہا ، جرکوئی جمدے دن نما زجمدے پہلے عسل کر کے صاف بالس مین کرتنا ئی میں ، وولسو باراے برطے اس کے لیے حصر الم تصدا سان ہو جائے گا۔ خواہ بکھ بھی ہو، اوراگر ایسام ریض اسے برطے میں سے طبیسب مایولس ہو چیکے بھوں ، اگر اس کا وقت پورانہیں ہوا توصحت یا ب ہوگا۔

اَلَوْمِينُ - اَلَوْمِيمُ

یہ دونوں اسم بھڑتے ہے۔ اور رقمت کسی مرقوم کو جا ہتی ہے ،اور جو مرقوم ہے محقاج ہے ۔ کامل رحمت یہ ہے کہ محقا جوں پرخیر وبرکت کی بایش ہو۔ ان کے یے اسکا امادہ کرنا عنا یت ہے ، اور کامل رحمت دہ ہے جومستی وغیرستی سب سے لیے ہو۔ اور امادگی رحمت کامل و عام ہے ۔

وعرف التحسن التحسن المناص بداس ليا المذكر سواكس اوركايه نام نمين وركايه ام نمين التحديم التحديم التحديم التحديم كانام دورو ل كريد التحديم كانام دورول كريد يديما

ہے۔ اس لی ظرسے المصلی ، اسم علم کا قائم مقام ہے۔ اگرچہ بربات بھی ہے کہ رصت مشتق ہے۔ اس یے اللہ تعالیٰ نے دونوں کوجمع کیا ہے فرایا ، ا

اس كرساته متصف اومتخلق بنو كامطلب المسائد المتين مين بدر

کے غافل بندوں پر ترکس کھائے۔ سوان کو بختی سے نہیں نرمی کے ساتھ وعظ و نصیحت سے ذریعے غلامت کے ساتھ وعظ و نصیحت سے ذریعے غلامت سے راستے سے ہتا کر الٹرکی طرف بجیر دے واور گھٹا کا دوں کی طرف بنظر حقارت نہیں ، رحم وکرم کی نظر سے دیکھے۔

اوراسم باک الدّحیم میں اس کا جدّ یہ ہے کہ جمال تک ممکن ہو محبُوکے کی مجوک ختم کے بغیر ندر ہے۔ اور اپنے کر دو بیش اور شہر میں جو فقیر نظر کئے اس پر نظر ایکے اور اس کا فقر و فاقہ ختم کرے ۔ یا تو اپنے مال دجا ہ کے ذریعے یا کسی اور سے اس کی حتی رسی کی سفارش کر کے ۔ اگر ان تمام صور تول سے عاجز ہے تو اس کے یائے وُعا اور اظہارِ غم کرکے اس کی مدد کرے ۔ اس کی مدد کرے ۔ اس کی مدد کرے ۔ اس کے حصال کھر سے سے انسان کی مدن کے کا ظربے یہ فاصیت معنیٰ کے کاظ سے یہ فاصیت معنیٰ کے کاظ سے یہ فاصیت

ہے کہ جو کوئی اس کا ورد کرے اور اس پر عمل کرے اس سے پر بٹنائی و ور ہوجاتی ہے۔

"نهائی میں نماز کے بعد دلمبی کے ساتھ سنوابار اس کا ڈکر کرے ۔ افٹہ تعالیٰ کے حکم سے اس

کے دل سے خفلت ونسیان دمجو لنا انکل جائیں گئے۔ "اربعین اوریسی، میں نکھا ہے یا

سرجی کی شہر می کے قدتہ اجسسته فئہ رور دی نے کہا است زعفران اور مشک کے ساتھ کھے

کراس ا ومی کے گھروفن کیا جائے جربدا خلاق اور تنگ دل ہے ۔ اس کی طبیعت بدل

جائے گئے۔ اور اس میں جیا ، رحمت مہر بانی اور سسکینی جیسی صفات بیدا ہوں گی " اللہ بہتر

جائے گئے۔ اور اس میں جیا ، رحمت مہر بانی اور سسکینی جیسی صفات بیدا ہوں گی " اللہ بہتر

آلملك

اس کامطلب ہے وہ ذات جو ذات وصفات میں تمام مخلوق سے بے برواہ ہوااور تمام مخلوق اپنی ذات صفات ، وجرد اور بھا میں اس کی محماح ہو، سرچیزا پنی ذات و سنات میں اس کی مملوک ہو۔ اور وہ سرچیز سے ستعنیٰ ہو یہ مطلق با دنتیا ہ ہو ا ہے۔

المحب و بندسے کا بادشا و مطلق ہونے کا تصوّر تھی نہیں کیا جاسکتا ۔ مین حب المحب فق المحس فق یہ تصوّر کیا جائے کہ ود بعض چیزوں سے ستعنیٰ ہے اور بعض چیزیں ہس سے ستغنی نہیں دمختاج ہیں) تو اس کے لیے ایک طرح کی با دشاہی حاصل ہے ۔سو وہ اینی مملکت کا یا دشاہ ہوتا ہے۔ کہ اس کلک کی رعایا اور فوج اس کی اطاعت کرتی ہے،انسان کی خاص مملکت اسکا ول اورجیم ہے۔ اس کا مشکر اس کی شہوت وخند ہے خواب سيم، اس كى رعايا اس كى زيان ، أيحيس ، دونول ماتحد، اور باقى اعتامي -الس كى فاسيت دل كى صفائى يصولِ غناً وجراًت وغير بعد جوكوئى خصالت المسكل من اوركدُورت وقد الدكرُورت المرسط السكا دل صا ون اوركدُورت ختم ہوجائے گی- اورجوکوئی فجر کے بعد ایک سواکیس پارپڑھے انڈاپنے نفل سے اسے غنى كرك كا-اسباب سے يا دروازول سے يا اپنى خصوصى عطا سے كماب أربعين اوليين میں ہے اور اے کامل وات، جس سے کامل جلال وطک کو زبانیں بیان ز کرسکیں ؛ یا ۔ فَلَا تَعْيِفُ الْدَلْسُنُ كُلَّ جَلَالِ مُنكِد وَعِزَّتِهِ بِوشَخْص روزان بِيمِين إراس بِرُف اوربالاه دن مک عمل کرے ول کی صفائی اور شکوک و شبهات سے بیجتے ہوئے ، اس سے اعمال الس سے پانس آئیں گئے۔مناصب میں ترقی ہوگی- اور اسس کا حال بہتر ہوگا ، جو كوتى روزاندننانوك باراست پڑھ، السے علم حرفت نعیسب ہول سے -والند اعلم-

اَلْقُ دُّوْسُ

اس کا معنیٰ ہے کہ اخترتعا لے اُن تما م اوصاف کمال سے پاک ہے جنیں اکثر لوگ اوصاف کمال سے پاک ہے جنیں اکثر لوگ اوصاف کمال سے پاک ہے جنیں اکثر لوگ اوصاف کمال سے بی مشتران کا علم ان کی قدرت ان کے سمع وبسر دشننا - دیکھنا) ان کا کلام ، اُن کا اراد د ، سوافتہ تعالیٰ ان کے اوصاف کمال سے پاک ہے ۔ باکس اسی طرح محمل میں اوصاف نیقص سے پاک ہے ، بلح ہروہ صفت جس کا تصوّر مخلوق کے یا ہے۔ بلکہ ہروہ صفت جس کا تصوّر مخلوق کے یا

و الما اسكما ہے۔ اللہ الس سے اللہ اللہ اللہ اللہ اللہ وممانل سے۔ امن و انسان کی پاک پر ہے کرائس کا ارادہ وعلم پاک ہو علم کو تنحیلات جمسوس المحسوس المحسوس المحسوس المحسوس المحسوس المحسوس المحسوس سے پاک کرسے جس میں تیوان اس کے المحسوس میں تیوان اس کے مشركب بُول. جيسے اور اكات بلكدائس كى نظرا ورعلم امور ازليتر ، الهيته برحمى رہے ، راارو سواس کی پاکی میہ ہے کہ وہ انسانی صروریات اور وہ لذتیں جن کک صرف حواس وحسم کے واسط سے پنچا جاسکتا ہے ، ان سے صرف نظر کرے بلکدائس کی مُراد نسرف انْدَتعالیٰ کی رضا ہوا وراکسے صرف ایس میں لڈت حاصل ہو۔ التخواص اس كى فاصيت يە بىكى نماز جمعد كے بعد روئى كے كوئے ير تھے شبو حُدُدُونُ سَرَبُ أَسُلَا مُلِكَةِ وَالرُّوْحِ - جِهُونَى السَّيْحُ السَّيْحُ السَّيْحُ السَّيْحُ السَّعُا وَ میں اس کا شوتی بیدا کرے گا - آفات سے محنوظ رہے گا - بیر اُترتب ہو گا جب ند کورہ تعدد مكل بوكى- والتُداعم- اربعين اوليسيدس بين يَا فَدُونُ الْمُقَاعِدُمِن كُلِّ الْسَبَ منسلة سنستى يُعَادِلُهُ مِنْ حَيْقِهُ سور دى في كها جونها أي مين عاليس ون ايمين إراروزا مے حساب سے پڑھے ، انس کی شرادیوری ہوگی اور دنیا میں انس کی فوت کا ٹیرظا ہر ہوگی۔

اَلْسَدُ مُ

اس کامعنی ہے جس کی ذات عیبوں سے پاک جس کی صفات نقص سے اور افعال شعر سے گھتا ہوں ،

من و جسبندے کا دل کھوٹ ، کیند ، حسد ، اور بڑے ارادے سے کیا، گناہو مسخلی اور بڑے ارادے سے کیا، گناہو مسخلی اور بڑے ارادے سے کی کئیں ، کین مسخلی اور مرمنوعات سے اعضا ہے گئے۔ بدی وخوا بی سے سفات ہے گئیں ، کین اپنے رب کے پاس قلیب بیم ہے کرا ہیا ،

المحواص السمى فاصنت ہے رسے وکلیمن کا فرخ مور دینا بہائ کک کہ اگر مریض بر المحواص اس کو ایک لئواکس بار بڑھ کر دم کیا جائے۔ ان شار افند شفایا ب بوگا ، بشرطیحہ وقت پورانہیں ہوا ۔ آرام پائے گا بھا آباد بین اور بسیئریں ہے جو اے وہ ذات جو ہر عیب سے پاک ہے اور جس کے افغال سے نابسندیدگی ملی نہیں ، حب ظلم ومیسبت وغیرہ میں بست داشخص اسے کٹرت سے بڑھے گا ۔ اللہ کے فضل وکرم سے نبا ہے گا ۔ اللہ کے فضل وکرم سے نبات یا ہے گا ۔

الْمُؤْمِنُ

وہ ذات جس کی طرف امن وا مان کی نسبت ہو کہ وہ ایسے اسباب کریا او خوف سے درواز سے بند کرنا ہے برئوم مطلق دہ ہے جس سے بغیرامن وا مان حاصل نہ ہو سکے اور ڈ النّہ تعالیٰے ہے ۔

تشری اس دصف سے بندے کا جستہ یہ ہے کہ تمام مخلوق اُس تے پاس محفوظ و اُس تے پاس محفوظ و اُس تے پاس محفوظ و اُس ت مامون ہے بہ بہ بہ برخوف زدہ شخف دنیا و دین کی برباد تی ہے تھے کی اس طرح اُم یسد دی ہے۔

اس کی خاصیت ہے امن طا ، صدق و تصدیق کا حاصل ہونا ، اور ذہر کے یلے خواص عرباً وَرَبِ اللهِ اللهُ اللهُ

الْمُهَيِّمِينُ

ا نٹرکے بارسے میں اس کا معنی ہے جو بندوں کے اعمال ، رزق اور احسال کی شگرائی کوسے مشکرانی کا مطلب ہے ، باخبر ہے محافظ ہے جو ذات ان تین معانی کی جامع ہو گئے

مهين كتصبي اوركامل ومطلق طوربرا لتركح بغيركسي اوركے ليے ية مينوں اوسا فٹ ابت منیں ہوسکتے۔ اسی یے کہا جاتا ہے کہ قدیمی کتابوں میں میں اللہ کا بدنام موجود ہے۔ مور و اجراد می اینے ول کی نترانی کرتا ربابیها ت کسر کاسس کی گهرائی اور رازوں برجھانک مستواجه محلق ليادرساته ساته ابنة تمام عمال واوصاف براس مقدم عانا اورجيشه اس کی خفاظت صحیح طور پرکرتار ما و داینے دل سے یہ میمن ہے۔ ا میں کی خاصیت ہے باطنی شرف کا حصول اور مبت میتی سے عزت علمی ل حواص من عندى كتنائى من نمازى بعد سواريد مع بدرى دل معى سے صول مُرَّدُى دُعا ما بحقے - والشّداعلم عوركرين توانس كانسبت معنوى ہے۔ تَعَلَّامُ الْغَيُوْ -أيبين وربيني مي على مع كم ما علام الغيوب فلذ يغونه شيئ من عليه وَلَا تَبِدُودُهُ - ____ رأ مخلوق سے جھے حمّائن كوجانے والے إحب علم سے کوئی شے با مرمنیں زاسے تھ کاتی ہے ! سُروردی نے کہا ، جو کوئی اس بیشنگی کر ہے اس کا مافظ قوتی اورنسسیان جاتا ۔ سے گا - واللہ اعلم - الا -

آلعنزنز

اس کامعنیٰ ہے و دعظیم ذات جس کی مثال کم ہوا و رجس کی طرف سخت حاجت ہو اور جس کی طرف سخت حاجت ہو اور جس کی طرف سخت حاجت ہو اور جس کی طرف سبخیا کہ مثال ہو، جس سی یہ بین معانی نہ یا ئے جائیں ، اس براسم عذیذ کا اطلاق منہ کی یا جا ۔ اور ان اوصاف سے کا مل طور برصرف انڈرتعالیٰ کی ذات متصف ہے۔

میں میں جا ہے۔ اور ان اوصاف سے کا مل طور برصرف انڈرتعالیٰ کی ذات متصف ہے۔

میں میں عزیز وہ ہوتے ہیں، جن کی طرف بندگانِ فکر ااہم اُمور میں معانی میں عزیز وہ ہوتے ہیں، جن کی طرف بندگانِ فکر ااہم اُمور میں معانی میں جو اس کا وجود میں میں میں میں ہوئے کی مورت حقیقت اور معنی تبینوں کا ظامل میں میں میں کی خواص کے خواص کی خ

سے ماصل ہونا ، جرکوئی چالیں دن کک ، چالیں بار۔ وزانہ کے صاب سے اس کا ذکر کے احتیاب سے اس کا ذکر کے احتیاب کے اس کا حقاج نہیں کرے احتیاب کی مدد فرما نے گا ، اور اسے عِرْت دسے کا ۔ سواسے محلوق میں سی کا محقاج نہیں کرے گا ۔ "ربعین اور لیسیڈ میں کھا ہے گیا ہے گیا ہے گئے گئے ۔ آن خالیات علی آئے ہے گا ایک اسٹی نے کھا اور اسے خالیب ایجانے والے اپنے حکم پرغالب ، کدکوئی چیز جس کے برابر منسین ٹی میرور دوی نے کہا ، جو اسے تواتر سائت دن ایک منزار بار یومیہ کے صاب سے پڑھے۔ اس نے اپنا وشمن ملاک کر دیا ، اور اگراٹ کر کے سامنے اشارہ کر کے منظر بار پڑھے ، وشمن ملاک کر دیا ، اور اگراٹ کر کے سامنے اشارہ کر کے منظر بار پڑھے ، وشمن ملاک کر دیا ، اور اگراٹ کر کے سامنے اشارہ کر کے منظر بار پڑھے ، وشمن ملک کر دیا ، اور اگراٹ کر کے سامنے اشارہ کر کے منظر بار پڑھے ، وشمن ملک کر دیا ، اور اگراٹ کر کے سامنے اشارہ کر کے منظر بار پڑھے ، وشمن ملک کر دیا ، اور اگراٹ کر کے سامنے اشارہ کر کے منظر بار پڑھے ، وشمن شکست کھائے گا ۔

آلجتبّائ

بسرگامغہوم ہے وہ ذات جس کا اراد دہرایک کو بین گرفت ہیں ہے لے ، اور اس میں کسی کا بس نہ چلے۔ ہیں جبًا مطلق المنڈ تعالیٰ کی ذات ہے۔ مشخص کا بس بند ہو کو درجرا طاعت سے بلند ہو کو درجرا طاعت سے بلند ہو کو درجرا طاعت سے بلند ہو کو درجرا طاع ب

ک انز بوجائیں اور اینے مقام میں ایسی بحیآئی کے حامل ہوں کہ اپنی شرک وہ کہ اپنی مقام میں ایسی بحیآئی کے حامل ہوں کہ اپنی شکل وہیں کت سے مخلوق کو اپنی اقت ما پر محبور کر دیں ۔ اپنی عا دات و اطوار کی پیروی کرائیں بحد مخلوق کو فائد ہ بواور اس پر انتر ہو۔ فائدہ حاصل نہ کریں نہ مما تر ہوں ابنی کرائیں بحد مخلوق کو فائد ہ بواور اس پر انتر ہو۔ فائدہ حاصل نہ کریں نہ مما تر ہوں ابنی

اتباع كردائين بكسى كے پیچے ناچلیں۔

خواص الس کی خاصیت یہ ہے سفرو صنر میں جابر وں کے خلام سے حفاظت، سا حواص اس کی خاصیت یہ ہے سفرو صنر میں جابر وں کے خلام سے حفاظت، سا دس آیتوں والی سور قریر صفے کے بعد مبعے وشام اکیس باراسے پڑھے۔ ادر تراعلہ

آ كمنت كتيرُ

الس كامعن بعده ذات واند ساست مام عنوق كوحترسمي، عظمت وكبرى

عرف اپنے سے مانے و مروں کو اس طرق ویجے جیسے با دشاہ اپنے غلامول کو امطلق وکامل طور پر اس کا تصوّر صرف الشرتعالیٰ سے ہے ہی کیا جاسکتا ہے۔

تربی بندوں بین متر وہ ہے جوزا مروعار دن ہو، عار دن کے زاہر ہونے کا مطلب معلی یہ ہے کہ جو جیزا ہس کی توجہ اللہ سے بال ہے وہ ہوجائے وا ور حق تعالیٰ کے سوا ہر جیز سے تحر آئے۔ دنیا وا خرت الس کے سامنے ہوں تے بغیرات کا زہر ہے معاملہ ومعا وصنہ و

اس کی خاصیت ہے جلالت اور خیر و خوبی و برکت کاظهور بیان کک خواص کرنے والا بیٹا ملے کا - والنداعلم -

الخَالِقُ- الْسَارِئُ- الْمُصَوِّرُ-

معظے مجھی خیال کیا جاتا ہے کہ یہ اسا ئے متراد فدہیں اورسب معنی خلق واختراع کی طرف رقبی کے حرید ہاں اس محد و کی طرف آنا کی طرف رقبی کے حرید میں معاون کے بیٹری مالانکے بیٹریال میرے منہیں بھے جوعدم سے وجود کی طرف آنا ہے وہ بہلے تقدیر رمنا سب ندازہ) کا فحق ج ہوتا ہے ، دوسرے اس تقدیر کے مطابق اسیجا دکے بعد تصویر کا ۔ انتازت کی ان قدیر کے لیا طریح خالق ، مطابق اسیجا دکے بعد تصویر کا ۔ انتازت کی انہترین صورتیں بنا آنا ہے۔ اسیجا دکے لیا طریح دوست کی انہترین صورتیں بنا آنا ہے۔

مُصَدِور ہے۔ سوافٹر تعالیٰ کے بے محسور کانام اس وج سے ہے کہ اس نے مخلوق ک بہترین صورتیں مرتب فرائیں۔ یافعل کی سفات یں سے ایک صفت ہے ، اس کی خیقت صرف وہ ہی جانتا ہے۔ جو کا ثنات کی تمام در توں کوجانتا ہو۔ اجھالانجی تغییلاً بھی۔ كيونك تمام كائنات ايك شخف كى طرح سے جو مختف اجزأ واعضاً سے مركت ہے جن كے لينے اپنے اغراض ومقاصد ہيں كامنات كے اجزأ أسمان ستار سے دمينين ماورج يكهان ميں ہے -مثلاً يانى - بهوا . وغير ميں جن كواكس في ايكم صنبوط ترتيب برمرتب فرمايا بسي كدوه ترتبيب بدل جائے تونظام كائنات تباه بوجائے اور اجزائے كائنات نواه کتنے بی چیو تے بول ال کی تصویر موجود ہے بہال کک کرچیونٹی اور ذرہ میں بھی۔ بلح كاثنات كے برم جزئيں يہى بات ہرجيوان ونباتات كى ہے - بلح ہرجيوان ونبا كے ایک ایک جز كى يحرجن كاشد ح وتفيركسى كماب بين سي كا جاسكتى -متعظمة ابندے كالس اسم مُصوّر سے اتنا جِسَد ہے كہ اس كے ذہن مين تمام كائنات كا وجود ابني اصلى بيئت وترتيب كيساتدموج وبويهان مكركمة م كاننات كي تصويرانس كيسا من اس طرح آجا ت كويا وه اسع ديكوربا ہے۔ پھرکل سے تفصیل کی طرف آئے۔ بیں انسانی صورت پر اس سے بدن واعضا کے اعتبار سے عور کرے بھرائس کی قسمول ، تعدا د، ترتیب اور ائس کی تخلیق و ترتیب کی حكمت معلوم كرسے يجرانس كى صفات معنويدا وران معانى تربعيف برغور كرسے جن سے اس كے معلومات واراده كا تعلق ہے - يونهى جبال كك بوسكے ظاہرى و باطنى طوربر حیوانات و نبا آت کی صورتین بیجائے۔ بیما ل کم کرتمام صورتین اس کے ول میکھل ہوجائیں۔ یہ تمام معلومات اس کی صدرت جمانیہ کے معلوم کرنے کا ذریعہ بن گی جو تركيب ووحانى سے مختصر اور اس مين فرشتول كى معرفت ، ان سے مراتب ياسانو ادر ستاروں میں جوکام ان کے سیٹر دہیں اورج راہیں ان کیے یعے مقرر میں -ان کی معرب

بعرانسانی دلول میں بدایت وارشا د کاتفترف ایجیر حیوانات میں ان اکمورکی رامنیانی کا تفترف. جوان کی حاجت براری کا دسید بن سکیل مید ہے الس اسم مقد سم میں بندے کا حقد اس سے بندہ اسم صور کا علم صاصل کرسکتا ہے۔ اگرچ بطور مجازی کیول زہو کیونکہ یعلمی صور تیں ا سحقیق سی بے کدانند تعالی محبید اکرنے سے بی بدا ہون میں رما آغالق السے سوائس اسم مقدس میں میں بند سے کامحض و ورکامیانی تعلق ہے۔ ایس کی وجہ بر ہے کہ خلق واسیجاد کا دارومدارعلم محصطابی قدرت سے استعمال برے - اوربندے کے یا اللہ في علم وقدرت بيدا كي من اورودا بني مقدورات حاصل كركم بيدا كي مندا صنعتين . سياسيات عبادات ، مجامدات ، للذان أمويس بنده موجد كى طرح سے جن كا يہنے وجود نہ تھا کیونکوسٹ میں میں شطر سے کی اسیجا دکرنے والے کوئیں کہا جائے گاکد وہ اس ہے بہی مال ریاصنتوں اور مجاہدوں کا ہے بیماں مک کریدنام وضع کرنے والے پر مجازاً بولاجا شے گا۔ اور انٹرتعالیٰ سے کچھام وہ ہم جو بندے کی طرف مجازاً منقول ہیں۔ ال کی کافی تعب دو ہے۔ کچھنام ایسے میں جربندے سے بیے میں اور اند کے حق میں مجازا بولے جاتے ہیں مثلاً ۔ صبور ۔ شہر کور و فیرو ۔ یدمنا سبنہیں کرنام کامشارکت ويحد كراكس مدے فرق كونظر انداز كر ديا جائے.

معراص اس دخالق) کی خاصیت یہ ہے کہ دھی رات کو کچھ وقت اس کا ذکر کیا محواص اسے تو ذاکر کا دل اور چہر د نورائی ہوجائے گا۔ اربیین ادریسیئر میں ہے تاخیالی مین التہ اوریسیئر میں ہے تاخیالی مین التہ اوریسیئر میں الکتہ میں التہ اور میں التہ اور میں التہ اور میں الکتہ الکتہ میں الکت

اَلْبَارِئُ

اس كى خاصيت ير بي را فات سيجينے سے يدوزاندننو بارسات دان سا

بڑھ۔ یہاں کک کر قبرین مٹی کے اثرات سے مجی مخوظ رہے " وافتراعلم ۔
" آربعین ادریسیڈ میں ہے۔ یا بجاری آلتنگوئیں بلا مشال خیلا مین عشید ،
مشہرور دی نے کہا ،انس کے ذکر سے امیری ،عِزْت ادر آفات سے بچاؤ کے دروازے کھی جا ہے کہا جا ہے ہیں اور اکر شخی مربح کا کے اوپر ٹمکایا جائے اسے فائدہ دسے ۔اسی طرح خلر ناک ہجاریوں کے یہے ہی۔
ناک بچاریوں کے یہے ہی۔

آلتقسوِّرُ

الس کی فاصیت ہے اُمورِ عجید میں مدد دینا اور عیل فلا ہر ہونا وغیر دفعل کی اچی انگری فلا ہر ہونا ، بیمال کہ کر بانبی عورت اگر سائت دن روزہ رکھے اور غروب ناب فاب کے بعد روزہ افطار کرنے سے بہلے اکمین بار پڑھے ، بانبی بن جاتا رہے گا اور اور تُد کے حکم سے ایس کے بعد روزہ افطار کرنے سے بہلے اکمین بار پڑھے ، بانبی بن جاتا رہے گا اور اور تُد کے حکم سے ایس کے رحم میں بہتے کی تصویر بننا شرع ہوجا ہے گی .

ٱلْغَفْتَارُ

اس کامعنیٰ ہے وہ وات ہوا چھائی کوظا ہر کرے اور بڑائی کوچگیا ہے، مثلاً گناہ وغیر جبند سے کی ہیں سُتر لوپشی ہے ہے۔ الشدنے اس کے باطن میں مجیا ویا جوظا ہری حسن میں جھیے ہوئے ہیں ، سوچے کہ بندے کی ظاہر الشدنے اس کے باطن میں مجیا ویا جوظا ہری حسن میں جھیے ہوئے ہیں ، سوچے کہ بندے کی ظاہر نظا ست اور اندر کی کتا فت میں خوبھورتی و بدھٹورتی میں کتنا فرق ہے۔ اب ظاہر کو بھی دفا ست اور اندر کی کتا فت میں خوبھٹورتی و بدھٹورتی میں کتنا فرق ہے۔ اب ظاہر کو بھی المحت و کہ کہ میں ہیں توان کو پوشید کر دیا۔ تکہ کوئی اس کے قبلی رجانا ہے کونہ و کیجے۔ اس کے دل میں جو بڑے وسوسے ، وھو کہ بازی، خیانت و رخیالات باطلہ آتے ہیں ، اگر وہ دیگوں کو معلوم ہو جائیں تو دوگ ایس کے وشن میں کہ دائیں میں جو بائیں تو دوگ ایس کے وشن میں کہ اس کے وقتی ہے کہ اس کے وابی میں جو بائیں تو دوگ ایس کے وشن میں کہ اس کے وقتی ہے کہ اس کی جان کے وزیدے ہو جائیں اور جلاک کرڈ الیں ۔ تیسٹر بردہ ہو تی ہے کہ اس

ك وه كناه بخش دينے ، جن كى بنا پر وہ لوگوں كے سامنے ذليل ہوسكتا تھا۔

منعن منصف ہونا تابستر چیزوں کو دوسرے سے چیائے۔ نبی

مسی افتہ علیہ ولم نے فرا یا " بوکسی مومن کی ستر نویشی کرے اللہ قیامت کے دن اس کی ستر نویشی کرے اللہ قیامت کے دن اس کی ستر نویشی فرائے گا " غیبت کرنے والا و دو سروں کے حالات کی ٹود میں رہنے والا اور برائی سے برلہ لینے والا الس میں شامل نہیں .

غفاری خاصیت بخشش من جوکونی نماز جمعه کے بعد سنواراس خاصیت کے اور کر کے اس کے ایسے خشش کی علامتیں ظاہر ہوں گی۔

اَلْقَهَارُ

اس کا مطلب جواپنے ظالم وجابر وشمنوں کا غلبہ توڑے ۱۰ ان کو ذلیل کرے بہت وہ جس کے قہر وخصنب اور قدرت کے سامنے ہر موجو قتبے لبس ہو، اس کے قبضد میں عائز وہ میں مندوں میں قبار وہ ہے ، جواپنے وشمنوں کو دباکر رکھے اور انسان میں موجو کی مستحلی کے وشمن سے وشمنی کرے یعنی وہ نفس جواس کے دوبیلو وُں میں موجو کے جواس شیطان سے بڑھ کر اس کا وشمن ہے ، جس کی وشمنی سے وہ وُڑ تا ہے ۔ کیونکو شیطا نفس کا تابع کو انتراف کو گرفت میں کر لے گا۔ بقینا شیطان کو گرفت میں کر لے گا۔ نفس کا تابع کی خاصہ یہ ہے کہ ول سے دنیا کی مجتب ، غیر اللّذ کی عظمت اور ایس کا خاصہ یہ ہے کہ ول سے دنیا کی مجتب ، غیر اللّذ کی عظمت اور ایس کا خاصہ یہ ہے کہ ول سے دنیا کی مجتب ، غیر اللّذ کی عظمت اور ایس کا خاصہ یہ ہے کہ ول سے دنیا کی مجتب ، غیر اللّذ کی عظمت اور گا۔ سور کے گا وروشمن پراس کے غلیے کا انز ظا میر ہوگا۔ سور ج کے طلوع کے وقت اور آدھی رات کو ظالم کی بڑوی کے لیے سؤا بر یہ پڑھے ۔ تیا خیب اُٹ و قیت اور آدھی رات کو ظالم کی بڑوی کے لیے سؤا بر یہ پڑھے ۔ تیا خیب اُٹ و قیت اور آدھی رات کو ظالم کی بڑوی کے لیے سؤا بر یہ پڑھے ۔ تیا خیب اُٹ و قیت اُٹ کا انتراف کی انتراف کو کیل کے دیستو ابر یہ پڑھے ۔ تیا خیب اُٹ کے تیا کہ اُٹ کی قدیم کے ایک نوان کی بڑوی کے لیے سؤا بر یہ پڑھے ۔ تیا خیب اُٹ کے تیا کہ اُٹ کی قدیم کیا کہ کے انتراف کیا گرائے گئیں الست یہ ہے ہے سے بھر کے دیے گئی کے دیستو کیا گئی کی کو کو کی کے دیستو کیا گئی کی کو کھوں کا کہ کا کو کھوں کا کہ کو کے دیس کی کے دیستو کیا گئی کی کو کھوں کے کہ کے دیستو کیا گئی کی کو کھوں کے کیا گئی کی کے دیستو کیا گئی کی کو کھوں کے کھوں کا کھوں کا کھوں کے کہ کو کھوں کیا گئی کی کو کھوں کے کہ کو کھوں کے کہ کو کھوں کے کہ کو کھوں کے کیا گئی کی کھوں کیا گئی کی کو کھوں کے کہ کو کھوں کے کہ کو کھوں کے کہ کو کھوں کے کھوں کا کھوں کے کھوں کے کھوں کو کھوں کے کھوں کے کھوں کو کھوں کے کھوں کے کھوں کو کھوں کے کھوں کے کھوں کے کھوں کے کھوں کے کھوں کو کھوں کے کھوں کو کھوں کے کھوں کے کھوں کو کھوں کے کھوں کے

ٱلْوَهَابُ

معنی ہد، عطیہ جوعوض و غرص سے خالی ہو بجب کوئی کثرت سے ایسی عظا کرے، وہ جوّاد و و آباب کہلاتا ہے۔ اور حقیقی جوُد، ہمتہ اور عطا کا تعتورا لٹرتعا کے ہی سے کیا جاسکتا ہے۔

موں اندے سے جُردوہ ہے کا تصور نہیں کیا جاستی کیونکدوہ جب کم کام کرنا۔
سخلی اندر نے سے بہتر نہ ہو، نہیں کرنا - للذااس کا یہ اقدام غرف نفس کے یا ہے - بال جو کوئی اپنی تمام ملکیت بیمال کے کہ جان بھی افتدی رمنا جو کی میں خرج کردے - جنت کی نعمتیں ماصل کرنے یا جہتم میں عداب سے بیجنے سے یا نے نہیں ، دنیا وا خرت میں انسان جو صفے وصول کرنا جا ہتا ہے ، ان کے یہے جی نہیں ۔ وہی جواد و و آباب

جوکوئی نماز چاشت کے بعد ہمیشہ سنبچرد ہوکر اسکا وروکر سے اللہ محواص اسکا وروکر سے اللہ اسکا وروکر اسکا کا وروک میں اس کا وعب بیدا فرائے گا۔ اور اللہ عالم النیوب کے حضو قبولیت ما مسل ہوگا۔ میسی بات وحسول خنا کا کا کیک دیس و مستول خنا کا کا کیک دیست سے اللہ ایس وہ ہے جوشبی سے انتقالی کا کوئی ایسا اسم مقدلس وریا فت کیا ، جو مبیشہ وروز بان رکھ مکیں اس دوست نے ا

آلرزاق

معنے وہ ذات جس نے رزق اور مرزُ وق رجس کو رزق دیا جائے) دونوں کو بہدا کیا ۱۰ ن تک رزق بہنجایا ۱۰ اور کمت نفا دہ کے اسباب بیدا فرائے ۔ رزق و ۱۰ طرق کا ہے ، نفا ہری ، جزفا ہری بہنوں کی نشر ونما کے لیے ہے جیے جیے کا نے غذا ہیں و غیر اطنی ، جودلوں اور ذہنوں کے لیے ہے ۔ بیسے معارف ، مکاشفات و فیہ و و و سین باطنی ، جودلوں اور ذہنوں کے لیے ہے ۔ بیسے معارف ، مکاشفات و فیہ و و و سین سے یہ قسم انفغل ہے ۔ اللہ جس کے یہ جائے گئے کر دے ۔

مرف افغل ہے ۔ اللہ جس اقبل ہے کہ اس کی حقیقت کو سمجھے ۔ اور یہ کہ اس کا حقیق موصوف مرف اللہ تا ہے ۔ یہ دوچیز اللہ مرف اللہ کے ۔ اللہ اللہ کہ اس کا حقیق موصوف مرف اللہ تا ہے ۔ اللہ اللہ کے ۔ اللہ اللہ کا میں اللہ کے ۔ اللہ اللہ کا اور انفی محق اللہ کے ۔ اور اللہ اللہ اللہ کا اور انفی محق مول کو اللہ کے دائی زبان اور انفی محق محق علی فرما تا ہے ۔ اللہ سبب سے وہ لینے آوال وا فعال کے ذریعے دل کے بہتر اپنے عق عطا فرما تا ہے ۔ السبب سے وہ لینے آوال وا فعال کے ذریعے دل کے بہتر اپنے عق عطا فرما تا ہے ۔ السبب سے وہ لینے آوال وا فعال کے ذریعے دل کے بہتر اپنے عق عطا فرما تا ہے ۔ السبب سے وہ لینے آوال وا فعال کے ذریعے دل کے بہتر اپنے والے اللہ کے ذریعے دل کے بہتر اپنے والے اللہ کے ذریعے دل کے بہتر اپنے وہ کہتر اپنے وہ کا بہتر اپنے دل کے بہتر اپنے دل کے بہتر اپنے دل

رزق ماصل كرسكما تے۔

فواص الرخواص المركوني من المسكود وسن بار برص قبلارخ بوكردائي كون المراع المحراء والمسلام والمسن بار برص قبلارخ بوكردائي كون المراع المراع والمسلام المراع والمسلام المراع والمسلام المراع والمسلام المراع والمسلام المراع والمسلوم المراع والمسلوم المراع والمسلوم المراع والمسلوم المراع والمسلوم المراع والمسلوم المراع والمراع والمسلوم المراع والمسلوم المراع والمسلوم المراع والمسلوم المراع والمسلوم والمراع والمسلوم والمراع والمسلوم والمراع والمسلوم والمراع والمسلوم والمسلوم والمراع والمر

اَلْفَتُ الْحَ

اس کامعنی ہے وہ ذات جس کی مہر بانی سے ہربندسٹن کھک جاتی ہے،جس کی مہر بانی سے ہربندسٹن کھک جاتی ہے،جس کی رہنمائی سے ہربندسٹن کھک جاتی ہے،جس کی رہنمائی سے ہرنمشکل حل ہوجاتی ہے۔ جس توممالک کو دشمنوں کے ہاتھ سے آزاد فرما ہاہے۔ اور جمعارفوں کے دلوں سے پر دسے ہٹا کر زمین واسمان اور غیب کی تبخیاں ان سے سا منے رکھ دیتا ہے۔

مستحالی نبان سے فارسے اسلام کے ایسا ہوجانا چا ہیے کدائس کی زبان سے فارسے مستحالی است فارسے کے اس کی زبان سے فارسے مستحالی استعلق مسئل مسائل مل ہوں اور دین و دنیا کے جومسائل دو مسروں کے سے مسئل ہُوں اللّٰہ کی مدد سے مس کے بیلے اسان ہوجائیں اکد اسسم فقاح کا فیص اسے مصر ما ما میں مدد سے مسل کے بیلے اسان ہوجائیں اکد اسسم فقاح کا فیص اسے مصر ما میں م

ی ماسل ہو۔ خواص اس کی خاصیت یہ ہے کہ کام اسان ہوتے ہیں، دل روشن ہوتے

ہیں ۔ فتح کے اسباب بیسر ہوتے ہیں جوکوئی نما زفجر کے بعد سینے پر ماتھ رکھ کر اکہ تر مار پر سے اکس کا ول یک ، باطن روسٹن اور کام اسان ہوجا سے گا۔ رزق وغیرہ کی کشائش ہوتے پر سے اکس کا ول پک ، باطن روسٹن اور کام اسان ہوجا سے گا۔ رزق وغیرہ کی کشائش ہوتے

الْعَسِلِيْمُ

کی معنی ہے فلا ہروا وراسکا کی لیے ہے کہ مبرتے اس کے احاظ علم میں ہو ۔ یہ بات
سخرت معنومات ہے ہوتی ہے ، جس کی کو ٹی صدنہ ہو علم کی صفت اس ذات میں اس طرح واضح
ہوکہ اس سے بڑھ کرکسی مشاہدہ وکشف کا تھتورنہ ہوسکے۔ وہ معنومات سے حاصل نہ ہو مبک
معد مات ایس سے حاصل ہو۔

من المنافق المراشد كے علم ميں تين طرح كا فرق ہے - الله الله علم ميں تين طرح كا فرق ہے -

فاصیست ای میمور فت عاصل کرے گا . جیسے اس کا حق ہے برت بران معل برا ہو وہ اللہ میں ہے جس برا فتہ کے اسلامین کے اس کا حق ہے برت برنستا العاد "
میں ہے جس برافتہ کے اسرار میں سے کو کی مرشہم ہوالس برہمیشہ علی کرے جو مانے گا بیسنہ و کا جس چیزی حک سے اس کا عرب چیزی حک سے اس کا اگر صغت خدا وندی کا وروازہ کھون جا ہے گا معلوم کر لے گا اگر صغت خدا وندی کا وروازہ کھون جا ہے اس برعلم وعمل کا وروازہ کھل جائے گا - اور الفتہ کے نامول میں علقہ م الفینو ب بسی ان کر رہے جو کوئی سینف ندا سے اس کا ذکر اس طرح کرے ۔ کیا علقہ م الفینو ب بسیان کے راس بر اس کی افر غالب آ جائے، وہ عینی باتیں جائے گا - اس بر دلوں کے راز ظا مرموں سے ۔ اور اس کی رُوح عالم بالای طرف ترقی کر ہے گا کا اس بر دلوں کے راز ظا مرموں بیان کرے گا - اس بر دلوں کے راز ظا مرموں بیان کرے گا - اس بی دلوں کے راز ظا مرموں بیان کرے گا - اس بی دلوں کے راز ظا مرموں بیان کرے گا - اس بی دلوں کے راز ظا مرموں بیان کرے گا - اس بی دلوں کے راز ظا مرموں الشقادی پر جو کوئی ہمیش کی کی جب کی میں ہے سا ور مرنماز کے بعد شوبا ریڑھے ۔ صا حب کشف ہون جائے گا میں اور مرنماز کے بعد شوبا ریڑھے ۔ صا حب کشف ہون علی ہو المنا کے المی خوب ہونی اور ہونی اور مرنماز کے بعد شوبا ریڑھے ۔ صا حب کشف ہون علی ہون اور میں اور میں اور مرنماز کے بعد شوبا ریڑھے ۔ صا حب کشف ہون علی ہون اور میں اور

وَلاَ بَوُد الله مِينَد وت ما نظ برقرار ب كانسيان وور بوكا - والنداعلم -

اَلْقَالِينَ، اَلْبَاسِطَ

معنے وہ ذات جوموت کے وقت ہجموں سے دوحوں کو قبض کرے۔ اور زندگی

دیتے وقت رُوحوں کوجہموں میں چوڑ دے۔ امیروں سے صدقات وصول کرے اور

کز در وں کا رزق فراخ کرے ، امیروں پر آنا رزق فراخ کرے کہ فقر وفاقہ نہ رہے۔

ادر غریبوں پر آنا تنگ کرے کہ ان میں طاقت ندر ہے۔ ولوں سے اپنی تظر کوم ہٹا کر

انسین کیر نے اور لینے لطف وکرم سے ان کورکی کی طاقت و توفیق دے کر دسیع کردے۔

انسین کیر نے اور لینے لطف وکرم سے ان کورکی کی طاقت و توفیق دے کر دسیع کردے۔

ویری کی جسیل اور جامع انسین کو جیب و غریب جسین اور جامع میں انسین کو جیب و غریب جسین اور جامع میں کردے۔

انسین اس کی نعمیں وعطانیں یا و دلاتے ہیں اور کہی ان کوسکیٹر دیا جاتا ہے کہ وہ الس کے جلا انسین اس کی نعمیں وعطانیں یا و دلاتے ہیں اور کہی ان کوسکیٹر دیا جاتا ہے کہ وہ الس کے جلا کریا تی اور طرح کے امتحان وعذاب سے وٹرنے لگتے ہیں۔

کریا تی اور طرح کے امتحان وعذاب سے وٹرنے لگتے ہیں۔

بردن ایک نقر کھا ئے اسے بھوک کی محلوں کی کی میں ہے۔ بردن ایک نقر کھا ئے اسے بھوک کی محلوں نہوگا۔

اس کی فاصیت ہے ہرچیز فرانی یضوصاً رنق میں ہوکوئی جاشت اگستا میسط کی خاز اواکر کے دسٹل باراس کا ورد کرے اسے فرخی حاصل ہوگا۔ اور جوکوئی اسمان کی طرفت ہاتھ اٹھاکر دسٹل بار پڑھے اور چیرے پر ہاتھ بھیر ہے ۔ اسسے بیاتی کا دروازہ کھول دیا جائے گا۔ وانٹدا عمر۔

دی کا دروازہ مول دیا بھتے کا ۱۰ واقد اہم ۔ اَلْخَسَا فِیصِی اَلْخَسَا فِیصِی اَلْخِسَا فِیصِی اَلْوَافِیعِ ان کا مطلب ہے وہ ذات جرکفار کو برنمتی کے ذریعے بہت اورسسمانوں کوسعاد

ے ذریعے بند فرمائے ، اولیا کو قرئبت سے ذریعے بندا دراپنے دشمنوں کو دُوری سے ذریعے بست فرمائے۔

من فی اس میں بندے کا صدید ہے کہ جی کو بان اور باطل کو لیت کرے اس طرح کے مدد اور اہل باطل کی سرزنش فرائے۔

خواص نوری اور غم و گور ہوگا۔

مونوظ ہو۔

کی خاصیت یہ ہے کہ جو کوئی اسے متر بار بڑھے ظالموں اسکوشوں سے معفوظ ہو۔

معفوظ ہو۔

المُعِيزِ آلْتِ اللهِ

عافل کردے بندے کا صد النز کے اسم گرامی آئٹ لے میں یہ ہے کہ وہ باطل اور ابلِ باطل کو ذیل کرے۔

التمييع

معنے ہے وہ ذات جس مے علم سے کو ٹی سُنی جانے والی خبر دہشید ڈنر ہے ۔ خوا و کیسی ہی دہشیدہ کیوں نہ ہو ۔ کانوں سے یاکسی ذریعہ آلدکی مدد سے سُننے سے پاک ہے۔ دبغیراسیاب کے شنتا ہے)

اس کی فاصیت دُعا کی تبولیّت ہے، جو کو کی جعارت کے دن ،نمازیا خواص حواص کے بعد اسے پانچ شو بار پڑھے بمغبول دُعا ہوجا ہے گا۔

آلبَصِيْر

معنی و و جومشا بدد کرے اور دیھے ، زمین کے نیج بھی کوئی چیزاس سے اُوقبل نہ

رد سے۔ بس کا دیکھا بھی الداسباب کے ذریعے مشتقش ہونے سے منز ہ ہے۔

المحمول سے دیکھنا اور محسول کرنا ، بندے کے لیے یہ حقہ تو وا ن ہے بہ

مریکا ہ انس کے بیے اس لیے بیدائی گئی ہے کہ وہ زمین واسمان میں قدرت کی عجیب و

مزیب جیز ہیں دیجے اور اسکا دیکھنا صرف عبرت کی خاطر ہو، اور بھین جانے کہ وہ اللہ مند من خواطر ہو، اور بھین جانے کہ وہ اللہ کی فوت سمع و بھر کے ساسے ہے۔ بس وہ اللہ کی نظر سے چیئے ہیں سکتا جس نے غیار مند کی فوت سمع و بھر کے ساسے ہے۔ بس وہ اللہ کی نظر سے چیئے ہیں سکتا جس نے غیار مند سے ایسی چیز چیپائی جے وہ اللہ نے ہیں چیئیا سکتا ، وہ اللہ کی نظر میں ذہیل ہوگیا۔

سے ایسی چیز چیپائی جے وہ اللہ نے ہیں چیئیا سکتا ، وہ اللہ کی نظر میں ذہیل ہوگیا۔

مواصل کی خاصیت ہے تو نیق ملنا جس نے نما زجھ سے پیسلے اسے تناو بار

الحكية

اس کامنی بے پیکا فیصلہ کرنے وال جس کافیصلہ کوئی زونہ کرسکے اور ندکوئی اسکے حکم بیرگرفت کرسکے ، بندوں کے یہے اس کاحکم یہ ہے کربندے کاحتی صرف اس کے جہ سرکاحکم یہ ہے کہ بندے کاحتی صرف اس کے جہ بندوں کے یہے اس کاحکم یہ جہ کربندے کاحتی صرف اس کے جہ بندوں کی داور کے اور کے اور بین کامن کی کوشش کوعن خریب دیکھا جائے گا ۔ اور بین کمار کے ناور بین کمی کمی مجتم یسید ہوں گے ۔ اور نیک بیر

کے لیے۔ بیکسنحتی و بدبختی کے فیصلے کامطلب ہے کرنیکی ابدی کواپنانے والے سے لیے بيك بختى يا برختى تك مهنجة كاسبب بنايا بيكى نيك أومي كوسعادت كي طرف الديدي مُدكار كوشقا وت كى طرف بايحق سے - جيسے دوامين ا ور زہركدانے عامل كوشفاً و ملاكت كم يہنيان ہیں بجب کرحکمت کامطلب ہو، اسباب کوترتیب دسے کرمستبات کی طرف ٹوڈنا ، توانڈ تعالیٰ کا حکم مطلق ہوا ،کیونک تمام تفصیلی واجھالی اسباب کامسبتب وہی ہے۔اور حکم سے فيصله وتقديرسيدا بوشتهي سوالس كى تمييزى دراصل اسباب كاركح عشبتبات كى طردن موردتی ہے ۔ اس کا حکم اور اسباب گلیہ اصلیہ شابتہ موج وہ ایسے ہیں جوزی سکیں، نرچیری مثلاً زمین سائت آسمان ، ستارسے، افلاک ا در ان کی دائمی مناسب حرکا جونه بدلين، ندختم بول مّا وقليكدا لنُذكا تكفا فيعسله ابني مدت كوبينيج - جيساك فران باري تعالىٰ ہے۔ نَعَضَاهُنَّ سَبُعَ سَهٰوْتِ فِي يَوْمِيَسِيْنِ وَادُحَىٰ فِي حَكُلَّہ ستستاً ؛ أتمسر هساً - اوران اسباب كوح كاش مناسبه محدوده ، مقدر ، محدوب سيمستبات حادثرى طرمت لمحدبه لمحدموث واليبارى تعانى فيان كا اندازه مقرر فرایا ہے سو محم تدبیرا قال کی ، امراز لی ہے ، جوبک جیکے کی طرح ہے۔ اور قضائے اسباسبكليد وانمركوترتيب دينا جدا ورقدراسباب ككيركوان كى حركات مقرره محسوب سے ان محمستبات کی طرون مورنا ہے جومعدود اور ایک حدیک محدود بیں. نرموس ند کم ہو۔ اسى يەكوكى چيزاس كى قىنا وقدرسے بالېزىسى بوتى.

مستخلی اس صغت سے موصوف ہونا توفلا ہر ہے اور النّد کے اس وقت سے دینی شاہم مستخلی ایر ہے کہ النّد کی طرف سے ہرکام کافیصلہ ہو بچکا ہے کوئی نیا کام نہیں ہوتا جو ہو تھا اس کی تحریر کرے قلم ہوگئی ۔ اسباب اپنے مسبقبات کی طرف متوجہ ہو گئے۔ اور وہ انہیں زیر محمد کے شان کی مدتیں قطعی لازمی ہیں جس نے عالم وجر دمیں آنا ہے ، لازمی آنا ہے ، لازمی ہیں ہو تو اسل ذات ہیں واجب نہ ہو دیکی اس ازلی فیصلے سے واجب ہو گیا جس نے ممان نہیں ہو

معوم ہُوارجی کا فیصد ہوجیکا وہ ہوگا اور فکومن فضول ہے یشدنی ٹل نہیں سکتی الس بر فکومند ہونے کاکوئی فائدہ نہیں، ہونے والی برمغوم ہونا جہالت ہے، کیونکہ جب سی چیز کا ہونا مقدر ہوجیکا تواس سے ڈرنا ، اُسے ٹال نہیں سکتا ، بلحدا کی طرح سے غم والم کوجلد کونا ہے، اوراگراس کا ہونا مقدر نہیں تو بھراس برخوف زوہ ہونا ہے معنی ہے ۔ ایس وجہ سے مغموم ہونے کی بھی کوئی وجنہیں۔

اگرتم که جب تقدیر کامسند مے ہوجیکا توعمل مستند تقدیم میرسوال وجواب کی میا صرورت ہے جرسبب سعادت و

شقاوت توگزرچکا ہے توانس کا جواب بی صلی الله علیہ وسم کا یہ فرمان ہے بڑا ایف سندگیٰ تعكن مُيتَّدٌ يستا خسيلة كسنة " ربخاري وسلم وغيرهما ، جركامطلب سيحب کے پیسعادت مقدر کی گئی ہے ،کسی سبب کے ساتھ کی گئی ہے سوائس کے ہے اس کے اسباب میسیر بہوں گئے۔ بعنی اطاعت ۔ اورجس کے لیے برشختی مقدّر کی گئی ہے ۔ اسے اس کے اسباب مصتعلق كمياكيا ہے اوروہ ہے اسباب سعاوت ان كامعول ندبنا أيجمى اس كى بطالت كاسبب يربونا ہے براس كے دل ميں يہ بات بيله جاتى ہے كراكرمين سعادت من دېۇن توعمل كى كوئى صرورت نىيىن « در اگر بىرىجنت بۇن توعمل تھے كوئى فائد ەنىيىن وسے سکتا و حالا بحد میں جہالت ہے۔اسے معلوم نہیں کہ اگر سعید ہے تواسی ہے توسعید ہے كراس ريسعا وت سے اسباب جارى ہيں تعنى علم وعمل، اور اگر بيت تنهيں اور پرجارى مين تومین اس کی بہنچی کی علامت ہے الس کی مثال یہ ہے کہ جو تحق فقیدا ور درج محبته دیک مینے كى تمنا كرسے تواسے كما جا ئے كاكوشش كر، علم حاصل كر، اورسلسل محنت كر. اس بروہ كيے اگرازل میں انٹرنے میری امامت کافیصلہ کردیا ہے توجھے محنت وکوشش کی کوئی صرور نہیں۔ اور اگر اللہ نے میرے جاہل ہونے کا فیصلہ کردیا ہے توجد وجد سے مجھے کوئی فائد نه بوگا تواسے کما جائے گا اگر تھے پر بہی سوچ مستط رہی تویہ ایس بات کی دلیل ہوگی کما لند

فے تیرے جابل ہونے کا فیصل کر دیا ہے ، کیؤنکدان ل میں جس کی ا مامست کا فیصلہ ہوچکا ، اسبار امامت کےساتھ بُوا ۔ وہ اسباب اس پرجاری ہول گے۔ اور وہ ان اسباب کو انسامت كے يداستعال كرے كا اور الس سے اليي سوح ، جستى اور شهل ليندى كا توكر كرے ، وور كى جائے كى - توجو شخص جد وجهد نه كرے قطعاً ، رجه اما مت بر فائز نهيں ہوسخا، اورجو مخت كرسے گائس كے يلے دسائل مئيّا كرديئے جائيں كے كدائس كى مقعدتك بہنچنے كى اُمسيد سیح ہے۔ بشرطیکہ خردم تک محنت وکوشش میں مصروف رما اور رکاوٹ ڈالنے والا كوتى حا وتدميش ندايا واسى طرح يه باستعجمجنى جا سيئے يمسعا دت صرف وہ حاصل كر سكنا ہے ، جوا دلتر كے حفوقلىكىلىم كے كرها صربوا- اور دل كى سلائتى الىلى سنت بے۔ جرمحنت سے حاصل ہوتی ہے، بالکل صفت اماست کی طرح ، اوپرسے تہنیں آتی ۔ با مشاہد حكم ميں بندوں سے كئى درجے ہیں۔ بچھ خاتمہ د پچھتے ہیں كہ خاتمہ كيسا ہُوا - اور بچھ گزمشتہ عمال يرنظرر كمتاب يرازل مين كيافيصد برواجه يتخص بيد سافضل مع كيونك فاتر كرشة اللمال کے ابع ہوتا ہے۔ کچھ وہ ہیں جوماصنی وستقبل ، وونوں کو چھوڑ ویتے ہیں۔ یہ ابن کوت بیں ۔ اپنے وقعت کو دیجھتے ہیں ۔ انٹرکی قدرت کے فیصلوں پر راحتی رہتے ہیں کہ دیجیس کی ظا مربونا بسے بدوگ يسك كرود سے اعلىٰ بيں بچھ و دميں جوماصنى مستقبل ، حال كو حيور كروطهم النى برول مين معروف ربت بين بميشه مشابد معين ربت بين اورميى بن

الْعَدلُ

معن عادل وه ذات بعض سي فعل عدل صادر بو جوجور وظلم كى مند بعج

رل كى مبيجان مهيں ركھنا ، وه عاول كومبيجان نهيں سكنا جوكسى كے فعل كونهيں جانبا ده اس ا عدل كونهيں جان سكة . سوجوكو في اس صغت كوجانا جا ہے السے اللہ كے انعال اپورا علم حاصل کرنا چا ہیے عالم بالاسے ہے کرشخت الٹری کک۔ اور انسان کو اپنے ل كى طرفت ديجنا چا ہيے كه و مختف اجزاً سے مركب ہے بالكل اسى طرح جيسے بدن ثنات ، مخلف اجسام سے ۔ اور جو چیزجس جگر سید اکی گئی صرف اس لیے پیلا کی گئی۔ وہ جر اس کے یا متعین کی گئی۔ اگر اس ترتیب کو اکث دیا جائے تو نظام کا منات بم برہم ہوجائے۔قسم مے موجودات بیدا فرائے جسم می رُو جی کا مل بھی۔ فعرجی - ہر شے کو تخلیق کیا . جود وعطا سے کام لیا - ہر شے کو اسس کے موقع محل مرتب وایاب و و عدل ہے۔ یہ ایک اسمِ مقداس بعدل، ہے۔ جس کی شرح کئی عبدو ل میں وسكتى ہے يون حال ہے اس سے باتى اسم شيخستى كا يميزيد وہ اسم جو افعال مسادي منتق بیں الس وقعت مکسیجومین میں سے جب کے ان افعال دمنسا در ہوا ورخاسے منتق بیں الس وقعت مکسیجومین میں اسے جب کے ان افعال دمنسا در ہوا ورخاسے می ا نشد کے بونے والے افعال کوسمجھانہ جائے۔ اسے حب شخص کوان تمام کانفیسلی علمہ میں وہ صرف تفسیلرور گفشت کی و مشاحت ہی کرسخا ہے۔

اعدل میں افسان کا حد پہنے ہوئی۔ اور سے بیسے اس پرجوعدل لازم میں اور سے بیسے اس پرجوعدل لازم میں کے اشارے کے دو صفات نفس میں معلق ہے ۔ یواں کہ شہوت وعدہ کو دین و معل کے اشارے کے تحت قید میں رکھے اس کی تنفیس کو سے کہ تمام حدود فرشر عمیا کی لاظ کو سے سرعفنو سے انفعا ف یہ ہے کہ اسے اس موقع ومحل پر استعمال کرے جس کا شرع منفیح میا ہے ۔ بھرا بل وعیال ، برٹ تہ دارا در رعیت سے اسکا حدل دہشید شہر سو میں کو بھر ایک میں کو تعالی میں ہند سے کا حقہ یہ ہے کہ اللہ کے عد اللہ کے اس میں ہند سے کا حقہ یہ ہے کہ اللہ کے عد اللہ کے عد اللہ کے عد اللہ کے عد اللہ کے اس میں ہند سے کا حقہ یہ ہے کہ اللہ کے عد اللہ کے عد اللہ کے عد اللہ کے اللہ کا میں کہ کہ اللہ کے اللہ کا میں کہ کہ کہ دیا ہے ۔ بھران کی کو اللہ کے اللہ کا میں کہ کہ کہ دیا ہے ۔ بھران کی کو اللہ کی کہ دیا ہے ۔ بھران کی کو کہ کے سب عدل ہے ۔

اَللَّطِيْفِ

اس نام کمستی صرف ده ذات سے ،جمصلحتول کی باریکیاں اور گرائیاں اور بحة سنجياں جانے ، بھرنری سے ان مے حاصل کرنے میں راہنا فی فرا کے بیخی سے نہیں ورعلم دعمل میں کامل طور پر انس صفت کا صرف انڈ تعالیٰ سے یسے تصوّر ہوسکتا ہے۔ اس کی پوری مشرح کئی جلدوں میں نہیں سماسکتی - ہاں اس سے بعض گوشوں کی طرف اشارہ كيا جاسخة بع سوالتُدتعالى كابك تطعن جنين كوشكم ما در كحتين اندهيرون مين بيداكرنا ہے۔ پھرنا ف کے ذریعے اس کی حفاظت اور غذا کا بند وبست کرنا بہا ل مک کروہ اس سے جدا ہوتا ہے ، پھرستل طور پرمنہ کا استعمال کرتا ہے ۔ بھر بیدائش سے بعد اللہ الهام سے مال کابستان مندمیں ڈانا اور مچوسنا ، بغیرتعیم ومشاہدہ کے .خواہ رات کے اندهیہ سے ہوں مجرحب مک واود صال مام میتا ہے۔ وانٹوں کی بیدائش میں انجر کرنا ، مجر کھانا چہانے کے لیے دانت پیدا فرانا بھردانتوں میں یکتیم مرچودے جانے سے یاے والمحیں توڑنے کے یا ورسا منے محتیز وحارکا شنے کے یا بھرزبان کوجس كى ظام رغر صن وغايت بون بي كما ناجبان بين استعال كزا وغير - اور التُدتعالى كابندو يراكب لطعن يه به كدان كوضرورت سے زيا وہ ديا اور طاقت سے كم كليف دى -الس كالكيد لطعث يربي كرتمورس عرصهي يعنى عموط عمعولى ممنت سے المبيشر كى معادت و

کامرانی تک مینجابندوں کے لیے آسان فرایا الس کا ایک نطف خون وگوبر کے درمیان سے خانص و دووہ مکتی سے شہد ، کیڑے سے رسیٹم اور سیبی سے مونی نکالنا ہے ، اسس سبب سے عجیب تربیک گندے نطفے سے ، اپنی معرفت کا ابین ، اپنی ، مانت کا حامل اور کائنات ارمنی وسما وی کاشا ہد بنایا - بی جبی ایسا فن ہے حبک شا دمین نہیں ،

موسی اس وصف سے بندے کا جھتہ، انٹر کے بندوں سے نطف و نری سے بیش مسخلی این بیار سے ان کوا دیٹر کی طرف بُلانا اور اُخر دی سعادت کی را بنائی کرتا ہے میں نظریب دیگا کا خطعن وطنز سے کام لینا اس کا بہترین طریقہ یہ ہے یک اچھے اخلاق پسندیدہ طرز عمل اور نیج کے ذریعے قبول حق کی طرف ان کو ماکل کیا جائے ۔ چوری جیر باتوں سے یہ طریق مہت بہتر ہے ۔

السرى فاصيت يہ ہے جوكوئى اسے اپنے نام كے اعداد كے برابر بڑھے خواص خواص اس سے دُكھ در و دُور ہوتے ہيں جوكوئى اسے سوّار يا بك شوّتيں ! ا برم سے اس كی ننگی فرخی سے بدل جاتی ہے - اور سركام میں اس سے تطفف وكرم كابراؤ كيا جائے گا۔

الخبير

اس کامعنے ہے وہ ذات جس پر بیٹ یدہ خبری، پوٹ یدہ نہ رہیں۔ دلین جو مخلوق سے بیٹ یدہ ہیں۔ یا یعلیم کے معنی میں ہے۔ دیکن جب علم کی نسبت باطنی بیٹ ید انمود کی طرف کی جائے اسے خبر اور اس کے موصوف کو خبیر کہا جاتا ہے۔ اس میں بندے کا جنتہ یہ ہے کہ اسے اپنی کا ثنات میں ہونے والے حالا مسمحالی کے خبر ہمواور اس کی کا ثنات اس کا بران اور دل ہے اور جن بیٹ یداد مسال میں بندے کا تنات اس کا بران اور دل ہے اور جن بیٹ یداد مسال سے میں باخبر ہمو بمثلاً وهو کہ بازی ، خیا نت ، نعنس کا فرزیب ، حیا نت ، نعنس کا فرزیب ،

کھوٹ بہت وجوٹ کو گڈٹڈ کرنا ۔ ان سے پر بہز کوے اور ان کے مقابد کے لیے تیار ہے۔

اس کا فاصد ہر چیز کی خبر دینا ہے جوکوئی شات دن اس کا ورد کرے اسے
خواص مصب منشأ ہر خبر برباطلاع ہوجائے گی مثلاً گزشتہ زمانے کی خبری، با دشاہو
کے حالات وغیر ، کتاب شمس المعارف میں ٹی نہی تکھا ہے جوکسی کے ہاتھ سے تعلیمن
برداشت کرتا ہے کٹرت سے انس کا ذکر کر سے انس کی مالت بہتر ہوجائے گی۔ والندا کی۔

اس کامطلب ہے وہ ذات جو مجرائم اور اپنے حکم کی خلاف در ر دیکھے جربی مغلوب الخفس شہو، آبے سے باہر نہ ہوا در بیجیزاے قدرت ہونے کے باوجو دھیدی انتقام لینے پر برانگئة نہ کرے دھبرے برداشت کرے) نزی بندے کا بھتہ وصدنے ملم میں واننے ہے ، میلم و بُرو باری ،انسان کی ان نزی فعل فی تو بول میں سے ہے ۔ جو لمبی چو وی تفصیل ہے سندی ہے ۔ نواص اس کی فاصیت ہے ریاست دراحت عاصل ہونا ، جب رئیس اس خواص کے انگر افتیار کرے اسے ریاست دراحت عاصل ہونا ، جب رئیس اس سے دھوئے بھر تھیلے یا ادر کار بودہ بانی مکل لے ، اس میں برکت فلا ہر ہوگی ۔ ادر کشتی برسطے تو دو دہنے سے محفوظ رہے ، چو بائے پر دکتائے تو ہر خطرے سے بچا رہے ۔ اربعین برسطے تو دو دہنے سے محفوظ رہے ، چو بائے پر دکتائے تو ہر خطرے سے بچا رہے ۔ اربعین

سهروردی نے کہا ، جواس کا ذکر کرے اس کی بات قبول ہوگی ، عِزَت بڑھے گا۔ طاقت میں اصنا فد ہوگا کہ درندہ اس کا مقابد نہ کر سکے ، نہ کوئی اور پچوکوئی لسے کاغذ پر بھے ، در اسس میں اپنے محبوب کو کھلائے وہ اسسے مجنت کرسے گا جواس کو سبب پر بھا کر محبوب اود سے دسے ، ایسا ہی افر کرے ، نا جائز مقاصد کے یصاس کا استعمال جائز نہیں۔

العظية

اس کامعنی ہے وہ وات جس کا اس خیفت عمل کی وستر ں بیں نہ کہ اور کی ہے۔

علی ہے جرتمام حدود عمل سے ورا ہوراور وہ اس مرون اللہ آر فی کی ہے۔

میں اس بندوں میں عظیم وہ انبیا واو لیا ہیں، جن کی کسی سفت کر جب عملند مربع فی ہے۔

معلق تورس کا سینہ بیبت سے بجر جائے اور دل پر ری طری ہیبت زوہ ہو بانے بیس انتری کے بیست نہوں ہے ہیں۔

المتن کے لیے بیٹری مربد کے لیے اور ستاذ شائر د کے سے خیم ہے ۔ چاند عمل فیری ماری کے ایس المشرع خیم ہے۔

اَلْغُفُوسُ

معنی غفا رہے منی سے سین اس میں جو مبالفہ ہا ہے۔ وہ فغا میں ہیں ا ایا جا آ بغفا رہی منظرت کا معنی مبالفہ کے ساتھ پایا جا آ ہے ۔ سن بنہ و میں رہ تھنے اولا میں بعد ویکڑے جرائم کو شخش ہے۔ بیہ فی قال کہ تب فس کی جہ دینا ہے اور فعل ہے را ملک کمال اور جامعیت کی سووہ اس منی میں فیون ہے ہر س کی فغر ت، م ایمن ہے میں میں ہندے کا اس صفت ہیں جھتے ہے ہم جن امور میں بہنی بدوہ پوشی ہند معملی کرتا ہے ایا ہے بھاتی کے یہے بھی کرے اور جرون اور ایون کا ذکر وہ سال

س كافيا حق سعصرف نظركرے اوراكس كمتابرس احسان كرے -

اس کا فاصر ہے دکھ ور و دورکرنا بہاں کم بنجار سے یائے تین بار بھے ہمت ر خواص ہوجائے گا-اوراگر سید کہ الاشتغفائ انکھر بانی میں کھول ہے اور وہ بانی سکر سنا موسک تنگ ہیں مبت لاشخص مے صلق میں کمیکائے اس کی زبان جلے گی اور اور اس اس بر سال ہوگی ۔ یہ بات البلالی نے تمخضرا حیاً العلوم کے اخریس ذکر کی ہے اور بار ما از ما گئی ہے۔ مثر توفیق دینے وال ہے ۔

اَلشَّحَوْمَ

منے ۔ وہ ذات جرکم عبا دت کے بدلے ابہت ورجات عطا فرمائے اورجیند روز دنیا دی بیک عمل سے عوص اخرت میں غیر محدود نعتیں عنابیت فرمائے کوجنت کی نعمیں نتم نہ ہوں گی ۔

نسخت استان سوچنا ہے کہ کسی دوسرے انسان کا نسکریہ ادا کرتے ، کہجی تواس سے بڑھ کر عبلائی کے کے عوض اس سے بڑھ کر عبلائی کے کہ اور اس کی نے کے عوض اس سے بڑھ کر عبلائی کرکے اور یہ بک بی برصال بندے کا احتماع کا شرکرنا لا ایک محدود مونوم شرخ نرے ، وہ اللہ کا نشو نرسیں کرسکتا ؟ بہرصال بندے کا احتماکا احتماکا کا نشو کر کرنا لا ایک محدود مونوم میں بوگا کیونکہ اگر بندہ اللہ کی حدوث ناکوتا ہے تواس میں بوگا کیونکہ اگر بندہ اللہ کی حدوث ناکوتا ہے تواس کی نیا ، حد تعالی کے حتی حدوث ناکوتا ہے تواس کی نیا ، حد تعالی کے حتی حدوث ناکوتا ہے توابیل آگر اس کی احل عدت کرتا ہے۔ تو بدالٹہ کی ایک اور نعمت ہے۔ بلیح نوڈ شکر کرنا بھینہ ایک اور نعمت ہے۔ بلیم نوڈ شکر کرنا بھینہ ایک اور نعمت ہے۔ بہرصال احتماع کی نعمتوں کا بہترین شکر یہ ہے کہ احسی احتماع کی فوقیق و مدو سے استعمال مذکر سے بھی احتماع کی توفیق و مدو سے استعمال مذکر سے احد کی توفیق و مدو سے استعمال مذکر سے احد کی توفیق و مدو سے بھی ہوتا ہے۔ اس کی تفصیل میں بڑا کلام ہے۔

الس کی خاصیت وسعت فراخی اور خیروعافیت ہے۔ بدن وغیرہ میں بہاں خواص کے کہ کہ کہ میں میں اس کی خاصیت ہوا کہ وہ خواص کے کہ کہ میں میں کھیکا وٹ اور جسم بھاری ہوا کر وہ اسے تھے کو جسم ہوں گائے وائے کا اسے تھے کو جسم ہوں گائے گا۔ اسے تھے کو جسم ہوں گائے گا۔ اور تعویز گھول کر پی لے اللہ کے حکم سے تندیست ہوجائے گا۔ اور الا اسے انکھوں ہوںگائے، برکت محسوس کرے گا۔ اسے اکتالیس ارتھے۔

اَلْعَلَىٰ

معنی وہ فرات جس کے مرتب سے اوپرکسی کا مربد نہ ہو۔ اور تمام جستی وعقی در اس سے بیست ہوں و درجات علیہ کی مثال ، سبّب و سبّب ، عِلَت وَعلوُل ، فاعل و منعول ، فا بل و تعبول ، کا بل و ناقص ، یُونہ ہی اسباب کا ایس میں اورعِلتوں کا ایس میں افتاد تناوت ہے ۔ عُلو بلن کی کو کہتے ہیں ، اورخلف بلند درجات ، یکبار گی باغلی موجُو دات کے لیے حاصل ہونا ممکن نہیں اور جس قدر ماصل ہوں گے الٹارتعالیٰ کے درجات ان سبسے بلند تر ہوں کے مطلق بلند تر وہی ہے دو مرسے اوروں کی برنسبت بلند ہیں ۔ بلند تر ہوں کے مطلق بلند تر وہی ہے دو مرسے اوروں کی برنسبت بلند ہیں ۔ بلند تر ہوں کے مطلق بلند تر وہی ہے دو مرسے اوروں کی برنسبت بلند ہیں ۔ بعد صفحاتی بلند تر وہی ہے دو مرسے کا درج ہوگا ۔ اس کی خاصیت ابتدائی اممور سے لے کر بلند تر انمور سے جبی ببند تر ہونا ہے ۔ خواص سواس کو لکھ کر نہو فر کے گئے ہیں نشکا ہے ۔ وہ درم مول کے مطابق ، بالغ ہوگا ۔ سوانس کو لکھ کر نہو فر کے گئے ہیں نشکا ہے ۔ وہ درم مول کے مطابق ، بالغ ہوگا ۔ سوانس کو لکھ کر نہو فر کے گئے ہیں نشکا ہے ۔ وہ درم مول کے مطابق ، بالغ ہوگا ۔

مواص اس کو انگر کرنیو نے کے گئے میں نشکا نے وہ دمعول کے مطابق ، بابغ ہوگا۔ ابغ ہوگا۔ ایمین کی خاطر جمع ہوگا۔ ایمین نظر السین میں ہے تو خان ملے گئے۔ میسلین کے فنسل سے ہوگا۔ ایمین السین میں ہے تو خان ملی میں سین المردان نے میں ہے اس کا ایک فائدہ نقل کیا ہے دین ساتھ ہی کہ اس میں المردان نے میں دائذ امیں نے اسے چوڑ دیا۔

الحيير

اس كا منت كبران والد ويربرن كالمنهوم بي كمال دوات كمال دات سامري ومزوكمال وجود بيت نبهي ١٠ بيم سي ١٠ ويمارو یاری تعالی کا دجود تن د: و نود به ست سرموجود کا وجود پیدا بوتا ہے۔ ا بندول میں کیے وہ کا ہے ہے جس کی صفات کمال میں کوتا ہی نہ ہو۔ بلکہ دور علی ایم بنج بدے اک ما ما سے علی علم ادر برہیز گاری میں ہے۔ موکب وه پر بینرگار ، عالم ب جومق کی ، بنانی کرے -الس كى ضاعبات يا ب كا جو كو فى كثرت سے السے براحتار ب اس برعام خاصیبت اسرفت کا ۱۰۰۰ علی ما آئے۔ اگر کھانے پر پڑھ کرمیاں بوی مل کر كمائين- توان ميرموا نقت ، مبت بيدا جود أبين ، ريسيد مي بي يكاليدر آنت التَّذِي لَا مَعْتُوى الْعَدُولَ فِي صَعْدِ عَظْمَيت لَا يَهُروروي في كما كرقوس وار ا سے کثرت سے پڑھے اس فرس ۱۰۱ ہواد، رزق بیں فراحی بوادراگرا ہے عسے سے معرول فنفس روزه ركم كرابك مزاربا رروزان كصعباب سأت دن برفيص ينام يرسى ل بوكا - أكرب باوتران و-

الحفيظ

منت نشائنت کر نے وال ایس کی انظا کا مصنی تی ہے لیا جائے ، حفیظا است منتی تی جائے ، حفیظا است منتی تی جائے ، حفیظا است کے دومطرب ہیں ایک موجودات کا دائمی وجود است کی بھا جاسک بھا اللہ منتی اللہ منتی وجود اللہ منتی ہوئی اللہ منتی ہے متعنا دومنا قعل جیزوں اللہ منتی ہے متعنا دومنا قعل جیزوں کو آجہ منتی ہے کہ دوری کو توت کو ایک منتی کی دوری کو توت

سے افتحت کو بھاری د)

موری بندون سرفیظ و و جیجوایت دل او عف کوغذب وعد: شهوت کی منحاف افرانی او غف کوغذب وعد: شهوت کی منحلی افرانی او غربی بندیلان کے دسوے سے بیجائے۔

بوتھی استہ بنے ہم ورکھے اور احمال کی اسس کا ذکر کرسے اسی وقت خواص محواص اس کی است کے ہم کرے کا بہال کر کے جو کوئی اسس کا نفش اپنے ہیں رکھے اور درن ول تے ویری ن موں نے واسس کا بجھ نہ بنگا ڈسکیں سکے ۔ وانسداعلم۔

النيفين

اس کامطلب ہے غذہ بین پید کرتے بدنوں کت بنجانا۔ اور ولوں کک مینجانا۔ ار دیوں کی غذرا معرفت ہے۔ بیس یہ رزاق کے مینجنی ہے ، البتراس سے خانس سے آیا بھر رزق غذرا اور ووٹ یضرور مایات کوشایل ہے۔

مستخلی این کانس کان ایمیت سے کو کھا نا کھن نے انفس کو کتن و ل کرے اور مستخلق اعاق کی این کی کرے۔

تحواص المريع هكربانى ستركرك الدكرنا اكر وزب دارات الكدل يامتى محواص الميرية هكربانى ستركرك يجد التصنو كفرس والمت المحوك وبيالس مرداشت كى طاقت عالمس المرداشت كى طاقت عالمسل بورجراه زست براست مات باربر هد المجرائس براست المحمد المحدال المرتب بالمحمد المحمد المحم

آ کیسیٹیٹ

الس كامعنے ہے كا فى اليى ذات جس كے يالس بودد اسے كا فى ہوكى ہے.

ا دلته تعالی برایک کے بیے صیب اور کانی ہے اور حقیقت میں بیصفت کسی اور کے بیے متحدّ مجی نہیں بیون کی کفایت میں صروری ہے کہ کانی ہمیشہ موجود رہے اور انس کا وجود کامل سے اور عالم انسجا دیں ادلتہ کے سواکوئی ایسامعبود نہیں۔

من الله المراس وصف میں محن مجازاً تعور اساحد ہے اب اگروہ اپنے بیٹے مسخلی کی تربیت یا اپنے شاکر دی تعلیم کا ذمرا تھا تا ہے تو یہ مجی کفایت میں ایک واطعہ ہے ، دین کا نی نہیں کیو کھی کا فی اللہ ہی ہے ، دین کا نی نہیں کیو کھی کا فی اللہ ہی ہے ،

اس کی فاصیت ہے نسب اور ثیتوں وغیر دہیں امن وا مان کا تیا م لندا خواص رشتہ داروں کے دھوکہ فریب سے درنے والاطلاع آنا ب سے پسطادہ غروب کے بعد ہرروزستنتر باراس کا در دکرے اہمنتہ بھرسے پیطے محفوظ ہوجائے تا جمعل کے دن سے مشروع کرے ۔ والمنداعلم .

ا کجیلیٹ ل

معنی وہ ذات جس میں حبل کی صفات پائی جا مگی جرکہ ختا کا ملک ، تقدیس علم اور
قدرت وغیرہ صفات کمال ہیں۔ بیں جلیل مطلق صرف ادثیرت کی ہے۔ گویا کبیر کا تعلق کمال
ذات مبلیل کا تعلق کمال صفات اور اوراک بعیبرت کی طرف منسوب کرتے ہوئے عظیم کا تعلق کمال ذات وصفات سب سے ہے۔ اورصفات جلال کوجب بھیبرت مدر کہ کی طرف ننسوب
کیا جائے اسے جال کتے ہیں۔ اگرچ گفت میں نفظ جمال صورت ظاہری کے یہے وصف کیا گیا
ہے، ہو آئے سے خال کی ہے، بیک اسے میں واقع جمال صورت نظاہری سے اور مرجیل کا جمال
دیکی جاسمتی ہے ۔ موجب اس کا جلیل ہونا تا بت ہوگیا۔ تو وہ جیل ہے اور مرجیل کا جمال
حب معدم و محسوس ہو تو وہ محبوب و معشوق ہوتا ہے۔
حب معدم و محسوس ہو تو وہ محبوب و معشوق ہوتا ہے۔
حب معدم و محسوس ہو تو وہ محبوب و معشوق ہوتا ہے۔
حب معدم و محسوس ہو تو وہ محبوب و معشوق ہوتا ہے۔
حب معدم و محسوس ہو تو وہ محبوب و معشوق ہوتا ہے۔

سے دل اور بھیرت لذت یاب ہوں و رہا جال ظاہری ، سوانس کامقا م نسبتاً کم ترہے۔
اس کی خاصیت ہے خطا ہر ہونا اور لینے عامل ذاکر کے یلے مبلالت ثنان ہیدا خواص کم رہا ، خصوصاً جب اسے مشک و زعفران وغیرسے تھے۔
مواص کم نا ، خصوصاً جب اسے مشک و زعفران وغیرسے تھے۔

ألكرنيم

ہں کامطلب ہے وہ ذات جو اُتھام پر قدرت رکھتے ہوئے معاف کر دے۔ وعدہ پردا کرے اور دیتے وقت اُسے بڑھ کر دے ۔ یہ پرواہ ذکرے کو کتنا دیا کسے دیا ،حدا ب نرکرے ۔ یہ بیند ذکرے کہ حاجت مندا بنی حاجت کسی اور کے پاکس لے جائے۔ پس کریم طلق اللہ تعالیٰ ہی ہے۔

ہوں ہے اور کسی قدر کھنے ہے۔ منعلق کی ہندے میں آجاتی ہے لیکن بعض المورمیں ، اور کسی قدر کھنے ہے۔ منعلق کندانا قص ہے۔

اس کی فاصیت ہے کریم ہونا اور کرم کرنا ، جوسوتے وقت ہمینتہ کٹرت سے خواص اس کا جرکم ہونا اور کرم کرنا ، جوسوتے وقت ہمینتہ کٹرت سے خواص اللہ تعالیٰ اس کا چرکر کرے ، اللہ ولوں میں اس کی عزت بھائے گا ، اورجب اللہ تعالیٰ کا اسم کرامی آنگتی ٹیم ڈو العلق بل الحقائی الحقائی کی ہمیشہ وروکرے اس کے ذرائع ، وسائل اورجا نیوں میں احد تعالیٰ برکت ڈالے گا ۔

آلرَّفِيْثِ

اس کامعنی ہے علم وضافت والا ، جرکسی چیز کی پوری پوری نگرانی کرے اور بہشہ اس پرنظر کے اسے رقب کتے ہیں ، یہ بھی علم وضفاکا معنیٰ ، یتا ہے ، بشرطیکہ لازمی و دائمی ہو۔ دائمی ہو۔ مسمحتی بندے سے یے وصعبِ مراقبہ صرف ایس وقت قابلِ ستائش ہوتا ہے جب

ئینے رہ اور قلب کے لیے کرے۔ یعین جانے کہ اختر تعالیٰ ہر بات میں اس کانٹران و گواہ ہے۔

خواص اس کی خاصیت یہ ہے کہ گشٹہ چیز والیس ملتی ہے ۔ مال واہل کی حفاظت اس حواص کی کو کی شے گم ہوجائے وہ اسے کٹرت سے پرط سے مل جائے گی۔ بیٹ میں بیٹ کا خطرہ ہو توسائٹ بار پڑھے۔ یُونہی اگر سفر برجانا چاہے تو اہل دعیال میں سے حس کا خطرہ ہواس کی گردن پر ہاتھ رکھ کراس کوسائٹ بار پڑھے ، ان شا انڈ خوف وخطر جاتا رہے گا۔

رائو آنجيب

الس کامطلب ہے وہ ذات جوسائل کے سوال کا قبولیت سے ذکر کرے۔ اور ما ننگنے والوں کی دعائیں قبول کرے۔ اور ما ننگنے والوں کی دعائیں قبول کرے بے بسید ما ننگنے والوں کی دعائیں قبول کرے بے بسید مطافرائے اور الیسی ذات صرف الشر تعالیٰ کی ہے۔

من المستحقی المار المار

کی جوکوئی ہمیشہ اس کا ور دکرے ،معاندین کی زبانیں بند ہوجائیں گی اس کے یہے اسے ۔ میں میں دن روز ہے رکھنا پڑیں گئے۔ تینیٹیس دن روز ہے رکھنا پڑیں گئے۔

اَلُواسِعُ

معنی بیقت سے بنا ہے اور سعت کمجی علم کی طرف منسوب ہوتی ہے ، حب معلوا منتیرو کا احاطہ کرے اور کمجی احسان اور وسیع نعمتوں کی طرف سو واسع مطلق المترسجانیة

بندے کی وسعت اس کے معارف وا خلاق میں ہوتی ہے۔ بہال کہ کر عُرابت مستخلی کا ڈر، غلبہ حرص اور حاسدین کا غیظ و غضب بھی استے ننگ کرسکتا۔

اس کی خصوصیت حصول وسعت وجاہ ہے اور سیلنے کی وسعت اس کا خواص میں ہوتا ہے۔ اس کا ڈکر کرنے والا قناعت شعارہ۔

وحوکہ بازی اور حرص سے بینا ہے۔ اس کا ڈکر کرنے والا قناعت شعارہ۔

آ کھے کیٹم

اس کامعنی بے کمت والا بھمت کامفہوم ہے افضل ترین چیز کو افضل ترین علم علم ہے بہوانا ۔ سوجیم مطلق اللہ تنا لی ہی ہے کیونکہ وہ بزرگ تراشیا کو بزرگ ترعلم سے جانا ہے ۔ اور بزرگ ترین علم وہ ہے جواز لی ، وائمی ہے ، جس کے زوال کا تصور میں نہیا جا سے بہوجیم س کو کہا جاتا ہے جو بہترین صناعی با ریحیاں ایجا د کرے اواس صنعت کو سیخت کر سے اور س

من المعلم المنياكوجانا بواوراندكى بيجان زركمة بو وهيم كهلانے كاستى الله الله الله الله كاستى الله الله الله كاستى الله كارگ ترا ورا نفتل تر دات كو بزرگ ترعم سے نبین بیجانا . علم كاعفرت ، معلوم كى عفرت ، سے جص نے الله كومپيان ليا ، الس كى بيجانا . علم كى عفرت ، سے جص نے الله كومپيان ليا ، الس كى

بات نربیجانتے والے کا بات سے مختلف ہوگا۔ وہ جزیات سے کم ہی بجت کرے گا۔ اس کا باتیں کل ہول گا بھی لوگوں نے حکمت کا اطلاق انہی کلمات کلیہ بر کمیا ہے۔ جیسے سیّر الانبیا صلے الشّدعلیہ وسلم کا ارشاد گرامی ہے۔

سَأْسُ الْمِكْمَةُ عَنَاقَةُ اللهِ ، ترجد دراصل دانا في المترتعا لياكا

نون ہے۔

القتمنة وحكمتة قد قليث فأعِلة - ترجم: فاموشى دانا فى بندادراس برعل كرف والا كم بى كوئى برقاب برعل كرف والا كم بى كوئى برقاب برعل كرف والا كم بى كوئى برقاب القشند في نفت اليون ب - وغير بر مرضعت الميان ب - وغير بر المستند في نفت اليون بي - وغير برا المرسحة كول دينا بوكثرت برام خواص المس كى فاصيتت ب جهالت كوخم كرنا الوحكمت كول دينا بوكثرت برخواص اس كا ذكر كرب اس سے خطر فاكر قسم كى جمالتين خم كى جائيں گى الدر حكمت كا در وازه الس كے يالے كھول ديا جائے گا۔

الودود

اس کامعنیٰ ہے وہ ذات جرتمام مخنوق کی مجلائی جا ہے، اس سے اصال کو اورسب کی تعربیت کرے ۔ یہ الرحیم کے معنے کے قربیب ہے ۔ ہاں آن فرق ہے الرحیم کے افعال کسی کمزور مرحوم کے متناصتی ہیں اور الود و دکے افعال اس کے متناصتی نہیں اور الود و دکے افعال اس کے متناصتی نہیں ہیکہ و د کا متبجہ ہی ابت دائر افعام واکرام کرنا ہے ۔

می و د کا متبجہ ہی ابت دائر افعام واکرام کرنا ہے ۔

می افتار کے بندول میں الود و دو ہیں جو مخلوق فٹدا کے یلے وہی کی لیند کریں مسلم کا کو ایس کے متناصل کی کے لیند کریں ایس سے بڑھ کر یہ کہ لینے اوپر دو سروں کو ترجیح دیں ۔ اس کا کھال یہ ہے کہ اسے مفتنب اکینہ اورکسی سے پہنچنے والی گزند اصان کرتے سے منع ذکر ہے ۔

السجيث

اس کا معظ ہے، جس کی ذات تربین، افعال توبھورت اورج دوعطا کو سیع ہو۔

گریا شرف ذات کے ساتھ، حب حمن افعال مل جائے، اسے مجد اور ماجد بھی کہ لینے یہ

اس میں بندے کا حقہ یہ ہے کہ لوگوں سے کرم اور حشن اخلاق سے معاملات

منحلی کی کر رہ کا کہ بزرگ کہ لائے۔

اس کی خاصیت ہے جبولات، بزرگی، و رفا ہری و باطنی صفائی حاصل ہونا ہیں خواصل ہونا ہیں اس کی خاصیت کے کہ اور ہر رات افعال کے وقت اس چیکے دن و بیاندی ہا، ہما، ما ای ایک میں روزہ رکھے اور ہر رات افعال کے وقت اس کو کھڑت سے بڑھے۔ افتر تعالیٰ شفایات کرے گا۔ خواد بغیر سبب یا اس کے بلے افتر کو کی سبب پیافس کے بلے افتر کو کی سبب پیافراد ہے گا۔

الباعث

معنی وہ و ات جوا تھنے کے دن مخلوق کو بیداکرے گی اور قبرول سے مرووں کو التھائے گا اور بینوں کے بیٹے را وظا ہر کرے گی بعث کامعنی ہے افرت میں اٹھانا ۔ السام پاک کی معرفت ہوت ہو اور یہ باریک ترین معرفت ہے ۔ اکثر واضح باک کی معرفت ہوت اور یہ باریک ترین معرفت ہے ۔ اکثر دگ مہم وہات اور مجان نے لات کا تسکار ہیں دیکن باطنی مشاہد سے نے ار با ب بھیرت پر واضح کیا ہے کہ السان ہمیشہ کے لیے بیدا کیا گیا ہے اور یہ کہ اس برعدم نہیں ، ہال کہ جی ہے اس کا تھر و نہ ہو جا تا ہے تو کہ جا ہے تو کہ جا تا ہے تو کہ اس کا جسم زندہ کر دیا گیا ہی تا میں خرج اس کا جسم زندہ کر دیا گیا ہی تھے ہے اس کا جسم زندہ کر دیا گیا ہی تو تھے کہ تھے ہے کہ تھے ہیں جاتا ہے تو کہ اس کا جسم زندہ کر دیا گیا ہی تو تھے ہے تا ہے تو کہ اس کا جسم زندہ کر دیا گیا ہی تا تھے تھے ہے تھے ہے تا ہے تا ہے تو کہ اس کا جسم زندہ کر دیا گیا ہی تھے ہے تھے ہے تھے ہے تا ہے تو کہ اس کا جسم زندہ کر دیا گیا ہیں ۔

صنعلی صنعت بعث مردول کے زندہ کرنے کا طرف اوٹنی ہے بین ان کو دوبارہ زندہ کو نے کا طرف اوٹنی ہے بین ان کو دوبارہ زندہ کے معلی کے کوئی تعنق اور ان کو ادشر کی طرف بُدیا رہا ہے۔ تو یہ بھی ایک قسم کی زندگی ہے۔ یہ انبیا کوام اور ان کے دار شعل کرام کا مرتبہ ہے۔ بوشن سوتے وقت بیلنے پرہا تھ رکھ کراسے فیر مصل انٹر تعالیٰ اس کے دل کومنور وروشن کر بھا۔ اور اسے علم وحکمت عطا فرمانے گا۔

اَلشَّعِيْدُ لُ

اسے ویکھ رہا ہے اور معلوم کر کے بات کرے .

اس کی فاصیت باطل سے تی کی طرف رئج ع کرنا ہے ، بیان کک کر اپنے افرانی تواص تواص بعظے کوبیشانی سے کپڑ کریہ دُم کرے یا فران بوی ہے اس بر دُم کرے، ان کا حال بہتر ہرجائے گا۔ والنڈ اعلم -

الحت ق

بندے کا اس اسم میں بیرصتہ ہے کہ اپنے آپ کو باطل دفانی ہمجھے۔ اورائند محت کی سے اس کی اس کے۔ اورائند محت کی سے کے کیونکے بندو اپنی ذات میں حق دوائی انہیں بکی میں کے وجود سے موجود ہے۔ اپنی ذات سے نہیں اورا بل تعتق ف بیرجب کہ اپنی ذاتی فنا مالب ہوتی ہے۔ تو ان کی زبانوں پر اکثر حالات میں اسمائے باری تعالیٰ میں سے حق جاری مالہ بہ ہوتی ہے۔ تو ان کی زبانوں پر اکثر حالات میں اسمائے باری تعالیٰ میں سے حق جاری بہت ہے۔ تو ان کی کہا فعال سے کیونکہ وہ فانی کے بہت و زات جی کہا فعال سے جو خالق کا ہم معنی سے دیل بڑھتے ہیں انداان کی زبان پر اکثر اسم الباری جاری رہنا ہے۔ جو خالق کا ہم معنی و سے دیل بڑھتے ہیں انداان کی زبان پر اکثر اسم الباری جاری رہنا ہے۔ جو خالق کا ہم معنی و سے دیل بڑھتے ہیں انداان کی زبان پر اکثر اسم الباری جاری رہنا ہے۔ جو خالق کا ہم معنی و ایس کے دیا تھا تھا کہ معنی و ایس کی دیا تا کا ہم معنی و ایس کی دیا تا کا تا کا تا کا تا کہ معنی و ایس کی دیا تا کا ت

اس کا فاصیت یہ ہے کہ جو کوئی مربع شکل کے کا غذکے ہر کو نے پرا سے انکھ کو کوئی مربع شکل کے کا غذکے ہر کو نے پرا سے انکھ کو کوئی مربع شکا کے ، انتقاب کی پریشانی و ورفر کا کھنے کا اور جو تنظیم کا ورجو تنظیم کے انتقاب کا کہ انتقاب کا کھنے کا افرائے کا افرائے کے کا اور اسے کہنے مقاصد کے صول میں آسانی ہوگی، اور جو کوئی دن میں ہزار بار بڑھے اس کے افلاق سنور جائیں گے۔ اور طبیعت و رست ہوگی۔

ٱلْوَلِيثِ لُ

اس کامطلب ہے وہ زات جس کے میٹر دکام کیے جائیں بچروکیل کی دوتسمیں ہیں اوّل وہ جس کے میٹر د بعض کام کیے جائیں بینا تھ ہے۔ دوسرا دوجس کے بہر د تمام معلق کرد بینے جائیں اور اپنی ذات کے لحاظ سے ،اس قابل ہوکہ تمام اٹموراسے سونٹ دیئے جائیں۔ اوروہ صرف ادنڈ تعالیٰ ہے وہی وکیل مطلق ہے ۔

میں بندے کا اس میں بیصتہ ہے کہ اپنے ایماندا ربھائی کی ماجت روائی کی گوشش متحلق کرے اور عمل کے بعد نتیج سپُر دخدُ اکر دے۔ اسی بِعِروسہ رکھے کسی اور سے مدد مانگنے کے بچائے اس سے نبجات طلبی کو کافی سجھے۔

اَلْعَوِى َ الْمَيْنِينَ

نغوت ، کامل طاقت پر ا در مثانت اس قوت کی شِدّت پر دلالت کرتی ہے ، بس اسٹرتعالیٰ اس حِیثیت سے کہ کامل طاقت کا ماک ہے تیج کا در بی نثیث ، سخت قریب

منین ہے ، در مجمعن قدرت کی طرف، دجری کرا ہے -میں کو المذرتعالی کے قوی ہونے کا یقین ہے وہ ہرجیزییں اس کی قوت وال شخلق کی طرف رجوع کرے گا۔ اور اس کی طاقت و قدرت سے، ہردور ہی قوت و طاقع سے زید میں اور اس کا سات کی سے اس مرور اور اس کی طاقع سے اس مرور اور اس کی طاقع سے اس مرور اور اس کی طاقع سے انہاں میں انہاں میں اور اس کی طاقع سے انہاں میں انہاں میں اور اس کی طرف سے انہاں میں انہاں میں اور اس کی سے انہاں میں انہا طاقت سے غائب ہوجائے گاکیونکہ ہر شعے کی طاقت اسی سے ہے الس سم باک سے فرت ماصل كرنے سے اساتعلق بيد موجاتا ہے كەتدىبروتقدير كے بھے وں سے ب ل جيوت مِ آئی ہے۔ وعولی ختم ہوجا ما ہے الله کا احسان نظرا ما ہے مخلوق کا ڈراور دنیا کے غم و المختم بوحات مين الله كا وات معلق مضبوط بوجاتا ب - بيها ل كم السلسلدين تم كسى ملامت كركى ملامت سے ور تے تهيں - اوركسى صورت اس تعلق ميں كمزورى شیں آتی ۔جوالس کی عظیم قوت اورائس کی مصنبوطی کو پہچان کے ، وہ نرکسی سے ڈرتا ہے ا در ندائس کے سواکسی کی طرف متوجہ بتا ہے۔ اسی پر احتما و ولیٹین رکھنا ہے انسی اسم سے وربت حاصل مرنا ، اس محصنت و مختق سے اعلیٰ ہے کیونکہ س مدی اکد معنوی بائی ماآی ہے۔ قوی کی خاصیت وجود میں قوت کا ظهور ہے جو کنرو بہت اسے بڑھے، قو خواص میں کرمے گا بر ورجیم والاجیمانی طاقت یا نے گا مظوم ، نا ام کی بلاکت سے میے مبرار بار بر مع کامیاب ہوگا ۔ اسے بی کا فی بوگا ، متین کی خاصیت یہ ہے کہ جو اللہ تمالی سے اسم مرامی الفقی سے بمراہ اس کا ذکر کوسے ، اس سے یے طاقت کاظہور بوگا جمر برکردا نوجوان سرد یا عورت بروس یا رمیره کر وم کرے وواین بر کرداری سے باز آب سے کا والناظم

آلولي

اس کا معنے ہے مجت کو نے والا، مذکر نے والا - مدد کرنے کا مفہوم ظاہر ہے کہ وہ
دین کے شیمنوں کا قلع قمع کرتا ،اور اپنے دیستوں کی مدد فرما کا ہے۔
مسمختی ایدوں میں ولی وہ ہے جرانتہ اور ایس کے ولیوں سے مخبت کرے ،اسر کیا وہ

اس کا دیا مدد ارس کے دیمتوں سے فیمنی رکھے اور اس کے ویشمنی میں سے فنس ادر جیما ناہی بر اور اس کے ویشمنی میں سے فنس ادر جیما ناہی بیں جران دونول کو ڈلین کر سے افغد کے دین کی مدد کر سے افغد کے دلیوں سے مجتبت اور اس کے دیشمنوں سے بیشمنی کر سے بندوں میں وہی ولی ہے۔

جرائس بر بمیشمل کر سے انس کے یائے والایت کا تبوت اس کی فاصیت ہے۔

خواص

نخواص

بران بار بڑھے اسے اس کا مقصد حاصل ہوگا ، اور جو کوئی ہر جمعہ کی دات ایک ہزار بار بڑھے اسے اس کا مقصد حاصل ہوگا ،

آلحسين

وہ جس کی سفت و تنا بیان کی جائے۔ افتہ تعالیٰ ہی مید ہے کیونکھ ازل سے

ہمک بہن مسفت و تنا کر رہا ہے اور کرتا رہے گا ، اور ایس کے بند سے جی ہمیشہ تنا کو ہیں اور ایس کے بند سے جی ہمیشہ تنا کو ہیں اور ایس کا تعتق ان صفات مبلول بندی اور کمال ۔ ے ہے جو ذکر کرنے والوں کے وکر کی اور ایس منات کمال کی حیثیت ارف منسوب ہوتی ہیں کیونکہ حمد کامفوم ہے ، عنات کمال کا صفات کمال کی حیثیت ہے وہ کارکرنا ۔

منخلق ا بندوں میں جمید ود ہے، بس محافقائد، اخلاق اور اعمال سب بیندیدہ ہول۔ حواص اس کی خاصیت اخلاق اور اعمال سب بیندیدہ ہول۔ حواص اس کی خاصیت اخلاق، افعال اور آقوال میں اچھا نام بیدا کرنا ہے "اربین اسٹ سے" ربین ہے۔ اربین اسٹ سے "اربین اسٹ سے "اربین اسٹ سے "

یَاحَسِیْت ایفِعَالِ ذَا اُلمَّق عسَلیٰ جَسِینْعِ حَکْقِه بِلمُعْفِهِ۔ " لے اپھے کام ل دا ہے ، اپنی مہرانی سے اپنی تمام مخلوق پر اصان فرا نے دا! " نہر دی نے کہا ایس کا ہمیشہ ورد کرنے والا ، بے صاب مال یا نے گا ایس میں

اے محبود ہستودہ ہم کی عزت و بزرگ کی عظیم تعربین کی حقیقت کو وہم وکما ندمنج سکیں۔ ندمنج سکیں۔

کہ بوسیم طور پر اس کا ہمیشہ ور دکرے ، لوگوں سے پر بہنر کرے ، ان کاعیش کوشی سے نفرت کرے ، ان کاعیش کوشی سے نفرت کرے ، ان کی محلول سے ، وُر رہے ، اس کے بعد بنتالیس و ن محل گونته نشینی اختیا کرے نفرت کرے ، ان کی محلول سے ، وُر رہے ، اس کے بعد بنتالیس و ن محل گونته نشینی اختیا کرے ، مہر روز جس قدر ہوسکے پڑھے ، درجہ ولایت پر تر قی یائے گا ، واللہ اعلم ،

آلىخصتى

اس کا مضے بے عالم دین حبیطم کومعلومات کی طرف اس طرح منسوب کرہا کہ ممام معلومات کو طرف اس طرح منسوب کرہا کہ ممام معلومات کوشامل ہو، اور شما رکرے اور ان کا احاط کرے اے احصا کہا جاتا ہے اور محصی مطلق وہ ذات ہے جب کے علم میں مبرجیز کی حقیقی تعربیت اس کی تعداد اور حد واضح ہو۔

معموم معلق وہ ذوات ہے جب کے علم میں مبرجیز کی حقیقی تعربیت اس کی تعداد اور حد واضح ہو۔

معموم معلق اس وصن میں بندے کا حصتہ یہ ہے کہ اپنی حرکات وسکنات کا شمار کرتا رہے۔

معموم کو اس و مبائل میں انٹد کو نگران جانے۔

اس کی فاصیت ولول کی تسخیرہے جوکوئی روٹی کے بین محرات ہے ، اور بر خواص المحرات ہے ، اور بر خواص المحرات مرتبہ المصیر طبعے ، مخلوق الس سے ، بع فرمان ہوگا ۔ ایک عبارت میں ہے وہ محرات ، جھے سخری ، جا بتا ہے ۔ النڈ سے محمد شخر ہوگا ،

اَلْنُدِي __اَلْمُعِيْدِي

آلمُنْ فِی کا معنے ہے مؤجد سین اگر اسیجا دکی مہی کو ٹی مثال نہ ہو تواست مما جاتا ہے اور اگر مسلے سے اس کی مثال ہے تواسے داعاد دی بھیزا کہتے ہیں ۔اند تعالیٰ نے بغیر کسی شال سابق کے ، لوگوں کو بیٹ دافر بابا ، مجد و ہی ان کو دوبارہ زندہ کر کے اکشل محرے گا۔

اس کی فاحبت یہ ہے کہ سحری کے وقت عاملہ کے بیٹ پر انتیس ارپڑھ کردم موجوا صل کر ہے اس کے بیٹ بین ہوگا آئیدی خواص خواص کر ہے اس کے بیٹ میں جو مل ہے وہ محفوظ رہے گا۔ ضائع نہیں ہوگا آئیدی کا کہ نیٹ کی فاصیت یہ بھی ہے کہ ذہن میں محفوظ چیز جب بجول جائے تو اس کو یا د کرنے کے لیے اس کا ورد کر ہے بحصوصاً جب اس کی نبست آئیندی کی طرف کرے۔

اربعین ا درسیدسی سے -

" يَا مُسُبِ دِيُ ٱلْبَدَائِعِ تَهُ يَبْغِ فِينَ الْشَاءِ حَسَا

عَوْنًا مِنْ خَلْقِ * * * اے عمیب مخلوق پیدا کرنے والے ، جس نے اس کی پیدائش میں مخلوق سے مدونہیں مانچ :

سہروردی نے کہ اس پرجمیشہ عمل کرنے والا اپنی عِزت بڑھا ہے گا۔اورجوکوئی ایس جنزاربار اسکا ورد کرے۔اس کی جیرانی و ورہوگی اورجس چیزیں اس کی مبتری ہے۔
ایس جنزاربار اسکا ورد کرے۔اس کی جیرانی و ورہوگی اورجس چیزیں اس کی مبتری ہے۔
اس کی راہنمائی ما حسل ہوگی .

اَلْمُحُرِينَ __اَلْمُنْتُ

اس کا معنے بھی ایجاد کی طرف لوٹ ہے۔ نیکن موجود اگر زندگی ہے تواسے احیاً کہا جاتا ہے اورموت ہے تواسس کو إِمَاتَتُ کہا جاتا ہے۔ اورموت وحیات کا خالق صرف انٹر تعالیٰ ہے۔

آلنعین کی فامیت اُلفت و مُحبّت یا ا۔ جرکسی جابرے ڈرے یا تیدکا خصوصیات نظر ہر توجس کا ڈرے اس کے ابجد کے لناظ سے اعدا دکا لے اور روفی کے اُنے محروص پر اسے پڑھ کر کھائے۔ مُمینت کی خاصیت یہ ہے کرجِ شخص این اوبرجرائم کا ایک ہے اوبرجرائم کا ایک ہے اور کا اور جوائم کا ایک ہے اور کا ایک ہوائے کا ایک ہو اور کا ایک ہو اور کا ایک ہو اور کا ایک ہو اور کا ایک کا ایک ہو اور کا ایک ہو اور کا ایک کا دیں ہو رہا۔ اطاعت گذار ہو جا کے گا۔

آلُحَتَّى

"اے میشدزندہ رہنے والے اجس کے دائمی ملک اور بھا میں کوئی اور دائمی ملک اور بھا میں کوئی اور دائمی زندہ نہیں "

مروردی نے کہا جوکوئی اسے تین لاکھ مرتبہ برا ہے جمعی باید نہ ہو اور جوکوئی اسے
جینی کے برتن میں کستوری اور عرق گلاب سے دی کوم صری کے شربت میں صل کر کے تبین
دن چینے انشا ادشر بھاری سے شفایا ہے گا۔
دن چینے انشا ادشر بھاری سے شفایا ہے گا۔
دن چینے انشا ادشر بھاری کے گا۔

معنے مان یجے ، کم جوم اگر چینو د بنور قائم ہوتا ہے اور کسی ایسے محل سے

بے پرواہ ہوتا ہے جو اسے قائم رکھے بخلاف اخراص وا وصاف کے۔ رکروہ اپنے قیام ووج اسے میں کسی جو ہر کے ؟ بع ہوتے ہیں) سین ان اممور سے متنعیٰ نہیں ہوتا ، جوالس کے وجود کے یہ صفروری ہیں، بیس وہ امررالس کے وجود کے یہ لے تشرط ہیں، سوج ہر بھی تو و بخو د قائم نہوا ۔ کیونکہ وہ لیے تیام ہیں دوسرے کے وجود کا محتاج ہے۔ اگر چکسی مکان ومحل کا محتاج نہیں ،اب الکر وجو وہیں الیساموجود ہے جب کی ذات ہی اس کے وجود کے یہ کانی ہے اور السکا قیام کسی نویر سے نہیں، اور الس کے دائمی وجود کے یہ کانی ہے اور السکا قیام کسی نویر سے نہیں، اور الس کے دائمی وجود کے یہ کسی اور کا وجود سے مرائم سے دائمی وجود کے ایک سی اور کا وجود اس کے ساتھ ساتھ اگر ہر موجود اس کے ساتھ ساتھ اگر ہر موجود اس کے ساتھ ساتھ اگر ہم موجود اس کے ساتھ ساتھ کی کر اشنیا کا وجود اور دوام وجود دالس کے بغیر سے وہ سے اس طرح قائم ہے کہ اسٹی کا وجود اور دوام وجود والس کے بغیر سے وابستہ ہے کیونکہ اس کا قیام اس کی ذات سے ہے اور جاتی تمام چیزوں کا قیام اس سے وابستہ ہے ، اور وہ صرف الٹر تعالیٰ ہے۔

منتخلق اندے کا دخل اس وصعف میں آنا ہی ہے جتنا وہ انڈ کے ماسوا سے ستفنی استحلق اس کی خاصیت و استرائی ہے۔ قول کے اس کی خاصیت ذات وصفات میں قیام وقیومیت کا صول ہے، قول کے حواص کے اعلا سے دونعل کے لحاظ سے جونهائی میں اس کو پر مصے ، اس کی نمیندار جائے میں اس کو پر مصے ، اس کی نمیندار جائے اور فعل کے لحاظ سے جونهائی میں اس کو پر مصے ، اس کی نمیندار جائے

کی- اربعین ادرسیسیمیں ہے -

"یا نگیوم مسکوی شدی ایس کے اسکوی شدہ کا مین علیہ "

الے تیوم اجس کے علم سے کوئی شے غائب نہیں "

مسرور دی نے جوکوئی اسے گراکر بڑھے وہ جلے سے محفوظ رہے گا۔ اگر کمزور

ان والا اتنہائی میں اسے روزانہ سولہ بار بڑھے انٹر تعالے اسے نسیان کی مرض سے

مفوظ فرائے گا اکس کا حافظ قوی اور ول روشن فرائے گا۔ ترکیب سے پڑھنا جاہے۔

توصیح صادتی اور طلوع فجر کے درمیان بڑھے ۔ ذاکر لینے ول میں ہے اندازہ فجرو توفیق

مسکوس کرے گا۔ رسالہ قشیریو میں اوعلی کما فی رھنی انترعت سے روابت ہے کہ میں نے

رسول الشرسل الشرعليه وسلم كوخواب مين الجيرة عرسن كيا ويار رسول الشراء الشرست وعا أويات مرميرا ول مرروه نه فرمائت فرمايا الرجابية بؤرتها را ول زنه ه رب اوركهي نه مرب توروزا نه جاليس بار برطاكرو و كياحتني يا قَيْوُم كُوّ إللهُ إِلاَّ أَنْتَ و

الواجيد

میں میں ہندہ وہ تمام صفات کمال اپنی ذات میں جن کرے جواللہ نے ایسے دکھائی مسخلق میں ایس کا ایسی دکھائی مسخلق میں ایس کا کہ نہ ترمن ڈیموا ور نہ کسی حال میں سست ہو۔

اس کی فاسیت ول کوفوت دینا ہے اور پرسنت اے منتی ہے جو کھائے خواص کے مواصل کے مراقد براسے برطے والنداعلم -

ألماجد

معنے یہ بید کے معنے میں ہے، معنی بزرگ ۔ بیسے عالم معنی عبیم سین فعیل میں اور ترمیالغہ یا یا جاتا ہے ۔

بندے کا اس میں بیرصتہ ہے کہ مخلوق سے ارادہ اٹھا کر جنائق سے رابط فائم مخلق کرے اس طرح مبند جمتی اور اچھے حال سے ود بزرگ ہوگا۔ خواص اس کی خاصیت دل کو روشن کرنا ہے۔ سوج کوئی اس کا آنا ذکر کر ہے کئی

يراس كا حال غالب أبائه السرك دل روشن بوكا .

آلواحي

معنے دہ ذات جوتھیم نہ ہو، جیسے جوہر دفرہ اور حس کی طرح دو مرانہ ہو، بینی اس کی نظیر نہ ہو، جیسے سور ج سوکھا جاتا ہے کہ جوہرا در نقط تعقیم نہیں ہوتے ، ان کا مجزئه نیں۔
اللہ تعالی داحدہ اس معنے میں کہ الس کی ذات میں تقسیم ہونے کی صفت محال ہے سورج کی اللہ علی میں کہ الس کی ذات میں تقسیم ہونے کی صفت محال ہے سور اللہ تعلیم نیا اللہ کی اگر جہ نظیر نہیں الس کی نظیر ممکن ہے ، بیس واحد مطلق از ل سے ابد کے بعنی ہمیشداللہ تعالیٰ ہی ہے ، اور بندہ الس و قت واحد در کمتا ، ہوتا ہے ، جب اس کی نوع سے کوئی فرد اس کی نظیر نہیوا در اس کی نظیر نہیوا کو میں کی نظیر نہیوا کو کھوں کیا کہ کو کھوں کی کھوں کی کھوں کی کھوں کی کھوں کی کھوں کی کھوں کے کہ کو کھوں کی کھوں کو کھوں کی کھوں کو کھوں کی کھوں کو کھوں کی کھوں کی کھوں کی کھوں کی کھوں کی کھوں کی کھوں کو کھوں کی کھوں کی کھوں کی کھوں کی کھوں کی کھوں کو کھوں کی کھوں کی کھوں کی کھوں کو کھوں کی کھوں کو کھوں کی کھوں کی کھوں کی کھوں کی ک

من سال ایرکربنده انته کی عبادت و عبو دست می انتهال وامثال سے اس طرح کیما ہو، منحلق ایسے اس سے لائق ہے۔

اس کی فاصیت، ول سے تمکن دور کرنا ہے، جوکوئی صدق ول سے لسے ہزار خواص اللہ ہزار اللہ اللہ میں معلوق کے در کو دور کرنے اللہ اللہ میں کے دل سے تمکن دور ہوجائے گی مغلوق کے در کو دور کرنے کے یہ کائی ہے۔ جو دنیا واخرت کی ہرمصیبت کی اصل ہے۔ حدیث شراعیت میں ہے کہ نہی کر یم سے انڈ علیہ دسلم نے ایک خفس کو دعا کرتے ہوئے ان ا

اَللَّهُمَّ اِنْ اَسُسُكَالُكَ بِانْكَ اَنْتَ اللَّهُ الوَحِسِدُ الدَّحُسُدُ العَمَّدُ الَّذِى لَهُ يَلِدُ وَلَهُ يُولَدُ وَلَهُ يَكُنُ الدَّحُسُدُ العَمَّدُ الَّذِى لَهُ يَلِدُ وَلَهُ يُولَدُ وَلَهُ يَكُنُ لَهُ صَصُفُواً اَحَدُدُ -

ترجه: "النی مین مجوسے سوال کرتا ہول کرتو اندہ ہے . ایک، کیتا ، بے نیاز جس کی نہ کوئی اولا د ، نہ وہ کسی کی اولاد ، ادرجس کی برابری کا کو کی نہیں ؟

اب نے فرایا اس نے احد اس کے اسم اعظم کے ذریعے سوال کیا جس کے ذریعے وریعے اور سوال کیا جائے تو ملتا ہے۔ اربعین ادر بینی میں ہے۔
وکا کی جائے تو قبول ہوتی ہے اور سوال کیا جائے تو ملتا ہے۔ اربعین ادر بینی میں ہے۔
کیا قامید کہ ، آلبا تی آ دُدُل کُل سِٹ کُی دُر اَجْد کے ۔
ایے تنها، باتی ہر شے سے بسطے اور انحر"
سُرور دی نے کہا ، جس وی کوسلسل پرنشان کُن خیالات اسکی وہ اسس کا ور د

مروردی نے کہا ، جس دمی کوسلسل پریشان کو خیالات ائیں وہ اس کا ورد سرے ، دور ہوں سے حس کو با دشاہ کا ڈر ہو وہ نما زظر کے بعد انچینو بارا سے پڑھے ، محفوظ ہوگا ، غم دور ہوگا ، وشمن دوست ہوں گئے۔ والنڈ اعلم

ترمذی کی روایت میں آلا تحدیمی اور تعدا و صرف اس صورت میں استیں میں اور واحد میں فرق یہ ہے۔

الرافیڈ تعالیٰ واحد ہے - استینیت سے کہ ترکیت ومقادیر سے پاک ہے تیجزید وانقسام

قبول نمیں کرتا ۔ واحد ہے استینیت سے کہ ترکیت ومقادیر سے کہ الس کی ذات کی طرف

تعدد واشتراک راہ پائے بیشن زررت نے کہ اس کی لینی احد کی خاصیت عالم قدرت

اور اس کے آثار کا ظہور ہے ۔ یہان کم کر اگر با وضو ہو کرتنائی میں اسے ایک ہزار بار

برفسے تواس کے لیے قوت وضعف کے مطابق عجائب و غرائب طا ہر ہوں گے۔

وادشراعم -

آلقتم له

معفے حمد وہ ہے جس کی طرف حاجتوں میں رجوع اور سرخوبات میں قصد کیا ہا۔ اور جس ذات کو اللّٰہ تعالیٰ لینے بندوں کی دینی و دنیا دی مشکلات سے حل کا مرکز بنائے۔ اور اس سے ہاتھ و زبان سے مخلوق کی حاجت براری فرائے۔ یقیناً اس کو اس قصف کا فیصان نصیب ہوا۔ میکن حم مطلق وہی ہے جس کی طرف تمام حاجات میں رجوع کرے۔

ا وروه الشرشيحانة تعالى ب.

من اس وصعف سے موصوف ہونا یہ ہے کہ بندوں کی حاجات میں مدد کر سے اور سنجلق مستخلق ان کی بناہ کا ہ بنے ۔

قواص السن کی خاصیتت صول خیروصلاح ہے جوکو کی سحری کے دقت اس کو ۱۹۲۵ بار حواص المیصے اس پرصدق وسجائی سے آثارظا ہر بڑوں گے۔ اور ذکر کرنے والا جب تک

الس كا ذكر كر مد يم يكوك كالكيف سن دوجا زمين بوكا . أربين ادريسي مي سيد بي من المريسي مي بي بي من المريسي من الم ين من المريب يون من المريب يون من المريب ا

الاست وه ذات جوابنے علم تصما تحد بلانتیل، بے نیاز ہے، اور حس کا مثل کو فی شخصین ؟

سنسطر دی نے کہ جس برفسق ونجور کا خلبہ ہو، اولوانس سے جان نہ مجھڑا سکے وہ جمعوات ، جھڑا سکے وہ جمعوات ، جھڑا سکے وہ جمعوات ، جمعہ اور دنوں لذیذ چیزوں کے کما نے سے پر ہمیز کو ہے۔ جمعوات ، جمعہ اور ہفتہ کو روزہ رکھے اور دنوں لذیذ چیزوں کے کما نے سے پر ہمیز کو ہے۔ اور ہردوزشو با رائس کا ور دکر سے اس سے صلاح کا اثرظا ہر ہماگا۔

اگرمینی کے برتن پرلسے لکھ لے اور خاوند کویل نے اس کی مجتبت مضبوط ہو۔ اب اپھے مقصد کے بلے اسس سے مد و لے ، مجبوک کی تعلیمت کمبی محسوس نہ ہوگ درزق طے گا ، میں کچھ حضارت کو ایسی تلقین کی جے اور اس کی برکت و بچھی ہے۔ والنڈ اعلم ۔

اَلْقَادِمُ الْمُقْتَ رِمُ

ان دونوں کا معنے ہے قدرت والا۔ لیکن مقتدائیں زیادہ مبالغہ ہے۔ قدرت کا مغہوم ہے دورت کا مغہوم ہے دورت کا مغہوم ہے دورت کی طفتندہ شے ، طفتدہ ارادہ وعلم سے ، ان سے موافق وفع ہو۔ تا دروہ ہے در میں ہو۔ تا دروہ ہے کرے ادر جا ہے دکرے ویر ترطنہیں کرضرور جا ہے اور قا در معلق و ہی ہے جو ہرموج دکو ایک نئی شان سے وجو دمیں لائے ادرکسی ادر کی مدد کا محنا

نہ ہو۔ اور وہ افتاد تعالیٰ ہی ہے۔ رہابندہ ، سوانس میں کچھ نہ کچھ قدرت ہے مگرنا تھی جس میں اینے آب پیدا کمرنے کی صلاحیت نہیں ۔ اپنے آب پیدا کمرنے کی صلاحیت نہیں ۔

ابدا برا برا الله کی مراد و مرغوب برعمل کرنے سے معذوری کا اظهار نہ کرے اورجها مختلق ایک بوسکے کوشش کرتا رہے اور الس کی اطاعت میں ہم محن قدرت کھیا دے۔ خصال صلی آ اور کی فاصیت ہے ، قدرت کو انجا را ، جب عبادت میں فاہری یا باطنی کروری محمول کرے تو دو نفل اوا کر کے سوبار السکا ور دکرے ، اور اگر وضو کرے تو اسے برا سے ویشمن برغلبہ یا کے اور ان کے متعابلے میں کامران رہے ۔ المقت دس کی خاصیت ہے الس کی تدبیر مولی تعالیٰ کی طرف سے ہوگی ۔ جوکوئی نیند سے بدیل رہو کر الس کا ورد مرے ، اس کی مراد کی اور ان کے وی تدبیر کر سے گا۔ یہاں کہ کہ اسے خو و تدبیر کرنے کی ضرورت ہی نہ رہے و تدبیر کرنے کی ضرورت ہی نہ رہے گا۔ یہاں کہ کہ اسے خو و تدبیر کرنے کی ضرورت ہی نہ رہے گا۔

اَلُمُقَدَّمُ الْمُعَدِّعِ الْمُؤْخِرُ

اس کا صفے ہے وہ ذات جو قریب کرے اور دورکرے جس کو السن نے قریب

کما اسے آگے کیا، جس کو دورکیا اسے تجھے کم دیا - اس میں ایک مقعد و مرکز لازمی ہے ، جر

غایبت ہو، اس کی نسبت آگے ہونے والا آگے ہو، اور یجھے ہونے والا یہ یچھے ہو - و دمقسہ
افتہ تعالیٰ ہے - اور اللہ کے نزدیک مُقدم وہ ہے جواس کے قریب ہے، ہزیجھے والا ،

افتہ تعالیٰ ہے اور اللہ کے نزدیک مُقدم وہ ہے جواس کے قریب ہے، ہزیجھے والا ،

اینے سے آگے والے کی بنسبت بیچے اور اپنے سے پیچے والے کی بنسبت آگے ہوا ،

اور آگے بیچے کرنے والا اللہ تعالیٰ ہی ہے - مرادید کہ وہ مرتبہ میں کسی کو آگے اور کسی کو بیسے کے کھے کہ نے والا بیے ،

موسی بندے کا اس میں بیھتہ ہے کہ انڈک لیند کو مُقدّم رکھے اور اپنے نفس کو مستخلق انڈک ناہسند سے بیچے رکھے۔

مستخلق انڈکی ناہسند سے بیچے رکھے۔

مقدم کی فاصیت ہے جگ میں وت کا اظہار اور اپناہی و میدان جگ میں وت کا اظہار اور اپناہی و میدان جگ میں حواص ا اے و قت الس کا ور دکرے - مؤخر کی فاصیت ہے ہر جیرے سے تیجے ہے ہے اس کا ذکر کرے اس پر توب و برہیز کا ری کا دروازہ کھل جائے گا۔ والنّد اعلم -

اَلاقل الاخرو

تواص کے پراگٹ ٹرمالات نمع ہوں گئے۔ الاخری خاصیت ہے، دل کا اداری کے میں اور اس پر دائمی عمل برا ہو، اس خواص کے مالات نمع ہوں گئے۔ الاخری خاصیت ہے، دل کا اداری ماسونی سے صاف ہونا جب کوئی ہنمان ہر روز موبا راسے پڑھتا رہے واس کے دل سے تقالے کے سواسب کے نکل جائے گا۔

معنے یہ دونوں وصعت تمی اضافی بل کیونک ظا ہرکسی سے یکے ظا ہر ہوتا ہے۔

یونہی باطن کسی کے یہے باطن ہوتا ہے ایک ہی میلوسے کوئی ظا مرد باطن نمیں ہوتا مبحد ایک میلو پیونہی باطن کسی کے یہے باطن ہوتا ہے ایک ہی میلوسے کوئی ظا مرد باطن نمیں ہوتا مبحد ایک میلو سے ظاہرادرمسی دوسرے بہلو سے باطن ہوتا ہے جمیز بحظ ہروباطن معلومات کی نسبت سے ہوتا ہے۔ اگر المترتعالی موخزانہ حواس وخیال سے طلب کیا جائے تو باطن ہے۔ اور خزانہ عمل سے بطور استدلال علب کمیا جائے توظا ہرہے۔ پوشیدہ صرفت ہوگوں سے ہے کہ انہوں نے اس مے معلوم کرنے میں اختلاف کیا ہے۔ حالانحظ مرہے۔ شدّت ظہور کی وجہ سے، اور الس کا ظاہر ہونا ، الس سے پوشیدہ ہونے کاسبب ہے ، اس مے کرجب تمام انشیاگوایی و پنے بین تنفق ہیں، اورتمام احوال ایک ترتیب پرمرتب ہیں اور زمین و سسان کا ذر آه ذر آه اپنی ذات میس کسی مرتبر کی تدبیر اکسی اندازه کرنے والے سے اندازه اور مخسوص صفات سے موصوف کرنے والے کے وجو دیرگراہی دیتا ہے۔ اور میں بات اس کے پوشیدہ ہونے کاسبب ہے اگرتمام جیزی گواہی میں مختف ہوتیں ۔ کھے گواہی دیش بكه نه ديتين ترسب كونتين ما صل بوجاتا، جيسے اس جيز كى معرفت كر نوراكي موجر د چيز ہے. سورج مے ملاع وغروب سے وقت میر نور رنگین جیزوں سے مختلف رنگوں سے زانداور الگ ہے مالانکدرنگ مختلف ہوتے میں دگویا نور ایک جنس کی ہے اور اس سے مختلف رنگ مختلف الواع ١١ ب اكراتفاق سي سؤرج كا نؤرتمام ظا برى چيزوں پرايك شخص كے ساتے س شدا در شورج غروب نه جو دبکرسا منے ہو، توانس شخص کے یعے یہ معلوم کرنا دشوار نر ہوجا نے ملک سورج کی اصل زیکت ان تمام زیوں سے الگ ہے۔ حالانک نور واضح ترین جیز الراس براس سے مرتب ومضبوط افعال سے استلال کیا جائے سویے ہے تیری ہیئت رحقیقت ، جس براس سے آنا رواحوال ولالٹ کرتے ہیں - اور یاطن ہے- اگر انسس کی حیقت ادراکیس سے علوم کی جانے بیوبی حس کا تعلق صرف ظاہری چیرہ مہرہ سے

ہے حالانکہ انسان صرف نظرا نے والے عبم سے انسان نہیں، ظاہری بدن توہران برتبا رہتا ہے۔ مبلکہ انس کے نمام اجزاکا بہی حال ہے جمبی چیٹا ، مجمی بڑا ، مجرعجی انسان انسان ہی رہتا ہے۔

"بين باربرط ها انس ومحيت بائے - والتداعلم ·

زردق نے کہا بھا رہے بینے ابوالعبالس صفر می رصنی النڈعند کی تحریرات میں ہکھا ہے۔ هُوَ اُلاَ ذَّلُ وَالْاَ خِسِدُ وَالْظَاهِبِ وُ وَالْكَاعِبِ وُ وَالْكَاعِبِ وُ وَالْكَاعِنُ وَهُوَ الْكَاعِب بِكُلِّ شَسَدُی عَلِیسِ مِی ۔

و بن اول و آخر، ظا هروباطن سبے، اور وہی ہرجیز کوجا شنے والا سبے : دورکعت نقل ا داکر کے جوٹ مرا بار اسے پڑھے ، تمام مقاصد سے صول بیں

فائده برو -

<u>اَلُوَالِئ</u>

معنے ، وہ ذات جومخلوق کے امر کی تدبیرا ورنگرانی کرے اور گئی اختیار رکھے۔
دلایت کا لفظ تدبیر قدرت اور نعل سے عبارت ہے ، جب کک یہ اوصا ف جمع نہوں
دالی نہیں کہلاسکتا ، اور تمام انمور کا والی صرف انٹر تعالیٰ ہے ،
من سے پیکہ نبدہ انٹر کے یا لینے اوپر والی ہو ، سواس سے ایسا کوئی نعل اکسی طرح
من سے پیکہ نبدہ انٹر کے یا لینے اوپر والی ہو ، سواس سے ایسا کوئی نعل اکسی طرح
منحلق اور کسی حال میں صا در نہ ہوجو اسے بیند منہیں ،
منحلق اور کسی حال میں صا در نہ ہوجو اسے بیند منہیں ،
منحواص اس کا خاصہ بھی مرکز کی دغیر کم نات سے بیجانا ہے ۔

المنعَالِي معنے کسی قدرمبالغہ سے ساتھ اس کامفوم وی ہے جو عیلی کا ہے۔ اس کی وضا من میں بندے کا حسّہ عالی مہتی ہے ، اس طرح کر کوئی مخلوق اس کی الک نہ منحلق ابنے یائے ۔ جوائس کا ذکر کرے اسے بیندی اورخوشحالی حاصل ہوگی بیما ن مکے حبیض والی خواص عورت، آیا م حیض میں اگر بابندی سے اس کا درد کرے ، اللہ انس کا تحقیک میں اگر بابندی سے اس کا درد کرے ، اللہ انس کا تحقیک میں ا "ربعین ا درسیدمیں ہے۔ كَا قَدِيْبُ الْمُتَعَالِيُ فَوَقَ كُلِّ سَنِينَ الْمُتَعَالِيُ فَوَقَ كُلِّ سَنِينَ الْمِنْفَاعُهُ -اے قریب، ببند تر جو ہرجیز سے لبند ہے۔ مسمور دی نے کہا کی ھزار ایک بار روز اند کے حساب سے بنت بھر تربھے وتمن بلوك بوكا - والتداعلم

معنے السبر اور منحسن مطلق وہ ہے جس سے سریکی اور بھلائی ماصل ہو۔ منعقی بندہ صرف بیکی واحسان سے برابری تربوستی ہے بخصوصًا ہے والدین سے۔ مسخلق اساتذہ اورشیون سے۔

اس کی خاسیت، وجود میں نکی کا حسول ہے۔ اگر بیجے پر بڑھ کردم کیا جائے، تحواص اللہ میں بائے اللہ میں میں جائے اللہ میں الل

سُہرور دی نے کہا اسے جاؤگ تختی پر بھے کو مجیلی سے پیٹ میں رکھ دیا جائے اور مچھلی کوپانی ہیں بھینک دیا جائے ہجس کی خاطریہ عمل کمیا جائے اس سے زبانیں ڈک جائیگ ج

اَلتَّوَّابُ

معظ وہ ذات جوابینے بندوں کے بیاے بی بعد دیگرے توبہ کے اسباب بیدا فرائے جس سے اسس کی نشانیاں اُن پرظا ہر ہوں اور اپنی تنبیات سے ان کو ان اسبا کی طرفت ہانے اور ان کو اُمور پر ہمیز سے خبر دار کر ہے ، یمان تک کر حبب گنا ہوں کی چہلیں ان کو نظر آئیں، تو خوف نو الئی ان کے دامن گیر ہو، بھر وہ توبہ کی طرف آئیں اور النڈ کے فضل دکرم سے ان کی توبہ قبول ہو۔

من من المحلق البن مجرم رعابا ، مجرم دو تون اور مجرم دا تعن كارون سے بار بارمغذی من مخلق البن مجرم دو تون اور محرم دا تعن كارون سے بار بارمغذی مخلق البن كرے دہ اس صفت سے موصون ہے در اس نے اپنا جستہا ہے اس كی خاتمہ ادر سچى تو بركرنا ہے جوكوئى مناز چا شت كے بعد خواص البن المرسل محرب الس كى توب ہي ہوگى ۔ اور جوكسى ظالم براسے وئل بار بڑھے ، اس كى توب ہي ہوگى ۔ اور جوكسى ظالم براسے وئل بار بڑھے ، انشا اُدشد اس كے ظلم سے نجات یا شے گا۔

آكمئتقيت

اس کا معظ ہے وہ ذات بوسرکشوں کا زور توڑ دے، جرائم پر مزادے ۔ افرانوں کو سخت تزین عذاب دے دیسب معذر تول تبیہا ت، مہلت اور قدرت سے بعد ہوتا ہے . جلد مرزا دینے سے یہ سخت توین مزاہے۔

اس کا فاصہ یہ ہے کہ جو کوئی اپنے دشمن سے بدلد نہ لے سکے وہ اس کا ور د کرے - افتداس سے بدل کے گا-

ألعقو

وہ ذات جوبرائیوں کومعا فٹ کرے اور نافرانیوں سے درگذر کرے - بیعنو سے قربیب تر ہے ۔ دیکن اس سے زیا دہ بلیغ ہے کیؤ کد غفران میں پردہ پوشی تعنی جیائے کامعنی پایا جاتا ہے ۔ اور تعفّد میں گنا ہ مٹا نے کامفہوم بایاجا آ ہے اور مٹانا ، جھیانے سے زیادہ بلیغ ہے۔

متری بندے کا اس میں جو حسر ہے وہ پوٹ بیرہ نہیں ، یعیٰ جواس پرظلم کرے ، اسے مسخلق ما مدیر دے بیجہ اس سے احسان کرے و

الس کی فاسیّت یہ ہے کہ جرکٹرت سے اس کا ور دکرے اس کے یاے خواص مناکا دروازہ کھل مائے گا۔

آلرَّوُفُ

اس کا معنے ہے تُافقت والا ، تُلاقت کامطلب ہے ، سخت رحمت اسو یہ جیم کے معنظ میں ہے - مبالغہ کے ساتھ -

تنظی بندے کا اس معنت میں بیصتہ ہے برجواس برظام کرے، اسے معاف کر منحلق میں اور اس سے مینینے والی تعلیف کی بنا پر انس سے اچا برہاؤ تحتم نہ کسے۔

التُرْتَعَالَىٰ فرما مَا ہے :ر

وَلَيَعُفُوا وَلَيَصُفَعُوا الرَّحِيَّوْنَ ترج اورمعا ف كردي اور ورگذركري وليعُفُوا وَلَيَصُفَعُوا الرَّحِيْوَن ترج اورمعا ف كردي اور ورگذركري آن تَعْفِيْتَ اللَّهُ لَكُمُ وَاللَّهُ كَاللَّهُ كَاللَّهُ كَاللَّهُ كَاللَّهُ كَاللَّهُ كَاللَّهُ كَاللَّهُ كَاللَّهُ كَاللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللللِّهُ اللَّهُ اللَّلْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللَّهُ الللللِّلْمُ اللَّهُ الللللللِّهُ اللللللِّلْمُ اللَّهُ الللللِّلْمُ اللللللللْمُ الللللْمُ اللللللللللِمُ الللللْمُ اللللللللْمُ الللللللللللْمُ اللللللْمُ الللللللللْمُ الللللْمُ الللللللللْمُ اللللللللللْمُ الللللْمُ الللللْمُ اللللللللْمُ

جوابساكرے كا اللزياد وحق ركھ ہے كدائس سے ايسابرا و كرے كيونكريو

ے بڑھ کر کر بم اور مہریا تول سے بڑھ کرمہریان ہے .

جوکوئی غفتے کے دقت اسے دس باربڑھے اور اسی قدر نبی صلی انڈ علیہ وسلم خواص پر درُ و دبیجے ،غفتہ جاتا رہے گا جونہی اگر اس سے سامنے کوئی اور بڑھے۔

مَالِكُ ٱلْمُلُكِ

معنے وہ ذات جو اپنے کمک میں اپنی مرصی سے جوچا ہے، جیسے جا ہے نافذ کرے۔
ایجا دکر ہے، معدوم کرے، باتی رکھے، فنا کرے ریماں ملک سے مرادمملکت ہے۔
ادر حالات کا معنے ہے قدرت والا ۔ تمام موجُ وات ایک ہی مملکت ہے اگر زیا وہ بول توجی وہی ان کا مالک و قا در ہے کہ تما م کا کنات ایک شخص کی طرح ہے کا شات کے اجزا اس ایک شخص کے اعضا کی طرح ہیں اس کی مثال انسانی بدن ہے۔
میر نیزے کی خصوصی مملکت اس کا بدن ہے جب اس کی صفاتِ قبی اور عشا میں اس کی صفاتِ قبی اور عشا میں اس کی صفاتِ قبی اور عشا میں اس کی صفوصی تملکت کا مالک ہے ۔
میر نیزے کی خصوصی تملکت اس کا بدن ہے جب اس کی صفاتِ قبی اور عشا میں اس کی صفوصی تے عرب اس کی حصوصی تے عرب اس کی صفوصی تے عرب اس کی حضوصی تے عرب اس کی صفوصی تے عرب اس کی حلالے کی والا کرنے اللہ کو اس کی صفوصی تے تو کو الم کے کا والا کرنے اللہ کی دور کی میں در ہو، اس معنے وہ ذات ہو تمام عربت وجا دکی مالک ہو جوعرب قریم صادر ہو، اس

ہے ہو. بیں جلال تو اس کی ذات میں ہے اور کوامت کا فیصنا ن انس کی طرف سے مخلوق پر متا ہے۔

و سی بند ہے کا صقد بیہ کہ کمزوری سے پاک اور با دّ قاررہے۔ بایں طور سے خلق کے اس سے بندوں سے عِزّت ، و قارا ور نری کا برّنا وُکرے و اس کے بندوں سے عِزّت ، و قارا ور نری کا برّنا وُکرے و اس کی فاصیت عزت و عظمت پانا اور و قار کا اظها رکزنا ہے بیمان کک کر خواص مدیث پاک میں ہے ۔ یا ذائع کھ کے اور کھا گیا میں ہے ۔ یا ذائع کھ کے و فار حاصل کر و ، اور کھا گیا ہے یہ احتٰہ تعالیٰ کا اسم اعظم ہے ۔

آلنفسيط

الس کا معنے ہے وہ ذات جنطا کم سے منطلوم کاحق ولائے، اور الس کا کمال صرف انڈکی زات میں ہے ·

من بند ایندے کا اس میں مہلاحقہ یہ ہے کواپنے آپ سے دو مرے کا حق ولائے . منحلق این میں دوسرے کا حق ولائے . منحلق ورسرے کا حق ولائے ورسرے کا حق ولائے ۔ اور تیسلر میکہ دوسرے کا حق ولائے۔ اور تیسلر میکہ دوسرے کا حق ولائے۔ اور تیسلر میکہ دوسر

سے ایناحق نہ لے رمعا من کر دے اگرممکن ہو)

اس کی ضوصیت عبادت میں وسو سے ختم کرنا ہے جر ببیشہ انس کا ور در کر خواص کا میاب ہوگا ۔

آلجامع

معنے وہ ذات جرمانلات ، تعبانیات اور شفنا دکو جوڑ دے ، اب اللہ کا متمانلات کوجی کن دیکھنا ہو تواس کی مثال ، بہت سے انسانو ال کوزمین پرجمع کرنا ہے اور جیسے قیام ت کے ون ان سب کواک میں دان میں اکتھا کرنا ، تعبا بنات ملانے اور جمع کرنے کی مثال ، آسمانوں بھتناروں ، ہوا ، زمین ، سمندر ، حیوانات، نباتا اور زمین میں بائی جانے والی مختصن معد آیات کو جمع کرنا - ان سب کو کا ننات میں جمع کردیا ۔ اسی طرح اس کا بڑی ، بچھٹہ ۔ رگ ، بوئی ، مغز ، دم ، دخون) اور دیگر آمیزول کا بدن حیوان میں جمع کرنا بمنصنا دات کی مثال ، جیسے گرمی بسرتری ، تری اور حشکی ہموجونی مراجوں میں جمع کرنا ، دنیا و آخرت میں ان مجموعوں کی تفاصیل و تشریع بست طویل ہو سکتی ہے ۔

موری بندول میں کو اسب ظاہری کو اعضاً میں اور حقائق باطنی کو دلول میں بہتے کو مستحلی والے ، سرحب کی معرفت کامل اور اخلاق اچھے ہیں وہ جا مع ہے۔

اسس کی خاصیہ تنت جمع کونا ہے جوشخص اسس کو ہمیشہ پڑھتا رہے اس کے مقاصد معواصل اور احباب جمع ہوں گئے۔ اور گھشگدہ افراد واموال کے تعلقین سے یہے اس کا پڑھنا ہمتر ہے۔ اور گھشگدہ افراد واموال کے تعلقین سے یہے اسس کا پڑھنا ہمتر ہے۔

الغيني الغيني

معظ دہ ذات جس کا دور رس کے تعلق نہ ہو، نذات کے کاظرے ، نہ صفات مبدئے ہوں کے تعلق سے پاک ہو جیتے غنی وہی ہے ، جس کی کسی سے قطعاً کوئی صفات مبدئے ہوں کے تعلق سے پاک ہو جیتے غنی وہی ہے ، جس کی کسی سے قطعاً کوئی ما جست نہ ہو ، اورا تشر تعالی مغنی بھی ہے ، لیکن جس کو المنڈ نے غنی کیا ، اس کے تعلق یہ خیال نہ کی جائے ۔ اس کی طرح وہ مجھی غنی مطلق ہو گیا ہے ۔ اس من طرح کے اس میں کا حقہ یہ ہے کہ اللہ کے ما سواسب سے استعنا کرے اور منحلی اسم مغنی سے اس میں سخا وت مسلم اس میں سخا وت مسلم کی ہم تھے ہیں ہے اس میں سخا وت مرح نے ، اس طرح کہ جے و سے وہ مجھی غنی ہوجائے ، اس طرح کہ جے و سے وہ مجھی غنی ہوجائے ، اس طرح کہ جے اس میں میں ایک معید میں ہے اس میں میں میں میں میں میں اس طرح کہ جے و سے وہ مجھی غنی ہوجائے ،

پر بڑھے، انڈاسے دور فرما ہے اس میں غناکا رازا ورج قابل ہوا سے یے اسم اعظم کا مغرم پرمٹیدہ ہے۔ انڈ کی توقیق سے المعنی اس کی خاصیت ہے غنائیدا کرنا ، جو غنوق سے ما یولس ہوجائے دو اسے روزاندا کی بزار بار بڑھے اللہ اسے غنی کرے گا۔ اگر دس جمعے اس طرح بڑھے کی رات دس مزار ہوجائے تو اثر محمولس ہوگا۔ اگر دس جمعے اس طرح بڑھے کی رات دس مزار ہوجائے تو اثر محمولس ہو گا۔ والنّداعلم ۔

آلمانع

معنا وہ ذات جودین وبدن کی ہلاکت ونقسان کے اسباب کو زد کرے ۔ ان
اسباب کو دکتی فرما کرجو حفاظت کا کام دیں بخیط کامعنی گذیجا ہے۔ ہرخفاظت میں منع
اور دفع کامنوم لازمی ہے منع کی نسبت سبب میں کملک اورخفاظت کی نسبت ہلاکت
سے محفوظ چیز کی طرف ہوتی ہے اور منع کامتعد و فایت ہیں ہے۔
اس اسم مقدس میں بندے کا حقد یہ ہے کہ حکمت صرف نااہل ہے و دکے اور
منوع چیز ہے باز رہے ۔
اس کی فاصیت یہ ہے کہ جو اس پر توجہ کرے اس سے ڈر و تعلیق و دور مناول

اَلضَّاتُ _اَلنَّافِعُ

معنے وہ ذات جس سے اچھائی، بڑائی اور نفع وضرر سا ور ہوں اور بیر سب اللہ تعالیٰ کی طرف منسوب ہیں بخواہ فرشتوں ، انسانوں اور جا دات سے واسط سے خواہ بدواسط ہے خواہ بدواسط ہے خواہ بدواسط ہے خواہ فرشتوں ، انسانوں اور جا دات سے واسط سے خواہ بدواسط ہے سومبرگزین خیال نز کرنا کہ زم برخود برخود ضرّر دیتی اور ما رتی ہے ، اور کھا ان خود مبخود صرّر دیتی اور ما رتی ہے ، اور کھا ان خود مبخود سیرکرنا اور فائدہ دیتا ہے یا کوئی فلکستارہ وغیر و خیرو خراور نفع و نفتا ان

اس کا معنے ہے وہ ظام جس سے سب کا ظہور ہو کیو تکہ جوخو وظا ہراور دوسرو سوظ مرکرنے والا ہو ۔ نُورکہ لا ہا ہے ، اورجب بھی وجو دکا عدم سے مقابد میں ڈکر ہوگا۔ لامحالہ ظہور وجو د سے ساتھ ہی ہوگا ۔ اور عدم سے بڑھ کرکوئی اندھیرانہیں ۔ وجو داؤر ہے ، جوذاتی رہ تعالیٰ نے نورکا ہر شے پرفیضا ل کرتا ہے ۔ توزیین واسمال کومتو۔ سرنے والا وہی ہے ۔

کرتے والا وہی ہے۔

بندے کا اس اسم سے بیحتہ ہے برکہ وہ نور ہوجا ل کک ہوسکے ہرخیرہ ہوا اسک ہوسکے ہرخیرہ ہوا اسک ہوسکے ہرخیرہ ہوا اسک ہوسکے ہرخیرہ ہوا اسک استحلق استحلق استحلق استحال ہو۔

نقواص ہیں کہ خاصیت ، اپنے ذاکر سے قسب واعمنا کو روکشن کونا ہے۔

اربعین ادریسیوس ہے۔

اربعین ادریسیوس ہے۔

كَا نُوسًا كُلِّ شَسَنَى ۚ وَهُدَا لَا أَنْتَ الَّذِي فَلَقَ الظُّلَبَ ۗ

ترجه بر" اے برچیز کومنور کرنے اور راہنا کی فرمانے والے تو نے ہی اپنے نورے

آلهادي

معنے وہ ذات جس نے اپنے خاص بندوں کو اپنی معرفت ذات کی راہ دکھا ڈ ک یہاں تکسکرائس سے انہوں نے مخلوق ہرگواہی حاصل کی۔ اور انس سے عام بندوں کو اس کی مخلوقات کی را و بتائی سیال محد انهول نے مخلوق کے مشاہدہ سے ذات باری پرشها دست حامسل کی و اورتمام مخلوق کواپنی حاجات براری کی ضروری را شمائی فراجم می سوبستے کومن میں بہتان لینے کی ہوایت فرمائی جوزے کو دانہ چکنے اور شہد کی متحی مرحیة بنانے می تعلیم دی .اس كاشرح طويل ہے .اسىمنوم كواس فران بارى تعالی

سختن ایر بر شرختن از می دینی دونیا دی بجلائی کی طرف اینمانی کرے اسے اور یہ کہ اسے دل کی راہنمانی کرنا ہے اور یہ کہ اسے خواص عامل دواکر کوعلاتے کی دکسی طیح کی احکم انی نعیب ہوگئ

و د و است حس کی مثال نه بهو ، اگرانس کی ذات ، صفات، ، افعال ا ور دیگرمتعلق امورمیں اسس می کوئی مثنال نہیں وہ بدیعے طلق ہے۔ اگران میں سے کسی کی کوئی ثنال

بسط سے موج و ہوتو وہ بدیے مطبق نہیں ،جن بندے کو نبوت، ولایت یا علم میں اس ضوعیت سے خص کیا گیا، اور الس کی پسط سے کوئی مثال نہ تھی ، تواہ تمام اوقات میں یا اس کے اپنے و در میں ، تو و دان دیگر اُمور کی بہ نسبت بدیج ہے جنیں بیراوصا من نہیں سط متندس میں بندے کا حقہ یہ ہے کہ بڑی بدعت سے بیجے اور بڑی منحلی اسلامی مقدس میں بندے کا حقہ یہ ہے کہ بڑی بدعت سے بیجے اور بڑی منحلی اسلامی کا میں ہوگا و رصار و صار و رسامی کوئی اسلامی کا میں ہوگا ۔ جو کوئی کے حصوصی اسلامی کا میں اسلامی کا میں ہوگا ۔

اربين ادرليديس ہے۔ "كَا عَجِينْتِ السُّسَّانِ فَلاَ تَنْظِقُ الْاَلْسُنُ بِكُلِّ ٱلْاَلْتُ

وَتُنَا ثُه "

"العجیب شان والے احبی تمام نعتوں کا ذکراورساری تعریف کرنے سے زبانیں فاصر ہیں؛

سُرور دی نے کہا اس پر جمیشگی سے عمل کرنے سے رزق وسیع اور لوگول میں عزمت و وجا برست اور زندگی مین حوشحالی نصیب ہوتی ہے اور تونیق و بنے والا اللہ ہے۔

الْبَاقِي

معنے وہ ذات جو واجب الوجود ہے بینی الس کی ذات خود ہج دیکن جب الس کی نسبست زماند استقبال کی طرف کی جائے توباتی اور زماند ماصنی کی طرف کی جائے توباتی اور زماند ماصنی کی طرف کی جائے تو تاتی وہ جس کے وجود کی مستقبل میں کوئی مدند ہو اسی کوابدی سے توجد دی مستقبل میں کوئی مدند ہو اسی کوابدی سے تبییر کیا جاتا ہے ۔ اور قدیم مطلق وہی ہے جس کا وجود ماصنی کی طرف کسی ابتدایہ

جا کرفتم ندہو اسی کواڑلی سے تعبیر کیا جاتا ہے - اور تمعار اکنا واجب الوجود مبذات ہے-اس تمام مفوم کوشامل ہے -

حب بندہ بقین مانے کدانٹر ہاتی ہے تواپنے تمام کاموں میں اس سے سواکسی کا مستخلی اعتبار نمیں کرے گا- اور اس کی فرانبرداری سے مشتنہیں مواب گا- بعد ہر مال میں اس برقائم رہے گا-

ماں یں اس پرمام رہے ہو۔ اس کی فاصیت یہ ہے کہ جرکوئی ایک ہزار بارائے پرم ھے، دہم کی تعلیف سے تحواص خواص محواص پھٹکا را یا ئے گا۔

<u>اَلْوَارِتُ</u>

معنے وہ ذات کہ باد تا ہوں اور مالکوں کی ہلاکت کے بعد ،جس کی طرف تمام کوئیس اویلکتیں لوط ایک ٹیں اور وہ اللہ تعالیٰ ہی ہے۔ کیونکہ مغلوق کی فنا کے بعد وہی باتی ۔ ہے گا۔ برشے لوط بیٹ کر اسی کی طرف جائے گی۔ وہی اس و قت فربا نے گا لیت ن الملک المیک المیک کے مس کی حکومت ہے ، خو دجواب دے گا دیا ہے۔ القیقاری ایک زبر دست ادلنہ کی۔ یہ اکٹر حضرات کا خیال ہے۔ رہ گئے اہل نظر ، سو وہ اس نداکا ہمیشہ مشابدہ کرتے ہیں ، کہ کس کی ہے ؛ انہیں بعین ہے اور رہے گا کر تمام ترسلطنت و حکومت ایک ہی زبر دست فند ا ہے۔ از ل سی بھی اور ابد میں بھی۔ ایک ایک دن ، ایک ایک ساعت ایک بی زبر دست فند ا ہے۔ از ل سی بھی اور ابد میں بھی۔ ایک ایک دن ، ایک ایک ساعت

آلرَّشِينُ

معظ وہ ذات جومیح طورپر، اپنی ثدابیرکوان کے نتائج ومقاصد کی طرمت جلائے، بغیرکسی مشیر کے اشارہ ، را ہنا کی را ہنا تی ، اور مرست دے ارشا دے ، اور وہ اللہ تعالیٰ ہی ہے۔ میند میل میندے کی دستد، کان کا ان تربیات کے موافق ہے جو اسباب وعلل کو اس مخلق کے دینی و دنیا دی مقاصد سے ہم ہنگ کریں . خواص اس كافاصيت تبول على ب- الم مقصد كه يدعشا كع بعد الرياع المنظم

المصيؤر

منفذه ذاست جس سے جذبات اسے کسی کام کے مسادیس، وقت سے پہلے جلدبازی برآماده مذكري وبلختمام الموروقت مقرر وبرمتعين طريقول عند، أسهة أستة ظهور بذير بول. نة تومقرره مدت سے ، كابلى كى بنا برمتا خربول . نداوقات مقرره سے جلد بازى كى وجسے بيهك كر دست، بلك مرجيزكواكس كمناسب وقت مين رُوبعل لائے .جل طرح اسے بونا چا ہیئے۔ اور پیرسب کچھ اکس کے اراوہ ومنشا کے موافق ہو۔ ایس بیر کوئی رکا وسٹ نہ بن سکے۔ رم بندے کا صبر سویز رکا وٹول اور مزاحمتوں سے خالی متیں بھیزىد اس سے صبر کا مطلب ؟ شهوت وغضبب محمقابدس دين برثابت قدمى النذاجب وومتفنا و ومخالف قوتيل كسه اینی این طرون محیینجتی ہیں تو وہ غلط بات کو جھک کرنیکی کی طرفت قدم بڑھا تا ہے اور جرم ے بازرہنے کی قوت کی طرف مائل ہوتا ہے تواس وقت اسے صبور کھا جاتا ہے بروہ مبدبازى كيسبب پرقابو با تا سے - الله كے يا جدد بازى كاكو فى سبب نہيں . للذاوه

منخلق اس اسمبارک بیں بندے کا صدیہ ہے کہ ماحت پر صبر کرے اور نا فرانی سے

پرمیزکرے .
اس کی خاصیت بلاؤں کو ڈورکرنا ہے ، جوسُورج کے طلوع سے پہلے ، ننوا ر اس کی خاصیت اللہ کی کا بیت نہ ہوگی ۔ توفیق اللہ کے ماتھ میں ہے ، وہی ہمیں کا تی ہے ۔ وہی ہمیں کا تی ہے ۔ وہی ہمیں کا تی ہے ، وہی ہمیں کا تی ہے ، وہی ہمیں کا تی ہے ، وہی ہمیں کا جا د بہترین کا رساز -

ايك طب وضاحت

یہ تمام اسا مصنیٰ قرآن کوہم میں اسی ندکورہ تربیت سے ندکورہ بن مبساکہ الله على الله النظيم مين فرمان بارى تعالى وَ يَنْهِ لِالْاِسْمَا وَ الْمُحْسَنَى قادُعُوهُ بِمَدًا يَمَامُ إِلِي اللَّهُ بِي كم بين اسوا سے ان سے بِكارو كتوت كما ہے. سوره بقرومين يجيبس اسما مصباركه بي و محينط - قلديد . عَلِيم - حَكِيم - تَوَّاب -بَقِيبُوْ وَاسِعْ - بَونِعْ - مَينِعْ - كَانٍ - تَدُنّ - شَاكِدُ - اللهُ - وَاحِدُ . غَفُورٌ ـ حَلِيْمٌ ـ قَابِعَنْ - بَاسِطُ - لَالِلَةَ الِدَّ هُوَ حَسَىٰ - قَيْوُمٌ - عَلِىّ - عَظِيمُ -وَلِيُّ - غَنِيٌّ - حَيِثِ لُدُ - ايك نسخ س تَوَّابُ كَ حَبِّ وَادِثْ اور لَا إِلَّا الْأَهُو سورة النسائيس منات بين- رَقِيْتُ حَسِينَتُ - سَسَهِينَدُ - غَافِدُ - غَفُورُ - مُغِيثُ -كَيْنِ وسورة الانعام مين باني بين و قاطر و قاعد و قادي - تطيف خيد و الاعران مين دو بين- محيد على - محيد المدن الانفعال مين دو بين- نيعم المتولى ينعم اُلاكِين - سورة بودس سائت ام بير حفيظ - قدِّيْن - بِيُنبٌ - مَوَّى - بَينْدُ -وَدُود و فَعَا نُ لِنَا يُونِد و سوره الرعدس دو اسامُ الدير بي -كتيد . مُتَعَال -سورة ابرا بيم من ايك مَنَّان يسورة الجرس ايك اسم مُبارك خَلاّ ق -سورة مريم من داور متادی - وار بی رسورهٔ الجح میں ایک اسم مبارک باعث مسورهٔ المومنون

مين ايك اسم مُبارك كويشم - سورة نور مين بين بين - نؤر - حق - ميسينن -سورة الفرقان ميں اكيب اسم كرا مي حكاد - سورة سباء ميں ايك اسم كرا مي فتا ح-سورة الغاطريس ايك - شَكُوْتُ ما لمُمن مين جار - خَافِر- قَايِلْ - شَيِد يُد - ذَفا لطَوْل -سورة الذاريات بين تين حسى - سَاندًا قُ ذُوا لَقُوعٌ الْمَتِين سورة الطورسي ايك بَرْ الله المتربة السَّاعة مين ولومَدِينك - مُعَّتَ يور سورة الرحل مين تين - رّبُّ المشرقين، رَبُّ المغربين - ذَا الْجِلَا لُوحَالُا كُرَّامٍ وومشرق اور وومغربول كايروروگار ، شوكت وعرّتت والاس سودُ الحديد من جار ظَاهِدٌ- بَاطِنٌ - آدَّ لُ - آخِيب دُ-سورة حشرين وسنل مين - قُدُّون - سسلام - مؤمن - معقيمين - عنديز - عنديان-مُتَكَيِّرٌ - خَالِقٌ - بَاسِ يَى - مُصَيِّرٌ - سورة البروي س دومُندِي مُعِينَدُ" - سورة اخلاص مين واو- آحدً - صمّد سورة فالتحريس بالمح - آلله - تربي سيخن - شحيب - متايلك - يه بات پوشيده نررسه كدان مين سع بعن اسام مُباركه ترمذی کی روایت میں موجود نہیں۔ جیسا کہ الس میں موجود بعض اسماً ان میں نہیں مثلاً اگوا لیے والنتراعلم -

الترك اسم عظب برگفتگ

اوروه بين - هو السَّحْسُنُ الدَّحِيثِ الْعَتِي الْعَيْدُ الْمُعْمَا اللَّعْمَا اللَّعْمَا اللَّعْمَا سے روایت ہے کررسول افتد ملی افتد علیہ وسلم نے قرفایا ، افتد تعالیٰ کا وہ اسم اعظم میں ما يكي ما في والى دُعا قبول موتى ب اس آيت مين ب . قُلِ آنلُهُ ما الله الله الله الله الله الله الله ہے۔ اس کوطبرانی نے بیان کیا بھرت سعد بن ابی وقاص صنی الٹٹرعنہ نے نبی کریم صلے الله عليه وم سے يه روايت نقل فرائى بے كاتب نے فرايا الله كا اسم اعظم جس سے جب وعا مانتي جائے قبول ہوا ورجب سوال كيا جائے عطا برو ودحضرت أيونس بن متى عليسكم کی دُعاہے۔ اس کو ابن جربرطبری نے ذکر کیا ہے۔ علاَم عزیزی نے فرمایا ، صنرت یُونس بن متی صلے اللہ علیہ وسم کی وہ وعاجراب نے مجینی سے بیٹ میں مانتی تھی۔ آبت کرمیہ، لَّهُ اللَّهُ الذَّ اتُّتَ سُبُحًانَكَ ا فِي كُنْتُ مِنَ الظَّلِينِينَ - جِي بَيرِ بغيرِ كُولُ سے معبود ہے ہی منیں او یک ہے۔ بے سک میں ہی زیاد تی کرنے والوں میں سے ہول. جب سی مسلم نے ان کلمات سے کوئی مدد مائی، اللہ نے قبول فرائی . جیسا کرمدیث تمتر میں ہے۔ نبی کریم صلے انٹرعلیہ وہم نے فرط یا بمجیلی سے بیٹ میں رہنے وا لے علیالصلوۃ ولسلام كى ود دُعا جراشول نے شكم ما بى ميں مانتى - لَدَّ اللَّ آئنتَ كَسُبُحَنَكَ اِنْ كُنْتُ مِنَ الظَّالِمِينَ ، حِبِهِمان كسم عند كريا جبي ما بنتر النَّر قبول فرا مُحُ: السركواما م احمد ، ترمذي ، نساني ، ماكم ، بيقى ا ورنسيًا نے سعد رينى انتدعت سے روابت كي - دلمي خصندالفردوكسس ميں ابن عبالس رسنی انتدعنها سے رسول انتدسلی انترعلیہ ولمم كايدار نتا دنقل فرما يا- الله كالسم اعلم مورة حشركي آخرى خجد آيات ميں ہے . حبيباكد جامع سنیرمیں ہے۔ اس سے علاوہ باتی ندکوردا ما دیث تھی میں نے جامع سنیرسے نقل کیں۔ متلانبی سلی الشدعلید وسلم کاید فران الشرکا اسم اعظم حس سے وریعے انتی کئی و عاقبول ہوتی ب - قرأن كى مين سورتوں ميں ب - البقد - آل عمدن - ظلم اس كو ابن اجر، عاكم اورطرانی نے صرت ابوا مامر با بلی رسنی افتدعند سے روایت کیا ہے۔ اس کی اسنا جسن .

الس صدیت کامشرن میں عُلامرعزیزی نے کہا العلقی نے کہا ، علی نے اسم اعظم میں خل میں اس کے کئی اقوال ہیں جن کا خلاصہ بھارے شیخ سیوطی نے اپنی کہا ''یالدرالمنظم'' علقتی نے کہا ، بیں کہنا ہوں ان اقوال کا خلاصہ ، ذکر دلائل کے بغیر ذکر کر دیتا ہوں ہاں بکے ضروری دلائل اختصارے مذکور ہوں گئے۔

ا اتوبه بدي كراسم اعظم كالك كو في وجود بي نسيل بين الشرتعالي مي تمام اسماً ميهملافول عظيم بين بمن ايك كو دوسرون برفضيلت دينا جائز نهين واس بات كي طرف ایک قوم کارجان ہے۔جن میں ابوجعنرطبری ، ابوالحن استعری ، ابوحاتم بن مبان اورقاصنی ابوبجر با قلائی اوراتهی سے ملتا جلتا ا مام مالک جمدا دیند دغیر کا قول سے که قرآن ك ايك حقد كودوسرك برففيلت دين كوجائزنسي مجعة -اورابط كم اسم اعلم ك ذكر كاجوروايات مين آيا ہے۔ الس كو يرحفرات عليم برحمول كرتے ہيں۔ بعني اعظم بمني عظيم طبرى كى عبارت يه سب الشريعا لے كے اسم اعظم كى تعين ميں آگاروروايات مخلف ہيں۔ ميرى وانست مين ثمام اتوال صحيح بين- انس يلے كسى خبر ميں ، كسى اسم مُبارك كواسمُ الم متعین میں فرمایا کیا یک براسم اعلم ہے- اور اس سے کوئی دوسرا برا المین فرماتے ہیں التذكي اسماً ميں سے ہراسم مبارك كو دوسرے سے عظم كهدسكتے ہيں-اوريد بات عظیم کی نوٹ آسٹے گی ابن حیّان نے فرمایا ، صریتی سیم بڑائی آتی ہے اس سے مُڑاہ یہ ہے کہ اس اسم مُبارک کے ذریعے دُعا ما نگنے وا نے کوزیا وہ اجروٹواب ملے کا جیساکہ ترآن سے بار سے میں ہی بات آئی ہے دکرفلاں آیت افضل و اعلیٰ ہے) اورمراویر کہ اس کی تلاوت پرتاری کو اجرزیا دہ معے گا۔

وومراقول اطلاع نهي دى جيساك كيدالت ذرقبوكيت كاساعت اورماوطي معنوق كو مراقول اطلاع نهي وي جيساك كيدالت ذرقبوكيت كاساعت اورنما وعلى مساقول المسلم اعظم جه السحامام فخرالدين نے بعض اہل كشيف سے نقل مسلم و الدين نے بعض اہل كشيف سے نقل مسلم و الدين نے بعض اہل كشيف سے نقل

جوتهاول يراسم عنوانله يموعديد اسبمباركسي اور براسي بولاجاتا ب-انواق ل يركه المراعم الله التولي التوييم " - التويم " - التواق ل يركه المراعم الله التوليم " - التراق ل يركه التوليم معاقول السم عفرد آيوں ميں بے ١١٠ والفكم الله قاحد لداله الآهـ الدَّحْنُ الدَّحْيِمُ وم ، اورسورة العران كي شروع مين - المم اللهُ لدّ إِنْهُ الِدَّ هُوَ الْحَسَى الْعَسَيُّولُمُ -والمت في القيوم كيوع مديث بين آيا ب اسم اعظم بين سور تون بين بعد اسم اعظم بين سور تون بين بعد المسم اعلم من المام رازي كا ب المعلن وطلب بي تول الم رازي كا ب مثال سابق سے زمین و آسمان کوسید اکرنے والا۔ دبدے اور عزت والا " توال قول مديع المتنوت وألا من دُو الْجَدَل والدِحْد المراب وسوال ول ذُوا تَعِلَدُكِ وَالْلِائُوا مِا كَيَارِيُولَ لَى اللهُ لِدَّا اللهُ اللهُ اللهُ عَوَ الْاَحْتِ لُهُ الصَّمَدُ اللَّهِ عَلَى لَهُ يَلِيدُ المَّعْرَال اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَمَا الْاَحْتِ لُهُ الصَّمَدُ اللهُ عَلَى لَهُ يَلِيدُ لَهُ مَا اللهُ الل سوا کونی سچامعبو دنهبیں ۔ ایک - بےنیاز ،حس کی کوئی اولا دنہیں ، نہ وہ کسی کی اولا د ، نہ اس کی برابری کاکوئی منافظ ابن جرنے کہا اسند کے لحاظ سے بیتمام روایات سے باربول و التي ، رَبّ - ١ پرورد كار - ١ ميرسوال إلى المنت وكلك كالك

م محلى والے ديونس عليالسلام كى دُعا لَدُّ اللَّهُ الدَّ الْخَتْ شَبْعَا لَكَ اِنْ مَنْ مَعَا لَدُّ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْفَالِدِينَ مِنْ النَّالِينِينَ مَرْسِينِ مِنْ النَّالِينِينَ مَرْسِينِ مِنْ النَّالِينِينَ مَرْسِينِ مِنْ النَّالِينِينَ مَرْسِينِ مِنْ النَّالِينِينَ مَرْسِينَ مِنْ النَّالِينِينَ مَرْسِينَ المُنْ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ الللْمُلْمُ اللَّهُ اللَّالِمُ اللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللِّلِم میں ہی زیاد تی کرنے والوں میں سے ہوں ! بيندر مول فول كلم توصيد - است قاضى عيا عن نے نقل كيا ہے لَا اللهُ اللَّهُ عُورَبُ الْعَنْدِينَ الْعَظِيمِ - ودافترين كى ذات بيض كيسواكو كى سياً سترسول قول اسم اعظم اسم صلی میں بی در شیدہ ہے۔ الطفار بول المترتعاك كابراسم كرامي جن بين مح بوكر الس طرح وعا ما يئ عائد. المفار بول كالمراس حالت بين التركا غير نه بو جوعي اس طرح وعا ما تنظ قبول ہوگی ۔ بیابت امام جعفرصا دق ،جنید بعندا دی وغیرہمانے فرمائی۔ رمنی اعترعهم انجین۔ البيسول قول أمتفائم اساداتر - الزركشي في ا بيسوال قول اكسم بناصه عبارت تشتع عزيزي على الجامع الفنير الترتعائے کے اسم اعظم پرامام عکة مرعارف با نترسنی عبدانترین اسعدالیانی المينى الشافعي رصى الترعذ نے اپني كما ب الدرالنظيم نى خوا ص القوان العظيم سي

تفصیلی تفتیر کے بے - اس کے یا سور و آل عران میلی آیت السعد الله لا إله ولا حو المحسنى العَسَيْوَمُ الكه بعدايك فاص فصل معرر فرا في - فرايا -

فعيل: التركيهم عظم كيبيان مي ما فظ ابوالقاسم سيلى نے كها ، الس سند ميں على كا اختلاف بيے - ايك جاعت

اس طرف گئی ہے کہ اللہ کے ناموں میں فنیدت کی محت نہیں کرنی چا ہینے۔ ان کا کہنا ہے۔ كران مدك ناموں ميں كوئى دومرے سے جرانييں - اورجها ل مجى اسم اعظم كا نفظ كے - اس كامعظ عظيم واكبرمبعنى كبير إلى ويسيد أهون معنى هين ويدا تا بوالحن بن بطال ف نقل کی اور ایس کی نسبت ایک جماعیت کی طرف کی جن میں اُبومخذین ابو زید القاسبی -وغیرہ شامل میں ان کی دلیل مجی یہ ہے کہ رسول انتدسے انتدعلیہ وسم نے اس اسم ممبارک بی قطعی تعین نهیں فرمانی موالائے آپ سے کمترشان والے بھی اسے جانتے تھے۔مثلاً اسف بن برخيا ، بلعام باعوراً ،علبتدين التآسر و او يني كريم صلى التُدعليه وسلم في جب أتها أن تفترع وانحسارى سے اپنی اُمت كى باہمی سيھول سے بینے كى دعا فرما كى تھى توبنينا اسم اعظم سے ہی دُعا مائی ہوگی ۔ تاکہ قبول ہو، کہ آں صنبے اللہ علیہ وسلم ان پیرفیق سمے ۔ ادرامت کی علیت کی پرشاق گزرتی تھی جھرجب کی نے ایسانسیں کیا ، توجمیں معلوم ہوگیا کہ افتدتعالیٰ سے اموں میں سے سزام کی فضیلت اور حکم دوسرے کی طرح جے جس مام سے و ما مانتی جا سے چا ہے توقبول فرمائے "وربا ہے تورو فرمائے واللہ کا فرمان ہے . قُلِ ادْعُولُ اللَّهُ آيدادُ عُولا الَّحِنَ ترجمه: تم فراؤ الله كو بكارو يا رحمان كو اليَّا مَا تَدْعُوا فَلَهُ أَلَّا نُمَّ أَنَّ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ الله

اس کارم سے فا ہری طور پر تواند تعالے کے تمام اسمائے شنی مرا بر معلوم ہوتے ہیں ، ای سے یہ اور و و مرے میان اس طرف گئے ہیں کہ اللہ کاکونی کلام او سرے کے نفسل مہیں ، ایک کلام او سرے کے نفسل منہیں کرو کہ ہے پر ایک کلام ہے یہ بیس ایک کی دو سرے پر فضیلت محال ہے ۔

شند کی ایک ایک کلام ہے یہ ایس ایک کی دو سرے پر فضیلت محال ہے ۔

شند کی ایوا تقاسم کا قسول این ایوان اموں ہے دانشہ مین جیم ایس کی موسل ہے یہ موسل میں ایس کی موسل میں ایک کی جان کا مون این اموں ہے دانشہ مین جیم کا شروع کرنے کا سب یوں جین کیا جاسمتا ہے کہ اس طرح این ایک ایک ایک کے ایک کا جائے کیا جاسمتا ہے کہ اس طرح این ایک ایک کا میں کا میں کے کا سب یوں جین کیا جاسمتا ہے کہ اس طرح ایندائی اعقلامحال ہے یا

ترعا ؟ عقلاً تويه عال نهيل اكد المترتعالي ايك كارخيركود ومرك بريا ايك كلر ذكركو دوسرك پرنسنیدت بنجتے بمیونح فطنیلت کا دارومداراجرو تواب کی کمی بیشی پرہے ۔ فرائض کو نوا فل پر بالاتفاق ففيدت ما مل ہے۔ نماز اورجها ومبت سے بيك اعمال سے افتل ہيں وعاودكر بجى اعمال ميں سے دوعمل مين تو تعفن كا بعض سے قبوليت سے قريب تر برونا - اور آخرت ميں ، بعمن كالبعن سے زيا دو اجرو توا كل باعث بونا بعيد منين واسكامسنى كى تعبير بين اوروه التُدكے كلام قديم ميں شامل ہيں اور ہم كلام التُدميں يہ نسيں كھتے كدوه عين سے ياغير اسى طرح ہم اس کے اسما کے متعلق بھی ،جوانس کے کلام میں ہیں، یہ نہیں کہتے کہ وہ ڈاشٹ باری كاعين ياغيربين بيهراگرسم اپنی مخلوق زبانول اورحا دشه الفاظ سے كلام كريں تو ہما إكلام بارے اعمال میں سے ایک عمل ہے مالانحد اللہ تعالے فرما تا ہے۔ قرادللہ خلق کم وَمَا نَعُسُلُونَ - اللَّه نع تميس محى بيداكيا سے - اور تمار سے اعمال كومجى "جب يہ بات تابت ہوگئی اوراسکامیں فنسیلست جا کزہوگئی ،جب بھی ان سے پیکا ریں تواسی طرح سورتوں اورآیتوں كاكيك ووسرے سے انفسل موناتا بت بوتا ہے كر الس كا دارومداراس تلاوت برہے بير ہاراعمل ہے ،اسستقومینی، جو ہارے رکے کلام اورانس کی قدیمی صفات سی سے ایک سفت ہے ۔ نبی کریم صلی افٹدعلیہ وسلم نے حضرت ابی بن کعب رحنی افٹرعنہ سے فرمایا تیرے پاس کتاب الله کی کونسی بڑی آیت ہے ؟ انہوں نے عرض کیا ، اَلله الله الله الله عشق المتنى العَيْدُم غرمايا الوالمنذرا ،علم مُبارك بوديه مال بي كدود اعظم معدرادعظيم لين الس یے کہ قرآن سب کاسب عظیم ہے۔ تو کیسے فرما سے بین کہ قرآن کی ایک آیت عظیم ہے، جب اس کی برایت عظیم ہے۔ یونہی اس مسلمیں ابل زبان کے تمام استنشا وموجود ہیں مشلافود كت بين أكنبو معنى كتبياث معنى أهود وبمعنى هستين-

اگربرسوال کیا جائے کہ الند کے اسم اعظم سے متعنق ہارا کیاتول ہے و اور کیا الند کے اسما

شنخ ابوبجرتهري كاقول

یں ایک دوسرے پرففیلت کا اصول جاری ہوتا ہے ؟ بلحہ اہمی فضیلت و نفرت اورمغانیرت. لله تعالی سے ناموں میں کس طرح متصور ہوسکتی ہے ، حبب کہ اسم سمی کا مین ہے ؟ تواس کا واب يه ب كرمهاراكنا " إسم الله الاعظم اس عدر وواسم ب، بواجابت ك ریب تر ہوا ورجب اس کے ذریعہ دعا مانگیں قبول ہو یہ

کیا وجہ ہے کہ انسان اس کے ذریعہ وعا مانگا ہے۔ ہم بھی قبول نہیں ہوتی ؟ ہم موال محراب میں اوّل تو یہ کہتے ہیں ·

کر ہم ہم اعظم کی قطعی تعین نہیں کرتے۔ پیشکوک وطنون کامحل ہے کہ اس میمختف واسے چوسے اقوال میں متعدد الفاظ ہیں ۔اب اگر ان ہیں سے کسی ایک کو ڈعا ما نگنے والے كے يہ متين ذكيا جائے تو قبوليت سے قريب تركا كھے بتہ يلے ؟

موال اگرکوئی شخص ان تمام افناظ کواپنی دُعامیں بھے کر ہے ، پھر بھی اس کی حاجت موال اپوری نہ بہوتو کیا جوا ہب دو تھے۔ ؟

اب کے توکسی نے اس کا تبحر بنس کیا کہ انراد رہا ہوکہ ہم جواب دیں .

مہلی کا قول کے اسے مرحبن سم عفر کاعلمائے ذکر کیا ہے۔ وہ کہاں ہے ؟ مہلی کا قول کے کرمین کے ذریعے جو کوئی انتدے دُعا کرے قبول فرما آ ہے اور

جومانتے عطافرما یا ہے جم اس کے ووجواب دیتے ہیں۔ یراسم مُبارک ہم سے بہتے ہوگوں کے پاس تھا جب انوں نے اس کوجا نا بخطا اول کے بہترت سے استعمال نرکیا اس کی تنظیم کی بغیرطہارت کے ہاتھ نہ لگایا بہتا والے نے اس کے تعاصوں برعمل کیا ، پوسٹ مدہ رکھا تواس سے ذریعے مسمیٰ ۱ واس، ک

عظمت سے اس کا دل پُربوگیا بمسی غیری طرفت توج نه کی اور نیکسی غیر کا دار ما بیئن جب اہنوں نے اسے دبیست مقاصد کے لیے ، استعمال کیا ، غلط اور مذاق سے طور پر اسے بوانا

منروع کیا ،اس کے مقتضا پر عمل کیا تو دلوں سے انس کے بیست جاتی ، جی بھر فوری لیک

اور ماجت الدن کی وہ بات، نر رہی جرپہلے تھی، تم دیکھتے تہیں ایوب علیانسلام مے اس قربان کی طرفت کرمیں ایسے و وا دمیول کے بائس سے گزرا کرتا جو لرٹتے جا تے اور اپنی لڑائی میں اللہ کا ذکر بھی کرتے کو بات ایسے و میں ان کے بائس سے بھاگ جاتا ، مجھے یہ بات ایسند تھی کراللہ کا ذکر علط انداز سے کیا جائے ہو حدیث تر لین میں ہے کہ نبی صلی انٹر علیہ وسلم نے فرایا، مجھ باک کے بیرا نشد کا ذکر کرنا بسند نہیں ہے استیرے یہ تنظیم واضح ہوگئی۔

الس كوابوداؤو في روايت كيا -

جب انیا کے فقنے ، اُمّرت سے آخروی عذاب بھیرنے کا سبب ہیں اُتو ہی کریم صلی اللہ علیہ وسلم کی ان کے بلے مائی گئی دُعا نا اُمُراد ندرہتی ، علاده ازی میں نے اس صدیت برا در نبی کریم صلی اللہ علیہ وسلم کی ایک اور مدیت پر مؤرکیا کرجب ایت :

برا در نبی کریم صلی اللہ علیہ وسلم کی ایک اور مدیت پر مؤرکیا کرجب ایت :

قُلُ اُحُو اللّا دِت عَلَی اَدُنْ یَبْغَتْ مَرْمِد : تم فرا وُ وہ الس پر قادر ہے ۔

عَلَيْكُمْ عَذَابًا مِينَ فَوْ تِكُمْ - كُمْ مِرا وبرت عداب يجيع. زآب نے فرایا ، میں تری واٹ کی باویا ہا ایوں ، بھرجب آب نے یہ آبت سنی . تَيُذِيْقَ تَعْصَكُم الله سَ تَعْصِل من ترجم بميس ابك دوسم على سخق وكيا -فرمایایه رنسبتاً "سان جدالاسی ہے آپ کا ممت پہلے اور دوسرے عذاہے معفوظ كردى كئى او تبسرى أب سے آب كومنع فرما ياكيا - والله اعلم بين نے يہ بات ايك عارف برمیش کی توانهول نے فرا ؛ یہ تونیح بہت اچھی ہے دیکن یمعلوم نہیں کہ آ ہے کا سوال آیت کے نزول سے پہلے تھا ، بعد اگر نزول آیت کے بعد تھا ، تومیرے خیال میں یہ سوچ صبح ہے بیں نے کہا ، کیا مؤقل میں موجود نہیں کہ آب نے یہ وعامسجد بنی معاویہ میں مانتی تھی چرمدیندمنورہ میں تھی ، ج وراس میں اختلافٹ نیس کرسورہ الانعام مئیہ ہے كف الكي تعليك ب- انهول في تا كاليتين كيا اوراس كا اقراركيا -مال ایشنج ابر بحرفهری کتے بیں اگریسوال کیا جائے بھیاتم اسے جائز سمجھتے ہو کہ بندہ مسول کے ایک ماجہ ترسمجھتے ہو کہ بندہ مسول کے مسی حاجب میں اپنے رہے دُعا مانگے اور اس کی دُعا قبول نہو۔ ج ا ہم كتے بيں ، اگرائس نے اپنے رب سے دوسوال كيا، جوعلم بارى تعالىٰ بين بونا جوسب ماتوبندے کی دُعاقبول برگی بیون دُعا الله کے علم سے برخص مجی نہیں برعتی . اوراسس کے امل فیصلے کوبدل تھی منیں سکتی ۔ سوال عمرسم علم كاكيا فائده بوا به اس کا فائدہ کیریمی ہوسکتا ہے کرانٹرسجانۂ تعالیٰ اپنے بندے کی زبان پرصرف جواسب اس کا فائدہ کی زبان پرصرف جواسب اور دس کے دل بیں صرف وہ خیال ڈاتیا ہے۔ حس کے بایہ میں اس کے علم میں بیلے سے موجود تھا کہ جو مانتے کا ملے گا۔ اگرائس محے علم میں ایس کی حاجبت براری نہیں ، تو ایسی دُعا بندے کی زیان برلآ

سوال اکیاتمام دعاؤں کے مدارج یہی ہوتے ہیں ؟ السانهين ببحثمام دعائين ايسى زبان يرجارى بوتى بين بحس كي قبوليت كا جواسب فیصد برجیا برتا ہے اور کھی اسی زبان پر جاری برقی ہیں جن کی نا قبولیت کا قيسد بوجيا برا ب- بم ان شار الترسورة اعراف، كترس عنقريب فبوليت وعا ا در قبولیت میں آنے والی رکا وٹول کوبیان کریں گے سوجا نزے کہ قبولیت کی ترانط میں سے کسی خبرط کے زہونے سے تمام دعا وُل میں ضل آ جائے اور دوسر معقام پر وہی تشرط کام مرجائے۔ توجیب استدکسی دُعاکرتے و سے کی زبان پراسم اعظم جاری مرا تبوليت كي تشرطيل ماصل موجاتي بين اورموا نع ختم زوجات بي واسم اعظم كالبي مطلب اس بنا پر قرآن کی سور توں اور آیتوں میں ففیلت کا حکم جا ری ہوگا۔ دلندا ایک آمیت وسور آ مے قاری کو وہ اجرو تواب مل سکتا ہے جو باتی آیات دسور تول کی تلاوت سے نہ سلے نبى كريم صلے ، لنّدعليه وسم كے الس فرمان كونسيں و پيچنے . مورهُ تبارك دالملك، اپنے عامل سے عبر اورائے قل هوالله احد ایک تهائی قرآن کے برابر ہے ؟ وغیرہ اور دوسری آیات کی پیخصولیتیں بیان نہیں کرنے - رہا اسم اعظم میں تفایر و تعب ترد کاساول توايكمستى كي كام بوسكتے ہيں واورما مرسحونوں كے نزديك مرام مستقل ہوتا ہے۔ ہم ج موصنوع سے باسم ہوجائیں کے ورند، اس ول کا ایسا واضح بطلان کرتے کو انہیں بھا گئے كاراستدندمننا فاكرعربي زبان مين بيراصول صحح برقاتو الس برحنوركاب فرمان كرتيرك إلى قرآن کی کون سی بڑی آیت ہے ہوائس میں کیا جاسکتا، انس یے کہ تما م قرآن عظیم ہے ان كاسوال عظيم ترسيم تتعلق تھا جوتواب الاوت ميں افضل اور قبوليت سے قريب تر مو اور الس فرمان میں بہوت اسم اعلم کی دلیل ہے اور برکد انٹر تعا لئے کا ایک نام الس سے
باتی ناموں سے عظیم تر ہے۔ اور الس اسم سے قرآن کا نعالی ہونا محال ہے۔ فرمانِ باری تعالی مَا تَدَعَلْنَا فِي الْكِتَابِ مِنْ شَنْحُ و ترجر بهم نے قرآن میں کوئی چیزا تما نہ کی۔

تولائلا یہ قرآن میں ہے اللہ تعالی شان سے بعید ہے کہ کہ صلی اللہ علیہ وسم کونیوں پر اور آپ کی آمت کو اُمتوں کو فنیلت بھی دے اور گراوم بھی کرے ۔

معوال پر اسم اعظم قرآن میں کہ ں ہے ؟

کما گیا ہے اسے اسی طرح پوشیدہ کی گیا ہے جس طرح جورے دن میں جواب فاص جوریت کی ساعت اور رمضان کے میسنے میں بیلتہ القدر ہی کہ لوگ محنت کریں۔ توقل کر کے زبیقہ جائیں، شیخ ابو بجرفہری نے کہا ، اُمّت نے اس سے فیف ماصل کیا ۔ اور ابل قرآن وابل کت بین شیخ ابو بجرفہری نے کہا ، اُمّت نے اس سے فیف حاصل کیا ۔ اور ابل قرآن وابل کت بین شیخ اور بے کہ اللہ تعالی کا ایک ایسا اسم اعظم ہے۔ جس کے ذریعے جب بھی اس سے دُعاکرے جبول ہوتی ہے اور جب ما محکا جائے متنا ہے جس کے ذریعے جب بھی اس سے دُعاکرے جبول ہوتی ہے اور جب ما محکا جائے متنا ہے اب میں آپ کے سامنے نبی اکر مصلے اللہ علیہ وہم ،صحا یہ کرام اور سلمن صالے کی اس سے متعلق روایا تبیا نہ کرتا ہوں ، ان میں سے ایک اللہ تا نہ قربان : ا

ان شيم در ركيا؛

ا بن عباس السندی او رمقال وغیرہ نے کہا یہ خض بنی اسرائیل سے تعلق تھا اسکا ام بعام بن باعوراً تھا السس کے پاس اسم اعظم تھا ، با دشاہ نے اسے الاش کیا ، وہ رُوپوش ہوگیا ، با دشاہ نے اسے الاش کیا ، وہ رُوپوش ہوگیا ، اور کہا المسم اعظم والا ہے ۔ باس نے کہا باس ایسا بیل اور جس سے کا م نہ لیا گیا ہو ایک سرُرج رنگ کا بیل لا با گیا ، کو فی اس کے کہا باس الدبائیا ، کو فی اس کے فریب نسین اسک تھا ، یہ اُٹھا اور اس کے کان میں کو فی بات کی بیل تجھر بن کر گرا ، اس فریب نسین اسک تھا ، یہ آئی اور اس کے کان میں کو فی بات کی بیل تجھر بن کر گرا ، اس نے با دشا و سے کہا ، یا تو بنی اسرائیل برمظالم بند کر و سے یا کہ برحبی و جی نازل ہوگا، جو بل یر ہوا ہے ۔ اب وہ با دشا و بی اسرائیل برمظالم شوائ کے وصاف سے باز آگیا ، ان میں سے دوسرا اسٹار کا فرطان یہ ہے ۔

قَالَ الَّذِى عِنْدَ الْ عِنْمُ مِنْ الْكِنَادِ ترجر: رص كے پاس كاب كا بِحَامِ تما. اَنَا اٰيَدُكَ بِهِ - الله عَلَمُ مِن اللهِ عَلَمُ اللهِ عَلَمُ اللهِ عَلَمُ اللهِ عَلَمُ اللهِ عَلَمُ اللهِ ا

لامًا بيون -

توان كے سامنے اس مبیسا تنت بنا و يا كيا - اور كها و ه اسم اعظم جس سے مانئ كئى وُعا قبُول اور كها كميا سوال ملتا ہے كيا ذَا الحجدَلة لِي قَالْلِاكُلُوم ہے۔

تيساراندكا فرمان :ر

دَمَّا أَنُولَ عَلَى الْكَلِّكِينَ بِبَابِلَ تَرَجِهِ بِجَرِي بِابِلِ مِن ووَمِشْتُول بِرِ حَادُونَ وَمَا يُرُونَ رِ

این عباس علی بن ابی طالب، قتا دہ ،السکر اورالکبی رصنی النگر عنم نے فرطایا ، ماروت وماروت ون مجربوگوں میں قصیلے کرتے بشام ہوتی نوانٹر تعالیٰ کا اسم اعظم بڑھ سراسان پرچرم جاتے ایک ون زمراان سے پائس کسی عبر کے سیسے میں آئی۔جو س ملك كي خوبصورت ترين عورت تمحى و اوربا وشابا ن فارسس مين سيدايك با دشاه كي ملكم تمی ۔ یہ دونوں اس سے مانونس ہو گئے اوربہلا نے پھیسلانے لگے۔ ایس نے ان کی خواہش پوری کرنے سے اس وقت تک اکار کیا ،جب تک وہ اسے اسم اعظم نہ تبائیں جس کے ذریع اسمان برح من بین انسول نے کہا انتد کے بڑے نام سے انہوں نے کسے اسم اعلم بنا دیا۔ اس نے اس کا ور دکیا اور اسمان بیستارہ بن کرچھنے لنگ - قاصنی ابوبحر بن مینب نے اپنی تنا بالمنع میں تھا ہے۔ بہت سے اہلِ علم نے یہ بات ذکر کی محم بابل میں و وفرشتوں مرح نازل کیا گیا تھا ، و ہ افترتنا کی کا اسم اعظم تھا جس کی مدوسے زمرا اسمان برج ده منى- بيمروبين ستار كارُوپ د حارتنى . قاضى ابولجر كتے بين عقل اس میں سے کسی کومحال قرار نہیں دیتا ۔ استے جدلو. حدیث میں آیا ہے بر موت کا فرشتہ وعا اورا لنذ سيمضوص اسم اعظم محد ذريع رومين قبين كرتا ہے - بير روايت ان توگول كارُدكر فى بعج كيت بين اتن وكور سے روحين كيسے بين كرلية بعد اور دوردماز مقامات سے بیک وقت متعدد روومیں کیسے گرفت میں لے لیت ہے۔ مذکورہ آیات محمتعلق صحاب وتابعين كے اور يمى أوال ہيں جو بھار سے مولد بالا اقوال سے ختف ہیں۔ان سے استدل ووطرح سے کیا جاسکتا ہے واقل میکو بڑے بڑے صحابا وربعد مے سلمان بزرگوں کی زبان پراسم اعظم کا ذکر ہمیشہ رہا ہے - اور کسی نے اس کا آنکار نہیں کیا ۔ ہاں آبیت کی تغییر میں ان کا اختلافت ہے۔ پھے کہتے ہیں آبیت میں انٹیدکا نہیں کیا ۔ ہاں آبیت کی تغییر میں ان کا اختلافت ہے۔ پھے کھے ہیں آبیت میں انٹیدکا اسم اعظم مراد نهیں اس سے مراد کھ اور ہے۔ ان حنوات نے اسم اعظم کا انکا رنہیں کیا۔ دوسرے جب کسی آیت کی تعبیر میں صحابہ کرام مختلف بُول ، اجلہ محتقین سے نزدیک

ابن عبانس دمنی انتُدعذ کے قول کو ترجیح دی جائے گی، دلیل بیہ ہے کہ نبی صلی انتُرعلیہ وہم في ان كيسين مُبارك برباته ماركركها تها - أنتهم عَلِيه التا ويُل الني اس كوقراك كى ميمج ما ديل بها د مع اورابن عباس في اس كويفيناً بهان فرا ديا سهد اورام اعظم ك طرف اشاره كرك اسع الفنل تهين فرطايا ، اشارة بلا دياككسي صورت مين سم اعلم ديد اور وه سب سے افعنل قراریا شے اس کا تصور بھی مہیں کیا جاسکتا۔ افغلیت وعلمت كادارومدارتو بهاى اسم اعظم برو ويحقة تهين كس طرح رسول التدصلي التدعليه وسلم ف صنرت ابی بن بعب كوفترا داوعلم پرمبارك با دوى - اورمبارك با دعلیم شهر بهدى. جاستى ہے الس طرح كراسم اعظم كو بھى جانتے ہو-اور حس كريت ميں وہ ہے اسے بمى بهم سے پہلی امتول میں صرف چندا فار کو الس کا علم تھا مشلاً علیمترین الباً مؤاصف بن برخیا اور ملعام باعور حبب مک شیطان نے اسے گراہ نہیں کیا تھا۔ حزرت اُتم سلمہ رمنی انترعهها کی روابیت، جصے ترمذی اور ابو داؤد نے اسماً بنت یزیدجن کی کنیتت ام سلمد ہے رمنی الله عنها سے تقل کیا ہے۔ حُدَ الحتی لَدُ الله الله عُدَ خَدَ مَا دُعُوهُ مخلِعيسين لَتُ الدِين - سواسهاس عيكارو، ميم قراي - المحتدد يتند سات العاليين- ميس الله كاحدوت وينبيه كرت بوش كراس فيميس يراسم سكما يا، حس كالميس علم نه تها ، ميس كمتا بول ابو داؤد في يدروايت نقل كى ساع-كم بى كريم صلى التُدعليه وسلم في ايك شخص كويه كفت بهو شي سنا. آندهم آية وآشتا لكن المدين المنتاكية المنتا فرما يا الس ف المترس اس ك اسم اعظم سے وعاماتی، الس كوالمنان وا ور ذوالجلال وَالْوَكُواكِمُوا وراكلُهُ لَدَ إِللْهُ الِلْتَحْقُ بِرَخِتُم فَرَا يَدِي اسمِ اعْلَمْ بِهِ كَيوْنَكُوكسى اوراسم كانام نهيل لياكيا واوريداسم المترك بغيركسى اوركا ركفانهيل كيا " يشخص صنرت زید بن عیالش الزرقی شعے ،جن کا نام حارث بن اسامہ نے اپنی مسند میں ڈکرکیا ہے۔

الإجفر في المنتقى المنتق المنتق المنتق المنتق المنتق المنتق النقيق المنتق النقيق المنتق النقيق المنتق المن

ابو بجربن العلا محتے ہیں میں نے بہل بن عبد اللہ ہے اللہ کے اسم اعظم کے متعلق سول میں انہوں نے کہا اهله میں نے ان سے کہا کہاگیا ہے کہ حب اس کے قریبے سوال کیا جائے ملتا ہے ، ہم تو اس سے سوال کرتے ہیں ، وہ میں دیتا ہی نہیں ، فرما یا اگر ول کو ، س کی منا جات سے سوا مرحیز سے فارغ کر کے سوال کرتے تو اسی وقت مل جاتا ، بچرا منوں نے

و المنته المواد المربيز الموسلى مربي الموسلى من الكادل برجيز المعالى من الما المربيز المعالى من المربيز المعالمة المربي المربي

ابن مبارک کہتے ہیں، احد کا اسم اعظم احلاً ہے بین کے تمام اسما الس کی طرف بنسوب
ہوتے ہیں، یہ ان کی طرف بنسوب نہیں ہوتا بحضرت علی رہنی احد عند فراتے ہیں وہ کیا
خلاجہ کو ہے ، ابن عبالس رصنی احد عنها سے بھی کیا تھے تھے کیا قیدہ کم مروی ہے ، استا ذابواسی کہتے ہیں، جواحد کے حب نام کرجانیا ہے اس کو زبان سے اواکرے وہی اسم اعظم ہے بیابن عبالس رمنی احد عنها کی دروایت ہے ۔ حضرت علی رمنی احد عنہ سے بھی یہ عبالس رمنی احد عنها کی دروایت ہے ۔ حضرت علی رمنی احد عنہ سے بھی یہ روایت ہے ۔ حضرت علی رمنی احد عضرت بھی یہ روایت ہے ۔ حضرت علی رمنی احد عضرت بھی اسم اعظم کی ابوں سے بہنا ہے ۔

حافظ ابواتفاسم عبامس نے كها ، ربى مديث تركيف ،سوابو داؤد نے اپنىسندسے

حنرت ابوبريده رصى التدعنة سعدوايت كى كررسول التدمسلي التدعليدي مفايك سَعَن كُن يكت بوك سُنا - أَمُّلُهُمَّ وَنِي أَشْهَدُ أَنَّكَ آنْتُ الَّذِي لَا إِلَّا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ ٱلدَحَدَدُ ١ لِعَمَّدُ الَّذِي كُمْ يَلِدُ وَكُمْ يُولَدُ وَكُمْ يَكُنُّ لَهُ كُفُواً آحَدُ يُوفِيا تُونِ الله سے الس کے الس اسم اعظم کے ساتھ سوال کیا کہ حب بھی اس کے ذریعے اس سے سوال کیا جا سُے ملکا ہے اورجب بھی وعاکی جائے قبول ہو تی ہے - ایک اور حدیث متر لیت میں ہے . يقيناً توكف المترس اعظم ك ذريع سوال كيا ب- مضرت اساً بنت يزيد رصني الترعنا روایت ہے کہ رُسول الندصلے الندعلیہ وسلم نے فرایا ، اسم اعظم ال دو آیتوں میں ہے۔ قاللہ اللهُ وَاحِدُ لَدُ اللهُ وَلاَ هُو الرَّحِنُ الرَّحِينِ الرَّحِينِ الرَّحِينِ الرَّحِينِ المائلة لذَّ الله الدُّهُو المحتى الفَتَيُّومُ - صرت البريده رسى الله عنه عاقاً ب كذبي صلى الله عليه ولم في ايك شف كواكس طرح وعاكم تي بوق مناا-أَلْتُعِيمُ إِنَّ أَسْتُالُكَ أَنَّكَ آخَدُ ترم براللي! سي تج عصوال كرابو صَمَّدُ كُنُّ مَتَّغِينَةُ صَاحِبَتَ لَهُ بِينَكَ تُوكِمًا وبيناز ب، نبيون

سركار فرما ياتو فراياتو فراد المنزك الس اسم اعظم كو ذريع سوال كيا ، جس كو دريع ما فكاكن و ما توايت وايت بي كرنبي صلى المنزعند بي سوال ملتا بي يحزت الس رضى المنزعند بي دوايت بي كرنبي صلى المنزعليد و ما يك شخص كو باس سي كزر بي ، جفا زمين كه ربا تحاق المنظمة من كان يا تبدي في المستكون و الدّ من بيا ذا الجلول و الدّ كُولاً الله الله المنظمة المن المنظمة المنظ

حدّت ابوامامہ نے اپنی مرفوع صدیت میں فرمایا ، اللہ کا وہ اسم اعظم حس سے فائی گئی دعا قبول. اورما تكاكياسوال متناجي تبين سورتول ميں ہے ، البقرہ ، آل عمران اور ظلہ جعضر المشقى نے كها، ميں نے ان مين سور توں ميں ايسي چيز ديجي، جس كى مثال پورے قرآن كريم ميں نهير - ايداكرس الله الآلف إلا حو الحتى الفيوم - العمران بن اكنه آلله لا الله الآهنو المستى القينوم اورسورة طرس. وعَنَتِ الْوَجُوْمُ لِلْعَسَى الْقَيْوُمُ -ابوجيفر مذكور نے كما ، ميرے نزو كي سيح يہ ہے ، كدا دنٹركا اسم اعظم الله ہى ہے . حفرت اسكا بنت یزیدرمنی انشرحنا فراتی بین میں نے رسول انشر صلے انترعدیہ وسم کو فرا تے سُناکہ انشرکا آم اعظمان ووايوں سي ہے۔ قالنهكتم إلى قاحد لا آلا الآ هُوَالتَّمْنُ السَّحديمُ. السَّرُ اللَّهُ لَوَّ اللَّهِ عَسُو الْحَسَوَ الْحَسِقُ الْقَيْقُ مُ - عالا يُحَدان سى عصرف أيدسى آلمت في القيدة أكا ذكرب مين كتابول بليداس كاتفاضا تويب. كدا متذكا اسم اعظم لدَّ الله الدّ عسع بود ويحضين المم مالك في المؤطاس كياروايت ذکری یم نبی صلی افترعلیہ ولم نے فرما یا جرمیں نے اور مجد سے پہلے بیوں نے کہا اسس میں كى تابىسى برى أيت كون سى بى جانسول نے كها . اَللهُ اللَّهُ هُو اللَّهِ اللَّهُ عُو الْمُعَدِّينَ اُلقَیتُوْ مُمَ۔ تومرکارنے ان سے سینے پڑھا رمرفرایا ، ابوالمنذرعلممُبارک ہو۔اشا ڈابوالقاسم تنتیری نے اس مدیث آئ آئی آئی آئی و اعظے ہے۔ سیلی نے کہا اللہ کے ننانو ہے نام اسم اعظم التدكية الع بين اور اس سي الإيد بوجات بوجات بين ورجات جنت كى تعداد ك بوابرين ہر دو درجوں میں سوسال کی مسافت ہے اور فرطا با جوان اسمائے مسئی کو یا دکر لے ۔ جنت میں داخل ہوگا۔ پیجنت سے درجوں سے مساوی ہیں۔ درندانٹد سے ام بے تنار میں . بال ان اسا مُنارَد كو دومعرول برميضيدت ماصل بي كدان كا ذكر قرآن كريم مير آيا ہے اس برسر کا بسنالسلام کا بر تول دلالت كرا ب جوا لموطا عي موج د ب مين جو ي تيرك

ان اسماً حسنیٰ کے ذریعے سوال کرتا ہوں، جمیرے علم میں ہے اور جمیرے علم میں نہیں؛ الحاج الابن الاب میں ہے شبیعانگ لا اُٹھیٹی آشھا تا لے میں تیری پاکی ہو آتا ہوں ؟
تیرے نام نمار نہیں کرسکتا ہ اس بات کی دلیل کریمی اسم اعظم ہے ، یہ ہے کہ تمام اسما کواس کی طریب نسب مرسکتا ہ اس بات کی دلیل کریمی اسم اعظم ہے ، یہ ہے کہ تمام اسما کواس کی طریب نسب مرس کرتے ہو مِنتلا العزیز التا العزیز کے اسم ہے - دو کوئی التقیع ۔
الکھیٹیو ۔ القدید وغیر مقرم) یہ تمیں کتے احلام العزیز کے اسما میں سے ایک اسم ہے ۔
الکھیٹیو ۔ القدید وغیر مقرم) یہ تمیں کتے احلام العزیز کے اسما میں سے ایک اسم ہے ۔
انکھیٹیو ۔ القدید وغیر مقرم کے ہیں فرمان باری تعالی ہے ، ر
ویلٹی الد شمکا کر الحکم اللہ میں اس کوان سے پھارہ ہو کا دو گئو کا میں ہو اس کوان سے پھارہ ہو گئا کہ عُور کا میں ا

'نویدآیت تمام اسماکوعام وشامل ہے۔ پیم فرایا در قال ادمعقدا احلیٰہ آجا دعشوہ ترجر درتم فرا وُادنڈ کوکیارویا رحن الدَّیَ خَلْنَ - سموکیارو ۔

یها ل بینے تما م نامول میں بزرگتر سے ابت دا فرمانی اور مخلوق کو فرمایا کہ دہ اس ام سے

اس کو پکا سے - المتٰرتعا کے فیابی ذات کا یہی نام رکھا ہے ، اور کسی اور کو یہ نام رکھنے

سے منع فرما دیا ہے - اور مخلوق کی اس طرف سے توجہ بھیردی کہ کوئی ظالم وجا برسٹر کش

اور شیطان مرد و د کا یہ نام رکھتا فل ہری یا باطنی - یہ ہے فرعون سرکش ، حبن پرالتٰڈ نے

منت کی - ابنی سرکشی وشان وشوکت کے با وجود کر مصری قبطوں کو کہتا ہے - آنا تھ بھیلے اللّا عشہ کی ۔ ابنی سرکشی وشان وشوکت کے با وجود کر مصری قبطوں کو کہتا ہے - آنا تھ بھیلے کے

اللّا عشہ کی ۔ میں تمار بلند ترفید ابنوں ایوں ۔ انٹر تعالیٰ نے شریر دل کو یہ نام رکھنے سے

نازل ہوا - یہ جوانت مذکر سکا کہ میں الٹر ہوں - انٹر تعالیٰ نے شریر دل کو یہ نام رکھنے سے

بازر کھا ، فرما تا ہے - حقال تقفہ کو کہ کہ سیمیشنگا ۔ کیا تھا رہے حکم میں الٹر کے سواکس کے

الشرکہ موایا ہے ۔ بین م کسی اور نے رکھا ہے ۔ یہی وہ اسم گرامی ہے جو محفوق کی تمث کی الله فرما تا ہے ۔ اور اسی سے تعلق میدیا کرنے کے اسباب کشرت سے بائے جاتے

زیا توں میں بولا جاتا ہے اور اسی سے تعلق میدیا کرنے کے اسباب کشرت سے بائے جاتے

بیں۔ایمانی حقوق اسی سے متعلق بیں ۔اسی کوفریا دیوں کا فرا دیس،مظلوموں کا ٹھسکا نہ در والوں کا سہارا . عبادت گذاروں کی عبادت اور بنا و ما نظئے والوں کے لیے و صال بنایا ہے جو بھی میں میں میں سیس کرفتار ہوتا یا تعلیف سے ورتا ہے اس کی بیکاریا اللہ بی بول ہے۔ وار ونیا میں کلف کامیں میلاحة ہے جب رحم اندرکی تاریکی سے ، اسے سرسبزوشا داب وسيع ونيا مين مينينكة مبير. لين واليال اسم التحول مين ليتي مبي اور باً وا زعبن د كته مبير أهله "كُنبُ ونيا سے اخرى مبدائى بريمى اخرى كلرب براتا ہے لا الله الله الله ومحسست رمنول الله على المركزت سے اپنے روز مراه معاوروں اورلین دین میں استعال كرتے ہيں. یاں کے کہ انہیں اس سے منع کیا گیا ۔ فرمان باری تعالیٰ ہے :ر ولة تَجْعَلُو الله عُرُعنَ عَرُعنَ الله مَ ترجه الله كانشانه نه

ىپى دەسم اقدىس سەجوچىرانى مىن تىرىئىمام غم دۇركرما ،شھوتوں اورشرارتول سىجياً ما ہے۔اسی لیے انٹر تعالیٰ نے مخلوق سے لیے وعامیں وسعت فرمائی کدجوال سے ولول کے موافق اورجس میں فبولتیت کی زیا دو اسی دجو- اسی اسم گرامی سے دعا کریں - فرمایا المدعواللة آوادُعوا الرَّحْن - ترجه: الله عدما كرويا رحن سے-

گویادنڈ تعالیٰ فرمارما ہے۔ اگر مجھے میرے نام سے نہیں بچارتے، تومیرے ففنل ورحمت سے حواله سے بچارو " اسی لیے الواسطی نے کہاجس نے اللہ کے نامول میں سے کسی ا م سے دُعا کی اس میں اس کے تغسس کا حتر عنرور ہوتا ہے ، ما سوا النٹر کے بحدید اسم گرامی اسے الیبی وقعدا كى طرف كبلاتا جي حب مين نفسكلمو ئى حِدّ نهيل - اسى يليعلىاً نے كها ہے كديد اسم كرامي تختق كے بيے تعلق كے يلے ہے۔ اور اكس يلے كد الوبيت كا دارومدار ذوات كے بيدا كرنے ك قدرت پر ہے۔ اورصفات مبلالِ وکمال کی میں آخری حدہے۔ ابوسعی کے کہا سب سے پہلے جى كلم كى طرف الس نے بندوں كو بلايا ، وہ ايك ہى كلم ہے يوس نے اسے مجوليا ، دوسرو

كوسم يا اوروه ب الله - ديجة نسي كرفوانا ب -قُلُ هُوَ الله الحسك - مرجم فرط وُ الله ايك ب-حقیقت شناسول کے بلے بات پوری ہوگئی۔ پھرخاص توگول کے بلے اصافہ فرمایا۔ ترجمہ: ایک ہے۔

بمراوليا كي ليه امنا فدكيا ا اللهُ العُمَّدُ .

ترجر: راندب نيازے -

يهرعوام كے يك مزيد وضاحت فرائى-

كَمْ يَكِدُ وَكُمْ يُوْلَدُ ولَمْ يَكُنُ ترجم: نهاس كى اولاد ہے، نه وه كسى لَّهُ كَفُورًا احَدُ - كاولاد، اور تداس كى برابرى كاكو ئى دعويدر

بشام نے محد بن حسن شیبانی سے روایت کیا کہ میں نے ابوعنیفر رصنی اللہ عنہ کو فرط تفسننا والتُدتعالي كاسم اعظم الله بحيًا الله واكثر صوفيا وعارفين كاميى عقيدمب. كران كے ہاں كسى مقام والے كے يلے خالى اسم كرامى احتركے ذكر كرنے والے سے بندتر كو فى منام نهيں واحدُ تعالى نے ليے نبى مُحدّ صلى الله عليه وسم سے فرطايا -

اسی بینے بلی رحمہ اللہ علیہ ذکر کرتے وقت فرماتے آخلته . بعض مئوفیا کامیں ندم سب ہے۔ جخة الاسلام د غزالی ، نے معض امل علم كايہ تول نقل كيا ہے يرميى اسم كرا مى ہے اس كا خاص نام ہے، مخلوق کوکسی کواکس سےموسوم نمیں کیا گیا۔

ابو حبفرطما وی نے اپنی کتاب المشکل میں کہا اسٹرہی اسم اعظم ہے ، اور حضرت اسما رصنی المترعنه کی مذکورہ حدیث سے استدال کیا .

حنرست على رحنى المتدعن و فرما تي مين المتركي اسم اعظم المسبم كهيعم احتم عسق اورائس سے ملتے جُلتے کلمات میں ج کوئی ان حروف کی ترتیب و ترکیب اچی طرن

سبو له ، ال الله علم معلم موج ال كا ، آب ك مرا و ب حرو و ن مقطعه جسورتول كي مرا و ب حرو و ن بين ١٠٠٠ م . ريس مع و ع من آن بين ، اورجن مين توار ب ، اور يرجوا و محرو و ن بين ١٠٠٠ م . ريس م ٠ ط ، ع . ق . ك ، ل ، م ، ن ، ى ي اور بعض على ن ك ، ، و و الأحكر ، العملة ي و مان ج . و يك الله تذكل و المؤلفة و العلمة المؤلفة و المؤلفة

الله فرياً الم

ترجم: رہم نے اسس کی وعا قبول فوائی .

فَأَسُتُجَبُّتُ آلَهُ -

ایک ایمان افرورواقعیم مازند رضی الله عند ایک محضرت نید بن الیک ایمان افرورواقعیم مازند رضی الله عند ایک محض سے طائف کا وہ ان کو ایک بچرایہ برلی برلی برلی یک یہ بین میں میں الله وہ جا ہے گا ہے جائے گا ، وہ ان کو ایک ویرا نہ کی طرف لے گیا ، اور کہا اُنرو ۔ دیکھے کیا میں کہ اس ویرا نے میں کئی متعقولوں کی الشیں برسی ہیں جب استخص نے آب کوقت کرنے کا ارا وہ کیا ، توآب نے فرطا مجھے دور کھت نفل پڑھے نہ دو کہ ہے ہوگی می نماز پڑھ جیکے ہیں ، تکران کی نماز من میں کو گا کہ وہ نوا اوہ کی ایک من نے ہو جی کی اور نے ہوا ، وہ مجھ تسل کرنے کے لیے کے انہ میں منازے فار نے ہوا ، وہ مجھ تسل کرنے کے لیے اس نے کہا یا آئ تھے کہ اللّہ ایونی تی اور آئی اسے مت قبل کرنا ، وہ ہا ہر گیا اوھ میں اس کی ایک تھے کہ اللّہ ایونی تی اور آئی اسے مت قبل کرنا ، وہ ہا ہر گیا اوھ

أدصرويها كيح نظرنه أيا بيمرميرى طرف قتل كانيت سيرها واجانك ايك شابسوارتمو داربوا جس كے ہاتھ ميں نيزہ تھا الس نے اسے چوكا لكاكر قبل كر ديا .

يرحى كها كياب كداسم اعظم لدَالِهَ الدَّ امْنَ شُسبْعَامَكَ إِنْ كُنَتُنَى الظَّالِسِينَ مع - كيونكوا مندتعا في في نونس عليدالسلام كى حكايت بيان فروانى در فَنَا دَى فِي الظَّلَاتِ انَ لَدَّ ترجه: انهول في المصرول سي يجارا بحد إِنْ وَكُنْتُ مِنَ الظَّالِينَ - بِ بِتَكُ مِن الظَّالِينَ - بِ بِتَك مِن بِي زياد تي مرت واون يىں سے بۇل.

ترجره بم قدان كي وعبا قبول كرلى-

فَاسْتَجَبُنَالَهُ -

ابن السنی نے حضرت سعد بن ابی وقاص رصنی انڈ عنڈ سے روایت کیا یک میں نے رسُول التذهيك الشرعبيروسلم كوفرمات شنا بجه ايك إيسا كلم معنوم ب كرج معيبت رؤه است كه التندانس كامعيبت وُور قرمائ اور وه كلم ميرے بهائی يُونس عليانسلام كا ہے - جواندهيرو سِيَ بِ شَكِهَ وَ لَا لَا اللَّهُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللُّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللّ

اور ترمذی نے رسول انٹر صلے انٹر علیہ وسلم کا یہ فرما ن تنل کیا ہے کہ چھی واسے کی وہ دُعاجُوتُكُم ما ہى ميں انھوں نے لينے ربسے كى ، لَدُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ الله إِنْ كُنَّتُ مِنَ الفَلْالِيدِينَ - ب بر في محى معمد كے يا والا الحفي الله قبرل فراً اسے " بر بھی کما گیا ہے کہ وہ الوقفاق ہے برکسیمان عدیالسلام نے اس سے دُھا مانگی مى بيمى كماكيا ب ووخينوالوايتين ب يرزكريا عليانسلام كى وماب كماكياب كرود حسنانا الله ونعنم الوكييل من اوراك ول يهاكدوه العنقام م. كرس في بعن عارفين كو كيت من بهد وعاكر في والي ك نزديك جواسم اسم اعظم بهد و الني سن دعا ما يحكم ، وه الس كحصرب مال المسيم اعظم بنه اسى طرح حب مقفود ومطلوب

کے یہ دُعا مانگی جارہی ہے ۔ اس کی مناسبت بھی طوظ رکھی جائے گی۔ یہ قول من کے مار کے بیار سے جہور مئو فیا اور مشائنے اور محقین کا یہی قول ہے ۔ کہا کہ میں نے بینے عار کی بیالدین طبری کوفر ما تحریب کا بین فول ہے ۔ کہا کہ میں نے بینے عار کی بیالدین طبری کوفر ما تحریب کا بین اللہ السری کوفر ما تحریب کا بین اللہ السری کے ہالا وہ مالی ہوا کا جواس کے مال وہ تعام میں موفر ہے ۔ اس نے اپنا مخصوص اسم اعظم بیجان لیا ، اور کہا گیا ہے کا ہم الم مختل ہے اور کہا گیا وہ آلتی فیٹے اور کہا گیا ہے کا ہم الم مختل ہے اور کہا گیا ہے کا ہم الم کا میں ہم وہوں اسم اعظم بیجان کی اور توفیق ہو اور کہا گیا ہے اور توفیق ہوگئی ، چھے دار تک بینچے میں کا مباب ہوجا کے گا۔ وہا یا بین نے اس دُعا میں ہم وَکر ہو تھے ہوں کا دروازہ الس لیے کھولا جائے گا۔ فرایا میں نے الس دُعا میں وہ مختلف اسماگرا می فوا نے کا دروازہ الس لیے کھولا جائے گا۔ فرایا میں نے الس دُعا میں وہ مختلف اسماگرا می ہوئی دروازہ الس لیے کھولا جائے گا۔ فرایا میں نے الس دُعا میں وہ مختلف اسماگرا می ہوئی دروازہ الس لیے کھولا جائے گا۔ فرایا میں نے الس دُعا میں وہ مختلف اسماگرا می ہوئی ہوئی ہوئی ہوئی ہے ۔ وہ دُعا یہ ہے۔

الله مَ الله الله المستان كا المستدد لا الله الله الله المستدد التهوي المستدد التهوي والديم المتهوي والديم التهوي المتهوي المنه المتهوي المنهوي المنه

شبخانک آئٹ حسنی ویغیم آھیکیلائے ؟
حضرت علین ابی طائب صنی افٹرعنہ فراتے ہیں ، جب افٹر تعالی کے اسم اعلم سے
منرت علی بن ابی طائب منی افٹرعنہ فراتے ہیں ، جب افٹر تعالی کے اسم اعلم سے
منامانگا چا ہے توجھ آیتی سور فر الحدید اور سور اُحشر کے آخر سے ، جب ان کی قرائت سے
فار غیر جو جائے ۔ تویہ کہ آ سے ایسی صنات والے فکرامیر سے لیے ایسا ہی کر دے ، افٹہ کی
قسم ، برسخت یہ دُنا ما نظے تو نیک سجنت ہوجائے ۔

بِسَنَ نَهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللل

مَّدِيُوْيَا مَنْ يُوْلِجُ اللَّيْلِ فِي النَّهَا سِ وَلَوُ لِجُ النَّهَا سَ فِي اللَّيْلِ وَيُخْدِجِ الْحَتَّى الْمَيْتِ وَ يُخْدِجُ الْمَيْتَ مِنَ الْحَسَى وَ وَيُخْدِجِ الْحَتَّى الْمَيْتِ وَ يُخْدِجُ الْمَيْتَ مِنَ الْحَسَى وَ يَدُنُ قُ مَنْ يَشَنَّاءُ بِعَنْهِ حِسَاب "

ترجه در الے بمیشدزنده رہنے والے . قائم رکھنے والے ۔ اسے توریت و البيل اورقران عظيم كونازل فرانے والے! اے ودكر ص يرزيين و سهان میں کوئی چیز نوشیده نہیں اس کے سواکوئی بیجا سمعبود نہیں غالب يحمت كا مالك - اے رب - اے نوگوں كواكس ون كے بلے مع مرفے والے ، جس میں کوئی تشک نہیں ۔ اے دہ جو وعدے کی فعلاف نہیں کرتا ۔ اے و دحس نے اپنی گوا بی خود دی۔ اور حس کی گوا ہی فرستوں اورعلما نے وی ،جو اپنی مخلوق پرنگران ہے۔ انصا ف قائم کرنے والا، جس سے بغیر کو فی معبود برحق نہیں. غالب محمت وال - اے الله اے ملک كے مالك ، اے وہ كرجے جا ہے كلك دے اور جس سے جا ہے ملكب چین لے. جے جا ہے عِزت دے، جے جا ہے ذلیل مرے بمام مجلا تيريم إنه ب . بينك توسرها بيرقادر ما الدوك ال س ون میں واخل کرے اور دن کوران میں ،اور زندہ کو ،رُود سے مكالے اور مرده كوزنده سے اور جے جا ب بات اور كا ادركماكيا وواسم من سي مصن بن برخيا في دُعال بيّا اللها قال يَ كُلّ فَنْهُ

اللها قاسداً لقواللة الآ ائت إينيني يعت وشيقا ...
وركما كيا ہے دواسم جس سے العدلا بن الحضد می نداس وقت وُعا مانگ حب ووسمندرسی فووا و دوركمت نفل پڑھنے كے بعد كها ، بَاحَدِیمُ اَدِ عَلَیْ مَا اَعْلَیْ مَا اَلْکُولَ مِنْ اَلْمَالُولُ مِنْ اَلْمَالُولُ مِنْ الْمَالُولُ مِنْ الله مَالُولُ الله مَالُولُ مِنْ الله مَالُولُ مِنْ الله مِنْ الله مَالُولُ مِنْ الله مَالُولُ مِنْ الله مَالُولُولُ مِنْ الله مِنْ الله مَالله مَالُولُولُ مِنْ الله مَالُولُ مِنْ الله مَالُولُ مِنْ الله مَالُولُ مِنْ الله مَالُولُ مِنْ اللهُ مَالُولُولُ مِنْ الله مَالله مَالُولُ مِنْ الله مَالُولُ مِنْ الله مَالُولُ مِنْ اللهُ مَالُولُ مِنْ الله مُنْ الله مَالُولُ مِنْ الله مُنْ الله مُنْ الله مَالُولُ مِنْ الله مُنْ الله مَالُولُ مِنْ اللهُ مُنْ الله مُنْ الله مُنْ الله مُنْ الله مِنْ الله مُنْ اللهُ مُنْ اللهُل

ووالنون مسرکی نے کہا، انٹذکا وہ اسم اعظم ،جس کے ذریعے مانٹی گئی وہ ا جلد

جول ہوتی ہے اور وہ سات جروف سے مرکب ہے ۔ پھر الیافعی نے کہا میں نے شیخ

ابوالعباس المرس کا ایک خط دیکھا جو انہوں نے شیخ عبدالنور کی خانقا ہ میں بعض مثالیج کے

ابوالعباس المرس کا ایک خط دیکھا جو انہوں نے شیخ عبدالنور کی خانقا ہ میں بعض مثالیج کے

ام مکھا ، اسس میں لکھتے ہیں، میں بھے اسم اعظم کا محمد ہیں رہا ہوں، نماز فجر کے بعداس

کے ساتھ ستربار وُ عا مانگو اسس طرح - بیٹ یا الشیخ سنی الشیخ ہی قداد تحو ُ ل

میں تا میک ہی اور کی ایک اور کی اور کی اور کی میں ہیں ہی کے

میں نے ایک عارف شیخ ابوا بی ج سے مط سے نقل کیا ہے ۔ یہ بڑرگ الا قصر شہر میں مذفو اللہ ہیں ؟ النور اللہ میں میں منہ کے اس میں انہوں کا میں میں منہ کا کہ الا قصر شہر میں مذفو میں اللہ ہیں ؟ النور اللہ کی کا مختفر کلام ۔

يريه ہے، مجھاد تذكاوه اسم اعلى معلوم ہے جس سے مانتی كئي دُعا قبول ہوتی ہے. مكر میرے علم میں اس سے وعااسی نے مانگی جس کی دینداری خو فنداا و مخلوق خدایر شفقت كالمجينين ہے. مجھاس بات كا در ہے كرا دمى جس برنا را ص بويا حس نے اسے سایا ہو، اس کے خلاف اس سے و عاکرے اور است عض کوانٹر ملاک کرد سے۔ جيس بعام بن باعوراً كويتي آيا - اكر مجه سے يسك اوليا كرام اسے ندچيا تے ، تومير عجائى! يں اس من ب مين تعين كر كے تير اس منے ذكر كر ديا، سكن كتاب اہل وا اہل مراكب سے ہاتھ میں جاتی ہے ۔خیر،میرے بھائی ایوئی حرج نہیں اگر اسم اعظم سے متعلق تمام اقوال كاخلاصة تيرسيسا من وكركر دول اكرج الس سياس كى معرفت تقينى طور يرحاصل سرنے كاجز منسيں بوسكتا بهرحال ميں الله كى توفيق سے عرص مرتا بول - ايك جاعث اس طرون كئى بے محد اسم اعظم كاكوئى وجو ونهيں بيونحدا نند كے تمام مام اعظم بيركوئى ايسااسم گرامی نمسين جواعظم نه جو- ان حفرات ميں ابوجعفرطبری بشيخ ابوالحسن الاشعری ابن حبان اورالبا قلانی وغیرد شامل مبین امام مالک وغیره کامھی میں قول سے بعض الترجينيم بي مستدرك مين اس محتمعلق حديث بدا ورحاكم في الصحيح قراريكا . بعض نے کہا وہ صرف اکھتی المقیق م ہے۔ وغیر، جبیباکہ ہم نے اُسے شنن الوسطی ہیں

توبى وه الله ب كرتير سسواكوكى سيّامعبُودنسين الله - الله و الله - توبى الله ب-تيرك سواكو فى سيامعبودنهين - لينده - قائم ركف والي إسموكي بيدار بواتو سرا نے کے پاس تین ہزار دیناریا ئے بھراسے خواب میں کہاگیا ، تونے اللہ سے اس کے بس سم اعظم سے سوال کیا ہے جہائی پر پڑھا جائے توجم جائے بغلاصہ کلام بیکہ ان باتوں برکسی کو اطلاع ہو سحتی ہے تو بزرید کشف ہی ہوسکی ہے، اسے جان لے راو است یائے گا-اورسب تعربین اندر بروردگارعالمیال سے یہ ہے-امام شعرانی

علامدالفاسى ني شرح ولائل مي مُصنف كے قول وَ يحقّ الشيك الْسَكْنُون الَّذِيْ سَمَّيْتَ بِهِ نَعْسِكَ وَٱلْزَلْسَهُ فِي كِنَابِكَ وَاسْسَتَأَثَرُتَ بِهِ فِيْ عِلْمِ أَنْغَيْبِ عِنْدَ لَكَ يَيرِ يُوسَيدُ اسم كَ حَقَ بُونَ كَا واسطر جَوْلُونَ ابن ذا كاركاب اورجے تو نے اپنى كتاب ميں نازل كيا اور لينے بال صوصى علم غيب ميں اكسے معنوظ کیا ہے '' کے تسحت فرمایا ، ظا ہریہی ہے کدوہ اسم جھیا کرخزا نہ غیب میں رکھا گیا ہے - ان سوناموں میں شامل ہے جو قرآن کریم میں نازل کئے سکتے ہیں اور وہی اسم اعظم ہے۔ اور بیاسم اعظم ہے انتر نے اپنار کھا ہے یا وجود یکدا سے اپنی کتاب میں ازل فرایا۔ چھپا دیا، بینی ندائس کے اسمِ اعظم ہوئے کی وضاحت فرائی نہ لیسے معیتن فرمایا - وانتداعم: اس میں اخلاف کیا گیا ہے کہ اسم اعظم کیا ہے ، کما گیا ہے کہ وہ غیر معین ہے ، تعظیم در مرطرف سے دل کوفارغ کر کے حبن مسی کارو، وہی اسم اعظم ہے۔ اس طرح اس سے واعا مانکو قبول ہو گی کدفران باری تعالیٰ سے بظاہر یہی معلوم ہوتا ہے۔ آمُ مَّنْ يَجِينُ الْمُفْطَدُ إذا ترجه: بيس جب وعاكرًا بي تو اس کی کوان شنبا ہے ؟ مشهوري كالمحدوه الممتعين كم جعدا فترجانتا كاورا في فاص بندول ميس

جے جا ہے الهام مرے معرواس كي تعين كے قائل بين ان ميں خور وفكر آنار سے حاصل مرنے اور کشف والهام سے ذریعے اسے یا نے میں اختلاف ہے۔ سوکما گیا ہے کہ وہ الله ہے . بعض نے اسے افراہلِ علم کی طرف منسوب کیا ہے اور کماگیا ہے وہ محوہے۔ اوركماكيا ہے اللہ اللہ اوركماكيا ہے وہ الحقيق والقيق مم ہے - اوركماكيا اسے وہ العلي الْعَظِيمُ الْمُلَيْمُ الْعَلِيمُ - يعن ان جاركامجوعه ہے- اوركماكيا ہے وہ لَا الله الله لَةَ إِنَّ الْحَامَةَ سُسِنِعَامَلُ إِنْ سُتُ مِنَ الظَّالِمِينَ مَيْمِي لَا جِهُ كُرُوهُ لَا إِنَهُ الِاَّآنُتَ الْاَحْدُ الْعَتَمَدُ آنَا يَي كَنُ كَالِدُ وَلَهُمُ يُولِدُ وَكُهُم يَكُنُ لَهُ كُفُوا آحَد جَ رَجِي أَرْ حُرُور مَهُ وَ أَسْلَاثُ بِأَنَّ لِكَ ٱلْمُسَمَّدُ لَا اللهُ الِهَ ٱلْمُتَ ٱلْرَّرُهُ الْمُعَنَّانُ ٱلْمُنْتَانُ سَدِيعُ الشَّمَوْتِ وَالْاَرْصِ يَا ذُو الْجَلَدُ لِ وَالْدِ حَنْدَ فِي مِنْ يَا سِي كروواتْ ك اس فران میں ہے۔ قل آئلہ مایت الله - آخراك الاحت الرَّحِينِيَّ بِ بَهَاكِيا مَبِنَا بَهَاكِيا جِ الْوَهَايِ كَهَاكِيا اَنْعَفَا عُهَاكِيا جِ اَنْقَدِيثِ كَمَا كَمَا جِهَ ٱلسِّمِيْعُ ٱلْبَصِيْرِكِمَا كَمَا جِهِ سَمِيْعُ الكُرُّمَا كَا خَسْرُوْا لَوَا مِ شِينَ - ج-مهاكبا حَسْبُنا الله وَنعِهُ أوكين لم - والشّراعلم واحكم - الفاسى رحمدالله عليه كاكلام ختم سسدتيانيه سحانى عارن إنترستداحد محتريجاني سح خليف نيح محترغسالي فبيف تين عُربن سعيب دالقوني نے اسم اعظم سے بلے اپني كمّا بُ الدّمام كي تيسوي فسل مقرر کی ہے جس میں مشرح العزیزی عی ابی مع الصغیر سے حوالہ سے مذکورہ بیس ا توال تقل كفيل اويستدى عبدالعزيزالد باغ كحواله سي تنااصا فدكيا سي كدوه سووال ب- اوريد كراس كے اكثر معانى نانوے اسما ميں موجود مبى - كچواور ا قوال مجى اس مسلم

سین تقل کے بین و ہے احدہ حید دقار ،اور کما امام نووی نے آئی تی القیم کو افتیار کیا ہے کہ بین تقل کے بین و دیا ہے۔ کیا ہے کیونک مدیث میں ہے اسم اعظم بین سور تول میں ہے البقرة ، آل عران اور کل ۔ اور سیدی عبدالقا در کا بختار تول یہ ہے کہ وہ احدہ ہے ۔ اور عارف تیجانی جنی الدیمانی ہے کہ اس بر قریب اجاع ہو کچا ہے ۔ اور عارف تیجانی جنی الدیمانی ہے کہ مجے سالیجو ہے کہ کرم صلے احدہ علیہ وسلم سے بیداری میں طلاقات کمیا کرتے تھے کا قول ہے کہ مجے سالیجو صلے احدہ علیہ وسلم احدہ فرایا اسم اعظم کا اجر و آل ایس ہے کہا کہ بیجانی میں اور اقعال سے دیا بر نہیں ۔ بھرالس کے موالی کو اعلاع ویتا ہے ۔ کہا کہ بیجانی رضی احدہ نے بیجی فرایا ۔ جا شا ذونا در ہی معلوم کرسکتا ہے مثلاً ابنیا ہے کرام اورا قطاب ۔ ان کے علاوہ کوئی نادر بی اسس کہ رسائی حاصل کی سکتا ہے ، اور ان شا دونا در افرا و میں سے زیادہ تر ہی اسس کہ رسائی حاصل کی سکتا ہے ، اور ان شا دونا در افرا و میں سے زیادہ تر اس سے ہوتے ہیں ۔ ہاں کہمی کبھاروہ اولیا بھی جو مرتب صدیقین پر منیں پہنچے۔ اس سے بہرہ در ہوجاتے ہیں ۔ ہاں کبھی کبھاروہ اولیا بھی جو مرتب صدیقین پر منیں پر بنیں بہنچے۔ اس سے بہرہ در ہوجاتے ہیں ۔ ہاں کبھی کبھاروہ اولیا بھی جو مرتب صدیقین پر منیں پر بنین الی سے بہرہ در ہوجاتے ہیں ۔ ہاں کبھی کبھاروہ اولیا بھی جو مرتب صدیقین پر منیں پر بنین

شیخ عرمذکورنے کہا اس پرولیل کہ اسم اعظیر پردہ و ڈالاگیا ہے۔ علما کا اس کے دجود اور تعین میں کثرت اخلاف ہے۔ یہا ل کہ کری اختلاف عدم معرفت کا سبب بن گیا ہے کیونکرکسی جیز میں کثرت اختلاف لیے دیا وہ گرائی میں لے جا ہے۔ یہوں کہ شیخ تیجا نی رضی احتٰد عنہ نے فرطیا ، جھے سیدالوج دصلی احتٰد علیہ وقم نے فرطیا ، اسم اعظم پر پردہ ڈالا گیا ہے اور اس کی احتٰد تعالیٰ صرف ان حضرات کو اطلاع دیا ہے۔ اگر لوگوں کو اس کا بہت جیلائے۔ دیا ہے جہنیں اپنی فیست کے یلے فاص کر لیا ہے۔ اگر لوگوں کو اس کا بہت جیلائے۔ اسی میں صروف سرح ایک برحوان اور اس کا بہت جیلائے۔ اسی میں صروف سرح ایک برحوان اور موان اور موان اور مان کی سب کی حجود دیں ۔ جو اسے بیجان لے اور قرآن اور مجد پر در ود وسلام پڑھا تھوڑ دے ، کیونکہ اس میں اسے زیا دہ فعنیلت نظرا ہے۔ مجد پر در ود وسلام پڑھا تھوڑ دے ، کیونکہ اس میں اسے زیا دہ فعنیلت نظرا ہے۔ تو اس کی جان کوخطرہ لاحق ہوجا ہے۔ شیخ عرف کہا جب تم اسے مجد کے توجان لیا جوان کیا ہے۔

مر اسم اعظم وینا اور طالب ونیا سے لائق نہیں جس نے اسے جانا اور طلب ونیا کے یہے مرون کیا ، وہ ونیا وانحرت میں زیان کا روم -مرون کیا ، وہ ونیا وانحرت میں زیان کا روم -

الدميرى في ابنى تا بنى تا الحيوان الكبن مين ابن عدى اعبار من الشي الدميرى في ابنى توات الحيوان الكبن مين ابن عدى اعبار من القر التحرين ترياد بن معروف مع حواله سعائها المرسم في حضر بن من النهول في إينه ولا منهول في ابن المبتها في اورانهول في حضرت النس رضى التدعنه سع روايت كي كنبى منع التدعليه و لم في فرايا مين في التدعنه المسلام المسلام المسيون كرمهر لكي بوكي مير بي باس لائم وحضرت عائشه صديقة رضى الله المسلام المسيون كرمهر لكي بوكي مير بي باس لائم وحضرت عائشه صديقة رضى الله ونها في فرايا ، يا رسول الله الممير بي ما ل باب آب برقر المال المائية المحج بالايل وفي المير بي مال باب آب برقر المال المنه المحج بالايل والمناه المنه المحج بالايل والمنه المنه المحتمد المنه المنه المنه المنه المنه المنه المنه والمنه المنه ا

المترعديدوم كوفرات شنا. المترعديدوم كوفرات شناك يانبيت ترجه: فرماتي بين ، ايك ون فرما يا ، عاشم اَللُهُ مَا اللَّهُ اَسُسَلُكَ يا نبيتَ ترجه: فرماتي بين ، ايك ون فرما يا ، عاشم

الطّاهيد المبايد في الدّحت جانتي بوراتدتنال نه مجهود اسم

النيك الله في إذا دُعِيْت اعظم بايا ب رجب اس م زريع

مِهِ أَجَيْتُ مَدَاذَا سُسِينُكُ وَعَا مَنْ عَامَ اللَّهِ مِلْ اللَّهِ وَلَى إِنْ اللَّهِ اللَّهُ اللَّا اللَّا اللَّا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّلَّ اللَّهُ اللَّا

بِهِ آعُطَیْتَ وَإِذَا اِسْتُوْتَمُنْتَ ہیں میں نے کہا یا رسول انڈ امیرے بہ آعُطَیْتَ وَإِذَا اسْتُوْتِمُنْتَ ہیں میں نے کہا یا رسول انڈ امیرے میں دوسکا بہ رخیت و اِذَا اسْتُفْرِجُتَ ماں باب آب پر قربان مجے می دوسکا

بِ رَسِيت ورد المسلمي بِ من بِ بِ ابِ بِرَمرَدِ مَ جِ بَلَ المَّالِمُ الْمِنْ مِن جِ بَلَ الْمِنْ بِ فَسَدَّخِتَ يُ * مِنْ المَالُمُ تَيْرِكَ يِكَ وَمُنَا الْمَالُمُ تَيْرِكَ يِكَ وَمُنَا الْمُنْ تَيْرِكَ يِك

نہیں . فرمانی ہیں میں الگ موکر کھ وقت مبیمی رہی ، میمراشی اور آب

سرميارک پربسه ديا بيم عرص كيايا

رسول الشرصلى المترصليد وسلم مجيد محا ويجيم والمسيحة والمائة من المسيحة الميائة المسيحة الميائة المائة الميائة المائة الميائة المائة الميائة المائة الميائة المائة الميائة الم

شرح تشيرى على الاسمًا الحسنى مي المستى القيم كتحت محت مكا سبع. يوسع إ الحسن نے كها مجھے يہ بات بينى سے كد ذوالنون مصرى الله كا اسم اعظم جائتے تھے۔ سی می معظمہ سے ان کی ملاقات سے لیے جل پڑا۔ توبیلی نظرمیں جوان کو نظر آیا، یہ كمرميرى كمبى وارهى تمعى ميرس باتهويس ايك براتميلاتها بجس كامندرس سيبندها ہواتھا رسی کامسرامیرے کندھے پرلنگ رہانھا. آپ نے سیرہوکر مجے دیکھا ،جب میں نے سلام عرفت کیا ، گویا انہول نے بڑا محسوس کیا - ووثین و المان سے یاس کی متكمم إ جوائم متعلين مي سيتها - الس في ذوالون سي علي كلام سي كسي سند بر مناظره كيا اور ذوالنون برغالب رما مجے اس كاصدمر بهوا . ميں اسكے بڑھا اور دونوں كے سامنے بیٹھ كي اسستكم كوابنى طرمن متوج كيا اورمناظره كيا، يها ل كك كاكت لاجواب كرديا بيرميس ف السس يردقيق كلام بيش كيا جصے و ميم ندسكا-الس ير ذوالنون مبست متعجب اورخوكش الوئے أے وہ بوار سے اور میں جوال تھا - اپنی جگاسے أتحے اور میرے سامنے المربیط کنے اور معذرت کونے لگے کہ مجے تھارا علمی أتب معلوم نہ تھا میرے نزدیک تم نیک ترآ دمی ہوالس سے بعد میشداینے ووستول ب مجے فنیست وعزت دیتے بیان کرکراسی طرح مجدیر بوراسال بیت گیا مین نے که استناذ! میں مسافرادمی بول بچول کی یا دائر ہی ہے۔ میں نے سال بھرا کی خدت ک ہے ، اور آپ پرمیراحق واجب ہوگیا ہے ، مجھے بتایا گیا ہے کد آپ التٰدكالم

م جانتے ہیں، آپ نے مجھے از مالیا اور معلوم کرلیا کہ میں اس سے قابل مجول، اگر اسے جانتے ہیں تو مجھے تنا دیجے ہم ب خاموش ہو گئے اور مجھے کوئی جواب نہ . مجه خیال گذرانتا ندمجه بنا چی بین بهره یا دیم خاموش رہے بھرایک فرمایا . میقوب إتم فسطاط شهرمیں میرے فلال دوست موسیں جائے ہا ہے اس ام بیا، میں نے کہاجی جانتا ہول کہا کہ ایک تھال ؛ ہرلائے جس پر ڈھکن تھا، جو بال سے کش کر باند صابروا تھا۔ فرما یا فسطاط میں جس آدمی کا میں نے ابھی نام دیا تھا۔ الس سے پائس لے چیو، کہتے ہیں میں نے تھال لیا تو وہ ملکا مجلکا تھا گویا السس میں ئی تنے ہے جی نہیں جب میں فسطاط شہر مینیا ، میں نے ول میں کہا ، ووالنون ایک فعل کے باسی ایسا تھال بھیج رہے ہیں ،جس میں کھیزیس میں مندور دیکیوں گایس بر کی ہے کہ میں نے رُومال کھولا ڈھی اُٹیایا ، تودیجھناکیا ہوں ، کداکی جو ہا جیلا ما كرهيت بنا ، كيت مير ميں برنشان بوكيا ، اور ميں نے كها ذوالنون نے مير سے ساتھ نذاق کیا ہے، اور ایس وقت میرا ذہن ان کے مقسد کی طرفٹ نہ گیا۔ کہا ہیں عصتے مين عبراوابين اللها ، حبب مجعه ديجها توسكوا ئے اورتمام بات بھ كئے۔ فرا يا ياكل! میں نے ایک چو ہے کی امانت تیرے میروکی تو نے اس میں خیانت کو دی . پھر میں تیرے پائس افتار سے اسم اعظم کی امانت کیسے رکھوں ؟ اُٹھ، جل، اس سے بعد میں سی میں نے دیکھوں، سومیں لوسٹ آیا۔ میں سی میں میں میں اسم میں لوسٹ آیا۔

الترك أيسم كرامي اللّطيف مضعلفه فوائد

كيار بويل صدى بجرى كے علماً شوافع ميں سے شيخ ابو بجركم امی شامی نے ايک نيفيس كتاب المنهج الحنيف نی تصريف اسمہ تعا الليقط ليف كى جے ميں

اس سے چند چیجے ہوئے۔ فوائد اور کھ اس پراپنی طرف سے اضافہ ذکر کروں گا ہوہی کتا ہوں ، مصنف علیالرجمہ نے فرمایا اس اسم گرامی میں ، یک ساعت مشغول رہنا ، فوری غم دُور کرتا اور توشی لا تا ہے۔ نازل ہونے والی بلاغ البّا اور مُشکلات حل کرتا ہے۔ ابجہ کے لحاظ سے السس کے اعداد ویشی رکو اتنے ہی اعداد سے منرب دی جا تے اور اس می لحاظ سے الس کے اعداد سے منرب دی جا تے اور اس می حاصل صرب ورد کیا جائے ، تو اس کے جازمیں سلف وخلف میں سے کسی نے اکا میں کیا ۔ نائج مجر تب البتہ طالبوں کے مطابق افرات مختلف ہوسکتے ہیں ، کیون کے کہی الس کا عامل اپنے اندر میصفت بیدا مطابق افرات مختلف ہوسکتے ہیں ، کیون کے کہی الس کا عامل اپنے اندر میصفت بیدا کرتا جاہتا ہے ، اور کبھی قبولیت کے لیے اپنا تا ہے ، اور کبھی قبولیت عامر کرتا چاہتا ہے ، اور کبھی قبولیت کے لیے اپنا تا ہے ، اور کبھی قبولیت عامر کرتا چاہتا ہے ۔ ہر کیفیت کے لیے تو بیا تا ہے ، اور کبھی قبولیت کے لیے اپنا تا ہے ، اور کبھی قبولیت کے لیے اپنا تا ہے ، اور کبھی قوما تا اور بھی راہنا نی فرما تا ہے ۔

اس ی خاصیت اور ذور اس ی خاصیت بنت مهام درد و ل د کمول سے نبیات اور ذور اس کی ترکیب استعمال یہ ہے یہ صاف مستقرے برتن میں اس سے ہر حرف کا عدد ایکا جائے الف کو ایک سوگیا رہ بار دولامو کو ایک سوبیالیس بار، طا کوسن بار، با گیارہ بار، اور فا اکثیاسی بار، بھراکس برایک سوائنا ہے بار اسم اقد کس انگیلیفٹ بر موجو بیری اس کی تعدا د ہے۔ بیمار کھول کر پی کے افتہ کے سے شفا یا ب بہوگا۔

بعن مسائع ، صاحب اسرار نے کہا جوکوئی صاف مستھرے برتن میں سولہ
ار سکے ، اکتلے کی بیت دع اور اس پر آیات شغا پڑھے ، ور دریا شخیل کے
پانی میں گھول کرمریش کو بلا دے ، اگر انٹدی تعدیر بینی عم میں اس کی زندگ ہے ۔
تو فرری شغا ہوگی اور اگرموت کا وقت آم بینچا ہے ۔ توسکون سےموت آ کے گی۔
میں بار اس کا مجربہ کیا گیا ہے ، اور صبح رہا ہے ۔ ہیات شغاچے ہیں ۔

وَيَشْفِ صَدُوْرً قَوْمًا مُؤْمِينِ فِي -

بى وَشِيعًا مُ لِلنَّاسِ فِي صَـــ دُورٍ -

س، يَخْدَدُجُ مِنْ بُطُونِهَا شَوَابٌ مُخْتَلِعِنْ ٱلْوَائِدُ فِيهُ وَشِيعًا مُ

رس، وَسُنَوْلُ مِنَ الْعَنْمُ آنِ مَا هُوَ شِيفًا مُ وَرَحْمَتُهُ يَالْمُؤْمِنْيُنَ

ره، وَإِذَا مَرِضْتُ فَهُوَكِيْنُفِينِ -

ربى قُلُهُوَالَّذِيْنَ آمَنُوا هُدَّى كَاشَفًا عُ-

ی جی بن ٹیسف سے پاس آئے اس وقت اخترتعا لئے سے ان کلمات، سے ذریعے دُما

آلِيَّهُ مَّ إِنْ آشْمَالُكَ يَالَطِينُا قَبُلَ كُلِّ لَطِيْف يَا لَطِيُفَ مَا لَكُلِ لَا لَطِيُفَ يَا لَطِيُفَ بَعْدَ كُلِّ لَطِيْفٍ مَا لَظِينُنَّا لُطُفُّ يَخَلُقُ السَّمَوْتِ وَالْآرُضِ ٱلسُستَالُكَ بِمَا لَطُغُتُ سِهِ بِعَنْقِ التَّهُوْتِ وَالْاَسُصِ آنُ تَلَطَّنَ بِيُ فِي نَضِيٍّ تُطْفِكَ الْعَفِيِّ مِنْ خَفِيٍّ لُطُفِكَ الْمُغَيْثَ مِنْ خَفِيٍّ لُطُفِكَ الْمُغَيْثَ لِنَّكَ قُلْتَ وَقُولِكَ الْحَقَ اللَّهُ لَطِيعَ بِعِبَادِهِ سَرِزًى مَنْ تَيْنًا مُ وَهُدَ: لَقَوِى الْعَسَيْرُيُو اثِّكَ لَطِيْفُ كَطِيْفُ لَطِيْفُ لَطِيْفُ وَالْمَعْ

وس بار جب وربارس تے وہ ت اس نے دس بارید دعا مائی ، جی ج اٹھ کھڑا ہوا۔ استقبال كيا، تعظيم كي اوراب كو الخصيدوسي شايا اورانعام واكرام كيا حالانك وواكي تحتل کی وهمکی و ہے حکاتھا۔

جو خص ابنی بند دیمنا چا ہے وصور کے نمازعشاً داکرے ، نمازعشا کے

بعدد ونفل برسط اورجس قدر بوسط المنزكا ذكركرس اورنبى صلى المترعليدو فم مرود شريب بيهي ميرا ١١٩ ماريا لطف برسه ميرار سه الاكفكم من حكى وهد التَّطِيُفُ الْخَبِسِيْدُ- يَا هَادِئ - يَالَطِيْفُ - يَاخَبِ يُرُ- الْهُدِيْ وَ إِيهُ فِي وَخَسِيْرُ فِي مِنَا مِئْ مَا تَكُوُ نُ مِنْ آشِهِ كَذَا وَكَذَا- يها له إِيْ حَاجِبَ وْكُرْكُرِكَ بِحَقِّ سِيسِيرٌكَ الْكُنُونِ، وَمِنْ أَيَاتِهِ آنُ تَقُومُ التَّمَّامُوَالْأَرُ يَا مُسِيرِةِ تُسُسِّطُ إِذَا دَعَاكُ مُ دَعَةٍ يَّا مِنَ ٱلْارْضِ إِذَا ٱنْسَيْمُ تَخَدُوجُنَ -_____ اورسوجائے،جوچاہا ہے،خوابس دیکھ لے گا بیلی یا دوس یا تیسری رات - اورجوکوئی اس کا زیادہ ذکر کرے انداس سے باطن کو نورمعرفت سے زندہ فرمائے گا اورظا ہرکو روح لطالفت سے اکسس کی جان، ابل اورمال كى حفاظمت فرما ئے كا ورجس چيز سے وہ دُرتا ہے-ادلتُراس كىدد فرمائے گا۔جوکوئی آسانی سے روزی میں فراخی چا ہے وہ ہرون ۱۲۹ بارائس کا وردكرے، رزق ومال بيں بركت ديكھے كا بوتنى يا قيسے رمائى جا بتا ہے وه مذكور تعدادين اس كا وردكرك اورير يراه ع- إنَّ مَا فِي تطيف إنَّ السَّفَ الما يَسْفَ الما السَّلْهُ اللَّه العسيدة المسكيم المسكيم الس كاوروايناك، جدهوف جائے كا جو تمنول الله چھینا جا ہے وہ مذکورہ تعداد سے الس کا ذکر کر کے بڑھے لا تُذب کے اللہ تعدات وَهُوَ يُدُرِكُ الْاَبْعَاتَ وَهُوَ اللَّطِيْفُ الْمُنْسِبِيْرُ-__ادرجاراً يه يرْسِط يَالَطِيْفًا فَـوْقَ كُلِّ لَطِيْعُنِ آسُستَالُكَ مِالْقُلُمَ وَالَّتِي السُّلُويُنِ بِعَا عَلَىٰ الْعَرُشِي مَلَمُ يَعْدِكُم الْعَرُشُ آيْنَ مُسْتَقَرُّكَ مِنْ أَكْفُتُ بِيُ نُطْعًا حَفِيتًا مِنْ دَقَائِقِ لُعُنِيكَ الْحَقِيِّ الَّذِي لِذَا لَطَفْتَ بِهِ فِي آحَد دِيُفِي - اورج كوئى اپنى حاجت برارى چا ہے، اس اسم مقالس كوسات بزاً بار برُسے مجربه برُسے مَلُ مَنْ يُنجِينَكُمُ مِنْ ظُلُت السَبَةِ الْبَحْسِيرَةُ عُوْمَةُ

مَّفْتُوعًا وَخُفُيْتَ النَّهُ الْجَيْنَ مَا أَجَيْنَ مَا أَجَيْنَ مَا أَحِيْنَ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ أَنَّ صَنَ الشَّاكِدِينَ قُلِ اللَّهُ وَمَا الشَّاكِدِينَ قُلِ اللَّهُ وَمَا اللَّهُ اللَّهُ مَا أَمَا اللَّهُ وَمَا اللَّهُ اللَّهُ مَا أَمَا اللَّهُ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ اللَّهُ مَا أَمَا اللَّهُ الللْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّلْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللللْمُ اللَّهُ اللَّهُ الللْمُ الللْمُ الللْمُ اللللْمُ

روایت ہے کہ جب بی صلی انترعلیہ وسلم کو حبشہ کی طرف روانہ فرایا ، توفرایا میں سمے جند کلمات زاد را دی طور برنہ دیے دول ، انہول نے عرص کیا کیوں نہیں میں سمے جند کلمات زاد را دی طور برنہ دیے دول ، انہول نے عرص کیا کیوں نہیں یا رسول ادلتہ ! فرمایا یہ پڑھا کرد-

آمَدُهُمَّ الطُّفُ فِي فِي كَيْسِيُوكُلِّ عَسِيْدٍ فَإِنَّ تَكِيْبِ ثَوَالْعَسِيْدِ عَلَيْنَ يَسِينُونَا مُسْتَالِكَ النَّيْسِينُوكُلِّ عَسِينِدٍ فَإِنَّ تَكِيدِ ثَالُانِي الدُّنْيَا وَالْآخِيسِرَةِ وَعَلَيْعَ يَعِيدُ وَالْعَافَاءَ فِي الدُّنْيَا وَالْآخِيسِرَةِ وَعَلَيْعَ يَعِيدُ وَالْعَافَاءَ فِي الدُّنْيَا وَالْآخِيسِرَةِ وَعَلَيْهِ عَلَيْهِ وَالْعَافَاءَ فِي الدُّنْيَا وَالْآخِيسِرَةِ وَالْعَافِي اللَّهُ فَا اللَّهُ اللَّهُ الْعَلَيْدِينَ وَالْعَافَاءَ فِي الدُّنْيَا وَالْآفِيسِرَةِ وَالْعَافِيةِ وَالْعَافَاءَ فَي الدُّنْيَا وَالْآفِيسِرِينَ وَالْعَافَاءَ فَي الدُّنْيَا وَالْآفِيسِرَةِ وَالْعَافَاءَ فِي الدُّنْيَا وَالْآفِيسِرِينَ وَالْعَافَاءَ فِي الدُّنْيَا وَالْآلُولِينِينَ وَاللَّهُ عَلَيْنَ وَالْعَافَاءَ وَالْعَافَاءَ وَاللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْعَافَاءَ وَالْعَافَاءَ وَالْعَافَاءَ وَالْعَافَاءَ وَالْعَافَاءَ وَالْعَافَاءَ وَالْعَافَاءَ وَالْعَافَاءَ وَالْعَافَاءَ وَالْعَافِينَ وَالْعَافَاءُ وَالْعَافَاءَ وَالْعَافَاءَ وَالْعَافَاءَ وَالْعَافَاءَ وَالْعَافَاءُ وَالْعَافَاءَ وَالْعَافَاءَ وَالْعَافَاءَ وَالْعَافَاءَ وَالْعَافَاءَ وَالْعَافِينَ وَالْعَافِينَ وَالْعَافَاءَ وَالْعَافَاءُ وَالْعَافَاءَ وَالْعَافَاءُ وَالْعَافَاءُ وَالْعَافَاءَ وَالْعَافَاءُ وَالْعَافِي وَالْعَافَاءُ وَالْعَافَاءُ وَالْعَافَاءُ وَالْعَافَاءُ وَالْعَافَاءُ وَالْعَافَاءُ وَالْعَافَاءُ وَالْعَافُونَاءُ وَالْعَافِينَاءُ وَالْعُلَاءُ وَالْعَافَاءُ وَالْعَافُونَاءُ وَالْعَافِينَاءُ وَالْعَافَاءُ وَالْعَافُونَاءُ وَالْعَافَاءُ وَالْعَافُونَاءُ وَالْعَافُونَاءُ وَالْعَافُونَاءُ وَالْعَافِي وَالْعَافُونَاءُ وَالْعَافُونَاءُ وَالْعَافُونَاءُ وَالْعَافُونَاءُ وَالْعَافُونَاءُ وَالْعَافُونَاءُ وَالْعَلَاقُونَاءُ وَالْعَلَاقُونَاءُ وَالْعُلَاقُونُ وَالْعَلَاقُونَاءُ وَالْعَافُونَاءُ وَالْ

علیت پسید کا کرنے کی ما صیت یہ ہے کہ روح کو قوت اور دل کو شجاعت
ماصل ہوتی ہے وہمن کے دل میں بیبت اور تمام لوگوں میں آ دمی مقبول ہوجا تا
ہے۔ فریب ہے توغنی ہوجا تا ہے مقروض ہے تو افتدائے ہے ار قرض سے نجات
دیتا ہے۔ ورتا ہے یا قید میں ہے توخلوصی ہوتی ہے مغروم ہے تو اللہ اس کا غم
وور فروا دیتا ہے ، سفر میں ہے توخلوصی ہوتی ہے مغرو ایس آ کے کا کمری سے
حجوم ہے تو کامیاب ہوگا۔ اگر جا برحکم انوں سے مقابلہ ہے تو وہ اس کی عزت و
تو قر کریں گے اور اکس کی حاجات براری میں مدو ویں گے ۔ اس میں عبیب اثیر
ہے جا بروں کے فائمدا ورفالموں کی جڑکا منے کی ، اگر ظالم غفے میں ہے ، اس کے سامنے
ہے بڑے اس کا غصر و فضنب ٹھنڈ اپڑجائے ، جو اپنے او بر برنے والی مصیبت پر ۱۳۳ سے بڑھے اس کا غصر و فضنب ٹھنڈ اپڑجائے ، جو اپنے او بر برنے والی مصیبت پر ۱۳۳ سے برا سے جا سے مارامی تیل کے ایک مارامی تیل اس کے اعداد ہیں ، انشد اس کی نگی وسعت سے برل
بار ، سے پڑھے اس کا عرب میں اس پر نظف و کرم کا نزول ۔ ہے گا۔

ر ما گیا ہے کہ حب کوسف علیالسلام نے فرایا اِنَّ رَبِیُ تطلیعُ لِیَّا یَسْتُ اُورِ اِنْ اِنْ کَا یَکُورِ اِنْ ک الله نے ان کوکنویں سے سجات بخشی اور ملک مصر کی حکومت عطافرا کی۔ جیسے اندرتعا

نے اپنی کتا سب عزیز میں اس کی خبر دی ۔ امید ہے کہ جشخص اس پرعمل کرے گا - انٹرنعالیٰ اس کونجی و پیءعطا فرمائے گا جو اس نے یوسعت علیالسلام کوعطا فرمایا ۔

الم عزالی کی حکایت مت مت تک تیدر بارس دوران اس کے وروزبان

يُرسف عليسلام كاير ول رم إن ترقي لطيف يسك يست المست المراد المرات السرك يسك السايك نوجوان أيا الس ن كها أشحاء ركل جا- الس ن كما درواز ب بند بين الميس في كا درواز بند بين كيسكول السن الميس تحكما المرا بوء أخمدا وركل جا- الس ن كما درواز بين كيسف كلول المن عن كما تمام المراكب المين كمام دروازول سنة بام اكب المستنفى في نوجان المنترك يحكم سنة كمل جا ما الميمال تك كرتمام دروازول سنة بام اكب المستنفى في نوجان كى طرف ديك كركما الميم كون بهو إحب كسبيب المنترف مجويرا حسان فرما يا انوجان في ما ين منطيف يتساك فرما يا المنترق المواد المنترف المواد المنترف المواد المنترف المراكب المنترف المواد المنترف المنترف المواد المنترف المنت

مشاہدہ کروایا جائے گا۔ اپنی جگہ سے کھڑا ہونے سے پہلے اس سے خوف و ڈرختم ہوجاتے کا اس میں عجبیب امرار ہیں -

الم اليافعي كى حكايت القير بغضب الكربوكيا. اس كريك المرايك ال

تو برُسے بھراسم مبارک کا ندکور و تعدا دیں ور وکرے بھر مرتب و د ہوکر کے یا اُمانی اُن اُستُلگا ہِ اِللّہِ اللّہِ اللّٰہِ اللّہِ اللّٰہِ الل

"تعلینول میں ان کلمات سے دعائیں ماٹھا کرتے شکے۔ وہ کلمات یہ ہیں یا تعلیفاً فَوْقَ کُلِّ لَطِیفنِ الْعُلُفُ بِیْ فَیْ اُمُوْرِی کُلِّهَا کہا تیجیب وَامْ صَسَنِی فِیْ دُنیای وَ آخِسر آئی ۔

مين وعافره ئين فرديا يريم وكالطيفاً بِحَلْقِه يَا يَهِ يَعْلَقِه مَا اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللطف في يالطيف في يالطيف كيا عَلِيمُ مَا حَبِينُ .

تین فارزبان سے بڑھے۔ مجھ فرمایا یہ تمقہ ہے اس کے ویے بیشتری غنا ملتی ہے۔
جب بھی نا وشواری آئے اسے بڑھا کرو کافی رہ الد ثنا ملے گی۔ بھرغائب ہوگئے۔
میں بہدار ہوا تولب پر بینی کلمات سندن ملاحب بر کو گی ننگی یا وشواری آئی اور
میں نہ ان کلمات کا ور د کیا ، ہذہ وہ لنگف ملاح بی کا بیان سے ماجز و قالسر ہو لیا پیر
میں نے ان کلمات کا ور د کیا ، ہذہ وہ لنگف ملاح بی کے بیان سے ماجز و قالسر ہو لیا پیر
میں نے ان کلمات کا ور د کیا ، ہذہ وہ لنگف ملاح بی کے بیان سے ماجز و قالسر ہو لیا پیر
سے نقل کے ہیں والسر کی ب بی افتد کے ہم اور سے مونی سد اعالی مجی مذکور ہیں اور میں سے ایک یہ جو شیخ شما ب اندین اٹھر ہوئی تو اس مراسی میں مزکور ہیں اور میں سے ایک یہ جو جو شیخ شما ب اندین اٹھر ہوئی تو اس مراسی میں مراسی ہے جو اسم
مولینزا رہا رہ تجد مو کی لبس بار بڑھ کر پڑے ، یہ آملا وا ہم میلیت سے ملاد

بَالَعِلِيمُ بَالَطِيْفُ بَالَطِيْفُ بَالَطِيْفُ بَالَطِيمُ مَا لَطِيمُ مَا لَطِيمُ مَا لَطِيمُ مَا لَطَيْفَ بَالْطِيمُ وَالْلَاسُونِ السُنَالِكَ بِمَعْفِي لَطُعِيلَ الْمَعْفِي الْمُعْفِي اللهُ اللهُ

اللی إ میں ہے سے سوال کڑا ہوں اے قوت وعزبت و مدد وا سے ، تیری عزب ہیں ہوں ، اسے قوت وعزب و مدد وا سے ، تیری عزب کے در موجا ، اور کا رہوجا میری عزب کی مدد کا قت وا سے ، کمہ تو میری مدد کا در ہوجا مدد کا رہوجا میرستمام احوال ، اقوال ، افعال اور بقتے اچھے ہموں میں ، جب مصروعت ہوں ، اور یک دور فرا مجد سے سرتنی ، کا راضی اور کیس جمیری فست اور کا بین ہوں ، اور یک دور فرا مجد سے سرتنی ، کا راضی اور کیس جمیری فست اور کا بین ہوں کا تیجہ سے بے تنگ تو ہی بخشنے والا مهر این ہے ، کو نے فرایا اور

تیری بات حق ہے و تعفی من كنيسينو ، المدمبت كهمعاف فرما تا ہے ، اللي اجن برتير لطعت ہوا ا ورج تیرے حضور ساحب عِزّت ہیں ، اور تو نے پوٹ یڈ لطعت جن سے تا بع قرابا، كد حدهران كارُح اوهربي نيرالطف، ميرابح معصوال مع كد مجع اين حنورعزت بخش-ادرمجه سے بُوجھ ملکا فرما، لینے پوشیدہ نطعت سے ، بیشک توہرجا ہے پرقا درہے۔ فرطايا ، الشرت اسم منبارك تطيف سيمتعلق جودٌ عائيس شيخ أبوالعبالس الربي أجو تفسيشعراني كريماني تحص سينقول بين ان مين الكساير بعداللي إتون تُطف فرما يا اور بمشكل آسان فرما تى . توكف انعام فرما يا، مرثوثا بوا تھيك كرديا يسو ميرية أنى . تو في تُربر يط تطعف خرما يا اور است رأكي توفيق مجنى . واسجام كارمجي میرسن معا ملات میں نگانت فرہ میری تعلیمت پیرسے نسلفت سے وگور ہوگی ، ندکمیری طاقت سے بورت الفام كذابت سه بالاسے واسے بغير مُرست و وليل باري ل واللے اور میرے اور اینے لگفت کے درمیان کوئی رکا وسٹ نہیوڑ. النی اِتو نے ريكا برده بُوشى فرما فى - ديا توسبت ديا : انعام داكرام سے نواز ا -معامله كيا توفون . سؤنو سى جسمول برا بنا فاس نظلت فران والا اورروحول بر ابنى كيّا فى سيرحقا نق كلو والا ہے میرسے آفا: اگر میں بیری اطاعت کروں تو تیرسے فضل سے - اورا فراتی كرون و ان المن المن الله المال الميشد المين المي تا تم ہونی اے وہ کہ بھول کی خیانت اورسینوں سے راز جانا ہے۔ تمام معاملات سی مھ ير يا سكن دكرم فرما ١٠٠ في اس تير معضور مجي كووسيد بنا ما ورتير ب صنورتيري قسم كى أى بور. بيست تو اينے أو پر ميرى وليل ب، تو اينى بارگا ، ميں تو بى مياتين ب میرے یے یہ اسم آسان فرما وران پوشیدہ خزانوں اور ظاہری ہونے والے عانف کو، جن بریشتل ہے، مجھے کا مانعتیں، عام خاطت، جامع رحمت جمام عافیت، کا ماشفقت عطافه ما تنطیفیس دور فرما . فراخ روزی ، ایسے کام ،مکل توفیق ، علم احسان ، وسیع تر

مهانی،مغید ترلطف، مال ملال، بزرگ ترعلم غایت فرما - بنشک توصا حدیب حیاً، کریم، سُنف اورجانت والاس

وعاعن خضر على استذا حزعلى السام كالمنهور وعيد تردعا وليس والول سے الگ تولفکف میں عظیم ہے اور بڑے براول سے اپنی عظمت سے لحاظ سے بند تر ہے۔ اور اپنی زمین کے نیچے کے ختائق کو بھی ابی طرح جانیا ہے جیسے اپنے عرش کے اوُرِ والے کو۔ ولول سے وسوسے تیرے آ کے ظاہرا ورعلانیہ بات تیرے علم میں جیسے راز-ہرجیزتیری علمت سے اسے سرجم کیے ہوئے ہیں اور سربا و شاہ تیری با دشاہی كے آ كے جُكا ہوا - دنیا وا خرت كا بركام تير حد ماتھ ہے - بچے تمام غول سے نجات بخش النی امیرے گنا ہوں کو تیرے معاجب کرنے . میری اور میری خطاؤں سے تیرے ورگذر كرنے اورميرى بداعماليول برتيرى بردد برفن نے مجھے يدائسيد ولائى كرتجھ سے وه کچھ مانتوں حس کا میں مستحق نہیں ، اپنی کو تاہیوں سے با وجو وسکھ سے وعا کر و ل جبولیت مے بقین سے - اور مانونس ہو کرنمجہ سے سوال کروں - بے تنک تومیرامحسن اور میں اپنے تیرے تعلقات کے سلسد میں خود اپنے ساتھ مرائی کرنے والا بڑل، توقعیت سے مجھ پرنعتیں نازل کرار با اور میں نافرمانی سے مجھے نارا عن کرتار ہا . دیکن تیرے سارے نے تیرسے صنور مجھے پیجراً شبخشی تواپنے فضل واصان سے مجھ پرکرم فرما · بے سک توائیت توبر قبول فرط نے والا، رحم كرنے والا ہے؛ الم غزالي تے يد دعا ال حبالى كا ب ألامسر بالمعرف مين ذكركى ب اوراكس كمتعلق ابك واقعد يحيى تكها ب رجر كاخلاس يه بهے بحد الوجعفر منصور باوشاد رات كوكشت يرتمها

قلیقال حید من و ایمانک ایک شخص کی آواز اس سے کانوں ہیں پہنچی اللی ا خلیقال حید منصور اظلم دنسا دکا دور دورہ ہے ، میں اس کی فراد ہوئی ہے

كرا ول مسور في السينفس كوابني باركاه بين حا صركر في كاحكم ويا والسيميش كرديا اليا . وه خص بس سے سا سے بيش بوا . اس سے مظالم كا ذكركيا ١١ ور مُوثر تفيحت كى منفور رو پڑا بھرا سخص مے متعلق دریا فت کیا جین وہ نظرنہ آیا ۔ لوگ ل نے اسے تلامش کرنا تروع كيا، با وشاه كے ايك فاص دربارى كومل كيا رئين اس تي بمراه خليف كے ياس م ے انکار کر دیا، درباری نے کہا اگر تم میرے ہما، نہ کتے ، فیلیف مجھے قبل کر وے گائس نے کما فلیفدالیسانیس کریکتا ، ایک ورق کالاجس پرید دعا رکھی تھی بکا اسے لواور اپنے جیب میں رکھ لو، الس میں شکل مل کرنے والی دُعا ہے بھاکو ن سی مُشکل عل کرنے والی وعا، کہا یہ صرف شہیدوں کونصیب ہوتی ہے جو کوئی جنج وشام یہ وعا مانتے ،الس سے گنا ہ ختم ہوں گے جہین رخوشی صاصل ہوگی ،خطائیں مٹائی جائیں گی ۔ وُعا قبول، رزق وسيع ، اورائم سيد بوري مو گل . و تمن بريدو بو گل ، الله كه ما نسجا نكه جا شي كا اور شها وت كاموت نعيسب بوكى كهوآ مَلْهُ مُهَا مَطَفُتَ فِي عَظَمَيْكَ دُوُنَ المَلْطَفَايِرِ اخرتک کہا میں نے اسے لے کرانے بیب میں رک بیا ، مجرین سیدها امیر کمونین سے یا سي اسلام بيا ، الس ف سراعها كرميرى طرف ديجها اويشكوايا - بيمركما بيرا برا بو، مبت الجها م ووكر سا من نے كها تيس بسخدا . بھرييں نے شنخ كے ساتھ ہونے والاسا رامعامدات سُنايا ، كمالا وُان كارتعد الس كي تقل كا حكم ويا وا ور مجه وسن نبزار دريم ويت. ميمركها ، اس شخص كوبيها فت موجيس في كهانميس كها ده خنرعد السلام تصدر الخ -احياً العلوم ى عبارت كا فلاصر ختم بوا مين قِيد كتاب منهج الحنيف مين مع وع وكركياكيا ب-اس سے آخر میں آنا اضافہ ہے ہے ایک تو نے فرطایا اور تیری بات حق ہے۔ آلگ تَطِيئُنُ بِعِبَ وَ* يَرْزَقُ مَنْ يَكَاءُ وَهُوَ الْقَوِيُّ الْعَسَذِيْزُ " يَالْطِيْفُ كَاخَبِيْنُ الزبيرى في تصفرت احياً بين فرما يا ، اكرانس كے بعد إثنا اصاف اوركر ديا جائے توكوئى حرى نبيل دمبترست وصلى الله على ستيداً المُستشدد قرايد وسكر -

حياة الحيوان حلية الاوليا كے حواله سے ساني وقعه اليون الدون

آباند المنظف المنطق في ميلطف المعنى قيا المليف كا المعنى المعتدية المنظف كا المعنى المعتدية المنظف المعتدية ال

اب انسانی شکل میں ایک فرشتہ اس کے سامنے آیا اور اس کے مُنہ پرزیتون کے سبزیتے
کا طرح کوئی شے رکھی بھوڑی ہی دیرمیں اس کے پیپٹے میں حرکت سی بڑئی اور سائپ
حسم کے نبیجلے جتے سے محرطے معرطے ہو کر کا گیا ؟ الخ دمخت را ۔ یہ تفتہ دوجیا ۃ الحیوان "
وغیرہ کتا بوں میں مفتل و کر کیا گیا ہے ۔

الدميرى كا ايك اورنسخه الدميرى غيراة الحيوان مين انسان پركلام كرك الدميرى كا ايك اورنسخه المرئيري غربايا ، فوائد مجربين سے ايك جوبرًا بابركت اورخيركِتْيركاسبسب، قصنا ئے ماجات اورغم والم كے ازالہ كے يا آومايا ہوائسخہ ہے،اورہارے شیخ الیا فعی کے قول کے مطابق یداس ارورموز کا ایک انمول خزانه ہے ۔ وہ بیر کم نمازعشا کے بعد بوری طہارت کے ساتھ ، ایک ہی نشست میں اللہ كانام الطِيف " اسم ١٦٩١ مار ير صے خبرداركى بيشى نه بو نے يا كے كدا ترجا مار ب كا- اس تعداد كوحاصل كرنے كاطريقة يه بے يكه ١٢٩ دانوں والى تسبيح لے، اوريداسم اس پر ۱۹۱۱ بار پڑھے مقصدهاصل بوجائے گا دگویا ۱۲۹ × ۱۲۹ = ۱۲۹ مر ۱۲۹ مترجم) ائس كمعرفت كاين طريقة بهتر ہے . كيونكدائس ونطيعت ، محتروف چا رہيں ل - ط ی - نٹ ۔ اببجد کے لحاظ سے ان کاکل عدد ۱۲۹ ہے۔ اب اس کوانس کے برابر میں عنرب دور توحاصل صرب ابه ۱۹۹۹ بوا ۱۰ اب اینی حاجت کا ذکر کرد ان شا انترتعالی ضرورت بوری بوگی جبب بھی ١١٦ کے سنچے ایک بار پڑھے لا تُکُدُ دِکُهُ الْدَ بَعْسَاتُ وَهُوَيُدُدِكُ ٱلْاَبْعِنَا رَوَهُوَ التَّيْطِيْعَنُ الْحُسَبِيْنُ ، سَنحين اسكا اطاطه نهين كر سكتيں، وہ الكھوں كا احاط كرتا ہے- اوروسى باريك بين، خبردار ہے يو حيوة الحيون میں صول معبلائی . رزق وبرکت کے یہے ایک فائدہ یہ بھی تکھا ہے ، کہ ہرنماز کے بعد ١١١٩ ريرُ هـ - بهرك ، آللهُ تَطِيفُ بِعِبَ دِهِ يَدُنُ قُ مَنُ يَسَبُ وَهُ وَمُ

Marfat.com

الْقَوِيُّ الْعَسَدِيْدُ ، اللَّه لِين بندول برلكف وكرم فران والاس، جع جا برن

دے، اور وہ قوت والاغالب ہے ! اسم مبارک کی تمام قرأت کے بعدید وعامانگے ، اَللَّهُمْ وَيَنِعُ عَلَى رِزُقِي اَللَّهُمْ عَظِفْ عَلَى خَلْقِكَ اللَّهُمْ كَمَا صُنُتَ وَخُهِي عَنِ الشَّجُوْدِ بِغَيْرِكَ فَصُنُهُ عَنُ ذُلِ ّ الشَّوَالِ بَغِيُرِيزِحْ تَيْكُ كَيَّا أَرْحُمُ النَّاجِينَ ؛ ، لني إمجُه برميرارزق كتناده فرما وسه - الني ! ابني مخلوق كومجُه برمهراب فرما دے۔النی اجس طرح تو نے میراجرہ اپنے سواکسی اور کے آ کے جکھنے سے بیایا ہے، لینے سوا دوسروں سے ما نگنے کی ذات سے اسے محفوظ فرا 2. این رحمت سے، اے سب سے بڑھ کر رحم فرانے والے ! والے اوا عبارت ختم فاضل شہیرشنے احدالدمیری نے اپنے مجرّبات میں فرمایا۔ جان ہے ، انتدمجے اور سجے توفیق بختے ، کدید اسم جلیل القدر ہے ۔ اس کی برکت ظا ہرا ور اس کی فضیلت مشہور ہے . طلد قبول ہونے والا ہے اس کا بڑا را زا ورعجیب خصوصیات ہیں جو سول رز تی تصنائے ما مات ہمکیف وور کرنے ، ظالموں کی فریب کاری اوران کی ہلاکت میں ، وعیر بعض علماً واولياً في إس كي بعض متعتقات سے إنے حال ومقام كي مطابق كلام فرايا -جے اور فرطایا ، جب اسے ور دوالم سے ازالہ بھٹول رزق اور تھنائے ماجت سے يد مول بنانا يا بو، تونما زفجر كے بعد و ١١ بارائس كا ذكر كرو-اوراس كے بعد يددعا . 5%

الِمُمِكَ اللَّطِيْفِ الْكُنُونِ، كَاللَّهُ يَاحَتُي بَاقَيْوُمُ ، إِنَّمَا آمُرُهُ إِذًّا آرُادَ شَسِينًا اَنُ يَعَثُولَ لَهُ كُنُ فَيَكُونُ ، إِلَهِيْ جُوُدُكَ وَكَنِ عَلَيْكَ وَإِحْسَانَكُ قَرَّبَىٰ إِلَيْكَ ٱشْكُوْ إِلَيْكَ مَالَا يَخْفَىٰ عَلَيْكَ وَاسْنَالُكَ مَالِدَ يَعْسِدُ مُعَلَيُكَ، إِذْ عِلْمُكَ يَحَالِيُ يُعْسَنِي عَنْ سُوَا إِنْ يَامُعَزِّجًا عَنِ أَنكُوُوبِ كُوْبَةً ، فَسَدِّجُ عَنِي مِنَّا آمَّا فِينُهِ يَا مَنْ لَيْسَ بِغُامِ نَانَتُظَــرَهُ وَلَا بِنَائِمٌ فَأُوْقِظَـهُ وَلاَ بِغَا فِلِ فَٱذُكَـدَهُ وَلاَ بِعَاجِـنْدٍ كَا مُعَلَدُ يَا عَالِمًا بِالْجُمُلُةِ وَغَيْتًا عَنِ التَّفْصِيتُ لِكُفَى عِلْمُ لَتَ عَنِ الْتَقَالِ وَانْقَطَعَ السِيَجَاءُ إِلاَّمِنْكَ وَخَابَتِ الْآَمَالُ إِلَّافِكَ وَانْسَدَتِ الطُّرُقُ الزَّ النِّكَ كَا اللَّهُ كَا اللَّهُ مَا اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مَا اللّهُ مَا اللَّهُ مَا اللَّهُ مَا اللَّهُ مَا اللَّهُ مَا اللَّهُ مِنْ اللَّالِمُ مُلْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مُلْمُ مُلْ مُلَّمُ مُلْمُ مُلْمُ مِنْ اللَّهُ مُلْمُوالِمُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مُلْمُ مُلْمُ مُلْمُ مِنْ اللَّهُ مُلْمُ مُلْمُ مُلِّ مُلْمُ مُلْمُ مُلْمُ مُلْمُ مُلْمُ مُلْمُ مُلْمُ مُلَّا مُلْمُلِّمُ مُلْمُلِّمُ مُلْمُ مُلْمُ يَا مَجِينُ ۗ اكْفِيرُ إِنْ وَاسْحَنْنِي بِرَحْكَيْكَ كَا ٱرْحَسَمَ الرَّاحِيدُنَ وَتَيْسِدُ لِيُ رِزُقِيُ وَسَخِسَدُ لِيُ جَيِيعُ خَلُقِكَ اِثَلَاعَلَى كُلِّ شَنَى قَدِيْرٌ - وَصَلَى اللهُ عَلَى سَيدِ مَا مُحَسَدِ وَعَلَى آلِه وَصَغِيد

المندكام مدورهم فرائد والامهر بان بنداد للهدور برلطت والمحدورة والاب الله والاب المات المانون اورج كوران مين ب كوا بع فران كرد من والم بنا فران كرد من والم بنا والم والم والمرابا بع فران كرد من والم المراب كرد الله المراب الله والم المراب الله والم الله والم الله والم الله والمراب الله والمراب الله والم الله والمراب الله والمن الله والمن الله والم الله الله الله والم الم الله والم الم الله والم الله والم الله والم المنافع والم الله والم الله والم المنافع والم الله والمنافع والمناف

كامعامله أنا بي كرحب كسى جيز سے فرمائے ہوجا و د بوجاتی ہے " الله تیری بخش نے مجے تیری راہ د کھائی جیرے اصان نے مجے تیرے قریب سرفت وكرنه كاح صدبخثا . اليي حزكاج تشجد يونسيد وننيس ، اوركرتي ہے ود مانگر جو سجور وشوار منیں ، کیونکھ میرے حال کو تیرا جانا مجے سوال كرنے سے متنعنی كورما ہے - اوم صیبت زدہ سے مقیبت دوركرنے والے! مجھ سے وہ مصیبت وور فرما ،جس میں مبتلا ہول - لے ود کر نائب بہیں، جس كانتظار كرول، نەسويا ہے كد جگاؤں - نه غافل كريس ياد ولاؤن، نة توعاج كم ممكست دكون ا ورسب كه جا ننے والے ور تفيل سے بديرواه ! بات كرنے كم مقا بھے ين تيرا علم كانى ب تیرے سوا ہرطرف سے المیس دختم ہوگئی۔ تیری ذات سے بغیراً رزوکیں نا مُرَاو بوكنين يتيرى رابول كيسواتمام رابين بند بوكش واست الله: نفنے والے! اے نزدیک تر! اے دیکھنے والے! اے بول فرانے والے! مجابخش دے اور اپنی رحمت سے مجے پر رحم فرما الے سے برط كر رهم فرانے والے : اورمیل زق عطافرا اورتمام محفوق كوميرت تا بع فرمان كروس و بولس كوب نشاط كاركياكيا ، ب شك تؤسري پرقادر ہے -اورانند درود بھیے ہارے آقامحد آپ کی آل اور آب

کے صحابیر، اورسلام ؟

اری رحمۃ اللہ نے فرای ، جان یجے کہ یہ استفافہ غم الم کے سائے ، معیبت زدد اون الم کے سائے ، معیبت زدد اون الم کرانوں یا دوسروں سے ڈرنے والوں کو فاند، دیتا ہے ، جوجا ہے ہاری ذکر کردہ شرانوں یا دوسرول سے ڈرنے والوں کو فاند، دیتا ہے ، جوجا ہے ہاری ذکر کردے ، اللہ تعالیٰ کے حکم سے اسی وقت وُعا قبول ہوگی بعض منوت نشینوں سے منقول ہے کرجب تم عاجت براری مقصود ہو توحرف ندا کے ساتھ ،

این حاجت کا تعور کرے اس کے اعداد کبیر کے مطابق ام ۱۹۹۱ باریا کطیف کیے -حاجت بحاه تصوّر میں رہے بھرفارع ہوکرسات بارسورۃ فاسحہ پڑھ کر ہی صلے انٹدعلیہ و کم تمام اقطاب، اغیات، اولیاً ، نبحاً ، اوتا داورنیکوکارول کواس کا تواب بدید کرے بھر سائت باريد دعا پڑھے اور اللہ تعالیٰ سے اپنی حاجت طلب کرے۔ اللہ کے حکم سے مُراد پوری ہوگی۔ دعا ئے مُمارک یہ ہے۔ لے اللہ اور یا لنے والوں سے یا لنے والے! سب کواپنی تطیعت ربوگہیت سے یا گنے والے! بلامحنت، کینے پوسٹیدہ جاری وسائی تطفت مص مجے جلد کامیاب فرما- اور اپنے نظف کی انگلیوں میں مجھے بدل و سے بیمال تک كرمين تيرابطيعت نظفت برطرت ديجول فخواه الس كى طرفت اشاره بوسيح يانه بهان كك كرخوشى خوشى، مزے لوشتے لو شتے تير مے بحر نظف ميں و وب جا قال ، و م مفالس جو تیرے اسراریا نے والول کی ارواح کی غذاہے . مجے ا پنے اسمامیں سے ایک اسم اور لینے انوارمیں سے ایک نورعطا فرما۔ جے اپنا نے والا زمین میں دا خل مخلوق ا ورائس بحلنے والی ، اور آسمان سے اترتے والی اور اس میں چڑھنے والی سے مشرسے محفوظ ہوجا آ ہے بے شک تو ہی لطف قرما نے والاخبردار ہے۔ اورائٹد ورگود وسلام بھیجے ہمارے س قامحكر، اور آب كى آل واصحاب يري الخ-

البسونی کی تب المنهج المنیت مین و عا کھ نفظی تبدیل کے ساتھ ذکر کی گئی البسونی کی تب المنهج المنیت مین و عا کھ نفظی تبدیل کے ساتھ ذکر کی گئی ہے کہ البس میں اینک کی لطبیق تخیب یو تخفیظ و کے میں این دونوں کو جمع کر دیا جائے۔ البیری این دونوں کو جمع کر دیا جائے۔ الدیر بی نے کہا ، بعض علما نے کہا کہ جب الس کو حاجت براری اور مشکل کشا کے کہا کہ جب الس کو حاجت براری اور مشکل کشا کے یہ استعمال کرنا چا ہو تو میسی طریعے سے باوضو ہو کر و ونفل اوا کر سے قبلہ یو ہو کو اقعا نے اللہ عام و میں البیری فرہوک اللہ عام و میں البیری فرہوک اللہ کے اللہ عالی میں البیری فرہا کی انگر حالت میں اصافہ نی تبدیا تھا ری حاجت پوری فرہا کے گا جملیف و ورکر سے گا ، اگر حالت میں اصافہ نی تبدیا تھا ری حاجت پوری فرہا کے گا جملیف و ورکر سے گا ، اگر حالت میں اصافہ ا

برتركومًا لَطِيْنُ مَا ٱسْرَعَكَ لِتَفْرِيجِ أَنكَ زُبِ فِي ٱوْقَاتِ النَّسَدَ الدُر ا معمر إن مُشكل اوقات مين توكننا جاريطيف وورفراً المعيد وعاليه بي " لعاند! له مهرإن ا بيسے تو نے لکھن وكرم سے زمين واسمان بيدا فرائے ، اپني قضاً وقدر ميں ، جو تو فے میرے بارے میں طے مردی ہے۔ نظف و كرم فرماء اور جرمشكل میں كرفقار مؤول ليے وور فرا - الني توتمنقوه جيس اوركس كا تصدكرون تورب كريم بي ا وركون وينے والا ہے۔ و تومعود و برور دگار ، الس بات کاحقدار کرسی تیرے سواکسی بر بھروسدند کرول . مجدیدلازم بے كرتیر سے سواكسى كى بنا و ند دھونڈوں -اے و دا حس بر مجروسدر كھنے والع بجروسدر کھتے ہیں اے وہ کہ جس کی طرف ڈرنے والے امان یا تے ہیں ۔ اے وہ کہ تما م الميد وارحب محرم وانعام سے اس لكائے بۇ ئے بیں اسے وہ كدا بنی زبرو حكومت اور عظيم رحمت سے لاچاروں كى فريادرسى فرما تا ہے - اسے لكھن فرما نے والے مشكل اوقات ميں، كتنى مبلة ككاليف ورفراً ، بسي اينى تُوت وطاقت اور فضل وكرم سے میرے متعلق اپنے حکم وفیصلہ سے نافذ کرنے میں مجد پر مہر بان فرماکیؤ تحدیمی کرنے اور بری سے بیخے کی طاقت اللہ ہی سے باتھ میں ہے ۔ لے اللہ! لے علم والے! اے علمت والے ؛ داہل ایمان وہ بیں ، بن کو لوگوں نے کہا کہ وشمن تھار سے گھات میں جمع بیں ، توان سے ایمان میں جوسش بیدا بروا وربول المصے اسمیں اللہ کا فی ہے ، اور بہترین کارساز اللہ وہ مندمودیں، توحبیب تم فرما و ، مجھ اللّٰد کا فی ہے ۔ اس سے بغیر کوئی سیجامعبو ونہیں مبار

اسی پر بھروسدا در دہی عربش عظیم کا مالک ہے ۔ میں نے بعض علماً کی شحر پر دیھی ، کدانٹر تعالیٰ کے سم مُبارک تظیف میں جار تسزیات ہیں ۔ در ، حسولِ رزق ۔ دیا ، تضائے حاجات ۔ دس ، قدی کہ کر رہا ، خالموں کی محاہوں سے بیجنا " اکر اسس پر عمل کرنا ہے تو کیٹرے اور بیٹھنے کی جند صاف کر۔ اور الالالما بار آبالطیف " پڑھ اور ہر والا کے بعد مذکورہ آبیت کر یمہ پڑھ

ا میاکر حمول رزق کے یلے آدکته کیلیف یعب اده بندرو کی من بیست اور می المعتباری من بیست اور می المعتباری ال

تفنات عاجت كي آبيت

آلاً بَعِلَمُ مَنَ خَلَقَ وَهُوَ النَّيْطِيْنُ الْحَيْبِيُوْ اللَّهُمَّ الْحَفِي عَاجَدِينَ مِن فَلَانِ ابْلَقُ مَلَى مَنْ فَلَانِ ابْلَثُ عَسَلَى كُلِّ شَسْبُقُ قَلِيدُ وَ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ فَلَا اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللللْمُ الللَّهُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ الللْمُلْمُ اللللْم

تعبيد سے رہائی کی آیت

اِنَّةَ دَبِيْ لَطَيْعَنُ لِتَمَا يَشَنَّاءُ لِنَّهُ هُسُوَ الْعَسِينُ الْعَيْكِيمُ -الْبِيْسَكُمْ مِيرارسِصِ بِرَحِابِ لطعن فرا نے والا ہے - بِینشک وہی والاحکمت و الاحکمت و والاحکمت و

ظالمول كى نگابول سے بوشيرر سے كى آيت

لَاَتُذُيكُهُ الْاَبْعَثَامُ وَحُسَوَ يُدُمِنِ ثُهُ الْاَبْعَثَامَ وَحُسَوَ الْكِطِيْعُ الْخَيِسِيُرُ-

أ بحيس اس كوكلى طور برنهيس ويحد محين اوروه انتحول كوكلى طور برويحتا ب-

ورور باریک بین خبردار ہے:

علامرشخ احمد بن محمد بن عبا وشاؤل نے اپنی کتاب الفاخد اعلیہ فی ایک استساد لیٹ میں سیری ابوائس شاؤلی کے وظالفت میں جذبُ اللّطف المجی وَکر الباسد اوركها منظول بختيول مين اس كرساته وعاكرت كاليف ومسائب سيانة ے لیے عمیب تسخہ ہے۔ ہرطا سری و باطنی تھیت سے ازائد میں معاون واوراس سے ہم الرامي تطيفت كى وكماية بوسكتى بيديس الذك بناه ما يحد مول در عصر في في الما ے اسدے ام سے تقروع جو تم فرمانے وال ممزن ہے۔ سب تعربیت مشرکیاتے جويا لنے والا ہے تمام جہانوں كو : "خزكد الني افضل تريں درود ، فزول ترين جنين بأكيره ترين سلام ، تمام اوقات ميں اخرف مخلوق ، بحارے قا دمون محمد ميرج زمين و آسان والول ميں كامل نزين بيس، اور أن بر بيرور وكا ركا باكيزه ترين سلام ، تمام إيما بو اد کمات میں اول فرما - الهی الے وہ کہ حس کا لطف تمام مختوق کو شامل ہے اور حس کی عبلائی بندے تک مینچی ہوئی ہے۔ اور حب دامن تمام بندوں کا یددد پولٹ ہے جمیں ا بنی عنایات سے دائرے سے نہ سال اور سروار سے جمیں معفوظ فرا ،اور اینے پوشید لكعث كيساتحد بجارك بين ظام بربو- التباطن إاك ظام. الصطيف! بم لفنا میں میرے تطعن کاسیجاؤ یا بھتے ہیں ، اور حب کوئی فیصد جارے خلاف ہوجائے توجم سلامتی وربنیا کے ساتھ اس کے آگے تھیکنا یا بھتے ہیں - الی او ہی علم وال سے جوا دل میں ہو چی ایس اے بمیشد لطبیت! جومعیبت نازل ہو تمیں کینے لان میں جیا ہے. اورا سے اوّل اہمیں اپنی حفاظت کے قلعے میں بنا ہ وست ١٠ سے وُو آس کُ طرف التّ اور پنا ہ ہے۔ اسے وہ کہ اپنی بھرقصنا میں سے مخلوق کوبیجا نے و ن ، و ، ان یہ اپنے زبر دست محكم ورامتحان كونازل كرنے والے مبیں خیندُ نسجات سے بوا رول میں شامل فراد سه، اورساری زندگ فات معفوظ فرا و دانها ؛ جس برتیری نظر مرم برگنی-

اس كى قسمت برى معن وكرم بوكيا تيرى رعايت سدا سے قدير وه محفوظ وطخوظ بوكيا . اے سننے دیکھنے والے الے الے قریب اے دُعا سُننے والے اور بہترین رعابیت كرنے والي الم مرتظرعنا يت ركهبو إالني تيرالوست يديطف ويحف سے تطبعت ترسے اور توو تطیعت بے جن کا نظفت تمام کا تنات میں جاری وساری ہے جی تیاراز واسرار کا منات مین بھیے پڑے ہیں ،جنیں صرف اہل معرفت! ورا ہل نظری دیج سکتے ہیں جب انہوں نے تیرے اس لطف کے را نے ویکھا تو مجے بھے رہ گئے جب تک تیرا دائمی تطفت ہے۔ ہمار مے مبود! بندوں میں تیری مشیت کے قیصلے جیتے ہیں جن کونہ عارف بھیرسکتاہے۔ يز نريد اليكن بهارس يلے تو تو نے پوسٹيد تطف وكرم كے درواز سے كھول و يئے۔ جن کے قلعے برمصیبت سے بچانے والے ہیں بھرہم تیری منرانی سے ان قلعوں میں داخل ہو گئے۔اے وُہ كرحس فتے سے فرائے ہوجا وہ ہوجاتى ہے۔ ہار معبود! بندول میں تیری ہے اپنے بندول پر خصوصًا امل محبّت ومودّت برتو امل محبّت و مُودَت كا صدقه - استخی بم پرخصوصی نُطعت فرا - بها رسے معبود ! نگعت پیری صغت ہے،مہر بانی کرنا تیری عا دت ہے-اور محنوق میں اینا حکم جاری رکھنا تیراحق ہے اور مخدق برنطفت ورافت فرما م سے ونیامیں تیراحق بورا ہونامحال ہے - بارالها ! تیرا نگھٹ ہارسے وجو و سے پہلے ہے جب کہ ہم مختا چ لگھٹے۔ نہ شکھے توکیا اب جب کہ ہم بیرے لطف کے عاجمند ہیں تو دریغ فرانے گا، حالانک توسب سے بڑھ کرر حم فرا نے والا ہے۔ ہو نبیس سکتا ہے۔ کہ تیراکا فی و وائی نگفت ، ہمیں محروم کرے جب کہ توشانی ہے۔ بارالنا إتيرافكفت تيرى خاطت ہےجب تورعايت فرمائے ، اورتيرى خاظت برانطف بحبب أبيها ئے بميں النے لكف كے سربردوں ميں وافل فرا ا در ہم پر اپنی حفاظت کے پر د سے ڈال د سے . اسے تعلیف ! ہمارا ہمیت ترجھ سے تعلیف كاسوال ہے . اسے خاطت فرانے والے اسمیں بڑائی اور عداوت كی شرسے بيمائيا تعلیت

تین بار بیرے عاجز، دربوک، کمزوربندے کاکون ہے واللی اجب طرح تو نے میر وجوداورمیرے سوال سے پہلے تطعت فرمایا، میراحامی ہو، میرے خلاف نہ ہو۔ اے غناً وینے والے . اسے امان وینے والے ! توہی برائیاں مٹانے والی طاقت ۔ تو ہی عمد الميول ميں مدد كرنے والى اعانت اور تو ہى ميرى تفرت - الله اينے بندو ل برمهرا ہے۔ جسے جا ہے رزق دے اور ود قوت والا علیے والا ہے . مجھے اپنے نظفت سے مانونس كردے واسے واسے ! ڈرنے والے كوحال خوف ميں انس عطافرا. سرمیں تیرے نطف سے مانونس ہوجا وُں۔اے نطیف : تو اپنے مجبو کے سے نگفت مجے خطات سے سیاستا ہے اور میں تیرے نگفت سے اے لطیف ! دشمنول سے جھیا ر با و الله ان کو چیجے سے مگیرے ہوئے ہے بیدوہ بزرگ قران ہے محفوظ سختی ہے۔ توہر بڑے خطرے سے بیج کیا میرارت فرما ہے "زمین واسمان کی ضافت السے تھاتی نہیں اور وہ بند ترعظمت کا مالک ہے " تو سرتبیطان اور صاصحہ بی جاتے كا ميارت فرانا ہے " برشيطان مكن سيخاطت " توہرا سے كے برغم سے معفوظ موكيا - فرما كا حسبت الله ونعيم الوكيسل - محصالتكافي ب اورمبترن كايسان التدب اس كيسواكوني معبود تهيل ميشد زنده قائم رہنے والا "آيت الكرسي اختك يسيناتها رے إيس تميں ميں سے رسول تشريف لائے يو تخرسور و توبيك ولينياف قَرَيْشِ ، اخر كم الى م حركم المعنى محتم عستى - كاجد توله المحق وَلَهُ وَلَهُ المحق وَلَهُ وَلَهُ المحق وَلَهُ المحق وَلَهُ وَلَهُ المحق وَلَهُ وَلَهُ المحق وَلَهُ وَلَهُ المحق وَلِهُ المحق وَلَهُ المحق وَلِهُ المحق وَلِهُ المحق وَلِل ألنك وسَلَا قُولًا مِنْ عَلَى بِي تَحِيدِ مَا لَهُ إِن اسما واسدُركا صدقه بمين تنراور تريروں مصبيحائيو - اورجنني كندى جيزي تونے بيداكيں تم فرطاؤرات ون تمكارا منامن کون ہے۔ ؟ " اپنی رجانیت کی ضمانت کا صد قد ہما را ضامن بن جمسی دوستر سے ذہبیں نہ ڈال اللی میترے دروازے برمیرے سوال کی زات ہے میر ما قت تیری و جرسے ہے ۔ اللی درو دوسلام اور برکت نازل فرا الن پرجن پر تو

كَمَّا سِنَّ المنهج الحنيف مين كها التُدتع لي كاسم كرا مي تطبيد، " مع متعلق جو دعائیں شیخ ابوالعبالس المرسی سے منقول میں ان میں سے ایک یہ ہے ہے النی بندول يك برانطف كس قدرب ورزوجے جا ہے اینا لطن كيسے سنجا ما ہے تونے اپنے پیغبر کیے بعد دیگر سے بھیجے۔ دنیا کو آخرت سے ملایا تیرانام بڑی برکست والا ہے۔ تطعن فرما نے والا و ایتھے کا م کرنے والا : تیرے سواکو ٹی معبود نہیں بہجھڑوں کو ملانے والا مختلف طبقات كوجوڑ نے والا بچرسے بیری طرفٹ استھے ہیں ۔ پچیس تیری سے جُکی بُو تی ہیں. زبانیں تیری اسی قدر باکی بولتی ہیں، متبنی ولول کومعرفت ہے ۔ تو سربولنے وا لے کے بو لنے سے ورآ ہے غیروں سے پرد سے ہیں بمبلائی بہا نے میں مہرال ان چلنے کے بلے را ستے بنانے والا - النی ! تونے غافلوں کوجگایا - طبیعت سے غلاموں کو ا زاد كميا . مد بهوشول كوبوشياركيا . شهوات كے اسيروں كو آزاد كيا . ما بنگے والوں كى دعائين قبول كين . وُدر والول محد مر غيا ذانين دينے نتے استى موحدومد ح كاسنراوار تو ہی ہے. نتے وکامرانی تیرے ہی ہاتھ ہے۔ میں مجھ سے تنوق مانگا ہوں ، جو مجھ تک مجعیمینیا و سے وا درائیں روشنی جو تھے تک میری راہنمائی کرسے ، اور ایسایاک روح جو مير ي حبم مين برايسي بات بنها و مع حب كاسبهنا وشوار ب ياجس كاعلم محرف عاتب ہے۔ اور اپنی طرف کی روح سے میری مدو فرما اور اپنے نور سے مجھ منور فرماکاس میں مسافروں کے یلے ہداست سے راستے کھول ووں - اور تصد کرنے والول سے یے

مل .. نه والى نتها مره وا صح كر دول اورمير عديد أفق اعلى اور أفق مبين كا در دا: ، كو ل وست او علیتین میں میرا اُر تبر مبند فرما ، اور علم نقین سے مجھے نظف کی جا در آوا د سے۔ ب تنك توسب سے بڑھ كرلطف فرما نے وال - اورسب سے بڑھ كر رحم فرما نے وال ا ألمنهج المنيف " سي كماء شيخ عارف بالتدابوالفيث يميني سع اسم قدر اطیعت کی جو و منا ئیر منقول میں اون میں سے ایک یہ ہے ۔ الی بے تسک تیرے لطیعت خونجے ہیں، جومر نعنی برطلیں تواقسے شفادیں ، اور ہے کک تبری مهر بانی کی ہوائیں ہیں۔ كرجب كسى قيدى كى طرفت عيين السي آزاد كروي اورتيرى ثناه كرم ب كرحب سمند. كيسمندرس ووبن والعيريوك أستينا كداورب تكستيرى رحمن جب ببخت كا ما ته يحراك اسے نيك سخت كر وے اور بنتك تيرا نطف وكرم ہے . حب کسی غربیب پر دسائل تنگ ہموجائیں تو وہ ہنھیں وسع کر دینا ہے اسویا رالهامنی برا پنے تعلمت کی تسیم حلا و سے اورالسی خوشبو بھیج جرمیر سے دال کو ۔ وگ اور عفارت کوختم کرد اور مجوم این مهر باتی کی محفول مار و سے الیس خید بک بن ست میز نوابش اور نفرسش کی رجیری کلک جائیں وومنجد میراینی ایک ای نظر منابت فرب جو مجھ گراہی سے سمندسے بیجا ہے ، در نے بی و ف سے ایسی ٹیرے عطاقہ یا جس سے میری پرسختی ، نیک سختی سے بدل بائے اورا پینے كرم سے تجھ ابنى صرف لوٹ آنا اورسى توبنسيب فرا ادر مجے و کا کے فریلے اپنی سخاوت کا درواز دکنہ یا انسیب فریا بیمال کک کہ میادل تیری عطا سے مل جائے . اور میادست سوال ترسے شکرو تنا کے لیے انحد جانے اورمیری زبان تیری دُعا اورتیری معرفت کے زاری میں علنے نے بیمان کے میں انسے بیری بارگاہ میں ایک میٹرھی بنا کراپیٰ حاجت ہے بکے بنیا وُل اور اپنی تمام کی وجزنی عاجات میں تنجد مراعتما دکروں تیری راست سے اسے سے بڑے کر فرمانے والے ،تیرے سواکو ٹی سی معبود منیں ، شجھے یا کی ہے۔ بے سک میں ہی نیاد تی

كرنے والول سے ہول "

خوانی آیات ورد کاربویه فرانی آیات ورد کاربویه خوانص و فوائد نافعه

ترجہ براملہ کے نام سے ہے ، س کا چان اور کھرنا ، بے نک میرارب بخشنے والا مہریان ہے ؟ اور انہوں نے اللہ کی قدر نہ جائی جیسا جانے کا حق ہے ، عالانکہ تمام زمین قیامت کے دن اس کے قبند میں ہوگی ،اور تمام سان اس سے دائیں ہاتھ میں سمٹے ہوئے ہیں ، وہ پاک وہر تہ ہان کے شرک ہے !'

كيونكه حديث مين آيا ہے كريد واو بنے سے بياؤ ہے

جب نگی سے فراخی کی طرف کھنا جا ہے تو وہ پکی ہجالا مے جس کی شیخ اپنے دوم دوم ساتھیوں کوتعلیم دیتے تھے۔

يَا وَالسِعُ مَا عَيْهُمُ مِنَا ذَا الْفَضُلُ الْعَظِدِ رَبِم آنَتَ وَ فِي وَعِلْمُكَ مَا وَاللَّهُ وَلَهُ وَاللَّهُ وَالْمُؤْلُولُ اللَّهُ وَلَّا اللَّهُ وَالْمُؤْلِقُ اللَّهُ وَالْمُؤْلُولُ اللَّهُ وَالْمُؤْلُولُ اللَّهُ وَالْمُؤْلِمُ اللَّهُ وَالْمُؤْلُولُ اللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَالْمُؤْلُولُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُؤْلُولُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّالِمُ اللْمُلِي اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّلِمُ اللَّالِمُ اللْمُولُولُ الل

ذَ الله مِنْ الْعَظِيمُ الْعَيْدُمُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّه

ا بین ہی استی ہے ہا و ماطا ہوں انکرونو سے اور سیجھ سے بنا و ماطا ہوں انکرونو سے اور سیجھ سے بنا و ماکنا ہوں انکرونو سے اور سیخل موں مزن وسیقی سے ، اور سیج سے بنا و مانکتا ہوں نیزونی اور شیخل سے ، اور سیج سے بنا و مانکتا ہوں قرمن سے نطبے اور اور کول کے واقعہ اور دوگول کے واقعہ اور دوگا کہ واقعہ میں اور دوگا کہ دوگا کہ دوگا کہ اور دوگا کہ دو

ار تورشمنوں پر برو سال میں اس مسل کے ذریعے جوشن کے ۔ استعبوں وسمایا کر ۔ اسمے -

المرائد و المرئد و الم

فرآیا ہرنماز کے بعد سائٹ بارائس کا در دکرے ۔ ایس سے پہلے وہ دعا بھی کر لے جوزی کے وقت نبی مسلی انڈ علیہ وہم مانکا کرتے تھے۔

الني بيسے جا ہے ہماري كفايت فرا

اورجب ظالم سے بنا چاہ ہے توانس کے پاس جاتے وقت اس طرح عل جہارم جہارم جہارم رہیں گئے منڈٹ بیٹے نے ارثا دفرایا - وَقَالَ مُوسِی اِنْی عُدْتُ بِدَیْ وَ رہیں کہ قیدن کُلِ مُنتھے بید لڈیو کھی بیست م اکھستا ہے - اور مُوسُی علیاسلام نے فرایا بین کسی بیانے اور محمارے رہ کی بناہ چاہتا ہُوں ہر مفرور سے جھاب کے دن پرایمان نہیں رکھتا ہے اور جوحاکم سے ڈرے وہ اس سے بیطے وہ دُعا پڑھے جوحدیث میں تی ہے .

ترجہ: اسٹراین تمام مخلوق سے بڑا ہے جس سے بیں ڈیما ہول الٹراس پرغالب ترا دمحفوظ ترہے۔ میں الس اللہ کی بنا ہ میں آیا ہول جس

کے سواکوئی اور سپیامعبو و نمیں ، اسمان کو زمین پر اپنے حکم کے بغیر گرنے سے روکئے

والا ہے تیرے فلال بندے ، اس کے نشکر ، اس کے بیرو کا دول اوراس

کے ساتھیوں کے نشر سے ، خواہ انسان ہوں یا جِن ، اللی ! ان کے نشر کے

سے تومیری بنا ہ ہوجا ، تیری تعربیت بند ترا و تیری بنا ہ غالب ہے۔

ادر تیرے سواکوئی بیامعبو و نمیس "

مششم حزب بحوالحفيظة بدون كالمثانية أنعين ألفه يمين المنه المرونين العنينة

کے بیے بنایا گیا ہے۔ مدیث میں آیا ہے۔

﴿ آعُوٰذُ بِكَلِيمًا تِ اللّٰهِ النَّكَامَّاتِ مِنْ شَسَرِ مَاحَسَنَقَ ﴿ النَّكَامَ النَّهُ النَّكَامَ النَّهِ مَا حَسَنَقَ ﴿ النَّكُ النَّهِ النَّكُ الْمُولِ المَا مُعْلَوق مَعْلَمُ مُعْلُوق مَعْلُمُ مُعْلُوق مَعْلُمُ مِنْ النَّهُ مُنْ النَّا اللَّهُ مِنْ النَّهُ مِنْ النَّهُ مِنْ النَّهُ مُنْ النَّهُ مِنْ النَّهُ مُلْ النَّهُ مِنْ النَّهُ مِنْ النَّهُ مُلْ النَّهُ مِنْ النِي النَّهُ مِنْ النَّهُ مِنْ النَّهُ مِنْ النَّهُ مِنْ النَّهُ مِنْ النَّامُ مِنْ النَّهُ مِنْ النَّلُ مُنْ النَّلُ مِنْ النَّامُ مِنْ النَّهُ مُنْ أَلِي النَّلُولُ مِنْ النَّامُ مِنْ النَّذُ مُنْ مُنْ مُنْ النَّالِمُ مُنْ النَّلُ مُنْ النَّلُولُ مِنْ النَّلُمُ مُنْ الْمُنْ النَّامُ مُنْ أَمُنْ مُنْ النَّلُمُ مُنْ أَلِي مُنْ مُنْ مُنْ مُنْ أَمُنَا مُنَا مُنْ مُنْ أَلِي مُنْ مُنْ أَلِي مُنْ مُنْ أَلِي مُنْ مُنْ أَلُولُ مُنْ أَلِي مُنْ أَلِي مُنْ مُنْ أَلِي مُنْ أَلِي مُنْ مُنْ أَلِي مُنْ مُنْ أَلِي مُنْ مُنْ أَلِي مُنْ أَلِي مُنْ أَلِي مُنْ أَلِي مُنْ أَلُولُ مُنْ أَلِي مُنْ أَلِي مُلِي مُنْ أَلِي مُنْ أَلُولُ مُنْ أَلِي مُنْ مُنْ أَلِي مُنْ أَلِي

تین بارسفر سے دوران کسی منزل مرشمرے تو برایان ہے حب مک وہاں سے کورت فاكرے وسور في إيف قدريشيں وحشت ووركرنے قُلُ هُوَ اللَّهُ أَحَدُ اور لاَيَفُ وَ مَعَ اسُمِ عَ شَسَعُ فِي الْاَرْضِ وَلَا فِي الشَّمَّاءِ وَهُوَ الشَّمِيُّ الْعَلِيمُ ا مند کے نام سے شروع جس سے نام کے ساتھ زمین واسان میں کوئی چیزنقصان نہیں بنياسكتي اورود فينفط نن والاسم "جوصيح كوقت استين إرش في مكناكانى مسيبت معفوظ رب كالونهى شام كويرت ومبيك. سفه امشاشخ نے توشی لی طلب کرنے کے کئی طریقے اور اذکار بیان کے میں ، مم ایک پرمسے ما دق اور نماز نجر کے ورمیان ایک بار بڑھے۔ سُنْبُعُ نَ مَنْ تَكِينَ أَوْلَا ثَمِّنَ عَلَيْسِ شُنْبِعَانَ مَنْ يَجْبُيرُ وَدَ يَجِيرٌ عَلَيْدٍ مُنْ بِحَانَ مَنْ يُنْزِأُ مِنَ الْحُوُلُ الْدُّ وَعَلِ الْسَيْدِ، سُبُعَانَ مَن التَّبِينِجُ مِنَّتُهُ مِثَّةُ مِثَّةً عَلَى مَن اعْتَمَدَ عَلَيْدِ سُنِعَانَ مَنْ نُيسَيِّهُ كُلِّ سُنِي يَحَمُدِ لا سُنِعَانَكَ ؟ اللهُ ﴿ يَرْآنُتُ يَا مَنْ تَيُسَبِيعُ لَهُ الْعَبِينَةُ تُكَ الِكُنِي بِعَفُوكَ فَانْ

مچردند سے سوبار استغفار کر ہے ۔ بیس چالیس و ن کے اندر اندر وولت دنیا اس کے تحدموں میں بوگی ۔ بید منجر مب ہے۔

المن تمام مجت كا حاصل به ب كدا سرر كا أفرا سرر بشرع من حاصل كلام مفيد بسوج كونى المختصد من كامرانى جا ب بسط الحكام في مفيد بسوج كونى المختصد من كامرانى جا ب بسط الحكام فترع كوابنا في المحام فترع كوابنا في المحام المولى في المحام المولى في المحام المحام

من المبان کیجے کہ ذکر ود کا وغیرہ تعنا وقدرکوبد لئے نہیں، یہ بندگی ہے۔
منبلیہ طلاصہ یہ کہ مقصد کے حکول، اور تعنا و قدر میں للگفت و کرم کا فائد ہوتے
ہیں اور بات کونفس کے یلے آسان کو دیتے ہیں بیمان کک کرآ دمی کسی کا نتما ج
نہیں رہتا، اور طلب کلم مقصود یہی ہے۔ سونتا شج میر دفگدا کر کے اور اس کے فیصلے
کے آگے مرسلیم خم کر کے اور اللہ سے حسن ظن رکھ سے طلب کیجے تسلیم ورضا
کی بیروی کی جی جمعا را رہش کلات کو بڑا حل کرنے والا، جا ننے والا ہے۔ الجوبہ نیسی خروا کہ ایک کا کلام ختم ہوا ، مختلف و مقدشہ نوائد کے ذکر سے بیلئے قرآئی آیا ت و
سور کے منظوم فوائد ذکر کرتا ہول تا کہ جوحفظ کرنا چا ہے وہ آسانی سے صفظ کرسے۔

خراتی سورنول اور آئیول کے فوائد

ممت طبری نے اپنی کتاب مختلاصة الاثونی اعیان القون المحادی حسسد " میں امام شیخ ابراہیم المتفانی کے حالات میں تکھا ہے ان کے بایس بہت نوا کہ سمے بہت سے نوا نُدنقل بھی کیے ہیں ان میں سے ایک یہ کہ بچتے کی پیدائش پر نومولو د کے سر پر ہاتھ رکھ کرسور ہُ قدر پڑھے دد بچر کمی زما منیں کرے گا۔ یُونہی انہوں نے مغید باتیں اس

کیس تُنجِیُ مِن دُخانِ الْوَاقِعَه وَالْمُلُكُ وَالْدِنْسَانُ نِعُمُ الشَّافِعَه بِسَن تُنجِیُ مِن دُخانِ الْوَاقِعَه وَالْمُلُكُ وَالْدِنْسَانُ نِعُمُ الشَّافِعَه بِسَرِي مِن قَيامِت كَ دُحويُن سِن تَجات دب كَى سوره ملک و موره دم رسر بهتون شفاعت كرنے والى بين - ثُمَّ الْدُبُورُجُ لَمَا الْمُسْتَرَاحُ هُذِه مِن سَنعُ وَ حَنَّ الْمُنْجُيَّاتُ النَّافِعَه بُعُرَرِه جَ الْمُنْتَ الْحُدُدُ اللَّهُ عَلَيْه مِن مَنْعُ وَيَن اللَّهُ وَالَى جِي سَاسَ بِين ، جِرْبَحات ونفع وين والى جي يساسَ بين ، جِرْبَحات ونفع وين

ووسرے الفاظس .

رُمَوْ يَنَى الَّذِي قَلُ فَصِلَتُ يَنْجِي الْمُوْجَة مِنْ دُخَانِ الْوَاقِعَه رُمُو يَنَى الْمُوْجَة مِنْ دُخَانِ الْوَاقِعَه رَمِر ياسِين جومنعل ہے توجیدی کو وقوع قیامت کے دُمُونیں سے نجات وسے گئے۔

وَتَمَامُ سَبُعِ الْمُنْعِيَاتِ بِحَشْدِهَا وَالْمُلَكُ فَاحْفَظُهَا فَنِعْمَ الشَّافِعَه بورى سامت نجات دينے والى ، فيامت ميں دسورُه حشر، اور سؤر ملک، اسے يا د كر لے كربہترين شفاعت كرنے والى ہے .

وَالْمُنْفِذَاتُ السَّبُعُ سُورَةً كَوْتُوْ مُسَالِيَاتُ ثُمُ سِيتٌ مَّا بِعَهِ اورسات بِيانِ فَ الله بِينِ مِينِ مِينِ مِينِ سُورةً كوثرا وربِهِ اس كَصلسَلُ وَ الْمُنْفِيكَاتُ السَّبُعُ قُلُ مُوَقِيقِ مِينِ مِينِ مِينِ مُومَّ البُرُوجَ وَطَارِقٌ هِي مَاطِقَهِ وَالْمُنْ عَلَيْ السَّبُعُ قُلُ مُوقِيقِ مِينِ مِينِ مِينِ مَنْ البُرُوجَ وَطَارِقٌ هِي مَاطِقَهِ سات بلاك مرنے والياں ، كمومُرَّل بجر برُوج اورطارق جوكا شنے والى مَن الله مِن الله مُن الله مِن الله مِن الله مِن الله مِن الله مِن الله مُن الله مِن الله م

ا) ، ورسورہ واقعہ کوعشاً کے وقت ہمیشر ترتیل سے بڑھ انس کے ذریعے بہت رزق حاصل کرے گا-

۲۱ ، اورمغرب کے بعد سور کو مکک بڑھ ، یہ عداب ببراور فتند تبرے نبجات دیتی ہے۔

وا، اگرباجوج اجر اور د جال سے بیجنے کے یا مرجع کومورہ کھ

برُ- ح. ركيا الجيا بي-)

رمى، اگرنفع حاصل كرنا و رضرركا دفاع جا ہے تو فرض نما نه كے بعد دلس بار سورة فاسحد برعد۔

ده) تکالیعت دودکرنے کے لیے اپنے اوپرسورہ ایسین لازم کرنے ۔ یونہی است میں اور کرنے ۔ یونہی کی سے این اور کا کہ میں اور آخری سورت ۔

۱۹۱ کیسین تین جاربار پڑھ ۔ یُوننی سُورہ ملک میرے فائدے کا لحاظ کو۔
۱۷۱ جمعید بنت پڑے اُسے اُسے اُسے اُسے اور کر میں ہے باربار پڑھنے سے دور کر۔
۱۵۱ جمعید بنت کے دقت فیکن ہوکر آ قبولیت کی اُمیت دا در انس کی تعداد
۱۵۸ کے برابر نک ھا۔ کے مقاد کے ایسورہ سی کا آخر ،

۱۰۱ سورهٔ شوری کی بیلی پانیج آیتی بچیرسورهٔ مریم کی پانیج آیتیں بہج کرکے۔
۱۱۱ پیلے سورهٔ مریم کی پانیج اور آخر میں سورهٔ شوری کی پانیج پڑھ کرختم کردی۔
۱۱۱ بیلے سورهٔ مریم کی پانیج اور آخر میں سورهٔ شوری کی پانیج پڑھ کرختم کردی۔
۱۲۱ حب جا ہے امنیں بڑھ اوران کا لحاظ کر اور خبر داریہ بات جا ہوں
کو نہ تبلانا ۔

۱۳۱) مجرتیرااراد و برو، سور کا حشرکی آخری آیتول کا اور سور دهدید کی ابتدائی استرا اراد و برو، سور کا حشرکی آخری آیتول کا اور سور دهدید کی ابتدائی ایتول کا جمال صحابه کرام سے خطاب شروع بوتا ہے۔ اس سے عبکا ٹی یا شے گا اور اس کی صدسے دور بوگا اور ان کی تعدد میں مدسے دور ان کی تعدد میں کی تعدد میں مدسے دور ان کی تعدد میں میں مدسے دور ان کی تعد

۱۵۱) اورسور و والتمس ، صبح سویرے - حاجتوں کے یہے ۔ یُونہی سورہ اعلیٰ خشحالی قریب لانے کے یہے ۔

رود) فلم سے نجات اور کالیف سے چھٹھارا یا نے سے یہے ایوب علیالسان کی دعا میں میں گرکرد

۱۰۱۱ اس کولازم کر لے کر مجرب ہے، ایک نہیں کئی یا را اسکو ۹۹ یا ریڑھ۔ ۱۸۱۱) سور و قدرامن ورحمت کی سورت ہے۔ اسے بھی لازم کر لے اورجب باوضو ہو، پڑھ لے۔

وروں سے کے اللہ میں میں میں میں ہے۔ اللہ میں ہے کے اللہ میں ہے۔ اللہ ہے۔ اللہ میں ہے۔ اللہ میں ہے۔ اللہ میں ہے۔ اللہ میں ہے۔ اللہ میں

الا) ان تمام سے پہلے سیم اللہ طرح لینا ، جس سے بڑھنے کی تعداد ایک ہزار چھیانوے ہے۔

۱۲۱) ترط یہ ہے کہ باوس ہوکرتشہدمیں بیٹے،نفل سے فارنع ہوکرا پنے دور خداکا خوف طاری کر-

۱۳۸) ورجر مانگا ہے آیا تھنے گیا تھیے ہے ایک ہزار بارٹرم زیار و منہیں۔ شیخ علوال رصی اللہ عنہ نے کہا میں نے اس پر کچے فوا ٹرکا اصافہ کیا ہے ہیں نے کہا۔

(۱) اور شید در دلا ای است اخریک آیت می کفایت ب اور مافقت ب است می کفایت ب اور مافقت ب است می کفایت ب اور مافقت ب است می کفایت ب اور سورهٔ فاتسی کا دم کرو بر باید کو جس کا مند کروا ، صل سی بیچ کچه میس می با فر کے ویک است کے ایک میسی جاتا کہ سی جا فر کے ویک ارتے ہے۔
وس مورة دخان کا بڑا اجر ہے وضور ساجعہ کی رات ای سے ماصل کر سکتے ہو۔

- دس لائیلن کولازم کر لے اس سے ڈرسے امن اور کھانے کے بعد اس ک نفیدست پیچان !-
- ده، اِذَاذُلُذِلَ کو بار بار پڑھ اس میں فائدے میں بلاشت پریفف قرآن سے برابر ہے۔
- د و ، اورال عران میں حرف مرکب دابت لی حروف منعطعات) سے قریب افعندید دین انٹھ یٹنے گؤت کے مطخوظ رکھ۔
- ٥٠ مجول جانے كا در بوتو وہ كه جواد للے فرشتول نے جيرت سيك تھا-
- دم، يدائس وتعت كى بات ج حب ميرك ربّ قدير تے فرايا ، محدان كے نام بناوُد توانهول نے كها سُنِحَانكَ لَدَعِلْمَ لَذَا اللّهُ مَا كُلَّمُ تَذَا دَارُا مِنَا مِنْ اللّهُ مَا كُلُمُ تَذَا دو الله مَا كُلُمُ تَذَا اور الله مَا كُلُمُ تَذَا اور الله مَا كُلُمُ تَذَا اور الله مَا كُلُمُ تَذَا
- و ٩) فَسُبْعَانَ مَا يَنْ صبح وشام سورة روم عيره درك نركزا ، نقعان موكا .
- ١٠٠ است اسنان وه معلائيا ل حاصل كرسكة بهے يوشب وروز الس سے وكئيں -
- و ۱۱) سبحسّانی نے ایک عالم سے یہ روایت کی کر تخفیر یون یہ عاجزی واکساکو سے مڑھ -
 - ۱۲۱) مصیبت کے وقت آیت استرجا با بلیصر دیناً یعند قرایناً ایندراجعون) مهارارب خساره پور اکرے گا-
 - ۱۳۱) کوئی کام نٹڑوع کرنا ہوتوسورہ کھٹ کی دُعاا ور دَبِی اشْدَح لِیُ سے کر دچ سورہ روستن ، سورہ ظامیں ہے۔
 - ۱۳۱) اورخوف کے وقت مختب کنا املہ ویرا سے پڑھے املہ کے ففل و اصان سے خوف بھرجائے گا۔
 - ۱۵۱) براُیوں سے نبحات دیتی ہے انٹرکی توفیق سے اسے یا دکر لے اُفَوِّحَنُ آشیدی الخ اسے مخلوق سے فرمیب پر بڑھ ۔

۱۹۱ دوزوں وغیرسے فارغ ہوکر، وہ وعایر صحب اللہ کے بانی علیالسلام نے بڑھی تھی، کہمی نقصان ندا کھا کے گا و دینا تقب)

دى ده اپنے رب سے قبولتِت كى دُعا ما نظے رہے ، توجھى ان كى اقت رأكر. ود كتنے عليم وربہتر نمونہ شھے -

دمی میت سے باس، موت سے وقت سور کُرعدا ورلیسین بڑھ۔ شب قبر کی منائی میں کام آئے گی۔

روا، ترفیق ہوتو نورانی دن ، یعنی جعد کے دن نمازجعہ سے فار نع ہوكر۔

(٧٠) اسى جندٌ وقار سے بيٹھ كرسات بارسورة فأ بحديثِ ه-

۱۱۱) اورسورہ افلامس بھی اسس سے بعد کہواسے عنی اِمخلوق کو بہلی بارسیدا سرنے والے ۔

۴۱) اور دوبارہ لوٹا نے والے اِغنی بروردگار اِمشکل طرفوا اورا پنے فضل سے مجھے کفا برت کر، تمام مخلوق سے۔

دس یونهی سائت باراس میں فوائد میں، ہر حجد اس بر جمیشد کے لیے عمل مرتارہ -

۱۳۳۱ اورسورهٔ کهف بین جهال تفوٰدٌ دسونا ، کا ذکر ہے پڑھ جا گئے ہوئے . سینٹ ڈی بحبرا وروقت معلوم کر ہے گا .

۱۵ ۲) اور ایت اکسی میں سرد وں کے یاے رحمت اور عام نور ، مجران کی لغزشوں کے ایم رحمت اور عام نور ، مجران کی لغزشوں کی خشش ہے۔

۲۹۱) اورسور ولیسین میں بز دلوں کے یلے فائد سے مبی -اورسور و ملک کو کمی است میں اور سور و ملک کو کمی کا کہ اور سور و کا کہ کا کہ کا کہ اور سور و کا کہ کا کہ کا کہ اور سور و کا کہ کا کہ کا کہ کا کہ اور سور و کا کہ کا کہ کہ کا کہ کو کی کے لیے کا کہ کا کا کہ کا کہ

۱۲۰۱ سورہ اخلاص گیارہ بارمہ و و ل سے یہے پڑھ۔ اے اچھے اخلاق والے ساتھی ۔

امر) يُونهي بي صلى الله عليه و مم يرضوصي ورودوسلام لم صفى سي مرسيت سع عذاب المحاليا ما تا سع-

دور) سورہ ہود بھرآل عران ، کی تلاوت سے بڑے بیل ہیں مرعبا دت سے بھران ہوں ہے است مرعبا دت سے بھیدان برحمل کر۔

روس اور قبیا م کے وقت سُنبھان دیننا اور مخلوق کے معبود کی تسبیع پڑھ۔ ۱ س اس کے بعدسورہ صافات پڑھ۔ اس کے بعد خیراً متن کے والی ومختار مسلے اللہ علیہ وم مرد را ود وسلام بھیج ! ۔

(۱۳) کو، دُعاما شکو بشیان سے تم پرائس کا ذکرلازم ہے۔ انس میں حوری سے خطات سے امان ہے۔

دسوں الس کو ابنِ عبالس نے روایت کیا ، اور مجھے ان کی مرفوع حدیث کا فی ہے۔ جو نیے خلق صلی اللّٰہ علیہ وسلم بمک پہنچتی ہے۔

دمه المندر من سعن المول سے درمیان وعا مانگ قبول ہوگی ، سورہ الانعام میں اورمن سیندر را وعاصل مر-

۱۵ س) مال ومنال برغروراً ئے تو بڑھ جوباغ والے سے ساتھی نے اسے تھا میں دیمانشگاء اللہ)

١٣٧١) بيشاب بند بولوسورة المنتسرة برطه مرجينا مارت وتت.

۱۳۰۱ اگی طرفت دیشیا گیا ہیں اسیسکن اسے ستھی پر راعمل کرنے سے پہیلے میں جہرہا: تلا وت آرام سے کر -

رمس ادر بیمبتد شخص میندول سے درمیان الا دیاجائے . بندست کھل جائے

گ. يه مجرب اور ميح س

١٩١) مبلاب منت لك جائيل توكا غذ پرسم المنه ك بديم منزيل الكتاب محكر

بيث يرركدو ،

مين كونى تشك نسير، ميرى حاجت بو ـ ي فرط -

ومرم، سورہ طف کے متن میں اوگ سوال کرتے ہیں، شفا سے یا ابو کعب!

الك دے- الس كا وكوں نے كثرت سے تجرب كيا ہے-سية ر

، مهر) آمَنَا بهرسبعان ربنا و فده حد و مرحوف و ممرس. وهر السر کے بعد میں نے کچے فوا دھیوٹر ویٹے اجوکتاب اللہ میں تقیناً موجودین

روم، توان كوحاصل كر. يحقيقت في نسين كران بين شفا ب- اوران كم صنمن

سي برآفت اتراق ہے۔

وده ، سومبارک بواس کوجواس سے جال کا ساتھی ہوا جو یکے بعد دیگر ہے شن

كناز كى دكيتا ہے-

عُلاَمرستدمُرِ تعنی زبیدی نے شرح احیاً العلوم کے شروع میں الام غزالی کے سواسے حیات کے شروع میں الام غزالی کے سواسے حیات کے سونسوں کے سواسے حیات کے سمان میں فرایا - اسرار فاسح کے متعن بدا شعا بھی آپ سے نسٹوں میں ۔ جماد شر

، م ، توفاسخ كما ك وامن تمام ك - بينك اس مين تيرى أميدكا راز بوشيد

رمى اور وه بروده با سے کا مورو اسکا ذکر کرتا رو .

رمى اور است نوسے کک بیڑھ - اس سے بعد دس اور دسو کی تعداد بوری کر
رمی اور وہ بردہ با سے کا ، جراتوں میں کھی با مال نہ ہو یو تی ما د تنہ اس میں

رمی اور وہ بردہ با سے گا ، جراتوں میں کھی با مال نہ ہو یکو تی ما د تنہ اس میں

کی نہ کر سکے -

۸۸، وقار، خوشی دائمی اور سرشر کے خوف سے محفوظ ہو۔ ۹۶، ننگ ، مجوک اور قطع تعلقی سے اور حکم انوں کی دستبرد سے سیج جائے۔

بجاربول سينفأا وزكاليوكي فأنمه منعلق

فوائر

سبوطی نے اوت ان سی کہا ہن السین نے کہا معوذیین وغیرا اسما نے فاوندی
سے جہا لیمجو کہ ہی دراصل طب روعانی ہے ، جب نیک لاگوں کی زبان سے ہو، اللہ
کے حکم سے شفا عاصل ہوتی ہے جب بیقسم نابید ہونے نگی تو لوگ طبیح جمانی
کی طرف و در نے نگے سیوطی نے کہا الس حقیقت کی طرف نبی صلی اللہ علیہ و لم کا یہ
فران اشارہ کیا ہے ۔ کما گرافتہ کا نام لیتین والا بہا ڈپر بڑھے تو ووٹل جائے ۔ القرطبی
نے کہا اللہ کے کلام اور اسما سے جہا لر بیکونک جائز ہے ۔ اگر ما تور ہے تو مبتر ہے۔
الربیع نے کہا میں نے ایم شافعی ہے وم درود کے متعلق پوجیا تو امنوں نے فرط یا اگر
النہ کے کلام اور اللہ تھے وکر جرمشور ہے الس سے دم کی جائے تو کو کی حزج سنیں۔
البی بطال نے کہا میو ذخین میں جو را زو اثر ہے وہ قرآن کے دیکر صفول میں شہیں کی تو کھ
یہ میں دُعا پُرشتمل ہے جو اکٹرنا روا بھاریوں کے لیے عام ہے مثلاً جادو وہ صد، شر

شیطان، وسوس شیطان وغیرواسی یے نبی کریم صلے انڈ علیہ وسلم اکٹرانس پراکتفا فراتے تھے۔ بھراُلاتفان کی بین فنیدت قرآن وفاتسی کے متعلق ابن القیم کے افوال جوعنقریب نقل کیے جا کیں گئے ، ان میں سے بعن نقل کرنے کے بعد کہا،

امام نودی نے تشرح المُنڈب میں کہا اگر قرآن دحبتنا ہو کسی برتن میں تھا مسئلہ جائے۔ پھرا سے دھو کرمریین کو پلایلئے توحسن بصری بجا ہد، ابو قلاب اور اوزاعی نے کہا اس میں کوئی حرج نہیں ۔ انتخاب اسے معروہ کہا ہے ۔ فرا یا ہمارے مذہب کے مطابق یہ جائز ہے ۔ قاضی حیین اور بغوی وغیر نے کہا اگر قرآن مٹھائی یا کہا نے براکھا جائز ہے ۔ قاضی حیین اور بغوی وغیر نے کہا اگر قرآن مٹھائی یا کہا نے براکھا جائے تواسے کھانا جائز ہے ۔ ا

الزركمش نے كها برتن والے مسنلے كوجن علماً نے جائز كها ان ميں انعا والنبى تھى ہيں انعا والنبى تھى ہيں انعا والنبى تھى ہيں انہوں نے يہ وصناحت بھى ساتھ كردى ہے يكرجس ورق برقران تكفا ہو السسے بنگنا جائز نہيں يہين ابن عبدالسلام نے يائی بينے سے بمی منع كافتواى دیا ہے ۔ دين وہ اندر كی شجاست سے جا ملے گا ۔ الس ميں سجت ونظر كی گنجائش ہے يہ

ابن الحاج رحماللہ نے کہا دم کرنے کے بعد تھوکنا مستحب ہے۔ قامنی عباض رحماللہ نے کہا ، دم کے بعد مریق پر تھو کئے سے فائدہ حکول برکت ہے، اس رظو سے بواسے یا اس سانس سے جو دم سے بی ہے ، اوریا ہے ذکر سے بیسے ذکر یا اسائے شنی کے عندالہ سے برکت ما مسل کی جاتی ہے ، ایا ما ایک رحماللہ جب اپنے اوپر وہ کائی جائے اور سیبانی انگوشی تھی وم کرتے تو بجو نک یا ۔ تے اور لو ہے نمک جس برگر و لگائی جائے اور سیبانی انگوشی تھی جو یا گرہ لگائی جائے اور سیبانی انگوشی تھی جو یا گرہ لگائی جائے اور سیبانی انگوشی تھی تھی جو یا گرہ لگائی جائے اور سیبانی انگوشی تھی تھی ہو یا گرہ لگائی جائے ، یوسو ترمی انہیں سخت نا بہند تھیں کر اس میں جا دو کی مشابستے یا لا تھی ما بینی کتاب زاد المعا و نی جری خیالعباد "میں المروزی کے حوالہ سے ابوع البت دینی الم وزی کے حوالہ سے ابوع البت دینی الم وزی کے جاتے ہیں مجھے کے ایک برکری یا امام احمد کو بیتہ عبلا تو آب نے میرے یا ایک پرزے پر کھی بیٹیم اہلی برکار ہوگیا ، امام احمد کو بیتہ عبلا تو آب نے میرے یا ایک پرزے پر کھی بیٹیم اہلی ا

الدَّحُسْنِ الرَّحِيْمُ ، بِسَمِ اللهُ وَبِاللهِ ، محدمت درسُول الله ، كَا نَامُ كُونِيْ تَزُدًّا وَسَسَلَامًا شَكَىٰ يُبْرَاهِ يُمْ وَاسْ لَأُوْامِ مِكْتُكَدًّا فَجَعَلْنَا حُسِمُ الْآ خُسَرِيِّنَ ، آللَهُ تَ مَ رَجِبُ لَا أَيْلُ وَمَهُ كَا يَئِلَ وَايْسَرَا فِيسُ ايشُف حَسَاجِبَ هٰذَ ١ أَنكِنَا ـ. بِهِ لِنَ وَنُوَّتِكَ وَجَبُرُ وَيَكَ اللهُ الْحَقِ - المعين - المروزى محت بیں۔ ابوالمنذ عروبن میم نے ابوعلی میں سے صدیث پڑھی توسی سن رہا تھا۔ یونس بن حبان کہتے ہیں، بیر نے ابر حعفر مُحَدِّن علی درین العابرین) رحنی التُدعنهُ سے تعوید لٹکا نے کے بارے میں پوچھا- انہوں نے فرایا اگرکتاب الله یاکلام رسول صلے اللہ علیہ وسلم سے ہے توٹ کا نے اورجہال کک بو سے شنا کا صل کمر، میں نے کہاچو تھے سے مینارے یا ہے کہ لؤریشمین امته وَیانلہ وَ مُحَدِیثُ وَلُول - احْدَیک وَرایا ، اِ ان امام احد فعضرت عانشد منى الله عنها وغير سي نقل كيا ہے كر ان حفرات في السسسدمين زمى سے كام ليا ہے امام احد سے يوچا كياكة كاليت كے ازاليك یے ج تویدات کے وغیر میں مما ئے جائیں ان سے بار سے میں کیا خیال ہے ؟ آہے کہ مجھے اٹھیں ہے براس میں کوئی حرج نہیں ۔عالقتی بن احد کہتے ہیں سے لینے والدكودُ. نے والے اوسناروغیرمیں مبتلاشخس سے یا تعوید نکھتے ویکھا ہے۔فرالی السيسسدسيدا، مهنى يى وشعم نے ابوسعيد دخذرى حنى التدعنة كى ير دوايت نقل کی . بی تسلے النز عدیہ وسم سے تین صحابہ ایک سفرمیں جا رہے تھے پہاں کک کہ وہ عرب قبائل میں سے ایک قبید کے پانس جا محمرے ، امنوں نے ان سے مماتی کامینالبرکیا، بیکن ان لوگوں خدان کی معانی سے ایکارکرویا، استے میں قبیلہ کے سروارکوکسی كيرات نے ڈلس ليا. انہوں نے بڑئ كك و دوكى مكر درو دورن بۇا - ان ميں سے كسى نے کہا، یہ لوگ جومیاں مھرے ہوئے میں اگران کے پانس جاؤ توشا مُدان سے پاس فی علاج ہو، یہ لوگ ان محابر کرام کے پیس آئے اور کنے لگے ، حنرات ہمار سے مرد ارصا

وا سے سے میں میم نے مرطرے سے کوشش کردیجی می کسی چیزے انسیں کوئی فائدہ نہوا. مب میں سے کسی کے پاکس کوئی چیز ہے ؟ ایک صاحب فی فرایا ہاں ۔ ہے بخداس جھا ڈ میونک مرتا بوں معریم نے تم سے مهانی مانکی ، تم نے ہماری مهمانی نہ کی- لندا جب مك معا وحد طے ندكرو، وم نهيں كروں گا- اس بران لوگول نے ايك ريود بحريا ل بتے يرمصالحت كرنى - وه صاحب كيّ فاتتح برعق كيّ اور دم كرت كيّ ايس محسوس ہوا تو یا سی کی کرد کھول دی گئی. وہ شخص تحول جنگا جلنے بھرنے لگا ،کو کی تعلیف ندر سی فرایا كدان لوكول في جومعا وصنه طي يا يتها ود ان كي حوا ال كيد وان حفرات سي سي كسي في کہانشیم کرلوجنہوں نے دم کی تھا انہوں نے کہا ابیا نہ کرو جب کے نبی کریم صلے اللہ عليه وسلم كى خدست ميں سنے كرسب كيد ذكر ندكر ديں بچھرو كھيں آب كيا حكم ديل كے. يرحن إت بى كريم تسيع الترعليه وسلم كى خدمت بين حاضر بروشے اور واقعه بيان كيافران محيل كيسيمعلوم بواكديه وم بصيم فرماياتم في تحيك كي التسيم كروا ورا پنے سانحد مير عدت عي كالواد اكك ورمقام برفرا يافاتحة الكاب أمم القدان بع بسبع مثانى ب محماتها ، نفع من دواً ، ممل مجا ديميك بغاً وفلاح كانجى . تُوت كى محافظ ، غم والم اورخوفت وحُزن السسة مى سے وُ وركر نے والى ہے۔ جوالس كى قدرومنزلت بیچا نے ، اے اس کاحق و سے - اچی طرح بھاری میں استعمال کرے - اس سے شفایا بی كاطريته جانتا بوا وروه بهيديمي جانتا بول جس كى وجه سے الس ميں بيخصوصيات با تی جاتی میں جبب بعض سحابہ اس مقام برفائز شکھے موذی جانور کے کاشے پر دم کیا۔ دد اسی و قبت تھیک ہوگیا۔ تونبی کرمم صلی الله علیہ وسلم نے الس سے فرمایا ، کہے کیسے يته جل أب يريد وم ب توفيق الني حب كاساته و ب اور جشم بعيرت صاصل مو جائے۔ یہاں کمس کداس سورۃ کے اسار پر واقعنہ ہوجائے اورجن حقائق پڑشتمل ہے۔ ان سے واقفیت بوجا شے مشلا توحید ، معرفت وات ، اسماً وصفات و انعال ،

شربعيت بيزابت قدم مو. تقدير، تيامت تسجريد، توحيد در بُوبتيت ، الومبيت ، كمال توكل ہرمعامدمانک کے سپروکرنا، جوہرتعربین کا مالک ہے جس سے ہاتم تمام خیرہے، جس کی طرف برمعامد لوت سے وا ورطلب بدایت میں اس کی محتاجی ، جوسعا دت داین ك اصل ہے، ہو معانى كاحكول مجلائى اور د نع مفاسد سے جوتعنى ب اسے جانا ہو۔ ا درید کدعا فیتشیطلفنہ کا طرا ورنعست امر- اسی سے تعلق ہے اور اسی سے وجود پر مو قوگ سے تو بیعتین اسے کئ و وائیوں اور دموں سے سنعنی کر د سے ۔ ایس بیمعبلا کی سے دروازے مک جائیں اورستر کے اسباب ختم ہوجائیں - بیچیزکسی اور فطرت ، کسی دو مر عقل دا میان کے بیدا ہونے کی محتاج ہے۔ خداکی قسم کوئی غلط بات ، کوئی باطل بات برعت ہو، فاسح مترلین الس سے رووابطال پرشتل ہے۔ قریب ترین اور واضح ترین طریقے سے بمعارف النیکاكوئی دروازہ - دلوں كے اعمال اوران كى بياريال اوران سے بیعنے کی دوائیں ، ان سسنی کنی اور اس کامتام ولالت قاسح میں ہے اور ربالعالمین کی طرفت چلنے والوں کی جومجی منزل ہے۔ الس کی ابتدا وانتہاً الس بیں ہے۔ النّٰڈ کی بھا كتسم اس كاشان اس في شعكرا وربس د ترب جيكه بند س في يا ،جن كاسهارا ليا ورج سوچاسمها ورزبان سے كها والسوسب سے برتسرہے - اللہ نے است كامل شفاً بناكرنا زل كي بمكل خاظت - واصنح نور إسكا ورائس كے نوازم كا كما تحقيم سجمنا عین سعا دت ہے۔ برعت ، شرک اور دل سے باتی امرا ضمعولی مدیک بیدا ہوں توہوں . وہ بھی برقرار نہیں رہ سکتے۔ زمین کے خزانوں کی سے بڑی جا بی ہے . جیسے بی جنت كى چا بى ہے - ہرا دمى الس ما بى سے مجع طور بر كھول سين سكا - اكر خزانول كے طالب الس سوره سے اسار ریر واقعت ہوجائیں ا ورائس سےمعانی سمجھ جائیں اوراس جانی محصول میں کئی سال سفر کرنا پڑے ہمریں اور صبح طریق سے کھول سکیں، توبیہ خزان بدردك أوك حاصل كرليس، مم يه بات مجاز واستعاره كي طور برنهيس بطور خيت

مون کرر ہے۔ بین اکثر علی سے اس راز کے پوشیدہ رکھنے میں، افٹد کی حکت بالفکا فول ہے۔ جیسے زمین کے خزانوں کی ان سے پوشیدگی میں حکت بالفہ ہے۔ ابن ماجہ نے پنے سنن میں صرت علی رضی افٹہ عنہ سے روایت تقل کی کہ رسول افٹہ صلے افٹہ علیہ وسلم فرایا "حَیْدُ اللّہ وَاْءِ الْفَدُن آن " بہترین دوا قرآن ہے " یہ توسب کو معلوم ہے۔ کر بعن کلام کے خواص ومن فو مُجرب ہیں۔ بچرافٹہ کے کلام کے متعلق کیا خیال ہے جس کی فضیلت ہر کلام پرائیں ہے جیسی افٹہ کی فضیلت ابنی مخلوق پر، جو مکل شفا، من فی نجش حفاظت نافعہ : فور رہنما، رحمت عامر : وہ کہ اگر بیا ٹر پڑا اراجا آن او اس کی عقلت و حلال سے بہا ٹر ریزہ ہوجا آنا فران باری تعالے ہے۔ وینکنڈ ل مین الفرد آن ما ہوت سے دونا زل کرتے شفاء " وَرُحُمَة اللّٰ اللّٰهُ مِنْ اللّٰهِ مِنْ اللّٰ کے یکے شفار و جمت سے گ

تو فاتسى معلق كيا خيال ہے جس كى مثل نہ قرآن ميں ، نہ تورات ميں ، نہ انجيل وزبور
ميں ، جوت ، اس كے تمام مقاصد برشتمل ہے جواسائے بارى تعالیٰ كے اصول وہ مجا
موستفنس ہے ، يعنی افتہ ، رب ، رجمٰ ، رجیم ، جس ميں قيامت كا أتبات ، توجيہ و
الومبيت كا أتبات ہے جس ميں مدد ما بكنے كے ليے اللّٰه كی طرف احتياج ، طلب
ہوايت اورخاص اسى سے طلب كؤ ذكر ہے ، سب سے افضل اور نافع تر دُعاكا ذكر
ہوايت اورخاص اسى سے طلب كؤ ذكر ہے ، سب سے افضل اور نافع تر دُعاكا ذكر
ہوايت اورخاص اسى خوب كى مبن فراي وسب سے زيا دہ احتياج ہے اور ہو ہوا سے موالا ہوائے ہوا ہوائے ہوا ہوائے ہوا ہوائے ہوا ہوائے ہوا ہور ہوائے ہوائی ہوائی ہوائے ہوائے ہوائے ہوائے ہوائے ہوائے ہوائے ہوائے ہوائی ہوائے ہوائے ہوائے ہوائے ہوائی ہوائی ہوائے ہوائے ہوائے ہوائے ہوائی ہوائے ہوائی ہوائے ہ

کابڑا ڈکرتے ہیں ۔ دوسکونسم ان لوگوں کی جوجی بہپان کراکس سے مندموڑتے اور کچوجی شناسی کی وجہ سے گراہ ہیں ۔ یہ ہی مخلوق کی تسمیس - ساتھ ہی ساتھ یہ سورہ قفا کا قدر ترکسر اصلاح قلوب ۔ الشرکے عدل واحسان کے دکرادرتمام اہل باطل و بدعت کے رَد مِرشتمل ہے ۔ جیسا کہ یہ تما م امورہم نے اس کی عظیم وضنی شرح میں ذکر کئے ہیں ۔ لہذا یہ سورت ہجا طور پر اس شان کی ہے کہ اس کے ذریعے ہیا رپول سے شغا عاصل کی جائے ۔ ڈسے ہوئے ثے پر الس کا دم کیا جائے ۔ دریعے ہیا اللہ بیا رپول سے شغا عاصل کی جائے ۔ ڈسے ہوئے ثے پر الس کا دم کیا جائے ۔ مالص بندگی ، احد کی ثنا ، ہر کام فلاصہ یہ کہ فاتھ ان المور کوشائل ہے ۔ نالص بندگی ، احد کی تنا ، ہر کام اس کے بیر دکرنا ۔ اکس سے مدد مانگا ، اکس پر بھروسہ رکھنا ، تمام نعشیں اس سے مانگنا ، الس پر بھروسہ رکھنا ، تمام نعشیں اس سے مانگنا ، الس پر بھروسہ رکھنا ، تمام نعشیں اس سے مانگنا ، الس پر بھروسہ رکھنا ، تمام نعشیں اس سے مانگنا ، الس پر بھروسہ رکھنا ، تمام نعشیں اس سے مانگنا ، الس پر بھروسہ رکھنا ، تمام نعشیں اس سے مانگنا ، واسے ، شافیہ کا فیہ ہے ۔ تمام نعشی کا دفاع ہوتا ہے ۔ سب سے برٹری دوڑ سے ، شافیہ کا فیہ ہے ۔

آپ رحرافته علیہ نے فرایا ، کمتے منظریں ایک ایسا وقت کم کے برگذرا بحریں ہا ہما۔

نرطبیس بلے نہ دوا - اسس پر میں نے فاتسے سے علائ شروع کیا جزمزم کا پائی لیا اور اس

پر سمی بار فاتسی پڑھی ، بچھروہ پائی ہی ہیا ، اور اسی سے صحت کا ملہ پائی ، بچھر میں نے بہت ساری کا لیون اس پر اعتما دکیا اور ہے انتہا کا کمرہ اٹھا یا اسی کتاب میں ایور منتا م پر قرما یا ، اند فرا تا ہے ۔ ہم قرآن میں وہ بچھران الرکہ تے ہیں جس میں شفا اور اہلِ

میان کے لیے رحمت ہے ہمچے یہ ہے کہ نظاعین میا ت بینس کے لیے نہیں ، بیان جنس سے یے ہے اور افتدفرا تا ہے میلے لوگو اِتھارے پروردگار کا طرف سے تہارے ہاس معیمت اورسینوں میں یائی جانے والی بیاریوں سے بیے شفا اسی ہے ؟ سوفران کریم فلب وجهم کی تما م بیاریوں کے لیے شفا آجی ہے " دُنیا کی بیاریاں ہوں یا آخرت کی . مین اس سے شفا حاصل کرنے کی نہ ہرا و می میں قابیت ہے نہ موافقت۔اور حبب بھار اچھی طرح اس سے علاج کرے - اور اپنی بھاری پرصدق و ایمان ، قبول قیام سیخت یتین اور مکل شانط کے ساتھ، اس کا ستعال کرے، بیماری کبھی اس کا مقابلہ ند کمہ سے گی ۔ اورزمین و آسمان سے مالک سے اس کلام کا مقابد بیاری کرے بھی کس طرح جے میں اوں بڑا راجا کا ، تو ان کوریزہ ریزد کر دیتا ۔ زمین بر آبارا جا کا تواسے کاٹ كدركد دينا بيس دلول اورهبمول كى كوفى بيارى السيمنيس ، جس كى بيارى قرآن نه بتائے جس کی پرمیزنہ کرے ۔ ہاں پرسب کھ اس سے یہے ہے جے انڈ تعالیٰ نے قرآن فهى نصيدى - فرما يكتب طبت كانتروعين، قرآن طبى قواعدواصول مذكورين يعنى صحت کی حناظت اور پربهزاورایذاً د دچیزول سے بیا۔ اسی دلیل سے آ ہے۔ اس قسم کی با بی میاحث کوسمجه سیخته به بر رمین د لی بیماریاں توقدآن ان بیماریوں کو ان سے اسباکی اوران کےعلاج کوتفسیل سے بیان کڑا ہے۔انٹدتعالیٰ نے فرط یا بیکیا انسیس کا فی نہیں کہ ہم نے تم برکتاب آباری جوان پر پڑھی جاتی ہے ؛ سوحس کو قدران سے تسفانیں مِلتی ، اکسے اللہ شفانہ و سے ۔ فرا یا معود تین کی خوابیوں سے واقع ہونے سے بیسے ہے تھم كرديني وران مص خفاظت وصيانت مصقعلق برى شان ہے-اسى ليے نبى كريم صيعے افتدعليہ وسلم نے عقبہ بن عا مَررصنی المتّرعنہ کو ہرنما زسے بعد ان سے پڑھنے کا حکم دیا "داس کوترمذی نے اپنی جامع میں وکر کیا ہے۔ اس روایت میں ایک بڑا راز پوتنیڈ ہے . تویاد منازے دوم عونمائ کم برقسم کے تنر دور سے میں - اور فرایا بنا د

ما نظے والوں نے اس بیسے وسید سے کبی بیا ونہیں مانگی "اور بریمی ندکور ہے کہ بی کویم مسے الندعدید وسلم برگیارہ گربوں سے جا دُو کیا گیا توجبریل علیالسلام یہ دونوں سورتیں کے کرھا صرفور مست ہوئے۔ تونبی کریم صلے الندعدید ولم جُونهی ایک آیت بڑھتے ایک گڑ اللہ علیہ کو مسلم الندعدید ولم جُونهی ایک آیت بڑھتے ایک گڑ اللہ کا مارت برستے ایک گڑ اللہ کا مارک کریم صلے الندعدید ولم جُونهی ایک آیت بڑھتے ایک گڑ اللہ کا مارک کریم صلے الندعدید ولم جُونهی ایک آیت بڑھتے ایک گڑ اللہ کا مارک کریم صلے اللہ کا مارک کے کہ مارک کریم میں بدھا ہوا تھا۔ حصے کھول دیا گیا ۔

ورد كاعلاج جھاط مجھونك سے

صیحے بنی ری وسم میں صنرت عائشہ رصنی انڈعنہا سے روایت ہے کہ حب کسی
انسا ن کو تکیفت ہوتی یا زخم وجھنسی ہوتی ، تو آپ اپنی شہا دت کی آگئی الس طرح کرتے
را دی حدیث صنرت سفیا ن نے اپنی شہا دت کی آگئی زمین پر رکمی ، بھراٹھائی اور پر کلما
پڑھے : ر

بِينِيم اللهِ اللهُ الرُّفِ الرُّفِ اللهُ الرَّمِ اللهُ كَام سے بهاری زین بد نیقة بعف کا لیکٹنی تبعیماً کا می بهارے کسی مے تعاب میں م با دُن رَبِّنا یُن مینا یک می میارے بھاری تنا دے بہاری کا ا

رب کے مکم سے "

ميمور ب يازم كادم

الم مسلم نے اپنی صیح میں، عثمان بن ابی العاص رصنی الله عنه سے روابت کی کر انہوں نے نبی کر بم صلی الله علیہ وسلم کے سامنے لینے جسم میں دُروکی شکایت کی اورکسا جب جس سے اللہ علیہ وسلم کے مسل اللہ علیہ وسلم کے جس سے جس سے اللہ علیہ وسلم نے فعرا یا جسم کے جس سے میں دُرد ہے ۔ ارس پر اپنا ہا تھ رکھو ، بھر آپ نے فعرا یا یہ کھا ت پڑھو ، تمین بارید ہم

الله اورسات بار آغُوذُ يعِيدٌ قَ اللهُ وَقُدُرتِهِ مِنْ شَدّهُمَا آجِيدُ وَ أَحَاذِ لُهُ كَن سَن اللهُ كَاعِزْت وقدرت كابنا و بابنا بول الس كفترسي ومحسوس احجاذِ لُهُ كان وجن سع وُرْمًا بول "

خوف مصيبت كاعلاج

الله تعالى في فرايا:

"اوران صبر کرنے والوں کوخ تخری شناؤجن کوکوئی مسیبت بینے توکہیں بیشک ہم افتد کے بلے بیں اور بے شک ہم اسی کی طرف ہوئے والے بیں ان لوگوں پر ان کے پروردگار کی طرف سے برکتیں اور چھت سے اور و بی ماہ یا تے والے ہیں ''

برتری دسے گائ مچرابن القیم نے زاد المعاد میں ایک اور جھ کھا، فران باری تعالی ہے۔ وَاسْتَعِیدُنُوْ ا بِالقَسْبُرِوَالفَسَلُوْ ترجم نرنماز اور صبر کے وریعے مُرفَا وَاسْتَعِیدُنُوْ ا بِالفَسْبُرِوالفَسَلُوْ ترجم نرنماز اور صبر کے وریعے مُرفا اِنَّ احدُّه مَعَ الفَسَابِدِ بُنَ ﴿ بِخَسُکُ الشَّرْصِبِر کرنے والوں کے ساتھ ہے ؟

اورفرطيا :

وَأَمُوْا هُلُكُ يَالِمَتُ لَا يَكُ لُونَ الْمَلَدُونِ وَمَالُ كُونَمَا وَكُومُ مُوا وَرُوا وَرُوا وَرُوا المُ السَّكِيدُ عَلَيْهُ الْمَلَيْدُ عَلَيْهُا لَا نَسَالُهُ لَا يَكُ السَّرِكَ البَسْد ربو بهم تم سے اصطبیر علین الدین ا

منن میں ہے کرجب رشول النہ صلی النہ علیہ وسلم پرکوئی فرا واقعہ المرائے۔ تو الی بیما رئی طرف و وڑتے این ارزی دیتی ہے صحت کی ضامن ہے بہلیت و ورکر نے والی بیما ریوں کو ہٹا نے والی ، ول کوطاقت وینے والی بچرے کو مجک اطبیعت کو سرور ، سستی و گور، اعتبا کو جتی اورطاقت بڑھانے والی بچرے کو مجک اطبیعت کو غذا دینے والی اور ول کو مؤرکر نے والی ہے ، نعمت کی محافظ اور بہنی دورکر نے والی ہے ۔ مشول برکت کا ذریعہ ، شیطان سے و ورا ور رض سے قریب کرنے والی ہے ۔ مختصر یہ کو صحت اور قوت وینے میں ۔ اور جبم و رود کی میں مراد کو ختم کر نے میں اس کی عجیب انہر ہے ۔ جب کیمی و و تحق کسی افت و بیماری محت اور قوت وینے میں ۔ اور جبم و رود کی میں میں مبتئل ہوں ، نما زی کے حصے میں نسبتا کم آئے گی اور اسجام کاروہ محفوظ تر رہے گا اور دنیا وی خوابیوں کو دکور کرنے میں نماز کی عجیب انہر ہے بخصوماً جب نماز کی خاہم کا اور ذبیا وی خوابیوں کو دکور کرنے میں نماز کی عجیب انہر ہے بخصوماً جب نماز کی خاہم کا اور ذبیا وی خوابیوں کو دکور کرنے میں نماز کی عجیب انہر ہے اور کامل ادا کی جائے تو بھی نماز کی طرح د نیا والور ت کے کشر کی اور شے دور منیں کرسکتی اور نہ و نیا والور و نیا والور می نماز کی طرح د نیا والور ت کے کشر کی اور شے دور منیں کرسکتی اور نہ و نیا والور و نیا والور میا والور و نیا والور و نیا والور و نیا والور ت کے کشر کی اور شے دور منیں کرسکتی اور نر و نیا والور و نیا و کو نیا والور و نیا و نیا و نور و نیا والور و نیا وال

کی مجلا ٹیاں اس کی طرح کوئی عبادت ماصل کر سکتی ہے ، اس میں رازیہ ہے کہ نماز اللہ تمان کے میں اس کی طرح کوئی عبادت ماصل کر سکتی ہے ، اس میں رازیہ ہے کہ نماز کے اس اس برخیرو برکت کے ذروازے کھیں گے اور شعر کے اسباب ختم منماز کے اسمر ایس برخیرو برکت کے دروازے کھیں گے اور شعر کے اسباب ختم محت ، غذیت ، آرام ، نعمتوں اور تمام خوشیوں کا فیضان ہوگا ، ان کے اسباب مرتبا ہوں گے ، سب بچو مطے گا اور جلد مطے گا " فرما یا اس سے بسطے نماز کے ذریعے مام درودو سے شعا ماصل ہونے کا ذکر بھی جا ہے ، بشم طیک است اس کے دریعے ان کا علاج سے شعا ماصل ہونے کا ذکر بھی جا ہے ، بشم طیک است اس کے دریعے ان کا علاج کے اس کے اور جگر فرما یا ،

بیتے کی بیدائش میں تکیف ور کرنے کے یا کے کامیدائش بیتے کی بیدائش میں تکیف وور کرنے کے یالے کی سختی دور

کرنے کی تحریر مقال کہتے ہیں۔ مجھے النٹے بن احمد بن حنبل نے بتایا کہ میں نے اپنے والد ہم دیجا ہم جب کسی عورت پرزعگی کی تحییت ہوئی توسفید بیا ہے یکسی تھری چنر میابن عبالس رمنی ادنڈ عنماکی حدیث نکتے ۔

لَا الله الله المُسَيِّمُ الْحَصِيْمُ الْمُصَيِّمُ اللهِ اللهِ وَبَ اللهِ وَبَ اللهِ وَبَ الْعَالَيْنِ وَالْعَالَيْنِ وَاللّهُ وَاللّهُ مِنْ لَلْهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ

ترجہ: افتد کے سواکوئی معبود نہیں ، حکمت وکرم والا - الذیک ہے عراض خلیم
کا مالک مسب تعریف اللہ مرور دگا رجاں سے لیے ہیں جب ون دیھیں
گے وہ وعدے وعیدجوان سے کئے سے توصوس ہوگا کہ وہ تو

ونياس ون كالچوصة كزاركرا ئيس. ان كوا منذك احكام مينجاؤ -جن دن قيامت كوسا منے ديمين كے تومحولس ہو كاكويا ونيا بين ايمشام یا دومیر گزار کرائے ہیں ؟

الخلآل نے کہا، ہمیں ابوبحرمروزی نے خبردی کہ ابوعلید تعنی امام احمد بن خبل سے پالس ایک شخص آیا ، اور کہا اے ابوعلیتے! جوعورت دودن سے زمیلی کی تعیم میں مبتلا ہے آپ الس کے بلے کھ اکھ کرویں گئے ؟ آپ نے افسے ایک بڑا بیالداورزعفرا لانے کو کہا، میں نے بے شمار لوگوں کے یہے انہیں تعویز تکھ کر دیتے دیکھا۔

اورع كومه عن ابن عبالس رصني الته عنها كے حوالہ سے وكركيا جاتا ہے كر حنرت وم علیے علیالسلام الملیے علیالسلام کا کے برگذر ہوا جس وم علیہ علیہ سلام کا بچہ ہونے والا تھا کا نے نے عرصٰ کیا اسے کا تا اعظار الم یے النڈ سے دکھاکریں کہ الس تکیعت سے مجات مخش دے ۔ آبیہ نے فرمایا - لیے تفس

كونفس سے پیدا كرنے والے اوراسے نفس كونفس سے چھڑانے والے ! اوراسے نفس كونغس سے كالنے والے -اسے خلاصى عطا فرا إيس اسى وقت بيتہ يا ہرا كيا اور كائے اسے اُکھ کرسو تنگنے جا کھنے لگی ۔ فرما یا جب بھی کسی عورت کو بیتے کی پیدائش پڑ تکیمن ہو۔

الس كے يا اسے لكھ لو- فرما يا جتنے دم مي كك بيان ہوئے ان كى تحرير مفيد ہے اور

سلعن کی ایک جاعت نے قرآنی کلمات کو سکھنے اور گھول کر یمینے کی مخصت دی ہے اوراسے

وہ شفاً قرار دیا جو قرآن میں ہے۔

المسمقصدكيك المركزير المانستم المتماء المتماء

يَربِيَهَا وَحُقَّتُ وَإِذَا الْاَرُسُ مُدَّتُ وَالْعَبَ مَا فِينَهَا وَتَخَلَّتُ - بِعراسِ إِلَى ين مل كرك ما مذكو بلايا جائے اور اس كے بيٹ پر اس كے جيئے ارسے جائيں .

فريا ياكرشيخ الامسلام ابن تيميد جمه ريحيرك يدان سيكانسخ الله الحيروال كيمينياني يرتفق وَقِيلَ مِا آرُضُ ابْلَعِي مَاءَكِ وَيَاسَمَاءُ ٱقْلِعِيْ وَغَيْضَ الْسَسَاءُ وَقَصِيَ الْدُمُسِرُ * * ا ين رسين اينا ياني نكل جا و اوراكية سمان تهم جا و اورياني أتركيا و اوركام تمام بوكيا ؛ میں نے امنیں کتے ہوئے شاکہ بیں نے یہ آیت کئی مربینوں سے یا انظمی اور وُہ

منعیک ہو گئے ، اور فرما یا اسے تحسیر سے خوک سے نہ تھے جیسے جاہل ہوگ کرتے ہیں کیؤی خون بيد ہے اس سے افتركاكان م كفنا ا جائز ہے -سرئ سے کری اور گنجے مین سے یا لیے تعوید فَا حَمَا يَعْمَا الْعُصَارُ فِي مِن اللَّهُ فَاحْتُو قَتْ السيكيتي كوبجُ رميني جس مين آك ہے۔

تين بليح يُعلي ورقول يربك يستميانته فَدَّتُ - يِهُمِي اللّهِ مَثَرَتْ - لِبَهِيمَ قَلْتُ-

باری کے بنجار کیسیابے اللذك ام سے بماكر كيا - اللہ ك ام سے كزركيا - اللہ ك ام بوكيا يا برروز ایک ورق یانی میں حل کر کے نکل نے۔

يِنْ اللَّهِ التَّحْسَنِ الرَّحِيدُ ، اللَّهُمَّ رَبِّ كُلُّ شَبُّ وَمَلِيلُكَ كُلِّ الْمُسَدِّقُ وَخَالِقَ كُلِّ شَسِنَى آئِتَ خَلَقْلَتَ بِي وَآئُتَ خَلَقْتَ

النِسَّاءَ فِي مَلاَ تُسَلِّعلُهُ عَلَىٰ بَدَ فِي وَلاَ تُسَلِّعلُيٰ عَلَيْهِ وَالْمَعَلِيْ عَلَيْهِ وَالْمَعَلِيْ اللَّهُ الْمَعَلِيْ اللَّهُ الْمَثَا فِي اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللَّ

حسم میں در دہمویا انکھ محطرکے رمنی انتہا ہے روایت کی بُو است میں ابن عبا انتہا ہے دوایت کی بُو است میں انتہا ہوئے کے لیے یہ دُعا است میں انتہا ہونے سے لیے یہ دُعا سے انتہ علیہ و کم اور تمام در دوں سے شغایاب ہونے سے لیے یہ دُعا سکھاتے تھے :۔

بِسُمِ اللَّهِ الكَّبِينِ الْحُوْدُ مِا للَّهِ الْعَظِيمُ مِنْ شَدِّ كُلِّ كُلِّ عُلَى اللَّهِ الْعَظِيمُ مِنْ شَدِّ كُلِّ كُلِّ عُلَى عَلَى النَّامِ وَ عَدُقِ نَعْنَا دِ وَ مِن شَدِ حَدِ النَّامِ وَ عَدُ النَّامِ وَ عَدُ النَّامِ وَ اللَّهِ النَّامِ وَ اللَّهِ اللَّهُ كَا بِنَاهُ مَا مُحَالَمُ وَ اللَّهِ اللَّهُ كَا بِنَاهُ مَا مُحَالَمُ وَ اللَّهِ اللَّهُ كَا بِنَاهُ مَا مُحَالَمُ وَ اللَّهُ وَ اللَّهُ وَ اللَّهُ مَا مُحَالَمُ وَ اللَّهُ مَا مُحَالَمُ وَ اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ مَا مُحَالَمُ وَاللَّهُ مَا مُحَالِمُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ مَا مُحَالَمُ وَاللَّهُ وَاللْلِهُ وَاللَّهُ وَاللْمُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللْمُ وَاللَّهُ وَالْمُ اللْمُعْلِقُ الْمُؤْلِقُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمُؤْلِقُ اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللْمُوالِمُ اللَّهُ وَالْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللْم

داره سے

دَرُه والى دارُه كَ سَاتِه والله رَضارير (أنكل سَم) يَكُمَ "بِنُيم اللهِ الدِّحُلُنِ الدَّحِيثِم قُلُ هُوَ الكَّذِي آنْشَأَكُمُ وَجَعَلَ "يَثُمُ التَّمُعُ قَرَالًا نُعِمًا رَوالا فَتُدَة قِلْنِلاً مَمَّا تَشْكُونُونَ "

الله كنام سيتروع جرح كرنے والامهران ب تم فرا و وى توب جس نے تم کویپ داکیا ، اور تمارے کے کان اور انتھیں اور ول بنائے . سبت كمشكرتے بو-اكرما ہے توبد تھے۔ "قُلَّهُ سَكَنَ فِي اللَّيْلِ وَالنَّهَابِ وَهُوَ التَّمِينِعُ الْعَيْلِيمُ "

رات اور دن میں جسکونٹ پزیر ہے، اسی کا ہے اور وہی سننے جانے

بھوڑائیسی کے لیے

محود سے مرباتھ سے لکھے۔ وَيَنْ اَلُوْمَكَ عَنِ الْجِبَالِ فَعَلُ يَنْسِفُهَا رَبِّنُ نَسُفًا فَيَذَكُ حَا قَاعًا صَغْصَفًا لَا تَرَىٰ فِينِهَا عِوَجًّا وَ لَا آمُتًا يُ

ادرتم سے بیا وں کے بارے میں بوچتے ہیں، توتم قراؤ میرارب ان كود صول بناكرامًا دسه كا اورزمين كوجموا رحيثيل ميدان بنات كاجس مين تم بل كيج مند ويجهو كي " وظنه ١٠٠١ م ١٠٠١) ابن القيم كى كتاب زا د المعاد معميراتنا بختم بوا -

بیحے کی سیدائش میں اسانی کے لیے ابن الحاج في المدخل ميس كها ، بيح كى ولادت ميس اسانى كے يا ميرے يخ ابن ا بي جره رحمد الشرف بما ياك في برق مين يجيد

بيط منك بيث سه اوروسيع ونياكي طرف نكل السرفداكي قدرت

سے بحل سے تھے محفوظ تھ نے میں امقررہ مدت مک رکھا ؟ اُخرُجُ اَتِهَا الْوَلَدُ مِنْ بَطَنِ صَيِّتٍ وَمِنْ تَحْتٍ صَيِّقٍ إِلَى سِعَةِ هٰذِهِ الدُّنْيَا انْخُسِرُجُ بِعُدَرْءِ ٱلَّذِي جَعَلَكَ فِي قَسَوا بِ تَمكِينٍ إِلَىٰ قَدَرٍ بَمَعُ لُوْمٍ كَوْ ٱنْزَلْنَا حُذَا الْقُبُولَ عَلَىٰ جَبُلٍ-شِيفًا عُ وَرَحْتَة " يَتَنُو مِنِيلُنَ " اورسم قرآن سے وہ يكه نازل رتے بیں جواہل ایمان کے لیے شفا ورحمت ہے "

الس دُم كي بوُئے يانى كوزچه بيئے بھى، اور لينے چرسے پر الس كے جينے مجى ال فرمایا میں نے پیسخ معض بارکت حضرات سے لیا اور جے تھے کر دیا فرری فائدہ موا ا

ام سيوطي كافت رمان - جمار بيمونك الميزي بين فرايانا م ام سيوطي كافت رمان - جمار بيمونك

بیتی نے خارجہ بن الصلت تمسی سے ، انہوں نے اپنے جیا سے یہ روایت نقل کی ج كدوه كچھ لوگوں كے پائس سے گزر ہے،جن كے ہمراہ زنجيروں سے حجزا ہوا پاكل تما ان میں سے ایک نے ان سے کہا آپ سے پاکس اس کے لیے کوئی ووا ہے۔ بی کوئ تهارے ساتھی درسول املہ مجلائی لے کوآئے ہیں۔ انہوں نے مبیح وشام اس پا تين دن يك فاسم سے جاڑي كوكك كى . وه مراحين تميك ہوگيا - الس تفض نے اسے ننوبحریاں دیں۔ وہ صاحب نبی کریم صلے افتُدعلیہ وسلم کی خدمت اقد س میں آئے۔ اور سرکار سے سامنے میدقصتہ بیان کیا ، فرایا کھا ڈ ، لوگ غلط جاڑئچونکس پرنڈرا نے ب ہیں، تم نے توصیح وم کیا ہے۔

ا ما م بہتی نے صنوت ابن عبانس رصنی انڈعنا سے روابیت نقل کی ۔ رسول صلے الله عليه وسلم نے اللہ كے الس قران - ادُّ عَوْ ١ اللّٰهَ آوِ ١ دُعُوْ السرَّ عُلْونَ

.... پوری آیت ، اند کو کیارو یا رحمٰن کو کیا رو -

مصسدمیں فرایا برآیت چری سے حفاظت ہے۔

رسول افتہ صلے افتہ علیہ وسم کے ایک صحابی نے رات سوتے موری سے امان وقت اسے بڑھا اس سے گھریں جورگھش آیا۔ گھریس موجود سب بڑسمیٹا اور اُٹھا کر میت ابنا وہ صحابی جاگ رہ سے تھے بیان کم کہ چور در واز کہ ماہینیا۔ دیکیا در واز ہ بند ہے ۔ گھڑھی آماری تو در واز ہ کھلاتھا جین با رابیا میں ہوا در گھھڑی اٹھا تا تو در واز ہ بند ہوجا آمائی آماتی تو کھل جا آما ما معاصل بنا ماہین با رابیا ہے۔ فرایا میں نے اپنا گھرضبوط بنایا ہے۔

ہ ایک بی کا نتی نے کہا مجھے مہت سخت درّ دیوا بنوابسین ہی کریم صلی افتر عدیہ سیسلم کا دیدارنسیب ہوا ہے۔ نے اپنا دست شجارک میرے مترم پر کھا ا در

زھا -

"مِنْهِم اللهِ مَنْ اللهُ تَحَسِّمِ اللهُ مَنَّ اللهُ مَنَّ اللهُ مَنَّ اللهُ مَنَّ اللهُ مَنَّ اللهُ مَنَّ اللهُ اللهُ

و خمنوں برمدت ہے ؟ اللہ معربی من من من من من من اللہ معربی کھ گئٹ رینر شرح معربی ما ج

سَيدى احدزروق رحمداند نے حزب لبحرمین تھی گئی اپنی شرح میں کھا ختات میں ایا ہے کہ جوکوئی نماز نجر کے بعدسات بار بڑھے۔ فایات توکو افغال تنسینی الله ا

پوری آیت - انٹرانس کے بلے دن بجر کے لیے اسے کافی کر دسے گا-اگرچہ توکل میں نتجا نہ ہو۔ اگر شام کوپڑھے توصیح کمس میں افرر ہے گا .

جرفی کی افضائل الفران قدمنا فع الا ذکاس میں فرا یا کہ فوجی دستہ رومی ملکے مرکی کی افضائل الفران قدمنا فع الا ذکاس میں فرا یا کہ فوجی دستہ رومی ملک میں گیا ۔ ان میں سے ایک شخص گر بڑا ، اس کی را ن وشک تکی ۔ ساتھیوں نے اٹھا کرایک درخت کے نیچے رکھ دیا اور اس کا گھوڑا برابر میں با ندھ دیا ، بچھ یانی اور کھا نااس کے پاس رکھ کر چعے گئے درات کو آنے والا آیا اور اس سے کہا جما ان تکلیعت ہے ویاں ہاتھ رکھوا ور پڑھو۔

" فَإِنْ تَوَلَّوُ ا نَقُلُ حَسُنِى اللّهُ لَا اللّهَ الدَّهُ وَعَلَيْهُ تَوَكِّلْتُ وَهُوَ دَبُّ الْعَسُونِي الْعَظِيمُ * وَهُوَ دَبُّ الْعَسُونِي الْعَظِيمُ *

ور میراگر بجر بائیں توتم فرما و، مجھے الندکا فی ہے الس سے سواکوئی مفہو منیں، میراسی بر بجروسہ ہے اور وہ عربش عظیم کا مالک ہے؟ سائت بارائس نے پڑھا ران ٹھیک ہوگئی۔ گھوڑ سے برسوار ہو کر اپنے ساتھوں سے

جاملا-

مت کی قدر و منزلت کا انداز و میں لگایا جاسکنا اور نشکرا دا ہوسکتا ہے بیس اول و فر، ظا ہرو باطن اسی کا تشکر ہے ، بر تھی ذکر کیا گیا ہے کداس کا ایک فا نکرد نرم ولی مرید ما دول کا اثر بونا ، اور لمبی عمر ما یا ہے ، جنائیجہ ابن ماجہ وغیر ابن مسعود رضی الله شے دوامیت کی کہ رسول المترصلے اللہ علیہ وسم نے فرما یا "عکیکٹم بالشِّفاً تو اُنت نعتسلُ وَالْقُوْلَانُ مَد وجِيرُول معضرونشفاً ماصل كرواشدس اورقران سے ؛ بن ما جہ نے ہی حضرت علی رصنی اخترعنہ سے روایت کی -ایک سخف سے رسول النّد صلی للمعديده م نے فرايا - خَيُوالدُّ وَاء الْقُدُّرَانُ "بهترين دوا قرآن سے" بهتى نے شعب میں واٹید بن الاسقع رصنی احترعنہ سے روایت کی کد ایک شخف نے رُسول اللّٰہ ميد الشرعدية وم مى خدمت مين ملق مين ورَ وكي شكايت كى . فرما يا - عَلَيْكَ بِفِيدُونَا كُفنسنداك ي " قرآن لازمي يرهاكرو" ابن مردوبر نے ابوسعيد خدري رصني الله عنه سے روابیت کی کر ایک شخص نے سول انٹرنسلی انٹرعلیہ وسم کی خدمت میں درو سیندکی شکایت کی فرایا قرآن پیھر: انٹرفرا اسے - کشیفاءً لیا فی العشکر ڈریسینوں کی برہیا یمی کشفا ہے ؛ ابوعبید نے فلی بن مصرف سے روابیت کی بھی جاتا ہے مربین مے پائس قرآن بڑھا جائے تو فرق مسوئس سرتا ہے ! بہتی وغیرہ نے جا بربن علینہ رمنی الله عند سے روایت کی ، نبی کریم صلی الله علیہ وسلم نے فرما یا ٠ فَایْحَتَهُ ٱلْکِتَ سِدِ مَیْفَاءُ مِینُ کُلِ کَآیَ ہِ اللہ میں ایک قات ہے ہے الفلی في اسى كو ذرا لفظى تبديلى من روايت كيا - فَاتِحتهُ أَلِكِنّا بُ شَفّاء مِينُ كُلِّ شُكَّى الدَّالسَّامٌ وَالسَّامُ الرُّنَّ . فَالحدكم بربيارى سيضفا به يبرسام ك اورسام موت ہے؟ امام بہتی ا ورسعیب رہنمنصور وغیرہ نے ابوسعید خدری رمنی الله عند سے ، اور اسمول نے بی کریم صلے اللہ علیہ وسم سے روایت کی - مَاتِحة يُ الكِدَب شِيفًاءٌ مِينَ السّبة - " فأسح زبرت شفا سے أوام مبخارى نے

این صیح میں ابوسعید فدری رضی افترعذ سے ہی یہ روایت نقل کی ، فوایا ہم ایک سفر
میں سے دایک جبح تھرے ایک جاعت نے اکر کھا ، ہارا سر ار ڈساگیا ہے ۔ کیا کمناکہ
ہمراہ کو ٹی جبا ڈیجو کک کرنے والا ہے ؟ ایک صاحب اُٹھ کراس کے ہمراد کئے اور فاتح
انقران سے اسے جبالا ، و ہتخص تھیک ہوگیا ، اس بات کا ذکر رسول پاک صعافتہ علیہ
وسلم سے کیاگیا ، فرمایا اسے کیسے معلوم ہوگیا کہ فاتمو جباڑ ہے ، طبرانی نے اوسل میں
سائب بن یزید رصی افتر عنہ نے روایت کی کہ نبی کریم صعافتہ علیہ وسلم نے فاتمو ہوگیا
کر مجدیر دم کیا اور لعاب ڈالا۔

الدلمي نے اوبرس منى الله عندسے روایت كى كرنمى كرم صلى الله عليه وسلم نے فرط یا ، دوایتیں قرآن میں رشفاعت كرنے والى بیں اور وہ الله كى محبوب آیتیں

یں۔ سُورہ بقرہ کی اخری دو آئیں۔ انا مہیتی نے ابن عباس رضی اللہ عنا سے روایت نقل کی مرجب تم میں سے ریم سے کسی کا جانور تا ہو نہ آئے اور بد کے تواس کے کانوں جب جانور قالوند الے میں یہ آیت بڑھے۔

"أفغير دين الله ينغون ولدا أسلم من في السّموت و الاس في طوعًا وكدها و إليند يدخعون " الاس في طوعًا وكدها و إليند يدخعون " الما المدك وين كي سواكس اوركي والشريس موج عالانحد زمين واسما كام باشند واسي كا ما إن فريان ب خوشي سے خوا و جبر سے واوراسي كام باشند واسي كا ما إن فريان ب خوشي سے خوا و جبر سے واوراسي

ی برف م مربا سے جا و سے میں ایک موتو ف روا بیقی شعب بین ایک مجبول سند سے صنرت علی رمنی الله عند کی موتو ف روا ہے برکہ سور دُال نعام جس بیا رمیر بڑھی جائے۔ اللہ اسے شفا دسے گالا

بن اسنی نے حضرت فاطر مسلام اللہ علیه ای بیر روابت نقل کی کرحب ان کی ور دوابت نقل کی کرحب ان کی ور دوت کا قریب آیا تو نبی کریم صفے اللہ علیہ وسلم نے حضرت اُم آسلمہ اور مندرت در بین بیت جن رصنی اللہ عنها کو حکم دیا کہ وہ آئیں اور جائے ولا وت پر مندرت دین بین جن رصنی اللہ عنها کو حکم دیا کہ وہ آئیں اور جائے ولا وت پر مندرت دین میں اور جائے ولا وت پر مندرت دین میں اور جائے والا وت پر مندرت دین میں مندرت کی مندرت اور معوز میں میروسین مندر مندر مندرت میں مندرت میں مندرت میں مندرت مندرت

کہ ب نے ایک شخص کے ورد والے کان پر کچے بڑھ کر دم کیا ، اسے آرا م آگیا ۔ نبی کریم صلے ادنہ علیہ کسے م نے ہوچا تم نے اس کے کان میں کیا بڑھا ؟ عرض کی آفھ نیٹم کریم صلے ادنہ علیہ کسے ادنہ علیہ کسے ادنہ علیہ کسے آگا کہ کہ نہ تا تا ہے۔ اس کے کان میں کیا بڑھا ؟ عرض کی آفکہ نیش کی آفکہ کے آگا کہ کہ تا تا ہے۔ اور دہ تا جائے۔ والا اسے بڑھے سے قرمایا ، اگر کوئی تین والا اسے بڑھے سے تو وہ تل جائے۔

الدیلی، ابوالشخ ابن حبان نے اس کے فعنائل اس الم موت کے لیے ایس کے فعنائل موت کے لیے ایس کے فعنائل موات کے رسول المترصلی المترعلیہ کوسلم نے فرما یا یکسی میں مرنے والے کے پالس سور میل سن بڑھی جائے المتدائس پرجان کی آسانی فرما و بیا ہے۔ حلی مستدرک میں ابوجھنر محمد بن علی رفتی ولی کے دل میں ابوجھنر محمد بن علی رفتی ولی کے دل میں سختی ہے وہ زعفران کے ساتھ بیا لے میں سورہ کیس تھے اور بانی میں گھول کر بی لے۔ ابن الفنریس نے سعنی جبیر رفتی المترعنہ سے دوایت کی کوائر میں نے ابن الفنریس نے سعنی جبیر رفتی المترعنہ میں میں میں میں میں میں میں کے دائر تھا ۔ ایک باکل برسورہ کیس بڑھی تو وہ محمد ہوگیا۔ یہ تمام تفقیل امام سیوطی نے آلاتھا ''

خدائش کباری میں فرایا ،البیقی نے نیا جربن العدت عن عمد سے روایت کا ایمان کا ایک توم برگزر بڑوا جن کے اس زسجروں میں جرا ہوا پاگل نعا - ان میں سے ایک نے کہا ،آپ کے پاکس اس کی کوئی و وا ہے ؟ کیونی تھا رہے ہستا معارے منا خیرلائے ہیں - وصلے افتد علیہ وسلم ،آپ نے اس پڑین وائ کک ۔ وزند و و با بسوری فاتھ پڑھ کر دم کیا ، وہ شخص ٹھیک ہوگیا ۔ اس نے انہیں سو جریاں ویں ، وہ نبی کریم سے پڑھ کر دم کیا ، وہ شخص ٹھیک ہوگیا ۔ اس نے انہیں سو جریاں ویں ، وہ نبی کریم سے ایکا تعدید وسلم کی خدمت میں آبا وراس کا ذکر آپ سے کیا ، فرایا کھا و کیکر دائل اسل جا و بھی کریم ہے ۔

سیقی نے الدغوت ر می کی تکلیف رفع کرنے کے لیے میں ابن عباس رضی الله عند سے موقوقًا روایت کیا کر جس حورت کوزی میں تکیفت ہو. فرمایا کا غذیر تھ کر

يهُمِي اللَّهِ الَّذِي لَا اللَّهُ اللَّهُ هُوَ الْحَسَيِهُمُ أَنكِيمُ مُسُبِحًانَ اللَّهِ وَتَعَالَىٰ رَبُّ الْعَرْشِ الْعَظِيمُ ٱلْحَسُدُ يِتُورَتِ الْعَسَاكِينَ كَانَهُمْ كِوْمَ كِرَوْنَهَا لَمْ كِلْبَشُوُ الِرَّعَشِيسَتَّةً أَوْضُعُهَا * كَانْهُمْ يَوْمَ يَوُونَ مَا يُوْعَدُ وْنَ لَهُ كَلِّبَنُّوا لِرَّحَالًا كُوْعَدُ وْنَ لَهُ كَلِّبَنُّ وْا لِرَّحَالًا مِنْ نَهَابٍ - سَلاعٌ فَهَلُ يُهُلَكُ إِلَّا الْقَوْمُ ٱلْغَاسِقُونَ -

إبوداؤد نے ابن عبالس رحنی المنہ

ول کا وسوس دور کرنے کیا ہے اور ایت کا دوریت کا کوجب اپنے

ول ميركسي قسم كا وسوسه محسوس كروتو يرهو -"هُوَاٰلاَوَّلُ وَاٰلاَخِـــُ وُ وَالظَّاهِــُ وَالْبَاطِنُ وَ هُـــَ بِكُلِّ سُنْتُ عَلِيْمٌ "

"وہی اوّل وہی آخر وہی باطن اور وہی ہر فتے جانے والا ہے" میں میں موسے کا رم اسمے مونے خود فوایا طبرانی نے صنب علی م میں میں میں میں کا رم اسمے کا رم اسمے مونے خود فوایا انڈ دجیڈے روایت

کی کدنبی صلے ادائد عدید وسلم کو بچونے وسا ،آب نے پانی اور ممک منگوایا ، زخم پر مكين بالى نكا في الله الله المرفعة جات فل يما أيما الكافيد وق اور قدر وَعُوذُ بِرَبِ الْفَلَقِ وَقُلُ ٱحُودُ بِرَبِ النَّاسِ -ابوداؤد، النسائی، ابن حبان اور حاکم نے ابن مسعود رضی اللہ عنہ سے یوا

كى رسول التدعيد التشرعليد وسلم المعودة كرسوا ا وركسى جمار بيموك كوليندنمين فرطة تعصيم:

ترمندی ورنسائی نے ابرسعیدرمنی المندعنه سے روایت کی کررسول المند صلے المندعلیہ وسلم چنوں اور انسانی نظر مکر سے بناہ ما بھٹے تھے دیمان کک کرمعوذات نازل برنسی اس کے ان کو اختیار فرطیا اور باتی حجود ویئے۔

درد اور پھوڑ ہے جیسی کے یہ صفرت مقباکادم صفرت عائشہ منے درد اور پھوڈ ہے جیسی کے یہ صفرت مقباکادم صفرت عائشہ منی در درد ہوتا ، یا کوئی شخص بھوڑ ہے جیسی کا کہ منی در درد ہوتا ، یا کوئی شخص بھوڑ ہے جیسی کی شکایت کڑا ، تو صفرت سفیان شہا دت کی انگشت زمین پر رکھ کرا تھا تے اور برام میں منا یہ تندید اور برام میں احداث کے تندید آئے ضیت ایک شنی تندید کا در برام میں احداث کے اور برام میں احداث کے احداث کے اور برام میں احداث کے احداث کے احداث کیا ہے تندید کے احداث کی میں احداث کے احداث کے احداث کے احداث کی میں احداث کے احداث کی میں احداث کے احداث کے احداث کے احداث کے احداث کی میں احداث کے احداث کی احداث کے احداث کے احداث کے احداث کی کا احداث کے احداث کی کا احداث کے احداث

وراند کے نام سے ہاری زمین کی مٹی ہمارے بعض کے تھوک سے ساتھ ماک ہما را ہمارے ہروروگار کے حکم سے شفایا ہو ''

جسم میں در دکی تشکایت براسحنوصلی مندعلیم کام مرنا اپنی صحیی

عَمَّان بن الى العاص من الله عدُّ ب روایت کی که انهول نے نبی علیالسلام کی خدمت میں اپنے جسم میں دردکی شکایت کی برحب سے سلمان ہوا بہی شکایت ہے ، تو نبی مریم صلے اللہ علیہ وسلم نے فرایا ، جسم کے جس حقہ پر دَر د ہے اس پر ہاتھ رکھو ، تین باریہ بیرادیکہ پڑھ ، اور سائت بار آ عَوْدُ بِعِیدٌ تَی اللّٰهِ وَقَدُّدُ دَیّبِ مِینَ شَدِیمًا آجید کہ دَ اُحافِی و "

نبی کریم صلے الدعالیہ کم اپنے اصل نہ کو جماری کا استحین میں ہے السّعليه والم إن بعن الم فا فركواس طرح جارات تمح، دايال إتحداس برر كلفتاد. فروا مع الله أَمْ اللَّهُ مَا رَبِي النَّاسِ الْمُعِبِ إِلَا سَ وَاشْفَ آنُتَ الشَّافِي لَاشِيْفًاءَ الْآشِفَ وُكَشِفَارُلَا يُغَادِرُ سَغُمَّا " ترجم الماللة! لوكول كرورد كاتسكيف دور فرا در شفا وع ، توشفاً وینے والا ہے، شفا تولس تیری شفا ہے ، السی شفا جو بھاری کا سے عران بن صین منی افتدعنہ سے روایت کی کر قرآن کریم میں نظر کہ سے بی وکی من مد تيس مين سائت سورة فالحدك ا ورايك آيت الحرسى -کوئی ایکی چیزدی است اللد کے این السنی نے انس مِنی الله کے اللہ کے اس روایت کا جوکسی

نقل کی اورا سے صُن قرار دیا کرجس بندے کو اللہ تعالیٰ مال واہل کی نعمت عطا فرائے۔
اورا سے وہ نعمت انجی سے اوروہ ویکھ کر کے مَّمَا شَنَّاءَ اللهُ لَا فُوَّةً اَلَّا اللهِ اللهِ اللهِ لَا فَوَادِيّا ہِ

السے بندہ سے اور مرکز اللہ تعالیٰ ہرقسم کی مُعیسبت وُور فرادیّا ہے

الم بیتی نے

بخار دور کرنے کا دم المحصور حضرت السیم اللہ اللہ علی اللہ علی اللہ عنی ا

ہاں چا ہو توسی تہمیں جند کلمات بتا دول کد بڑھو تو اسے افتد تعالیٰ دور فرما و سے۔ پولیں سکھا دیسجئے۔ فرما یا ، یول کھوبہ پولیں سکھا دیسجئے۔ فرما یا ، یول کھوبہ

الله الدَّيْ المُعَدِّدُ الدَّفِيْقِ وَعُظْيِى الدَّقِيْقَ مِنْ شِدَّةِ الْعَظِيمُ الدَّقِينَ مِنْ شِدَّةِ الْعَظِيمُ اللَّهُ الْعَظِيمُ الْلَاقِينَ مَنْ الْعَدَّدِ بِاللهِ الْعَظِيمُ الْلَاقَانَ فَي اللهِ الْعَظِيمُ الْلَاقَانَ فَي اللهُ اللهُ

النی میرے بیتے چرکے اور باریک ہڑی پر رحم فرما - مبلا نے والے
کی نیڈ تت سے - لے ام ملام رہنجار) اگر تو الند بزرگ و برتسر برایمان
رکھتا ہے - تومیرے مرکز کو تکلیف نہ وے منہ کو بد کو دار نہ کر گوشت
نہ کھا ۔ خون نہ بی ۔ مجھے حجو از کر اسس کی طرف بیٹ جاجس نے النہ
کے ساتھ و و مرامع ہو و بنا رکھا ہے "

کتے ہیں صنرت عائشہ رصٰی انڈونیا نے یہ کلمات پڑھے توہنجار ٹوٹ گیا۔ معانیب اور بیچھ کے ضرر سے محفوظ رہنے کے لیے ابیتی نے سیا

بن ابی صالح اور اسلم فبیلد کے ایک صاحب سے روایت کی کد ایک سخف کو بچھو نے کا میا، نبی کریم صلے اللہ علیہ وسلم کو خبر بنجی . فرما یا اگر شام کے وقت یہ بڑھ لیا : ر " وَعُوْدُ بِكُلِمَاتِ اللَّهِ التَّامَاتِ مِنْ شَـرِّ مَاخَلَقَ " میں اللہ سے کامل کلمات سے الس کی مخلوق کے شرسے بنا و مانگا ہول؟ تراسے کوئی منررز و سے سکتا کہاکہ میرے خاندان کی ایک عورت نے یہ کلمات پڑھے،

يمراس سانب نے كاف بيا تواسے كوفى كيست مرق -نیندلانے کا م بی کرم صلے اللہ علیہ وسلم کی زبانی اعبرارمن بن شا بت سے روا بیت کی کدخالد بن ولیب۔ رصٰی اللّٰہ عندٌ کی نعیندا چا ط بہو کئی۔ نبی کرمم صلے الشدندي م في ان ت فرايا بكياس تمين يسكمات ندسكها و كروب انهين

يرط وتونيندا جانة - بول أو -

آمَلَهُ وَبَ النَّمُوتِ السَّسْبِعِ وَمَ آظَالَتُ وَرَبَّ الْالْدِيْفِينِ وَمَا اَقَنَتُ وَمَ. بَ الشَّسَيَاطِينَ وَمَا اَضَأَتُ حَكُنُ إِنَّ جَارٌ: حِنْ شَرِخُلُقِكَ كُلِّهِ حَبِينِعًا آنُ يَعْدُ وَلَمْ عَنْ بَعَدَ مِنْهُمُ أَوُ أَنْ تَيْطُغَى عَدَّجَا زُكَ وَحَبَلَ تَنَامُ كَ وَلَا اللهُ عَسَنُوكَ ٢

"زجرن الاندا الاسات سان سانول اوجل يران كاسابه مانسب سے رہے: زمینول اور زمین جن چیزوں کو اٹھ نے ہونے ہے ان سب كرب بنيطانوں اورجن كو اضول نے كراد كيا وان كے رب تو مجھ ابنی تمام مخلوق کے تمریخ سے بناہ دے مکدان میں سے کوئی مجھ برظلم و زیادتی کرے تبری نیاہ غالب اور تیری تعربیٹ بزرگ ہے اور تیر

سواكوئي معبو د برحق نهيس ؟

استرجی نے کہا ان پوشیدہ فوائد میں سے جن کو مجست کم لوگ ہی جانتے ہیں۔
میں نے ایک بڑے عالم کی سے رود کھی اسس میں ایک فائدہ یہ لکھا تھا کہ بخار سے مربین
کی ٹیشت پر انگلی سے افران اور اقامت تھی جائے ، ان شاً انڈ فوراً شفا ہوگ ۔

ابن الی ج نے المخ ل میں تھی ہے کہ کا غذیا صاف برتن پر قرآن کی کوئی سورت یا
کسی سورت کا بچھت، یا مختف سورتوں سے ختص کی شفا وائی آئیس تھے کر اور بطور دوا
گھول کرہ مینے میں کوئی حرج نہیں۔

خواب مین بی کریم صلے اللہ علیہ و لم کا قرآئی آیا شفا کی بشاردینا ابواتها

قشيرى رحمة الدعديد كالمتعلق منقول بكران كابياسخت بيار برگيا، فرايا، بيان كك كردين الس كى زندگى سے اليسس بوگياد اور بست پريشان تعامين نے بى كريم صلى الله عليد سلم كونواب مين ديكا اورا پنے بيط كى بيارى كاشكايت كى . فرايا ، شغا والى آيات كما لگين ؟ مين بيدار بوگيا . خور وفكر كميا توكتاب الناز كے چومتعا مات پر مجھے نظرائين ؟ مال لگين ؟ مين بيدار بوگيا . خور وفكر كميا توكتاب الناز كے چومتعا مات پر مجھے نظرائين ؟

٢ - شِفَّاءٌ يَتِ فِي الصَّحَدُ وُرِ-

م. يَغْدُرُج مِنْ بُطُونِهَا شَرَابٌ يَخْتَلَفُ ٱلْوَائِهُ فِينِهِ شِفَاءُ لِلنَّاسِ-م. يَغْدُرُج مِنْ بُطُونِهَا شَرَابٌ يَخْتَلَفُ ٱلْوَائِهُ فِينِهِ شِفَاءُ لِلنَّاسِ-م. وَنُنَذِل مِنَ الْعُرُون مَا هُوشِفًا عُ وَسَرَحَتَهُ اللَّهُ وَمِنْ الْعُرُونِينَ مُنَا الْعُرُونِينَ مَا

د- وَإِذَا مَي مُنتُ فَهُو كَشْفِينٍ -

٧- قُلُمُ وَيَتَذِيْنَ آمَنُ وُاهُدُى كَى قَشِفَاءُ -

تو میں نے ان کواکی ورق پریکھ لیا ، بھرا نی میں صل کرے اسے بلا دیا توگیا بھاری کی کرہ تھی جھ کو گئی۔ یا بھیسے کہا ، بہدیشہ بڑھے بڑے مشاشنے رحمہ اللہ قرآنی آیات اور کھا

الكرام رول كوبلات رب اورشفا ياب كرتے رہے۔

سنی او کھر المرحانی کا م المحد المرحانی کا م المرمانی رخمه

میشہ ایک کونے میں دروازے پر بیٹھ کو بخاروغیر میں دم کرتے تھے بصے کوئی تھیں اس برہے بر کھا ہوتی اکس برہے بر کھا ہوتی اکس برہے بر کھا ہوتی اس برہے بر کھا ہوتی اس برہے بر کھا ہوتا : د الله الذّي تم يَذَلُ وَلَا يَذَالُ ، يَنْ مِنْ الذّي وَالُ وَهُولَا يَذَالُ وَاللّهُ وَلّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ

مالت خواب میں نبی کریم صلط لندعایہ سلم کاعطا کردہ ابن ہی ہورہ انڈ

اکثر تعویزات سے اپنا در اپنے اہل وعیال در دوستوں کا علاج کرتے تمحے اور پرتمام حظرت شفایاب ہوتے۔ بہمجی کتے تمحے کریاسخہ نبی کریم صلے اللہ علیہ وہم نے ان کو خواب میں عطافہ بایا ، بچر دوسری مرتبہ فرایا کہ نبی علیالسلام نے ان کویہ آئیس بتا نہیں ، جیسا کہ ان کے نیا دم نے نقل کیا۔

تَعَدُجَّاءً كُنُم رَسُولُ مِينَ انْفُسِتُمُ عَذِيْزُ عَلَيْ مَاعَذِيْمُ عَدِيْنُ مَلَيْ مَاعَذِيْمُ عَدِيْنُ مَاعَذِيْمُ عَدِيْنُ مَاعُذِيْمُ عَلَيْكُمُ مِالُونُ مِينِيْنَ رَؤُنْ تَرَحِيْمٌ ، فِانُ تَوَلَّسُوا فَعَلُ حَسْبِي اللهُ لَا الْأَهُوعَلَيْء تَوكَمَّلُتُ وَحُسوَ مَعْلَى مَعْدُونِ الْعَلْمُ مَنَ اللهُ الْأَحْدُ اللهُ مُن الفَيْرُ ان مَا هُسوَ شَكَاءٌ وَ وَمُن فَيْلُ مِينَ الْعَلْمُ اللهُ مُن الفَيْرُ ان مَا هُسوَ اللهُ مُن الفَيْرُ ان مَا هُسوَ اللهُ مُن اللهُ مَن اللهُ مَن اللهُ مَن اللهُ مُن اللهُ مُن اللهُ مَن اللهُ مَن اللهُ مَنْ اللهُ مُن اللهُ مَن اللهُ مَن اللهُ مَن اللهُ مَن اللهُ مَنْ اللهُ مَنْ اللهُ مَن اللهُ مَنْ اللهُ مَنْ اللهُ مَنْ اللهُ مُن اللهُ مَنْ اللهُ مَنْ اللهُ مَن اللهُ مَنْ اللهُ مُن اللهُ مَنْ اللهُ مُن اللهُ مَنْ اللهُ مَنْ اللهُ مَن اللهُ مَنْ اللهُ مُن اللهُ مَنْ اللهُ مُن اللهُ مَنْ اللهُ مَنْ اللهُ مُن اللهُ مُنْ اللهُ مُن اللهُ مُنْ اللهُ مُن اللهُ مُنْ اللهُ مُنْ اللهُ مُن اللهُ مُنْ اللهُ مُنْ اللهُ مُن اللهُ

هُوَاللَّهُ لَكُونُ لَا إِلَّا إِلَّا هُوَ عَالِمُ الْغَيْبِ وَالشَّهَادَةِ هُوَ الدَّحَلُ الرَّحِيْمُ . هُوَ اللهُ الَّذِي لَا إِللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللْلَهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّ الْسَلِكُ الْقُدُدُّ وْسُ السَّسَلَةُ مُّ الْمُؤْمِينُ الْمُفَيِّمِينُ الْعَنْوَدُ وَلَجَيَّاً النَّ كَبِّرُ سُبُعًانَ اللهِ عَمَّ يُشْرِكُونَ - هُوَ اللهُ الْخَالِقُ البَّارِيُ الْمُعْسَوِّرُ لَهُ الْاَسْمَاءُ الْحُسْسَىٰ ، يُسَبِّعُ لَهُ مَا فِي التَّمَٰوٰتِ وَالْاَرُضِ وَهُـوَ الْعَزِيْرُ الْحَيْكِيمُ - عَلُهُ هُوَ اللَّذَ آحَدُ يورى سورت ومعودتين يهر كه - آللهم آنت الْحَتَى وَآثَتَ السَّافِي وَآنَتَ الْخَالِقُ وَآنُتَ الْخَالِقُ وَآنُتَ الْسَبَارِي وَانْتَ البُرْيِ وَآنُتَ النَّعَافِي وَآنُتَ النَّعَافِي وَآنُتَ النَّافِي خَلَقْتُنَا مِنْ ثَمَاء شَهِلُين وَجَعَلُنْكَ فِي قَرَابِ مَكِينِ إِلَىٰ فَدَيَمُعُلُومً اَلْمَهُ مِنْ إِنْ اَسُعَالُكَ بِاسْمَانُكَ بِاسْمَانُكَ الْحُسْنَىٰ وَصِعَايِكَ العُليّا يَا سَنُ بِيسَدِهِ الْإِبْسِلَاءِ وَالْعُنَافَاةُ وَالشِّفَاءُ وَالدَّوْءُ آشائك يمعُجِزَات نبيتِك مُستتب صَلَىّ الله عَكيْدِ وَسَلَّمَ وَتِرَكَاتِ خَلِينُكُ إِبْرًا هِينُمَ عَلَيْهِ الصَّلَوَةُ وَالسَّلَامُ وَحُدُوْمَتِهِ كَلِيمُ لِكَ مُوْسِلُى عَلَيْدِ العَشَاوَةُ وَالسَّادَ مُ

اور بنعد الله الترخس المستوم في ايراد الطريد كے ليے عطا فرايا اور نسخه يمير الله الترخس المستحد الله الترخس الترخيس الترخيس الترخيس الترخيس الترخس الترخيس ال

التَّامَّةِ الَّنِيُ لاَ يُجَاوَرُ هُنَّ بِيرُوَّلاَ فَاجِئُومِنُ الْسِ وَجِنْ آسُسَكَالُكَ بِصِفَا يَكَ الْعُلُبَا ٱكْبِي كَا يُقْدِرُ آحَدُ عَلَى وَصْفِهَا وَاسْمَائِكَ الْحُسُنَى اَلَّتِي لَا يَقْدِرُ اَحَدُ اَنُ يَعْصِيكَادَ ٱسْسَالُكَ بِذَايْكَ الْجَلِيْلَةِ وَوَجُهِكَ الْكَيْكَاتِ تبيت مُحسَبَد ملى الله عكيه وسَمَّ الله عكيه وسَمَّ بَالْمِيَايُكَ آنُ ثُشَيْتِهُ وَتُعَافِيتُهُ وتَرُدُّ مَا بِهِ عَلَى آعُدَا يُكَ يَهَ وَكُرُ ترجم درالنی تو ہی زندہ کرنے والا ، اور تو ہی مار نے والا ہے۔ تو ہی خالق اور توہی بنانے والا، توہی آنانے والاا درتو ہی معافت کرنے والا ا اورتو ہی شفا بختے والا ہے۔ تو نے ہمیں دلیل یانی سے بیدا کیا ، اور ميمتعين ندت يم محفوظ حجر يرهما يا- الني مين سير يهترين امول در ببن يترين صفات كے وسيد سے جي سے موال كرتا بوں - اسے وہ رجس کے ہاتھ میں متحان ومعانی ہے۔شفا و دوا ہے بیس مجھ سے تیرے نبی محمد صلے اللہ علیہ وسلم سے معجزات، تیرے خلیل المہم صيعے افتد عديدوسلم كى بركتوں - اورتيركى كليم مرسى عليالصلوة واكتدم كے قابلِ تعظيم كلمات كے وسيلہ سے سوال كرتا ہوں كر اسے شفار الله مكنام سے شروع جرحم كرنے والامهريان ہے ، طرر ہے تو ب تیراسنرر ہے، اور نفع تولیس تیرانفع ہے۔ امتحان تولیس تیراسی ہے۔ اورمعانی توبس تیری بی معانی ہے تو وہ زندہ اور تائم رہنے والا ہے کے کسی جن وانسان کاظلم تیری دسترس سے بڑھ منسیں سے ا میں تیری ان مبند ترین صفات سے ذیبے تیری بنا و ماکھی ہوں جن

كوكوتى بيان منين كرسخنا واوتيرس ان خولفي رست ترين امول سمے ذريع جن كوكو فى شار نهيد سكة و سيرتي و ابت بزرگ أيرى بابركت مستى اورتيري ام محمد صلے الله عليه وسم كى بركتوں كے صد تعمال مرتا ہوں ،ج تیرے بیول کاسلسدختم کرتے والے بیں کدائس کوشفاً عافيت عطافوا درائس كالكيف وورفوا ادراس اين وتتمنول بر لولًا و سے " اورالٹر ورو و وسلام بیجیے بھار سے آقامحقر برا ورآپ کی آل داصحاب بركترت سے اور دونوں كوجمع كركے توبيكامل ترہے " اس كاطريق استعال يه بعد صا من ستر عدين يا كاغذ برزعفران كمساته تكاميا. ميسربرين كوبرى سے و صويا جائے يا كاغذ برائس كويانى ميں حل كيا جائے اور مركين كويلايا مائے۔ بھربرتن میں جوتری روگئ ہے اسے ہاتھ سے لے کرجال مک مکن بوبان میں جاؤه عم اور بماريول سينفأ كيديم بترين بيار بُوئة. خواب ميں دراؤنه اورخطرناک مناظرد يکھے اس نے شیخ کی خدمت میں اس کی تشکایت کی آپ نے اسے صا منستھرے کا غذیر زعفران سے مکھا اور مہما پینے کا حکم دیا۔ برتعوید جا دو، غم اور بیاریوں سے لیے منید ہے۔ نسخہ یہ ہے کا غذیر سورة ليس اسورة والعد اسورة فالتحد قدل الله احت في منود كان ايت الحري - بيت آمن الدَّسْولُ على اخريقره محمد عُلْ آمله آذِنَ كَاكُمْ آمُ عَسَلَى اللّه یرد تا دون - جب بی بی تواس سے بعد زیتون سے صاحب بیل میں سات عدد جیموا تزكر كے ان يردم كرتے كى نے ، اللہ تعالىٰ كى قدرت سے ما دُوكا افر جا ما رہے كا بنيد كاتيل بنه كا طريق يد ب يحد خالص معاف روغن زيتول مع كرصا ويستعرب برتن مير وال في الحدي وغير سے السے حركت ربتا به به اور بر متا رہے، قل الله

احد معودتين . لَقَدْجَاءَكُمْ مَ سُولٌ مِنْ أَنْفُيسكُمْ عريزعَلَيْهِ مَا غَيْتُمُ آخرسورة مك وَ تُنَوِّلُ مِنَ الْعَرُّآنِ مَا هُوَشِفَاءٌ وَرَحْمَتُ يَهُوُمِينِينَ - لَوْ ٱثْوَلْنَا هُذَ الْعَسُوْآن عَلَىٰ جَبِ لِتَدَةُ يُتَهُ - بخرسورة كد . يعلى منت دن كر ب الس كيساته ايك اورتوية لكے اور الس كے اور الى ئے نسخ يہ ہے - بسم منته الدوسن السرَّحيم -ٱلْحَسُدُ يَتُهِ سَبَ الْعَالِمِينَ مَ خِمَك وَاللَّهُ أَلِهُ كَاحِدُ لَا اللَّهُ الْآهُ الدَّحُلُنُ الرَّحِيْمِ-آللهُ لَآلِلهُ لِلَّهُ عَدَ الْحَسَى الْعَسَى الْعَسَيْرُهُم وَاللَّهُ سَمِيعٌ عَيِيْمٌ - يم- آمَنَ الرَّسُولُ بِمَا آنُولَ النَّبِ - آخرسورة كم شَهِدَ اللَّهُ إِنَّهُ لَا إِلَّا إِلَّا هُوَ وَالْسَلَا لِكُنَّ أُو الْوَالْعِلَى قَامًّا بِالْعِسُطِ لَةَ إِللَّهُ الدُّهُ الْعَدْيِدُ الْعَدَيْدُ الْعَدَيْدُ الْعَدِيمُ إِنْ الْكَذِينَ عِنْدَ اللَّهِ الْوسُدَمُ تَعَتَّنْجَاكُمُ مُ مَسُولٌ مِينَ ٱنْفُيسكُمُ - آخرسورة تك - قُلُ ادْعُواَ اللَّهَ آوادعُو التخصين بخرسورة كم - وَنُنتَذِلُ مِنَ الْقُدْرَانِ مِنَا الْمُدَوْنِ مِنَا الْمُدَوْنِيفًا عُ وَمَرْحُسَتُهُ يَلْمُومِنِينِينَ قُلِ اللهُ أَذِنَ لَكُ أَمُ عَلَى اللهِ تَعْلَمُ وَاذَا ذَكَ مُن تَدَبِّكَ فِي الْعَسُرُ آن وَحَدَه وَكُوْ ا عَلْى آدُ بَابِ هِهُم نُفُرُوسٌ وَ اذَا فَرَهُ تَ الْقُرُانَ جَعَلُنَا بَيْنَكَ وَبَيْنَ ٱلَّذِيْنَ لَا يُؤْمِنُوْنَ بِالْآجِدَةِ جِبَابًا مَسْتُ وَرُرًا - لَوْ آنُوْلُنَا هُ لَا أَنْكُولُنَا عَلِيجَبِل آخِر سورة كل - إِذَا أُلْإِلَتِ الْدَسُ حَنُ زِلْزَالَهَا ٱخرسورَتِ كم - قُل عُسوَ امنَهُ آحَسَى اومِعودَ تين بَعَلَيْوُنَ السَّتَ سَ السِّيْحُوَ وَمَا هُنُهُ بِعَنَّارِيْنَ بِهِ مِنْ آحِيدٍ الْإِنْبِا ذُنِ اطلقے تک والئی تیرے پر وے کے سواکوئی برددنیں تیرے مشرکے سواک ف منتر نہیں .سوفلال ابن فلال ... بیماں جا دُد زود اور اکس کے باب کان میں ۔و کولینے فضل سے مرجن وانسان کے جا دُو اور تمر سے بیا ، اور ا سے اللہ : استان کے جا دُو اور تمر سے بیر اسم اعظم اوران مكل كلمات كے صد تے سوال كرتا بول بجن سے " في فيك بر

گزر منیں سکتا کہ تواپنی طرف سے آباری گئی اس بناہ سے روک دے اس تمام شر کرجوانسانوں یہ بنوں سے تعلق ہے اور ہر شروالی چیز سے ، جے یہ جانتا ہے اور جے تیرے سوا کہ بنی جانتا ، اور اس میں جرکچے موج دا ورسکون پذیر ہے ، ابنی رحمت سے ، اسے سے براہ کررحمت قربانے والے ، اورا نٹر تعالیٰ وروداور آتیامت بخرت سایم ناز فرمائے ہارے آقام کھر صلے انٹر علیہ کو کم اگر اور ایس کا ال اور آب کے صی بہ کرام بر ، نہ میر دوسات دن استعمال کرو، اور یہ مذکورہ وظیفہ اس سے کھے میں نشکا دیے۔

ریتوں کا ہے کہ تمام ہیا ہو ہے ہے۔ بتایا گیا ہے کہ تمام ہیا ہو استعالی کا طریقہ یہ ہے کہ تمام ہیا ہو ہو ہے۔ بتایا گیا ہے کہ تمام ہیا ہو استعالی کا طریقہ یہ ہے کہ جسم سے جس حقے میں درد ہے اس پر تمیل لگا کر کچھ دیر تر یہے د تھوپ میں مبیعا جائے۔ افتار سے حکم سے تھیک ہوجا نے گا۔ اگر درّ دریا دہ سخت ہے توثیل لگانے سے بعدائس پر تحبت السود اللی دانہ بیش کر لگائے گئے ابن الحاج کا المدخل سے کلام ختم ہوا۔

الدميري كأقول مسردرد كے ليے آزما يا ہموانسخ الدميري

نے فرویا ، سر درد کے یلے آزایا ہوا می نسخہ جوالم شافعی رضی السُدُعنهُ سے مروی اللہ فرایا بنی اُم یہ کے ایک گرمیا ندی کا ایک وُلہ پایگیا جس پرسونے کا نالد لگا ہواتھا اس کی پیشت پر بھا تھا ہر بیاری سے شغا 'اور اس کے اندر یہ کلمات تھے تھے ہما کی پیشت پر بھا تھا ہر بیاری سے شغا 'اور اس کے اندر یہ کلمات تھے تھے ہما الدّح یہ الدّ حِیْم ، قیا دللّه وَ لاَ حَوْل وَلاَ قُو لَا وَ لاَ قُو لاَ وَ لاَ قُو لاَ وَ كُونُ وَ لاَ وَ لاَ وَ لاَ وَ لاَ وَ كُونُ وَ لاَ وَ كُونُ وَ اللّهُ وَ اللّهُ وَ لاَ وَ لَا وَ لَا وَ لَا وَ لَا وَ كُونَ وَ لاَ وَ لاَ وَ كُونُ وَ لاَ وَ لَا وَ كُونُ وَ لاَ وَ لاَ وَ كُونُ وَ لاَ وَ لَا وَ لَا وَ لَا وَ لَا وَ لَا وَ كُونَ مَا الْ وَ كُونُ مِنْ اللّهُ وَ لاَ وَ لَا وَ لاَ وَ لَا وَ وَلَا وَلَا وَ لَا وَ لَا وَ لَا وَا وَلَا وَا وَلَا وَ لَا وَا وَلَا وَا وَلَا وَا لَا وَا وَلَا وَالْا وَا وَالْا وَالْا وَالْا وَالْا وَ لَا وَالْا وَالْاللّهُ وَالْا وَالْالْا لَا لَا الْالْا ال

ترجم برافتد كونام سے شروع اور احتد كى مرد سے بران سے بجنے ور يكن كرنے كى طاقت صرف الله تعالیٰ بعث برر برتم كى مدد سے كون ديا ، جر، سانول اور زمين كون في ميں نے سجے اس وات كى مدد سے سكون ديا ، جر، سانول اور زمين كون في سے رو كنے والى ہے ، اور اگريد د اپنے تنام و نظام سے الل جائيں، تو اللہ سے سواكو كى ان كوروك نهيں سكتا ، بي الله و بن بر داشت والا بين سخت والا سے "

ا ما مشافعی رصنی اللہ عند کے فرمایا اس سے ہونے اللہ کے حکم سے میں کسی حکیم بید کا بھی مختاج نہیں کہوا، و ہی شفاً دینے والا ہے اس عبارت سے ظاہر میں ہے دیدہ ف وروسرے لیے مفیدنہیں، بلکہ ہر جاری میں مفید ہے ''

ارمیری نے بیمبی کما کہ بنی اُمیتہ کے خزانوں میں ایک شنہری ڈھال بائی گئی ہجس پیرستہ زمرد کا جڑا ڈکیا گیا تھا، اسس پرکستوری کا فورا ورعنبر نگانتھا جو کوئی اسے اپنے مسر پررکھتا، اسی وقت فور آ اکسکل در وختم ہوجا تا ، لوگول نے اسے توٹر کر دیجھا تو اکس کے اندا ایک پُرزد ملا ، جس پریہ عبارت بھی تھی ۔

يس الله الترخلن الترجيم ذيك تخفيف هن تريكم وتخسة الدين الله الترخيم ذيك تخفيف هن تريكم وتخسة الدين الته الترخيم الله الذي تخفيف عنكم وخلق الوثسان ضعيفا ويشيم الله الترخيم الترخيم الترخيم الموثسان ضعيفا ويشيم الله الترخيم الترخيم الدين عني في في قد في الترخيم الدين المجيب المحتوي الدين المتن المقال الترخيم الدين الترخيم الدين الترخيم الدين الترخيم المترحيم الترخيم الترضيم الترخيم الترخيم

طاعون ووباكودكوركرنے كے فسوائد

شيخ الاسلام زكريا انفارى نے ايك كتاب تحقة الدا عبين ني بيان امد الطواعين " ملى ب عبل الغيرة المسلام ما فظابن حركي تاب البذل الما عون في فضل الطاعون يكافلاسمكيا بهم السرس فرما يا بيتهارا مارو مكايت سے يہ بات ابت ہوتى ہے كد طاعون ايك شيطانى بيارى ہے- اس كتاب ك يحيى فسل ميں و د اذكار لائے ميں جو اپنے پڑھنے والے كوجنات كی نترارت سے معفوظ كريس وان ميس مصاكي قرآني آيات بي جص الوسعيد خدري اورابن عباكس صنی الشرعهٔ ماکی فاتھے کے ساتھ حجام می کوئیک کی روایت ہے یہ دونوں روآمیں صحح بخارى ميں بہرا و عبدالملک بن عبرے روايت ہے كدرسول احتدسلى احترعليہ وسلم نے فروا یا فاسحدمبر بیاری سے شغا ہے۔ اس کو وارمی نے مرسل رواست کیا ہے۔ اور ابوهريره رصني اللهُ عندُ سے مروى ہے كدرسول الله صلى الله عليه وسلم نے فرط يا ، جن كمرسين ورة البقرة برُهي جائے اس ميسيطان بماك جاتا ہے - الس كوسلم نے روایت کیا ہے۔ انہی سے مروی ہے کہ رسول انٹرصلی انٹرعلیہ وسلم نے فرط یا اسور البقروس ايك آيت ہے جنمام قرآني ايتوں كى سرار ہے، جس كريس معى يراضى جائے اگروہ استیطان ہے تو ہجاک جائے گا۔ وہ ہے آیہ انکوسی ہے جوالس کو حاکم نے ، ویت کیا ورحاکم نے اسے صبیح قرار دیا · اور ابن حیان نے سہل بن سعد ی روایت سے اسے صحیح قرار دیا اس میں بیمبی ہے مدجوا سے رات کوا بنے گھر پڑھے تبیطان تین رات بک اس سے گھر نہیں آئے گا اورجو دن کوپڑھے اشیطان اس سے گھرتین دن کے داخل منیس ہوگا۔ نعمان بن بشیر رصنی الله عندُ سے روایت کرنبی کریم صلے اللہ علیہ وسلم نے

فرایا ، المترتعا کے نے زمین واسمان کی بیدائش سے دومبرارسال بیسے ایک کتاب الکی الس میں سے دوایتی سور و بقرہ کے آخریں ازل کیں جس گریں ان کوئین ات پڑھا جا شے شیطان اس کے قریب نہیں ہوسکتا ۔ اسے ترندی نے روایت کیا اور حسن قراردیا اسی طرح ابن حیان اورها کم نے روایت کیا اور صیحے قرار دیا -البزاز نے بیروایت نقل کی کررسول انٹر صلے انٹر صلی وسلم نے عبدانڈ اسلی مع وع عَلُ هُوَاللَّهُ أَحَدُ ، قُلُ آعُوْدُ مِنتِ الْفَكَ ، ورقلُ آعُوٰدُ بِرَبِّ النَّاسِ كے ذريعے بنا ہ مانگ كربندول نے ان مبسى آيات كے ذريعے بنا و نہيں مانتى . ترمذى في روايت نقل كى كررسول الله صلى الله عليه ولم جنآت اورانسانى تطرسے بیاہ مانتھے تھے میمال مک کرجب معوذ مان نازل ہوئیں تو آب نے ان کو وخديا رفسرها ياء اوربا في سبب حيوثر ديا - اسى سيمتعلق كجد احا ديبت مبي مثلاً بخاري مسلم كى يد حد بث جس في سنوياركها ونشر كي سواكو في سيحامع ونهين اسى كالمك ادر اسى كى تعربيت اوروه بممكن برقدرت ركفتا ہے - لاالة الدَّائلَةُ وَحُدَهُ لاَيْتَ لَهُ لَهُ أَلْمُلُكُ وَلَهُ الْمُسَدُّدُ وَهُوَ عَلَى كُلِّ شَكَى تَدِيد- الصحاس غلام آزادكرت كربابر تواب مطے كا-اوريد اكس كے ليے دن بھرشام كك حفاظت ہو گى-ترمذي كى روايت ميں ہے صبح كى نماز كے بعد اسى حال ميں بان كر ہے ہے يسعے وس بار تداية الداخلة كے اس سے سے وس نيكياں محص جائيں گا، وس كناه مطا مائے گے۔اور واس درجے بڑھائے جائیں گے اور دن مجربرنا بیندیدہ بات اور شیطان سے خفاوامان ہوئی ہوئی ہوئی نے کہا حدیث صبحے غربیب ہے۔ ا در جیسے ۱ مام مسلم نے تولد مبنت حکیم کی روابیت نقل کی مررسول انٹرصلی انٹر

عليه وسلم نے فرما يا جوكسى منزل پر قبيام كرسے اور پڑھے: ر "أَعُوْدُ بِكِلِمَاتِ اللهِ التَّامَّاتِ مِنْ شَرِمًا خَلَقَ "

نیں انڈے کا ملکات ہے ذریعے اس کی مخلوق کی تمریب پنا ، انگاہمل "
وہاں سے کورتے وقت اسے کو ٹی چیز کلیعن نہ دے گی ۔
منبیبر ان آیات وکلمات سے فائدہ اسی کو ہوگا جس کا دل میں سے پاک ہو، خلو سے تو ہرکسے ان آیات وکلمات سے فائدہ اسی کو ہوگا جس کا دل میں سے پاک ہو، خلو سے تو ہرکسے اور اپنی کو تا ہمیوں پر نیشیمان ہو۔

المدیده کے تسخول میں امام شافی رحمادلڈکی یہ بات منقول ہے کہ طاعون فائڈہ کاسب سے بہترعلاح تسبیح ہے کہاگیا ہے اس بیلے کہ ڈکرعذاب وہلاکت کو دورکرتا ہے - انٹدفریا تا ہے۔

بَعْلُوْلَدَّ آنَ كَانَ مِنَ الْمُسَيِّعِينَ الى » الريونس عليلسلام تسييح يرض والوں ميں سے نہ ہوتے ، توقيامت

يكربطن ما بى ميں رہتے "

امام شافعی کامشہو تول دہ ہے جسے ابن ابی حاتم وغیر نے نقل کیا - ہیں نے وباکو دور کرنے کے لیے تسییح سے بڑھ کرکوئی مفید چیز نہیں دیجی۔ اس کو تیل میں حل کرکے استعمال کیا جائے۔ اور گھول کر بیا جائے۔ بعض نے کہا طاعون اور دیچ بڑی بڑی بیاریو کے استعمال کیا جائے۔ اور گھول کر بیا جائے۔ بعض نے کہا طاعون اور دیچ بڑی بیاریو کے استعمال کیا جائے ہڑی چیز نبی کریم صلے اوٹ معلیہ کہم پر درو دوسلام پڑھنا ہے ہے۔ کے خاتمہ کے خاتمہ کے کا ب مذکور کی عبارت ختم ہوئی۔ شیخ الاسلام کی کتاب مذکور کی عبارت ختم ہوئی۔

کی رہویں صدی بجری کے علی میں سے شیخ فتے اللہ بن محود البیوتی الحبی کی کہ ب می رہویں صدی بجری کے علی میں العاقدی ہے جسے میں نے دیجا نہیں۔
کیا ب م تعصل علیہ الساعون فی دفع الدیا (لطاعوی ہے جسے میں نے دیجا نہیں۔
بھے الس کے بچو اکد ملے ہیں جس کوستیدزین العابدین ، جل البیل معتی مدینہ منورہ نے جمع کیا ہے جن کو ان کی تحریر سے حالم فاصل سیدا حرشطا ابن امام علام استیدا بوبوشطا کی کیا ہے جن کو ان کی تحریر سے حالم فاصل سیدا حرشطا ابن امام علام استیدا بوبوشطا کی نے نمثل کیا ہے انتدان کی حفاظت فرائے اوران کے والدر رحم فرائے بھوالس کو دیگررسائل کے ہمراہ شائع فرایا اور ایک نسخ بھے بھی ہدید کیا ۔ انتدان کو بہتر جن ادے۔

ان نوائد میں سے ایک یہ ہے کہ ج شخص با وضورہ اسے طاعون نہیں ہوگا، اور چ کوئی صبح وشام صدقہ کرنا لاز م شھر لے ، اسے رات دن کوئی برائی نہیں پہنچے گی۔
ان میں سے ایک فائدہ یہ ہے کہ اس دُعاکوں کھ کرا پہنے پاس کے۔
اکڈھٹم آن ڈ ڈ ڈوٹو کی عَظَمَتُ وَجَلَتُ وَاَئْتَ بَا سَسَیْدی بَا الِنی اِ الْعُلَمُ وَاَجَبُ لُّ ، اَللَّهُ مَا اَحِینی عَلَیْ کَا طَاعَیْنَ مِدَمِنا کَ کَا اللَّهِ اِ اَسْتُ مِدَمِنا کَا کَا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ مَا اَحِینی بِحَوْلِ اَ وَمُحَدِّ اِ اَسْتَ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ مَا مَدِینَ مِحَوْلِ اللَّهُ مَا اللَّهُ الْعَلَى اللَّهُ اللَّهُ الْمُ اللَّهُ الْحَالَةُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُلَامُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُلَامُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُلَامُ اللَّهُ الْمُلَامُ اللَّهُ الْمُلَامُ اللَّهُ الْمُلَامُ اللَّهُ الْمُلَامُ اللَّهُ الْمُلَامُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُلْعُلُهُ الْمُلْعُلُمُ الْمُلْعُلُمُ الْمُلْعُلُمُ اللَّهُ الْمُلْعُلُمُ الْمُلْعُ الْمُلْعُ الْمُلْعُلُمُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُلْعُلُمُ الْمُلْعُلُمُ الْمُلْعُلُمُ الْمُلْعُلُمُ الْمُلْعُلُمُ الْمُلْعُلُمُ اللَّهُ الْمُلْعُلُمُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُلْعُلُمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُلْعُ اللَّهُ اللَّه

ککف اید بیه م عند کم ، وانقوادلله و علی الله فید و کالومنو ثرجمد الله کنام سے شرع جو رحم فرمانے والا می اس اے ایمان والوا
ایف اور براند کا براحسان یا دکرجب ایک قوم نے تم پر دست درازی
کا ارا دہ کیا توا مشرف ان کے باتھ تم سے روک و یتے اور اللہ سے درو
اور ایمان والوں کو اللہ می بر عجروسم کرنا چا ہیے "

اورج کی محقے اور اپنے پاکس رکھنے کے قابل ہے اِنَّ اللّٰہ عَنے یُرُدُدُو اِنْتَقَامُ اِ مِا رَا اور در وازے پر بھس کے بیج سے گذرا جا ئے تھا جاتا جا ہے۔ الساتی ۔ المندَّقُ نیز در وازے پر بیا آیت بھی تھی جائے عشی اللّٰہُ اَنْ یَکُفُتُ بَائْسَ الَّذِیْنَ کَفَدُو وَ وَاللّٰہُ اَسْتُ لَٰ اَسْتُ اَلٰہُ اَنْ یَکُفُتُ بَائْسَ اللّٰہِ اِللّٰہِ اِللّٰہُ اَسْتُ اِللّٰہُ اَسْتُ اللّٰہُ اِللّٰہُ اِللّٰہُ اِللّٰہُ اِللّٰہُ اِللّٰہُ اَسْتُ وَ اللّٰہُ اِللّٰہُ اللّٰہُ اِللّٰہُ اللّٰہُ اللّ

یہ دعامیع کے بعدین یا راورمغرب کے بعدین یا رکھیعص کفایتاً۔ خمعستی حِسَانِيًّا - بِسُمِ اللَّهِ بَاسًا - تَبَامَ نَ حِيْطَائِنَا - يَسَ سَقُفْنَا - وَاللَّهُ مِسنَ وَّتَ اللهِ مَعْ يُنظُ - بَلْ هُ وَوَانٌ مَجِيبُ وَ فِي لَوْجِ مَعْفُوظٌ " حَبِلَّ مَنْ وَحَدَدَ وَحَدَّرَيْ وَقَصَدَ- وَاللَّهُ الْهُعِينُ لِمِنْ صَبَرَ وَكَذِيكُرُ اللهِ آكبَرُ- اللهُمَّ يَا رَافِعَ السَّفْيِمِ وَيَا بَارِي النِّيمِ وَعَالِمًا يَا جَمِينِ حِ الدكم ادُفَعُ عَنَا الْسَبِكَاءَ والوَبَاءَ وَالْاَمْرَا مِنَ وَمَوْتَ الْعَجَأَةِ بِيَحْسَيْكَ يًا آن حسم السّراجي في - وصلّى اللهُ عسلى سيدنا مُعسستَدٍ وَعَلَى آلِهِ كَ مَتَعْبِب وَسَلَّم بِرُمْ اللَّهِ مَا لَهُ مِعْ مَن اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللهِ تباسر ك مارى ديواريم يرتس مارى عَيت اورا دلتُدان كو يجع سے كھيرنے والا ہے۔ بحدوہ بزرگ قرآن محفوظ محتی ہیں ہے مماریرورد کا رجلیل القدر ہے .ممارب غالب اور و انوسی لانے والا ہے۔ صبروالوں سے یہے استدید دگار ہے، بنتسک انتدکا ڈکرسب سے بڑا ہے۔ اسے دلتہ! اسے بیاری اٹھا میسینے والے ۔ رُوح بدا مرنے والے تمام "كاليمنكوما نن والي إلى سع ربيح والم اور بياريال اورناكما في موت دور ركيو، ايني رهت سے الے سے بڑھ کر جم فرمانے والے اورانٹد درو ووسلام بھیج ہمارے المتامخة مسك المتدعلية ولم اوراب كال واصحاب يرا اوراندكانام نافع ١٠١ برير هـ بهراكس بريدين اسماً طاعون كيسيل ماركه ١٠٠ بار برص ماكان وياشاني بالمعاني ويرص وتت محل طهارت لازمی ہے۔ بھوائس میں سے اسے کھلائے جسے طاعون کا خلرہ ہے کونہی کوئی معیبت زو د بود التا کندشفا یاب ہو گا۔ پاک صاف بیا لے کی یا ہر

Marfat.com

والى طرون الله كان م آليت و به مرتب مكربيار كوبلاف - يُونهى منى ك نشكر

ميں پائی بمرکزمين باريشيم الله في كالشَّذَاتِ الْعَظَيسَيْمَ الْسُبُرْهَانِ. الشَّويُفِ

الشُّلطَان ، كُلَّ يَوْمٍ هُو فِي الشَّانِ ، مَا شَكَاء الله كَانَ وَمَاكَم يَسْتُ كُلُمُ يَكُنُ لَا حَوْلَ وَلاَ قَسُوَّةً الِدَّ بِاللَّهِ الْعَلَى الْعَلَى الْعَظِيمَ - آنَدُهُمْ إِنَّ آعُودُ بِكَ مِنَ الْكُونِ والطَّاعُونَ وَحَجُومُ الُوكِاءَ وَمَوْتِ الْعَجَاةِ وَمِنْ مَعْرِةِ الْحَى وَمِنْ سُؤَّهِ القصناء ودم ك الشَّقاء وشمات والاعداء انتَ على كُلِّ شَدُّت في قَدِيرُ- وَ سُنَدِّلُ مِنَ الْعُرْآنِ مَا هُوَ شِنْفَاءٌ وَّرَحْتَ لَهُ لِي لِمُوْمِنِيْنَ ٤ يَرْمِ عَ وَصَلَى الله عَلَىٰ سَيِدِنَا مُحَتَّدُ وَآلِهِ وَمَحْدِهِ وَسَيْرً ؟ یہ دُھا بھی تکو کرساتھ رکھنے کے قابل ہے اور الس کو گھریں بھی رکھا جاسکتا ہے۔ اللی بے سکسیسے فرما نے والے اورجن کی ہربات سچے کردی کئی ہے ، ان پر تيرے درو د وسلام بول، في قرما ياكم تون فرما يا، جو كي ميں جا بول الس میں مجمی متردنیس موا ، جتنا الس مؤمن کی و وج تبض كرنے میں مترد ہوتا ہوں ،جو مَزا نہ جا ہے، اور میں اس کی بُرائی نہ جا ہوں ۔سو پروردگار بهار سه آقامحقرا ورآب کی آل پر درود مجیج ، اور اپنے اور كى تكليعت مبلدى دُور فرا اوران كوعا فيتتسخش ! اور كمجع ليضه من اورکسی اینے دوست سے سامنے بڑائی نرمینیانا ،میری حریس برکت دال دے اورمیری عمر شفا دے توہی اخرت والول کو بمیشر کی زندگی عطا فرما تا ہے سومجھے الیسی طویل زندگی بخش ! جوتیری عافیتت سے مزین ہو۔ توہی وُنیا وا خرت میں الس کا مالک و قا در ہے" اورج نظ كر تكريس للكائے جا سكتے ہيں ان ميں سے ايك يہ ہے-بِسْمِ اللهِ الرَّحْسُنِ الرَّحِيْمَ - وَصَلَى اللهُ عَلَى سَيِيدَا الْحُلْدِ وَّعَلَىٰ آلِهِ وَصَحُبِ بِ وَسَلَمَ - سُبْحَانَكَ إِنِي كُنُتُ مِنَ الظَّالِينَ "سيدرين العابرين جل الليل كا خلاصفتم بُوا -

شیخ احد شطاکی نے ، جن کا ایجی ذکر گزرا ، علی کی عبارات نقل کر نے کے بعد فرماتے ہیں ۔ بیر بہترین فوا کہ بیں جو بعض تقد علی کے ہاتھ سے تحریر شدہ بیں ، انہو کی اس سال شاتا ہے بیروت میں ، جب رسالہ نذکور مجھے ہدیۃ دیا تو فرمایا ، ان تقد حلی کے مرا دان کے والدامام علا مرحب رسالہ نذکور مجھے ہدیۃ دیا تو فرمایا ، ان تقد حلی عالمین مرا دان کے والدامام علا مرحب تندابو بح شطا رحم انتدا ورامام علامہ قد وہ علی عالمین اورخاندان رسالت بنا ہی میدان تدعیہ کوسلم کے کی فردستی حسین حشیمی علوی مفتی شافعیہ مرحفظہ المترین فوائد ہے ہیں ۔

وقع ویا کے لیے قائدہ

حَدِيْ مَمَدُدُ بِالْقِ وَلَهُ كَشَفْ قَا فِيُ دَخَلُتُ فِي كَشُفنِ اللهِ وَاسْتَجَرُتُ بِسَبِيدِي رَسُولِ اللهِ مَسَلَّى اللهُ عَلَيْدِ وَسَلَّمَ اللهُ عَلَيْدِ وَسَلَّمَ اللهُ عَلَيْدِ وَسَلَّمَ عَسَى اللهُ آنْ يَكُفَّ بَاسُ الّذَيْنَ كَفَرُوا وَاللَّهُ اَشَدُّ وَسَلَمَ عَسَى اللهُ آنْ يَكُفَّ بَاسُ اللهُ يُن كَفَرُوا وَاللَّهُ الشَّهُ بَاسًا قَ اسَّدُ وَاللهُ اللهُ اللهُ

دوسرافائد وما کے کیے

"ٱللَّهُمَّ آدُخِلِ الدِسُكَمَ قَلْبِي وَثَبِيَّنِيْ سِهِ وَ آعِبْنِيْ عَلَيْهِ "

ایک اور فائدہ وباکیسیدے

ماعون کے یے تک بائے۔

"أَمُّهُ لَطِيْفٌ حَيْنِظُ - قَدِيْمٌ - آخَرِيٌّ - تَسِتُومٌ لاَسْيَامُ -"

وبأكيسيلي نده

ا دحی رات کو دورکعت نفل بڑھے ہردکعت میں فاتھ کے بعد سور اُکٹیس بڑھے میں سوسے کے بعد سور اُکٹیس بڑھے میں سوسلام بھیر کر کھے 'یا حیلیٹم''ایک ہزار بار ۔

ايك اورمجرّب سأرّه

لِیْ خَسُسَةٌ الْمُلْفِی بِھِیمْ حَسَدَّ الُوبَا وَالْمَسَاطِیتَهِ الْسُسُطَفَ وَالْمُسُرُّتُنَی وَآبْنَا حُسَا وَالْفَاطِیتَ السُسُطَفَ وَالْمُسُرُّتُنَی وَآبْنَا حُسَا وَالْفَاطِیتَ آ رکتاب میں وفاطید می ہے۔ امیرے پانسے ہیں ،جن سے دہا اورجہتم

و کماب بین و فاطلبہ بھا ہے۔ کمیرے پالینے ہیں ہجن سے وہا اور بہم کی گری داگر کے مجھا تا بڑوں مصطفے صلے انٹد علیہ سے کمرتفنے رمنی انٹد علیہ اور ان سے فرزندا ور فاطمہ - رمنی انٹد عنہم -

ایک اورون نده

برفرمن نماز مے بعدسات باریر سے۔

صَلَقَ ذَجَاءً كُ مُ رَسُولٌ مِينُ آنُفيُ كُمُ عَذِيزٌ عَلَيْ مَا ثَفُي كُمُ عَذِيزٌ عَلَيْ مِنْ الْفُي مِنْ مُ الْمُنُومِنِينُ وَقُفُ الرَّحِيمَ مَا عَنِينًا وَقُومِنِينُ وَقُفُ الرَّحِيمَ مَا عَنِينًا وَقُومِنِينُ وَقُفُ الرَّحِيمَ فَا مُن وَعَلَيْ وَقُومُ الرَّحِيمَ فَا مُن تَوَكَّلُ اللَّهِ اللَّهِ الْإِلْمَ الرَّحْمُ وَعَلَيْسِ تَوَكَّلُتُ وَهُو فَا مُن تَوَكِّلُ اللَّهِ اللَّهُ لَالِهَ الرَّاحُة وَعَلَيْسِ تَوَكَّلُتُ وَهُو فَا مُن تَلَيْسِ اللَّهُ لَالِهَ الرَّاحُة وَعَلَيْسِ اللَّهُ لَاللَهُ الرَّاحُة الرَّاحُة وَعَلَيْسِ اللَّهُ وَكُلْتُ وَهُو

رَبُّ الْعَذِيْرِ الْعَظِيمِ اللَّهِ اللَّهِ الْعَلَيْمِ الْعَلَيْمِ الْعُلِيمِ الْعُلِيمِ الْعُلِيمِ الْعُرْق وفا سے کے ایک ایک اور ف اندہ

بن پرائد کر پانی میں گھول کر ہے۔ مجرب ہے۔

وَيِينُ لَا يَا مُن الْبِعِينُ مَاءَكِ وَكَاسَمَنَاءُ ٱلَّذِينِي وَعَيْمِنَ الْبَاءُ

طاعون اور ديرامراص مع خاظت كيدي وعساء

اورا زموده دعا و ل ببر ایک دعا وه بےجرا مام اعظم ارضی دند رسنی اندعند و عدر مردی ہے . فرما یا جرتنی اندعند و عدر ہے باسمل یا کی مردی ہے . فرما یا جرتنی اس دعا سے پڑھنے بیں معرو ف رہے یا ممل یا کی سے سردی ہے ۔ فرما یا جرتنی باحفاظت رکھے تو انتدتعالیٰ اس کی برکت سے اعون اور دیگر بیاریوں سے محفوظ رکھے گا ۔ دُعا یہ ہے ۔

بِيْمِ اللّهِ الدَّوْمُ مِن الرَّحِيْمَ - اللّهُمَّ إِنَّ اَسْفَالُتُ مِعْدَ اِ مَعْلِمَ اللّهُ الدَّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ

لَنَا فَذُجًا وَمُخُدُرَجًا وَيَنْفَآءً مِنَ الْهُدُومِ وَالْغَمُومُ وَالْوَبَاءِ وَالْبَاءِ وَالْبَاءِ وَالْبَاءِ وَالْبَاءَ وَالْعَاحَاتِ فِي الدُّنْ فَي والَّذِجْرَةِ وَالْبَادُ فَي الدُّنِي والْآخِرَةِ وَجَيدِيعِ الْأَفَاتِ وَالْعَاحَاتِ فِي الدُّنْ فَي وَالْآخِرَةِ وَجَيدِيعِ الْأَفَاتِ وَالْعَامَاتِ فِي الدُّنِي وَالْآخِرَةِ وَجَيدَةً وَالْآخِرَةِ وَجَيدَةً وَيَحْتَقَ مِنْ وَمِن وَيَحْتَقِ حِنْ الدُّنَا وَاللَّا وَاللَّهُ وَالْمُعُلِقُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمُعْلِقُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَالْمُؤْمِنِينَ وَاللَّهُ وَالْمُعْلِقُ وَاللَّهُ وَاللْمُ وَاللَّهُ وَالْمُؤْمِ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَالْ

مشونجربات میں سے ایک پر کمسیم مبخاری شریف ایک اورف انگرہ جس کا بجربہ کیا گیا ہے ان میں سے ایک دُعائے توزُت ایک اور فائرہ ایک اور فائرہ

اَللَّهُ مَّ اللَّهُ عَلَيْ الْمُن هَدَيْتَ وَعَافِيْ فِيمُنْ عَافِيتَ وَقَافِيْ فَيْمُنْ عَافِيتَ وَقَافِيْ ف فِيمُن ثَوَلَيْتَ وَبَارِكُ لِي فِيمًا اَعُطَيْتَ ، وَقِيبِيْ شَسَرَمَا قَضَيْتَ قَائِلُكَ تَقْفِي وَلا يُقْضَى عَلَيْكَ وَاثِّهُ لا يَذِلُ مَنْ وَالْمَيْتَ وَلا يُعِيبِزُ مِنْ عَادَيْتَ تَبَامَكُتَ رَبِّنَا وَتَعَالَيْتَ ، وَ مَسَلَّى اللهُ عَلى سَيِيدِنَا مُحَسَدٍ وَعَلَى آلِهِ وَمَعْبِهُ وَسَلَّى مَسَلَّى الله وَمَعْبِهُ وَسَلَّى مَسَلَّى الله وَمَعْبِهُ وَسَلَى مَسَلَّى الله وَمَعْبِهُ وَسَلَى مَسَلِي الله وَمَعْبِهُ وَسَلَى اللهِ وَمَعْبِهُ وَسَلَى اللهِ وَمَعْبِهُ وَسَلَى اللهِ وَمَعْبِهُ وَسَلَى اللهُ وَمَعْبِهُ وَسَلَى اللهِ وَمَعْبِهُ وَسَلَى اللهِ وَسَعْبُهُ وَسَلَى اللهُ وَمَعْبِهُ وَسَلَى اللهِ وَمَعْبِهُ وَسَلَى اللهِ وَمَعْبُهُ وَسَلَى اللهِ وَمَعْبُهُ وَسَلَى اللهُ وَمَعْبُهُ وَسَلَى اللهُ وَعَنْهُ وَسَلَى اللهُ وَمَعْبُهُ وَسَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللهُ لَهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْ اللّهُ وَلَهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ

طاعون سے بچاؤ کے لیے ایک اور فائدہ

ماعون سے بچاؤ کے لیے۔

يِنْ الله الدَّوْنِ الرَّحِيْمَ - كَبْسَ لَهَا مِنْ دُوْنِ اللهِ كَاشِفَةُ الْعَلِيمَ سَيَجَعَلُ اللهُ بَعْدُ عُسُرِ لَيُّسُدًا ، آسْتَغُفِدُ اللهُ الْعَلِيمَ السَّعُفِدُ اللهُ الْعَلِيمَ وَلَاحَوْلَ وَلَا قُولَةً إِلاَّ بِاللهِ الْعَلِيمِ الْعَلِيمِ ، فَسَيَّ عُفِيمُ اللهُ وَهُوَ الرَّيْدِ الْعَلِيمِ ، فَإِنْ تُولَونُ الْعَلَيمِ ، فَسَيَّ عُفِيمُ الْعَلِيمُ ، فَإِنْ تُولَونُ الْعَلَيمِ ، فَسَيَّ عُفِيمُ اللهُ وَهُو السَّيمِ اللهُ وَهُو السَّيمُ الْعَلِيمُ ، فَإِنْ تُولِونُ الْعَلَيمِ اللهُ وَهُو السَّيمِ اللهُ وَهُو السَّيمُ اللهُ وَهُو السَّيمُ اللهُ وَهُو السَّيمُ اللهُ ا

ایک اورف ائدہ

"آلله عند المُستَعَانُ وَلاَحَوُلَ وَلاَ تُحَوَّقَ الْعَسَدُ وَاللَّهُ الْمُسْتَكِيلُ الْمُسْتَكِيلُ الْمُسْتَكِيلُ الْمُسْتَعَانُ وَلاَ حَوْلَ وَلاَ تُحَوَّقَ الرَّبَا للهِ الْعَلَى الْعَلِيمُ " وَلِا حَوْلَ وَلاَ تُحَوَّقَ وَلاَ اللّهِ الْعَلَى اللّهِ الْعَلَى الْعَلِيمُ "

وباء كييلي ون أره

﴿ اَللّٰهُمْ مَسَلِّ وَسَيْمٌ عَلَى الطِّبِ السَّرَفِيْتِ النِّعْمَدَةِ الْحَقِيئُقِ النِّعْمَدَةِ الْحَقِيئُق المنسَيْدِ العَيْسُرِفِ سَيِّدِيَ الْمُحْسَتَدِدَ سُولِ اللّٰهِ عَلَيْدِ القَّلَةُ وَالسَّدُولِ اللّٰهِ عَلَيْدِ القَّلَةُ وَالسَّدَامُ عُنْ اللّٰهِ عَلَيْدُ القَّلَةُ وَالسَّدَامُ عُنْ اللّٰهِ عَلَيْدُ اللّٰهِ عَلَيْدُ القَّلَةُ وَالسَّدَامُ عُنْ اللّٰهِ عَلَيْدُ اللّٰهِ عَلَيْدُ السَّلِيْدُ مَا اللّٰهِ عَلَيْدُ اللّٰهِ عَلَيْدُ السَّلِيْدُ اللّٰهِ عَلَيْدُ اللّٰهِ عَلَيْدُ السَّلِيْدُ اللّٰهِ عَلَيْدُ السَّلِيْدُ اللّٰهِ عَلَيْدُ اللَّهُ عَلَيْدُ اللّٰهِ عَلَيْدُ السَّلِيْدُ اللّٰهِ عَلَيْدُ السَّلِيْدُ اللّٰهِ عَلَيْدُ اللّٰهِ عَلَيْدُ اللَّهُ عَلَيْدُ اللّٰهِ عَلَيْدُ اللَّهُ عَلَيْدُ اللّٰهِ عَلَيْدُ اللَّهُ عَلَيْدُ اللَّهُ عَلَيْدُ اللَّهُ عَلَيْدُ اللَّهُ عَلَيْدُ اللَّهُ اللّٰهِ عَلَيْدُ اللَّهُ عَلَيْدُ اللَّهُ اللَّهُ اللّٰهُ عَلَيْدُ اللَّهُ عَلَيْدُ اللّٰهِ عَلَيْدُ اللَّهُ عَلَيْدُ اللّ

ایک اور من نگره

طاعون سے بچاؤ کے یا درود شریف پڑھے:ر

اللهُ مَّ مَسَلِيَ عَلَى سَيِدِ مَا مُحَسَدِ وَعَلَى اللهِ سَيِدِ مَا مُحَسَدٍ مَسَدِهُ مَسَدِدًا مُحَسَدٍ مَسَدَةً مَا مَسَدَةً مَنْ اللهُ مُسَدِدًا مُحَسَدٍ مَسَدَةً مَنْ اللهُ مَنْ اللهُ مُنْ اللهُ مُنْ اللهُ مُنْ اللهُ مَنْ اللهُ مُنْ اللهُ مَنْ اللهُ مَنْ اللهُ مُنْ اللهُ مَنْ اللهُ مُنْ اللهُ مَنْ اللهُ مَنْ اللهُ مَنْ اللهُ مُنْ اللهُ مُنْ اللهُ مَنْ اللهُ مُنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مُنْ اللهُ مُنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مُ

وہ نوائد ختم ہوئے جن کو میں نے شیخ ، حمد شطا کے رسالہ سے نقل کیا ۔ اللہ ان کی حفاظ مت فرمائے ۔

میں نے بعن کتا ہوں میں کتاب شہسی المعادف ملک سے منتول برعبارت

دیمی کرچوکو ٹی برروز اسٹرنعائی کا اسم مبارک الشومنَّ ۱۳۱ مرتب پڑھے اسٹراسے طاعون کے شرسے امن وسے کا - اور جوکو کی ہرفرض نماز کے بعد ۵ سم بارخشیشنا الله قیفتم اُنگیکن پڑھے اونٹرانس کوطاعون سے بچا مے کا .

اس کآب کے ہمٹویں باب میں نے صطافتہ علیہ وسلم پر درود وسلام کی کیفات کا ذکر گزر جا ہے ۔ اس میں ابو جحد کا درود شریف نمبر او گزرا ہے وہ بحی دفع طامو کے یا سند نی ہے۔ اس موصنوع پر الس نے ایک کآب بھی ہے جس میں ابن خطیب برودان کی یہ روایت نقل کی کہ ایک نیک آد می نے اسے بتایا نبی صط الشہ علیہ وسلم پر خرات درود وسلام پر صفے سے طاعون ختم ہو جا تا ہے انہی کے حالہ سے بر بخرت درود وسلام پر صف سے طاعون ختم ہو جا تا ہے انہی کے حالہ سے میں نے یہ بات بھی وہاں نقل کی کرایک نیک نتی سندی کریم صلے الشہ علیہ وسلم کو دیکھا تو آپ نے ایسی کے فیاصلی تی ، وہاں میں نے دُعا ذکر کر دیکھا تو آپ نے اسے و فع طاعون کے خواسلی تی ، وہاں میں نے دُعا ذکر کر دی ہو جا تا ہم ہر بر ہے بھول علی و فع طاعون کے یا تھی کہ ترب ہے۔ اور آب رضی درود جو انہ نمبر بر ہے بھول علی و فع طاعون کے یہ ہے تھی بار بڑھنے کا حکم دیا تھا جولہ اللہ عد نے ، زما نہ طاعون میں ہرفرص نماز کے لیے تین بار بڑھنے کا حکم دیا تھا جولہ مذکورہ کی طرفت رجوع کے بہے اور الشربہ ترجا نتا ہے ۔ اللہ درود وسلام نازل فرا ۔ اللہ عد دود وسلام نازل فرا ۔ ہا ۔ ساتہ قام تحد صلے اللہ علیہ کے اور اللہ برا ہوں کا ال واصحاب پر۔

فوائد ما کمول کے ہاں فبولتیت ورظالمول، وشمنول کے کشریسے بیجنے سے یہے وشمنول کے کیشریسے بیجنے سے یہے

صن حسين مين فرايا الرباد شاه ياكسى اور ظالم سے تو ان ب توكى ار الله اكترا من تعلق من تعلق جيئي الله الله المقاد الله المعنظ المعان والعدد

آعُوُدُ بِاللّهِ الّذِي لَا الله الآهُ والله الآهُ ومُنسِكُ السّمَةَ عِنَا أَن تَعْلَمُ عَلَى اللّهِ اللّه الآهُ ومُن شَسَرَ فُلان بِهال الكالم ن وَجَنُونِ فَل الدّر مِن الدّر بِين الله مِن اللّهِ مَن اللّهِ مَن اللّهِ مَن اللّهِ مَن اللّهِ مَن اللّهِ مَن اللّهُ مَن اللّهُ مَن اللّهُ عَلَيْ اللّهُ اللّهُ مَن اللّهُ مَنْ اللّهُ مَن اللّهُ مِن اللّهُ مَن اللّهُ مُن اللّهُ مَن اللّهُ مَن اللّهُ مَن اللّهُ مَن اللّهُ مَن اللّهُ مَن اللّهُ مِن اللّهُ مُن اللّهُ مِنْ اللّهُ مِن اللّهُ مُن اللّهُ مَن اللّهُ مِن اللّهُ مُن اللّهُ مِن اللّهُ الللّهُ مِن اللّهُ مِن اللّهُ مِن اللّهُ مِن اللّهُ مِن اللّهُ مِ

اللہ سے بڑا ہے تم مخلوق سے بڑھ کرعِزَت والا ہے جس سے میں دُر تا اور بہتا ہوں اس سے اللہ غالب تر ہے۔ میں الس اللہ کی بنا ہ انگنا ہوں کے سواکو کی معبود نہیں ،اسس کے حکم کے بغیراً سمان کو زمین برگر سے رو کنے والا ہے فلال کے شکر سے اس کے شکراور اس کے بیروکار وں اور اکسی جبیوں کے شرسے مشکر جن نہا ہ غالب ہے اور بیری تعریف بڑی تیری بیاہ غالب ہے اور تیرے سواکوئی معبود بری نہیں 'ا

تين بار - اس كوطراني في سرفوعًا روايت كيا -

اور کتاب سدرة المنتئی فی احادیث النصطفے میں قعقاع سے روایت ہے کہ محدب اخبار نے کہا چند کلمات کومیں نہ پڑھتا تو ہیودی مجھے گدھا بنا دیتے ، کہا گیا وہ کون معدب اخبار نے کہا چند کلمات کومیں نہ پڑھتا تو ہیودی مجھے گدھا بنا دیتے ، کہا گیا وہ کون

"آعُوُدُ بِوَجُهِ اللهِ العَظِيمِ الَّذِي كَيْسَ شَبِي آعَظَمَ مِنْ أَعَلَمُ مِنْ أَعَلَمُ مِنْ أَعَلَمُ مِنْ أ وَبِلَكَ تِ اللهِ التَّامَّاتِ آلَيْ لَا يُجَا وُرُهُنَ يَرُّوَّلَا فَاحِبِ رُّ وَبِالنَّمَا عِ اللهِ الْعُسْسَىٰ مَا عليتُ مِنْ عَالَمُ مَنْ الْمُسَلَمُ مِنْ اللهِ الْعُسْسَىٰ مَا عليتُ مِنْ عَلَمُ مِنْ اللهِ الْعُسْسَىٰ مَا عليتُ مِنْ عَلَمُ مِنْ الشَّرِ مَا خَلَقَ وَمَا لَهُ آعُلَمُ مِنْ الشَّرِيمَ اخْلَقَ وَدَرًا وَتَرَا وَتُرَا وَتَرَا وَتَرَا وَتَرَا وَتَرَا وَتَمَا لَا مُلْهُ وَالْتُهُ وَالْمُعِلَى فَا عَلَى مُعْلَمُ مُنْ الْعَلَمُ وَالْمُعِلَى فَا مِنْ فَالْتُهُ وَالْمُعِلَى وَالْمُعِلَى وَالْمُعِلَى وَالْمُعْلَى وَالْعَلَى وَالْمُعْلَى وَالْمُعِلَى وَالْمُعْلَقُونَا وَالْمُعْلِقَ وَمَا لَهُ وَالْمُوالِقُونَا وَالْمُعِلَى وَالْمُعْرِقِيْنَا وَالْمُوالِمُ وَالْمُؤْلِقُونِ وَالْمُؤْلِقُ وَالْمُعْرِقُونَا وَالْمُوالِمُ وَالْمُعْرِقُونَا وَالْمُؤْلِقُ وَالْمُعْلِقُ فَالْمُعْمِلُونَا وَالْمُؤْلِقُ وَالْمُ وَالْمُوالِمُ وَالْمُعْلِقُ وَالْمُؤْمُونُ وَالْمُوالِمُ وَالْمُؤْلِقُ فَالْمُوالِمُ وَالْمُعْلِيْنَا فَالْمُعْمُ وَالْمُعْمِقُونُ وَالْمُوالِمُ الْمُؤْمِنَ الْعَلِيْلُولُولُولُولُولُولِمُ الْمُؤْمِقُونُ وَالْمُوالِمُ الْمُؤْمِنُ فَالْمُوالِمُ الْمُعْلِقُ الْمُؤْمُ وَال

میں اس خدائے بُرگ کی بنا ہ بیا ہوں ،جس سے بڑی کوئی شے منیں اور اند کے ان کلمات کی جن سے نیک و بر سیحا و زمہیں کرسکتا.

ادرا منڈ کے ان اسمائے شنگی کی جن کو میں جاتما ہوں اور جن کو میں نہیں ۔
صن صین میں بھی ہے۔ ابو نعیم نے مستدرک علی سم میں روایت نقل کی جب کی خوف ہو آمنے ہے ۔ ابو نعیم نے مستدرک علی سم میں کی جب کی خوف ہو آمنے ہے ۔ الی ہمارے کفایت کرجس سے جا ہے ، یہ حدیث میرے ہے۔
سے جا ہے ، یہ حدیث میرے ہے۔

ما فظ سيوطى نے ضائع لكبرى بين كها ، ابن سعنے دابان بن عيائ ملى روايت انقل كى كر حزت انس رضى الله عند نے جماح بن في مست سے بات كى ، جماح بن نے ان سے كها رسول الله فلط الله عليه و لم كى خدمت جو تو نے كى ، اورام المؤمنين كا جو تير مے متعلق خطاكيا ہے ۔ ان كا لحاظ نہ ہوتا تو تيرام المواملہ ہى مجواور ہوتا ۔ آپ نے كها تو ميرا بجو منہ بي الله مسلم نے ميرى بدلى بحو أن كے بوتے كسى جا برى ظلم وزيادتى ميرا كجو منہ بي گاؤسكتى ۔ اوار شنى ۔ مجھ كھ كھ كار ميں كى ۔ اور سلمانوں كى تجت بھى ساتھ رہے كى ۔ جماح نے كہا مجھ حاجيں ہى وہ كلمات كھا ديں . مہل فى ہوگى ۔ فرايا تو اس كا اہل نہيں ۔ جماح با اس مقد كے بھى وہ كلمات كھا اور ان كو كما شيخ بي ہے اور ان كو كما شيخ سے اور ان كو كما شيخ ہوئے ۔ اينى وفات سے تين ون قبل فرايا كہ يہ كھات حال كر ركھنا ، اور غلط جمكہ استعمال نہ كرنا ، اکتشام كُنا تو منال فرايا كہ يہ كھات سنجمال كر ركھنا ، اور غلط جمكہ استعمال نہ كرنا ، اکتشام كُنا ہوگا و اور ان كو كھات سے تين ون قبل فرايا كہ يہ كھات سنجمال كر ركھنا ، اور غلط جمكہ استعمال نہ كرنا ، اکتشام كُنا ہوگا و اور ان كو كھات سے تين ون قبل فرايا كہ يہ كھات سنجمال كر ركھنا ، اور غلط جمكہ استعمال نہ كرنا ، اکتشام كُنا ہوگا و اور ان

بِاشِمِ اللهِ عَلَىٰ تَفْسِىٰ وَدِينِىٰ مِاشِمِ اللهِ عَلَىٰ آهُلِىٰ وَمَالَىٰ بِاشِمِ اللهِ عَلَىٰ آهُلِىٰ وَمَالَىٰ بِاشِمِ اللهِ عَلَىٰ آهُلِىٰ وَمَالَىٰ بِاشْمِ اللهِ عَلَىٰ كُرِ نَتَسَمَىٰ آعُلَانِيْهِ رَبِّى بِشِمِ اللهِ عَلَىٰ كُرُ نِتَسَمَىٰ آعُلَانِيْهِ وَبَىٰ بِيشِمِ اللهِ عَلَىٰ اللهِ عَلَىٰ اللهِ وَالتَّمَاءِ بِاشْمِ اللهِ الَّذِي لَا يَصُلُونُ وَعَلَىٰ اللهِ وَالتَّمَاءِ بِاشْمِ اللهِ الْمَنْ اللهِ وَالتَّمَاءِ بِاشْمِ اللهِ الْمَنْ وَعَلَىٰ اللهِ تَوَكَّلُتُ وَعَلَىٰ اللهِ تَوَكَّلُتُ وَمَالُهُ اللهُ وَيُنْعَنَّ وَعَلَى اللهِ تَوَكَّلُتُ وَمَا اللهُ وَلَا أَشْدُونُ مِنْ إِلَا اللهُ اللهِ وَقَلَا أَنْسُرُونُ مِنْ وَعَلَىٰ اللّهُ اللّهُ وَمَا اللهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللل

خَيُرَكَ مِنْ خَيْرِكَ الَّذِي لَا يُعْطِينُهِ غَيْرُكَ عَزَّجَارُكَ وَحَسِلاً ثَنَا وُكَ وَلاَ اللهَ الدَّانَتَ اللَّهُمَّ اجْعَلْنِي فِي عَيَا ذِكَ وَجَوَارِكَ مِنْ كُلِّ سُسُوْءٍ مِّنَ السَّيْطَانِ الرَّحِيْمِ اللَّهُمَّ الْيُ اسْتَجْيُرِيِكَ مِينُ كُلِّ سَشَـنُكُمُ خَلَقُتَ وَآحُتُوزُبِكَ مِينُ هُنَّ وَآعُدُمُ سَيُنَ سَدَى بِهِمِ اللهِ الرَّحُلْنِ الرَّحِيْنَ قُلُ هُ وَاللهُ احَدُ اللهُ العَمَّتَ ذُ ، كَمْ يَلِيدُ ولَمْ يُؤلَّذُ وَلَمْ يَكُنَّ لَهُ كُفُولًا آحَدُهُ مِنْ آمًا مِيْ وَمِن خَلَفِي وَعَنْ يَمِينِيْ وَعَن شِمَالِيْ وَمِنْ فَوْ يَيْ وَمِنْ تَحْيَىٰ ؟

"فوائد شرجی رحمدا ملزمیں ہے جس سے ڈرے اس سے پاکس ماتے وقت پڑھے۔

فوائدالشرجي پوری آبیت -انٹرتعالیٰ کے حکم سے اس کا کچھنیں بھاڑ سکے گا-انہی میں بیریجی ہے۔ بادشاہو محیاس جاتے وقت بڑھے۔

قَالَ مَجُلْنِ مِنَ الَّذِينَ يُخَافُونَ آنُعَمَ اللَّهُ حَلَيْهِمَا ادُخُ لُوْنَ عَلَيْهِيمُ أُنبَابَ فَإِذَا دَخَلِمَ وُهُ فَإِنَّكُ مُ عَالِبُونَ وَعَلَى اللَّهِ فَسَوَكُلُوا إِنْ كُنْتُمْ مُوُمِينِينَ ، فَلَمَّا رَأْيُتَ هُ كُنِرْنَهُ ، آفَهِلُ وَسَرَانُ الْمُرْزَةُ ، آفَهِلُ وَلِدَ تَخَفَ إِنَّكَ مِنَ الْآمِنِينَ ، لاَ تَخَفُ نَجُوْتَ مِنَ القَــُومِ الظَّلِمِينَ ، لا تَخَافُ وَلا تَخْتُلَى ، لا تَخَافًا إِنَّ مَعَكُما آسُمَتُهُ وَآمَانُى ، لا يَخْفَ إِنَّ لَا يُخَافُ لَدَى الْسُوْسَ لُونَ "

الس ميں يہ ي سے كرج شخص الله كا فرمان قَالَ رَجُلانِ سے إِن كُنْتُم مُوْمِنِ يُنَ -ممسهن کی کمال پرزعفران سے بیچے: اسی سے شخص موعود اور انس کی ماں کا نام سکھ

مبب با دنتا بول اورفل مهم تونوں کے پانس جانا چاہے ایسے پانس رکھے۔ مخالفین کی زبانیں م منگ اوراً شمیس اندعی بوجائیں گی اورج بات کریں گئے خیرخواہی کی کویں گئے۔

الدمیری نے حیا ہ الحیوان میں ہتمی پرگفتگو کرتے ہوئے دیکھا جب انسا ل کسی ایسے شخص کے پس جائے جس کے شرونسا و سے خطرہ ہے ، اور پڑھے کہ پکھنے گئی ہے گئی ہے گئی ہوں کے دو کلمات کی حروف کی تعدل و کے مطابق ، دش بار ہا تھوں کی آنگیوں ہے ہو تھار کرے ۔ وائیں انگو ٹھے پرختم کرے جب فرمان باری فار نے ہوتو و و توں ہا تھوں کی آنگیاں بند کر کے سورہ الفیل پڑھے ۔ جب فرمان باری تعالیٰ تربیع تو تولی ہا تھوں کی آنگیاں بند کر کے سورہ الفیل پڑھے ۔ جب فرمان باری تعالیٰ تعدل ہے جب فرمان باری تعالیٰ تعدل ہے تعدل تربیع تو لفظ تَدُوہ ہے تھے ہے تھے ہے تھے تھے تاہے ہے جب ایسا کرے گا ، اس کے تشریعے محفوظ ہوجا نے گا ۔ یہ جیس ججرب جمل ہے جائے ۔ جب ایسا کرے گا ، اس کے تشریعے محفوظ ہوجا نے گا ۔ یہ جیس ججرب جمل ہے فرما یا مجرب فوائد میں سے ایک فائدہ جو ایک صاحب وجر وصلاح نے مجے عطا فرما یا ہے ترب وائد میں سے ایک فائدہ جو ایک صاحب وجر وصلاح نے مجے عطا فرما یا ہے ترب وائد میں سے ایک فائدہ جو ایک صاحب وجر وصلاح نے مجے عطا فرما یا ہے ترب وائد میں سے ایک فائدہ جو ایک صاحب وجر وصلاح نے مجے عطا فرما یا ہے ترب وائد میں سے ایک فائدہ جو ایک صاحب وجر وصلاح نے مجے عطا فرما یا ہے ترب کو گئی او سے تیکھن بہنچا ناچا ہی سے الی کی نیت کرے ۔ وسویں دن

سوا سے بلاک کر - اللی ! الس کو زِلت کی شوارا در بلاکت کی قبیض بینا -الني! ليستها ه كر. والس لفظ كودلس بار پڑھے) بھرائٹڈنے ان مے ظلم ك وجرسے إنهيں بجدا اوران كے يا الله كے سواكو كى بچا نے والانہ ا بے تنک افتداسے ہلاک فرائے گا ورائس سے شرسے اسے کفایت فرما مے گا۔ فرمایا

علام سبكى كافسلون مان مانط ابوالحسن على بن من المكبوسي مين مانك الكبوسي من المكبوسي من الم

امام شافعی رحمدان کے مناقب میں ہے سے حوالہ سے یہ روایت نقل کی کہ المزنی نے کہ میں نے شافعی سے شنا -

إفرما يا أيك لات بإرون الرسشيد

الم من قعی اور مارون الرست بید عباس نے اربیع کومیرے پاس

بھیجا۔ وہ بغیراما زشہرے کرے میں وا خل ہوا اور مجھ سے کہنے لگا ، چلو میں نے کہا الس وقت اور بلا ا جازت ہی آ دھے ؟ الربیع نے کہا بھے بی حکم ہوا ہے . میں اسکے مراه على برا حبب معل سے وروازے برمینیا توالربیع نے مجے بیٹھنے کو کھا بحشا مُد بادشاه سوكيا ہے يا الس كاغفته مطندا ہوكيا فود اندرجاكر ديكا تو بارون كفرا تھا بولا محدبن اورلسين شافعي كاكيابنا ؟ ميں تے كه ابلالايا بركوں - بارون بابر آيا ، امام نشافعي کتے ہیں میری طرون غور سے دیکھنے لگا۔ پھر کینے لگامحڈ! میں نے آپ کو تکیف وى، آب جا سكتے ہیں والربیع ان سے ہمراہ در یموں كاتھیلا یلتے جا وُ ممتنے ہیں میں فے کما، مجے ان کی صرورت نہیں۔ ہارون نے کما میں آب کور قم دیا ہوں کہ فیول كرين ميں تے ليے يا برايا تو الربيع نے مجھ سے كما الس وات كا واسط، جن اس صفی کوتیرا کا بع فرمان بنایا - تم نے کیا پڑھا ہے - میں نے بچھے ماصر کیا اور میں

تیری گردن سے پیچے سے توا۔ چینے کی جدیر نظر کیے کھڑا تھا۔ میں نے کہا، میں نے مالک بن انس کو فرما تے شنا، وہ کتے تھے ہیں نے نافع کو کہتے شنا وہ کہتے تھے میں نے عیار تلہ بن عررصنی ادمتٰہ عند کو کتے شنا کہ رسول ادمتٰہ صلی احتٰہ علیہ وسلم نے جنگ احزاب کے دن یہ دعا مانگی اور وہی کا فی رہی ۔

اللهم آين اعُودُ بِنُوسِ قُدُسِكَ وَ بَرُكَةَ طَهَا مِنَكَ وَ عَظَيم حَلَايِكَ مِنْ مُن طَارِي إِلَّا طَارِيًا يَعْلَى رَقَّ الله آمَّة مَلاَيْ غِيَا فِي فَيِكَ اعْوَثُ وَآمَنَ عِيَادِي فَيكِ اعْوُدُ وَآمَة مَلاَيْ غِيَا فِي فَيِكَ آعُونُ يَا مَن ذَلَتُ لَهُ رِقَا بُ الْجَبَابَ وَ وَحَفَعَتُ لَهُ فَيِكَ آلُودُ يُا مَن ذَلَتُ لَهُ رِقَا بُ الْجَبَابَ وَ وَحَفَعَتُ لَهُ مَقَالِيْدُ الفَرَاعِنَةِ ، آجِرُ فِي مِنْ حِنْ مِيكَ وَحُفَعَتُ لَهُ مَقَالِيْدُ الفَرَاعِنَةِ ، آجِرُ فِي مِنْ حِنْ مِيكَ وَحُفَعُ وَمُعَلَيمًا الْوَجِيدَ مَقَالِيْدُ الفَرَاعِنَةِ ، آجِرُ فِي مِنْ حِنْ مِيكَ وَحُفَعَتُ لَهُ مَقَالِيْدُ الفَرَاعِنَةِ ، آجِرُ فِي مَنْ حِنْ مِيكَ وَحُفَعَتُ لَهُ مَقَالِيْدُ الفَرَاعِنَةِ ، آجِرُ فِي مَنْ مِنْ حِنْ مِيكَ وَحُفَعَ مُنْ اللهِ اللهَ الدَّالِيةَ الدَّالَةِ الْمَا تَعْفِيمًا الْوَجِيدَةُ وَمُعَدُّ لَيْ اللهُ الْعَرَامِي وَلَوْ فِي وَقَرَارِي لَا اللهَ الدَّا آمَنَ تَعْفِلْمُ الْوَجِيدَةُ وَجُعَدُنِي اللهُ مِنْ عَلَيْ اللهُ مِنْ عَنْ مِنْ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ

اور الزبيرى نيسترح احياً علوم الدين دستغزالى ، كى كتاب الدمسو المعدون والنبعى عن المستكر عيم من المستكر عيم المسترا الم المرى تعالى "التي المسلم كى روابت عيم من المرادة و دركم المركم المرادة و دركم المركم المركم

الم طرانی کی کتاب الدُعاً میں مُحَدِّبِن مهاجر علی کتاب الدُعاً میں مُحَدِّبِن مهاجر حصر علی الدُعا میں مُحَدِّبِ الدُعا میں مُحَدِّبِ الدُعا میں ہے کہ ہے کہ ہے کہ اور واقع منفق لے بنایا ، ان کو المعلی بن حرمی ، اور واقع منفق لے بنایا ، ان کو المعلی بن حرمی ، ان کو محمد بن المرا المعلی بن حرمی ، ان کو محمد بن المرا المعلی بن حرمی ، ان کو المعلی بن المرا المرا المعلی بن حرمی ، ان کو المعلی بن حرمی ، بنایا ، ان کو المعلی بن حرمی ، بنایا ، ان کو المعلی بن حرمی ہے بنایا ، ان کو المعلی بن حرمی ، بنایا ، ان کو المعلی بن حرمی ہے بنایا ، ان کو المعلی بنایا ، ان کو المعلی بنایا ، ان کو المعلی بن حرمی ہے بنایا ہے بنایا ہے بنایا ہے بن حرمی ہے بنایا ہے بن

کوسلان ان عبدالملک نے ایک شخس کو ڈرایا دھ کایا اورا سے قتل کرنے کی نیت سے ہیجا

وہ شخص بجاگ کھڑا ہوا بعلیفہ کے سیا ہی اس کی تلاش میں ہرروز انس کے گھڑا تے لیکن

کامیا بی نہ ہو گی۔ وہ شخص حبس شہر میں جا گا ، اسے بتایا جا نا کریما ل تیری تلاش ہو رہی

ہے یجب اسی طرح محقوراز گڈرگیا۔ تو انس نے کسی ایسے ملک میں جا نے کا ارادہ کر

لیاجہا ل سیما ن کی حکومت نہ ہو۔ یہما ل ایک لمبی مرگذشت ذکر کی ۔ بھر کھا ، اسی آنا میں

میں وہ ایک ایسے صحوا میں مینچا ، جہا ل نہیا تی تھا نہ کوئی درخت۔ ناگا ہ ایک شخص

میں وہ ایک ایسے صحوا میں مینچا ، جہا ل نہیا تی تھا نہ کوئی درخت۔ ناگا ہ ایک شخص

مناز پڑھ تا ہوا نظر آیا کہا کہ میں انس سے دار نے لگا۔ بھر میں سنجھ لا اور دل میں کھا ، بخط

یرکو کی اُون میں یا چوپا یا تو نہیں کہا کہ میں انس کی طرف چل پڑا ا۔ انس نے رکوع کیا

اور سجدہ کیا ، بھر میری طرف دیکھ کر کہا ، شا ٹد انس ظالم میرکش نے صبحے ڈرایا ہے ؟ میں

نے کہا ہاں! کہا مجھے درندے کے داستھال ، سے کس نے منع کیا ؟ میں نے کہا انٹد

آب پررحم فرائے درندہ کیا ہے ؟ کہا یہ پڑھو : ﴿

"سُبُعَانَ الْوَاحِبُ وِ النَّذِى كَيْسَ غَيُرُهُ اللهُ ، سُبُعَانَ الْوَاحِبُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الله اللهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللللللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الل

ہے کہا پڑھو، میں نے اسے پڑھا اور زبانی یا دکر بیا بیسٹ کر دیجھا تو وہ شخص نظر نہ آبا کہا کہ افتہ نے میرے دل میں سکون ڈال دیا اور میں حبس را سے سے جا ہتا تھا الیس گھرا گیا ۔ میں نے کہاسیعان بن عبد لملک کے دروازے سے ضرور بوکر کؤروں گا ، المذا میں اس کے دروازے کے سا منے آیا اس دن اس کے دربا رمیں آنے کی عام اجازت بھی ، میں بھی اندرجاد گیا اس کی نشست اُنہی جبحہ بڑھی مجھے دیچے کرسیدیا

بیٹ گیا۔ بھر ٹیجے قریب ہے نے کا اشارہ کیا ، مجھے قریب ترکزا گیا بیان کک کہ میں اس کے ساتھ جا بیٹھا۔ کینے نگا و نے مجھ برجا و و کر دیا ۔ کیا تم جا و و گریمی ہو جہماری کچے اور شکا یا ت بھی بھڑ کہ بہنچ ہیں۔ میں نے کہا امر المونین ! نہ میں جا و و گر ہوں ، نہ مجھاس کا علم ہے ۔ ذیئے برجا و و کیا ۔ کہنے نگا یہ کیسے ہوسکتا ہے ، مراخیال یہ ہے کہ سجے قبل من بنا کہ بھے دیکھ کرمیں اپنی جگ الس و قت قبل سے بغیر میری حکومت محمل نہ ہوگی ۔ لیکن سجھ و بکھ کرمیں اپنی جگ الس و قت میں جہراہ بھا نہ لیا ۔ کہنے نگا میرے میرے میرے بات بھا د و ، میں نے اسے سب کچے بنا دیا ۔ الس برخلیف نے کہا ، الس الله کی قسم جس کے سواکوئی ہجامع و و نہیں ، و چھن ابوالعبالس خطرعلیالسلام سے انھول کی قسم جس کے سواکوئی ہجامع و و نہیں ، و چھنیں ، و چھنیں ابوالعبالس خطرعلیالسلام سے انھول نے ہی تعلیم دی ۔ کا رندول نے کہا ، الس کے لیے امان ایکھ و و ابر بہترین کھا دو اور الس کے گھرنگ سواری کا بندولبست کر والیخ

امام اختی کے ابوم سے ارتبار میں اندعنہ سے روایت کیا حب نبی صلے استرعب ہونا تو آب یہ وعایر صفحہ استرعب ہونا تو آب یہ وعایر صفحہ استرعب و کا بڑھتے۔ استرعب و کا بڑھتے کی خوری میں کا خلوہ محدوس ہونا تو آب یہ وعایر صفحہ میں آنا کھٹھ انڈ کھٹھ کے کہ کھڑے ہے کہ کھٹھ کے کہ کہ کہ کہ میں کہا ، حباب بی ساری حب وہمن سے میں ہوتو یہ وعا مانکا بسند کرتے تھے۔

"لَا حَوُلَ وَلَا قُوَّةَ إِلَّا بِاللَّهِ الْعَلَى الْعَظِيمِ"

ابن ابی الدنیائے ذکرکیا، رومی علاتے میں ایک نیمسلم، قوم نے تھے کامحاصر کردیا بسسل نوں نے میں دُعا پڑھی اور نعر بجیرلیند کیا، رومی بھاگ سکتے اور اونڈ کے حکم سے قلعہ کا درواڑ دکھ کی گیا .

الدميرى في تحياة الحيوان مين جانورون بركلام كرت بوكما ، شيخ تطالبين تسطلاني في كما ، مين في البني والده ام محد امندكي ايك وعا يادكي سي ، والده كانتا

مع المعلی ہوا۔ یہ دُعا ان و تمنول کے شرسے ہیاتی ہے جن کے شرسے ڈرنگا ہو۔ اللهم بِيلَةُ لُو نُوسِ بَهَاءِ حَجُبُ عَدُ شَيِكَ مِنْ آعدًا كِي إِحْجَبُ عَدُ شَيكَ وبشفوة حبنز وتيك ميتن يكيشدنى ايستنزت ويطول مخول يُوَّتِكَ مِنْ كُلِّ سُلُطَانٍ بَحَصَّنتُ وَبِدَيْمُ وَمِ قَيْتُومِ قَيْتُومِ مَ دَوَاجِم آيُديَيْكَ مِنْ كُلِّ شَهُ يُطَابِ ايْسَعَنْتُ وَيَبْكُنُونِ السِّيِّ هِنُ سِيةِ سِيدِنَ مِن كُلِّ هَيْ تَكُلِّ هَيْ تَا خَلَيْلُ العَدُوْشِ عَنْ حَسَلَةً الْعَرُشِ يَا شَسِيدِ يُدَالْبُكُشِي يَاحَالِسَ ٱلوَحُشِ احْبِسُ عَنِي مَنْ ظَلَمَتِنِي وانْعَلَٰبُ مَنْ غَلَبْنِي كَتَبَ اللَّهُ لَا غُلِبَقَ آنَا وَرُسُلِيُ إِنَّ اللَّهَ لَقَدِينٌ * ترجہ برا الی اِتیرے جائب عرش کے ڈرکے چک کے ذریعے اپنے دشمنول سے بردہ پوش ہوا ادر تیری زبردست اقت در کی بنا ہ گاہ میں اپنے محروفریب والول سے بنا وگزیں ہوا اور تیری زبر دست طاقت کے ذريع مربا دشاه سے فلعد بند ہوا ، اور تبری ہمینتدر سنے والی طاقت اور دست قدرت کے ذریعے میں نے ہرشیطان کے مقابلے میں مدد فانکی-اورتیرے پروہ ور بردہ راز کے ذریعے سم عم والم سے چیکارا باید اے حاملین عرش سے عرش اٹھانے والے! اسے خت گرفت والے الے وحشیول کورو کنے والے ! جومجھ بڑطلم کرمے السے منج سے روک لے اور مجھ برغلبہ بانے والوں کومغلوب کرالندنے یہ فيعد تكدي بع يرمي اورمير وسول صرور بالضرور غالب تي كر، بي من الله توت وغلبه والا ب -ا ورفرا يا دشمنول سے محفوظ رکھنے ، ہرا دشا ہ ، شيدطان درندے اور خطيل

ك ترسيخ ك ياك مُرتب نور بكرور و عق وقت سات باريد يرس د ٱشْسَدَقَ نُوُرُ اللهِ وَظَهَرَ كَلامُ اللهِ وَثُلَبَتَ ٱلْمُ اللهِ وَنُعَبَدَ حُكُمُ اللَّهِ ، اِسْتَكَعَنْتُ بِاللَّهِ وَتَوَكَّلْتُ عَلَىٰ اللَّهِ كَا اللَّهِ مَا شَاء اللَّه لاَحَوُلَ وَلاَ قُدُوَّةً إِلاَّ بِاللَّهِ تَحَقَّنْتُ بِخَفِي نُطُفِ اللَّهِ وَمِلَطِيُفِ صُنْع الله وَبِجَينِل سَتُوالله وبِعَظِيم ذِكُوالله ويَعَوَّا سُلطاً نِ اللهِ وَدَخَلْتُ فِي كنفِ اللهِ وَاسْتَجَرَّتُ بِرَسُولِ الله وسَسِيَّ اللُّهُ عَلَيْسِ وَسَلَّمَ وَبَرِئُتُ مِنْ حَوْلِيْ وَتُونَ قِي وَاسْتَعَنْتُ بِحَوْلِ اللّهِ وَقُوِّيهِ اللّهُ مَا لَكُمْ مَا اسْتُونِيْ نِيْ نَفْسِيَ وَدِيْنِيْ وَاهْسِينُ وَمَايِنٌ وَوُلُدِيْ سَنْزَكَ الَّذِي سَتَرُتَ بِهِ ذَاتَكَ فَلَاعِينٌ قَرَاكَ وَلاَيَدُ تَعَيِلُ وَلَيْكَ يَا مَرَبُّ الْعَالَمِيْنَ - احْجِيْنِيْ عَنِ الْعَكَرِمِ الظَّالِمِيْنَ -يِقَرُدُ رَيْكَ يَا قَدِي كَا مَيْدِينٌ وَحَسَلَى اللَّهُ عَلَىٰ سَيَدِيًّا مُحْسَتَدِخايْمَ النَّبِيتِيْنَ وَعَلَىٰ آلِهِ وَصَحَيْبٍ ٱجْمَعِيثِنَ وَسَسَلَّمَ تَسْنِيمًا كَشِيرًا وَالْمَرَّا آبِداً إِلَىٰ يَوْمِ السِّذِينِ وَالْحَسْنُ يِنْهِ رَبِّ الْعَالَمِيْنَ "

ا در مبتلا ئے عذاب ہوگا۔ یہ بات صبحے ، فجرّب ہے ۔ دالدیر ٹی نے) اس سے بست سے فوائد ذکر کئے ہیں ، جمشورہیں ۔ لہٰذا ہیں نے تقل نہیں کیے۔

ازالة رسيح والم اورقضائ عصاجا كفوائد

امام ابن القیم نے اپنی کتاب ناد المعاد نی هدی خیرانعباد " بین کها)
نبی کریم صلی اندُ علیہ وسلم کی ایک برابت وہ ہے جے سبخاری وسلم نے ازالہُ وغم والم
کے پلے ابن عبارس رصنی اندُ عند وسے نقل کیا ہے کرنبی کریم صلی اند علیہ وسلم کیلینت
کے وقت رہے ہے۔

مُنن ابودا و دیں ابوبرصدیق رصی التّدعنهٔ سے سردی ہے کہ رسُولُ لَنّہ صفالتُ علیہ وسلم نے فرایا ، مسیبت زدہ کی دُعائیں ہے ہیں ۔
" آدته مُرّ آرَخُو رُخَعَد کَ مَدَد تَکلُنی ایی نَفْیدی طُدُفَة عَدْن ِ
قدَمُ سُنِه بُو شَا فِی کُلَ اللّه اللّه آئِتَ ہُدہ اللّه مَانِد کُلی اللّه اللّه آئِتَ ہے۔
اللی میں تیری چمت کا اُمید اُرا ہوں ، سومجھے کے مجرے ہے میرے

نمنس تحسیر دنه فرما اور میاتمام حال درست فرما دیمیریسوا مولیمستی عیا دت نهین ؟ مولیمستی عیا دت نهین ؟

اسی میں حزت اسماً بنت عیس رضی الله عنها سے مروی ہے کہ رسُول الله صلے الله علیہ وہم نے جھے سے فرط یا ، میں سجے صب سے وقت بڑھے جانے والے کلمات زبا وُل آئلہ آبلہ دَین کو کُنسولے به شنیعاً ۔ " الله الله میل بردردگار ہے جس کے ساتھ ہم کسی چیز کو شرکی نہیں مجمل تے " ایک روایت میں میل بردردگار ہے جس کے ساتھ ہم کسی چیز کو شرکی نہیں مجمل تے " ایک روایت میں ہے کہ یہ سات یا ربڑھ جائیں ۔

مسندامام احمد بن منبل ہیں ابن مسعود رصنی اجترعنہ سے حضوصلے المتّدعلیہ کم کا پرارشا د مروی ہے کہ جوبندہ رہیج وغم سے وقت پر دُعا پڑھے :ر

" اَللَّهُمَّ إِنَّ عَبُدُ قَ ابنُ عَبُوكَ ابنِ اَمَتِكَ نَاعِيكَيْ بِيَدِكَ مَا عَبُ اللَّهُمَّ اللَّهُ عَدُلُ فِي اَعْمَا وُكَ اسْتَالُكَ بِكُلِّ المُهُمَّ حُتُ مَا عَنِ اللَّهُ عَدُلُ فِي اَعْمَا وُكَ اسْتَالُكَ بِكُلِّ المُهُمَّ حُتُ اللَّهُ عَدُلُ فِي اللَّهُ اللَّهُمُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ ا

تھے۔ اور اس کا رہے وہم دور فرائے گا اور اس کی جگر احت وسکون عنایت فرائے گا
اللہ تعالیٰ اس کا رہے وہم دور فرائے گا اور اس کی جگر احت وسکون عنایت فرائے گا
تر ندی میں صفرت سعدر منی التُدعة وسے روایت ہے کہ رسول التُدصل الله
علیہ وسلم نے فرایا بوجھی والے رئونس علیالسلام) کی وہ وُعا جمھی کے بیٹ میں
امنوں نے مانگی ۔ لَّهُ اللهُ آئِتَ سُبُعَائِدَ اللهُ حَمُنَةُ مِنَ الظّالِينِينَ ؟
ترے سواکوئی سچا معبود نہیں تو گاک ہے ، بے شک میں ہی زود تی کرنے والوں میں
سے بھوں یک جسمان کسی بھی مقعد کے یہے کسی بھی وقت پڑھے، قول ہوگی ہے

ايك اورروايت ميں ہے، بيتك ميں ايك ايساكلم عاتما ہول جے كوئى بھى معيبت زدہ کے انتداس کمشکل مل فرما دے و وکلم میرے معالی پُوٹس کا ہے رعالیہ الم وں شنن ابوداؤد میں ابوسعید خدری رصنی الندعند سے روایت کرایک ون رسو الترصيع المترعليد والممسجرمين واخل بؤكة تووبال ايميانصارى يرحبنين ابواما مركهاجأنا تعالمًا ويرى فرايمسجرس وقت نماز كے علاوہ باعرض كى بارسول الله! غم اور ترضى مياييجيانهين مجودت، فرمايا ايساكلمدند تبا وُل مب كرير صف سے الله تياغم دُور اورقرضے دوا فرا دے بھامیں نے عرض کی اِرسُول اللّٰد بتا کیے . فرایا جنبے و نشام يِرُها كرو" وَاللَّهُمَّ إِنْ اَعُودُ بِكَ مِنَ الْهَيِّمَ وَالْحُنُونِ وَاعْوُدُ بِكَ مِنَ الْعَبْرُ وَاٰلِكُسُيلَ وَآعُوٰدُ بِكَ مِينَ الْجُنِنِ وَاٰلِجُنُلِ وَآعُوٰذُ بِكَ مِنْ عَلْبَةٍ

الدَّيْنِ وَقَهُ بِدِ الرِّجَالِ "

اللى ميں مجھ سے بنا و مالكا بول غم دالم سے اور کھے سے بنا و مالكا بول-ماجزی وستی سے اور بھے سے بنا و نامختا ہوں کرزد کی اور بخیلی سے اور سے سے بنا ہ فائلہ ہوں قرمن سے بوجھ اور لوگوں کے دباؤ سے ! كهاكدمين فندا سع برها اسوادت فعمراغ وورفعا يا درميرا قرض ادا فسؤديا-شنن ابودا وُدمیں ابن عباسس بنی انتدعنما سے روایت سے کدرسول اللہ صلی افتدعلیہ وسلم نے فرط یا ،جوکوئی بمیشہ استعفار برعمل کرتا رہے ، افتدا سے ہرغم سے نبیات، ہڑنی سے فاخی اورجہاں سے وہم وگمان بھی نہ ہو، وہاں سے اسے آ

مسندمام احمد میں ہے جب نبی کریم صلے افتدعلیدو کم پرجب کوئی پرلیٹان مورمورة كانفازى طرف ليكت ، التدني فرايا ، وَاسْتَعِيْنُوْمِ العَنْبُرِوَ الصَّلُوَةَ - صَبِرَمَا رَحَمَاتُه مِدُ مَا نَكُو "

سُنن میں ہے جا واپنے اورلازم کرلو، کہ وہ جنت کے دروازوں سے ایک ہے۔ جس کے ذریعے اسٹر تعالیے وگوں سے رنسج وغم دور فرما تا ہے ؟

ابن عبالس رضی الشرعن سے دوابیت ہے کہ نبی صلی الشرعلیہ وسلم نے فرایا جس کے غم والم زیادہ ہوجائیں اسے لا حول ولا قدّة الآیا بالله کثرت سے بڑھن اللہ علیہ میں میں مذکور ہے کہ بیجبت کے خزانوں سے ایک خزانہ ہے ۔ اور ترفدی میں ہے کہ جنت کے دروازوں میں سے ایک دروازہ ہے ۔ زادالمعادی عبارت ختم ہوئی۔

وه حدیث جے ابن القیم نے ابن مسعود رحنی المتّرعند کی روایت سے مسئل الم احد کے حوالہ سے نقل کیا ہے۔ اکتہ م آئی عبد کے ابن عشید الوصول الموصول الموصول سے متعلق سیّدا تھ دھلان نے ابنی کتا ب تقریب الاحول فی شعید الوصول سی فروایا، اسے حافظ المسندری نے آل توغیب وال ترحیب اور تسطلانی نے اُلو حدید کرکیا ہے۔ اوراسے کئی صحابہ کوام نے دسول ادلتہ صعے الله علیہ ممروع الله علیہ معروع الله علیہ اور بحثرت مسعور رصنی الله عند شامل ہیں اور بحثرت مدن میں عبدالله بن معروع میں امام احدین حنبل شامل ہیں ۔ خلاصہ بیکہ محدثین نے اس کی سخریح کی ہے جن میں امام احدین حنبل شامل ہیں ۔ خلاصہ بیکہ یہ حدیث میں امام احدین حنبل شامل ہیں ۔ خلاصہ بیکہ یہ حدیث میں امام احدین حنبل شامل ہیں ۔ خلاصہ بیکہ یہ حدیث میں امام احدین حنبل شامل ہیں ۔ خلاصہ بیکہ یہ حدیث میں امام احدین حنبل شامل ہیں ۔ خلاصہ بیکہ یہ حدیث میں امام احدین حنبل شامل ہیں ۔ خلاصہ بیکہ یہ حدیث میں امام احدین حنبل شامل ہیں ۔ خلاصہ بیکہ یہ حدیث میں امام احدین حنبل شامل ہیں ۔ خلاصہ بیکہ یہ حدیث میں امام احدین حنبل شامل ہیں ۔ خلاصہ بیک

ولوَّالِلهُ الدَّاللهُ ألكَسِيمُ الْعَظِيمُ ، سُبُعَانَهُ تَبَامَ نَعَ الله دَبِ الْعَدُشِ الْعَظِيمُ الْعَظِيمُ الْعَشَدُ مِنْهِ دَبِ الْعَالَمِينَ *

حنرت عبدان شرب جفراس کی تعقین کرتے اور بیار پر بڑھ کر دم کرتے اور بینیوں جہ سے جے غربت کا احسانس ہو اسے کھا تے ، نووی نے کہا موغوک بنیا رکامریفن مغتصبه وہ عورت جس کا برشتہ فا ندان سے بامبر کباگیا ہو فرایا کتاب ابن سنی میں اور وضی انڈون نے مروی ہے کہ رسول انڈوسلی انڈ علیہ وسم نے فرایا ہج موری ہے کہ رسول انڈوسلی انڈ علیہ وسم نے فرایا ہج موری میں موری ایا جو معیدیت میں پڑھے انڈ تعالیٰ اس کی فرایا ہے گا ؟

الدهمی نے مسئدالفرد وسس میں ابوقا وہ رصنی احتدعت کی زبانی نبی صلی احتد علیہ کا یہ فرمان نقل کیا ، جو تعلیمت کے وقت آیة الحرسی بڑھے ، احتداس کی مدُفرما آ ہے۔ حاکم وغیر نے ابو ہر رہ ورسنی احتّد علیہ سے یہ روایت نقل کی ، کر حب مجھے کو تُی حد بہنی ، جبریل علایسلام نے اکر کہا ، اے محمّد ! یہ فرما وُ، میں نے اس زندہ فرات مرسکیا جو نہ مرّ ہے گا ورسب تعربیف اس احتّد کے یہے جوس نے کوئی بیٹا نہ میں اور جس کوئی بیٹا نہ کے اور الا کوئی بیٹا نہ کے اور الا کوئی بیٹا نہ کے دوالا کوئی بیٹا نہ کے دوالا کوئی الدی کہ کھور کی اور الدی کوئی بیٹا نہ کے دوالا کوئی الدی کہ کھور کی دور الدی کوئی بیٹا نہ کے دوالا کوئی الدی کہ کھور کی میں اور جس کوؤ آت سے ہی نے والا کوئی لمدگا کہ میں اور اس کی خوب بڑائی بول کا

ابن السنی نے سعد بن ابی وقائس رحنی الندعن کی زبانی بی کریم تسلی الندعلیہ ابن السنی نے سعد بن ابی وقائس رحنی الندعلیہ بیماری یہ ارشا دنقل کیا ۔ بنے شک مجھے ایسے کلمہ کا علم ہے۔ جسے نود مصبیب زود پرھے ۔ مسلی کی تعلیف دو وربو . وہ جسے میرے بھائی ٹونس علیالسلام کا کلمہ ، جواند هیروں میں ان کی زبان سے شکلا تھا ۔ ان کی زبان سے شکلا تھا ۔

"لاّ ولهُ الدَّانَةُ سُبُعَانَكَ إِنِّي كُنْتُ مِنَ الظَّالِينَ"

ترجه المراد الم الما المولى سي المعنود نهيس . تو ياک جه ، بيشک مين ابا و آن کرنے والوں بين الم الله الله الله ا ابن العنرليس نے سيميٰ بن کفير سے روايت کی ، جوصبح کے وقت سور وکيس برا سے ان م کم خوشی میں رہے گا ۔ اور جوشا م کوم شرعے مجمع کا میں رہے گا ، ممبی :

بات مجرب كرنے والول نے بتائی ہے -

امام احد نے اپنی مسند میں نبی صلی الله علید ولم کا یہ فران تقل کیا، جس کسی

مفييت ينج اور وه كے .

" وتَا يِنْهِ وَ وَنَّا اِلَيْهِ وَرَجِعُونَ ، آللهُ مَّ آجِدُنِيْ فِي مُعِيلَتِينَ وَاخْلُفُ لِيُ خَسَيُرًا مِنْهَا "

لانتشك بم المذكر يلي اور بي تشك بمين اسى كى طرف اولنا ہے۔ اے افتر! مجےمیری محصیبت میں اجردے اور اس کی جگ الس سے

بترعطافها "

التدائس كواس مقيبت ميں اجر ذے كا درائس كى جد بهترعطا فراكا. حقيلى نے حضرت جا ہر رصنی المنٹرحنہ سے روابیت کی مررسول المنڈصلی المندہ نے فروایا لا تحول وَلا فَوْ اللّه بِاللّهِ عِنْرِت سے بِرُحو، بِيْنَك يَنْكِيف كَ

وروازے بند کرتا ہے جن میں کمتر در وازہ غم ہے۔

ترمذی نے ابوہرریہ رضی المنزعند سے روایت کی کرجب ہی صلے المنزع كوكو تى بات بريشان كرتى تواب اينامستراسان كى طروت المتحاكر پڑھتے . شد

الله الْعَظِيمُ اورجب خصوصى وُحا ما شكت تويَاحَينَى يَافَيْتُومُ فرا تَهُ ؟

امام احد نے علیت بن جعفر رصنی الله عنها سے روایت کی کرحب بی

عديد مركو في مسئل دييش ہوتا تواپ فرات، ولا الله الدَّادلة الحسيليمُ أنكرنيمُ سُسُبُحَانَ اللَّهِ رَبِّ الْعَرُشِ

الْعَيْظِيمُ ٱلْحُسَنَدُ يَلْهِ رَبِّ الْعَاكِمِينَ "

ترمذی نے صفرت انس منی الندعن سے روایت کی کرجب بھی ہی الدعديد والمركوكي برديثاني لاحق بوتى وآب يرصة .

"يَاحَتَى يَافَيَوْمُ بِرَحُمَيْكَ (سُتَغِيْثُ " اس كوما كم نے عبداللہ ابن مسعود رحتی اللہ عند سے ال الفاظ میں روایت كيا ابنى كريم صلى اللہ عليہ وسلم برغم والم كی حالت طاری ہو تی . تو آب فرما تے :ر

بخاری وسلم وغیر محدثین نے ابن عبارس وضی النّدعنها سے روایت کی کہ اللہ مسلم اللہ علیہ وسلم کھیں نے ابن عبارس وضی النّدعنہ وسلم کھیں ہے وقت بڑھے تھے۔ ﴿ لَا اللّٰهُ اللّٰهُ الْعَلِيمُ الْعَلِيمُ الْعَلِيمُ الْاَلِنَةِ اللّٰهَ اللّٰهُ الْعَدْشِ الْعَلِيمُ الْعَلِيمُ الْعَلِيمُ الْعَلِيمُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ مِن العَلِيمُ اللّٰهُ مِن وَرَبَدِ النَّاسُرِ وَ مَن بُ الْاَسُ مِن وَرَبَدِ النَّاسُرِ وَ مَن بُ الْاَسُ مِن وَرَبَدِ النَّاسُرِ وَ مَن بُ الْاَسُ مِن وَرَبَدِ النَّاسُرِ اللّٰهُ اللّٰهُ الْعَدْشِي الْعَدْشِ الْعَدْشِي الْعَدْشِي الْعَدْشِي الْعَدْشِي النَّاسُرِ وَ مَن بُ الْعَدْشِي الْعَدْسُ الْعَدْسُ الْعَدْسُ الْعَدْسُ الْعَدْسُ الْعَدْسُ الْعَدْسُ الْعُدُولِي الْعَدْسُ الْعُدُولُ الْعَدْسُ الْعُدُولُ عِلْمُ الْعُدُولُ الْعُدُولُ الْعُدُولُ الْعُلْعُلُمُ الْعُدُولُ الْعُدُولُ الْعُلْعُ الْعُلْعُ الْعُلْمُ الْعُلْمُ

> اورطبرانی نے پیرا صنا فدکیا ہے۔ "احدُوف عَسنِی شَسَدَّد فسُدَ نِ ایمئر ف عَسنِی شَسَدَّد فسُدَ نِ فلال کامشرمجہ سے بچیرہ ہے۔

" آنلهٔ آنلهٔ آنهٔ مَن لَهُ الدَّسْتِ يُلِكَ لَهُ " سَا لَى شَنْ ابوبهريره رصى المُدْعنهُ سِن بى كريم صلى المنْ عليه كم كايدولا

ر وايت كياكر حب م برغم والم نازل بوتوسات باريد وعاير ه-"آندة آلله دين لا أشيك به شيئا" ايك روايت بي ج جب تمين سے كسى يرتبى والم يا بيارى وغيره حديد توتين باريه كه:-و كَتُنْهُ مُنَ إِنَّ لَا مُشْرِكُ بِهِ عَلَيْكًا تَ الس كوالخطيب نے اسماً رحتى التُرعنها سے روايت كيا -الجامة السغيريين بحجبتم مين سيكسى كوغم والم كاسامنا ہوتوك "اَللَّهُ رَبِّي لاَ الشَّرِنُ بِهِ شَلَيْنًا " وس كوطبراني في الاوسط مين حفرت عاكتفر رسني المترعنها سے روابت كيا ہے -المناوى نے كها ، الله كے اسم مبارك كا كوار خول لذت كے يلے ب فرایا اس کامطلب یہ ہے۔ کرحب صدق ول اور خلوص نیت سے کیے تو زہنے وغ ا بوتعیم نے شترا و بن اوکس رصنی المشرعنهٔ سے نبی اکرم صلی الشرعلیہ ک كا يرارشا وتقل كياكد-بِيَ اللَّهُ وَيَعْسِمَ الْوَكِيلِ لُهُ : ہرخوف زدہ سخس کے لیے حفاظت ہے۔ ابن ابی الدنیا نے الذکر میں حضرت عائشہ رصنی المترعنہ سے پر روایت آ كى كرحبب كمجى نبى كريم صلى المتزعليدوسلم كوزيا ده يريشانى بهوتى تواكب اينا دست م النف ستراور دا طرحی منبارک برجھیرتے بھراویر کوسانس لیتے ہوئے قرماتے ب " حَسُسِبِيَ اللَّهُ وَيَعِسِمَ الْوَكِسُيِلُ "

Marfat.com

ومحے الدّ كافى ب اور بہترين كارساز "

اورجب مجمى نبى عليالسلام كورسيج ووكه مهنجيا توسأت؛ ٠٠ -متحسِّينَ الدَّبُّ مِنَ الْعِبَا دِحَسْنِيَ الْخَالِقُ مِنَ الْمُخْدُوْفِ ﴿ سَى الْرَال مِنَ الرَّرُ وَقِينَ حَسُينَ الَّذِي هُوَحَسُينَ، حَسُينَ اللَّهُ اللَّذِي لَدَّالِيَهُ الدَّهُوَ عَلَيْسِ تَوكَلَّتُ وَهُوَرَبِ الْعَدُشِ الْعَظِيمُ لِ سوجوكو أى اسے برمے ، اللہ اسے دنیا واخرت سے تمام ارم سے محفوظ فرمائے۔ میج دسنن ، ابوداؤ دمیں ابو در دأ رمنی الترعنہ سے دروی ہے۔ کہ رسول اللہ صد الشعليه وسلم ندفوايا ، جوكونى صبح وثنام سأت باربرير سے . وحشيتي الله لآلا إله الآهو عكن تُوكَّتُ وَحُسوَرَبْ الْعَرْشِ الله السركة مام رسى والم كودور فرمائ كان يتح بول يا جُوكَ: فوالدالسنوى رهمانترس بعجوك في أيت مُبارك الله كَانْ كَانْ عَلَيْكُ في المَانْ الله المانون وهمانترس اورة يت مُباركه مُعَتَدّ دَسُولُ لَلْهُ وَلَيْلَة وَكُلُ الله الحكراب في يالس ديك يا زوير بالده كر) ركه -تمام حالات مس اس برنطف وكرم رب گا- انند دشمنول برانس كى مد د فرما شے گا جمام رسیج وغم اس سے و مور بول سے۔ یہ دونوں آیسی طا سری و باطنی امرانس سے سیا ت د بنے میں مبت مُفید میں مصا ف شقھ سے برتن پر سکد کر د صولیں ، زیتون او کلاب کے عرق میں ملا کر بھیوڑ ہے تھینسی اور زخموں اور ورم پر لٹکائیں ، انشا انتد) حبلہ ہی الم ہ با مے گا. یدنسنی مجرب سے صبح ہے۔ یہ دونوں آتیں تمام حروب معجد کی جامع ہیں۔ الدير بي في شيخ الوالعبالس الحريثي رمنى الشُّدعنة كايه قول نقل كما به يمد بسي و غم كے ازال كے يلے يہ وعا مانكى جائے -

كَامَّىٰ كَدَّمُ لَا يُحَدِّ لَ يُحَدِّ لَ وَقَطَى وَ لَا لِيرَ لَا قَصِفَتُهُ تُلُهُ وَاللَّهُ وَاللّهُ واللّهُ وَاللّهُ وَالل

الله على المستيدي الحدث الله التقوى والحل الكفترة وحسلة المله ومني والحل المنفقة وحسلة المله ومني المستيدي المحت والمراب ومني المدسيدي شيخ علوان الحوى نه ابني كما به مسبة الهله ومفت الله ومفت الدلاسية أي وكركيا ب ربح والم كو و در كر نه كما الم عار في الله ومفت الدلاسية أي وكركيا ب ربح والم كو و در كر نه كما الم عار في الله المفنل يُسعن بن محد المعروف بابن النوى كى وعا المتفرج ب مي بزرگ مغرب بين وي منا م مغزا لى اس بين جاليس الشعار بين بيلا شعري من من من من الم عنوا لى اس بين جاليس الشعار بين بيلا شعري من من الم عزا لى اس بين جاليس الشعار بين بيلا شعري من من الم عزا لى اس بين جاليس الشعار بين بيلا شعري من من الم عنوا لى الم عنوا لى المن بين والمن المنا والمن المنا والمن المنا والمن المنا والمن المنا والمنا والمنا

أسيام

شیخ عوان نے کہا قابل اعما و ہوگوں کی ایک جاعت سے منقول ہے کہ یہ مطلع اسم اعظم مرشتمل ہے اور جرکوئی اس سے ذریعے دعا ما بھے قبول ہو تھی الدین سبی کر جب کوئی تعییف ہوتی تو یہ تعیم مراج ہے تہ جیسا کہ ان کے صاحبزاد سے تاج الدین سبی کر جب کوئی تعییف ہوتی تو یہ تعیم مراج ہوتے ہوئیں کہ ان کے صاحبزاد سے تاج الدین رحمۃ احتیا میں اسکی ماج شخص با وصنو ہو کر بحضو تھل ہے۔ میسا تھ اسے جالین بار بڑھے اور کسی سے بات نہ کر سے بچراف کہ سے سوال کرے۔ اس کی حاجت ہوری ہوگی ۔ قربا یا بھالیون کے وقت جن وظائف کو پڑھا مفیسہ ہے۔ اس کی حاجت ہوری ہوگی ۔ قربا یا بھالیون ہے ۔ اس کی حاجت ہوری ہوگی ۔ قربا یا بھالیون ہے ۔ اس کی حاجت ہوری ہوگی ۔ قربا یا بھالیون ہے ۔ اس کی حاجت ہوری ہوگی ۔ قربا یا بھالیون ہے ۔

ع آمِنْ تَذَكَّدِ جِسَيْدَ انْ سِنْ مَ سَلَم الْمَعَ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ مَعَ اللهُ الله

إِنْ قِيسُلَ مَتَىٰ ذَاكَ مَتَىٰ - آفرتك " مجدافتدى مهروبى كالميدب وداكر بوجياجا ئے كب كب و توسي كي فيس كتا اور اكر بوجيا جائے كب كب و توسي كي فيس كتا اور ہوجا تا ہوں) کما کالیف کے ازا لے سے لیے جن کواڑما یا گیا ہے ان میں ابوالقاسم سی كرابيات بين - ه يَا مَنْ تَدِى مَا فِي الفَّمْدِينِ وَكَنْ مَعَ عُ - اخْرَك جربُ ك مشہر ہیں۔ اے ول کی بیس دیجنے، شننے والے! "اس متصد کے یعے جرکهاجاتا ہے اومِشهور ہے۔ ایک جدیہ ہے۔ کم یلٹومین تطف خفیتی، اخرتک بجرین علوان فرما تے ہیں خوف وخطر کے متا مات برحب جیز کی طرف مبت توجہ وینی جاہیے۔ وہ امام شافعی کی دعاہے۔ آگے اس کو ذکر کیا ہے۔ وہ وہی دعا ہے جواس خاتمہ سے کھے میں طبقات ابن میکی مے حوالہ سے ذکر ہو یکی ہے۔ جو دراصل رسول احتر صلے الشرعليدوم كي وه دعا جعج آب نے غزوہ احزاب سے موقع پر انگی تھي -جسے الم شافعی نے روایت کیا ہے جبیا کر گذرچکا ہے ۔ میں کہتا ہوں ازالہ تکالیف سے یہے ابن سوی کی مناجات کی طرح امام غزالی کی مناجات یمی ہے ،جس کی استداس کے

النيسة المؤدن بالمهمة يارب المنظمة المؤدن بالفرية المؤدد المنظمة المؤدد المنظمة المؤدد المنظمة النظمة المنظمة النظمة النظمة

دنیاوائفرت کی کالیف بجنول درانسانول کے تنبراور افات سے ضاظت سے متعلقہ فوائد

شیخ ابوالحن الشا ذلی تُدُس سِتر العزیز نے کتاب الاختصاص من الغواشد الفوائد والحواحث بیں فرایا جرشخس یہ جا ہے کہ انتر تعالی تمام معاطلات میں الس کے یہے کا فی ہوجائے بیمام مخلوق کے تشریع ہی اور اپنے وسیع نفسل و کرم سے عطا فروائے ، وہ ہرروز رات ون میں تحسُنُدنا الله وَنعَمَ الْوَکِینُ الله والله تعالی حروف سے عد و کے برابر . . ہم بار و حدیث میں کیا ہے کہ ابراہیم علیالسلام کو انٹرتعالی نے اکشی تمود و سے اسی وظیفہ کے ذر بیلے شیخات بھنی تھی۔

اس بات كوستيم صطف البكرى نے شرح تعذب النووى" ميں وكركيا ہے۔

البرّار نے حضرت انس رصنی اوٹٹرعنہ سے روایت کی کررسول اوٹٹرسلی اوٹٹر

عليه وسلم نے فرما يا ،جب اپنے بستريرا ئے ،سور و قاسحدا ورسور و افلاص پڑھے تعنی

مَنْ هُوَ اللَّهُ أَحَدُ الزيم توتوموت كيسوا برجيز عفوظ بوكيا-

کوئی نابسندیده چیز بیگل بربڑھ کردم کیا جائے ، انشا النّدا فاقد ہوگا ۔
امام سبخاری نے ابوہریدہ رضی النّدعنہ سے تصدُ صدقد کے ضمن میں نبی صلے اللّٰه علیہ وقع کا یہ فرمان نقل کیا ہے جب بستریدا و آئیت الکرسی بڑھ لو، اللّٰہ کی طرف سے بہینتہ تم پرایک می افظ رہے گا ۔ اور صبح کا کا در صبح کا کا دائے علیہ وہ بڑا

جمومًا ہے۔

جنوا ہے۔ الحامی نے اپنے فوائد میں ابن سعود رضی اللہ عنہ سے روایت کی ایک شخص نے کہا یا رسول اللہ المجھے کوئی ایسی چیز بٹا دیسے بجس کے ذریعے اللہ تعالیٰ مجھے فائدہ دی، فرطیا آیت الحرسی بڑھا ۔ یقیناً اللہ تعالیٰ تیری ، تیری اولا دکی ، تیرے گھرکی میں ن کیس کر تیرے اردگر و کے چند گھروں کی بھی ضافلت فرائے گا۔ الدینوری نے اپنی کتا بالمجالستہ میں حسن بصری رصنی اللہ عنہ سے روایت نقل کی کہ نبی اکرم صلے اللہ علیہ ہملے منے فرطیا ، میرے پاس جبریل علیالسلام آئے، انہوں نے کہا ایک مرکش جن آ کے نقصان بہنچا نے کی کوشش کرے گا۔ للذا جب انہوں نے کہا ایک مرکش جن آ کے نقصان بہنچا نے کی کوشش کرے گا۔ للذا جب سے بسیتر رہتشر لیٹ لائیں قوایۃ الکرسی بڑھ لیا کریں۔

ابن السنی خصین ابن علی رصنی المتُرعنها سے روایت کی ،کدنبی سلی المتُرعلیهُم فرط یا، میری اُمّت سے یہ و جہ و بنے سے بیجنے کی لوُعا یہ ہے یہ حب کششی میں سور

بهول تويه يرهيس-

ينميادلله فجنه ها وَمُدُسُهَا إِنَّ رِيْ لَغَفُوْنَ مَ حِيدٍ اللهِ وَمُدُسُهَا إِنَّ رِيْ لَغَفُونَ مَ حِيدٍ ا د المتركنام سے ہے الس كامين اور عمر فا ، ب شك مرارب بخشف والا مهربان ہے ؟ وَمَادَّدُ مُ وُ اللّهَ حَقَّ قَدْ مِ مِ مِن اللّهِ عَقَ قَدْ مِ مِ مَن اللّهِ عَقَ قَدْ مَ مِ مَن اللّهِ مَن اللّهُ عَقَ قَدْ مَ مِ مَن اللّهُ مِن اللّهُ عَقَ قَدْ مَ مِنْ اللّهُ مَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ مِن اللّهُ مِنْ اللّهُ مِن اللّهُ مِن اللّهُ مِن اللّهُ مِن اللّهُ مَنْ اللّهُ مِنْ اللّهُ مَنْ اللّهُ مِن اللّهُ مَنْ اللّهُ مِنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مَنْ اللّهُ مَنْ اللّهُ مِنْ اللّهُ مِنْ اللّهُ مَنْ اللّهُ مَنْ اللّهُ مَنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مِنْ اللّهُ اللّهُ مِنْ اللّهُ مِنْ اللّهُ اللّهُ اللّهُ مِنْ اللّهُ مَنْ اللّهُ اللّهُ اللّهُ مَنْ اللّهُ مِنْ اللّهُ اللّهُ مِنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ مِنْ اللّهُ اللّهُ مِنْ اللّهُ مُلْ أَلّ اللّهُ مُنْ اللّهُ مِنْ اللّهُ مِنْ اللّهُ مِنْ اللّهُ مِنْ اللّ

وارمى نے يافظ نقل كيا ہے۔ تم يَدَ شَينًا يَتَ حُدِينَ الله الله

چيزمنس ديڪ گاه

روایت کارمیں نے کہا ، یا رسول اللہ ایک شریع ہے نگا کرتا ہے ، فروا یہ پڑھا کو ۔

آعُودُ کی بیک تِ النّا مَاتِ آگئی لایک آو مُک بی و کو کا کاجے ۔

مین شکری ما آف کَ کی الکرٹ ھیں کو مین شکری ما یخنس کُر ہُ مین شکری ما یخنس کُر ہُ مین میں میں شکری ما یخنس کُر ہُ کی الکرٹ ھی کو جا کے کہ ایک مین میں اللہ کے اللّا ما ایک ایک ما ایک ایک ما میں اللہ کے ان کا مل کھا ت کی بنا ہ ما میک ہم رہے اور جو زمین سے بھے میں اور جو اس کی زمینی مخلوق کی شرسے اور جو زمین سے بھے اس کے شرسے اور جو آسمان سے امرائی میں اور جو گھتا ہے اس کے شرسے اور جو اللے کا کے ساتھ دات کو ایک ہے ۔ اے بہت رحم فرمانے والے کا

فراياس نے اس پھل كي سوان نے اس كومجدسے و فع كيا -

طرانی نے صغیر میں صنرت الس رصنی انتدعند کے حوالہ سے نبی کریم صلی اللہ معلی اللہ معلی اللہ معلی اللہ معلی اللہ م حدیدہ م کا یہ ارشا دنقل کیا ، جب کسی سبتی میں اذان دی جائے ، انتدائس کواس دن کے عذاب سے مجالیہ ہے ۔

ابددا ود، ترندی ، نسانی ادرابن ماجد نے صفرت انس رصنی الندع نہ سے روایت کی رسول الندع نہ سے دائیں کا ل کے رسول الند صلی الندع ملے والی ایم سے والی ہج بیدا ہو، الس سے دائیں کا ل کی رسول الند صلی الند صلی الندم سے والی میں النام سے دائیں کا اللہ میں النام میں النام سے کو امم الصبیا ن دسوکو ای کہ بیاری میں والی میں ہے کہ اس کے دائیں میں النام سے کا اس بینے کو امم الصبیا ن دسوکو ایک بیاری میں ہے گئے۔

صريت تربيت ميں ہے جشخس چھے ۔ اکٹھ تا تا استنہ وت اکتئبے وہ تا تا انعزی اُلعظیم اِکھنے کی

كُلَّ مُهِمْ مِنْ حَيْثُ شِيعُتَ مِنْ آيُنَ شِعْتَ " اعدادت إسأت اسمانون اورعرش عظيم محمالك! مجع كفايت كرم رويشاني سے جہاں کہیں سے جا ہے " افترتعالیٰ اس کی پریشانی دُور فرائے گا-الس كوا لخوانطى نے اپنى كتاب مكادم الاخلا" ميں ذكركيا ہے -الخرائطي في مكام الدخيلة بي مين صرت ابن مسعود رصني المندعية سے سروعاً ر وایت نقل کی کرجب تمهیں کسی سے اکسی قسم کا خوف ہو تو سے بڑھو ، -اَللَّهُمَّ رَبِّ التَّمَا وَيَه السَّبْعِ وَمَا فِيهِنَّ وَسَرَّجَ جِبُويُلَ وَمِيكَايُلُ وَاسْسَوَا فِيْلَ كُنُ إِنْ جَارًا مِينُ فَلَانٍ وَآشْسَاعِهِ آنُ تَكْوَلُوا عَلَى ٓ آوُدَنُ تَيْلُغُوْ اعَلَى عَزَجَارُ اللَّهِ وَجَلَّ ثَنَّاءُ لِهَ وَلَا لِلْهَ الدَّ آئْتَ وَلاَ حَوْلَ وَلاَ قُسُوَّةً الدَّبِكَ -اسے دنٹر! سائٹ اسمانوں اورجو مخلوق ان میں ہے اس کے مالک! جبریل ا در اسافیل سے مالک ! میری بناه بن جا ، فلال اور اس جبیو سے اکد مجھ برزیا و تی کریں ، یا چڑھ ووٹریں تیری بناہ غالب اور تیری حمد و ثناً مبند د مرتب ب - ۱ ورتیرے سواکو کی مستحق عبا دت نہیں اور بری سے چھیرنے اور نیکی کرنے کی طاقت تیرے ہی سہار سے " اور صديث مشريف مين ايا جيجوكو كى شام كے وقت -"بِيْمِ اللَّهِ الَّذِي كَا لَا يَعَنُ تُرْمَعَ النِّيهِ شَيْحٌ فِي ٱلدَّرُ عَنِ وَلَا نِي النَّمَاءِ وَهُوَ النَّمِيثِيعُ الْعَلِيمُ " .. "مین بار پڑھے ، اسے مسیح تک ناگهانی منسیب تنہیں بینچے گی - اورجو کوئی منبح سے وقت اسے تین باریڑھے، شام کم ناک فی مصیبت سے محفوظ رہے گا۔ لسے ابوداوروا

Marfat.com

ابن حبان اور الووا وُ وبن عفان رصى التّرعن سعدوايت كيا-

ترمذی کی روایت میں ہے۔ " تئے یَفٹ تَدہ شتنی " اسے کوئی شے ضرر ند دے گی ؟ ترمذی نے اسے میچے ہمین کما ہے و

مشئوة میں صنوت بان بن عثمان رصی انترعنها سے روایت ہے کہ میں ہے لینے والد دعثمان غنی رصنی انترعنها سے روایت ہے کہ میں ہے لینے والد دعثمان غنی رصنی انترعنی سے شناکہ رسول انترمبلی انترعلیہ وسلم نے فرط یا بہرشخص ہرروز صبح وشام تین بار -

ر عصام من ور "ينيم الله الآندي لا يَضُوعَمَ الله الله الله الدُن الدَّرُ السَّمَاءَ وَهُوَ السَّمِيْعُ الْعَلِيمَ" "الله معنام سيحس معنام ميس تحارين واسمان مين كوني جير كليف

منين منياسكتي اوروسي سننے ماننے والا ہے ؟

ير ص اسے كوئى تعيمت نہ ہوگ -

معنرت ابان رصنی الله عنه کوفالج موگیا، ایک شخف ان کی طرف دیجھے لگا صفر ابان رصنی الله عنه کا مختر ابان رصنی الله عنه نے فرطایا، کیا دیجھتے ہو ہس کے جعید میں ہے جعید میں ہے میں اللہ عنہ موں ۔ میکن میں نے اسے پڑھا ہی نہیں تاکہ الله تنه تعالے محکرنا چا ہے کرے۔ اسے ترفع ہوا ور ابوداؤد نے روایت کیا ۔

ابن الحاج نے المدخل میں کھا ہے کہ ایک شخص خت پرلیٹانی میں مبتلا ہوگیا اس نے اپنی پرلیٹانی شیخ ابن ابی جروصاحب مختق البخاری سے بیان کی ۔ شیخ نے خواب میں نے کریم صلی اخذ علیہ وسلم کو دیکھا ، آنجے اشارہ کرتے ہوئے اس شخص کے لیے یہ وظیف مقرر فرمایا ہ

الله وَحُدَهُ لَا شَرِيْكَ لَهُ "

بیربارہ رکعات نفل پڑھ، اس کے بعد جو ذہن میں آئے وکھا مانیکے بیرو ونفل پڑھ۔ آخر میں بیچائس آیات اور سور و البقرہ کی آخری آیات پڑھے ، بیمرح بیس رکعت نقل پڑھے۔ بیمریہ دعا مانیکے -

النی مل کرنا توبس تیراط کرنا ہے ہوہم سے ترکییف ومصیبت دور فرا - اے وہ حس کے ہاتھ میں مل کرنے کی گنجیاں ہیں اا درجن وانسان جوبھی ہارا کرا چا ہے۔ توہمیں کفایت فرا اور ا پنے محکم و قدرت سے اپنے منبوط ہاتھوں سے امسے ہم سے دور فرا - بے تسک توہم جا مرقا درسے -

الس نے اس برعمل کیا ، توالس کی تمام کالیت و پریشانی و وربوگئ -بی کریم ملی انڈ علیہ سلم نے اُلسی خواب میں جس کا ذکر ہوا ، فرط یا ، جوکوئی صد تی نیت سے الس برعمل کرسے گا ، انٹراس کی اس ون کی تعلیف وُور فرائے گا .

تکھیاں ا۔ ت

لَدَهُ بَا فِي قَدَانُ آصَابَ فُوادِي آنَ لَا يُفِيدُ لَنَّهُ لَا يُفِيدُ لَنَّى مَعَ الْهِهِ . ترد در مجر مجر مرواه نهين اگر حرم رس دل پر لگے . بے شک اس سے امرے مرسے مام سے ساتھ کو لئے چیز منر منین و سے سے "

امام احدوطبرانی اورنسائی وغیر نے روایت کی ، جیسا کرحسن حسین میں ہے۔ كرنبى كريم صلى المتدعليد وسلم نے فرطايا ، تم ميں سے جب كو كی شيطان وغير سے خوف محسون وید کے ۔ میں افتد کریم کی ذات کی بنا و مانگا ہوں ، جونفع دینے والی ہے۔ اورائد کے ان محل کلمات کی جن سے کوئی نیک و تبریح شیں محت اس کی مخلوق کے شرسے۔جے اس نے ہرطرف بمبیلار کھا ہے۔ اور جرکچھ اسحان سے اترہ ہے ، اس شرے اورجوالس میں چڑھتا ہے اس کے شرسے ، اورج کھ اس نے زمین میں جیگے اورج کھے زمین سے نکت ہے الس کے نشرے ، رات دن کے فتنوں کے نشرے اور سوا شے عبلائی کے داش کو آنے والے کے نشریسے - لے جمن ، السغيرى رحما وللذند ابن لقيم كاكتاب "التبعدة كيموالدسي كالسياكة وثل چیزوں برعمل کرنے سے انسان شیطان سے محفوظ ہوجا تا ہے -اقل - أعُوْدُ بِالله يرضا - وم معودتان يرضا -سوم -آية الكوسى يرضا -ينم - سورة البقره كا خرى آيات - أمَّن الدَّسُول عد أخرك. دہم - فنول بات ،فنول کھانا ، کم نظرا در ہوگوں سے کممیل جُول برکشیطان انہی چار دروازوں سے ابن آدم پرمستط ہوتا اور اپنامقصد بوراکرتا ہے۔ ہم اللہ ا سوال كرتے ميں كوشيطانى جال سے يميں بيائے -

Marfat.com

نوائدانشری رحمة المرعليس بي كدائدتعالى كافران :ر

وَإِذَا قَرَأُتَ الْقُرْآنَ جَعَلْنَا بَيْنَكَ وَبَيْنَ الَّذِيْنَ لَا يُوْمِنْ وَنَ اللهُ فِي مُ اللهُ فِي مُ اللهُ فَا اللهُ فِي مُ اللهُ فَا اللهُ فَا اللهُ فَا اللهُ فَا اللهُ فَا اللهُ ا

ان آیات کو اگر اس اومی پر برطا جائے جوالس کے بار سے میں غلط خیالا رکھ تا ہے۔ ایڈ کے حکم سے یہ صورتِ حال ختم ہوجائے گی۔ اگر اُونی ماکی میں لپیٹ کر خوف کی نے والے کے حبم سے باندھ دیا جائے مانشا سائڈ مجھر بھی یہ پر لیشانی دور موجائے گی۔

فوا گرالشری بیں ہے۔ بعن علما نے کہا ، جو کوئی سور کہ افلاص کی ہمیشہ تلاو سرنا رہے ، دنیا و اخرت کی ہر بحدلائی پائے گا اور ہر نسے سے محفوظ رہے گا ۔ انشا اللہ محبوکا پر شھے توسیر ہو ، پیاسا پڑھے سیارب ہو ، اگر ہرن کے چہڑے پر انکھ کر اپنے بالیس رکھے تو انڈ کے محم ہے جن ، انسان یا کیڑھے کو ڈے ، کوئی شے نقصان وینے کے لیے اس کے قریب زائے گی ۔

الدميرى نے اپنى كما ب حيوة الحيون "بين كرى بركلام كرتے ہوئے فرايا ،
ابومحة عالت رسي بن البيشم المصعبى ، ثما فعى سلك كے اما مول ميں سے ، متصنف البيان
سے بم عصرصالح وعالم بينى عالم سمحے - ان كى كما بول ميں سے ايك احترازات المذب ب
والتعربیت عم منة میں ہے ، بیان کیا جا ہے كہ کچھ لوگوں نے ان پرتلواریں جا کہ میں اللہ الماری الم

ففرايا اس برصاكرتا تهوا

وَلَا يَؤُدُهُ حِفَظُهِم وهُ وَ الْعَسِلَى الْعَظِيمُ * وَيُرْسِلُ عَلَيْكُمُ حَفَظَةً . إِنَّ رَبِّي عَلَى كُلِّ شَتَى حَفِيظًا، فَا اللَّهُ خَلِيرُحَا فِظَّا وَّحْسَوَ اَرْحَهُمُ الرَّاحِينُ لَ لَهُ مُعَقِبًانٍ مِنْ بَيْنِ يَدَّهُمُ وَمِينُ خَلْفِهِ يَحُفَظُوْنَهُ مِنْ آمْسِ اللّهِ - إِنَّا نَحْسُ أَنَوْلُنَا الَّذِكُرَ وَ إِنَّا لَهُ لَمَّا فِظُونَ . وَحِفْظًا مِّنُ كُلِّ شَيْطًا نِ تَرْجِيْمٍ . وَجَعُّلنَا التَّمَّاءَ سَعْفًا تَعْفُونُظُ - وَحِفْظًا مِنْ كُلِّ شَيْطًانٍ ثَمَا رِدٍ كَلَّ حِفْظًا - ذيك تَعْدُد يُرُ الْعَزِيْزِ الْعَسِيلُمَ - وَمَا يُكَ عَسَلَى كُلَّ سَّنَىٰ حَنِيْظُ، اللهُ حَفِيْظُ عَسِيلِمُ وَمَا أَنْتَ عَلَيْهِمْ بِوَكِيلِ وَإِنَّ عَلَيْكُمْ لَمَا فِظِينَ كِرَامًا كَايْبِينَ يَعْلَكُونَ مَا تَفْعَدُ اللَّهُ وَانْ كُلُّ نَعْسِ لَّتَ عَلَيْهَا حَافِظٌ، إِنَّ بَطُلْقَ رَبِّكَ يشَدِيدٌ، اتَّهُ هُوَ يُهِدئُ وَيُعِينُ دُى وَهُسَوَ الْغَفُونُ الْوَدُودَ ذُوالْعَشِيرُ الْعَجِبُ لَهُ تَعَالٌ إِمَّا يُرِيدُ-حَدَلُ آثَا لَ حَدِيْثُ الْجَنْدُودِ فِيدُعَوْنَ وَتُمَسُودَ ، بَلِ الّذِيْنَ كَفَّ رُوا فِي كَكُذِيْبٍ وَّاللّٰهُ مِينَ وَرَّايُهِ مِ عِيْظُ ، بَلْ هُ وَ قُولُانٌ عِينَ كُذِي لَوْجٍ مَعْفُوظِ "

بیرکما ایک دن میں ایک جاعت کے ہمراہ نکلا ، ہم نے ایک جھیڑئیے کوایک اپا ہے بحری سے کھیل دیجا ، جو بحری کو کوئی نقصان منیں مبنچا رہا تھا ۔ جب ہم ان سے قریب ہُوئے تو جھیڑیا جلاگیا ۔ ہم بحری سے پالس انے توانس کی گردن میں ہے پرمیرایات دندکورہ ، نکھی یائیں ۔ الصعبی مصمیں نوت ہوئے۔

مافظ ابو ذرعد رازی کیتے ہیں ان گرگان دج جان اشہر میں

حافظ الوزرعه رازي كابسيان

الكر بموك الحمى من سے نومزار مكان اور ان مين موجود آنى ہى تعداد مين قرآن مجيد جل كمے -مكر برنسين من درج ذيل آيات محفوظ رہيں .

ذَٰ لِكَ تَعَدُّدُ يُرُّ الْعَرْيُزُ الْعَسِيلِيمُ، وَعَلَى اللَّهِ ذَلِيتُوكَلِ الْمُؤْمِنُونَ ﴾ وَلاَ تَحْسَبَنَّ اللَّهُ غَا فِلاَ عَتَنَا يَعْسَلُ الظَّالِمُوْنَ ، وَإِنْ تَعْلَاثُو نِعْمَتُ لَمَا لَيْهِ لَا يَحْصُنُوهَا ، وَقَعْلَى رَبُّكَ آنَ لَا تَعْبُدُوْا الِلَّا إِيًّا ﴾ ، تَنْذِسُ لاً يَمْنَنُ خَلَقَ الْاَرْضَ وَالسَّعْلُوتِ الْعُسُلَى ، الدَّخْنُ عَلَى الْعَرْشِ اسْسِتُواى لَهُ مَا فِي السَّمَاوُتِ وَحَا فِي الْآرُ مِن وَمَا بَيْنَهُا وَمَا تَحْتَ النُّوٰى - يَوْمَ لَا يَنْفَعَ مَالُ وَلَا بِنُوْنَ الِدَّ مَنْ آتَى اللَّهَ بِقَلْبٍ سَلِيمٌ الْمُتَّيِّبَ طَوْعًا آوُكَدُهًا قَالَتَا أَيْنُنَا طَايُعِيثِنَ ، وَمَا خَلَقَتُ وَ الجِنَّ وَالدِنْسَ الْآلِيَعُبُ دُونِ مَا الْبِيدُ مِنْهُمْ مِينَ يِّزْقٍ وَمَكَا اُرِيْدُانَ يُطْعَبُوْنِ إِنَّ اللَّهُ هُوَالِحَرَّاقُ ذُو القُوَّةِ ٱلْسَيْدِينِ ، وَفِي السَّمَّاءِ رِزْقِكُمُ وَمَا تُوْعَدُ وُنَ ، فَوَرَبُ النَّمَنَاءِ وَالْدَرُ مِنِ إِنَّهِ لَمَتَى يَسْلُلُ إِنَّكُمُ تَنْعِلْمُؤُنَّ -ك مين في يدايس المكرجس سامان مكان اور دكان وغير مين ركمين الله نے اس کی خاطبت فرمائی ۔ انکال الدمیری نے یہ کچھنٹ کرمے کہا ہیں کتا ہوں یہ مندومترب ہے.

روایت اورکها انتعلبی، ابن عطیه اورالقرطبی دغیر نےسالم بن ابی الجورسے روایت نقاری، کنتے ہیں جارا کیسے قرآن کریم کانسخه عُل کیالیکن الس میں فرمانی باری تعالیٰ -

آلة إلى احدة تقييب بنو الدهشة فرسين بن كا ادمار على المراكم ا

مانب بجنو كي شرك بيخ كيد الديم كاقول الديري نه

سانپ او بیچتو کے تشر سے بیچنے کا ایک طریقہ یہ ہے کہ سوتے وقت تین بار پڑھے بہ "آ نحوُدُ بِرَبِ آ دُمَمَافِهِ النَّمِيتِ مِنْ کُلِّ عَفْسِدِ بِوَحَيَّة بِ سَلَامٌ عَلَىٰ نُونِمٍ فِي الْعَالَيْنَ لِنَّاكَذَ اللَّهِ بِخَذِ الْمُحُسِنِيْنَ الْعُودُ وَ الْعَالَيْنَ النَّامَاتِ مِنْ شَسَرِ مَا خَلَقَ ""
بِکلِیَاتِ اللَّهِ التَّامَّاتِ مِنْ شَسَرِ مَا خَلَقَ ""

اورمافظ امام فخ الدین عثمان بن محد بن عثمان النوزری نے جو آن کل محد موسی است بوئے ہیں۔ بیان کی کر میں معرم میں شیخ تنی الدین حرانی سے علم الفرائف دمیرا ، برصاکرا تھا۔ ایک ون ہم بیٹے ہوئے تھے کہ ایک بچٹونکل آیا۔ شیخ نے اسے بچ محرم اتھوں میں ابیجان شروع کر دیا ۔ میں نے کتاب اپنے ہاتھ سے رکھ دی ۔ فرایا پڑھے ، میں نے کہ آپ السی کا فائدہ جا نتے ہیں ؟ فرایا ہاں تیرے پاکسی جی یہ فائدہ ہے ، میں نے کہ آپ السی کا فائدہ جا نتے ہیں ؟ فرایا ہاں تیرے پاکسی جی یہ فائدہ ہے ، میں نے کہ آپ الے فرایا ہج

شخص صبح وشام يرك -

" بِنْمِي اللِّي اللَّذِي لَا يَضَاتُ مَعَ النَّهِ مِ شَبِي فِي الْآمُ مِن

وَلاَ فِي السَّمَّاءِ وَهُوَ السَّمِينِ يُعُ الْعَيلِمُ "

ا سے کوئی شے نقصان نہیں بنیاتی اور میں نے تشروع دن میں اسے بڑھ لیا ہے۔

اورنبی کریم مسلی انتدعلیہ وسلم سے روایت ہے کہ آب نے فروایا ہیم میں شہید کام کھی کی بنبنا بہٹ دا واز) سے بھی پوشنید و ترشرک ہے اور عنقریب میں تمہیں بنا دُلگا کراگر تم نے اسے زبان سے جھے کر بڑھ لیا تو اس سے ذریعے اسٹر تعالیٰ تم سے جھوٹا

برامریشرک دور کردے گا. یہ پڑھاکرو:

" اَللَّهُمَّ إِنِيْ اَعُوْدُ بِكَ حِنْ اَنُ الْسُدِكَ بِكَ شَيْئًا وَآنَا آعُلَمُ مُ وَاسْتَغُفِدُكَ لِمِنَا لَا آعُلَمُ "

اسے تین بار پڑھو۔ انس کو حکیم آرندی نے نوا ورالاصول ٹیں ابو بحرصدیق رصی الدیون سے روا بیت کمیا ۔

قعنا كم عاجات كميك فوائد

المحامل نے اپنے امالی میں عبدافتہ بن نیر رصنی افتہ عنی است بی کریم صلی افتہ علیہ وہم کا یہ فرمان نقل کیا کہ ج شخص اپنی حاجت براری کے یہ ہے سور وکیسس کو امام بنائے اس کی ماجت پوری ہوگی او حافظ سیوطی نے کس اکسس کی شاہد داری کی مرسل روایت ہے ۔ ماجت پوری ہوگی او حافظ سیوطی نے کس اکسس کی شاہد داری کی مرسل روایت ہے ۔ میں نے کما بیٹ میں نے کما بیٹ کے حاشیہ میں بعض افاضل کی بیٹے ریر دیجی و سی میں نے کما بیٹ کے حاشیہ میں بعض افاضل کی بیٹے ریر دیجی و

تضائے ماجت کے لیے بڑا دنے اگرہ

اور فوائدام مشرع میں قضائے حاجت کی صورت ، شیخ ابراتعاسم القشیری رحمداللّہ کی کتاب آ داب الفقی اس کے حوالہ سے اس طرح منقول ہے ۔ مازہ و صنوکر کے دو تشہدا ور د وسلاموں کے ساتھ ہی رکعت نظل پڑھے ۔ میں کعت میں سورہ فاتسی کے بعد وسل بار پڑھے ۔ سرتی آ ڈ ٹلگ سے شیخ آ تا آیت مین آ ڈ ٹلگ سے خسستی و کھے ہیں گئے آتا مین آ ڈ ٹلگ سے بعد وسس بار پڑھے ۔ سری رکست میں قاسمہ سے بعد وسس بار پڑھے ۔ سری رکست میں قاسمہ سے بعد وسس بار پڑھے ۔ سرتی رکست میں قاسمہ سے بعد وسس بار پڑھے ۔ سرتی رکست میں قاسمہ سے بعد وسس بار پڑھے ۔ سرتی رکست میں قاسمہ سے بعد وسس بار پڑھے ۔ سرتی

اسْدُرَ فِي مَسَدُرِي وَيَسِيدُ فِي آمُدِي وَاحْدَلُ عُقْدَةً مِنْ يِسَّا فِي يَعْقَهُ وُ ا فَوْ لِيَهُ الْمِي الْمِيرِ وَالْمَا الْمِيرِ وَالْمَا الْمِيرِ وَالْمَا الْمِيرِ وَالْمَا الْمِيرِ وَالْمَا الْمِيرِ وَالْمَا الْمَيْدَى وَلَى اللّهِ الْمَيْدِ وَالْمَا الْمِيرِ وَالْمَا الْمَيْدِ وَالْمَا الْمُعِيرِ وَالْمَا الْمَيْدُ وَالْمَا الْمَيْدِ وَالْمَا الْمَيْدُ وَالْمَا الْمَيْدُ وَالْمَا الْمَيْدُ وَالْمَا الْمَيْدُ وَالْمَا الْمُعْلِمُ وَالْمَا الْمُعْلِمُ وَالْمَا الْمُعْلِمُ وَالْمَا الْمُعْلِمُ وَالْمَا الْمُعْلِمُ وَالْمَا الْمُعْلِمُ وَلَيْ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الل

ای طرح نماز پڑھے۔ وعاکرے بیونسی تعارف ندکورہ پوری کرے - انشا اُفند تعالیٰ اسس کی ماجت پوری ہوگی -

یہ وُعا پڑھے اگرانتُدانس کی حاجمت پوری کر دے توٹھیک درندمقاتل پرلعنت بھیجے وُعا یہ ہے بر

يِسْمِ اللهِ الرَّحُنُ الرَّحِيْمَ - وَلَاحُولَ وَلَاقُوهَ الآياللهِ الْعَلَى الْعَظِيمُ الْعَظِيمُ الْعَظِيمُ الْعَلَى الْعَظِيمُ الْعَلَى الْعَظِيمُ الْعَلَى الْعَظِيمُ الْعَلَى الْعَظِيمُ الْعَلَى ا

كمن ويزياني كوائد ودائع

ابن السنی نے علیت میں سے کسٹے درصی الٹرعنہ سے روایت کی کرنبی صلی الٹرعلیہ وسلم نے فرط یا جب تم میں سے کسکا جا نور زمین میں گئے ہوجا ہے تو وہ آواز د ہے۔ وسلم نے فرط یا جب تم میں سے کسکا جا نور زمین میں گئے ہوجا ہے تو وہ آواز د ہے۔ یاجبادَ الله یا ایٹ بیسٹ فوا۔ ترجمہ: راسے الٹرکے بہند واسے روا !

بے تنک زمین میں انتر کے رو کنے وا لے بہرج اسے روکیں سے۔

ا مام نوری رحمہ انتر نے فرایا ہے ارے بڑے امل عاشیو نے میں سے ایک نے بڑے امل عاشیو نے میں سے ایک نے

امم نووی کی حکایت

معلوم ہمیں یہ بات بتائی کران کا جانور، میار خیال ہے بچرکا فربایا، بھاگ گیا ، اسیں یہ خد معلوم ہمی ، انہوں نے یہ کلمات زبان سے اوا کیے ۔ اسی وقت المنڈ تعالی نے لیے روک دیا یماکر میں ایک بارایک جماعت سے ہمارہ تھا۔ ان کا جانور بدک کر بھاگ اٹھا، وہ اسے بچرف نے سے عاجز آگئے۔ میں نے حدیث پاک سے کلمات پڑھے، یس دہ جانورکسی اورسبب کے بغیر، صرف اس سے بڑھے سے کھڑا ہوگیا۔

ابن السنی نے ہی امام جلیل سید الوعبد الشریولنس بن عبید بن دیتا رمصری العبی رحمد الشریولنس بن عبید بن دیتا رمصری العبی رحمد الشریع دوایت کی جن کی جلالت علمی ، حافظہ ، دیا نت اور تعوٰی وطهار پرعلی کا آتفاق ہے ، اور مشہور بزرگ ہیں جو کو ٹی سخت بدکنے والے جانو برسوار بوت وقت اس کے کان میں بیرا بیت مرجمہ پڑھے ، الشرے تیم سے وہ جانولی

كا تابع فرمان بوجائے كا.

" آفغَنْدُ دِينُ اللّهِ تَبُغُونَ وَلَهُ آسُلَمَ مَنُ فِي الشَّمَٰوْتِ وَٱلْاَيْضِ مَلَوْعًا قَلَدُهًا قَرَالَبُهِ يُرْجَعُونَ "

کیا افتد کے دین کے سواکھ اور چا ہتے ہو؟ اور زمین واسان کی ہرجیز خوشی یا ناخوش سے اس کے آئے ترتسلیم ہم کیے ہوئے ہے اور تھیں اسی کی طرف لولٹمنا ہے ؟

امام فشيرى نے اپنے مشہور "رسالة فشيرية كے باب كدامات الاوليّ " بين كها

مرحعفر الخلدى كانتيندا كي دريا شے د حبل سي كركي م

موتی دریائے جب رمیں گرگیا

ان سے پانس گم شدہ چیزوالیں لانے کی ایک مجرّب دُعاتھی۔ انہوں نے مانگی تو وہ نگینہ ان کو ان اوراق میں میلا اجنیں وہ ویسے ہی ٹیٹول رہے تھے۔
انگینہ ان کو ان اوراق میں میلا اجنیں وہ ویسے ہی ٹیٹول رہے تھے۔
انقشیری کہتے ہیں میں نے ابوحاتم جستانی کو کہتے شنا کہ میں ابونصر سرح
کویہ کہتے شنا ، وہ دُعا یہ ہے۔

" يَاجَامِعَ النَّاسِ لِيَوْمِ لَا مَيْتِ فِيتِ إِجْسَعُ عَلَقَ صَلَ لَّتِي "

ابونصرسلرے کہتے ہیں مجھے ابوالطبّب کی نے ایک کابی دکھائی ،جس میں تھا تماج کوئی گفتدہ برید دُعا بڑھے ، بل جائے گا۔ الس کا بی سے اورا ق مبت تھے۔

نقیرادسن نبهانی اس کتاب کامولف، اهدانس کومعا ف کرے ،عرض مرداز ہے۔ میں نے بیانسخد کئی بارا زمایا اورمفیدیایا ہے۔

شمابُ الدین احمرشرجی کے قوائد المستماۃ به الصلاۃ والعوات عن بعدن الصالحسین میں تھا ہے کرجب کوئی انسان راستہ بچول جائے، اذان کے افتراسے سیدھا راستہ بتا دیے گا۔

فوائد حول رزق میں اسانی وتوسیع اورادا قون کے متعلق قرض کے متعلق

اس موصنوع پرحافظ سیوطی نے خاص رسالہ الیٹ کیا ہے۔ دحب کا اُردو ترجہ بیش کیا جا تا ہے۔ "انٹد کے نام سے شروع مجور حم فرما نے والامہر وہان ہے سب تعریفیں میں انٹد ہی کے لیے ہیں ۔ اورسلام اس کے برگزیڈہ بندوں ہیں؟

الس كے بعدعرض ہے كدا يك بو چھنے والے فرمجہ سے وہ اذكار وافعال بوچھ بيں - جو صُول رزق كے يك حديث شريف ميں اكم بيں ، اكد ننگ وست اور عزيب أومى ان برلازمى عمل كرے بچريبى سوال يح بعد ويرك كى باركيا ، بين في عزيب أومى ان برلازمى عمل كرے بچريبى سوال يح بعد ويرك كى باركيا ، بين في ان كے بيد رسالة اليف كيا اور الس كانام تحصول الدفق با حول الدذق مكا ، ميں نے إسے دوفعلوں برمرتب كيا ہے .

يهى فسل اذكار و وعساوں كے بيان ميں۔

طبرانی نے اوسط میں ابوہ رہے و منی انتدعنہ سے روایت کی کہ رسول اللہ صلے اللہ علیہ و ایت کی کہ رسول اللہ صلے اللہ علیہ و کھرت ہے وہ کھرت سے اللہ علیہ وہ کھرت سے اللہ کا تکریب الائے وہ کھرت کے) اورجس سے گئاہ زیادہ ہول وہ اللہ سے اللہ کا تکریب الائے وہ کھرت کے) اورجس سے گئاہ زیادہ ہول وہ اللہ سے استعفا

معانی دکرے ، دائستغفیدالله ، کے اورجس کا رزق لیط ہوجائے وہ کثرت سے لا عَوْلَ وَلَا قُوتَهُ إِلاَّ بِاللَّهِ " بِرُ ص

امام احد، ابو واؤد اورابن ماجہ نے ابن عباس منی الله عنها سے روابیت نقل ى كدرسول التدصلى الشرعليدو لم نے فرا يا جواستغفا ربر بمبيشه عمل بيرار ہے اور آئيں ی ہرنگی، فراحی میں بدل دے گا۔ ایسے ہرغم سے نبیات دے گا، اور اسے ایسے ذرا

سے رزق دے گاجواس کے وہم وگان میں بھی نہ بول -

ابن ابی الدنیا نے اسدبن وا دعہ سے مرفوع حدیث نقل کی کہ نبی صلی اللّٰد عديد من فرط ياجوكوفي مرروز شرار لاتحول ولا قدَّة قا الدَّ بالله الْعَلَى الْعَظِيم."

... پر هے کہی غربی اس کے میں آئے گی -

الوعبيد نے وشعب الايمان" ميں اور حارث بن اسامدا ورابولعلی نے اپنی مندس وابن مردویہ نے اپنی تفسیری ، اور بہتی نے شعب الدیمان میں ابن مسعو رضی المترعند سے روایت کی کرمیں نے رسول الترصلے الترعلیہ و کم کوفرط تے ہوئے گئا جوكوتى مررات سورة واقعد مراع است فاقدكشى كاسامنا ندبوكا -

ابن مردوید نے انسس صی انٹدعنہ سے رسول انٹرصلی انٹدعلیہ وہم کایائی ڈ نقل کیا ،سورو واقعد خنی کرنے والی سورہ ہے اسے خود بھی پڑھوا وراپنی اولا دکوتھی

طبانى ند ألادسط مين حضرت عاكشه رصنى الله عنها سع بي صلى الله عليه وسلم كايدارتها وتقل كياكد حبب اللدتعالى في الم عليسلام كوزمين براتر في كاحكم ديا، تو ا ہے خاند کھیں منے کھڑے ہوئے۔ دورکعت نفل بڑھے ، بھرانٹرنے ان کو یہ وصاديهم فرمائي والني إتوميرك باطن وظا بركوجان يصسوبيرى معذرت تبول فرادرمیری عاجت پرتوج فرا ،جوانگل عطافرا ممیرے دل میں کیا ہے ؟تو

جانباً ہے . سومیرے یے میری خطابخش دے اللی ایس تحقیدے ایسا ایمان مانکا بول-جوميرك ول مصمتعلق بود اورسجاليتين ، تاكه مجهيفين بوكد تيرك و محفظ بغير مجع بحميس منع سكتا وادميرى فسمت برمجه راصى ركهنا توالند تعالى في ان كودى كى كرادم إمين . تیری توبه قبول کی ، تیری خطامعا دن فرمانی اورانس دعا کے ذریعے جو بھی مجھیجات كا السيخش دول كا وراس بريشاني سے كفايت كرول كاشيطان كواس سے بهكاؤل كا الس كى تبحارت برتاج سے بهتركروں گا ، دنيالس كے صنور ذليل بوكرها عنر ہوگی -چا ہے وہ الس كا ارادہ مذكرے "الس كى تائيدىسى بيقى كى حديث ہے جے بريدہ نے

ابوتعيم والعطيب غرنبت اور وحشت قبرسے امان کے لیے نے مالک سے

ا وردلمی نے مسندالفرد وکس میں حضرت علی رصنی احتزعنها سے روایت کی کہ رسول احتراس التُدعليه وسلم في قرما باج كوئى مرون تنوبار لا إلنة الدَّا الله الميلك المحسنة و المُسِينين - برط مع السع غريبي اور وحشت قبرسه امان بوكى -

فقروا حتیاج کے خاتمہ کے لیے طبرتی نے ابن معود رمنی اللہ

التُدصلى التُدعليدوسلم في فرطايا ، جوكو فى تقريس واخل بوت وقت عَلَ عُوّ اللهُ أحدًا -پوری سورت پڑھے۔الس گھروالوں اور بڑوسیوں سے فقروا حتیاج ختم ہوگا "

عم اور برلیانی کے ازالہ کے لیے امام احد نے بی بن کعب عمروایت

ک کریسول انٹرمسی انٹرعلیہ کوسلم کی خدمت میں ایک شخص نے عرصٰ کی م یا رسول انٹر! يه فرائيس كم اكريس تمام وتعت آب پر در و دوسلام پر صفيس صرف كر دو و فرايا .

المند تمارے دنیا وہ خرت کی پریشانیوں کے ازالہ کے یاے اسے ہی کانی کرو سے گا؟ طبرانی نے اوسط بیں صنرت عائشہ رصنی اللہ عنها سے ایسی سند کے ساتھ وایت کی جسے الیمی نے صن قرار دیا کہ رسول اللہ صلی اللہ علیہ سلم فرما یا کرتے تھے۔ "آملہ میں آئے تھے آئے تھے۔ لُ آؤست تھ یہ دُقیاتے عسی تی عیشت کے بئی بیستی اللہ میں اللہ میں کا اور اللہ میں کا اور اللہ میں کا اور اللہ میں کا اور اللہ میں کے اللہ میں کے اللہ میں کا اور اللہ میں کی کا اور اللہ میں کا اور اللہ میں کی کا اور اللہ میں کی کا اور اللہ میں کی کے اللہ میں کے اللہ میں کا اور اللہ میں کا اور اللہ میں کی کے اللہ میں کی کے اللہ میں کے اور اللہ میں کے اور اللہ میں کے اللہ میں کے اور اللہ میں کی کے اور اللہ میں کے اور اللہ میں کے اور اللہ میں کی کے اور اللہ میں کی کے اور اللہ میں کے اور اللہ میں کے اور اللہ میں کے اور اللہ میں کی کے اور اللہ میں کی کے اور اللہ میں کے اور اللہ میں کا اور اللہ میں کے اور اللہ میں کی کے اور اللہ میں کے اور اللہ میں کی کے اور اللہ میں کے اور اللہ میں کے اور اللہ میں کی کے اور اللہ میں کے اور اللہ میں کی کے اور اللہ میں کی

اللی ام کی بر برطا یا میں اور آخری وقت اپنا رزق وسیع ترکر دیہے۔
المستغفری نے الدعوات میں صفرت جا بربن علیت رعبی المنڈعنها سے روا
کی درسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم نے فرط یا کہا میں تمہیں الیسی چیز نہ بہا و سج تمہیں
رشم سے بہا ہے جمارے رزق فراخ کرے درات دن اللہ سے و عا ما نیکے رہو۔
بیاتک وعامومن کا شھیا رہے۔

المستغفری نے ام المثمنین ام سلمہ رصنی انڈعنہا سے روایت کی کہ رسول انڈصلی انڈعلیمو کم نماز فجر کے بعد پڑھا کرتے ۔ انڈوسلی انڈعلیہ و کم نماز فجر کے بعد پڑھا کرتے ۔

الني مين مجد المست من المول رزق ، فائده ويف والاعلم ا ورمقبول عمل ما كائد ويف والاعلم ا ورمقبول عمل ما كائة بول ؟

المستغفری نے کدارین مالک رضی انٹرعنہ سے روایت کی کرآ ب نما نِ حمید سے فارنع بروکمسجد کے دروا ز سے پراکریہ ڈعا ما نگتے ۔

الئی! میں نے تیرا ملا واشنا، اور تیرا فرص ا داکیا، اور تیرے یکے مطابق وابس جلا، کوشنا، اور تیرا فرص ا داکیا، اور تیرے کی مطابق وابس جلا، مجھے اپنا فضل عطا فرما، بے سک تومبسرین رزق عطا فرما نے والے ہے۔

ا مام بنی ری نے الادب المفروس اور برّاز دحاکم نے ابن عرومنی المدّین ما اللّذی الله می المدّین الله می الله می

ك وقت اسف بين سے فرايا، ميں مجھ دوباتوں كا حكم ديا ہول لداللة الله الله اور سُنِعًانَ اللهِ محديد برت كى نماز ہے اوراسى كىسب برت كورزق ملا ہے۔ المستغفري ني جابر بن علبت رصى التُدعنها سے روایت كى مرسول الله صلى الشرعليه وسلم نے فرط يا ميں تميس الس بات كا حكم نه وول وجس كا حكم نوح عليه السلام نے اپنے بیٹے کو دیا تھا ؟ سُبْحَانَ اللّٰہِ وَبِحَسْدِ ﴾ کربرچیزائس کی حمد کے ساتھ پاکی برئتی ہے۔ بیتمام مخلوق کا وظیفہ ہے - ابن عمراور اسی سے ان کو رزق مل ہے۔ المستغفرى قي ابن عمر رصنى التدعنها سے روايت بے كررسول الله صلے التذعليدوكم سے ايك شخص في عرض كى يارسول الله إين تنگ دست بول فليا تو فشتوں کی دعا اور مخلوق کی تبییج سے کہاں غافل پڑا ہے دیڑھ -"سُبْحَانَ اللهِ وَيَحِسَدُهِ مُنْحَانَ اللهِ أَلْعَظِيمٌ " طلوع تجراورنماز تجرك درميان تنوبار- دنياتيرسے پائس ذليل ورسوا بهوكرا شے كى -المستغفرى نے بہتام بن عبداللہ بن زبیر رصنی اللہ عند وابیت کی . ك حضرت عمر منى الله عند مح كوكى برنشانى لاحق بهوئى - امنوں نے رسول اللہ صلے اللہ معیدوسلم کی خدمت میں اکر السس کی تشکایت کی ، اور عرض گذاری کی کم مجھے دبیت المال) سے ایک دست دیڑ ہ سیر کموری عطافرائیں۔ نبی کویم صلی انترعلیہ م والماكريا بوتومين تمين كم وول واوراكرجا بوتومقين يسكمات سكها وول جوالس

المرجام وتومين تمين كم دُول وادرا كرجام وتعقين السي كلمات سكفا وُول جوام بهتريد. اَنتُهُم الحفظني بالدست لديم تراقيد الآلانظيم في المرسود. الله المنظم في المرسود المنته المنطق المناه المناه

، النى سلامتى سے ساتھ سوتے ميں ميرى حفاظت فرط ا درمير سے متعلق فيمن ماسدكى ند ماننا ، اور مين ميرى بنا وجا بہتا ہوں الس تمام مخلوق سے ۔ حاسدكى ند ماننا ، اور مين ميرى بنا وجا بہتا ہوں الس تمام مخلوق سے ۔

جن کو تو نے بیٹیانی سے پوڑ کھا ہے۔ اور میں تشجے سے الس تھلائی کا سوال کرتا ہو جو سب کی سب میں ہے ہے جا تھوں میں ہے ''

المستغفری نے صفرت علی رضی اللہ عند سے روایت کی اکدر سُول اللہ مسلی اللہ علی اللہ عند سے روایت کی اکدر سُول اللہ مسلی اللہ علیہ مسلم نے فرمایا ، صحبے کون سی چیز محبوب ترہے ؟ پاپنے سو بحریاں اور ان کا چروالم یا پانسے ممات جن سے دعا ما بھے بہو!

قَلِ اللهُ مَا مَغِيدُ إِنْ ذَبِي وَطَيِبُ إِنْ كَسُبِى وَوَسِيعَ إِنْ فِي وَاللهُ اللهُ اللهُ

رہ تم فرما وُ اِلے اللہ اِمری دامّت کی ،خطا ،میرے یکے بخش دے۔
میری صفائی صبا ف کر دے ،میرا خلاق کو سیح کر دے ،اور جو تو نے
دینا مھرا ہے ہے السے ندروک ،اور میرانفس کسی ایسی چیز کی طرف نہ لے
جا ، جسے تو محجہ سے پھیر کھیا ؟

بزاز ، حاکم اوربیقی نے دعاؤں کے باب دالدعوات) بیں حضرت عائشہ
رفتی اللہ عنہ اسے روایت کی کہ مجھے میزے والد نے فرایا ، بین تنجے دہ دُعا ندسکھا وُں
جو مجھے رسول اللہ معلے اللہ علیہ رسلم نے سکھا کی ، اورانسوں نے فرایا کہ عیسے علیہ سلام اپنے
حاریوں کو سکھا تے تھے تھے کہ کے درام ہو ، اللہ نوم کر دے گا ، بیں
نے کہا کیوں نہیں ، فرایا گوں کہو ،

"الله مُ قَارِجَ الْهُ مَ كَانِينَ الْعَيْمَ بِحِينِتِ دَعُوَةِ الْمُنْطَرِينِ ثَنِيَ الْمُنْطَرِينِ ثَنِي الْمُنْطَرِينِ الْفُيْمَ فَاللَّهُ مِنْ الدَّنْمَ اللَّهُ فَيَا وَالْآخِسِةِ وَرَحِينِتِهُ مُنَا النَّتَ تَرْحَسُنِي اللَّهُ مَنْ الدَّنْمَ اللَّهُ مَنْ اللَّهُ مَنْ اللَّهُ مَنْ اللَّهُ مَنْ اللَّهُ مَنْ اللَّهُ اللَّلِي اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّلُهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّلْمُ اللَّلْمُ اللَّهُ اللَّلْمُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللَّا اللَّهُ اللَّهُ الللْمُ ا

ونیا داخرت کے رحمٰ درجم! توئی مجھیررح فرانا ہے، سومجھیراب رحم فرا ،جومجھے تیرے سواسب سے بے نیاز کردے ؟

ابربر کتے ہیں مجھ برقرض کا بُوج تھا اور مجھے قرص سے نفرت تھی کھے ہی و ن گزرے تھے کہ انڈ تعالیٰ نے کا روبار میں برکت دی اور مجھے بار قرض سے نبجات دی۔ صفرت عائشہ رصنی انڈ عنہا فرماتی ہیں مجھ براسماً کا قرص تھا جس کی وج سے مجھے ان سے سنٹرم آتی تھی میں ہیہ دُعا پڑھا کرتی تھی بہتھ ہی عرصہ گزرا کہ ادسائہ نے مجھے ایسا رزق عنایت فرط یا ،جو دراشت یا صد قد نہ تھا ، میں نے وہ قرض تھی ادا کیا ، تین اوقیہ عبدالرحمٰن بن ابو بجر کو دیسے ، اور اچھا خاصا مال بیج بھی گیا۔

ابو دا وُ دا وربیقی نے باب الدعوات میں ابوسعید رمنی الندعن مسے روایت کی کریسول الندعید الندعدید سے روایت کی کریسول الندعید الندعدید و مم نے ابوا مامد کو دیچہ کر فرط یا بمیوں پر دیشان ہو و عرض کی کریسول الندعید جھور ہے . فرط یا مجھے ایسا کلام تدبتا وُس کر حبب السے پڑھو، اللہ تمعاراغم دور فرط دے اور قرص آتار دے یصبح وثنام پڑھے و

" أَنَّلُهُمْ آعُوذُيكَ مِنَ الْهِمْ وَالْحُنُونِ وَآعُودُ بِكَ مِنَ الْعَجْذِ وَالْكَسُلِ وَآعُودُ بِكَ مِنَ الْجُنْبِنِ وَالْبِحُنُلِ وَآعُودُ بِكَ مِنَ الْجُنْبِنِ وَالْبِحُنُلِ وَآعُودُ بِكَ مِنَ عَلْبَتَ وَالذَّيْنِ وَقَهْدِالدِّجَالِ ؟

ارجہ کے النگر! میں بھے سے بناہ مانگا ہوں غم والم سے اور مبکر سے بناہ مانگا ہوں غم والم سے اور مبکر سے بناہ مانگا ہوں فردلی مانگا ہوں عاجزی اور سسے سے اور سبھ سے بناہ مانگا ہوں فرض سے غلبہ اور مبل کے خلبہ اور مبل کے خلبہ اور مبردوں سے دباؤ سے بناہ مانگا ہوں قرض سے غلبہ اور مردوں سے دباؤ سے "

پڑھا کر؟ میں نے اسے پڑھا انٹر نے میاغم کا فرکیا ، اور میرا قرض آنار دیا ۔ بہتی نے صفرت علی رضی انٹر عند میں دوابیت نقل کی کدان سے پاس کی

مئات ووہ غلام جس سے آقا مقرر رقم وصول کر سے آزا دکرے) آیا کھنے لگا ، میرے بدل کتا بت کی اوائیگی میں مدو دیجے ۔ آپ نے فرطایا ، سجے وہ کلمات نہ بتا وُل جو رسُول پاک صلی اللّٰہ علیہ وسلم نے مجھے سکھائے تھے ہِسجھ پر وصیروں قرنس ہوگا ، بھر مجی النّٰدا داکرے گا • پڑھ -

"آنٹھئے کھنینی بحت آدیت عن حسراحیث قرائے نیسی بغشیلت عشن سوات " "اللی النے حلال سے ذریعے اپنے حام سے بچاا در مجے اپنے نشس سے

اللی ایسے علان کے دریعے بیسے م غیروں سے بے نیاز کر دے ؟

" يَا آدُكَ الْدَقَ لِينَ وَيَا آخَ وَالْاَحْدِيْنَ وَيَا وَالْفُوْ وَالْمُسَيِّنِ وَ يَا آدُحَمُ التَّحِيدِيْنَ وَيَا مَا احِمَ الْسَنَاكِينَ وَيَا أَثِمَ الشَّاحِينِيَ : ابولعيل نے صفرت عائش صديقہ رحنی التّدعنها سے روايت کی محب رہو اللّه صلی اللّه عليم مستر برتشريف لاتے تو يہ کلمات پڑھتے ۔ اللّه صلی اللّه عليم مستر برتشريف لاتے تو يہ کلمات پڑھتے ۔ آمَنْهُ مُمَّ مَدَةَ السَّمَا وَ السَّمَا عِنْ السَّمَا عِنْ وَرَبَّ الْعَدَدُ مِنْ الْعَظِلَ مِنْ مَا

إللة آدَمَ وَرَبَ كُلِيّ شَنُي مُنُولَ الشَّوْرَ الْوَيْجِيلِ وَالْعَنْظَ الْمَسْوَرُ الْعَنْظَ الْمُعْتِ وَالنَّوْرَ الْعَنْدَ الْمَدْ وَمِنْ شَدِي كُلِّ شَنْخُ اَنْتَ الْحَدُ الْعَنْقَ مِنْ شَدِي كُلِّ شَنْخُ اَنْتَ الْحَدُ الْعَلَى مِنْ شَدِي كُلِّ شَنْخُ اَنْتَ الْحَدُ الْمَنْ الْمَنْ اللَّهُ مَنْ اللَّهُ مِنَ النَّهُ مَنْ اللَّهُ مِنَ اللَّهُ مِنَ النَّهُ مِنَ الْفَقْدِ " اللَّهُ مِنْ وَانْعَا مِنَ الْفَقْدِ " اللَّهُ مِنَ الْفَقْدِ " اللَّهُ مِنَ الْفَقْدِ " اللَّهُ مِنَ وَانْعَا مِنَ الْفَقْدِ " اللَّهُ مِنْ وَانْعَا مِنَ الْفَقْدِ " اللَّهُ مِنَ الْفَقْدِ " اللَّهُ مِنْ وَانْعَا مِنَ الْفَقْدِ " اللَّهُ مِنَ الْفَقْدِ " اللَّهُ مِنْ وَانْعَا مِنَ الْفَقْدِ " اللَّهُ مِنَ الْفَقْدِ " اللَّهُ مِنَ الْمُوانِ فَلَا مِنَ الْفَقْدِ " الْمُنْ الْمُؤْمِلُ وَانْعَا مِنَ الْفَقْدِ " اللَّهُ مِنْ الْمُؤْمِلُ الْمُنْ الْمُنْ الْمُؤْمِلُ الْمُنْ الْمُنْ

روم، النی إسات اسمانوں اور برے عراش کے مالک ایا دم کے معبود اور برجیز کے پر در دگار اِ تورات انہیں اور فرقان رقرآن اکونازل فرمانے والے اِ میں ہرائیں چیز فرمانے والے اِ میں ہرائیں چیز کے دالے اور کھی کوچیر نے والے اِ میں ہرائیں چیز کے کے نشر سے تیری بہنا ہ چا ہتا ہوں ، جس کی بیشانی تو پوٹے ہوئے ہوئے ہوئے ہوئے اللی تو ہی اقل ہے جس سے بسطے کوئی شے نہیں تو ہی آخر ہے ۔ اللی تو ہی اقل ہے جس سے بسطے کوئی شے نہیں تو ہی آخر ہے کہ تیرے اور تو ہی ظا ہر ہے ، تیرے اور کو ہی ظا ہر ہے ، تیرے اور کو ہی طا ہر ہے ، تیرے اور کو ہی طا ہر ہے ، تیرے اور کو ہی خان ہر ہے ۔ تو ہی باطن ہے کہ تیرے سواکوئی شے نہیں ، جم سے قرض آنار دے اور غربی سے جمیں نبحات دے ہے طرانی نے البکیریں قیلے ہیں ہی ہے جمیں نبحات دے ہے طرانی نے البکیریں قیلے ہیں ہے میں نبحات دے ہے طرانی نے البکیریں قیلے ہیں میں تو میں ہے دوایت کی ، جب وہ عشا سے طرانی نے البکیریں قیلے ہیں دوایت کی ، جب وہ عشا سے طرانی نے البکیریں قیلے ہیں۔

بدرستربِ تَنِي تُويِكُمات بُرُضَين -آعُوُدُ بِجَيدَاتِ اللهِ الثَّامَّاتِ النَّي لَا يُجَا وِدُهُنَّ بِثُرُّ وَلَا فَاجِس عَرِينُ شَيْرَمَا بَنُولُ مِنَ التَّمَّاءِ وَمَا يُعُس وُجُ فَيْهَا وَشَيْرَمَا بَنُولُ فِي الْاَثْرَاقِ وَشَيدِمَا يَعُومُ مِنْهَا وَشَدَيْرَ النَّا النَّهَاءِ وَطَوَارَقِ النَّهاءِ وَطَوَارَقِ اللَّه طَاءِ قَا يَظُونُ فَيْجَدُدُنَ بِحَدْثُ بِاللَّهِ ، (عُتَعَمَّمُنُ بِاللَّهِ ، آنُمَ مُنْ أَلِيلُهُ وَلَا عَلَى اللَّهِ اللَّهِ ، آنُمَ مُنْ أَلِيلُهُ وَلَا عَلَى اللهِ ، آنُمَ مُنْ أَلِيلُهُ وَاللَّهِ ، الْعُمَعَمُنُ بِاللَّهِ ، آنُمَ مُنْ أَلِيلُهُ وَاللَّهِ ، (عُتَعَمَّمُنُ بِاللهِ ، آنُمَ مُنْ أَلِيلُهُ وَلَا مِن اللّهِ ، آنُمَ مُنْ أَلِيلُهُ وَاللّهِ ، آنُهُ مَنْ أَلِيلُهُ وَاللّهِ ، آنُمُ مُنْ أَلِيلُهُ وَاللّهِ ، آنُهُ مَنْ أَلِيلُهُ وَاللّهِ ، آنُهُ مَنْ أَلِيلُهُ وَاللّهُ وَلَا لَهُ وَاللّهُ وَاللّهُ

الَّذِي الشَّنَامَ يَعَلَى الْمُنْ الْمُنْ وَالْحَسُدُ يَلُهِ الْكَوْى وَ لَكَ الْمُسَدُّهِ الْكَوْى وَ لَكُن اللهِ الْكَوْمَ وَالْحَسَدُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ

ترجمہ:رمیں بناہ مانگی ہوں النر کے ان ممکل کھات کے وسبید سے ،جن سے کوئی نیک وبدا کے تنیس بڑھ سکتا - الس مخلوق کے ترسے جو زمین میں اترتی اوراس کے ترسے جوزمین سے تھلتی ہے اورشرف روز میں آنے والوں کے تشریسے ، سوائے ان کے آنے والوں کے جوخیروخوبی مے كرا تے ہیں میں التربرا يمان لايا ، بيں نے اللہ كاسهاراليا اسب تعربين الس خدا كے يلے جس كى تقدير كيا كے مرفتے سرح کائے ہوئے ہے۔ سب تعربیت اللہ کے یہے جس کی عِزْت كے آ مے ہر شے ذليل ہے۔سب تعربين الس اللّٰ سے يے جس کی عظمت سے آ کتے ہر تے جگی ہوئی ہے - تمام تعربین اس فدا کے یہ جس کی حکومت ہے آ کے مرجیز دبی ہوئی ہے اللی تبكرس ، تيرس عراش سيمتعلق عِزت اورتيري كتاب كي انتها ئ رهمت اورتیری بلندترشان - اورتیرے بڑے نام اورتیرے ان مكل كلمات ، كدجن سے كوئى نيك دئد آ كے نبين كل سخة سے صيتے سوال ہے كہم برنظرر حمت فرما ، بماراكوئى كنا و سخفے بغيرند جيؤ-غريى ختم كي بغير وشمن بلاك كيدا ورعرباني وما سح بغيرنه جھوا جوچیزونیا و آخرت میں ہمارے یا معنی وہ عطافرہا

لے سب سے بڑھ کر رحم فرما نے والے بیں انٹر پر ایمان لایا میں نے انٹر کا سہارالیا ؟

تینتیس بارسیخا الله بنتیس بارانشه اکبر اورنتیس بارانشه کتین ا یعفراتیں بنتسک بی کریم صلے اللہ علیہ ولم کی بیٹی دفاطمہ ،آپ سے خادم ما شکے آئیں آپ نے فرمایا ، میں سمجھے خادم سے بہتر زبتا وُں ، بولیں کیوں نہیں ، تواپ نے ان کو

سوتے وقت یہ دُعا پڑھنے کا حکم دیا -

ابن عساکر نے اپنی تا رہے گئیں، ابن من ندرہ شام بن محدی ابید سے یہ رقات کی برحفرت امام حسن بن علی رضی الشرعنها کو صفرت امیر معا ویہ رضی الشرعنه کی طرف سے ایک لاکھ رسالانہ فطیفہ مل تھا۔ ایک سال امیر معا ویہ رضی الشرعنہ نے وظیفہ روک ایس انہیں انہائی تنگرستی کا سامنا ہوا ، کستے ہیں میں نے انہیں یا و دہائی کا خط تھے ہی کے یہے و وات منگر ائی ۔ بچھر میں رک گیا۔ وخواب میں ، میں نے رسول الشرصلی الشر علیہ وسلم کو دیکھا، آپ نے فرما یا جس ایکسے ہو ؟ میں نے عرض کی ابا صنور شھیک ہوں ، اور وظیفہ کی تا خیر کی شکا بیت کی ۔ فرما یا تم نے و وات اس یا ہے تکوائی ہے ہو کہ میں نے عرض کی ابا صنور شھیک ہوں ، اور وظیفہ کی تا خیر کی شکا بیت کی ۔ فرما یا تم نے و وات اس یا ہے تکوائی ہے ہو کہ میں غراف کا تھو کی کھو ؟ میں نے عرض کی ہاں ! یا رشول ادشہ ایک کی کروں ؟ فرا یہ و گوا پر شھو ۔ میں نے عرض کی ہاں ! یا رشول ادشہ ایک کی کروں ؟ فرا یہ و گوا پر شھو ۔

آلَكُهُمَّ اللَّهُمَّ اللَّهُ فَيْ قَلِي يَجَاءَكَ وَالْحَلَمُ يَجَاءُكَ وَالْحَلَمُ يَجَاءُكُ حَمَّنُ اللَّهُمَّ وَمَا سِوَانَ حَنَى لَا المُجُوْ احَدًا غَيْدَكَ اللَّهُمَّ وَمَا ضَعُفَتُ عَنَى لَا المُجُوْ احَدًا عَنْهُ عِلْمِي وَلَمُ مَّنَتُ اللَّهُ مَنَا لَيْ وَلَمُ مَنَا لَى وَاللَّهُ مِنْ اللَّهُ وَلَمُ مَنَا لَا وَلَا لَهُ وَلَمُ مَنَا لَا وَلَا لِي وَاللَّهُ عَلَيْ وَلَمُ مَنَا لَا وَاللَّهُ وَلَمُ مَنَا لَى وَاللَّهُ وَلَمُ مَنَا لَا وَقَالِمُ وَاللَّهُ وَلَمُ مَنَا لَا وَاللَّهُ وَلَمُ مَنَا لَا وَقَالِمُ وَاللَّهُ وَلَمُ مَنَا لَا وَاللَّهُ وَلَمُ مَنَا لَا وَقَالِمُ وَاللَّهُ وَلَمُ مَنَا لَا وَاللَّهُ وَلَمُ مَنْ اللَّهُ وَلَمُ مَنَا لَا مُعَلِيْتَ احْدَاللَّهُ وَلَمُ اللَّهُ وَلَمُ مَنْ اللَّهُ وَلَمُ مَنَا لَا عَلَى اللَّهُ وَلَا مُعَلِيْتَ احْدَالُهُ وَلَا لَا اللَّهُ وَلَيْ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَلَا مُعَلِيْنَ اللَّهُ وَلَا لَا مُعَلِّمُ اللَّهُ وَلَا مُعَلِقُ مَنْ مُنْ اللَّهُ وَلَا لَا مُعَلِقُ لَلْهُ وَلَا مُعَلَّمُ مُنَا لَا اللَّهُ وَلَا لَا اللَّهُ وَلَى اللَّهُ مُنْ اللَّهُ وَلَا لَا اللَّهُ وَلَا لَا اللَّهُ وَلَا لَا اللَّهُ وَلَا لَا لَا اللَّهُ وَلَا لَا لَا اللَّهُ وَلَا لَا اللْهُ وَلَا لَا اللَّهُ وَلَا لَا اللَّهُ وَلَا لَا اللَّهُ وَلِي اللْهُ وَلِي اللَّهُ وَلِي اللْهُ وَلِي اللَّهُ وَلِي اللْهُ وَلِي اللْهُ وَلِي اللْهُ وَلِي اللْهُ وَلِي اللْهُ وَلِي اللّهُ وَلِي اللّهُ وَلِي اللّهُ وَلِي اللّهُ وَلِي اللّهُ وَلِمُ اللّهُ وَلِمُ اللّهُ وَلِمُ اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ اللّهُ وَلَا لَا اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّ

اے اللہ امیرے ول میں اپنی ائمید ڈال دے اور میری ائمید اپنے سوا ہرایک شیخہ کردے - یہاں کک کرمیں تیرے سواکسی سے فید نہ رکھوں - لے اللہ اور دوہ بھی ول میں ڈال ہے) جس کے حکول سے میری طاقت قاصر ہے - اور میراعلم کوتا ہ ہے اور جومیری زبا پر نہیں آیا جو تو نے بہلوں بھیلوں میں سے کسی کو دیا ہے - بین پر نہیں آیا جو تو نے بہلوں بھیلوں میں سے کسی کو دیا ہے - بین میں نہ نہ کہ کہ کہ میں اس می میں اس سے مضوص فرما - لے پر وردگا رعالمیان ؟

کس خدُاکی قسم اس دُعاکو پڑھتے ہمی ہفتہ نہیں گزرا تھا کہ حزت امیر معا ویہ رضی اللہ عنہ نہیں میں طریف و الوں کو مجھول تا نہیں - اور دُعاکر نے والوں کو مجھول تا نہیں - اور دُعاکر نے والوں کو مجھول تا نہیں - اور دُعاکر نے والوں کو مجھول انٹی میں اللہ علیہ و کے میں نے کہا کہ نے والوں کو مجھول انٹی میں اللہ علیہ و کم کو دیکھا ، فرما یا حسن کہ میں بخیر و عافیت فرما یا حسن کے سے بو بہیں نے کہا یا رشول الٹہ اللہ کا شکر ہے ، میں بخیر و عافیت فرما یا حسن کے سے بو بہیں نے کہا یا رشول الٹہ اللہ کا شکر ہے ، میں بخیر و عافیت فرما یا حسن کے سے بو بہیں نے کہا یا رشول اللہ اللہ کا شکر ہے ، میں بخیر و عافیت فرما یا حسن کے سے بو بہیں نے کہا یا رشول اللہ اللہ کا شکر ہے ، میں بخیر و عافیت

دوسری فصل بر ایچھاعمال کے بارے میں روایات میال کے بارے میں روایات

ر کھے اور مخلوق سے ندر کھے ، اس کومیں انعام ملتا ہے۔

سے بڑوں میں نے اپنی تمام کہانی آب کوشنائی ، فرایا بیٹا ؛ جرخالق سے اُمید

امام سبخاری نے ابوم برمیہ رصنی الٹندعنہ سے روایت نقل کی کہ رسُول الٹندسلی
الشرعلیہ وعم نے فرمایا ، جوکوئی رزق کی کشاوگی اور نیک ٹئرت چا ہے ، وہ اپنے رحم
کے د نیستے جوڑے ۔

ا در صفرت انسس رصنی انڈ عند سے رسول انڈ صی انڈ علیہ وسلم کا یہ ارشا و نقل کیا کرچ کوئی لینے گھر میں خیرو برکت چاہے تو وہ کھانے سے پہلے اور جب

كمانا المفايا مائة المتمد دُعُوم .

مُحدّث عبدالرزاق نے اپنی المصنّعن میں قریشی شمنس کی روایت نقل کی کہ ہم حبب بھی رسول انٹر صلی انٹر علیہ وسلم کے رزق میں تنگی آتی ، آپ ا پنے گھروالوں کو نما زکا حکم و بیتے ، بھریہ آبیت پڑھتے ،

" وَأَمُّوْاَهُلَكَ بِالصَّلُوْةِ وَاصْطَبِرُ عَلِيْهَا لَانْسُمَّا لَكَ يِزُقًا نَحْنُنُ ^ وَأَمُّوْاَهُلَكَ مِالْعَا قِبَةُ مِلْتَقَسُّوٰى " تَوُذُقُكَ وَالْعَاقِبَةُ مِلْتَقَسُّوٰى "

"اپنوں کونماز کا حکم دواورخودالس پریابندی کرتے رہو، ہم تم سے رزق منیں مانگے، ہم تمہیں رزق دیں گے، اور اچھا انجام برہیرگاری کا ہے "

تنابت رصنی انتُرعنهٔ کهتے ہیں جب انبیاکرام صلی انتُرعنیہ موسلم پر کو فی مشکل پڑتی ، و دنمازی طرف متوجہ ہوتے ؟

لاَيَحْتَسِبُ ءُ

جوافترے ڈرے، اللہ اس کے یے راستہ کھول و سے گا اور

امام احد، نسائی اور ابن ماجہ نے توبان رصنی التّدعند سے روایت کی اکرسُو الله مسلی اللّہ علیہ وسم نے فرایا ، انسان کنا ہ کی وجہ سے اپنے حصتے سے رزی سے اللہ مسلم اللّہ علیہ وسم ہے۔

محروم ہوجاتا ہے .

ابن ابی حاتم نے اپنی تفسیر میں عمران بن صین رصنی اللہ عند سے روابیت کی ا کر رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم نے فرط یا ، جوکٹ کٹا کر اللہ کی طرف ہوجا ئے ، اللہ اس کی برمشکل حل فرما آ اور اسے اکس طور پر رزق ویتا ہے جس کا اسے وہم و گیان نہ ہوا و جو دنیا ہے بیجے بھا گے ، اللہ السے اسی سے سپرُ وکر ویتا ہے ۔

فائده

میں نے ایک مجوعدا وراء میں تھا دیکھا ہے۔ جوکوئی نما زجید کے بعد فرمان باری تعالیٰ وَلَقَدُ مَکَّنَا کُمُمْ فِی الْاَسْ مِن وَجَعَلْنَا لَکُمْ فِینُهَا مَعَا لِیشَ قَلِینُلَّا مَا تَشُکُدُوْنَ ۔ تھ کرا ہے گھریا مکان پر رکھے الشّد کسے خیر برکت سے نوازے گا۔ وَالْحَسْدُ یِلُّهِ وَکَفَیٰ وَسَلَدُمْ عَلَیٰ عِبَادِهِ النَّوٰیُنَ اصطفیٰ " سیوطی کا رسالہ ختم ہُوا۔

سیوطی کی جامع صغیر میں ابوشیخ بن حیان عن جبیر بن مطعم بر دوابت ہے کہ رسول ادلتہ صلے ادلتہ علیہ وسلم نے فرما یا ۔ جبیر ! چا ہے ہو کہ حبب سفر میں ہو

توا پنے تمام ساتھیوں سے بتراورزیا دہ زادراہ تمہارے پاس ہو؟ یہ پانسے سورتیں پڑھ لیاکرو۔

(۱) قُلُ يَّا اَيُّهَا الْكَافِسُونُ قَدَ (۱) إِذَا جَاءَ نَصَسُرُ اللَّهِ - الله قُلُ يَّا اللهُ الْمُسَرُ اللهِ - الله اللهُ الله

برسورة بِنْيِهِ اللَّيسِت نَمروع اوربِنِهِ اللَّهِ پرختم كرو يجبير كتتے ہيں ميں مبست مالدُرتھا . ميں ہمينشہ سفروحنرميں ان كو پڑھتا رہتا ہُوں يہاں تكس كدم پراكوئی ساتھى مجرجيسا خوشحال نہيں .الس كاسندميں الحكم بن عبدائلہ بن سعيدا بل مُتمّ ہے۔

اے دنیا وہ خرت کے رحمٰن ورحیم اِ دُنیا وہ خرت میں جس کوجاہے
دے اور جس سے چا ہے روک لے مجر پرائیسی رحمت فرما ، جس
کے ذریعے مجھے اپنے سواسب کی رحمت سے بے پرواہ کردے ،
الدمیری نے کہا ، بھار سے شیخ عارف باد تُدعائِت میں اسعدالیا فعی رحمالله علیہ نے بیان کیا کر جمیں سیدنا عارف امام ابوعبدالله محد قرشی نے لینے شیخ ابوالربیع علیہ نے بیان کیا کر جمیں سیدنا عارف امام ابوعبدالله محد قرشی کے لینے شیخ ابوالربیع مالئی کا یہ تو ل سُنایا ، میں سیجے ایسا خزان نہ بتا وُں جس کوخریے کرتے تھا وروہ ختم منہو ، میں نے کہا بتا کے اِ فرمایا پر صور

يَا اللهُ كُيَا آحَدُنُ يَا وَحِدُ يَا مَوْوُدُ يَاجَوَّا دُكِا بَاسِطُ يَاكَيُكُمُ يَا اللهُ كُوارَدَّا قُ كَا مَعْنَى يَا فَقَاحُ كَا رَزَّا قُ كَا عَنِيْ يَا مُعْنِى يَا فَقَاحُ كَا رَزَّا قُ كَا عَلَيْمُ يَا حَدُنُ يَا اللهُ عَلَى يَا مَعْنَى يَا حَدِيمُ بَا بَلا نُعَ اللهُ يَعْمَ لَا يَا عَلَىٰ يَا مَعْنَى يَا مَعْنَى يَا عَلَىٰ يَا مَعْنَى يَا مَعْنَى يَا مَعْنَى يَا عَلَىٰ يَا مَعْنَى يَا مَعْنَى يَا عَلَىٰ يَا مَعْنَى يَا مَعْنَى يَا عَلَىٰ يَا مَعْنَى يَا مَعْنَى يَا مَعْنَى يَا مَعْنَى يَا مَعْنَى يَا عَلَىٰ يَا مَعْنَى يَا مَعْنَى يَا عَلَىٰ يَا عَلَىٰ يَا عَلَىٰ يَا مَعْنَى اللهُ وَفَتُحُ فَيْدِي وَاللهُ عَلَىٰ اللهُ عَلَىٰ يَعْنَى اللهُ يَعْنَى اللهُ عَلَىٰ يَعْنَى اللهُ الله

فرویا جوکوئی ہرنماز کے بعد ضوصًا نماز جمد کے بعد یہ دُعا ما نکے اللہ تعالیٰ السے مہزوف سے محفوظ فرمائے گا۔ وشمنوں براس کی مدد فرمائے گا۔ السے خنی فرمائے گا۔ اور وہاں سے اسے رزق دے گاجمال کا اُسے وہم و گمان نہ ہو۔ اس کی حیشت اسان اور اپنے نعنیل و کرم سے اسس کا قرض خواہ بہاڑ کے برا بر ہو، اوافرطئے گا۔ استان اور اپنے نعنیل و کرم سے اسس کا قرض خواہ بہاڑ کے برا بر ہو، اوافرطئے گا۔ سیدا کی وضول کی استاد کا و فوق فرائع میں سے ایک سین عارفین کا یہ قول فرائع میں سے ایک مضبوط فریع جس کے شارع کی طرف سے اجازت دی گئی ہے جمیشہ سور القہم میں منبوط فریع جس کی شارع کی طرف سے اجازت دی گئی ہے جمیشہ سور القہم کی تا دو صور ان اور می کرنا ہے جن میں کے تا دو اور کا ربوعمل کرنا ہے جن میں کے تا دو صور کی اور می کرنا ہے جن میں کے تا دو صور کی تا دو می کرنا ہے جن میں کے تا دو صور کی تا دو می کرنا ہے جن میں سے ایک تا دو دو تا کرنا ہے جن میں سے ایک تا دو دو تا کرنا ہے جن میں سے ایک تا دو دو تا کرنا ہے جن میں سے ایک تا دو دو تا کرنا ہے جن میں سے ایک تا دو دو تا کرنا ہے جن میں سے ایک تا دو دو تا کرنا ہے جن میں سے ایک تا دو تا کرنا ہے جن میں سے ایک تا دو تا کرنا ہے جن میں سے ایک تا دو تا کرنا ہے جن میں سے ایک تا دو تا کرنا ہے جن میں سے ایک تا دو تا کرنا ہے دو تا کرنا ہے جن میں سے ایک تا دو تا کہ تا دو تا کرنا ہے جن میں سے ایک تا دو تا کرنا ہے جن میں سے ایک تا دو تا کرنا ہو جن میں سے ایک تا دو تا کرنا ہے جن میں سے ایک تا دو تا کرنا ہو تا کرنا ہے جن میں سے تا جا زب تا کہ تا کرنا ہو تا

الشرجى في ابنى كَ بُن الصلات ولعولتُ كَ الحما ربوي فالدُ على مرايا.
ابن ابى الدنيا في ابنى سند كساته وشول الدُّصلى الدُّعليه وسلم كا
يه فرمان نقل كيا كرجوكو فى مرر وزشول لا تحول قد قد قد الدَّيات الدُّيات الدُ

ابن ابی الدنیا نے کہا اشغال شاقد اور کھالیت سے بر داشت کرتے اور شریر سے شرسے بیجنے سے بلے ان کلمات کا بہت اثریہے ۔

ابونعیم نے اپنی کتاب "معرف الفیحا میں صرت بدر بن عابقتی المزنی رضی المنظم المزنی رضی المنظم المزنی رضی المنظم المرنی رضی المنظم المرنی میں المنظم میں ان کی برروایت نقل کی، میں نے عرض کی یارشول اللہ میں ایک صنعت کا را ومی بوگ ، میرے مال میں اصافہ منیں ہوتا - فرا یاصیح المحقتے ہی پڑھا کرو۔

بِسْمِ اللهِ عَلَىٰ تَغْيِيْ، بِسُمِ اللهِ عَلَىٰ اَحَلَىٰ وَمَالِيٰ

ٱللَّهُ مَّ آرُهِ مِن فَي مِرَ قَعَدُتُ وَآلَفِ مِن فِيمُ اَبِقَدُتُ حَتَى لَا آحِبَ مِنْ تَعْجِيشُلَ مَدَ مَخَرُتَ وَلَاتًا خِدَ مُرْمَا عَجَدْتَ وَلَاثًا خِدَا عَجَدْتَ وَلَاثًا خِدَا عَجَدْتَ

میں ون ممات کا ورد کرتا رہا ، بیمان تک کر اشدنعانی نے میرا مال برسا دیا جمیرا فرض آر دیا • مجھ اور بیرے عیال کوغنی کر دیا •

ست بن بن فواندانشری نین ہے کہ ایک شخص نے بی کر ہم صلے اللہ علیہ وسلم ک فاحم کا بندہ ک

شیخ علی اجہورت مائٹی کے فوا کدمیں سے ایک پر ہے کہ جوکوئی رہب ہے اخری جمعہ کو حرب خطیب منبر بر ہو فیتیس بار پڑھے ۔ آخست کہ ترسُوُلُ ادت ، نحسستند کے مشوُلُ ادلتٰه - اس مال اس کے باتھ سے روپیر بیسین ختم نہ ہوگا ۔

متفرق فوائد

كمال دميري في سيدنا جفرصا وق رمني الله عنه سينقل كبا -

اور وه جارباتوں سے غافل ہو سا، مجھے اس آ دمی پرتعجب ہوتا ہے جسی تعلیمت میں متبلا ہوتواس سے یہ قرآنی دُعا کسے روسکتی ہے -

رَبِّ اَنِيْ مَسَّنِي الفُّرُ وَآنْتَ آرُحَهُ الرَّاحِدِيْنَ " میرے پروردگار! بے شک مجے تکیف پہنی ہے اور توسب سے بڑھ كردهم فرمانے والاسے -صالا بحد الشرتعالي كا فرما ن سے -

فَاسْتَجَبْنَالَهُ وَكَثَّفْنَا مَايِهِ مِنْ صُبِّ -سم نے الس کی وعاش لی ا ورائس سے بیر کلیف و ورکر وی -و ہ) مجھے استخص پریمی تعجب ہے جے کوئی غم مینچے اور وہ اکس فرمان باری سے عَافِل بِو - لَذَ إِلنَّهَ الِدَّ آمُنَتَ سُبْعَانَكُ إِنَّ كُنُتُ مِنَ الظَّالِينَ -تیرے سواکو ٹی سیامعبو دنہیں۔ تو یاک ہے ، بے تک میں ہی واپنے اویر، زیا وہ کرنے والوں میں سے تھا ؟

> جب كدانتدفراً اس-« فَاسْتَجَبُنَا لَهُ وَنَجَيْنَا مِنَ ٱلغَيْمُ وَكَذَا لِكَ نُسُرِي المؤمنية "

سوہم نے الس کی دعا تبول کی اوراسے غم سے بیالیا ااور ہم اس طرح

940

ايمان والول كوسيا ياكرتے بيں -

وس، مجے الس ڈرنے والے بر بمی تعب ہوتا ہے کہ الس کی تکا و سے احتد کا یہ فرمان کیسے

اوجل ربتا ہے۔ ؟ د حالانكر بر صنائتكل نهيں)

حَسْبِنَا اللهُ وَيَعْمُ ٱلوَكِيْلُ -

میں افتد کافی ہے اور کیسا اچاکارساز ہے -

جب كدفران بارى ہے۔

فَانْقَلَبُ وُا بِنِعُمَةٍ مِنْ اللهِ وَفَضْلٍ -

و دادتدی تعرت اورفعنل سے کر پیٹے .

رمم، جن آدمی سے دھوکہ بازی ہوتیجت ہے وہ یہ پڑھناکیوں مجول جاتا ہے۔ واقع صفی آمیے کی الی املیٰ ، ایت اسلیٰ تبھیٹیڈ بالیتا دے۔ میں میں میں میں دیا ہے کہ ایس کے ایس میں میں میں کا میں میں میں کا میں میں میں میں میں کا میں میں میں میں کا میں کا میں میں کا میں میں کا میں کی کا میں کا میں کا میں کی کا میں ک

ادرسی اینامعاملدان کرکسیرد کرماموں ، بے تشک انترب ندول کو رو

دیجتیا ہے۔

مالا بحد فرمانٍ بارى تعالى ب:-

نَوَقًاهُ اللهُ سَسِيّاتِ مَامَكُولُوا-

التُدني لي وشمنول كيم كروفريب سي بياليا -

طبرتی نے اوسط میں بہتی نے دعوات میں ، اور ابن عساکر نے حضرت بریرہ منی افتہ عند نے فرایا ، حب اللہ تعالیٰ نے رصی افتہ علیہ وسلم نے فرایا ، حب اللہ تعالیٰ نے میں افتہ علیہ وسلم نے فرایا ، حب اللہ تعالیٰ نے سے دوا بیت کی رسول افتہ حسی اللہ علیہ وسلم نے فرایا ، حب اللہ تعالیٰ نے سے دم علیالسلام کو زمین برآ ہی ا ، آپ نے بیت اللہ شرعین کا سات با رطوا ف کیا ، متام

ابراہیم سے پہلے دور کعت نماز پڑھی بھرید دُعا مانگی:

ٱللَّهُ ثَمَّ ٱنْتَ تَعُكَمُ سِيرَى وَعَلَانِيَتِي فَاقْبَلُ مَعُدُدَيْ وَتَعُلَمُ حَاجَتِى فَاعُطِيٰ سُوَلِى وتَعُلَمُ مَا عِنْدِى فَاعْفِرُلِى وَتَعُلَمُ مَا عِنْدِى فَاعْفِرُلِى وَتُوْنِ

آسُدُالْدَ المِنْدَ فَيْ الْمِنْ الْمُنْدِينَ وَيَقِيْنَ صَادَفًا حَتَى آغَلَمَ الْمُنْدَ الْمُنْدِينَ الْمُنْدَ الْمُنْدِينَ الْمُنْدَالِينَ الْمُنْدَى الْمُنْدَالِينَ الْمُنْدَالِينَ الْمُنْدَى الْمُنْدَالِينَ الْمُنْدِينَ الْمُنْدَالِينَ الْمُنْ الْمُنْدَالِينَ الْمُنْ اللِينَالِينَ الْمُنْ الْمُلْمُ الْمُنْ الْم

توائدتما لی نے آدم علیالسلام کو وجی فرانی کدا دم اِ تو نے مجے سے وہ دعما مانی جو قبول
کرتا ہوں تیری خطامعا من کرتا ہوں تیرے نم دالم دمور کرتا ہوں اور تیرے بعد تیری
اولاد میں سے جوید دُعا مانگے گا ، اس سے بھی بینی برتا وُکر دل گا ، اور اس کی آنکھوں
کے درمیان سے فقرو فا قدخم کر دو ل گا اور برتاج کی شجارت کو اس کی وجہ سے
فروغ دو ل گا ، ونیا ذلب ل ہوکر اس کے پاس آئے گی ، گو وہ اسکا ارادہ نہ کرے ۔
فروغ دو ل گا ، ونیا ذلب ل ہوکر اس کے پاس آئے گی ، گو وہ اسکا ارادہ نہ کرے ۔
اسٹری نے کہا ، کہا جا تا ہے جو کوئی مسافر کے بس پُشت اذان و سے ، اسٹرتھا لی کے سے صفرور وابس آئے گا ،

ابن السنی نے اپنی کتا ب عمل الیوم و ۱ ایّلة نیس ابن عبالس رمنی النزعنها سے مرفوعً بر روایت بیان کی اجب میسی استحد توید برتد و بیشسدید الله علی تغیری قرائد کا تعیری تعی

القرطبی کی بن ب است کو سی سے کر رسول اللہ صلی اللہ علیہ وہم نے فرایا جو کو اُن اِنی سرض الموت میں قبل می وائلہ است کا دسورہ اخلاص کی ایک میں الموت میں قبل می وائلہ است کا دسورہ اخلاص کی ایک میں اور اور میں الموت کے دن اور تیا مت کے دن

قرشة الت إن بازو و س برائی کر بی صرط سے گذاری گے او بربت میں و، نل کوبی کے امام فودی نے کتاب الاذ کا رہیں فربایا ، ابن اسنی کی کتاب بیں طلق بن فیسب کی روایت ہے کہ ایک شخص نے صرت ابو در دا یہ بی الدّ کا عند مست میں اکر کہا الحالاً الله باللّا کہ اللّا کہ اللّام کہ و قدت اللّا ہے اللّا کہ ال

" اَللَّهُمَّ اَنُتَ تَنِى لَا الله الآ اَئُتَ عَلَيْكَ تَوَكَلُّتُ وَالْمُتَ اللهُ اللهُ

البونی نے صرف میم کے خواص میں کما جوکوئی چار بارلسے تھے ادراس کے سکھ آئی ہی بار مکھے محسست کو ڈسٹو ک اعلیہ اخرسورہ کک اورا پنے پاکس رکھ لے اعتدتعا کے عالم بالا وبست سے چھیے را زاکس برظا ہر فرائے گا۔

الستوسي كاارشاد

سے محفوظ فرمائے کا اور اس کے حامل کا آرعب اللہ نفانی بندوں کے ول ہیں چیداً کرنے اور جوکوئی سورج نکلتے وقت ہرروز اس برنظر کرے اور نبی صلی الشدعلیہ وسلم بروروز اس برنظر کرے اور نبی صلی الشدعلیہ وسلم بروروز اس برنظر کرے اور نبی صلی الشدعلیہ وسلم کا ویوار بار بار حاصل ہوتار ہے گا۔ اور اس کے اسباب بروسے میں الشروع ہروجائیں گے۔ اس کن ب میں فرمایا کرجو شخص برجا ہے کہ اس کی بیوی کے بال بدنیا پریوا ہوں۔

بیٹا بیرامونے کیلئے عمل اس کے سیند بررکھ اور علی سے ابتدائی دنوں

مين اس كى ناف پر مائى كەكرىنىن بارىچى :

"اَللّهُ مَدْ إِنْ كُنْتَ خَلَقُتُ خَاقًا ثَى بِطِنِ طُؤِهِ الْمَسَراً وَ كُلُولُهُ ذَكْرًا قَ السُمْعَ الْحُرْرُ بَحُقِ مُحْسَتَدِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ ذَكْرًا قَ السُمْعَ الْحُرْرُ بِمُ مَحَقِ مُحْسَتَدِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ دُرْتِ لاَ تَذَرُنِي فَسَرُدًا وَ الْمُسَتَحَدِيمُ الْوَارِنْ يُنْ مَنْ

"النی اگر تھے نے اس عورت سے برید میں کوئی سے پرداکرنی سسے
توائی بیٹے بیٹا کیجیو! اور اس کا نام احمد مردی محمد صلی الندعلبہ وسلے
توائی برید بری مدتد ؛ بروردگار! مجھے اکبلا رہ جھوڑا در توسست

مبنزوارث سے "

الدمبری نے حضرت عبدالنڈ بن عمر یئی اللہ عنہا سے روابیت کی کہ میں نے دیول اللہ ملی اللہ ملی کے میں نے دیول اللہ ملی اللہ علی اللہ علیہ وسلم کو فربا نے میں اللہ حوکوئی مرفر من نماز کے بعد آینہ الکری بیڑھے ،اس کی موح صرف اللہ تعالیٰ می قبین فرما نے گا .

امام بیمقی نے ابن عباس صنی اندعنها سے رسول الندسی الله خلیہ وسلم کایہ تول الندسی الله خلیہ وسلم کایہ تول نقل کیاسہ کوفروان باری تعالیٰ اُدُی والتُع اُوا دُعُوا الرُّمِن بورت ایست بچری کاست ایک معفوظ دسینے کی صفا نا سے سے دنندہ اسے معفوظ دسینے کی صفا نا سے سے دنندہ اسے معفوظ دسینے کی صفا نا شدہ ہے۔

پڑھا بچورا در آنکساا درگھ کا آیا اما مان سمیٹ کرامٹالیا ۔ وہ سامب جاک رہے ہتے ، چور در در بہ بڑی آنواکسے بند بایا بھری زیدن پررکھی تووروازہ کھن گید تین ہوالیہا ہی ارا دسماری اسٹیان توزروازہ بند ہوجا کا د نیجے رکھتا تو کھن جا آن صاحب فان کی بہنسی لکل گئی اور کہا اس نے مران کا تقع مضبوط بنایا ہے ۔

الداری نے المغی وی بیسی سے روا بیت کی جو عبدالقدین مسعود صفی الدوی المعیوں میں سے مصے کہ جو کوئی سوت وفند سورہ بقی و کی رس آیتیں بیٹر صفر آن کریے نہیں جو اے گا۔
ا حیار بیا ۔ ۲ بند الکری ۔ سا و دو آیتیں اس کے بعد دالی اور تین اُخری اور الداری وغیر سے عد الد بن الد بن الی الماسے تر آل بن جی بیش کی بر دوا بیت نقل کی رُجو کوئی داست کے کسی ضاص الم عید الد بن الم الماسے تر آل بن جی بیش کی بر دوا بیت نقل کی رُجو کوئی داست کے کسی ضاص حصے میں آئے نے کے سے سورة الکھ ف کا آخری حصد بیٹر سے ، بیدار موگاد ایک سات کی کسی سے سورة الکھ ف کا آخری حصد بیٹر سے ، بیدار موگاد ایک سات کی کہا تھی کے اللہ ماسی کا تجربہ کیا ہے ۔ جیسا مسئا دیسا پایا ۔ یہ بات سیوطی کے الفیصالکس الکبری ایسی کرگی ہے ۔

کتاب الابریزی سیدی عدان خریز الدیاع کاارشاد الدیاع در الدین میں سیدی عدان خریز الدیاع کاارشاد الدیاع در الدیاع در الدیاع در الدین الدیمان کی دلادت سے وقت بریدار موجایا کرے کا م

فطسب بيرستدا توالحسن نهاذلي صنى الترعنه كي وستتي

سمیں ان فوائد کا اختتام قطب کبیرسید الوالحسن شاف رضی التہ عندی وسیو پیرزا چا جیے کہ یہ دنیا و آخرت کی تمام بھلائیوں کوجا مع ہیں ، انتخال الدیری نے اپنی میا ب حیلوق الحیلوك ۴ انسان پر کلام کرتے سوے فرایا ، سبید انسخ الوالحس شافون بھرداللہ نے فریایا ، ان اوصا ف لیسند پر: داپیا فراد ونوں جمانوں کی نیک بختیال یا جے دور کا کافروں ہیں ہے کسی کو وئی دوست ویسل نوں ہیں ساسی کو فیلسی بنا

۱۰، دنیا سے جاتے وقت تقوی رمیز بیزگاری ، کا زاد را ہ دیکر کویت کرد -

ومع ، لینے آب کومرووں میں شمار کرور بینی موت کواید طبخت، میں ،

رم، انٹرکی توسید کی گواہی دیتے ۔و .

اہ ، السر کے رضول صلی انڈعلیہ کسلم کی رسالت کی گواہی ویتے۔ ہو۔

ور، میکاعمال کو کم ہوں ، نبرے بلے کافی ہیں۔

ا ما اورکہوسیں انٹریر ایس کے فرشتوں پر ایس کی کتا ہوں اور ایس کے درست کے رسم کے درست کے میں ایس کی کتا ہوں اور ایس کے درست کی کتا ہوں اور ایس کے درست کے درست

۱۸۱ کمو، ہم نے کشنا اور مانا بہتے سیخشش جا ہتے ہیں اسے پر دردگا را اور تیری ہی طرفت لومنا ہے: تیری ہی طرفت لومنا ہے:

ج كوئى ان اوصا ف جيد وكوابنا ئے اختراس كے يد دنيا و آخرت كى جار ، چا رىجاد نيو ل کا ضامن ہوگا - یصار ونیوی باتیں یہ ہیں۔

> ۲۱ ، خلوص عمل . ١١) سيتي بات كرنا دىم، بُرائى سے بچاۋ -وس، رزق کی پارسش -

> > جارا محروى مجلائيال يومين.

رو، أشها في نزديجي .

دا، بری بخشش .

رس جنت الماؤي مين واخله رمم، بيندترين ورجات برفائز مونا -اب اكر قول كاسيا كي جاست بوتوسورهُ إِنَّا آنْذَنْنَا فِي كَيْلَة الْعَدْدِ- بهيشه ير عدو . رزق كى بارس جا بوتوسورة قل أغوذ بيت الفسكي بميشديره و لوكول كى بُرِائى سے سلامتی جا ہو تو مهیشہ قل آ عود د بیدت النّا سی - برصا کرو- اگر بستری ، رزق ا وربركت با بوتوتهيشريشيم الله التنجنن التّحييم الميك الحكّ الكيب ين المسكن، حسو ينعُسبة الكوُّلُ وَيُعُسِعُ النَّقِيبِيْرِ- سورةُ واقعه اور سورة نيس برُهو، تم يررزق كى بارش بوكى - اكرجا بوكدانتُ تمتين مبرغم سي سنجات ، تبريكي سے فراخی ، اور و ماں سے رزق و سے جہاں کا وہم و گمان نہ ہو تو ہمیشہ استغفار کمیا کرو۔

اوراكرها بوكه برخوف وورسع مفوظ ربوتويرهو وآعوذ ويتلتات الله الثاما مِنْ غَشْبِهِ وَعِقَامِهِ وَمِنْ شَرَيْعِبَادِةٍ وَمِنْ هَمَذَاتِ الشَّسِيَا طِلْبُنِ آنُ تی در و قدت ما گرمیمعلوم کمزاچا ہو کدکس آسمان کے وروازے کھلتے اور کس وعا قبول ہوتی ہے ، تومو ذن کی آواز بریمه تن گوسش ہو، اور کلماتِ اذان کاجواب دو ۔ صدیث پاک بین به صب بر تکلیف وسختی نازل بر، و دموُ ذن سے کلمات را ذان) کاجواب اكرىسى كليف د د بات سيطاطت جابر تويرُص تَوَكَّلْتُ عَلَى الْحَسِيّ الّذِيْ لاَيْوَتُ آبَدُا وَالْحَسُدُينَهِ وَيَعْ مُنْ مَا يَكُنُ لَهُ

مدیث شرعی میں آ ہے جب میں کسی وج سے پرتیاں ہوا ، جریں علیالسلام مبر سے برتیاں ہوا ، جریں علیالسلام مبر سے بالس آئے اور کھا لے محمّد! دصلی انٹرعلیا کو سم) یہ پڑھو در ذرکور و بادہ بیت) اگر رہے وغم اور معبیبت سے نبحات پانا چا ہو تو پڑھو ، اکر رہے وغم اور معبیبت سے نبحات پانا چا ہو تو پڑھو ، اکٹر نگا تھا ہے گئے تھا ہے گئے تھا ہے ت

بِيدِكَ، مَا حَبِي فَيْ تَحْمُدُكَ عَدُلُ فِي قَصْا وُكَ، اَسُنَالُكَ بِيمُلِ اِسْبِ سَمَّيُتَ بِهِ نَفْسَكَ آوُ اَنْزَلْتَ فَي كِتَامِكَ آوُ النَّالُكَ مِثْلِ اِسْبِ سَمَّيُتَ بِهِ نَفْسَكَ آوُ اَنْزَلْتَ فَي كِتَامِكَ آوُ مَنْ لَكُ اللَّهُ الْعَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْعَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْعَلَى اللَّهُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللْمُلْلِمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّه

مخلوق میں ہے کسی رسکھایا یا لینے ایسس علی خیب میں پوسٹسیڈر کھا منے کہ تو قرآن مجید کو ممیرے وال کی مبدار ،میرسے سیعنے کی روشنی ہیں

غم کی کشائش اور میرے رکن والم کا خاتر کردے '' اور اگر توجا ہے کرافتہ تعالیٰ تیری ۹۹ ایسی بیاریاں ختم کردے اجن میں سب سے مہی مُعیلی بیماری پر دیشانی ہے۔ توبید دُعا بڑھ جوں دیش میں ہے۔ "لا حوال قائد شکو آق اللّا یا ملاہ العقبی العقبیلی ہے۔

یہ مذکور مردشانی کی وواء ہے۔

ادركسي مُعيبت كم ينج براج و توابط مل كرنا جا ب- توبرُه. " وَيَّا اللهُ وَابَّا اللهُ وَاجْوُنَ اللهُ مَّ عِنْد لَكَ الحُتَسَبْتَ مُعِد بَبِي اللهُ وَالْحَالَةُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَعَلَى اللهُ وَاللهُ اللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَعَلَى الله وَاللهُ اللهُ وَاللهُ اللهُ وَاللهُ اللهُ وَاللهُ اللهُ وَاللهُ وَاللّهُ وَ

برجب بنتک بم اللہ کے بیے بیں ، اور بے تنک اُسی کی طرف او منے والے بیں ۔ ان اِسی کی طرف او منے والے بیں ۔ ان اِسی ابنی اُسی بیت میں بیری بارگا ہ سے نیکی کا خوا بین گار ہو سے بیری کا خوا بین گار ہو سے بیری کا خوا بین گار ہو سے سے سر سے بدلے مجھے بہتر عطا فرا بہیں سو ، سر سی مجھے اجر دے اور اُس کے بدلے مجھے بہتر عطا فرا بہیں ، دنٹہ کا فی اور بہترین کا رسانہ ہے۔ ہم نے انٹہ بر بھروسہ کیا ، اور انٹہ ،

ہی پر ہارا بجروسہ ہے "

تمم مقاصد كے حكول ، ادائے قرص ورازالتم كيليے ارتباغ جد

مُستى سے تيرى بناه جائيا ہوں . بُزد لي وكنوسى سے تيرى بنا ه جائيا ہوں ، قرص سے بارا وردوگوں سے و با وُسے تیری پنا ہ چا ہتا ہوں . اكرخشوع وخسوع كى توفيق چا بوتونصنول ديچها جيوڙ د واگر حكت كى توفيق بيا بر توفضول كفتك چوش و و اكرعبا دت كى لذّت چا بو، فصول كها نا چوش د و، روز 🔌 ركه و. رات قيام كروا ورنما زنهجد بيرهو ، أكر رعب وبهيبت جا به تومنسي مذاق چهوار و در که په رغب و دا سختم کر دیتے ہیں - اگر مخبّت کا حسُّو ل بیش نظر ہے -تو دنيا مين فضول رغبت جيوم و و - اكر اينے نفس محصيب كى اصلاح جا ہو . تو لوگو^ل سے عیب کی ٹوہ لگا ناچوڑ دو مرکہ ٹوہ میں سنا اسی طرح نفاق کا ایک شعبہ ہے۔ جيسي حشن ظن ايميان كا- اكرخوف فداچا بو، توذات بارى تعالى كى كيفيات بين ظنى چوڙ و و انسک ونقاق سے بیچے رہو گئے -اگر ہر بڑائی سے بینا چا ہو تو ہرا کی بنطنی ست كمناره كش ربهو . المرغز لت چا به تو تو توكول بريجبروسه كرنا چيول و و ا و را ننربريجر و كرو. اكرول كى موت نهيس جائة توجرروز جاليس باريمهو -" يَاحَتَى يَا تَيْوُمُ لَا إِلْتَ إِلَّا أَنْتَ "

دیدار میطف فی قتے اللہ عکیہ وہم سے لیے

اگرقیامت سے دن ، صرت وندامت کے دن رسول انڈمسی انڈعلیہ کم کی زیارت سے ہمرہ ور ہونا چا ہو، توتین سورتیں کنرت سے پرصو ﴿ إِذَا النَّهُسُّى كُولِتُ اور اِذَا النَّمَا اَءُ اَمُعَظَّمَاتُ اور اِذَا النَّمَاءُ انْشَقَاتُ -

اگرچرس کی نورانیت چا ہو توسمبیشدرات کو تیام کر و زمہجداداکرد) اگر تیامست کی پیایس سے بچنا چا ہو، تونعنی ردز سے ضرور رکھو - اگرعذاب قبرسے بچنا چا ہو، توپیشا ب کی چنیلوں سے بچو ، حرام خوری چو ژو اور شہوتوں کو خیر ما د کہو ،

غنائچا ہوتو تنا حت افتیارکرو۔ اگرت م وگوں میں بہتر ہو، پاہو تو مام ہوگوں کو نفی بیچاؤ۔
اگرسب سے زیادہ عبادت گذار بنا جا ہو، تو صنوصی احد عبد کا ان پر
فران کو حزر جان بنا وُی کون مجے سے بر کلمات ما صل کر کے ان پر عمل کرے گا، یا ان پر
عمل بیرا ہونے والے کوسکھائے گا ؟ ابو ہریرہ رفنی انٹدعنہ نے عرض کیں ، یس یا پر ل انٹر ا
آپ نے میرا ہا تھ بچڑ کر باہی باتوں کا شما رکیا ۔ فرما یا ، خرام باتوں سے بیری ، سب پڑے
عبادت گذار ہوجا و کے ' النٹر نے جہمیں عطافر یا یا اسی بر راعنی رہو، سب سے بڑے
غنی ہوجا و کے ۔ ' النٹر نے جہمس ہو گے ۔ زیا دوم مت ہنسو، کر زیادہ تہی ول کو
کرو، جو لینے سے بیند کرتے ہومسلم ہو گے ۔ زیا دوم مت ہنسو، کرزیادہ تہی ول کو

نصائح ولطاتف

۔ اگر مُخلص نبیج کا رول میں سے ہونا چا ہو، توانٹد کی عبا دت الس طرح کرد، یصنے السے دیکھتے تو وہ تمہیں کرد، یصنے السے دیکھ رہے ہو۔ بھراگرتم اسے نہیں دیکھتے تو وہ تمہیں دیکھتے ہو۔ بھراگرتم اسے نہیں دیکھتے تو وہ تمہیں دیکھتا ہی ہے ؛

٢ - اكركا بل ايمان چا بوتواينا اخلاق مبتركرو -

م - چا ہوکدانڈ تم سے محبت کرے ، تولینے مسلمان بھائیوں کی حاجیں بوری کر و - صدیث تربیب بیس یا ہے ، جب انڈکسی بندے سے محبت کرتا ہے ، توجید وی جاتی ہیں - محبت کرتا ہے ، توگوں کی حاجیں اس کی طرف بھیروی جاتی ہیں - محبت کرتا ہے ، توجیکوانڈ نے کو پر سے ہونا چا ہے ، توجیکوانڈ نے کی پر فرطن کیا اسے اداکر - فرطن کیا اسے اداکر -

ه - اگرگنا بول سے صاف بوکر انڈسے منا چا ہماہے ، خسل جنا بت کر۔

4 - غیل جد لازمی کر ، تیامت سے ون انڈ کے صفور گنا ہوں سے پاک عماف مرکزما صفر برگا ،

، ، اگر تیامت کے دن رہنما ، وشنی میں اُٹھنا چا ہے ، اور اندھیروں سے بینا عاہے ، توانٹدی کسی مخلوق برطلم نیکر۔

٨. أكر الني كن وكم كرنا جا ب المبيشة توبه واستغفار كرما ره -

و. اكرتمام وكول مع برُه كرطافت وربونا چا سى، الله بريمبروسه كر-

١٠ . اكرچا كا دندتيرك عيبول بربرده دا ك، تو توكول كي عيبول بر

پردہ ڈال، بنتسک المتدتعالیٰ بڑاستر دوسش ہے - اور اپنے ستر دوسش

بندوں کولیندفرانا ہے۔

، ، اگرابنی خطائیں مٹانا جا ہے۔ تو کنڑت سے استغفار وخشوع وخصوع مرا ور تنائیوں میں نیکیاں کیا -

۱۰ - اگر بڑی تیکیاں حاصل کرنا جا ہے تو اتھا اخلاق ، تواضع وانکساری اور مصیبہت برحصوم سنگ کا نبوت دے -

۱۱۱- اگر بڑی برائیوں سے بینی چا ہے ، تو بَدا ضلا تی ا ورسجنل دکنجوسی بھوڑتے ۔ ۱۱۱- اگر انڈرکا خصنب کھندٹر اکرنا ہا ہے تو بحیث کر معد قد کرا ور رشتہ داروں کا پاکس کرد

۱۵۔ اگرما ہے کہ ادلتہ تیرا قرض آنار دسے ، تو وہ دُعا پڑھ اج نبی صلی اللہ علیہ میں اللہ علیہ کے اس اعرانی کوسکھائی ، جس نے آب سے قرض کی تسکایت کی بہی صلی اللہ کا کہ میں اللہ کا کہ بہی صلی اللہ کا کہ بہی صلی اللہ علیہ کو میں اللہ علیہ کو میں اللہ علیہ کو میں اللہ علیہ کو میں ہو، اللہ اور افرائے گا۔ پڑھ و

ٱللَّهُمَّ اِلْفَيْنِ بِعَلايِكَ عَنْ حَدَامِكَ وَٱغَيْثِي بَعِلَايِكَ

عَتَّنُ سِوَاكَ "

اسے انٹر ا اپنے ملال کے ذریع ا پنے حرام سے مجے بچا ، اور اپنے نفس سے غیروں کی احتیاج سے محفوظ فرا ،

مدیث پاکسیں آیا ہے ، اگرتم میں سے کسی پرمپاڑ کے برابرسونا قرض ہوا وہ یہ دعا مانگے ، انٹر تعالیٰ اوا فرمائے گا۔ دُکھا یہ ہے۔

﴿ اَللَّهُمْ فَارِجَ الْعَيْمَ ، كَاشِفَ الْغَيْمَ ، بِحُيلُبَ دَعُوَةِ الْمُضْطَرِّينَ رَجُمُنَ الْعُلْمَ الْكُنْرَةِ وَتَحِيْهُمُ الْمُسْتَالُكَ آنُ تَدُحَمَنِي تَحُمَّدُ تُعُينِينِ اللّهُ مَن وَالْحَصَرَى وَتَحِيْهُمُ السَّتَالُكَ آنُ تَدُحَمَنِي تَحْمَدُ تُعُينِينِ بِهِ اعْمَدُ شَيْوَاكَ *

اے افتہ اِن والم کو دُور فرائے والے ابد بسوں مجبوروں کی دُعا سُنے

والے، دنیا واخرت کے رحمٰ درجم اِمیرانکی سے سوال ہے کہ مجریراسی

رحمت فراجس کے ذریعے مجھے غیروں سے بے پرواہ کر دسے یا

اگر ہلاکت سے بچنا چاہے توج بچے حدیث میں ہے اسے لازمی طور پر اپنا، کہ

جب کی بجنور میں بھرجا وُتو پڑھو۔ یہ نہیں اللّٰہ السّائے المنّ السّاج یہ و لاَتحوٰ لَ وَلَا قُولَةً وَاللّٰهِ السّائے اللّٰہِ السّائے اللّٰہِ السّائے اللّٰہِ السّائے اللّٰہِ السّائے اللّٰہِ السّائے کی اسے کی جائے کی ہے و کور فرائے گا۔

اللّٰ یا مللہ الْ مَا اَلٰہُ اللّٰہِ اللّٰہِ اللّٰہِ اللّٰہِ السّائے ہے۔ بعنی ہلاکت ،

کا لفظ وا و کے فتی رزیر، اور را ایسے کے کون کے ساتی ہے۔ بعنی ہلاکت ،

كسى قوم كے تشریعے سے ات کے لیے دُعا

اكركسى قوم كے نشرے و ف ہو تواكس سے بچا و كے يا و و دُعا پر صوب و مُدَّا میں ہے - آملہ م آنا نج محد كے فئ تحور ميم و تعد و دُعا في من شرو و يوسم اور اس مقد كے يا ہے يہ وُعا بحق ہے - آملہ م آولفنا هُم يِسًا شِفْتَ إِنَّكَ عَسلیٰ اس مقد كے يا ہے يہ وُعا بحق ہے - آملہ م آولفنا هُم يِسًا شِفْتَ إِنَّكَ عَسلیٰ اس شَدَی تھ يور -

حکوان کے ڈرسے مجات کے لیے

خطرناک حکران کی دست درازی سے بچاؤکے لیے

اكدروايت ميں يہ ہے۔ كامقينت ألفكو بي تيت فكو بنا على دينيك -كامقينت الفكو بي تيت فكو بنا على دينيك -ك وندميرول ليف دين برجا وے الے ولوں كے بھيرنے والے اسمار

ولوں کو ایت دین برجادے "

عالمم کے پاکسس جاتے وقت کی وجس

جوادی ماکم کے پاکس جانے اور اس کے تشریعے ور سے اس کے لیے یہ دُعا مُجُرّب ہے - آلَّذِيْنَ آمَنُوا وَعَلَىٰ رَبِّهِمُ يَتُوكُلُونَ ، الَّذِيْنَ كَالَ لَهُمُ النَّاسُ إِنَّ النَّاسَ تَدَجَسَعُو الكُّمُ فَأَخَشُوهُمْ فَسَوْادَهُمُ ايْمَاناً وَ قَالُوْا حَسُبُ نَااللَّهُ وَنِعْمَ الْوَكِيبُ لُ . فَانْفَلَبُوْ! ينيعُت بِهِ مِنَ اللهِ وَنَصْلِ لَهُ يَسْسَسُهُمْ سُنُوعٌ وَ البَعْدُوا رِينْ وَاللَّهُ وَاللَّهُ ذُو فَنْسَلِ عَظِيمٍ " جوایمان لائے اور اپنے رہ پر ہی بھروسر کھیں ، ووجن سے لوگوں كهاكدب تنك بوك وتمن المهارے يا جمع بوج ي توان ا ڈرو،سوالس بات نے ان کے ایمان برتعائے اور وہ بولے ، بمیں التُدكا في ہے اورمهترین كارساز-سووہ التُذكى طرف سے تعمت ا در ففنل سے كر يلط . انسيل كوئى برائى زيمنجى ، اور انمول نے الله كى رمنا کی سروی کی اورانٹر بڑے فضل والا ہے ! اكرمبكت بجلائى اوررزق جاسے توسورہ آكم مَشْرَخ لَكَ صَدُدُ لَكَ اورسور كا فسعدون يبميشر لمرحمًا ره -

> اور اگر لوگوں سے پر دہ پوشی چا ہے تو ور دکرتا رہ -"آنٹھ آ اسٹ ٹُونی بِست شُوك انجیٹ لِ الّبَدِیُ سَنَدُتُ بید نفست نف قد کھ نین تقرال " بید نفست نف قد کھ نین تقرال " اللی اِمیری پر دو پوشی فرما ، اپنی وہ نوبسُورت بیدد پوشی اج تو نے

اينى فرما ئى كەكونى آنى كىلىمىنىن دىكىنى ؛

اكرمبوك بالس سيبيا جامية توممينه يديلف فُدَيْشٍ إيْدَ وَهِمْ . بدرى

سورت بڑھا کر اس کا بار ہا ہے بہ کیا گیا ہے اور صحیح کلا ہے ۔

ترتبجارت درمال کاخوت رہا ہے توسور وُ الشعبرُ ء تکوکر اپنے متا مہی ر اگر تبجارت درمال کاخوت رہا ہے توسور وُ الشعبرُ ء تکوکر اپنے متا مہی ا

پرشکادے، کاروبارسی برکت ہوگی۔

الدمیری نے امام شا ذلی کی جوعبا رشانقل کی و دختم ہُوئی ، اور الاست بید دنیا س خرت کی مجلائی کی جامع ہے -

عرض مترجم __ أظها رُسَتُ تر

یسسی الله التی التی التی التی التی التی الدارین درود وسلام کے موضوع برعلام یوسف بهانی کی تاب سعادة الدارین فی العدادة علی سبید الکونین شمبت جامع ، مبت مفعل اور مبت حین وجیل تن فی العدادة علی سبید الکونین شمبت جامع ، مبت مفعل اور مبت حین وجیل تن ب اس موصوع براس سے جامع کوئی تن بکسی زبان میں نہیں تکھی گئی ۔ است ذمحترم مولان انوار الاسلام رینوی دام ، قبالذ کے فران پر ، خدا ورسول کی رضا مات ذمحترم مولان انوار الاسلام کے فائدے کے یا اس کا اور و ترجم مین کی خاطرا و ریوا م وخواص ابل اسلام کے فائدے کے یا اس کا اور و ترجم مین کی خاطرا و ریوا م وخواص ابل اسلام کے فائدے کے یا اس کا اور و ترجم مین کی خاطرا و ریوا میں ہے جد وسعی کی گئی ہے کدا صل کت کے کوئی نفظ بر ترجم نہ رہ جائے ترجم میں ہوئی خونی و تحقیل ، تو یہ اللہ کا فیسل مرور کا نات صلی ادفہ نعیہ و سرا مل علم اگر ترجم میں کوئی خونی و تحقیل ، تو یہ اللہ کا فیسل مرور کا نات صلی ادفہ نعیہ وسلم کی بے پایاں نظر کرم اور مؤلف کت کی علمیت اور مونوع کا کے تقد سی جوں اور کوئی تع محسول فرائیں تومہ جم کی بر کی وری یا سوق اور مونوع کا کے تقد سی جوں اور کوئی تع محسول فرائیں تومہ جم کی تو ری یا سوق اور مونوع کا کے تقد سی جوں اور کوئی تع محسول فرائیں تومہ جم کی تو ری یا سوق

خطا پرمحول فراکراگا ہ فرقائیں ۔ قارئین کوام سے درخواست ہے کرکتاب کے مؤلفت امترج و ناخران کے والدین واسا آنہ ہ تلامذہ و متعلقین کے یہے یا بخصوص اورتمام اہل امیان و عبت کی ڈنیوی و انخروی کا میان و کا مرا نی ، می م و منطوم انسانوں کی آزادی خوشی لی ہسسمانوں کے آسی ، و آنغا تی ، خدائی تربین پر فیر کے تن نوگ و خطا ہے مشیطت ، خوشی لی ہسسمانوں کے آسی ، و آنغا تی ، خدائی تربین پر فیر کے تن نوگ و خطا ہم می بیداری ، دین کے نفا ذ اور الس کے یہے عکما کو فقر اُ ، عوام و خواص کے احسالس کی بیداری ، دین کے امام پر دنیا کی نے والوں کے احسالس ذمر دازی و ندگا ترسی ، ذاتیا تی وطبقاتی منفا وات کے ولد ل سے نکلنے ، گراہ اور عیال ش فعالم حکم انوں کے دین کی طرف رجوع اور آقامت دین کی مخلصا ندسی وجب کرنے کی دُعا فرائیں ، بالخصوص علماً ہمشائنے اور سیاستدانوں کو دین پرعمل کرنے کی توفیق مرحمت ہو۔ دینی درسکا ہوں کے طلباً و مکرین کا استحصال بند ہو۔ پری درسکا ہوں کے طلباً و مکرین کا استحصال بند ہو۔ دین دراکس دخانا ہم ختم ہوں ،

جواہل اسلام وُنیا سے خصت ہوگئے ، اللّہ دُنا کا ان کی نیجیاں قبول فرائے۔
موسی علی الفرنسین میں مان فرمائے ، ور ان پررہم وکرم فرمائے ، جوزندہ ہیں ان کو
جہانی و رُومانی ہیا ریوں سے محنوظ فرمائے ۔ حادثات سے مامون فرمائے اور جندروزہ
زندگی میں نیک اعمال کی توفیق اور خاتمہ ایمان مین عقیب وحقہ اہل سنت پر فرمائے ، غلامو

كوآ زادى ، جا ميول كوعلم اوربكارول كوتقوى نصيب بو-

آمين يا رَبِّ العالمين بجاه حبيب ونبيسك محسد خاتع المنابين بعليه وعلى آله وصحبه وأمنه اكمل الصلوة السلم النبيبين بعليه وعلى آله وصحبه وأمنه اكمل الصلوة السلم ما المرجادي الاقل المسلم ما وسمير

ودور بروزشكل -

<u>توٹ</u>

ت سيسا وت الدارين محاخ مين مؤلف مرح م في منتف شعرا مح كونفتيه

قسائدا وراس سے بعد السابقات الجی فی مد سیدالعبات المح بنی بنی بند العبات الحی فی مد سیدالعبات الحی فی منامت ب اور براه راست موضوع می ارتب می بین بین برای با می منی بین برای با می بین که کت ب جدا و جدا از جد شا نع و و شا ان قسائد کا ترجم شامل کتاب باریک ما شب بر ۱۹۱۰ صفی ت بر بیب ان قسائد کا ترجم شامل کتاب باریک ما شب بر ۱۹۱۰ صفی ت بر بیب بوشکا ، صل کتاب باریک ما شب بر ۱۹۱۰ صفی ت بر بیب بوشکا ، صل کتاب باریک ما شب بر ۱۹۱۰ صفی ت بر بیب بوشکا ، صل کتاب باریک ما شب بر ۱۹۱۰ صفی ت بر بیب بو فی بر بر که کرم کی ضفا مت عربی کتاب بو فی بر بر که کرم کی ضفا مت عربی کتاب سامی با کتاب با را با ب سامی با کتاب با می با کتاب با می با کتاب با می با در با ب ب سامی با کتاب با می با کتاب با کتاب با می با کتاب با می با کتاب با می با کتاب با کتاب

عبرالقيوم خان ابن سعب دانتُرنا ن يوخيا مولدا لا بور، مسكناً مانسبهرنزاد بوخيا محاسان ، موطنًا منسك المثرنزاد بلدًا بالمستنان ، موطنًا منسكل دا وجمبراند-

عقيد ابل سنست كي مبلى وغير في طبقات مين تعربیت کی و است فظ کرلینا یا ہے کہ ترحمه برجان يبجيج إا مترتعالي مجح ا ورآب كو مداست تعيسب فرمائ كدافتُدتعالي ابنی حکومت میں ایک ہے تمام کائنات کوبیدا کرنے والاہے کائنات بالا ولبیت کو عرش ، کرسی ، آسمان و زمین ا ورجوان میں اور ان کے میان ہے۔سبمخلوق الس کی قدرت سے آ کے بے بس ہے۔ ذرہ مجی اس کی اجازت سے بغیر حرکت نہیں کرسکتا ۔ مخلوق میں اس سے ساتھ تدبیر كرنے والانهيں چكومت ميں كوئى اكس كاسا جى سي بيميشد زندہ، قائم ر ہننے والا ہے۔ نہ السے اُونگھ آئے نہ نیند، غیب وشہا وت کو جاننے والا.زمين وأسمال ميں كوئى شيے الس بريوشيده منبيں جو يوشيكى وتر سیں ہے اس کے علم میں ہے جو بیٹا بھی گرتا ہے اس سے علم میں ہے۔ زمین داسمان کی اندهیریوں میں کوئی دانہ ہو، کوئی خشک وتر ہوہسب اوح محفوظ میں تھا ہے۔ ہر شے اس کے اصاطب علمی بیں ہے۔ ہرتھے اس نے شمار کر رکھی ہے۔ جوچا ہے کرگزرے ہرجا ہے پرقا دراسی كا ب ملك وغنا، اسى كى عِزتت ولقاء، اسى كى حدوثناء تمام إلى نام اُسی سے ، اس سے فیصلے ٹل نہسکیں ۔ اس کی عطا کوئی روک نہ سکے۔ ابنی ی محدمت میں جو چا ہے کر ہے ۔ اپنی حکومت میں جو چا ہے حکم دے۔ ز اسے تواب کی اُمبید نه عذا کل خوف . نه اُلس پرکسی کاحق نه حکم -اس کی ہرنعمت فضل اور اس کی ہرمزاعدل ہے۔ جو کرے اس سے يوجها منهي جاسكت ١٠ در مخلوق جوكر اس الصي وكيها جائے كا .

مخلوق سے بہطے موجود ، ندائس کی بتدا ندائتہا۔ نداؤید ندیجے نددایاں نہ بایاں ، ندا کا ندیجی ، ندگل ند بعض ندکھا سے کب سے ب ندید کرک ال ہے ۔ ندید کدکسیا ، وجود کو وجود بخشے والا ، ورزمانے کو گردش دینے والا ہیں ۔ ندزمان میں تقیید ندم کا ان سے فتص ، ندوجم کی اسن کے رسان ، ندفتان میں محدُ و دہو سے نفس میں ، س کی شال آئے ۔ نہ مندوج میں اسس کا تصور آئے نے عقل میں شکھینٹ ہو سے ، او مام وافعات سوچ میں اسس کا تصور آئے نے عقل میں شکھینٹ ہو سے ، او مام وافعات والا ہے ، او الا بات فوالا بات والا ہے ، او الا بات فوالا ہے فوالا بات فوالا بات فوالا ہے فوالا بات فوالا ہے فوالا بات فوالا ہے فوالا بات فوالا ہے فوالا ہا نے والا ہے فوالا ہے فوالا ہے فوالا ہے فوالا ہا نے فوالا ہے فوالا ہا نے فوالا ہا نے فوالا ہا نے فوالا ہے فوالا ہا نے فوالا ہا نہ نے فوالا ہا نہ کا نے فوالا ہا نہ کا نے فوالا ہا نے فو

منبيهمبرا

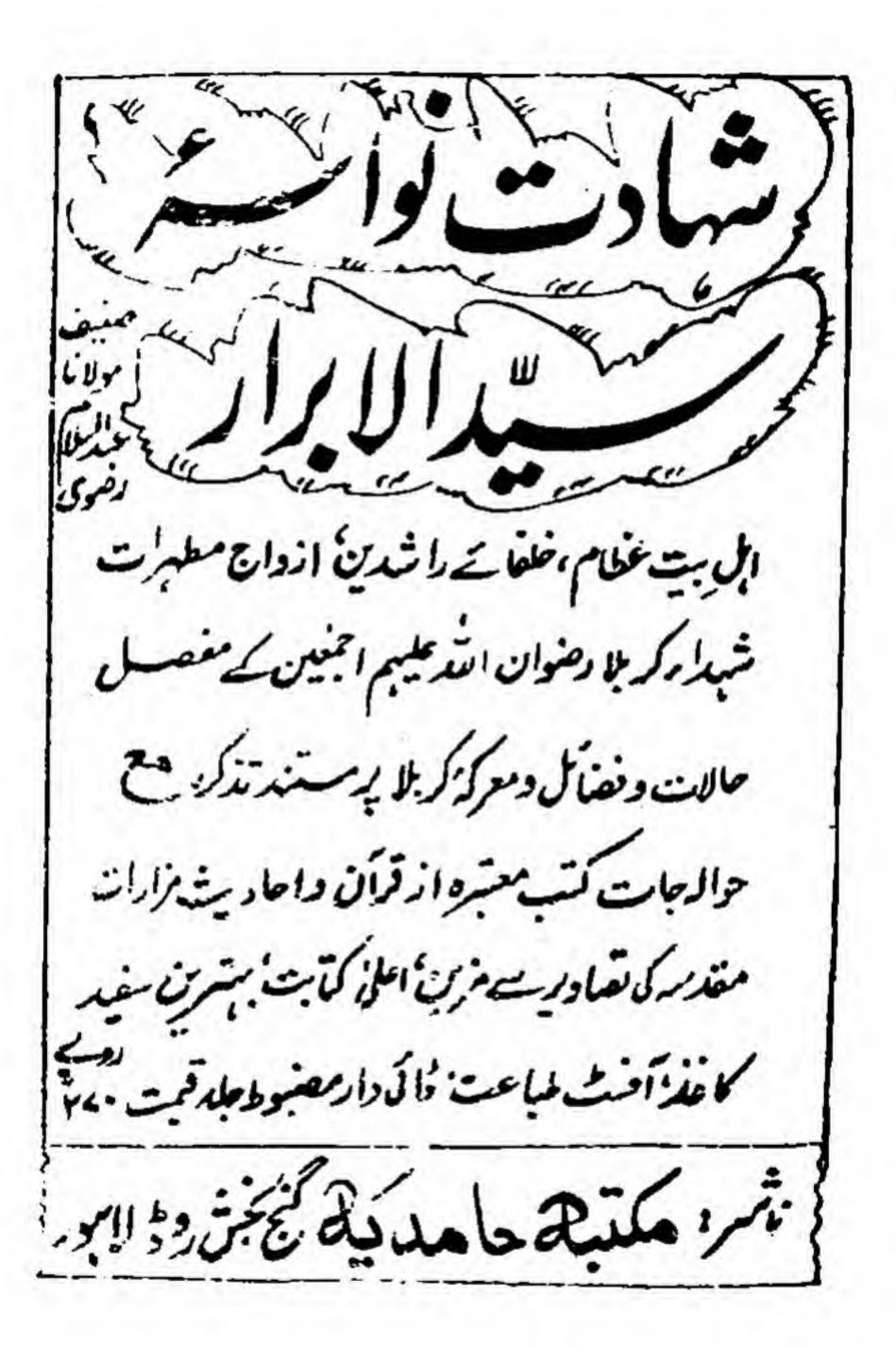
میں نے اپنی کتاب جمعة الله علی العالمین "مے ظبر میں کہا ہے کہ جب میں کسی من کے حالد ند ووں تو وہ میری کتاب اورمیری تحریر کا ہی جست سمحا جائے۔

"رابين قاطعه كرد مي تهي طافه والى مرتل اور ميثال كمآث

الواربياطعه

مصنفه ____مصنفه من معنفه من معنفه من معنفه معنف

مكوم مرسم المنج بخشروط مكوم مرسم المنج بخشر وط مرسم المناه بالمام المناه المناه



وبوندى ندسن

(تعنیدن، مناظراسلام مولانا غلام برطی نساحب بیشتران فرلین) (جس بین دلوبندلوں کے مجمع ندوخال ، فقا مدواعمال کے

واخلاق " بنود اور الريس كفير ونخواه دار

بحدث كالأره ان كامستندكنب محدوالهات

سے کیا گیا ہے ، قاری حفرات کو مشکو کو جنہات

كے دلدلسے نكال كرم افرستقيم به كام ن كرق

ميت معنوط وال واروبد ، مغيد لا غذا طباعت

أفرق براماز، قيمت . ١٠١٦ ، وب

مكنيل حامدين كنح بخن سؤلات

مكتبة كالمكايد كناج فترود لاهي

فراسوق وے تومندر جرورال تب كامطالع قرائب

| ٠٠٠٠ روپ | بهانی | عيل | ناريا | سف | : مام لو | بأأذل | ے اور | مزمار | Per le |
|-----------------|---------------|-------|-------|--------|----------|----------|--------|-------|--------|
| ٠٠٠ روپنه | * | , | " | | | (*): | , | , | " |
| ١٥٠ روپ | | | | 4 | | ال | | | |
| ٠٠ ميا روسي | 1 | " | 4 | | ė. | פפים | | | |
| ۲-11, 10. | | | | 4 | | وم | | | |
| بد ۲۵۰ روپ | " | | | | | علنراول | | | |
| ٠٠سم ردوبي | | 4 | 4 | " | " | بلددوم | | | |
| ۱۰ زویے | ÷ | | | | | 1 | | | |
| والعزيز ١٠٥ روي | رلوىتنكام | ددضاء | امام | عزت | | مبداةل | | 100 | |
| ر، ۱۰۵ ارسی | , | | | | " | 733 | . ,, | | 4 |
| مهرید | ںماحب | رمنو | سنام | عيدالا | موثنا | | پانام | رخداد | عنم |
| ٩٠ ردوي | ں صاحب | | | 100 | | | 2 | | |
| ٠٠,روبي | | | | | | ي المشية | | | |
| دی. ۱۱ رد بے | الدين مرادآيا | | | | | | رشرا | | |
| ۲۰ اردو کے | | | | | بر: كمي | - | ور | | . (|
| ۲۰ روب | | | | | الأمداح | | الحنوا | | - 1 |
| + | | | | | | | | | 1 |

